भारतीय कहावत संग्रह
(Proverbs of India)

संपादक

विश्वनाथ दिनकर नरवणे

त्रिवेणी-संगम-भाषा विभाग

भारतीय कहावत संग्रह

(Proverbs of India)

संपादक
विश्वनाथ दिनकर नरवणे

प्रथम खंड

त्रिवेणी संगम—भाषा विभाग

विशाल भारत की
विराट जनता
की
सेवा में
सादर समर्पित.

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना–कहावतों की दुनिया में–भूमिका–अभियान

१ अंधों में काना राजा। १
२ अधजल गगरी छलकत जाय। ८
३ अधिक लाड़ प्यार से आदमी बिगड़ता है। १४
४ अनधिकार चेष्टा। १८
५ अपना छोड़ दूसरे की अभिलाषा। २४
६ अपना दोष समझ में नहीं आता, दूसरों का दिखाई देता है। ३१
७ अपना पूत पराया टटींगर। ३९
८ अपना हाथ जगन्नाथ। ४७
९ अपनी गली में कुत्ता शेर। ५३
१० अपनी नाक काटकर दूसरे को अपशकुन। ५८
११ अवसर निकल जानेपर कोई काम करना व्यर्थ है। ६१
१२ अशर्फियाँ लुटें और कोयलों पर मुहर। ६९
१३ आँखों का अंधा, नाम नयनसुख। ७६
१४ आँखों पे पलकों का बोज नहीं होता। ८६
१५ आप मरे, जग परलो। ८८
१६ आप हारे, बहू को मारे। ९०
१७ आम फले नेओ चले, अरंड फले इतराए। (अच्छे नम्र ओछे उद्दंड।) ९५
१८ आय के अनुसार खर्च। १०२
१९ इधर के रहे न उधर के। १०५
२० उँगली दी, तो पहोंचा पकड़ा। १०९
२१ उखली में सिर दिया तो मूसलों का डर क्या? ११५
२२/अ उधिआइल सतुआ पितरन के दान। ११९
२२/आ झूठा समाधान। १२४
२३ उभय संकट। (एक संकट से दूसरे संकट में।) १२७
२४ उभय संकट। (दोनों तरफ संकट) १३२
२५ उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे। १४२
२६ उल्टा न्याय। १४५
२७ ऊँट के मुँह में जीरा। १६४
२८ एक अनार सौ बीमार। १६७
२९ एक आवे के बरतन। १७१
३० एक करे, सजा दूसरे को। १७५
३१ एक तो करेला, दूसरे नीम चढ़ा। १८४
३२ एक पंथ दो काज। १९६
३३ एक हाथ से ताली नहीं बजती। २००
३४ एकादशी के घर शिवरात्रि। २०२
३५ ऐन मौके पर धोखा। २०६
३६ कभी नाव गाड़ी पर, कभी गाड़ी नाव पर। २१०
३७ कष्ट कोई करे, लाभ किसी और को। २१६
३८ कहाँ राजा भोज, कहाँ कंगला तेली। २२८
३९ कहे खेत की, सुने खलिहान की। २३४
४० काम को पीछे, खाने को आगे। २३८
४१ काम थोड़ा, आडम्बर बहुत। २४७
४२ किसी का घर जले, कोई तापे। २५१
४३ कुम्हार के घर बासन का काल। २५६
४४ कैसी यह जोड़ी! (समेल) २६१
४५ कैसी यह जोड़ी! (बेमेल) २७३
४६ कृतघ्न। २७८
४७ गधों से हल चले तो बैल कौन बिसाए? २८७
४८ ग़रज़ ख़त्म, हक़ीम जहान्नुम में। २९२

४९ गरजते हैं, वो बरसते नहीं। २९९
५० गाँव का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध ३०२
५१ गाछ में कटहल, होठों में तेल। ३०७
५२ गाड़ी देख कर लाड़ी के पाँव फूले। ३१६
५३ गुड़ दिये मरे तो ज़हर क्यों दीजे ? ३१९
५४ घटना कहाँ, परिणाम कहाँ। ३२३
५५ चमारों के कोसे ढोर नहीं मरते। ३२८
५६ चिकने घड़े पर पानी। ३३१
५७ चोर का भाई गठरी चोर। ३३५
५८ चोर का मन बुक्चे में। ३३९
५९ चोर को चोर पहचाने। ३४२
६० चोरी का गुड़ मीठा। ३४५
६१ छोटा मुँह, बड़ी बात। ३४९
६२ जन्मजात स्वभाव नहीं बदलता। ३५३
६३ जात के दुश्मन जात। ३७७
६४ जिस का काम उसी को साजे। ३८१
६५ जिस का खाइये, उस का गाइये। ३८८
६६ जिस के सिर पर पड़ती है, वही जानता है। ३९२
६७ जीते न पूछे, मुए धड़धड़ पीटे। ३९९
६८ जैसा देवता, वैसी पूजा। ४०३
६९ जईसन माई, ओइसन जाई। ४११
७० झूठा आडम्बर ! (vain show) ४१६
७१ टके की बुढ़िया, नौ टका सिर मुँड़ाई। ४६९
७२ तेली का तेल जले, मशालची का दिल जले। ४७७
७३ दुःख कहाँ, इलाज कहा। ४८०
७४ दूध का जला छाछ फूँक फूँक कर पीता है। ४८३
७५ दूर के ढोल सुहावने। ४८८
७६ दूसरों की सामग्री पर मौज उड़ाना। ४९१
७७ नयेपन में उपहासात्मक काम। ५०१
७८ नाच न जाने, आँगन टेढ़ा। ५०७
७९ नाम बड़े, दर्शन खोटे। ५११
८० पहले पेट, बाद में सब कुछ। ५१७
८१ पास कुछ हो, तो लोग आएंगे। ५२२
८२ बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ? ५३१
८३ बगल में बच्चा, गाँव में ढंढोरा। ५४२
८४ बड़ी मेहनत, थोड़ा लाभ। ५४६
८५ बड़ों की वृथा नकल। ५५०
८६ बड़ों के झगड़े मे छोटों का विनाश। ५५६
८७ बिल्ली ! और दूध की रखवाली। ५५९
८८ बेकार की बेतुकी बातें। ५६४
८९ भगवान जिसे बचाए, उसे कौन मार सके ? ५६९
९० महान लोग अपने पथ पर चलते रहते हैं। ५७३
९१ मान न मान, मैं तेरा मेहमान। ५७६
९२ मियाँ की दौड़ मस्जिद तक। ५८२
९३ मुख में राम, बगल में छुरी। ५८८
९४ मुख्य वस्तु से अन्य बातें अधिक। ५९६
९५ वक्त पड़े बाँका, तो गधे को कहे काका। ६०२
९६ विनाशकाले विपरीत बुद्धिः ६०६
परिशिष्ट / सूची ६११

संदर्भ-ग्रन्थों की सूची हम द्वितीय खंड के अन्त में दे रहे हैं।

■

आधारस्तंभ

भारत के विविध प्रदेशों से कहावतो का संकलन, चयन, तथा उनके हिन्दी और अंग्रेजी में अनुवाद की बात सहज, सरल और सहल तो थी ही नहीं। इस भगीरथ प्रयत्न को निबाहने में, इस गोवर्धन पर्वत को उठाने में जिनके पावन हाथ लगे हैं, उन मेरे सहयोगियों का निर्देश मैं अनिवार्य समझता हूँ। वे सब प्रसिद्धिपराङ्मुख हैं, फिर भी उनके प्रति मेरी जो श्रद्धा है, उसे प्रदर्शित किए बिना मुझसे रहा नहीं जाता। अतः उन महानुभावों के नाम क्रमशः दे रहा हूँ।

पंजाबी – डॉ. सोहिंदरसिंग बेदी, दिल्ली.
उर्दू – अॅडव्होकेट विनायक महाराज, पुणे.
सिंधी – डॉ. एम्. के. जैतली, दिल्ली.
काश्मीरी – डॉ. प्राणनाथ त्रिसल, श्रीनगर.
मराठी – डॉ. एस. एम्. परळीकर, पुणे.
प्रा. सौ. वीणा ज. देव, पुणे.
गुजराती – प्रा. डी. एन्. पंडित, सुरेंद्रनगर.
प्रा. भूदेव पंडया, महुवा.
बांग्ला – श्री. एस्. बी. जोशी, एम्. ए.
नैशनल लायब्ररी, कलकत्ता.
श्री. दिनेश आचार्य, एम्. ए.
नैशनल लायब्ररी, कलकत्ता.
असमीया – श्री. चित्र महंत, गौहाटी.
ओड़िआ – डॉ. निळकंठ रथ, पुणे.
प्रा. शंकरलाल पुरोहित, कटक.
तेलुगु – डॉ. सी. सुब्रह्मण्य शास्त्री, आंध्र विश्व विद्यालय
डॉ. के. राजशेषगिरी राव, आंध्र विश्व विद्यालय
प्रा. एस्. भास्कर राममूर्ती, विशाखापट्टणम्.
तमिळ – डॉ. एन्. सुन्दरम्, मद्रास.
मलयाळम् – प्रा. आर. के. राव, एर्नाकुलम्.
कन्नड – प्रा. एम्. के. भारतीरमणाचार्य, बंगलोर.
प्रा. एच. जी. सूर्यनारायण राव, म्हैसूर.
संस्कृत – डॉ. सुरेश लढ्ढू, पुणे.
प्रा. डॉ. सिन्धू भिंगारकर, पुणे.

ऋणनिर्देश

* भारतीय व्यवहार कोश के प्रकाशन के बाद १९६४ में जब हमने भारतीय कहावत संग्रह के संकलन का श्रीगणेश किया, तब हमारे सामने आर्थिक कठिनाइयों के पहाड़ खड़े थे। परंतु हमारे परम हितैषी श्री. अरविंद मफतलाल ने आवश्यकतानुसार हमें अर्थसहाय देकर हमारी चेतना और गति को अक्षुण्ण रखा, इस लिए हम उनके आभारी हैं, ऋणि हैं। दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने भी इस सेतुबंध में अपने सिकता-कण डाले हैं। उनको हमने आदर के साथ स्वीकार किया है।
* कहावत संग्रह की सामग्री जुटाने के लिए हम लगातार दस वर्ष तक भारत के सभी आँचलों में भ्रमण करते रहे। हमारी यह यात्रा रेल मंत्रालय की सक्रिय सहानुभूतिसे सुकर और सुखद हुई। उन्होंने हमारे लिए विनामूल्य यात्रा की सुविधा प्राप्त करा दी और इस राष्ट्रीय प्रकाशन में अपना उत्तर दायित्व निभाया। भाषा–भगिनिओं के इस सम्मिलन पर उन्होंने जो आस्था दिखाई उस के लिए हमें उनपर गर्व है।
* ग्रंथ का मुद्रण प्रारंभ हुआ और महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृति मंडलने इस बहुभाषिक यज्ञ में अपनी समिधाएँ समर्पित कीं और इस अग्नि को प्रज्वलित रखा। मंडल के अध्यक्ष श्री. लक्ष्मण-शास्त्री जोशी तथा सभी सभासदों को हम हार्दिक धन्यवाद देते हैं।
* कलकत्ते का राष्ट्रीय ग्रंथालय, पुणे विद्यापीठ ग्रंथालय तथा स्थान स्थान पर जिन छोटे मोटे ग्रंथालयोंने हमे संदर्भ-ग्रंथ उपलब्ध करा दिए उन सबके हम परम आभारी हैं।
* सोलह भाषाओं के इस ग्रंथ के मुद्रण का उत्तरदायित्व अपने सिरपर लेना और उसे निभाना यह कोई मामूली बात नहीं हैं। पुणे के कल्पना मुद्रणालयने यह बीड़ा उठाया और आज प्रथम खंड का मुद्रण सुचारू रूपसे पूरा भी किया है। उनको बधाई देते हुए आगे चलकर उनसे अधिक सहयोग की हम आशा करते हैं।
* जयंत वैद्यने प्रारंभिक मुद्रितों का परिशीलन कर के हमारा बोझ काफी हल्का किया इस लिए हम उनसे उपकृत हैं।
* कलात्मक मलपृष्ठ, अंतपृष्ठ बनाकर ग्रंथ की सुंदरता में चार चाँद लगानेवाले चित्रकार श्री. दिलीप शिवलकर को हम धन्यवाद देते हैं।
* जिन्होंने भारतीय कहावत संग्रह के तीनों खंडों का मूल्य अग्रिम भेजकर त्रिवेणी संगम के प्रति प्रेम और विश्वास प्रकट किया, उनके सामने हम हमेशा नतमस्तक रहेंगे। उन्हीं सज्जनोंने तो हमे बल दिया और हमारे हौसले बढ़ाए।
* अनगिनत लोगों के प्रेम, सहानुभूति और आशीर्वादोंने हमें शक्ति और प्रेरणा दी है। उन सब के लिए हमारे मन में जो अटूट श्रद्धा है, उस की अभिव्यक्ति के लिए कोशकार होते हुए भी हमारे पास शब्द नहीं हैं। प्रार्थना एक ही है कि लक्ष लक्ष लोगों का प्रेम और समर्थन हमें प्राप्त हो, ताकि हम नित्य नये आविष्कार के साथ आप की सेवा में उपस्थित हो सकें।

—विश्वनाथ नरवणे

ध्वनि–विचार

भारत की सोलह भाषाओं की विशेष ध्वनियों को अंकित करने के लिए जिन अक्षरों का उपयोग इस ग्रंथ में किया है, उनकी सूची वर्णन के साथ उच्चारण की सुविधा के लिए हम यहाँ दे रहे हैं।

स्वर–विचार

संशोधित देवनागरी	वर्णन
अ॑	प्रसारित ओष्ठ, पश्च, अर्धविवृत।
अॅ	प्रसारित ओष्ठ, अग्र, अर्धविवृत।
आ॑	प्रसारित ओष्ठ, पश्च, अर्धसंवृत।
ऑ	गोलाकार ओष्ठ, पश्च, अर्धविवृत्त
उ॑	प्रसारित ओष्ठ, पश्च, संवृत, ह्रस्व।
ऊ॑	प्रसारित ओष्ठ, पश्च, संवृत, दीर्घ।
ऎ	प्रसारित ओष्ठ, अग्र, अर्धसंवृत, ह्रस्व।
ऒ	गोलाकार ओष्ठ, पश्च, अर्धसंवृत, ह्रस्व।

व्यञ्जन–विचार

क़	अघोष, अल्पप्राण, पश्चात्-कोमल-तालव्य, स्फोटक स्पर्श।
ख़	अघोष, कोमल–तालव्य, संघर्षी।
ग़	सघोष, कोमल–तालव्य, संघर्षी।
ग॒	सघोष, अल्पप्राण, अन्तःस्फुटित, कोमल-तालव्य, स्पर्शी।
च़	अघोष, अल्पप्राण, दन्तमूलीय, स्पर्शसंघर्षी।
छ़	अघोष, महाप्राण, दन्तमूलीय, स्पर्शसंघर्षी।
ज़	सघोष, अल्पप्राण, दन्तमूलीय, स्पर्शसंघर्षी
ज॒	सघोष, अल्पप्राण, अन्तःस्फुटित, कठिन–तालव्य, स्पर्शसंघर्षी।
झ़	सघोष, महाप्राण, दन्तमूलीय, स्पर्शसंघर्षी।
ड़	सघोष, अल्पप्राण, मूर्धन्य, उत्क्षिप्त।
ढ़	सघोष, महाप्राण, मूर्धन्य, उत्क्षिप्त।
ड॒	सघोष, अल्पप्राण, अन्तःस्फुटित, मूर्धन्य, स्फोटक स्पर्श।
फ़	अघोष, दन्त्यौष्ठ्य, संघर्षी।
ब॒	सघोष, अल्पप्राण, अन्तःस्फुटित, द्वयौष्ठ्य, स्पर्श।
ऱ	सघोष, दन्तमूलीय, लुण्ठित।
ळ	सघोष, मूर्धन्य, पार्श्विक।
ऴ	सघोष, मूर्धन्य, संघर्षी।
ँ	चंद्रबिन्दु। नासिकोच्चारणा निदर्शक चिन्ह।
्	हलन्त – स्वर के लोप निदर्शक चिन्ह।

नया जोड़

कृपया निम्नलिखित कहावतें और सुभाषित निर्देशित गुटों में सम्मिलित कर लीजिए।

गु. क्र.

१ **ENGLISH** A figure among ciphers.

११ **तेलुगु** मुटलुडिगिन तर्वात समर्त सारे.

हिन्दी अनु. मासिक धर्म के रुक जाने पर रजस्वलानेग (पठौना)।

Eng. tr. The function for maturity is celebrated after the menopause.

१२ **संस्कृत** अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छन् विचारमूढः प्रतिभासि मे त्वम्।

हिन्दी अनु. तनिक लाभ के लिए बड़ी हानि उठानेवाले तुम मुझे महामूर्ख लगते हो।

Eng. tr. About to lose much for a small gain, you appear to me a big fool.

३९ **ENGLISH** Which way to London ?—A poke full of plums.

५० **संस्कृत** मलये भिल्लपुरन्ध्री चंदनतरुकाष्ठमिन्धनं कुरुते।

हिन्दी अनु. मलय पर्वत पर भीलनी चंदन की लकड़ी इन्धन के रूप में जलाती है।

Eng. tr. On the Malaya mountain a sylvan woman uses the precious sandalwood for fuel.

५५ **ओड़िआ** जाहाकु कहिब ' मर मर ', से पाइब देबीर बर।

हिन्दी अनु. जिसे कहोगे ' मर मर ', वह पाए देवी का वर।

Eng. tr. If you curse one to death. he will be blessed by the Goddess.

संस्कृत काकस्य शापात् म्रियते न धेनुः।

हिन्दी अनु. कौए के शाप से गाय नहीं मरती।

Eng. tr. A cow does not die of a crow's curse.

६२ **ओड़िआ** ढिंकि स्वर्गकु गले मध्य धान कुटिब।

हिन्दी अनु. ढेंकी स्वर्ग में जाएगी, तो वहाँ भी धान कूटेगी।

Eng. tr. The husking pedal husks paddy even in the heaven.

६६ **तेलुगु** कापुल चदुवुलु कासुल नष्टं, बापल सेद्यं भत्यं नष्टं.

हिन्दी अनु. किसान की पढ़ाई पैसों का नाश, ब्राह्मण की खेती अन्न का नाश।

Eng. tr. The education of farmers is waste of money, the cultivation by Brahmins is waste of food.

७८ **ओड़िआ** **खाइ न जाणि, भातर दोष; देई न जाणि, पातर दोष।**

हिन्दी अनु. खाना न जाने, भात का दोष; परोसना न जाने, पत्तल का दोष।

Eng. tr. He doesn't know how to eat, but blames the rice; he doesn't know how to serve, but blames the leaf-plate.

९६ **तमिऴ** **केडु-कुडि शोर केळादु.**

हिन्दी अनु. विनष्ट होनेवाला परिवार किसी की बात नहीं मानेगा।

Eng. tr. A decaying family will not listen to advice.

शुद्धिपत्र

पूरी सावधानी बरतने पर भी यत्र तत्र कुछ अशुद्धियाँ रही हैं। पहले ढाइ सौ पृष्ठों तक बिन्दी के साथ ऱ्हस्व और दीर्घ 'उ' कार चिह्न (़ु, ़ू) उपलब्ध न होने के कारण जो त्रुटियाँ रहीं उन को हम शुद्ध रूप में यहाँ दे रहे हैं। प्रूफ-संशोधन में अनवधानता के कारण जो कतिपय गलतियाँ बाकी रही होंगी, उन के लिए हम पाठकों से क्षमा माँगते हैं।

पृष्ठ क्र.	भाषा	अशुद्ध	शुद्ध
चौबीस	हिन्दी	बचा-खुच	बचा-खुचा
पचीस	English	ncient	ancient
सतहत्तर	इतालियन	Ouando	Quando
७	अंतिम पंक्ति	EEng. tr ven	Eng. tr. Even
१२९	मराठी	चुलीतून	चु़लीतून
१३०	तमिळ	अलुकिऱाय	अलु़किऱाय
१३९	तमिळ	को़लुनन्	कोलु़नन्
१६१	तमिळ	अलुगिऱ्पोदु	अलु़गिऱ्पोदु
		अलुगिऱ्दा	अलु़गिऱ्दा
१६४	कश्मीरी	पाजुन	पाजु़न
१६६	तेलुगु	चूरुनीळ्ळा	चू़रुनीळ्ळा
१८४	मलयाळम्	केलुवेर्रि	केलु़वेर्रि
१८७	कश्मीरी	चूर	चू़र
२०१	तमिळ्	अेलुंबुमा	अेलु़ंबुमा
२१२	कश्मीरी	पांछ	पां़छ
२४६	तेलुगु	रोजुल्लो	रोजु़ल्लो
२६६	मराठी	विंचू	विंचू़
२३२	ओड़िआ	बाडँशकणि	बाउँशकणि
५३२	हिन्दी	गधे का	गधे को

संकेत चिह्न

कों	कोंकणी	भो.	भोजपुरी
गो	गोवा	मुँ.	मुँगेर जिला
चंपा.	चंपारन जिला	मुज.	मुजफ्फरपुर
दर.	दरभंगा जिला	राज.	राजस्थानी
पट.	पटना जिला	व	वऱ्हाड
फा.	फारसी	शाहा.	शाहाबाद जिला
भाग.	भागलपुर जिला	संब.	संबळपुरी

■

कहावतों की दुनिया में।

(In the World of Proverbs·)

" It may be true what some men say;
it must be true what all men say. "

भूमिका

भारतीय व्यवहार कोश के संकलन और संपादन के सिलसिले में कई बार भारतवर्ष की यात्रा करने का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ था। भारत की भाषाभगिनियों से साक्षात् संपर्क हो जाए, नागर तथा देहातियों के बोलने का ढंग हम अपनी कर्णेंद्रियों में समा लें, भिन्न भिन्न लोगों के बोलने का तरीका जान सकें तथा अपने मन का आशय अभिव्यक्त करने के लिए वे जिन शब्दों या शब्द-समुच्चय का प्रयोग करते हैं, उनसे परिचय करा लें आदि हमारी भारतयात्रा के कतिपय प्रमुख उद्देश्य रहे। इन भारतयात्राओं के फलस्वरूप ही सबको भारतीय भाषाओं का परिचय करा देने-वाले तथा सभी भाषाओं की समानार्थी व्यावहारिक शब्दावली का परिचय करा देनेवाले 'भारतीय व्यवहार कोश' का निर्माण हुआ। मगर तब तक यात्रा करने की आदत हो गई, लत लग गई, और अब इस व्यसन से छुटकारा पाना बहुत कठिन हो गया है।

इस देश की सभ्यता, संस्कृति को ठीक प्रकार से समझना है, तो विभिन्न प्रदेशों में रहनेवालों का निजी परिचय परमावश्यक है। किसी मानवसमूह का व्यवहार, रहन–सहन, क्रोध, लोभ, प्रेम, ईर्षा आदि भावों को ठीक प्रकार से जानने के लिए उनकी बोली भाषा का परिचय आवश्यक है। उस भाषा में प्रकाशित साहित्य ही से उन लोगों की जीवनधारणा का हमें परिचय हो सकता है। उनका मन्तव्य जिन शब्दों या शब्द समुच्चय से मुखरित होता है, उसको जानने से ही उनके विचारों की गहराई या छिछलापन हम जान सकते हैं। अतः भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य है।

अब भाषाओं के अध्ययन का अग्रक्रम स्वीकार करने के बाद धीरे धीरे उन भाषाओं के सभी प्रमुख पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता उत्पन्न होती है। 'भारतीय व्यवहार कोश' द्वारा भारतीय भाषाओं की शब्दावली और नित्य व्यवहृत वाक्यों से परिचय हुआ है।

वाक्यरचना जानने के लिए तुलनात्मक व्याकरण का अध्ययन भी आवश्यक बन जाता है। यह सब जानने के बाद भी उस भाषा का यथायोग्य आकलन तभी संभव है जब हम उस भाषा के मुहावरों और कहावतों के संबंध में भी पर्याप्त ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। अंग्रेजी में कहते हैं, Usage beats grammar– अर्थात् भाषा का व्यावहारिक प्रयोग उसके व्याकरण को हमेशा परास्त करता है।

कहावत की तुलना कई भाषाओं में वेदों से की गई है। कन्नड़ में कहा जाता है – "गादेय मर्म बन्नरितवनु वेदद मर्मवन्नरितवन्नु" – जो जाने कहावत का मर्म सो जाने वेद का मर्म। – "गादे

वेदक्के समान "– कहावतें वेद के समान हैं। "वेद सुळ्ळादरू गादे सुळ्ळागदु "– वेद भी झूठे साबित हो सकते हैं, पर कहावत झूठ नहीं हो सकती। एक मलयाळम् कहावत में कहावतों के बारे में अत्यधिक विश्वास प्रकट हुआ है "पळंच्चोळिळल् पतिरिल्ल" – अर्थात् कहावत में भूसा नहीं भरा होता। अगर वेदों ने अज्ञान के अंधेरे में भूले भटके, छटपटाते मानव को प्रकाश दिया है तो कहावतें भी जीवन में मनुष्य की पथप्रदर्शक हो सकती हैं इसमें कोई संदेह नहीं है।

कहावतें प्रायः सभी मानव-व्यवहार को समेट लेती हैं। जीवन के सभी रंगों में रंग जाती हैं। कहावतों में किसी समूह विशेष की बुद्धिमत्ता का परिचय मिलता है। कभी पैनी, नुकीली टिप्पणी तो कभी सारगर्भित वक्रोक्ति और व्यंग्योक्ति से वे दिल बहलाती हैं। मनुष्य स्वभाव के विविध पहलुओं पर रोशनी डालने की कहावत की क्षमता बेजोड़ है। कभी हल्कीसी ठेस या कभी विनोद-पूर्ण दृष्टान्त से वह जब मटकाती हुई मानव-जीवन के गहरे सिद्धान्तों को हमारे सामने खोल देती है तो हम दंग रह जाते हैं। किसी आशय को सीधे ढंग से न कहते हुए, किसी उपमा, उत्प्रेक्षा, अर्थांतरन्यास, या दृष्टान्त का सहारा जब वह लेती है, तब तो उसके कल्पनाविलास का, प्रतिमा-निर्मिति की क्षमता का एक अटूट आनंद हमें मिलता है। किसी कामचोर पेटू लड़के के बारे में प्रश्नोत्तर रूप में यह कहावत देखिए – "नाम क्या ?" – "शक्करपारा।" "रोटी कितनी खाए ?" "दस बारा।" "पानी कितना पीए ?" – "मटका सारा।" "काम करने को ?" – "मैं लड़का बेचारा।" कैसा मजेदार व्यंग्य भरा हुआ है इस कहावत में! कहावत एक साधारण जन-उक्ति है, जो किसी विशेष घटना-शृंखला को सिद्धांत के ढाँचे में ढालती है। वह एक प्रसंग-विशेष के साथ लगाया हुआ सामूहिक तत्त्व है, जिससे वह घटना और उसकी प्रतिक्रिया समान हो जाती है।

कभी कहावत की जन्मदात्री कोई कहानी होती है, और उस कहानी का निचोड़ या सार उस कहावत में समाया हुआ रहता है, जो उस मनुष्य-समूह का पथप्रदर्शक होता है। अब सार, विविध उपमाओं, अलंकारों के द्वारा प्रदर्शित होता है और उस कहानी की घटना से मिलती जुलती सभी घटनाओं के समय तुरन्त अपनी ज़बान पर तिर आता है। किसी विशेष घटना का सामान्य अनुमान करने की जो प्रक्रिया है और उससे जो सूत्र बनता है वही कहावत है। अब यह कहावत देखिए – "कर तो डर, न कर खुदा के गजब से डर।" कहानी इस प्रकार है—

किसी एक जगह दो साधु थे। उन दोनों में ईश्वर के अस्तित्व पर बहस शुरू हुई। उसका कोई अंत नज़र में नहीं आता था। तब एक साधु ने कहा "कर तो डर, न कर तो भी डर।" दूसरा बोल उठा, "महाराज मैंने यदि कुछ किया ही नहीं, तो क्यों डरूँ ?" पहला साधु बिना कुछ कहे चला गया। कुछ दिन बीते और राजमहल में चोरी हुई। चोर चुराए हुए माल में से कुछ न कुछ किसी साधु को दिया करते थे। अब वे उस दूसरे साधु के पास आ गए, जो कि उस समय ध्यानमग्न था। चोरों ने एक सोने का हार साधु के गले में डाल दिया और वे चले गए। साधु ध्यानमग्न था इसलिए उसको इस बात का पता तक न चला। दूसरे दिन राजा के सिपाहियों ने साधु के पास हार देखा तो वे उसे पकड़कर ले गए। उसे चोर समझकर फाँसी की सज़ा दी गई। सिपाही साधु को वधस्तंभ की ओर ले जा रहे थे कि रास्ते में वह पहला साधु मिला। उसे देखते ही पहले साधु ने कहा, "भाई, मैंने जो कहा वह सच निकला या नही ?" और उसने कहावत का दूसरा भाग

दुहरा दिया – "ईश्वर के कोप से डर।" – मतलब यह कि हमको तो अच्छी करनी ही करनी चाहिए किन्तु वह हम न करें तो भी ईश्वर से डरकर ही रहना चाहिए।

हमारी कामनाएं हमेशा जल्द पूरी नहीं होतीं। कामनापूर्ति का क्षण पास आता है, पर कभी कभी अंतिम यश नहीं मिलता। कामना और उसकी पूर्ति में अंतर रहता है। यह भाव प्रदर्शित करनेवाली अंग्रेजी की कहावत–There's many a slip' twixt the cup and the lip– के पीछे एक बड़ी रोचक कहानी है।

अरब देश में पुराने ज़माने में गुलामी की प्रथा थी। एक मालिक अपने गुलामों के साथ बड़ी निर्दयता का व्यवहार करता था। उसने उनको अपने अंगूरी बाग में काम में लगा दिया। वह जुल्म जबरदस्ती तथा मारपीट से उनसे काम करवा लेता था। मगर हम तो जानते हैं अत्याचार अधिक देर तक नहीं चल सकता। एक उर्दू शायर ने ठीक ही कहा है, "आहें मजलूम गुल करेगी उसे। जुल्म का कब चिराग जलता है।" – पीड़ित लोगों की आहें एक दिन जुल्मका चिराग बुझा देगी।

पीड़ितों के मुँह से शापवाणी निकली। "इतनी जोरोजबरदस्ती से तुम यह अंगूरी बाग हमसे बनवा ले रहे हो, लेकिन इन अंगूरों से बनी शराब तुम्हारे मुँह में नहीं पड़ेगी।" यह सुनकर मालिक बौखला उठा। आगे चलकर जब पहली भट्टी की शराब तैयार हुई, तब उसने उसी गुलाम से पहला प्याला भरवाया और व्यंग्य से कहा, "देखो बच्चू, अब मैं तो शराब पीनेवाला हूँ। तेरा शाप विफल होगा।" तिसपर गुलाम ने कहा, "साहब, प्याला होठों तक जाने में काफी अड़चनें हैं।"

इतने में वहाँ ऐसी खबर आ धमकी कि उस बगीचे में जंगली सूअर घुस गए हैं। बगीचा पूरा चौपट न हो इसलिए मालिक ने भाला उठाया और वह फुर्ती से बगीचे की ओर चल पड़ा। पहला प्याला वैसा ही भरा पड़ा रहा। सूअर से लड़ते लड़ते वह मारा गया और गुलाम की शापवाणी सही साबित हुई।

इसी प्रकार गुजराती की एक कहावत "अग्रे अग्रे विप्र जटाळो ते जोगी, अने वच्चेनो जे कन्द, ते आरोगे आनन्द" के पीछे बड़ी ही रोचक कहानी है।—

एक गाँव में एक ब्राह्मण और एक जोगी भीख माँगते माँगते एक घर के सामने आए। घरवाली ने दोनों को मिलाकर एक जड़मूल के साथ पूरा ईख का डंडा दिया और कहा कि आपस में बाँट लो। ईख लेकर दोनों चल दिए, पर बाँटते समय दोनों में झगड़ा हुआ। ऊपर का पन्नेवाला भाग और जड़मूल किसको मिलना चाहिए और बीचवाला रसदार भाग किसको?—कोई निर्णय नहीं हो पाता था। इतने में वहाँ से एक बनिया जा रहा था। उसको दोनों ने बुलाया और उसको पंच बनाकर झगड़ा सुलझाने को कहा।

बनिया ने इक्षुदंड हाथ में लिया और कहा, "देखिए, शास्त्र में लिखा है कि अग्रे अग्रे विप्र होता है। तब यह ईख का चोटीवाला भाग ब्राह्मण होगा तो यह ब्राह्मण का देता हूँ। जोगी के जटाएँ होती हैं, तो नीचे का मूलियोंवाला भाग जटिल समझना चाहिए। वह मैं जटावाले जोगी को देता हूँ। अब जो बीचवाला कंदयुक्त भाग है वह मेरे पल्ले आ गया, वह मैं ले जाता हूँ।"

इसी प्रकार की कथा पंचतंत्र में भी है जो दो बिल्लियों के मक्खन के लिए झगड़ने की है,

जहाँ न्याय बंदर ने पूरा मक्खन खाकर किया है। पंचतंत्र की बहुत सारी कहानियों से ऐसे सार-रूप सूत्र निकलते हैं जो सदियों से लोगों की ज़बान पर कहावत बनकर रह गए हैं।

जिसके पास ऐसी उक्तियों का संग्रह कंठस्थ हो, और जो उनका ठीक उपयोग करना जानता हो, वह एक अच्छा वक्ता और नामी वकील बन सकता है। बेशक कोई गैरलागू, अनुचित कहावत बेमौके पर बोल देगा तो उसका बेड़ा ज़रूर गर्क हो जाएगा।

युग युग की कसौटी पर घिसकर अपना अस्तित्व चिरंजीव किए हुए ये सूत्र बहुतों की चतुराई और एक की बुद्धि के द्वारा जन साधारण के हृदय में स्थान पाए हुए हैं, ज़बान पर नित्य खेलते रहे हैं। इन्हीं सूत्रों को कहते हैं कहावतें।

जनमानस के एक एक स्तर को खोलने की कहावत की क्षमता अपार है। कहावतों के छोटे छोटे वाक्यों में विशाल आशय भरा रहता है। मानो ये कहावतें गागर में सागर भर देती हैं। कोई भी उनका जन्मदाता हो, हेतु को पहचानकर विस्तृत को संक्षिप्त बनाने की उनकी क्षमता, बुद्धिमत्ता अद्भुत है।

कई कहावतों का मतलब सरल और स्पष्ट होता है तो कई कहावतों को समझने में मस्तिष्क को थोड़ी तकलीफ देनी पड़ती है। किन्तु जब अर्थ स्पष्ट हो जाता है, तब उस समयसूचकता का और ही गहरा प्रभाव पड़ जाता है।

* * *

प्रादेशिक वचनों तथा उक्तियों का अज्ञान दिन प्रति दिन बढ़ रहा है। यद्यपि कहावतों का प्रयोग बुजुर्ग, देहाती, वृद्ध महिलाएँ करती हैं, नगरों में उनका प्रयोग कम होता जा रहा है। जैसे जैसे शिक्षा का प्रचार अधिक लोगों में होगा, हमें डर है कि कहावतों का प्रयोग कम होता जाएगा। शहरों में बसनवाले सुविद्य लोग कहावतें कम उपयोग में लाते हैं। अपना मन्तव्य प्रदर्शित करने के लिए उनको अधिक शब्दसमुच्चय उपलब्ध होता है, और अपनी शिक्षा के कारण वे कठिनतम भाव को शब्दों के माध्यम से व्यक्त कर सकते हैं। ऐसे समय अनपढ़ देहाती आदमी वर्षों से चलती आई हुई कहावत का सहारा लेता है। उसके मन का सारा भाव कहावत प्रकट कर देती है।

कहावतें या लोकोक्तियाँ मानवजाति के अनुभवों की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। जैसे कोई व्यंग्य-चित्रकार अपनी तूलिका की दो चार रेखाओं से इतना बड़ा आशय प्रस्तुत करता है कि जिसे अखबार के दो चार अग्रलेखों से भी स्पष्ट नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार कहावत चंद शब्दों के माध्यम से बहुत बड़ा आशय खोलकर सुननेवालों के सामने रख देती है। किसी समाज विशेष की भाषा में प्रचलित कहावतों के आधार पर उस समाज की सभ्यता, रीतिरिवाज, धर्म तथा नीतिविषयक कल्पनाओं का पता लगाया जा सकता है। डॉ. कन्हैयालाल सहल ने ठीक ही कहा है, " कहावतें मनुष्य-स्वभाव और उसके व्यवहार कौशल के सिक्के के रूप में प्रचलित होती हैं और वर्तमान पीढ़ी को पूर्वजों से उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त होती हैं। " – वेदों की तरह अपौरुषेय इस साहित्य भंडार को बनाए रखना चाहिए।

ऐसा न हो कि ज़माने की चक्की में पीसकर कहावत कहीं ओझल हो जाए, नेस्तनाबूद हो जाए। कहावतों में समाया हुआ कल्पनाविलास का अक्षय भंडार हाथ से निकल न जाए, हम उससे वंचित न हो जाएँ एतदर्थ हमने नगर नगर, डगर डगर घूमकर कहावतें बटोरने का यह प्रयास किया है।

कहावतों का वर्गीकरण

इस कोश में कहावतों का वर्गीकरण उस कहावत में आए हुए प्रमुख शब्दों के आधार पर नहीं, प्रत्युत उससे जो आशय प्रकट होता है उसके अनुसार किया है। यदि कहावतों का शब्दों के आधार पर वर्गीकरण किया जाता तो समानार्थी कहावतों में आशय एक ही होते हुए भी भिन्न भिन्न दृष्टान्तों के कारण उनके अलग अलग गुटों में जा बैठने का डर था। उसके साथ ही एक ही कल्पना विभिन्न भाषाओं की कहावतों में किस प्रकार व्यक्त होती है यह दिखाने का हमारा प्रयास भी विफल हो जाता। जैसे मराठी की कहावत है – " लेकी बोले सुने लागे " – बेटी को डाँटकर बहू को चेतावनी। इस कहावत को यदि हम रिश्तेदारों में डाल दें, तो इसकी समानार्थक उर्दू कहावत – ' गधे को मारकर ताज़ी को इशारा। ' को हमें जानवरों में डालना होगा। किन्तु दोनों का आशय ' एक को फटकारना और दूसरे को समझाना ' यही होने के कारण दोनों कहावतें एक ही समानार्थक कहावतों के वर्ग में आई हैं।

हां! कभी कभी एक ही कहावत में दो आशय लिपटे हुए रहते हैं। जैसे मराठी की कहावत देखिए – " मोठ्या लोकांचे गाडगे भोकाचे " अर्थात बड़ों के मटकों में छेद। इसके दो अर्थ हैं : ' झूठा आडंबर ', और ' नाम बड़े, दर्शन खोटे। ' अतः यह कहावत दो वर्गों में सम्मिलित की गई है। तेलुगु की यह कहावत गौर करने योग्य है – " दुन्नक वेसिन आमुदालु आसादि-किच्चिन अप्पु तिरिगिरादु " – अर्थात बिना जोते बोए गए एरंडी के बीज उपज नहीं देते और चांडाल को दिया हुआ धन वापस नहीं आता। इस कहावत का प्रथमार्ध खेतीविषयक कहावतों में जाएगा और उत्तरार्ध नीच जातिविषयक कहावतों में जाएगा।

तेलुगु कहावतों में वर्गीकरण की दृष्टि से पेचीदा सवाल खड़ा करनेवाली एक कहावत है। " नीरु पल्लमेरुगु निजमु देवुडेरुगु " – अर्थात पानी नीचे की ओर बहता है; भगवान सत्य समझता है। इस कहावत के प्रथमार्ध का द्वितीयार्ध से कोई संबंध नहीं है। प्रथमार्ध में एक प्राकृतिक सिद्धांत है और द्वितीयार्ध में भगवान का सर्वदर्शीत्व कहा है। इस कहावत को प्राकृतिक विषयों में रखा जाए या ईश्वरविषयक कहावतों में सम्मिलित करें या सत्य-असत्य के विचार में समेट लें? ऐसे प्रसंग में समस्या खड़ी होती है कि ऐसी कहावतों को किस गुट में बाँधा जाए। ऐसे समय हमने अपनी विवेक-बुद्धि को जो उचित लगा वही किया है। कभी दोनों गुटों में लगाया है तो कभी अधिकतर जिस आशय को वह प्रकट करती है, उस कहावतमाला के साथ उसको पिरोया है।

एक ही कहावत एक ही भाषिक प्रदेश की दो भिन्न बोलियों के क्षेत्रों में पृथक् आशय लेकर प्रयुक्त की जाती है। तब तो हमने उसका स्थान भगवान की इच्छा पर छोड़ दिया है। उदाहरण के लिए मराठी में एक मुहावरा है – " खाल्ल्या घरचे वासे मोज़णे " – अर्थात जिसका खाना उसी के घर के बल्ले गिनना याने कृतघ्न बनना। यही मुहावरा कोल्हापुर के इलाके में विपरीत संदर्भ में प्रयुक्त होता है। कोई खूब खा पीकर भी दुबला पतला रहता है, तो उसके संदर्भ में इसका प्रयोग किया जाता है। भगवान हमें बचाए! हम इस प्रयोग को गलत या सही नहीं कह सकते। किसी कहावत के कहने से अगर दो चार लाख लोगों को एक ही भाव महसूस होता है, तो उसे ग़लत भी नहीं कह सकते।

कहावतों का अनुवाद

एक ही आशय की सभी भाषाओं की कहावतें हमने एक साथ दी हैं। सभी कहावतों में एक ही दृष्टान्त तो है नहीं। हर भाषा की कहावत अपने साथ कुछ निजी प्रतिभाविलास को लेकर आती है। नई नई उपमाएँ, नए नए भाव! उनको ठीक ठीक समझे बिना उनका साहित्यिक मूल्य हम नहीं जान सकेंगे – उस साहित्यिक आनंद से हम वंचित ही रहेंगे। ऐसा न हो कि कहावतों का पहाड़ खोदकर हम आत्मानंद का चूहा भी न निकाल सकें। इस लिए हमने हर एक कहावत का हिन्दी और अंग्रेज़ी में अनुवाद दिया है।

यह अनुवाद अधिकतर शब्दशः देने का प्रयास किया है। मूल कहावत के अनुप्रास, यमक या तुकबन्दी को अनुवाद में ज्यों के त्यों लाने में हम असमर्थ रहे हैं। हमारा लक्ष्य मूल दृष्टान्त को स्पष्ट करने का रहा है। जहाँ बन सका हमने तुकबन्दी भी संजोई है। जैसे हिन्दी कहावत – "टके की बुढ़िया नौ टका सिर मुँड़ाई।" से मिलती जुलती तमिळ कहावत – "सुण्डकाय कालपणम्, सुमक्कूलि मुक्काप्पणम्" का अंग्रेज़ी अनुवाद हमने इस प्रकार किया है – A quarter worth berry and three quarters to carry– यहाँ berry और carry की तुकबन्दी ठीक बैठी है। असमीया कहावत– "आसुक बा ना आसुक बर, सिंथि परे तो भर।" का हिन्दी अनुवाद– 'आए न आए वर, मांग में सिंदूर भर।' या मराठी कहावत – "पाहुण्याचे पाहुणे, कोंडिबाचे मेहुणे" का हिन्दी अनुवाद – 'मेहमान का मेहमान, कोंडिबा का सालेजान।' इस प्रकार प्रास के साथ सुंदर अनुवाद भी हुए हैं। किन्तु यह संयोग की बात है। कोशिश तो मूल कहावत को उसके अनुस्यूत दृष्टान्त के साथ सबके सामने हिन्दी और अंग्रेज़ी के माध्यम से रखने की है। प्रयास तो यह अवश्य रहा है कि अनुवाद में किसी भी कहावत का पूरा पूरा आशय प्रकट हो जाए।

प्रायः सभी भारतवासियों के मनोभाव, रीतिरिवाज़, लोकभ्रम, नीति-अनीति की कल्पनाएँ, ईश्वर विषयक धारणाएँ, कुटुम्ब-पद्धति तथा पापपुण्य के संबंध में विचार समान होने के कारण प्रादेशिक कहावतों के हिन्दी अनुवाद की समस्या उतनी जटिल नहीं थी। परंतु भारतीय विचारों, धारणाओं, विधियों या कल्पनाओं को अंग्रेज़ी शब्दों में अंकित करना बड़ी कठिन बात है। जैसे "सुहागन" का अंग्रेज़ी अनुवाद क्या किया जाए? सुहागन कहने पर हमारे सामने जो चित्र तिर आता है, वह married woman से तो नहीं आ सकता। दो चार तलाक़ लेने के बाद पाँचवीं शादी करनेवाली औरत तो हमारे लिए सुहागन नहीं है। 'सुहागन' या मराठी के 'सवाशीण' शब्द से स्त्री के प्रति जो आदर और सम्मान के भाव हमारे मन में अपने आप उत्पन्न होते हैं, उस विवाहिता स्त्री के पीछे शुचिता या मांगल्य का जो वलय खड़ा हो जाता है, वह किसी विदेशी भाषा के अनूदित शब्द से उत्पन्न नहीं हो सकता। यह तो इस धरती की सभ्यता की देन है। ऐसे समय पर हमने टिप्पणी देकर आशय को बनाए रखने का लूला प्रयास ही किया है। भला अंग्रेज़ी में हम 'कोख' कैसे भर सकते हैं?

इतालियन कहावत तो कहती है कि "Traduttori, traditori" अनुवादक बड़े गद्दार होते हैं। फिर भी हमारे अनुवादकों ने कोशिश की है कि वे मूल कहावत को सच्चाई और प्रामाणिकता से अनुवाद में ला दें। अपनी ओर से भरसक प्रयत्न करने पर भी यदि सामग्री में उथल-पुथल हो गई हो तो हम वाचकों से क्षमा चाहते हैं।

अभियान

पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम् ।
मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते ॥

विश्व में तीन ही वास्तविक रत्न हैं : पानी, अन्न और कहावत (सुभाषित) । मूर्ख लोग पत्थरों के टुकड़ों को व्यर्थ ही रत्न मानते हैं ।

इस द्विपदी के द्वारा संस्कृत भाष्यकारों ने सुभाषित – कहावत का यथोचित गौरव किया है ।

जीवनयापन के लिए जिस प्रकार अन्न और जल परमावश्यक है, उसी प्रकार सुस्थिर, प्रगत, वैभवशाली, चारित्र्यसंपन्न जीवन के लिए कुछ पथप्रदर्शक तत्त्व भी अनिवार्य हैं। कहावतें इन तत्त्वों से भरपूर रहती हैं ।

मानवसमाज की आयु अब हज़ारों वर्षों की हुई है। इस यात्रा में उसने कई चढ़ाइयाँ और ढलान पार किए हैं। आदि मानव की जंगली स्थिति में अपने निजी स्वार्थ और व्यक्तिगत जीवनयापन से लेकर कुटुंब–पद्धति, छोटी मोटी पारिवारिक संस्थाएँ, संप्रदाय, कुछ विशेष जीवनतत्त्वों के अनुयायिओं की धर्म विषयक कल्पनाएँ, राष्ट्र इत्यादि सीढ़ियों को पार करके आदमी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का व्यापक, विशाल एवं सर्वसंग्राहक स्वप्न देख रहा है। हमारे विचारकों तथा तत्त्वज्ञों ने "कृण्वन्तो विश्वं आर्यम्" की महत्त्वाकांक्षी घोषणा के साथ सारे विश्वभर के मानव को 'आर्य' – ज्ञानी – बनाकर एक ही सामाजिक अनुशासन–सूत्र में बाँधना चाहा। अमरीकी विद्वान और राजनीतिज्ञ वेंड्ल् विल्की ने अपने "One World" प्रबंध में ऐहिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर एक विश्व की कल्पना की है। आज भी विचार, तत्त्वज्ञान और आचार के बीच बड़ी खाई दिखाई देती है। मज़हबी तनाव, पथप्रदर्शक तत्त्वों के कशमकश, देश देश के आपसी मनमुटाव, वर्णद्वेष, जातिव्यवस्था इत्यादि अहंकार को पनपानेवाले तत्त्वों से ऊपर उठकर विश्वबंधुता तक मनुष्य कब पहुँचेगा यह हमें मालूम नहीं। परंतु इतिहासपूर्व अवस्था से विश्वकुटुंब तक के विचारों की जो यात्रा उसने की, उसमें उसने काफी कुछ देखा है, अनुभव किया है। विचार और वास्तविकता में जो अंतर होता है, उसे कम करने का उसने प्रयास किया है। भले बुरे दिन देखे हैं। इन अनुभवों के आधार पर मानवसमूह की भावनाओं को प्रदर्शित करनेवाले सूत्र तैयार किए, इतना ही नहीं विचारकों और समाजनेताओं के भावभरे कहकहों से यह सूत्र यकायक फूट पड़े, जो सदियों से दीपस्तंभ के समान मानवसमाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

प्रारंभ में लिखने की कला तो थी ही नहीं। लिखना पढ़ना जब वर्जित था तब भाष्यकारों ने व्याख्यानों, भाषणों, प्रवचनों द्वारा लोगों को सिखाया। उनके कथनों में जो विचारसूत्र मिले वे लोगों ने कंठस्थ किए और अगली पीढ़ी को दिए। एक मुँह से दूसरे मुँह में, एक हृदय से दूसरे हृदय में, एक दिमाग से दूसरे दिमाग में, इस प्रकार वे सूत्र कहावत का रूप धारण कर समूचे भाषाभाषियों के मुँह में स्थिर हुए।

In ancient days, tradition says,
When knowledge much was stinted,
When few could teach, fewer preach
And books were not yet printed,
What wise men thought, by prudence taught,
They pithily expounded;
And proverb's sage, from age to age
In every mouth abounded.

समाज के विद्वानों को अपने अनुभवों से ज्ञान प्राप्त हुआ, वह इतना विपुल है कि वह समूचे मानववंश का अक्षय कोश बन गया है। कहावतों के रूप में अपने मौलिक विचारों का अक्षय भंडार समाजहितैषी लोग मानव-वंश के हित के लिए छोड़ गए हैं। अनुभवों के आधार पर कहे हुए उनके सुभाषित जैसे वचन कितने ही ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक स्थित्यंतरों, परिवर्तनों के बाद आज भी ताज़ा हैं।

इन कहावतों का आदान-प्रदान बिना किसी रोक-टोक के होता रहता है। विचारों के प्रवास के लिए कोई प्रादेशिक या भाषिक बंधन न होने के कारण यह निश्चित रूप से बताना बड़ा ही कठिन है कि कई कहावतों से प्रस्फुटित विचारों की निश्चित जन्मभूमि कौनसी है? कहाँ से कोई विशेष कहावत आई? किस माध्यम से उसे गति मिली, उसने कहाँ और कैसे जड़ जमाई? एक ही आशय की कहावत भिन्न भिन्न भाषाओं—यूरोपीय, एशियाई, आफ्रिकी आदि में भी पाई जाती है। कभी कभी तो एक ही दृष्टान्त के साथ। उदाहरणार्थ अंग्रेज़ी की कहावत—' Barking dogs seldom bite " — की समानार्थक गुजराती कहावत है, — " भसतो कूतरो करडतो नथी " — भूँकता कुत्ता काटता नहीं। उसी प्रकार मराठी की एक कहावत — " उथळ पाण्याला खळाळी फार " — की समानार्थक अंग्रेज़ी कहावत है — " Shallow water makes much noise. " — आशय भी एक, दृष्टान्त भी मिलता जुलता। किसने यह चौर्यकर्म किया होगा? चोर कोई नहीं। किसी घटना के घटित होने पर या किसी विचार या सिद्धांत के बारे में आदमी की प्रतिक्रिया सब जगह समान होती है इसका परिचय इन बातों से हमें मिलता है। इस लिए ऐसी कहावतों को हम वैश्विक कहावतें (Universal proverbs) कहते हैं।

भारतीय भाषाओं पर संस्कृत का वैचारिक प्रभाव होने से उनपर संस्कृत वचनों के दृष्टान्तों का प्रभाव अवश्य दिखाई देता है। उदाहरणार्थ—" निरस्तपादपे देशे एरण्डोऽपि द्रुमायते। "— वृक्षविहीन प्रदेश में एरंड ही महावृक्ष। इसी अर्थ की और इसी बिंब के द्वारा यही भाव अंकित करनेवाली कहावतें सभी भाषाओं में पाई जाती हैं। मराठी—" ओसाड गावी एरंड बळी "; गुजराती— " उज्जड गाम मां एरंडो प्रधान ", असमीया—" गछ नोहोवा ठाइत एराइ बिरिख। "; तेलुगु —

"चेट्टु लेनि वूळ्ळो आमुदपु चेट्टे महावृक्षम्"; मलयाळम्–"मरमिल्ला नाट्टिल आवणक्कु महामरम्।"–इन सब कहावतों का शब्दशः अर्थ एक ही है : उजड़े गाँव में एरंड ही महावृक्ष। हाँ, इसी आशय को प्रकट करनेवाली अपनी अपनी देशज कहावते हैं ही।

गाँववालों की कहावतें अपने अपने देशज दृष्टांतों के साथ आती हैं। वे अधिक पैनी, नुकीली होने के कारण जनमानस में अधिक गहराई तक पैठ जाती हैं। उदाहरणार्थ उपरिनिर्दिष्ट संस्कृत कहावत का आशय वहन करनेवाली भिन्न भिन्न भाषाओं की कहावतें देखिए। हिन्दी – "अंधों में काना राजा।" मराठी – "वासरांत लंगडी गाय शहाणी" – बछड़ों में लंगडी गौ सयानी। या तेलुगु कहावत – "गोवु लेनि वूळ्ळो गोड्डु गेदे श्री महालक्ष्मि" – बिना गाय के गाँव में बाँझ भैंस ही महालक्ष्मी। ये और इससे मिलती जुलती अन्य अनेक कहावतें हमारी प्रादेशिक बुद्धिमत्ता की परिचायक हैं। रोज़ के व्यवहार में इन देशज कहावतों का गहरा प्रभाव रहता है। नागरी जीवन या पंडितों की सभा में यद्यपि संस्कृतोद्भव कहावतों का प्रयोग होता है, हमारे ग्रामीण विभागों में अधिकतर देशज कहावतों का ही प्रभाव होता है। हो सकता है कि देहाती कहावतें कभी कभी थोड़ी अशिष्टता, अश्लीलता की ओर झुकती हुई दिखाई देती हों, फिर भी उनकी चोट अचूक होती है। ग्रामीण जीवन से जो लोग परिचित हैं, उन्हें इस बात पर न आश्चर्य होगा न घृणा। अपने आसपास जो वायुमंडल रहता है, जहाँ हमारा व्यवहार चलता है, उसी से हम अभिव्यक्ति के लिए उपमा चुनते हैं। गाँववालों का संबंध हमेशा पशु, जानवर, खेतीविषयक औज़ार, खाद, बादल, वर्षा, सिंचाई, जुताई, बुआई, फसल, सूर्य, चंद्र, ग्रह, नक्षत्र आदि विषयों से होता है। अतः उनके दृष्टान्त भी इन्हीं से संबंधित रहते हैं।

वायुमंडल का प्रभाव

भौगोलिक परिस्थिति, खान-पान, रीति-रिवाज, त्योहार-जशन तथा प्रादेशिक रहन-सहन का भी प्रभाव कहावतों पर बराबर पड़ जाता है। किसी एक आशय को प्रकट करने के लिए जो दृष्टान्त या बिंब हम उठाते हैं, जुटाते हैं, वह हमारे इर्द-गिर्द जो वायुमंडल होगा, उसी से मिलता है। तभी वह लोकस्वीकृति भी पाता है। बाङ्ला, असमीया, ओड़िआ, मलयाळम् भाषी प्रदेशों में रहनेवाले बहुत सारे मत्स्यभक्षक होने के कारण वहाँ की कहावतों में बार बार मछली का उल्लेख आता है। किसी अयोग्य व्यक्ति को कोई अच्छी चीज़ प्राप्त हो जाए तो जो स्थिति उत्पन्न होती है, उसका वर्णन बाङ्ला कहावत इस प्रकार करती है– "अराँधुनीर हाते पड़े कै माछ काँदे, ना जानि राँधुनी मोरे केमन क'रे राँधे ?" – अनाड़ी रसोइन के हाथ में पड़कर रोहू मछली रोती है, पता नहीं मुझे यह रसोइन कैसे रांधेगी ? यह तो बंदर के हाथ में मुक्तामाला या Pearls before swine, के समान बात हो गई।

ससुर के घर में भारतीय दामाद के बहुत लाड़ प्यार होते हैं, ताकि वह अपनी बेटी को सुखी रखे। उसमें भी एकाध सास बड़ी चतुर होती है, वह दामाद की आवभगत का दिखावा तो खूब पेश करती है। बाङ्ला की इस कहावत में फिर मछली का उल्लेख है ही।

"आड़ेर मुड़ा घृतेर मुड़ा, दाओ जमाइयेर पाते,
रुइयेर मुड़ा काष्ठ-मुड़ा, फेलो आमार पाते।"–

– घी से भारी 'आड़' मछली दामाद को परोसो और 'कई' मछली जो लकड़ी जैसी है, मेरी थाली में डालो। (वास्तव में आड़ मछली सूखी और कई मछली घी से भरी हुई होती है।) इस प्रकार भिन्न भिन्न जाति की मछलियों का प्रयोग बाङ्ला कहावतों में हुआ है। "तुइ खलसे, मुइ खलसे, एकइ बिलेर माछ, तोर मरणे मरबो आमि, कोमर धरे नाच।" तू भी 'खलसा' मछली, मैं भी 'खलसा' मछली, एक ही पोखर की मछलियाँ; तू मरे तो मैं भी मरूँगी, मेरी कमर पकड़कर नाच।

मेहनत कोई करता है और लाभ दूसरे को होता है। एक करे काम, दूसरे का हो नाम। इस आशय को प्रकट करने के लिए असमीया ने मछली का सहारा लिया– "जाके मारे खालैर नाम" बंसी ने मछलियाँ फँसा लीं और स्तुति टोकरी की। ओड़िआ की कहावतों में मछली का उल्लेख बहुत बार आता है। "चिंगुड़ि चिपिले मुण्डरे पित।" – चिंगुड़ि (छोटी मछली) को दबाते ही सिर-दर्द होता है। यह मछली बहुत पित्त-कारक होती है। प्राकृतिक परिवर्तनों के कुछ लक्षण पहले ही दिखाई देते हैं। ओड़िआ कहावत के अनुसार जब मेघ बरसते हैं और पानी बरसता है तब गड़िशा मछलियाँ उछलने लगती हैं। – "गरजंति मेघ, बरषंति पाणि, उठंति गड़िशा वेळकाळ जाणि।"

पेट भरने पर अत्यंत स्वादिष्ट वस्तु भी रुचिहीन लगती है यह भाव प्रकट करने के लिए भी देखिए मछली प्रयोग में आई है। बाङ्ला – "पेट भरले भाजा माछ घसि-घसि लागे।" – पेट भरा हो तो भूनी मछली भी गोबर जैसी लगती है। हिन्दी में भी पोठिया मछली का उल्लेख है– "अघाया बगुला पोठिया तीत।"–पेट भरने पर बगुले को पोठिया जैसी स्वादिष्ट मछली भी कड़वी लगती है। मराठी भाषियों ने अपने 'उंबर' जैसे एक मिष्टान्न को दृष्टान्त के लिए उठाया है – "भरल्या पोटी उंबर कडू" – पेट भरने पर 'उंबर' भी कडुआ लगता है। केरळ प्रदेश के निवासी भी मत्स्यभोजी हैं। इस लिए मछली से उन्हें विशेष प्रेम है। 'मियाँ की दौड़ मस्जिद तक।' अपनी अपनी मर्यादा प्रकट करनेवाली इस कहावत के लिए मलयाळम् कहावत ने मछली का दृष्टान्त लिया है। – "चेम्मीन् तुळ्ळियालुं मुट्टिनुमीते पोङ्ङा" – झींगा (एक छोटी मछली) उड़े भी तो घुटने तक।

इन समुद्रावर्ती प्रदेशों में नदियाँ और खाड़ियाँ बहुत हैं। इनमें नौकाएँ चलती हैं और यातायात यापार आदि नावों में चलता है। अतः नावों का उल्लेख भी कहावतों में अटल है। पूर्व बंगाल, जहाँ पर काफी छोटी मोटी नदियाँ बहती हैं, की यह कहावत देखिए – "भाँगा नौकाइ, बाङ्गालेर गोंसाइ।" – टूटी नाव ही बंगाली का सहारा।

भारत के दक्षिणांचल में कई प्रकार का चावल उपजता है, और उनकी आजीविका का प्रमुख अन्न चावल ही है। इसी लिए वे चावल को अन्न बोलते हैं। तमिळ कहावतों में बार बार चावल आता है "तविट्टे नंबिप्पोगच् शंबा अरिशियै नाय् कोण्डु पोयिट्टु" – भूसा लाने गई और संबा चावल को कुत्ता ले गया। तुच्छ वस्तु बचाने की चिंता में कीमती चीज़ खो बैठी। "अशर्फियाँ लुटे कोयलों पर मुहर" वाली बात हो गई। इसी को अंग्रेज़ कहते हैं – "Penny wise pound foolish."

कश्मीर की विशेषताएँ हैं – ऊँचे ऊँचे पहाड़ और केसर। दोनों कहावतों पर अपनी छाप जमाए हुए हैं। अत्यधिक कष्ट करने पर भी परिणाम में नहीं के बराबर फल प्राप्त होना, यह भाव व्यक्त करने के लिए हिन्दी की कहावत है "खोदा पहाड़, निकली चुहिया।" कश्मीरी में इसी

अर्थ की कहावत में पर्वत का उल्लेख है ही। – "संगर चटिथ् यंगर" – आधा पर्वत लांघ आए मिले केवल चीड़ के फल।

"बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद।" हिन्दी की इस कहावत से मिलती जुलती अन्यान्य भाषाओं की जो कहावतें उपलब्ध हैं, उनमें कश्मीरी की कहावत में 'केसर' का उल्लेख है। – "खर् क्याह् जानि ज़ाफ़ुरानुक् कदुर्।" – गधा क्या जाने केसर का मोल। दुनिया भर में केसर की पैदावार केवल दो जगह होती है – कश्मीर और स्पेन में। उपर्युक्त अर्थ की कश्मीरी कहावत में चावल का भी उल्लेख है, क्योंकि वहाँ भोजन में चावल अधिक खाया जाता है। कश्मीर के नित्य आहार के विषय में एक कहावत प्रचलित है – "आओ कश्मीर अलबत्ता, खाओ कळ्हम का साग भत्ता।" – कश्मीर में आइए और चावल और कळ्हम की सब्ज़ी खाइए।

मूल्यवान और महत्त्वपूर्ण वस्तु का मूल्यांकन सर्वसाधारण व्यक्ति नहीं कर पाता, इस आशय की भिन्न भिन्न प्रदेशों की कहावतों पर भौगोलिक परिस्थिति और वायुमंडल का काफी प्रभाव है। मराठी की कहावत है – "गाढवाला गुळाची चव काय?" – गधा क्या जाने गुड़ का स्वाद? महाराष्ट्र में गुड़ बहुत पैदा होता है और तरकारी तथा मिष्टान्न में उसका प्रयोग होता है। असमीया, ओड़िआ, मलयाळम् भाषी प्रदेशों की कहावतों में नारियल को मूल्यवान माना गया है और उसका उल्लेख कई स्थानों पर आया है। असमीया की कहावत है "बान्दरे कि जाने नारिकलर मोल।" बन्दर क्या जाने नारियल का स्वाद? ओड़िआ की कहावत में किसान को अनाड़ी की जगह पकड़ा है। – "चषा कि जाणे पइड़ पाणि, पिइले बोलइ थिरि तोराणि।" – किसान क्या जाने डाभ के पानी का स्वाद? पीते ही कहा 'यह तो चावल का पानी है।' तमिळ और मलयाळम् की कहावतों में भी यही भाव प्रकट हुआ है कि "कुत्ते को नारियल का क्या मोल?"

जब तक भाषा जीवित और प्रवाही है, तब तक उसके साथ अनेक प्रकार के विचारप्रदर्शक वाक्य बहते आएँगे। मुक्तता से आदान-प्रदान, लेन-देन चलेगा। एक भाषा की कहावतों का प्रभाव दूसरी भाषा पर होगा। कहावतें इधर उधर जाएँगी। जनसामान्य की पसंदगी की मुहर उनपर लगेगी और वे उस भाषा की कहावतों में घुलमिल जाएँगी। इस लिए किसी एक भाषा में होनेवाली कहावतों की संख्या कहना असंभव है। जानपद भाषाओं में नित्य नई नई कहावतें सुनने को मिलती हैं। इन सबकी गिनती-सूची अब तक नहीं बनी, न बनना संभव है। किसी भी भाषा की कहावतों की गिनती पूरी हुई है ऐसा मानकर खाता बंद नहीं किया जा सकता। कभी पूरा न होनेवाला और नित्य नए अनुसंधान को चुनौती देनेवाला यह काम है। जैसे जैसे अनुभव की कक्षाएँ बढती जाएँगी, वैसे वैसे उन अनुभवों की अभिव्यक्ति के लिए नए दृष्टान्त, नए बिंब उपयोग में लाए जाएँगे। उदाहरणार्थ तमिळ की एक कहावत है, "आलै इल्लाद ऊरिले इलुप्पुप्पुचै सर्क्करै" – जिस गाँव में शक्कर कारखाना नहीं, उसमें इलुप्पु पुष्प ही शक्कर। अब इस कहावत की आयु बहुत लंबी नहीं लगती। इसके चेहरे से ही यह आधुनिक लगती है।

साधु-संतों के वचन

विचारवंतों, साधुसंतों, धर्मात्माओं के वचन जनमानस में स्थान लेते हैं और पथप्रदर्शक तत्त्व के रूप में समाज में चलते हैं। समाज उनको स्वीकार करता है और उनको कहावत का स्थान प्राप्त

होता है। हिन्दी में तुलसी की चौपाइयाँ, कबीर या रहीम के दोहे लोगों को कंठस्थ रहते हैं। कभी किसी घमंडी को समझाने का मौका आता है तो 'भाई सब दिन समान नहीं होते' यह कहकर एकाध कबीर का दोहा आदमी बोल देता है।

"मिट्टी कहे कुम्हार को तू क्या रौंदे मोंहीं। इक दिन ऐसा आएगा कि मैं रौंदूँगी तोही ॥"

मराठी में तुकाराम, रामदास, ज्ञानेश्वर आदि महात्माओं की उक्तियाँ उनके मुख से निकलते ही नहीं मरी थीं। आज भी वे लोगों को प्रकाश दिखला रही हैं। चैतन्य महाप्रभु, रामकृष्ण, विवेकानंद आदि महामानवों के वचन हमेशा समाज को संजीवनी देते रहे हैं। पूर्वी भारत में डाक, खना और मलूकादास के वचन कहावत का रूप धारण कर बैठे हैं। तत्त्वज्ञ सॉक्रेटीस, प्लेटो, ॲरिस्टॉटल, ल्यूथर आदि लोगों के उपदेश कहावतों का रूप धारण कर बैठे हैं।

* * *

किसी देश की बुद्धिमत्ता, चातुर्य और चेतना उस देश की कहावतों से सहजता से जानी जा सकती है। लॉर्ड बेकन का कहना है, "The genius, wit and spirit of a nation are discovered in it's proverbs." उस देश या राष्ट्र का इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाज, नीति अनीति विषयक कल्पनाएँ, मत, संप्रदाय, लोकप्रचलित विश्वास आदि विषयों पर कहावतें रोशनी डाल सकती हैं।

यूनानी कहावतों में बार बार उनके गौरवशाली इतिहास का उल्लेख आता है। वह भूमि बड़े बड़े पौराणिक आशयों का बोझ ढोती है, इस लिए उस देश की कहावतों में पौराणिक घटनाओं का ज़िक्र आता है। उसके साथ साथ होमर, हिसिअड, आर्किलोकस, कवयित्री सॅफो जैसे यूनानी कवियों की पंक्तियाँ बार बार दोहराई जाती हैं।

भारतीय दृष्टिकोण में प्रायः पशुत्व के निदर्शक गुणों का गौरव करना उचित नहीं समझा जाता। मनुष्य को पशु की अवस्था से ऊपर उठाकर देवत्व की ओर ले जाने का प्रयास रहता है। इस लिए प्रतिशोध, ईर्ष्या, झूठ आदि दुर्गुणों की सराहना नीतितत्त्व-सूचक सूत्रों में नहीं की जाती।

इतालियन कहावतों में प्रतिशोध (revenge) की भावना की सराहना देखकर हमें बड़ा आश्चर्य होता है – Vendetta, boccon di dio – बदला भगवान का निवाला। सर्व मानवजगत को प्रेम का संदेश देनेवाले ईसाई संप्रदाय के प्रधान धर्मगुरु के सान्निध्य में पली इस भाषा में यह भाव कैसे पुष्ट हुआ? – Aspetta tempo e luogo a far tua vendetta, che la non si fa mai ben in fretta – बदला लेने के लिए ठीक समय और स्थान की प्रतीक्षा करो। ऐसी बातों में उतावलापन अच्छा नहीं है।

इतालियन समाजजीवन की परिचायक और भी कई कहावतें हैं।

फ्रेंच भाषा की कहावतें बड़ी ढंगदार, साहित्यिक मूल्यों से भरपूर तथा नपीतुली होती हैं। उन – की नोक भाले की तरह पैनी होती है। फ्रेंच स्वभाव के अनुसार दृष्टान्त बड़े रसीले रंगीले होते हैं। फ्रेंच कहावत काटती भी है तो इतनी मृदुता से कि आदमी को कब वह आहत हुआ इसका पता भी नहीं चलता।

पश्चिम और पूर्व के देशों की कहावतों का तुलनात्मक अध्ययन करके उनपर उस समाज-जीवन का प्रभाव किस प्रकार पड़ा है यह हमारे आगामी प्रकाशन का विषय होने के कारण उस –

पर हम अधिक चर्चा न करते हुए अपने प्रतिपाद्य विषय की ओर बढ़ते हैं।

कहावत की परिभाषा

कहावत की परिभाषा कई लोगों ने कई प्रकार से की है। सब परिभाषाओं का निचोड़ तो यही होगा कि कहावत ऐसा प्रादेशिक वचन या उक्ति है जो सदियों से एक ही आशय को लेकर चलती आई है। लोगों में चलती पुर्जी है और प्रायः जो सीधे ढंग से आशय न व्यक्त करते हुए, आशय को किसी अलंकार में, किसी उपमा, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त की साड़ी पहनाकर सामने आती है। उसमें अभिधा की अपेक्षा कभी लक्षणा और प्रायः व्यंजना की प्रधानता होती है। उदाहरणार्थ जिसपर आ बीतती है, वही उसकी वेदना को जानता है। यह भाव प्रदर्शित करने के लिए देखिए कैसे कैसे रोज़मर्रा के दृष्टान्त खड़े किए जाते हैं। भोजपुरी की कहावत चिलम का सहारा लेकर कहती है, " जानेली चिलम जिनका पर चढ़ेला अंगारी। " अंग्रेज़ी की कहावत जूतियों का दृष्टान्त कहकर यही आशय प्रकट करती है। " It is the wearer who knows where the shoe pinches. " संस्कृत तो एक सार्वकालीन, वैश्विक सिद्धान्त घरेलू उदाहरण के साथ प्रकट करती है। " नहि वन्ध्या विजानाति गुर्वीं प्रसववेदनाम्। " – बाँझ प्रसवपीड़ा को नहीं जान सकती। भारतीय भाषाओं की जननी, प्रेरणास्रोत संस्कृत होने के कारण इस दृष्टान्त का प्रभाव बहुत सारी भाषाओं की कहावतों पर दिखाई देता है। अन्यान्य भारतीय भाषाओं ने यह आशय प्रकट करने के लिए भिन्न भिन्न प्रतिमाएँ खड़ी की हैं। तामिळभाषी कहते हैं – ' कावडी का भार ढोनेवाला ही जाने। ' तेलुगु-भाषी और एक नित्यपरिचित सुंदर दृष्टान्त देते हैं – ' जिसे खुजली हो वही खुजलाएगा। ' कन्नड़ में भी यही अनुभव दोहराया है। ' परदुःखेनापि दुःखिता विरलाः। ' दूसरों की पीड़ा जाननेवाले साधु लोग विरले ही होते हैं।

इस प्रकार भिन्न भिन्न रूपकों, दृष्टान्तों के माध्यम से एक ही आशय प्रकट करनेवाले हज़ारों उदाहरण भारतीय कहावत संग्रह के तीनों खंडों में देखने को मिलेंगे।

अरस्तू की भाषा में कहना हो तो ये प्राचीन पांडित्य के खंड हैं, टुकड़े हैं – Fragments of elder wisdom—यह सच भी है क्योंकि कहावत ऐसे युग की देन है, जब मानव भविष्यकथन, जादूटोना आदि से छुटकारा पाकर तर्क और बुद्धि के युग के निर्माण में लगा हुआ था।

डच भाषा में कहावत है जो कहावत का वर्णन इस प्रकार करती है। " कहावतें दैनंदिन अनुभव की पुत्रियाँ हैं। " कहावत का कितना वास्तविक वर्णन यहाँ हुआ है। जीवन में प्रतिदिन के व्यवहार में जो अनुभव आते हैं उनका निचोड़ ही तो कहावतें हैं। ठीक ही तो कहा है – Proverbs are the daughters of daily experience.

हीब्रू भाषा में कहावत का बड़ा ही रोचक वर्णन आता है, " जिस प्रकार बगीचे में फूल, भोजन में व्यंजन, पोशाक में जेवरात और आकाश में सितारे, उसी प्रकार भाषण में कहावतें संजोई रहती हैं। " कहावतों से भाषण या बातचीत अधिक प्रभावी और परिणामकारी होती है। सामनेवाले को समझाना आसान हो जाता है। साथ साथ भाषा भी प्रगल्भ बनती है।

अरबी भाषा में कहावत को नमक की तरह अत्यावश्यक समझा है। " भोजन में जैसे नमक, वैसे भाषण में कहावत। " नमक के बिना खाना बेजायका, रुचिहीन बनता है, उसी प्रकार कहावत

के बिना भाषण अतीव रुक्ष बन जाता है। अरबी की एक दूसरी कहावत में कहावत को शब्दों का दीपक माना गया है।

तमिळ् भाषा ने कहावत को बड़ा ऊँचा स्थान दिया है। "स्वर्ग और पृथ्वी का विनाश हो सकता है, लेकिन महान लोगों के वचन विनष्ट नहीं हो सकते।"

बाइबल ने तो महान लोगों के वचनों को अंकुश के रूप में देखा है। "The words of the wise are as goads"–Bible.

महाकवि टेनिसन ने कहावत का वर्णन बड़े सुचारु रूप से किया है। Jewels five-words long that on the stretched forefinger of all time sparkle for ever! यह पाँच शब्दों का रतन काल की खुली तर्जनी पर सदा चमकता रहता है।

होवेल ने एक सुनीत (sonnet) में कहावत का वर्णन इस प्रकार किया है।

The people's voice the voice of God we call; And what are the proverbs but the people's voice? Coined first and current made by common choice? Then sure they must have weight and truth withal!

कहा भी जाता है कि जनता की आवाज़, खुदा का नक्कारा। Vox populee vox le – और कहावत भला क्या है? लोगों की अनुभव भरी आहें। पहले एक उद्‌गार निकला और बाद में लोगों ने उसको दोहराया और बस उसकी कहावत बन गई।

संस्कृत में प्रायः सुभाषित शब्द से ही पथप्रदर्शक वाक्यों का भाव प्रकट होता है। वे (सुभाषित) ऐसी उक्तियाँ हैं जिनसे सुननेवालों का सुसंस्कार हो और वह इन्हीं उक्तियों के आधार पर सामने आनेवाली छोटी–मोटी समस्याओं को हल कर सके। कोई अनोखा अतिथि आया तो क्या करना चाहिए? मन में संभ्रम पैदा होता है कि उसे सहारा दें या न दें! अंतर्मन में कहीं सुने हुए संस्कृत वचन का स्मरण होता है। "अज्ञात कुलशीलस्य वासो देयो न कस्यचित्।" – अज्ञात व्यक्ति को घर में नहीं पैठने देना चाहिए। – बस, शंका का निवारण हो गया। संभ्रमावस्था में ऐसी उक्तियाँ काम आती हैं।

सयामी भाषा में कहावत को कहते हैं 'सुपहासित', जो 'सुभाषित' का अपभ्रष्ट रूप है और इसी अर्थ में उसका प्रयोग होता है।

मलाय भाषा में 'उपमान' शब्द का प्रयोग है। संस्कृत का प्रभाव दक्षिणपूर्वी भाषाओं की संज्ञाओं पर काफी दिखाई देता है। किसी घटना के तथ्य को उपमा के द्वारा प्रदर्शित करना यही भाव है। उसी प्रकार 'लक्षण' शब्द भी कहावत के लिए चलता है।

अरबी और आफ्रिकी भाषाओं में भी 'कहावत' को 'उपमा' माननेवाली संज्ञाएँ हैं। अरबी 'मथाल' या 'तमथाल', ईरानी भाषा में 'अम्साल' या 'मसाल', उर्दू और काश्मीरी के 'कहावत' के समानार्थी शब्द "मिसालें' इन सब शब्दों का अर्थ उपमा – simile ही होता है। हीब्रू का शब्द 'मशल' और एक आफ्रिकी प्रमुख भाषा स्वाहिली के 'मेथाली' 'मिस्ली' शब्द भी मिसाल के अपभ्रष्ट रूप हैं जिनका मतलब भी उपमा या साम्य ही है। तेलुगु के 'सामेतलु' का अर्थ भी उपमाएँ होता है।

तुर्की में जो 'अतलर सोझू' शब्द प्रयोग में है, उसका शब्दशः अर्थ है दादा या नाना की

उक्तियाँ। मतलब है पुरखों के अनुभवभरे वचन।

चीनी भाषा में 'कहावत' के लिए दो पर्याय दिखाई देते हैं। साहित्यिक या ग्रंथ-भाषा में 'येन' या 'येन यु' का प्रयोग होता है, जिसका अर्थ है सुशोभित वचन या चमकते वाक्य। किन्तु चीन की बोली भाषा में 'कहावत' को कहते हैं 'शु-हुआ' जनता की बोली। यद्यपि चीनी भाषा में दोनों शब्द एक ही अर्थ में प्रयोग में लाए जाते हैं, फिर भी हमारी दृष्टि में उनमें सूक्ष्म अंतर है। 'येन' है कहावत और 'शु-हुआ' है मुहावरा।

जापानी भाषा के 'कोतोवझा' शब्द का वास्तविक अर्थ है– 'प्रभावशाली वाक्य' या 'परिणामकारी उक्ति'। जिस उक्ति का सुननेवाले पर तुरन्त गहरा प्रभाव पड़ जाता है ऐसे वाक्य। योरोपीय भाषाओं के 'कहावत' के लिए जो पर्यायवाची शब्द हैं, वे बहुत सारे लातिन भाषा के *proverbium* (प्रॉव्हर्बिअम) से मिलते जुलते दिखाई देते हैं। अंग्रेज़ी के *proverb* शब्द से तो हम परिचित हैं। इतालियन भाषा में *proverbio* शब्द का प्रयोग होता है। ग्रीक भाषा *paroemia* (पॅरोमिआ) शब्द से कहावत का अर्थ सूचित करती है। जर्मन भाषा में *sprichwörter* शब्द से कहावत का अर्थ प्रदर्शित होता है। जो spratch – बोली, भाषण और wort – शब्द – उच्चारित शब्द, बोला गया शब्द, से बना हुआ है। स्पॅनिश *refran* (रेफ्रां) का मतलब है बार बार 'प्रयोग में आनेवाले वाक्य'। स्वीडिश में शब्द है *ordsprak* जो ord – शब्द तथा sprak – भाषा, से बना हुआ है।

रूसी भाषा के *poslovitsa* – पोस्लोविझ्ना शब्द का मूल स्लाव भाषा में है। slovo – शब्द को उपसर्ग लगाया पो, जिसका मतलब हुआ by-word या कहावत। पोलिश भाषा का शब्द *przyslowie* बड़ा ही अर्थवाही है – पगडंडी का शब्द अर्थात् जनसाधारण की उक्ति।

भारतीय भाषाओं में भी इसी आशय के शब्द 'कहावत' के लिए पाए जाते हैं। हम ऊपर देख चुके हैं कि कश्मीरी, उर्दू, तेलुगु आदि भाषाओं में दृष्टान्त या उपमा के पर्यायवाची शब्द कहावत के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं। किसी आशय को सीधे ढंग से न कहते हुए उसकी समानान्तर उपमा के सहारे कहना।

बाङ्ला, असमीया, ओड़िआ के शब्दों में 'प्रवचन, प्रवाद' में उक्ति की ओर संकेत है। ओड़िआ का 'कहावत' का समानार्थी देशज, जानपद शब्द है 'पहळि'

हिन्दी का 'कहावत', गुजराती का 'केहवत' और मराठी का 'म्हण' ये तीनों शब्द समानार्थी हैं। कन्नड़ के 'गादे' का मतलब भी उक्ति है।

तमिळ और मलयाळम् के क्रमशः 'पळमोऴि', 'पळंचोऌ' शब्द उसी अर्थ को सूचित करते हैं।

कहावतों का वैश्विक महत्त्व

हमने अब तक के विवेचन में यह देखा कि किसी भी भाषा में 'कहावत' अपना एक अनन्यसाधारण स्थान रखती है जिससे उस भाषा और साहित्य का सौंदर्य अधिक वृद्धिंगत होता है। ऐसी कहावत के विषय में अन्यान्य भाषाओं में कहावतें हैं, उनका परीक्षण और निरीक्षण करना बड़ा ही लाभदायक होगा। दुनिया भर की भाषाएँ 'कहावत' को किस मापदण्ड से आँकती हैं, यह

देखने से उनका आंतर्देशीय महत्त्व हमारे मस्तिष्क में दृढ़मूल होगा।

बास्क भाषा में कहा है कि कहावत में असत्य कुछ भी नहीं होता तो बोस्निअन भाषा कहावत को 'अंधेरे में शब्ददीप' मानती है।

अंग्रेज़ी में तो 'कहावत' की अपार महिमा सैंकड़ों कहावतों में गाई गई है। नमूने के लिए दस बारह अंग्रेज़ी कहावतों का उल्लेख पर्याप्त होगा। अंग्रेज़ी तथा अन्य भाषाओं के कई लेखकों के कहावत के बारे में लिखे हुए वाक्य आज जनउक्ति का रूप धारण कर बैठे हैं।

A good maxim is never out of season. – अच्छा वचन कभी भी असामयिक नहीं होता। All the good sense of the world runs into proverbs. – दुनिया की सब भलाई कहावतों में ग्रथित है। अब और एक महत्त्वपूर्ण कहावत देखिए जो जनसाधारण से संबंध रखती है। Proverbs are the wisdom of the streets. – कहावतें सड़क (के आदमी) की बुद्धिमानी हैं।

मेरी कोरोली ने एक स्थान पर लिखा है कि जूते में पैर जितनी सहजता से समा जाता है, उससे भी अच्छी तरह कहावत दिमाग में समा जाती है। यहाँ जूते का व्यावहारिक दृष्टान्त देकर कहावत का कैसा सुंदर वर्णन किया है!

थॉमस फुलर ने अपने 'Worthies of England' ग्रंथ में कहावत का यथोचित वर्णन किया है। वे कहते हैं, A proverb is much matter decocted into few words. – फुलर का यह कथन कहावत का सही स्वरूप हमारे सामने प्रकट करता है। अच्छी कहावत की यह कसौटी है कि वह बहुत बड़ा आशय चंद शब्दों में व्यक्त करे। गागर में सागर भर दे। बहुत–सी सामग्री का निचोड़ निकालकर सामने रखे। कविसम्राट और महान आंग्ल नाटककार शेक्स्पियर ने तो अपने नाटकों में कई बार कहावतों की महत्ता का अपने नाटकों के पात्रों द्वारा वर्णन किया है। 'मच अडू अबाउट नथिंग' में वह कहता है– Patch grief with proverbs. – कहावतों से अपने दुःखों का इलाज करो, शमन करो। मनोविकृति पर संगीत का अवश्य इलाज होता है, किन्तु कहावत दुःखों के लिए अक्सीर इलाज है यह मालूम न था।

दूसरे एक नाटक में शेक्स्पियर ने कहावतों का रौद्र और क्षोभक दर्शन कराया है। भूखे, नंगे लोग अपना क्षोभ कहावतों के द्वारा प्रदर्शित कर रहे हैं। कहावतों का अपने लक्ष्य पर अचूक तीर चलाना इसमें वर्णित है।

> "Hang 'em '
> They said they were an hungry, sighed forth proverbs
> That hunger broke stone walls; that dogs must eat;
> That meat was made for mouths;
> That, the Gods sent not corn for the rich man only,
> With these words they vented their complainings."

भूख के मारे संतप्त लोग यह कहते हुए अपने क्रोध को व्यक्त कर रहे थे कि "भूख पत्थरों की दिवारें तोड़ेगी।" "कुत्तों को (भी) खाना मिलना चाहिए।" "भगवान ने केवल अमीर के लिए अनाज नहीं भेजा है।"

डिज़रेलीसाहब का कहना है कि कहावतें नैतिक आचरण की अलिखित नियमावली हैं। Proverbs were anterior to books and formed the wisdom of the vulgar, and in earliest ages were the unwritten laws of morality. किताबों में न समाई हुई यह जनसाधारण की बुद्धिमत्ता पुराने ज़माने में कायदे की तरह काम आती थी। डिज़रेली-साहब की वेवक्त की शहनाई पर यह कड़ी चोट देखिए, The wise make proverbs and fools repeat them – सयाने लोग कहावतें बनाते हैं और मूर्ख उन्हें दोहराते हैं। ठीक समय पर कहावत का प्रयोग न करनेवालों को मूर्ख ही कहना चाहिए।

थॉमस कार्लाइल का मन्तव्य है कि किसी भी तत्त्वज्ञान को लेकर चलनेवाली पद्धति से भी अधिक आध्यात्मिक बल कहावत में होता है।

ब्रायन वॉलर तो कहावत पर कितने फिदा है यह उनके सुनीत में दिखाई देता है। न उनको सुलानेवाली लोरी चाहिए, न हैरान करनेवाली पड़ोसी की बातचीत। उन्हें चाहिए एक सुंदर सार-गर्भित कहावत, जनउक्ति, एक सुंदर वचन।

> " I said that I loved the wise proverb,
> brief, simple and deep;
> For it I'd exchange the great poem
> that sends us to sleep.
> I would part with the talk of a neighbour.
> that wearies the brain,
> Like the rondo that reaches the end
> and beginneth again."

कहावत की ओर वक्रता से देखनेवाली उक्तियाँ भी ध्यान देने योग्य हैं। लॉर्ड चेस्टरफील्ड के कथनानुसार पढ़े-लिखे, प्रगत, सफेदपोश लोगों को कहावतों और अशिष्ट जनउक्तियों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपने बेटे को उपदेश किया है, A man of fashion never has recourse to proverbs and vulgar aphorisms. हमें भी यह डर है कि इस देश के पढ़े-लिखे लोग कहावतों को भूल जाएंगे। हमें आशा है कि कम से कम हमने क्या भुला दिया उसका ज्ञान तो इस ग्रंथ से प्राप्त होगा।

आयरीश भाषा में कहावत के विषय में पिछली शताब्दी के बहुत सारे लेखकों ने अपने विचार प्रकट किए हैं। The wisdom of the proverb can not be surpassed.– कहावतों के सयानापन से बढ़कर सयानापन, चातुर्य नहीं हो सकता। पाठकों को यह कथन अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होगा। परंतु कहावतों के प्रेम में पड़े हुए की थोड़ीसी ज्यादती क्षमा करने योग्य है।

स्कॉटिश भाषा में कहावत का प्रातिनिधिक स्वरूप छोटेसे वाक्य में प्रकट किया है। As the people, so the proverb – जैसे लोग वैसी उनकी कहावतें। इसमें एक सुंदर. चेतावनी स्कॉटलंड के लोगों ने दी है। Don't quote your proverb till you bring your ship into port. (Don't disclose your identity.) कहावतों द्वारा आदमी पहचाना जाता है। इस लिए जब तक अपना जहाज बंदरगाह में ठीक तरह से नहीं पहुँच जाता तब तक अपना परिचय न दो। नाविकों को कई प्रकार की अड़चनें पार करनी पड़ती हैं। बंदरगाह के लोगों तथा

कर्मचारियों से सामंजस्य रखना आवश्यक होता है। इस लिए स्कॉटिश भाषा में उपर्युक्त चेतावनी दी गई है।

फ्रेंच भाषा कहावतों से भरपूर है। फ्रान्सिसियों का कहना है कि कहावतें स्मरण में रखने लायक वाक्य होते हैं।

जर्मन भाषा की एक उक्ति कहावत का वास्तविक स्वरूप खोल देती है। "मृत्यु और कहावत को 'संक्षेप' से प्रेम होता है।"—कहावत में शब्दों का आडंबर नहीं होता। वह अपना मन्तव्य संक्षेप में कह देती है। दूसरी एक बड़ी सूचक जर्मन कहावत कहती है कि "जब ग़रीब कहावत बनाता है, तो वह स्वयं उसे कभी नहीं तोड़ता।" ग़रीबों की, अनाथों की उक्तियाँ सदासर्वकाल एक जैसी रही हैं, चाहे ग़रीबी से झगड़ने के उनके मार्ग में परिवर्तन आ गया हो।

किसी एक अवस्था का जब हम खुद अनुभव करते हैं, तब उस समयोचित कहावत का अर्थ हमें अधिक स्पष्ट होता है। अपने अपने अनुभव की बात है।

लातिन भाषा ने कहावत के विषय में जो कहा है, वह तो जनतंत्रवादियों का सदियों से घोष-वाक्य रहा है। Vox populee vox le. – जनता की आवाज़, ईश्वर की आवाज़ है। ईश्वर मनुष्यों के मुँह से बोलता है। सब लोगों की एक साथ, संघटित, सामूहिक ध्वनि को धुतकारने की किसी को भी हिम्मत नहीं होगी। इस आवाज़ के सामने प्राचीन और अर्वाचीन काल में बड़े बड़े तानाशाह उखड़ गए, धराशायी हो गए। इस सत्य का अनुभव हमने अपने जीवनकाल में भी किया है। इस सदी में यूरोप, आशियाई देशों और साक्षात भारत में भी जनशक्ति के विराट रूप के दर्शन हमने किए हैं। अत्याचारियों तथा तानाशाहों को जनता की एकमुखी आवाज़ ने ज़मीन में गाड़ दिया और लोकतंत्र का झंडा लहराता रखा। इस का कारण यही है कि यह ईश्वर की ध्वनि थी। नर के मुख से नारायण बोल रहा था। इतनी बड़ी शक्ति नरनारायण की पीड़ित आहों में है। यह कहावत तो मानवसमाज के लिए लातिन भाषा की एक महान देन है। सदियों से उसका प्रभाव रहा और आगे चलकर सदियों तक रहेगा। महान लातिन पंडित सिसेरो ने कहावतों को 'नमक की डालियाँ' 'नोन की खान' कहा है। जब चाहे उसमें से थोड़ा-सा नमक निकालकर भाषण में चाहे जहां डाल दो, भाषण या संभाषण बड़ा रोचक, स्वादिष्ट होगा। अरबों ने भी कहावत की नमक से तुलना की है।

स्पॅनिश भाषा कहावतों की दृष्टि से बड़ी समृद्ध भाषा है। उस भाषा में कहावत का गौरव होना स्वाभाविक है। उनके विचार में 'कहावत एक बोधवाक्य है' और वह "सत्य से भरा छोटा वाक्य होते हुए भी, दीर्घकाल चलने के कारण लम्बा हो गया है।" उसका छुटपन और दीर्घकालीन उपयोग, इन दोनों विशेषताओं को विरोधाभास से स्पष्ट किया है। डॉन क्विक्ज़ोट और सॅङ्को पान्ज़ा के दरमियान जो संभाषण पाए जाते हैं, उनमें कहावतों का भरपूर प्रयोग किया हुआ दिखाई देता है क्योंकि क्विक्ज़ोट का यह विश्वास है कि ऐसी कोई कहावत नहीं जिसमें थोडा-सा भी झूठ हो और मनुष्य के सामूहिक अनुभव की अभिव्यक्ति होने के कारण वह सत्य ही होनी चाहिए। लंबे अनुभव को ग्रथित करनेवाले छोटे वाक्य कभी झूठ नहीं हो सकते।

स्विस और जर्मन दोनों भाषाओं में कहावतों को बड़ी आलंकारिक भाषा में सराहा गया है। "स्मरण में रखी सुंदर कहावत बटुवे में रखे हुए सोने के टुकड़े के समान है।" दूसरी जगह

कहावत का वर्णन इस प्रकार मिलता है – ' कहावत परिंदे की चोंच से भी छोटी होती है। ' छोटी अवश्य पर चोंच की तरह पैनी ।

' कहावत एकदम सस्ती कीमत में आपको बड़ा सबक सिखाएगी। ' यह कहावत का वर्णन वणिक के लेन-देन के हिसाब से भी बड़ा लाभदायक है ।

रूसी साहित्य में कहावतों का प्रचुर मात्रा में प्रयोग दिखाई देता है । यद्यपि समाजव्यवस्था में परिवर्तन लाने का भरसक प्रयास इस सदी में होता रहा फिर भी पुरानी कहावतें आज भी प्रयुक्त हैं । कई नए दृष्टान्त आ गए, किन्तु आशय वही रहा । आखिर कहावतों को रूसी लोग ' जनता के सिक्के ' मानते हैं । उनका यह दृढ़ विश्वास है कि " कहावत से बुद्धि बढ़ती है, और बुद्धि से कहावत चलती है । " एक ज़माना था जब झार का शब्द ही ' कहावत ' बनता था। शासक की उक्तियाँ गुलामी मनोवृत्ति के देश में हमेशा नीतितत्त्व बनती थीं । मगर सामाजिक और राज-नीतिक परिवर्तन के साथ उन उक्तियों का खोखलापन प्रकट होता है । कैसा भी हो, ऐसे परिवर्तन-शील देशों में भी कहावत बनी रहती है क्योंकि वहाँ का " किसान एक कहावत के लिए मॉस्को तक पैदल गया था ! "

कहावतों की मीमांसा–परिक्रमा में यदि हम बाइबल में किए हुए कहावतों के मूल्यांकन को थोड़ी देर के लिए निहारें तो अनुचित नहीं होगा ।

प्रारंभ में ही ठीक समय पर कहे हुए वाक्य को चांदी के चित्र में सोने के सेब की जगह बिठाया है। एक भविष्यवाणी भी बाइबल में है – " And Israel shall be a proverb and a by-word among all people. " इस्रायल का शब्द (बाइबल का कथन) संपूर्ण मानवजाति की कहावत बनेगा। इस भविष्यकथन में कितना तथ्य है, इसकी जाँच हम पाठकों पर छोड़ देते हैं ।

आगे चलकर ईसा ने जो कहा है इससे हमारी आशंका को बल मिला है। " These things have I (Jesus) spoken unto you in proverbs, but the time cometh when I shall no more speak unto you in proverbs. " (St. John xvi) ईसा मसीह को सैंकड़ों वर्ष पूर्व यह आशंका हो गई कि आगे चलकर पढ़े-लिखे लोग कहावत को नहीं अपनाएँगे । कहावत के प्रति उन्हें प्रेम नहीं रहेगा, या उनको यह अनुभव हुआ कि अनपढ़ अज्ञानी लोगों को केवल ' सूत्रों ' से सिखाना असम्भव होगा ।

हीब्रू भाषा ने कहावत को तत्त्वज्ञानियों के कथन का भावार्थ कहा है और हीब्रू भाषियों की यह धारणा है कि कहावतों के आधार पर मनुष्य का जीवन खड़ा है।

चीन भी भारत की तरह विशाल बहुभाषी देश है। चीनी लोग कहावत की महत्ता माननेवाले हैं । वे तो यहाँ तक मानते हैं कि जिसने कहावतों की किताब पढ़ी, उसकी ज़बान साफ-सुथरी हो गई । कहावत के बारे में एक और अजीब-सी बात चीनी भाषा में मिलती है। ' शुद्ध सत्य कथन करने-वाली कहावत आत्मविरोधी होती है । '

इस वचन को अनुभव की कसौटी पर घिसना होगा । हाँ, कई कहावतों में स्वयंविरोध का आभास अवश्य होता है, परंतु तथ्य नहीं छिपा रहता । यह भी हो सकता है एकाध कहावत दूसरी किसी कहावत में संकलित अनुभव से बिल्कुल विरोधी, विपरीत अनुभव सामने रखती हो । ऐसे समय किसको सच माना जाए यह संदेह भी पैदा हो सकता है। ' गीता ' अहिंसा का भी पाठ पढ़ाती है और

' तस्मात् युद्धाय युज्यस्व ' कहकर युद्ध के लिए उद्युक्त भी करती है।

हर एक व्यक्ति की जीवन की ओर देखने की दृष्टि भिन्न होने के कारण कभी कभी दो व्यक्तियों के एक ही घटना की ओर देखने के दो भिन्न दृष्टिकोण हों तो उन्हें स्वाभाविक ही कहना चाहिए। इसके फलस्वरूप, दो एक दूसरी के विरुद्ध खडी होनेवाली कहावतें जन्म लेती हैं। उदाहरण के लिए अंग्रेज़ी की कहावतें देखिए – " Every man is the architect of his own fortune. " – हर आदमी अपने भाग्य का विधाता है। " No man can make his own hap. " अपना भाग्य कोई नहीं बना सकता। " जेनी दियानत पाक, तेने शानी धाक ? " – जिसकी नियत शुद्ध हो, उसको काहे का डर ? और " जेनी दियानत पाक, तेना हाथ मां खाक " – जिसकी नियत साफ उसके हाथ में राख अर्थात् उसका विनाश होगा। ऐसी एक दूसरी के प्रतिकूल कहावतें अनुभव-वैचित्र्य के कारण देखने को मिलती हैं। एक चीनी कहावत का मतलब है कि हर एक कहावत अपनी विरोधी कहावत को चुनौती देती है। अन्ततोगत्वा यह कहना आवश्यक है कि ऐसी विरोधी कहावतों की जोड़ियाँ विश्वभर की कहावतों में बहुत विरला हैं।

जापानी भाषा में भी कहावत को ईश्वर की आवाज़ माना गया है।

ईरानी (पर्शियन) भाषा ने कहावत को भाषा का आभूषण माना है, तो तुर्की भाषा में साफ साफ कहा गया है कि " जो कहावतों के उपदेशानुसार न चलेगा, वह जीवन में ज़रूर गलतियाँ करेगा। "

तुर्की भाषा में और एक मज़ेदार कहावत है। " लोमड़ी सौ कहावतें कहेगी, उनमें से निन्यानवे मुर्गी के बारे में होंगी। " जिसका जिस विषय पर ध्यान रहता है, वह उसी के बारे में सोचता है। ' चोर की नज़र गठरी पर। ' इस अर्थ की सभी भाषाओं की कहावतें भारतीय कहावत संग्रह के प्रथम खंड में संग्रहीत की गई हैं।

कुछ आफ्रिकी भाषाओं में भी कहावत की काफी प्रशंसा की गई है। इबो भाषा में एक सुंदर दृष्टान्त प्रस्तुत करते हुए कहावत का भाषण में स्थान दिखाया है।

" शब्दों का भोजन करने के लिए कहावत एक पत्तल है। " शब्दान्न के लिए कहावत की पत्तल का सहारा आवश्यक है। इसी भाषा में कहावत को शोरबा – रस कहा गया है।

कोंगो भाषा कहावत को देश की परिचायक मानती है, तो नंडी में कहावत को द्व्यर्थी समझा गया है। ओझी भाषा मूर्ख पर कहावत का कोई असर नहीं होता ऐसा अभिप्राय व्यक्त करती है। " मूर्ख से कहावत कहें, तो उसे उसका अर्थ स्पष्ट कर दिखाना होगा। " इसी ओझी भाषा में फिर ग़रीबों के हाल, उनकी मर्यादाओं आदि का सुंदर ढंग से, बड़ी खूबी से वर्णन किया गया है। " ग़रीब जब कोई उक्ति कहेगा, तो वह देशविदेशों में नहीं फैलनेवाली। " वह बेचारा कितनी भी सुंदर बात कहे, उसकी ओर कोई ध्यान नहीं देगा। निर्धन की इस मजबूरी से संबंधित सभी भारतीय भाषाओं की कहावतें भारतीय कहावत संग्रह के द्वितीय खंड में संग्रहीत की गई हैं।

योरुबा भाषा में कहावत के लिए और एक अनोखा दृष्टांत देखने को मिलता है।

" कहावत बातचीत का घोड़ा है। जब बातचीत ठंडी होने लगती है तो कहावत उसमें जान भरती है। बातचीत और कहावत एक दूसरी का पीछा करती रहती हैं। " योरुबा भाषी उसे बातचीत का सबसे अच्छा तरीका मानते हैं, जिसमें कहावतें प्रचुर मात्रा में बिखरी हुई हों।

इस प्रकार लोकोक्ति या कहावत का आदर विश्वभर की सभी भाषाओं ने किया है। कहावतों का चुलबुलापन बातचीत में, भाषण में अजीब रंग भरता है।

कहावतों के विशेष गुण

विनोद, विवेक, बुद्धिमानी और कल्पकता से भरपूर ये कहावतें सदियों से बहते हुए कालप्रवाह के साथ बहते बहते यहाँ तक पहुँची हैं। कहीं वे रास्ते में डूब नहीं गईं, ओझल नहीं हुईं। तर्क और अनुभव की कसौटी पर घिसकर उन्होंने अपनी उपयुक्तता इतनी साबित कर रखी है कि समय के पलटते पन्ने उन्हें मिटा न सके।

कालचक्र की चक्की में पीसी जाने पर तो वे अधिक रुचिकर बन गई हैं। सोना अग्नि में तपकर बाहर आने के बाद और ही चमकने लगता है। लोगों के मुँह में रहा हुआ यह प्राचीन साहित्य अपने विशेष गुण अवश्य रखता है। कहावत में तीन विशेष गुण होते हैं। कहावत या उक्ति छोटी चाहिए ताकि उसे ध्यान में रखने में सुविधा रहे और एक ही दम में कही जा सके। वह आशय-घन, सारगर्भित होनी चाहिए, नहीं तो उसे कौन याद करेगा? तीसरी बात वह नमकीन या चटपटी होनी चाहिए।

" Three things must epigrams; like bees, have all it 's sting, it's honey and it's body small. " – Archbishop Trench.–कहावतों में मधुमक्खी के समान डंख चाहिए, मधु चाहिए, और वह छोटी भी होनी चाहिए। देखिए ये छोटी छोटी कहावतें कितनी आसानी से मुँह में बैठ जाती हैं। " जैसा देवता, वैसी पूजा " – अपनी अपनी योग्यता के अनुसार आव भगत होगी। " जैसी करनी, वैसी भरनी " – हम जैसा काम करेंगे, उसके अनुसार हमें अच्छा या बुरा फल मिलेगा। " जैसा बोओ, वैसा काटो " – अच्छा बोओगे, तो अच्छी फसल निकलेगी। ऐसी ही छोटी छोटी कहावतें अन्य भाषाओं में भी हैं।

इन तीन गुणों के साथ साथ उसमें तुकबंदी भी होती है तो मानो दूध में शक्कर मिलती है और कहावत याद करने के लिए और भी सहल हो जाती है। मराठी की कहावत–' आला भेटीला, धरला वेठीला '–मिलने आया, काम में लगाया। बाङ्ला ' परेर खाइ, घरेर गाइ '–खाऊँ पर का, गाऊँ घर का। तेलुगु–' मीकु माट, माकु मूट। '–तुमको गालियाँ, हमको गठरियाँ। इस कहावत में अनुप्रास भी है और तुकबंदी भी। ' नोसट नामालु, नोट बंडबूतुलु ' – भाल पर ऊर्ध्वपुंड्र, मुँह में गालियाँ। ढोंगी या पाखंडी का यह वर्णन कितना चटपटा है।

बाङ्ला की यह छोटी–सी कहावत देखिए कितनी आशयघन है, " घुँटे पोड़ें, गोबर हासे। " – उपला जले, गोबर हँसे। बेचारे गोबर को यह मालूम नहीं कि कल उसे भी उपला बनकर जलना है। इसलिए आज वह उपले की खिल्ली उड़ा रहा है।

Brevity is the soul of wit. संक्षिप्तता तो कहावत का प्राण है। ' Such beef, such broth' या ' Bear this, bear all.' Like master, like scholar. ' ' Silence is golden. ' ' Money makes the mare go. ' छोटी छोटी कहावतों के ये कुछ नमूने हैं।

अन्त्यानुप्रास या तुकबन्दी के कारण कहावत की काव्यात्मकता बढ़ती है और गीत की पंक्तियाँ या दोहे चौपाइयाँ, जिस प्रकार आसानी से याद रहती हैं, उसी प्रकार ये कहावतें भी कंठस्थ हो

जाती हैं। मराठी–" देवाची करणी, नारळांत पाणी "–भगवान की करनी और नारियल में पानी। गुजराती–" बायडी जोय लावतो, माय जोय आवतो "–पत्नी देखती है क्या लाया और माँ देखती है सकुशल तो आया। माँ और पत्नी के देखने या अपेक्षा में जो अंतर है, वह कितनी स्पष्टता से बताया है। कन्नड़ की ये दो उक्तियाँ देखिए,–" ऊटक्के मुंदु, दंडिगे हिंदु " – खाने को आगे, लड़ने को पीछे। " कासू हाळु, तलेयु बोळु "–पैसा भी गया, सिर भी मुंड़ाया। इसी प्रकार तेलुगु, तमिऴ, मलयाळम्, बाङ्ला आदि सभी भाषाओं में तुक साधा हुआ दिखाई देता है। तेलुगु–" ऎवरि कंपु वारि किंपु "–अपनी बदबू हर एक को पसंद आती है। " कथ कंचिकी, मनमिंटिकी "–हम घर पहुँचते हैं तब तक अफवाह कांची तक पहुँचती है। बाङ्ला–" पुरुषेर माया, गाछेर छाया "–पुरुष की माया, वृक्ष की छाया। " यतो दोष, नन्न घोष। " – जितना दोष, नन्द घोष (का)। जाते जाते छोटी-सी तुकबन्दी में तेलुगु ने एक आरोग्य का नुस्खा भी पेश किया है। " पप्पु पैत्यमु, चारु शैत्यमु "–दाल पित्तकारक, रसं शीतकारक। अंग्रेज़ी की प्रासादिक कहावतों के चंद उदाहरण अयोग्य नहीं होंगे। " Good mind, good find " ": Truth may be blamed, but can not be shamed. " " Little strokes fell great oaks. "

कई कहावतों में तुक़बन्दी जमाने के आवेश में मतलब की तरफ ध्यान ही नहीं रहा है। तुक-बन्दी के लिए तुकबन्दी। कहावत में तो कोई अर्थ या आशय ही नहीं; केवल शब्दों की खींचातानी। तेलुगु का यह उदाहरण " कापुरं गुट्टु, रोगं रट्टु " – गृहस्थी छिपी, बीमारी खुली। या बाङ्ला की यह कहावत देखिए–" चाइलाम जीरा, पाइलाम हीरा। " – चाहा जीरा, पाया हीरा। कितना ही मथने के बाद भी इन कहावतों से कोई नवनीत नहीं निकलता।

हज़ारों छोटी छोटी कहावतें अनुभव का अमृतकुंभ भरकर चलती हैं। परंतु कुछ बहुत लंबी कहावतें परिहास की सामग्री प्रस्तुत करती हैं। मराठी की यह कहावत देखिए कितनी लंबी है।– ' अडक्यांचे तेल आणले, सासूबाईंचे न्हाणे झाले, मामंजीची शेंडी झाली, उरले सुरले झाकून ठेवले, ते येऊन मांज़राने सांडले, वेशीपर्यंत ओहोळ गेला आणि पाटलाचा रेडा वाहून गेला. " – टके का तेल लाया गया, सासजी का नहाना हुआ, ससुरजी की चोटी में लगाया, बचा-खुच-ढककर रखा, उसे बिल्ली ने आकर गिराया, सिंहपौर तक बहता गया, और चौधरी का भैंसा उसमें बह गया। बाप रे बाप ! एक दम में कहावत पढ़ते पढ़ते दम घुट गया। अतिशयोक्तिपूर्ण लंबी कहावत का यह नमूना देखा। अब गुजराती भाषा की लंबी कहावत देखिए।

" सुन्नुं रुप्पुं सोनी चोरे, ने नंग बदले जडियो, मोडो आवी अवेणुं मागे, ए सुथार ने कडियो, एटला पासे क्यारे जइए के पुरा होइए गरजी, कपडुं चोरी पैसा माँगे ए जात नो दरजी। "

इस कहावत में सुनार, मीनागीर, बढ़ई, राजगीर या मिस्त्री और दर्जी के (अव) गुण बताए हैं। ऐसे लोगों के पास निरुपाय होने पर ही जाइए ऐसा उपदेश भी किया है।

संस्कृत के बहुत सारे सुभाषित बहुत लंबे होते हैं। इसका कारण यह है कि वे आम जनता की बोली में प्रायः कभी नहीं आए। पंडितों, विद्वानों तक ही सीमित रहे। वे श्लोक या तत्सम रचनाएँ छन्दोबद्ध होने के कारण, यद्यपि उनका निशाना अचूक रहता है, तो भी तत्काल प्रभावित करने की क्षमता उनमें कम है।

कहावत का प्रभाव सुननेवालों पर तत्काल न पड़ जाए, और उसको समझने के लिए सुननेवाले

को अगर काफी देर तक सिर खुजलाना पड़े, तो सारा मज़ा ही किरकिरा हो जाता है। जैसे चुटकुला और उसकी पहुँच की हँसी में अन्तर नहीं होना चाहिए। ' Humour and it's recognitory laughter must be like crash of thunder with flash of lightning. ' मेघगर्जन और विद्युत्नर्तन दोनों का साथ साथ होना आवश्यक है।

कहावत की परिभाषा और उसका सर्वसाधारण स्वरूप हमने अब तक देखा। आगे चलकर कहावतों के विविध पहलुओं का विचार करने के पूर्व पाश्चात्त्य विद्वानों तथा प्राचीन ग्रीक पंडितों ने कहावत के बारे में जो कहा है उसे यहाँ उद्धृत करना उचित होगा। ग्रीस के महान विचारक और वक्ता ॲरिस्टॉट्ल् (अरस्तू) कहते हैं " Remnants, which on account of their shortness and correctness, have been saved out of the wreck and ruin of ncient philosophy. " अरस्तू को कहावतों का आद्य संकलक माना जाता है।

" Short sentences, into which, as in rules, the ancients have compressed life. " – Agricola.

" Well known and well used dicta framed in somewhat out-of-the-way form or fashion. " – Erasmus.

" Edge tools of speech, which cut and penetrate the knots of business and affairs. " – Bacon.

" Short sentences drawn from long experience. " – Cervantes.

" The wit of one man, and wisdom of many. ' – Earl Russel.

इसी प्रकार और भी विद्वानों ने कहावत के बारे में अपने विचार प्रदर्शित किए हैं।

कृत्रिम कहावतें

आजकल कई लोग कुछ अपने दिमाग से निकाले हुए नए दृष्टान्तों को लेकर कहावतें बनाना चाहते हैं और अपने को आधुनिक युग के प्रणेता के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं। किन्तु कहावत की सब से बड़ी कसौटी यह है कि उसपर जनता की पसंदगी की मुहर लगनी चाहिए। लोगों ने उसको स्वीकार करते हुए उसे अपनी बोली में समा लेना चाहिए। उसके उच्चारण से लाख लाख लोगों को उसी आशय का साक्षात्कार होना चाहिए। अन्यथा वह केवल बनानेवाले के प्रतिभाविलास का परिचायक एक वाक्यमात्र रहेगा। उसमें संजोया हुआ दृष्टान्त और आशय त्रिकालाबाधित वैश्विक सिद्धान्त होना चाहिए। तभी उस बनावटी कहावत को असली कहावत का पद सदियों बाद प्राप्त होगा। कई बातें पुरानी होनी ही चाहिए। पकौड़े गरम गरम ताज़ा अच्छे लगते हैं, किंतु अचार पुराना होना चाहिए। मदिराप्रेमी मानते हैं कि मदिरा जितनी पुरानी या संस्कारित हो उतनी ही अच्छी लगती है।

बनी बनाई कहावत का क्या हाल होता है उसका एक उदाहरण देखिए। मराठी में एक चलती कहावत है "अडला नारायण गाढवाचे पाय पकडी." – अड़चन में फँसा नारायण (भगवान) गधे के पाँव पकड़े। – एक सज्जन ने एक मासिक पत्रिका में इसी तर्ज की एक नई कहावत छाप दी। – " अडला देश युनोचे पाय धरी. " – अड़चन में फँसा देश युनो के पाँव पकड़े। – अब इस कहावत को जनसाधारण की स्वीकृति मिलनेवाली नहीं है, क्योंकि इसमें जो दृष्टान्त

दिया गया है उससे समाज के सर्वसाधारण लोग अपरिचित हैं, और दूसरी बात यह है कि यह दृष्टांत तात्कालीन है सार्वकालीन नहीं। हमने अपने सामने 'लीग ऑफ नेशन्स' को खतम होते देखा है। 'युनो' की क्या अवस्था होगी कौन जानता है? लेकिन चलती कहावत में जो नारायण और गधा है, वे दोनों सदासर्वकाल रहेंगे और दोनों सब से परिचित होने के कारण वह कहावत सैंकड़ों वर्षों से लोगों के होठों पर विराजमान है।

आर्चबिशप ट्रेंच का कहना है कि बनावटी हीरे असली हीरों की बराबरी नहीं कर सकते। उसी प्रकार टकसाली कहावत बनाने की चेष्टा करना बड़ी धृष्टता है, औद्धत्य है। " To be a deliberate proverb maker is really the highest form of impertinence. "

लुप्त-प्रयोग कहावतें

प्रायः सभी अच्छी कहावतें सार्वदेशिक और सार्वकालीन सत्य को प्रकट करती हैं। किन्तु कुछ कहावतें सभी जगह ठीक नहीं बैठतीं। वे केवल उस देश या प्रांत विशेष के रीति-रिवाज़ों को लेकर चलती हैं, इस लिए उनका दूसरे प्रदेशों में प्रभाव नहीं होता। कुछ ऐसी भी कहावतें हैं, जिनका समय के बीतने से रहन-सहन, पोशाक, आहार आदि में जो परिवर्तन आ गया, उसके कारण कोई प्रभाव नहीं रहा। दूसरे महायुद्ध के पूर्व रहन-सहन, पोशाक से आदमी का पेशा, व्यवसाय पहचाना जा सकता था। बढ़ई, कुम्हार, गड़रिया, प्राध्यापक और छात्र की पोशाक में अंतर रहा करता था। पोशाक से पंडित, कारीगर, नट पहचाने जाते थे। अब तो कपड़े और केशरचना उभयलिंगी होने के कारण स्त्री और पुरुष में भी कोई दर्शनी भेद नहीं रहा। अंदरूनी फर्क़ तो कुदरत ने बनाया है और उसका सारा अनुशासन अपने हाथों में रखा है, वरना मनुष्य उसको भी उथल-पुथल कर देता।

ऐसे परिवर्तनों के कारण नए संदर्भ में कई कहावतों का कोई मूल्य नहीं रहता।

यह हिन्दी की बड़ी रोचक कहावत देखिए – " नई बहुरिया करइला में झोर। " – बहू नई थी, पाकशास्त्र से अनभिज्ञ थी। उसने करेले की तरकारी में शोरबा रखा। तरकारी रसदार बनाई। पुराने जमाने में करेले की तरकारी रसदार नहीं बनती थी। केवल तेल में तलकर बनती थी। तब तो नई बहू का दोष दिखाने के लिए यह कहावत ठीक थी। अब तेल बहुत महँगा हो गया और तरकारी में तेल की जगह पानी बढ़ गया। जो तरकारियाँ कभी रसदार नहीं बनती थीं, उन्हें भी पानी उँड़ेलकर रसदार बनाया जा रहा है। अब यह कहावत अप्रासंगिक हो गई।

" नया मुसलमान ज़्यादा पियाज़ खाय। " – धर्म परिवर्तन करके जो नया नया मुसलमान बनता है, वह कट्टरता दिखाने के लिए मुसलमानी पद्धति का अधिक उत्साह से आचरण करता है, इस लिए तो नया मुल्ला सारा दिन जोर से अल्ला, अल्ला पुकारता रहता है। – अब जहाँ तक प्याज़ खाने का सवाल है, सबके आहार में काफी परिवर्तन आ गया है। पहले हिंदू प्याज़ नहीं खाते थे, उस समय की यह कहावत है। अब तो हिंदू, मुसलमान, ईसाई और सब संप्रदायों के लोग बड़े चाव से प्याज़ खाते हैं। नएपन में उपहासात्मक काम करनेवालों पर व्यंग्यबाण चलानेवाली यह कहावत अब कोई विशेष मतलब नहीं रखती।

" सात पाकेर बिये, चोद्द पाकेर ओ खोलेना " – सात फेरों का विवाह चौदह फेरों से भी नहीं

टूटता। बाङ्ला की यह कहावत हमारे विवाह-बंधन की दृढ़ता, अटूटता प्रदर्शित करती है। इस कहावत का सामाजिक और भावनिक मूल्य ध्यान में लेकर कुटुम्ब की स्थिरता का विचार सराहते हुए भी यह कहना पड़ता है कि जब हमने विवाह-विच्छेद, तलाक को वैधानिक रूप से मान्यता दी है, तो इस कहावत का वैधानिक मूल्य अब समाप्त हो गया है।

" धोंया या (जा) र सय ना, से रांधुनी हय ना। " – जिससे धुआँ नहीं सहा जाता, वह रसोइन नहीं बन सकती। बाङ्ला की इस कहावत का आशय स्पष्ट है। कष्ट सहे बिना कोई काम नहीं हो सकता। किसी भी कार्य की सिद्धि के लिए उसके साथ जो अड़चनें आती हैं उनका सामना करना होगा। यह आशय तो सदासर्वकाल सत्य है। " No p ins, no gains. " परंतु बाङ्ला का यह दृष्टांत जहाँ लकड़ी कोयले का चूल्हे जलाने के लिए उपयोग होता है, वहीं ठीक है। इस नैसर्गिक ईंधन की जगह शहरों में गैस और बिजली का प्रयोग होता है। अतः वहाँ इस दृष्टांत का अब उतना प्रभाव नहीं दिखाई देता। फिर भी भारत जैसे देश के लाखों गाँवों में जहाँ ईंधन के लिए लकड़ी ही जलती है, वहाँ तो यह कहावत अपना प्रभाव दिखा सकती है।

मराठी संस्कृति की द्योतक नौ गज़ की साड़ी, ब्राह्मण महिला सकच्छ, लांग के साथ पहनती थी। किन्तु अब यह प्रथा क़रीब करीब ओझल हो गई है। अगली पीढ़ी में शायद ही कोई नौ गज़ की सकच्छ साड़ी पहनी हुई स्त्री दिखाई देगी। अतः मराठी की यह कहावत – " ब्राह्मणाची बाई, काष्ट्याशिवाय नाहीं. " – ब्राह्मण की नारी काछ बिना नहीं। – मृत हो जाएगी। उसकी उस प्रकार की प्रतीति नहीं होगी। अब तो लांग के साथ साड़ी पहनी हुई मराठी स्त्री देखनी है तो वैसे स्थान खोजने पड़ेंगे, अर्थात् म्युज़ियम के चित्रों, नाटकों या दूरदर्शन (टी. वी.) पर या मंगलागौरी व्रत या तीजत्योहारों के समय नारियाँ जब लोकगीत, लोकनृत्य के साथ गाती हैं तब कहीं ऐसी नारी के दर्शन हो सकते हैं।

यह लातिन कहावत आज किसी काम की नहीं रही है।—" Magna civitas, magna solitudo. " – बड़ा शहर, बड़ा आराम। आज बड़े शहरी जीवन में जो दौड़-धूप है, उसमें आराम कहाँ? शांति कहाँ?

सदा सत्य कहावतें

विश्व में चाहे जितने परिवर्तन होते रहे, मनुष्य का व्यक्तिगत तथा सामूहिक जीवन हमेशा किसी न किसी प्रकार के नीतितत्त्वों पर खड़ा रहा। वैश्विक सिद्धांतों की नींव पर उसने अपने व्यक्तित्व को पनपता रखा। उत्क्रांति की ओर बढ़ता हुआ मानव, अपने व्यवहार की परिधि बढ़ाता रहा और मनुष्य और मनुष्य के बीच बढ़ते हुए संबंधों को सुचारु रूप से चलाने के लिए उसे कुछ सार्वत्रिक सिद्धांतों को बनाते जाना पड़ा। मानवीय व्यवहार का पथप्रदर्शन करनेवाले ये तत्त्व चिरंजीव होकर विश्वभर के मानव के सदा सर्वकाल घोष वाक्य बन कर रहे। फिर इन मानवहितैषी तत्त्वों के लिए काल और प्रदेश की मर्यादाएँ नहीं रहीं। विश्व में भिन्न भिन्न स्थानों पर रहनेवाले सभी मानवसमूहों ने उन्हें अपनाया।

मनुष्य को आत्मिक तथा सामाजिक उन्नति के लिए क्या करना चाहिए क्या न करना चाहिए; पाप क्या है, पुण्य क्या है, धर्म-अधर्म आदि से संबंधित बातें उसी प्रकार मनुष्य के व्यवहार में

संतुलन लानेवाली नीति-अनीति जैसी बातें ईश्वर के अस्तित्व और सार्वभौमत्व को स्वीकार करनेवाली धारणाएँ सब जगह समान रही हैं। सत्य का स्वीकार और असत्य की उपेक्षा; श्रद्धा का अनुमोदन और पाखंड, दांभिकता का उच्छेदन ऐसी मौलिक बातों पर, सर्व धर्म, विचार, मत, संप्रदाय के जनसमूहों में तात्त्विक एकता रही। इस लिए आशा है कि कभी न कभी सारे मानवसमूहों को एक बुनियादी विचार के आधार पर एकत्रित किया जा सकेगा।

इन गुणों के साथ कुछ दुर्गुण भी सब समाजों और व्यक्तियों में समान दिखाई देते हैं। "घर घर मटियाले चूल्हे।" "काबूल में क्या गधे नहीं होते?" स्वार्थ, ईर्ष्या, आदि दुर्गुण भी सब स्थानों पर होते हैं। भगवान के हर मंदिर के सामने शैतान का भी डेरा होता है।

सर्वशक्तिमान भगवान

ईश्वर सर्व शक्तिमान है। वही चराचर सृष्टि के व्यवहारों का नियंत्रक है। ईश्वर एक वैश्विक धारणा है। इस लिए विश्व की सभी भाषाओं में ईश्वर की सार्वभौम सत्ता को सूचित करनेवाली कहावतें मिलती हैं। "भगवान जिसे बचाए, उसे कोई नहीं मार सकता।" जैसी कहावत भी है और इसके ठीक विपरीत "भगवान जिसे मारना चाहे उसे कोई नहीं बचा सकता" जैसी कहावत भी है। ईश्वर की व्यापक सत्ता से संबंधित यह धारणा श्रद्धा में से उत्पन्न हुई है।

"साहिब मेरा बनिया, बनज करे ब्योपार। बिन डंडी बिन पलड़े, तोले जग संसार॥" तराज़ू बिना सारे विश्व का संतुलन रखनेवाला मेरा भगवान कितना महान है।

"अलख पुरख की माया, कहीं धूप कहीं छाया।" – ईश्वर की लीला अगाध है, कहीं धूप होती है, तो कहीं छाया।

हिंदुओं का भगवान जितना महान है, मुसलमानों का अल्ला और ईसाइयों का God भी उतना ही महान है, सर्वशक्तिमान है। "अल्ला हो अकबर" का यही भावार्थ है। "खुदा रज़्ज़ाक है बंदा कज़्ज़ाक है।" – ईश्वर देता है, भक्त चुराता है। देनेवाला तो वही आसमाँवाला है।

"What God will, no frost can Kill." "The nest of the blind bird is made by God."

यह कहावत "अजगर के दाता राम।" से या 'बाजू टूटे बाज़ को साहब चारा देई।" जैसी कहावतों से मिलती जुलती हैं।

"God gives his anger by weight, but his pity without measures." – भगवान अपना गुस्सा तोल तोल के देता है, किंतु उसकी करुणा इतनी असीम होती है कि उसको नापा नहीं जा सकता। अब यह आयरिश कहावत देखिए "All good has an end save the goodness of God." – अर्थात दुनिया की सभी अच्छी बातें समाप्त हो सकती हैं लेकिन भगवान की अच्छाई का अंत नहीं है। अनंत दयालु महाप्रभु की कितनी सुंदर तस्वीर इस कहावत में खींची गई है।

भगवान की माया के दो अनोखे चित्र पंजाबी की जिन कहावतों में देखने को मिलते हैं वे इस प्रकार हैं – "वेखो रब दे रंग, किधरे दुध मलाइयाँ, किधरे भुंजे भंग।" – देखो ईश्वर के रंग, कहीं दूध मलाइयाँ, कहीं भूनी भंग।" यह भेद ईश्वर के दरबार में भी क्यों है? इसका उत्तर

कर्मवाद के सिद्धांत में मिलता है कि पूर्व जन्म में जो कर्म किए जाते हैं उनका फल इस जन्म में भुगतना पड़ता है – " यथा कर्म तथा फलम् "। अब पंजाबी की यह दूसरी कहावत देखिए –

" पहले सी असि नीम जुलाहे, फिर बण गए दरजी। हौले हौले हो गए सय्यद, देखे खुदा की मरजी॥ " – पहले था मैं आधा जुलाहा, फिर बन गया दर्जी। धीरे धीरे फिर बना धर्मगुरु, देखो खुदा की मर्जी॥ ईश्वर ने चाहा तो आदमी कहाँ से कहाँ पहुँचता है।

कश्मीरी भाषा भी भगवान को अनाथों का तारणहार मानती है। " अन्य् सुँज क्वलय ख्वदा-यस् हवालॅ। – अंधे की बीबी खुदा के हवाले। वही उसकी रक्षा करेगा। सिंधी कहावत में भी यही भाव प्रकट हुआ है। " अंधे जी जोइ, अल्लाह जी अमानत। " भगवान हर एक प्राणी को उसकी आवश्यकतानुसार देता है। भगवान का यह न्याय सिंधी की इस कहावत में भी प्रकाशित हुआ है – " कीलीअ खे कणु, हाथीअ खे मणु " – चींटी को कण हाथी को मण।

मराठी की कहावतें भी मानव की इन्हीं श्रद्धाओं को दुहराती हैं। " देव तारी त्यास कोण मारी. " या गुजराती भाषा की " राम रक्षे तेने कोण भक्षे " जैसी कहावतों में यही भाव प्रकट हुआ है कि भगवान जिसे बचाए, उसे कोई नहीं मार सकता। मराठी में भगवान और माता को एक जैसा माना गया है " देवाची दया, आईची माया. " ईश्वर की दया और माँ का प्यार दोनों समान। आखिर हम माता, पिता और गुरु को देवता ही मानते हैं, जैसे मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, आचार्य देवो भव। माता पिता और गुरु के बारे में सारे भारतीयों के मन में परमादर की भावना दिखाई देती है।

बाङ्ला भाषियों की ईश्वर के प्रति श्रद्धा कोई निराली नहीं है। " ईश्वरेर बिधि, फलबेइ गो दिदि। " – ईश्वर की इच्छा के अनुसार ही सब कुछ होगा। " काजीर गरु, खोदा रखवाला। " काजी की गाय का भगवान ही रखवाला। असमीया की " केओं नाइ जार, ईश्वर सहाय तार। " – जिसका कोई नहीं उसका भगवान ही सहायक। ओड़िआ की " अरक्षितकु दइव साहा। " और तमिऴ भाषा की " अगदिक्कु आगायम् तुणै " – अनाथ के नाथ स्वर्ग (भगवान), आदि सभी कहावतें यही भाव मुखरित करती हैं कि असहाय के सहायक, अनाथ के नाथ, गरीब के दाता भगवान ही हैं। असमीया की एक कहावत " मने खोजे रजा हब, विधिये निदिये खुजि खाब। " – मन चाहे राजा बने, विधाता की इच्छा माँग के खावे, मराठी की कहावत से बिलकुल मिलती जुलती है। – " मनात वाटे हत्ती घोडे पालखीत बैसावे, देवाजीच्या मनात त्याला पायी चालवावे." – उसके मन में था कि हाथी, घोड़ों पर या पालकी में बैठकर घूमे, किन्तु भगवान की इच्छा थी कि उसे पैदल ही चलावें। भाव यह कि ईश्वर की इच्छा के सामने मनुष्य की इच्छा की एक नहीं चल सकती।

ईश्वर की दृष्टि सब स्थानों पर पहुँचती है। विश्वभर की सभी बातों पर उसका ध्यान रहता है। मनुष्य की सीमित दृष्टि और भगवान की सर्वगामी दृष्टि में जो अंतर है, वह एक छोटी-सी विरोधाभासात्मक तमिऴ कहावत बड़ी खूबी से प्रकट करती है। " नोक्क नोक्कुव नोक्कामुन् नोक्कुवन." – जिसको देखने के लिए हम तरस रहे हैं, उसने हमको पहले ही देखा है। अनुप्रास भी कितना मोहक है।

" ईश्वरेच्छा बलीयसी। " संस्कृत के इस वचन का अनुभव तेलुगु, कन्नड़, मलयाळम् आदि

भारतीय भाषाओं की कहावतों में देखने को मिलता है। जिस भगवान ने हमें पैदा किया है वह हमारी चिंता करेगा ऐसा विश्वास सब लोगों में है।

कन्नड़ – " हुट्टिटसिद देवरु हुल्लु मेयिसुवने ? " – जिसने जन्म दिया वह भगवान खाना नहीं देगा क्या ? मलयाळम् – " वाकीरिय दैवं इरयुं कल्पियक्कुं. " – जिस परमात्म ने मुँह दिया, वह खाना भी देगा।

भगवान पर विश्वास करो और अपना काम करते रहो यही सीख इन कहावतों से मिलती है। " ईश्वरेच्छा बलीयसि। " – भगवान की इच्छा ही निर्णायक है, शक्तिशाली है। आदमी कितना भी चाहे, ईश्वर की इच्छा के विना कुछ नहीं कर पाता। अंत में ईश्वर की इच्छा से ही सब कुछ होता है, यह सनातन सिद्धान्त एक कहानी के द्वारा बाङ्ला कहावत प्रस्तुत करती है। " यारे (जारे) ना देय मौला, कि करबे तार आसफद्दौला ? " जिसे मौला न दे, असफउद्दौला क्या कर सकता है ? कहावत का संकेत अवध के दानी नवाब असफउद्दौला की ओर है।

अवध के नवाब असफउद्दौला बड़े ही दानी थे। यहाँ तक कि लोग कहते थे कि जिन्हें भगवान का सहारा न मिला उन्हें असफउद्दौला पनाह देता है। रोज़ाना हज़ारों भिखारी उनकी ड्योढ़ीर। ख़ैरात पाते थे। एक दिन एक भिखारी का ईमान, निष्ठा अजमाने के लिए नवाब ने उसको एक रोटी दी, जिसमें एक सोने की मुहर छिपाकर रखी थी। भिखारी अंधा था। उसको जब वह रोटी अधिक वज़नदार लगी, तब उसको लगा कि वह रोटी बासी है। इसलिए उसने वह रोटी दूसरे भिखारी को दे दी। दूसरे दिन जब वह भिखारी आया तब नवाब सलामत ने मुहर के बारे में पूछा। बेचारा भिखारी क्या कहता ! उसे कुछ मालूम ही न था। मुहर दूसरे भिखारी के पास चली गई थी। भगवान ही उस अंधे भिखारी को कुछ देना नहीं चाहता था, तो असफउद्दौला भी कुछ कर न सका।

भगवान की सर्वोपरि सत्ता का सुलभ परिचय इस कहानी में गूँथा हुआ है।

यूनानी कहावत में भी भगवान की न्यायप्रियता के प्रति कितना अटूट विश्वास प्रकट हुआ है। " भगवान की चक्की चलने में देर लगती है पर जब चलती है तब पीस डालती है। " अंग्रेज़ी की यह कहावत, " God moves with laden feet, but strikes with iron hands "– ईश्वर भारी पाँवों से चलता है, पर लोहे के हाथों से मारता है। – ईश्वरीय न्याय की परिचायक है।

ईश्वर का अस्तित्व कभी कभी हमारी समझ में भी नहीं आता। वास्तव में वह हमारे आसपास चराचर में व्याप्त है, पर उसका अनुभव करनेवाले बहुत कम होते हैं। " Many meet the God, but few salute him. " इस विश्व के व्यवहार का कोलाहल इतना बड़ा है कि उसमें ईश्वर की आवाज़ सुनने को फ़ुर्सत किसको मिलती है ? अपने व्यस्त जीवनक्रम में कुछ क्षण एकाग्र चित्त होकर ईश्वर से नाता जोड़ने का प्रयास करें भी, तब क्या होगा यह अपने अपने अनुभव की बात रहेगी। फ्रेंच कहावत है " Le bruit est si fort, qu'on n'entend pas dieu tonner." – ध्वनि इतनी कर्णकर्कश है कि उसमें भगवान की आवाज़ सुनाई नहीं देती। एक बड़ी रोचक जर्मन कहावत है " Gotf ist ein Glaubiger der keine bosen schulden macht. " – God is a creditor who has no bad debts. अंग्रेज़ी की कहावत है, " God looks to clean hands, not to full ones. "

परमात्मा के करुणामय चित्र को ठीक प्रकार से हमारे मनःचक्षु के सामने अंकित करनेवाली एक सुंदर स्पॅनिश कहावत को यहाँ उद्धृत करना हम उचित समझते हैं। भगवान केवल कठोर नहीं है, दयालु भी है – " No hiere Dios con dos manos. " भगवान कभी दोनों हाथों से नहीं मारता। (एक हाथ वह ज़ख़्म की मरम्मत के लिए सुरक्षित रखता है।)

इस समय अमृतसर के सुवर्णमंदिर में रक्खे सिक्ख गुरु गोविंदसिंग के दो बाणों की याद आए बिना नहीं रहती। बाणों के छोर में सोना लगा पड़ा है। सब बाणों में गुरु सोना लगाते थे। लड़ाई में इन बाणों से कोई आहत हुआ तो ज़ख़्मों के इलाज के लिए उसे सोना मिलेगा, और अगर उसकी मृत्यु हुई तो उसकी अंत्यविधि (funeral rites) के लिए सोना काम आएगा। शत्रु के प्रति कितनी सहिष्णुता का भाव ! ऐसा उदाहरण विश्वभर में प्रायः कहीं नहीं दिखाई देगा।

नीतितत्त्वों के दीप

अब तक उस करुणामय प्रभु के बारे में मनुष्य की क्या भावना है यह हमने भगवान से संबंधित लोकोक्तियों से देखा। अब मनुष्य का मनुष्य से जो व्यवहार चलता है, उसको ठीक प्रकार से चलाने के लिए भी कुछ नीतितत्त्व चाहिए। क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए उसका विचार भी इन्हीं कहावतों के सूत्रों में मिलेगा। उसका परिशीलन भी आवश्यक है। सच्चरित्रता से युक्त सफल जीवन के निर्माण के लिए जीवन के मार्ग पर चेतावनी देनेवाले ऐसे फलक चाहिए। नैतिक आचरण में सत्य-असत्य का विचार सर्वप्रथम आता है।

सत्य-असत्य

दुनिया का ऐसा कोई धर्म या विचारप्रणाली नहीं जिसने सत्य का महत्त्व न माना हो, और जो असत्य का पक्षपाती रहा हो। ईश्वर और उसकी बनाई हुई चराचर सृष्टि ही एक महान सत्य है, तो सत्य को न मानने से क्या होगा। किस आधार पर मनुष्य अपना व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन खड़ा कर सकेगा। " झूठ का मुँह काला, सच्चे का बोलबोला। " यह अगर सच है, तो मिथ्या वचन से अपना मुँह कौन काला बना लेगा ? " झूठे की नैया डूबे भँवर में, सच्चे का बेड़ा पार है। " झूठ बोलनेवाला डूब जाता है और सच की नाव पार हो जाती है। आजकल के पाखंड और ढोंगबाज़ी के युग में असत्य की महिमा क्षण भर बढ़ती हुई दिखाई देगी, और निराशा से लोग यह भी बोल उठेंगे, " झूठ बोलनेवालों को पहले मौत आती थी, अब बुखार भी नहीं आता "। अपने इर्द-गिर्द चलने वाले व्यवहार से हमें ऐसा प्रतीत भी होता है कि ' झूठ ' क बाज़ार गर्म है, और ' सत्य ' लज्जित होकर कोने में बैठा है। लेकिन अन्ततोगत्वा ' सत्य ' की ही विजय होती है ' सत्यमेव जयते ', झूठ का बेड़ा हमेशा गर्क़ होगा। " सच्चे के आगे झूठा रो मरेगा। "

कभी कभी सत्य कटु होता है किंतु वह कभी अपने आपके बारेमें लज्जित नहीं होता। चालबाज़ी तिकड़बाज़ी को पोशाक चाहिए, सत्य नंगा रहना पसंद करेगा – " Craft must have clothes but truth loves to go naked. " झूठ बहुत दूर तक नहीं चल सकता क्योंकि " A Lie has no legs. " स्विस भाषा की कहावत का सच के अमरत्व पर कितना विश्वास है " सच को गाड़ने के लिए सैंकड़ों मन मिट्टी भी कम है। "

स्पॅनिश भाषा का कहना है कि " La mentira tiene cortas las piernas. " – झूठ चलेगा मगर बहुत दूर तक नहीं। स्पेनवालों ने भी ' सच ' को भगवान की बेटी माना है। " La verdal hija de Dios. "

" Tell the truth and shame the devil. " अंग्रेज़ी की यह उक्ति कितनी सुंदर है ! " A Lie stands upon one leg but Truth upon two. "

कभी कभी परिस्थिति से विवश होकर झूठ बोलना भी पड़ा, तो वह आपत्धर्म मानकर कम से कम झूठ बोलना चाहिए, जितना कि आटे में नमक। धर्मराज को भी थोड़ा-सा झूठ बोलना पड़ा था। उनसे द्रोणाचार्य ने पूछा, " क्या अश्वत्थामा का निधन हो गया ?" इसपर उन्होंने ' हाँ ' कहा था और साथ साथ " नरो वा कुंजरो वा " कहकर संशय से लाभ उठाना चाहा। मगर इस झूठ का फल भी उन्हें भुगतना पड़ा। उनका रथ, जो कि धरती से कुछ ऊपर चलता था, धरती पर चलने लगा और उनके लिए स्वर्ग के द्वार खुलने में भी देर हो गई। पंजाबी भाषियों का भी यही विश्वास है। " पल्ले है ही सच ताँ कोठे चढ़ के नच " – अपने पास सच है तो अटरिया पर जाके नाच। – किसका डर है ? सत्य का पुजारी हमेशा निर्भय रहता है।

बदले हुए ज़माने की ओर इशारा करते हुए कश्मीरी की यह कहावत जरा टेढ़ी चाल चलती है " पोज़ वनुँनु पान् ज़न् नटान् अपुज़् । "–सत्य बोलोगे तो शरीर काँपेगा (कष्ट होंगे), झूठ बोलो तो आनंद आ जाएगा। वक्रोक्ति के साथ कही हुई यह कहावत है । अंत मे वे भी यही कहते है " पोज़ुय पज़ान् पोतुस् " – अंत में सत्य ही प्रस्थापित होगा।

सिंधी में भी सत्य का चिरंतनत्व और झूठ का खोखलापन ही दिखाया है " कूड़ जी पाड़ ठिकिरि अते। " – झूठ की जड़ ठीकरे पर खड़ी है । ठीकरे की मिट्टी मुलायम नहीं होती। अतः वहाँ झूठ पनपेगा कहाँ से ? – " सच जी ॿेड़ी लुॾे लुॾे, कीन कड़हि सा ॿुडे ॿुडे। " – सत्य की नाव हिले-डुले पर कभी न डूबे।

मराठी ने झूठ की आलोचना बड़े कठोर शब्दों में की है। " खोट्याचें कपाळी गोटा. " – झूट के सिरपर पत्थर (गिरेगा)। गुजराती ने झूठ की क्षणभंगुरता को आग्रह के साथ प्रतिपादन किया है। " जुठाना आवरदा चार घडी " – झूठ की आयु चार घड़ी। सत्य के साथ हमेशा परमात्मा रहते हैं।

बाङ्ला भाषा सत्य का गौरव करते हुए कहती है कि " सत्येर दुयारे आगड़ नेइ। " – सत्य के द्वार में कोई सांकल नहीं। सत्य में छिपाने लायक कुछ भी न होने के कारण उसके क़िवाड़ हमेशा खुले रहते हैं। सत्य के गौरव के साथ साथ आज के व्यावहारिक जगत में ' सत्यमेव जयते ' के घोष-वाक्य के ठीक नीचे कितना सफ़ेद झूठ बोला जाता है और सब पढ़े-लिखे मान्यवर लोग सच से कैसे परे होते जा रहे हैं, इस बात पर बाङ्ला ने आसूँ बहाते हुए बड़े व्यंग्य के साथ कहा है " सत्यवादी दुइजन, मूर्ख ओ बालकगण। " – अब सत्य बोलनेवाले केवल दो ही बचे हैं, पागल और बालक। कितनी बड़ी चोट है इस ज़माने की रीति पर।

असमीया तो सत्य और असत्य के बारे में और ही कठोर है। " वेश्यार पराचित आछे मिछार पराचित नेइ। " – वेश्यापन या व्यभिचार का प्रायश्चित हो सकता है पर झूठ के लिए कोइ प्रायश्चित नहीं। उसकी सज़ा भुगतनीही पड़ेगी। उर्दू के एक शेर में कहा गया है,

: रात को खूब पी ली, सुब्ह को तौबा कर ली। रिन्द के रिन्द रहे, हाथ से जन्नत भी न गई।। " –
रात में मनचाही मदिरा पी ली, सुबह प्रायश्चित्त किया। बस! यहाँ मदिराप्रेमी भी रहे और वहाँ स्वर्ग भी हाथ से न गया। लेकिन झूठ के लिए तो कोई 'तौबा' नहीं। फल भुगतना ही पड़ेगा। ओड़िआ भाषा की उक्ति है कि "सच और नीम पहले कडुआ होता है, पर बाद में बड़ा गुणकारी होता है।"

दक्षिण की भाषाओं में भी सत्य की महिमा वर्णित है और झूठ की निर्भत्सना। एक बात सच है कि सत्य को प्रस्थापित हो जाने तक बहुत लम्बा संघर्ष करना पड़ता है। अनेक प्रकार की कसौटियों पर घिसकर अन्त में सत्य चमकता है, और झूठ जलता है। "मेय्कोण्डु विळिक्किरदु, कोण्डु पोरिगिरदु" – सत्य हँसता रहेगा, असत्य को रोना पड़ेगा।

नैतिक आचरण

नैतिक आचरण, धर्मपरायणता, गुण–दोष मीमांसा, पाप–पुण्य जीवन के कर्तव्य आदि विषयों में दुनिया के भिन्न भिन्न समाजों में कुछ समान धारणाएँ दिखाई देती हैं। इसलिए उनकी कहावतों से भी व्यवहार के निर्देशक समान सूत्र फूट पड़ते हैं। जैसे हमने देखा कि सत्य की सराहना और असत्य की निर्भत्सना दुनिया के सभी लोगों ने की है, उसी प्रकार व्यभिचार, अत्याचार, अपहरण आलस्य, लोभ, आदि तो वैश्विक दुर्गुण हैं। प्राणिमात्र के लिए दया का भाव, दान, समर्पण की भावना, विनय, धैर्य, आदि तो सब स्थानों पर महान गुण ही माने गए हैं। हमारी कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। कुराने शरीफ की एक आयत में कहा है कि "ऐ ईमानवालो, वह बातें करते ही क्यों हो जिन्हें तुम पूर्ण नहीं कर सकते?" "An ounce of action is better than a ton of promise."

अपनी जीवननैया को सफलता से पार करना है, तो कहावतों में दी हुई चेतावनी को ध्यान में रखना होगा। इस पतवार का सहारा हम अगर छोड़ दें, तो न जाने यह निरंकुश नाव किस पत्थर पर जाकर टकराएगी। "Who will not be ruled by the rudder, will be ruled by the rocks."

हम अगर धनवान हैं, बलवान हैं, परंतु हमने अगर सद्गुणों की पूजा नहीं की तो यह जीवन जानवर के समान हो जाएगा। गुणों के अभाव में केवल सुंदर शरीर और रूप का कोई महत्त्व नहीं रहता। गुजराती की कहावत के अनुसार "गुणविना रूप ते जळविना कूप" – विना गुण के रूप मात्र विना जल के कुएँ के समान है, उस का तृषाशमन के लिए कोई उपयोग नहीं है। ईश्वर की दया से सुंदर शरीर प्राप्त हुआ, परंतु मन कुविचारों के कारण शुद्ध न हो, तो जीवन विफल है। यह भाव हिन्दी की यह द्विपदी बड़े ही रोचक दृष्टांत के साथ प्रदर्शित करती है। "मन मलीन सुंदर तन कैसे। विषरस भरा कनक घट जैसे।।" वाह, वाह! अतीव सुंदर! बार बार पढ़ने लायक! सुंदर शरीर में मलिन मन ज़हर से भरे हुए सोने के प्याले के समान है। शुद्ध मन ही निग्रही और दृढ़ हो सकता है। विवेकानंदजी ने भी यही कहा है, "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन चाहिए" "Sound mind in sound body." तमिळ में भी इसी बात पर बल दिया है कि सद्गुणों द्वारा ही वास्तविक सौंदर्य बढ़ता है। "नौवियुम् वाळक्कैयुम् अळगल्ल, नरगुणम् ओन्रे अळगु"–

यौवन और भौतिक समृद्धि ही सौंदर्य नहीं, सद्गुण ही सौंदर्य है।

सच्चरित्र मनुष्य ही समाज में गौरव प्राप्त करता है। समाज का नेतृत्व करने का अधिकार उसी को प्राप्त होता है। तमिळ की एक कहावत में जो अभिप्राय व्यक्त हुआ है उसे देखिए – " पुण्णियम् इल्लाद वळिकाट्टि वीण् " – चरित्रहीन नेता किसी काम का नहीं।

बाङ्ला की एक कहावत का भी यही अभिप्राय है कि, बाहरी ठाठ-बाट खूब जमाया पर मन यदि साफ न हो तो सब व्यर्थ है। " मन ना मुड़ाले, मुड़ाले केश, गुरु ना चिनिले भ्रमिले देश; मन बोझे ना तीर्थ करे, मिछे काजे घुरे मरे। " – मन नहीं मुँड़ाया, केवल केश मुँड़ाए, गुरु न पाया केवल यात्रा करते रहे। विना जाने बुझे तीर्थ करे वह मिथ्या काम में घूमकर मरे। " सर को काहे मूँड़िये, मन को काहे न मूँड़िये जा में हजार विकार। "

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान ऊँचा माना जाता है। जीवन में गुरु न हो और वह चाहे जितना बड़ा विद्वान या मनस्वी भक्त हो, उस का ज्ञान अधूरा माना जाता है।

महाराष्ट्र के महान संत नामदेव को अपने ज्ञान पर बड़ा गर्व हो गया। उन्हें ऐसा अहंकार हो गया कि अध्यात्म की सारी सीढ़ियाँ मैंने पार की हैं। परमेश्वर का वास्तविक रूप मैंने ही जाना है ऐसा अनुभव उन्हें होने लगा। एक बार सब संत एक स्थान पर इकट्ठा हुए थे तो संत गोरा कुम्हार ऊठकर एक एक के सिर पर टकोर मारने लगे। किसी की समझ में कुछ न आया। धीरे धीरे वे नामदेव के पास आए और उन्होंने नामदेव के हजामत किए हुए सिर पर टकोर मारी और एकदम बोल उठे–" यह मटका कच्चा है। " नामदेव गुस्से में आए तो उन्हें समझाने के लिए बुजुर्ग संतों ने कहा कि तुम ने गुरु नहीं किया है, इसलिए तुम्हारा ब्रह्मज्ञान अभी कच्चा है। नामदेव ने पूछा कि भला ऐसा कौन है जो मेरा गुरु हो सकता है? उन्होंने कहा, " बन्धु नामदेव, तुम उस शिव मंदिर में जाओ। वहाँ विसोबा खेचर रहते हैं, उन्हें अपना गुरु करो। " नामदेव वहाँ चले गए और मंदिर में पहुँचते ही क्या देखा कि विसोबा खेचर शिवलिंग पर पैर जमाए-सोए थे। नामदेवजी को बड़ा क्रोध आया। यह शिवलिंग पर पाँव रखकर सोनेवाला बैरागी मेरा गुरु कैसे हो सकता है? उन्होंने विसोबा को जगाया और पूछा, " क्या तुम्हें शिवलिंग पर पाँव रखते हुए लज्जा नहीं आती? " विसोबा ने कहा, " भाई, तुम्हें एतराज़ है, तो मेरे पाँव उठाकर और किसी स्थान पर रख दो। " नामदेव ने आगे बढ़कर उनके पैर उठाए और दूसरी जगह रख दिए। वहाँ भी विसोबा के पैरों तले शिवलिंग उभर आया। जहाँ कहीं वे पाँव उठाकर रख देते, पाँव के नीचे शिवलिंग उभर आता। आखिर थककर वे खड़े रहे तब विसोबा खेचर ने पूछा, " क्यों बेटे, थक गए न? जहाँ ईश्वर नहीं ऐसा कोई स्थान नहीं मिला न? " नामदेव समझ गए। उनका अहंकार चूर चूर हो गया। उन्होंने विसोबा के पाँव पकड़े और उनको अपना गुरु माना।

विना गुरु के ज्ञान अधूरा रहता है। इसी अर्थ की कई कहानियाँ भारत भर में प्रचलित हैं।

भारतीय संस्कृति ने ऐहिक वैभव को तुच्छ माना है। आध्यात्मिक उन्नति की ओर हमारा ध्यान अधिक रहा। इसलिए हमने " ब्रह्म सत्यं, जगन् मिथ्या " का घोष किया। तमिळ की कहावत है– " नुरै औत्तुदुवे तरैयिट्ट पवुशु " – इस विश्व की समृद्धि फेन के समान है।

ऐहिक सुखोपभोग के कारण लोभ, लालसा बढ़ती है। उस के लिए अधिकाधिक सामग्री जुटाने की होड़ में मनुष्य मानवता को भूल कर चाहे जितने पाप करने पर तुल जाता है और अन्त में विनाश

की खाई में गिर जाता है। बाङ्ला की " अति आश, सर्ब्बनाश " कहावत में यही विचार अंकित है। किया हुआ पाप छिपाए नहीं छिपता, वह एक न एक दिन प्रकट होकर ही रहता है। यह भाव ज़रा सी जानपद, ग्रामीण बोली की कहावत में बड़ी आक्रमकता से प्रदर्शित हुआ है, " पानी में हगा ऊपर आता ही है। " – हत्या के बारे में अंग्रेज़ी में यही कहा है " Murder will be out." हत्या कभी छिपी नहीं रहती, वह प्रकट हो ही जाती है। बाङ्ला – " धर्मेर कल वातासे नड़े, पाप करले धरा पड़े। " – धर्म की तराज़ू हवा से हिलती है। किया हुआ पाप ऊपर आता है।

दान-महात्म्य

दूसरों पर उपकार करना, दूसरों की मदद करना, दान के द्वारा ग़रीबों को अर्थ सहाय्य देना इत्यादि बातें मानव-संस्कृति की प्रगति के लक्षण मानी जाती हैं। अपने दातृत्व से महाभारत के महारथी कर्ण विश्व के सब से बड़े दानवीर बन बैठे हैं। दान की अपार महिमा सब भाषाओं में वर्णित है। तेलुगु – " पुण्यं कोद्दी पुरुषुडु, दानं कोद्दी बिड्डलु " – पुण्य के अनुसार पति और दान के अनुसार पुत्र मिलते हैं। अच्छा पति और अच्छे पुत्र प्राप्त हों तो स्त्री का जीवन सफल हो जाता है।

अंग्रेज़ी की निम्नलिखित कहावत में एक ही साथ आचरण के तीन पाठ पढ़ाए हैं – " Alms giving never impoverished, stealing never enriched, and prosperity never made wise. " दान करने से, देने से कभी कोई भिखारी नहीं होता; चोरी करने से कोई धनवान नहीं होता; समृद्धि से सयानापन नहीं आता। डेन्मार्क की डॅनिश भाषा में दान के विषय में दो बड़ी अर्थपूर्ण कहावतें कही गई हैं। इनमें केवल उपकार की भावना नहीं, हल्की-सी स्वार्थ की भावना भी दिखाई देती है। मगर वह स्वार्थ परमार्थ से भी श्रेष्ठ है। " आप दान दीजिए ताकि आप के बच्चों को दान माँगना न पड़े। " भाव यह कि दान के कारण पुण्य प्राप्त होगा, और उस पुण्य के कारण बाल बच्चे समृद्ध होंगे, जो फिर दान कर सकेंगे। दूसरी कहावत बहुत दूर की नहीं सोचती " आज दान करो, ताकि तुम कल भी दान दे सकोगे। " यह तो तुरत दान महापुण्य वाली बात हो गई। इतालियन कहावत – " L'ultimo vestito ee lo fanno senza tasche." – हमारे आखरी वस्त्र (कफ़न) में जेब नहीं होती। इस कहावत में कितना चुभनेवाला अनुभव अजीब ढंग से कहा है। पढ़नेवाले हर किसी के दिल तक टेंस पहुँचेगी। अभिप्राय है कि हम साथ कुछ नहीं ले जा सकते। दान किए जाओ। रूसी कहावत कहती है कि " सोने के पंख होते हैं, पर वे स्वर्ग को छोड़कर और सब जगह ले जाते हैं। " अर्थात सोने का मोह न करो। इसी विषय के बारे में जर्मन कहावत का कथन मनन करने योग्य है। " Der Geiz sammlet sich arm, die Milde giebt sich reich." – दान करने से मनुष्य और अधिक धनवान होता है। और लोभ से (संचय से) वह दरिद्र बनता है। उदार और दानी सज्जनों के पीछे ईश्वर हमेशा खड़ा रहता है। उनको किसी बात की कभी कमी न हो इसलिए साक्षात् भगवान को सतर्क रहना पड़ता है। अंग्रेज़ी की कहावत का यही सार है – "The charitable gives out at the door, and God puts in at the window." – दानी दरवाजे से दान देता है, तो ईश्वर वही दान खिड़की से (फिर अंदर) डालता है। " Spend and God will send." – करो दान तो देगा भगवान।

* * *

जीवन में हम जैसा काम करेंगे उसी के अनुसार फल मिलेगा। इसलिए अच्छे ही काम करने चाहिए तभी अच्छे फल मिलेंगे। हिन्दी की " जैसी करनी, वैसी भरनी। " की समानार्थक कहावतें सभी भाषाओं में हैं। हिन्दी की ही यह ज़रा-सी पटाका कहावत देखिए – " आग खाएगा सो अंगारे हगेगा। " अंग्रेजी में भी यह भाव सीधी तरह से कहा है, " As he brews, so he must drink. " " As he sows so he must reap. " मराठी – " करावे तसे भरावे "– जैसा करो वैसा पाओ। और गुजराती " वावे तेवु लणे " – जैसा बोओ वैसा काटो। ये दोनों कहावतें ' कर्मानुसार फल ' की बात को ही दोहराती हैं।

पाप और पुण्य

पाप और पुण्य के विषय में भी काफी चर्चा कहावतों में अनादि काल से हुई है। पाप और पुण्य की कल्पनाओं में थोड़ा सा परिवर्तन हुआ है। उसकी कोई निश्चित व्याख्या नहीं की जा सकती। आदमी अपने स्वार्थ के लिए पाप-पुण्य की मौलिक कल्पनाओं में परिवर्तन करता जाता है। पाप-पुण्य के विचार को समूल ढोंग माननेवाले भी कई लोग हैं। किन्तु सर्वसाधारण व्यक्ति के व्यक्तिगत चरित्र तथा सामाजिक निरोग जीवन के लिए कुछ बातें त्याज्य होती हैं, और कुछ बातें स्वीकार्य होती हैं। इन्हीं को पाप और पुण्य या सरल भाषा में बुराई और भलाई कहते हैं। " Who swims in sin, shall sink in sorrow. "– जो पाप में तैरेगा, वह दुख में डूबेगा।

कई खलजन जानबूझकर बुराई करने पर तुले हुए रहते हैं। कभी स्वार्थ के लिए, लाभ के लिए तो कभी खेल खेल में बुराइयाँ करते जाते हैं। कई लोग अज्ञान से अनजाने कोई पाप कर बैठते हैं। इन भिन्न भिन्न स्थितियों में जो पाप-पुण्य घटित होते हैं उनके संबंध में नीचे कुछ विचार प्रस्तुत किए गए हैं।

बाङ्ला कहावत है। " अज्ञाने करे पाप ज्ञान हले हरे, सज्ञाने करे पाप संगे संगे फेरे। " – अनजाने किया पाप ज्ञान होते ही निकल जावे, जानबूझकर किया हुआ पाप हमेशा साथ रहे। सोए हुए को जगाया जा सकता है, सोने का बहाना किए हुए को जगाया नहीं जा सकता। सोने का बहाना किए हुए को कैसे जगाएँ? बाङ्ला – " अज्ञानेर पाप ज्ञाने जाय, ज्ञानेर पाप तीर्थे जाय, तीर्थेर पाप म'ले ओ जाय ना। " ज्ञान होने पर अनजाने में किया पाप क्षम्य है, जानबूझकर किए पाप का तीर्थ या पवित्र क्षेत्र में जाने से क्षय होगा, लेकिन तीर्थ में किया हुआ पाप मरकर भी नहीं मिटता। जो बुराई करने के बाद पश्चात्तापदग्ध होकर ईश्वर से क्षमायाचना करता है, उसके लिए सद्‌गति का द्वार खुल जाता है। अंग्रेज़ी में भी यही सिद्धान्त है – " He that after sinning mends, recommends himself to God "– जो पाप करने के बाद सुधारना चाहता है, प्रायश्चित्त करना चाहता है, वह ईश्वरीय कृपा के योग्य बनता है।

पाप करके, अनीति के मार्ग से कमाया धन पल्ले नहीं पड़ता। उसका उपभोग पापी खुले आम नहीं कर सकता। इसलिए उस धन को छिपाने की चिंता में वह धन ही संग्राहक को खाने लगता है। यह भाव सभी भारतीय भाषाओं में विशेष रूप से पाया जाता है। " चोरी का माल मोरी में " जाएगा। सिंधी, मराठी, बाङ्ला आदि भाषाओं में कहा है कि पापी का धन प्रायश्चित्त में जाएगा। सिंधी– " पाप की माया प्राछत जाइ। " मराठी– " पाप्याचे धन, प्रायश्चित्तास अर्पण. " बाङ्ला

"पापेर धन प्रायश्चित्ते जाय।" कन्नड – "पापि गळिसिद्दु परर पालु" – पापी की कमाई दूसरों के पेट में। सब जगह एक भाव है। "Ill gotten ill spent." ओड़िआ ने "पाप का धन प्रायश्चित में जाय" कहते हुए और भी एक बात कही है – "अधर्म वित्त बढ़े बहुत, गला बेळे जाए मूळ सहित।" – पाप का धन बढ़े बहुत, जाने लगे तो जाए मूल सहित।

पाप पुण्य के अंतर्गत सारे मानवीय व्यवहार का विचार कहावतों ने किया है। ऐसा करते समय कभी कभी परस्पर विरोधी विचार भी प्रदर्शित हुए हैं। सारा मानव-जीवन विरोधाभास से भरा हुआ है। अपनी कमाई पर निर्भर रहकर ही जीवन यापन करना चाहिए। कर्ज़ नहीं लेना चाहिए। कर्ज के कारण आदमी का विनाश हो जाता है। तमिळ – "कडन् इल्लाद कंजि काल् वयिरु" – कर्जरहित कंजी पाव पेट भर ही सही। संत तुकाराम ने तो कहा है कि भीख मांगना भी लज्जा की बात है। "भिक्षापात्र अवलंबिणे, जळो जिणे लाजिरवाणे।" भीख मांगकर निर्वाह करना! आग लगे ऐसे तुच्छ जीवन में। हमने दान की महिमा गाई है, किन्तु दान लेनेवाला न हो तो दानियों के पुण्य का क्या होगा? कर्ज के बारे में तो उपभोगवादी 'चार्वाक' ने कहा है "ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत" कर्ज़ लेकर भी घी पिओ, मज़े में रहो। तेलुगु कहावत कहती है– "अप्पु चेसि पप्पु कूडु" – कर्ज़ लो और दाल रोटी खाओ। यह तो जीवन की आवश्यकता के लिए कर्ज़ की बात हो गई, लेकिन अमन-चैन या गुलछर्रे उड़ाने के लिए कर्ज़ लेने के पक्षपाती कम नहीं होंगे।

"कर्ज़ की पीते थे हम, और कहते थे कि हाँ। रंग लाएगी हमारी फ़ाकामस्ती एक दिन॥"

धर्माचरण, सदाचरण के लिए पथप्रदर्शक कई सूत्र हर भाषा में मिलते हैं। व्यभिचार छिनालपन के विरोध में बहुत कुछ कहा गया है। विश्वभर की कहावतों को देखने पर ऐसा दिखाई देता है कि स्त्री के व्यभिचार अथवा पुरुषों के प्रति असाधारण व्यवहार की चर्चा बहुत हुई है। प्रायः यह दिखाई देता है कि पुरुषों को बहुत सारे नीतिनियमों से छूट दी गई है।

मराठी के एक नाटक में एक संवाद है। पुरुष कहता है – "मैं कुलीन हूं, क्योंकि मैं पुरुष हूं"। पराई स्त्री से संबंध को दुनिया की सभी सभ्यताओं ने केवल त्याज्य ही नहीं, अपितु पाप भी माना है "अनार्या परदारव्यवहारः।" किन्तु ऐसे व्यवहार के लिए पुरुषों को बहुत कम दूषण दिया जाता है और स्त्रियों की ज़रा–सी गलती पर कड़ी अलोचना होती है। स्त्री को जाति के बाहर फेंका जाता है। जीवन से उठाया जाता है। उससे इतना भयंकर सलूक किया जाता है कि वह कहीं की नहीं रहती। इतना होने पर पुरुष ही उल्टी शिकायत करता है, "हम आह भी भरते हैं, तो होते हैं बदनाम। वो कत्ल भी करती है तो चर्चा नहीं होता।"

योग्यायोग्य धर्माचरण और पापपुण्य की टिप्पणियाँ करनेवाली निम्नलिखित कहावतें देखिए।

वाङ्ला – "नष्ट गुया दखिन वाये, नष्ट झि दोचारिणी माये, नष्ट बहू परेर घरे, पुत्र नष्ट परदार करे।" – सुपारी का पेड़ दक्षिण की हवा से नष्ट हो जाएगा। यदि माँ दुराचारिणी हो तो बेटी का विनाश होगा। बहू अगर दूसरों के घर में रही तो बिगड़ जाएगी। पर स्त्री से संग करने से बेटे का पतन होगा।

छिनाल नारी का लक्षण 'डाक' की उक्तियों में भी पाया जाता है। वाङ्ला – "नियड़ पोखरी दूर के जाय, याते बेळे गीत गाय। पथिक रे चाहे आड़दृष्टि, डाक बोले सेइ से नष्टि।" – निकट की पोखरी छोड़ (पानी के लिए) दूर जाए, जाते समय गीत गाए, राही को तिरछी नज़रसे देखे,

डाक बोले ऐसी नारी छिनाल है।

स्त्री के सतीत्व के बारे में काफी चर्चा साहित्य में दिखाई देती है। कम से कम भारतीय नारी के लिए सबसे अधिक मूल्यवान उसका चरित्र, सतीत्व ही माना गया है। जिसका चरित्र बिगड़ गया है, जो अपना सतीत्व खो बैठी है ऐसी नारी लोगों की आँखो में गिर जाती है। उसकी परिवारिक और सामाजिक प्रतिष्ठा भी समाप्त हो जाती है।

दुःख की बात यह है कि जिस स्थान से वह गिर जाती है, उस स्थान को फिर से पाना उसके लिए असम्भव हो जाता है।.तमिऴ–" अरैक्कासुक्कु अऴिद करपु आयिरम् पोन् कोडुत्तालुम् किडैयादु। "– दो पैसे के लिए बिका गया सतीत्व सहस्र सुवर्णमुद्रा देने पर भी वापस नहीं आता। कलंक लग गया सो लग गया। बूँद से गई सो हौज से भी वापस नहीं आ सकती। एक बार कमान से छूटा हुआ तीर और बंदूक से चली गोली वापस नहीं आती। गौ के थन से निकला हुआ दूध वापस कांछ में भरना असंभव है। आधुनिक दृष्टान्त के साथ हम यों कह सकते हैं कि एक बार ट्यूब से निकला हुआ टूथपेस्ट (दंतमंजन) फिर अंदर नहीं भरा जा सकता। इस लिए विश्वभर की सभी भाषा ओं की कहावतों में चरित्र (कैरेक्टर) को सब से प्रधान स्थान दिया गया है। अंग्रेज़ी कहावत के अनुसार – " If money is lost, nothing is lost; if time is lost, something is lost; if character is lost, everything is lost " पैसा नष्ट हुआ तो कुछ भी नष्ट नहीं हुआ, समय नष्ट हुआ तो थोड़ा-सा ही नष्ट हुआ, और चरित्र नष्ट हुआ तो सब कुछ चौपट हो गया। इसी अर्थ की डच भाषा की उक्ति का दर्शन भी कराया जा सकता है। "Goed verloren, niet verloren; moet verloren, veel verloren; eer verloren, meer verloren; zeil verloren, al vərloren" – पैसा गया, कुछ न गया; धैर्य गया, कुछ तो भी गया; सम्मान गया, बहुत कुछ गया, और मेरी आत्मा गई तो सब कुछ गया। अरबों ने कहा है " तुम्हारी जिंदगी का एक एक दिन तुम्हारी तवारीख़ (इतिहास) का एक एक पृष्ठ है, उसे साफ-सुथरा रखना ज़रूरी है।

* * *

दूसरों की बुराई चाहनेवालों पर विपदा आती है। दूसरों को दुःख देना, दूसरों के अनिष्ट की इच्छा करना कभी किसी संस्कृति ने अच्छा नहीं माना है। भोजपुरी क्षेत्र की यह कहावत देखिए " अनका पर ढेप चलावे तऽ अपना पर बज्जर खसाय " – दूसरे पर ढेला फेंकोगे तो अपने पर वज्र चलेगा। " तू गोर खोद मोंको मैं गाड़ आऊँ तो को। " – तू मेरे लिए कबर खोदेगा, तो मैं तुझे ही उसमें गाड़ दूँगा। मराठी में कहते हैं " इच्छी परा ते येई घरा " – दूसरों के बारे में जो सोचो (बुरा) सो अपने ही घर आएगा। गुजराती की एक कहावत देखिए कितनी ठोस है –" रांड कहिये त्यारे छीनाल सांभळवी पड़े " – किसी को रांड कहो तो छिनाल सुनना पड़ेगा। दूसरों को गालियाँ दो तो बुमरैंग के समान और तीक्ष्ण उलाहने तुम्हारे पास वापस आएँगे। " If you say what you like, then you will have to hear what you don't like. " – आप चाहे सो बोलेंगे, तो आप ना चाहें सो सुनना पड़ेगा। इसलिए हमें चाहिए कि हम अपनी ज़बान पर पूरा काबू रखें। जर्मन कहावत कहती है – " Besser mit dem Fusse gestrauchelt als mit der Zunge. " जिह्वास्खलन से पदस्खलन अच्छा है। पाँव फिसलने से तुम्हे शारीरिक दुःख होगा पर जीभ के फिसलने से न जाने क्या क्या अनर्थ होंगे। इसलिए तो ईरानी भाषा में बोलने

को चांदी कहा है और चुप्पी साधने को सोना कहा है। अंग्रेज़ी की " Silence is golden." कहावत का भाव भी यही है। उर्दू में एक अच्छा सबक पेश है " ज़बान शिरीं मुल्कगीरी ज़बान टेढ़ी मुल्क बाँका। "– मीठे वचन जगत् जीतेंगे और कडुवे वचन दुनिया से शत्रुता मोल लेंगे। कश्मीरी ने तो जीभ को तलवार से भी अधिक धारदार माना है। " शमशेरि हुन्द् ज़ख़ुम् बलि, ज़ेवि हुन्द् ज़ख़ुम् छुनुँ बलान्। "– तलवार का घाव भर आएगा, जीभ का घाव नहीं भरेगा। सिंधी ने अपनी कहावत, " तरारि जो फटु छुटो वञे, ज़िबान जो फटु न छुटे। " में यही भाव प्रकट किया है। इस विषय पर गुजराती भाषा का कथन आलंकारिक परंतु नित्य व्यवहार में अनुभव देनेवाला है। " बापनी बैरी कहेवा करता मा कहीये तो पाणी पाय " – बापकी लुगाई (पत्नी) कहने के बदले माँ कहो तो पानी पिलाएगी। किसी को सम्मानित करके काम निकालना अच्छा होता है। बाप की पत्नी और माँ में वास्तविक कोई अंतर नहीं है, परंतु पहला संबोधन अखरता है। ' माँ ' शब्द में ही वह जादू है कि कोई भी स्त्री उसको माँ कहने पर कहनेवाले की ओर वात्सल्य से ही देखेगी। बाङ्ला भाषा संबोधन की और एक बारीकी प्रस्तुत करती है। " तुइ बलते यतक्षण, तुमि बलते ओ ततक्षण। " ' तू ' बोलने में जितना समय लगता है, ' आप ' बोलने में उतना ही समय लगता है। मुँह में शुभ भाषा हो, मधुरध्वनि हो, जिससे सारा संसार तुम जीत सकोगे। ओड़िआ कहावत भी जीभ की भयावहता प्रकट करती है – " तुंड, करे लंडभंड। " – मुँह ही (आदमी की) बेइज़्ज़ती, अपमान करता और करवाता है। वास्तव में मुख में शुभ शब्दों की कभी कमी नहीं होनी चाहिए। " तुंडकु कि हुळहुळि दुकाळ ? " मुँह में क्या मंगलध्वनि का अकाल हो सकता है।

इस सारे कथन का यह अभिप्राय नहीं कि हम केवल मीठा कहें और उसके विपरीत आचरण करें। तब तो वह " मुख में राम, बगल में छुरी " वाली बात हो गई। उक्ति और कृति में भयानक अंतर आ जाए तो वह भी अनैतिक (immoral) माना जाएगा। मराठी – " लोका सांगे ब्रह्मज्ञान, आपण कोरडा पाषाण " – दूसरों को ब्रह्मज्ञान सिखाता है, जब स्वयं सूखे पत्थर के समान है। उस ब्रह्मज्ञान के सरोवर में कहनेवाले का हृदय स्नात नहीं है, वह पत्थर की तरह कठोर ही है।

" हाथ सुमरनी, बगल कतरनी, पढ़े भागवत गीता रे। औरों को तू ज्ञान सिखावे, आप पड़े तू रीता रे॥ "

* * *

सब चराचर सृष्टि के बारे में हमारी सामूहिक नैतिक धारणा का केन्द्रबिंदु यह होना चाहिए कि समता का भाव, उच्च नीच का भेद न मानते हुए सब के प्रति विशाल सहिष्णुता का भाव सबमें उत्पन्न हो। प्रगत मानवतावादी विचारों का यही वास्तविक अधिष्ठान है। अंग्रेज़ी में कहा है – " We are all Adam's children, but silk makes the difference. " हम सब ईश्वर की संतान हैं, किन्तु हमारी पोशाक ने आपस में यह फर्क किया है। कोई रेशम पहनता है, तो कोई पटसन, जिससे यह अंतर पड़ता है। बाकी विवस्त्र अवस्था में सब समान हैं।

अपने खेल के लिए ईश्वर ने किसी को राजा बनाया किसी को पियादा। लेकिन शतरंज के इस खेल के बाद सब एक साथ एक ही संदूकची में पहुँच जाते हैं।

नीतितत्त्वों का पालन करनेवाले, स्वयं अपने जीवन में नित्यप्रति उनका परिचय देनेवाले लोगों का व्यक्तित्व ही सब लोगों के सामने एक आदर्श खड़ा करता है। सैंकड़ों प्रवचनों से जो

काम नहीं हो सकता, वह स्वयं कर दिखाने से होता है। इसलिए अंग्रेज़ी की एक कहावत में कहा गया है—Example is better than precept. ऐसे सदाचारी व्यक्ति सज्जनों के लिए सहारा बनते हैं और दुष्टों तथा अनाचारियों के लिए भयप्रद होते हैं। यही भाव तमिळ की इस कहावत से निखरता है, " नल्लोर नडक्कै तीयोरुक्कुत्त् दिगिल् " – सज्जनों का व्यवहार दुष्टों के लिए भयप्रद होता है।

विवेक, सयानपन, बुद्धिमानी।

कहावतें जीवनानुभव का निचोड़ होने के कारण जीवन के अंग अंग को स्पर्श करते हुए, जीवन का अर्थपूर्ण परिशीलन करके हमारे सामने विवेक और बुद्धिमत्ता की सारी बातें कह देती हैं। अखिल विश्व का सयानपन इन छोटे छोटे सूत्रों में ठूस ठूस कर भरा हुआ है। धूर्त और चतुर विचारों से भरा हुआ यह भंडार हम ज़रा खोलके देखने का प्रयास करेंगे तो स्तिमित रह जाएँगे। कहावतों में बहता हुआ विचार-स्वतंत्रता का उद्घोष, अपनी बात पर अडिग रहने का आग्रह, बार बार उन बातों को दोहराकर ' मस्तिष्क-प्रक्षालन ' (brain-washing) करने की उनकी क्षमता अपार है। मनुष्य हृदय के स्पंदन स्पंदन को, सूक्ष्मतम कंपन को अंकित करके उनकी क्रिया – प्रतिक्रिया का अवलोकन करने के बाद निकाले हुए सिद्धांतों को हमारे सामने रखा है।

माता, पिता, बन्धुजन, बच्चों की देखभाल, पढ़ना, लिखना, किताबें, उन्नति और वैभव या परागति और विपत्ति-वासनाओं का नियमन आदि बातों पर विवेकपूर्ण अभिप्राय हमें कहावतों में मिलेंगे। सूचनाओं और चेतावनियों से पुष्टगर्भ इन कहावतों के अध्ययन से सफल जीवन-यापन के लिए सामग्री मिल सकती है। उसका उपयोग किस प्रकार करना यह तो अपने अपने बस की बात है। हिन्दी की एक कहावत में क्या क्या करने से आदमी की अधोगति होगी यह कहा गया है। " आहार चुके वह गए, ब्योहार चुके वह गए, दरबार चुके वह गए, ससुराल चुके वह गए। " अब देखिए ' इक लख पूत, सवा लख नाती, उस रावण के दीया न बाती। ' में कैसा उचित उपदेश रामायणकालीन एक कथा का स्मरण दिलाते हुए किया है। रावण का इतना बड़ा परिवार था। भाईबंधु, पुत्रपौत्रों के होने के बावजूद भी मृत्यु के समय और पश्चात् दीप जलाने के लिए भी कोई नहीं रहा। घमंडी रावण की यह गत हुई। धन, प्रतिष्ठा, सामर्थ्य आदि सभी नश्वर हैं, यह समझकर बड़ा ही नम्र और विनीत भाव मन में रहे।

" जिनकी नौबत की सदा से गूँजते थे आसमाँ, चुप पड़े हैं मकबरों में, हूँ या हाँ कुछ भी नहीं। "

जिनकी जयजयकार की ध्वनि से सारा विश्व कंपित होता था, ऐसे बड़े बड़े शक्तिशाली धुरंधर आज अपनी कबरों में चुपचाप पड़े हैं। उनकी तो आवाज़ बंद हो ही गई, पर उनके लिए दुख के दो आँसू भी कोई नहीं बहाना चाहता। जिनकी गोर पर रंगबिरंगे फानूस जला करते थे, उन की तुरबत पर टिमटिमाता दिया भी नहीं है।

एक समय एक ही काम ठीक ध्यान लगाकर करना चाहिए, एक साथ कई काम करने गए तो कोई भी काम अच्छा न होने का डर रहता है। बाङ्ला की यह कहावत " दु नौकाय पा दिले, पड़बे शेषे अगाध जले। " – दो नावों पर पाँव रखने पर अथाह जल में गिरना होगा, अनुभव के आधार पर अचूक मार्गदर्शन करती है। हिन्दी में वचन है " चलत फिरत धन पाइये, बैठे देगा

कौन ?" अपनी रोज़ी कमाने के लिए हाथ-पाँव हिलाने पड़ेंगे। बैठे बैठे कोई आकर रोटी देगा यह आशा व्यर्थ है। वाङ्ला – "चललेइ चल्लिश बुद्धि, ना चललेइ हतबुद्धि।" – चले तो बुद्धि (अनुभव) चालीस गुना बढ़ेगी, न चले तो बुद्धि नष्ट हो जाएगी, सूख जाएगी। संस्कृत वचन "चराति चरतो भगः" में भी यह भाव है। चलनेवाले का भाग्य चलता है। * * *

स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता का उद्घोष सभी भाषाओं ने किया है। अपना काम हम स्वयं करें तब अच्छा होता है। दूसरों को सौंपे हुए काम का भरोसा नहीं होता। "अपना हाथ जगन्नाथ।" मराठी में कहा है "जो दुसऱ्यावरी विश्वासला त्याचा कार्यभाग बुडाला" – जो दूसरों पर निर्भर रहा, उसका कार्य नष्ट हुआ ही समझो। कश्मीरी भाषा ने यह भाव बड़े रोचक ढंग से कहा है – "चन्दस् ह्युह नुँ वान्दव् व्वन्दस् ह्युह नुँ तिरुँथ" – अपनी जेब जैसा बन्धु नहीं और अपने हृदय समान तीर्थ नहीं। कोई चीज स्वयं अपने हाथों से किए बिना, उसका तंत्र और मंत्र ध्यान में नहीं आता। "खुद मुए बिना स्वर्ग नहीं देखा जा सकता।" – इस आशय तथा इसी दृष्टान्त की कहावत सभी भाषाओं में है। "He who depends on others, dines ill and sups worse." जो दूसरों के भरोसे रहता है, उसको दोपहर या रात का भोजन नहीं मिलता। तेलुगु– "अरचेतिलो वैकुंठमु" – वैकुंठ अपने ही हाथ में है। इस आशय की भारतीय भाषाओं की सभी कहावतें हमने प्रथम खण्ड के आठवें अध्याय में दी हैं।

यूरोपीय भाषाओं में यह आत्मनिर्भरता का भाव (self reliance) किस प्रकार प्रस्तुत किया है यह देखेंगे। कवि स्पेन्सर ने अपनी कविता में यह विचार इस प्रकार प्रस्तुत किया है – "Unhappy wight born to disaster's end, That doth his life in long dependence spend." फ्रेंच कहावत भी अपने बल पर निर्भर न रहने से क्या होता है यह इस प्रकार बताती है। "Qui s'attend a l'e'cuelle d'autrui dine souvent par coeur." – जो दूसरों की (मांस काटने की) छुरी पर निर्भर रहेगा, उसको भोजन केवल कल्पना में ही करना पड़ेगा। स्पॅनिश कहावत – "Qui escudella dalt/i espera, freda la menja" – जो दूसरे की थाली की प्रतीक्षा करेगा, उसे ठंडा मांस मिलेगा। पोर्तुगाली बड़े विनोदी ढ़ंग से इस आशय को प्रकट करते हैं। "Manda o omo ao moco, o moco ao gato, e o gato ao rabo." – मालिक ने नौकर को हुक्म दिया, नौकर ने बिल्ली को आज्ञा की और बिल्ली ने अपनी पूँछ को। स्वयं कोई करना नहीं चाहता, दूसरों को हुक्म देता जाता है। मराठी में एक बढ़िया मुहावरा है "ऊँटपर सवार होकर बकरियाँ हाँकना।" डेन्मार्क की कहावत ने इस उक्ति के समानान्तर भाव को प्रदर्शित करने के लिए एक निराले दृष्टान्त का सहारा लिया है। "Den der venter paa dod mands skoe kommer laenge til at gaae barfodet" जो मरे हुए की जूतियों का (जूतियाँ मिलने का) इन्तज़ार करेगा, उसे बहुत दूर तक नंगे पाँव जाना पड़ेगा। "God helps those who help themselves ' – जो स्वयं अपनी सहायता करता है, उसकी ईश्वर भी मदद करता है। इसी का अनुवाद सभी यूरोपीय भाषाओं में देखने मिलता है। उर्दू में भी कहा जाता है – "हिम्मत-ए-मर्दा, मदद-ए-खुदा।"

काम स्वयं करना चाहिए और वह ठीक समय पर करना चाहिए। "कल करे सो आज कर और आज करे सो अब"। इसी आशय की अंग्रेजी कहावत है – "Don't put off till to-

morrow what you can do to-day " इसी आशय को वहन करनेवाली किन्तु नित्यानुभव की चोट जिसमें जोरदार है ऐसी स्पॅनिश कहावत चिंतन और मनन करने योग्य है। " Por la calle de despues se va a la casa de nunca " – 'आज करें, कल करें' के रास्ते आदमी 'कभी नहीं' के घर पहुँचता है।

एक बार हमने Silence is golden कहा है, किन्तु व्यवहार में तो बोलना ही पड़ता है। न बोलने से काम कैसे निपटाएंगे? न बोलनेवाला बेचारा भूखों मरेगा। मराठी में कहते हैं – " बोलक्याची गाज़रे विकतील न बोलणाऱ्याची केळी विकणार नाहीत " – बोलनेवाले के गाजर बिकेंगे, न बोलनेवाले के केले भी नहीं बिकेंगे। अथवा गुजरातियों का, जो कि चोटी के व्यापारी माने जाते हैं, यही अनुभव है " बोलताना बोर वेचाय, ना बोले तेनी खारेक पण न वेचाय " – बोलनेवाला बेर भी बिका देगा, न बोलनेवाले का खजूर भी पड़ा रहेगा, नहीं बिकेगा। इसलिए तो हम देखते हैं, सब्जीवाले, फेरीवाले, ज़ोर ज़ोर से चिल्ला-चिल्लाकर अपने माल की ज़ाहिरात करते रहते हैं। इतालियन कहावत है – " Chi parla semina, chi tace raccoglie." – जो बोलेगा सो बोएगा, जो चुप बैठेगा सो फल भुगतेगा (उसका काम बिगड़ेगा)।

संगति का प्रभाव

हर व्यक्ति या प्राणी पर, वह जिस वायुमंडल में रहता है, जिसके साथ रहता है, उसका प्रभाव तो अवश्य पड़ता है। आदमी जन्म लेता है, तब बिलकुल निर्गुण होता है। भारतीय दर्शन के अनुसार वह पूर्वजन्म के जो कुछ संस्कार लेकर आया होगा वह बात निराली है, अन्यथा वह तो अच्छे – बुरे संस्कार संगति के कारण ही पाता है। इस मनुष्य जीवन में संगति का बड़ा ही महत्त्व है। A man is known by the company he keeps – मनुष्य की अच्छाई, बुराई, गुणावगुण उसके संबंधियों या मित्रों पर निर्भर करते हैं। " ओछे के संग बैठके सुघड़ों की पत जाए। " – नीच व्यक्ति के साथ व्यवहार करने से अच्छे लोगों की कीमत कम हो जाती है। " असङ्गसङ्ग दोषेण सत्याश्च मतिविभ्रमः। "– बुरी संगति में फँसने पर निश्चय ही बुद्धि विचलित हो जाती है। यशोदायी जीवन के लिए बुद्धि का संतुलन परमावश्यक है।

" सोना कहे सुनार से 'उत्तम मेरी जात' काले मुँह की घुंगची तुले हमारे साथ। " तिसपर घुँगची कटाक्ष करती है, " हम लालों की लालड़ी, लाल हमारा रंग; काला रंग जब से हुआ, तुली नीचे के संग। " " पयोऽपि शौंडिकीहस्ते वारुणीत्यभिधीयते। " शराब बेचनेवाले के हाथ में होनेवाला दूध भी शराब ही माना जाता है। रहीम ने भी कहा है– " दूध कलारी कर गहे मद समझे सब ताहि। " भोजपुरी क्षेत्र की कहावत में इसी प्रकार का सिद्धान्त है " कलवारक लड़िका भूखे मरे, लोक कहे जे दारू पीले अछि। " – बेचारा कलार का लड़का भूख से बेज़ार है, छटपटा रहा है और लोग समझते हैं उसने शराब पी होगी। यह सहवास का नतीजा है। " जहाँ गदहन के बिटोर तहाँ लात के सनसनाहट " गधों की यारी में लातों की ही सनसनाहट होगी। पंजाबी – " कमीने दी यारी अटुए दा डंग। " – नीच की दोस्ती बिच्छू का डंख। दूसरी पंजाबी कहावत " कोयल्यां दी दलाली विच मूँह काला। " मराठी कहावत से मिलती जुलती है, " कोळशाच्या दलालीत हात काळे " – कोयले की दलाली में हाथ काले। मराठी की कहावत " सुक्या-

बरोबर ओले जळते. " और सिंधी की कहावत "सुकनि गडु आला बरनि।" दोनों का मतलब एक ही है – सूखे के साथ गीला भी जलता है। जैसे कुसंगति का बुरा असर होता है वैसे सत्संगति का भी अच्छा परिणाम निकलता है। तमिळ की कहावत "शंगिले वारत्ताल तीर्तम्" और तेलुगु की "शंखुलो पोस्ते तीर्थम्" एक ही आशय समान दृष्टान्त के द्वारा प्रकट करती हैं। पानी जब शंख से निकलता है तब पवित्र जल माना जाता है। स्थान माहात्म्य का यह उदाहरण है। कन्नड़ में भी "शंखदल्लि बंदरे तीर्थ" कहावत प्रयोग में है। पानी जब गोमुखी से निकलता है तब तीर्थ मानते हैं; और नाली में बहता है, तो गन्दा माना जाता है। कन्नड़ की कहावत नित्य के व्यवहार में से एक प्रसंग उठाती है और कहती है "मल्लिगे हूविनिंद बाळेय नारु पवित्रवायितु" – फूल के कारण केले का तंतु पवित्र हुआ। दक्षिणांचल में केले के तंतु में पुष्प पिरोकर माला बनाते हैं। जब पुष्पमाला भगवान को चढ़ाई जाती है, तब फूलों के साथ यह तंतु भी भगवान के स्पर्श से पावन हो जाता है। फूलों के साथ उसे भी मुक्ति मिलती है। मलयाळम् कहावत – "पू कोत्त नारिनुं मणमुण्टाकुं।" – (फूलों की संगति में) पुष्पमाला का धागा भी महकेगा।

जिस प्रकार कालिदास की नगरी के तोते भी कविता पाठ करते थे, तानसेन की नगरी के गधे भी सुस्वर रेंकते थे, उसी प्रकार तमिळ कहावत के अनुसार "कंबन वीट्टुक कट्टुत् तरियुम् कवि पाडुम्" – कंबन के घर का गाय बाँधने का खूँटा भी गीत गाएगा। उत्तर भारत के लोगों में तुलसी की रामयण जितनी प्रचलित है, उतनी ही कविवर कंबन की रामायण दक्षिण भारत में, विशेषतः तमिळनाडु में, प्रचलित है।

गुजराती में (कु) संगति का प्रभाव समझानेवाली एक बहुत मज़ेदार कहावत है। दैनंदिन व्यवहार से एक छोटा-सा अनुभव उठाकर व्याकरण के लिंगविचार का उपयोग करके एक चुटकुला कह दिया है। नारी के संग रहने से पुरुष का अस्तित्व कैसे समाप्त होता है यह बात एकदम हल्की-सी चुभन के साथ कही है – "दाळनी सोबतथी चोखो नर मटी नारी बन्यो" – दाल की संगत से चावल नर की नारी हो गई। श्लेष इस प्रकार है – दाल (चाहे मूँग की हो या अरहर की) स्त्री है और चावल पुरुष (पुल्लिंग)। मगर दोनों को मिलाकर जो चीज़ बनती है वह 'खिचड़ी' स्त्रीलिंगी है। इस प्रकार दोनों के इकट्ठा आने पर नर का अस्तित्व समाप्त हुआ और बची केवल "खिचड़ी" स्त्री। संगति की प्रभाववाली भारतीय भाषाओं की कहावतें हम भारतीय कहावत संग्रह के द्वितीय खण्ड में दे रहे हैं।

भारतीय भाषाओं की तरह यूरोपीय भाषाओं में भी संगति के परिणाम का निर्देश करनेवाली कई कहावतें प्रचलित हैं। किन्तु अंग्रेज़ी कहावत "Who keeps company with a wolf will learn to howl" – जो भेड़िये के साथ रहेगा, वह गुर्राना सीखेगा – की समानार्थी और भेड़िये का ही दृष्टान्त लेकर चलनेवाली दो तीन भाषाओं की कहावतें दे रहे हैं जिससे विचारों की समानता पर प्रकाश डाला जा सकता है। जर्मन "Wer mit den Wolfen ist, musz mit den Wolfen heulen." – जो भेड़ियों के साथ रहेगा, उसे गुर्राना पड़ेगा। इतालियन "Chi vive tra lupi, impara a urlare" स्पॅनिश – "Quien con lobos anda, à aullar se ensena." या डच कहावत – "Dei met wolven omgaan wit, moet

mede huilen." सब का मतलब एक ही है कि भेड़ियों के साथ रहें तो गुर्राना होगा। चीनी कहावत है कि "जो कुत्ते के साथ सोएगा वह मक्खियाँ लेकर उठेगा।"

सत्संग और कुसंग का विचार पाश्चिमात्य तथा पौर्वात्य समाजधुरीणों ने महत्त्व का माना है इसलिए हम देखते हैं कि हर बालक के माता-पिता अपने बच्चे को कुसंगति से बचाना चाहते हैं।

एकता

दुनिया भर के विद्वान विचारकों ने 'एकता' पर बल दिया है। संगठन की शक्ति को सबने माना है। जो काम एक या दो व्यक्तियों से संपन्न नहीं होता, वह बहुतों की सम्मिलित शक्ति से सफल हो सकता है। यह त्रिकालाबाधित सत्य है कि सुसंगठित अनुशासनबद्ध समाज ही बलशाली होकर अपनी विजिगिषु ध्वजा को आसमान में लहरा सकता है। इसलिए उन्नति और विकास की ओर चलनेवाला हर मानवसमूह व्यक्ति व्याक्ति के बीच एकात्मता के बंधन दृढ़ करता जाता है। जिस समाज के व्यक्तियों में यह एकात्मता की भावना प्रबल रहती है, वह समाज सर्वांगीण उन्नति की ओर तेज़ी से बढ़ता है। 'Union is strength" – एकता में शक्ति है। संस्कृत की कहावत है – 'संघे शक्तिः कलौ युगे।' राजस्थानी कहावत है – "घण जीतै हो लछमणा।" – हे लक्ष्मण संगठन में महाशक्ति होने के कारण 'लंका' पर विजय प्राप्त होगी। "United we stand, divided we fall." 'एकता' से हम खड़े रहेंगे, विघटन से हमारा पतन होगा। उर्दू में ठीक ही कहा है "जमात से करामत।" गुजराती भाषा जीवसृष्टि का एक उदाहरण देकर एकता की महानता कथन करती है। "झाझी कीडिओ सॉप ने ताणे।" – बहुतसी चीटियाँ मिलकर साँप को खींच कर ले जाती हैं। तेलुगु की कहावत और एक प्रति दिन का अनुभव पेश करती है – "हर घर से एक फूल लेकर भगवान के लिए पुष्पमाला बनेगी।" एक एक बूंद जोड़ने से तालाब भरता है। राजस्थानी लोग व्यापार विषयक बातों में चतुर होने के कारण – "कोड़ी-कोड़ी कर्यां लक लागै।" – कौड़ी कौड़ी जमाकर (पैसों का) ढेर हो जाता है यह बात उन्हें अच्छी तरह मालूम है। अंग्रेज़ी की कहावत "Little and oft fill the purse." – थोड़ा थोड़ा बार बार जमा करने से थैला भरता है जो जर्मन कहावत "Wenig und oft macht zulekt viel." – थोड़ा थोड़ा जमा करने से ढेर होता होता है, से मिलती जुलती है। इतालियन कहावत के अनुसार "एकत्रित बूंदों से पहाड़ भी टूट सकते हैं।"

कौरव पांडव आपस में चाहे लड़े-भिडें, पर कोई तीसरा शत्रु के रूप में आएगा तो उसका मुकाबला हम सौ और पाँच मिलकर करेंगे यह महामंत्र युधिष्ठिर ने "वयं पञ्चाधिकं शतम्" कह-कर दिया है।

चेतावनियाँ

सयानापन या बुद्धिमानी की बातें भिन्न भिन्न भाषाओं में किस प्रकार कही गई हैं इसके कुछ नमूने देखना अतीव मनोरंजक सिद्ध होगा। इन कहावतों में परिणाम के बारे में सचेत रहने के लिए चेतावनियाँ दी हैं। गलती करने के पहले आदमी को कहावत इस प्रकार सचेत करती है कि उससे गलती न होने पाए और घोर परिणाम से वह बच जाए। इस प्रकार का प्रबोधन करना ही

कहावतों का प्रमुख काम है। अग्रिम सूचनाएँ देकर उसे गलत रास्ते पर जाने से बचाना चाहिए। वह गुनाह करे और फिर उसके परिणाम स्वरूप सज़ा भुगते इसमें क्या आनंद है ? एक उर्दू शायर ने जो शिकायत की है वह विचार करने योग्य है।

" सरे महशर में पूछूंगा अल्लाह से पहले। क्या रोका भी था मुजरिम को खता से पहले ? "

मुसलमान मत के अनुसार सब मृत व्यक्तियों की रूहों (आत्मा) को इन्साफ के दिन कबर से निकालकर खुदाउन तालान् के सामने पेश किया जाता है। इस समय हमारा यह कसूरवार उपरिनिर्दिष्ट शेर कहेगा और अल्लाह से पूछेगा कि (तुम खुद को इतना शक्तिमान, सर्वज्ञ समझते हो तो) गुनाह करने से पहले ही तुमने मुझे क्यों नहीं रोका ? (अब जोकि मुझे सज़ा करने जा रहे हो, तो पहले रोका होता तो नतीजा भुगतने की नौबत न आती।) किंतु अल्लाह भी जो काम नहीं करता, ठीक यही काम अच्छी कहावतें करती हैं। जीवन के छोटे छोटे व्यवहारों का परिशीलन करके " दूध का दूध, पानी का पानी " हमारे सामने रख देती हैं। * *

" लेखनी पुस्तकं रामा परहस्ते गता गता। कदाचित् पुनरायाता भ्रष्टा मुष्टा च चुम्बिता ।। "

लेखनी, पुस्तक और सुंदरी दूसरे के हाथ में पड़ गई तो गई। कदाचित् वापस आए भी तो टूटी हुई, फटी हुई और चुम्बन ली हुई। आशय स्पष्ट है। ओड़िया कहावत का अभिप्राय देखिए– " गीत नाश जाए बाटे, पाणि नाश जाए फाटे, स्त्री नाश जाए हाटे। " – गीत रास्ते पर, पानी दरार में, और स्त्री बाज़ार में गुम हो जाएगी। – पुराने ज़माने में प्रायः महिलाएँ खुलेआम बाज़ार में नहीं जाया करती थीं। आज भी भारत के कई प्रदेशों में ' परदा ' चलता है। नारियाँ चार दीवारी के बाहर नहीं जातीं। परंतु आजकल आम तौर पर महिलाएँ केवल बाज़ार में ही नहीं तो नौकरी करने दफ्तरों में भी जाती हैं। उनके सभा सम्मेलनों तथा पार्टियों में शामिल होने से पुरुष और स्त्री के लिए समान अधिकार, समान दर्जा अवश्य प्राप्त हुआ है । अच्छाइयों के साथ कुछ बुराइयाँ, संकट भी खड़े अवश्य होंगे। शायद स्त्री की सुरक्षितता कम हो गई होगी। परंतु परिवर्तनशील प्रगत समाज को इन बुराइयों का सामना करके स्त्री को प्रतिष्ठा प्राप्त करा देनी पड़ेगी। तमिळ् कहावत की चेतावनी है, " अळुगिर आणैयुम शिरिक्किर् पेण्णैयुम् नंबकूडादु। " रोनेवाले पुरुष और हँसनेवाली स्त्री का विश्वास न करो। यही विचार अन्य भाषाओं की कहावतों में प्रकट होता है। तमिळ् की दूसरी एक कहावत में जो उपदेश दिया गया है वह आज के संदर्भ में सांप्रदायिक-सा लगेगा। – " तुट्टुक्कु ओरु कुट्टि विट्रालुम्, तुलुक्कुकुट्टि मात्तिरम् आगादु " – एक पैसे में भी मिले, तो भी मुसलमान लड़की नहीं लेनी चाहिए। इस देश में हिंदू और मुसलमानों के बीच सदियों से झगड़ा रहा है, हिंदुओं को प्रदीर्घ काल मुसलमानों के अत्याचार का शिकार होना पड़ा है। शायद यह उक्ति एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होगी। तमिळ् में और एक सूचना ज़मानत देनेवाले के बुरे हाल देखकर की हुई है। – " तुणैपोनालुम् पिणैपोगादे " – किसी के सहायक बनो, पर ज़ामीन न रहो। तेलुगु की इस कहावत का उपदेश जँचता नहीं। " एर कोमटिनि, नल्ल ब्राह्मणिणि नम्मेरादु। "– गोरे वैश्य और काले ब्राह्मण का विश्वास न करो।–इसमें ऊपर ऊपर से वर्ण (रंग) भेद से संबंध है ऐसा प्रतीत होगा, पर संकेत जातिसंकर की ओर है। एक खेतीविषयक तेलुगु कहावत है – " ध्वंसनारायणुडितो कमंत चेस्ते पालिकि पंदुम् पल्लेरु गायलु "— विध्वंसक के साथ खेती करने में हमारे हाथ गोखरु ही लगेंगे। इस कहावत में यह

सूचित किया हुआ है कि खेती में साजिश किससे करनी चाहिए।

बाङ्ला की कहावत है, " आगे ना बुछिले बाछा यौवनेर भरे, आखिरे काँदते हबे अझोर झरे। " – पहले तो बच्चू जवानी के नशे में समझे नहीं, बाद में फूट फूटकर रोना पड़ेगा। जो ज्यादतियाँ हम युवावस्था में करेंगे उनके लिए वृद्धावस्था में रोना पड़ता है। दूसरी एक बाङ्ला की कहावत में यह बताया है कि किन किन बातों को कभी अपनाना नहीं चाहिए । " चोर सेवक, चोरा गाइ, खल पड़सी, दुष्ट भाई, दुष्टा नारी, पुत्र जुयार – बले डाक करो परिहार। " – चोर नौकर, दूध न देनेवाली गाय, दुर्जन पड़ोसी, दुष्ट भाई, कुटिल पत्नी और जुआरी बेटा, इन सबको दूर रखना चाहिए, ये सब त्याज्य हैं ऐसा ' डाक ' का कहना है। व्यवसाय के संबंध में मराठी में भी ऐसी एक व्यंग्यपूर्ण कहावत है, " सोनार, शिंपी, कुलकर्णीअप्पा, यांची संगत नको रे बाप्पा. " – सुनार, दरजी और करसंकलन अधिकारी (पटवारी) इन तीनों से बचके रहना चाहिए। उनका साथ अच्छा नहीं होता।

" अज्ञात कुलशीलस्य वासो देयो न कस्यचित् " इस संस्कृत वचन में बड़ी अनुभव की बात कही है। अपरिचित व्यक्ति को घर में नहीं पैठने देना चाहिए। न जाने आनेवाला अतिथि कैसा होगा। एक बार घर में आने दिया तो घर में ही डेरा जमा ले तो मुसीबत होगी। " चञ्चुप्रवेशात् मुशल प्रवेशः। " – चोंच समाने को जगह दी तो मूसल समाएगा। अंग्रेज़ी की कहावत— " Give bread to the poor but bar the door. " गरीब को रोटी ज़रूर दो, पर दरवाज़े से अंदर न आने देना, यही बात कहती है " कासा दो पर वासा न दो। "

चीनी कहावत सूचित करती है " खरबूजे के खेत में जूते का फीता मत बांधो। तालवृक्ष के तले टोपी मत निकालो। " खरबूजे – मतीरे के खेत में बेलों का जाल बिछाया रहता है और तालवृक्ष के तले ऊपर से तालफल सिर पर गिरने का डर रहता है।

डॅनिश भाषा का कहना है कि " ऐसी कोई बात अपने दोस्त से न कहो जो तुम्हारे शत्रु तक नहीं पहुँचनी चाहिए। " यह कथन आश्चर्यकारक, विचित्र-सा लगेगा। परंतु शत्रु तक जो बात नहीं जानी चाहिए, उसको सावधानी से छिपाए रखना चाहिए। मित्र को भी नहीं बतानी चाहिए, अन्यथा " God save me from my friend ! " कहने की बारी आएगी।

विदेशी भाषाओं की और कुछ उक्तियाँ विचार करने योग्य हैं। इतालियन – " Le vesti degli avvocati sono fodrate dell' ostinazion dei litiganti. " - असीलों के हठ के कारण वकीलों के चोगों में किनार लगती है। दूसरी एक मनुष्य स्वभाव का वर्णन करनेवाली इतालियन कहावत है, " Nella prosperita'non fumano gli altari "— समृद्धि में किसी वेदी से धुआँ नहीं निकलता। गिरजा घर में वेदी के समान चबूतरा होता है। वहाँ भगवान की दुआ माँगने के लिए जो आते हैं वे धूपदीप जलाते हैं। बात सरल है कि समृद्धि में कोई ईश्वर को याद नहीं करता। संकटों में फँसने पर परमात्मा की याद आती है। हिन्दी की कहावत में भी कहा गया है – " दुख में सभी सुमीरन करैं, सुख में करै न कोय। " स्पॅनिश कहावत ने इशारा दिया है – " Quien con ropa agena se viste, en la calle se queda en cueros. " – जो दूसरों के कपड़े पहनकर बज़ार में झूमता है, उसपर सड़क के बीचोबीच विवस्त्र हो जाने की बारी आती है। ' हैती ' बोली की कहावत में कहा है कि " नदी पार करने के पूर्व माता मगरमच्छली को गालियाँ न दो। " हो

सकता है नदी पार करने में वह बाधा डाले । उसे प्रसन्न रखना आवश्यक है ।

इतालियन कहावतों में पुस्तकों के बारे में काफी चर्चा की हुई है । '' Non v' e' il peggior ladro d'un cattivo libro.'' – बुरी किताब से बढ़कर भयानक चोर दूसरा कोई नहीं। बच्चों के हाथों में अच्छी संस्कारक्षम किताबें जाएँ यही आवश्यक बात है । इतिहास पर कटाक्ष करनेवाली और एक इतालियन कहावत देखिए । – '' Los muertos abren los ojos a' los vivos.'' – मरे हुए आदमी जीवित व्यक्तियों की आँखें खोलते हैं । चरित्रग्रंथ तथा इतिहास पर यह कड़ी चोट है ।

एक स्पॅनिश कहावत सामनेवाले को अपनी जगह रखने का इलाज बताती है । – '' Una spada tien l' altra nel fodro.'' – (बाहर निकली हुई) एक तरवार दूसरी (सामनेवाले की) तरवार को म्यान में रखती है । प्रतिकार की क्षमता रखनेवाला आक्रमण होने ही नहीं देता । इस कहावत का अनुभव व्यक्तिगत तथा राजनैतिक व्यवहार में हम अक्सर प्राप्त करते हैं । इसी आशय के बहुत निकट दूसरी एक स्पॅनिश कहावत है जो एक जागतिक अनुभव के आधार पर सिद्धांत प्रस्तुत करती है । – '' Qui porte e'pe'e, porte paix. '' – जिसके हाथ में तरवार उसके हाथ में शांति । सारे युद्ध शांति के लिए ही हुए हैं न ! एक जर्मन कहावत इस मत का प्रतिपादन करती है कि बच्चों को कड़े अनुशासन में रखकर उनसे पढ़ाई करवा लेनी चाहिए ।— '' Es ist besser das Kind weine denn der Vater.'' – बाप के रोने के बदले बच्चे का रोना अच्छा । यदि बच्चा अनपढ़ बेकार रहा तो बाप को रोना पड़ेगा । इससे कड़ी निगरानी के कारण बच्चे को बचपन में रोना भी पड़ा तो ठीक बात है ।

जर्मन कहावत कीमती सबक पढ़ाती है – '' बहुत ही विचार करने के बाद शाप दो, लेकिन आशीर्वाद तुरंत दो । '' किसी का भला जल्दी करो, बुरा करने में देर लगाओ । शायद कुछ विचार करने के बाद दूसरे का बुरा करने की इच्छा समाप्त होगी ।

स्वार्थ

स्वार्थ मनुष्य जीवन का एक अविभाज्य भाग है । ऐसी तो कोई बात नहीं है कि सभी प्रकार का उपदेशामृत पीने के बाद सब लोग साधु बन जाते हैं । निजी स्वार्थ से लेकर परिवार, जाति, समाज, देश, राष्ट्र ऐसी सीढ़ियाँ पार करते करते मानवकल्याण की कामना करने के विशाल स्वार्थ तक जब व्यक्ति पहुँचता है तब वह देवत्व, ईश्वरत्व का साक्षात्कार करता है । साधारण लोग तो अपने व्यक्तिगत स्वार्थ में मगन रहते हैं । जब तक एक का स्वार्थ दूसरे के स्वार्थ से नहीं टकराता, तब तक सब कुछ मज़े में चलता है । परंतु जैसे ही किसीको हानि पहुँचना प्रारंभ होता है, आपस में कटुता, मनमुटाव उत्पन्न होना शुरू होता है, जिसकी परिणति लड़ाई, झगड़े, फसाद में हो जाती है । अपने स्वार्थ के लिए दूसरों से ईर्ष्या करते हुए उनको क्षति पहुँचाने पर आदमी तुल जाता है । सामूहिक जिम्मेदारियों को भुलाकर अपनी तरक्की के लिए मनुष्य औरों को डुबो देना चाहता है । अपने जैसा दूसरों को भी जीवित रहने का हक है, इस बात को आसानी से भूल-कर, दूसरों के जीवन में बाधाएँ खडी कर देता है । ' Live and let live. ' हम भी जीएँ, तुम भी जीओ का उदारता का भाव स्वार्थांध आदमी की आँखों से विनष्ट हो जाता है । यह बात सत्य

है कि हर एक व्यक्ति में यह बात अनादि काल से रही है। इस लिए इस विषय में जो कहावते हैं वे बहुत कुछ कह देती हैं।

भोजपुरी क्षेत्र की कहावत है " आहाँक दालि चाउर हमर टोकना, आउ दुनू गोटे करू भोजना।"– आपका दाल चावल और मेरा बरतन, आओ दोनों मिलकर भोजन करें। वाह भाई ! यह अच्छी साजिश है, जिसमें दूसरे का खाना हम खाएँ और अपने को कोई क्षति या कष्ट न उठाने पड़ें। मराठी में इसी तरह की कहावत है – " तुम्हारा चिउड़ा और हमारा भूसा, आओ फूंक फूँक कर खाएँगे।" कश्मीर की शुद्ध स्वार्थ प्रकट करनेवाली यह कहावत देखिए, " आखय् तॅ ओन्‌धम् क्याह ? यिमुँयेय् तुँ ख्याव्हाम् क्याह् ? " – " तुम मेरे पास आओ तो क्या लाओगे ? मैं तुम्हारे पास आऊँ तो क्या खिलाओगे ? " मतलब देने की बात ही नहीं है सब लेने की ही बात है। गोवा प्रदेश की मराठी बोली कहती है – " खोरें आपणा दिकाने ताणता " – फावड़ा अपनी दिशा में मिट्टी खींचता है। तमिळ की एक कहावत में कितना कठोर, निर्दय, खून को जमानेवाला स्वार्थ भरा है। उसके भी दर्शन हम करें – " अम्मैयार् ॲेप्पोऴुदु सावाळं ? कंबळी ॲेप्पोळुदु नमक्कु मिच्चमागुम् ? " – मेरी पत्नी कब मरेगी ? कब उसका कंबल मुझे मिलेगा ? एक कंबल के लिए अपनी स्त्री की मृत्यु की कामना करनेवाले ऐसे पतिदेव को दूर ही से प्रणाम। मराठी में एक लोकगीत है, संत एकनाथ महाराज का लिखा हुआ। जिसमें ऐसी स्वार्थपरायणता की पोल खोल दी गई है। एक स्त्री देवी भवानी से प्रार्थना करती है कि " मेरी सास बहुत कर्कशा है, उसे समाप्त कर। मेरे ससुर बाहर गाँव चले गए हैं, उन्हें वापस न आने दे। मेरी ननद का बच्चा बहुत सताता है, उसे खुजलीरोग होने दे। अंततोगत्वा मेरे पतिदेव को भी खतम कर और संसार का मज़ा लूटने के लिए मुझ अकेली को जीने दे।" यह एक व्यंग्यगीत है।

असमीया की कहावत है – " काछि गालै टाने।" – हँसिया अपनी ओर खींचता है। इस कहावत की प्रतिध्वनि विश्वभर की कहावतों में गूँजती है। हर कोई कुछ न कुछ अपनी ओर खींचता है। गुजराती की कहावत किसी और बिंब के साथ आशय को प्रकट करती है। " हर कोई अपनी अपनी रोटी के नीचे अंगार खींचता है।" भारतीय भाषाओं की स्वार्थ विषयक सभी उक्तियाँ और वचन हम ' भारतीय कहावत संग्रह ' के द्वितीय खंड में दे रहे हैं।

इसी आशय की यूरोपीय भाषाओं की कहावतों का अनुसंधान युपयुक्त होगा। अंग्रेज़ी – " All men row galley way " (i. e. everyone draws towards himself.) या " Every miller draws the water to his own mill. " – हर चक्कीवाला पानी अपनी चक्की की ओर खींचता है। इतालियन कहावत तो सही सही इस का अनुवाद – सा लगती है। – " Ognun tira l'acqua al suo molino. " फ्रेंच कहावत – " Chacum tire l'eau à son moulin. " का मतलब वही है। स्पॅनिश भाषा ने उपरिनिर्दिष्ट कहावत में और थोड़े शब्द जोड़ दिए हैं। " Cada uno quiere llevar el agua a' su molino. " हर कोई सारा पानी अपनी चक्की की ओर खींचना चाहता है और पड़ोसी के खेत को सूखा रखना चाहता है।

डॅनिश भाषी भी अपनी ओर कुछ न कुछ खींचते ही हैं। " Enhver vil rage Ild ad sin Gryde. " हर एक अपनी देगची के नीचे आग को खींचता है।

यह सारा डच कहावत के अनुसार " Zelf is de Man. " – (केवल) मैं ही मनुष्य हूँ, इस

भावना के कारण होता है। 'अहं' के सिवा और कोई नहीं। फ्रेंच कहावत एक और व्यावहारिक न्याय के द्वारा यही राग आलापती है। – " J'aime mieux un raisin pour moi que deux figues pour toi. " – तुम्हें दो अंजीर मिलने के बजाय मुझे एक अंगूर मिले तो अच्छा।

आत्मवंचना

मनुष्यस्वभाव बड़ा विचित्र होता है। किसी अच्छी बात करते समय भी उसके मन में स्वार्थ की भावना होती है। वह ठीक समझता है की दान करना अच्छा है, इस लिए वह दान करेगा। परंतु दान में ऐसी चीज़ें देगा जो अपने काम की न हो, और लेनेवाले को भी उनका कुछ लाभ या उपयोग न हो। कभी जो बात हाथ से ज़रूर निकल जानेवाली हो, या अप्राप्य हो उसे भगवान को अर्पण करके पुण्य जोड़ना चाहता है। इस दांभिकता के कारण न तो वह भगवान को प्रिय होता है, न बहुजनों का स्नेह जीत सकता है। ऐसे वंचकों के बारे में बहुतसी कहावते हैं। " मुई बछिया बामन को दान। " – मरी बछिया देने से लाभ ही क्या? न देनेवाले को पुण्य न लेनेवाले को लाभ। दान का झूठा दिखावा, मन को क्षणिक संतोष कि दान दिया है। लेकिन ऐसे आदमियों को चैन कहाँ? दिल तो कोसता रहेगा। मराठी ने " ब्राह्मण को सड़ी सुपारी ' दे दी और सिंधी ने " अंधा छोकरा और खोटा पैसा गुरुद्वारे में " दे दिया। " उधियाइल सतुआ पितरन के दान " दे कर भोजपुरीवालों ने पितरों को तुष्ट किया। कन्नडिग कहते हैं, " ओटकद हूवु देवरिगे " और तेलुगु के मधुरभाषी कहते हैं – " अन्दनि पूलु देवुनिकि अर्पण " – दोनों का आशय एक ही है कि जो अप्राप्य फूल है, वह भगवान को समर्पण। अगर फूल समीप होते, आसानी से चुने जाते, तो ये महाशय भगवान को थोड़े ही समर्पित करनेवाले थे। यही भाव बाङ्ला में है " गाछे फूल श्रीकृष्णाय नमः। " पेड़ के फूल श्रीकृष्ण को अर्पण। कैसी अजीब पूजा है इन पाखंडियों की। उन्हीं के सामने सवाल खड़ा हो गया कि इस सड़े केले का क्या करें? घर में नौकरानी नहीं, बान्दी नहीं! कोई बात नहीं, भगवान को चढ़ा दें।

इसी प्रकार झूठा संतोष प्राप्त करनेवलों का और भी एक तरीका होता है। जो कुछ आपत्ति आए उसे इष्टापत्ति में परिवर्तित कर देना इन लोगों के बाएँ हाथ का खेल होता है। किसी अनुचित घटना का अपने अनुकूल अर्थ लगाकर उस क्षति या अवगुण को गुण में बदल देकर लोगों को झाँसे मे रखना यह इन लोगों का खेल होता है।

" फिसल पड़े की हर गंगा। " – गंगाजी के किनारे चलते हुए पाँव फिसलकर गंगा में गिर पड़े तो कह दिया " हर गंगे! " – फिसलकर गिरने का दुख नहीं उल्टा गंगास्नान का पुण्य कमा लिया। इसी को अंग्रेज़ी में कहते हैं " Making virtue of the necessity. " मराठी भी इस वंचना में पीछे क्यों रहेगी? " सहज़ पडे दण्डवत घडे. " – सहसा गिर गए तो कहा साष्टांग प्रणिपात।

एक बार हम सड़क से गुज़र रहे थे और सामने से एक फौजी आ रहा था। हमने माथा खुजलाया तो वह समझा सेल्युट किया। खटाक से उसने सलाम किया। मेरा सर खुजलाना अनायास सलाम में परिवर्तित हुआ। तेलुगु के " पटवारीसाहब गड्ढे में गिरे तो कहने लगे भाई मैं मशक्कत कर रहा हूँ। " कन्नड का पहलवान गिरने पर क्या कहता है यह भी सोचने की बात

है। "जट्टि कुेळगे बिद्दरू अदू ओंदु पट्टु अंद" – जब पहलवान गिर गया तो कहने लगा कि "यह भी एक दाँव है।" मलयाळम् में ऊपरवाली कहावत से मिलती जुलती कहावत है और दूसरी हैं "वीगेटं विष्णुलोकं।" – जहाँ गिर गया वही स्वर्ग।

वंचकों की और भी एक जाति है। इस जाति के लोग अपने काम के समय बडी नरमी से, अदब से, विनयपूर्ण बातें करेंगे, कसमें खाएँगे, परंतु बात बन जाने पर सब कुछ भूल जाएँगे। सारे आश्वासन, सारी मनौतियाँ कहीं की कहीं तितर बितर हो जाएँगी। ऐसा व्यवहार वे केवल मनुष्य से करेंगे ऐसी बात नहीं। ईश्वर को भी धोखा देने के लिए तैयार। संकट में होंगे तो प्रार्थना, मिन्नतें चलेंगी, संकट के टलने पर भगवान को उठाकर बोरे में डाल देंगे। "ग़रज सरी 'र वैद वैरी।" – कहावत राजस्थानी है पर वर्णन सब का है। यही कहावत मराठी में इसी प्रकार है। "गरज़ सरो वैद्य मरो." – गरज़ ख़त्म, हकीम जहन्नुम में जाय, उन्हे क्या परवाह। "बिपत पड़ी जब भेट मनाई, मुकर गया जब देनी आई।" ऐसा थोड़े ही है कि काम निकलने पर मुकर जानेवाले किसी विशेष प्रदेश में होते है, वे सब जगह होते हैं। "काबुल में भी गधे होते हैं।" पंजाबी की कहावत है "कोठा उसऱ्या तरखाण विसऱ्या।" – मकान पूरा होते ही बढ़ई को भुला दिया। बाङ्लावाले नदी पार हो गए तो माझी को गाली दी (साला)। – "गाड पेरोले पाटनि शाला।" – नाँव किनारे लग गई, अपना काम बन गया तो माँझी को गालियाँ। गुजराती की कहावत तो खास गाँववालो की बोली बोल देती है। "भणीभणी ने ऊतर्यां गुरुजीनां मोंमा मूतर्यां।" – पढ़लिखकर पार भये तो गुरुजी के मुँह में मूतने लगे। पढ़ाई चलती रही तब तक गुरु का आदर किया, सम्मान किया। उसके बाद गुरु की आवश्यकता नही रही तो घोर अपमान किया। काम के समय लोग बेटा बनके आते हैं, काम हो जाने पर बाप बनके ऐंठते हैं।

"उपाध्यायश्च वैद्यश्च ऋतुकाले वराङ्गना। सूतिका दूतिका चैव कार्यान्ते तृणवत्स्मृताः॥"

उपाध्याय, वैद्यराज, ऋतुकालप्राप्त वनिता, सूतिका और नौकरानी, कार्य समाप्त होने के बाद इन सब की कीमत तृण के समान हो जाती है। इस संस्कृत वचन में कुछ थोड़े लोगों को शामिल किया है, किन्तु यह बात सब के बारे में सत्य है। यह तो एक कठोर सत्य है कि आवश्यकता समाप्त होने पर कोई किसीको नहीं पूछता। इस आशय को वहन करनेवाली भारतीय भाषाओं की बहुत सारी कहावतें और वचन हमने भारतीय कहावत संग्रह के प्रथम खंड में दिए हैं।

यूरोपीय तथा अन्य देशों की कहावतों में भी वंचक मन का यह आविष्कार हुआ है। अंग्रेजी में ' River past, and God forgotten." – नदी के पार हुए तो ईश्वर को भूल गए। जब तक नाव में थे, भगवान की प्रार्थना करते थे "हे प्रभु, बेडा पार लगा देना।" – अब क्या ज़रूरत पड़ी है। पहुँच गए न किनारे बिना किसी तकलीफ के। स्पॅनिश– "El rio pasado, el santo olvidado." – नदी पार करने पर संत-महंतों को भुला दिया। इतालियन – "Passato il punto, gabbato il santo." – संकट टल गया तो संतों का उपहास किया।

"The vows made in adversity are forgotten in prosperity." इस विषय में एक यूनानी कथा है। मन्द्राबुलस सामियन को देवी की कृपा से एक सोने की खान का पता चला। तत्काल देवी की कृपा से प्रभावित होकर एक सोने का घेटा उस पर चढ़ाने का उसने वचन दिया। देवी के बताए हुए रास्ते से वह खदान तक पहुँचा तब तक सोने के बदले चाँदी का घेटा बन गया।

सोना हाथ में आते ही उसने सोचा कि अब पित्तल का घेटा चढ़ावे तो क्या बुरा है? सोना लेकर वापस आने तक लेना–देना सब कुछ वह भूल गया था।

स्पॅनिश कहावत का कहना है कि "जो कुछ गुम हो गया हो, भगवान के नाम छोड़ दो।" – इस विषय के बारे में भी एक रंजक कहानी है। एक बूढ़े ने मृत्युशय्या पर लेटे लेटे वसीयतनामा तैयार किया। अपनी सब चीज़े परिवार के लोगों को बाँट दी। कई दिनों से उसकी एक गाय गुम हो गई थी। उसके बारे में बूढ़े ने वसीयत में लिखवाया कि यदि वह मिल जाए तो बच्चों को दे दो, न मिली तो भगवान के नाम छोड़ दो – ईश्वर को अर्पण कर दो। मनुष्य स्वभाव का यह स्पॅनिश नमूना कोई निराला नहीं है। अपने अंतिम क्षणों में भी मनुष्य कितना घटिया ढकोसला खड़ा कर देता है!

ढोंगी, पाखंडी

जनसाधारण की धर्मपरायणता, ईश्वरनिष्ठा, कर्मकांडप्रियता का लाभ उठाकर लोगों को ठगनेवाले बहुतसे पाखंडी जहाँ तहाँ देखने मिलते हैं। विशेषतः अनपढ़, अज्ञानी लोगों के बीच अपना आडंबर रचाकर उनको लूटनेवाले ये नकली साधु परले दर्जे के समाजकंटक माने जाने चाहिए। भारत जैसे अंधश्रद्ध लोगों के देश में ऐसे लोगों का धंधा तेजी से चलता है। लोगों के श्रद्धाभावों को आवाहन करके उनको अपने चंगुल में फँसाकर उनके घरबार परिवार का सत्यानाश करनेवाले ये ढोंगी साधु मानवजाति के कलंक हैं। हर एक आदमी किसी न किसी बात पर मजबूर होता ही है। कभी परीक्षा में उत्तीर्ण न हुए, कभी रोज़गार न मिला, कभी अपनी प्रेयसी या प्रियतम ने धोखा दिया, व्यापार-उदीम न चला, ब्याह नहीं हुआ, हुआ भी तो बच्चे नहीं हुए, कुलदीपक की आस अधूरी रही, किसी से झगड़ा, किसी का सामाजिक या राजकीय क्षेत्र में महापतन, ऐसे अनेक कारणों से आदमी लाचार, असहाय, किंकर्तव्यमूढ़ हो जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण न होने के कारण बभूत, गंडा, तावीज के सहारे परमात्मा का कृपाप्रसाद पाने के लिए ऐसे बने बनाए भगवान के ठेकेदारों के पास पहुँचता है। ऐसे दांभिक लोगों ने तो सच्चे साधुसंतों को बदनाम किया है। झूठे होने के कारण उनका आडंबर बहुत ज़्यादा रहता है। कहावतों ने ऐसे लोगों पर ज़ोरदार हमले किए हैं। उनकी पोल खोलते हुए, उनके बनावटी मुखड़े को फाड़कर, उनके नकली कपडों को चीरकर, उनकी दाढ़ी-जटाओं को उखाड़कर उनका असली कमीना रूप प्रस्तुत किया है। खुले आम यह कहकर "लंबा टीका मधुरी बानी, दगाबाज़ की यही निशानी।" लोगों को सचेत किया है। "मुख में राम, बगल में छुरी।" रखनेवाले इन समाजकंटकों पर कुठाराघात किया है। यह "ज़ाहिर में रहमान और बातिन में शैतान।" कड़ी से कड़ी सज़ा के काबिल हैं। पंजाबी कहती है इनके "मुँह मोमन्दाँ ते अंदर काफराँदा।" – चेहरा साधु का, मन काफर का। सिन्धी का बयान कोई निराला नहीं है, केवल दृष्टांत निराला है – "कव्व में कांउ, ब़ाहिरी ब़ोली हंज जी।" – भीतर तो कौआ है, बाहर हंस की बोली बोल रहा है। सावधान! कहीं उसके झाँसे में न आना। गुजराती – "पगे माछला मारे, ने मोढे राम पोकारे" – पैरों से मछली मारता है, मुँह से रामनाम की रट लगाता है। ऐसे दांभिक, झूठे आडंबरवाले लोगों की स्थिति का वर्णन बाङ्ला भाषा उचित शब्दों में करती है "कपटप्रेमे लुकोचुरि मुखे मधु हृदे छुरी" – कपटप्रेम की आँखमिचौली तो देखो,

मुख में मधु, छाती में कटारी। ऐसा ही वर्णन तमिळ् में है। – " कैयिले सेपमाले कक्कत्तिले कन्नक्कोल् " हाथ में जपमाला और बगल में चाकू (छुपाया हुआ)। " चदिवेदि रामायणमु पडगोट्टेदि देवालयम् " – इस तेलुगु कहावत में ढोंगी और पाखंडिओं की खिल्ली उड़ाई है। इधर रामायण पढ़ना और उधर मंदिरों को गिराना। तेलुगु की दूसरी एक कहावत पातिव्रत्य का झूठा दिखावा खड़ा करनेवाली स्त्रियों पर चोट करती है। – " पगलु कोंगु लागिते ची अंदट, रात्रि चीकटिलो कन्नु गीटादट। " – दिन में आँचल खींचने पर छी बोली, रात में उसने आँख मारी। यह तो दिन में ब्रह्मचारी, रात में व्यभिचारी-सी बात हो गई। बाङ्ला की भी स्त्री की नकली शुचिता पर आघात करनेवाली एक कहावत इस प्रकार है – " सकल दिन हाटे बाटे, रात हले घोमटा आँटे। " – दिन में घूमे गली बाज़ार में, रात हुई तब घुँघट खींचा। अंग्रेज़ी में ऐसी मक्कार की स्थिति को इस प्रकार प्रदर्शित किया है – " A fair face, and a foul heart. " आयरीश कहावत है – " A dimple in the chin, a devil within. " – ठुड्डी पर गड्ढी और भीतर शैतान। कितनी सुंदर है यह कहावत! इस आशय को प्रकट करनेवाली और कई कहावतें अंग्रेज़ी में हैं। यहाँ केवल उदाहरण के लिए एक दो दे रहे हैं। " मधु तिष्ठति जिव्हाग्रे हृदये तु हलाहलं। " – जीभ में शहद और दिल में ज़हर। इस संस्कृत वचन का आशय उसी दृष्टांत को लेकर प्रदर्शित करनेवाली कहावतें अधिकांश यूरोपीय भाषाओं में हैं। लातिन कहावत— " Mel in ore, verba lactis Fel in corde, fraus in factis. "- मुख में मधु, दुग्धयुक्त शब्द, परंतु हृदय विष से भरा हुआ और धोखे की चाल। ऐसे दुमना लोगों से समाज को और उनके संपर्क में आनेवाले सबों को धोखा रहता है। फ्रेंच कहावत भी इसी दृष्टांत को सम्मुख रखती है। " Langue de miet et coeur de fiel. " – मधुयुक्त जिव्हा और विषभरा हृदय। पोर्तुगाली कहावत में भी यही भाव है। " Boca de mel, coracao de fel. " – शहद से भरा मुँह और विषैला हृदय। डॅनिश में कहते हैं – " Tidt er Gift og Galde under Honningtate." मधुभरा (मधुर) भाषण प्रायः विष और निष्ठुरता को छिपाता है। चीनी भाषा में यही भाव है – " मधुमक्खी के मुँह में मधु और डंखमें विष भरा हुआ रहता है। "

विचार और आचार में अत्यधिक अंतर रखनेवाले, कथनी से विपरीत करनी करनेवाले भी तो ढोंगी और पाखंडी ही गिने जाते हैं। बाङ्ला की कहावत – " बिचारे पंडित, आचारे भूत। " – विचार पंडित के और आचार भूतसा किसीका हो तो उसका विश्वास नहीं किया जा सकता। हिंदी की कहावत " अंदर छूत नहीं बाहर काहे 'दूर दूर'। " हमारी छूवाछूत की कल्पनाओं पर कुठाराघात करती है। मनुष्य के बनाए आपसी भेदों के आधार पर, जन्म के कारण किसी को नीच जाति का मानना और उसे 'दूर दूर' कहकर धुत्कारने से क्या होगा! यदि मन निर्मल न रहा तो बाहरी छूवाछूत ढोंग है। किंचित विनोदी ढंग से हमारी भक्ति का छिछलापन बाङ्ला की कहावत ने प्रकट किया है। " माला जपोम् टपर टपर, काने आइसे दइ-चुड़ार खबर। " – जपमाला फटाफट खींचता है परंतु कान लगे हैं दहीचिउड़े की बात पर। व्यंग्योक्ति द्वारा भक्ति का झूठा दिखावा रचनेवालों पर यह गहरी चोट है।

पाखंड, ढोंग, झूठ का समर्थन करनेवाली कोई भाषा नहीं। फिर भी विश्वभर में मिथ्या आडंबर की चलती दिखाई देती है। युक्तायुक्त, सत्यासत्य, वास्तविकता और आभास पहचानने का विवेक,

बुद्धि का संतुलन जिनमें होता है वे ऐसे हानिकारक तत्त्वों के पीछे नहीं दौड़ते। कर्म के तत्त्व को अपनाकर अपना काम ईमानदारी से करते रहते हैं।

निर्धन-गरीब

जो विद्या से वंचित रहता है, वह दुनिया के बहुत से आनंद और खुशिओं से वंचित रहता है। निर्धन का हाल उससे भी बुरा होता है। वह लंगड़ा, लूला, अपाहिज बन जाता है। सब प्रकार के दोष उसके माथे पर मढ़ दिए जाते हैं, उससे कोई नाता जोड़ना नही चाहता। वह कहीं भी जाए, उसको लोग धुत्कारते हैं। केवल उसके पास पैसा नहीं होता इस लिए उसके सारे गुण धूमिल हो जाते हैं। 'सर्वे गुणाः कांचनमाश्रयन्ते।' – जिसके पास धन हो उसीको सारे गुण चिपक जाते हैं, और जिसके पास धन न हो उसके गुण भी कंकर के समान त्याज्य समझे जाते हैं। निर्धन-गरीब की मजबूरी, असहायता देखकर उसके शापित जीवन पर दया आती है। जब एक को सर छुपाने के लिए छप्पर नहीं रहता तो दूसरे के संगमरमर के महल अखरने लगते हैं। एक को एक समय का नाश्ता तक नसीब नहीं होता तो दूसरे को अधिक खाने से बदहज़मी का रोग होता है। एक को पीने का पानी तक नहीं मिल रहा है तो दूसरी ओर शराब के जाम भर भरके खाली हो रहे हैं। अमीरों के कुत्तों पर मखमल की झूल डाली जाती है, तो मुफ्लिस की जोरू नंगी रहती है। ईश्वर की दृष्टि में सब समान हैं, तो यह अन्याय कैसे? गुलछर्रें उड़ाने के लिए सवारियाँ चलती हैं, पर गाँवों में मृत्युशय्या पर अपनी आयु के अंतिम क्षण गिननेवाले मरीज़ को अस्पताल ले जाने के लिए कोई साधन मयस्सर नहीं होता, इस लिए मृत्यु के पहले ही उसे चारों के कन्धों पर मिलों का फासला तय करना पड़ता है। सदियों से यह बात चलती आई है। दुनिया की सभी भाषाओं की कहावतों ने इस अंतर को, इस हृदयद्रावक सत्य को अंकित किया है। "ग़रीब की जोरू को सब भाभी बना लेते है." ताकि उससे मनमानी दिल्लगी की जा सके। वह बेचारा पहले ही सहमा हुआ है, क्या कर सकता है। पत्नी की बेइज्ज़ती खुली आँखों से देखता रहता है। दुनिया के कठोर व्यवहार को हिंदी के इस वचन ने कितनी विदारकता से प्रस्तुत किया है। – "धनवंती के काँटा लागा, दौड़े लोग हजार। निर्धर गिरा पहाड़ से, कोई न आया कार ॥" – एक धनवान की स्त्री के पाँव में काँटा चुभ गया, तो उसकी सहायता के लिए हज़ारों लोग दौड़ आए और एक ग़रीब आदमी पहाड़ से गिरा, इतनी बड़ी दुर्घटना हुई, पर कोई उधर फटका तक नहीं। पैसे को देखकर दया और करुणा उफन आती है, और निर्धन को देखकर करुणा ठिठुर जाती है। हम यश प्राप्त करके धन जोड़तें है, तो हमारे सगे-संबंधी बनने के लिए सब तैयार होते हैं, परंतु दैववशात् हम बाज़ी हारकर सब कुछ खो बैठे तो भगवान बचाए, हमारे साथ दूर से भी कोई संबंध नहीं रखना चाहता "बनी के सौ साले, बिगड़ी का एक बहनोई भी नहीं।" ग़रीब पर आपत्ति आती है, तब भी लोग त्यौहार मनाते हैं। इतना कठोर व्यवहार प्रदर्शित करनेवाली यह काश्मीरी कहावत देखिए "ग़रीबस् च़ायि च़्रर तु मंदिन्यन् ताम् कोहोस् ज़ेशनाह्।" ग़रीब के घर चोरी हुई, तो लोगों ने मध्यान्ह तक जशन मनाया। दूसरों की मुसीबत पर आनंद से झूमनेवाले ये असंस्कृत लोग न जाने किस संस्कृति में पले होंगे। ग़रीब के पास जो कुछ थोडासा था, वह भी जब चोरी हो गया तब लोगों को चाहिए कि वे उसकी मदद करें। किन्तु लोग जब इसके ठीक उल्टे उसके ज़ख्म पर

नमक छिड़कने का काम करते हैं तो कहना चाहिए कि यह तो बेरहमी की हद हो गई।

निर्धन पर अन्याय हुआ भी तो वह बेचारा क्या कर सकता है? गुस्सा करने से क्या लाभ, उसकी कोई तो सुन ले! तेलुगु कहावत के अनुसार "पेदवानि कोपमु, पेदविकिचेट्ट।" ग़रीब का गुस्सा उसीके होठों के लिए खतरा। क्रोध में अपने ही होंठ काटेगा। ग़रीब और अमीर की एक ही कृति पर पृथक् पृथक् भाष्य होते हैं। भिन्न भिन्न अर्थ निकाले जाते हैं। सभा में, "अमीर ने पादा तो सेहत हुई, ग़रीब ने पादा तो बेइज्ज़ती हुई।" – वास्तव में दोनों ने ऐसी कृति की है कि जिसपर मनुष्य का बस नहीं चलता। जैसे छींक आ गई तो छींकना चाहिए, पाद आ गया तो पादना चाहिए। उसे रोका नहीं जा सकता। लेकिन अमीर ने पादा तो आरोग्य के लिए और ग़रीब ने पाद दिया तो लोंगों की बेइज्ज़ती के लिए ऐसा उसपर आरोप लगाना यह तो दोहरा मापदंड हुआ। किन्तु यह होता है, दुनिया का यही व्यवहार है।

गुजराती कहावत एक और दृश्य खड़ा करती है। "पैसावाळानी बकरी मरी ते बधा गामे जाणी, ग़रीब नी छोकरी मेरी ते कोइए न जाणी।" – धनवान की बकरी मरी तो सारे गाँव को पता लगा और ग़रीब की छोकरी मरी तो किसीको कुछ पता ही नहीं। गाँववालों के हिसाब से धनवान की बकरी का मूल्य ग़रीब की छोकरी से भी अधिक था। यह तो विकृत मनोवृत्ति का चिन्ह समझना चाहिए। असमीया की कहावत – "अमीर की नौका बिना पानी भी चले, और ग़रीब की नौका पानी में भी न चले।" में यही भाव है। ठीक इसी कठोर सत्य के दर्शन ओड़िआ कहावत में होते हैं। – "गरीब के घर रोग और अमीर के घर भोग (विलास)।" कन्नड की कहावत भी यही कहती है। – "दोड्डवनु उंडरे मद्दु बडवनुंडरे हेसिगे" अमीर खाएगा तो वह दवा, और ग़रीब खाएगा तो वह कूड़ा। फिर वही दोहरा मापदंड।

धनहीन के लिए कोई चारा नहीं, गति नहीं। मलयाळम् कहावत के अनुसार – "पणमिल्लात्तवन्-पिणं" – निर्धन मृत के समान है। जीवित रहते हुए भी मरा हुआ। उसका अस्तित्व किसीको भासमान नहीं होता। द्रव्यहीनता का घोर परिणाम एक संस्कृत सुभाषित में वर्णित है। उसको पढ़कर शरीर पर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

माता निन्दति, नाभिनन्दति पिता, भ्राता न संभाषते,
भृत्यः कुप्यति, नानुगच्छति सुतः कान्ता च नालिङ्गते।
अर्थप्रार्थनशङ्कया न कुरुते ऽ प्यालापमात्रं सुहृत्,
तस्माद्रव्यमुपार्जयाशु सुमते द्रव्येण सर्वे वशाः॥

पास में पैसा न हो तो माता निन्दा करती है, पिता भी स्तुति नहीं करते, भाई बोलने के लिए तक तैयार नहीं होता, नौकर भी गुस्सा होते हैं, बेटा बात तक नहीं सुनता। इतने से क्या हुआ। पत्नी, जिसे अर्धाङ्गिनी कहा जाता है, वह आलिङ्गन भी नहीं देती। शायद यह पैसा माँगेगा यह सोचकर, मित्र बात करना टालते हैं। इस लिए हे सुबुद्धिवान पुरुष, पैसे कमाने का मार्ग ढूंढ़ ले क्योंकि पैसों से सब वश हो जाते हैं।

द्रव्यहीनता, निर्धनता के कारण आदमी पर क्या क्या आ बीतती है, उसका सम्यक् दर्शन हम भारतीय कहावत संग्रह के द्वितीय खंड में दी हुई कहावतों से कर सकेंगे।

निर्धनता का भयानक रूप देख लिया अब पैसा, धन का खेल कैसे होता है यह भी देखेंगे

पैसा

आजकल के ज़माने में जब कि अर्थप्रधान समाजरचना सारे विश्वभर में मान्य हो गई है, धनराशि को प्रतिष्ठा का सर्वोत्तम साधन माना जाता है। किसी युग में धन से बढ़कर सद्गुणों को अधिक प्रतिष्ठा प्राप्त थी। गुणीजनों का स्थान सर्वोच्च माना जाता था। धनी और शासक गुणों के सामने झुकते थे और बुद्धिमान या धर्माचरण करनेवालों की राय हर बात में ली जाती थी। किसी भी प्रकार के सामाजिक या धार्मिक उत्सवों में ऐसे विद्वत्जनों को अग्रपूजा का मान मिलता था। उनकी चरणधूलि लोग शिरोधार्य मानते थे। मगर युग में परिवर्तन आ गया। गुणों की महिमा, विद्वता की महिमा घटी और संपत्ति का मान बढ़ गया, पैसे का खेल बढ़ गया। पैसे ने अपने वश में सब कुछ कर लिया और अब विद्याव्यासंगियों पर उसके सामने झुकने की बारी आई है। एक युग था जब कि ऋषियों, मुनियों, आचार्यों की इच्छा मात्र से किसी अच्छे कार्य के लिए उनके कदमों पर धनराशि आ पड़ती थी। राजाओं और धनपतियों के कोश उनके संकेत पर खाली किए जाते थे। अब ज़माना पलट गया है। गुणवानों को, विद्वानों को अपने संकल्प के लिए लाचार होकर धनपतियों की ड्योढ़ी पर जूतियां घिसनी पड़ती हैं। शासकों को भी धनपतियों के इशारे पर चलना पड़ता है। यह जादू है पैसे का। पैसा क्या नहीं कर सकता ? काम की गाड़ी कहीं भी अटक जाए, तो पैसे का रोगन डालिए, गाड़ी चालू। पैसे की पहुँच बहुत दूर तक है। अर्थव्यवस्था के बिना किसी कार्य की योजना तक नहीं की जा सकती, कार्यवाही तो बहुत दूर। धन एक बड़ी शक्ति है। उसे अच्छे काम में लगाइए तो समाजकल्याण राष्ट्रकल्याण या धर्मकल्याण के कई काम सफल होंगे। उस शक्ति को बुरे काम में लगाइए तो रिश्वत के ज़रिए वह सारे समाजजीवन को खोखला कर देगी। सारी अर्थव्यवस्था को उथल पुथल करके सारे समाज के घटकों को दुर्गुणों की खाई में, दुराचार के गड्ढे में धकेल देगी। आज के युग की घोषणा है येन केन प्रकारेण धन बटोरते रहो क्योंकि एक विनोदी संस्कृत उक्ति के अनुसार – " टका धर्मः टका कर्मः टका हि परमं तपः। यस्य गेहे टका नास्ति, स नरः टकटकायते ॥ "

आम लोगों की बोली में हिन्दी कहावत है – " दाम करे काम, बीबी करे सलाम। " बीबी भी तब सलाम करती है, आज्ञा का पालन करती है, जब दाम काम में लगा हुआ रहता है। पैसे की शक्ति का व्यावहारिक दर्शन और एक हिन्दी कहावत में होता है। – " माया तेरे तीन नाम, परसू, परसा परसराम। " यहाँ माया शब्द धन के स्थान पर आया है। परशराम जब निर्धन था, तब उसे लोग केवल ' परसू ' करके पुकारते थे। थोड़ीसी पूंजी पास में ग्रथित हुई, तो लोग थोड़ी नरमी से ' परसा ' कहने लगे। जब काफी धनराशि उसके पास जमा हुई तो लोगों के आदर में वृद्धि हुई और उसे वे ' परसराम ' नाम से पुकारने लगे। आगे चलकर मालूम नहीं कि कब ' परसराम ' का परसराममहोदय या परसरामशेठ बनेगा। लक्ष्मी का खेल है। राजस्थानी की कहावत संपत्ति या सोने का प्रभाव इस प्रकार उपस्थित करती है – " सोनो देखअर मुनीरो मन हाल। " – सोना देखकर मुनी का मन भी डिग जाता है। सोने के लालच में सब कुछ हो सकता है यह भाव प्रदर्शित करनेवाली महाराष्ट्र के देहातियों की एक अश्लील कहावत है। यह एक कहावत जो प्रभाव डालती है, वह दसों कहावतों से भी नहीं डाला जा सकता। इतनी नुकिली, नोंकदार है कि बोलने पर इतनी

बड़ी टिप्पणी लिखने की ज़रूरत भी न पड़े। अशिष्ट कहावतों की चर्चा हम आगे चलकर करनेवाले हैं। परंतु वह कहावत ही क्या जो ठीक समय पर याद न आए और अपना प्रभाव न दिखावे! चाहे वह नागरी हो या देहाती। मराठी की वह कहावत है – " सोन्याची बुळ्ळी पाहिली की दगडाच्या देवही गांड वासतो. " सोने का लंड देखने पर पत्थर के देवता भी गांड खोलकर खड़े रहते हैं। पैसे के प्रभाव का कितना नग्न चित्रण इस कहावत में हुआ है! किसीका चारित्र्यहनन करना हो, तो रुपयों की आवाज़ सुनाओ, चीज़ आप के सामने आ धमकेगी। फारसी कहावत कहती है कि प्यार भी पैसे पर, सोने पर निर्भर है। – " ज़र नेस्त इश्के टें टें " – तुम्हारे पास सोना नहीं तो तुम्हारा प्यार, शृंगार सब फिज़ूल है। आजकल के लड़के और लड़कियाँ वह " लैला मजनू " " शिरीं फरहाद " वाली मुहब्बत थोड़ी ही करते हैं ? बाक़ायदा धंधा-रोज़गार, ज़मीन-मकान, सोना-चांदी जेवरात स्कूटर, मोटरकार वगैरह पहले देख लेते हैं, तोल लेते हैं, मोल लेते हैं, फिर सिनेमा से सीखा हुआ प्यार शुरू कर देते हैं।

काश्मीरी की कहावत में शरीफ (सज्जन) की परिभाषा सीधे ढ़ंग से की है। – " अशराफ् गव सुय् यस्, अशरफी आसन् " – शरीफ वही है जिसके पास अशर्फियाँ हों। अर्थ स्पष्ट हैं कि जिसके पास सुवर्णमुद्रा हों, वही सज्जन। सिंधी कहावत ने तो रुपये की शक्ति को ईश्वर की शक्ति से भी अधिक माना है। दूसरी एक सिंधी कहावत में नगद नारायण की बात छेड़ी है। " पीर ईसा, पीर मूसा, वड़ा पीर पैसा। " ईसा और मूसा से बढ़कर बड़ा पीर पैसा है। गुजराती की कहावत भी एक व्यावहारिक सिद्धांत का कथन करती है। – " पैसा हाथ मां, तो दोस्त साथ मां " – पैसे हाथ में हों, तो दोस्त साथ आएँगे। " धनवानों के गधे चराना मी अच्छा। " गुजरात भी तो एक व्यापारियों का लक्ष्मी पूजकों का प्रदेश है। वहाँ धन की पूजा की जाती हो तो स्वाभाविक ही है।

बाङ्ला की कहावत है – " रुपोर तीरे पाथर छेंदे। " - चांदी के तीर से पत्थर छेदा जा सकता है। ओड़िआ की एक कहावत का भी यही अभिप्राय है कि पैसा असंभव को संभव बना देता है, " पइसा थिले बाघ गांडि पताए " – पैसा हो तो बाघ भी गांड हिलाए।

तमिळ की कहावतें भी पैसे का लोहा मानती हैं। " पणम् ऒॆनराल पिणमुम् वाय् तिर्क्कुम् "– पैसा कहने पर (पैसे का नाम लेते ही) लाश भी मुँह खोलेगी। धनवान के लाख गुनाह माफ होते हैं और निर्धन के गुण भी दोषों में परिवर्तित होते हैं। इस सत्य का ज्वलंत उदाहरण तेलुगु की कहावत व्यंगोक्ति द्वारा प्रस्तुत करती है। – " सागिनम्म चाकलिवाडितो पोते अदि व्रतमेमो अनुकुन्नारट। " – धनवान स्त्री जब धोबी के साथ भटकने लगती है तो लोग समझते हैं की यह कोई धार्मिक व्रत है। साधारण स्त्री किसी सज्जन के साथ जाती है तो भी लोग कहते है कि दाल में कुछ काला है। धनवान कुकर्म भी करे तो उसको छिपाने के लिए वे पैसों की दीवारें खड़ी कर देंगे। सर्वसाधारण व्यक्ति की धनी आदमी से संबंध रखने की अनिवार्य इच्छा रहती है। लाभ न सही उनके मुँह से उलाहने ही सही। मलयाळम् कहावत है – " अटिकॊण्टालुं मोतिरमिट्ट कै कॊण्टु वेणम् "—मार खाए तो भी अंगूठी पहने हुए हाथ से। सब भारतीय भाषाओं की जननी देववाणी संस्कृत ने भी इस सिद्धांत पर मुहर लगाई है कि धन के साथ सब सद्गुण आते हैं –

यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः । स पण्डितः स श्रुतिमान् गुणज्ञः ।
स एव वक्ता स च दर्शनीयः । सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ते ॥

जिसके के पास संपत्ति है वही सबसे गुणवान माना जाता है। जिस के पास धन है वही कुलीन, पंडित, सुशिक्षित, गुणग्राही, वक्ता तथा सुंदर माना जाता है। सभी गुण धन का आश्रय लेते हैं।

पैसा विषयक भारतीय भाषाओं की सैंकडों कहावतें, सुभाषित, वचन, उक्तियाँ 'भारतीय कहावत संग्रह' के द्वितीय खंड में सम्मिलित की गई हैं।

इस समय यह देखना भी उचित होगा कि पैसा, धन, संपत्ति के विषय में विदेशों की कहावतों का क्या कहना है, क्या अभिप्राय है। सारे विश्वभर की भाषाओं ने अर्थशक्ति की महिमा गाई है। अंग्रेज़ी की सबसे अधिक प्रचलित कहावत है – "Money makes the mare go." पैसों से घोड़ी चलती है। घोड़ी तो प्रातिनिधिक है, हर चीज पैसों से ही हासिल होती है यह आशय है। "Money will do more than my lord's letter." मेरे स्वामी के पत्र से भी पैसा काम आएगा। फ्रेंच – "Pour de largent les chiens dansent." – पैसा कुत्तों को भी नचाएगा। फ्रेंच भाषा की और एक कहावत प्रेम से बढ़कर धन की शक्ति को अधिक मानती है – "Amour fait beaucoup, mais argent fait tout." – प्रेम से बहुत कुछ होता है, धन से सब कुछ होता है। जर्मन कहावत का अभिप्राय इस से निराला नहीं है। – "Wo geld redet, da gilt alle Rede nicht." – जहाँ सोने की झनकार होगी, वहाँ विवाद समाप्त होता है। स्पॅनिश की कहावत है – "Mos ablanda el dinero que palabras de caballero." – किसी सज्जन के शब्दों से बढ़कर धन से मनुष्य को अधिक तसल्ली होती है, शान्ति मिलती है।

इतालियन कहावत है – "Il danaro e' un compendio del poter umano." – सारी मानवशक्ति का धन ही सार है। पैसे में ही सारी शक्ति समाई हुई है। पोर्तुगलियों की क्या धारणा है देखें। पोर्तुगीज कहावत पैसे की शक्ति को इस प्रकार प्रकट करती है। – "Dinheiro faz batalha, e nao braco largo." पैसों से लड़ाई जीती जाती है, शस्त्रास्त्रों से नहीं। यह सच भी है कि कितनी भी शारीरिक क्षमता क्यों न हो, लड़ाई के सब साधन उपलब्ध कराने के लिए उसके पीछे पैसों का बल उपलब्ध करा देनेवाली अर्थव्यवस्था चाहिए। डच भाषा में कहा है – "Geldt beheert de wereld." – धन ही दुनिया पर हुकूमत चलाता है।

इस प्रकार दुनिया भर के सभी लोगों ने धन के सामने सिर झुकाकर यही प्रमाणित किया है कि "अर्थस्य पुरुषो दासः।"

सबल

पैसे की शक्ति के साथ दूसरी भी एक शक्ति का सिक्का सब जगह चलता है। वह है शारीरिक बल और सामूहिक ताक़त। संघटित शक्ति के बारे में पहले ही विवेचन किया गया है। बलशाली मनुष्य के सामने दुर्बलों की दाल नहीं गलती। जिनके हाथों में हुकूमत हो, उनके सगे संबंधी तथा आश्रित भी रोब जमाते घूमते हैं। प्रायः यह देखने को मिलता है कि राजाश्रय से जो बल मिलता है, उसका उपयोग दुर्बलों को कुचलने के लिए किया जाता है। न्याय की तराज़ू भी बलवानों की तरफ झुकती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि बड़े बड़े समाजधुरीण और न्यायप्रिय लोग पाशवी बल के शिकार हो गए। अनादि काल से बलवानों ने अपनी ताक़त के भरोसे सत्य तथा न्याय को कुचल डालने की कोशिश की। कौरव पांडवों का संघर्ष, यूरप के धर्मयुद्ध (crusades) प्रथम

और द्वितीय विश्वयुद्ध आदि सभी ताक़त की अजमाइश के उदाहरण हैं। हाँ, यह भी अवश्य हुआ है कि पाशवी शक्ति के सामने हमेशा दैवी शक्ति खड़ी रही है, जिसने बर्बरता से, अत्याचार से मानव को बचाया है। मतलब यह है कि शक्ति शक्ति के बीच भिडंत हमेशा चलती रही। कहते हैं कि "Where drums beat, laws are silent." – जहाँ (युद्ध के) नक्कारे बजते हैं, वहाँ क़ायदे चुप हो जाते हैं। फिर विधिनियमन को पुनर्प्रस्थापित करने के लिए पुनः एक सामूहिक बल खड़ा करना पड़ता है। "जबरदस्त मारे, रोने भी न दे।" "जाके हाथ लोई, ताके सब कोई।" अब जिनके हाथ में अधिकार होता है, सब उनके वश में होते हैं। अब जबरदस्तों की इस टोली से असहायों, दुर्बलों को कैसे बचाएँ? "जिसकी लाठी, उसकी भैंस।" व्यवहार में यही न्याय है। बुजुर्गों ने इस शक्ति की महिमा को पहचाना और कहा –

"बल से राजा राव है, बल बिन बड़ा न कोय। साँच बड़ेरे कह गए बल बिन बड़ा न होय॥"

बल के कारण ही राजा सर्वोपरि है। इसी लिए "हुक्मे हाकिम मर्गेमफाज़ात" – सत्ताधीश की आज्ञा सबको माननी पड़ती है। सिंधी कहावत– "ड़ाढ़ो सो गावो" – जो बलवान है वही श्रेष्ठ है कहकर बल का महत्त्व निवेदन करती है। मराठी ने भी बल का अधिकार मान लिया है। उसकी रोज़मर्रे की एक कहावत है। – "बळी तो कान पिळी" जो बलवान, वही (दूसरों के) पकड़े कान। इसमें बलवान की शक्ति का व्यावहारिक न्याय प्रकट हुआ है। "धिटाई खाई मिठाई, गरीब खाई गचांड्या" – ढीठ खाए मिठाई, गरीब के पल्ले पिटाई। धृष्ट को लाभ होता है और गरीब मारा जाता है, इस दुखभरे सत्य को प्रकट करने में मराठी नहीं हिचकिचाती। यही भाव गुजराती ने निराले ढंग से सामने रखा है, "नरम शिरे टपलां पडे, जीती जाय समर्थ" – नरम सिर पर चपत पड़ती है और समर्थ–बलवान जीतता है। "सो तारी दलील ने एक मारो हुकम" गुजराती की यह कहावत इस बात का परिचय देती है कि बल के सामने विचार, तर्क, विवाद कैसे निष्प्रभ हो जाता है। तुम सौ दलीलें करो, मेरी एक आज्ञा तुम्हारी ज़बान बंद कर देगी। बल का कितना घमंड, कितना गर्व! बाङ्ला और असमीया की कहावतों का यही सार है।– "जार लाठि, तार माटि।" – जिसकी लाठी, उसकी मिट्टी। जिसमें शक्ति हो वही ज़मीन पर कब्ज़ा जमाएगा। विशेषतः देहातों में इसका प्रचुर मात्रा में अनुभव किया जाता है। सरकारी दफ्तर में ज़मीन किसके नाम लिखवाई है, उसकी परवाह कौन करता है। जो बली होते हैं, दूसरे के खेत में जबरदस्ती हल जोतते हैं और बेचारा कमज़ोर किसान डर के मारे चुप रहता है। ओड़िआ की कहावत– "एका ठेंगाकु सहस्रे हांडि।" में एक स्वाभाविक दृष्टान्त के सहारे यही बताया है कि हज़ार मटकों को एक लकड़ी भारी है। सिकंदर को जब उसके सेनानियों ने बताया कि शत्रु की बड़ी भारी फौज आ रही है, तब उसने कहा, "हज़ार भेड़ों से कसाई नहीं डरता।" इस उत्तर में अलिकसुंदर के आत्मविश्वास के साथ घमंड और कसाई के क्रौर्य का भाव भी दृष्टिगोचर होता है। ओड़िआ ने "माड़कु महादेव डरन्ति" – मार से महादेव भी डरते हैं कहकर इस सिद्धांत पर मुहर लगा दी है कि बल के सामने अच्छों अच्छों के हवास उड़ जाते हैं।

स्त्रियों को भी बलशाली पुरुष अधिक पसंद आते हैं, चाहे वह बल शारीरिक हो, या सांपत्तिक। तमिऴ् कहावत है – "ऎळियवनुक्कुप पेण्डाय इरुक्किऱ्दिलुम् वलियवनुक्कु अडिमै आगिऱ्दु नल्लदु" – असहाय की पत्नी बनने की अपेक्षा धनिक की दासी बनना उत्तम है। तेलुगु कहावत

का यही कहना है– " अधमुनिकि आलय्ये कण्टे, बलवन्तुनिकि बानिस अय्येदि मेलु " नीच की जोरू बनने से बलवान की दासी बनना अच्छा। मलयाळम् कहावत– " इल्लत्ते पूच्चय्क्कुं ॲविटेम चेल्लाम्।" – महल की बिल्ली कहीं भी जा सकती है। मराठी की एक कवितापंक्ति इसी बात की याद दिलाती है कि बड़ों के पास की वस्तु का सभी आदर करते हैं। वह पंक्ति है – " समर्थाचे घरचे श्वान। त्यासी सर्वही देती मान।" बलवान के घर के कुत्ते का भी सब लोग आदर करते हैं। उसी प्रकार राजा की बिल्ली को कौन रोक सकता है ?

बड़ों के लिए छोटों की बलि चढ़ती है। " लड़े सिपाही नाम सरदार का।" बलवान की क्षुधा बढ़ती है दुर्बलों को देखकर। संस्कृत वचन है " व्याघ्रस्य चोपवासेन पारणं पशुमारणं।" – बाघ के उपवास के पारण के लिए पशु को मारना पड़ेगा। " अजापुत्रं बलिं दद्यात् देवो दुर्बलघातकः।" बकरे की ही बलि चढ़ाते हैं, क्योंकि देवता भी दुर्बल का घातक होता है।

बलशाली, शूर पुरुष की नज़र में जो शक्ति है, वह बुजदिल, कायर की तरवार में भी नहीं होती। इस अर्थ की अंग्रेजी की कहावत है – " A valiant man's look is more than a coward's sword. " फ्रेंच कहावत में " जीवो जीवस्य जीवनम्।" के ही सिद्धांत को दोहराया है। "Les gros poissons mangent les petits." बड़ी मछली छोटी मछली को खाती है। इस अर्थ की इतालियन कहावत है – " Il pesce grande mangia il picciolo." जो ऊपर की फ्रेंच कहावत का अनुवाद मात्र है। यही दृष्टान्त डच भाषा की कहावत में भी है। ' Groote visschen eten ad kleine. " जर्मन कहावत एक दूसरा बिंब खड़ा करती है। – " Grosze Diebe hangen die kzleinen. " – बड़े चोर छोटे चोरों को फांसी पर लटकाते हैं।

इस प्रकार यूरोपीय भाषाओं में भी सबल और दुर्बल के व्यवहार की चर्चा भारतीय भाषाओं की तरह ही की गई है। इस विषय की भारतीय भाषाओं की कहावतें ' भारतीय कहावत संग्रह ' के द्वितीय खंड में दी गई हैं।

कहावतों में साहित्यिक सौंदर्य

अपने मन के भाव को मनुष्य सीधे सरल शब्दों में भी प्रदर्शित कर सकता है। चाहे आदमी को कोई बुरी बात करने से रोकना हो, साधारण उपदेश हो, एक मनुष्य का दूसरे व्यक्ति से जो संबंध रहता है, उसके अति निकट से लेकर दूर का नाता समझकर उसके व्यवहार पर व्यंग्य करना हो तो उन सब आशयों को किसी उपमा, दृष्टान्त या अन्य भाषालंकारों का सहारा न लेते हुए प्रदर्शित कर सकता है, जैसे यह एक सरल उक्ति है कि " ईश्वर सर्व श्रेष्ठ है "। किन्तु ईश्वर की श्रेष्ठता जब भिन्न भिन्न दृष्टान्तों द्वारा तथा उदाहरणों के साथ सम्मुख रखी जाती है, तब उसका गहरा प्रभाव पड़ जाता है। अभिव्यक्ति की इस प्रतिभासंपन्नता के साथ ही साहित्य का जन्म होता है और उन चुने हुए चंद शब्दों से जो आशयघन उक्तियाँ तैयार होती हैं वे साहित्यिक मूल्यों से भरपूर बन जाती हैं।

मनुष्य की कुशाग्र अवलोकन शक्ति, सचेतन सूक्ष्मग्राही बुद्धिमत्ता, किसी घटना से अपने मन पर प्रभाव करा लेनेवाली संवेदनक्षमता के कारण उसके मनःपटल पर घटी घटना का प्रभाव हो जाने के बाद उस घटना की प्रतिक्रिया सरल शब्दों में न प्रकट करते हुए वह जब चुने हुए शब्दों

के साथ आशय को साहित्यालंकारों में लपेटकर लोगों के सामने रखता है, तब उसकी अभिरुचि और रसिकता पर हमें गर्व हो जाता है। जीवन की तरफ देखने का विशाल दृष्टिकोण, पीड़ितों के आँसू पोंछनेवाली करुणा, ईश्वर या जगन्नियंता के प्रति अटूट श्रद्धा, मानवीय दोषों को खोल देने का साहस, मनुष्य के दोषों पर उपहास के आघात करते हुए उसको सही रास्ते पर ले जाने की तमन्ना, आदि संस्कारक्षम हृदय के सूक्ष्मतम स्पंदन को प्रकट करने के लिए मनुष्य ने वाक्यालंकारों का सहारा लेकर अपनी रसिकता का परिचय कराया है।

ऐसी साहित्यिक मूल्यों से भरी हुई कहावतों की एक एक शीशी खोलकर हम उसकी सुगंध सूँघने का प्रयास करें, उसका साहित्यिक मूल्यांकन करके रसास्वाद ले लें, तो वह बात हमारी रसिक अभिरुचि की परिचायक होगी।

किसी बात में अनावश्यक उतावलापन दिखानेवालों की हँसी उड़ानेवाली भिन्न भिन्न भाषाओं की कहावतों में जो दृष्टान्त प्रयुक्त हुए हैं, उनका परिशीलन बड़ा ही रोचक सिद्ध होगा।

कटहल का गुदा खाते समय होठों पर उसका चेप लगता है और वे चिपचिपे हो जाते हैं। उसको निकाल ने के लिए होठों पर तेल लगाना पड़ता है यह बात भी मानी हुई है। परंतु यह जल्दबाजी कैसी कि "गाछ में कटहल और होठों में तेल।" "आधी रात में जंभाई आवे, शाम से मुँह फैलावे।" यह भी कोई बात है ? कटहल अभी पेड़ पर है और यहाँ महाशय होठों पर तेल लगा रहे हैं।

ऐसी उतावली की खिल्ली उड़ाने में दाक्षिणात्य भाषाएँ भी कुछ कम नहीं हैं। तमिळनाडु का आदमी "काशियल् इरुक्किरवन् कण्णैक् कुत्तक् कांझीपुरत्तिलिरुंद कैय्ये नीट्टिक् कोण्ड पोगिरदा" – काशी में रहनेवाले की आँख पर घूसा मारने चला तो कांजिवरम से मुक्का बांधकर दौड़ने लगा। तेलगु की कहावत में भी यही व्यंग्य है। जैसे "धर्मपुरिलो दोंगिलिंच बोतु धारवाडनुंचि वंगुनि पोयाडट" धर्मपुरी में चोरी करने गया धारवाड से झुक झुककर। इस बेवकूफी को क्या कहें ?

ओड़िआवाले तो "नई न देखुणु नंगळा" – नदी देखने के पहले ही (कपड़े उतारकर) नंगे हो गए हैं. और तमिळवालों ने भी "आरु कादम् अेन्किर्पोदे कोवणत्तै अविळप्पानेन्" – नदी दस मील दूर है, और अभी से लंगोटी ढीली कर रक्खी है। प्यास लगने पर कुआँ खोदना ठीक नहीं है, पर कई बातें ऐसी होती हैं कि जिनके लिए बहुत पहले से तैयारी करना हास्यापद होता है। महाराष्ट्र का ब्राह्मण खामखाह झगड़े पर तुला हुआ है, जब कि झगड़े का कारण अभी दूर है। "बाज़ारात तुरी भट भटणीला मारी"– अरहर की दाल अभी बाजार में है और (वह कैसी बनाई जाय इस बात पर मतभेद होने के कारण) ब्राह्मण ब्राह्मणी को पीट रहा है। यहाँ एक घरेलू दृष्टान्त के सहारे अनावश्यक जल्दबाज़ी पर प्रहार किया है।

हर एक व्यक्ति की योग्यता के अनुसार उसे उपहार या गालियाँ मिलेंगी, यह आशय प्रकट करने के लिए उपमा और दृष्टान्तों की भिन्न भिन्न भाषाओं में झड़ी लगी है। जैसा देवता, वैसी उसकी पूजा होगी इस सिद्धान्त को प्रमाणित करते हुए हिन्दी ने "ईंट की देवी को झामे का परसाद" दिया है। मराठी ने बुरे व्यक्ति को लातों से मारने का भाव "चांभाराच्या देवाला खेटराची पूजा" कहावत में कुछ वादग्रस्त रूप से प्रकट किया है। वास्तव में जातिनिरपेक्ष आशय को जातीय स्वरूप देकर झगड़े की सामग्री जुटा ली है। सदियों से हमारे दिलोदिमाग पर जो जातीयवाद का प्रभाव है उसका यह अटल परिणाम है। वास्तव में चमार का हो, या ब्राह्मण का हो, भगवान तो एक ही

है। गुजराती " थूहर के देवता की जूतों से पूजा करता है। "

तेलुगु भाषियों ने नीच व्यक्ति को कुत्ते की जगह बिठाया है। " कुक्कु श्राद्धानिकि पीति पिंडालु " – कुत्ते के श्राद्ध में मल के पिंड ।

अच्छी चीजों से खाद्यपदार्थ तैयार करने हों तो किसी अच्छे बावर्ची की ज़रूरत होती है। बिर्याणी, जाफरानी पुलाव हो, रोगन जोश या गोश्तावा हो तो कश्मीरी आदमी ज़रूर किसी अच्छे खानसामे को बुलाएगा लेकिन " हूनि माज़स् वातल वाज़ुँ " – कुत्ते के मांस के लिए तो भंगी ही रसोइया बुलाया जाएगा ।

इस प्रकार " यस्य देवस्य यद्रूपं तथा भूषणवाहनम् । " यह भाव भिन्न भिन्न प्रकार से भारतीय भाषाओं ने प्रकट किया है।

अनाधिकार व्यक्ति के हाथ में जब अधिकार आ जाता है तो वह कैसी बेतुकी बातें करता है, अपनी नीचता छिपाने के लिए और बड़प्पन दिखाने के लिए जो बेतहाशा हरकतें करता है उनका वर्णन तेलुगु और कन्नड़ कहावतों ने बड़े मज़ेदार ढंग से किया है। तेलुगु की कहावत " अल्पुनुकु ऐश्वर्यमु वस्ते, अर्धरात्रि गोडुगु तेम्मन्नानाडट " और कन्नड की कहावत " अल्पनिगे ऐश्वर्य बंदरे अर्धरात्रियल्लि कोडे हिडिसिकोंड " में एक ही बात कही है – ओछे को ऐश्वर्य प्राप्त हुआ हो, तो आधी रात में छाता खोलके जाएगा। तेलुगु ने और एक व्यावहारिक किस्सा कहा है " चिंतकायलु अम्मेदानिकि सिरिमान वस्ते वंकिरि विंकिरि कायलु एकायलन्नदट " – इमलियाँ बेचनेवाली अमीर हो जाने के बाद कहती है कि ये (इमलियों की ओर इशारा करके) टेढ़े मेढ़े फल कौन-से हैं ? जिसका जनम इमलियाँ बेचने में गया उसका यह कथन उसके झूठे बड़प्पन का दिखावा मात्र है।

ओड़िआ की कहावत में वहाँ के एक रोग का उल्लेख है। कटक और पुरी जिलों में हाथी पाँव (elephantiasis) की बिमारी का बहुत फैलाव है। इस बीमारी के कारण पाँव हाथी की तरह मोटे हो जाते हैं, साधारण लोग इस व्याधि से ग्रस्त व्यक्ति से दूर रहते हैं। " गोदरीकि श्रीमति कहिले से गोड़कु बुलेइ पकाए " – हाथी पाँववाली को श्रीमती कहने से वह पैर घुमाकर रखती है। उस कुरूपा को जब सम्मान मिला तो वह अकड़ने लगी।

ऊपरिनिर्दिष्ट कहावतों में व्यंग्योक्ति के सहारे मिथ्या अभिमान करनेवालों की कैसी खिल्ली उड़ाई है, हल्की-सी चोट करने के लिए कैसे दृष्टान्त चुने हैं, यह देखकर अपनी भाषाभगिनियों के चातुर्य पर हमें गर्व होने लगता है।

जिस बात की हमें आवश्यकता होती है, उस वांच्छित वस्तु के चिंतन में हम रहते हैं। हमारा सारा ध्यान उसी वस्तु पर केंद्रित रहता है। इस आशय को " चोर की नज़र गठरी पर " या " चमार का ध्यान टूटी जूती पर " इत्यादि कहावतों द्वारा प्रकट किया गया है। परंतु इस विषय से संबंधित कन्नड़ की कहावत उसकी साहित्यिक सुंदरता के कारण हमेशा स्मरण में रहेगी। " तोट्टिलु मारुववनिगे बीदिय हेंगुसरेल्ल बसुरियरे " – पालना बेचनेवाला हर औरत को गर्भवती समझता है।

इसी कन्नड़ भाषा ने अपनी एक कहावत के द्वारा एक मनोरम व्यंग्य प्रकट किया है। केवल उच्च कुल में जन्म पाया इसलिए हम सर्वज्ञ हैं, ऐसा माननेवालों पर व्यंग्योक्तिद्वारा जो प्रहार किया है, उससे सम्हलना उनके लिए असंभव है। एक स्त्री कहती है – " अप्पाभटर सोसेयागि,

तिप्पाभटर मगळागि लवण अेंदरे दोड्डेम्मे सेगणि अेंदंते –" मैं अप्पाभट की बहू और तिप्पाभट की बेटी हूँ, क्या मैं ' लवण ' का अर्थ नहीं जानती ! लवण का मतलब है भैंस का गोबर। वाह वाह ! बहुत खूब ! हे चतुर्वेदी की बहू और द्विवेदी की लड़की तेरा संस्कृत का ज्ञान अगाध है जो तू लवण का अर्थ गोबर बताती है। अपने कुल की आड़ लेकर मिथ्या अहंकार करनेवालों पर यह एक ऐसी चोट है, जो उनको एक पल में अवाक् कर देगी। * * *

अपने पास कुछ हो, तो लोग आएँगे, अन्यथा हमसे दूर रहेंगे। यद्यपि अंग्रेजी की कहावत कहती है कि "God looks to the clean hands, not to the full ones." मनुष्य का व्यवहार इससे विपरीत होता है। वह साफ-सुथरे हाथों को इतना महत्त्व नहीं देता, जितना कि भरे हुए हाथों को। जिसने माया जोड़ी हो और जो कुछ न कुछ देने की क्षमता रखता हो, चाहे दे न दे, उसके पास लोगों का जमघट रहता है। यह व्यावहारिक सिद्धान्त सभी भाषाओं की कहावतों ने बड़े वाक्चातुर्य के साथ साहित्यिक भाषा में प्रकट किया है। हिन्दी की कहावत एक सुंदर दृष्टान्त के द्वारा यह आशय प्रकट करती है। कहावत है "जहाँ गुड़ होगा, वहाँ मक्खियाँ होंगी। "Wasps haunt the honey pot" का मतलब यही है। इस संबंध में सिन्धी कहावत ने मृत्यु के पश्चात् मृत व्यक्ति के संबंध में जो क्रियाकर्म किए जाते हैं, उसका दृश्य खड़ा करके, ब्राह्मणों और कौवों का व्यवहार सम्मुख रखा है – " श्राध पुना ब्रांभणानि चाढ्या कुना, त कांव वेही रुना " – भाद्रपद के पितृपक्ष में श्राद्धकर्म जब पूरे हुए, तो ब्राम्हणों ने घर में पकाना शुरू किया और कौवे रोने लगे। ब्राह्मणों का यजमान के घर का भोजन बंद हो गया और कौवों का पिंड मिलना बंद हो गया। इस मुसीबत का सिंधी ने अपनी कहावत में यथार्थ वर्णन किया है।

बाङ्ला भाषा ने इस मन्तव्य को प्रकट किया है विकट रूप से। " पोष मासे इँदुरेर सात माग।" पौष के महीने में चूहे के सात बीवियाँ होती हैं। धान पका हुआ रहता है तब वह ज़नानखाना रख सकता है। असमीया भाषा ने इसी आशय को मुखरित करने के लिए बड़े सुंदर अनुभवों की योजना की है – " आगैये आछिलों दालिमर पोहारी, सदौवे बुलिछिल बाइ; गछो लेरेछिल, दालिमो शुकाल एतिया सोधोता नाइ।" पहले अनार की बिसात थी तब सब मुझे दीदी कहते थे; अब पेड़ भी मुर्झा गया, अनार भी सूख गए, अब मुझे कोई नहीं पूछता। इसी प्रकार एक गाय की शिकायत असमीया कहावत में व्यक्त हुई है। " आगैये आछिलो दोवनी-मोवनी, गोवाले बुलिछिल आइ। एतिया हलो नेज गोवरी, पालत नापाएँ ठाइ।" पहले मैं दूध देती थी, उस समय ग्वाले मुझे ' माँ ' कहते थे। अब तो मेरी पूँछ पर गोबर चढ़ा है (बूढ़ी हो गई) तो गायों के झुंड में भी मुझे स्थान नहीं है।

तमिऴ का कहना है कि गंजे सिर पर जूएँ भी नहीं रहतीं। संस्कृत के वचन का प्राकृतिक दृष्टान्त कितना लुभावना है – " निर्गलिताम्बुगर्भं शरद्घनं नार्दति चातकोऽपि " – जिस शरद्-मेघ से जलरूपी गर्भ निकल गया है, ऐसे मेघ की प्रार्थना चातक भी नहीं करते। अंग्रेजी – A full purse never lacked freinds. जर्मन भाषा की कहावत भी इस अवस्था का वर्णन सुचारु रूप से किया है – " Siedet der Topf, so bluhet die Freundschaft " – जब तक देगची उबलती रहेगी, दोस्ती खिलती रहेगी।

इसी प्रकार असमीया ने एक प्राकृतिक उपमा के साथ बड़े लोगों की वृथा नकल करनेवालों पर

व्यंग्य किया है। – "चान्दक देखि तेतेलि बेका "– चाँद को देखकर इमली भी टेढ़ी हुई। इमली ने जो चंद्र देखा वह पूनम का नहीं होगा। बीज से लेकर सप्तमी तक का होगा। तभी तो उसका अनुकरण करने में इमली टेढ़ी हुई। इसी आशय को प्रस्तुत करने में तेलुगु ने दो मान्यवर ऐतिहासिक व्यक्तियों का उपयोग किया है। "अक्कन्न मादन्न गार्लु अन्दलमु ऎक्किते, साटिकि सरप्प चेरुबुकट्ट ऎक्किनाड्ट " – अक्कन्ना और मादन्ना को पालकी में चढ़ बैठा देखकर गँवार सरप्पा चढ़ बैठा तालाब की मेड़ कर। अक्कन्ना और मादन्ना तानाशाह के अमात्य थे, उनका पालकी में चढना ठीक था। उनके देखादेखी सरप्पाने चढ़ने का अनुकरण मात्र किया। मान्यवर व्यक्ति के हास्यास्पद उनुकरण का और एक नमकीन उदाहरण तेलुगु ने प्रस्तुत किया है। "वासिरेड्डि वेंकटाद्रि नायुडु तुलाभारं तूगिते करेड्ल कामक्क वंकायल भारं तूगिंदट " – वासिरेड्डि वेंकटाद्रि नायुडु ने सुवर्णतुला की तो करेड्ल कामक्का ने अपनी बैंगनतुला की। जो आदमी अपने को सोने से तोलता है, वह अपने भार का सोना गरीबों को बाँट देता है। यह एक दान की विधि होती है। अब यह सुवर्णतुला देखकर कोई अपने को बैंगन या किसी और घटिया चीज़ से तोलने पर तुल जाए तो वह देखनेवालों के लिए हास्यरस की विपुल सामग्री जुटा देगा।

कभी कभी बहुत गड़बड़ी करनेवाले बातूनी लोग भोले भाले, सीधे सादे होते हैं, और चुपचाप, गुमसुम रहनेवाले बड़े धोखेबाज़ साबित होते हैं। इस अनुभव को प्रकट करने के लिए कन्नड़ की कहावत ने एक सदासत्य प्राकृतिक दृष्टान्त का आधार लिया है। "अलला ऎम्ब अरळि मर नम्ब बहुदु, मेत्त गिरुव कळ्ळिमर नम्बलागदु " – छरमर बोलनेवाले पीपल पर भरोसा हो सकता है, परन्तु गुमसुम रहनेवाले थूहर का विश्वास नहीं किया जा सकता। न जाने चुपके से अपने काँटों में कब फँसा देगा।

"राजन रथवादरू एण्णोयिल्लदे तिरुगदु " – राजा का रथ भी बिना रोगन के नहीं चलता। कन्नड़ की इस कहावत ने रथ के बिंब को प्रस्तुत करते हुए एक वैश्विक सिद्धान्त का निरूपण किया है। आदमी कितना भी बड़ा हो उसके भी पेट होता है, और उस पेट के लिए खाना चाहिए। बिना ईंधन के शरीर-व्यापार सुस्त हो जाएँगे।

ओड़िआ भाषा ने अपने प्रतिभा-विलास से सदावक्र मूर्ख की तुलना ऐसी वस्तुओं से की है कि जो किसी न किसी कारण से वक्र या टेढ़ी बनती है और इस तुलना से मूर्ख को टेढ़ेपन का शिरोमणि प्रमाणित किया है। "गुणघ्रते धनु बंका, चंद्र बंका दिने दिने; तेंतुळि सर्वदा बंका, मूर्ख बंका सबु दिने। "– खींचने पर धनुष्य बाँका होता है, कुछ दिन चंद्र भी वक्र रहता है; इमली सदावक्र होती है और मूर्ख भी हमेशा टेढ़ा होता है। छोटी-सी बात कैसे साहित्यिक ढंग से प्रदर्शित की गई है।

जोड़ियाँ दो प्रकार की होती हैं। एक दूसरे से मेल खानेवालों की जोड़ी हो तो उसमें से कोई आपत्ति नहीं खड़ी होगी। परंतु जब यह जोड़ी पूर्णतः बेमेल होती है, तो अनर्थ का सामान प्रस्तुत करती है। "माटी के घोड़ा, सूत के लगाम " चंपारण्य की इस जोड़ी में दोनों घटिया है, इस लिए मेल ठीक बैठेगा। "छिनाल सास और व्यभिचारी दामाद " हो तो उनकी ठीक पटेगी। "खूब गुज़रेगी जब मिलेंगे दीवाने दो। " परंतु ऐसी जोड़ियाँ भी होती हैं, जिनमें एक के विपरीत दूसरे के गुण होते हैं, तब किसी एक का या दोनों का विनाश अटल होता है। ऐसी जोड़ी को प्रस्तुत करने में तमिळ भाषा ने अपने कल्पना-विलास तथा योजकता का विशेष परिचय दिया है –

" नेरुप्पु आरुम्, मयिरम् पालमुम् " – आग की नदी पर बालों का पुल। इस कहावत ने विरोधाभास का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

हर एक व्यक्ति में अथवा चीज में गुण-दोष तो होते ही हैं, परंतु अपने दोषों की जिम्मेदारी किसी और के माथे पर चढ़ाने की आदत बहुत सारे लोगों में होती है। विशेषतः लोगों की यह प्रवृत्ति होती है कि किसी घटिया वस्तु के सहवास से यह दोष अपने में आया, वरना हम तो निष्कलंक थे। यह भाव सोना और घुँगची के संवाद से हिन्दी ने बड़ी ढंगदार शैली में प्रकट किया है।

" सोना कहे सुनार से उत्तम मेरी जात। काले मुँह की घुँगची तुले हमारे साथ। " – सोने का कहना है मुझमें जो कुछ किल्मिष है, वह उस काले मुँह की घुंघची के कारण है। इस बात पर घुँघची ने सोने को एक तमाचा जड़ा दिया है।

" हम लालों की लालड़ी, लाल हमारा रंग। काला रंग जब से हुआ, तुली नीच के संग। " यह गालियों का आदान-प्रदान बड़ा रोचक है। मराठी की कहावत में यही बात चंदन सान से कहता है – " चंदन म्हणते सहाण बाई तुझी हीन जाती। तुझिया संगे झाली माझ्या देहाची माती। "– चंदन कहे सान से तेरी हीन जाति, तुम्हारे संग हुई मेरे बदन की मिट्टी। चंदन के सान पर घिसने से उसका भूसा हुआ, मरहम हुआ, यह बात सच है परंतु उससे चंदन का जो गुण है वह वृद्धिंगत ही हुआ। उस की सुगंध चारों ओर फैल गई। संगति का प्रभाव कैसा होता है, यह विशद करते हुए हिन्दी के एक वचन ने एक रोचक प्राकृतिक दृष्टान्त सामने रखा है।

" सुआत-बूंद सीपी मुकत, कदली भयो कपूर। कारे के मुख विख भयो, संगत शोभासूर ॥ " कोई चीज योग्य स्थान पर पहुँचती है, तभी उससे सुंदर नतीजा निकलता है, अन्यथा वह हानिकारक बनके रहेगी। स्वाति की बूँद सीपी में गिरे तो उसका मोती बने, कदली पर गिरे, तो उसमें औषधीय कपूर पैदा करे; पर साँप के मुख में गिरने से उसका विष बनेगा। ऐसा दृष्टान्त तो प्रकृति की गोद में पले हुए ही प्रस्तुत कर सकते हैं, चाहे इसका स्त्रोत संस्कृत हो या और कोई भाषा।

शब्दों में जहाँ श्लेष रहता है, वहाँ उस उक्ति के दो या तीन अर्थ निकलते हैं,। ऐसी उक्तियाँ हमको पलभर के लिए गुदगुदाकर एक सुखद अनुभव प्राप्त करा देती हैं। उर्दू की इस उक्ति का वास्तविक अर्थ सरल है – "" आबरू जग में रहे, तो जान जाना पशम है " – इज्जत के सामने ज़िंदगी कोई चीज़ नहीं। पशम का मतलब है बाल। सम्मान के सामने जीवन तो केश जैसा तुच्छ है, यह बात तो स्वागतार्ह है और सरल भी। परंतु इस कहावत का दोहरा मतलब है। -- लखनऊ में ' आबरू ' और ' जान जाना ' नाम के दो शायर हो गए। दोनों में बड़ी हरिफाई चलती थी। एक दूसरे की छेड़छाड़ में शेरों की आतिशबाज़ी चलती थी। उपरोक्त शेर ' आबरू ' का कहा हुआ है जिसमें ' जान जाने 'को पशम कहा है। पूरा शेर-इस प्रकार है–

"जो सती सत पर चढ़े तो पान खाना रस्म है। आबरू जग में रहे तो जान जाना पश्म है ॥"

बाङ्ला भाषा की एक विशेष कहावत है, जिसको बंगाली उच्चारणविधि के साथ पढ़नेपर ही उसमें से दोहरा अर्थ निकलता है और इन शब्दों के खेल पर मज़ा आता है। बाङ्ला में ' बिश्व ' लिखा जाता है और बिश पढ़ा जाता है, जिसका मतलब बीस भी होता है। (बिश्व) बिशकर्मार बेटा बेयाल्लिश कर्मा। " पढ़ने में बीस कर्मा का बेटा बयालीस कर्मा यह बात ठीक है, आँकड़ों का खेल है। परंतु विश्वकर्मा पढ़ने पर बेयालीश कर्मा का कोई मेल नही बैठता। इस कहावत का आनंद

बोलने में है, लिखने में नहीं।

बाङ्ला की एक कहावत में बैंगन को बाबाजी भी और तरकारी भी समझा है। तरकारी तो है ही, पर डंठल के कारण वह वैष्णव जैसी भी लगती है। डंठल की तुलना चोटी से की है।

अपना दोष दिखाई नहीं देता, दूसरे के दोष पर ठीक नज़र बैठती है। यह "अपना टेटर देखे नहीं दूसरों की फुल्ली निहारे" वाली बात समझाने के लिए बाङ्ला भाषा की कहावत ने दो फलों का कृषिप्रधान दृष्टान्त चुना है। अपने लक्ष्य पर वह ठेठ जाके चुभता है। "अनारस बले काँठाल भाई तुमि बड़ खसखसे।" अनारस कहे कटहल से, "भाई, तुम बड़े खुरदुरे हो।" वास्तव में अनारस स्वयं इतना खुरदुरा, कँटीला होता है, वह यदि ऐसा ही दोषारोपण कटहल पर करे तो कहना चाहिए ज़्यादती का कमाल हुआ। मगर व्यवहार में ऐसा होता है। स्वयं जो दोषी होता है, वह दूसरों को उन्हीं दोषों के लिए कोसता है। राजनीतिज्ञों में तो इस बात की होड़ लगी हुई रहती है। दोनों एक दूसरे को झूठा कहते हैं, वास्तव में दोनों चोटी के झूठ बोलनेवाले होते हैं, असत्यभाषणविभूषण होते हैं।

अपने में जो दुर्गुण प्रमुखतः है, उसी के लिए दूसरों को कोसना यह तो विश्वभर के मानव का स्वभाव है। इस लिए सभी भाषाओं में अपनी प्रतिभा की मर्यादाओं में यह भाव प्रकट हुआ है। अंग्रेजी की कहावत है "The frying-pan says to the kettle, 'Avaunt black brows.'" यही दृष्टान्त युरोप की प्रायः सभी भाषाओं में भी है। यूनानी (ग्रीक) भाषा में "गधा मुरगे को बुद्दू कहता है।" और चीनी भाषा की कहावत में "काग सूअर को गंदा कहता है।"

किसी को किसी चीज़ की चाहत हो, और उसे ही उस चीज़ को सम्हालने का काम सौंपा जाय तो उसके लिए तो वह इष्टापत्ति सिद्ध होगी। "बिल्ली! और दूध की रखवाली!" में जो आशय है, वह प्रकट करने के लिए कन्नड़ की एक कहावत का कथन तनिक उल्टा खिसकाकर ग्रहण करना पड़ेगा। उस सुंदर दृष्टान्त में कहा है "बेल्लद सिपाही माडि इरुवे हत्तिर कळुहिसिद हागे" – गुड़ का सिपाही चींटी के पास भेजा गया। यहाँ भक्ष्य अपने पाँव से भक्षक के पास जाता है। भक्ष्य भक्षक के पास जाए अथवा भक्षक भक्ष्य के पास जाए, नतीजा एक ही निकलेगा। खरबूजा छुरी पर गिरे, या छुरी खरबूजे पर गिरे, परिणामतः खरबूजा ही कटेगा।

कभी कभी ऐसा होता है कि आदमी कठिन से कठिन काम कर जाता है, और छोटे, सरल काम में बुरी तरह फँस जाता है और उसे कर नहीं पाता। यह भाव बाङ्ला की एक कहावत ने अचूक लक्ष्यवेधी बिंब खड़ा करके प्रकट किया है – "समुद्र पेरिये गोष्पदे डुबे मरा" – समुद्र पार किया और गोपद या चुल्लूभर पानी में डूब मरा। उर्दू ने शायद अरबस्तान में होनेवाले खजूर के पेड़ का सहारा लिया है "आसमाँ से गिरा और खजूर में अटका।" एक शायर ने बड़ा चमकीला शेर इस भाव को प्रदर्शित करने के लिए लिखा है, "मेरे डूब जाने का बाइस तो पूछो, किनारे से टकरा गया था सफीना।" कवि महोदय ने नाव में सारा सागर पार किया और गन्तव्य स्थान के किनारे से टकराकर उनकी नैया डूब गई। इस बदनसीबी को क्या कहें!

"गाजर की पूँगी बजी तो बजी, नहीं तो खा डाली" – या "लग गया तो तीर नहीं तो तुक्का" इस प्रकार किसी भी अवस्था में संतुष्ट रहनेवाले लोग रहते हैं। "जैसी बहे बयार, पीठ तब तैसी दीजै," इस उपदेश का पालन ठीक प्रकार से करके प्रवाह के साथ बहकर अपना उल्लू सीधा

करनेवाले बहुत सारे होते हैं। जीवन में कोई विशेष सिद्धान्त न रखते हुए हवा के साथ अपनी दिशा तय करके चलने में धन्यता मानते हैं और सुखी भी होते हैं। "अनमिले के त्यागी, राँड़ मिले बैरागी।" औरत न मिली तो खुद को त्यागी कहलाएँगे, और दैववशात औरत मिल गई तो बैरागी बनके बैठेंगे। त्यागी या विरक्त साधु स्त्री नहीं रख सकता, वैष्णव संप्रदाय का बैरागी साधु स्त्री रख सकता है। इस प्रकार जैसी परिस्थिति आ जाए, इसके अनुसार अपने उसूलों को बदल-कर काम निकाल लेना यह कोई विशेष बात नहीं है। नाम तो उनका होता है, जो विपरीत परिस्थिति में अपने सिद्धांतों पर डटा रहता है और संकटों का मुकाबला करता है। "पानी तेरा रंग कैसा, जिसमें मिलावे वैसा।" ऐसे अपना कोई रंग न रखनेवाले व्यक्ति की दुनिया में कोई कीमत नहीं रहती। वह तो "गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास" बन जाता, है किन्तु अन्त में ऐसे लोगों की स्थिति "धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का" जैसी हो जाती है। जो सच्चे बहादुर होते हैं, वे तो परिणाम की चिंता न करते हुए गन्तव्य स्थान की ओर बढ़ते रहते हैं। सच्चा तैराक़ वह नहीं कि जो पानी के साथ बह जाए। "शनावर मौजे-तूफ़ाँ खेज को साहिल समझते हैं"– अच्छा तैराक़ तूफान से सागर में उछलनेवाली लहरों को ही किनारा मानता है। न डरते हुए तूफानी मौजों का मुकाबला करके आवश्यकतानुसार प्रवाह के विरुद्ध तैरने का भी साहस करता है। ऐसे लोगों का नाम रोशन होता है।

अपने आत्मीय व्यक्ति के लिए, प्रिय व्यक्ति के लिए कितने भी कष्ट उठाने पड़े तो भी वे भार-भूत नहीं होते। संबंधी, परिवार के लोगों के लिए उठाई हुई जिम्मेदारियाँ हमारे लिए कष्टप्रद नहीं होतीं। यह भाव विविध बिंबों द्वारा सम्मुख रखा है। "भैंस के सींग भैंस को भारी नहीं होते।" यह बात मराठी, गुजराती आदि भाषाओं में कही गई है। वह समीचीन भी है। परंतु यह भाव हिन्दी की कहावत ने जिस कोमलता या नजाकत से प्रकट किया है, उसका मुकाबला नहीं है। जैसे "आँखों पर पलकों का बोझ नहीं होता।"

कहावतें कोई चीज सीधे ढंग से तो कहतीं नहीं। पापी को पापी भी कहना हो, तो ढंग से कहती हैं, सूचित करती हैं। इस सूचकता का उदाहरण एक बाङ्ला कहावत में हमें मिलता है। "आँधारे आसे, ज्योत्स्नाय जाय, तार नरक हाते हाते पाय" – अंधेरे में आता है; चाँदनी में जाता है, सीधे नरक में पहुँचता है। इस कहावत में व्यभिचार का धिक्कार बड़ी सूचकता से किया है। रात के अंधेरे में व्यभिचारी (स्त्री या पुरुष) अपने वांछित संभोगपात्र के पास आएगा और सवेरा होने के पहले निकल जाएगा ताकि कोई उसे देख न सके। यह चोरी चोरी अवैध रीति से किया हुआ संबंध या शृंगार व्यभिचार ही माना जाएगा और उसके परिणामस्वरूप मरने के बाद उसे स्वर्ग नहीं मिलेगा, नरक मिलेगा।

छोटे व्यक्ति को ज़रा सी अड़चन भी महासंकट-सी लगती है, क्योंकि उसकी मुकाबला करने की शक्ति सीमित रहती है। छोटी-सी मुसीबत आने पर वह बेचारा हैरान हो जाता है। उसका प्रतिरोध करने की क्षमता न होने के कारण, उसे वह छोटा–सा संकट भी बड़ा भयानक, डरावना, अनर्थकारक प्रतीत होता है। उस दुर्बल व्यक्ति की यह अवस्था या नित्यानुभव चंद शब्दों में निःसंकोच सम्मुख रखते हुए मराठी की कहावत अपनी निडर शैली में कहती है – "मुंगीला मुताचा पूर" – चींटी को मूत ही महापूर। कन्नड़ तथा तमिऴ ने इसी उदाहरण को दोहराया है। कन्नड़ भाषा की कहावत

है – " ॲम्मे उच्चि इरुवेंगे जलप्रलयं "– भैंस का मूतना चींटी के लिए बाढ़। तमिळ –" ॲरुंविन् कण्णुक्कु ॲरुमै मूत्तिरम् एगप्पेरुवेळ्ळम् – " चींटी की दृष्टि में भैंस का मूत महापूर-सा।

पहले जीवित रहना चाहिए, अन्य सब बातें तभी मिलेंगी। जिसके लिए कोई चीज़ बनाई जाती है, वही यदि न रहा तो उस चीज़ का क्या उपयोग ? इस लिए मूल आदमी या चीज़ सलामत रहे तो उसके लिए कई बातें लाई जा सकती हैं। इस आशय को हिंदी ने एक सुंदर उदाहरण के साथ प्रकट किया है " सिर सलामत तो पगड़ी पचास। " उर्दू शेर के एक मिसरे में शायर कहता है, " हम ही नहीं रहें तो रहेगा मज़ार क्या ? " जब हम ही मर गए तो हमारी कब्रें बनाने से क्या फायदा ? इसी अर्थ की स्पॅनिश और इतालियन भाषा की कहावतां में एक ही दृष्टान्त ग्रथित है। स्पॅनिश " Si se perdieron los anillos, aqui quedaron los dedillos. " इतालियन – " Se ben ho persol' anello, ho pur anche le dita " - इन दोनों कहावतों का हिन्दी अनुवाद – यद्यपि अँगूठी गुम हो गई, उँगलियाँ तो अभी बाकी हैं। – मतलब है कि जब उँगलियाँ सलामत हैं, तो अँगूठियाँ कई आ सकती हैं।

व्यसनों का गौरव

मनुष्य ऐसी किसी चीज़ की खोज में रहता है, जो उसे थोड़ी देर के लिए क्यों न हो, अपने को भुला दे। पारिवारिक चिंताओं से दूर भागने के लिए, कम से कम उनको भुलाने के लिए उसे किसी न किसी पागलपन की ज़रूरत महसूस होती है। कई लोग ईश्वराराधना में लग जाते हैं, तो कई किसी एक विषय की धुन अपने पर सवार करा लेते हैं। किन्तु अधिकांश लोग बेहोशी लानेवाली किसी नशीली चीज़ के अधीन हो जाते हैं। उस चीज़ के सेवन से वे लोटपोट हो जाते हैं। गांजा, चिलम, शराब, जूआ, तमाकू और वेश्यागमन करके अपने दिल को बहला लेते हैं। इन व्यसनों के अधीन होने पर शायद उनकी प्रतिभा और तेजस्वी बन जाती है। ऐसे नशाबाज़ों ने अपने अपने नशा की सामग्री का ऐसे सुंदर शब्दों में गौरव किया है कि वे वचन साहित्यिक सुंदरता के उत्कृष्ट नमूने बन कर बैठे हैं।

हुक्के का बड़प्पन बताने के जोश में नशाबाजोंने उसे कृष्णकन्हैया बना दिया है – " हुक्का हर का लाड़ला, रखे सबका मान; भरी सभा में यूँ फिरे, जूँ गोपिन में कान्ह। " हुक्काबाज़ों के जमघट में हुक्का एक के हाथ से दूसरे के हाथ फिरता रहता है। इस क्रिया को कृष्ण और गोपियों की क्रीड़ा की उपमा देकर हुक्के को भगवान स्वरूप बना देनेवालों की प्रतिभा को शतशः प्रणाम !

अब इस कहावत में भंग पोस्त, अफीम आदि द्रव्यों की महिमा पढ़िए। " भंग कहे मैं रंगी जंगी, ' पोस्त कहे ' मैं शाहे जहाँ; ' अफीम कहे ' मैं चुन्नी बेगम ' मुझको खाके जाए कहाँ। – भंग पीने पर आँखों के सामने सितारे चमकते हैं, रंगबिरंगे दीप जलते हैं, चरस का दम मारने पर नशाबाज अपने को सम्राट समझने लगता है। अफीम तो कहती है कि मैं आशिकों की लाड़ली बेगम हूँ, मुझे छोड़के वे कहाँ जाएँगे। देखा न एक दम मार दिया तो कैसी रसीली प्रतिभा प्रकट हुई ?

भंग कैसे पीनी चाहिए इस बात पर भंगेड़ी का कथन भी ध्यान देने योग्य है। उसे कुंजवन की गलियाँ याद आती हैं। " भंग तो ऐसी पीजिए, जैसी कुंजगलिन की कीच, घर के जाने मर गए

और आप नशे के बीच।" कीचड़ जैसी घनी भंग पीकर मुर्दे जैसा नशे में पड़े रहने का मज़ा और ही होगा। इन व्यसनों से क्या क्या परिणाम होते हैं, उसका वर्णन मराठी ने भी किया है। – "भंग करी रंग, अफू करी चाळा, तंबाकू बापडा भोळा" – भंग करे रंग, अफीम करे गुस्सा, तमाखू बेचारा भोला (निरुपद्रवी) है। किसका मज़ा कहाँ अधिक लुटा जाता है उसका वर्णन गुजराती की कहावत में भी आता है – "अफीण रंग भुतीया, गांजा रंग सुतिया, दाउ रंग जुतीया" – अफीम का रंग शौर्य में, गांजे का रंग सोने में, नींद में और शराब का रंग जूते (झगडे) में खिलता है। जो व्यसनों में घुटे हुए रहते हैं वे छोटे व्यसनों का धिक्कार करते हैं। गुजराती की यह कहावत देखिए – "छेल व्यसन छींकणी, ने राजवसन हुक्को; गांडु वसन तमाकू, ते ठेर ठेर थुक्को। – सूँघनी का व्यसन तो छैले करते हैं, हुक्का तो शाही शौक है। तमाकू तो कायर, डरपोक खाते हैं और स्थान स्थान पर थूँकते हैं।

किस नशीली चीज़ के साथ क्या क्या खाना चाहिए उसका नुस्खा पेश करके ओड़िआ ने अपने साहित्य भाण्डार में वृद्धि की है। कहावत है – "भांगकु चुड़ाघषा, माउँसकु मद, गन्जाइकि घिस भात, अफिमकु दुध।"– भंग के साथ चिउड़ा, मद्य के साथ मांस, गांजे के साथ घी-भात और अफीम के साथ दूध पीने से शारीरिक हानि कम होती है।

हुक्के की नली या ताड़ी पीना, दोनों के लिए छुवाछूत नहीं यह बताकर तेलुगु ने व्यसनियों में सामाजिक समता का दावा किया है और – "दम्मिडी कल्लु तागि ऊरन्ता गंतुलु" – दमड़ी की सस्ती ताड़ी पीकर सारे गाँव में नाचने-झूमने का उपदेश किया है। कन्नड़ की कहावत ने जूए का घोर परिणाम महाभारत के दृष्टान्त के साथ प्रकट किया है – "पगड़े आडि पांडवरु कवड़े आड़ि हेण्णु मक्कळु केट्टरु" – जूआ खेलकर पांडव हारे और कौड़ी खेलकर लड़कियाँ हारीं। पासे हो या कौड़ी, लॅाटरी हो या रेस, सब तक़दीर की बातें हैं।

शराब के गुणगान में शराब की बोतलों से अधिक स्याही की बोतलें खाली हुई हैं। भर भर के जाम झूम झूम के गीत गाए गए हैं। एक तरफ मदिराप्रेमियों ने मदिरा का गुणगान किया है, तो दूसरी तरफ शराब-खोरी से होनेवाले महाभयंकर परिणामों का वर्णन किया है। नौसादर की दारू से लेकर मुश्की शराब तक और ताड़ी से लेकर स्कॉचविस्की तक हर नशीली मदिरा के हिमायती भी हैं, विरोधी भी। नशाबंदी का प्रचार करनेवालों को इशारा करके लिखा हुआ यह शेर देखिए "हुकमतो हुस्नो ज़र भी नशे हैं, फिर मय के नशे में क्या खराबी है। ऐ बादानोशी को रोकनेवालो, आदमी फितरतन शराबी है।" सत्ता, सौंदर्य और संपत्ति के भी नशे होते हैं, फिर मदिरा की मस्ती में क्या खराबी है ? – ऐ शराबबंदी के प्रचारको, क्या तुम यह नहीं जानते कि आदमी प्रकृतया शराबी है। किसी न किसी नशे में, मस्ती में वह काम करता रहता है। किसी को ईश्वरभक्ति की धुन चढ़ती है, किसीपर देशभक्ति का नशा सवार होता है। चित्तवृत्ति को सतर्क रखने के लिए कोई न कोई धुन चाहिए, चाहे आध्यात्मिक हो, चाहे ऐहिक। अंग्रेजी कहावत के अनुसार साहित्यनिर्मिति के लिए ऐसी उत्तेजक चीज़ चाहिए "When wine sinks, words swim." इसके साथ साथ बड़ी खूबी से जर्मन कहावत शराब के दुष्परिणाम बताते हुए अत्यधिक मद्यपान का धिक्कार करती है। "Im Becher ersaufen mehr als im Meer.' सागर से साग़र (प्याले) में अधिक लोग डूबे हैं।

"जवानी और ऊपर शराब ! दुगनी आग", कहकर नशाबाजों का यह साहित्यप्रलाप हम समाप्त करते हैं।

कुछ कहावतों में अजीब या असंभव बातों के दृष्टान्त दिए गए हैं, फिर भी ऐसी कहावतों में से कुछ कहावतें बहुत ही साहित्य-संपन्न हैं। जैसी तेलुगु की कहावत है – "कुक्कलु एकुलु वडिकिते गुर्रालु चीरलु कडसायि" – कुत्ते सूत कातते तो घोड़े साड़ी पहनते। एक अद्‌भुत बात बन जाए तो दूसरी भी बन जाए। इसी प्रकार कोई अवश्य बात बतानी हो तो अलंकारयुक्त कहावत की रचना करके बताई है। "गधों से हल चले तो बैल कौन बिसाए ?" हिन्दी की इस कहावत की तरह अन्यान्य भाषाओं ने अपने प्रतिभाविलास का प्रदर्शन किया है। मराठी कहावत ने उस भाषा की प्रकृति के अनुसार बिल्कुल सीधे ढंग से बात कही है। "गाढवाच्या लेंड्यांचे पापड बनते तर उडीद कशाला होते." – गधे की लेंड के पापड़ बनते तो उड़द क्यों पैदा किए जाते ? सिंधी कहावत के अनुसार "पहण कूँअरा हुआ त हूंद गिदड़नि खाई छड़िया।" पत्थर अगर नरम होते तो गीदड़ उन्हें खा लेते।

हम किसीकी सराहना करते हैं, उसका गुणगान करते हैं, और वह जब विपरीत अभद्र कृति करता है तो दिल को सदमा पहुँचता है, ठेंस लगती है। ऐसे समय उस अपेक्षाभंग के भाव को हम किसी साहित्यिक अलंकार के द्वारा प्रकट करते हैं। हिन्दी की कहावत "सराहल बहुड़िया डोम घर जाए" में इसी भाव:का आविष्कार हुआ हैं। इस आशय के लिए भी मराठी ने अपनी ठेठ शैली प्रयुक्त की है। "वाखाणला गुरव देवळात हगला।" – बखाना पुजारी मंदिर में हग बैठा। तेलुगु की कहावत भी बड़ी पैनी है। हाँ ! मराठी की जितनी वह संक्षिप्त नहीं, परंतु परिणाम अचूक निकला है। – "मंचिवाडु मंचिवाडु अंटे मदुरेक्कि उच्च पोशाडट" – उसको अच्छा अच्छा कहकर सराहा तो छप्पर से मूत दिया।

गुजराती की कहावत – "देवताना छोकरा कोयला अने छोकरी राखोडी" – अग्नि का बेटा कोयला और बेटी राख, यह प्रदर्शित करना चाहता है कि अग्नि से और क्या नाता जोड़ा जा सकता है ? गुजराती ने और एक जीवनानुभव बड़े रोचक ढंग से प्रकट किया है। कहावत इस प्रकार है "शाक बगडयुं तेनो दिन बगड्यो, अथाणुं बगडयुं तेनुं वरस बगडयुं, बायडी बगडी तेनी जिन्दगी बगड़ी" – तरकारी बिगड़ गई तो दिन बिगड़ जाए, अचार बिगड़ा तो साल बिगड़ जाए लेकिन पत्नी बिगड़ गई (बदचलन हुई) तो जिंदगी उजड़ जाए। तरकारी का एक दिन का सवाल रहता है, अचार का साल भर का। हर साल अचार बनता है परंतु ब्याह तो एक बार ही होता है, इस लिए पत्नी हाथ से गई तो दुनिया उजड़ गई। इस कहावत की वास्तविक चोट तो अंतिम व्यवहार पर है। परंतु कहावत की खूबसूरती है पहली दो सीढ़ियाँ चुनने में।

मनुष्य जन्म के साथ स्वभाव की कुछ ऐसी विशेषताएँ ले आता है, जो कभी नहीं बदलतीं। मृत्यु तक वे उससे चिपकी रहती हैं। इस आशय को प्रकट करनेवाली सैकड़ों कहावतें हमने भारतीय कहावत संग्रह के प्रथम खण्ड में दी हैं। उनमें से बहुत सारी साहित्यिक मूल्यों से भरपूर हैं। भारतीय भाषाओं तथा युरोपीय भाषाओं की इसी अर्थ की कुछ कहावतें साहित्यिक आनंद के लिए यदि हम उठा लें, तो उचित होगा। इन कहावतों में देखने योग्य बात यह है कि कैसे सुंदर सुंदर दृष्टान्त, ठीक बैठनेवाली उपमाएँ उनमें शामिल हैं।

'कुत्ते की टेढ़ी दुम' का उदाहरण तो बहुत सारी भाषाओं में है। परन्तु हिन्दी कहावत ने जो जोंक का दृष्टान्त दिया है, उसका मुकाबला नहीं है। "पिये रुधिर पय ना पिये, लगी पयोधर जोंक।" कोमल अर्थवाही अनुप्रास का यह एक सर्वोत्तम उदाहरण है। जोंक को स्तनसे लगाया तो भी वह अपना रक्त पीने का स्वभाव थोड़े ही छोड़ेगी। वह दूध नहीं पीएगी, रुधिर ही पीएगी। चंपारण्य की इस कहावत से मराठी की कहावत मिलती-जुलती है। "तेल में तरी तब करइला घीव में तरी तब करइला।" घी में तला या तेल में, करेला वही (कड़ुआ) रहेगा। मराठी की कहावत है –"कडू कारले, तुपात तळले साखरेत घोळले तरी कडू ते कडूच" – कड़ुआ करेला घी में तला और शक्कर में घोला तो भी कड़ुआ का कड़ुआ ही रहता है। पंजाबी कहावत में कुत्ते का स्वभाव बताया है – "कुत्ता राज बहालिए चक्की चट्टण जाय।" – कुत्ते को सिंहासन पर बिठाएँ वह चक्की ही चाटने जाएगा। काश्मीरी की कहावत में भीखमंगे का दृष्टान्त है। "मंगुँबुनय् थविज्यन टंगुँबुँनि अन्दर् तति ति करी मंगुँमंग।" भीखमंगे को अगर कोठी में बंद किया जाय, वहाँ भी वह भीख माँगेगा।

सिंधु प्रदेश के रेगिस्तान में ऊँट बहुत चलते हैं, इसलिए इसी आशय के लिए सिंधी भाषा ने ऊँट को चुना है। "उठु पवे कणक में, कंडा चुणि चुणि खाइ।" ऊँट यदि गेहूँ के खेत में जाए, वहाँ भी काँटे ही चुन चुनकर खाए। गुजराती भाषा ने एक प्राकृतिक सिद्धान्त, एक भाषिक सिद्धांत और एक शारीरिक सिद्धांत के साथ विरोधाभास दिखलाकर मनुष्य के लक्षण नहीं बदलते यह सत्य कथन किया है –"बार गाउए बोली बदले, तरुवर बदले शाखा; घडपण मां केश बदले, पण लखण न बदले लाखा।" बारह कोस पर बोली बदलती है, पेड़ों की टहनियाँ बदलती हैं, बुढ़ापे में बालों का रंग बदलता है, पर मनुष्य का स्वभाव कभी नहीं बदलता।

"आदा शुखाले ओ झाल जाय ना"। बाङ्ला की कहावत का यह कथन कितना सत्य है यह अपने अनुभव को टटोलकर देखिए। अदरक सूखने पर भी उसका तीखापन नहीं जाता। इतना ही नहीं तो वह बढ़ता है ऐसा अभिप्राय और एक बाङ्ला की कहावत व्यक्त करती है। "आदा शुखाले झाल बेशी"। असमीया के अनुभव से सब परिचित हैं– "एङ्गार धुले बगा न होय"– कोयला धोने से सफेद नहीं होता। ओड़िआ की कहावतों ने दो मन-मोहक दृष्टान्त चुने हैं। "तुलसी का बिरवा खाद के ढेर में हो, तो भी शुद्ध और पवित्र होता है।" दूसरे एक दृष्टान्त में ओड़िआ कहावत कहती है कि घुँघची पानी में गिरने पर भी अपनी लाली नहीं छोड़ती।

तमिळ् भाषा को चंदन की याद आई। "तेयंदालुम् शंदनकट्टै मणम् पोगादु" – घिसने पर भी चंदन की सुगंध नहीं जाती। चंदन को घिसने पर तो उसकी परिमल दूर तक फैलती है। जलाने पर सारा वायुमंडल सुगंधित होता है। इस सिद्धान्त को प्रस्थापित करने के लिए तमिळ् ने और भी कई उदाहरण दिए हैं। प्राकृतिक तथा प्राणिज दृष्टान्तों के साथ तेलुगु की एक कहावत में जातीय उदाहरण भी हैं – "तिरुपतिकि पोगाने तुरक दासरि काडु" – तिरुपति जाने से मुसलमान वैष्णव नहीं बन जाता। इस कहावत में धर्मभेद का विचार नहीं है। इस कहावत का मुख्य आशय यह है कि जिस संस्कार में मुसलमान पला हुआ होता है, उसके कारण उसका विशेष स्वभाव बनता है। वह स्वभाव, धारणाएँ तिरुपति के बालाजी के दर्शनों से नहीं बदलेंगी।

"नीरुळ्ळि नीरल्लि तोळेदरे नारोदु होदीते" – इस कहावत में कन्नड ने और एक सुंदर

उदाहरण पेश किया है। – प्याज धोने से बू थोड़े ही जाएगी? – नहीं जाएगी क्योंकि प्याज का वह जन्मजात गुणधर्म है। मलयाळम् भाषा नीम का कड़ुआपन किसी भी प्रकार से नहीं हटा सकती, और अपना अनुभव निम्नलिखित कहावत में ग्रथित करती है – "क्षीरं कोण्टु ननच्चालुं वेप्पिन्टे कय्पु विटमो?" – दूध से सींचने पर भी नीम अपना कड़ुवापन छोड़ेगा क्या?

देववाणी संस्कृत का भण्डार तो उपमा, दृष्टान्त आदि अलंकारों से भरा हुआ है। भाषा ही इतनी मीठी है कि उलाहना को भी आदमी सराहना मानता है। एक सुंदर उदाहरण अपने बटुए से निकाला और सारे वायुमंडल को महका दिया – "नहि कस्तूरिकामोदः शपथेन निवार्यते।" सौगंध खाकर इनकार करने पर भी कस्तूरी की सुगंधी छिपी नहीं रहती।"

इस आशय को प्रकट करनेवाली यूरोपीय भाषाओं की कहावतों ने कैसे कैसे दृष्टान्त प्रस्तुत किए हैं यह भी देखें। "जैसा कन भर, वैसा मन भर।" इसलिए उस देगची से हर एक भाषा का एकाध अन्नकण टटोल के देखेंगे।

अंग्रेजी की कहावत के अनुसार "An ass is but an ass though laden with gold" – गधे पर कितना भी सोना लाद दो, वह गधा ही रहेगा। और एक अंग्रेजी कहावत ने एक प्राणिशास्त्र का सिद्धान्त ठीक बिठाया है –" Shall the leopard change its spots or the Ethiopian his colour." क्या चीता अपने शरीर पर धब्बे बदल देगा? क्या निग्रो अपना रंग बदल सकेगा? – अंग्रेजों को अपने रंग पर गर्व होने के कारण वे काले आदमियों की ओर तुच्छता से देखते हैं।

फ्रेंच कहावत कुत्ते को धुलाती है " Lavez chien peignez chien, toutefois n'est chien que chien " – कुत्ते को धुलाओ, कंघी करो, परंतु कुत्ता तो कुत्ता ही रहेगा। जर्मन कहावत ने मेंढक का उपयोग करके यह आशय प्रकट किया है – " Setzt einen Frosch auf goldenen Stuhler hupft doch wieder in den Pfuhl. " मेंढक को सोने की मेज़ पर बिठाया तो भी वह झट से पोखरी में कूदेगा।

स्पॅनिश भाषा की कहावतें हमेशा बड़ी रूपकात्मक रहीं – " Xabonar cabeza de asno, perdimiento de xabon " – साबुन के फाग से गधे का सिर धोने में साबुन का मिथ्याव्यय है। गधा थोड़े ही साफ सुथरा रहेगा, वह झट जाकर कूड़े में लोट जाएगा। इतालियन कहावत है " Chi bestia va a' Roma bestia retorna." – जो जानवर जैसा रोम जाएगा, वह जानवर जैसा ही वापस आएगा।

पोर्तुगाली कहावत ने भी साबुन के सत्यानाश की बात कही है। "Ensaboar a cabeca do asno, perda do sabao." – गधे का सिर धुलाना साबुन का सत्यानाश है। डचों की कहावत का अभिप्राय है – " Het is den moriaan geschuurd." – मूर (सिद्दी–एक अफ्रीकी जाति) को धुलाकर सफेद बनाना (असंभव है)। डॅनिश भाषा ने हमारे परिचित दृष्टान्त को उठाया है – " Kragen er ikke des hvidere, at hun tidt toer sig. " – बार बार धोने से कौआ सफेद नहीं होगा। रूसी भाषा की कहावत में भी 'कुत्ते की टेढ़ी दुम' का उदाहरण है – "कुत्ते की दुम पर कितना भी तेल मलो, वह सीधी नहीं होगी।"

यूरोपीय भाषाओं में तुलना और कल्पनाविलास के कई नमूने देखने को मिलते हैं। कठोर

वास्तविकता का वर्णन विविध प्रकार के बिंबों को संजोकर बड़ी धृष्टता के साथ किया हुआ दिखाई देता है। उनमें छिपी साहित्यिक सर्जना का परिचय मन को विभोर कर देता है। मृत्यु की सूचना भी कितनी अलंकारयुक्त भाषा में कराई है। जर्मन कहावत के अनुसार – " Grau' Haare sind Kirchhofsblumen." – सफेद बाल तो मृत्यु की कोमल कलियाँ हैं, जिनमें से धीरे धीरे मृत्यु-रूपी फल निकलेगा। जरा का सफेद ध्वज मृत्यु के सामने हमारे घुटने टेकने की निशानी है। इस लिए तो सफेद बालों की यद्यपि इज्ज़त होती है, तो भी कोई सफेद बाल नहीं चाहता। " धौले भले हैं कापड़े, धौले भले न बार। "

तुर्कियों ने मृत्यु को ऊँट की उपमा दी है - " मौत एक काला ऊँट है, जो हर दरवाज़े पर रुकता है। " ऐसा कोई घर नहीं जहाँ पर मृत्यु का साया न पड़ा हो। अमीर हो या गरीब, सबल हो या दुर्बल, विद्वान हो या अनपढ़, सयाना हो या मूर्ख, सबको एक-न-एक दिन मृत्यु के वश में जाना पड़ता है। इसलिए तो मृत्यु का फेरा हर घर में आता ही है। यही मृत्यु की अनिवार्यता उपरिनिर्दिष्ट तुर्की कहावत में ग्रथित है।

एक इतालियन कहावत ने, " Il tempo e' una lima sorda " – समय एक ऐसी रेती है, जिस की आवाज़ सुनाई नहीं देती, कहकर इस बात को सूचित किया है कि समय अपना घिसने का काम बिना पता लगाए, अहर्निश कैसे करता रहता है।

पूर्वी देशों में भी साहित्यिक मूल्य धारण करनेवाली कहावतें दिखाई देती हैं। एक चीनी कहावत ने बड़ों की पहचान की कसौटी बड़ी खूबी से सूचित की है " मीनारों की ऊँचाई उनकी परछाइयों से नापी जाती है और महान् लोगों की महत्ता उनके आलोचकों या निन्दकों से। " एक जापानी कहावत ने किसी सुंदरी के लम्बे बालों का वर्णन इस प्रकार किया है – " उसके दुश्मन उसके लम्बे बालों में उलझकर गिर जाएँ तो क्या आश्चर्य ! " अपनी महबूबा के लम्बे बालों का वर्णन एक उर्दू शेर ने अधिक प्रभावी ढंग से किया है। शायर कहता है —

उलझा है पाँव यार का ज़ुल्फे-दराज़ में। लो आज अपने दाम में सैयाद आ गया ॥

लम्बे बालों में मेरी महबूबा का पाँव उलझा हुआ है। (आजतक दूसरों को अपने घने लम्बे केशों के जाल में फँसानेवाला यह शिकारी) आज देखो, खुद उसमें फँस गया है। इस शेर को पढ़ते ही पाठकों की आँखों के सामने वह प्रदीर्घ कुन्तला नारी ज्यों की त्यों खड़ी रहती है।

व्यंग्योक्ति का यह नमूना देखिए। एक अंग्रेजी की कहावत चेतावनी देती है – "Take heed of an ox before, a horse behind, of a monk on all sides " – बैल के सामने साव-धान, घोड़े के पीछे सावधान और पादरी (धर्मप्रचारक) के चारों ओर सावधान। बैल या घोड़ा एक ही दिशा में खतरा पैदा कर सकते हैं, परंतु पादरी सभी स्थानों पर पीड़क होता है, इसलिए उससे हमेशा बचना चाहिए। हर एक भाषा ने अपने अति उत्साही कट्टर धर्मप्रचारकों का मज़ाक उड़ाया है।

स्त्री आत्मनिर्भर नहीं होती, उसे पुरुष के साये की जरूरत होती है। अतः वह परप्रकाशित होती है यह बात चंद्र से उसकी तुलना करते हुए जर्मन कहावत कहती है " Frau und Mond leuchten mit fremden licht." – स्त्री और चंद्र दूसरों के प्रकाश से चमकता है। यूरोप के विद्यमान भाषिक गुटों में जर्मन का स्थान कहावतों की दृष्टि से स्पॅनिश के बराबर है। जर्मन लोगों

का स्वभाव ही पानी का पानी, दूध का दूध कर देने का होने के कारण उनकी कहावतों में भी विचारों की स्पष्टता दिखाई देती है। अब यह कहावत देखिए "Was man Gott opfern will, muss man nicht." – भगवान को जो अर्पण करना है, उसके लिए शैतान की अनुमति लेने की क्या आवश्यता? ईश्वर और शैतान, ईसाई दर्शन की दो कल्पनाएँ हैं। अन्य एक कहावत में मनुष्य को पीड़ा देनेवाली चीज नहीं भाती यह बात एक सुंदर दृष्टान्त के साथ प्रकट की है "Dem Diebe will kein Baum gefallen, darnan er hange." जिस पेड़ पर चोर को फाँसी दी जाएगी, वह पेड़ उसे नहीं भाता।

परिहास

विनोद भी तो जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। सर्वसाधारण व्यक्ति का जीवन अनेक प्रकार की अड़चनों, कठिनाइयों तथा दुःखो से भरा हुआ रहता है। कई गंभीर प्रश्न उस की परीक्षा लेते रहते हैं। रोटी के सवाल से लेकर, अन्य पारिवारिक, व्यावसायिक सामाजिक या राजनीतिक समस्याएँ उसके मस्तिष्क को कुरेदती रहती हैं। इन चिंताओं से छुटकारा पाने की इच्छा, मुक्ति पाने की तमन्ना, हर एक के मन में रहती है। मनुष्य का जीवनविषयक तत्त्वज्ञान वास्तव में अतीव गंभीर है और उसका व्यवहार कठोर है, परंतु जिंदगी को बनाए रखने के साथ उसको सुसह्य भी बनाना आवश्यक होता है। मनुष्य की विनोदबुद्धि ही उसे गंभीर जीवन से छुटकारा प्राप्त करा देती है। अपने मज़ाकिया खयालातों से वह तफ़रीह का सामान खुद ही पैदा करता है, और खुद का और अपने इर्द गिर्द रहनेवालों का दिल बहलाता है, उनको हँसाता है जिससे कुछ समय के लिए वह अपनी तकलीफों को भूल जाता है। मनुष्य की परिभाषा ही बताती है—"Man is a laughing animal" मनुष्य हँसनेवाला प्राणी है। जीवन के भोजन में परिहास का व्यंजन न होगा, तो जीवन रुचिहीन, अतः दुःसह होगा। अब यह विनोद, साहित्य के अगोपांग में पाया जाने लगा है। पुराने साहित्य में विनोद को विशेष स्थान नहीं था, क्योंकि विनोदी साहित्य के सर्जनकारों को लोग ऊटपटांग, मसखरे समझते थे, और समाज में उनकी कोई इज्ज़त नहीं रहती थी। संत रामदासजी ने कहा है, "टवाळा आवडे विनोद" – मसखरों को विनोद भाता है। अतः पुराने ज़माने के लोगों की यह धारणा थी कि जीवन में गंभीरतापूर्वक पथप्रदर्शन करनेवालों को विनोद से परे रहना चाहिए।

यद्यपि साहित्य में विनोद को स्थान नहीं था, फिर भी बातचीत में विनोद या परिहास के ऊपर रोक नहीं थी। इसलिए मनुष्य अपनी विनोद की भूख को बोली भाषा की किस्से-कहानियों के द्वारा शांत करता रहा। जिसके परिणाम स्वरूप उसकी अर्थवाही उक्तियों में बारबार विनोद की झलक दिखाई देती है। कहावतें आघात से मार्गदर्शन करने की अपेक्षा गुदगुदियों से मनुष्य को घायल कर देती हैं, सबक सिखा सकती हैं। इन मनोरंजन करनेवाली परिहासप्रधान कहावतों के कुछ घूँट अब हम पी लें और उनका रसास्वादन प्राप्त करें।

अचानक कोई घटना घटित होती है तो हिंदी में कहा जाता है – "आई न गई, कौले लग ग्याबन हुई।" खम्भे से सटाकर खड़ी रही और गर्भवती बन गई। बिना किसी कारण के किसीके माथे पर कलंक लग जाता है, तो यह कहावत कही जाती है। किसीको बेवकूफ या उल्लू कहना है

तो सीधी तरह न कहते हुए उर्दू में कहते हैं, " आदमी हो या बेदाल के बूदम "—मनुष्य हो या बिना दाल (फारसी अक्षर 'द') के बूदम ! बूदम में से 'द' निकाल देने से बाकी रहता है बूम, जिस का मतलब हैं 'उल्लू'। शब्दों का खेल है। दूसरी एक उर्दू की कहावत में भी ऐसा ही शब्दों का खेल देखने को मिलता है। – " आदमी हो या संग ए-बे नून "– मनुष्य हो या अनुस्वार रहित संग। संग का अर्थ होता है 'पत्थर'। उसमें से अनुस्वार निकाल दिया तो बचता है, 'सग', जिस का मतलब है 'कुत्ता'। किसीको कुत्ता कहने का यह गोल गोल तरीका है।

एक गुजराती ने रास्ते में एक साधु को देखा और अभिवादन किया – " बावाजी नमोनारायण " तो साधु ने कहा " तारे घेर धामा " – तुम्हारे घर ही डेरा। साधु को ज़रा-सा मान दिया तो गले लग गया। यही अनुभव और भाषाओं की कहावतें भी दे देती हैं। मराठी स्त्री पुरोहित से कहती है, " भटजी तुम्ही लग्न करा, तर भटजी म्हणे बायको तुम्हीच व्हा " – पंडे तुम अब शादी कर लो, पंडे ने तुरंत कहा कि तुम्ही से करूँगा। तुम्ही मेरी बहू बनो। अब किसीका भला सोचने जाते हैं तो वह अपने ही गले में आ पड़ता है।

कुछ बातें इतनी बेतुकी और बेमेल होती हैं कि जिससे अपने आप परिहास की पर्याप्त सामग्री जुट जाती है। बाङ्ला की इस कहावत का कोई आगा पीछा नहीं – " आगे हलेम आमि, परे हलो मा; हासते हासते दादा हलो, बाबा हलो ना। " पहले हुआ मैं, फिर हुई मां, हँसते हँसते भाई हुआ, बाप हुआ ही नहीं। कितना असंबद्ध कथन है। एक बाङ्ला कहावत में तीन बुद्धिमान कहलानेवाले आदमियों की कथा से संकेत है। " तिन सुबुद्धिर कथा, जले जखन आगुन लागे माछ थाके कोथा ? " पानी में आग लगे, तो मछलियाँ कहा जाएंगी यह सवाल उन तीन विद्वानों में से एक को सता रहा था। दूसरे ने उत्तर दिया " भाई, चिंता क्यो करते हो, पानी में आग लग जाय तो मछलियाँ पेड़ पर चढ़ेंगी। " तिसपर तीसरे विद्वान ने कहा, " वाह भाई, मछलियाँ पेड़ पर कैसे चढ़ेंगी ? – वे बैल थोड़े ही हैं। " – अब बताइए इन तीन विद्वानों के व्यवहारज्ञान पर हँसी क्यों न आए। तीनों बातें पूर्णतः असम्भव हैं।

उड़िसा का बाघ यदि गोवध की प्रायश्चित विधि करने की बात करे तो वह " The devil quoting a holy hymn. " शैतान के मुँह में वेदमंत्रवाली बात हो गई। बिल्ली ऊर्ध्वपुंड्र लगाकर ध्यानस्थ बैठ जाए, तो वह चूहे की प्रतीक्षा में बैठी है ऐसा ही सयाने लोग समझेंगे। बकध्यान मछलियों को आकर्षित करने के लिए ही होता है। हाँ, वह बेचारा भी अपने भक्ष्य से नाता और किस तरह जोड़ सकता है ! हिंदी की कहावत कहती है, " बाघ बकरी से यारी करे, तो खाएगा क्या ?"

कन्नड़ की कहावत ने दूल्हे की तीन अवस्थाओं का वर्णन इस प्रकार किया है – " मदुवेगे मोदलु, नविलु, मदुवे निश्चयवाद मेले सिंह, मदुवेयाद मेले कुरि " – ब्याह के पहले मोर, सगाई में शेर, और ब्याह के बाद बकरी। कन्नड़ की और एक कहावत बड़े उपरोध के साथ समझाती है कि अयोग्य व्यक्ति को सम्मान मिलने से क्या अनर्थ होगा। यह विचार वह किस ढंग से कहती है देखें – " कुरुडि मदुवेयादरे मनेय गडिगेगे मूल " – अंधी की शादी हुई, मटके की शामत आई। कन्नड़ में अनगिनत विनोदी कहावतें हैं – " अष्टु कंडिरा अनंतभट्टरे," " अंदरे मुप्पिन कालक्के मूरे हेंडिरू अंदरंते " – " क्यों अनंतभट्टजी, अच्छे तो हैं। " वह बोले, " क्या करें बुढ़ापे में तीन ही पत्नियाँ हैं। " अजीब बात है, कुँवारों को (जवानों को) एक भी औरत नहीं मिल रही है और

अनंतभट्ट इस बात पर विलाप कर रहे हैं कि उनके केवल तीन ही पत्नियाँ हैं।

तेलुगु की यह व्यंग्यपूर्ण कहावत देखिए – "आस्त्य कलिगिन अन्नंभट्टु आलि प्रक्कपड्कोनि अरुणं चदिवाट्ट" – विद्वान अन्नंभट अपनी पत्नी के पास लेटकर वेदपाठ बोलने लगा। विद्वान पर कैसी पैनी चोट है। रात में पत्नी के साथ शृंगार-गीत गाने के बजाय, कुछ कामोद्दिपक बातें करने के बजाय, यह महाशय यदि वेदपठन करने लगे होंगे तो क्या अनर्थ हुआ होगा? प्रायः दूसरे दिन सवेरे उसने पत्नी का बिछाना खाली देखा होगा। वह मायके चली गई होगी। दूसरी एक तेलुगु की कहावत में पूछा गया है – "कोब्बरि चेट्टु ऍंदुकु ऍक्कावुरा अंटे?" – नारियल के पेड़ पर क्यों चढ़े हो? तो जवाब मिला – "दूड गड्डि कि अन्नट्लु" – बछड़े की घास के लिए। नारियल के पत्ते जानवरों को चारा खिलाने के काम नहीं आ सकते यह बात जिनको मालूम है, वे ही इस कहावत का मज़ा अनुभव कर सकते हैं।

तेलुगु भाषा व्यंग्यपूर्ण विनोदी कहावतों से भरपूर है। सारी की सारी कहावतें यहाँ पर उद्धृत करना असंभव है। उनमें से बहुत सारी भारतीय कहावत संग्रह के तीनों खण्डों में विविध विषयांतर्गत सम्मिलित हुई हैं। देखिए, निम्नलिखित कहावत में यजमान की भावनाओं से कैसा खिलवाड़ किया गया है। "तद्दिनानिकि भोजनानिकि पिलिस्ते रोजू मी इंट इल्लागे जरगालनि दीविंचाडट" – श्राद्ध के दिन भोजन के लिए बुलाया तो आशीष दी कि आप के घर में रोज़ ऐसा ही भोजन हो। किसीकी मृत्यु के बाद श्राद्ध दिन मनाया जाता है, तब ब्राह्मणों को मिष्टान्न का भोजन खिलाया जाता है। अब ऐसे ही अवसर बार बार आ जाएँ ऐसी इच्छा करना तो यजमान के ज़ख्मों पर नमक छिड़कना होगा। मराठी की एक कहावत में नारोबा को शुभ बोलने को कहा तो उसकी वाणी से उद्‌गार निकले – "मंडप जल जाए।"

ब्राह्मण बड़े पेट्रू होते हैं, और लोभी भी। इनके इन गुणों पर कहावतों ने काफी फबतियाँ कसी हैं। तेलुगु भाषियों की विनोदप्रियता का यह भी एक नमूना देखिए – "दंडमय्या! बापनय्या! अंटे मी तंड्रिनाटि पात बाकी इच्चि पॊम्मन्नाडट" – ब्राह्मण को अभिवादन किया तो कहने लगा मेरी बाकी दक्षिणा लाओ।

तमिऴनाडु की एक कहावत में एक मच्छर की पीठ पर फोड़ा निकलने की बात कही है और सब उसी की फिक्र में हैं – "कॊशुगिले पिळवै अदिले नीरऴिवू अरुक्किरदु ऍंगे अट्टै, विडुगिर्दु ऍंगे?" मच्छर की पीठ पर फोड़ा निकला है, और मच्छर को मधुमेह भी है, अब यह फोड़ा कैसे काटा जाए। तमिऴ की और एक कहावत में एक मज़ाकिया संवाद पढ़ने को मिलता है – "ऍरुदु ईन्र्दु ऍनराल, तोळत्तिले कट्टु ऍन्किर्दु" – एक ने कहा कि बछड़े ने जन्म दिया है, तो दूसरे ने कहा, अच्छा उसे आँगन में बाँधो। बछड़ा पुल्लिंगी है और छोटा भी, वह कैसे जन सकता है। लेकिन इस फिक्र में दूसरा आदमी नहीं रहा, उसने झट से जने हुए बच्चे को आँगन में बाँधने को कहा।

आदमी जब किसी भी प्रकार दूसरे से नाता जोड़ना चाहता है, तो उसमें से परिहास की काफी सामग्री प्रस्तुत होती है। ऐसे व्यवहार को बादरायण संबंध कहते हैं। संस्कृत का वचन आशयघन है"

"अस्माकं बदरीचक्रं युष्माकं बदरीतरुः। बादरायणसंबंधे यूयं यूयं वयं वयम्॥

मेरी गाड़ी के पहिये बेरवृक्ष के बने हुए हैं, तुम्हारे (बाग में) भी बेर का पेड़ है, अतः तुम्हारा हमारा निकट नाता होगा। इसी प्रकार खींचातान करके संबंध जोड़नेवालों की बाङ्ला कहावतों ने खूब खिल्ली उड़ाई है – " मामार जमिते बियोलोगाइ सेइ सुवादे मामातो भाई " – मामा की ज़मीन पर (किसी और आदमी की) गाय ब्याई, इस लिए वह बछड़ा मेरा ममेरा भाई हो गया। लम्बा-चौड़ा नाता जोड़नेवाली बाङ्ला की एक कहावत है – " मासीमार बकुल फुलेर बोनपो बउयेर बोनाझि – जामाई। " – ममेरी बुआ की सहेली के भतीजे की पतोहू का ममेरा दामात। यह नाता कहते कहते हमारी तो सांस निकल गई।

अतिशयोक्ति हास्यनिर्मिति का एक समर्थ साधन है। परिणामकारिता बढ़ाने के लिए किसी निवेदन में थोंड़ा नमक-मिर्च डालना पड़ता है। कहावत का घाव अचूक और प्रभावी हो जाए इस के लिए उनमें बात थोड़ी बढ़ाचढ़ा कर कह दी जाती है। अब यह बढ़ाचढ़ाना हद से बाहर हो जाता है, तो सुननेवालो में हंसी की लहर दौड़ जाती है। ऐसी अतिशयोक्तिपूर्ण कहावतें सभी भाषाओं में बड़ी रोचकता से अपना स्थान जमाकर बैठी हैं।

भोजपुरी क्षेत्र की कहावत है – " लुच्चा मारलक बटेर, नौ मन गदरी सौ मन तेल " – लुच्चे ने कहा कि उसने एक ऐसी बटेर मारी, जिसमें सौ मन तेल निकला और उस तेल में निकला सौ मन गाद। " ज़मीन और आसमाँ के कुलाबे मिलानेवालों " की उड़ान को कौन रोक सकता है ? चील लड़के को उठा ले जाए या चूहा लोहा खा जाए, उनके बाएं हाथ का खेल है। मराठी भाषियों की मुर्गी और बिल्ली क्या कह रही है सुनिए – " काय बाई तऱ्हा, कोंबडी म्हणते बिलवर भरा, मांजर म्हणते हजामत करा. " – देखो यह अनोखी रीति! मुर्गी कहे, चूड़िया चढाओ, बिल्ली कहे हजामत करो। गप्पे हाँकनेवालों के मुँह में कौन लगाम लगाए ?

गुजराती के गपोड़िए (बातुनी) इस ' इल्म ' में कम थोड़े ही हैं। – " एक पूणी पडी, तेमां बार गाम दटाई गया " – एक पूनी गिर गई और उसके नीचे बारह गाँव गाड़े गए। अब बताइए गुजरातियों की यह पूनी कितनी बड़ी होगी या वे बारह गाँव कितने सूक्ष्म होंगे। " भीखाजीना गाडाने खसखस नी ठेस लागी ने वरीआलीए माथुं फाटयुं " – क्या नजाकत है भीखाजी की गाड़ी को खसखस की ठोकर लगी और सौंफ से टकराकर उसका सिर फट गया। वाह वाह! गुजरात की नज़ाकत ने लखनऊवालों को भी मात कर दिया। एक लखनवी नव्वाब ने कहा था—

" कमर झुक गई मेरी, जुल्फों के बार से। सीना पसीना हो गया फूलों के हार से॥ "

सिर पर जो बाल हैं, उनके बोझ से मेरी कमर झुक गई है और फूलों के हार जो पहने हैं, उनसे तो पसीने से तरबतर हो गया हूँ। कैसा बयान है! इस नाज़ुकखयाली का कोई मुकाबला भी है? है, जरूर है। तमिळ की सुंदरी का प्रियकर उसके उर में है, इसलिए वह गरम खाना नहीं खाती। ऐसा न हो कि हृदयस्थ प्रियकर उस गरमी से झुलस जाए।

बंगाल के ' गप्पीराम ' के शहर में रुपये की सोलह साड़ियाँ मिलती हैं। समस्त भारत की नारियो, वहाँ शीघ्र पहुँच जाओ। असमीया ने इस अतिशयोक्ति अलंकार में चार चाँद लगा दिए हैं। " सातोटा हातीये आलचखन पातिछे, एन्दुरर गातत मेला। " – सात हाथियों की सभा चूहे के बिल में।

भारतीय भाषाओं की कहावतों में परिहास की विपुल सामग्री है, जिससे हँस हंस कर मन तरोताज़ा बन जाता है।

यूरोपीय भाषाओं में भी ऐसी व्यंग्ययुक्त कहावतों की कमी नहीं है जो दिल बहलानेवाली हैं। कई कहावतों ने बहुत गंभीर आशय हल्की-सी विनोदी शैली में प्रकट किया है। अंग्रेजी में सैकड़ों विनोदी कहावतें हैं – " A man may love his house without riding on the ridge." बिना वल्लेपर चढ़े भी आदमी अपने घर से प्रेम कर सकता है। उस प्रेम का दिखावा करने के लिए घर की छतपर चढ़कर चिल्लाने की क्या आवश्यकता है? " When the devil is dead he never lacks a chief mourner." शैतान के मरने पर अफसोस मनानेवालों की कमी नहीं है। एक अंग्रेज़ी की कहावत ने हरजाइयों के व्यवहार पर कुशलता से चोट की है। अंधेरे में क्या छिपा रहता है, कौन जानता है? बाहरी दिखावे से ही मनुष्य पहचाना जाता है। अधिक गहराई में जाने से कभी कभी किसी व्यक्ति संबंधी हमारी धारणा को धक्का लगने का डर रहता है। अज्ञान में ही आनंद है। अंग्रेज़ी की कहावत है – " If the bed could tell all it knows, it would put many to blush." – पलंग यदि उसको ज्ञात सब बातें बता दे तो बहुतों को शरमिन्दा होना पड़ेगा। इतालियन कहावत है " Ouando i furbi vanno in processione, il diavolo porta la croce. " – जब बदमाशों का जुलुस चलता है, तो शैतान क्रूस पकड़ता है। यह भी समेल जोड़ी का उदाहरण है। पोर्तुगालिओ ने अपने अपने व्यवसाय के अनुसार अपने हित में लोग कैसी दुआ माँगतें हैं, यह बताया है। " Vao a missa capateiros rogao a Deos que morrao carneiros. " – चमार जब (चर्च) में प्रार्थना के लिए जाते हैं, तब गौओं के मरने की दुवा माँगते हैं। हिंदी की " चमारों के कोसे ढोर नहीं मरते " – कहावत में चमारों को चमड़ा चाहिए, इसलिए गायों के मरने की इच्छा करते हैं, यही आशय है।

रूसी कहावत ने मूर्खों पर इस प्रकार अभिप्राय दिया है, " मूर्ख लोग बोए या रोपे नहीं जाते, वे स्वयं ही उगते हैं। " इस कहावत में मूर्खों की स्वयंनिर्मित मूर्खता का व्यंग्य से उल्लेख किया है।

डॅनिश भाषा की कहावत ने अंग्रेजी की " Fools rush in, where angels fear to tread." जहाँ जाने से फरिश्ते डरते हैं, वहाँ मूर्ख चला जाता है – कहावत का अभिप्राय ज़रा - सा तोड़ – मरोड़ कर सामने रखा है। "Galne Folk have ey Pas-Bord fornoden." मूर्खों को (कहीं भी जाने के लिए) अनुज्ञापत्र (Pass-port) की ज़रूरत नहीं होती।

स्पॅनिश भाषा, जब कि विविध विषयों की कहावतों में अगुआ है, व्यंग्योक्ति में कैसे पीछे रहेगी? विद्वानों पर व्यंग्य करते हुए कैसा तमाचा मारा है यह देखिए – " Tonto sin saber Latin nunca es gran tonto " – जब तक वह लातिन नहीं जानता वह मूर्खशिरोमणि नहीं बन सकता। दूसरी बात यह है कि मूर्ख या पंडित बनने के लिए यूरोपीय भाषाभाषियों को लातिन का पढ़ना अनिवार्य है। जो स्थान भारत में संस्कृत का है वही युरोप में लातिन का है। " Qui rien ne sait, de rien ne doute. " – जो पूर्णतः अज्ञानी है, उसके मन में कोई शंका नहीं उठती।

इन विनोदी कहावतों का शरसंधान, बिना किसी पक्षपात के, जीवन से संबंधित सभी पेशे, जाति या संप्रदाय के लोगों पर इस तरह चलता है कि मार से छूटना किसीको भी संभव नहीं है। भारत के मिथ्याडंबरी धर्म के ठेकेदारों पर कहावतों ने चोट की है, वैसी पश्चिमी भाषाओं ने भी की है, अतिपूर्वी भाषाओं ने भी की है। अंग्रेज़ी की देहाती कहावत कहती है – "If you have offended

a clergie, kill him, else never have peace with him." – पाद्री से झगड़ा हुआ हो, तो उसे मार डालो, अन्यथा तुम चैन से नहीं जी पाओगे। स्पॅनिश कहावत है – " Por las haldas del vicario sube el diablo al companario."– धर्मगुरु का चोगा पकड़कर शैतान (गिरिजा घर के) घंटा घर (bell-tower) तक पहुँचता है।

हास परिहास के रास्ते से अपने चुलबुलेपन को निखारते हुए कहावतों ने हल्की हल्की चोटें लगाकर अपना मन्तव्य सफलता से सम्मुख रखा है। व्यंग्योक्ति, अतिशयोक्ति के कई उदाहरण हम भारतीय कहावत संग्रह के द्वितीय खण्ड में दे रहे हैं।

स्त्री

" यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। " जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवताओं का वास होता है। इस वचन के द्वारा हमारी संस्कृति में स्त्री को सर्वोच्च बहुमान दिया गया है। जहाँ पर नारी का आदर होता है, उसकी ओर सहानुभूति से देखा जाता है, उसको सम्मानित करके, पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जीवन की गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है, विविध क्षेत्रों में अपनी बुद्धि तथा कार्यकुशलता से अपना दायित्व निबाहने के मार्ग स्त्री के लिए खोल दिए जाते हैं, वह समाजव्यवस्था आदर्श है ऐसा मानना चाहिए। स्त्री का पहला परिचय हमें ' माँ ' के रूप में ही होता है। जिसके गर्भ में नौ मास निवास करने के बाद, उसकी धमनियों से अन्नरस का सेवन करके हमारा पिंड बालक के रूप में विश्व का प्रकाश देखने के लिए सिद्ध होता है। जन्म पाने के पश्चात जब तक हम होश नहीं सँभालते, वही हमारा पालन करती है। भारतीय संस्कृति में माँ की अगाध महिमा कई प्रकार से गाई गई है। जननी का वह अधिकार भी है क्योंकि मातृत्व एक प्रमाणित बात मानी जाती है। " Maternity is a fact, paternity is an opinion. " – के सिद्धान्त के आधार पर मातृसत्ताक समाजपद्धति खड़ी होती है।

जीवन के मार्ग पर स्त्री के विविध रूप हमें देखने को मिलते हैं। सखि या सहचारिणी बनकर संसार के कँटीले रास्तों में वह हमारा साथ देती है, तो प्रेमिका के रूप में वह हमारा भावविश्व लबालब भर देती है। रुग्णावस्था में दाई के रूप में स्त्री का प्रसन्न व्यक्तित्व देखते ही बीमारी भाग जाती है, तो युद्ध पर जानेवाले वीर को विदाई देते समय नारी के दो शब्द उसके हौसले बढ़ाते हैं। युद्धकाल में देश के सभी वीर पुरुष युद्ध के मोर्चे पर जब अपना जौहर दिखाते हैं, तब स्त्रियाँ दफ्तर से लेकर रसोई तक सारी जिम्मेदारियाँ निबाह लेती हैं और देशवासियों का नैतिक अधिष्ठान डिगने नहीं देतीं। इन बातों का अनुभव इस सदी में प्रायः सभी देशों को हुआ है। स्त्री के ये सारे रूप इतने विलोभनीय हैं, कि यह कहना पड़ता है कि स्त्री भगवान की सर्वोत्कृष्ट कारीगरी का जीताजागता नमूना है। जिन बातों के कारण जीवन केवल सुसह्य ही नहीं, अपितु मोहक और दिलचस्प भी बनता है, उनमें स्त्री को प्रथम क्रम देना पड़ेगा।

अब स्त्री की यह जो प्रतिमा हमारे सामने खड़ी है, उसको कहावतों में समर्थन मिलता है या नहीं यह देखना भी उचित होगा। कहावतों को जनमत के प्रातिनिधिक उद्गारों के रूप में माना जाता है। सैंकड़ों वर्षों की स्त्री विषयक धारणाओं, लोगों की स्त्री की तरफ देखने की दृष्टि, घर में तथा समाज में उसके स्थान तथा स्त्री विषयक अन्य बातों पर कहावतें काफी रोशनी डाल सकती

हैं। कहावतें यदि मानव के सदियों के अनुभवों का निचोड़ हैं तो कहावतों के स्त्री विषयक कथन पर गंभीरता से विचार करना होगा। विश्वभर की कहावतों में प्रदर्शित विचारों की छानबीन करने पर ऐसा दिखाई देता है कि नब्बे प्रतिशत कहावतें स्त्री का अधिक्षेप करनेवाली, उसके प्रति अनादर और अविश्वास प्रकट करनेवाली हैं। संस्कृत ने कहीं कहीं स्त्री का आदर किया है, परंतु भारत की सभी भाषाओं की कहावतों ने स्त्री को व्यंग्य का लक्ष्य बनाया है। एकाध बार कभी किसीने भावविवश होकर स्त्री के बारे में भूले चूके कुछ अच्छा, आदरार्थी वचन कहा हो, पर उसे अपवादात्मक ही समझना चाहिए। एक तरफ हमारे साधुसंतों ने भी स्त्री को केवल मोहमयी मानकर उससे परे रहने का उपदेश पुरुषों को दिया है तो दूसरी तरफ स्त्री को भोग की सबसे अच्छी सामग्री मानकर अपनी शारीरिक भूख को मिटाने के लिए पुरुषों ने उसका उपयोग किया है। उपभोग का एक साधन इतना ही भाव स्त्री के प्रति दिखाया गया है। हमारी अल्प मति में यह तो स्त्री के प्रति बड़ा अन्याय है। बहुसंख्यांक कहावतों में तो यही देखने को मिलता है कि सारी घटिया बातें और दुर्गुण स्त्री से चिपकाए गए हैं। स्त्री के प्रति, जो कि किसी भी समाज का अविभाज्य अंग है, सारी मानवजाति का देखने का यह अनुदार दृष्टिकोण देखकर दिल पसीज जाता है। दलितों, पीड़ितों में स्त्रीजाति का समावेश अनिवार्य दिखाई देता है। किन्तु वह करुणा का लक्ष्य बन जाए यह बात स्त्री को कभी पसंद नहीं आएगी। वास्तव में समाजजीवन में कोई भी, आर्थिक विषमता के कारण हो या किसी जाति विशेष में जन्म पाने के कारण हो, वर्णभेद के कारण हो या जन्मस्थान के कारण हो, उच्च नीच माना जाए, या शोषकों के द्वारा अपमानित किया जाए, यह बात सर्वथैव अनुचित है, सुसंस्कृत समाज के लिए लांछनीय है।

कहावतों में स्त्री के बारे में क्या कुछ नहीं कहा गया है। उसकी सीमित बुद्धि पर चोटें हैं, उसके झगड़ालूपन की आलोचना है, उसके चंचल, अस्थिर स्वभाव को ग्रहीत मानकर उसपर व्यंग्य किए गए हैं। कहावतों के आधार पर यदि स्त्री का चित्र प्रस्तुत किया जाए तो वह अतीव अभद्र, विद्रूप घृणास्पद दिखाई देता है।

स्त्री की बुद्धिहीनता

पुरुष की तुलना में स्त्री बुद्धिहीन होती है ऐसा आधुनिक विज्ञानयुग में मानना कहाँ तक उचित होगा, जब कि आज महिलाएँ ज्ञानविज्ञान के सभी क्षेत्रों में अपने बुद्धिवैभव का परिचय करा दे रही हैं। लेकिन स्त्रियों की बुद्धिहीनता के विषय में बहुत सारी कहावतें उपलब्ध हैं। "औरत की सलाह पै चले वह चूतिया" क्योंकि "औरत की अक़्ल एड़ी में होती है," और उसकी सलाह मानने से विनाश होगा। संस्कृत के वचनों में भी इसी विचार का प्रभाव दिखाई देता है "अकृतं मन्यते कृत्यं अगम्यं मन्यते सुगम्। अभक्ष्यं मन्यते भक्ष्यं स्त्रीवाक्यप्रेरितो नरः॥" स्त्री की बातों से प्रेरणा प्राप्त करनेवाला मनुष्य जो करना नहीं चाहिए, वह करने योग्य समझता है। जो खाना नहीं चाहिए, वह खाने योग्य समझता है, और जहाँ जाना नहीं चाहिए वहाँ जाता है। अज्ञानी और मूढ़ स्त्री की इच्छा पर चलने से ये परिणाम निकलते हैं। दूसरे एक वचन "स्त्रीबुद्धिः प्रलयावहा।" में यह बताया गया है कि नारी की बुद्धि विनाशकारिणी होती है। स्त्री की मूर्खता पर अंग्रेज़ी की एक कहावत ने तुलना के साथ गहरी चोट लगाई है – "A pig is more stupid than a goat,

but a woman surpasses all." यहाँ स्त्री की तुलना सूअर और बकरे से की है और यह बताया है कि स्त्री सर्वाधिक मूर्ख होती है। पंजाबियों ने भी इसी सिद्धांत को दोहराया है " तिवी दी मत खुरी विच "– औरत की बुद्धि एड़ी में। दूसरी एक द्विपदी में औरत की दोस्ती की निर्भर्त्सना उसकी बुद्धिहीनता के कारण की है।

" पठ रनां दी दोस्ती, खुरी जिनां दी मत। पहेलां लांदियां यारियाँ, पिच्छों रोके देदियाँ दस ॥ "– भाड़ में जाए औरत की दोस्ती, जिनकी अक्ल गिट्टों में सारी। पहले खुद करती है प्यार, बाद में रो रो कर करती है इज़हार। ऐसी औरत के प्यार से बचके रहो। सिंधी की कहावत इससे भी बढ़ा-चढ़ा कर कहती है कि औरत की बुद्धि का स्तर एड़ी जितना है, वह भी शाम तक। कहावत इस प्रकार है – " ज़ाल जो अकुलु डाईअ खुड़ीअ में, सांझीअ खां पोइ उहो बि गुम " – औरतों की अक्ल उनकी बायीं एड़ी में होती है और सायंकाल के बाद वह भी गुम हो जाती है। मराठी की कहावत कहती है " बायकांची अक्कल चुलींत "– औरतों की अक्ल चूल्हे में। इसमें भी उनकी बड़ी निर्भर्त्सना की गई है।

ओड़िआ कहावत ने – " तिरिला बुद्धि रे महाप्रभु खंडिआ " – स्त्रीबुद्धि के कारण जगन्नाथजी अधूरे रहे कहकर एक पुराण कथा की ओर संकेत किया है। तमिळ् कहावत का यही अभिप्राय है – " ॲण्णरकृ कट्रु ॲलुत्तर् वाशित्तालुम् पेण बुद्दिपिन् पुद्दिये "– कितनी ही पढ़ी लिखी क्यों न हो, स्त्रीबुद्धि निम्न श्रेणी की ही है। पढ़ने लिखने पर स्त्री को अपना बुद्धिविषयक प्रगति का रास्ता खोल देने के लिए तामिळ् भाषी भी तैयार नहीं हैं क्योंकि वे भी स्त्रीबुद्धि का स्तर अतीव निम्न ही मानते हैं।

मलयाळम् भाषा का उपदेश यही है कि अनर्थकारी, बुद्धिहीन स्त्री की बातों में नहीं आना चाहिए। मलयाळम् कहावत है – " पेण्चोल्लु केळ्क्कुन्नवनु पेरुवळि " – स्त्री की बात सुननेवाला भीख माँगेगा।

यूरोपीय भाषाओं ने भी स्त्री की बुद्धि के प्रति अविश्वास ही प्रकट किया है। हमारी नज़रों में जो बड़े प्रगत समाज हैं, उनकी भी स्त्रियों के बारे में बड़ी ही अनुदार धारणा है। उनका भी परामर्श हम यथावकाश ले लेंगे। फ्रेंच लोगों जैसे रसीले, रंगीले, आशिक़ी में मायर लोगों ने भी स्त्रियों को बुद्धिहीन ही माना है। फ्रेंच कहावत है – " Prends le premier conseil d'une femme, et non le second. " – औरत से पहली सलाह ले लो, दूसरी मत लो। पहली सलाह कुछ सोचे बिना दी जाती है, वह औरत फुर्ती से देती है। मगर दूसरी सलाह सोच विचार करके दी जाती है, और औरत बुद्धिहीन होने के कारण सोचने की क्षमता नहीं रखती, अतः दूसरी सलाह उससे नहीं लेनी चाहिए। घुमाफिराकर वही विचार प्रकट हुआ है। स्त्री की बुद्धिहीनता, बुद्धूपन के बारे में सारी दुनियाभर की कहावतों का एक ही विचार दिखाई देता है।

स्त्रियों का झगड़ालू स्वभाव

यह एक सार्वत्रिक धारणा है कि महिलाएँ स्वभावतः झगड़ालू होती हैं। इसलिए बहुत–सी कहावतों में उन्हें कर्कशा, राक्षसी इत्यादि उपाधियों से भूषित किया है। बहुत सारी भाषाओं की कहावतों में यह अनुभव ग्रथित किया हुआ है। पुरुष एकत्रित रह सकते हैं, औरतें नहीं – इस सिद्धांत

का आधार औरतों की लड़ाई – झगड़े करने की आदतों में पाया जाता है। इस सिद्धांत को प्रकट करने के लिए जो उपमाएँ और दृष्टांत प्रयुक्त हुए हैं, वे साहित्यिक अभिरुचि की दृष्टि से भी मनभावन हैं।

पंजाबी का वचन देखिए " इक बेहे तां धरति कंबे, दो बेहण आसमान; तीन बेहण तां परले आ जाय, कह गए चतुर सुजाण। "– एक स्त्री से धरती काँपती है, दो हों तो आसमान हिल उठता है और तीन औरतें इकट्ठा हुईं तो प्रलय हो जाता है, ऐसा चतुर और ज्ञानी लोगों का कहना है। गुजरातियों का अनुभव इससे निराला नहीं है। गुजरात में मर्दों ने किसी झगड़े का प्रारंभ किया-हो तो औरतें आगे बढ़कर, मर्दों को पीछे हटाकर, झगड़ा निपट लेती हैं। उनके इकट्ठा आने से वायुमंडल काँप उठता है– " चार मळे चोट्ला तो वाळी ऊठे ओटला " - चार वेणियाँ (औरतें) इकट्ठा होती हैं, तो सारे घर, मुहल्ले को उथल–पुथल कर देती हैं। गाँववाले अपना अनुभव कहकर इसी बात पर मुहर लगा देते हैं, " एक रंडा, बे रंडा, त्रण रंडा तोडे ब्रह्मांडा "– तीन औरतें मिलती हैं, तो ब्रह्मांड तोड़ देती हैं। बंगवासी अपनी बाङ्ला भाषा की कहावत में कहते हैं– " तिन मेये येथा, काजीर दरबार सेथा। " – तीन औरतें जहाँ जुटें, वहाँ क़ाज़ी का दरबार लगाना पड़ेगा, क्योंकि झगड़ाफसाद अवश्य होगा। औरतों की एकत्रित शक्ति का व्यंग्यपूर्ण परिचय कराते कराते बाङ्ला कहावत कहती है– " सात कुँदुली नड़े-चड़े, धुर्कांडे भ'रे बातास करे। " – सात लड़ाका औरतें जब झगड़ा करती हैं, तब तूफान उठता है, चारों ओर से ज़ोरों से हवा बहती है।

संस्कृत वचन के अनुसार " प्रायः स्त्रियो भवन्तीह निसर्ग विभ्रमाः शठाः। " औरतें निसर्गतः शठ होती हैं। तब तो आगेवाली बातें शठप्रकृति के स्वाभाविक परिणाम हैं। तेलुगु की कहावत है " मुग्गुरु आडवारु कूडिते, पट्टपगले चुक्कलु पोडुस्तायि " – तीन स्त्रियों का जमघट हो तो दिन दहाड़े सितारे चमकते हैं। तीनों महिलाओं की वाग्वैजयन्ती को जब बाढ़ आती होगी, तो तीनों चुनचुनकर शब्दों की बौछार करती होंगी और सुननेवालों की आँखों के सामने ज़रूर तारे चमकते होंगे। तेलुगु की दूसरी कहावत ने इसी संदर्भ में पुरुषों और औरतों में होनेवाले अंतर का उल्लेख किया है। – " मुन्नुरु शिखलैना कूड वच्चुनुगानि, मूडु कोप्पुलु कूडवु " – तीन सौ चोटियाँ (पुरुष) इकट्ठा आ सकती हैं, किन्तु तीन वेणियाँ (औरतें) नहीं आ सकतीं। अब देखिए इस सत्य को प्रकट करने के लिए मलयाळम् ने पुरुष और स्त्री के अवयवों को प्रतिनिधि के रूप में दृष्टान्त में लगाया है। मलयाळम् कहावत है– " नालु तल चेरुं; नालु मुल चेरुकयिल्ल " – चार सिर मिल सकते हैं, पर चार कुच (स्तन) इकट्ठा नहीं मिल सकते, रहना तो दूर की बात है। अंग्रेज़ों का भी यह ही अनुभव है, इसलिए वे कहते हैं – " Two women placed to-gether, make cold weather. " औरतें अगर इतनी झगड़ालू हैं, तो उनको काबू में रखने के लिए भी इलाज करने होंगे। एक बार इस धारणा से सहमत होने पर उनको काबू में रखने के लिए आदमी कठोर इलाज करता है और कहता है, " औरत और घोड़ा रान तले ही अच्छा। " जंघा में कसकर रखने से घोड़ा काबू में रहता है, और औरत भी। हम ऐसी आशा करते हैं कि पाठक इसका विपरीत अर्थ न ग्रहण करें। जिनको पीटकर वश में रखना चाहिए ऐसे ताड़न के अधिकारियों में तुलसीदासजी ने स्त्री को रखा है, और उनके इस कथन की काफी आलोचना भी हुई है। उनका वह वचन है– " ढोल गँवार शूद्र पशु नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी। " गुजराती की कहावत है

" ऊसे जवार बाजरी, मुसे नार पाधरी " – फटकने से जवार बाजरी ठीक हो जाती है और मूसल से (पीटने से) औरत सीधी रहती है।

अंग्रेज़ी में कहावत है, " A spaniel, a woman and a walnut tree; more they are beaten, better they be " – कुत्ता और अखरोट के पेड़ के साथ स्त्री को भी जितना अधिक मारापीटा जाता है, वह उतनी ही अधिक सीधी बनती है।

चंचल स्त्री

वास्तव में एकनिष्ठता, पतिपरायणता भारतीय नारी के विशेष गुण माने जाते हैं। परंतु स्त्री विषयक कहावतें पढ़ने से निष्कर्ष कुछ अलग-सा ही निकलता है। नारी की चंचल मनोवृत्ति और अविश्वासार्हता ही प्रमुखता से दग्गोचर होती है। शेक्सपीयर ने अपने नाटक में एक विशेष संदर्भ में एक वैश्विक कथन कहा है – " Frailty ! Thy name is woman. " – चंचलता ! तेरा नाम ही स्त्री है। और आज विश्वभर में यह कथन अत्यधिक मात्रा में प्रचलित हुआ है। हिन्दी का वचन है, " छोटी मोटी कामनी, सब ही बिस की बेल; बैरी मारे दाँव से, यह मारे हँस खेल ! " नारी छोटी हो, या मोटी हो, सभी बड़ी ज़हरीली होती हैं। दुश्मन सीधी तरह दाँव करके मारेगा, पर यह अपने साथ हंसेगी और खिलवाड़ करते करते मार डालेगी। ऐसी औरतों को भाँपना बड़ा कठिन काम है। उनके मन में क्या है, इसका पता तक नहीं चलता। संस्कृत में वचन है " स्त्रियश्चरित्रं पुरुषस्य भाग्यं, देवो न जानाति कुतो मनुष्यः। " – स्त्री के चारित्र्य और पुरुष के भाग्य के बारे में भगवान भी कुछ कह नहीं सकते तो आदमी क्या कह सकता है ?

हिन्दी ने स्त्री के प्रति अविश्वास प्रकट करते हुए कहा है – " आज हमारी कल तुम्हारी, देखो लोगो फेराफेरी। " जो नारी आज हमारी है, वह कल तुम्हारी होगी, यह हेराफेरी चलती रहेगी। यही आशय एक फ्रेंच कहावत में भी सम्मिलित है – " Varium et mutabile est femina. " हिन्दी ने स्त्रियों की चरित्रहीनता पर और एक वाग्बाण चलाया है – " तिरिया चरित न जाने कोय, खसम मार के सत्ती होय। " – खुद ही पति को मार डालेगी और बाद में उसके साथ अग्निदाह कर लेगी। ऐसी स्त्री का चरित्र, स्वभाव या मन का भाव ताड़ना केवल असम्भव है। भोजपुरी क्षेत्र की कहावत ने स्त्री के प्रति जो अविश्वास दिखाया जाता है, उसी को दोहराया है। " अकेलवा गइल मैदान फिरे, लोग कहिल कि हेराय गेले। " – कोई स्त्री बाहर शौच फिरने गई, तो लोगों ने समझा भाग गई। स्त्री के विषय में मन में इतनी आशंका, ऐसा संदेह !

नारी के मन की अस्थिरता का वर्णन पंजाबी दोहे में इस प्रकार आता है – " रन्ना चंचलहारीआँ, चंचल कम्म करें। दिने डरन परछविआँ, राती नदी तरे॥ " – चंचल चित्त की नारियाँ, चंचल काम करें; दिन में परछाई से डरें और रात में नदी पार कर (अपने पिया के पास) जाएँ। बाङ्ला कहावत चेतावनी देती है, " नदी, नारी, शृंगधारी–एइ तिने ना बिश्वास करी। " – नदी, स्त्री और बैल का विश्वास न करो कहने के साथ बंगालियों ने स्त्री को बैल और नदी की पंक्ति में बिठा दिया है। तीनों इतने चंचल हैं कि किस समय क्या कर बैठेंगे, इसका कुछ अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

उपदेशक डाक ने चंचल, छिनाल स्त्री के लक्षण इस प्रकार बताए हैं – " नियड़ पोखरी दूर के

याय (जाय), याते (जाते) बेळे गीत गाय। पथिकरे चाहे आड़ दृष्टि, डाक बोले सेइ से नष्टि॥ " जो औरत पास का तालाब छोड़कर पानी लाने के लिए दूर जाएगी, जाते जाते गीत गुनगुनाएगी रास्ते में किसी पथिक की तरफ तिरछी नज़र से देखेगी, ऐसी नारी को छिनाल समझना चाहिए। मज़े की बात यह है कि यदि पुरुष ये ही सब बातें करे तो उसे रसीला, रंगीला कहेंगे और नारी को निर्भर्त्सना का शिकार बनाएँगे। यह दोहरा मापदण्ड सब जगह दिखाई देता है।

कन्नड़ ने ज़ाहिर किया है कि "हादरगित्तिग कालु हासिगेय मेले निल्लदु" – चंचल स्त्री का पाँव अपने बिस्तर पर नहीं ठहरता। इस प्रकार प्रायः सभी भारतीय भाषाओं ने यह अभिप्राय व्यक्त किया है कि नारी बड़ी चंचल होने के कारण उसपर भरोसा नहीं किया जा सकता।

अंग्रेज़ी तथा यूरोप की अन्य भाषाओं ने भी स्त्री को इसी प्रकार फटकारा है। जीवन में आनंद पैदा करनेवाली, परमोच्च ऐहिक और पारलौकिक सुख के द्वार खोल देनेवाली नारी इनकी दृष्टि में बिल्कुल विश्वास करने योग्य नहीं है। अंग्रेज़ी की कहावत है – " A whistling woman and a crowing hen,neither fit for God, nor for men. " स्त्री की तुलना हवा, और भाग्य की चंचलता तथा अनिश्चितता से करते हुए अंग्रेज़ कहते हैं – " Women, wind and fortune are ever changing. " स्त्री, हवा और भाग्य हमेशा बदलते रहते हैं। जर्मन कहावत के अनुसार " Weiber sind veranderlich wie April wetter. " – नारियाँ अप्रैल की हवा की तरह चंचल या धोखा देनेवाली होती हैं। पोर्तुगाली स्त्रियों का ज़रा भी विश्वास करना नहीं चाहते। उन्हें कोई भी स्त्री विश्वास रखने योग्य नहीं लगती। पोर्तुगाली कहावत है – " Da mal molher te guarda e da ba boa nao fies nada. " बुरी औरत से बचके रहें और अच्छी औरत का विश्वास न करें। डॅनिश भाषा ने भी ठीक यही उपदेश किया है। इसका मतलब यह है कि स्त्री अच्छी हो या बुरी, वह विश्वासपात्र नहीं हो सकती। चारों ओर लोग इसी मध्ययुगीन कल्पना से चिपके हुए देखकर मन दुःखी हो जाता है। स्पॅनिश कहावत का सार यही है – " El melon y la muger malos son de conocer. " – स्त्री और खरबूजे को (ऊपर से) पहचानना मुश्किल है। डचों ने भी स्त्री पर सख्त निगरानी रखने की आवश्यकता का प्रतिपादन किया है। डच कहावत है — " Wapenen, vrouwen, en boeken behoeven dagelijk sche behandeling. "– हथियारों, औरतों और किताबों पर हर रोज़ नज़र रखनी चाहिए। उनके अच्छे रहने के लिए नित्य प्रतिदिन ध्यान देना आवश्यक है। हतियार और किताबें खराब होने का डर होता है, यह बात समझ में आती है। लेकिन औरत भी उसी श्रेणी में ?

इतालियन लोगों के कथनानुसार औरत बड़ी ही ढोंगी होती है।" Donna si lagna donna si duole, donna. s'ammala quando la vuole. " – अर्थात स्त्री इतनी ढोंगी होती है कि जब उसकी इच्छा होती है स्त्री को दुःख होता है, दर्द होता है, और जब वह चाहती है बीमार भी हो जाती है। इस प्रकार वह चाहे जिस समय अपना रंग बदल सकती है। अपना काम निकालने के लिए वह बहुरूपी बनकर पुरुषों को आसानी से ठगाती है।

दुर्गुणों की खान

ऐसा दिखाई देता है कि औरत को हमने सब दुर्गुणों की खान माना है। " औरत के नाक न

होती तो वह गू खाती। " कटने के लिए नाक न होती तो वह पूरी बेशरम बनकर चाहे जहाँ भटकती और व्यभिचार करती। " तिरिया चलितर और चोर की घाट। पाई पड़े न कह गए नाथ। " संत कह गए हैं कि नारी का चरित्र और चोर की चालाकी की थाह नहीं मिलती। संस्कृत ने नारी को सर्वस्व हरण करनेवाली राक्षसी कहा है।

" दर्शनात् हरते चित्तं, स्पर्शनात् हरते बलम्। संभोगात् हरते वीर्यं, नारी प्रत्यक्ष राक्षसी ॥ "

दर्शनमात्र से नारी चित्त का हरण करती है, स्पर्श से बल का हरण करती है, संभोग के समय वीर्य हरण करनेवाली यह नारी साक्षात् राक्षसी है।

बाङ्ला की कहावत बेटी की बड़ी अवहेला करती है। – ' मेयेछेले कादार डेला, धपास करे जले पे.ला। " – बिटिया संतान मिट्टी की ढेली, झट से पोखरी में डाल दो। घर में बेटी पैदा होने पर अनेकों को दुःख होता है, यह बात आज भी सच है। स्त्री की ओर से कोई पाप हो भी गया तो उसके लिए कोई प्रायश्चित्त भी नहीं है। वह हमेशा के लिए कलंकिनी बनकर रहेगी। बाङ्ला की कहावत में यही भाव है–" यतइ करो शिबसाधना, नाम कलंकिनी जाबेना। " – चाहे जितनी शिवसाधना करो, स्त्री का कलंकिनी नाम नहीं जाएगा। यह कैसा जुल्म है! नारी को प्रायश्चित्त का अवसर ही प्राप्त नहीं है। वास्तव में पश्चात्ताप करने पर मन धुल जाता है, साफ होता है। किन्तु कलंक नहीं मिटता। पुरुष केवल पुरुष है इसलिए हमेशा सदैव पवित्र और कुलीन माना जाता है।

उर्दूवालों की कहावत में कातिल औरत के मर्द को मारने के कैसे हथकंडे होते हैं उनका वर्णन है – " आन से मारे, तान से मारे, फिर भी न मरे, तो रान से मारे। " – नैनों से मारेगी, गाने से मारेगी, फिर भी न मरे तो जंघा से मारेगी। मतलब है आखिर स्त्री शरीर के अंग दिखाकर पुरुष को वश में कर लेगी। यह वर्णन घरेलू औरत का नहीं दिखाई देता, यह तो बाज़ारू औरत की तरकीबें हैं।

स्त्री के बारे में पुरुष के मन में कितनी तुच्छता का भाव रहता है उसके दो तीन उदाहरण काफी होंगे। पंजाबी की कहावत है – " मझ्झी दा मूतरना ते तीवीं दा रोणा इक बराबर। " – भैंस का पेशाब और औरत के आँसू एक बराबर। नारी के आँसुओं की हम यह इज्ज़त करते हैं, उनको भैंस के मूत्र से तुच्छ मानते हैं। तीस वर्ष पूर्व हमारी लिखी हुई एक गीतपंक्ति की हमें आज तीव्रता से याद आ रही है – " आर्यनारी के अश्रुबिंदु में प्रलयकाल की आग छिपी। फूट पड़ी थी विप्लव लेकर हिला आसमाँ, धरती तपी। " उन्हीं आँसुओं की अवहेला कहावतों में देखने को मिल रही है। शायद ये वे आँसू हैं, जो क़यामत की ताक़त नहीं रखते। एक शायर ने अपने बयान में आँसू के बारे में लिखा है—

" एक ही आँसू हो, मगर हो जाने हयात, उससे क्या हासिल, अगर लाख दरिया बह चले। "

अंग्रेज़ी भाषा की एक कहावत नारी का क्या मूल्यांकन करती है यह भी देखने की बात है। " He that has lost a wife and six pence, has lost six pence. " किसी व्यक्ति ने उसकी बीवी और छः आने गँवाए, तो उसको केवल छः आने का घाटा हुआ। इसका मतलब यह हुआ कि औरत की कोई कीमत ही नहीं।

हमने अब तक के विवेचन में ऐसी कहावतों का परामर्श लिया जिनमें औरतों को सभी प्रकार से नीचा दिखाया गया है। यह तो साधारण औरतों के विषय में रहा किन्तु औरत अगर विधवा

या बाँझ हो, तो उसके अपमान की सीमा नहीं। पहली बात यह है कि विधवा या बाँझ को हमारे देश में असगुनी मानते हैं। आम तौर पर यह धारणा पाई जाती है कि प्रातः ही यदि उनके दर्शन होते हैं, तो सारा दिन बिगड़ जाता है। विधवा तो सारे स्त्रीसुलभ साजोशृंगार से दूर रहकर जीवन-यापन करती है। अपनी सारी कामनाओं को वह पति की चिता में ही मानो जला देती है और वह बेचारी किसी की आश्रित बनकर रहती है और सारे गाँववालों की टीका-टिप्पणी या मज़ाक का लक्ष्य बन जाती है। वे आभूषण आदि पहन नहीं सकतीं और व्रतस्थ रहती हैं। मगर एक कहावत के अनुसार "ट्रूम बिना बैयर है ऐसी, बिन पानी के खेती जैसी।" आभूषण के बिना स्त्री पानी बिना खेत जैसी लगती है। कम से कम भारतीय समाज–व्यवस्था में विधवा उपहास का साधन बनी हुई दिखाई देती है।

अपत्यहीन स्त्री को भी लोगों के ताने सहने पड़ते हैं। बाँझ प्रसूतिपीड़ा नहीं जानती, इसलिए क्या उसके और कोई दुःख ही नहीं होते। उसकी ओर कोई सहानुभूति से नहीं देखता। "बाँझ बजौटी, शैतान की लँगोटी।" – कहकर उसे अपमानित किया जाता है। विशेषतः महिलाओं के जमघट में उसकी खिल्ली उड़ाई जाती है। ओड़िआ की कहावत है – "बाँझ माइपर कि पाइटि, हळदि काठुआ काजळपाति।" – बाँझ स्त्री के पास क्या संपत्ति होगी ? – हल्दी की गाँठ, काजल की डिबिया, बस्स! जैसे कि उसके कोई संतान नहीं है, इसलिए उसकी कोई आवश्यकताएँ भी नहीं हैं। ओड़िआ भाषा ने बाँझ को 'कुळबुड़ेई' कहा है। यह कुलनाशक वहाँ उपहास का लक्ष्य बनी हुई है।

स्त्री के बारे में जो थोड़ी अच्छी कहावतें हैं, जो स्त्री का गौरव करती हैं, उनमें से चंद कहावतों का उल्लेख इस नारीपुराण में आवश्यक है ऐसा हम मानते हैं। स्त्रियों में केवल अवगुण ही होते हैं, ऐसा माननेवालों में से हम नहीं हैं। लज्जा और ममता की पुतली नारी हमेशा मोहक ही रही है। पुरुषों ने लज्जा, शरम वगैरह स्त्रियों को सौंप दिया ताकि वे स्वयं उससे मुक्त रह सकें। तमिळ की कहावत है "अडक्कैमे पेण्णुक्कु अळकु" – लज्जा स्त्री का आभूषण है। यह भाव सभी भाषाओं की कहावतों में प्रकट हुआ है। पतिपरायणता नारी का दूसरा अलौकिक गुण है। कैसे कैसे पतियों के साथ उन्हें निभाना पड़ता है, पर वे उफ तक नहीं करतीं। मर्द की डाँटडपट, मारपीट सब सहकर फिर उसके चरण छू लेती हैं। यह सब देखकर तो नारी सहनशीलता की मूर्ति लगती है। पंजाबी की कहावत है – "मियाँ जुतियाँ मारे ते बीबी पड़ दारूद शुकारे।" पति जूतियाँ मारे और पत्नी (उसके लिए) दुआएँ माँगे यह दृश्य भारत के गाँव गाँव में दिखाई देता है। सब भारतीय मर्द चाहते हैं कि औरतें सीता और सावित्री बनके रहें, पर खुद राम का उत्तरदायित्व निबाहने के लिए वे तैयार नहीं हैं। पतिनिधन के बाद लाखों महिलाएँ सती हुई हैं, उसकी चिता में जलकर खाक हुई हैं, परंतु अब तक किसी भी माँ के सपूत ने पत्नी की मृत्यु के बाद उसकी चिता में खुद को नहीं जलाया है, कोई पुरुष अब तक सती नहीं हुआ है। बेचारी स्त्री पति की सब ज्यादतियाँ सकौतुक सह लेती है और अपने को धन्य समझती है। एक सुंदर दृष्टान्त देखिए—

"तुमको हमसी अनेक हैं, हमको तुमसा एक। रवि को कँवल अनेक हैं, कँवलन को रवि एक।"

"ओ नार सुलखणी, जिस पहले जाई लछमी" – वह नार सुलक्षणी है, जिसने बेटी को जनम

दिया हो। इसमें जच्चा स्त्री को सुलक्षणा और बेटी को लक्ष्मी कहा है।

गुजराती ने अच्छी स्त्री को सुख का सागर माना है और बुरी स्त्री को नागफणी का काँटा माना है, जो गृहस्थी में बार बार चुभता रहेगा। बंगाली कहावत के अनुसार – "पुरुषेर बल टाका, नारीर बल शाँखा।" पुरुष का बल रुपया और नारी का बल सुहाग की चूड़ियाँ (सौभाग्य-कंकण)। नारी का, स्त्री का गौरव करनेवाली बाङ्ला कहावत कहती है – "मेयेरे के छोटो कय ? जार पेटे छाओ हय !" – लड़की को कौन तुच्छ माने, जिसके पेट में बच्चा होता है। इसका मतलब है जो माँ बनने की क्षमता रखती है, जो नवनिर्माण का साधन है, वह बुरी कैसे हो सकती है। परंतु एक अंग्रेज़ी कहावत में लड़कियों को सराहा है, और पत्नियां को कोसा है। – ' All are good lasses, but whence come the bad wives."

हमारे समाज में स्त्रीदाक्षिण्य विशेष है, इसलिए स्त्री की इच्छा आसानी से पूरी होती है। यह विचार व्यक्त करनेवाली पंजाबी की कहावत देखिए –

" ज़नानी मंगे पेंढे, उस नूं देणेवाले बथेरे। मर्द मँगे आटा, उस नूं आटीआं वी काटा ॥ "

स्त्री पेड़े माँगती है तो देनेवाले बहुत होते हैं। पुरुष आटा भी माँगता है तो कोई नहीं देता।

स्त्री की आंतरिक शक्ति के विषय में अंग्रेज़ी कहावत है – " One hair of a woman draws more than a team of oxen. " स्त्री का एक बाल बैलों के झुंड से भी अधिक (ज़ोर से) खींचता है।

इस प्रबंध में हमने स्त्री के संबंध में प्रचलित चंद कहावतों का परिशीलन किया है। विश्वभर की कहावतों का अध्ययन करके उसके अधार पर यह देखना अतीव रंजक सिद्ध होगा कि विविध कालखंडों में स्त्री का सामाजिक स्थान क्या था। इस विषय के संबंध में और कुछ वचन और कहावतें हमने ' भारतीय कहावत संग्रह ' के द्वितीय खंड में दी हैं।

जातिव्यवस्था

भारतीय कुटुम्बपद्धति जिस प्रकार अपना एक विशेष स्थान रखती है, उसी प्रकार जातिव्यवस्था भी भारतीय समाजव्यवस्था का एक अविभाज्य अंग है। भारतीय समाज में, विशेषतः हिन्दू समाज में प्राचीन काल से जातिव्यवस्था चली आ रही है। किसी एक कालखंड में वह व्यवस्था गुणकर्म विभागशः होने के कारण, समाज धारणा के लिए आवश्यक और उपयुक्त समझी गई हो, परंतु वर्तमान काल में मनुष्य की जाति उसके जन्म से पहचानी जाती है, चाहे उसका व्यवसाय कुछ भी हो। समाज की भावात्मक एकता की दृष्टि से हमारी जातिव्यवस्था आज शाप बन गई है। विशाल सामाजिक तथा राष्ट्रीय हित के लिए अपनी जन्मजात जातीय भावना से ऊपर उठकर हम सब एक हैं ऐसा अनुभव करा लेने में जातिव्यवस्था बाधक बन गई है।

हमें किस जाति या परिवार में जन्म लेना है, यह तो हमारी इच्छा पर निर्भर नहीं रहता। आज के विज्ञान-युग में भी जन्म और मृत्यु सर्वथा दैव अथवा ईश्वर के हाथों में है। ऐसा जब है तब एकाध व्यक्ति ने किसी एक जाति विशेष में जन्म पाया, इसलिए उसको उच्च या नीच मानना कहाँ तक उचित होगा ? हमारे सारे व्यवहार में यह जाति का विचार इतनी सहजता से आता है कि वह हमारे समाज-जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है, छुड़ाए नहीं छूटता। इससे हमारा समाज-

जीवन आज अस्ताव्यस्त, ध्वस्त, दिखाई देता है। दुर्भाग्य से ग्रामस्तर से ऊपर तक हमारी राजनीति भी जातीयता या प्रान्तीयता का आधार लेकर चलती है। इस जातिव्यवस्था को तोड़ने के सारे प्रयास विफल हुए हैं। ओड़िआ की कहावत ठीक ही कहती है –" जाति आगरे हाती चालिपारे नाही।" जाति के सामने हाथी की भी एक नहीं चलती।

जाति जाति में बँटे हुए ऐसे समाज में एक दूसरे के प्रति अविश्वास, अप्रीति, मत्सर, ईर्ष्या न रहे तो आश्चर्य। रोज की बोली भाषा में इन सब भावों के प्रतिबिंब दिखाई देते हैं। एक जाति दूसरी जाति की निन्दा करने के लिए, ताने देने के लिए बहुत सारी कहावतें प्रयोग में लाती है। उन कहावतों से उस जाति के गुण-अवगुण स्पष्ट हो जाते हैं। अलबत्ता उनमें अतिशयोक्तिपूर्ण कथन अधिक होते हैं। व्यंग्य बरपाने के लिए बात थोड़ी बढ़ा-चढाकर कहने की आवश्यकता होती है।

यहाँ पर जाति के साथ बहुत से प्रसंगों में व्यवसाय भी सम्मिलित रहता है। कर्मों के आधार पर बनी हुई जातिव्यवस्था का यह अपरिहार्य परिणाम है। इसलिए आलोचना दोनों (caste and profession) की होती है। अनुभव के आधार पर जो निचोड़ निकलता है, वह उस पेशे में जो विशेषता होती है, उसका परिशीलन करने से निकलता है। जैसे सुनार एक पेशा है, पर पीढ़ी दर पीढ़ी यही उद्योग करनेवालों की जाति बन गई। इस पेशे की ओर संकेत करते हुए जो उक्तियाँ कही गईं, वे समस्त जातिबान्धवों को लागू हो गईं, चाहे वे नाम के ही सोनी रहे हों। " सुनार माँ की नथ से भी सोना चुराएगा।" सुनार के पास गहने गढ़ने आते हैं, उनमें से वह थोड़ा सा सोना अवश्य चुराएगा ऐसा अनुभव एक, दो नहीं तो सैंकडों लोग जब करते हैं तब यह बात उस पेशे के साथ चिपक गई। हर एक भाषा में यह अनुभव ग्रथित हुआ दिखाई देता है। मराठी की कहावत है –" आटता वाल, पिटता वाल, वाल वाल निसंतान " – सुनार सोना पिघलाएगा तो उसमें से एक वाल सोना निकाल लेगा, गहना बनाने के लिए ठोकपीट करेगा तो और एक वाल सोना निकाल लेगा। इस प्रकार गहना बनाने की पूरी क्रिया में सारा सोना हजम कर लेगा। यह तो उस पेशे पर ऐसा व्यंग्य किया गया है कि सुनार बड़ी मुश्किल से उससे अपने को सम्हल सकेगा। दरजी, मणियारी, भटियारा, कलाल, लुहार, कुम्हार लक्कड़हारा आदि सब पेशों पर कसके चोटें लगाई गई हैं।

प्रमुखतः समाज चार वर्णों में बँटा हुआ है : ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र। इन सबकी खिल्ली उड़ानेवाली कहावतें मौजूद हैं। हर एक प्रादेशिक बोली में इनके लिए भिन्न भिन्न संज्ञाएँ हैं, किन्तु आशय प्रायः वही होता है। विशेषतः उच्च वर्णियों का मज़ाक उडानेवाली और नीच जातियों का अधिक्षेप, निर्भर्त्सना करनेवाली कहावतें सब भाषाओं में प्रचुर मात्रा में मिलती हैं। एकाध स्तुति पर कहावत मिलती है। वह शायद उसी जाति के लोगों द्वारा बनाई गई होगी। " ब्राह्मण झाला ज़री भ्रष्ट, तरी तो तिन्ही लोकी श्रेष्ठ।" – ब्राह्मण भ्रष्ट भी हुआ तो भी वह दुनिया में श्रेष्ठ ही रहेगा। क्योंकि उसने केवल ब्राह्मण जाति में जन्म पाया है। अब यह बात ब्राह्मण ने ही कही होगी। अन्य कोई थोड़े ही दूसरे की प्रशंसा करेगा और इस प्रकार पतित ब्राह्मण को भी श्रेष्ठ मानेगा?

ब्राह्मणों का भोजनप्रेम सर्वमान्य है। वास्तव में ब्राह्मणों को विद्या-ज्ञान संपादन करके धर्मकृत्यों के साथ विद्यादान का महान कार्य करते रहना चाहिए। आज वैसा कोई संकेत नहीं रहा है, उन्होंने कारखानदारी, व्यापार, खेती आदि भिन्न भिन्न व्यवसायों के सभी अंगों में अपना हाथ बँटाया।

है, तब भी उनकी जन्मजात जाति के साथ जो गुणावगुण आए हैं, वे बने रहे हैं। यह सर्वसाधारण मान्यता है कि ब्राह्मण बड़ा पेटू होता है। "बामण का पेट मदार" – ब्राह्मण का पेट कूएँ जैसा होता है, कितना भी उसमें खाना डालो, पेट भरता ही नहीं। "आए कनागत फूला काँस बामन उछले नौ नौ बाँस।"– पितृपक्ष आ गया। श्राद्ध के दिनों में ब्राह्मणों की बन आती है। खाने पीने के दिन आए, अब रोज मिष्टान्न मिलेंगे यह सोचकर ब्राह्मण खुशी के मारे झूमता है।

कलियुग के ब्राह्मण के बारे में बाङ्ला भाषा कहती है, "कलिर बामुन ढोंड़ा साप, जे ना मारे तार पाप।" – कलजुग में ब्राह्मण साँप जैसा होता है, उसको अगर नहीं मारा तो पाप लगेगा। वही बाङ्ला भाषा ब्राह्मण की भोजनप्रियता का वर्णन इस प्रकार करती है –"बामुनेर मड़ा जले भासे, फलालेर नामे उठे बसे।" – ब्राह्मण का शव यदि पानी में डूबता हो, और उसे यदि खाने की बात सुनाई दे, तो वह झट ऊठ बैठेगा।

ब्राह्मण दान लेना जानता है, पर देने में बड़ा कंजूस होता है। नौकरों से खूब डटकर काम करा लेता है, लेकिन पैसे बहुत कम देता है। मराठी की कहावत है –"भटाची चाकरी नि शिळया भाकरी" ब्राह्मण की नौकरी में बासी रोटी ही मिलेगी। इसी प्रकार ओड़िआ की कहावत अपनी विशेष देहाती शैली में चुनौती देती है "आठ हगा षोळ मूता, तेबे करिबु ब्राह्मणर बुत्ता।"– आठ बार टट्टी करो और सोलह बार पेशाब करो, तब जाकर ब्राह्मण की नौकरी करो। ब्राह्मण कठोरता से काम करा लेगा। काम की धौंस में टट्टी मूतना बार बार उतर आएगा। तमिऴ का अभिप्राय है कि ब्राह्मण विश्वास रखने योग्य नहीं होता – "पत्तु विदत्तिलुम परॆयनै नंबलाम् पार् पानै नंबक्कडादु" दस विषयों में हरिजन का विश्वास करो, पर ब्राह्मण का कभी विश्वास न करो।

दक्षिण में शैवों और वैष्णवों में काफी मनमुटाव है। उन्होंने एक दूसरे की हँसी उड़ाने में, आलोचना करने में अपने अपने प्रतिभाविलास का काफी परिचय दिया है। दक्षिण की तीनों प्रमुख भाषाओं में शैवों और वैष्णवों का यह वाग्द्वंद्व दिखाई देता है। मलयाळम् में इन दोनों संप्रदायों की लड़ाई नहीं दिखाई देती।

निम्नलिखित तेलुगु कहावत से वैष्णवों और शैवों के बीच में जो द्वेष है, उसका परिचय मिलेगा, "ओक लिंगडु चच्चिना चच्चिनट्ले बागा नमलि म्रिंगुअन्नाडट" भोजन में पत्थर आया, चबा दो, अच्छा हुआ एक शिवलिंग का तो नाश हुआ। पत्थर को शिवलिंग का प्रतीक मानकर उसको चबा डालने की सलाह देनेवाले इस वैष्णव के हृदय में शैवों के प्रति कितनी घृणा है, यह देखकर आश्चर्य होगा। तमिऴ की कहावत में शैव कहते हैं कि "ऐयंगारुम् तोत्तुक् कोडुप्पार्" – वैष्णव ब्राह्मण भी छूत को फैलायेंगे। शैव ब्राह्मण वैष्णव ब्राह्मण को अछूत मानकर उसका उपहास करता है। तेलुगु की कहावत है "पामुललो मेलगवच्चु कानि, स्वामुललो मेलगरादु" – साँपों के साथ रह सकते हो, पर वैष्णव आचार्यों के साथ नहीं। यहाँ वैष्णव ब्राह्मण को साँप से भी खतरनाक माना हुआ है। ब्राह्मणों पर व्यंग करनेवाली कहावतें सभी भाषाओं में उपलब्ध हैं; उन सबको यहाँ उद्धृत करना असम्भव है। संस्कृत में भी उनकी खाद्यप्रियता पर व्यंग्य किया हुआ है।

अनाहूताः स्वयं यान्ति रसास्वादविलोलुपाः। निवारिता न गच्छन्तिं मक्षिका इव भिक्षुकाः ॥

– बड़े चाव से खानेवाले रसास्वादलोलुप ब्राह्मण (भिक्षुक) बिना बुलाए ही आते हैं और निकाल देने पर भी जाने का नाम नहीं लेते। जैसे मक्खी हटाने पर भी बार बार आकर खाद्यपदार्थों पर

बैठ जाती है।

मलयाळम की एक कहावत में भी ब्राह्मण के पेटूपन पर चोट है। – "वेरुतेयल्ल पट्टरॅ पुळयिल् चाटियर्तु" – पेटू ब्राह्मण बिना किसी लाभ के नदी में नहीं कूद पड़ा। ज़रूर उसने पानी में बहता हुआ पापड़ का टुकड़ा देखा होगा। दक्षिण की कुछ कहावतों में ब्राह्मण के मरने पर भी संतोष प्रकट किया गया है, क्योंकि हरिजन को उतना ही रास्ते से कम हटना पड़ेगा। पुराने जमाने में ब्राह्मण जब रास्ते से चलता था, तब हरिजनों को रास्ते से हटकर चलना पड़ता था, ताकि ब्राह्मण पर हरिजन की छाया तक न पड़े और उसे छूत न लग जाए। यह व्यवहार आजकल बंद हो गया है।

अन्यान्य जातियों तथा व्यवसायों से संबंधित बातों को व्यक्त करनेवाली कहावतों का भंडार भी विपुल है। भिन्न भिन्न भाषाओं ने अपने अपने क्षेत्रों की जातियों तथा व्यवसायों पर चोटें की हैं। हिंदी की एक कहावत बताती है –

"अम्बा नीबू बनिया, गर दाबे रस देय। कायथ कौआ करहटा, मुर्दा हू सो लेय॥"

आम, नीबू और बनिया गला दबाने से ही कुछ देते हैं। कायस्थ, कौआ और किलहटा तो मुर्दे से भी रस लेंगे (कुछ निकाल लेंगे)। बनिया और कायस्थ पर कैसा क्रूर भाष्य है।

कई प्रकार के लोगों की विचारशक्ति के बारे में हिंदी का वचन है – "आगम बुद्धि बनिया, पश्चिम बुद्धि जाट। तुरत बुद्धि तुरकड़ी, ब्राह्मन संपत पाट॥" बनिया सोचने में तेज़ है। वह पहले सोचता है, जाट पीछे पछताता है; मुसलमान फायदे की बात तुरन्त सोचता है, परंतु ब्राह्मण बिल्कुल सफाचट होता है। इसमें इन चारों का बौद्धिक स्तर वर्णित है। इसी अर्थ की गुजराती की भी कहावत है– "अगमबुधियो वाणियो, ने पछमबुधियो ब्रह्म, तरक वगरनो तरकडो, ने मुक्की मारे धम्म।" इसमें तुर्क को तर्क रहित कहा है।

गुजराती भाषा में ढेढ़ और नीच जातियों के बारे में प्रचुर मात्रा में कहावतें मिलती हैं। एक कहावत में जो अतीव निष्ठुर ऐसा भाव प्रकट हुआ है, उसे देखकर हमारी निम्नजाति के प्रति सहानुभूतिशून्य भावना के दर्शन होते हैं। "ढेड मुवे अभेखड ओछुं" – ढेढ़ मर गया अच्छा हुआ, छुवाछूत कम हो गई। यह कितना निर्दय भाष्य है। एक मनुष्य को दूसरा मनुष्य छूना तक नहीं चाहता और अछूत के मरने पर दूसरा आनंद व्यक्त करता है, यह कल्पना ही क्रूरता की पराकाष्ठा है।

पंजाबी में भी किसी जाति विशेष के गुणावगुणों का वर्णन करते हुए उनकी विशेष त्रुटियों को व्यंग्य का लक्ष्य बनाया गया है। "सूद होवे पर तां गंढ संबालिए उरार।"– सूद होवे उस पार तो गठरी संभालो इस पार। सूदों के उचक्केपन पर चोट है, जिससे सारी सूद जाति घायल हो जाएगी। "पठान दा पुत, कदे ओलिआ ते कदे कूत।" – पठान का बेटा कभी अवलिया तो कभी शैतान। पठानों की तुनकमिजाजी का यह वर्णन है। उनकी तबियत को आँकना मुश्किल होता है। जब भाट ने जाट के साथ खेती की तो गा-बजाकर उसे अपने कब्जे में कर लिया। बेचारा बुद्दू जाट भाट के गाने बजाने के झाँसे में आ गया और खेती हाथ से चली गई। "का, किराड, कुत्ते दा, विसा ना खाइये सुत्ते दा।" – कौआ, किराड़ और कुत्ता सोते होंगे तो भी उनका भरोसा नहीं करना चाहिए। नाई की पहुँच हर घर तक होती है और इसलिए उसके मुँह से बात गाँवभर फैल जाती है, इसको लेकर पंजाबी की कहावत है "गल सुणी नाई, पहोची पंज गराई।" – नाई ने

सुनी जो बात, पहुंची गाँव पाँच।

कश्मीर में हिन्दुओं में भी विशेष जातिभेद नहीं हैं। सभी कश्मीरी हिन्दू पंडित नाम से पहचाने जाते हैं। उन के बारे में कई कहावतें प्रचलित हैं जिनमें उनकी काफी आलोचना की गई है। "जहालि बटन ठोकुर् चलुँ रोवुमुत्।" – मूर्ख पंडित ने देवता को भी भगाया है। "बट्टुँ गव् ग्रट्टुँ।" कश्मीरी की इस कहावत में पंडित (हिन्दू) को चक्की माना गया है और वह औरों को चक्की की तरह पीसता है ऐसा अभिप्राय व्यक्त किया गया है।

सिंधी भी घोषित करती है – "जट हो न विस हो, विसहो त मुसहो।" – मुसलमान पर विश्वास न रखो, रखा तो मर गए। सिन्धी की कहावत का बरिडों के बारे में क्या अनुमान है वह भी देखने योग्य है। "ब्रिडे पवे न ब्राझ, भरि में थो भाउ मरे।" – बगल में रहनेवाले भाई को मरते देखकर भी बरिड़े (बलोंचों की एक जाति) को दया नहीं आती। इस कहावत में बलोचिस्तान की निर्दय जाति का परिचय हमें मिलता है। एक अशिष्ट-सी दिखाई देनेवाली सिंधी की कहावत में बनिया और मुसलमान का स्वभाव विशेष स्पष्ट होता है – "वाण्यो अड़े खुड् मथां खुडु, जटु अड़े चुड् मथां चुडु।" बनिया कमाने पर मकान के ऊपर मकान बनवाता जाता है, और मुसलमान के साहूकार होने पर वह चूत पर चूत लाता जाता है। (अर्थात एक के बाद दूसरी, तीसरी शादी करता जाता है।) बनिया स्थायी जायदाद बनाने पर तुला रहता है, तो मुसलमान अपनी कामुकत का शमन करने के पीछे पड़ जाता है। एक अपने पुत्रप्रपौत्रों के लिए सामग्री जुटाता है तो दूसरा ऐहिक उपभोग में मस्त रहना चाहता है।

बाङ्ला कहावत भी बंगाल की जातियों का परिचय करा देती है। "घोष बंश बड़ बंश, बोस बंश दाता; मित्तिर कुटिल अति, दत्त हरामजादा।" –घोष वंश के लोग महान वंश के, बोस वंश बड़ा ही दानी, लेकिन मित्र वंश के लोग अति कुटिल और लुच्चे होते हैं और दत्त वंशवाले चोटी के बदमाश होते हैं। अब ब्राह्मणों के बारे में कहावतों का अभिप्राय तो सब जगह एक-सा है – "बामुन घरे खाबे भात, गोबर देबे आड़ाइ हात।" ब्राह्मण खाने को भात देगा भी तो पहले ढाई हाथ ज़मीन गोबर से लिपा लेगा। जितना देगा उससे दुगना काम करा लेगा। किन-किनका विश्वास नहीं करना चाहिए इसके बारे में मार्गदर्शक बाङ्ला कहावत देखिए – "धोपा, नापित, कुमोर, कामार– जे बिश्वास करे से ओ चमार।" धोबी, नाई, कुम्हार और लुहार का जो विश्वास करे, वह भी एक चमार। वास्तव में स्वयंपूर्ण गाँव की कल्पना में सभी प्रकार के व्यवसाय अंतर्भूत हैं, किन्तु उन्होंने कभी किसी भी प्रकार के नियमों का पालन नहीं किया और वे बदनाम हो गए। आज यदि नए सिरे से यह सूची बनानी हो तो उसमें और व्यवसायों का अंतर्भाव करना पड़ेगा। मराठी की कहावत में तो सुनार, दरजी, करसंकलक (कुलकर्णी) को भी अविश्वासार्ह माना गया है और इनसे बचने का इशारा दिया गया है।

ओड़िआ की एक कहावत चेतावनी देती है– "कैंपा करण, छोट घोड़ा, खना ओकिल, हाकिम तेढा, सखिगो मंद।"– बाँके हाथवाला करण, छोटा टट्टू, हकलाता वकील और टेढ़ा अधिकारी, सखी ये सब बुरे हैं, इनसे सम्पर्क न आने दो। दूसरी एक ओड़िआ की कहावत में माहांति का परिचय मिलता है –" माहांति जाति, उधार पाइले किणंति हाती, शुझिले शुझिबे पुअंक नाती "– माहांती को उधार मिले तो हाथी भी खरीदेगा और कर्ज का निवारण करेगा बेटे का पपोता।

माहांति जाति के लोग उड़ीसा में ऐयाश समझे जाते हैं।

तमिळ की एक कहावत हमें वेळळाळन् जाति के पास जाने से रोकती है। "वेळ्ळिक्कु ॲदिरे पोनालुम् वेळ्ळाळनुक्कु ॲदिरे पोगलागादु" – दुष्ट ग्रह के सामने जा सकते हैं, किन्तु वेळ्ळाळन् के सामने नहीं जाना चाहिए।

तेलुगू ने अपनी एक कहावत में वैष्णवों का मज़ाक उड़ाने की सामग्री प्रस्तुत की है – "चुट्टूरा श्री वैष्णवुले चूस्ते कल्लु कुंड लेदु" – चारों ओर तो श्री वैष्णव ही हैं, फिर भी ताड़ी का मटका कहाँ गायब हो गया! यह सूचित करना है कि चुपके से वैष्णव ताड़ी पी गए।

यह सारा पढ़कर जी ऊब जाता है, परंतु आज संतोष की बात यह है कि ये जाति-बंधन नई समाज व्यवस्था में शिथिल होते जा रहे हैं। नई आर्थिक और औद्योगिक समाजव्यवस्था में इस जातिव्यवस्था को कोई स्थान नहीं रहेगा। कारखानों, दफ्तरों, सेना तथा अन्य स्थानों में कन्धे से कन्धा मिलाकर काम करनेवालों में यह जातीय अभिनिवेश नहीं रहेगा। समाज की पुनर्रचना करके एक नये जातिनिरपेक्ष समाज का निर्माण करने में लक्ष लक्ष मस्तिष्क और करोड़ों हाथ जुट जाएँगे। इस नव-निर्माण की पदचाप जिन्होंने पिछली शताब्दी में सुनी उन्होंने जो शिकायत की है वह गुजराती कहावत में सम्मिलित है – "देव गया डुंगरे, ने पीर गया मक्के, अंग्रेजना राज मां ढेड मारे धक्के" देव गया पर्वत पर और पीर गए मक्का की ओर, इस अंग्रेज़ी राज में ढेढ़ रास्ते में धक्के मारता है। अंग्रेज़ों के ज़माने में इस सामाजिक परिवर्तन के चिह्न दिखाई देने लगे। अपरिहार्य होने के कारण भी क्यों न हो, विज्ञान युग की ओर पुराने दृष्टिकोण से देखना उचित न था, न लाभदायक था। दो संस्कृतियों की टकराहट में जीवित रहने, जीतने या स्वयंपूर्ण सार्वभौम समाज के निर्माण के लिए हमारे समाजसुधारकों ने हमारी पुरानी धारणाओं को वैज्ञानिक कसौटी पर घिसना शुरू किया और जैसे जैसे नए संदर्भ में पुरानी व्यवस्था का खोखलापन दिखाई दिया, उन्होंने नवविचारों को प्रसृत करना प्रारंभ किया। हम कतिपय आगे बढ़े भी, किन्तु स्वार्थी राजनीतिज्ञों ने आज़ादी के बाद पुनः जाति के दायरे में अपना अभद्र खेल शुरू किया। हम जाति-निरपेक्ष समाजवाद के नारे बहुत लगाते रहे, लेकिन हमारे खून में ठूँस ठूँस कर भरी हुई जाति-विषयक धारणाओं को हम छोड़ न पाए। इसके विपरीत जाति जाति के दरमियान खड़ी दीवारें और मजबूत हो गईं, खाई और चौड़ी हो गई और आज हम भग्न समाज का अनुभव कर रहे हैं। आशा है निकट भविष्य में अपनी जातिभेद की कल्पनाओं को त्यागकर, हम विशाल मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाकर प्रगति की ओर बढ़ेंगे। इसमें ही हमारे व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान का मार्ग छिपा हुआ है।

अशिष्ट कहावतें

कोई भी आशय जैसे नागरी शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है, वैसे ग्रामीण शब्दों में भी अधिक प्रभाव के साथ व्यक्त हो सकता है। ढोर, गँवारों से बातचीत करने का ढंग ही अलग होता है। बात बात पर गालियों की बौछार होती है। बीभत्स और अश्लील गालियों का प्रयोग सरे आम चलता है। उक्ति जितनी अधिक अश्लील उतनी ही वह गाँववालों में असरकारी मानी जाती है। इसलिए देहाती कहावतों में भी किसी अश्लील उपमा या दृष्टान्त के द्वारा काम चलाया जाता है,

और सुननेवाले की समझ में भी उसका भाव झट से आ जाता है। भारत की जनता के अस्सी प्रतिशत लोग गाँवों में रहते हैं, अतः उनकी कहावतों पर अश्लीलता की मुहर लगाकर इस संग्रह में उन्हें स्थान न देना बड़ा अनुचित होगा। यह एक प्रकार से उनपर अन्याय होगा। अशिष्ट मानी गई इन ग्रामीण कहावतों की नोंक पैनी होती है और वे लक्ष्य पर अचूक शरसंधान करती हैं। ऐसे भंडार से केवल नागरी संकोच के कारण हम यदि दूर रहें तो कहावतों के एक प्रमुखांग से हम वंचित ही रहेंगे। हकीम, वैद्य या डाक्टर को अध्ययन के समय या सेवा के समय रुग्ण के किसी भी अवयव से परे नहीं रहना चाहिए। उन्हें शरीर के सब अंगों उपांगों से परिचित रहना चाहिए, उसी प्रकार ग्रामीण साहित्य से संपर्क रखनेवालों को भी किसी अश्लील शब्द या अशिष्ट उक्ति से परहेज नहीं रखना चाहिए। मन में कोई पक्षपात न रखते हुए, या सुसंस्कृतता का खोखला अहंकार न करते हुए यदि हम इन कहावतों में समाए हुए साहित्यगुणों का रसास्वाद प्राप्त करें तो एक अपूर्व आनंद से वंचित रहने की बारी हमपर नहीं आएगी।

किसी चीज़ को प्रभावोत्पादक बनाने के लिए दिल को भिड़नेवाले दृष्टान्तों में विचित्रता आ गई, या अश्लीलता की ओट में छिपकर तीर चलाए गए, तो कुछ क्या बिगड़ेगा? वायुमंडल का प्रभाव कहावतों पर होता है, इस तथ्य को मान लेने के बाद यह सवाल ही नहीं खड़ा होता। कहावतों के संकलक को तो यह विचार कभी नहीं करना चाहिए।

एकाध आशय खास देहाती बोली में कितने प्रभाव के साथ कहा जाता है, उसके चंद नमूने तो हम देखें –

अधिक लाड़ प्यार से बचा बिगड़ जाता है और अंट शंट बातें करने लगता है। इस आशय को प्रकट करनेवाली मराठी की कहावत कितनी अर्थवाही है "लाडका लेक देवळी हगे, ढुंगण पुसायला महादेव मागे." – लाड़ला लड़का मंदिर में हगे, और गांड पोंछने को शिवलिंग माँगे। इसपर टीका-टिप्पणी या भाष्य की कोई आवश्यकता नहीं। बात सीधी है।

दूसरी एक कहावत में 'समेल जोडी' का निर्देशन ऐसी ही एक उपमा के साथ किया है। "खड़ा होकर पेशाब करनेवाले राजा का दौड़ते हुए पेशाब करनेवाला मंत्री।" राजा जैसा बरताव करेगा, लोग दो कदम आगे बढ़कर उसका अनुकरण करेंगे। मुख्य काम कम और आडम्बर बहुत इस अर्थ में एक कहावत मराठी में प्रयुक्त है "झंवणं थोडं, कुस्करणं फार." – चोदना कम, मसलना अधिक। इस संभोग के दृष्टान्त को उठाकर मराठी ने अपनी सर्वांगीण साहित्यिक गुणवत्ता का परिचय दिया है।

झूठा दिखावा करनेवालों पर आघात करनेवाली भिन्न भिन्न भाषाओं की कई कहावतें हमने प्रथम खंड में दी हैं। किन्तु तेलुगु ने जो तरीका अपनाया है, बहुत ही प्रभावशाली है- "तलकु दारि लेदु, बुड्डकु अटकली" – सिर के बालों को तेल नहीं और फोते को प्रसाधन चाहिए। तेलुगु की अन्य एक कहावत बड़ी मज़ेदार है – "एमिट्रा! मेन माम मुड्डेलो कट्टे पेडतावु अंटे, बाबायि अनुकुन्नानु अन्नाडट" – "क्यों बे, यह क्या मामा की गांड में जलती लकडी डाली?"– "नहीं नहीं, मैं उन्हें चाचा समझा।" मुख्य मुद्दे को टालकर बात को दूसरी ओर ले जाने का आशय लेकर यह कहावत तेलंगण में चलती है। "तालाब पर रूठकर गांड धोये बिना चले जाने" वाले की बात भी तेलुगु ने कही है। "चेडिन श्राद्धं चेण्णी, पित्तरा पीट पगला।" (अशगुन

हुआ) श्राद्धविधि तो बिगड़ गई, अब पीढ़ा फट जाने तक पादो। यह भी एक व्यंग्योक्ति है। नकली बातों से काम नहीं निकलता यह समझाने के लिए खास देहाती कहावत तेलुगु में है " बूटकानिकि बुड्ड दिगिते आविलिस्ते अविसि पोयिंदट " – झूठा फोता जंभाने पर फूट गया। मिट्टी के चूतड़ कब तक चिपके रहेंगे। मुख्य वस्तु से अन्य बातों को जब महत्व दिया जाता है तब गाँववाले कहेंगे " सेट्टि सेरू, बुड्ड सवा सेरू " – सेर का सेठ, सवा सेर का फोता (अंडकोष) इसी अर्थ की कन्नड की कहावत भी है। – " आळिगिंत तरडे भार " – आदमी से उसका लंड बड़ा।

बंगाल में भी तो देहात और देहाती है, ऐसा तो है नहीं कि हर बंगाली रवींद्रनाथ ठाकुर या विवेकानंद है। वह भी कभी चालू कहावतों का मज़ा लेता है। " गुरु मोते दाँड़िये, तो चेला मोते पाक दिये। " – गुरु मूते खड़े खड़े, चेला मूते चक्कर देकर। यदि आदर्श व्यक्ति घटिया बर्ताव करता हो तो अनुचर और भी घटिया व्यवहार दिखाएँगे। एक बात घुमा फिराकर कही है कि– दादार जतो मुरद, ता बड़ बउके छापा नेई। " – बड़े भय्या की ताकद भाबी को मालूम। कहते हैं कि भीम की शक्ति का पता सबसे अधिक द्रौपदी को था।

गुजराती के गामड़िया (देहाती) ने सबकी समझ में आ जाय इस प्रकार से एक व्यावहारिक सत्य प्रकट किया है। संस्कृत वचन " कामातुराणां न भयं न लज्जा। " – संभोग के लिए आतुर व्यक्ति को भय या लज्जा नहीं होती। इस कामातुर के साथ और एक को गुजराती ने जोड़ दिया है। " हगाणुं ने कामी बार गाम उज्जड देखे। " – जिसको जोरदार टट्टी लगी हो, और जो कामातुर हो, दोनों समझते हैं कि आसपास के बारह गाँव निर्जन हैं। अब जब कि उल्टा ही न्याय चलता है, तब तो " पादनारी सूंठ खाई जाय ने जणनारी जोया करे। " – पादनेवाली सोंठ खाय और जच्चा देखा करे। काम थोड़ा और आड़म्बर बहुत के लिए गुजराती कथन है– " हगवुं थोडुं ने पपडाट बहु " – हगना थोड़ा और पादना ज्यादा। "

गरीब के पास खाने के लिए अनाज नहीं होता, सर छुपाने के लिए मकान नहीं होता, पहनने के लिए कपड़े नहीं होते। बेचारा बुरी तरह दिन काटता है। सर्दी में भी कपडे नहीं होते, तो काहे का सहारा ले ? इस फटेहाल का वर्णन एक ही चोट से मराठी गाँववालों ने किया है, वह अतीव प्रभावकारी है। " गरिबाच्या लवड्याला शेटांचे पांघरुण. " गरीब के लंड के लिए झाँटों का ओढना। मुफ्त का माल मिला तो कैसा भी हो, उसे उड़ा ले जानेवालों पर देखिए कैसा आघात किया है " फुकटचा फोदा, झंव रे दादा. " – मुफ्त की चूत मिली है, चुदा ले।

सहवास का प्रभाव प्रकट करनेवाली हिन्दी की कहावत देखिए – " बाबाजी। कोपिन बासे है; तो कै, ' रह किसी जाग्यां है। " इस राजस्तानी कहावत ने भी तो अपना नमूना पेश किया है। " बाबाजी लंगोटी गंधाती है ", तो बाबाजी उत्तर देते हैं, " बेटा रहती किस जगह है ? " लंगोटी गांड में रहेगी तो उस में से ज़रूर बदबू आएगी।

ऐसी विशेष कहावतों में ओड़िआ क्यों पीछे रहे ? " हगिला बेळर तरतर, छअचिला बेळकु न थाए। " – टट्टी जाते समय की जल्दी (गांड) धोते समय न रहे।

भिन्न भिन्न व्यवसायों तथा व्यावसायिकों का वर्णन करनेवाली कहावतें सभी भाषाओं में हैं। एक दूसरे की निंदा करनेवाली, फबतियाँ कसनेवाली कई कहावतें विश्वभर की भाषाओं में मिलेंगी।

लेकिन बनिये का जितना वास्तविक वर्णन, उसके स्वभाव विशेष के साथ, संस्कृत में पढ़ने मिलता है, उसका मुकाबला नहीं। शृंगार के समय की इंद्रिय की अवस्थाओं के साथ बनिया की तुलना की है।

"आदौ नम्रः पुनर्वक्रः कार्यकाले च निष्ठुरः।
कार्यान्ते च पुनर्नम्रः शिश्नतुल्यो वणिग्जनः॥"

– प्रारंभ में नम्र किन्तु थोड़ासा टेढ़ा, काम के समय निष्ठुर, काम निपटने पर पुनः नम्र, ऐसा लंड के समान बनिया होता है।

इस वणिक्वृत्ति का अनुभव हमें प्रतिदिन प्राप्त होता है। ग्राहक के साथ सौदा पटाने के पहले वह बहुत नम्र होता है, मीठी मीठी बातें करता है। सौदे की शर्तें सम्मुख रखते समय निष्ठुरता से टालमटोल करता है, सारा काम निपट जाने के बाद फिर एकदम नम्र बन बैठता है। यह व्यवहार केवल बनिये का होता है, ऐसी बात नहीं, कारखानदार से लेकर छापखानेवाले तक और सुनार जौहरी से लेकर कोयलेवाले तक सब का यही हाल। पुजारी, पुरोहित और पंडे भी इसमें से नही छूटते।

स्थनाविषयक कहावतें

जहाँ हमारा निवास रहता है, उस गाँव, नगर या देश के बारे में हमारे मन में आत्मीयता रहना स्वाभाविक है। किन्तु मनुष्य यहाँ रुकता नहीं, वह दूसरों के निवासस्थानों के दोष देखता रहता है। इन दोषों को 'राई का पर्वत' या 'बात का बतंगड़' बनाकर उन स्थानों को अपने नगर या गाँव से नीचा दिखाने की कोशिश करता है। दूसरे प्रान्तवाले, नगरवाले उसकी नज़र में तुच्छ, त्याज्य लगते हैं। इस स्थानविषयक अभिनिवेश से दूसरे स्थानों पर टिप्पणी करनेवाली कहावतें जन्म लेतीं हैं।

कभी कभी कई कहावतों में उस स्थान का वस्तुनिष्ठ वर्णन रहता है, जिससे उस गाँव की विशेषताओं का परिचय हमें होता है। मनुष्य-स्वभाव के अनुसार उस स्थान का निखालस वर्णन तो वह करेगा नहीं। हल्की सी क्यों न हो, उसमें चोट अवश्य रहेगी। उदाहरणार्थ – "इक्का, वकील, गधा, पटणा शहर में सदा।" इस कहावत में पटना शहर के वर्णन में वकीलों के साथ गधे को जोड़ दिया। चित्तौड़ को महान दिखाते समय और गढ़ों को नीचा दिखाया है "गढ़ तो चितौड़ गढ़, बाकी सब गढ़ैया। ताल तो भोपाल ताल, बाकी सब तलैया।" वाकई भोपाल का तालाब बहुत बड़ा है, पर उसके साथ बाकी सब तालावों को नीचा दिखाया है। तुलना के साथ दिखाने पर ही किसी की महानता प्रकर्षेण प्रकट होती है।

भोजपुर को बदनाम करनेवालों ने निम्नलिखित कहावत कही है – "भोजपुर जइहा मत, जइहा तो खइहा मत, खइहा तो सोइहा मत, सोइहा तो टोइहा मत, टोइहा तो रोइहा मत" – पहली बात तो यह है कि आप भोजपुर मत जाइए। जाएंगे तो खाइए मत, खाएंगे तो सोइए मत, सोएंगे तो (गठरी) मत टटोलिए, गठरी टटोलिए तो फिर मत रोइए, क्योंकि वह उचक्के ले गए होंगे। भोजपुरवालों की हेराफेरी की आदत पर यह जोरदार तमाचा है।

धर्मक्षेत्र काशी का वास्तविक वर्णन हिन्दी की इस कहावत में पाया जाता है – "रांड, साँड़, सीढ़ी, संन्यासी, इनसे बचे तो सेवे काशी।" – काशी में जहाँ तहाँ विधवाएँ, भगवान के नाम छोड़े

हुए साँड़, चारों ओर घाट की सीढ़ियाँ और संन्यासी दिखाई देंगे। भला इनकी चक्कर से जो बचेगा, उसे काशी विश्वनाथ के दर्शन का पुण्य प्राप्त होगा।

हरएक प्रदेश में एकाध गाँव ऐसा होता है कि जिसके साथ मूर्खता, बुद्दूपन का नाता जोड़ा हुआ रहता है। – " ऐसे चूतिया शिकारपूर में रहते हैं। " – पता नहीं क्यों मौगांव और शिकारपुर मूर्खों के लिए प्रसिद्ध हैं। वास्तव में मूर्ख तो हर जगह होते हैं। बिहारवाले कहेंगे – " बलिया से तो नहीं आए हो ? " बलिया के सब लोग अनाड़ी होते हैं क्या ? मुंबईवाले कहेंगे – " बाणकोट से आए हो क्या ? " और पूनेवालों को ' पौड़ ' गाँव के लोग अनाड़ी, मूरख लगते हैं।

एक कहावत में पुरानी मुंबई का वर्णन इस प्रकार आता है। मराठी की कहावत है – " मुंबईचे पाणी नि हातपाय ताणी. " पिछली शताब्दि में जब की मुंबई सात टापूओं में बँटी हुई थी, सागर के सन्निध होने के कारण दलदल बहुत थी। पीने के लिए कूँओं का पानी इस्तेमाल किया जाता था। हवा भी ज्वर से भरी हुई रहती थी। जो कोई बाहर गाँव से मुंबई शहर में जाता था, उसे वहाँ का पानी पचता नहीं था, और वहाँ का पानी पीने पर मलेरिया का शिकार बनकर उसे हाथपाँव तानकर सोना पड़ता था। मराठी की एक कहावत में पूने की प्रतिष्ठा दिखाई है " पुण्याची पगडी, सर्वांना रगडी " – पुने की पगड़ी सब को रगड़ती है। यह कहावत शायद लोकमान्य तिलकजी के ज़माने की होगी, जब पुणे नगर शिक्षा का और राजनीति का केंद्र था।

गुजरात के लोग खानेपीने के बड़े शौकिन थे। तरह तरह के खाद्यपदार्थों से उनकी थालियाँ भरी रहती थी। उत्तमोत्तम मिठाइयाँ और चटपटे नमकीन पदार्थों के लिए सूरत शहर मशहूर था। तब सब की इच्छा गुजराती की कहावत के अनुसार एक ही रहती थी, " सूरतनुं जमण ने काशीनुं मरण " – सूरती भोजन मिले, और काशी में मृत्यू हो जाए। बस जीवन सफल हो गया।

कई गाँवों में जीवन की सारी आवश्यकताएँ आसानी से उपलब्ध नहीं होती। ऐसे गाँवों में जीवन बड़ा कष्टप्रद होता है और ऐसे गाँवों में अपनी बेटियाँ लोग शादी में नहीं देना चाहते। विशेषतः जिन गाँवों में पीने के पानी की अछत हो, कुँए गहरे हों तो उस गाँव में पानी खींचते खींचते बहू का दम निकल जाता है। गुजराती की कहावत है – " ओड उमरेठनां ऊंडा कुवा, दीकरी दे तेना बाप मुवा। " ओड और उमरेठ में गहरे कुँए, जो बेटी दे, उनके बाप मर गए समझो। इसी प्रकार एक कहावत तेलुगु में भी है – " पेनुगोंडकु पिल्ल निव्वरादु, रोद्दानिकि एद्दु निव्वरादु " – पेनुगोंडा गाँव में कन्या न दो, रोद्द गाँव में बैल न दो। पेनुगोंडा गाँव में कुँए गहरे होते हैं और रोद्द गाँव की अवस्था देखकर ये चेतावनियाँ दी हुई हैं।

बंगाल की विशेषता एक बाङ्ला कहावत में वर्णित है – " छाजा, बाजा, केश, तिने बाङ्ला देश " – छज्जा, बाजा और केश इन तीनों का बंगाल देश। वहाँ मकान में छज्जे, अटारियाँ अवश्य होती हैं, गानेबजाने का शौक बहुत है और वहाँ के लोगों के बाल घने और काले सुंदर होते हैं। किन्तु इन्ही बंगालियों के बारे में असमीया का कितना विषादपूर्ण कथन है वह भी सुनने लायक है। असमीया भाषा की कहावत है – " फस्तित बंगाल मरे, तिरुता बेचि कामकाज करे। " – घमंड में बंगाल मरे, औरत बेचकर कामकाज चलावे। बंगाल की अस्मिता पर गहरी चोट है।

अपने प्रदेश के दो नगरों पर तमिळ भाषिओं को बड़ा नाज़ है। तमिळ की कहावत है – " तेन् काशि आशारम्, तिरुनेल्वेलि उपशारम् " – तेन काशी (दक्षिण काशी) का आचार–व्यवहार

और तिरुनेलवेली की आवभगत, स्वागत सत्कार प्रसिद्ध है। इन्हीं तमिऴनाडु के लोगों का बोलने का तरीका और भाषा के ढंग पर तेलुगुवालों ने एक जोरदार व्यंग्य किया है। तेलुगु की कहावत है – " अवतल वीथिलो अल्लरि एमिटि अंटे, अरवल एकांतं अन्नट्लु " – किसीने पूछा कि परली गली में यह शोरोगुल काहे का? दूसरे ने जवाब दिया, ' भाई, वह तमिऴभाषी आपस में कानाफूसी कर रहे हैं। ' अब तमिऴ भाषा में कानाफूसी से इतनी गड़बड़ी मचती होगी, तो वे जब शोर करेंगे तो क्या होगा ?

तमिऴ भाषिओं का उत्तरभारतिओं के बारे में क्या विचार है यह एक तमिऴ कहावत में अंकित है – " वडकत्तियानैयुम् वयिट्र वलियैयुम् नंबल आगादु " – उत्तरवाले और पेट का दर्द, दोनोंपर विश्वास नहीं करना चाहिए।

पड़ोसवाले हमेशा टीका टिप्पणी करते हुए दिखाई देते हैं। " पुणे, काय तिथे उणे. " यह मराठी कहावत पुणे में किसी बात की कमी नहीं, पुणे में कोई दोष नहीं ऐसा प्रतिपादन करती है। लेकिन इसी पुणे नगरी के बारे में गुजरातिओं का क्या अभिप्राय है यह गुजराती की कहावत में देखिए– " पुणुं, ने दोजखनुं खुणुं " – पुणे नगर मूर्तिमंत नरक है। पुण्यपत्तन की गुजरात में क्या इज्ज़त है उसका पता इस कहावत से चलेगा। ऐसे ताने कसने में संस्कृत भी कम नहीं –

बालोऽपि चोरः स्थविरोऽपि चोरः, समागतः प्राधुणिकोऽपि चोरः।
दिल्ली प्रदेशे मथुराप्रदेशे चोरं विना न प्रसवन्ति भार्या ॥ –

दिल्ली और मथुरा के प्रदेश में बालक भी चोर होते हैं और वृद्ध भी चोर होते हैं। आए हुए मेहमान भी चोर होते हैं। दिल्ली और मथुरा के इलाके में माँएँ चोरों के बिना किसी को जन्म ही नहीं देती। दिल्लीवालों के चरित्र पर यह कितना निर्दय हमला है।

* * *

प्रायः सभी मानवीय व्यवहार कहावतों की प्रभाव-कक्षा में आते हैं। उनमें-से महत्त्व के कुछ वैश्विक विषयोंपर हमने इस प्रबंध में चर्चा की है। और भी कई विषयोंपर विवेचन किया जा सकता है, और हम यथावकाश करनेवाले भी हैं। यह यात्रा तो अक्षुण्ण चलती रहेगी। इस अभियान में हमने लाखों कहावतों से खिलवाड़ किए, भिन्न भिन्न भाषाओं की सहस्त्रों कहावतों को पुचकारा, दुलारा ताकि वे हमारी वश में रहे। किन्तु तितली के समान वे बड़ी चंचल ठहरी। कुछ हाथ में आईं, कुछ झाँसा देकर निकल गईं।

कितने भी अध्ययन, मनन, चिंतन के बाद पराई भाषाओं की कहावतों को कण्ठस्थ रखना, पूरी कि पूरी ज़बानी याद करना बहुत ही कठिन बात है। कभी उनका दृष्टान्त याद रहता है, परंतु शब्द याद नहीं रहते। कभी एकाध महत्त्वपूर्ण शब्द याद रहता है, तो बाकी शब्द छितर जाते हैं। तब आदमी बातचीत में इतना ही कहता है कि " हाँ ! किसीने खूब कहा है... ! " बस ! क्या कहा है यह तो विस्मृति के अंधःकार में गायब !

—विश्वनाथ नरवणे

१

अंधों में काना राजा।

आशय

गुणविहीन, धनविहीन ऐसे तुच्छ व्यक्तियों के समूह में यदि एकाध व्यक्ति साधारण गुणवाला हो, या उस के पास थोडे भी पैसे हों तो उसे अन्य लोग गुणों का अवतार और धनपति कुबेर ही मानते हैं। सर्वथा हीन व्यक्तियों में थोड़ी सी अच्छाई जिस में हो, वह बड़ी प्रतिष्ठा पा जाता है। देखिये हिन्दी कहावत, "अंधों में काना राजा।" यह कहावत अनेक भाषाओं में भिन्न भिन्न प्रतिमाओं के साथ पाई जाती है।

Subject

In a place where everything of a certain kind is bad, one amongst the whole lot that is slightly better, takes on a great deal of importance. This is what the following proverbs tell us; e. g. a Hindi proverb says —' A one-eyed man is the king amongst the blind. '

हिन्दी अंधों में काना राजा।

Eng. tr. A one-eyed man is a king among the blind.

ऊजड़ गाँव में एरँडियो रूँख। (राज.)
(ऊजड़ गाँव में एरंड ही पेड़ गिना जाता है।)

Eng. tr. The castor tree is vegetation in a barren village.

ऊजाड़ गाम में मुरार महतो। (मुज.)

Eng. tr. In a deserted village, Mr. Murar is all important.

ऊजार गाँव में सियार राजा। (शाहा.)

Eng. tr. Jackal is the king in a deserted village.

कोइरी के गाँव में धोबी पटवारी।

Eng. tr. In the village of koiris (uneducated agriculturists) the washerman is the accountant.

जहाँ रुख नहीं, तहाँ अरंड रुख।

Eng. tr. Where there are no trees, even the castor is a tree.

जहाँ रुख नहीं बिरिख, वहाँ रेंड ही महापुरुख।

Eng. tr. Where there is no vegetation, the castor tree is a great person.

सब साँप मरलात, ढोढ़वा के मिलहैंह टीका। (मुं.)

Eng. tr. When all the snakes are dead and gone, the insignificant reptile becomes prominent.

सौ कौओं में एक बगला नरेस।

Eng. tr. One heron amongst a thousand crows is a monarch.

ENGLISH
1. In the world of the blind a one-eyed man is king.
2. In the country of the blind one-eyed man is the king.
3. A heron among hundred crows is a king.

उर्दू अंधों में काना राजा।
Eng. tr. A one-eyed man is a king amongst the blind.

जहाँ रूख नहीं, वहाँ येरंडही रूख है।
Eng. tr. Where vegetation is lacking, the castor tree is the only vegetation.

सौ नकटों में एक नाकवाला नक्कू।
Eng. tr. Amongst a hundred snub-nosed ones, one person with a nose is considered beautiful.

पंजाबी अन्नियां विच काणा राजा।
हिन्दी अनु. अन्धों में काना राजा।
Eng. tr. Among the blind a one-eyed man is the king.

उजड़े पिंड पड़ोला महल।
हिन्दी अनु. उजड़े गाँव में झोपड़ी ही महल।
Eng. tr. In a ruined village the thatched hut is reckoned as a palace.

उजड़े बागां दे गाल्हड़ पटवारी।
हिन्दी अनु. उजड़े बाग में गिलहरी पटवारी।
Eng. tr. In a ruined garden the squirrel is the headman.

कश्मीरी अन्यन् मंज् कान्य स्वंदर।
हिन्दी अनु. अन्धी (स्त्रियों) में कानी सुंदरी।
Eng. tr. Amongst the blind (women) one-eyed is the beauty.

सिंधी अंधनिमें काणो राजा।
हिन्दी अनु. अंधों में काना राजा।
Eng. tr. One-eyed is a king among the blind.

जिते वणु नाहे तिते कांडेरो बि दर्ख़्तु।
हिन्दी अनु. जहाँ वृक्ष नहीं, वहाँ काँटेदार पौधा भी दरख़्त है।
Eng. tr. Where there is no tree, a prickly shrub is a lofty plant.

मराठी अंधळ्या गायींत लंगडी गाय प्रधान.
हिन्दी अनु. अंधी गायों में लंगड़ी गाय प्रधान।
Eng. tr. A lame cow is predominent among the blind cows.

ओसाड गावी एरंड बळी.
हिन्दी अनु. निर्जन (बेचिराग़) (ओछे) गाँव में रेंडी का वृक्ष बड़ा।
Eng. tr. In a deserted village the castor tree is mighty.
ओसाड गावी गाढवी सुवासिनी.
पाठभेद गावढ्या गावात गाढवी सवाशीण.

हिन्दी अनु. १. निर्जन गाँव में गधी सुहागन। (सुवासिनी)
२. गँवार गाँव में गधी सुहागन।
Eng. tr. In a deserted village she-ass is a respected woman.
In a rustic village she-ass is the most respected woman.

घोंगड्यांत पासोडा सरदार.
हिन्दी अनु. कंबलों में गुदड़ी सरदार।
Eng. tr. A quilt is the nobleman among rough blankets.

वासरांत लंगडी गाय शहाणी.
हिन्दी अनु. बछड़ों में लंगड़ी गाय सयानी (प्रधान)।
Eng. tr. A lame cow is the wisest amongst calves.

गुजराती आंधळामां काणो राजिओ.
हिन्दी अनु. अंधों में काना राजा।
Eng. tr. The one-eyed is the prince among the blind.

उज्जड गाममां एरंडो प्रधान.
हिन्दी अनु. उज्जड गाँव में एरंड मुख्य होता है।
Eng. tr. The castor-oil plant is the chief in a deserted (desolate, barren, waste) village.

ढेडवाडामां वलभी डाही.
हिन्दी अनु. ढेड़ की वस्ती में वलभी होशियार (चतुर)।
Eng. tr. Valabhi (an ordinary woman) is the wisest in the locality of scavengers.

नहीं झाड, त्यां राजा ताड.
हिन्दी अनु. जहाँ न हों पेड़, वहाँ राजा ताड़।
Eng. tr. The palm is the monarch where there are no other trees.

वाङ्ला अन्धेर देशे काना राजा।
हिन्दी अनु. अंधों के देश में काना राजा।
Eng. tr. In a country of blind men one-eyed man is a king.

उजाड बने शियाल राजा।
हिन्दी अनु. सुनसान वन में सियार राजा।
Eng. tr. Fox is the prince in a deserted jungle.

नेइ देशे एरण्ड गाछ, नेइ बने खटाश बाघ।
हिन्दी अनु. विना वृक्ष के गाँव में एरंड ही वृक्ष;
विना हिंस्र श्वापदों के वन में बिल्ली ही शेर।
Eng. tr. In a treeless country a castor shrub is considered a tree and in a deserted forest a pole-cat is a tiger.

भाँगा गाँयेर मोडल राजा।
हिन्दी अनु. खाली गाँव का मुखिया राजा।
Eng. tr. The headman is a prince in a deserted village.

असमीया गछ नोहोवा ठाइत् एराइ बिरिख ।
हिन्दी अनु. जहाँ वृक्ष ही नहीं, वहाँ रेंडी का पेड़ ही महावृक्ष ।
Eng. tr. Where there are no trees, the castor plant gets the recognition of a tree.

ओड़िआ अंध गाँकु एक आखिआ रजा.
हिन्दी अनु. अंधों के गाँव में एक आँखवाला राजा ।
Eng. tr. The one-eyed one is a king of the village of the blind.

अपाळक राइजरे बिजुळि लक्षे टंका.
हिन्दी अनु. वर्षाहीन राज्य में केवल बिजली का चमकना ही लाख रुपये की बात है ।
Eng. tr. In a kingdom where it doesn't rain, lightning itself is worth a lakh of rupees.

उजि गाँरे कुजि, जेऊँ गाँरे देवता नाहान्ति शिळपुआटाए पूजि.
हिन्दी अनु. कुरूपों के गाँव में कुबड़ा और बिना देवता के गाँव में बट्टा ही पूजा जाता है ।
Eng. tr. A hunchback in the village of the ugly, and a grinding stone in the village in which there are no deities, is worshipped.

कटक धोबणी देशरे राणी.
हिन्दी अनु. कटक की धोबन गाँव की रानी ।
Eng. tr. A washerwoman from Cuttack is a queen to the village.

कटक भंडारि देशकु रजा.
हिन्दी अनु. कटक का हजाम, गाँव का राजा ।
Eng. tr. A barber from Cuttack is a king to the village.

तंती साझिरे कटास महाबळ बाघ.
हिन्दी अनु. जुलाहों के गाँव में बिल्ली शेर ।
Eng. tr. In the village of weavers a wild cat is a tiger.

बण गाँरे बिलुआ रजा.
हिन्दी अनु. उज्जड़ गाँव में गीदड़ राजा ।
Eng. tr. In a deserted forest-village a jackal is the king.

तमिळ् आलै इल्लाद ऊरिले इलुप्पैप्पूच् सर्करै.
हिन्दी अनु. जिस गाँव में (शक्कर) कारखाना नहीं, उस गाँव में ' इलुप्पै ' फूल ही शक्कर ।
Eng. tr. In a village where there is no sugar factory, the 'Illuppu' flower is the sweetest.

ऊमैक्कु उळ्रुवायन् उर(ट्) पादपिण्डम्.
हिन्दी अनु. गूँगे के लिए हकला एक महान् आश्चर्य ।
Eng. tr. The dumb regards a babbler as a wonder.

ऊमैक्कु तोत्तुवायन् उयरन्द वाय्च्चालकन्.
हिन्दी अनु. गूँगे के सामने हकला वाचालक (=वाक्पटु) ।
Eng. tr. A lisper is talkative before a dumb man.

कुडि इल्ल ऊरुक्कु नरि इराजन्.

हिन्दी अनु. सूने गाँव में सियार ही राजा।

Eng. tr. A jackal is the king in a deserted village.

(च)शप्पणिक्कु नोण्डि शण्डप्पिरशण्डम्.

हिन्दी अनु. पंगु के सामने लंगड़ा बहादुर।

Eng. tr. A lame man is a hero before a cripple.

निनर् मरत्तिल नेडु मरम् पोनाल् निरकुम् मरमे नेडु मरम्.

हिन्दी अनु. ऊँचे ऊँचे पेड़ गिर जायेंगे तो शेष रहे पेड़ ही ऊँचे पेड़ हैं।

Eng. tr. When the lofty trees are felled, the remaining trees look tall.

पाळ उरुक्कु नरि राजा.

हिन्दी अनु. उजड़े गाँव में सियार राजा।

Eng. tr. The jackal is the king in a deserted village.

पिळ्ळै इल्ला वीट्टिल्, किळवन् तुळ्ळि विळैयाडुगिरानाम्.

हिन्दी अनु. जहाँ बच्चा नहीं है, वहाँ बूढ़ा उछल-कूदकर खेल रहा है।

Eng. tr. In a house where there are no children, an old man piays like a child.

पोट्टैक्कण्णन् राज्यत्तिले ओत्तैकण्णन् राजा.

हिन्दी अनु. अन्धों में काना राजा। अंधों के राज में काना राजा।

Eng. tr. A one-eyed man is the king in the kingdom of the blind.

मुडवनुक्कु नोण्डि शण्डप् पिरशण्डन.

हिन्दी अनु. पंगु के सामने लंगड़ा शूर।

Eng. tr. A lame man is very boisterous before a cripple.

तेलुगु अल्लुललो मल्लु पेद्द.

हिन्दी अनु. जुलाहों में मल्लु ही बड़ा।

Eng. tr. Mr. Mallu is great among the weavers.

ए चेट्टु लेनि चोट वेंपलि चेट्टु महावृक्षम्.

हिन्दी अनु. जहाँ कोई पेड़ न हो, वहाँ सरकंडा ही महावृक्ष।

Eng. tr. Where there are no trees, vempali plant is a big tree.

गुड्डि गेदेललो गूनु गेदे महालक्ष्मी.

हिन्दी अनु. अंधी भैंसों में कूबड़ भैंस ही महालक्ष्मी।

Eng. tr. Among the blind buffaloes one with a hunch-back is the goddess.

गोवु लेनि ऊळ्ळो गोड्डुगेदे श्री महालक्ष्मी.

हिन्दी अनु. जहाँ गाय न हो, उस गाँव में बाँझ भैंस ही श्री महालक्ष्मी।

Eng. tr. In a village where there are no cows, the barren buffalo is Shri Mahalaxmi.

चेट्टु लेनि ऊळ्ळो आमुदपु चेट्टे महावृक्षम्.

हिन्दी अनु. बिना पेड़ों के गाँव में एरंड ही महावृक्ष।

Eng. tr. In a village where there are no trees, the castor tree is a great tree.

तुरक लेनि ऊळ्ळो दूदेकुल वाडे मुल्ला.

हिन्दी अनु. जिस गाँव में तुर्क नहीं, वहाँ धुनिया ही मौला।

Eng. tr. A village where there is no Muslim, the carding man is the Mullah. (Mullah is the muslim school master or priest.)

तुरकलु लेनि ऊळ्ळो दूदेकुलवाडु सय्यद मियां.

हिन्दी अनु. जिस गाँव में मुसलमान नहीं, उस गाँव में धुनिया ही सय्यद मियाँ।

Eng. tr. In a village where there are no mussulmans, the cotton cleaner is Sayyad Miyan.

देवुडि लेनि ऊळ्ळो मंचपुकोडे पोतराजु.

हिन्दी अनु. जिस गाँव में देवता नहीं, वहाँ खाट की पाई ही पोतराजु।

Eng. tr. In a village where there is no God, a leg of the cot is Potaraja (name of a lower God).

दोड्डेड्डु गोड्लनु दोंगलु तोलुकुपोते गोड्डु गेदे श्री महालक्ष्मी.

हिन्दी अनु. गोसाल भर के ढोरों को चोर लूट गये, तो बची बाँझ भैंस ही महालक्ष्मी।

Eng. tr. When all the farm cattle were lifted by thieves, the dry buffalo left behind is Mahalaxmi.

रेड्डि करणं लेनि ऊळ्ळो चाकलिवाडु पिन्निपेद्द.

हिन्दी अनु. जिस गाँव में पटवारी न हो, उस गाँव में धोबी ही मुखिया।

Eng. tr. In the absence of a village officer in the village, the washerman is all in all.

रोट्टकट्टे देशंलो पुट्ट गोचिवाडे भाग्यवंतुडु.

हिन्दी अनु. जिस देश में लोग पत्ते पहनते हों. वहाँ कौपीन पहननेवाला ही भाग्यवान।

Eng. tr. Where people wear only leaves, a man that wears a loin cloth is the richest.

सालेल सभलो सातानि पंडितुडु.

हिन्दी अनु. जुलाहों की सभा में सातानि पंडित। (सातानि-बैरागी जाति के घुमक्कड़ लोग, जो भजन गाते फिरते है।)

Eng. tr. In an assembly of weavers Satani is a pandit. (Satani – People of backward Bairagi caste, who roam about singing devotional songs.)

कन्नड **अळिद ऊरिगे उळिदवने गौड.**

हिन्दी अनु. उजड़े गाँव में बचा हुआ ही पटवारी।

Eng. tr. The survivor becomes the chiefman in the ruined town.

एळेगरुविल्लद मनेलि मुदिगरुवे मुद्दु.

हिन्दी अनु. जिस घर में बछड़ा नहीं, वहाँ बूढ़ा बैल ही प्यारा।

Eng. tr. In the house where there is no young calf, the old bull is dear.

कुरुडरोळगे सेळळने श्रेष्ठ.

हिन्दी अनु. अंधों में काना श्रेष्ठ।
Eng. tr, One-eyed is the best among the blind.

कुरुडुगणिणगिन्तल्ल् मेळळगण्णु वासि।

हिन्दी अनु. अंधो में तिरपट राजा।
Eng. tr. Amongst the blind a squint-eyed is supreme.

मुद्दिल्लद् मनेयल्लि अज्ज अंबेगालिक्किद.

हिन्दी अनु. जिस घरमें बच्चा नहीं, वहाँ दादा ही घुटनों के बल रेंगता है।
Eng. tr. Grandfather crawls in a home without babies.

यारु इल्लद् ऊरिगे अगसर मालिये मुत्तैदे.

हिन्दी अनु. उज्जड़ गाँव में धोबिन सुहागन।
Eng. tr. In a deserted village the washer-woman is the respected lady.

हाळूरिगे उळिद्वने गौड.

हिन्दी अनु. उजड़े गाँव में बचा हुआ ही पटवारी।
Eng. tr. A person who stays behind in a deserted village is the village chief.

मलयाळम् आणिलात्त नाट्टिल् अम्पट्टन् राजावु.

हिन्दी अनु. जहाँ लायक व्यक्ति नहीं, वहाँ नाई ही राजा।
Eng. tr. In a place where there is no worthy man, the barber becomes the king.

ऊमरिल् कोञ्ञन् महावाग्मी.

हिन्दी अनु. गूँगो में हकला ही वाक्पटु।
Eng. tr. Among the dumb a lisper is an orator.

कुरुटन् नाट्टिल् कोंकण्णन् राजावु.

हिन्दी अनु. अंधों में काना राजा।
Eng. tr. A one-eyed man is the king in the land of the blind.

मरमिल्ला नाट्टिल् आवणक्कु महामरम्.

हिन्दी अनु. उजाड़ देश में एरंड प्रधान।
Eng. tr. In a country with no trees the castor tree is prominent.

मूक्किल्लाराज्यत्तु मुरिमूक्कन् राजावु.

हिन्दी अनु. बेनाकों के राज्य में नकटा राजा।
Eng. tr. In a land of the noseless, one with a snubbed nose becomes the king.

संस्कृत निरस्तपादपे देशे एरण्डोऽपि द्रुमायते।

हिन्दी अनु. जिस गाँव मे एक भी पेड़ नहीं है, उस गाँव में एरंड का पेड़ भी बहुत बड़ा माना जाता है।
EEng. tr. ven a castor-oil plant is valued highly in a treeless land.

२

अधजल गगरी छलकत जाय।

आशय

जिन के पास गुणवत्ता कम हो, धन का अभाव हो, शारीरिक क्षमता न हो, वैसे सर्वथा दुर्बल व्यक्ति अपना अस्तित्व उद्घोषित करने के लिये, अन्य लोगों की अपेक्षा हम भी कुछ कम नहीं यह सिद्ध करने के लिये, बड़ी धूमधाम शोरोगुल मचाकर झूठा दिखावा प्रस्तुत करते हुए दिखायी देते हैं। ऐसे व्यक्तियों की इस स्वभाव-विशेषता पर इन कहावतों में विभिन्न नित्यानुभव के दृष्टान्तों द्वारा पर्याप्त रोशनी डाली गयी है। तमिळ् भाषा की इस कहावत में यही सार है—"कच्चे ज्ञानवाले सदैव बड़बड़ाते रहेंगे।"

Subject

Those that have lesser worth are of meaner quality, make a greater noise and show off than those who are worthy and great. The Tamil proverb, therefore, tells us — ' Persons of little learning are always talkative. '

हिन्दी अधजल गगरी छलकत जाय।

Eng. tr. Half-filled pitcher overflows.

ओछा पात्र उबलता है।

Eng. tr. A shallow vessel bubbles up.

कड़ाकड़ बाजे थोथे बाँस।

Eng. tr. Hollow bamboos make a cracking noise.

कोठिला भर संडुआ में मुसहर बड़रायल हक। (पट.)

Eng. tr. The native was full of airs just over a corn-binfull of maize.

खाली वासन घणा खडखड़ावै। (राज.)
(खाली भाँड़े अधिक खड़खड़ाते हैं।)

Eng. tr. Empty vessels make greater noise.

गगरी अनाज भइल जोलहन के राज भइल। (चंपा.)

Eng. tr. A pitcher-full of corn and the weaver gives himself airs.

छुद्र नदी भरि चलि उतराई, जस थोरे धन खल बउराई॥ रामचरितमानस॥

Eng. tr. The insignificant river was proud when it was full of water, as a base man gives himself airs when he gets little money.

छूछी हांडी बाजे टन टन।

Eng, tr. An empty vessel makes a great noise.

थोथा चना बाजे घना।

Eng. tr. An empty pea makes a great noise.

बड़े बिखौ बिखधर, चलत सीस नवाए। थोड़े बिखौ बिच्छू, चलत दुम अलगाए॥

Eng. tr. The most venomous serpent goes with a bent head, the milder scorpion walks with his tail up.

English 1. Shallow streams make most din.
2. Empty vessel makes much noise.
3. Still waters run deep.

पंजाबी कहो कबीर छूछा घट बोले, भरिआ होवे सो कब न डोले।

हिन्दी अनु. कबीर कहे, खाली घट बोले, भरा हुआ कभी न डोले।

Eng. tr. Kabir says, " A half-filled vessel makes a great noise, a vessel full to the brim will remain steady. "

भरी भकुनी चुपचुपाती, खड़के बुचकी सखणी।

हिन्दी अनु. भरी गगरिया शांत सुभाय, अधजल गगरी छलकत जाय।

Eng, tr. A brimfull vessel remains still, an empty one makes noise.

सखणा भांडा बहु खडके।

हिन्दी अनु. खाली बरतन ज्यादा खड़के।

Eng. tr. An empty vessel makes much noise.

कश्मीरी छेनि मंद् छे वज़ान्।

हिन्दी अनु. खाली मटका बजता है।

Eng. tr. An empty vessel makes sound.

सिन्धी ठल्हो चड़ो वजे घणो।

हिन्दी अनु. घंटी पोली है तब ज्यादा बजती है।

Eng. tr. An empty bell makes greater sound.

सखिणी कुनी घणो उभामे।

हिन्दी अनु. खाली देगची (अर्थात् जिसमें धान कम पड़ा हुआ है) में पानी ज्यादा छलकता है।

Eng. tr. An empty vessel bubbles much.

मराठी अर्दकुडा कळसो हायसुळता. (गो.)

हिन्दी अनु. अधजल गगरी छलकत जाय।

Eng. tr. A half-filled metal pitcher makes a lot of noise.

अपुऱ्या घड्याला डबडब फार.

हिन्दी अनु. अधभरा घड़ा अधिक छलकता है।

Eng. tr. A half-filled pitcher spills a lot.

अल्प मनुष्य कोपे, लहान भांडे लवकर तापे.

हिन्दी अनु. नीच मनुष्य शीघ्रकोपी होता है, छोटा बरतन जल्दी ग़रम होता है।

Eng. tr. A low is highly irritable; a little pot becomes soon hot.

उथळ पाण्याला खळखळाट फार.

हिन्दी अनु. उथले पानी में खलबलाहट अधिक।

Eng. tr. Shallow waters make a lot of noise.

उथळ पाण्याला खळाळी फार व दुबळ्या माणसाला बढाई फार.

हिन्दी अनु. उथले पानी में खलबलाहट अधिक, और दुबले आदमी को घमंड अधिक।

Eng. tr. Shallow water makes a lot of noise, the weak person shows a lot of pride.

पोकळ वाशांचा आवाज़ मोठा.

हिन्दी अनु. पोले बाँसों की आवाज़ बड़ी होती है।

Eng. tr. Hollow rafters make much noise.

पोलॅ पण्साक् पांख चड. (गो.)

हिन्दी अनु. कच्चे कटहल में गोंद अधिक होता है।

Eng. tr. A raw jackfruit has a lot of latex.

विचाराची तूट, तेथे भाषणाला ऊत.

हिन्दी अनु. जहाँ विचारों की कमी वहाँ भाषणों की बहुतायता।

Eng. tr. Where there are dismantled thoughts, there are found zealous talks (speeches or lectures).

शब्दांचा सुकाळ, तेथे बुद्धीचा दुकाळ.

हिन्दी अनु. जहाँ शब्दों की बहुतायत वहाँ बुद्धि का अकाल।

Eng. tr. Where there is an abundance of words, there is scarcity of intelligence.

गुजराती अधूरो घडो छलकाय घणो.

पाठभेद– छालको घडो छलकाय, ने ओछी कुल्ही उभराय.

हिन्दी अनु. अधजल गगरी छलके बहुत (खूब छलकती है), और छोटी कुल्हड़ उभराय।

Eng. tr. A shallow jar overflows and a small pitcher flows over the brim.

कोरा वागा ककडे घणा.

हिन्दी अनु. नया कपड़ा चरमराता है बहुत।

Eng. tr. New (unused) clothes make much rustle.

खाली बरतन खखडे घणुं.

हिन्दी अनु. खाली बरतन ज्यादा बजते हैं।

Eng. tr. Empty vessels make much noise.

खाली चणो वागे घणो, ने चणापर दमाम घणो.

हिन्दी अनु. खाली चना बजे बहुत और चने पर दमक अधिक।

Eng. tr. An empty gram makes more noise and more of show (pomp) on empty gram.

खोखरां वासण खखडे घणा.

हिन्दी अनु. फूटे बरतन जादा बजते हैं।

Eng. tr. Broken vessels make more noise.

खोटो रुपयो चळके घणो, ने भुंडो भैयो भडके घणो.

हिन्दी अनु. खोटा रुपया ज्यादा चमकता है, और भूंडा भैय्या (सिर घुटा हुआ) ज्यादा भड़कता है।

Eng. tr. A counterfeit rupee (coin) glitters (shines) more and an evil (sinful, wicked) man is much startled.

ठालो चणो, ने वागे घणो.

हिन्दी अनु. खाली चना, बाजे घना।

Eng. tr. Empty gram makes much noise.

बाङ्ला अल्प जलेर तितो पुँटि, तार एत फट्फटि।

हिन्दी अनु. कम पानी में पूँटी मछली फड़फड़ाती है।
कड़वी मछली फिर भी कितना फडफडाती है।

Eng. tr. The tiny fish, so bitter to eat,
In shallow water shows many a feat.

आकाठा नायेर साज बेशी।

हिन्दी अनु. निकृष्ट काठ से बनी नौका में ऊपरी सजावट ज्यादा होती है।

Eng. tr. A boat made of bad wood is often decorated very good.

आधभरा कलसीर ढकढकानि बेशी।

हिन्दी अनु. अधभरी कलसी छलकाए बहुत।

Eng. tr. A half-filled vessel sounds a lot.

आधसेर चालेर फेनफेनि बेशी; खें कि कुकुरेर घेउ घेउ बेशी।

हिन्दी अनु. आधा सेर चावल का फेन ज्यादा। हल्के जाती का कुत्ता भोंकता है ज्यादा।

Eng. tr. Half a seer of rice gives out much froth (in boiling); a lowly dog barks loudest.

फोंपरा ढेंकिर शब्द बेशी।

हिन्दी अनु. पोले ढेंकी की आवाज ज्यादा।

Eng. tr. A hollow husking pedal makes much noise.

असमीया पुठि माछर फर्फरणिये सार।

हिन्दी अनु. पुठि (छोटी) मछली की उछल कूद अधिक।

Eng. tr. Small fishes make much frisking.

ओड़िआ तुच्छा माठिआर शब्द वेशि।

हिन्दी अनु. खाली मटके की आवाज अधिक।

Eng. tr. An empty vessel sounds much.

तमिऴ् अरै कुडम् तळुंबुम्.

हिन्दी अनु. अधभरा घड़ा छलकता है।

Eng. tr. Half-filled pitcher spills.

कुरै कुडम् तळुंबुम् निरै कुडम् तळंबादु.

हिन्दी अनु. अधजल गगरी छलकत जाय, भरी गगरीया चुप्पो जाय।

Eng. tr. A water-pot not full is agitated, a full pot is not.

(चि)शिट्रुणर्वोर् एनरुम् शिलुशिलुप्पर.

हिन्दी अनु. कच्चे ज्ञानवाले सदैव बड़बड़ायेंगे।

Eng. tr. Persons of little learning are always talkative.

पोर् कलम् ओलिक्कादु वेण् कलम् ओलिक्कुम्.

हिन्दी अनु. सोने का बरतन आवाज नहीं करता; पीतल का करता है।

Eng. tr. A gold vessel does not sound, a brass one does.

तेलुगु अन्नी उन्न विस्तरि अणगिभणगि उण्टुन्दि.

हिन्दी अनु. भरापूरा पत्ता उथलपुथल नहीं होता।

Eng. tr. A leaf full of food is not blown off.

कल्लपसिडिकि कान्ति मेण्डु.

हिन्दी अनु. नकली सोने की चमक ज़ियादा।

Eng. tr. False gold glitters more.

गङ्ग एपुडु पारु गंभीर गतितोड, मुरिकि कालव पारु स्रोत तोड.

हिन्दी अनु. गंगा बहती है गंभीर गतीसे, गंदी नाली बहती है जोर शोर से।

Eng. tr. The flow of the Ganga is always majestic, (but) the gutter water flows with great sound.

गोड्डालि मुंडकु गोंतु पेद्द.

हिन्दी अनु. बाँझ छिनाल की आवाज ऊँची।

Eng. tr. A barren vamp talks aloud.

निण्डुकुण्ड तोणकदु.

हिन्दी अनु. भरी गगरी छलकती नहीं।

Eng. tr. A full pot will not spill.

निण्डुटेरु निलिचि पारुनु.

हिन्दी अनु. भरी नदी धीर बहती है।

Eng. tr. A rising river runs still.

मोरिगे कुक्क करवदु.

हिन्दी अनु. भूँकनेवाला कुत्ता काटता नहीं।

Eng. tr. A barking dog seldom bites.

वट्टि गोड्डुकु अरुपुलेक्कुव, वान लेनि मब्बुकु उरुमुलेक्कुव.

हिन्दी अनु. बाँझ भैंस जोरसे गरजती है; जो बादल गरजता है, बरसता नहीं।

Eng. tr. A barren buffalo cries aloud; a cloud that thunders more does not rain.

कन्नड अरेकासिन पोरिगे आर्भट हेच्चु.

हिन्दी अनु. अधम स्त्री का शोर अधिक।

Eng. tr. A vulgar woman shouts much.

अरेकासिन हेण्णिगे आर्भट बहळ.

हिन्दी अनु. नीच स्त्री बहोत शोर मचाती है।

Eng. tr. A mean woman makes much noise.

तुंबिद कोड तुळकुवुदिल्ल.

हिन्दी अनु. भरी गगरिया छलकती नहीं।

Eng. tr. A full pitcher does not spill.

बोगळुव नाइ कच्चुवुदिल्ल.

हिन्दी अनु. भूँकनेवाला कुत्ता काटता नहीं।

Eng. tr. Barking dog does not bite.

मलयाळम् अरक्कुटं तुळुम्पुं, निर्कुटं तुळुम्पुकयिल्ल.

हिन्दी अनु. अधजल गगरी छलके, लबालब भरी न छलके।

Eng. tr. A pot which is half-full spills; but a pot full to the brim does not.

निरक्कुटम् तुळुम्बुक इल्लया.

हिन्दी अनु. भरा घड़ा छलकता नहीं।

Eng. tr. A full pitcher doesn't spill.

संस्कृत अङ्गुष्ठोदकमात्रेण शफरी फुर्फुरायते।

हिन्दी अनु. शफरी मछली थोड़े से पानी में भी उछलने लगती है।

Eng. tr. The Shaphari fish darts to and fro just in a thumb-deep water.

अल्पोदकश्चलत्कुम्भो ह्यल्पदुग्धाश्च धेनवः।
अल्पविद्यो महागर्वी कुरूपी बहुचेष्टितः ॥

हिन्दी अनु. जलसे आधी भरी हुई गगरी अधिक छलकती है, कम दूध देनेवाली गाय अधिक चपल होती है, अधूरे ज्ञानसेही मनुष्य गर्व करने लगता है, कुरूप मनुष्य अधिक अंगविक्षेप करता है।

Eng. tr. A pitcher that contains a little water moves about freely; a cow yielding a little milk is more smart; one who has learnt a little is much inflated; and an ugly fellow makes many movements.

विषभारसहस्रेण गर्वं नायाति वासुकिः।
वृश्चिको बिन्दुमात्रेण प्रोर्ध्वं वहति कण्टकम् ॥

हिन्दी अनु. सहस्रगुना विषभार वहन करनेपर भी वासुकी नाग (विष का) गर्व नहीं करता। केवल एक बिन्दु धारण करनेपर बिच्छू अपनी दुम उठाकर (अकड़कर) चलता है।

Eng. tr. The king cobra Vasuki has venom a thousand times more than (that of a scorpion) and yet is not proud of it, while the scorpion, only with a drop (of poison), walks with his tail up.

संपूर्णकुम्भो न करोति शब्दमर्धो घटो घोषमुपैति नूनम्।
विद्वान् कुलीनो न करोति गर्वं गुणैर्विहीना बहु जल्पयन्ति ॥

हिन्दी अनु. घड़ा जब पानीसे पूर्ण रूपसे भरा हुआ होता है, तब उससे आवाज नहीं होती, बल्कि आधे भरे हुए घड़ेसे आवाज होती है, वैसेही कुलवान् विद्वान को गर्व नहीं होता, गुणहीन मनुष्य ही अधिक बकवास करता है।

Eng. tr. A pitcher that is filled full never gives a sound, but a half-filled one makes much sound. A scholar of a good stock is never proud, while an empty fellow brags much.

२

अधिक लाड़ प्यार से आदमी बिगड़ता है।

आशय

अधिक प्यार दुलार से व्यक्ति बिगड़ जाता है, उद्दंड बनता है। इस नित्य प्राप्त होनेवाले अनुभव का निचोड़ निम्नलिखित कहावत-गुच्छ से मिलेगा।

Subject

This set of proverbs is used for those who are spoilt by over-fondling.

हिन्दी लाडला लड़का जुआरी, लाड़ली लड़की छिनाल।
Eng. tr. A fondled son becomes a gambler and a fondled girl a harlot.

हिलायांसूँ दाळ जाय, लड़ायांसूँ पूत जाय। (राज.)
(हिलाने से दाल बिगड़ती है, लाड़ करने से पुत्र बिगड़ता है।)
Eng. tr. The pulse doesn't cook well if stirred too often, the child gets spoilt if over-fondled.

English Jest with an ass, and he will flap you in the head with his tail.

उर्दू लाडला पोत कटोर से मौत।
Eng. tr. The over-fondled child dies.

कश्मीरी मारि-माज़् मेठि नुँ खानुँमाजि पठि नुँ।
हिन्दी अनु. सड़ा मांस स्वादिष्ट होगा नहीं, लाड़ली लड़की उन्नति करेगी नहीं।
Eng. tr. The rotten meat sweetens not, a much fondled girl prospers not.

मराठी आईची माया, अन् पोर ज़ाईल वाया.
हिन्दी अनु. माँ का लाड़ (दुलार) और संतान को देगा बिगाड़।
Eng. tr. A mother's love might spoil her child.

लाडका पूत, आणि करव्यात मूत.

हिन्दी अनु. लाड़ला पूत और करोटी में मूत।

Eng. tr. An over-fondled child urinates in a cocoanut shell.

लाडका लेक देवळी हगे, ढुंगण पुसायला महादेव मागे.

हिन्दी अनु. लाड़ला पूत मंदिर में हगे, गांड पोंछने को (शिव की) पिंडी माँगे।

Eng. tr. An over-fondled child leaves his faeces in the temple and asks for the idol of 'Mahadev' to clean his anus. (Mahadev — the great God.)

लाडे खाई हाडे.

हिन्दी अनु. संतान लाड़ली खाए हड्डी।

Eng. tr. A spoilt child troubles his mother.

लाडे लाडे झाले वेडे.

हिन्दी अनु. लाड़-प्यार से पागल होता है।

Eng. tr. An over-fondled child goes wild.

सुण्याक सलगी दिल्यारि सात्यारि चडता. (गो.)

हिन्दी अनु. कुत्ते से मैत्री करने पर वह सिर पर चढ़ता है।

Eng. tr. The dog, when showed affection, sits on one's head.

गुजराती खिचडीने चाख्ये नहीं, ने दीकरीने लाडव्ये नहीं.

हिन्दी अनु. खिचड़ी चखी नहीं जाती, बेटी लाड़ लड़ाई नहीं जाती। (अन्यथा दोनों बिगड़ते हैं।)

Eng. tr. Khichadi should not be tasted, daughter should not be over-fondled.

मानो मेहलो, खावामां पहेलो, काम करवामां छेल्लो. (मेहलो–महालवेलो)

हिन्दी अनु. मा का प्यारा, खाने में पहला और काम करने में अंतिम (आखरी)।

Eng. tr. Mother's favourite — first to eat and last to work.

मोढे चढाव्यां माथे चढे.

हिन्दी अनु. मुँह को लगाओ तो सिर पर चढ़ेगा।

Eng. tr. One who is over–fondled would become insolent.

मोढे चढाव्युं छोकरूं मोंमां मूतरे.

हिन्दी अनु. सिर पे चढ़ाया हुआ बालक मुँह में मूतता है।

Eng. tr. The chiid allowed to climb your face (i.e. one who is over–fondled) will make water in your mouth.

हलावी खिचडी ने महलावी दीकरी.

हिन्दी अनु. हिलाई खिचड़ी और दुलारी पुत्री। (दोनों बिगड़ते हैं।)

Eng. tr. Khichadi, if shaken, and a daughter, if overpraised, (are spoilt).

बाङ्ला अति आदरेर दुलाइ झि, तुरुके निले करबे कि ?

हिन्दी अनु. अधिक लाड़ दुलार से पली बेटी को यदि तुर्क (मुसलमान) भगा ले जाएँ तो क्या होगा ?

Eng. tr. What could be done if the Turks kidnap one's darling daughter fondly brought up ?

एक मायेर एक पूत, बेड़ाय जेन जमेर दूत।

हिन्दी अनु. एक माँ का अकेला पूत, घूमे जैसे यम का दूत।

Eng. tr. A single son of a mother is so much pampered that he moves about like a Yama's (God of death) emissary.

कुकुरके नाइ दिले माथाय ओठे।

हिन्दी अनु. कुत्ता मुँह लगानेसे सिर चढ़े।

Eng. tr. A pampered dog soon sits on your head.

यत करो पुतुपुतु, तत हय छोलार छातु।

हिन्दी अनु. अधिक प्यार दुलार से बच्चा आटे जैसा कमजोर होगा।

Eng. tr. The more a child is pampered, the more it becomes like a lump of flour. (छोलार छातु Means a ' meal of gram flour '— shapeless mass.)

असमीया कुकुरक निदिबा लाइ, चोताल एरि मजियाक जाय।

हिन्दी अनु. कुत्ते को ज्यादा प्यार मत जताओ, आँगन छोड़कर बैठक पहुँचेगा।

Eng. tr. Do not give indulgence to dogs, they will leave the yard and enter the house-floor.

पोहनीया शालिकाइ चकुत खुटियाय।

हिन्दी अनु. दुलारी मैना आँख नोचे।

Eng. tr. A petted ' maina ' pecks at your eyes.

लाइ पोवा कुकुरे, बुकुलै जपियाय।

हिन्दी अनु. कुत्ते से प्यार किया तो वह छातीपर उछलेगा।

Eng. tr. The dog that is fondled will jump at your breast.

ओड़िआ अत्यन्त प्रीति करे लण्डभण्ड; अत्यन्त प्रीति हगे बाबुमुण्ड।

हिन्दी अनु. अति प्रेम करे हैरान, अति प्रेम से पिता के सिरपर हगे।

Eng. tr. One is confused with excess of affection, and shits on his father's head with excess of love.

आउँ कुकुर मुँहरे बोल।

हिन्दी अनु. कुत्ते को सहलाने पर मुँह चाटता है।

Eng. tr. A petted dog kisses the mouth (face).

कुकुरकु मुँह देले उपरकु चढे।

हिन्दी अनु. कुत्ते को मुँह लगाने से वह ऊपर चढ़ता है।

Eng. tr. If you pet a dog, it climbs upto the face.

तमिळ् ओरु पेण् ओन्रु उट्टि वळर्त्ताल्, अट्टु ऊर् मेले पोच्चुदु.
हिन्दी अनु लाड़ली बेटी को लाड़ प्यार से पाला पोसा, वह किसी को लेकर भाग गई।
Eng. tr. The over-fondled girl brought up with care and affection eloped with somebody.

किट्ट वा नाये ओनूराल् मूंझियै नक्कुगिरदु.
हिन्दी अनु. कुत्ते को पास बुलाने पर मुँह चाटता है।
Eng. tr. When called, the dog licks the face.

नायैक् कोंजिनाल् वायै नक्कुम्.
हिन्दी अनु. कुत्ते को लाड़ प्यार करें तो वह मुँह चाटेगा।
Eng. tr. If you caress a dog, it will lick your mouth.

शेल्लप् पिळ्ळै शीलै उडाद्म्म् पिळ्ळै पेरुमट्टुम्.
हिन्दी अनु. बच्चे को जन्म देते तक लाड़ली बेटी साड़ी नहीं पहनेगी।
Eng. tr. A spoiled child will not put on clothes till it becomes a mother.

सेल्लत्तिल् ओरु पेण् पिरन्दु सेट्टित् तेरुवेल्लाम् तिरिन्दु विट्टु वन्ददु.
हिन्दी अनु. लाड़ली बेटी श्रेष्ठियों के यहाँ घूम फिर आई।
Eng. tr. The over-fondled daughter flirted with many a rich man of the town.

तेलुगु मुद्दु चेसिन कुक्क मूति करचिंदि, चनवु चेसिन भार्य चंक केक्किंदि.
हिन्दी अनु. चूमने पर कुत्तेने मुँह काट डाला, मुँह लगाने पर पत्नी गोद में आ बैठी।
Eng. tr. When fondled, the dog bit the mouth; when kissed, the wife came and sat on the lap.

कन्नड सलिगेय नायि तलॆ गेरितु.
हिन्दी अनु. दुलारा कुत्ता सर पे चढ़ा।
Eng. tr. The petted dog jumped on the head.

मलयाळम् अम्म पोट्टिय मकळुं उम्म पोट्टिय कोळियुं.
हिन्दी अनु. माँ की लाड़ली और मोपलन् की मुर्गी।
Eng. tr. Daughter fondled by mother and a fowl nurtured by a muslim woman (go astray).

४

अनधिकार चेष्टा ।

आशय

अच्छों अच्छों से जो काम नहीं बनते वे करने का प्रयास जब साधारण व्यक्ति करने जाता है, तब वह खुद को उपहास का लक्ष्य बनाता है । इन्हीं लोगों की खिल्ली निम्नलिखित कहावतों में उड़ायी गई है ।

Subject

The following proverbs ridicule the efforts of mean persons who attempt what is impossible even for the mighty.

हिन्दी ऊँट, घोडा, भस गपुल, गधा पूछे, " कितना पानी "।

Eng. tr. Camel and horse are drowned, and the ass asks if the water was deep.

ऊँट डूबे, खच्चर था माँगे ।

Eng. tr. The camel is drowned and the mule asks about the depth of water.

ऊँट बहे, गदहा थाह ले ।

Eng. tr. The camel is flown away (in the current) and the donkey wants to know the depth.

नोन के पुतरा चलल समुद्र थाहे । (सुं.)
(नमक का पुतला समुद्र की थाह लेने चला ।)

Eng. tr. An effigy of salt goes to fathom the depth of the sea. [It will dissolve in the sea-water.]

बड़ बड़ ऊँट बहाइल जासु, गदहा कहे कतेक पानी । (शाहा.)

Eng. tr. Big camels have been flown away and the ass inquires, " How much is the water over there ? "

बड़ बड़ घोड़ी टहने लँड़होरी कहे केतना पानी । [चंपा, मुँज, मुज.]
(बड़े बड़े घोड़ों की दाल गलती नहीं, और निकम्मा थाह पूछता है ।)

Eng. tr. Stout steeds cannot ford the river, while the worthless wretch asks, " How much deep is the water ? "

बड़े बड़े नाग पड़े, ढोंड़ माँगे पूजा । (भाग.)
(ढोंढ– छोटा विषहीन सर्प ।)

Eng. tr. Big cobras go unattended and the earthworm wants an offering. [wants to be worshipped.]

भूवा उघाडी फिरै, भतीजैनै खलको–टोपी जोयीजे। [राज.]
(फूफी नंगी फिरती है, भतीजे को कुर्ता–टोपी चाहिए।)

Eng. tr. The aunt roams about naked and the nephew wants a shirt and hat.

हाथी उडै जठे पुण्यांरा लेखा हुवै ? [राज.]
(जहाँ हाथी उड़े, वहां उनकी पूनियों के हिसाब होते हैं ?)

Eng, tr. Can one keep count of skeins of wool when the elephant is being blown away ?

हाथी घोड़ा बहा जाए, गधा कहे ' कितना पानी ' ?

Eng. tr. The elephant and horse are carried away and the ass asks, ' How much is water ? '

ENGLISH 1. He would bend the bow of Ulysses.
2. Fools rush in where angels fear to tread.

उर्दू ऊँट डूबे और भेडे था माँगे ।
The camel is drowning and the sheep wants to know the depth of water.

देवती अपने दिन भरे लोग माँगे परचार ।
(पीर खुद मुसीबत भरे और मरीद मुरादे माँगे ।)

Eng. tr. The God himself is in trouble and the worshippers ask for their wishes to be granted.

हाथी घोडे भाग गये, गधा पूछे पानी ।

Eng. tr. The elephants and horses ran away and the donkey asks about the depth of the water.

कश्मीरी हस्ति ड्रेयि नुँ वावुँ तुँ बुजि निथि कपस् कडिथ् ।
हिन्दी अनु. आँधी में हाथी (तक) नहीं टिके, (परन्तु) बुढ़िया कपास निकालती चली ।
Eng. tr. Even elephants could not stand the stormy winds, but the old woman harvested the cotton.

सिन्धी माड़्यूं महल किरी प्या छनो किर्योंत ला थ्यो ?
हिन्दी अनु. महल-बंगले गिर गए, अब बाकी रही हुई झोंपड़ी गिर गई तो इसका क्या दुख ?
Eng. tr. When palaces and bungalows have broken down what sorrow would a broken down small hut give ?

वाउ जबलु उड़ाए छडे तंहिं अगुया कपह छाहे ?
हिन्दी अनु. तूफान के आगे पहाड़ भी टूट जाए, फिर कपास की क्या बात ?
Eng. tr. Even the mountain gets shattered by the wind, then how can cotton-wool stand ?

मराठी उंट बुडतो आणि शेळी ठाव विचारते.
हिन्दी अनु. ऊँट डूबा, और बकरी पूछती है गहराई कितनी है ।

Eng. tr. The camel is drowned yet the goat asks the depth of the water.

पायलीची सामसूम, चिपट्याची धामधूम.

हिन्दी अनु. पंसेरी जाए चुपचाप, छँटाक मचाए हो-हल्ला।
Eng. tr. When a measure of a ton is empty, the measure of an ounce speaks loud.

भले भले गेले गोते खात, झिंझुरटे (घुंगुरटे) म्हणे माझी काय वाट ?

हिन्दी अनु. बड़े बड़े गए गोते खाते, झींगुर कहे मेरा क्या होगा ?
Eng. tr. When the big ones are being drowned the gnat wants to know its own fate.

सक्ख्या सासूला दिली लाथ, चुलत-सासूचा कापला कान, तिथे मामे-सासू मागते मान.

हिन्दी अनु. सगी सास को लात से मारा, चचेरी सास का कान काटा, और ममेरी सास को मान चाहिए।
Eng. tr. When the real mother-in-law is kicked and the cousin mother-in-law's ear is clipped, the indirect mother-in-law wants respect.

हज़ाराचा बसे घरी, दमडीचा येरझारा घाली.

हिन्दी. अनु. (अ) हज़ार का बैठे घर में, धेलो का उलझा चक्कर में।
(आ) हज़ार का बैठे चुप, धेले का करे दौड़धूप।
Eng. tr. Even when a man worth a thousand sits at home, the one worth a farthing goes up and down.

हत्ती बुडतो, अन् शेळी ठाव मागते.

हिन्दी अनु. हाथी डूबता है, और बकरी थाह लेना चाहती है।
Eng. tr. The elephant is drowned and the goat queries the depth of water.

गुजराती **उंट ना उंट घसडाई जाय, ने गधेडुं पार पूछे.**

हिन्दी अनु. ऊँट के ऊँट चले जावे, और गधा पार पूछे।
Eng. tr. When camels are carried away [by big flood] the donkey asks, " How much is the water ? "

ज्यां हाथी तणाई जाय, त्यां बकरी पार पूछे.

हिन्दी अनु. जहाँ हाथी बह जाए (खींच जाय), वहाँ बकरी पार पूछे [इजाजत माँगे]।
Eng. tr. The goat would seek permission where (even) an elephant is carried away.

भला भला खेंचाई जाय, ने नगारची के मारो डांडियो क्यां ?

हिन्दी अनु. अच्छे अच्छे खींच गये और नगारे बजानेवाला कहे मेरे डंडे [नगारा पीटने की लकड़ी] कहाँ ?

Eng. tr. The best among men are dragged away and the drummer says, "Where is my stick ?"

हाथी तणाई जाय, त्यां गाडरानुं कोण गजुं ?

हिन्दी अनु. हाथी डूब जाय (बह जाय) वहाँ भेड़ की क्या बिसात ?

Eng. tr. Of what account are sheep when even an elephant is carried away (in floods) ?

बाङ्ला एतो एतो महारथी; तारा पाया ना एक रति,
तुमी एमन भुँइया एके गामला लइया।

हिन्दी अनु. ऐसे ऐसे महारथी, जिन को न मिली एक रती,
तुम ही ऐसे ज़मींदार, जो ले आये हो बालटी।

Eng. tr. Such stalwarts and veterans could not obtain a drop, and you poor landlord come with a pail [hoping to fill it up].

कत शत गेल रथी, एखन शेओडातलार चक्रवर्ती।

हिन्दी अनु. सैंकडो बहादुर थक गए, अब आये है शेवड़ातला गाँव के चक्रवर्ती [ब्राह्मण]।

Eng. tr. Many a valient men have been already exhausted [in attempting this tough task], and now comes forth a mere Brahmin of a jungle-village !

बडो बडो हाती गेल तल, मशा बले कत जल ?

हिन्दी अनु. बड़े बड़े हाथी बह गये, मच्छर पूछे कितना जल।

Eng. tr. Mammoth elephants have been drowned deep, and yet a mere mosquito enquires about the depth of water.

असमीया बर बर घोराइ नापाय घाँह, टाटु घोंराइ बिचारे माह।

हिन्दी अनु. बड़े बड़े घोड़ों को घास भी नहीं मिलती, छोटे घोड़ों को चाहिए चने चबीने।

Eng, tr. The big horses cannot get grass, while the smaller ones desire ' Mah ' [horse grams].

भाल भाल घोंराइ नापाय घाँह, बटुआ घोंराइ बिचारे माह।

हिन्दी अनु. अच्छे अच्छे घोडों को मिलता नहीं घास, और टट्टू को चाह चने की।

Eng. tr. A good breed of horses doesn't get hay to eat and the pony desires gram.

हाती घोरा गल तल, छागे पुछे किमान हल।

हिन्दी अनु. हाथी घोड़े डूब गये, भेड़ा पूछे कितना पानी।

Eng. tr. Elephants and horses have gone under water, when the goat enquires, "How deep is it ?"

हाती-घोराइ नापाय ठाउनि, भेराई बोले किमान पानी।

हिन्दी अनु. हाथी घोड़ा न पावे थाह, भेड़ा पूछे कितना पानी।

Eng. tr. The elephant and the horse cannot reach the bottom of the water (course), and the sheep wants to know its depth.

ओड़िआ बड बड गले फसरफाटि, सान अइले बेसर बाटि।

हिन्दी अनु. बड़े बड़े गये फुस-फास, अब छोटे आये मसाले बाँटने।

Eng. tr. The big ones (more powerful ones) have failed, now the small come to prepare the spice.

शिळ शिळपुआ गगने उडुछन्ति, शिमिळि तुळा कहुछि मते रख।

हिन्दी अनु. शिला और सिलबटे आकाश में उड़ रहे हैं, सेमल रुई कहे मुझे बचाओ।

Eng. tr. The grinding stones are being carried into the sky (by storm) and the little cotton ball says ' Hold me '.

तमिळ आम्मियुम् कुळवियुम् आगायत्तिल परक्कच्चे, ऍच्चिट्ट कलै ऍनक्कु ऍन्न बुद्दी एन्राट्रपोलं.

हिन्दी अनु. सिल और पत्थर (बट्टा) आषाढ की हवा में उड रहे हैं, और केले का पन्ना पूछता है, ' मेरा क्या हाल होगा ? '

Eng. tr. A leaf-plate sought advice when the grindstone and its roller were flying in the air.

आळान् आट्कळुक्कु अविळ् अगप्पडाक् कालत्तिले काका पिशाशु कंझिक्कु अळुगिरदु.

हिन्दी अनु. समृद्ध लोगों को अनाज के लाले पड़े हैं तो काला पिशाच कंजि के लिये रो रहा है।

Eng. tr. The raven demon crying for kanji, when the well-to-do cannot obtain a grain of rice.

इरंबुक्कट्टियैक काट्रडिक्किर् पोदु भिलवंपंजु ऍनक्कु ऍन्न बुद्दि ऍन्किरदान्.

हिन्दी अनु. लोहा हवा में उड़ते समय कपास पूछता है कि अब मुझे क्या करना चाहिए ?

Eng. tr. It is said that when the wind was driving along a piece of iron, the silk-cotton asked what was best for him to do ?

ऍण्णप्पट्ट कुदिरै ऍल्लाम् मण्णैप् पोट्टुक् कोळ्ळ, तट्टुवाणिक् कुदिरै वंदु कोळ्ळुक्कु अळुगिरदाम्.

हिन्दी अनु. अच्छे नस्ल के घोड़े मिट्टी चाट रहे हैं, तब बदजात घोड़ा कुलुत्थ के लिये रो रहा है।

Eng. tr. Whilst horse of the first blood licks the ground, the miserable mule is neighing for gram.

ओन्रान पिरबु उरंगि किडैक्कैयिल् पिच्चैक्कु वंदवन् तत्तियोतनतिरकु अळुगिरानाम्.

हिन्दी अनु. धनपति भूखा, थका हुआ पड़ा है, और भिखारी चाहे चावल और दहीं।

Eng. tr. Whilst a peerless nobleman was lying hungry and exhausted, a beggar cries for rice and curds.

शडैत् तंबिरान् शाद्रुक्कु अळुगिरानाम्, लिंगम् पंज अमिर्ततिर्कु अळुगिरदाम्.

हिन्दी अनु. जटाधारी साधु कंजी के लिये रो रहा है, (उसका आराध्य) शिवलिंग पंचामृत के लिये रो रहा है।

Eng. tr. The religious mendicant with matted hair cries for pepper-water and the linga he worships cries for the five delicacies, viz. milk, curds, ghee, sugar, and honey.

पण्डारम् पिण्डत्तुक्कु अळुगिरान्, लिंगम् पाल् शोट्रूक्कु अळुगिरुदु.

हिन्दी. अनु. साधु भिक्षा के लिए रो रहा है, यहाँ लिंग क्षीरान्न के लिये ।

Eng. tr. The religious mendicant is crying for a mouthful of food, the linga he worships for rice and milk.

आडि कट्रिले अम्मि परक्कच्चे इलवम् पंजुक्कु एंगे गदि ?

हिन्दी अनु. आषाढ की हवा में सिल उड़ते समय कपास किस बात की ?

Eng. tr. How can the cotton stand the gale in rains, which carries away big rocks.

तेलुगु एनुगुलु एगिरी पोतूंटे दोमलो लेक्का ?

हिन्दी अनु. हाथी ही उड़ जा रहे हैं, तो मच्छरों की क्या गिनती ?

Eng. tr. Who cares for the mosquitoes, when elephants are carried away.

गड्डपलुगुलु गालिकि कोट्टुकोनि पोतु उण्टे, पुल्लाकु नागति एमि अन्नदट ?

हिन्दी अनु. रम्मे हवा में उड़े जा रहे हैं और जूठा पत्ता कहता है कि 'मेरा क्या हाल ?'

Eng. tr. When the crowbars are blown about by the winds, the leaf-platter says "what is to become of me ?"

गाडुपुकु गड्डपार कोट्टुकपोगा, उल्लिपोट्टु ना गति एमि अन्नाडट ?

हिन्दी अनु. तूफान में रंमा उड़ गयी तो प्याज की कराई ने कहा, 'मेरी क्या गति होगी ?'

Eng. tr. While the crowbar is blown off in the storm, the onion peel said, "What should become of me ?"

पीर्लु बिच्चानि केडिस्ते मुल्ला पंचदार केड्चिनाडट.

हिन्दी अनु. पीर भीख के लिए रोने लगा, तो मौला चीनी के लिए रोने लगा ।

Eng. tr. The 'Peer' cried for hunger, when the 'Mullah' cried for sugar.

हेसा हे मीलु एटि वेंट कोट्टुक पोतुंटे नक्क पाटिरेवु आडिगिंदट.

हिन्दी अनु. बड़े बड़े नदी में बह गये और सियार पूछे थाह ।

Eng. tr. When giants were being washed away in the river the fox asked for a ford.

कन्नड अतिरथ महारथरु इरुवल्लि उत्तर कुमारनन्नु केळुववरारु ?

हिन्दी अनु. अतिरथी महारथिओं के रहते उत्तर कुमार की क्या गिनती ?

Eng. tr. Who is to care for Uttarkumar when there are renowned and valiant warriors ?

ओळ्ळेयवरेल्ला हळ्ळ हिडिदु होगुवाग गुंगिहुळ गुडार हाकुत्तितु.

हिन्दी अनु. जब अच्छे अच्छे लोग मिट्टी में मिल गये, तब एक कुरेदनेवाला कीटक तंबू बनाता रहा ।

Eng. tr. When all good people went down the pit, the burrowing insect was putting up a tent.

मान्य मान्यरेल्ल मण्णु मुक्कुवाग दोण्णेकाटतले हाकुत्तित्तु.

हिन्दी अनु. जब अच्छे अच्छे धूल में मिल गये, तब गिरगिट ने सिर उठाया।

Eng. tr. When men of status were humbled to dust a chameleon lifted its head.

हदगे होगुवाग हेडिगेगेनु गति अंद हागे.

हिन्दी अनु. जहाज़ही डूबता हो तो उस में की टोकरी का क्या ?

Eng. tr. When the ship itself is sinking, who bothers about the basket inside ?

संस्कृत महागजाः पलायन्ते मशकानां तु का गतिः।

हिन्दी अनु. हाथी ही भाग जा रहे हैं तो मच्छरों की क्या गिनती ?

Eng. tr. Who cares for the mosquitoes, where elephants are running away.

५

अपना छोड़ दूसरे की अभिलाषा।

आशय

अपने पास जो हो उसे छोड़कर दूसरे की अभिलाषा करना व्यर्थ है। क्यों कि उसमें दोनों से हाथ धोने का प्रसंग अवश्य आता है। इसलिये मनुष्य को चाहिये कि जो जो कुछ अपने पास हो उससे संतुष्ट रहकर वह दूसरे की कामना न करे। अब इस उपदेश को भिन्न भिन्न उदाहरणों द्वारा इन कहावतों में मुखरित किया हुआ है। देखिये इस गुजराती कहावत में यही भाव है। – 'हाथ में जो है, उसे छोड़कर बगल में जो है उसे लेने जाता है।'

Subject

There are people who let go what they have in their hands and hanker after that which they don't have, and thereby lose both. This set tells us of such people. For instance, the Gujrati proverb — 'To try to catch hold of what is under the armpit, by leaving what is in the hand.'

हिन्दी आधी को छोड़ के सारी को धावे, ऐसा डूबे, थाह ना पावे।

Eng tr. Leave half to run after the whole, and you will be drowned beyond findings.

गोद का छोड़ पेट के की आस।

Eng. tr. Losing the child on her lap, she depends on her womb for another.

घर आया नाग न पूजे, बांबी पूजन जाय।

Eng. tr. They do not worship the snake in the house, but they go to worship at his hole.

पीररै भरोसै धाबलियो ही बाळयो। (राज.)
(पीहर के भरोसे धाबलिया भी जला दिया।)

Eng. tr. She depended on her father's home and burnt her blanket.

ENGLISH

1. A bird in the hand is worth two in the bush.
2. A feather in hand is better than a bird in the air.
3. He that leaves certainty, and trusts to chance,
   When fools pipe he may dance.
4. God send you readier meet than running hares.
5. I will not change a cottage in possession for a kingdom in reversion.
6. All covet, all lose.

उर्दू आधी को छोड़ सारी को जाय - आधी रहे न सारी पाय।

Eng. tr. One who leaves the 'half' in hand and runs for the whole, loses both.

कव्वा चला हंस की चाल, अपनी भी भूला।

Eng. tr. The crow began imitating the swan's gait and in the bargain forgot his own.

घर आये नाग न पूजे, बानये पूजन जाये।

Eng. tr. Doesn't worship the cobra that comes home and goes to worship him at his hole.

पंजाबी अग्गो मिली ना, पिच्छों कुत्ता लै गिआ।

हिन्दी अनु. आगे का मिला नहीं, और जो था वह पीछे से कुत्ता ले गया।

Eng. tr. While he was seeking for another's share, the dog took away from behind, what was already with him.

आधी छोड़ सारी नूं धावे ऐसा डुब्बे था ना पावे।

हिन्दी अनु. आधी छोड़ पूरी को धावे, ऐसा डूबे पार-न पावे।

Eng. tr. Leave half to run after the whole, and you will be drowned beyond findings.

घर दी अध्धी बाहर दी सारी नालों चंगी।

हिन्दी अनु. घर की आधी बाहर की सारी (पूरी) से अच्छी।

Eng. tr. Better half at home than the whole abroad.

थोड़ी छड़ बह्योती नूं धावे, अगली वी उस हत्थों जावे ।

हिन्दी अनु. थोड़ी छोड़ बहुत के लिये भागे, तो अगली भी हाथों से जावे ।

Eng. tr. Leaving his small share, he runs after the bigger one and loses what he already had.

सांगे दी बकरी कुसांगे दी मझ ।

हिन्दी अनु. हाथ की बकरी, दूर की भैंस के बराबर है ।

Eng. tr. A goat at hand is worth a buffalo at a distance.

कश्मीरी ज़ोगुम् ल्रक् हॅुन्दिस् ।

हिन्दी अनु. मैंने औरों के अधिकार को ताका, स्वयं अपने भाग के छः सेर से भी वंचित रहा ।

Eng. tr. I pried at others share, but got deprived of my own six seers.

पॅनुनि हचि बाह् त्रेचि ।

हिन्दी अनु. अपना धान केवल फूस क्यों न हो, दूसरों के बारह त्रख (नाप) से अच्छा ।

Eng. tr. One's own paddy, though mere husk, is more than twelve 'traks' (measures) of others.

सिंधी अध खे छडे जो सजे पुठ्यां डोड़े, तंहिंजो अधु बि वञे ।

हिन्दी अनु. आधे को छोड़कर जो सारे के पीछे दौड़ता है, उसका आधा भी चला जाता है ।

Eng. tr. One who leaves his 'half' and runs to get the 'whole', loses his 'half' too.

आहुर जे आसिरे झंगु न चिनाअं, सा वा गाह पटनि ते बीठे डिठाअं ।

हिन्दी अनु. ढोर चरने गये जंगल में; वहाँ उन्हें आसरा था कि लौटने पर बाड़े में बहुत कुछ खाने को मिलेगा, अतः जंगल में वे हरी घास केवल देखते ही रहे ।

Eng. tr. The cattle went to graze, they were sure to get fodder in their stable after their return, so they merely watched the green grass of the pastures.

पराई माड़ी डिसी पंहिंजो भूंगो न डाहिजे ।

हिन्दी अनु. दूसरे का महल देख अपनी झोंपड़ी मत गिराओ ।

Eng. tr. Never pull down your own hut at the sight of another's palace.

पराए पुलाव खां पंहिंजी पिछ बि चङी ।

हिन्दी अनु. परायों के पुलाव से घर की कांजी भी अच्छी ।

Eng. tr. Better one's own gruel than another's dish of meat and rice cooked together. •

मराठी तडीवरचो एक मासो रांपणीच्या शंभर माशांपेक्षा बरा. (को.)

हिन्दी अनु. किनारे की एक मछली जाल की सौ मछलियों की अपेक्षा अच्छी ।

Eng. tr. A fish on the bank of the river is better than a hundred in the net thrown (for them) in the sea.

हांतरुणावर आलेलीला नको म्हणावयाचे, मग खुणावीत बसायचे.

हिन्दी अनु. बिछौने पर आई हुई को नहीं कर दिया, और बाद में इशारे करते रहा । (अशिष्ट)

Eng. tr. To refuse her who comes to his bed, and then to signal for one all night.

हातचे सोडून पळत्यामागे लागू नये.

हिन्दी अनु. हाथ का छोड़कर भागते के पीछे नहीं लगना चाहिए।

Eng. tr. One mustn't lose the one in the hand to run after something racing ahead.

गुजराती हाथमांनुं मेलीने कांखमानुं लेवा जाय.

हिन्दी अनु. हाथ में का छोड़कर बगल में का लेने दौड़ना।

Eng. tr. To try to catch hold of what is under the arm-pit, by leaving what is in hand.

बाङ्ला एटा छेड़े ओटा धरि हात फसके पड़े मरि।

हिन्दी अनु. इस को छोड़ उस को पकड़ा, हात फिसला मर गया।

Eng. tr. I leave this and take hold of that, but soon fall flat as my hands miss the hold.

एटा धरि, ना ओटा धरि, हातेर पाँच छाड़ते नारि।

हिन्दी अनु. यह पकडूं या वह पकडूं ? सबसे अच्छा यह है कि हाथ में जो है वह न छोडूं।

Eng. tr. Shall I hold this, or better to hold that and so on,—thinks the wavering fellow. The best way is not to lose whatever is in the hands.

कोलेर छेले फेले दिये पेटेर भरसाय थाका।

हिन्दी अनु. हाथ के बच्चे को छोड़ गर्भस्थ शिशु के भरोसे रहे।

Eng. tr. To cast away a grown up son and bank upon one in the womb.

असमीया कोलार एरि पेटर आशा।

हिन्दी अनु. गोद के (बच्चे) को छोड़कर, पेट में रहे (बच्चे) की आशा।

Eng. tr. Deserting the one on the lap in the hope of one in the womb.

कोलारटो एरि बोकारटो आशा कर।

हिन्दी अनु. गोद का छोड़कर पीठ की आशा करे।

Eng. tr. Leaves what is in his lap and yearns for what is behind him.

दूरैर रौ-बराली, ओचरर पुठि-खलिहा।

हिन्दी अनु. दूर की रौ-बराली (बड़ी मछली) से पास की पुठि-खलिहा (छोटी मछली) अच्छी।

Eng. tr. 'Puthi' and 'Khaliha' (small fishes) at hand are better than 'Row' and 'Barali' (big fishes) at a distance.

धन महङले ग'ल, लोणभार पेलाइ ।
माटिभार आनिले, ठाइ मचिबले हल ।

हिन्दी अनु. (प्रीतम) व्यापार करने गया, नमक की वहँगी (काँवर) छोड़कर मिट्टी की वहँगी ले आया; चलो, घर लीपने को काम आयी ।

Eng. tr. The master of the house went out for business and instead of salt, bought clay on his sling. Never mind, it can be used to besmear the walls of the house.

ओड़िआ आम्ब दिने पणसर चिंता ।

हिन्दी अनु. आम के मौसम में पणस की चिंता ।

Eng. tr. To think of (wish for) a jack-fruit in the season of mangoes.

तमिऴ इरवर् सीलैयै नम्बि इडुप्पुक् कन्दैयै अेरिन्दाळाम्.

हिन्दी अनु. उधार की साड़ी के भरोसे पर कमर के चीथड़े को फेंक दिया ।

Eng. tr. It is said that relying on a borrowed cloth, she threw away her tattered cloth on her loin.

उरियिले वेण्णैच् इरुक्क, नेय्क्कु अलैवानेन् ?

हिन्दी अनु. छींके पर मक्खन रखकर घी के लिये क्यों दौड़े ?

Eng. tr. Why go about in quest of ghee when you have butter in your own swinging tray.

कैप्पळत्तैक् कोडुत्तुत् तुरट्टिप् पळत्तुक्कु अण्णांदु निरपानेन् ?

हिन्दी अनु. हाथ का फल खोकर, अँकुडी से फल प्राप्त करने की आशा लिये बैठे हो ?

Eng. tr. Why give up the fruit in your hand and stand gazing at that which can only be reached by a hook ?

कैयिर् परवैयै विट्टुक् काट्टुप् परवैक्कुक् कण्णि वैक्कळामा ?

हिन्दी अनु. हाथ की चिड़िया को छोड़कर वनपक्षी को पकड़ने का प्रयास क्यों ?

Eng. tr. Why let a bird in the hand go and snare one in the jungle ?

कैयिल् वेण्णेय् इरुक्क नेय्क्कु अलैवानेन् ।

हिन्दी अनु. हाथ में मक्खन रखकर घी के लिए क्यों फिरें ?

Eng. tr. Why search for ghee, when the butter is in hand ?

नाळैक्कुत् तिन्गिर् पलाप्पळत्तिलुम् अिन्रैक्कुत् तिन्गिर् कळाप्पळम् नल्लदु.

हिन्दी अनु. कल मिलनेवाले कटहल की अपेक्षा आज प्राप्त होनेवाला कळाफल उत्तम है ।

Eng. tr. Better is the 'kala' berry eaten today than the jack-fruit in prospect for to-morrow.

पिन्नाले वरुम् पलाक्कायिनुम्, मुन्नाले वरुम् कळाकाय् नल्लम्.

हिन्दी. अनु. बाद आनेवाले कटहल फल से पहले मिलनेवाला कळा फल अच्छा है ।

Eng. tr. Katakkaya is better in hand than a jack-fruit in prospect.

पोरैक् कट्टिवैत्तुप् पोट्टुप् पिचैक्कुप् पोवानेन् ?

हिन्दी अनु. धान की उपज को बाँध कर रख के, क्यों भीख माँगने जाते हो ?

Eng. tr. Having stacked your corn, why go a-begging ?

वयिट्रु पिळ्ळैयै नम्बिक् कैप् पिळ्ळैयैप् परि् कोडुत्तदुँ.

हिन्दी अनु. पेट के बच्चे पर विश्वास कर जीवित बच्चे को खो बैठी।

Eng. tr. Relying on the child in the womb, she lost one on her lap.

वेण्णेयै वैत्तुक्कोण्डु नेय्क्कु अळलामा ?

हिन्दी अनु. अपने पास मक्खन रख कर घी के लिये क्यों रोवे ?

Eng. tr. Having butter, why should you weep for ghee ?

तेलुगु अरचेत वेन्न पेट्टुकोनि, नेतिकि एड्चिनट्टु.

हिन्दी अनु. हथेली पर मक्खन रखकर घी के लिये रोता है।

Eng. tr. Butter in his palm, he cries for ghee.

ओड विडचि बदरु पट्टिनट्लु.

हिन्दी अनु. बेड़ा छोड़कर तुमड़ा पकड़ा।

Eng. tr. Left the boat and held on to the bottle-gourd.

वेन्न पट्टु कोनि नेय वेदकनेल.

हिन्दी अनु. मक्खन छोड़ घी के लिये फिरे।

Eng. tr. Leaving the butter in hand, he goes in search of ghee.

कन्नड अरिशिनद कूळुनंबि वर्षद कूळन्ने कैतोळेद.

हिन्दी अनु. हलदी-अन्न पर ललचा, तो सालाना अन्न भी खो बैठा।

Eng. tr. In the hope of a feast, the farmer lost a year's crop.

इद्दद्दु उळिसिको, याबुदो मुगिल मल्लिगेगे कै हाकुव आसेगे बीळबेड.

हिन्दी अनु. जो है सो बचाये रक्खो, आसमान के फूल (तारे) तोड़ लाने की अभिलाषा छोड़ दो।

Eng. tr. Keep what you have; don't fall a prey to the desire of reaching the flower in the sky.

कन्नडियोळगिन गंटिगिंत कैयल्लिरुव दंटे लेसु.

हिन्दी अनु. दर्पण में देखी संपत्ति से हाथ में है सो सब्जी अच्छी।

Eng. tr. The vegetable in hand is better than the treasure in the mirror.

गंड पट्टे सीरे तरुत्तानेंदु इद्द सीरे सुट्टळु.

हिन्दी अनु. पति किनारवाली साड़ी लाएगा ऐसा सोचकर उस ने अपने पास जो साडी थी वह भी जला दी।

Eng. tr. Hoping that the husband would bring a laced saree, she burnt the saree she had.

दूरद नयद कल्लिगिंत समीपद गोर्कल्ले लेसु.

हिन्दी अनु. दूर के सुहावने पत्थर की अपेक्षा पासवाला खुरदुरा पत्थर अच्छा।

Eng. tr. The rugged stone nearby is better than a smooth stone far off.

बेण्णेयिट्टुकोंडु तुप्पक्के अलेदरु.

हिन्दी अनु. माखन घर में छोड़कर घी की तलाश।

Eng. tr. With butter at home, they searched for ghee everywhere.

मळे नीरु बिट्टु संजिन नीरिगे कै ओड्डिद हागे.

हिन्दी अनु. बरसात का पानी छोड़ ओस के लिए हाथ पसारना।

Eng. tr. Stretching the hand for dew water leaving the rain water.

संते सूळेय नेच्चि मनेय हेंडति बिट्ट.

हिन्दी अनु. बाज़ारु वेश्या पर विश्वास कर घर की पत्नी को छोड़ दिया।

Eng. tr. He gave up his wife trusting the shandy prostitute.

मलयाळम् अन्नु किट्टुन्न आयिरं पोन्निलुं इन्नु किट्टुन्न अरक्काशु वलुत्तु.

हिन्दी अनु. आज मिलनेवाला आधा पैसा, आगे मिलनेवाली हज़ार स्वर्ण-मुद्रा से बेहतर है।

Eng. tr. Half a penny one gets to-day is better than a thousand gold coins one may get at some later day.

आरान्टे पल्लिनेक्काळ् अवनवन्टे मोण नल्लतु.

हिन्दी अनु. दूसरे के दाँतों से अपना मसूड़ा भला।

Eng. tr. It is better to depend on one's own gums rather than to depend on other's teeth.

किट्टान् पोकुन्न तन्कत्तेक्काळ् किट्टिय नाकं नन्नु.

हिन्दी अनु. हाथ का जस्ता बाज़ार के सोने से अच्छा।

Eng. tr. The tinsel in hand is better than the gold in bazar.

कैयिल् वेण्ण वेच्चु नेय्क्कु अलेयुन्नो.

हिन्दी अनु. हाथ पर मक्खन रख कर घी के लिये फिरे।

Eng. tr. While butter is with him, he runs for ghee all over.

पिटिच्चतिने विट्टु परक्कुन्नतिन् वळिये पायरुतु.

हिन्दी अनु. हाथ का छोड़ कर उड़ते के पीछे न पड़ो।

Eng. tr. Don't run after a flying one, leaving one already in hand.

संस्कृत वरमद्य कपोतः श्वो मयूरात्।

हिन्दी अनु. आज का कबूतर कल के मोर से अच्छा।

Eng. tr. A pigeon today is better than a pea-cock to-morrow.

पाठभेद वरमद्य तित्तिरिः, न श्वो मयूरी।

हिन्दी. अनु. आज का तीतर कल की मोरनी से अच्छा।

Eng. tr. A partridge to-day is better than a pea-hen to-morrow.

वृद्धिमिष्टवतो मूलमपि विनष्टम्।

हिन्दी अनु. समृद्धि की आकांक्षा में मूल भी नष्ट हुआ।

Eng. tr. One hankering after prosperity loses even the bare necessities.

६

अपना दोष समझ में नहीं आता, दूसरों का दिखाई देता है।

आशय

अपना दोष किसीको दिखायी नहीं देता, दूसरे के दोष निकालने में मनुष्य व्यस्त रहता है। इसी मनुष्य-स्वभाव का व्यंगोक्तिपूर्ण आविष्कार नीचे दी हुई कहावतों द्वारा होता है।

Subject

There are people who cannot see their own glaring faults, but find out minute ones of others. The following set of proverbs are sarcastic remarks on them.

हिन्दी अढ़नी दुसलनि बढ़नी के चलनी दुसलनि सूप के। (सुज.)
(जो स्वयं कुछ नहीं करती बढ़नी (झाडू) की, और चलनी सूपकी निन्दा करे।)

Eng. tr. One who doesn't do anything finds fault with the broom: and the sieve (which has more holes) censures the winnowing fan.

अपना टेटर देखें नहीं, दूसरे की फुल्ली निहारें।

Eng. tr. He can't see the cataract in his own eyes, but he sees the sty in another's.

घर बळती को दीसै नी डूंगर बळती ज्याय। [राज.]
(घर में जलती आग नहीं दिखाई देती, पहाड़पर जलती आग दिखाई दी जाती है।)

Eng. tr. The fire in the house goes unnoticed, but the fire on the hills is visible.

चलनिया दूसे बढ़निया के जेकरा सहसर गो छेद। [पट.]
(चलनी झाडू की निन्दा करती है, जो स्वयं हज़ारों छिद्रों से भरी है।)

Eng. tr. The sieve which has hundreds of holes finds fault with the broom.

चालणी सुईने हँसै। [राज.]
[चलनी सुई को हँसती है। (जिस में खुद में अनेक छिद्र हैं, वह एक छिद्रवाली को हँसती है।)]

Eng. tr. The sieve laughs at the needle.

छाज बोले सो बोले, चलनी भी बोले जिस में बहत्तर सौ छेद।

Eng. tr. If the winnowing fan speaks it is well, but if a sieve full of holes speaks, what then ?

तवो हाँडीने काळी बतावै । [राज.]
(तवा हाँड़ी को काली बतलाता है।)

Eng. tr. The pan calls the pot black.

पगां बळती को दीसै नी, डूंगर बळती दीख जाय। [राज.]
(पैरों के पास जलती आग नहीं दिखायी देती, दूर पहाड़पर जलती हुई दिखायी दे जाती है।)

Eng. tr. Fire at one's feet goes unnoticed, while the fire on a hill is seen.

ENGLISH

1. " Crooked carlin ! " quo' the cripple to his wife.
2. The frying pan says to the kettle, ' Avaunt black brows! '
3. The kettle calls the pot black.
4. The raven chides blackness.
5. The raven said to the rook, ' Stand away, black coat ! '
6. The sooty oven mocks the black chimney.
7. The chimney-sweeper bids the collier wash his face.
8. The kiln calls the oven burnt house.
9. People who live in glass houses should not throw stones at others.
10. He that hath a head made of glass must not throw stones at others.
11. Thou hypocrite, first cast out the beam that is in thine own eye and then shalt thou see clearly to cast out the mote out of thy brother's eye. (Math. vii. 5)
12. He who laughs at crooked men should need walk very straight.

उर्दू कानडी अपना टींट न नहारे औरों की पुतली देख बखाने।

Eng. tr. The one-eyed cannot see the cataract in her own eye and looks at the pig-sty in another's.

छाज बोले तो बोले, छलनी भी बोले जिस में सतरा छेद।

Eng. tr. The winnowing fan makes noise, but why should the sieve too who has seventeen holes ?

पंजाबी अपणीआं मैं कच्छे मारां, बह पराईयां फोलां।

हिन्दी अनु. अपनी चीज़ें बगल में दबाऊँ, औरों की फरोलती जाऊँ।

Eng. tr. I hide my own shortcomings, and discuss other's failings.

आप किसे जेही ना, ते नक चढानो रही ना।

हिन्दी अनु. आप सबसे बुरी, नाक चढ़ाए औरोंपर।

Eng. tr. She herself is worst of all, but frowns upon others.

छाणणी की आँखसी छज्जेआ जिस दे नो सो वेध।

हिन्दी अनु. चलनी क्या कहे छाज को, जब खुद में नौ सौ छेद।

Eng. tr. How could a sieve chuckle before a winnowing basket, when it has nine hundred holes in itself.

दुजे दी अख दा तिनका दिसदा है, ते अपणा शतीर वी नहीं दिसदा।

हिन्दी अनु. दूसरे की आँख का तिनका दिखाई देता है, अपनी आँख में शहतीर दिखाई नहीं देता।

Eng. tr. One sees a mote in another's eye, but can't see a log (beam) in his own.

कश्मीरी अन्द्रँ दज़ान् पान् तुँ न्यबरँ जालान् लूकन्।

हिन्दी अनु. अन्दर से स्वयं जल रहा है, बाहर से लोगों को जला रहा है।

Eng. tr. From inside (he is) on fire himself, outside, firing others.

पंज़िस् दप्या पोंज़् ज़ि मंदुल् छुय् व्वज़ुल्.

हिन्दी अनु. बन्दर को बन्दर कहे, 'तुम्हारा चूतड़ लाल है!'

Eng. tr. A monkey tells a monkey that his anus is red.

ग्रॅनान् जहानस् तुँ वनान् पानस्।

हिन्दी अनु. वह दुनिया को दोष लगाता है, जब कि खुद दोषी है।

Eng. tr. He finds fault with the world and forgets that he himself is in the wrong.

सिंधी परणु चवे डूंघे खे हलु ड़े टिटूंगा।

हिन्दी अनु. छलनी कहे नारियल से, तुम में तीन सुराख हैं।

Eng. tr. The sieve says to the cocoanut ladle, "Avaunt oh three-holed fellow!"

मेंहिं पंहिंजी कारंहिं कान डि्से, गांइ खे चवे हलु ड़ी पुछकारी।

हिन्दी अनु. भैंस अपना कालापन नहीं देखती, गायसे कहती है, "भाग री पूंछ-काली!"

Eng. tr. The buffalo doesn't look at her own blackness and tells the cow to run away because she has a black tail.

मराठी आपण कुंटो, दुसऱ्याक म्हणता थोंटो. (गो.)

हिन्दी अनु. खुद तो है लंगड़ा और दूसरे को कहे लूला।

Eng. tr. Crippled himself, but calls the other lame.

आपण हसतो लोकाला, शेंबूड आपल्या नाकाला.

हिन्दी अनु. खुद हँसे दूसरोंपर, सिनक अपनी नाकपर।

Eng. tr. Makes fun of others, when he has phlegm at his nose-tip.

आपल्या डोळ्यातले मुसळ दिसत नाही, त्याला दुसऱ्याच्या डोळयातले कुसळ दिसते.

हिन्दी अनु. अपनी आँख का मूसल भी नहीं दिखाई देता, (लेकिन) दूसरे की आँख का तिनका भी दिखाई देता है।

Eng. tr. He cannot see a pestle in his own eye, but sees a bristle in the other's.

आपल्या पायात घुपसली वाल, आनी हाव काढता दुसऱ्याची चाल. (गो.)

हिन्दी अनु. (अ) अपने पैरों में काँटा चुभा, और दूसरे से कहे लंगड़ते क्यों चला।
(आ) अपना पैर सीधा नहीं पड़ता और दूसरे की चाल को टेढ़ी कहता।

Eng. tr. Himself limps with a thorn in his foot, but blames the other for his crooked gait.

आपुण रांड शिनाले ज़ाल्यार भावा बायले पातयेना.

हिन्दी अनु. खुद तो रांड कुलटा बने, और भाई की पत्नीपर नज़र रखे।

Eng. tr. A whore herself, but watches her sister-in-law (brother's wife) closely.

काथवट हसते कुंड्याला नि म्हणते, ' बाळा, मी अकद नि तुझे तोंड रुंद. '

हिन्दी अनु. कठौत कहे कुंडे से ' बच्चे, मेरा मुँह छोटा तेरा बडा। (वास्तव में कठौत परात जैसी होती है और कुंडे का गला छोटा होता है।)

Eng. tr. A wooden pan laughs at a pitcher saying, " Your rim is broader and mine is smaller. "

गुजराती चारणी करवरां ने हीणे, के तारामां एक आंचळुं (आंधरुं).

हिन्दी अनु. चलनी (अनाज छानने की) झारी को नीचा दिखावे कि तेरे में एक छेद है।

Eng. tr. The sieve scorns a ' karvadau ', " There's a hole in you. "
(Karvadu - A small pitcher with a spout.)

पारकी भूल पहली देखाय, ने पोतानी भूल नासी जाय.

हिन्दी अनु. दूसरों की भूल पहले दीखती है, और अपनी भूल भाग जाती है।

Eng. tr. Another's error (fault) is at once spotted, while one's own escapes notice.

बळद गधेडाने शिखामण आपे.

हिन्दी अनु. बैल गधे को सीख दे।

Eng. tr. Bull advises an ass.

मूळमां मुळजी कुंवारा, ने सालानां लगन पुछे.

हिन्दी अनु. एक तो मूलजी कुँवारे और फिर साले की शादी पूछे।

Eng. tr. Moolji himself is actually unmarried, yet he enquires about his brother-in-law's marriage. (The marriage of his wife's brother.)

बाङ्ला आनारस बले कोँठारु भाइ, तुमि बड़ खसखसे।

हिन्दी अनु. अनारस कहे कटहल से " भाई तुम बडे खुरदुरे "।

Eng. tr. " Oh brother Jack-fruit, " says the pine-apple, " You are very thorny. "

आपन छिद्र जाने ना, परेर छिद्र खोँजे।

हिन्दी अनु. अपने दोष देखता नहीं, दूसरों के दोष निकाले।

Eng. tr. Ignorant of his own faults, he seeks faults in others.

आपन दोष झुड़ि झुड़ि, परेर दोपे दिइ तुडि।

हिन्दी अनु. खुद दोषों से भरा, दूसरों के दोषोंपर टूट पड़े।

Eng. tr. Full of faults himself, he jumps at the fault of others.

आपन दोषे जन्मकाना, परेर दोषे पर्वतपाना।

हिन्दी अनु. अपने दोष देखने को अंधा; दूसरे के दोष पर्वत समान।

Eng. tr. To his own faults he is totally blind, while he sees the faults in other magnified like mountains.

आपन पागल बेंधे राखि, परेर पागल हाततालि दिइ।

हिन्दी अनु. अपने पागल को बाँध रखूँ, पराए पागलपर ताली पीटूँ।

Eng. tr. To put a mad person in one's house behind the locked doors (lest others tease him), but clap at the doings of another madman (not related to one).

कोकिलेर रा शुने पेंचार हासि पाय।

हिन्दी अनु. कोयल की कूक सुनकर उल्लू हँसे।

Eng. tr. Listening the cuckoo's cooing, an owl laughs.

गुये बले, गोबरा दादा तोमार गाये गंध।

हिन्दी अनु. गू बोले, " गोबर दादा, तेरे तन में गंध। "

Eng. tr. Excreta ridiculing cowdung as odorous.

चालुनि छुँचेर विचार करे।

हिन्दी अनु. (छेदभरी) चलनी सुई का विचार करे। (छेद का)

Eng. tr. The sieve is discussing the needle (for it's hole).

चालुनि बले, छुँच, तोर ' तला ' केन छेंदा ?
आपन दोष देखेन ना, यार सर्वांग बेंधा।

हिन्दी अनु. चलनी कहे, ' सुई तेरे पीछे क्यों छेद ' ?
अपना दोष नहीं देखे, जब बदनपर छेद हि छेद।

Eng. tr. The sieve says, " Oh needle, why is there a hole in your bottom ? " Thus, the many-holed one would not mind her own holes (and bother about the only hole in someone else).

चालुनिर गा झरझर करे; चालुनि सबार विचार करे।

हिन्दी अनु. छेदों से भरी चलनी, सबों का विचार करे।

Eng. tr. With a body which is perforated all over, the sieve is judging the (holes in) others.

निजेर कथा कय ना शाली; परके बले चाल्ता-गाली।

हिन्दी अनु. अपने बारे में साली कुछ नहीं कहती, दूसरे किसी के गाल कहती है सड़ियल सेब से हैं।

Eng. tr. Wife's sister is silent about herself, but mentions someone else as having cheeks so sunken as a (worm-eaten, hollow) apple.

निजेर नाक डाका केउ माने ना।
हिन्दी अनु. अपनी नाक का खर्राटे लेना कोई नहीं मानता।
Eng. tr. No one admits of one's own snoring habit.

निजेर बेलाय सब काना।
हिन्दी अनु. अपने पर आ बीतने पर हर कोई काना। (अपने दोषों को देख नहीं सकता।)
Eng. tr. Everyone is blind when it comes to one's own faults.

परेर दोषेर अन्त नेइ, निजेर दोषे थुड़ि।
हिन्दी अनु. पराए दोष अनगिनत, अपना दोष तुच्छ।
Eng. tr. To dwell endlessly on other's faults and to belittle one's own faults.

सातुर मा बले पाँचुर मा मडुन्चे।
हिन्दी अनु. सातू की मा कहे पांचू की मा डाइन। (जिस के छः पुत्र मर गए और सातवाँ जीवित है वह जिसका पाँचवाँ पुत्र जीवित है उस को कहे डाइन। (पुत्रभक्षक))
Eng. tr. A woman whose six sons have died and the seventh has survived calling a woman whose four sons have died and the fifth one has survived an ogress.

असमीया आपोनार् गा तेकतेकीया, अइनर गालै पानी छटियाय।
हिन्दी अनु. अपना बदन भीगा भीगा, दूसरोंपर पानी छिड़के।
Eng. tr. His own body is wet, yet he throws water at others.

आपोनार फालेइ टेकटेकिया, लोकर फाले पानी चटिया।
हिन्दी अनु. स्वयं भीगा भीगा, औरोंपर पानी फेंके।
Eng. tr. Drenched himself, sprinkles water on others.

पर छिद्र पदे पदे, आपोन छिद्र नेदेखय।
हिन्दी अनु. परायों का दोष कदम कदम पर देखे, अपना दोष न देखे।
Eng. tr. He finds faults with others, but never looks at his own shortcomings.

ओड़िआ आपणा गोदर गोड़ दुआरे चलु नाहीं, पर घरे बात चिकित्सा करुछि।
हिन्दी अनु. अपना हस्ती रोगी पैर तो दरवाजे बाहर नहीं जाता, और दूसरे के घर की रोगचिकित्सा।
Eng. tr. One's own filarial feet cannot move out of one's house, and tries to cure filaria at the neighbour's.

काणी बिराडि कुजी असरपा उपरकु टाण।
हिन्दी अनु. कानी बिल्ली लंगड़े तिलचट्टे पर गुस्सा करे।
Eng. tr. A one-eyed cat scolds (gets angry with) a lame cockroach.

चालुणि कहे छुंचिकि तो गांडिरे गोटाए कणा।
हिन्दी अनु. चलनी कहे सूई से 'तेरी गांड में एक छेद'।
Eng. tr. A sieve tells the needle, "Oh needle, there is a hole in your bottom."

ता दुआर मुहँ खतकुड, से परदांड ओळउछि ।

हिन्दी अनु. अपने घर के सामने कूड़े का ढेर और पराया घर बुहारे ।

Eng. tr. A heap of rubbish on his doorstep, and he is sweeping another's doorstep.

बुद्धि न आसे घरकु, बतेइ दिए परकु ।

हिन्दी अनु. बुद्धि न अपने पास, बताये पराये को ।

Eng. tr. Witless on problems facing one-self, and goes on advising others.

तमिळ् ऊमैयुम् ऊमैयुम् मूक्कैच् शोरिदाट्पोल.

हिन्दी अनु. गूँगे के सामने गूँगे ने नाक खरोंचने के समान ।

Eng. tr. As a dumb on meeting the dumb scratch their noses. (If a person on meeting a dumb scratches his nose, the dumb becomes very angry.)

ओरक्कण्णनैप् पळिक्किरान् ओट्टैकण्णन.

हिन्दी अनु. काने को कोसता है आँखों की कोर से देखनेवाला ।
(काना कोसता है एकाक्ष को ।)

Eng. tr. A squint-eyed mocks at a one-eyed.

केडुमदि कण्णुक्कुन् तोन्रादु.

हिन्दी अनु. अपना अविवेक नहीं दीखेगा ।

Eng. tr. One is blind to his own imprudence.

तन् कुट्रम् पार्प्पवर् इंगु इल्लै.

हिन्दी अनु. अपना कसूर देखनेवाले यहाँ कोई नहीं ।

Eng. tr. No one on earth sees his own faults.

तेलुगु अेवडि नोटिकंपु वाडिकि तेलीदु.

हिन्दी अनु. अपने मुँह की बदबू कोई नहीं जानता.

Eng. tr. A foul mouth knows not its own smell.

चक्कगा कूर्चोरा चाकलनायडा अण्टे, विनावटोइ ईडिगनायडा मंगल नायडि सरसम अन्नाडट.

हिन्दी अनु. (नाई) ने कहा कि रे धोबी नायुडु (साहब) जरा ठीक बैठो, तो कहा, रे कलार नायुडु देखो नाई नायुडु की दिल्लगी ।

Eng. tr. " Sit properly, Mr. Washerman. " said the barber. " Mr. Toddy drawer, do you hear Mr. Barber's joke ? " said the other.

चक्कलान्नि चूचि जंतिक नव्विंदट.

हिन्दी अनु. शुष्कुलिका को देखकर सेव-चक्र (संयाव) हंसा । (दोनों वर्तुळाकार हैं, दोनों में छिद्र भी हैं ।)

Eng. tr. The mould for ' sev ' (which has many holes) ridicules the mould for chakli (which has one hole),
(Sev and chakli are eatables.)

गुडिसे वाटुलकु इल्लालु गुत्त लंजे.

हिन्दी अनु. रंडियाँ घरवालियों को ठेकेदार रंडियाँ कहती हैं।

Eng. tr. The harlots call a family woman a whore.

गुरिविंद गिंज गुद्दकिंद नलुपेरुगदु.

हिन्दी अनु. घुंघची अपनी गांड पर का काला दाग नहीं जानती।

Eng. tr. The crab's eye doesn't know the black spot on its own buttock.

कन्नड एम्मे करु तन्न चंदक्के हंदि मरीत आडिकोंडितु.

हिन्दी अनु. भैंस का बछड़ा (खुद को खूबसूरत समझकर) सूअर के बच्चे की हँसी उड़ावे।

Eng. tr. The buffalo-calf mocked at the young pig thinking itself beautiful.

गुलगंजि कप्पु गुलगंजिगे तिळियदु.

हिन्दी अनु. घुँघची को अपने काले दाग का पता नहीं रहता।

Eng. tr. The crab's eye is not aware of its black spot.

तन्न एलेलि कत्ते सत्तु बिद्दिद्दरु इन्नोब्बर एलेय नोण होडेयलिक्के होदरु.

हिन्दी अनु. अपने पत्तलपर गधा मरा पड़ा है, दूसरे की पत्तल से मक्खी उड़ाना चाहता है।

Eng. tr. Although a donkey is dead on his leaf-plate, he goes to drive away the fly on other's leaf-plate.

बडवरन्नु कंडरे तिरुकरिगे हास्य, बेप्परन्नु कंडरे हुच्चरिगे हास्य.

हिन्दी अनु. ग़रीब से भिखमँगा मज़ाक करे, बुद्दू से पागल दिल्लगी करे।

Eng. tr. The poor are mocked by even beggars, the imbecile are ridiculed by lunatics.

मलयाळम् अन्यन्टे कण्णिले करटु नोक्करुतु.

हिन्दी अनु. दूसरे की आँखों की किरकिरी मत खोजो।

Eng. tr. One should not look for the blot in another's eye.

करियिल्लात्तवन् विरलिल्लात्तवने आक्षेपिय्क्कुन्नु.

हिन्दी अनु. बिना हाथवाला बिना ऊँगलीवाले की हँसी उड़ाये।

Eng. tr. The handless finds fault with the fingerless.

तन्टे कण्णिल् कोलिरिय्क्के आरान्टे कण्णिले करटेटुक्कान्, श्रमिय्करुतु.

हिन्दी अनु. अपनी आँख में सुई पड़ी है, और दूसरों की आँख से किरकिरी उठानेका श्रम क्यों ?

Eng. tr. When there is a needle in your own eye, don't try to remove the particle in other's.

तन्टे मुतुकुं तान अरियुनिल्ल.

हिन्दी अनु. अपनी पीठ आप नहीं देख सकते।

Eng. tr. One can't see one's own back.

वट्टिचेन्नुँ मुऱत्ते कुट्टं पऱयुं.

हिन्दी अनु. टोकरी की सूप के खिलाफ शिकायत।

Eng. tr. The basket blaming the winnowing fan.

वितुमन्नुँ मणिप्पूत्तिट्टुँ ओट्टु नीरुल्लवरे परिहसिय्क्कुं.

हिन्दी अनु. हाथी-रोगी पाँव मिट्टी में छिपा कर सूजे पाँव की निन्दा करेगा।

Eng. tr. One hides his filaria-affected leg and mocks at other's swollen leg.

संस्कृत खलः सर्षपमात्राणि परच्छिद्राणि पश्यति।
आत्मनो बिल्वमात्राणि पश्यन्नपि न पश्यति॥

हिन्दी अनु. दुष्ट मनुष्य दूसरों के छोटे से छोटे दोषों को भी (सरसों जैसे दोषों को भी) ढूँढता रहता है पर अपना बिल्वपत्र के समान दोष भी वह देखा अनदेखा करता है।

Eng. tr. A wicked person is out to detect other's weak points even of the size of a mustard seed, but would overlook his own of the size of a wood-apple.

छिद्रं भद्रे हन्त पुच्छे तवेति
सूचीं ब्रूते चालनी दूषयन्ती।

हिन्दी अनु. चलनी ने सूई को दोष देते हुए कहा, 'हाय री! तेरी दुम में एक छेद है।' (वास्तव में चलनी में सैंकड़ो छेद होते हैं।)

Eng. tr. "Alas! O good one, you have a hole in your tail!" so the sieve blames the needle.

७

अपना पूत, पराया टर्टींगर।

आशय

अपनी चीज को हर कोई सराहता है, अपनी चीज सबको अच्छी लगती है। अपना बेटा चाहे जैसा हो दूसरों के बच्चों से अच्छा ही लगता है। इस अपनत्व की भावना के साथ निम्न-लिखित कहावतों का घनिष्ठ संबंध है। बांगला की यह कहावत इस सनातन सत्य की साक्षी है – "अपने दहीं को कोई खट्टा नहीं कहता।"

Subject

One's own possessions are praised by oneself as the best of the whole lot. A Bengali proverb gives us a good example– 'None calls his own curds sour.'

हिन्दी अनकर सुघर बर पानी के हेल्कोर, अपना कुबुज बर सतुआ भर कौर।

Eng. tr. Another's clever husband like a splash of water, one's own foolish husband is like a plate full of meal.

अपना गू भोजन बराबर।

Eng. tr. One's own dirt is as good as food.

अपना पूत, पराया टटींगर।

Eng. tr. One's own is a son, another's is a lout.

अपना मीठ, अनकर तीत।

Eng. tr. Your own is sweet, another's bitter.

आपकी सो लापसी, परायी सो कुसकी। (राज.)

अपनी लापसी और परायी कुसकी। (लापसी उमदा भोजन और कुसकी निकृष्ट भोजन होती है।)

Eng. tr. What is one's own, tastes sweet; but another's is tasteless chaff.

कुम्हार अपना ही घड़ा सराहता है।

Eng. tr. Potter praises his own pitcher.

ग्वालन अपने दहीं को खट्टा नहीं कहती।

Eng. tr. The cowherd's wife does not call her curds sour.

बछिया रही तऽ सुहागिन रही, बिका गेल तऽ बछिया अभागिन भई। (चंपा.)

(बछिया जबतक घर में थी, सौभाग्यवती मानी जाती थी, जब वह बिक गई, तब लोग उसे अभागिन कहने लगे।)

Eng. tr. The heifer was auspicious so long as it was with us; when it was sold out to others, it became inauspicious.

ENGLISH
1. The owl thinks all her young ones beauties.
2. The crow's chick is dear to the crow.
3. The crow thinks her own bird fairest.
4. No one cries stinking fish.
5. Every potter praises his own pot, and more if it be broken.
6. Every bird likes its own nest best.
7. Each priest praises his own relics.

उर्दू अपना बाला और पराया ढेंगरा।

हिन्दी अनु. अपना लड़का अच्छा, और दूसरों का बुरा।

Eng. tr. One's own son is good, another's is a lout.

अपना 'बिस्मिल्लाह', दूसरे का 'नौज़ बिल्लाह'।

(अपना बच्चा भगवान बचाये, दूसरे के लड़के से भगवान बचाये।)

Eng. tr. One's own "God bless him"; to the others "God protect me from him."

कानडी को कौन सराहे ? कानी का बावा।
Eng. tr. The one-eyed girl is praised only by her father.

मेरे पूत की लम्बी लम्बी बाहें।
Eng. tr. My son has long arms.

पंजाबी अपणा अपणा, पराया पराया।
हिन्दी अनु. अपने सो अपने, पराए सो पराए।
Eng. tr. Our kinsmen are our's, strangers are strangers after all.

अपणा नींगर, पराया डींगर।
हिन्दी अनु. अपना शिशु, दूसरे का लमडींग।
Eng. tr. One's own is a youngster, and other one's is a bramble.

अपनी छाह नूं कोई खट्टी नहीं कहेन्दा।
हिन्दी अनु. अपनी लस्सी को कोई खट्टा नहीं कहता।
Eng. tr. No one proclaims his own butter-milk as sour.

कांवणी नूं कां प्यारा, रावणी नूं रा प्यारा।
हिन्दी अनु. कौवी को कौवा प्यारा, राजकुमारी को राजकुमार प्यारा।
Eng. tr. A crow is dear to a she-crow, and a prince is dear to a princess.

कुम्हारी अपणे भाण्डे सला हुंदी है।
हिन्दी अनु. कुम्हारन अपने ही मटके सराहती है।
Eng. tr. The potter's wife praises her own pots.

हर कोई अपणी हट्टी दा होंकरा देंदा है।
हिन्दी अनु. हर कोई अपनी दूकान का ढंढोरा पीटता है।
Eng. tr. Everybody advertises his own shop.

कश्मीरी गूर् दप्या जि म्योन् द्दद् छु चोक्।
हिन्दी अनु. क्या ग्वाला कभी कहेगा कि मेरा दहीं खट्टा है ?
Eng. tr. Will ever the milkman say that his curds is sour ?

सिन्धी ज़ालं भोलिड़नि खे बि प्यार्यूं आहिनि।
पाठभेद भोलिड़नि खे बि पंहिंजूं ज़ालूं प्यार्यूं आहिनि।
हिन्दी अनु. बंदरों को भी अपनी औरतें प्यारी लगती हैं।
Eng. tr. Even the monkeys love their wives.

नुंहं सभुको बिए जी साहांए, धीअ सभुको पंहिंजी साहाए।
हिन्दी अनु. हर कोई दूसरे की बहू को सराहता है, हर कोई अपनी बेटी को सराहता है।
Eng. tr. Everybody praises the daughter-in-law of others and his (or her) own daughter.

पंहिंजे धंउरे खे केरु खटो चवंदो।
हिन्दी अनु. अपने दही को कौन खट्टा कहेगा।
Eng. tr. Who will call his own curds sour?

मराठी आपला गू आपणास घाणत नाही.

हिन्दी अनु. अपनी विष्टा (गूह) की हमें बदबू नहीं आती ।

Eng. tr. One's own excreta does not stink (though it may be offensive or loathsome to others.)

आपला तो बाळ्या (बाब्या), दुसऱ्याचे ते कारटे.

हिन्दी अनु. अपना सो सपूत, दूसरे का मुआ कपूत ।

Eng. tr. One's own child is a darling, but the others is a devil.

आपल्या खेटरावर माया ती दुसऱ्याच्या पोरावर नसते.

हिन्दी अनु. अपने जते पर जितना प्रेम होता है, उतना दूसरे के पूतपर भी नहीं होता ।

Eng. tr. A man does not care for the child of another as much as he cares for his own shoes.

आपल्या आईला कोणीही डाकीण म्हणत नाही.

हिन्दी अनु. अपनी माँ (खुद की माता) को कोई भी डायन नहीं कहता ।

Eng. tr. Nobody calls his own mother a witch.

आपलें चेंडु नक्षत्तर, पेल्यालें म्हारापोरा. (गो.)

हिन्दी अनु. अपनी लड़की सितारे जैसी, दूसरे की ढेंढ की जैसी ।

Eng. tr. One's own daughter is beautiful like a star, but the one of the neighbour is as ugly as a sweeper's daughter.

आपले ते गोजिरवाणे, लोकाचे ते लाजिरवाणे.

हिन्दी अनु. अपना सो भला चंगा, दूसरे का मैला गंदा ।

Eng. tr. One's own child is a pretty cherub, but another's a shameful imp.

दुसऱ्याचा तो भोसडा, आपली ती चीर.

हिन्दी अनु. दुसरे की सो चूत, अपनी कहे योनि । (अशिष्ट प्रयोग)

Eng. tr. Other's female organ is vulva and one's own is vagina.

माझी पोर, गुणाची थोर.

हिन्दी अनु. मेरी लाड़ली गुणों की पुतली ।

Eng. tr. My own daughter is very virtuous.

गुजराती आपणुं ते हा हा, बीजानुं ते ही ही.

हिन्दी अनु. अपना सो वाह् वाह्, दुसरों का छी छी ।

Eng. tr. That which is ours is to be admired (applauded) and that which belongs to others, is to be ridiculed.
(हा हा – exclamation for admiration. ही ही – exclamation for ridicule.)

काणी धीने कोण वखाणे ?—तेनी मा.

हिन्दी अनु. कानी बेटी को कौन बखाने (प्रशंसा करे) ?—उसकी माँ ।

Eng. tr. Who would praise one-eyed daughter ?—her mother.

पोतानी माने कोण डाकण कहे ?

हिन्दी अनु. अपनी माँ को कौन डाकिन कहे ?

Eng. tr. Who would call his own mother a witch ?

पोतानी वहूने काणी कोण कहे ?

हिन्दी अनु. अपनी बहू को कौन कानी कहे ?

Eng. tr. Who would call his own wife one-eyed ?

बीजाने घर रांड भांड, मारे घेर सती ।

हिन्दी अनु. दूसरों के घर रांड भांड, मेरे घर सती ।

Eng. tr. A shameless prostitute at other's house, at my own, a chaste virtuous wife.

मारा छगन मगन सोनानां, पडोसीनां पित्तळनां, ने गामनां छोकरां गारानां.

हिन्दी अनु. मेरे छगन मगन सोने के, पड़ौसी के पीत्तल के, और बाकी गाँववालों के बच्चे मिट्टी के ।

Eng. tr. My Chhagan and Magan are made of gold; the neighbour's children of brass and those of the village are made of clay.

सौ पादे तो छी छी, ने वहू पादे तो घी घी ।

हिन्दी अनु. सब पादें तो छी छी, और बहू पादे तो घी घी ।

Eng. tr. "Fie, how dirty ! " if all others fart, and it is ghee, if the wife farts.

सौ पोतपोतानो कक्को खरो करे.

हिन्दी अनु. सब अपनी अपनी बारासड़ी ठीक बताते हैं ।

Eng. tr. Everybody proves his letter of alphabet to be correct.

बाङ्ला आपन धान विश पसुरि, परेर धान एक पसुरि ।

हिन्दी अनु. अपना धान बीस पसेरी, दूसरे का धान एक पसेरी ।

Eng. tr. His own crops will yield twenty bushels, but his neighbour's crop may yield one bushel.

आपन पुत घ'रे आने, झोले-भाते खाय,
परेर पुत घ'रे आने, जुलु जुलु चाय ।

हिन्दी अनु. अपने लड़के को सब्जी भात, दूसरे के लड़के को कुछ नहीं ।

Eng. tr. To treat one's own son to rice and curry, while treat another's son in a rough way.

कनेर मा कने बाखनाय्, आमार मेयेटि भालो ।
धानसिद्ध हँाडिर चेये एक दुखानि कालो ॥

हिन्दी अनु. लड़की की माँ बैठी बखाने, बेटी मेरी बड़ी भली ।
चावल पकाने की हाँडी से थोड़ी ज्यादा काली ॥

Eng. tr. The bride's mother praises her daughter as a good girl, just a bit darker than the bottom of a vessel on the stove.

गयलार दइ गयलाय बाखनाय ।

हिन्दी अनु. ग्वाले का दहीं ग्वाला बखाने ।

Eng. tr. The curds of the milkman is praised by himself.

निजेर छेलेटि, खाय एतटि, नाचे येन लाटिमटि ।
परेर छेलेटा, खाय एतटा, नाचे येत बाँदरटा ॥

हिन्दी अनु. अपना लड़का, खाए इतना, नाचे जैसे लट्टू ।
पराया लड़का, खाए इतना, नाचे जैसे बंदर ॥

Eng. tr. One's own son, eats only so much and dances like a spinning top; other's son, eats so much and dances like a monkey.

निजेर छेले सोनाधन, परेर छेले दुशमन ।

हिन्दी अनु. अपना लड़का सोनाधन, पराया लड़का दुश्मन ।

Eng. tr. One's own son is a chip of gold, other's son is an evil (literally enemy).

निजेर दइ केउ टक बले ना ।

हिन्दी अनु. अपने दहीं को कोई खट्टा नहीं कहता ।

Eng. tr. None calls his own curds sour

राजार राणी कानार कानी ।

हिन्दी अनु. राजा की रानी, काने की कानी ।

Eng. tr. A queen to her king and a blind wife for a blind man (are dear and loved).

असमीया घैणीये भाङिले काँहि, पेलाले खत्रखलाइ हाँहि ।
बान्दीये भाङिले कतरा, गड़गाओ पालेगै बतरा ।

हिन्दी अनु. गृहिणी ने थाली तोड दी, तो मुस्करा दिया । नौकरानी ने मटका तोड़ा तो उसकी बदनामी गारगाँव राजधानीतक पहुँची ।

Eng. tr. The wife broke a metal dish and he smiled; the maid broke the earthen pot and the complaint reached Gargaon (capital of Assam).

ओड़िआ गउडुणी आपणा दहिकु खटा कहे कि ?

हिन्दी अनु. ग्वालन कभी अपने दहीं को खट्टा कहेगी ?

Eng. tr. Will the milk-maid ever say that her curds is sour ?

जेझा घर ताकु मथुरा पुरी, जेझा बर ताकु श्रीकृष्ण सरि.

हिन्दी अनु. हरेक को अपना घर मथुरा जैसा लगता है । हर स्त्री को अपना पति कृष्ण के समान लगता है ।

Eng. tr. To each his home is like Mathura, to each her husband is like Krishna.

पर पुअ मला, नाँ रोग बाहारे बाहारे गला ।

हिन्दी अनु. पराया पुत्र मर गया, नहीं–रोग बाहर ही बाहर गया । (अपने पर नहीं बीती ।)

Eng. tr. The other's son is dead, so (so far as self is concerned) the trouble is ended.

मा डाहाणि हेले पुअ कु लुचेइब।

हिन्दी अनु. माँ डायन भी हो, तो पुत्र को छुपाएगी।

Eng. tr. Even if the mother is a witch, she will hide her child.

तमिऴ् इमैक् कुट्रम् कण्णुक्कुत् तेरियादु.

हिन्दी अनु. पलकों का दोष आँख को नहीं दिखाई देता।

Eng. tr. The defects in the eye-lids are not apparent to the eye.

ऎट्टिमरमानालुम् वैत्तवर्क्कुप् पक्षम्.

हिन्दी अनु. एट्टि वृक्ष होनेपर भी वृक्ष लगानेवाले को उस पर विशेष मोह होता है।

Eng. tr. Though an etti tree, he who planted it will like it.

काक्कैक्कु तन् कुंजु पोन् कुंजु।

हिन्दी अनु. कौए को अपना बच्चा सोने का है।

Eng. tr. Though but a young crow, it is golden one to its mother.

कुरंगुक्कुम् तन्कुट्टि पोन्कुट्टि.

हिन्दी अनु. बंदर को भी अपना बच्चा सोने का।

Eng. tr. Even to the monkey, its own young is precious.

तन्नैप् पुगऴाद कम्माळनुम् इल्लै.

हिन्दी अनु. अपनी प्रशंसा न करनेवाला कुम्हार नहीं मिलेगा।

Eng. tr. There is no artificer who does not praise himself.

मण्पिळ्ळै आनालुम् तन् पिळ्ळै.

हिन्दी अनु. मिट्टी का ढेला ही क्यों न हो, अपना ही पुत्र है।

Eng. tr. Though earthen, one's own child is precious.

तेलुगु ऎवरि कंपु वारि किंपु.

हिन्दी अनु. अपनी बदबू हर एक को पसंद आती है।

Eng. tr. One's foul smell is one's fine smell.

ऎवरि पिच्चि वारिकि आनन्दम्.

हिन्दी अनु. हर एक को अपनी मस्ती पसंद आती है।

Eng. tr. One's madness is one's bliss.

कडुपुन पुट्टिन बिड्ड, कोंगुन कट्टिन रूक.

हिन्दी अनु. अपने पेट से जना हुआ बच्चा, गाँठ में बंधा हुआ रुपया (प्यार होता है)।

Eng. tr. The child born of one's own womb and the rupee tied in her saree's end (are very dear).

काकिपिल्ल काकिकि मुद्दु.

हिन्दी अनु. कौए का बच्चा कौए को प्यारा।

Eng. tr. The crow's chick is dear to the crow.

तनदि ताटाकु, इवतलिवाळ्ळदि ईताकु.

हिन्दी अनु. अपना ताड़-पत्र, दूसरों का खजूर का पत्ता।

Eng. tr. His is the palm-leaf, other's is the date-leaf.

ता वलचिन्दिरम्भ, ता मुनिगिन्दि गङ्ग.

हिन्दी अनु. अपनी प्रिय स्त्री रंभा, जिस में नहाया वह (नदी) गंगा।

Eng. tr. The woman he likes is Rambha, and the water he bathes in is Ganga.

कन्नड हेत्तवरिगे हेग्गण मुद्दु, कूडिदवरिगे कोडग मुद्दु.

हिन्दी अनु. चूहे सा बच्चा भी माँ को प्यारा, कौए सी पत्नी भी पति को प्यारी।

Eng. tr. Even the bandicoot offspring is dear to the parents and a crow-like wife is dear to the spouse.

मलयाळम् अवनवन्टे कुटिल् अवनवनुॅ कोट्टारं.

हिन्दी अनु. अपनी झोंपड़ी अपने को महल।

Eng. tr. One's own cottage is a palace to oneself.

काक्करक्कुं तन्पिळ्ळ पोन् पिळ्ळ.

पाठभेद काकैक्कुं तन् कुञ्ञ पोन् कुञ्ञ.

हिन्दी अनु. कौओ को भी अपना बच्चा सोने का।

Eng. tr. Even for a crow, its child is golden (precious).

तन्निष्टं पोन्निष्टं; आरान्टिष्टं विम्मिष्टं।

हिन्दी अनु. अपनी पसंद सोने जैसी, दूसरे की लोहे जैसी।

Eng. tr. One's own choice is like gold; other's choice is like iron.

तन्टे पोन्निनुॅ माट्टेरुं .

हिन्दी अनु. अपना सोना बारह वानी।

Eng. tr. One's own gold is more worth.

संस्कृत अन्यमुखे दुर्वादो यः प्रियवदने स एव परिहासः।
इतरेन्धनजन्मा यो धूमः सोऽगुरुभवो धूपः॥

हिन्दी अनु. दूसरों के मुख से कुछ बातें अच्छी नहीं लगती, वही बातें प्रिय व्यक्ति के मुँह से सुनने पर आनंद होता है। जैसे सामान्य लकड़ी से धुआँ निकलता है वही धुआँ, अगरु से निकलने पर धूप कहलाता है।

Eng, tr. An expression coming from a third person appears unpleasant, while the same in the mouth of a dear one becomes enjoyable; just as what is had by burning aloe wood is 'incense', while burning ordinary faggot gives out mere 'smoke'.

सर्वः कान्तं आत्मीयं पश्यति।

हिन्दी अनु. (१) हरकोई अपनों को सुन्दर समझता है।
(२) सब को अपने संबंधी सुन्दर दिखायी देते हैं।

Eng. tr. Everybody considers his own kith and kin beautiful.

८

अपना हाथ जगन्नाथ ।

आशय

स्वयं जो काम करते हैं, वे ही सिद्धि पाते हैं। खुद कष्ट उठाकर मेहनत कर के ही रोटी कमानी चाहिए। अपने हाथों जो काम संपन्न होता है, वही मनुष्य के लिये लाभदायक निकलता है। दूसरे के भरोसे किये काम की बड़ी दुर्गति होती है। इस स्वावलंबन का सबक इन कहावतों में सिखाया गया है। यह असमीया कहावत इसी भाव की परिचायक है—" अपनी बुद्धि से सर्वसिद्धि, पराई बुद्धि से सर्वनाश। "

Subject

Persistent efforts lead to success, this is what the following proverbs tell us. The efforts must be made by oneself, reliance on others may lead to ruin. For example, the Assamese proverb, 'one's own wit leads to fulfilment, to bank on other's wit is to lose one's shirt.'

हिन्दी अपना हाथ जगन्नाथ ।

Eng. tr. One's own hand is the lord of the land. (i.e. self dependent).

अपनी करनी पार उतरनी ।
(अपने ही प्रयत्न से सफलता मिलेगी।)

Eng. tr. Self-reliance leads to success.

अपने मरे बगैर सुरग नहीं.

Eng. tr. You cannot see heaven without dying yourself.

आप काज महाकाज।

Eng. tr. Self-done is well done.

उद्दम से दलिद्दर घटे।

Eng. tr. Poverty declines, before labour.

ENGLISH

1. For that thou canst do thyself, rely not on another.
2. He who depends on others, dines ill and sups worse.
3. Self do, self have.
4. He who trusts to borrowed ploughs will have his land lie fallow.
5. Unhappy wight born to do disaster's end,
   That doth his life in long dependence spend. (Spencer)
6. God helps those who help themselves.
7. No gains without pains.
8. No pains, no gains.
9. If you want a thing done, go; if not, send.

उर्दू अपने मरे बिन सरग नहीं मिलता ।
Eng. tr. You cannot see heaven, unless you die yourself.

अपने हाथ बल बल जाये जैसा मन चाहे वैसा खाये ।
Eng. tr. One who rests on his own oars, eats to his heart's content.

खुदा का मारा हराम, अपना मारा हलाल ।
Eng. tr. Killed by God is unlawful killed by yourself is lawful food !

पराई आँखे काम नहीं आती ।
Eng. tr. Another's eyes are of no use.

पराये कोठी का टेढा मुँह ।
Eng. tr. Another's house has a crooked front.

पंजाबी अपणी पत अपणे हथ ।
हिन्दी अनु. अपनी पत अपने हाथ ।
Eng. tr. One's own honour is in one's own hand.

आप काज महाकाज ।
हिन्दी अनु. आप काज महाकाज ।
Eng. tr. Self-done is best done.

आप ना मरे, स्वर्ग ना जाए ।
हिन्दी अनु. खुद मरे बगैर स्वर्ग में नहीं जाया जाता ।
Eng. tr. One cannot go to heaven without dying.

पर हथीं वणज सुनेहे खेती, कदे न होन्दे बत्तियां तेतीं ।
हिन्दी अनु. पराये हाथों व्यापार करो, और दूसरों से खेती (संदेश भेजकर) करवाओ, तो तुम्हारे बत्तीस के तैंतीस कभी न होंगे ।
Eng. tr. Trading through an agent and managing farms on other's reports will not bring you even small gains. (Your thirty-two rupees will not become thirty-three.)

कश्मीरी चन्दस् ह्युह् हुँ बान्दव् व्वन्दस् ह्युह् नु तिरॅथ् ।
हिन्दी अनु. अपनी जेब जैसा बन्धु नहीं, और अपने हृदय के समान तीर्थ नहीं ।
Eng. tr. No kin like one's own pocket, and no sacred place like one's own mind.

सिंधी अपनी घोट त नशा थी वेङे ।
हिन्दी अनु. अपनी (भांग) घोटकर पीओ तो नशा हो ।
Eng. tr. Grind your own (bhang) so that you may get intoxicated.

अब जो डि॒नो कहिड़े कम जो, जासीं रबुन डि॒ए ।
हिन्दी अनु. बाप का मिला हुआ किस काम का, जब तक भगवान नहीं देता ।
Eng. tr. What is the use of the wealth given by one's father, if God hasn't given any. (God's given wealth is hard earned.)

अत्रे चाड़ी, अदे चाड़ी, मूं न चाड़ी त कंहिं न चाड़ी।

हिन्दी अनु. बाप ने (देगची) चढ़ाई; भाईने (देगची) चढ़ाई; अगर मैंने नहीं चढ़ाई तो किसी ने नहीं चढ़ाई।

Eng. tr. My father cooked, my brother cooked, but if I did not cook, nobody cooked.

खेती सिर-सेती।

हिन्दी अनु. खेती अपने सरसे, अर्थात् स्वयं करनी चाहिए।

Eng. tr. Agriculture requires one's own personal attendance.

रे पंहिंजी खटीअ, सभरु ब़रेन बाहि।

हिन्दी अनु. अपनी कमाई के सिवाय आग तेज़ नहीं जलती।

Eng. tr. The fuel-fire doesn't burn properly unless it is earned by oneself.

मराठी अनुभवावाचून कळत नाही चावल्यावाचून गिळत नाही.

हिन्दी अनु. अनुभव के बिना जाना नहीं जाता, चबाए बिना निगला नहीं जाता।

Eng. tr. One cannot understand without one's experience and cannot swallow without chewing himself.

आपण मेल्यावाचून स्वर्ग दिसत नाही.

हिन्दी अनु. खुद मरे बिना स्वर्ग नहीं दिखाई देता।

Eng. tr. One cannot see heaven unless one dies first.

आपला हात जगन्नाथ.

हिन्दी अनु. अपना हाथ जगन्नाथ।

Eng. tr. One's own hand is the sovereign of the land.

उद्योगाचे घरी ऋद्धि सिद्धि पाणी भरी.

हिन्दी अनु. उद्योग के घर में ऋद्धि सिद्धि पानी भरें।

Eng. tr. One who is industrious finds his house flooded with wealth and success.

हालवले हात, तर मिळेल भात.

हिन्दी अनु. हिलाये हाथ, तो मिलेगा भात।

Eng. tr. If the hands work, one will get rice.

गुजराती आप मुवा विना स्वर्गे न जवाय.

हिन्दी अनु. आप मरे बिना स्वर्ग नहीं मिलता।

Eng. tr. One can't reach heaven unless one dies.

बाङ्ला आपन चोखे सोना वर्षे, दादार चोखे रुपा,
तार पर यतो देख-गापा और गुपा।

हिन्दी अनु. अपनी आँखों के सामने काम हो, तो सोना बरसेगा। बड़े भैया के सामने काम होगा तो चाँदी बरसेगी। ऐरे गैरे काम देखेंगे तो फिर केवल बातें ही बातें।

Eng. tr. The work done before your own eyes (done by yourself)

yields gold; work done by brother (or relatives) yields silver; by other persons done, the work yields only disastrous results.

आपन हात जगन्नाथ, परेर हात एँटो पात।

हिन्दी अनु. अपना हाथ जगन्नाथ, पराया हाथ जूठा पात।

Eng. tr. My own hand is sacred, hands of all others are soiled leaves.

असमीया **आपोन (निज) बुद्धि सर्ब्बसिद्धि, परर बुद्धि गा उदि।**

हिन्दी अनु. अपनी बुद्धि से सर्व सिद्धि प्राप्त होगी, पराई बुद्धि से नंगा बदन। (सर्वनाश)

Eng. tr. One's own wit leads to fulfilment, to bank on others wit is to lose one's shirt.

आपोन हात जगन्नाथ।

हिन्दी अनु. अपना हाथ जगन्नाथ।

Eng. tr. One's own hand is the lord of the world.

स्वनामा उत्तमा, पितृनामा मध्यमा, शहुर नामा अधमा।

हिन्दी अनु. अपने नाम पर आगे बढ़े तो उत्तम; पिता के नाम आगे बढ़े तो मध्यम और श्वशुर के नाम आगे बढ़े तो अधम।

Eng. tr. One who goes by one's own name is best; one who goes by his father's name is worse; and one who goes by the name of his father-in-law is the worst.

साँतोर साँतोर निज बाहुबले, साँतुरिब नाजानिले जा रसातले।

हिन्दी अनु. तैरो, तैरो, अपने भरोसे, तैरना न जानो तो जाओ जहान्नुम में।

Eng. tr. Swim, swim by the strength of your arms, if you cannot swim, go to hell.

ओड़िआ **आपणा हात जगन्नाथ।**

हिन्दी अनु. अपना हाथ जगन्नाथ।

Eng. tr. One's own hand is God.

आपे चषिबु पूरा चाष, छता जोता अधा चाष, मूलिआ चाष फसरफास।

हिन्दी अनु. खुद परिश्रम करे तो पूरी खेती, छाता जूता पहनकर करे तो आधी खेती, मजदूरों से की खेती व्यर्थ है।

Eng. tr. If you cultivate your land yourself it is full cultivation; if only with shoes and umbrella, it is half cultivation; if with servants, it will fizzle out.

आपे न मले जम दर्शन नाहीं।

हिन्दी अनु. आप मरे बिना यम के दर्शन नहीं होते।

Eng. tr. There is no seeing Yama without dying oneself.

आपे मले स्वर्ग जाए, पर मले बुड दिए।

हिन्दी अनु. खुद मरे तो स्वर्ग सिधारे, दूसरा मरे तो डुबकी लगाए।

Eng. tr. If one dies one goes to heaven, if another dies one takes a dip.

आपे वाणिज्ञ पुते चाष, गोति करे सर्बनाश।

हिन्दी अनु. अपने हाथों व्यापार, और बेटे के हाथों खेती होती है, दूसरा जातवाला सर्वनाश कर देता है।

Eng. tr. Trade can be done only by oneself and farming by one's son, other kith and kin ruin you completely.

तमिऴ अवरवर अक्करैकु अवरवरे पाडुपडुवार.

हिन्दी अनु. अपनी भलाई अपने हाथ।

Eng. tr. One's own good is in one's own hands.

तन् कैय्ये तनक्कु उदवि.

हिन्दी अनु. अपना हाथ ही अपना सहायक।

Eng. tr. Your own hand is your assistant.

तान् तेडाप् पोन्नुक्कु माट्टुम् इल्लै उरैयुम् इल्लै.

हिन्दी अनु. अपने प्रयत्न से न कमाये सोने का कोई मूल्य नहीं, उसकी कसौटी भी नहीं।

Eng. tr. Gold not acquired by one's own exertions, has neither standard nor touch.

तान् पोगिर् कारियत्तुक्कु आट्पोनाल् ओरु शोट्टु.

हिन्दी अनु. अपने काम के लिये दूसरे को लगाया तो गल्तियाँ होंगी।

Eng. tr. Faults will occur if another be deputed to do one's business.

तेलुगु अरचेतिलो वैकुंठमु.

हिन्दी अनु. हथेली में वैकुंठ। (मुक्ति अपने हाथ में है।)

Eng. tr. Vaikuntha in your fist. (Your salvation is in your hands.)

दिगिते गानि लोतु तेलियदु.

हिन्दी अनु. उतरने पर ही गहराई मालूम होती है।

Eng. tr. You can know the depth only when you get down.

कन्नड तन्न तले अेडिगे तन्न कै.

हिन्दी अनु. अपने सिरहाने अपनी बाँह।

Eng. tr. Your own arm is the support for your head.

तन्न बलवे बल.

हिन्दी अनु. अपना बल ही बल है।

Eng. tr. One's own strength is real strength.

तानु माडिदु उत्तम, मग माडिदु मध्यम, आळु माडिदु हाळु.

हिन्दी अनु. आप स्वयं करो तो बेहतर, बच्चों से करवाओ तो टालमटोल, नौकर से कराओ तो बदतर।

Eng. tr. Doing oneself is the best; getting done by the son is mediocre, and what the servant does is ruinous.

तानु सायवेकु, स्वर्ग काणवेकु.

हिन्दी अनु. स्वर्ग देखने के लिये स्वयं अपने को मरना पड़ता है।

Eng. tr. One has to die to see heaven.

मलयाळम् अन्य कैयु तलय्क्कु वेच्चाल् ओनुकोण्टुमुरय्क्कयिल्ल.

हिन्दी अनु. दूसरे के हाथ का तकिया करे तो वह कैसे भी सुरक्षित न रहेगा।

Eng. tr. One will not feel secure, if he has another's hand as his pillow.

आळेरे पोकुन्नतिनेक्काळ् तानेरे प्पोकनल्लू.

हिन्दी अनु. कई लोगों को भेजने की अपेक्षा स्वयं जाना बेहतर है।

Eng. tr. It is better to go oneself than to send many others.

तन् कैरये तनिक्कुत्तकू.

हिन्दी अनु. अपना हाथ ही अपना सहायक।

Eng. tr. Your own hand is your assistant.

तन्टे करये तलय्क्कु वेच्चु कूटु.

हिन्दी अनु. अपने सिरहाने अपना ही हाथ रखे।

Eng. tr. Use your own hand as a pillow.

तानुन्टे तन्टे वयर् निरयू.

हिन्दी अनु. स्वयं खाने से ही अपना पेट भरेगा।

Eng. tr. One can fill one's belly by taking food oneself.

संस्कृत उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

हिन्दी अनु. उद्योग की सफलता कार्य करने से होती है, न कि केवल मनोकामना करनेसे। सोये हुअे शेर के मुँह में पशु खुद नहीं चले जाते। उसे अपने पराक्रम से शिकार प्राप्त करना होता है।

Eng. tr. Success in an undertaking is achieved only through hard work, not by mere wishful thinking. Prey by itself does not go in the mouth of a sleeping lion.

उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः।

हिन्दी अनु. उद्योगशील पुरुषसिंहों के साथ लक्ष्मी निवास करती है।

Eng. tr. Fortune embraces the industrious. Fortune favours the brave.

९

अपनी गली में कुत्ता शेर ।

आशय

अपने घर में हर कोई राजा है। स्वयं घर का मालिक होने के कारन वह घर में चाहे जैसा व्यवहार कर सकता है। उसे कोई रोक नहीं सकता। अपने घर में दूसरे किसी की एक न चलेगी, पर घर के बाहर उसे अवश्य सतर्क रहना पड़ेगा। अपने घर में आदमी बली होता है। इस आशय को लेकर यह तमिऴ कहावत प्रयोग में आयी है—"पानी में हाथी को खींचनेवाला मगर क्या जमीनपर बिल्ली को खींच सकेगा ?"

Subject

Everyone is king in his own house and is free to behave as he pleases, but outside his own home he has to be careful. The following proverbs tell us of this idea. For instance, the Tamil proverb—"Can an alligator which can draw an elephant in water, drag a cat on a dry ground?"

हिन्दी अपन भैंस के कुड़हरिये नाथब। (मुज.)
(अपनी भैंस को कुल्हाड़ी से नाथूँगा।)

पाठभेद आप रौ बलद कवाड़ियै सूं नाथौ। (राज.)
Eng. tr. I will bore the nose of my buffalo / bull with an axe.

अपना खूँटा पर कुकुरो बली। (मुज.)
(अपने खूँटे पर कुत्ता बलवान् होता है।)
Eng. tr. The dog is valiant at his own peg.

अपना घर हग भर, दूसरे का घर थूकने का डर।
Eng. tr. You may foul your own house, but cannot even spit in another's.

अपनी गली में कुत्ता भी शेर।
Eng. tr. Even the dog is a tiger in his own lane.

घर में बिलौटा बाघ।
Eng. tr. A cat is tiger in its own house.

झरबेरी के जंगल में बिल्ली शेर।
(अपनी जगह पर सब बड़े हैं।)
Eng. tr. In the jungle of gooseberry, the cat is a tiger.

ENGLISH
1. East or West, home is the best.
2. Every man is a sheriff on his own hearth.
3. Every groom is a king of home.

4. A man is a lion in his own cause.
5. Every dog is a lion at home.
6. A cock is bold on his own dung-hill.
7. Every dog is valiant at his door.
8. Every cock is proud on his own dung-hill.
9. My house is my castle.

पंजाबी अपणां घर ते हग हग भर।
हिन्दी अनु. अपना घर गू से भर।
Eng. tr. One can have the freedom in his own house of rendering it filthy even with excrement.

अपणी गली विच कुत्ता वि शेर होन्दा है।
हिन्दी अनु. अपनी गली में कुत्ता भी शेर होता है।
Eng. tr. Every dog is a lion in his own lane.

अपणे घर कोई छज वजाए कोई छानणी किसे नूं की।
हिन्दी अनु. अपने घर कोई छाज वजाए या छालनी वजाए, उस से किस को क्या ?
Eng. tr. Who bothers whether one plays upon a winnowing basket or on a sieve in his own house.

अपणे घर हर कोई बादशाह है।
हिन्दी अनु. अपने घर में हर कोई सम्राट है।
Eng. tr. Everyone is a monarch in his own house.

कश्मीरी पत्तुॅनि जायि सारी स्वकुॅदमुॅय्।
हिन्दी अनु. अपने स्थान पर हर कोई मुकादम।
Eng. tr. Everyone is a headman at his own place.

बर् दिथ् खर् नचान्।
हिन्दी अनु. दरवाजा बन्द कर के गधा नाचता है।
Eng. tr. The ass shuts the door and dances. (A man very spirited in his own house, but outside he does nothing. This is also a Kashmere riddle. The answer is a mill-stone.)

सिंधी घर जहिड़ी का ॿी बादशाही।
हिन्दी अनु. अपने घर जैसा और कोई राज्य नहीं। (जितना सुख अपने घर में मिलता है उतना औरों के घर में नहीं मिलता।)
Eng. tr. No kingdom like one's own home.

जहिड़ा सुख छजू दे चौवाड़े, तहिड़ा न बलख़ न बुखारे।
हिन्दी अनु. जैसा सुख अपने घर में मिलता है, वह और कहीं नहीं मिलता !
Eng. tr. The happiness one gets in one's own house is never got elsewhere.

पंहिंजी भ ॾुर ते गिदड़ बि शींहु।
हिन्दी अनु. अपने घर में गीदड़ भी शेर है।

Eng. tr. Even a jackal is a lion in his own house.

पंहिंजे करवें कोई न लखे।

हिन्दी अनु. अपने घर में दूसरा कोई नहीं देखता।

Eng. tr. He who dwells in his own house does not care for others.

पंहिंजे घर जहिड़ी बि का ब़ी बादशाही ?

हिन्दी अनु. अपने घर जैसी भी कोई बादशाही ?

Eng tr. Is there a kingdom better than one's own house?

पंहिंजे घर में ब़िली बि शेरु।

हिन्दी अनु. अपने घर में बिल्ली भी शेर।

Eng. tr. Even a cat is a lion at home.

पंहिंजो घरु किनसां करे भरि, पराओ घरु, थुक उछिले डुरु।

हिन्दी अनु. अपने घर को कीचड़ से भर दो तो भी कोई कहेगा नहीं। पराये घर में थूकते भी डर लगता है।

Eng. tr. No one will blame you if you make your own house mucky but one must fear to spit in another's house.

मराठी आपल्या उकिरड्यावर कोंबड्याचा अभिमान.

हिन्दी अनु. अपने कूड़े पर मुर्गा भी अभिमान करता है।

Eng. tr. 1. Every cock is proud on his own dunghill.
2. The cock flaunts at the cost of his own rubbish heap.

आपलें घर हागून भर, दुसऱ्याचें घर थूकू जड. (कों.)

हिन्दी अनु. अपना घर विष्ठा से भर; दूसरे के घर थूकने से भी डर।

Eng. tr. Can deface his own house with excreta, but has to be cautious even to spit in someone else's house.

आपल्या गावात बळी, परगावी गाढवे वळी.

हिन्दी अनु. अपने गाँव में बली, दूसरे गाँव में गधे चराए।

Eng. tr. Is mighty in one's own village, but tends donkeys in another's.

स्वतःची मोरी, तेथे मुतायची काय चोरी ?

हिन्दी अनु. अपने गुसलखाने में पेशाब करें, तो किसी से क्या डर ?

Eng. tr. There is no shame in urinating in one's own bathroom.

गुजराती आपणी चटई भली, पण पादशहानी सेज माठी.

हिन्दी अनु. अपनी चटाई भली (अच्छी), पर बादशाह की सेज बुरी।

Eng· tr. One's own mat is better than the imperial bed.

पोतानी मीनमां कूतरो जोरावर.

हिन्दी अनु. अपनी गली में कुत्ता भी जोरावर (शेर, बलवान) होता है।

Eng. tr. On its own ground a dog is powerful (brave).

बाङ्ला आपन कोटे कुकुरओ बडो ।
हिन्दी अनु. अपनी गली में कुत्ता भी बड़ा ।
Eng. tr. In its own kennel, a dog is a prince.

आपन घरे सबाइ राजा ।
हिन्दी अनु. अपने घर में हर कोई राजा ।
Eng. tr. Everyone is a king in his own house.

परेर घर, छिप फेलतेओ डर ।
हिन्दी अनु. दूसरों के घर मछलियाँ पकडने में भी डर ।
Eng. tr. In another's house, one is afraid even to angle for a fish.

असमीया निज देशत ठाकुर, पर देशत कुकुर ।
हिन्दी अनु. अपने देश में ठाकुर, पर देश में कुत्ता ।
Eng. tr. A prince in one's own village, a dog in another village.

ओड़िआ आपणा घरे कुकुर रजा ।
हिन्दी अनु. अपने घर में कुत्ता राजा ।
Eng. tr. The dog is the king in his own house.

निज घर, हगिकिरि भर ।
पाठभेद आपणा घर, हगिकिरि भर ।
हिन्दी अनु. अपना घर, हग-हग भर ।
Eng. tr. One can even defecate in one's own house.

तमिऴ आनैयैत् तण्णीरिल् इऴुक्किर् मुदलै, पूनैयैत् तरैयिल् इऴुक्कुमा ?
हिन्दी अनु. हाथी को पानी में खींचनेवाला मगर, क्या वह बिल्ली को ज़मीन पर खींचेगा ?
Eng. tr. Can an alligator which can pull an elephant in water, drag a cat on a dry ground ?

तन् ऊरुक्कुप् अन्नम् पिर् ऊरुक्कुक् काकम्.
हिन्दी अनु. अपने गांव के लिये अन्न पक्षी, दूसरे गांव के लिये कौआ ।
Eng. tr. A swan in his own village, a crow in the other village.

तन् ऊरुक्कु आनै अयलूरुक्कुप् पूनै.
हिन्दी अनु. अपनी बस्ती का हाथी, दूसरे बस्ती के लिए बिल्ली ।
Eng. tr. At home an elephant, abroad a cat.

तन् ऊरुक्कुक् काळै अयल् उरुक्कुप् पूनै.
हिन्दी अनु. अपने गांव में बैल, दूसरे गांव में बिल्ली ।
Eng. tr. A bullock at home, a cat abroad.

तन् निलत्तिल् इरुंदाल मुयल् तंदियिलुम् वलिदु.
हिन्दी अनु. अपने यहाँ हो तो खरगोश हाथी से भी बलिष्ठ है ।
Eng. tr. When in his own place a hare is stronger than a tusker.

नायुम् तन् निलत्तुक्कु राजा.
हिन्दी अनु. कुत्ता भी अपने यहाँ राजा ।

Eng. tr. Even a dog is king in his own place.

मुदलै तन् इडत्तु, मलै ओत्त आनैयैयुम् इळुत्तुच् शेल्लुम् .

हिन्दी अनु. मगर मच्छ अपने यहाँ पहाड़ जैसे हाथी को भी खींच ले जायगा।

Eng. tr. In his own element, the alligator will carry off an elephant as big as a mountain.

वीट्टुक्कु वीरन् काट्टुक्कुक् कळ्ळन् .

हिन्दी अनु. घर पर शूर, बाहर कायर।

Eng. tr. At home a hero, abroad a coward.

तेलुगु ना थिंटिकि नेनु पेद्दनु, पिल्लिकि पेट्टरा पंगनामालु.

हिन्दी अनु. मैं अपने घर का मालिक हूँ. बिल्ली को लगाओ ऊर्ध्वपुंड्र ।

Eng. tr. I am the master of this house, apply sandal trident to the cat.

कन्नड इद्दल्लि गौंड, होदल्लि किवुड.

हिन्दी अनु. अपने गाँव में मुखिया, आन गाँव में बहरा।

Eng. tr. A village chief in his own village, but a deaf man when he goes out.

तन्न ऊरिगे रंग, पर ऊरिगे मंग.

हिन्दी अनु. अपने गाँव में मुखिया पर-गाँव में बंदर।

Eng. tr. A hero in his own town, but a monkey in another town.

तन्नूरिगे हुंज, नेरुरिगे हेंट्टे.

हिन्दी अनु. अपने गाँव में मुर्गा, पराए गाँव में मुरगी।

Eng. tr. Cock to his own town, but a hen to the next.

पक्षिगे आकाशवे बल, मीनिगे नीरे बल.

हिन्दी अनु. पंछी को आकाश में शक्ति, और मछली को पानी में।

Eng. tr. The bird gains strength in the sky and fish in the water.

मंगन पारुपत्य होंगे मरद मेले.

हिन्दी अनु. बंदर का राजा पेड की डाली पर।

Eng. tr. 1. The monkey rules the branches of the tree.
2. The reign of a monkey is on the tree-branches.

मलयाळम् तर्वाट्टिलेक्कारणवनु अटुक्कळयिलुं तुप्पां.

हिन्दी अनु. घर का बुजुर्ग रसोईघर में भी थूक सकता है।

Eng. tr. The head of the family can spit even in the kitchen.

वीट्टिले पट्टिक्कु शौर्यं कूटुं.

हिन्दी अनु. कुत्ता घर में ज्यादा बहादूर।

Eng. tr. The dog in his house will be brave.

संस्कृत नक्रः स्वस्थानमासाद्य गजेन्द्रमपि कर्षति ।
स एव प्रच्युतः स्थानाच्छुनाऽपि परिभूयते ॥

हिन्दी अनु. मगर जब अपने स्थान पर (पानी में) होता है, तब अत्यंत बलवान् होता है। हाथी को भी खींच सकता है। स्थानभ्रष्ट होने पर कुत्ता तक उसे हरा सकता है।

Eng. tr. A crocodile in its own watery abode possesses the strength of dragging even an elephant, but dislodged from it, can be routed even by a dog.

स्वके गेहे कुक्कुरोऽपि तावच्चण्डो भवति ।

हिन्दी अनु. अपने घर में होने पर कुत्ता भी शेर (उग्र) होता है ।

Eng. tr. When in his own house a dog becomes ferocious.

१०

अपनी नाक काटकर दूसरे को अपशकुन ।

आशय

दूसरों को हानी पहुँचाने के लिये खुद नुकसान उठानेवाले विघ्नसंतोषी लोगों के बारे में ये कहावतें हैं । किसी न किसी प्रकार से दूसरों को कष्ट देना, विपत में फँसाना और उस में आनंद मानना यह कैसी दुष्ट प्रवृत्ति है ! यह ओड़िआ कहावत इस तरह की प्रवृत्ति का कैसा भीषण दर्शन कराती है – " भले मेरा स्वामी मरे, पर सौत तो विधवा होगी । "

Subject

There are some evil-minded people who will bring even death upon themselves only to spoil things for others. For instance, the Orissa proverb—' It matters not if one's own husband dies, she is delighted to see his other wife become a widow. '

हिन्दी अपने बच्चे को ऐसा मारूँ पड़ोसन की छाती फट जाए । (स्त्री.)

Eng. tr. I will beat my child to break my neighbour s heart.

पराई बदशगुनी के वास्ते अपनी नाक कटाई ।

Eng. tr. To cut off your own nose to cause an ill omen to another. (It is an ill omen to see a noseless person while setting on a journey.)

भाई भलां ही मर ज्यावो, भाभीरो वट निकळनो जोयीजै । (राज.)
(भाई चाहे मर जाए पर भाभी का घमंड टूटना चाहिये ।)

Eng. tr, It doesn't matter if my brother dies, but my sister-in-law's pride must break down.

हुं मरुं, पण तनै रांड़ कैवा'र छोडूं। (राज.)
(मैं मरूँ पर तुझे रांड़ कहला कर छोड़ूं।)

Eng. tr. I will die but will make you a widow.

ENGLISH

1. To cut one's nose to spite one's face.
2. Burn not thy fingers to snuff another man's candle.

उर्दू नाक कटी बला से, दुश्मन की बदशगुनी तो हुई।

Eng. tr. If my nose is cut it is well; because it is then a bad omen to my enemy.

कश्मीरी पित्रुरि हसुँदुँ कूर् खतन हाज़्।

हिन्दी अनु. चचेरों की ईर्षा से लड़की की ही सुन्नत।

Eng. tr. To perform the ceremony of circumcision on one's daughter out of the jealousy of one's paternal family.

मराठी आपण तरी मरद, बाइलेक रांड करीद. (गो.)

पाठभेद मी मरेन, पण तुला रंडकी करीन.

हिन्दी अनु. (अ) खुद मरकर पत्नी को रांड बनाएगा।
(आ) मै मर जाऊँगा, लेकिन तुम्हें विधवा बनाऊंगा।

Eng. tr. (a) He will die himself to make his wife a widow.
(b) I will die, but would make you a widow. (Husband to his wife.)

आपले नाक कापून दुसऱ्यास अपशकुन.

हिन्दी अनु. अपनी नाक काटकर दूसरों को अपशकुन।

Eng. tr. Cuts his own nose to give an evil omen to another. (Spoils his own looks to give trouble to another.)

गुजराती पोतानुं नाक कापी सामाने अपशकुन करवा.

हिन्दी अनु. अपनी नाक काटकर दूसरों को अपशकुन करे।

Eng. tr. Would make an ill omen to others by cutting his own nose.

हुं मरुं, पण तने रंडाऊं.

हिन्दी अनु. मैं मरूं, पर तुझे विधवा बनाऊँ।

Eng. tr. I'll die but would make you a widow.

बाङ्ला आपनि मरे ज्ञातिर हाँडि फेलानो।

हिन्दी अनु. खुद मरकर नातेदार का बर्तन तुडवाना।

Eng. tr. Putting oneself to death, just to break the pots of his kinsmen.

निजेर नाक केटे परेर यात्रा भङ्ग।

हिन्दी अनु. अपनी नाक काटकर दूसरे की यात्रा में अपशकुन।

Eng. tr. Cutting one's own nose to spoil other's journey.

असमीया निजर नाक काटि सतिनीर यात्रा भङ्ग ।
हिन्दी अनु. अपनी नाक काटकर सौत की यात्राभंग ।
Eng. tr. One of the (two) wives of a man would cut her own nose to make other wife's journey inauspicious.

ओड़िआ आपणा नाक काटि परर जात्राभङ्ग ।
हिन्दी अनु. अपनी नाक काटकर दूसरे की यात्रा में बाधा डालना ।
Eng. tr. To cut ones own nose to upset another's journey.

घइता पछके मरु, सउतुणी रांड हेउ ।
हिन्दी अनु. भले स्वामी मरे, पर सौत तो विधवा होगी ।
Eng. tr. (a) Let my husband die, but let the co-wife become a widow.
Eng. tr. (b) It matters not if one's own husband dies, but is delighted to see the other wife becoming a widow.

तमिळ तनक्कु मूक्कुप् पोनालुम् अदिरुक्कुच् शंगुनप्पिळै वेण्डुम्.
हिन्दी. अनु. अपनी नाक भले ही जाय, शत्रु को तो अपशकुन होगा ।
Eng. tr. He is so intent on producing an ominous sign against his enemy that he is ready to give up his own nose.

मगन् शेत्तालुम् शागट्टुम् मरुमगळ् कोट्टम् अंडगिनाऱ् पोदुम् .
हिन्दी अनु. भले ही बेटा मरे, बहू का गर्वहरण हो जाय तो काफी है ।
Eng. tr. No matter if my son should die, it will suffice if the arrogance of my daughter-in-law is checked.

तेलुगु अत्त पेरु पेट्टि कूतुरुनि कुंपटलो वेसिनट्लु.
पाठभेद अत्त पेरुपेट्टि कूतुरिनि कुंपट्लो वेसिंदट.
हिन्दी अनु. सास का नाम बेटी को दे रक्खा और अंगीठी में डाल दिया ।
Eng. tr. She gave her baby her mother-in-law's name and threw it into the fire.

कन्नड मगनु सत्तरू चिन्तिल्ल, सोसे मुण्डेयागबेकु.
हिन्दी अनु. बेटा मरे तो भी हर्ज नहीं, लेकिन बहू बेवा बने ।
Eng. tr. Doesn't matter even if the son dies, the daughter-in-law must become a widow.

सवति गंड सायलि अंदरे मुंडे आगुववरु यारु ?
हिन्दी अनु. सौत चाहे उस के पति की मौत, रांड (विधवा) होगी कौन ?
Eng. tr. If one wishes the death of the husband of her co-wife, who will become a widow ?

मलयाळम् आरान्टे शकुनं पिळाप्पिरक्कान् तन्टे मूक्कु मुर्रिच्चु कळयुक्यो ?
हिन्दी अनु. दूसरे का शगुन बिगाड़ने के लिये अपनी नाक क्यों काटे ?
Eng. tr. Why cut one's own nose to cause an ill omen to others ?

तण्टे मूक्कु मुरिञालुम आराण्टे शकुनम् मुटक्कणम्.

हिन्दी अनु. अपनी नाक कट गयी लेकिन दुश्मन को तो अशगुन हो गया।

Eng. tr. Doesn't matter if my nose is cut, at least it has caused bad omen to the enemy.

मकन् चत्तिट्टेन्किलुं मरुमकळुटे दुःखं काणणं.

हिन्दी अनु. बेटे की मृत्यु ही क्यों न हो, बहू के आँसू देखने की इच्छा।

Eng. tr. She wants to see her daughter-in-law's tears even by the death of her son.

मूक्करुत्तेन्किलुं शकुनप्पिळ काणिक्कणं.

हिन्दी अनु. अपनी नाक काटकर दूसरों को अपशकुन।

Eng. tr. One presents a bad omen even by cutting off one's nose.

११

अवसर निकल जानेपर कोई काम करना व्यर्थ है।

आशय

ठीक समय पर कोई बात बन जाती है, तो बडी लाभदायक रहती है। समय चूकने पर यदि वह बात कितनी भी अच्छी तरह से की जाय तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। व्यवहारतः उस का मूल्य शून्य है। इस हिन्दी कहावत को देखिये—" जाड़ा गये जड़ावर, जोबन गये भतार। "—सर्दी बीत जानेपर यदि ऊनी कपड़े मिलें तो क्या काम के, और यौवन के बीतनेपर पति मिल गया तो किस काम का?

Subject

The following group of proverbs tells us how it is useless to do something after its proper time. For example, the Hindi proverb—" Woollen clothes after the winter passes away and getting a husband after the youth has passed away.'

हिन्दी अच्छे दिन पाछे गये, हर से किया न हेत।
अब पछताये क्या होत है, जब चिडियाँ चुग गईं खेत॥

Eng. tr. Your best days passed and you loved not God, what boots repentance now, when the birds have eaten away your field.

का बरखा जब कृषी सुखाने!

Eng. tr. What is the use of rain coming after the crops have dried up?

जाड़ा गये जड़ावर, जोबन गये भतार।
(जाड़ा बीत जाने पर जाड़े के कपड़े और जवानी बीत जानेपर पति, दोनों व्यर्थ हैं।)

Eng. tr. Woollens after the winter, and a husband after the youth has passed. (Both are useless.)

मरला पर बइद अइलन मुँह बना के घर गइलन। (पट.)
(मृत्यु के बाद बैद आया, उसे मुँह बनाकर घर जाना पड़ा।)

Eng. tr. The doctor came after the death of the patient and he had to go back disappointed.

रोअत रोअत लरिका मर जइहन तब धनि काहे के नांव करे अइहन ? (चंपा.)
(जब बच्चा रोते रोते मर ही गया, तब नाम करने आने से क्या लाभ ?)

Eng. tr. What use is the mother's coming to name him when the child is dead of the excessive crying.

लड़के को जब भेंड़िया ले गया, तब टट्टी बांधी।

Eng. tr. When the wolf ran off with the child the door is made fast.

समय चूक फिर का पछतानी ? (भोज.)

Eng. tr. Why regret a lost opportunity ?

साँप निकल गया, लकीर पीटा करो।

Eng. tr. The snake has gone off, now destroy his track.

ENGLISH

1. After death the doctor.
2. He brings his machines after the war is over.
3. It is no use crying over spilt milk.
4. The Trojans became wise too late.
5. When the wares be gone, shut up the shop windows.
6. After meat, mustard (when there is no more use for it).
7. When the house is burnt down you bring water.
8. While men go after a leech, the body is buried.
9. It is too late to shut the stable-door when the steed is stolen.
10. Remember thy Creator in the days of thy youth, while the evil days come not, nor the years draw nigh, when thou shalt say I have no pleasure in them. (Eccl XII I)

उर्दू

ईद पीछे चाँद मुबारक।

Eng. tr. Congratulations after Id.

ईद पीछे टर, बरात पीछे धौंसा।

Eng. tr. Rejoicing after Id, and music after the wedding.

साँप निकल गया, लकीर की पीटाई।

Eng. tr. The snake has slipped away and the line left by him is beaten.

पंजाबी ईद पिच्छों तंबा।
हिन्दी अनु. ईद के बाद तहमत।
Eng, tr. Trousers after the Id festival.

चोर चोरी कर गए, तू बैठी ढोल बजा।
हिन्दी अनु. चोर चोरी कर गए, तू बैठी ढोल बजा।
Eng. tr. The thieves ran away with the booty, what is the use of your beating the drum now ?

दीवाली पिच्छों दीवे।
हिन्दी अनु. दीवाली के बाद दीये।
Eng. tr. Lighting after Divali.

वेला वखत विहाओं, हूण की बणदा पछतायां।
हिन्दी अनु. अच्छा समय बीत गया, अब पछताये क्या होत !
Eng. tr. The precious moment has slipped away, there is no use feeling sorry now.

सिर मुना के पद्रां पुछणां।
हिन्दी अनु. सिर मुँड़ने के बाद मुहूर्त पूछना।
Eng. tr. To inquire the auspicious hour after shaving the head.

हूण पछतायां की बणे जद चिड़ियां चुगिआ खेत।
हिन्दी अनु. अब पछताए होत क्या जब चिड़ीयाँ चुग गयी खेत।
Eng. tr. There is no use repenting now, when the sparrows have already pecked the whole crop.

कश्मीरी कॆंकॖलचि छु प्यवान् डायि गरि याद्।
हिन्दी अनु. छिपकली को ढाई घड़ियों के बाद याद आता है (कि मुझे किसी को काटना है)।
Eng. tr. The lizard remembers a matter after two hours and half (that she has to bite somebody).

गाडॖ तूलिथ् पार्संग्।
हिन्दी अनु. मछलियाँ तोलने के बाद पारसंग देखना।
Eng. tr. Looking for the defect in the balance after the fish has been weighed.

शाल् चलिथ् बठ्यन लोरि।
हिन्दी अनु. सियारों के भाग जानेपर मेंढों को सोटियाँ।
Eng. tr. Beating the land-slopes after the jackals have (damaged the crop and) run away.

सिंधी चंड खे डिठी पोइ सजी पाग।
हिन्दी अनु. नया चाँद देखने पर एकदम अपनी पाग से ही धागा निकल कर चंद्रमा को अर्पण करो तो पुण्य मिलेगा। बाद में पूरी पगड़ी समर्पण करनेपर भी वह पुण्य न मिलेगा। (अर्थात् दान या सहायता समय पर करनी चाहिए। समय बीत जानेपर बाद में अगर किसी को अधिक सहायता भी दोगे, तो वह व्यर्थ है।

Eng. tr. If one offers a thread from one's turban immediately after seeing the new-moon, one will get religious merit from it; after that time is passed, even if you offer your whole turban, no merit will be got.

जेसीं ढाओ खणे साहु, तेसीं बुख्ये जो वञे साहु ।

हिन्दी अनु. जबतक साहूकार मदद के लिए तैयार हो, तब तक भूखे की साँस ही निकल जाय । (समय पर मदद न मिले तो फिर उस का कोई लाभ नहीं ।)

Eng. tr. By the time the money-lender makes up his mind to help, the hungry man's breath leaves him.

जेसीं ढाओ खन्हे मथो, तेसीं बुख्ये जो वञे मथो ।

हिन्दी अनु. जबतक साहुकार सोच विचार करे, तबतक भूखा व्यक्ति परेशान हो जाय ।

Eng. tr. As the money-lender keeps thinking, the hungry man gets vexed.

जेसीं लालू खणे लठि, तेसीं करह वञे उझामी ।

हिन्दी अनु. जब तक लालू (नामविशेष) लाठी उठाये, तब तक कलह ठंडी हो जाए । (सुस्त आदमी के लिये कहते हैं ।)

Eng. tr. The quarrel will be over, before Lalo takes up his stick.

ढाओ खन्हे पेट्ठ, तेसीं बुखिए वञे साहु ।

हिन्दी अनु. जबतक धनिक कुछ दे, तबतक भूखे व्यक्ति के प्राण ही निकल जाएँ ।

Eng. tr. By the time the rich one gives, the breath of the hungry one will have left him.

वेईअ विहाणी अ दोदो नानाणा आया ।

हिन्दी अनु. युद्ध समाप्त हो जानेपर ' दोदो ' नामक शाहज़ादे के ननिहालवाले उसकी सहायता करने आये ।

Eng. tr. Prince Dodo's maternal relatives came for his help after the war was over.

मराठी टाळ गेला, मादंग गेला, माझा घेंडो नाचू द्या.

हिन्दी अनु. मंजीरा गया, ढ़ोलक गया, दूल्हा–दुल्हन नाचने दो ।

Eng. tr. Now that the tabor and cymbal players are gone he wants to dance with the newly weds on his shoulder. (The newly weds were made to sit on one's shoulder and that person danced to music.)

बैल गेला, झोपा (झांपा) केला.

हिन्दी अनु. बैल गया, और किवाड़ लगाया ।

Eng. tr. The ox is gone and a wicket is made for the shed. (Before the ox was taken away by the tiger the peasant should have made a door for the shed. Now that the ox is gone the door is useless.)

वरातीमागून घोडे, व्याह्यामागून पिढे.

हिन्दी अनु. बारात के बाद घोड़ा, और समधी के बाद पीढ़ा।

Eng. tr. A horse after the wedding procession and the wooden seat offered after the honourable guest (the bridegroom's father) is gone.

गुजराती काका, ल्यो खिचडी, घालो गांडमां.

हिन्दी अनु. काका, लो खिचडी, डालो गांड में।

Eng. tr. Uncle, have this khichadi, and pour (put) it in the anus (because it came when its proper time has gone).

गरथ गया पछीनुं ज्ञान, ने रांड्या पछीनुं डहापण (शुं कामनुं) ?

हिन्दी अनु. गाँठ जानेपर ज्ञान (गाँठ के पैसे खो जाने के बाद जो ज्ञान हो वह व्यर्थ), और विधवा होने के पश्चात् सयानापन या चतुराई (दोनों व्यर्थ हैं)।

Eng. tr. Knowledge after money (wealth) is lost and wisdom after widowhood. (Both are useless.)

मुआ पछी वैंद.

हिन्दी अनु. मरे बाद वैद्य (का आना अनावश्यक)।

Eng. tr. A doctor after the death (of the patient is useless).

रांड्या पछी आवेलु डाहापण.

हिन्दी अनु. विधवा होने के पश्चात् की बुद्धिमानी।

Eng. tr. Wisdom after being widowed.

रांडया पछी रांड रळे, ने रांध्या पछि बळतुं बळे.

हिन्दी अनु. विधवा होने के पश्चात् स्त्री कमाती है, और रसोई होने के पश्चात् इन्धन जलता रहा है।

Eng. tr. The woman earns after becoming a widow, and the fuel burns after the food is cooked.

बाङ्ला आज मरे लक्ष्मण, ओषुध देबे कखन ?

हिन्दी अनु. लक्ष्मण तो आज मर रहा है, दवा दोगे कब ?

Eng. tr. Laxman lies dying, when would the medicine be coming ?

एइ बेड़ा घेरा कार लागे ? झियेर लेगे।
तारे देखो गिये हाटखोलाय।

हिन्दी अनु. यह घेरा किस के लिए ? लड़की के लिए – उसे जाकर देखो हाटखोला में (वेश्याओं की बस्ती में)।

Eng. tr. For whom is this fencing constructed ? For the daughter (so that she should not go out). Go and see her in the red-light district of Hatkhola (she's already escaped and gone there).

खिदे उत्रे भाति, साँझ उत्रे बाति।

हिन्दी अनु. भूख मिटने पर भात, और साँझ उतरने पर बत्ती (दोनों बेकार)।

Eng. tr. Rice after the hunger is satiated, and lighting the lamp after the evening has descended.

चोर पलाले बुद्धि बाड़े।

हिन्दी अनु. चोर के भागने पर बुद्धि बढ़े।

Eng. tr. To be wise after the thief has escaped.

झड़ गिये झाँपि, बयस गिये बिये।

हिन्दी अनु. आँधी के बाद किवाड़ बंद करना, और ढलते उमर में शादी करना (दोनों बेकार)।

Eng. tr. To cover the things after the storm and to marry after the youth.

रोगी म'ले रोजा हाजिर।

हिन्दी अनु. रोगी के मरनेपर वैद्य आया।

Eng. tr. After the death, the doctor came.

लड़ाइयेर पर सेपाइ हाजिर।

हिन्दी अनु. लड़ाई के बाद सिपाही हाज़िर।

Eng. tr. The soldiers appear after the battle is over.

असमीया चोर गले बुधि, बरषुन गले जापि।

हिन्दी अनु. चोर भाग जानेपर जोश आया, बारीश खतम होने पर छत्री।

Eng. tr. There was an alert after the thief had escaped; an umbrella after the rains.

चोर पलाले बुद्धि बाढ़े।

हिन्दी अनु. चोर के भाग जाने के बाद बुद्धि आयी।

Eng. tr. Wisdom dawns when the thief is gone.

जोनाकत हरुवाइ, आन्धारत विचरा।

हिन्दी अनु. चाँदनी में खोकर अंधेरे में तलाश (शुक्ल पक्ष में खोई वस्तू की कृष्ण पक्ष में तलाश)।

Eng. tr. Losing things in the bright moon and searching them in a dark moon.

बियार पिछत लाऊ दलिओवा।

हिन्दी अनु. विवाह के पश्चात् लौकी फेंकना।

Eng. tr. Throwing a gourd after the marriage is over (which is thrown before the marriage as an auspicious sign).

होवा आञात लोन दिया।

हिन्दी अनु. बनी हुई सब्जी मे नमक दे।

Eng. tr. To add salt to cooked curry.

ओड़िआ चोर पळाइलारु बुद्धि दिशे।

हिन्दी अनु. चोर जाने के बाद बुद्धि उपजे।

Eng. tr. To be careful (in bolting the door) after the thief has bolted away.

नई सुखिले कि करइ नाआ, थन शुखिले कि करइ माआ ?

हिन्दी अनु. नदी सूखने पर नाव क्या काम की, दूध (थन) सूखने पर मा क्या काम की ?

Eng. tr. What use is a boat when the river is dry; what use is a mother when her milk (in breast) dries up ?

तमिऴ् अणै कडंद् वेळ्ळम् अऴुदालुम् वरुमा ?

हिन्दी अनु. बाँध फोड़कर गयी बाढ़ रोने पर भी वापस आयेगी क्या ?

Eng. tr. Though one cries after it, will the flood that has burst its bund return ?

एरि उडैकिरतर्कुमुन्ने अणै पोडवेण्डुम्.

हिन्दी अनु. तालाब के फूटने के पूर्व बाँध बाँधना चाहिए।

Eng. tr. Before the bund bursts, it must be strengthened.

तेलुगु दोंगलु पड्ड आरु नेललकु कुक्कलु मुरिगिनवि.

हिन्दी अनु. चोरी के छः महीनों के बाद कुत्ते भूँकने लगे।

Eng. tr. The dogs barked six months after the robbery.

सिंचि पोयिन कार्यानिकि चिन्तिंचि फलमेमि.

हिन्दी अनु. गई बीती पर सोचने से कोई लाभ नहीं।

Eng. tr. It is no use brooding over a thing that has already taken place.

कन्नड अट्ट मेले ओले उरियितु, केट्ट मेले बुद्धि बंतु.

हिन्दी अनु. खाना जला, चूल्हा जला, नुकसान हो जाने पर बुद्धि ठिकाने आयी।

Eng. tr. The food burnt and the oven burnt, the sense dawned after getting spoilt.

उप्पु बरुव होत्तिगे सोप्पिनाट पूरैसितु.

हिन्दी अनु. नमक मिलने तक साग समाप्त।

Eng. tr. The greens were finished by the time the salt was brought.

ऊरु सूरे आद मेले पालि कादरु.

हिन्दी अनु. गाँव के लुट जानेपर गश्त लगाने आए।

Eng. tr. After the town was looted, they came for patrol.

ऊरेल्ल सूरे आदमेले बागिलु हाकिदरु.

हिन्दी अनु. सारा गाँव लुट गया, तब सदर दरवाजा बंद किया।

Eng. tr. After the entire town was looted, the town-gate was closed.

कोटि होद मेले पहरे काद हागे.

हिन्दी अनु. करोड़ लुट गया, अब पहारा लगाया।

Eng. tr. Guards were posted after a crore was looted.

तळिगे चंबु होद मेले मळिगे बागिलु मुच्चिद ?

हिन्दी अनु. थालियाँ और बरतन चुराये जाने पर दूकान का किवाड़ बंद करने से क्या लाभ ?
Eng. tr. What is the use of closing the shop-door after the plates and vessels are stolen?

तेराद मेले जात्रे नेरेयितु.

हिन्दी अनु. समारोह खतम होने के बाद चंदा इकट्ठा किया ।
Eng. tr. The fund was collected after the festival was over.

मलयाळम् आयिरं नाय्क्कळ् अकत्तु कटन्नु कळिञ्ञु, इनियेन्तिना वातिलटय्क्कुन्नतु ?

हिन्दी अनु. हजारों कुत्ते अन्दर आये हैं, फिर किवाड़ क्यों बन्द करें ?
Eng. tr. A thousand dogs have already got in, now why bolt the door?

चिरमुरिञ्ञिट्टु अण केट्टियिट्टु फलमेन्तु ?

हिन्दी अनु नहर टूट जाने पर बाँध बाँधने से क्या फायदा ?
Eng. tr. What is the use of constructing a bund after the water has flown out?

तीपिटिय्क्कुम्पोळ् कुळं कुळिच्चाल् पोरा ?

हिन्दी अनु. घर को आग लगनेपर तालाब खोदने से क्या फायदा ?
Eng. tr. What is the use of digging a well when the house is on fire?

तूरान् मुट्टुपोळ् परम्पन्वेषिच्चाल् मतियो ?

हिन्दी अनु. जोरदार टट्टी लगनेपर जगह (पाखाना) क्यों खोजे ?
Eng. tr. Why search for a place only when there is terrible urge to purge?

पुरय्क्कु ती पिटिय्क्कुम्पोळ् किणरु कुळिय्क्कुन्नु.

हिन्दी अनु. घर को आग लगनेपर कुआँ खोदता है ।
Eng. tr. He digs a well when the house is already on fire.

विषं तीण्टियवन् चत्तप्पोळ् विषहारि एत्ति ।

हिन्दी अनु. विषबाधा से वह मर गया, और विषवैद्य आ पहुँचा ।
Eng. tr. The poisoned one died and then came the doctor to treat for snake-bite.

संस्कृत चौरे गते वा किमु सावधानम् ।

हिन्दी अनु. चोर (चोरी कर के) चले जाने के बाद सतर्क होने से क्या ?
Eng. tr. Wnat is the use of getting alert after the thieves have gone away?

पयसि गते किं खलु सेतुबन्धः ।

हिन्दी अनु. पानी बह जाने पर बाँध बाँधनेसे क्या लाभ ?
Eng. tr. What is the use of a bund after the water has flown away?

निर्वाणदीपे किमु तैलदानं चौरे गते वा किमु सावधानम्।
वयो गते किं वनिताविलासः पयो गते किं खलु सेतुबन्धः॥

हिन्दी अनु. हर काम अपने समय पर करनेहीसे उस का फायदा होता है, समय बीत जाने पर उसका क्या फायदा ? जैसे दिया बुझ जाने पर उस में तेल डालने से क्या फायदा ? और चोरी हो जाने के बाद सावधानी रखने से क्या फायदा ? आयु बीत जाने पर (बुढापा आजाने पर) स्त्रीसुख का क्या फायदा ? अथवा पानी बह जान के बाद बाँध बाँधने से क्या फायदा ? अपने अपने समय पर ही हर काम करना चाहिए।

Eng. tr. What is the use of adding oil in the lamp that is extinguished ? or, of alertness when the thief has already slipped off ? or, of enjoyment of beautiful women when one has passed the youth ? or, of a dam when the water has already flown ?

न कूपखननं युक्तं प्रदीप्ते वह्निना गृहे।

हिन्दी अनु घर को आग लगनेपर कुआँ खोदनेसे कोई लाभ नहीं।

Eng. tr. No use starting digging a well when the house is on fire.

१२

अशर्फियाँ लुटें और कोयलों पर मुहर।

आशय

बड़ीं बातों के तरफ ध्यान न देते हुए, छोटी बातों की चिन्ता करनेवालों के बारे में ये कहावतें हैं। महान् आपत्ति के विषय में अनजान रहते हुए छोटे संकटों से बचने का प्रयास करनेवाले ये लोग जन साधारण की चर्चा का अवश्य विषय बनते हैं। उदा. — 'राई का दाना ढूँढते हैं, खोया हुआ कुम्हड़ा नहीं ढूंढते।'

Subject

These proverbs tell us of people who spend their energies over useless things, while leave the important things unattended. For instance, 'They search for a grain of mustard seed, but not for a missing pumpkin.'

हिन्दी अधेला न दे, अधेली दे।

Eng. tr. He will give half a rupee, but not half a pie.

आकाश बाँधे, पाताल बाँधे, घर की टट्टी खुली।

Eng. tr. He controls heaven and hell and leaves his door open. (आकाश बाँधना – The usual cry of an Indian charmer.)

कंद लुटें, और कोयलों पर मोहर।

Eng. tr. The sugar is squandered and a seal is set upon the charcoal.

कोड़ी कोड़ीने कंजूस, रुपियाँरो दातार। (राज.)
(कौड़ी-कौड़ी के लिये कंजूस, पर रूपयों को उड़ानेवाला।)

Eng. tr. He is miserly for cowries, but spends rupees extravagantly.

थान हार जाये के लेकिन गज ना हारे के। (चंपा., मुज., पट.)
(एक गज हारने को तैयार नहीं, पर पूरा थान हार जाता है।)

Eng. tr. He is not prepared to lose a yard, but loses the whole bundle of cloth.

भींटोरा उडै'र पायारा लेखा करै। (राज.)
(भींटोरें उड़ते हैं, और पायों का हिसाब करता है।)

Eng. tr. Rupees are squandered, while annas and pies are accounted for.

मोहर दहायल जाय कोइला पर छाप। (चंपा.)
(मुहरें बही जा रही हैं, और कोयले की रक्षा में लगे हुए हैं।)

Eng. tr. The gold coins are flown away and he seals the charcoals.

ENGLISH
1. Laws catch flies, but let hornets go free.
2. Penny wise pound foolish.
3. Strain at a gnat, when camel is swallowed.

उर्दू
अशर्फियाँ लुटें और कोयलों पर मुहर।

Eng. tr. Seals up the charcoal, never minds the gold coins.

फंद लुटें कोयलों पर मुहरे।
(ज्यादा कीमती चीज़ें जाया हो रही हैं, और कम कीमती चीज़ों में कंजूषी होती है।)

Eng. tr. He squanders away the valuables and seals up the charcoal.

पंजाबी
अशरफिआं दी लुट कोलिआं ते मुहर।

हिन्दी अनु. अशर्फियाँ लुटें कोयलों पर मुहर।

Eng. tr. Pounds are being looted, he keeps the coal in sealed coffers.

टके सेहा महंगा, ते रुपए सेहा सस्ता।

हिन्दी अनु. धेले का खरगोश महंगा, रुपये का सस्ता।

Eng. tr. The hare is costly at two pice, but it is cheap for a rupee.

कश्मीरी
व्वख्चि हलाल तुँ हार् हराम।

हिन्दी अनु. गठरी हलाल (निषिद्ध नहीं) कौड़ी हराम (निषिद्ध)।

Eng. tr. A bundle allowed, but a cowrie forbidden.

संदिजि दिवान् ज़ालि ह्यन्दुॅव्यन्द् चलान् नीरिथ् ।
हिन्दी अनु. तिल को छाँटते हुए तरबूजे अंगुलियों से खिसक गये।
Eng. tr. Sifting the linseeds, melons slipped through the fingers.

सिंधी पाई अ ते पकाई, नोटनि ते नाड़ानी ।
हिन्दी अनु. पाई की कंजूसी बाद में रुपयों का खर्च कराती है ।
Eng. tr. Miserly collected pennies are spent by rupees later on.

वाण्यो पंज न सहे, पंजाहु सहे ।
हिन्दी अनु. बनिया समय पर पाँच रुपये भी नहीं खर्च करेगा, बाद में उसी काम के लिये उसे पचास रुपये देने पड़ेंगे !
Eng. tr. A Bania would not sacrifice five, but would sacrifice fifty. (Bania is a trader.)

मराठी धडा गेल्यावर पासंगाला ज़प.
हिन्दी अनु. दसेरी गई और पासंग की चिंता ।
Eng. tr. Ten seers are lost and he cares for the equipoiser.

धान्याला (मोरीला) बोळा व दरवाज़ा मोकळा.
हिन्दी अनु. झरोखे / मोरी में ताला और दरवाज़ा खुला ।
Eng. tr. A plug at the mouth of the drain, while the door is thrown open.

हत्ती गरगट, सुंगीला कटकट.
हिन्दी अनु. हाथी सरसर, चींटी के लिए कहर।
Eng. tr. For things as large as an elephant he spends extravagantly, but for things as tiny as an ant, he makes bargain.

गुजराती कडी लेता पाटण परवार्युं.
हिन्दी अनु. कडी (शहर का नाम) जीत ने के प्रयत्न में पाटण (रियासत की राजधानी) भी गुमाया। (ऐतिहासिक सत्य)
Eng. tr. In an attempt to capture Kadi, (they) lost Patan. (Kadi — A town in Gujarat. Patan – Capital of old Gujarat)

खाळे डूचो दे, ने बारणा उघाडा मूके.
हिन्दी अनु. मोरी में (बाथरुम का छेद) कपड़ा ठूंसे पर दरवाजे खुले। (पानी मोरी में से न जाकर दरवाजों से सरलता-पूर्वक जा सकता है।)
Eng. tr. Would stop the drain of the bath-room with a plug of rags but would keep the doors wide open.

छाशनो लोभ, ने घीनी मोकळ.
हिन्दी अनु. छाछ का लोभ और घी की छूट।
Eng. tr. Greed for (miserliness in the use of) butter-milk and liberal use of ghee.

मोरी उघाडी, ने नळने दाटो.
हिन्दी अनु. मोरी खुली और नल को डाट लगाया है (बंद किया है)।

Eng. tr. A stopper for the water-tap, while the drain is kept open.

बाङ्ला खिड़कि दिये हाती ग'ले जाय, सदरे बाधे छुँच ।

हिन्दी अनु. खिडकी से निकल जाय हाथी, सदर में अटके सूई ।

Eng. tr. The main gate would not even allow a needle to pass; but the windows (so big and unwatched) would allow an elephant.

घि आदुड़, घोल ढाका।

हिन्दी अनु. घी की अवहेला, छाछ पर ढक्कन ।

Eng. tr. The clarified butter is uncovered and exposed, while the buttermilk is covered.

बुड़िते चतुर, काहने काना ।

हिन्दी अनु. कौड़ी को चतुर, अशर्फि को अंधा ।

Eng. tr. Prudent with 'budi's (a pice or 20 cowries) and blind with 'kahan's (320 'budis').

असमीया आञ्जात (शाकत) निदिये लोन, पिटिकात जाय तिनि गुण ।

हिन्दी अनु. पहले शाक में नमक ही नहीं, बाद में तीनगुना ।

Eng. tr. One does not use the required quantity of salt in the curry, but mixes thrice the quantity afterwards.

डाङरर दाय पिचलि जाय्, सरुर दाय खापे खोपे खाय ।

हिन्दी अनु. बड़ों के दोष ओझल होते हैं, छोटों के दोष चिपके रहते हैं ।

Eng. tr. Faults of the great slip away, faults of the insignifant hold tight.

बेजिर जलङा मने, कुठारर जलङा नमने ।

हिन्दी अनु. सूई का छेद देखता है, कुल्हाड़ी का नहीं ।

Eng. tr. He sees the eye of a needle but does not see the eye of an axe.

भरिर तले रौ जाय, दरिकणालै बरशी वाय ।

हिन्दी अनु. पाँव के नीचे से 'रौ' (बड़ी मछली) निकल जा रही है, और दरिकणा (छोटी मछली) के लिये ताक में बैठा है ।

Eng. tr. 'Rau' (a big fish) fish goes under the feet and he is angling for 'Darikana' (small fish).

शाकत निदिये लोन, पिटिकात या(जा)य तिनि गुण ।

हिन्दी अनु. सब्जी में (पहले) नमक नही डाला, बाद में तिगुना गया ।

Eng. tr. Didn't add salt to the vegetable; afterwards she had to add thrice the amount.

हाती चुर करि निये बाटे, बेङेना-चोरक धरे नाकटो काटिले लाज ना लागे, नखटो काटिले मरे ।

पाठभेद हाथी-चोर आगे आगे या(जा)य, बेडेना-चोरक धरि किलाय ।

हिन्दी अनु. हाथी चोर रास्ते से चले, बैंगन-चोर को पकड़े ।
नाक के कटने पर शरम न आवे, नाखून कटने पर मरे ।

Eng. tr. The elephant-thief goes scot-free and the brinjal-thief is arrested. He is not ashamed of his cropped nose, but worries over a cut nail.

ओड़िआ कुलाक चाउळ कुकुरकु देइ, खुद मुठाकु आश ।

हिन्दी अनु. थाली भर भात कुत्ते को खाने दिया, और अब मुट्ठीभर चावल के टुकड़ों पर आया।

Eng. tr. After having allowed the dog to eat the plateful of rice, he pins all hopes on the handful of broken rice.

कुलार मुहें जाउछे, सुजि मुहँकू छापकुछे। (संबलपुरी)

हिन्दी अनु. छाज के मुँह से जाता है, सूई के मुँह पर डोटा ।

Eng. tr. Squandering by winnowing fan, he plugs the eye of the needle.

गुआ मारी गबकु पाणि तेण्डिबा ।

हिन्दी अनु. सुपारी का पेड़ सुखाकर तिल का पौंधा सिंचना । (बहुमूल्य के बदले साधारण वस्तु की रक्षा करना ।)

Eng. tr. To kill the betel-nut palm to water the castor plant.

घाइ सुँहरे जाउछि, बालि कणाकु बुजुछि ।

हिन्दी अनु. बाँध के मुँह से बह जाए, बालु का कण बन्द करे ।— बालु के कण सा छेद बन्द करे ।

Eng. tr. While it is flowing out through a big breach, he is trying to close an ant-hole.

बोहि जाउथाए सुअ सुँहरे पिंपुड़ि गातरे लागे ।

हिन्दी अनु. नाले की तरह बहता जाय, चींटी जितना पकड़ा जाय।

Eng. tr. While the flood-gates are open, he is after the ant-holes.

हाती गळिजाए, पिंपुड़ि न गळे ।

हिन्दी अनु. हाथी निकल जाए, चींटी न निकल जाए ।

Eng. tr. An elephant passes through, but an ant cannot (to strain at an ant, when elephant passes through.)

तमिळ ऊशि पोगिऱ्दु कणक्कुप् पार्प्पान् पूशनिक्काय् पोगिऱ्दु तेरियादु.

हिन्दी अनु. सूई के गुम हो जाने का हिसाब रक्खेगा, कुम्हड़े का गायब होना उसे ज्ञात नहीं ।

Eng. tr. He notes the loss of needles, but not that of pumpkins.

अेरुंबु अेडुत्तुप् पोंवतर् (इ) कुत् तडि अेडुत्तु निऱ्किऱ्दु, पेरिय पूशनिक्काय् पोगिऱ्दु तेरियादा ?

हिन्दी अनु. चींटी जो ले जाती है उसकी निगरानी के लिये लाठी लेकर खड़ा है, कुम्हड़े की चोरी का ध्यान नहीं ।

Eng. tr. You stand armed with a club to watch that which may be carried away by ants, are you unable to see when a large pumpkin is taken away ?

कडुगु पोगिर् इडत्तिल तडि ॲडुत्तुक्कोण्डु तिरिवान् पूशनिक्काय् पोगिर् इडम् तेरियादु.

हिन्दी अनु. सरसों की चोरी पर लाठी लेकर फिर रहा है, पर उसको पता नहीं कि कुम्हड़ा चोरी कैसे हो रहा है।

Eng. tr. He walks about with a staff in a place that will admit a mustard seed, and yet he is ignorant of the place where a pumpkin might easily pass.

कडुगु पोन इडम् आरायुवार्, पूसनिक्काय् पोन इडम् तेरियादु.

हिन्दी अनु. राई गई की छानबीन करेंगे, कुम्हड़ा गया उसका पता नहीं।

Eng. tr. They search for a grain of mustard seed, but not for a missing pumpkin.

मलैपोलप् बिरामणन् पोगिरानान्, पिन् कुडुमिक्कु अळुगिराळाम्.

हिन्दी अनु. पहाड़ सा ब्राह्मण ही चल बसा, वह तो उस की शिखा के लिये रो रही है।

When a Brahman who was equal to a mountain was dying, his wife was weepjng for his tuft of hair,

मुदलुक्कु मोशमाग इरुक्किरदु इलापत्तुक्कुच् शण्डै पोडुगिरदा?

हिन्दी अनु. मूल धन के लिये यहाँ आफत है, लाभ के लिये झगड़ा करें?

Eng. tr. When the principal is in danger, do you quarrel about the interest?

तेलुगु आवगिंज़ अट्टेदाचि, गुम्मडिकाय गुल्लकासुगा ॲन्चेवाडु.

हिन्दी अनु. इधर सरसों को छुपाता है, और कुम्हड़े को कौड़ी सा मानता है।

Eng. tr. He saves a mustard seed and thinks the pumpkin worth a shell coin.

कोण्डन्त रेड्डे पोगा, पिंडिकेडु बोच्चकु एडचिनट्टु.

हिन्दी अनु. पहाड़ के से (बड़े) रेड्डी चल बसे, मुट्ठीभर बालों के लिए रोना क्यों?

Eng. tr. When the big Reddy died, they wept for the handful of his hair.

गट्टि विडिचि पोट्टुकु पोराडिनट्लु.

हिन्दी अनु. नाज छोड़ थोथे के लिए झगड़ा।

Eng. tr. Leaving the grain, fighting for the husk.

गुम्मडिकाय पोय्येदारि ॲरुगडु, आवगिंज़ पोय्येदारि अट्टे पट्टिचूस्तडु.

हिन्दी अनु. कुम्हड़े की चोरी का पता नहीं लगता, राई की चोरी का पता निरखता है।

Eng. tr. He does not know the way the pumpkin goes, but takes trouble to find the way the mustard seed goes.

चेवुलु कोसुकु पोतुंटे कुट्टुकाडलकु एड्चिनट्लु.

हिन्दी अनु. कान कटे जा रहे हैं, और बालियों के लिए रो रही है।

Eng. tr. Crying for the ear-rings when the ears themselves are being cut.

तलकाय पोतुंटे पोगुलेक्कड पेट्टेदि अन्नट्लु.
हिन्दी अनु. सिर उड़ जाने को है, और कहती है मैं ये बालियाँ कहाँ रख दूँ ?
Eng. tr. When the head is being cut off, she asks " Where should I keep my ear-rings?

तूट्लु सूसि तुमुलु तेरचिनट्लु.
हिन्दी अनु. छेद (सूराख) बंद कर के मानो, मोरी खोल दी हो।
Eng. tr. He has stopped the leaks and opened the outlet.

मोदटिकि मोसमु, लाभानिगि गुद्दुलाट.
हिन्दी अनु. मूलधन की तो हानि हुई, लाभ के लिए धक्कम धक्का।
Eng. tr. The capital has been lost, and there's a fight for profits.
पाठभेद मोदटिकि मोसमैते वड्डी सुट्टलेदन्नाडट.
हिन्दी अनु. असल ही गुम हो गया, तो ब्याज की / फायदे की फिक्रमें है।
Eng. tr. He clamoured for interest when the capital itself was at stake.

कन्नड असलु इल्लदे बड्डि इल्ल, मोसरिल्लदे मज्जिगे इल्ल.
हिन्दी अनु. पूँजी ही नहीं तो व्याज कहाँ, दहीं ही नहीं तो छाछ कहाँ।
Eng. tr. No interest accrues without the principal, no buttermilk without curds.

बच्चल कंडीलि होगोद बिट्टु सूजि कण्णल्लि होगोद हिडिदरु.
हिन्दी अनु. मोरी से गया उसे न रोका, सूई के छेद से जानेवाले को रोका।
Eng. tr. Left what passed through the bath-hole, and caught what passed through the needle's eye.

साबद्दे होगुवाग गड्डक्के हेगे अंदरते.
हिन्दी अनु. मुल्ला ही मर रहे हैं, तो उन की दाढ़ी की चिन्ता।
Eng. tr. Worried about his beard when the Muslim himself was dying.

सूजि होगुवल्लि मुच्चि, कुम्बळकायि होगुवल्लि बिड्डु.
हिन्दी अनु. सूई को थामे, कुम्हड़े को जाने दे।
Eng. tr. Careful to save a needle, he loses a pumpkin.

हिन्दिनिंद आने होगबहुदु, मुंदिनिंद नुसि होगबारदु.
हिन्दी अनु. पीछे से चाहे हत्ती निकल जाय, सामने से मच्छर भी न जाने पाए।
Eng. tr. An elephant may go from the rear, but an insect should not go from the front.

मलयाळम् आनचोरुन्नतरिंकियिक्क; कोतुकु चोरुन्नतरियुम्.
हिन्दी अनु. अनजाने हाथी गया, मच्छर का हिसाब लगा रहा है।
Eng. tr. One is ignorant of the elephant slipping away from hand, but is aware of the mosquitoes slipping away.

अेल्लु चोरुन्नतुॅ काण्णुं; आन चोरुन्नतुॅ काणा।

हिन्दी अनु. तिल खो गया तो जानता है, हाथी खो गया तो नहीं जानता।

Eng. tr. He is aware of the loss of sesame, but quite ignorant of the loss of an elephant.

१३

आँखो का अंधा, नाम नयनसुख ।

आशय

कई लोगों के नाम या ओहदा बड़ा अच्छा होता है। जिस से कुछ प्रतिष्ठा का भाव प्रस्तुत होता है। नाम में कुछ गुणों का समुच्चय अभिप्रेत होता है, किन्तु व्यवहार में वे गुण दिखाई नहीं देते, तब उस विरोधाभास को प्रकट करने के लिये निम्नलिखित कहावतों में ऐसे दिखावटी खोखले नामों की हँसी उडायी है। इस भाव को प्रकट करने के लिये तेलुगु भाषियोंने बड़ा ही रोचक नाम उठाया है। 'घराने का नाम क्षीरसागर (दूध का सागर), पर हर सबेरे छाछ की भीख माँगता है।'

Subject

When one's name signifies something that one lacks, the following proverbs are said. For instance, the Telugu proverb – 'His family name is Kshirasagar (Ocean of milk), but every morning he begs for buttermilk.'

हिन्दी आँख गड्डू, नाक मड्डू, सोहनी नाम।

Eng. tr. Hollow eyes and swollen nose, and Beauty her name.

आँख न नाक, बन्नो चाँद सी।

Eng. tr. No eyes, nor nose, yet she is fair as the moon.

आँखो का अंधा, नाम नयनसुख।

Eng. tr. Blind of the eyes and called 'Nayansukh' (eye's delight).

आल न दोम, नांव पंचकल्यान। (चंपा.)

Eng. tr. Neither mane nor tail, yet the horse's name is Panchakalyan (the best steed).

आवे न जावे, बृहस्पत कहलावे।

Eng. tr. He knows nothing and calls himself Mr. Wisdom.

उखरे बार नै नाम बरिआर के। (चंपा.)
(नाम है बली, पर उखड़ नहीं सकता एक बाल भी।)

Eng. tr. His name is Hercules, but cannot even pluck out a hair.

कनै कोड़ी कोनी, नाँव किरोड़ीमल। (राज.)
(पास में कौड़ी नहीं, नाम करोड़ीमल।)

Eng. tr. Hasn't a 'cowrie' in his pocket, but is named 'Karodimal' (one who has crores).

करनी कुत्ता के, नांव लछनदेव।

Eng. tr. Base as a dog and his name is 'Laxmandeo'.

कानी कौड़ी पास नहीं, नाम करोड़ीमल.

Eng. tr. Not even a broken cowrie with him and he calls himself a multi-millionaire.

जनम के कमबखत, नाम बखतावरसिंघ।

Eng. tr. Unfortunate from the birth and name Mr. Lucky.

जनम के दुखिया, नाम सदासुख।

Eng. tr. Wretched from the birth and name Mr. Fortunate.

जनम के मंगता, नाम दाताराम।

Eng. tr. Born a beggar, and name Lord Bountiful.

झाड़ मान झूँपड़ी तारागढ़ नाँव। (राज.)
(पौधे जितनी झोंपड़ी और 'तारागढ़' नाम।)

Eng. tr. A hut as large as a bush, and it is named Taragarh (a fort).

तनपर नहीं धागा, नाम चंद्रभागा।

Eng. tr. Not a rag to wear and her name is Mrs. Moon.

दमड़ी पास नहीं, नाम लखपतराय।

Eng. tr. Not a farthing with him, but his name is Mr. Millionaire.

देख सियारिन भागल आवे, सेरसाह के बाप कहावे।

Eng. tr. On seeing a she-jackal he runs away, and yet calls himself the father of Mr. Valiant.

नाँव पहाड़सिंह, देह चिआँ अस।

Eng. tr. His name is Mr. Mountain, but his body is like a tamarind seed.

ना निरमल दास, देह भर दादै दाद।

Eng. tr. His name is Mr. Stainless, but has ringworms all over his body.

नाम मिसरीलाल, गुन गुड़ौक नही। (दरभंगा)

Eng. tr. His name is Mr. Candy, but no sweetness of jaggery.

नाम बसंती मुँह कुकुर सा। (पू. स्त्री.)

Eng. tr. Her name is Beauty and her face is like a dog.

नाम हीरालाल, दसक कंकर सी भी नहीं।

Eng. tr. His name is Mr. Diamond, but he has not even the lustre of a pebble.

नाव कपूरचन्द, गन्ह गोबर। (चंपा.)

Eng. tr. His name is Mr. Camphor, but smells like cowdung.

नाव कुमारी, काम सतभतारी। (चंपा.)

Eng. tr. Her name is Miss Virgin, but struts about like having seven husbands.

नाव गुलबिया, महक धमोय के। (चंपा.)

Eng. tr. His name is Mr. Rose, but emits a stinking smell.

नाव दूधनाथ, लजित मठो के न। (चंपा.)

Eng. tr. His name is Mr. Milkmaster, but hasn't even the taste of buttermilk.

नाव धरमात्मा, पून के लेसे न। (चंपा.)

Eng. tr. Mr. Religious is the name but has no merit whatsoever.

नाव पिरथीपति, सोमहुत के टेकाने ना। (चंपा.)

Eng. tr. Master of the World by name, but has not a square foot of land to perform tilling ceremony.

नाव भवानी मुँह छुछुनर के। (चंपा.)

Eng. tr. Her name is Miss Beauty but her face is like that of a musk-rat.

नाव रजरनिया, बेटी चमार के। (चंपा.)

Eng. tr. A cobbler's daughter, and her name is Princess.

नाव रामलखन, मुँह कुकुरन।

Eng. tr. Ramlakhan by name, his face is like a dog.

पढ़ा न लिक्खा, नाम विद्याधर।

Eng. tr. He can neither read nor write, and is named Mr. Doctor.

पहरणनै तो घाघरो ही कोनी, नांव सिणगारी। (राज.)
(पहनने को लहंगा तक नहीं, और नाम है सिनगारी।)

Eng. tr. Hasn't a skirt to wear, and is called madam Well-Dressed.

बगल में सोटाँ, नाम ग़रीबदास।

Eng. tr. A club in the hand, and his name Mr. Innocent.

भुई बिस्वाभर नहीं, नाम पृथ्वीपाल।

Eng. tr. Not a plot of land as his own, and his name is Protector of the World.

भरि देहें दिनाय, नाम का तो चंद्रचूड।

Ringworms all over the body, yet his name is Chandrachood.

मुँह नै कान दिपुआ नाँव। (मुं.)
Eng. tr. Neither mouth nor ears (he is dumb and deaf), yet his name is Mr. Lamp. (light of the family.)

मुँह हइले ना, बबुआ नाँव। (चंपा.)
Eng. tr. Has a repulsive face yet he is called Darling.

लाजबीज थोकरी, मोर नाव सुधकरी। (चंपा.)
Eng. tr. She has put the shame in a bag (she is shameless), yet her name is Miss Bashfull.

लूर हइले ना, बरतनिया नाँव। (चंपा.)
Eng. tr. No manners, yet his name is Mr. Etiquette.

शक्ल भूत की सी, नाँव अलबेले लाल।
Eng. tr. As ugly as a goblin, and Beauty his name.

हाथ पाँव के लंगड़े, नाम सलामत खाँ।
Eng. tr. A cripple, and named Mr. Sound.

उर्दू आँख न नाक, मैं चाँद सी।
Eng. tr. Neither eyes nor nose, and she calls herself a Moon.

आँखो के अंधे, नाम शेख रोशन।
Eng. tr. Blind of the eyes, and is called Mr. Light.

ऊँट से बड़े, और नाम छोटे खाँ।
Eng. tr. He is bigger than a camel, but his name is Mr. Tiny.

जनम के अंधे, नाम नैनसुख।
Eng. tr. He was born blind, and his name is Mr. Beautiful-Eyes.

डरें लोमड़ी से, नाम दिलेर खाँ।
Eng. tr. Afraid of a fox, and his name Sir Valiant.

पढ़ा न लिक्खा, नाम महंमद फ़ाज़िल।
Eng. tr. He can neither read nor write, and his name is Mr. Doctor.

बदन में दम नहीं, नाम जोरावर खान।
Eng. tr. No strength in his body and he calls himself Mr. Strong-in-the arm.

रंग कव्वे सा, और महताब नाम।
Eng. tr. As black as a crow, and named Mr. Moon.

पंजाबी अक्खाँ दा अन्ना, नांव नैनसुख।
हिन्दी अनु. आँखों का अंधा, नाम नयनसुख।
Eng. tr. He is himself blind, but named Nainsukh (Comfort of eyes).

अक्खानाल फूल ना डिट्ठा, ते नां गुलबीबी।
हिन्दी अनु. आँखों से कभी फूल न देखा, और नाम गुलनार।

Eng. tr. She never saw a flower with her eyes and yet her name is Lady of Roses.

अक्खों अन्नी, नाँव नूरभरी ।

हिन्दी अनु. आँखों की अन्धी, नाँव नूरभरी ।

Eng. tr. Blind of the eyes, and her name is 'Full of light.'

धिर धिर दा देणा, ते नांव लेह्णासिंग ।

हिन्दी अनु. जने जने का देना, नाम लेनासिंग ।

Eng. tr. A debtor to everybody, and his name is Lehnasing (Mr. Creditor).

नां मिए दा मिसरीखां, मूँह विच कुझ वी ना ।

हिन्दी अनु. नाम पति का मिश्री खाँ, मुँह में बिल्कुल रुचिहीन ।

Eng. tr. His name is Mr. Sweet-candy, but when you put him in the mouth, he is tasteless.

पढ़े न लिक्खे, नां विद्यासागर ।

हिन्दी अनु. पढ़ा न लिखा, नाम विद्यासागर ।

Eng. tr. Knows neither reading nor writing, but his name is Sea-of-wisdom.

कश्मीरी नालि नुँ ज़द् तुँ मालि नाव् ।

हिन्दी अनु. गले में कपड़ा तक (पहना हुआ) नहीं, और नाम है माला ।

Eng. tr. Not a rag to put on and her name is Mala. (माला should be माली — a female name from माल meaning prosperity.)

ख्वरन् नुँ कूश् तुँ पूश् नाव् ।

हिन्दी अनु. पाँव में घास की जुती तक नहीं, और नाम है पुश ।

Eng. tr. No grass shoes for her feet, yet her name is Poosh.

ख्वरन् नुँ खाव तुँ पद्मनि नाव् ।

हिन्दी अनु. पाँव में खडाऊँ तक नहीं, और नाम पद्मिनी ।

Not even a patten for her feet, and her name is Padmini.

शिक्साह् नाव् शाद ।

हिन्दी अनु. अभागा, और नाम प्रसन्न ।

Eng. tr. 1. Unfortunate, yet his name is Mr. Cheerful.
2. Broken-hearted, yet called Gladness.

सिन्धी दमु न आहे बदन में, नांउ ज़ोरावरख़ान ।

पाठभेद बदन में दमु न ठहे, नालो ज़ोरावरख़ानु ।

हिंन्दी अनु. शरीर में ताकत नहीं, और नाम रखा गया है ज़ोरावरखान ।

Eng. tr. Has no strength in his body, but his name is Mr. Valiant.

लभनि लूण कणा बि न, मुंहिंजो नालो सोन ब़ाई ।

हिन्दी अनु. घर में नमकका एक कण भी नहीं, और नाम रखाया है सोनब़ाई ।

Eng. tr. Does not possess even a bit of salt, and her name is Lady Gold.

मराठी अक्कल नाही कवडीची, नि नाव सहस्त्रबुद्धे.
हिन्दी अनु. अक्ल नहीं कौड़ी की, और नाम है सहस्त्रबुद्धे।
Eng. tr. Has not a grain of wisdom, but his name is Mr. Thousand-Wisdoms.

नाव अन्नपूर्णा, आणि टोपल्यात भाकर उरेना.
हिन्दी अनु. नाम अन्नपूर्णा और टोकरी में एक भी रोटी नहीं।
Eng. tr. Her name is Food-Provider, but there is never any bread left in her basket.

नाव गंगाबाई, रांज़णात पाणी नाही.
हिन्दी अनु. नाम गंगामाई, मटके में पानी नहीं।
Eng. tr. Not a drop of water in her vessel, and she is called Mrs. Mother Ganga.

नाव महीपती, तिळभर ज़ागा नाही हाती.
हिन्दी अनु. नाम है जगत्पती, हाथ में भूमि नहीं एक भी रत्ती।
Eng. tr. His name is Lord of the World, but has not an inch of land with him.

नाव सोनुबाई हाती कथलाचा वाळा.
हिन्दी अनु. नाम स्वर्णलता हात मे पीतल के कंगन।
Eng. tr. Her name is Lady Gold, but she has a bracelet of brass on her wrist.

नाकाला नाही जागा, आणि नाव चंद्रभागा.
हिन्दी अनु. नाक का नहीं पता, और नाम है चन्द्रकान्ता।
Eng. tr. Has no nose to show on her face, and she is called Mrs. Moon.

नाम असे उदार कर्ण, कवडी देता जाई प्राण.
हिन्दी अनु. (अ) नाम तो उदार कर्ण, लेकिन कौड़ी देते हुए भी सूखे प्राण।
(आ) उदार कर्ण है नाम, प्राण सूखे देते दाम।
Eng. tr. His name is generous Karna, but he loses his life while giving away a single cowri (Referred to a person who is very stingy but has the name of the famous Karna who was known for his generosity in the Mahabharat.)

गुजराती आंखे अंधो, ने नाम नयनसुख.
हिन्दी अनु. आँख से अंधा, पर नाम नयनसुख।
Eng. tr. Blind of eyes, but named Nayansukh (Delight of the eyes).

अटक पारेखनी, जात हजामनी.
हिन्दी अनु. नाम पारेख, जात हजाम।

Eng. tr. Parekh by surname and barber by caste. (पारेख – Jeweller who tests jewels, dimonds etc.)

गांडने नहिं लंगोटी, ने नाम फत्तेखान.

हिन्दी अनु. गांड पर नहीं लंगोटी, पर नाम फत्तेहखाँ ।

Eng. tr. No loin cloth enough to cover the anus and yet his name is Mr. Victorious.

गांडमां छाण नहीं, ने मेरा नाम मीर.

हिन्दी अनु. गांड में नहीं गू, और मेरा नाम सरदार ।

Eng. tr. No dung in the anus, and ' My name is Mir. '

दळनारीनां दीकरा, ने नाम गुलाबराय.

हिन्दी अनु. पीसनेवाली का बेटा, और नाम गुलाबराय ।

Eng. tr. Son of a grinder-woman, and his name is Gulabrai (Rose).

नाम तेनो दाताराम, ने कोडी देता जाय प्राण.

हिन्दी अनु. नाम उस का दाताराम, और कौड़ी देने में जाय प्राण ।

Eng. tr. His name is Mr. Donor, but he would rather die than part with a cowrie (donate a cowrie).

नाम सुनाबाई, ने हाथे कथीरनां वाळा.

हिन्दी अनु. नाम सोनबाई (सुन्नाबाई), और हाथ में कथील की चूड़ी ।

Eng. tr. Sonabai (Madam Gold) by name, bangles of pewter (tin) on her wrist.

पीवा पूसडुं पाणी मळे नहीं, ने मारुं नाम दरियाखां.

हिन्दी अनु. एक पानी का कतरा भी पीने को नहीं मिले, और नाम दरियाखाँ ।

Eng. tr. Not a drop of water to drink and his name is Mr. Ocean .

पेट मां पूसडुं पाणी नहीं, अने नाम मारुं दरियावरखां.

हिन्दी अनु. पेटमें चुल्लूभर पानी नहीं, और नाम मेरा दरियावरखाँ ।

Eng. tr. The sromach has not a drop of water and yet my name is Mr. Ocean (Dariyawarkhan).

बाङ्ला काना छेलेर नाम पद्मलोचन ।

हिन्दी अनु. अंधा लड़का, नाम कमलनयन ।

Eng. tr. A blind boy and his name is Lotus-eyed.

गाये नेइ चाम, रामकृष्ण नाम ।

हिन्दी अनु. बदनपर नहीं चमडी, रामकृष्ण नाम ।

Eng. tr. There is not enough skin to the body and his name Ramkrishna.

गोंगा छेलेर नाम तर्कवागीश ।

हिन्दी अनु. 'गूँगा लडका, नाम वाक्पटु ।

Eng. tr. A dumb boy named Master-Debator.

ढाल नेइ, तलोयार नेइ, निधिराम सर्दार।

हिन्दी अनु. ढाल नहीं, नहीं तलवार, निधिराम कहलाए खुद को सरदार।

Eng. tr. With neither a sword nor a shield in his possession, Nidhiram calls himself a Gerneral.

तालपुकूर नाम, किन्तु घटि डेबे ना।

हिन्दी अनु. ताल–झील नाम, पर लुटिया भी न डूबे।

Eng. tr. Palm-lake is the name of the pond, but actually even a pot would not fully sink.

असमीया कणा पोर, नाम पद्मलोचन।

हिन्दी अनु. अंधा बेटा, नाम पद्मलोचन।

Eng. tr. The blind son's name is Lotus-eyed.

छालं छिगा ढेकुरार, बाघराय नाम।

हिन्दी अनु. रास्ते का कुत्ता, और नाम बाघराज।

Eng. tr. (1) A dog in the manger, and its name is Royal Tiger.
(2) A street dog named King of tigers.

दार नाम पखीराज, किछु काटे बाँह-गाँज।

हिन्दी अनु. दाव का नाम पखीराज, काटता कुछ बाँस के अंकुर।

Eng. tr. The name of the bird is Bird Royal, but plucks only the off-shoots of the bamboo.

लेखा पढ़ा बर्जित, हरमोहन पंडित।

हिन्दी अनु. लिखना पढ़ना नहीं जानता, और हरमोहन पण्डित कहलाता है।

Eng. tr. He does not know reading and writing and still Haramohan is a pundit.

हाल नाइ हलधर, लरु नाई गदाधर।

हिन्दी अनु. हल नहीं है, और नाम हलधर, छड़ी भी हाथ में नहीं, और नाम गदाधर।

Eng. tr. He has no plough, but his name is ' Haldhar ' (Wielder of the plough). He has no goading stick and his name is Gadadhar (Wielder of a cudgel).

ओड़िआ नाँ कटकिआणि, मुंड रे बाळ गोटिए नाहीं।

हिन्दी अनु. नाम कटकिआणि, (कटक की लड़की, जो बहुत सुंदर समझी जाती है।) सिर में एक भी बाल नहीं।

Eng. tr. In name she is a a Cuttock-lass (girls from Cuttock are supposed to be pretty), but has no hair on her head.

तमिऴ अण्ड निऴलिल्लामर् पोनालुम् पेर् आलमरम्.

हिन्दी अनु. आश्रय में आये व्यक्तियों के लिये छाया प्रदान करने में असमर्थ होने पर भी बरगद का पेड़ कहलाता है।

Eng. tr. He can't offer shelter to anybody, yet his name is Banyan Tree.

कळुत्तिले करिमणि इल्लै, पेयर् मुत्तुमालै.

हिन्दी अनु. गले में काला मणि तक नहीं, नाम उस का मोतीमाला।

Eng. tr. Her name is Pearl-necklace, yet on her neck she has not even a black bead.

तडविप् पिडिक्क मयिर् इल्लै अवळ् पेयर् कूंदलळगि.

हिन्दी अनु. हाथ फेरने के लिये भी केश नहीं, उसका नाम केशसुन्दरी।

Eng. tr. Not a hair to be felt, yet her name is Tressed Beauty.

तडविप् पिडिक्क कै इल्लै, अवन् पेयर् शौगारियम् पेरुमाळ्.

हिन्दी अनु. हाथ फेरने के लिये भी हाथ नहीं, नाम उसका शौर्यदेव।

Eng. tr. He has no hand to feel and seize (anything), his name is Lord Valiant.

तलैमुरै तलैमुरैयाय् मोट्टै अवळ् पेयर् कूंदलळगि.

हिन्दी अनु. पीढ़ी दर पीढ़ी गंजा सिर, नाम उसका केशसुन्दरी।

Eng. tr. Bald from generation to generation, and yet called matron of beautiful tresses.

पूकळ् मंगैयाम् पोरकोडियाम् पोन इडम् अेल्लाम शेरुप्पडियाम्.

हिन्दी अनु. कहा जाता है फूलों में लक्ष्मी, पर उसको जहाँ भी जावे तो जूते की मार मिलती है।

Eng. tr. It is said that she is Lakshmi residing in flowers, and she is a golden creeper, yet wherever she goes, she is slippered.

पेर गङ्गाभवानि, दाघ(ह) त्तिक्कुं तण्णीर् किडैयादु.

हिन्दी अनु. नाम गङ्गाभवानी, और प्यास बुझाने के लिए पानी भी नहीं।

Eng. tr. Her name is Gangabhavani (Goddess Ganga), but has no water to quench her thirst.

भूलोवुमुदलियार् पट्टम्, पुरुंदु पारत्ताल् पोट्टल्.

हिन्दी अनु. उस को पद है भूलोक मुदलियार, पर परीक्षा करने पर आदमी खोखला निकला।

Eng. tr. His title is Lord of the World, but when examined he is found empty (worthless).

तेलुगु आमे पेरु कुन्तनम्म, चूडबोते बट्टतल.

हिन्दी अनु. उस का नाम कुन्तलवती, पर सर गंजा।

Eng. tr. Her name is Kuntalamma (Lady of the hair), but her head is bald.

इंटिपेरु कस्तूरिवारु इल्लु गब्बिलाल गब्बु.

हिन्दी अनु. घराने का नाम कस्तूरी, घर में चमगादड़ की बू!

Eng tr. His house name is Kasturi (musk), but his house emits a bad smell of bats.

इंटिपेरु क्षीरसागरमूवारु ग्रोद्दुनलेस्ते मज्जिगकु सुष्टि.

हिन्दी अनु. घराने का नाम क्षीरसागर, हर सबेरे छाछ की भीख।

Eng. tr. His family name is 'Kshirasagar' (Ocean of milk), but every morning he begs for butter-milk.

जग विरुदु, मुंड मोर्.

हिन्दी अनु. नाम जगदेक-वीर, पर विधवा की तरह विलाप करता है।

Eng. tr. His name is Brave Jagadek, but weeps like a widow.

पेरु कमलाक्षि, कंडलेमु चीपिरिवि.

हिन्दी अनु. नाम कमलाक्षी, पर आँखें ऐंची।

Eng. tr. Her name is Lotus-eyed, but there is a squint in her eye.

पेरु गंगानम्म, तागबोते नीळ्ळु लेवु.

हिन्दी अनु. नाम गंगामाई, पीने के लिए पानी भी नहीं।

Eng. tr. Her name is Mother Ganga, but hasn't a drop of water to drink.

कन्नड ओप्पत्तिगे गतियिल्ल, अन्नदान सेट्टि.

हिन्दी अनु. एक जून का भोजन नहीं, नाम देखो तो अन्नदानी शेठ।

Eng. tr. (1) No food for even a season and his name is Lord Charitable. (2) Doesn't have enough for a single meal, but his name is Giver of food.

ओदलिल्ल, बरेयलिल्ल, मगन हेसरु माधव भट्ट.

हिन्दी अनु. पढ़ना-लिखना कुछ न जाने, बेटे का नाम पंडित माधवाचार्य।

Eng. tr. No reading and no writing, but the son's name is Pundit Madhav Bhatt.

दुड्डिल्ल कासिल्ल संपतयङ्गारि.

हिन्दी अनु. न दाम न दमड़ी, नाम संपतराय।

Eng. tr. No rupee, no copper, yet his name is Mr. Millionaire.

रेक्के इल्ल पुक्क इल्ल गरुडैयङ्गारि.

हिन्दी अनु. न पर न पंख, नाम है गरुड।

Eng. tr. Neither feathers nor wings, but his name is Mr. Eagle.

विद्यविल्ल, बुद्धियिल्ल, वर बुद्धिवंत.

हिन्दी अनु. विद्या नहीं, बुद्धि नहीं, दूल्हा बुद्धिवान् है।

Eng. tr. No learning, no brains, but the bride-groom is intelligent.

हेसरु पोन्न हेग्गडे, हेसरिगे बेळे इल्ल.

हिन्दी अनु. नाम दाल सेठ, पर उबालने के लिये दाल का दाना नहीं।

Eng. tr. His name is Mr. Cereal, but hasn't a grain to boil.

हेसरु मात्र गंगाभवानि, कुडियलु मात्र नीरिल्ल.

हिन्दी अनु. नाम गंगाभवानी, पीने को न है पानी।

Eng. tr. Her name is Ganga-Bhavani, but has no water to drink.

हेसरु क्षीरसागर भट्ट, मज्जिगे नीरिगे तत्वार.
हिन्दी अनु. नाम दूध-का-सागर, पर घर में छाछ भी नहीं।
Eng. tr. His name is Milk-Ocean-Bhatta, but short of even butter-milk.

मलयाळम् पेरुँ पोन्नसा कळुत्तिल् वाळनारुँ.
हिन्दी अनु. नाम तो सोनादेवी, मगर गले में केले का तन्तु।
Eng. tr. Though her name is Madam Gold, she is only wearing a plantain fibre as necklace.

१४

आँखों पे पलकों का बोज नहीं होता।

आशय

अपने निजी लोग, आप्तजन, मित्र आदि लोगों के लिये हम जो कुछ करते हैं, उस से हमें कोई तकलीफ़ नहीं होती। अपनेवालों के लिये जो कष्ट उठाये जाते हैं, उन का कोई बोझ महसूस नहीं होता। इस अपनत्व भावना को सुंदर सुंदर दृष्टान्तों द्वारा प्रदर्शित करने में निम्नलिखित कहावतें सफल निकली हैं। हिन्दी की यह कहावत देखिये — 'गाय को अपने सींग भारी नहीं होते।'

Subject

The following proverbs tell us how one's own things and relatives are not a burden to one. For instance, the Hindi proverb — 'The cow does not feel the burden of her horns.'

हिन्दी आँखों पे पलकों का बोज नहीं होता।
Eng. tr. The eyes do not feel the burden of eyelids.

गाय को अपने सींग भारी नहीं।
Eng. tr. The cow does not feel the burden of its horns.

ENGLISH The kick of the dam hurts not the colt.

उर्दू गाय को अपने सींग भारी नही होते।
Eng. tr. The cow doesn't consider its own horns heavy.

कश्मीरी क्कुरि हुॅन्ज़ि लति छिनुॅ पूति मरान्।
हिन्दी अनु. मुर्गी की लात से चूजे नहीं मरते।
Eng. tr. The chickens do not die of a hen's kick.

दांदस् छाह् ह्यंग् ग्वबान्?
हिन्दी अनु. बैल को सींगों का बोझ? (नहीं।)

Eng. tr. Are the horns too heavy for the bullock ? — (No.)

मराठी म्हशीची शिंगे म्हशीला ज़ड नाहीत.
हिन्दी अनु. भैंस के लिए अपने ही सींग बोझ नहीं बनते ।
Eng. tr. The horns of a buffalo are not a burden to her.

मांज़रीचे दात पिलांना लागत नाहीत.
हिन्दी अनु. बिल्ली के दाँत बच्चों को लगते नहीं ।
Eng. tr. Cat's teeth do not hurt her young ones.

गुजराती बिलाडीनां दांत कांई बिलाडीने वागे नहि.
हिन्दी अनु. बिल्ली के दाँत बिल्ली को लगते नहीं ।
Eng. tr. Cat's teeth do not hurt the cat itself.

भेंसना सींगडां भेंस ने भारी नहिं पडे.
हिन्दी अनु. भैंस के सींग भैंस को भारी नहीं होते ।
Eng. tr. Buffalo's own horns are never a burden to a buffalo.

बाङ्ला मायेर चापड़े हाड भांगे ना।
हिन्दी अनु. मां के चप्पत से हाड़ नहीं टूटता ।
Eng .tr. A slap by the mother does not break bones.

ओड़िआ फळ गछकु बोझ नुहें।
हिन्दी अनु. पेड़ के लिए फल का कोई बोझ नहीं ।
Eng. tr. Fruits are no burden to the tree.

तमिऴ कोडिक्कु काय्(ग) कनत्तिरुक्कुमा ?
हिन्दी अनु. लता के लिये फल भार है क्या ?
Eng. tr. Is its fruit burdensome to the creeper ?

कोऴि मिदित्तुक् कुंजु मुडम् आगुमा ?
हिन्दी अनु. मुर्गी के दबाने से बच्चा थोड़े ही पंगु होगा ?
Eng. tr. Will a chicken become lame if the mother hen treads on it ?

तेलुगु तीगकु काय बरुवा ?
हिन्दी अनु. लता को फल का बोझ होता है क्या ?
Eng. tr. Is the gourd too heavy for the creeper ?

कन्नड ईजाडुववनिगे मीसे भारवे ?
हिन्दी अनु. तैराक को मूछों का बोझ थोड़े ही होता है ?
Eng. tr. Is the moustach heavy for the swimmer ?

बळ्ळिगे कायि होरेये/भारवो ?
हिन्दी अनु. लता को क्या फल का बोझ होता है ?
Eng. tr. Is the fruit a burden to the creeper ?

मलयाळम् कोट्टिक्कु काय कनमो ?
हिन्दी अनु. लता को अपना फल बोझ है क्या ?
Eng. tr. Does the creeper feel the burden of the fruit ?
तळ्ळ चाविट्टियाल् पिळ्ळय्कुँ केटिल्ल.
हिन्दी अनु. माँ पाँव रक्खे तो भी बच्चे की कोई हानी न होगी।
Eng. tr. Even if the mother treads on it, the child will not be hurt.

१५

आप मरे, जग परलो।

आशय

जबतक जिये तबतक मौजमज़ाह लुटते रहो। मृत्यु के पश्चात् आनेवाले जीवन की क्यों चिन्ता करें। जबतक हम जीवित है, दुनिया में आनंद ही आनंद रहे, तत्पश्चात् चाहे दुनिया में प्रलय हो और सर्वनाश हो जाय, हमें उस से क्या लेना-देना ? इस प्रकार के फक्कड़ विचारों के व्यक्तियों के लिये ये कहावतें प्रयुक्त होती हैं।

Subject

There are some selfish souls who want the world wholesome and intact as long as they live. To them it doesn't matter what happens to the world after they are dead. These proverbs are used for such people.

हिन्दी आप मर्‍यां जग परलै। (राज.)
पाठभेद आप मरे जग परलो। आप मरे संसार नास।
Eng. tr. When one dies, the world suffers deluge.
मरला आगू डोम राजा। (मुज.)
पाठभेद मरला का पाछे डोम राजा। (चंपा. शाहा.)
(मरने के बाद चाहे डोम भी राजा हो, तो हमें क्या ?)
Eng. tr. Even if a scavenger becomes a king after our death (what's that to us ?)

ENGLISH 1. Death's day is doomsday.
2. When I die, the world dies with me.
3. Apres moi lə deluge.

उर्दू आप ज़िन्दा जहाँ ज़िन्दा, आप मुरदा जहाँ मुरदा।
Eng. tr. If I live, the world lives; if I die, the world is dead.

	आप डूबे, तो जग डूबा ।
Eng. tr.	If I sink, the whole world sinks.
पंजाबी	आई जो कबर विच जाल, की सोडी ते की मोकली ?
हिन्दी अनु.	आई जो कब्र में, क्या लम्बी क्या खुली ?
Eng. tr.	When you have come to lie in the tomb, what matters whether it be narrow or wide ?
	आप मोए, जग परलो ।
हिन्दी अनु.	आप मरे, जग परलो ।
Eng. tr.	For one who dies, it is a doomsday. (If one himself dies, there is deluge in the world.)
कश्मीरी	शाल् गव् क्वलि ज़ि आलम् गव् क्वलि ।
हिन्दी अनु.	गीदड़ नदी में डूबा, मानों जगत् ही डूबा ।
Eng. tr.	The jackal was drowned, as though the world was drowned.
सिंधी	पाण मुए खां पोइ सिजु उभिरे न उभिरे ।
हिन्दी अनु.	मर जाने के बाद सूर्योदय हो या न हो, उससे क्या मतलब ?
Eng. tr.	It matters not whether the Sun rises or not after one's death.
	मुए खां पोइ सिजु उभिरे न उभिरे ।
हिन्दी अनु.	खुद मर जाने के बाद सूर्योदय हो या न हो, इससे मृतक का क्या सारोकार ?
Eng. tr.	After death let the Sun rise if it likes, or never rise for both the worlds.
मराठी	आपण मेले आणि (नी) जग बुडाले.
हिन्दी अनु.	(अ) आप मुआ और संसार डूबा । (आ) आप मुआ और दुनिया डूबी ।
Eng. tr.	After my death, the world is drowned. (How does it affect me ?)
गुजराती	आप मुवे पछी डुबी जाय दुनिया ।
हिन्दी अनु.	आप मरे, जग डूबे ।
Eng. tr.	When I am dead, the world is drowned.
बाङ्ला	आमि म'ले रसातल ।
हिन्दी अनु.	आप मरे, जग डूबे ।
Eng. tr.	After my death, the world is drowned. (After me, the deluge.)
ओड़िआ	आखि बुजिले दुनिया अंधार ।
हिन्दी अनु.	आँख मिची और दुनिया में अंधेरा ही अंधेरा ।
Eng. tr.	When your eyes are closed, the world is dark.
	आपे मले जुगबुड, पर मले पाणि बुड ।
हिन्दी अनु.	खुद मरे तो संसार जाए, दूसरा मरे तो पानी में डुबकी ।
Eng. tr.	If one dies the era closes, if another dies one takes a dip.

आपे मले जुग जाए, पर मले कान्दुथाए।

हिन्दी अनु. खुद मरे तो संसार जाए, दूसरा मरे तो रोता रहे।

Eng. tr. When one dies, the era closes, when another dies, one mourns for ever after.

तमिळ् तान् शेत्तपिन् उलगम् कविळ्ंदु ॲन्न निमिरंदु ॲन्न ?

हिन्दी अनु. अपनी मृत्यू के बाद दुनिया उल्टी हो या सीधी हो इससे क्या ?

Eng. tr. When one is dead, what matters whether the world be overturned or not ?

तेलुगु चच्चिन वानि तल तूर्पुन नुंटेनेमि, पटमट नुंटेनेमि ?

हिन्दी अनु. मरे हुए आदमी का सिर चाहे पूरब में रहे, चाहे पश्चिम में।

Eng. tr. What matters if the dead man's head is to the east or to the west ?

कन्नड नरि मुळुगुवाग लोकवे मुळुगितु.

हिन्दी अनु. सियार डूबने लगा तो सोचने लगा कि सारी दुनिया ही गई।

Eng. tr. When the jackal was drowned, the whole world was drowned (for him).

मलयाळम् चत्ताल् तल तेक्कु पोलुं मटक्कु पोलुं.

हिन्दी अनु. मरने के बाद सिर दक्षिण में हो या उत्तर में।

Eng. tr. It is immaterial whether the head is to the south or north after the death.

१६

आप हारे, बहू को मारे।

आशय

जब कोई समर्थों के द्वारा खिजाया जाता है, अपमानित होता है, पीटा जाता है, और वह उस अत्याचारी का बाल तक बाँका नहीं कर सकता, तब वह अपना गुस्सा किसी असमर्थ व्यक्ति पर निकालता है। किसी निर्दोष व्यक्ति को अपने क्रोध का लक्ष्य बनाकर संतोष पाता है। निम्नलिखित विभिन्न भाषाओं की कहावतें इसी भाव को प्रदर्शित करती हैं। देखिये — " चोट लगी पहाड़ की, तोड़े घर की सील "।

Subject

Sometimes one is made angry by something and inflicts one's anger on helpless people around. The following proverbs imply this idea. A Hindi proverb expresses this very well — ' Hurt by the mountain, he breaks the grindstone at home. '

हिन्दी आप हारे, बहू को मारे।
पाठभेद अपने हरलन बहू के मरलन। (चंपा.)
Eng. tr. He loses and beats his wife.

इराक़ी पर ज़ोर न चला, गधे के कान उमेटे।
Eng. tr. When force did a little with the Arab steed, he pulled the ass's ears.

खसली पहाड़ सँ रुसली भतार सँ। (मुज.)
(पहाड़ से गिरी, और पति पर गुस्सा किया।)
Eng. tr. She fell down from the hill and got angry with her husband.

खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे।
Eng. tr. An angry cat scratches the pillar.
(Applied to one who shows impotent rage.)

चोट लगी पहाड़ की, और तोड़े घर की सील। (स्त्री.)
पाठभेद ठोकर लगी पहाड़ की, तोड़े घर की सील।
Eng. tr. Hurt by the hill, he goes home to break the grind-stone.

जाट जाटणीने बारी कोनी आवै जगाँ गधेड़ीरा कान मरोड़ै। (राज.)
(जाट जाटनी को नहीं पहुँच पाता, तब गधी के कान मरोड़ता है।)
Eng. tr. The Jat cannot overpower his wife, so he twists the donkey's ears.

झगरा भतार से, रुसली संसार से। (चंपा.)
(पति से झगड़ा हुआ, पर रूठ गई संसार के लोगों से।)
Eng. tr. She quarreled with her husband and got angry with the world. (People of the world.)

धोबी पर बस न चला, गधिया के कान मरोड़े।
Eng. tr. He could do nothing to the washerman, so he twisted his ass's ears.

बानर के खीस तबला के ऊपर।
(क्रुद्ध बन्दर का गुस्सा तबले पर।)
Eng. tr. The rage of a monkey is released on a drum.

यार का गुस्सा भतार के ऊपर।
Eng. tr. Angry with her lover, she shows it against her husband.

ENGLISH They whip the cat if the mistress does not spin.

उर्दू धोबी पर बस न चले गधीया के कान काटे।
Eng. tr. When no influence can be made on the washerman, he cuts off the donkey's ears.

पंजाबी डिग्गां खोते तो गुस्सा कुमिआर।
हिन्दी अनु. गिरा गधेसे, गुस्सा कुम्हार पर।

Eng. tr. He fell from the donkey and is angry with the potter.

कश्मीरी गुर्यन् नुॅ पोशान्, ल्यज़् फल्यन चोब्।
हिन्दी अनु. घोड़ों को कुछ नहीं कर सकता, तो मारता है उन की टट्टी को।
Eng. tr. He is not able to manage the horses, so beats the horse's excretion.

सिंधी उठ न पुजे, बोरनि हणे लतूं।
हिन्दी अनु. ऊँट तक पहुँच नहीं सकता, तो बोरों को लात मारता है। (सवार ऊँट के ऊपर बोरें आदि रख कर उन पर खुद बैठता है। ऊँट को तेज चलाने के लिए एड़ी मारता है, पर वह तो बोरों को ही लगती है।)
Eng. tr. When he cannot reach the camel, he kicks the gunny bags. (A camel rider sits on the camel's back with gunny bags under him. When he pokes his heel in the side of the camel to make it go faster, his foot hits the gunny bag. This proverb is said for one who gets angry with one and takes it out on another.)

पुजे न थी पइ सां, पिटे थी पेकनि खे।
हिन्दी अनु. उस की पति से बनती नहीं, और फिर कोसती है पीहर को।
Eng. tr. Cannot pull together with her husband, and blames her parents for it.

रुठी आहे घोट सां गाल्हाए न थी गोठ सां।
हिन्दी अनु. रूठी है पति से, बोलती नही गाँव से।
Eng. tr. She is offended with her husband, but doesn't speak to the whole village.

मराठी कुंभारणीने कुंभाराशी कज्जा केला आणि गाढवाचा कान पिळला.
हिन्दी अनु. कुम्हारिन का कुम्हार से झगड़ा, और गधे का कान उमेठा।
Eng. tr. A donkey (one who comes in the way) gets his ear twisted in the midst of a fight between a potter and his wife.

तेलिणीवर रुसली, अंधारात बसली.
हिन्दी अनु. तेलिन पर रूठी, अंधेरे में बैठी।
Eng. tr. Displeased with the oil-woman, she squatted in the dark.

वड्याचे तेल वांग्यावर.
हिन्दी अनु. बड़े का तेल बैंगन पर।
Eng. tr. To use the oil which fried a cake of ground pulse for brinjals.

गुजराती क्रोधी कुंभार गधेडानां कान आमले.
हिन्दी अनु. गुस्से में कुम्हार (क्रोधी कुम्हार) गधे के कान ऐंठता है।
Eng. tr. An irate (an angry) potter wrings the ears of his donkey.

दीवानी दाझे कोडियाने बचकां भरे.

हिन्दी अनु. लौ की जली दिये (मट्टी का) को काटे।

Eng. tr. Burnt with the flame, bites the earthen lamp.

रीसे बळतो कुम्भार गधेडीना कान आमले.

हिन्दी अनु. गुस्से में आगबबूला कुंभार गधे के कान उमेठता है।

Eng. tr. An irritated (vexed) potter twists (wrings) the ears of his donkey.

वाङ्ला अबाक् करले वेगुने,—फुँ दिते मुख पुड़े गेल तुषेर आगुने।

हिन्दी अनु. कमाल किया बैंगनने, आग फूँकते फूँकते मुँह ही झुलस गया।
(अपना जला मुँह तो बैंगन को कोसे।)

Eng. tr. Cursing the brinjal (egg-plant) in the fire, when the face is scorched while blowing the husk-fire.

ताँति रागे कापड छेंडे, आपनार क्षति आपनि करे।

हिन्दी अनु. गुस्से में जुलाहा कपड़ा फाड़े, अपनी हानि आप करे।

Eng. tr. The weaver in anger tears the cloth and causes his own loss.

दरबारे जामाइ हारे, घरे एसे बउके मारे।

हिन्दी अनु. दरबार में जमाई हारे, घर आकर बहू को मारे।

Eng. tr. Having lost his case at the royal court, the son-in-law comes home and beats his wife.

दरबारे ना सुख पाइ, घरे एसे बउ ठेंगाइ।

हिन्दी अनु. दरबार में (जमाई) हारे, घर आकर बहू को मारे। (मुँह नहीं रहा।)

Eng. tr. Having lost face at the royal court, the son-in-law beats his wife reaching home.

बउयेर राग बेरालेर ओपर, बेरालेर राग बेड़ार ओपर।

हिन्दी अनु. बहू का गुस्सा बिल्ली पर, बिल्ली का गुस्सा पेड़ पर।

Eng. tr. The daughter-in-law is angry at the cat, and the cat is angry at the fence.

असमीया ज्वरर दाहत बेरत लाठि।

हिन्दी अनु. बुखार की आग में दीवार पर लात।

Eng. tr. A high temperature making one kick at the wall.

ओड़िआ दाण्ड रे पथर झुण्टि घरे शिळ भांगुछि।

हिन्दी अनु. बाहर पत्थर से टकरा कर घर में शिला फोड़े।

Eng. tr. To stumble on a stone in the road and to have it out on the paste-making stone at home.

विलेइ पड़िला अकड़े, मूषा मारिला चापड़े।
हिन्दी अनु. बिल्ली आई गुस्से में, तो चूहा मारा चप्पड़ से। (मुश्किल में पड़ने पर दुर्बल पर गुस्सा निकालना।)
Eng. tr. When the cat is in a fix, it delivers a slap to the mouse.

तमिळ आण्डैमेट् कोपम् कडाविन्मेल् आरिनान्.
हिन्दी अनु. मालिक पर का गुस्सा भैंसे पर उतारा।
Eng. tr. He wreaked his anger against his master on the male buffalo.

तन् पणम् शेल्ला विट्टाल दादनैक् कट्टि अडिक्किरदु.
हिन्दी अनु. अपना पैसा काम का नहीं हो तो वैष्णव साधु को पकड़ कर मारता है।
Eng. tr. When his own coin will not pass, he ties up and beats the Vaishnava mendicant.

तेलुगु अत्तमीद कोपं दुत्तमीद चूपिनट्लु.
हिन्दी अनु. सास पर नाराज़, मटके को सजा।
Eng. tr. Angry with the mother-in-law, she hits the earthen pot.

पिल्लि तोक बर्रे तोक्किते ऎलुकमीद मीसालु दुव्विंदट.
हिन्दी अनु. बिल्ली की पूँछ पर भैंस ने पाँव दिया तो चूहे पर मूँछ मरोड़ ली (गुस्सा किया)।
Eng. tr. The cat was angry with the mouse because the buffalo trampled on its tail.

कन्नड अत्तेय मेलिन कोप कोत्तिय मेले.
हिन्दी अनु. सास पर का गुस्सा बिल्ली पर उतारे।
Eng. tr. Anger against the mother-in-law is turned against the poor cat.

मलयाळम् अङ्ङाडियिल् तोट्टतिन्नु अम्मयोटो ?
हिन्दी अनु. बाज़ार में हार गये तो माँ को क्यों पीटे ?
Eng. tr. Why beat your mother if you suffer reverses in the bargains in the market.

तन्टे मीटं कान्जिट्टु आरान्टे कण्णादि पोळिक्करुतु.
हिन्दी अनु. अपना चेहरा भद्दा रहे तो दूसरे का आयना क्यों तोड़े ?
Eng. tr. Why break other's looking glass, only because your face is ugly?

१७

आम फले नेओ चले, अरंड फले इतराए।

(अच्छे नम्र, ओछे उद्दंड।)

आशय

सयाने और महान् व्यक्ति स्वभावतः बड़े नम्र, विजयी और संयमी होते हैं, और नीच या मूर्ख व्यक्ति को दैववशात् महत्ता प्राप्त होने पर वे घमंडी और उद्दंड बनकर इतराते फिरते हैं।–आम फलता है तो नम्र हो जाता है, और एरंड फलता है तो ऐंठता है।

Subject

The wise and those who are naturally great are always humble, while the foolish and mean, when raised to a high position, strut about with pride. The following set of proverbs is used to express this idea.

हिन्दी अनौखे हाथ कटोरा आया, पाणी पी-पी आफरिया। (राज.)
(अनोखे व्यक्ति को कहींसे कटोरा मिल गया, तो बस लगा उस से पानी पर पानी पीने; पीते-पीते पेट फूल आया।)

Eng. tr. When a silly person came by a bowl, he drank so much water that his belley was swollen.

आम फले नेओ चले, अरंड फले इतराए।

Eng. tr. The mango tree in fruit bends down, the castor in fruit flourishes.

आम फलै नीचो लुळे, एरंड अकासां जाय। (राज.)

पाठभेद आम फलै नीचो चलै, एरँड फलै इतराय। (राज.)
(आम फलता है तो नीचे की ओर झुकता है, एरंड फलता है तो आकाश की ओर जाता है (इतराता है।)।

Eng. tr. The mango tree in fruit bends down, the castor in fruit goes up.

ईतर के घर तीतर, "बाहर बाँधूँ की भीतर ?"

Eng. tr. A partridge has walked into the house of a vain man and he thinks, "Shall I tie it up inside or outside ?"

उदधि रहे मरजाद में, बहै उमड़ि नद-नीर।

Eng. tr. Ocean remains within the bounds, while the river-water crosses the limits.

ओछी के हाथ लगी कटोरी, पानी पी पी मरी पदोड़ी। (स्त्री.)

Eng. tr. A mean women got a cup and drank till she burst.

कोठिला भर मंडुआ में मुहसर बउरायलहक । (पट.)
(एक कोठी मंडुआ से गँवार मत्त हुआ – इठलाया ।)

Eng. tr. The village boor becomes arrogant only with a bin-full of grains.

ताकपर बैठा उल्लू मॉंगे भर-भर चुल्लू ।
(जब कोई अयोग्य मनुष्य ऊँचे स्थानपर बैठ कर हुक्म चलाये ।)

Eng. tr. The exalted owl asks by handfuls.

बड़े बिखौ बिखधर, चलत सीस नवाए ।
थोड़े बिखौ बिच्छू, चलत दूम अलगाए ॥

Eng. tr. The deadly serpent creeps with bended head, the milder scorpion walks with his tail up.

बाँस बढ़े झुक जाए, अरंड बढ़े टूट जाए ।

Eng. tr. The bamboo grows and bends, the castor grows and breaks.

राजा दुआरी भोज भेल, कुतवा के जीव उमजा में गेल । (चंपा.)
(राजा के घर भोज हुआ, तो अवशिष्ट खाद्यपदार्थों को देखकर ही कुत्ते की जान खुशी में गई ।)

Eng. tr. After only seeing the leavings of the royal feast, the dog died of joy.

लवना भर धान में मुसहर नितराय । (पट.)
(लवना भर – थोड़ा सा, मुसहर – एक हरिजन जाती)

Eng. tr. The low born gives himself airs even with a small amount of paddy with him.

ENGLISH
1. The boughs that bear most hang lowest.
2. The more you court a mean man, the statelier he grows.

उर्दू आम फले नीव चले, एरंड फले इतराये ।

हिन्दी अनु. आम फलता है झुक जाता है, और एरंड फलता है तो खड़ा हो जाता है ।

Eng. tr. The mango tree in fruit, bends down; the castor in fruit flourishes.

पंजाबी ओछे हथ कटोरा आया, पाणी पी पी आफऱ्या ।

हिन्दी अनु. ओछे के हाथ कटोरा आया, पानी पी पी कर चढ़ा अफारा ।

Eng. tr. A cup fell into the hands of a conceited fellow, he drank so much water that his belly swelled.

गिद्दड़ दे गू दी लोड़ पेई यार पहाड़ा चढ़ गए ।

हिन्दी अनु. गीदड़ के गू की जब पड़ी जरूरत, वह पहाड़ पर चढ़ बैठा ।

Eng. tr. When the jackal's ordure was in demand, he conceitedly went away towards the mountain.

जट भाड़ ते खड़ा आ हाथी दे महावत नूं पुछ दै, 'खोता वेचदा ए ? '

हिन्दी अनु. जाट गेहूँ की फसल के ढेर पर खड़ा रहा और हाथी के महावत से पूछने लगा, 'तेरा गधा बेचोगे ? '

Eng. tr. The Jat stood on his heap of corn and said to the king's elephant driver, " Will you sell your little donkey ? "

जट वधे तां राह बधे ।

हिन्दी अनु. जब जाट धनी होता है, तो बाट रोक देता है ।

Eng. tr. When the Jat is prosperous he blocks the path.

निव जाण झट टहणियाँ, ज्या फल लगे आण।

हिन्दी अनु. झुक जाती है तुरन्त, फल के लगते डार ।

Eng. tr. When the branches bear fruit they bend low.

भुक्खे दी धी रज्जी ते खेह उड़ावण लग्गी।

हिन्दी अनु. भूखे की बेटी अमीर हुई, तो अपने पर ही धूल उड़ाने लगी।

Eng. tr. A poor man's daughter became wealthy and she began to throw dust on herself.

कश्मीरी फल् कुलय् छु नमिथ् ।

हिन्दी अनु. फल (से लदा) वृक्ष झुक गया।

Eng. tr. Tree (full of fruits) is bent. (The more knowledge or wealth there is in a man, the humbler he becomes.)

सिंधी आहिर जी वडाई कुने पाटि ते आई।

हिन्दी अनु. जंगल में रहनेवालों का बड़प्पन मिट्टी के बरतनों पर हुआ।

Eng tr. The pride of the jungle-dwellers is their earthen vessels.

गिदड़ जे गूंहं में कमु पवंदो आहे त वञी जबल ते विहंदो आहे।

हिन्दी अनु. गीदड़ की विष्ठा से काम पड़ता है तो वह जाकर पहाड़ पर बैठता है।

Eng. tr. When the jackal's shit comes of some use, he pulls himself in pride and sits on top of a hill.

ढउ झले हिकु भाभिरो, बी मेंहिं।

हिन्दी अनु. तृति के आनंद को एक तो भाभरा सहन करता हैं और दूसरी भैंस। (भाभरा – जैनों की एक जातिविशेष जो धनिक होने पर भी नम्र रहती है।)

Eng. tr. The happiness of fulfilment is experienced by a Bhabhara and a buffalo. (Bhabhra is a sub-caste among Jains, the people of which remain modest even if very rich.)

निमे सो ग़ीरो।

हिन्दी अनु. जो झुके, वह वजनदार। (तराजू का उदाहरण है।)

Eng. tr. The one that bends, is weighty (e. g. the scales).

बि्यो हर्को होर्यां हले, ढोकणु पाए डकूं।

हिन्दी अनु. और सभी तो धीरे चलते हैं, पर ढीकण (ओछा आदमी) दौड़ने लगता है।

Eng. tr. Everyone walks slowly, but the mean-minded runs.

माचे त नाचे ।

हिन्दी अनु. (ओछा व्यक्ति) जितना पाए, उतना नाचे ।

Eng. tr. A mean-minded person capers higher as he gets more things.

मेंहि मचे होयाँ हले, रिढ मचे टिपा डिए ।

हिन्दी अनु. भैंस खा पीकर धीरे चले, पर भेड़ उछलने कूदने लगे ।

Eng. tr. The buffalo walks slowly after it has grazed its full, while the sheep go capering.

रनपुट खे लगे भागु त डिए जुआरे अटे खे दागु ।

हिन्दी अनु. ओछे व्यक्ति का यदि भाग्योदय होता है, तो वह जुआर का आटा फेंक देता है ।

Eng. tr. If the son of a widow (a mean fellow) is favoured by fortune, he despises jawar flour (coarse food).

मराठी आधल्याचे आले राज, डोक्याला सुटली खाज़ ।

हिन्दी अनु. औचक मिला राज और सिर में होने लगी खाज ।

Eng. tr. One who gets a kingdom unexpectedly asks another to scratch his head. (shows the pride which swells his head to the extent that he will not even scratch his own head.)

दीड आणा, बाबू उताणा.

हिन्दी अनु. प्राप्ति डेढ़ आना, बाबू बना मस्ताना ।

Eng. tr. Babu struts with pride because he has a penny and a half (in his pocket).

दुष्टागाठी पैका झाला, उपद्रव करी लोकाला.

हिन्दी अनु. दुष्ट की गाँठ में पैसा, लोग सहे पीड़ा ।

Eng. tr. When a villain becomes rich, he troubles the people around.

द्रव्य येता मूर्खा हाती, मूर्खपणा वाढे अती.

हिन्दी अनु. मूर्ख बने धनी, मूर्खता बढ़े घनी ।

Eng. tr. Wealth in the hands of a foolish man makes him more foolish.

सातेरीक अभिषेकाचे मरण.

हिन्दी अनु. बाँबी के देवता को अभिषेक से मौत ।

Eng. tr. The God of the ant-hill drowns when holy water is poured over it. (The ant-hill being of mud gets washed away.)

गुजराती अणदीठानुं दीठुं, ते मार मूळा ने मीठुं.

हिन्दी अनु. कभी देखी नहीं सो सामने आई, खाओ मूली और नमक ।

Eng. tr. What was never seen has come forth, now eat up the radish with salt.

डगराने मळी दुकानी, डगरो चाल्यो उजाणी.

हिन्दी अनु. पगी को मिली गिन्नी, तो वह चला भोजन को।

Eng. tr. A police peon got two pice and lo ! he goes to feast.

रांकनां हाथमां रुवो, तो के 'वाव खोदाऊं के कुवो ?'

हिन्दी अनु. गरीब के हाथ में रुपया, तो (गरीब) पूछे 'क्या खुदाऊँ ? कुआँ की बावली ?'

Eng. tr. A poor man got a rupee and asked, "What should I dig–a well or a tank ?"

बाङ्ला गोलाम यदि बादशा हय, रात्रिकालेओ छाता बय।

हिन्दी अनु. गुलाम यदि बादशाह होवे, रात को भी छत्र लगावे।

Eng. tr. If a slave becomes a prince, he insists on a royal umbrella over his head even when he is sleeping in his bed. (An umbrella which is used for sun or rains is meaningless over a royal bed, yet this newly prince wants it that way.)

फलन्त गाछेर माथा नीचु।

हिन्दी अनु. फले पेड़ का सिर नीचा (झुकता है)।

Eng. tr. A tree full of fruits always bends. (A man full of learning and wisdom is always humble.)

छोटलोकेर कड़ि हले बुद्धि हय नष्ट;
गाधा यदि पाहाड़े ओठे, पाहाड़के देखे छोटो।

हिन्दी अनु. ओछे के (बच्चे के) हाथ कौड़ी लगे तो उस की बुद्धि नष्ट होगी; गधा अगर पहाड़पर चढ़े तो वह पहाड़ को छोटा मानने लगेगा।

Eng. tr. A cowry (penny) with a child is enough to spoil its head; an ass atop a mountain looks down upon it.

असमीया गुटि लगा गछ सदा तल मूर।

हिन्दी अनु. फलों से लदा हुआ वृक्ष सदा झुका हुआ रहे।

Eng. tr. A fruit-bearing tree is always bent-headed.

बाप कालत नाइ गाइ, चालनि लै दोब जाय।

हिन्दी अनु. बाप के समय न थी गाय, (बेटा) छलनी ले के दुहने जाय।

Eng. tr. His forefathers did not have a cow and he goes for milking with a sieve.

नीचे लोक उच्च पद पाय, टेरीयाकै पाग मारि घुरि घुरि जाय।

हिन्दी अनु. छोटे आदमी को बड़ा पद मिले, तो टेढ़ी पगड़ी बाँध के (बारबार) फिर फिर के देखे।

Eng. tr. If a low man is raised to a place of honour, he ties a turban and looks at himself (in the mirror) again and again.

नोपोवाइ पाइ छे, चपाइ धान दाइछे।

हिन्दी अनु. वंचित को (दरिद्र को) धान मिला, भर भर के ले लिया।

Eng. tr. When a have-not got paddy, he filled his bag with hand-fuls.

ओड़िआ उणा लोक पद पाए, हगिगले गीत गाए।
हिन्दी अनु. नीच आदमी जब ऊँचा पद पाता है, तो पैखाने जाते वक़्त भी गीत गाता है।
Eng. tr. When an inferior person gets a high status, he begins singing even in the lavatory.

एन्ता लोक केन्ता, खलिखिआ लोक थालिथिँ खाएले ँ लोक चिन्भा से केन्ता ? (संबलपुरी)
हिन्दी अनु. यह आदमी कैसा ? पत्तल में खानेवाला थाली में खाने लगे, तो औरों को पहचाने कैसा ?
Eng. tr. What sort of person is this ! If the man who was eating from leaf plates now eats in dish. How can he care for others ?

गोदरीकि श्रीमति कहिले से गोड़ कु बुलेइ पकाए।
हिन्दी अनु. हाथी पाँव-वाली को श्रीमति कहने से वह पैर को घुमाकर डालती है। (अपात्र को सम्मान मिले तो गर्व से फूले।)
Eng. tr. If you call a woman with elephantisis legs 'Shrimati' (i. e. one with good looks), she begins walking in an affected style.

निच पाईले अधिकार रुषिंकि बुहाइले भार।
हिन्दी अनु. नीचों ने पाया अधिकार, ऋषिओं ने ढोया भार।
Eng. tr. If the lowly ones get authority (power), they make the rishis carry loads.

पितल गुणाकु नाक टाउँ टाउँ, सुना गुणा थिले केते ?
हिन्दी अनु. पीतल के गहने से इतना इतरा गई, सोने का होता तो क्या होता ?
Eng. tr. Shows off her nose with only a brass ornament (nose-ring), what would she do if it were made of gold !

तमिऴ अऱ्पनुक्कु पविशु वन्दाल्, अर्धरात्रियिल् कुडै पिडिप्पान्.
हिन्दी अनु. रंक राजा बने तो रात में छत्री धारण करेगा।
Eng. tr. If a low-bred man obtains wealth, he will carry an umbrella at midnight.

आऴाक्कु अरिशि मूऴाक्कुप्पानै मुदलियार् वरुगिऱ् वीराप्पैप् पारुम्.
हिन्दी अनु. तीन छटाक चावल, दो छटांकवाला बरतन, मुदलियार (बस इतनी सी बातपर) क्या शान से ऐंठ रहे हैं।
Eng. tr. With an alak of rice in hand and a pot that will suffice to boil only three-fourths of it, look at the ostentation the Mudaliar displays.

कण्डरियादवन् पेण्डु पडैत्ताल् काडु मेडु अेल्लाम् इऴुत्तुत् तिरिवानाम्.
हिन्दी अनु. अव्यवहारी (नालायक) व्यक्ति की शादी होने पर, अपनी पत्नी को वन-पर्वतों में घुमाता फिरेगा।
Eng. tr. If a worthless man gets married, he would wander about dragging his wife through the woods and over the hills.

कायत्त मरम् वळैंदु निरकुम् नरकुणम् उडैयवर् तणिंदु निरपार.

हिन्दी अनु. फला वृक्ष झुक जायगा, गुणी व्यक्ति नम्र ही होंगे।

Eng. tr. A fruit bearing tree bends, the virtuous are polite.

नरिक्कुप् पेरियतनम् कोडुत्ताल् किडैक्कु इरण्डु आडु केक्कुम्.

हिन्दी अनु. सियार को यदि अधिकार दिया गया जाय, तो एक एक झुंड से दो दो बकरियाँ माँगेगा।

Eng. tr. If the jackal gains the mastery, it will demand two sheep from each flock.

तेलुगु अल्पुनकु ऐश्वर्यमु वस्ते, अर्धरात्रि गोडुगु तेम्मन्नाडट.

हिन्दी अनु. नीच पर भाग्य हँसने लगा, तो आधी रात उठ कर कहने लगा कि छाता ले आओ।

Eng. tr. Wheh fortune smiled on a mean person, he woke up at midnight and asked for an umbrella.

कोतिकि पेत्तनमिस्ते गोदावरि कडडंगा ईदिंदट.

हिन्दी अनु. बंदर को अधिकार देने पर गोदावरी प्रवाह के विरुद्ध तैरने लगा।

Eng. tr. Given the power, the monkey swam against the current in Godavari.

चिंतकायलु अम्मेदानिकि सिरिमानं वस्ते वंकिरि-बिंकिरि कायलु एकायलन्नदट.

हिन्दी अनु. इमली फल बेचनेवाली अमीर होने पर कहती है कि ये टेढ़े-मेढ़े फल कौनसे हैं ?

Eng. tr. When the tamarind-seller became rich, she began to ask' "What sort of zigzag fruits are these ? "

तेलुकु पेत्तनमिस्ते, तेल्लवार्लु अंटपोडिचिंदट.

हिन्दी अनु. बिच्छू को अधिकार दिया, वह तड़के तक डंसता रहा।

Eng. tr. The scorpion was given power, and it continued stinging till dawn. (Abuse of authority by evil persons.)

पेनुकु पेत्तन मिस्ते तलंगा तेग कोरिकि पेट्टिंदट.

हिन्दी अनु. जूँ को अधिकार दिया तो सारा सिर कुतर डाला। (ठूँक डाला।)

Eng. tr. If a louse is to lord, it bites off all the hair.

कन्नड अल्पगे ऐश्वर्य बंदरे अर्धरात्रियल्लि कोडे हिडिसिकोंड.

पाठभेद अल्पनिगे सिरिबन्दरे. अर्धरात्रियल्लि कोडे हिडिसिकोंड.

हिन्दी अनु. ओछे को ऐश्वर्य (दौलत) मिले तो आधी रात में छाता खोल के जाएगा।

Eng. tr. If wealth comes to a worthless person, he will have an umbrella held above him at midnight.

चेळिगे पारुपत्य कोट्टरे जावक्के मूरु सारि कुटुकितु.

हिन्दी अनु. बिच्छू को अधिकार मिले तो पहर में तीन बार डंक मारे।

Eng. tr. If the scorpion is given power, it stings thrice an hour.

मलयाळम् अल्पन्नु अर्थं किट्टियाल् अर्द्धरात्रि कुट पिटिक्कुं.
हिन्दी अनु. ओछे को धन मिले तो वह आधी रात में छत्री लगायेगा।
Eng. tr. If an up-start gets wealth, he will hold an umbrella even at mldnight.

संस्कृत भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमैर्नवाम्बुभिर्भूरिविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्॥
हिन्दी अनु. फलों के आगमन से तरुवर विनम्र हो जाते हैं। नवजलकणों से भरे हुए बादल धरतीपर झुक जाते हैं। वैसे ही समृद्धिकाल में सत्पुरुष अधिक ही विनयशील हो जाते हैं। परोपकारी सज्जनों का यही स्वभाव होता है।
Eng. tr. At the appearance of the fruit, trees bend low, and filled with the new waters the clouds hang down. High-souled people do not get inflated with opulence; such is the very nature of helping persons.

१८

आय के अनुसार खर्च।

आशय

अपनी आय के अनुसार ही खर्च करना चाहिये। अपनी बस के काम ही हाथ में लेने चाहिये अपनी शक्ति से अधिक करने का जो प्रयास करे, उसे हानि उठानी पड़ेगी। एक व्यावहारिक उपदेश इन कहावतों में पाया जाता है।

Subject

This set of proverbs tells us how it is necessary for everyone to stay within his limits. To go beyond the allotted bounds is to harm oneself.

हिन्दी जितनी चादर देखो, उतने ही पाँव पसारो।
Eng. tr. Stretch your legs according to your coverlet.
तेत्ते पाँव पसारिये, जेती लांबी सौर।
Eng. tr. Stretch your legs according to your coverlet.
दाली में जतना पचै ओतने नोन दै के चाही। (मु.)
(दाल में जितना खप सके उतना ही नमक डालना चाहिये।)
Eng. tr. (1) Put salt in the soup, as much as is necessary.
(2) Add salt to the soup according to the need.

ENGLISH
1. Everyone stretches his legs according to his coverlet.
2. Who soever stretcheth his foot beyond the blanket shall stretch it in the straw.
3. Cut your coat according to your cloth.

उर्दू जितनी चादर देखे, उतने पाँव फैलाये।
Eng. tr. To spread one's legs according to the bed-sheet.

पंजाबी चादर वेख के लत्तां पसारणियां चाहिदिआं।
हिन्दी अनु. चादर देख कर पाँव पसारने चाहिये।
Eng. tr. Stretch your legs according to your coverlet.

जितनी पोंछ बिचारिये, उतनी कीजे दोड़।
उतने पैर पसारिये, जितनी लम्बी सोड़॥
हिन्दी अनु. जितनी पहुँच हो, उतनी ही दौड़ करनी चाहिये।
जितनी लम्बी चादर, उतने ही पाँव पसारिये॥
Eng. tr. A man should undertake a race only as far as he can run, and so he should stretch his legs only to the length of his quilt.

कश्मीरी वुरुन् वुछिथ् गछ़ि रव्वर् वाह्रुन्।
हिन्दी अनु. बिस्तर देख कर पाँव पसारिए।
Eng. tr. Stretch your feet according to the bed.

सिंधी चेरीअ आहर पेरु डि घेरिजे।
हिन्दी अनु. चद्दर के अनुसार पाँव पसारने चाहिए।
Eng. tr. Stretch your feet according to the bed-cover.

जो कछे न फारे सो खा बारे।
हिन्दी अनु. जो कपड़ा नाप कर नहीं काटता है, वह नुकसान करता है।
Eng. tr. He repents who does not take measure before he cuts.

मराठी अंथरूण पाहून पाय पसरावे.
हिन्दी अनु. बिस्तर की लंबाई देख कर पाँव पसारिये।
Eng. tr. Stretch your legs acoording to (the length of) the bed.

गुजराती पग जोईने पाथरणुं ताणवुं.
हिन्दी अनु. पैर देख कर (चादर) बिछावन तानना।
Eng. tr. One should stretch one's bed according to one's legs.

पग प्रमाणे जोडो सीववो जोइये.
हिन्दी अनु. पैर के माप का जूता सीना चाहिये।
Eng. tr. One should stitch a shoe in proportion to the foot.

पाथरणुं जोइने पग ताणो.
हिन्दी अनु. बिछावन देख पैर फैलावो।
Eng. tr. Stretch your legs according to the bed.

बाङ्ला आयेर बेशी करे व्यय, तार लक्ष्मी क' दिन रय ?
हिन्दी अनु. आय से अधिक जो व्यय करे, उस की लक्ष्मी कब तक रहेगी ?
Eng. tr. How long would the Goddess of wealth remain with him who spends more than his income ?

असमीया आँठुवा चाइ ठें मेल ।
हिन्दी अनु. मच्छरदानी देख के पाँव पसारो ।
Eng. tr. Stretch your legs according to the mosquito-net.

ओड़िआ आय देखि व्यय कर ।
हिन्दी अनु. आय देख कर खर्च करो ।
Eng. tr. Spend within the limits of your income.

तेलुगु गन्तकु नगिन बोन्त.
हिन्दी अनु. जितनी थैली, उतना पालान ।
Eng. tr. Like pack saddle, like quilt.

पच्चडमुन्नंत काळ्ळु चापु.
हिन्दी अनु. जितनी चादर हो, उतने पैर पसारो ।
Eng. tr. Stretch your legs as much as the sheet (permits).

कन्नड हासिगे इद्दष्टु कालु चाचु.
हिन्दी अनु. जितनी चादर देखो उतने ही पैर पसारो ।
Eng. tr. Stretch your legs according to the bed.

अेण्णेगे बत्तिगे नेर.
हिन्दी अनु. जितना तेल, उतनी बाती ।
Eng. tr. As much oil so much wick.

मलयाळम् तन् बलं कण्टे अप्पलं केट्टावू.
हिन्दी अनु. अपनी शक्ति के अनुसार ही मंदिर बनवाने का प्रयास किया जाना चाहिये ।
Eng. tr. Try to construct the temple according to your might.

संस्कृत इदमेव सुबुद्धित्वं आयादल्पतरो व्ययः ।
हिन्दी अनु. मिलनेवाले पैसों की अपेक्षा खर्चा कम ही करना सुबुद्धि का लक्षण है ।
Eng. tr. This alone is very wise viz. maintaining the expenditure lower than the income.

१९

इधर के रहे न उधर के।

आशय

कभी ऐसा समय आता है कि आदमी न इधर का रहता है न उधर का। ऐसी त्रिशंकु अवस्था को लक्ष्य कर के इन कहावतों का प्रयोग किया जाता है। ऐसी विचित्र परिस्थिती में मनुष्य की अवस्था बड़ी दयनीय हो जाती है। वह कहीं भी गिना नहीं जाता। प्रसंगवशात् उसे दोनों ओर से हानि उठानी पड़ती है, सब तरफ से वह वंचित रहता है। उस की यह अवस्था इन कहावतों में कुशलता से वर्णित है। बाङ्ला की यह कहावत देखिये—"दो-दिल बान्दा कलमा-चोर, न पाए बहिश्त, न पाए गोर।"

Subject

There are times when people find themselves belonging to neither one place nor another. The following proverbs indicate this useless stage. For instance, the Bengali proverb — " A slave who is in two minds about the religion and does not observe customs would ultimately get neither heaven nor a burial. "

हिन्दी ऊँट का पाद, न ज़मीन का न आसमाँ का।

Eng. tr. When the camel breaks wind, it reaches neither the earth nor the sky. (Always having half-way.)

दुविधा में दोनों गये माया मिली न राम।

Eng. tr. In the hesitation whether he should accept this or that, he lost both—the wealth and Rama.

धोबी का कुत्ता, न घर का न घाट का।

Eng. tr. A washerman's dog belongs neither to the house nor to the washing place.

ENGLISH

1. Like wood's dog, he'll neither go to the church, nor stay at home.
2. Between two stools one comes to the ground.
3. From pillar to post.

उर्दू गूज़-इ-शुतर, न ज़मीन का, न आसमान का।

हिन्दी अनु. ऊँट का पादना, ज़मीन का न आकाश का।

Eng. tr. If a camel breaks wind, it goes neither to the earth, nor to the heaven.

धोबी का कुत्ता, न घर का न घाट का।

Eng. tr. The washerman's dog belongs neither to the house nor to the ghat.

न खुदा ही मिला, न विसाले सनम। न इधर के हुए, न उधर के हुए।
हिन्दी अनु. न ईश्वर मिला, न मिला प्रिया का मिलन। न इधर के रहे, न उधर के।
Eng. tr. I met neither God, nor my love; so I am fit neither for this nor for the next world.

पांडेजी दोनों से गये, हलवा न मिला न माँडे.
Eng. tr. Pandeji was deprived of both the pie and the pastry.

पंजाबी दो बेड़ियां विच लत रखणवाला डुब मरदा है।
हिन्दी अनु. दो नाव पर पैर रखनेवाला डूब मरता है।
Eng. tr. One who keeps his feet in two boats, always drowns.

धोबी दा कुत्ता न घर दा न घाट दा।
हिन्दी अनु. धोबी का कुत्ता, न घर का न घाट का।
Eng. tr. A washerman's dog belongs neither to the home nor to the washing quay.

कश्मीरी दोबि सुन्द् हून् न गरुक् तुॅ न गाठुक्।
हिन्दी अनु. धोबी का कुत्ता, न घर का न घाट का।
Eng. tr. The washerman's dog belongs neither to the house nor to the ghat.

न गर्युक् तुॅ न गाठुक्।
हिन्दी अनु. न घर का और न घाट का।
Eng. tr. Neither of the home nor of the river ghat.

न गर्युक् तुॅ न पर्युक्।
हिन्दी अनु. न घर का न बाहर का/दूसरों का।
Eng. tr. Neither of the home nor of others.

न दीनुक् तुॅ न दुनियुहूक्।
हिन्दी अनु. न धर्म का न दुनिया का।
Eng. tr. Neither of religion nor of the world.

न दिवुॅब्यू न प्यत्रॅब्यू।
हिन्दी अनु. न देवों का न पितरों का।
Eng. tr. Neither of the God's nor of the manes.

सिंधी धोबि जो कुतो, घर जो न घाट जो।
हिन्दी अनु. धोबी का कुत्ता, घर का न घाट का।
Eng. tr. The washerman's dog belongs neither to his house, nor to the ghat.

मराठी अरत्र ना परत्र.
हिन्दी अनु. न इधर न उधर।
Eng. tr. Neither here nor there.

घरचा न घाटचा.

हिन्दी अनु. न घर का न घाट का।

Eng. tr. Neither remains at home nor at the ghat. (The strip of land near a water course where the washerman washes the clothes. Referred to the washerman's dog which roams about doing nothing.)

धनगराचे कुत्रे लेंड्यापाशी ना मेंढ्यापाशी.

हिन्दी अनु. गड़रिया का कुत्ता, न लेंड के पास न भेड़ के पास।

Eng. tr. The shepherd's dog is neither near the manure heap nor near the sheep.

बेंबीखालील केस, ना केसांत ज़मा ना शष्पांत ज़मा।

हिन्दी अनु. ढोंढी के नीचे बाल, न केश में गिने जाते है न शष्पो में (झाँटों में)।

Eng. tr. The hair below the navel neither belong to the hair nor to the pubes.

गुजराती डूंटी उपरनो वाळ, तोड्यानो नहीं ने बोड्यानो नहीं।

हिन्दी अनु. नाभी पर बाल, न मूँड़ा जाय न तोड़ा जाय।

Eng. tr. The hair over the navel could neither be plucked nor shaved.

धोबी नो कूतरो, नहिं वाटनो, नहिं घाटनो.

हिन्दी अनु. धोबी का कुत्ता, नहीं बाट (रास्ता) का नहीं घाट का।

Eng. tr. A washerman's dog belongs to neither the road nor the ghat.

नहिं मिया मां, नहिं महादेव मां.

हिन्दी अनु. न मियाँ में न महादेव में (दोनों में न गिना जा सके।)

Eng. tr. Neither a Mohammedan nor a worshipper of Shiva (Hindu).

न रह्या घरनां के न रह्या घाटना.

हिन्दी अनु. न रहे घर के, न रहे घाट के।

Eng. tr. Belonged to neither the house nor the ghat.

बाङ्ला आम ओ गेल, छालाओ गेल।

हिन्दी अनु. आम तो गए ही, साथ टोकरी भी गयी।

Eng. tr. The mangoes have gone and along with them went the bag also.

ए कुल ओ गेल दुकुल गेल।

हिन्दी अनु. यह कुल भी गया, वह कुल भी गया। (जो महिला प्रेमी के लिये पति को छोडती है, वह दोनों घर से वंचित रहती है।)

Eng. tr. Lost this family and that family also. (Said of a woman who deserts her husband in favour of a paramour and is later cast away by him.)

एलतला, बेलतला, शेषकाले शेओड़ातला ।
हिन्दी अनु. इस वृक्ष तले, बेल तले, आखिर में सेवर तले ।
Eng. tr. This tree, that 'Bel' tree, and ultimately under 'Seora' tree.

दो-दिल् बान्दा कल्मा-चोर, ना पाय बेहस्त, ना पाय गोर।
हिन्दी अनु. जिस की मनस्थिति द्विधा है, और जो धर्माचरण नहीं करता, उसे न स्वर्ग में स्थान है, न कब्र में ।
Eng. tr. Slave who is in two minds about the religion and does not observe the religious customs would ultimately get neither heaven nor a burial.

असमीया ततो नाहिला खाइ, एखेला पाबलै नाइ ।
हिन्दी अनु. वहाँ भी न खाकर आये, यहाँ भी न मिलने का है ।
Eng. tr. Didn't take food there, nor he is going to get anything here.

ओड़िआ खडिकि नुहेँ कि पेडिकि नुहेँ ।
हिन्दी अनु. न इधर का न उधर का ।
Eng. tr. Belongs neither here nor there.

तमिळ तूक्कल्रिलुम् कलियाणम्, तुडियल्रिलुम् कलियाणम्, नाय् अंगे ओडियुम् केट्टु, इंगे ओडियुम् केट्टु.
हिन्दी अनु. तूक्कलूर में भी शादी, तुडियलूर में भी शादी। कुत्ता न इधर का रहा, न उधर का ।
Eng. tr. There was marriage ceremony in Tukkaloor and also in Tudiyalur, and the dog was neither here nor there.

तेलुगु रेंटिकि चेड्ड रेवडि बले.
हिन्दी अनु. दोनों तरफ से हारा धोबी। (न यह गटरी, न वह गटरी मिली।)
Eng. tr. Like the dhobi (washerman) who lost on both counts. (The wind carried away the clothes he had folded, while he ran to collect the clothes that were blown away.)

संन्यासि पेळ्ळां, विधवा कादु पुनिस्त्री कादु.
हिन्दी अनु. संन्यासी की पत्नी न विधवा न सुहागन।
Eng. tr. A sanyasi's wife is neither a wife nor a widow.

कन्नड इहक्के सुखविल्ल, परक्के गतियिल्ल.
हिन्दी अनु. इहलोग में सुख नहीं, परलोग में गति नहीं ।
Eng. tr. Of no use either for worldly enjoyment or for heavenly attainment.

मलयाळम् अतुमिल्ल इतुमिल्ल अम्मयुटे दीक्षयुमिल्ल.
हिन्दी अनु. न इधर का न उधर का, आखिर माँ का श्राद्ध कर्म भी बिगड़ा ।

Eng. tr. Lost what was in hand, what was aimed at, and consequently failed to perform even mother's obsequies lasting for a year.

कटिच्चतुमिल्ल, पिटिच्चतुमिल्ल.

हिन्दी अनु. न मुँह की चीज़ रह गयी, न हाथ की चीज़।

Eng. tr. Lost both–the bitten and the one in hand.

संस्कृत इतो भ्रष्टस्ततो भ्रष्टः परसेकान्तिवेषभाक्।
न संसारसुखं तस्य नैव मुक्तिसुखं भवेत्॥

हिन्दी अनु. जो यहाँ से भी भ्रष्ट है और वहाँ से भी (याने किसी स्थान पर उस की कीमत नहीं रही है), वह व्यक्ति न संसार सुख प्राप्त करता है न मुक्ति सुख।

Eng. tr. He does not have the joys of material life, nor does he enjoy a life of renunciation, who has fallen everywhere.

इदं च नास्ति परं न लभ्यते।

हिन्दी अनु. न यहाँ का कुछ मिलना न वहाँ की कुछ भी प्राप्ति। दोनों ओर से लाले पड़ना।

Eng. tr. Neither any certainty to achieve a distant goal, nor any confidence to succeed in a close-by matter.

न देवेभ्यो न पितरेभ्याः।

हिन्दी अनु. न देवों का न पितरों का।

Eng. tr. Neither of the God's nor of the manes.

२०

उँगली दी, तो पहोंचा पकड़ा।

आशय

किसी को थोडासा सहारा दो, सहानुभूति दिखाओ, मदद करो तो कभी कभी वह पूरा लाभ उठाता है और देनेवाले की हर चीज़ पर धीरे धीरे कब्जा कर लेता है। इसलिये किसी पर उपकार करते समय भी सावधान रहना चाहिए। यह गुजराती कहावत कहती है— "पैर रखने जगह दी तो मालिक बन बैठेगा।"

Subject

There are people who, when given a little advantage, want to take a lot of it. These proverbs indicate to the donors how it is necessary to be careful while one gives things away. For instance, the Gujrati proverb " May become the master of the house, if footing is given. "

हिन्दी एगो में आवा जाही दोसरे बिछौना चाहीं। (चंपा. मुज.)
(एक बार आने जाने की सुविधा दी, तो दूसरी बार बिछौना माँगने लगा।)

Eng. tr. Given free access (to my house), he asked for a bed next time.

कासा दीजे, बासा न दीजे ।

Eng. tr. Give food, but never give lodging.

चास दी, बास नहिं दी । (मुज.)

Eng. tr. Extend hospitality so far as food is concerned, but do not give a lodging place (to a stranger).

दिया हाथ, खाने लगा साथ ।

Eng. tr. I gave him food into his hands, but he began to eat out of my own dish. (Impudence.)

रोवतीनै राखी तो कै सागै ही ले चालो । (राज.)

(रोती हुई को आश्वासन देकर रोना बंद करवाया, तो कहती है कि साथ ही ले चलो ।)

Eng. tr. The one who was crying was pacified with hopes and now she asks to be taken along with me.

हम बैसलऊ बुढ़वा जानि, बुढ़वा सूतल सलगा तानि । (मुज.)

(बूढ़ा समझ कर मैंने बैठने के लिये थोड़ा स्थान दिया, और यह चादर तानकर सो गया ।)

Eng. tr. Thinking that he is old, I offered him a seat, but he is lying prostrate spreading his blanket.

ENGLISH

1. Give him an inch and he will take an ell.
2. Give bread to the poor, but bar the door.
3. Give the clown your finger, and he will take your hand.

पंजाबी अग लेण आइ ते घर दी मालक बण बैठी ।

हिन्दी अनु. आग माँगने आई और मालकिन बन बैठी ।

Eng. tr. She came to get some fire and has become the mistress of the house.

उंगल फड़ पोंचा फड़ा ।

हिन्दी अनु. ऊँगली पकड़ने दी, तो पहोंचा पकड़ा ।

Eng. tr. Allowed him to catch a finger and he caught the wrist.

खल्लोण नूं थां मिले, बेहणुं आपो कर लवांगे ।

हिन्दी अनु. खड़ा रहने जगह दो, बैठने की बना लेंगे ।

Eng. tr. I want room only for standing, I myself will make room for sitting.

कश्मीरी सुॅचनि पावि अचुन् तुॅ हॅसि बॅरि नेरुन् ।

हिन्दी अनु. सूई कीं आँख से प्रवेश करना, और हाथी-द्वार से बाहर निकलना ।

Eng. tr. To go in through a pin-hole, and come out from an elephant-gate.

सिंधी आई टांडे खे बोर्चाणी थी वेठी।
हिन्दी अनु. आई अंगार लेने, बन बैठी पंडिताइनि (रसोई बनानेवाली।)
Eng. tr. She came to fetch live coal and sat down as a cook.

आङुर या नंहुं रखणु ड्रींसित सजी ब्रांहं लंघाए विझे।
हिन्दी अनु. अंगुली रखने दो, तो पूरी बाँह डाल दे।
Eng. tr. If you let him push one finger in, he puts the whole hand inside.

कुनी फुराइजे, ब्रनी न फुराइजे।
हिन्दी अनु. दोस्तों को खिलाना पिलाना चाहिए, पर उन्हें रोज़गार के साधन (खेती आदि) से कुछ उठाने की अनुमति न देनी चाहिए।
Eng. tr. Offer food and drink to your friend but never allow him to pick up things by working in fields etc. (on the daily wages basis).

नंहुं रखणु ड्रींसित सिरु ग़ीहे।
हिन्दी अनु. नाखून रखने दो, तो पूरा सिर निगलने लगता है।
Eng. tr. Allow him to place a nail and he will swallow you entirely.

मराठी पाहुणी आली आणि म्होतुर लावून गेली.
हिन्दी अनु. मेहमान बन कर आई और सगाई करके गई।
Eng. tr. (A widow) comes as a guest and goes away having got engaged to the master of the house.

बोडकी आली व केसकर झाली.
हिन्दी अनु. विकेशा (विधवा) आयी, सकेशा बनी।
Eng. tt. She came a widow (a shaved one) and became one with hair (i. e. she became mistress of the house).

भटाला दिली ओसरी, भट हातपाय पसरी.
हिन्दी अनु. ब्राह्मण को दिया चौपाल, और ब्राह्मण फैलाए हाथ-पाँव।
Eng. tr. A journeying Brahmin, when given a small place to sleep in the verandah, gradually uses the whole house.

सोन्याचा द्यावा होन, पण घराचा देऊ नये कोन.
हिन्दी अनु. सोने का चाहे दो दान, लेकिन घर का न दो कोना।
Eng. tr. Give another as many gold coins as one wants, but never give him a corner of one's own home.

गुजराती आंगळी आपतां पोंचो ले।
हिन्दी अनु. अंगुली पकड़ते पौंचा (कलाई) पकड़ लिया।
Eng. tr. When offered a finger he would catch hold of the wrist.

पग मूकवा जग्या आपी के घरधणी थाय.
हिन्दी अनु. पैर रखने जगह दी तो मालिक बन बैठा।
Eng. tr. May become the master of the house, if a footing is given.

बावाजी, नमो नारायण, तो कहे तारे घर धामा.

हिन्दी अनु. बावाजी, नमो नारायण, तो कहे तेरे घर ही पड़ाव। (अड्डा, जमावट)

Eng. tr. (1) The monk, when reverentially saluted, said in reply "I'll be your guest for a long time!"

(2) "Good morning, Revered monk." "I will stay at your home as a guest", was the reply.

भट भट सीधुं लेवो, तो के 'सीधुं ने जमवानुं साथे.'

हिन्दी अनु. ऐ ब्राह्मण, भोजन की सामग्री ले लो, तो कहे, भोजन और सामग्री साथ ही लूँगा।

Eng. tr. When the Brahmin was offered (undressed) provisions, he replied, "I'd take the provisions and the dinner together." सीधुं – Undressed provisions such as are taken on a journey or given to a mendicant or a guest.

रोटलो आपीए, पण ओटलो नहि आपीए.

हिन्दी अनु. रोटी देना (चाहिये), पर चबूतरा (घर के सामने की बैठक) नहीं देना चाहिए।

Eng. tr. Would rather give bread than verandah in front of the house.

बाङ्ला बसते पेले शुते चाय।

हिन्दी अनु. बैठने को मिला तो सोना चाहे।

Eng. tr. Getting a seat, wishing to sleep. (Getting an inch, taking an ell.)

असमीया आलहीक निदिबा ठाइ, बारीर पातपचला खाय।
आकौ बुढ़ा गालैको हावरियाय॥

हिन्दी अनु. अतिथि को जगह मत दो, वह बगीचे के फल और सब्जियाँ खाएगा; और तुम्हारे बूढ़े शरीर को थकाएगा।

Eng. tr. Do not make room for the guest; he will eat your fruits and vegetables and even try to master your aged body.

बहिब श्राटिले शुबश्रो आटे।

हिन्दी अनु. बैठने की जगह मिले तो सोने की भी मिलेगी।

Eng. tr. He who can make a place for him to sit, can make a place to lie down.

ओड़िआ श्रांगुठि देखाइले बाहा गिळिबा।

हिन्दी अनु. उँगली दिखाने पर बाँह निगलना।

Eng. tr. Show the finger and he will swallow the arm.

श्रांगुठि पशु पशु बाहा पशिबा।

हिन्दी अनु. अंगुली डालते डालते बाँह घुसाना।

Eng. tr. In the beginning only the finger, then the whole arm goes in.

तमिळ् इडं कुडुत्ताल् मडं पिडुंगुवान्.
हिन्दी अनु. (किसी को थोडासा) स्थान दें दें, तो पूरे मठ को हड़प लेगा।
Eng. tr. Give a little space, and he will occupy the whole monastery.

ऍरुंबु ऊर इडंकोडुत्ताल ऍरुदुम् पोदियुम् उळ्ळे शेलुत्तुवान्.
हिन्दी अनु. चींटी रेंगने भर का स्थान मिले तो काफी है, वह एक बैलगाडी का सामान अन्दर कर देगा।
Eng. tr. If room be given sufficient for ants to creep in, he will drive a loaded bullock that way.

ओनर वंद पिडारि ऊरप् पिडरियै ओट्टिनदुपोल्.
हिन्दी अनु. आश्रय में आये पिशाच ने शाश्वत पिशाच को भगाया।
Eng. tr. As a demoness that came for shelter drove away the demoness of the village.

तुरुंबु नुळैय इडम् इरुंदाल् आनैयैक् कट्टुवान्.
हिन्दी अनु. तिनका भर जगह हो, तो हाथी बांधेगा।
Eng. tr. It he finds room for the insertion of a straw, he will tie an elephant.

तेलुगु इटुरसंटे, इल्लन्ता चेकोन्नट्टु.
हिन्दी अनु. 'इधर आओ' कहनेपर घर में तसल्ली से आ बैठा।
Eng. tr. When asked to come in (for a while), he took the possession of the house.

उंडे दानिकि स्थलमिस्ते पंडुकोनु मंचं अडिगिनट्लु.
हिन्दी अनु. रहने के लिए जगह दी, तो सोने के लिये खटिया माँगने लगा।
Eng. tr. He demanded a bed to sleep, when he was allowed a little shelter.

कूलिकिवच्चि पालिकि माट्लाडिनट्लु.
हिन्दी अनु. मजदूरी के लिए आया और हिस्सा माँगने लगा।
Eng. tr. He came on wages and began to ask for a share.

वेलु चूपिते मंड मिंगुतारु; मंड चूपिते मनिषिने मंगुतारु.
हिन्दी अनु. उँगली दिखाने पर पंजा निगलते हैं, और पंजा दिखांने पर पूरे आदमी को ही निगलते हैं।
Eng. tr. He would swallow the palm if you show him a finger, if you show him the palm, he would swallow you completely.

वेलु पेट्टेंदुकु चोटिस्ते कालु दूर्चिनट्लु.
हिन्दी अनु. उँगली रखने की जगह दी, तो पूरा पैर सरकाएगा।
Eng. tr. It you let in his finger, he will push in his leg.

कन्नड अंगुल स्थळ कोट्टरे मठ कट्टुत्तारे.
हिन्दी अनु. उँगली भर की जगह दी, तो मठ ही बना लिया।
Eng. tr. Given an inch of space, a monestery was built.

इत्तित बा! अन्दरे इद् मनेयन्ने कित्तुकोंड.

हिन्दी अनु. घर में बुलाया तो घर पर ही दावा कर बैठा।

Eng. tr. Allow him in the house, he will lay his claim over the entire house.

इत्तित बा अन्दरे, हेगल मेले हत्ति कोंड.

हिन्दी अनु. पास आने को कहा, तो कन्धेपर चढ़ बैठा।

Eng. tr. He was asked to come near, and he mounted my shoulders.

अेडे कोट्टरे इडि नुंगुवनु.

हिन्दी अनु. ऊँगली भर जगह दी, तो उसने सारा ही हड़प लिया।

Eng. tr. Spared an inch of ground, he swallowed the whole of it.

बेरळु तोरिसिदरे अंगैयन्नै नुंगिद.

हिन्दी अनु. उँगली दिखाओ तो हाथ ही निगल जाय।

Eng. tr. If you show him a finger, he will swallow the hand.

मलयाळम् इटं कोटुत्ताल् मठं पिटुङ्ङुम.

हिन्दी अनु. बैठने की जगह दें, तो घर ही अपनाएगा। (आश्रय दें, तो मालिक बने।)

Eng. tr. Give him a sitting space and he will occupy the whole house.

तूशिकटत्तान् इटं कोटुत्ताल् तूम्पा कटत्तुं.

हिन्दी अनु. सूई डालने की जगह दें दें, तो कोदाली चढ़ायेगा।

Eng. tr. If he is given a space to introduce a needle, he will introduce a spade.

भजनं मूत्तुं ऊराण्मयो?

हिन्दी अनु. भजन करते करते भक्त मंदिर का मालिक बने क्या?

Eng. tr. Worship developing into the trusteeship of the temple.

सूचिकटत्तान् इटं कोटुत्ताल् अविटे कोटालि केट्टुं.

हिन्दी अनु. सूई की जगह दें, तो कुल्हाड़ी घुसाएगा।

Eng. tr. If space is allowed to insert a pin, he will push in an axe.

संस्कृत अज्ञात कुलशीलस्य वासो देयो न कस्यचित्।

हिन्दी अनु. अनोखे व्यक्ति को कभी सहारा नहीं देना चाहिये।

Eng. tr. Do not give shelter to an unknown person.

चञ्चु प्रवेशात् मुसलप्रवेशः।

हिन्दी अनु. चञ्चु-प्रवेश करने दिया तो मूसल घुसा दिया।

Eng. tr. Allowed to insert the beak, he inserts the pestle.

२१

उखली में सिर दिया तो मूसलों का डर क्या ?

आशय

किसी काम को एक बार स्वीकार किया, चाहे वह कितना भी कठिन हो, फिर उस के कारन जितनी भी मुसीबतें आयेंगी, सहनी पड़ेगी। फिर शिकायत करने से कोई फायदा नहीं। उस काम की कार्यवाही में जो संकट आएंगे उन का डट के मुकाबला करना होगा। एक बार किसी बात को स्वीकार किया तो फिर डरना क्या! इस ओड़िआ कहावत का यही आशय है – "सेना में भरती होने के बाद लड़ाई का डर (कैसे)?

Subject

These proverbs tell us how it is futile to fear danger when once you have put yourself in a position for it. For instance, the Orissa proverb– 'To be afraid of a battle after joining the forces.'

हिन्दी उखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर ?
Eng. tr. When your head is in the mortar why dread the pestle ?

ऊँखली में माथो दियो पछै मूसळरो काँई डर ? (राज.)
पाठभेद ऊँखली में सिर घाल्यो पछै मूसळरो काँई डर ? (राज.)
(ओखली में सिर डाला पीछे मूसल (की चोटों) का क्या डर ?)
Eng. tr. Why fear the pestle when the head is in the mortar ?

करना चाहे आशिकी और मामाजी का डर।
Eng. tr. A lover and afraid of your uncle.

जब नटनी बाँस पर चढ़ी, तो घूँघट क्या।
पाठभेद नटनी जब चढ़ी बाँस तो घूँघट क्या।
Eng. tr. A girl acrobat performing in public needs no veil.

जे खड़े मूती से छिटका से डेराई। (शाहा.)
(जो व्यक्ति खड़ा खड़ा पेशाब करेगा, वह भला छींटे पड़ने से डरेगा ?)
Eng. tr. One who makes water in a standing position, will not be afraid of getting spattered.

माथो ऊखली में दियां पिछे घावों रो कांई डर ? (राज.)
(सर ऊखली में डाल देने पर घावों का क्या डर ?)
Eng. tr. Why fear the blows of the pestle when the head is in the mortar ?

मूँड़ मुड़ाये, तब छुरा को डराये ?
(सिर मुड़ाना हो तब उस्तरे से डरे क्यों ?)

Eng. tr. Why dread the razor when you have to get your head shaved ?

लाग लगी, तब लाज कहाँ।

Eng. tr. When one is in love, what shame remains ?

संग सोई, तो लाज क्या ? (स्त्री.)

Eng tr. After sleeping with a man what shame is left with her.

ENGLISH Faint heart never won fair lady.

उर्दू इब्तिदा-इ-इश्क़ है, रोता है क्या ? आगे आगे देखिए होता है क्या ?

Eng. tr. Love hath but begun, why weepest thou ? Look before thee to what will happen.

जब दिया दिल, तो अंदेसा-इ-रुसवाई क्या ?
(प्रेम किया तो बदनामी से क्यों डरे !)

Eng. tr. Why fear disgrace, when you have given your heart.

पंजाबी उखली विच सिर दित्ता ताँ मोहलिआ दा की डर ?

हिन्दी अनु. ऊखल में सर दिया तो मूसल से डर क्या ?

Eng. tr. Having put the head into the mortar, why fear the pestle ?

सिन्धी उखिर्युनि में मथा विझनि, से मुहिर्युनि खां न डिजनि।

हिन्दी अनु. उखल में सिर दिया तो मूसलों से क्या डरना ?

Eng. tr. Why fear the pestle, when the head is put in the mortar ?

जे धिड़ंदा सोर्हिएं, सेल्ह बि लगंदा तनि।

हिन्दी अनु. जो सँकरे रास्तों से गुज़रेंगे, उन्हे कांटे भी लगेंगे।

Eng. tr. Those who walk on narrow paths will be pricked by thorns.

पाठभेद जे पवंदा सोढ़िएं, तिबिलगंदा सेल्ह।

हिन्दी अनु. जो तंग रास्तों से गुजरेंगे, उन्हें कांटे सहन करने पड़ेंगे।

Eng. tr. Those who walk on narrow paths are picked by thorns.

नचण बीठी त घूँघट केहा।

हिन्दी अनु. नाचना शुरू किया तो फिर घूँघट किस लिए ?

Eng. tr. Why cover your face with a 'ghunghat' (A veil used by women to hide their faces.) when you become a dancer.

सेल्हनि में जे हथ विझंदा, से सूर वि सहंदा।

हिन्दी अनु. जो कांटो में हाथ डालेंगे, उन्हें कष्ट भी सहना पड़ेगा।

Eng. tr. Those who handle thorns must suffer pain.

मराठी उखळांत डोके घातल्यावर मुसळास कोण भितो ?

हिन्दी अनु. ओखली में सर दिया तो मूसल (धक्कों) से कौन डरता है ?

Eng. tr. When one's head is in the mortar, there is no fear of the pestle.

गांडीत घर करून पादाक अळशीकचे न्हंय. (कों.)
गांडीत वस्ती केल्यावर पादाची घाण का ?

हिन्दी अनु. (अ) गांड में घर बना कर पाद से नफरत नही की जाती ।
(आ) गांड में घर बना कर पाद से नफरत क्यों ?

Eng. tr. If one inhabits the anus, why think of the smell of filth ?

सती ज़ायला निघायचे मग गांड भाज़ते म्हणून बोंबलायचे.

हिन्दी अनु. ' सती ' होने जा रहीं है और गांड जलती है, इसलिये चिल्ला रही है ।

Eng. tr. Goes to burn herseif (sati) and screams because her anus is scorched.

गुजराती खांडणी मां माथुं त्यां धपकारानो शो डर ?

हिन्दी अनु. जब ओखली में सर दिया तो चोटों से क्या डरना ?

Eng. tr. Why fear violent blows if the head is put in the mortar ?

चोटली सोंप्या पछी फां फां शा सारवा ?

हिन्दी अनु. जब चोटी सौंप दी तो दई दई क्यों करना ?

Eng. tr. Why make vain struggle when the hair are surrendered ?

बाङ्ला आगुन पोहाते गेले धोंया सइते हय ।

हिन्दी अनु. आग पर सेंकते समय धुआँ सहना ही होगा ।

Eng. tr. He who wants to warm by the fireside, must be ready to suffer the smoke.

ओड़िआ गुह काढि किआँ नाकेरे हात ?

हिन्दी अनु. मैला निकालना फिर नाक क्यों सिकुड़ना ?

Eng. tr. Why close your nostril when you are clearing shit ?

घोडा पेटरु जन्म होइ छाटकु डरुछि ।

हिन्दी अनु. घोड़े के पेट से जन्म लेकर चाबुक से डर ।

Eng. tr. To fear the whip, having being born of a horse.

ढिंकि भरांडिरे मुंड देइ पाहुराणिकु डर ।

हिन्दी अनु. ओखली में सिर देकर धमाके से डर क्या ?

Eng. tr. Having put the head in mortar, you can not be afraid of the strokes of the pestle (that comes down on it.)

दांडरे पुअ वेइ जहाणीकु डर ।

हिन्दी अनु. रास्ते पर पुत्र को जन्म देकर डाइन से डरना ।

Eng. tr. To worry about witches after giving birth to a baby on the street.

सिपेइरे नाँ लेखेइ लढेइकि डरिवा ।

हिन्दी अनु. सिपाहियों में नाम लिखवाकर लड़ाई से डरना ।

Eng. tr. To be afraid of a battle after joining the forces.

तमिळ् अवसारिपोगवुम् आशै इरुक्किरदु, अडिप्पान अेन्रु पयमुम् इरुक्किरदु.

हिन्दी अनु. वेश्यावृत्ति करने की ईच्छा भी है, पति की मारपीट का डर भी है।

Eng. tr. She is inclined to play the harlot, and is afraid that her husband will beat her.

उरलिले तलैयै मट्टिक्कोण्डु उलक्कैक्कुप् पयप्पट्टाल् तीरुमा ?

हिन्दी अनु. ऊखल में सर देने पर चोट से डरने से क्या होगा ?

Eng. tr. Will your fear of the pestle avail aught, after your head has become fast in the mortar ?

वानत्तुक्कुक् कीऴ् इरुंदु इमलैक्कुप् पयप्पडलामा ?

हिन्दी अनु. आसमान के नीचे रह कर वर्षा से डर सकते हैं ?

Eng. tr. Living under the canopy of heaven, may we be afraid of rain ?

तेलुगु अंगडि वीधिलो आलिनि पडुको बेट्टि, वच्चेवारु पोयेवारु दाटि पोयिनारु अन्नट्लु.

हिन्दी अनु. बाज़ार के चौक में पत्नी को लिटाकर शिकायत क्यों करना कि आने-जानेवाले उसे लांघ गये ?

Eng. tr. Why let the wife lie in the street of the bazar and complain that the by-passers cross her ?

चिच्चु उरुकंगपोतू चीर कोंगु सवरिंचु कोन्नदानिवले.

हिन्दी अनु. (अ) आग में कूदने को तैय्यार है, पर साडी का आँचल सँभल रही है।

(आ) चितापर चढ़ने को तैयार होकर साडी का आँचल सँभल रही हो।

Eng. tr. She is ready for a leap into the fire, but is worried about her sari.

मंत्र सानि पनिकि ओप्पु कुन्नपुडु बिड्ड वच्चिना गोद्दि वच्चिना पट्टाल.

हिन्दी अनु. एक बार दाई बनना पसंद किया तो बच्चा या उस के गू को छूना होगा।

Eng. tr. Once you agree to midwifery, you must be prepared to handle the child or the stool.

रोट्लो तलपेट्टि रोकटि पोटुकु वेरचिनट्लु.

हिन्दी अनु. ऊखल में सर देकर मूसल की चोट से डरना।

Eng. tr. To be afraid of the pestle after putting one's head in the mortar.

कन्नड अपकार माडुवव अपकीर्तिगे अंज्याने ?

हिन्दी अनु. अपकार करने पर तुला हुआ आदमी अपकीर्ति से क्योंकर डरेगा ?

Eng. tr. Prepared to harm others, is he afraid of bad name ?

ओरळलि कूतरे ओनके पेट्टु तप्पीते ?

हिन्दी अनु. ओखली में बैठोगे तो मूसल की मार से कैसे बचोगे ?

Eng. tr. If you sit in the mortar, can you escape the blow of the pestle ?

मलयाळम् उरलिलिरुन्नाल् उलक्क कोल्ळुम.

हिन्दी अनु. ऊखल में बैठा तो मूसल की मार लगेगी ही।

Eng. tr. If you sit in the mortar, you are sure to be struck by the pestle.

नानचिरङ्ङियाल् पिन्ने चरिच्चु केट्टारुण्टो ?

हिन्दी अनु. पानी में उतर गये तो कपड़े बचाने की कोशिश क्यों ?

Eng. tr. Why bother about the clothes when you get in to the water ?

नीन्तान् तुनिञ्ञाल् आऴ् मरियणो ?

हिन्दी अनु. तैरने को तैयार हुए तो थाह जानने से क्या ?

Eng. tr. When you are bent on swimming, why bother about the depth of water.

२२ / अ

उधिआइल सतुआ पितरन के दान।

आशय

जब लोग किसी सड़ियल वस्तु को दान में दे देते हैं और पुण्य जोड़ना चाहते हैं तब ये उपहासगर्भ कहावतें कही जाती हैं। जब चीज हाथ से जानेवाली ही हो तब चलो उसे दान में दिया जाय। इस प्रकार से अगतिकता में से उपज हुई इस दान की भावना का उपहास इन कहावतों में है।

अचानक कोई क्षति हो जाने पर कहना कि यह तो भगवान को अर्पण। उसी प्रकार जो चीजे अप्राप्य हो उसे भगवान को अर्पण कर देना। ओड़िआ कहावत में यह भाव ठीक प्रकार से प्रदर्शित होता है — "खोई गाय ब्राह्मण को दान।"

Subject

There are people who offer useless things as gifts to other people. These proverbs tell us of such gifts made, for instance, 'Making a gift of a lost cow to the Brahmin.'— says the Oria proverb.

हिन्दी उतरियो गाँव डूमाँने दीजै। (राज.)

(राज्यद्वारा छिना हुआ याचकों को दो।) (डूम - एक गानेवाली याचक जाति जमाती।)

Eng. tr. To donate the village to the beggars (people of the 'Doom' tribe), when it is being taken away by the Government.

उधिआइल सतुआ पितरन के दान। (चंपा. शाहा.)
(हवा से उड़ा हुआ सत्तू पूर्वजों को अर्पण।)

Eng. tr. The flour blown away by the wind is offered to the anscestors.

मरल गाय बाभन के दान। (चंपा.)

पाठभेद सडल गाय बाभन के दान।
(मरीयल गाय ब्राह्मण को दान।)

Eng. tr. A starving cow given in alms to a Brahmin.

मुँह में दांत रहइत तऽदहेज अइतीं ? (चंपा.)
(दहेज में मिला हुआ बूढा बैल मानों, अपने दांत देखनेवालों से कह रहा हो, ' मुँह में दाँत होते तो मैं दहेज में क्यों आता ? ')

Eng. tr. An old bullock offered as a marriage gift says to those who examine his teeth, " Had there been teeth in my mouth, who would have given me in marriage gifts. "

मुई बछिया बामन को दान।

Eng. tr. A dead heifer given in alms to a Brahman. (a useless gift)

ENGLISH Making virtue of the necessity.

उर्दू मुई बछिया बामन को दान।

Eng. tr. The dead heifer is donated to the Brahmin.

पंजाबी इल झुराटी धाड़ी जठेरिआं दे सिर चाड़ी।

हिन्दी अनु. चील झपटा मार ले गई, दिया पितरों को सौंप।

Eng. tr. The kite swooped upon the food. That was offered as gift to the deceased relatives.

गंजी छुट्टी नांवणो सिर फुल परांदा पांवणो।

हिन्दी अनु. गंजी छूटी नहाने से, बाल में फूल गुथाने से।

Eng. tr. The bald headed girl relieved of taking a bath and braiding her hair.

गिद्दड़ दाख ना अप्पड़े, आंखे थू कोड़ी।

हिन्दी अनु. गीदड अंगूर तक पहुँच न सके, थूक कर कहे कडुए हैं।

Eng. tr. The jackal could not reach the grapes, he spat and said that they are sour.

दाक्खां हत्थ नां अपड़े आखे थूं कोड़ी।

हिन्दी अनु. अंगूरों को हाथ न पहुँचे कहता है कि खट्टे हैं।

Eng. tr. He could not reach the grapes, he spat and said, ' they are sour. '

रुड़दा खरबूजा पितरां दे निमित।

हिन्दी अनु. बहता खरबूजा पितरों के लिये।

Eng. tr. The melon, swept away by the current is being offered as gift to the deceased relatives.

कश्मीरी चोट् गंथि क्वलि तॅ राहि पदर्।
हिन्दी अनु. रोटी नदी में गिरी (तो कहे) पिता के नाम छोड़ दी।
Eng. tr. The bread slipped into the river; (he says) I dropped it in the name of my father.

ख्वजिसा गासूहान् नियूहाॅतु असि त्रोव् पानय्।
हिन्दी अनु. 'ख्वाजा साहब, तुम गाँव से हकाल दिए गए' 'नहीं हमने स्वयं छोड़ दिया।'
Eng. tr. 'O', khwaja, you were driven out of your village' '(oh, no !) I myself gave it up. (– Salva dignitate)

पिलिस् नॅ तॅ चोकी गास्।
हिन्दी अनु. पहुँच से बाहर् (फल) खट्टे हुए।
Eng. tr. Out of reach, and the (fruits) are sour. (The grapes are sour)

सिंधी अंधो छोकरु, खोटो डोकरु, टिकाणे हवाले।
हिन्दी अनु. अंधा छोकरा, खोटा पैसा, गुरुद्वारे में।
Eng. tr. A blind son and false coins are given in charity to the Gurudwara.

गिदड़ु डाख न पुजे आखे थू खटा।
हिन्दी अनु. सियार अंगूरों तक न पहुँचने पर कहता है कि वे खट्टे हैं।
Eng. tr. The jackal cannot reach the grapes and calls them sour.

मराठी आकुळलेलि गायि आप्पा भट्टाक दान. (गो.)
हिन्दी अनु. मरियल गाय आप्पा बामन (भट्ट) को दान।
Eng. tr. A starving cow offered to Appa Brahman.

खोटे नारळ होळीमध्ये. खोटे नाणे होळीमध्ये.
हिन्दी अनु. सड़े (बुरे) खोटे नारियल होली में। खोटे पैसे होली में।
Eng. tr. A contaminated coconut used for the Holi – (i. e. in the bonfire lit at Holi.) A false coin is used for Holi.

भटाला किडकी सुपारी.
हिन्दी अनु. उपाध्याय को सड़ी हुई सुपारी दान।
Eng. tr. A rotten betel-nut offered to a priest.

वांझोटी गाय भटाला दान.
हिन्दी अनु. बाँझ गौ उपाध्याय को दान।
Eng. tr. A barren cow is given to a priest.

गुजराती गोरने आपो घरडी गाय, पाप मटे ने पुण्य थाय.
हिन्दी अनु. गोर को दो बुढ़ी गाय, पाप मिटे और पुण्य होय।
Eng. tr. Offer an old cow to the priest, which may eradicate sin and enhance merit.

न मळी नारी एटले बावा सहेजे ब्रह्मचारी.

हिन्दी अनु. न मिली नारी तो बाबा बने ब्रह्मचारी।

Eng. tr. The monk who did not get a bride, is naturally a celibate.

बावा गायो मरी गई, तो कहे छाणमूतरनी गंध गई।

हिन्दी अनु. बाबा, गाय मर गई, तो कहे, गोबर, मूत की बू गयी।

Eng. tr. 'Father, the cows have died' to which he replies, "the bad smell of dung and urine has vanished."

बाङ्ला उड़ो खइ गोविन्दाय नमः।

हिन्दी अनु. उड़ गयी लाई, कृष्णार्पण। (अचानक कोइ क्षति हो जाने पर कहना कि यह तो भगवान को अर्पण।)

Eng. tr. The rice-grain flying off from the parching pan is offered to the God.

काना गरु बामुनके दान।

हिन्दी अनु. कानी गाय बामन को दान।

Eng. tr. Gift of a blind cow to a Brahmin.

गाछे फूल श्रीकृष्णाय नमः।

हिन्दी अनु. पेड़ के फूल श्रीकृष्णार्पण।

Eng. tr. Worshipping Lord Krishna by (mentally) offering him the flowers that are still on the tree.

पचा कला खावे के? ना, दासी नेइ बाँदी नेइ, ठाकुर-घरे दे।

हिन्दी अनु. सड़ा केला खाए कौन? दासी नहीं, बांदी नहीं, भगवान को अर्पण करें।

Eng. tr. Who will eat the over-ripe banana? No slave or servant is there, so offer it to the God.

फाटले पडलो नाडु गोपालाय नमः।

हिन्दी अनु. टूटा लड्डू गोपाल का।

Eng. tr. A spoilt sweet is offered to the God.

मग डालेर फूल देवता के दान।

हिन्दी अनु. ऊँची डाल का फूल देवता को अर्पण।

Eng. tr. A Flower on the topmost branch of the tree is offered to the God. (It is unattainable and hence is safely and shrewdly spoken of as meant for the worship.)

शिकेर माछ बेरालेर हाराम।

हिन्दी अनु. छींके की मछली बिल्ली को हराम।

Eng. tr. The fish in a high-hanging container are 'taboo' to a cat. (sour graps attitude)

ओड़िआ उडन्ता फइ गोविन्दाय स्वाहा।

हिन्दी अनु. उड़ती खोई गोविन्दाय स्वाहा।

Eng. tr. To offer the flying puff-corn to Govinda (deity)

हजिला गाई ब्राह्मणकु दान ।

हिन्दी अनु. खोई गाय ब्राह्मण को दान ।

Eng. tr. Making a gift of a lost cow to the Brahmin.

तमिऴ ऍट्टाप् पू देवर्क्कु ऍट्टुम् पू तंगळुक्कु.

हिन्दी अनु. दूर के फूल भगवान को अर्पण, पास के अपने लिये ।

Eng tr. Flowers beyond reach are offered to God, but those within reach are for themselves.

परंगिक् काय् अलुकलैप् पसुवुक्कुप् पोडु;
पसुवुम् तिन्नविट्टाल् पाप्पानुक्कु कोडु.

हिन्दी अनु. कुम्हड़ा सड़ गया तो गाय को दो, गाय भी न खावे तो ब्राह्मण को दो ।

Eng. tr. If the pumpkin is rotten feed it to a cow, if the cow doesn't eat it, give it to a Brahman.

पाऴायप् पोगिट्टु पशुविन् वायिले.

हिन्दी अनु. सड़ा बिगड़ा गाय के मुंह में ।

Eng. tr. That which is spoiled put into the mouth of a cow.

तेलुगु अन्दनि पूलु देवुनिकि अर्पण.

पाठभेद दोरकनि पूलु देवुनिकर्पणम्.

हिन्दी अनु. अप्राप्य फूल भगवान को समर्पण ।

Eng. tr. An offering to the deity of the flowers which cannot be reached.

गालिकि पोयिन पेलपिण्डि भगवत् अर्पितम्.

हिन्दी. अनु. हवा से सत्तू उड़ गया तो कहे, 'भगवान को अर्पण'।

Eng. tr. The flour was blown away by the wind and he said, "That was an offering to God."

साले तप्प नेसि इदो नमूना अन्नट्लु.

हिन्दी अनु. जुलाहे ने बुनने में गलती की और कहा यह नया नमूना है ।

Eng. tr. The weaver wove it wrongly and said that it was a new model.

कन्नड ऍटकद हूवु देवरिगॆ.

हिन्दी अनु. अप्राप्य फूल भगवान को अर्पण ।

Eng. tr. The flower that cannot be reached offered to God.

कर्पूर यारु कद्दरु देवरिगॆ अर्पित.

हिन्दी अनु. चोरी का कपूर भगवान को समर्पित ।

Eng. tr. The stolen camphor is offered to the God.

कै मीरि होद्दु कृष्णार्पण.

हिन्दी अनु. जो हाथ से छूट गया सो कृष्णार्पण हो गया ।

Eng. tr. (Flowers) we couldn't reach, are offered to God.

पारे चिन्नवादरे अर्ध देवरिगे.
हिन्दी अनु. सोना अशुद्ध हो तो आधा भगवान को अर्पण ।
Eng. tr. If the gold is impure let half go to the God.

सिक्कद द्राक्षि हुळि.
हिन्दी अनु. न मिले सो अंगूर खट्टे ।
Eng. tr. The grapes that couldn't be got are sour.

होट्टेगिल्लद्दे एकादशि.
हिन्दी अनु. पेट को न मिला तो एकादशी का व्रत ।
Eng. tr. A day of fasting when there is nothing to eat.

मलयाळम् इरिङ्ङल् पार् पोन्नायाल् पतितेवर्कु.
हिन्दी अनु. अशुद्ध सोना भगवान को अर्पण ।
Eng. tr. Impure gold to be offered to God.

ओटुक्कात्त काशु भण्डारत्तिल्.
हिन्दी अनु. खोटा पैसा मंदिर की मनौती ।
Eng. tr. A false coin finds its way into God's gift box.

संस्कृत अग्नौ दग्धं जले मग्नं हृतं तस्कर पार्थिवैः ।
तत्सर्वं दानमित्याहुर्यदि क्लैब्यं न भाषते ॥
हिन्दी अनु. आग से जो जल गई है, पानीमें जो भीग गई है, या चोर या राजाने जिस का अपहरण किया है, यदि अपनी असहायता प्रकटन करनी हो तो वह वस्तु दान में दे दी ऐसा कहते हैं ।
Eng. tr. What is consigned to fire, plunged in the waters or taken away by thieves or kings, should be considered as given away for good, if you want to conceal your helplessness.

२२ / आ

झूठा समाधान ।

आशय

अत्यधिक बुरी और चिंताजनक अवस्था में फँस जाने पर भी मनुष्य उस से अपने समाधान के लिये जब कोई समर्थन प्रदान करता है, तब गिरावट में भी खुद को उन्नत बतलाने की उस की प्रवृत्ति को इन कहावतों में गूँथा गया है ।

Subject

When one falls into a bad situation but pretends to make the best of it, the following proverbs are used. For instance, the Telegu proverb—

' O, village officer, how have you fallen in this pit ? ' — " No, I am surveying land. "

हिन्दी गिर पड़े की हर गंगा।

Eng. tr. When a man falls down, he cries out on Hara and Ganga.

गीदड़ गिरा झिरे में, कहे, "आज यहीं रहेंगे।"

Eng. tr. The jackal falling down a well said, " Here I will camp to-day. "

चोर गठरी ले गया, बेगारियों को छुट्टी हुई।

Eng. tr. When the thief walks off with the bundle the forced labourer is free.

टेहुनिया गइनीं तऽ हर गंगा। (चंपा.)

(नदी पार करते समय घुटनों में झुक गये तो 'हर गंगा' कहकर गोता लगा लिया।)

Eng. tr. While crossing a river if one bends in the knees and falls, well say ' Har Ganga ' and take a holy dip.

भलो भयो मेरी मटुकी टूटी, मैं दही बेचन से छूटी।

Eng. tr. It is well that my pot is broken for I am saved from selling the curds.

ENGLISH 1. To make the best of a bad bargain.
2. To make virtue of the necessity.

उर्दू फिसल पड़े की हर गंगा।

Eng. tr. He who slips and falls into Ganga cries out ' Har Ganga ' (so that it becomes a holy dip.)

मराठी ओत्तुनु गेलेलं दूद कृष्णार्पण (गो.)

हिन्दी अनु. उफना हुआ दूध कृष्णार्पण।

Eng. tr. Spilt milk is an offering to God.

उलटून पडली खरी, म्हणे सूर्यास दंडवत करी.

हिन्दी अनु. सच तो गिर पड़ी, कहे सूरज के पाँव पड़ी।

Eng. tr. Falls prostrate on the ground, but says she has saluted the Sun-god. (covers up her embarrassment.)

सहज़ पडे दंडवत घडे ।

हिन्दी अनु. सहज गिरा, दंडवत बना ।

Eng. tr. Falls unawares, becomes a prostrate-salutation.

गुजराती लपसी पड्या, तो के ' नमस्कार '.

पाठभेद पडया, तो कहे नमस्कार वळ्या.

हिन्दी अनु. फिसल गये तो कहे नमस्कार ।

Eng. tr. If he slipped down prostrate, he would say, he offered 'namaskar'.

बाङ्ला उचोट खेये प्रमाण ।
हिन्दी अनु. ठोकर खाकर गिरे, कहे प्रणाम ।
Eng. tr. To tumble down on the ground and call it a humble prostration.

ठेलाय पड़े ढेलाय सेलाम ।
हिन्दी अनु. गिरने पर ईट को सलाम । (गरज़ पड़ी तो ढेले को सलाम ।)
Eng. tr. To bow to a brickbat when fallen (i. e. forced salute due to pressure of situation.)

साँको थेके पड़े, ओमनि जुम्मार गोसलओ करे ।
हिन्दी अनु. पुल से गिर गया तो साथ साथ जुम्मे की गुसल भी कर ली ।
Eng. tr. Fallen from the bridge (into the water) he finishes his (weekly) Friday bath also.

तमिऴ कुेरडि कट्टवन् इडरि विलुंदाल् अदुवुम् ओरु वरिशै अेन्पान्.
हिन्दी अनु. सर्कस का आदमी फिसलेगा भी, तो वह कहेगा कि यह भी कलाबाजी है ।
Eng. tr. If the acrobat falls, he will pretend that he did an acrobatic feat.

तेलुगु एमंडि करणंगारु ! गोतिलो पड्डारु अंटे कादु मषाकत्तु चेस्तुन्नानु अन्नट्लु.
हिन्दी अनु. "पटवारी साहब, आप गढ्ढे में कैसे गिर गये ? नहीं भाई, मैं मशक्कत जो कर रहा हूँ ।"
Eng. tr. "O, village officer, how have you fallen in this pit ?— "No, I am doing land-survey."

कालु जारिते गङ्गानम्मदे महिम.
हिन्दी अनु. पैर फिसल गया तो कहे 'गंगानम्मा' की महिमा । (गंगानम्मा – ग्रामदेवता)
Eng. tr. Even the slipping of the foot is attributed to the powers of Gangamma, the village deity.

कन्नड जट्टि कुेळगे बिद्दरू अदू ओंदु पट्टु अंद.
हिन्दी अनु. जब पहेलवान गिर गया तो कहने लगा, "यह भी एक दाँव है ।"
Eng. tr. Though the wrestler fell down, he said, "That too is a trick."

दोंब जारिदरे अदू ओंदु लाग.
हिन्दी अनु. डोम फिसल पड़े तो भी (लोग समझते हैं) कसरत है ।
Eng. tr. The slip of a tumbler is also taken to be one of his gymnastic feats.

मलयाळम् आशान् वीणाल् अतुं ओरटवुं.
हिन्दी अनु. उस्ताद गिरे तो वह भी एक दाँव ।
Eng. tr. If the instructor falls, even that is a feat.

वीणेटं कोण्टु विद्य.

हिन्दी अनु. गिर गया तो वह भी एक कला ।

Eng. tr. If you fall, that also is an art.

वीणेटं विष्णुलोकं.

हिन्दी अनु. जहाँ गिर गया, वही विष्णुलोक (स्वर्ग) ।

Eng. tr. Whereever you fall, that is your heaven.

२३

उभय संकट । [एक संकट से दूसरे संकट में ।]

आशय

किसी तरह छटपटाकर आदमी एक संकट से छुटकारा पाता है, किन्तु उससे अधिक भयावह संकट में जा फँसता हैं । इस लिए पहले संकट से छूटने पर उसे स्वास्थ्य तो नहीं मिलता, उलटा उसे अधिक घोर संकट का सामना करना पड़ता है । यह अवस्था इन कहावतो में सम्मिलित है ।

Subject

At times one succeeds in pulling oneself out of a danger and unfortunately falls into a worst danger, which means that one cannot sigh with relief when successful the first time, for what awaits is worse still. This horrible state is expressed in the following proverbs.

हिन्दी आय छूटल बाय भेल (चंपा)

(एक बीमारी छूटी और दूसरी हो गयी ।) (बाय = वायु-विकार)

Eng. tr. Got rid of asthema and suffered from gastric trouble.

ऊल में से निकलकर चूल में (पड़ना) ।

पाठभेद कढ़ाई से गिरा, चूल्हे में पड़ा ।

Eng. tr. Out of the frying pan into the oven.

गयी तो ही गळो करावणने, काँच माथे पड़ी । (राज.)

(गयी तो थी गला ठीक करने को, काँच सिर पर पड़ी ।)

Eng. tr. She had gone to cure her throat and got hit with broken glass on the head.

चली चली आई सौत के पीहर ।

Eng. tr. She went for refuge to the family of the co-wife.
(to express one's taking a step that must inevitably lead to his or her ruin.)

चूल्हा छोड़ भंसार जाव ।

Eng. tr. Out of the oven into the fire.

सास से भेनी अलगा, तऽननद मिलली बखरा । (चंपा.)

(सास से अलग हुई, तो ननद हिस्से में मिली ।)

Eng. tr. She left her mother-in-law but husband's sister came to her lot.

ENGLISH 1. Out of the frying pan into the fire.

2. Out of the pivot and into the socket.

उर्दू अर्श से छुटी खजूर से अटकी ।

Eng. tr. She slipped away from heaven and got entangled with the palmyra tree.

गये थे रोज़ा छुड़ाने, नमाज़ गले पड़ी । (मु.)

Eng. tr. He went to be freed from the fast and prayers were added to it.

पंजाबी घर दा सड़या वण गिआ ते वण नूं लग्गी अग ।

हिन्दी अनु. घर का जला जो वन में गया, लग गई बन में आग ।

Eng. tr. Vexed at home, he rushed to the jungle, but the whole jungle was already on fire.

निमाज़ बकशान गए रोज़े गल पै गए ।

हिन्दी अनु. नमाज़ छुड़ाने गए, रोज़े गले पड़ गए ।

Eng. tr. He went (to get rid of) prayers and has been laden with fast.

कश्मीरी क्वलि खोतुॅ क्वल् तरॅनि ।

हिन्दी अनु. (एक) नदी से (दूसरी) नदी अधिक ठंडी ।

Eng. tr. (One) river colder than the other.

सिवन् लेजि द्राथि तुॅ बेज़िनि लेजि चाथि ।

हिन्दी अनु. उबलने की देगची से निकली, तलने की देगची में गयी ।

Eng. tr. Out of the boiling pot into the frying pot.

मराठी आगीतून निघाले व फुफाट्यात पडले.

हिन्दी अनु. आग से निकली अंगारों में गिरी ।

Eng. tr. From the fire to the cinders.

घराच्या भयाने घेतले रान, वाटेवर भेटला मुसलमान, त्याने कापले नाक-कान.

हिन्दी अनु. घर के डर से गया बन, रास्तें में मिला मुसलमान, उसने काटे नाक-कान ।

Eng. tr. Runs away with fear from home to the woods, where he is confronted with a muslim who chops off his nose and ears.

चुलीतून निघून वैलात पडला.

हिन्दी अनु. चूल्हे से निकल कर अंगीठी में जा पड़ा।

Eng. tr. He fell from the oven to the side stove.

ज़ाळ्यांतून निसटला, वणव्यात सापडला.

हिन्दी अनु. जाल से छूटा आग में फँसा।

Eng. tr. Slips from the net but gets caught in the conflagration of the forest.

भुताच्या भयाने घेतले रान, तेथे भेटला बडा सैतान।

हिन्दी अनु. भूत के भय से पकड़ा मैदान, तो वहाँ मिलने आया सैतान।

Eng. tr. Runs to the woods for fear of the ghosts, but confronts the devil there.

लांब गेली लपायला आणि भूत गेले चापायला।

हिन्दी अनु. दूर गई छिपने और भूत लगा पीछे।

Eng. tr. She goes far away to hide herself and find a ghost to scold her there.

सावलीला भ्याला आणि भुताला बिलगला.

हिन्दी अनु. छाया से भागा और भूत से जा चिपका।

Eng. tr. Feared a shadow and clung to a ghost.

गुजराती आवाडामांथी नीकळी कूवामां (पडवुं).

हवाड़े में से निकल कर कुएँ में (गिरना)।

Eng. tr. Out of the tank, into the well.

ऊलमांथी नीकळी चूलमां पड्या.

हिन्दी अनु. कढ़ाई से निकलकर चूल्हे में पड़ गये।

Eng. tr. Out of the frying pan, into the fire.

चूलामांथी निकळी होलामां.

हिन्दी अनु. चूल्हे से निकलकर भड़साई में।

Eng. tr. Out of the fire (of the cooking stove) into the side stove.

घरना ऊब्यां वनमां गयां, वनमां ऊठी लाह्य.

हिन्दी अनु. घर से चले बन में गये, बन में लगी दाय (दावानल)।

Eng. tr. Tired of home he went to the forest, only to enter flames.

घेर गयो त्यां रांडे खाधो, ने बाहर गये त्यां भूते खाधो.

हिन्दी अनु. घर गया तो रांड (पत्नी) ने खाया और बाहर गया तो भूत ने खाया।

Eng. tr. At home, persecuted by his wife and out of doors, haunted by a ghost.

बाङ्ला आकाशे झड़ उठे, गोयालेर गरु छोटे।

हिन्दी अनु. आकाश में आयी आँधी, गायें गोशाला छोड़ भागी। (अधिक संकट में पड़ गयीं।)

Eng. tr. When there is a storm, the (frightened) cows run out of the shed (and thus expose themselves to more hazard than the safe confinement of the shed).

एक एकादशी छेड़े दिले त्रिश रोजा।

हिन्दी अनु. एकादशी से बच गए, तीस उपवास गले पड़े।

Eng. tr. To avoid the 'Ekadashi' fast (he embraced Islam) and now has to abserve thirty fasts instead.

खाना थेके खाले पड़ा।

हिन्दी अनु. गढ़े से खाई में गिरना।

Eng. tr. From the pit into a canal.

चिलेर भये बिले गेलेम, बिले माछराँगारे पेलेम्।

हिन्दी अनु. चील के डर से तालाब में गयी तो रामचिरैया के हाथ पड़ी।

Eng. tr. To avoid being picked up by the kite, the fish repaired to a bigger lake; but there it met the kingfisher.

टकेर ज्वालाय देशान्तरी, तेतुलतलाय बास।

हिन्दी अनु. खट्टे के मारे देश छोड़ा तो इमली तले आ बैठा।

Eng. tr. A fellow who renounced his country to avoid eating sour things (considered harmful to health, by an irony of fate) finds himself putting beneath a tamarind tree. (the fruits of which are sour.)

धोंयार हात एड़ाते गिये आगुने पुड़े म'लाम।

हिन्दी अनु. धुँए से बचने में आग में जल कर मरा।

Eng. tr. In trying to avoid the smoke, fell into fire and burnt away.

भुतेर भये उठलाम गाछे, भूत बले आमि पेलाम काछे।

हिन्दी अनु. भूत के डर से चढ़ा पेड़ पर तो भूत कहे, अच्छा हुआ मेरे पास आ गये।

Eng. tr. I climbed a tree when frightened of a ghost, but the ghost was happy because it got me by its side.

ओड़िआ चोर भयरे घरे बाघ बांधिबा न्याय।

हिन्दी अनु. चोर के डर से घर में बाघ बांधना।

Eng. tr. To tie a tiger in the house for fear of the thieves.

तमिळ अंगेण्डी मगळे कंजिक्कु अळुकिराय ? इंगे वंदाल् काट्टाय्प् पर्क्कलाम्.

हिन्दी अनु. क्यों बिटिया, वहाँ कंजि के लिए रो रही हो, यहाँ आने पर और भी हाय हाय कर सकती हो।

Eng. tr. Why, my daughter, are you crying there for kanji ? Come hither and you may fly as the wind (change for the worse.)

किणट्टुक्कुत् तप्पित् तीयिले पाय्दान्.

हिन्दी अनु. कुएँ मे गिरने से बचने के लिए आग में कूदा।

Eng. tr. Having escaped falling into the well, he jumped into the fire.

किणरु तप्पित् तुरविल् विळ्लामा ?

हिन्दी अनु. कुएँ में गिरने से बच कर तालाब में गिरे ?

Eng. tr. Having escaped falling in the well, shall we fall into the tank ?

कन्नड इल्लिगे हेदरि हुलि बाइगे बिद्दनु.

हिन्दी अनु. चूहे से डर कर शेर के मुँह में जा फसा।

Eng. tr. Afraid of the rat, he fell into the mouth of a tiger.

मळेगे हेदरि होळेगे बिद्द हागे.

हिन्दी अनु. बारिश के भय से तालाब में कूद गया (गिर गया)।

Eng. tr. Fell into the tank in fear of rain.

हुट्टुमने एकादशी, कोट्ट मने गोकुलाष्टमी.

हिन्दी अनु. एकादशी के घर जन्म, गोकुलाष्टमी के घर ससुराल. (दोनों तरफ फाँके।)

Eng. tr. Ekadashi, the home of birth, Gokulashtami, the home after marriage. (Starvation on both sides.)

मलयाळम् ओट्टक्कलत्तिल् निन्नु अेच्चिल् कुळियिलेक्कुँ.

हिन्दी अनु. टूटी मटकी से जूठन के गढ़े में।

Eng. tr. From the broken pot to the garbage can.

नाये पेटिच्चोटुन्नतुँ नारियुटे वायिलेक्कुँ.

हिन्दी अनु. कुत्ते से डर कर बाघ के मुँह में दौड़ता है।

Eng. tr. Being afraid of the dog, he runs into the mouth of the tiger.

पट पेटिच्चु पन्तळत्तु चेन्नप्पोळ् पन्तवुं कोळुत्ति पट.

हिन्दी अनु. युद्ध के भय से भाग कर 'पन्तळं' गया, तो वहाँ मशाल की रोशनी में महायुद्ध पाया।

Eng. tr. He escaped from the battle to Pantalam only to find a fierce war waged in torch-light.

मुळ्ळेल्निन्नेटुत्तुँ मुरुक्केलिट्टु.

हिन्दी अनु. काँटे पर से उठा कर पांगरे पर रखा।

Eng. tr. From the thorn to the coral tree (Eoythnuia Indica)

२४

उभय संकट । [दोनों तरफ संकट]

आशय

मनुष्य कभी कभी ऐसे अड़चन में पड़ जाता है कि वह निर्णय नहीं कर पाता कि क्या करूँ और क्या न करूँ। कुछ भी किया तो आपत्ति में फँस जाने का डर रहता है। भिन्न भिन्न दृष्टान्तों द्वारा इस संभ्रमित अवस्था का दर्शन निम्नलिखित कहावतों से होता है। देखिये हिंदी कहावत "आगे जावे घुटणे टूटें, पीछे देखे आँखे फूटे"।

Subject

There are moments in life when an individual finds himself in a horrible fix. Danger glares at him no matter which way he turns. These proverbs tell of people on the horns of a dilemma. For instance a Hindi preverb says "If I go ahead, my knees are broken, if I look behind, I turn blind."

हिंदी आगे कुआं, पीछे खाई।

Eng. tr. A well before and a ditch behind.

आगे चले तऽभँडुआ, पीछे चले तऽगँडुआ (मुज.)
(दोनों तरफ से बदनामी।)

Eng. tr. If you go ahead, you are a tout; if you go back, you are a coward.

आगे जावे घुटणे टूटें, पीछे देखे आँखे फूटें।

Eng. tr. If I go ahead, my knees are broken, if I look behind, I turn blind.

आगै कूवो, लारै खाड। (राज.)

पाठभेद आगे कुँवा, पीछे खंदक।

Eng. tr. A well on one side and a ditch on the other.

आटे का चिराग, घर रक्खूँ तो चूहा खाएँ, बाहर रक्खूँ तो कव्वा ले जाएँ।

Eng. tr. If I put the dough-lamp into the house, the rats will eat it, if I put it outside, the crows will eat it.

इणगी कूवो उणगी खाड, गत कठै ही कोनी। (राज.)
(इधर कुँआ, उधर खाड, गति कहीं भी नहीं।)

Eng. tr. When there is a well on one side and a ditch on the other, one is heipless.

इधर गिरूँ तो कुआँ, उधर गिरूँ तो खाई।

Eng. tr. Here I fall into a well, and there into a ditch.

कहे तो मा मारी जाय, नहीं तो बाप कुत्ता खाय।

Eng. tr. If I say (the truth) mother will be killed; if I don't, father will eat a dog.

तत्ता कौर, निगलने का न उगलने का।

Eng. tr. A scalding morsel, neither to be swallowed nor to be spat out.

नीचा धरीं त माछ माछर खाय।
ऊपर धरीं त सहदूल ले जाय॥ (चंपा.)
(नीचे रखता हूँ तो मक्खी मकोड़े खा जाएंगे, ऊपर रखता हूँ तो शार्दूल ले जायगा।)

Eng. tr. If I keep it on the floor (down below), the flies and ants will devour it and if I keep it somewhere above, the kite might take it away.

नीचे धयला पर चिल्ह कउआ खाई,
ऊपर धयला पर बाज़ ले जाई। (चंपा.)

हिन्दी अनु. (नीचे रखने पर चील कौए खा जाएंगे और ऊपर रखने पर बाज़ ले जाएगा।)

Eng. tr. If I put it down below, the kites and crows will swallow it up and if I keep it on higher place, the hawk might lift, it away.

पूत मीठ भतार मीठ किरिया केहि की खाऊँ।

Eng. tr. Son and husband both are equally dear to me; by whom should I swear?

भइ गति साँप छछुन्दर केरी, निगले अंधा उगले कोढ़ी। (मुज.)
(साँप और छछूंदर सी गति हो गई है, न निगलते बनता है, न उगलते। निगलने से अंधा और उगलने से कोढ़ी बनने का डर है।)

Eng. tr. Like a musk-rat in a snake's mouth, if the snake devours it, he becomes blind, if he vomits it, he becomes leprous· (superstition)

मउगी मरदा का भीरी ना जाय तऽ बाँझिन कहावे,
आ जाय तऽ तक़लीफ उठावे। (चंपा.)
(पत्नी यदि पति के पास ना जाय, तो वंध्या कहलाये, और जाय तो तकलीफ उठाये।)

Eng. tr. If the wife does not go nigh her husband, she is taken to be an impotent woman, if she goes, she has to suffer the tortures.

सँइया अस कहीं तऽ नतवे टूटे, भइया अस कहीं तऽसेजिए छूटे।
(यदि पती का पक्ष लेती हूँ, तो भाई से नाता टूटता है, और यदि भाई का पक्ष लेती हूँ, तो पत्नी से विच्छेद होता है।)

Eng. tr. If I take my husband's side, I lose my brother, if I take my brother's side, I lose my husband.

साँप के मुँह में छछूँदर, निगले तो अंधा उगले तो कोढी।

Eng. tr. Like a musk-rat in a snake's mouth, if he devours it, he becomes blind, If he vomits it, he becomes leprous. (The proverb expresses a common superstition that the snake to escape out of such difficult has to go into water.)

ENGLISH 1. Between hawk and buzzard.
2. Between the hammer and the anvil.
3. Between the beetle and the block.
4. Between Scylia and Charybdis.
5. Between two fires.
6. Between the devil and the deep sea.
7. On the horns of a dilemma.

उर्दू आगे कुवाँ पीछे खाई।

Eng. tr. A well before and a ditch behind.

इधर क़िब्ला कुत्ब उधर खदीजा, मूतूँ किधर ?

हिन्दी अनु. एक तरफ मक्का दूसरी तरफ खदीजा, दोनों पवित्र स्थान हैं। पेशाब किधर करें ? (मुसलमान मक्का या खदीजा के तरफ मुँह करके पेशाब नहीं करते।)

Eng. tr. This side Mecca, the other Khadeeja, where should I make water? (Muslims don't make water to the side of Mecca or Khadeeja)

चाँदी की रीत नहीं सोने की तौफ़ीक़ नहीं।

Eng. tr. Custom prevents from using silver and there is no ability to use gold.

दूध भी प्यारा पूत भी प्यारा, कसम किस की खाऊँ ?

Eng. tr. My child and milk are both dear to me, by whose name should I swear?

न निगलते बनती न उगलते।

Eng. tr. Neither can I swallow nor can I bring it out.

बूर के लड्डू खाये तो पछताये न खाये तो पछताये।

Eng. tr. One has to repent whether one eats the sweet balls of bran or not.

साँप के मुँह में छछूँदर, उगले तो अँधा निगले तो कोढी।

Eng. tr. The snake has a musk-rat in his mouth, if he swallows it, he will become a leper, if he throws it out, he will be blinded.

पंजाबी आटे दे दीवे, बाहर रक्खां तां कां खा जाण अंदर रक्खां तां चूहे।

हिन्दी अनु. आटे के दीये, बाहर रखूँ तो कौए खायें, भीतर रखूँ तो चूहें खायें।

Eng. tr. The lamps of flour, if kept outside, the crows swoop on it; if kept inside, rats nibble at them. (reference to unmarried girl.) (कुआँरी लड़की के बारे में कहा जाता है।)

इक धर अग, इक धर खाई, विच धरी पातशाही।

हिन्दी अनु. एक ओर आग, दूसरी ओर खाई, बीच में बादशाही।

Eng. tr. On one side there is fire, on the other a deep trench, in between the two lies the kingship.

सप दे मूंह कोढ़किरली, खाए तां कोढी छड्डे तां कलंकी।

हिन्दी अनु. साँप के मुँह में छिपकली, खाए तो कोढ़ी छोड़े तो अंधा।

Eng. tr. A lizard fell in the mouth of a snake, if swallowed, the snake becomes a leper; if left free, the snake becomes blind.

कश्मीरी ब्रोंठ्ठ छंब तुँ पतुँ लार।

हिन्दी अनु. सामने गर और पीछे से पीछा।

Eng. tr. A precipice in front and pursuit from behind.

स्वॅनुॅसुॅज़ श्राख्, न वार् थवनस् न वार् त्राव्नस्।

हिन्दी अनु. सोने की छुरी, न रखी जाय न फेंकी जाय।

Eng. tr. A golden dagger can neither be kept nor thrown away.

सिंधी **अग्यां बाहि, पुठ्यां पाणी।**

हिन्दी अनु. आगे कूआँ, पीछे खाई।

Eng. tr. A well in front, and a ditch behind.

अटे जो डीओ, घर में खाईन्सि कूआ, ब्राहिर खाईन्सि काँव।

हिन्दी अनु. वह आटे का बना हुआ दीया है। घर में रखा, तो चूहे उसे खाते हैं, और बाहर रखा, तो कौओ उसे खाते हैं।

Eng. tr. That lamp is made of flour; if it is kept inside the house, the rats eat it, if kept outside, the crows eat it.

कुछां त परिजनि मुछां, कयाँ माठि त पवांकाठि।

हिन्दी अनु. अगर बोलता हूँ तो मेरी मूछें उखाड़े जाने की नौबत आ जाती है, अगर चुप रहता हूँ तो फासीपर चढ़ने की नौबत आ जाती है।

Eng. tr. If I speak, the situation becomes such that my moustaches are about to be pulled out; if I do not, my head is about to go into a noose.

कुछां त मुसां, न कुछां त पेई लुछां।

हिन्दी अनु. कुछ बोलूं तो फँस जाऊँ, और न बोलूँ तो मन में क्षोभ बना रहे।

Eng. tr. If I say something I will be trapped and if not, the wrath will remain with me.

जंडु खणु त जंडु गौरो, पुडु खणु त पुडु गौरो।

हिन्दी अनु. चक्की उठाओ तो वह भी भारी है, और चक्की का सिर्फ़ ऊपरी पाट उठाओ तो वह भी वज़नदार है।

Eng. tr. Carry the nether part of a mill, it is heavy; carry the upper part, it is also heavy. (used when a person finds himself in a painful situation to decide a question between two parties, with both of which he is equally connected.)

झलि रन खे त लड़ु पेई वञे, झलि लड़ु खे त रन पेई वञे।

हिन्दी अनु. पकड़ो राँड़ को तो सामान जा रहा है, पकड़ो सामान को तो राँड़ जा रही है।

Eng. tr. If you hold back the whore, the household things go' away, if you hold on to the household things, the whore goes away.

मराठी अडकित्त्यातील सुपारी.

हिन्दी अनु. सरोते की सुपारी।

Eng. tr. A betelnut in a nut-cracker.

अलीकडे नय, पलीकडे वय, म्हणून नाही सोय.

हिन्दी अनु. आगे नदी, पीछे कँटीला घेरा, जाने की सुविधा न रहे।

Eng. tr. A river on this side and a fence on the other. Both are unsuitable,

इकडे आड, तिकडे विहीर

हिन्दी अनु. इधर कुआँ उधर कुई।

Eng. tr. A glen on one side and a well on the other.

एकीकडे यमाई, दुसरीकडे तुकाई.

हिन्दी अनु. एक ओर यमाई, दूसरी ओर तुकाई।

Eng. tr. ' Yamai ' on one side and ' Tukai ' on the other. (Both Yamai and Tukai are goddessess, and a person cannot insult either by pushing his way through.)

करवतीची धार पुढे सरली तरी कापते, मागे सरली तरी कापते.

हिन्दी अनु. करवत की धार, आगे बढ़ने पर भी काटती है और पीछे हटने पर भी काटती है।

Eng. tr. The blade of the saw cuts one, whether pushed in front or whether pulled behind.

खावे तर बाधते, टाकावे तर शापते.

हिन्दी अनु. खाएँ तो बाधक बनता है, छोड़ें तो शाप देता है।

Eng. tr. It will be harmful if eaten, and will curse if wasted. (After one's stomach is full, one has this dilemma if there are things still left in the plate.)

दही खाऊं की मही खाऊं.

हिन्दी अनु. दहीं खाऊँ या छाछ ?

Eng. tr. Should I eat curds or drink butter-milk ?

पुढे विनाई, मागे तुकाई.

हिन्दी अनु. आगे विनाई, पीछे तुकाई। (विनाई और तुकाई दो देवियाँ मानी जाती हैं। यदि कोई उन का अनादर करे तो उन का कोप बहुत बढ़ जाता है।)

Eng. tr. 'Vinai' on one side and 'Tukai' on the other. (Both Vinai and Tukai are goddesses and a person can not insult either by pushing his way through.)

सोडला तर पळतो, धरला तर चावतो.

हिन्दी अनु. छोड़ दिया तो दौड़ता है, पकड़ लिया तो काटता है।

Eng. tr. When he is left loose he runs away, and when caught he bites.

गुजराती एक तरफ कुवो अने बीजी तरफ अवाडो.

हिन्दी अनु. एक ओर कुआँ, दूसरी ओर तालाब।

Eng. tr. A well on one side and tank on the other.

एक तरफ कुवो अने बीजी तरफ धरो.

एक तरफ कुआँ और दूसरी ओर दोह।

Eng. tr. A well on one side and a deep pond (abysmal pit in river–डोह) on the other.

काशीनुं करवत जातां वहेरे, ने आवतां वहेरे.

हिन्दी अनु. काशी की करवत जाते समय भी काटे, आते समय भी काटे।

Eng. tr. The saw of Kashi cuts while going and cuts while coming.

सूडी वच्चे सोपारी.

हिन्दी अनु. सरोते के बीच में सुपारी।

Eng. tr. A betel-nut under a nut cracker.

बाङ्ला आकड़ेर विष, फेलतेओ पारे ना, गिलतेओ पारे ना।

हिन्दी अनु. फोकट का विष, न फेंका जाता है, न निगला जाता है।

Eng. tr. One can neither throw away nor imbibe the poison got without any price.

ए आले पानि ओ आले पानि; कम्ने याबो नाहि जानि।

हिन्दी अनु. इधर पानी उधर पानी, किधर जाऊँ न जानी।

Eng. tr. Water here, water there, don't know to go where!

एकदिके भाद्र-बउ (बट् ठाकुर) एक दिके आँस्ताकुड़।

हिन्दी अनु. एक ओर छोटे भाई की बहू, दूसरी ओर कूड़े का ढेर।

Eng. tr. Brother's wife on one side and a dust-bin on the other. (Among the orthodox, brother-in-law could not walk in front of his sister-in-law. Similarly, an orthodox Brahmin would not walk within the shadow of a dustbin.)

एगोलेओ निर्वंशेर बेटा, पेछोलेओ भेड़ेर भेड़े।

हिन्दी अनु. आगे बढ़े तो बिन बाप का बेटा, पीछे हटो तो मूरखराज। (दोनों ओर से अशगुन)

Eng. tr. Moving forward I confront a son of a bitch (literally the son of childless i. e. a term of abuse), moving back a king of fools. (Either way, a person is unable to satisfy all; some will always find fault.)

जले कुमीर, डांगाय बाघ।

हिन्दी अनु. पानी में मगर, ज़मीन पर बाघ।

Eng. tr. A crocodile in the waters and a tiger on the land.

माथाय राखले उकुने खाय, भूँये राखले पिंपडेय खाय।

हिन्दी अनु. माथे रखूं तो जूँ खायें, ज़मीन पर रखूं तो चींटी खायें।

Eng. tr. (Complaint of a legendary witch) If placed on the head, the lice would eat (the sweet) away; if placed on the ground ants would finish it.

सापेर छुँचो धरा, गिलतेओ पारे ना, फेलतेओ पारे ना।

हिन्दी अनु. साँप ने पकड़ी छछूंदर, न सके निगल, न सके उगल।

Eng. tr. A snake swallowing a mole is in a predicament; it cannot swallow the mole fully due to the male's foul smell, neither can it throw the mole out due to its own crooked teeth.

असमीया तले गो-बध, ओपरे ब्रह्म-बध।

हिन्दी अनु. नीचे गोवध, ऊपर ब्रह्महत्या।

Eng. tr. Low down it is killing a cow, higher up it is killing a Brahmin.

मूरत लले ओकणीये खाय, माटित थले परुवाइ खाय।

हिन्दी अनु. सिर पर उठाऊँ तो जूएँ खाय, ज़मीन पर रक्खूँ तो चिटियाँ खाय।

Eng. tr. If I put him on the head, he eats the lice, if I put him on the ground, he eats ants.

ओड़िआ अळा दुहिंले गोसेईं रूषे, बहुत दुहिंले बाछुरी रूषे, पर गाभी दुहाँ मोते न आसे।

हिन्दी अनु. थोड़ा दूहे तो मालिक रूठे, बहुत दूहे तो बछड़ा रूठे,
ना रे भाई, पराई गाय दूहना, मुझ से न होगा।

Eng. tr. I cannot milk another's cow; if I milk less, the owner frowns; if I milk more the calf frowns.

एणु माइले ब्रह्महत्या, तेणु माइले गोहत्या।

हिन्दी अनु. इधर मारे ब्रह्महत्या, उधर मारे गोहत्या।

Eng. tr. If you kill this, it is Brahminicide; if you kili that it is Go-hatya. (cow-killing).

कहिले कुळ कुटुम्बकु लाज, न कहिले कुळ भासिजाउछि।

हिन्दी अनु. कहे तो कुल की लज्जा जाय, न कहे तो कुल डूबा जाय।

Eng. tr. If I speak, it is a shame to the family, if I do not, then the family will be on its way to ruin.

पंच माइले मरि, रजा माइले मरि।

हिन्दी अनु. पंच मारे तो मरूँ, राजा मारे तो मरूँ।

Eng. tr. If the Panch kills, I die; if the king kills, I die.

तमिऴ अरि ॲनराल अण्डिक्कुक् कोपम्, अर ॲनराल, दादनुक्कुक् कोपम्.

हिन्दी अनु. 'हरि' कहें तो शिव भक्त नाराज है 'हर' कहें तो विष्णुभक्त नाराज।

Eng. tr. If one says Hari, the Saiva mendicant is angry; if one says Hara, the Vaishnava mendicant is angry.

एरुच् सोन्नाल् ॲरुदुक्कु कोपम्, इरंगच् सोन्नाल् नोण्डिक्कु कोपम्.

हिन्दी अनु. गाड़ी में जुतने को कहें तो बैल को कोप, उतरने के लिए कहें तो लंगड़े को कोप।

Eng. tr. When told to mount, the bull is angry, when told to dismount, the lame man is dissatisfied.

कुळन्दै पालुक्कळ कोळुनन् पुणर्दर्कळैक्क.

हिन्दी अनु. बच्चा रोता है दूध के लिए, पति बुलाता है संगम के लिए। (कहाँ जाऊँ?)

Eng. tr. The baby is crying for milk and the husband is eager for a sexual intercourse, (where to go?)

मुन्नेपोनाल् कडिक्किरदु पिन्नेपोनाल् उदैक्किरदु.

हिन्दी अनु. सामने जाएँ तो काटता है, और पीछे जाएँ तो लात मारता है।

Eng. tr. Biting before, and kicking behind.

मुन्ने पोनाल् शिशुवत्ति पिन्ने पोनाल् बिरमत्ति.

हिन्दी अनु. सामने जाय शिशु हत्या, पीछा करें तो ब्रह्महत्या का दोष।

Eng. tr. When you go before, you are guilty of infanticide; when you follow, you are guilty of brahmanicide.

तेलुगु ॲक्कुमण्टे ग्रेद्दुकु कोपम्, दिगमण्टे कुण्टिवानिकि कोपम्.

हिन्दी अनु. 'चढ़ो' कहने पर बैल को गुस्सा, 'उतरो' कहने पर लंगड़े को गुस्सा।

Eng. tr. If you say 'mount', the ox is angry, if you say 'get off', the lame man is angry.

ॲगदीस्ते ब्रह्महत्य, दीगदीस्ते गोहत्य.

हिन्दी अनु. (तीर) ऊपर को छोड़ें तो ब्रह्महत्या, नीचे को छोड़ें तो गोहत्या।

Eng. tr. If I shoot upwards, I commit a brahminicide; if I shoot downwards, I kill a cow.

चूपिते मानं पोये, चूपकपोते प्राणं पोये.

हिन्दी अनु. दिखाएँ तो लज्जा खो जाती है, न दिखाएँ तो प्राण उड़ जाते हैं।

Eng. tr. If shown, the honour of a woman is lost; if not, life is lost.

तिंटे आयासं, तिनकुंटे नीरसं.

हिन्दी अनु. खाता हूँ तो हाँफता हूँ, नहीं खाता हूँ तो मूर्च्छा आती है।

Eng. tr. If I eat, I gasp; if I don't, I faint.

मुन्दुकु पोते गोय्यि, वेनुक्कुपोते नुय्यि.

हिन्दी अनु. आगे गड्ढा, पीछे कुआँ।

Eng. tr. If you go ahead, there's a pit; if you retreat, there's a well.

मुंदुकु पोते नुय्यि, वेनुक्कु गोय्यि.

हिन्दी अनु. आगे जाएँ तो कुँआ, पीछे खाई।

Eng. tr. A well in front and a pit behind.

मुन्दर पल्लमु वेनक मिट्ट.

हिन्दी अनु. आगे डाबर, पीछे डूँगर।

Eng. tr. A ditch in front, a mound behind.

विडुवुमण्टे पामुकु कोपमु, पट्टुमण्टे कप्पकु कोपम्.

हिन्दी अनु. अगर छोड़ने को कहें तो साँप गुस्सा करता है; अगर पकड़ रखने को कहें तो मेंढक गुस्सा करता है।

Eng. tr. If you say 'let it go', the snake gets angry, if you say 'hold it,' the frog gets angry.

वेनककु वेळिते तन्नु, मुन्दुकुवस्ते पोट्टु.

हिन्दी अनु. पीछे जाने पर लात, आगे जाने पर घात।

Eng. tr. If you go behind you are kicked, if you go in front you are gored.

कन्नड इत्त दरि, अत्त पुलि.

हिन्दी अनु. इधर गड्ढा, उधर शेर।

Eng. tr. Between the ditch here and the tiger there.

उगिदरे तुप्प केडुत्तदे नुंगिदरे गंटलु सुडुत्तदे.

हिन्दी अनु; थूको तो घी बरबाद, निगलो तो गला जले।

Eng. tr. If you spit out. the ghee is spoiled; if swallowed, it burns your throat.

ओळगे अम्मन काट, होरगे गुम्मन काट.

हिम्दी अनु. घर में माँ का डर, बाहर शैतान का डर।

Eng. tr. The fear of the mother inside the house, and that of the devil outside the house.

पेटेगे होदरे सालगारर काट, मनेगे बंदरे हेडतिय काट।

हिन्दी अनु. बाज़ार जाऊं तो महाजन का तकाज़ा, घर जाऊं तो पत्नी का तकाज़ा।

Eng. tr. Pestering of creditors in the bazar, pestering of wife at home.

बिसि तुप्प, उगुळुव हागिल्ल, नुंगुव हागिल्ल.

हिन्दी अनु. गरम घी, न निगलते बने न उगलते बने।

Eng. tr. Hot ghee can neither be spat nor swallowed.

हिंदे होदरे हेडि, मुंदे बंदरे गर्वि.

हिन्दी अनु. पीछे चलो तो कायर, आगे बढ़ो तो घमंड़ी ।

Eng. tr. Coward if he retreats and arrogant if he advances.

हिन्दे होदरे केरे, मुंदे बंदरे बावि.

हिन्दी अनु. पीछे तालाव, आगे कुआँ ।

Eng. tr. A tank if you go back, a well if you come forward.

हौदुंदरे बैयुत्ताने अल्लवेंदरे होडेयुत्ताने.

हिन्दी अनु. हाँ कहो तो गालियाँ, ना कहो तो मार ।

Eng. tr. If you say, 'yes,' you get abuses; if you say, 'no', you get beating.

मलयाळम् उरियाटियाल् वाचाटि, अल्लेन्किल् ऊम.

हिन्दी अनु. मुँह खोला तो वातूनी, नहीं तो गूँगा ।

Eng. tr. If he opens his mouth, he is talkative, if not, he is considered dumb.

कच्चिट्टिरक्कानुं वय्या, मधुरिच्चिट्टु तुप्पानुं वय्या.

हिन्दी अनु. कड़ुवाहट के कारन निगलना भी मुश्किल, मिठास के कारन थूकना भी मुश्किल ।

Eng. tr. Too bitter to swallow, too sweet to spit out.

तलयिल् वेच्चाल् पेन कटिक्कुं, निलत्तु वेच्चाल् उरुम्प रिक्कुं.

हिन्दी अनु. सिर पर रखे तो जूँ काटेगी, ज़मीन पर रखे तो चींटी ।

Eng. tr. If kept on the head, the louse will bite, if kept on the floor, the ant will bite.

मिण्टियाल् वायाटि, मिण्टातिरुन्नाल् ऊमन्.

हिन्दी अनु. बोले तो बातूनी, चूप रहे तो गूँगा ।

Eng. tr. If one opens his mouth, he is a chatterbox, if not, he is dumb.

संस्कृत इतः कूपः ततः वापी ।

हिन्दी अनु. इधर कुआँ, उधर कुई ।

Eng. tr. Here, a well and there, a tank.

इतो व्याघ्र इतस्तटी ।

हिन्दी अनु. एक तरफ शेर, दूसरी ओर चट्टान की दीवार ।

Eng. tr. On one side a tiger, on the other a precipice.

२५

उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

आशय

कई ऐसे ठग होते हैं कि जो स्वयं गुनाह करते हैं और दूसरों के नाम चिल्लाते हैं! स्वयं दोषी होते हुए दूसरों को आँखे दिखानेवाले इन निठल्लों के व्यवहार पर इस कहावत-गुच्छ में काफी प्रकाश डाला हुआ है। यह तेलुगु कहावत कैसे पारिवारिक दृष्टान्त को लिये आयी है। "पति को मार कर खुद ही बाहर आकर रोने पीटने लगी।"

Subject

There are certain rogues who do the bad deed and in addition shout at others. These proverbs are regarding such rogues. For instance, the Telugu proverb—'Having beaten the husband, she came out to cry.'

हिन्दी उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।
Eng. tr. The thief threatening the constable.

चोरी और मुँह–ज़ोरी।
Eng. tr. Stealing and shouting.

चोरी और सिर-ज़ोरी।
Eng. tr. Theft and boldness to-gether.

चोरी और सीना-ज़ोरी।
Eng. tr. Thieving and bullying.

भीख माँगे और आँख दिखावे।
Eng. tr. He begs and scowls.

राह में हगे और आँखि गुरेरै।
(रास्ते में हगे, आँखें दिखावे।)
Eng. tr. Defecates in the street and scowls.

English Roguery supplants justice.

पंजाबी उलटा चोर कुतवाल नूं डन्ने।
हिन्दी अनु. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।
Eng. tr. Himself a thief, he scolds the Kotwal (police officer)

नाले राह् विच हगे, नाले आने हड्डे।
हिन्दी अनु. एक तो रास्ते में शौच करना, और ऊपर से आँखे दिखाना।
Eng. tr. He defecates on the street and looks furiously at the passers by.

कश्मीरी येमि दिच़ न्वशि सुय दपान् " गरॖ बिगरयव् "।

हिन्दी अनु. जिस ने बहुरानी पर बलात्कार किया, वही कहता है घर बिगड़ गया।

Eng. tr. He who seduced the daughler-in-law, says, 'That the house has lost its chastity."

सिंधी हिकिड़ी चोरी, ब्री सीनाज़ोरी।

हिन्दी अनु. एक तो चोरी, दूसरी सीनाज़ोरी।

Eng. tr. Robs at first and then claims innocence loudly.

मराठी आपुन बाई पोटारी, घोवार डोळे वटारी. (गो.)

हिन्दी अनु. खुद पेटू बने, पति को आँखें दिखाए।

Eng. tr. She is a glutton herself, but looks at her husband with angry eyes.

कोतवाला आधी चोराची बोंब.

हिन्दी अनु. कोतवाल से पहले चोर ही चिल्लाने लगा।

Eng. tr. Before the police-chief can shout, the thief starts shouting.

खोटा तो खोटा नि वर फुकाचा ताठा.

हिन्दी अनु. झूठा तो है ही, ऊपर से रोब जमाता है।

Eng. tr. A liar he is and has false pride on the top of it.

चोर तो चोर आणि वर शिरजोर.

हिन्दी अनु. चोर सो चोर और ऊपर दिखाए ज़ोर।

Eng. tr. He is a thief and yet bullies everyone.

चोराच्या उलट्या बोंबा.

हिन्दी अनु. चोर की उल्टी डाँट (उलटा चिल्लाना)।

Eng. tr. The thief turns round and shouts himself.

मालकाचे आधी चोराची बोंब.

हिन्दी अनु. मालिक से पहले चोर चिल्लाये।

Eng. tr. The thief shouts even before the master of the house does.

गुजराती ऊलटो चोर कोटवालने दंडे.

हिन्दी अनु. उलटा चोर कोतवाल को दंड दे (सजा दे)।

Eng. tr. On the other hand, the thief punishes the police-Inspector

चोरी ने वळी शिरजोरी.

हिन्दी अनु. चोरी और ऊपर से शिरज़ोरी (सीना ज़ोरी)।

Eng. tr. Thief and in addition, headstrong demeanor.

पारकी छींडीमां हंगवुं ने करांझवुं.

हिन्दी अनु. दूसरे गली में हगना और कोंथना। कूंथना।

Eng. tr. To void excrement in other's alley and in addition, to make a sound to strain bowels. (What an audacity!)

पारके ओटले बेसवुं, ने खंखारा करवा.

हिन्दी अनु. दूसरों के चबुतरे पर बैठना और खंखारना ।

Eng. tr. To sit in another's porch (verandah) and utter a grunting sound from the throat.

फळियामां हगवुं ने डोळा काढवा. (पार्सी. द. गुज.)

हिन्दी. अनु. आँगन में हगना और आँखे दिखाना ।

Eng. tr. To go to stool in the courtyard and to threaten despite.

रस्तामां झाडे फरवुं, ने सामा डोळा काढवा.

हिन्दी अनु. रस्ते में टट्टी फेरना और आँखे दिखाना ।

Eng. tr. To defecate in the middle of the road and to threaten others !

बाङ्ला उलटे चोरा मशान गाय ।

हिन्दी अनु. उलटा चोर डौंडी पीटे । (डौंडी पीटनेवाला चोर के अपराधों का ढिंढोरा पीटता है । बनिस्बत उस के चोर ही अपने गुन गाता है ।)

Eng. tr. (Instead of the town-crier announcing the crimes of the thief), the thief himself is singing about his own virtues.

चुरि तो चुरि, आरओ जारिज़ुरि ।

हिन्दी अनु. चोरी तो चोरी ऊपर से सीनाज़ोरी ।

Eng. tr. To commit a theft and display power over and above it.

पथे हेगे चोख रांगानि ।

हिन्दी अनु. रास्ते में हगे और ऊपर आँख दिखाए ।

Eng. tr. He defecates in the passage and then looks in anger at others.

यार गेलो सेइ चोर ।

हिन्दी अनु. जिस का गया वही चोर ।

Eng. tr. He who has been robbed is called a thief.

असमीया उल्टा चोर गिरिक बान्धे ।

हिन्दी अनु. उल्टा चोर गृहस्थ को बांधे ।

Eng. tr. The thief binds the house owner instead.

ओड़िआ चोरि; चोरि उपरे हेमा जोरि ।

हिन्दी अनु. चोरी, ऊपर सीनाज़ोरी ।

Eng. tr. To steal, and then force and assault.

चोर होइ फेर पाइक पण ।

हिन्दी अनु. चोर होकर दारोगा सा बरताव ।

Eng. tr. Is a thief, but behaves like a policeman.

तमिळ उडैवनिर कैप्पट्रिनवन् मिडुक्कन्.

हिन्दी अनु. संग्रहकर्ता से लूटनेवाला ही हठी।

Eng. tr. An embezzler is more obstinate than the owner.

कळम् शारुगिरवळै मिरट्टुवानाम् पोर् पिडुंगुगिरवन्.

हिन्दी अनु. अनाज की चोरी करनेवाला, उल्टा खलिहान साफ करनेवाली को डांटेगा।

Eng. tr. It is said that he who steals grain from the stock, will frighten away the woman, who may sweep the threshing floor.

तेलुगु मोगुण्णि कोट्टि मोगसालकेक्कि एड्चिंदट.

हिन्दी अनु. पति को पीट कर खुद ही बाहर आकर रोने लगी।

Eng. tr. Having beaten the husband, she came out to cry.

कन्नड अंगळदल्लि हेतु संगल कष्ट अन्द हागे.

हिन्दी अनु. आँगन में पाखाना करे और कहे कि जगह पाक नहीं।

Eng. tr. He deficates in the front yard and says it's unclean.

मलयाळम् अरियुं तिन्नु, आशारिच्चियेयुं कटिच्चु; पिन्नेयुं नायक्काणुं मुरुंमुरुंप्पुं.

हिन्दी अनु. चावल खाया, घरवाली को काटा, तिसपर भी कुत्ता गुर्राता है।

Eng. tr. The dog ate the rice, bit the carpenter's wife and yet it snarls.

२६

उल्टा न्याय।

आशय

जब कभी गौण व्यक्ति को सम्मान दिया जाता है, और प्रधान व्यक्ति की उपेक्षा की जाती है तब ये कहावतें प्रयोग में आतीं हैं। इन कहावतों में इस प्रकार के उल्टे व्यवहार पर सरल चोट लगायी गई है। हिन्दी की यह कहावत देखिये – हरि गुन गावे धक्का पावे, चूतड़ डुलावे टक्का पावे। यह भाव गुजराती भाषा की इस कहावत से कितनी चीढ़ से प्रदर्शित हुआ है, "पतिव्रता भूखी मरे और छिनाल खाय पेड़े।"

Subject

When a significant person or thing is brushed aside and an insignificant one honoured, these proverbs are said at such times. Some of them make us laugh – for instance, 'Sing psalms and you will be pushed aside, have a wanton gait and you will get money.' Others make us wonder at the injustice in the world, for instance

the Gujrathi proverb, 'The chaste and dutiful wife dies of starvation, while the whore eats sweets.'

हिन्दी अणभणिया घोड़ै चढ़ै, भणिया माँगै भीख। (राज.)
(अनपढ़ घोड़े पर चढ़ते हैं, पढ़े भीख माँगते हैं।)

Eng. tr. The uneducated ride horses and the educated beg alms.

आई माई को काजर नहीं, बिलाई की भर मांग।

Eng. tr. To his mother not even lamp-black, to the cat vermillion on its head. (Said of the debauchee.)

आय माय के माथे तेल नय, बिलाय माथे ठोप। (मु.)
(आई माई के सिर लगाने तेल भी नहीं और बिल्ली को तिलक।)

Eng. tr. No oil for his mother's hair and a spot of vermillion on the forehead of a cat.

कनिया का आँख में लोर ना लोकनी हकन करे। (चंपा.)
(कन्या, जिसे ससुराल जाना है, आँख में आंसू नहीं और उस के साथ जानेवाली दासी व्याकुल हो रही है।)

Eng. tr. The bride (going to her husband's house) has no tears in her eyes but her attendant gets restless.

कूद कूद मछली बगुले को खाए।

Eng. tr. The fishes jump up to eat the heron. (The world upside down.)

कोरहिया के दाल भात कमासुत के फुटहा। (शाहा.)
(आलसी को दाल-भात मिला और काम करनेवाले को फुटहा। फुटहा–चना।)

Eng. tr. The earn-nothing gets rice and curry and one who earns gets parched gram.

गिरहथ के घरे नेवान ना चोर के घरे दादर। (चंपा.)
(गृहस्थ के घर अभी तक नवान्न की विधि भी नहीं संपन्न हुई, पर चोर के घर दवनी हो रही है।)

Eng. tr. The gentleman has not yet received the fresh crop, but the thief has already begun threshing it.

गोंद पंजिरी और ही खाएँ, जचहा रानी पड़ी कराहे। (स्त्री.)

Eng. tr. The stranger eats the sweets made for the lying-in woman and lying-in woman simply groans.

घर के बीबी के खासा ना, रंडी के मलमल। (चंपा.)
(घरवाली को तो पहनने के लिए साधारण कपड़ा तक नहीं मिलता, और वेश्या को मलमल दी जा रही है।)

Eng. tr. Not even a rag for the wife, but fine linen for the concubine.

घररा छोरा घंटी चाटै ओझेजीने आटो। (राज.)
(घर के बच्चे चक्की चाटते हैं, और ओझाजी को आटा चाहिये।)

Eng. tr. The children of the house lick grind-stone, while the occultist wants flour.

घररा टाबर कुँवारा फिरै पाड़ास्याँने फेरा भावै। [राज.]
(घर के बच्चे कुँआरे फिरते हैं, पड़ोसियों को फेरे चाहिए।)

Eng. tr, The children of the house move around without being marriad and the neighbours want to go round the holy-fire.

जवान जाए पताल, बुढ़िया मांगे भतार।

Eng. tr. The maidens are dying and the grannys want husbands.

जवाँ राँड़, बूढ़े साँड़।

Eng. tr. The young women are widows and the old men are lusty.

जिस का जावे वो ही चोर कहाये।

Eng. tr. He is called a thief, who has lost his property.

जेकर कटहर घर घर पाट, तेकर धिया पूता कमरी चाट। (मुज.)
(जिस का कटहल का पेड़ घर घर फैला हुआ है, उस के बालबच्चे कटहल के छिलके चाट रहे हैं।)

Eng. tr. His children are licking the jack-fruit skins, whose jack-fruit tree has spread over many houses.

झूठ कहे सो लड्डू खाए, सच कहे सो मारा जाए।

Eng. tr. Tell a lie and get sweets, tell truth and loose your life.

डोम डोली, पाठक प्यादा।

Eng. tr. The bard in the palanquin and the priest afoot.
(Society upside down.)

तीन बुलाये तेरह आये, देखो यहाँ की रीत।
बाहरवाले खा गये और घर के गावे गीत॥

Eng. tr. Three were invited and thirteen have come; such is the custom here. Outsiders eat and the family has only the songs.

दुल्हा के पत्तल ना, बजानिये के थार।

Eng. tr. No platter of leaves for the bride-groom and brass dishes to the musicians.

नाती के गाँती ने, बिलाई के जामा। (मुज.)
(गाँती – scarf. नाती – लडकी का लडका।)

Eng. tr. Grandson has no scarf, but the cat is given a gown.

नाव चढ़े झगड़ालू, आवै पौरत आवै साखी।
(झगड़ालू तो नाव पर चढ़ कर नदी उतर रहे हैं, और गवाह नदी तैर कर आ रहे हैं।)

Eng. tr. The offenders are crossing the river in a boat, and the witness have to swim across the river.

पंचबरती के फटल गुदड़िया बेसवा पेन्हे सारी। (चंपा.)
(सती-साध्वी स्त्रियां तो चीथड़े पहनती हैं और वेश्या रेशमी साड़ी।)

Eng. tr. The chaste lady wears tattered rags and the prostitute wears a silk sari.

बड़ बड़ जन कैं भेंटक लावा लबरो के मिठाय। (दर.)
(बड़े बड़े लोगों को भूजा मिल रहा है, और झूठ बोलनेवाली को मिठाई।)

Eng. tr. The gentry of the town is fed on parched grains, and the liar (woman) gets sweets.

बर को भूसा ना, बरअतिआ को चिउरा। (चंपा., पट.)

पाठभेद बर के न मिले भूसा, बराती को चिउड़ा।

Eng. tr. The bride-groom has not even bran and the wedding-guests are feasting on parched rice.

बही मरे बहियां, बैठलो खाय तुरुक। (मुं.)
(नौकर काम करते करते मर जाता है, उसे भर पेट भोजन तक नहीं मिलता, पर तुरुक (मुसलमान) काम नहीं करता, बैठा रहनेपर भी खूब खाता है।

Eng. tr. The servant is worked to death and the musalman (master) enjoys meals without work.

बाप जेकर मरै से खाय मांस-भात, पडोसिया जाय गया।
(जिस का बाप मरा वह तो मांस-भात खा रहा है, और उस का पड़ोसी पिण्डदान करने गया जा रहा है।)

Eng. tr. One whose father has expired eats meat and rice, and his neighbour goes to Gaya (to perform shradha).

बाबू भैया जाड़े मरै गीदड़ा बांधे गाँती। (मुं.)
(बड़े लोग सर्दी से बेजार है, और गीदड़ गाती बांधे रहता है।)

Eng. tr. The elite shivers with cold and the jackal wears a scarf round his neck.

बार बिअहुआ ताकत रहस उपरिया करस नाच। (चंपा.)
(अभी अभी जिन की शादी हुई है वे मुँह देख रहे हैं, और जिन से कोई संबंध नहीं वे नाच रहे हैं।)

Eng. tr. The newly married one looks on when the guests dance with joy.

राम नाम ले सो धक्का पावे, चूतड़ हिलावे तो टका पावे।

Eng. tr. Call on God and be pushed about, skip and dance and make money. (The harlots thrive where the honest woman starves.)

रूप रोए, भाग खाए।

Eng. tr. Beauty weeps while fortune rejoices (spoken when merit is neglected and demerit is exalted).

सतवादी धक्का खाय, चाटुकारी सम्मान। (दर.)

(सत्य बोलनेवाले इधर-उधर धक्के खाते हैं, और खुशामदी सम्मान पाते हैं।)

Eng. tr. One who speaks the truth receives blows, and the parasite gets grand walcome.

समय समय की बात, बाज़ पर झपटे बगुला।

Eng. tr. It is a sign of the times, the heron preys upon the hawk.

साँच कहे जग मारल जाय, झूठे जग पतिआय। (शाहा., चंपा.)

(सत्य बोलनेवाले को जग मारने जाता है, और झूठ बोलनेवाले पर विश्वास किया जाता है।)

Eng. tr. The world beats a truth-teller and trusts a liar.

साँय माथा तेल ने गोसाईं माथा तेल। (मुज.)

(पति के सिर पर तेल नहीं और याचक को तेल दिया है। – अपने लोगों की उपेक्षा और दूसरों की पूछ।)

Eng. tr. No oil for the husband's hair and the beggar is offered oil.

सात रोटी देवता सताईस रोटी पवनी। (शाहा.)

(देवता पर तो सात ही रोटी चढ़ाई, लेकिन धोबी, हजाम, कुम्हार आदि लोगों में सत्ताईस बाटी गई।)

Eng. tr. Only seven loaves for God and twenty-seven to be distributed amongst the low born.

साधु के नेवाने ना चोरे के दँवरी। (शाहा.)

साधु को नवान्न नहीं, चोर के घर दँवनी होने लगी।

Eng. tr. Fresh crop has not reached the gentleman's house, but the threshing has begun at the thief's.

सासूसूँ वैर, पड़ोसणसूँ नातो। (राज.)

(सास से बैर और पड़ोसिन से प्रेम।)

Eng. tr. Enemity with the mother-in-law, and friendship with the neighbour.

हजाम को चूड़ा दहीं, समांग के भूजा। (मुज.)

(हजाम को चूड़ा-दहीं दिया जा रहा है, घरवालों को भूँजा।)

Eng. tr. The barber is served with parched rice and curds and the family members get only pop-corn.

हरि गुन गावे धक्का पावे, चूतड़ डुलावे टका पावे।

Eng. tr. Sing psalms and you will be pushed aside, have a wanton gait and you will get money.

हलवा पूरी बांदी खाए, पोता फेरने बीबी जाए।

Eng. tr. The slave girl eats dainties and her mistress has to perform menial offices of the house.

ENGLISH
1. He gives straw to his dog and bones to his ass.
2. Might overcomes right and right dies in peace with poverty. (Irish)

उर्दू
नेकों को सूल बदों को फूल।

Eng. tr. The sincere go to the gibbet and the wicked get flowers.

मुद्दई, मुद्दाएलाह, नाँव में, शाहिद तैरते जायें।

Eng. tr. The plaintiff and the defendant go in a boat, while the witness are obliged to swim. (The proof of the transaction resting with the witness, they have more occasion to exert themselves than the parties.)

हराम का बोल उठता है, हलाल का झुक जाता है।

Eng. tr. The bastard will speak out boldly where the true-born hangs his head.

हलाल में हरकत, हराम में बरकत।

Eng. tr. Sorrows to the upright and blessings to the wicked.

सच्चा जाये रोता आये—झूठा जाये हँसता आये।

Eng. tr. The truthful return weeping, the liar comes back smiling.

पंजाबी
नानी खसम करे दोहूता चट्टी भरे।

हिन्दी अनु. नानी ने ब्याह किया और पोते को खर्च करना पड़ा।

Eng. tr. The maternal grand-mother got married and the grandson had to incur expenses.

पतली नार खाए चार, खसम आखे रन सर्फेदार,
मोटी रन खाए खन्नी, खसम आखे मेरी कोठी भन्नी।

हिन्दी अनु. पतली नार खाए चार (रोटियाँ), पति उसे कहे कंजूस,
मोटी रांड खाए रोटी थोड़ी, कहे पति उस ने कोठी फोड़ी।

Eng. tr. A slim wife eats four breads, but her husband calls her to be a frugal, a plump wife eats a piece of loaf and her husband says, ' She has eaten the whole flour-bin. '

सरकार विच अंधार, साद कूड़े चोर सचिआर।

हिन्दी अनु. सरकार में अंधेर, साधु झूठे, सच्चे चोर।

Eng. tr. There is darkness in the administration, the virtuous one is considered a liar, and a thief a true man.

साईं न खाण रुखी, ते कुत्ता घिओ खावे।

हिन्दी अनु. मालिक को रुखी रोटी नहीं, कुत्ता खाए घी।

Eng. tr. The master cannot afford dry bread and his dog eats ghee.

कश्मीरी खानुँमाल्यन् नुँ कोज़् तुँ परज़न्यन् स्युभुज़ ।

हिन्दी अनु. लाड़लों (बच्चों) के लिए नाश्ता भी नहीं लेकिन नौकरों को भोजन।

Eng. tr. Not even the breakfast for the darlings (children), but a lunch for the servants.

दांदस् लोव् तुँ वछ़िस् ग्यंड।

हिन्दी अनु. बैल को छोटी गठरी, बछड़े को गट्ठा।

Eng. tr. A small bundle (of grass) for the bull and a stack for the calf (injustice).

नेकन् लार् तुँ बदन् फ्वलुन्।

हिन्दी अनु. भलों को मुसीबत, बुरों को बरकत।

Eng. tr. The good are troubled when the bad prosper.

पनुँन्यन् क्राय् परायन् माय् ।

हिन्दी अनु. अपनों को गरम तवा, औरों को प्यार।

Eng. tr. Hot plate for ones own people, and tender affection for others.

मन्दुछेहांन् लंछ् तिम् रव्यवान् नंचि नंचि ।

हिन्दी अनु. लज्जित होना चाहिये हिजड़ों को, वे तो नाच नाच के खाते हैं ।

Eng. tr. The eunuchs ought to be ashamed of themselves, (whereas) they dance and eat.

माजि खोतुँ कूर् बंड्।

हिन्दी अनु. मा से बड़ी बेटी ।

Eng. tr. The daughter bigger than the mother.

माजि नुँ लचूकुँ सेतारस् गिलाफ् ।

हिन्दी अनु. माँ को शिरस्त्राण नहीं सितार को गिलाफ् ।

Eng. tr. No headwear for the mother, and the sitar (guitar) has a covər.

येलन् जेल् तुँ मवासन् खलत् ।

हिन्दी अनु. अच्छों को कारावास और बिगड़ों को उपाधियाँ ।

Eng. tr. Prison for the gentle and titles for the ruffians.

व्यथुँ ह्वखन् तुँ ह्यनर् ग्रज़न् ।

हिन्दी अनु. वितस्ताएँ (नदियाँ) सूखगी और गन्दी नालियाँ गरज़ेगी।

Eng. tr. Rivers shall dry up and drains shall roar.

सिंधी कंहिं जो अबे कूड़ु कंहिंजो सचु बि सहिमनि गाडुओं ।

कंहिं जी मानी करे न मूरु, कंहिं जो टुकरु भी टीणा करे ।

हिन्दी अनु. किसी का झूठ भी स्वीकृत हो जाता है, और किसी का सच भी उसे डाँट फटकार सुनाता है । कोई रोटी खिलाने से अपनी लागत भी नहीं प्राप्त कर सकता और कोई रोटी का एक टुकड़ा खिलाने से तिगुना कमा लेता है।

Eng. tr. Even lies told by some people are accepted, while truth told by others gets them words of abuse. Some people who feed others don't even get fheir expenditure back, while others, by giving only a morsel, get thrice as much in return.

कुत्तो बि उन खे डाढ़े, मोचिड़ा बि उन खे लगुनि ।

हिन्दी अनु. कुत्ता भी उसे काटे और जूते भी उसे खाने पड़ें ।
(पागल कुत्ता किसी को काटता है तो उस काटे हुए स्थान पर ज़ोर से जूते मारे जाते हैं । लोगों का विश्वास है कि ऐसा करने से कुत्ते का ज़हर फैलेगा नहीं । जब जिस की हानि हो फिर सज़ा भी उस को भुगतनी पड़े तब इस कहावत का प्रयोग होता है ।)

Eng. tr. He is bitten by a dog and he is beaten with a shoe.

घर सां वेरू, पर सां मेड़ु ।

हिन्दी अनु. घर से वैर और दूसरों से मेल ।

Eng. tr. Enemity with the house, friendship with others.

घोट माउ खां अहिनर माउ तकिड़ी ।

हिन्दी अनु. दूल्हे की मां की अपेक्षा रक्षक की मां को जल्दी हुई है । (जब किसी कार्य में जिस मनुष्य को भाग नहीं लेना है वहाँ यदि वह अपनी टाँग अड़ाने लगे, तब इस कहावत का उपयोग होता है ।

Eng. tr. The sentry's mother is in a greater hurry than the bride-groom's mother.

संओं चवे सो सूरु पिराए, खेड़ु करे सो खटी खाए ।

हिन्दी अनु. सीधी बात कहे तो दुःख पाए, हर्फ़त करे तो जीत जाए ।

Eng. tt. If he speaks straight words, he gets sorrow; if he quibbles, he wins.

सती थी सेड़ाए, लंडी थी खाए ।

हिन्दी अनु. सती (पतिव्रता) भूखों मरती है, और बेशर्म औरत खा पी कर ऐश करती है ।

Eng. tr. The virtuous and faithful wife dies of hunger while the shameless woman lives contentedly.

मराठी

अवदिशी पुऱ्या आणि सणाला घुगऱ्या.

हिन्दी अनु. अप्रस्तुत दिन (ऐरे गैरे दिन) मिठाई और त्योहार के दिन चना-पानी ।

Eng. tr. Puris on an evil day (or odd day), but only spiced gram on a festive day.

आईबापा मारी लाथा बाईलीला घेई माथा.

हिन्दी अनु. माँ बाप को मिले लातों के प्रहार, पत्नी को लिया सिर के ऊपर ।

Eng. tr. Kicks his mother and father, but respects his wife (even cares for her silly demands).

कन्येला फाटके, सुनेला नेटके.

हिन्दी अनु. लड़की को फटा पुराना, बहू को नया चिकना।

Eng. tr. To give rags to the daughter to wear, and give rich clothes to the daughter-in-law (because the daughter is to be given in marriage, so she is given ordinary torn clothes).

कारभाऱ्याला लोणी, गड्याला ताक, कारकुनाला बेरी आणि धन्याला धाक.

हिन्दी अनु. प्रबंधक को मक्खन, सेवक को छाछ, मुन्शीजी को तलौंछ और मालिक को चिन्ता।

Eng. tr. Butter for the house-keeper, butter-milk for the servant, the scum of ghee for the clerk, and worries for the master of the house.

कुत्र्याला मिळे सोन्याची साखळी, देवाला न मिळे फुलाची पाकळी.

हिन्दी अनु. कुत्ते को मिले सोने की सिकड़ी, देवता को न मिले फूल की भी पंखुडी।

Eng. tr. A gold chain for the dog, while not a flower-petal for God.

घरची म्हणते देवा, देवा, बाहेरची म्हणते मला चोळी शिवा.

हिन्दी अनु. घर की कहे हे राम, हे राम, बाहर की माँगे चोली को दाम।

Eng. tr. The house wife gasps (in pain)—Oh God! (for she is very ill kept), and lady-friend out-side asks him to get garments for her.

घरापेक्षा अंगणाचीच मिजास जास्त.

हिन्दी अनु. घर की अपेक्षा आंगन ही अधिक इतराए।

Eng. tr. (a) The court-yard is more fastidious than the house.
(b) The court-yard puts on more airs than the house.
(Referred to a mismanaged house.)

ज्याचा माल त्याला हाल, कोल्ही कुत्री पडली लाल.

हिन्दी अनु. जिस का माल उस के बुरे हाल, सियार और कुत्ते खा कर बने लाल।

Eng. tr. He whose possession it is has trouble, jackals and dogs grow fat on it.

तगवी तिला भगवी, फाडी तिला साडी.

हिन्दी अनु. जो टिकाए उसे गेरूई साड़ी और जो फाड़ती है उसे नयी साड़ी।

Eng. tr. One who wears her clothes with care is given coarse cloth, while one who tears them gets new ones everytime.

तरण्या झाल्या बरण्या, आणि म्हाताऱ्या झाल्या हरण्या.

हिन्दी अनु. लड़कियाँ हाँडी की तरह आलसी बन गयीं और बुढियां हिरन की तरह चपल बन गयीं।

Eng. tr. The young maidens have become sluggish as jars, and the old dames have become swift as antelopes.

तरणी पडली धरणी आणि म्हातारी बनली हरणी.

हिन्दी अनु. युवती पड़ी धरती पर और बुढ़िया में आया हिरनों का बल।

Eng. tr. A young woman lies powerless while the old one shows the speed of a deer.

तरणेपणी हालेहुले, म्हातारपणी शेंडी फुले.

हिन्दी अनु. युवापन में नखरे चोंचले, बुढ़ापे में चोटी फुलाए।

Eng. tr. Enjoys life in youth and shows indifference in old age.

तरुणपणी लाज़ म्हातारपणी खाज़.

हिन्दी अनु. युवापन में लज्जा बुढापे में लालसा। (जो बात करने में युवापन में लज्जा लगती है, उस की लालसा बूढ़े लोग जब दिखाते हैं, तब इस कहावत का प्रयोग किया जाता है।)

Eng. tr. Ashamed as a young woman but shameless as an old woman.

तरुणाचे कोळसे, म्हाताऱ्याला बाळसे.

हिन्दी अनु. युवक के कोयले बूढ़े के गाल फूले। (युवक की मौत और बूढ़े का बलवान बनना।)

Eng. tr. A young man dies while an old man puts on weight.

देवापेक्षा गुरवाची प्रतिष्ठा अधिक।

हिन्दी अनु. ईश्वर की अपेक्षा पुजारी का तुर्रा अधिक।

Eng. tr. The temple priest gets more respect than God.

धन्याचे नाव गण्या आणि चाकराचे नाव रुद्राजी बोवा (आप्पा.)

हिन्दी अनु. (अ) मालिक का नाम गणू और नौकर का नाम रुद्रासिंग।
(आ) मालिक का नाम रामू और नौकर का नाम हजारीलाल।

Eng. tr. The master is called 'Ganya' while his servant 'Rudraji-boa'. (Referred to a shabby master and a prim servant.)

धन्याला धतूरा आणि चाकराला मलिदा.

हिन्दी अनु. मालिक को धतूरा और चाकर को चूरमा।

Eng. tr. Bitterthorn-apple for the master and sweets for the servant.

धनीणीस धक्का, कुंटणीस टक्का.

हिन्दी अनु. (अ) घरनी को धक्का, कुटनी को सिक्का।
(आ) धक्का सहे घरनी, पैसा पाए कुटनी।

Eng. tr. Pushes his wife away and pays the procuress for whores.

नवरा रडतो तरणास व वऱ्हाडी रडतात वरणास.

हिन्दी अनु. दुल्हा रोवे माँड़ के लिये और समधी रोवे दाल के लिये।

Eng. tr. The bride-groom is vexed about the watery stuff and the guests about the boiled pulse.

नवरा उपवासी, बाईल आधाशी.

हिन्दी अनु. पेटू स्त्री का पति भूखा।

Eng. tr. The husband of a greedy woman is always hungry.

पतिव्रता भूखी मरे, पेढे खाई छिनाल.

हिन्दी अनु. पतिव्रता भूखी मरे, पेड़े खाय छिनाल ।

Eng. tr. A chaste and dutiful wife dies hungry, while a harlot eats sweets.

पाटलाची सून, वडारणीचे गुण.

हिन्दी अनु. चौधरी की बहू, कंजड़िन के गुण । (उच्च कुल की स्त्री बुरे गुण प्रकट करे तब ।)

Eng. tr. She is the daughter-in-law of a village chief but has the virtues of a slum-dweller / stone-splitter.

बाहेरच्या देवांना टिळेगोळे आणि घरच्या देवावर हगती कावळे.

हिन्दी अनु. बाहर के देवताओं को तिलक मालाएँ और घर के देवताओं पर हगते हैं कौए ।

Eng. tr. Worships the idols of outside with vermillon and sandal-wood paste but (neglects) the crows that shit on the idols of his home.

मालकाला हवा नि चोराला खवा.

हिन्दी अनु. मालिक दिन गुजारे हवा पर और चोर खाये खोआ ।

Eng. tr. While the master lives on air, the thief gets puddings.

वैऱ्याला उराशी आणि कैवाऱ्याला दाराशी.

हिन्दी अनु. वैरी को गले लगाए और हिमायती को दूर लौटाए ।

Eng. tr. The enemy is embraced while a friend is banished.

शेजेवरची घालवायची आणि बाज़ाराची पालवायची.

हिन्दी अनु. शय्या की साथिनी निकाल दी जाती है, और बाज़ार की औरत के पैर पकड़े जाते हैं ।

Eng. tr. Turns out his own wife and begs favour of a whore.

सतीच्या दारी नाही बत्ती व शिंदळीच्या दारी झुले हत्ती.

हिन्दी अनु. सती के द्वार पर बत्ती भी नहीं, और छिनाल के द्वार पर हाथी ।

Eng. tr. Not even a torch to light the home of a chaste and virtuous wife, while a whore has elephants at her door.

गुजराती धणीने धतुरो ने चोरने मलीदो.

हिन्दी अनु. मालिक को धतुरा और चोर को मलीदा ।

Eng. tr. (1) Poison to the owner and pudding to the thief !
(2) Dhatura to the owner and sweets to the thief !

धरमीने घेर धाड, ने कसाईने घेर कुशल.

हिन्दी अनु. धरमी के घर डकैती और कसाई के घर कुशलता ।

Eng. tr. A dacoity at the house of the righteous while all's well at the butcher's.

पतिव्रता सूखे मरे, ने छिनाल खाय पेंढा.

हिन्दी अनु. पतिव्रता भूखी मरे और छिनाल खाय पेड़े ।

Eng. tr. The chaste and dutiful wife dies of starvation while the whore (harlot) eats pedhas (sweets).

मोचीनी मामी मोशालां पेहरे, ने मा ने बायडी कोरडी.

हिन्दी अनु. मोची की मामी (शादी के कपड़े) मोसाला पहने और मा और पत्नी (औरत) कोरी (खाली हाथ)।

मोशाला – शादी के समय मां की तरफ से मिलने वाले कपड़े, जो बेटी को दिये जाते हैं।

Eng. tr. Cobbler's maternal aunt wears a marriage sari and his mother and wife have nothing.

सतीने साडी नथी मळती अने वेश्या पटकुळ पहेरे.

हिन्दी अनु. सती को साडी नहीं और वेश्या बनारसी साड़ी पहने।

Eng. tr. Chaste wife doesn't get a sari and the prostitute wears a fine garment.

बाङ्ला **अवाक कलि अवतार, छुंचोर गलाए चन्द्रहार।**

हिन्दी अनु. कलियुग की बलिहारी है, छछूंदर के गले में चंद्रहार।

Eng. tr. The age of 'Kali' is indeed surprising,
Precious necklace a mole-rat is flaunting.

आपन शाशुड़ी सेलाम ना पाय।
नानी-शाशुड़ीर पिँडा बाय।

हिन्दी अनु. अपनी सास को प्रणाम भी नहीं, नानी-सास के लिए बैठक।

Eng. tr. Showing no respect for her own mother-in-law, she very respectfully brings the stool for her husband's mother's mother to sit.

कबियालेर शाल-दोशाला, पुरुतेर पाँचहाति।

हिन्दी अनु. भाँड़ को दुशाला और पुरोहित को पाँचहाती (धोती)।

Eng. tr. The ballad-singer gets costly garments and the priest gets only a five-yard dhoti.

गिन्नीर हाते रांगा पला, बऊयेर हाते सोनार बाला।

हिन्दी अनु. पत्नी के हाथ में रांगे का कड़ा, बहू के हाथ में सोने का कड़ा।

Eng. tr. A bangle of red coral beads on wife's arms, but a bracelet of gold for the daughter-in-law.

घंटा बाजिये दुर्गोत्सव, इतु (षष्ठी) पूजोय ढाक।

हिन्दी अनु. घंटा बजा कर दुर्गोत्सव और षष्ठी पूजा के लिए नगाड़ा।

Eng. tr. The great festival of Durga was celebrated only to the tunes of a tinkle-bell, and calling now the drummers for a small festival.

जेलेर परने टेना, पाँजारिर काने सोना।

हिन्दी अनु. मछुआ पहने चीथड़ा और बिचलग्गू के कान में सोना।

Eng. tr. The fisherman is clad in rags, but the middleman wears golden earings.

निजेर बोन भात पाय ना, शालीर तरे मंडा।

हिन्दी अनु. अपनी बहन पाए न भात, साली के लिए पकवान।

Eng. tr. One's own sister goes without rice, but offers sweetmeats to wife's sister.

फकिरेर थेके दरगा उँचु।

हिन्दी अनु. फकीर से दर्गा ऊँचा।

Eng. tr. A holy grave holier than a fakir.

मंगलचंडी पूजो पान ना, सुबचनी हात बाड़ाय।

हिन्दी अनु. मंगलचंडी (बड़ी देवी) को पूजा नहीं, सुबचनी (छोटी देवी) चाहे नैबेद-भोग।

Eng. tr. Mangalchandi (a greater Goddess) is not receiving the worship, and Subachani (a subordinate Goddess) is extending her hands (to receive the offerings).

मायेर पेटे भात नेइ, बउयेर चंद्रहार।

हिन्दी अनु. माँ के पेट में भात नहीं, बहू को चंद्रहार।

Eng. tr. No rice for mother's belly, wife gets a necklace of gold.

मायेर पोड़े ना मासीर पोड़े, पाड़ा-पड़सीर धओला ओड़े।

हिन्दी अनु. माँ का दिल जले नहीं, मौसी का जले, पडस पड़ौसवालों के गिरने से धूल उड़े।

Eng. tr. (On a child's sickness) mother's heart does not burn while an aunt's heart is scorched, and the hearts of neighbours are in their boots with anxiety (they fall and raise the dust).

मूल देवतार पूजो नेइ, – सुवचनीर घटा।

हिन्दी अनु. मूल देवता को पूजा नहीं, शुभचंडी की टीमटाम।

Eng. tr. No worship is offered to the most important Goddess and great ostentation and splendour is evident in the worship of a minor Goddess like ' Suvachani '(शुभचण्डी).

यज्ञेश्वर जानलेन ना, खबर पेलेन घेंटु मनसा।

हिन्दी अनु. यज्ञेश्वर को खबर नहीं, छोटी देवीने खबर पायी।

Eng. tr. The supreme Lord was ignorant, and the minor Godlings had the knowledge.

यार धन तार धन नय, नेपोय मारे दइ।

हिन्दी अनु. जिस का धन उस का धन नहीं, कोई और खाए दहीं।

Eng. tr. He who is the rightful master goes without, and some–one else feasts on the curds.

यार बिए तार मने नेइ, पाड़ा पड़शीर घूम नेइ।

हिन्दी अनु. जिस का ब्याह उसे खयाल नहीं, पडोसियों को नींद नहीं।

Eng. tr. The bride-groom has forgotten about his marriage, but the neighbours are busy without a wink to celebrate it.

यार बेटार बिये तार पाते नेइ डाल।

हिन्दी अनु. जिस के लडके का ब्याह, उसी के पत्ते पर दाल नहीं।

Eng. tr. He whose son is the bride-groom, is not served the 'dal'.

शतदल भासिये जले, शालुक-माला परेछि गेले।

हिन्दी अनु. शतदल (कमल) बहाए पानी में और कमल गट्टे की पहनी माला।

Eng. tr. Drowning the beautiful red lotus of hundred petals and wearing a garland of ordinary white water-lilies.

असमीया कालीपूजा घरे घरे शालग्राम शुकाइ मरे।

हिन्दी अनु. काली की पूजा घर घर में हो रही है, उधर शालिग्राम बिना पूजा के सूखता जा रहा है।

Eng. tr. In every house Kali is worshipped, when Shaligram has to fast to death.

खाब नोवारार पातत रौ-बराली, खावैयार पातत काइट-दुडालि।

हिन्दी अनु. जो खा नहीं सकता उस की थाली में बड़ी बड़ी मछली; जो खा सकता है उस की थाली में काँटें।

Eng. tr. One who cannot eat, has large fish in his plate; the one who can, has thorns (fish-bones) in his dish.

धुइ पखालि कोलात लय, तेओवे बोले ताइ,
मारि धरि बाटत थय, तेओ बोले आइ॥

हिन्दी अनु. नहा–धुला कर गोद में ले, फिर भी बोले 'तू', मार-पीट कर रास्ते पर छोड़ दे, फिर भी बोले 'माँ'।

Eng. tr. She is given bad names even though she washes, dresses and puts the child on her lap, the other gets a good name though she beats and drives the child out on the road.

बरर मिच्छा शुनिबर इच्छा, नरमर उचित शुनिबर कुचित।

हिन्दी अनु. बड़ों की झूठी बाते सुनेगा, छोटों की उचित बातों से भी घृणा।

Eng. tr. Desirous to hear the lies of the powerful, hateful to hear beneficial words of the weak.

बार भतारर नाम जाने, बेइटा पोइर नाम ना जाने।

हिन्दी अनु. बारह यारों के नाम जानती है, विवाहित पति का नाम नहीं जानती।

Eng. tr. She knows the names of her twelve paramours, but doesn't know the name of her married husband.

भुकीया गल पात कटिबलै, निभुकीयाइ बोले माटिते दिया।

हिन्दी अनु. भूखा गया पत्तल लाने, अघाया कहे ज़मीन पर परोसो।

Eng. tr. The hungry has gone to cut a leaf (to place food). He who is not hungry asked to serve food on the ground.

सात सेना माटित, धोद शोवे पाटित।

हिन्दी अनु. सत सेना मिट्टी पर, निकम्भा सोये पाटी पर।

Eng. tr. The soldiers sleep on the ground but the slothful sleeps in bed.

सोन कोमोवा शोवे माटित, धदुवा शोवे पाटित।

हिन्दी अनु. सोना कमाने वाला सोवे जमीन पर, निकम्मा सोवे चटाई पर।

Eng. tr. One who earns gold, sleeps on the ground; and the worthless sleeps on the mat.

ओड़िआ असती भुंजइ पलंक सुपाति, कुळवती हुए दासी।
साई साई होई बुलई गोरस मद बिका जाए बसि॥

हिन्दी अनु. छिनाल भोगे पलंग, कुलवंती हो दासी,
घूम घूम कर गोरस बिकता है, शराब बिके घर में बैठे बैठे।

Eng. tr. The faithless woman enjoys the bed, the faithful becomes the maid; milk is sold from door to door, liquor is sold (sitting) at the shop.

घर दिअँ न पूजि पर दिअँ पूजिबा।

हिन्दी अनु. घर का देव न पूजा जाये, पराया देव पूजा जाये।

Eng. tr. To worship other's god without worshipping one's own.

दारीकि डालिचाउळ, ब्राह्मणकु जाबडा।

हिन्दी अनु. वेश्या को दाल चावल, ब्राह्मण को थप्पड़।

Eng. tr. Rice and dal to the prostitute, and a slap to the brahmin.

रूप सुंदर बिका जाए, गुण सुंदर गडगडाऊ थाए।

हिन्दी अनु. रूपवान बिका जाए, गुणवान लडखड़ाए।

Eng. tr. Good looks sell, good qualities go tottering.

तमिळ अण्णामलैयारुक्कु अरुपत्तुनालु पूसै आण्डिकलुक्कु अेळुपत्तुनालु पूसै.

हिन्दी अनु. भगवान शिव को चौंसठ पूजा तो साधु भक्तों को चौहत्तर पूजा।

Eng. tr. The forms of worship prescribed for Shiva are sixty-four, whereas the seasons for feeding religious medicants are seventy-four.

अप्पन सोर्रुक्कु अळुकिरान्, पिळ्ळै कुम्बकोणत्तिल् गोदानम् सेय्किरान्.

हिन्दी अनु. यहां पिता भूखों मर रहा है, वहां बेटा कुंभकोणम् मे गोदान कर रहा है।

Eng. tr. The father is crying for rice and his son is performing the ceremony of giving a cow at Kumbhakonam.

आनै इलैक्करि पूनै पोरिक्करि.

हिन्दी अनु. हाथी के लिए घटिया सब्जी, बिल्ली के लिये बढ़िया सब्जी।

Eng. tr. An ordinary curry for an elephant and a superior curry for a cat.

उडैवनिर् कैप्पट्रिनवन् मिडुक्कन्.

हिन्दी अनु. संग्रहकर्ता से लूटनेवाला घमंडी।

Eng. tr. An embezzler is more obstinate than the owner.

उळवन् पिळ्ळै उप्पोडु उण्णुम् इल्लादवन् पिळ्ळै शर्क्करैयोडु उण्णुम्.

हिन्दी अनु. धनी का बेटा नमक के साथ खायेगा, गरीब का शक्कर के साथ।

Eng. tr. The child of the wealthy takes salt with his food, the child of the poor, sugar.

तंगम् तरैयिले, ओरु काशु नार्त्तंगाय उरियिले.

हिन्दी अनु. सोना पड़ा है ज़मीन पर, और दमड़ी कीमत की नारंगी छींके पर।

Eng. tr. Gold scattered on the ground, and a cash worth of a lemon placed on the swinging tray.

ताट्टोट्टक्कारनुक्कुत् तयिम् शोरुम्, विशुवाशक्कारनुक्कु वेन्निरुम् परुक्कैयुम् .

हिन्दी अनु. धोखेबाज को दहीं और भात, जब की ईमानदार को गरम पानी और सूखा चावल।

Eng. tr. The deceitful feasts on rice and curds, while the faithful feeds on warm rice and water.

ताट्टोट्टक्कारनुक्कुत् तयिरुम् शोरूम् कूट्टाट्टक्कारनुक्कुक् कुळम् तण्णीरुम् .

हिन्दी अनु. धोखेबाज को दहीं और भात, जब की नेक को कांजी और पानी।

Eng. tr. The fraudulent enjoys curds and rice, while the honest one gets gruel and water.

तिरुट्टुप् पयलुक्कुत् तिरट्टुप्पालुम् शोरुम वशुवाशक्कारनुक्कु वेन्नीरुम् परुक्कैयुम्.

हिन्दी अनु. चोर को खीर और ईमानदार को चावल और गरम पानी।

Eng. tr. A rogue is fed with thick milk and rice, while the honest get nothing but warm water and rice.

पकिडिक्कुप् पत्तुक् काशु तिरुप्पाटुक्कु ओरु काशु.

हिन्दी अनु. विनोदी गीत के लिये दस पैसे, धार्मिक गीत के लिये एक पैसा।

Eng .tr. Ten cash for a comedy, one cash for a sacred song.

पिरंद पिळ्ळै पिडि शोट्टुकुं अळुगिरदु, पिरक्कप् पोगिर पिळ्ळैक्कुत् दण्डै शदंगै तेडुगिरार्कळाम् .

हिन्दी अनु. मुट्ठीभर चावल के लिये गोद का बच्चा रो रहा है और यहां पैदा होने वाले के लिये चांदी का घुंघरु बना रहे हैं।

Eng. tr. It is said that they are making silver bells for the child about to be born, while the child on the lap is crying for a handful of rice.

पेट्र ताय् पशित्तिरुक्कप् पिरामण पोजनम् शेयदद्दु पोल.

हिन्दी अनु. यहाँ माँ भूखी मर रही है, वहाँ वह ब्राह्मण-भोजन का प्रबन्ध कर रहा है।

Eng. tr. Like feeding brahmins when one's mother is starving.

मगिमैप्पट्टुवनुक्कु मरणम्, माट्टुक्कारप् पेयनुक्कुच् शरणम्.

हिन्दी अनु. महात्मा को मौत, ग्वाले को पुरस्कार।

Eng. tr. Death to distinguished, homage to the cowherd.

वंदारै वाळ वैक्कुम्, मण्णिल् पिरंदारैत् तूंग वैक्कुम्.

हिन्दी अनु. यह मिट्टी आगन्तुकों को जीने देगी, यहाँ पैदा हुए लोगों को डुबो देगी।

Eng. tr. This soil will cause strangers to flourish, and natives to decay and sink.

वीट्टुप् पेणशादि वेंबुम् काट्टुप् पेण्शादि करुंबुम्.

हिन्दी अनु. पत्नी नीम, रखनी ईख।

Eng. tr. The wife is a margosa tree, the mistress sugar-cane.

शडैत्तंबिरान् तविट्टुक्कु अळुगिर्पोदु लिंगम् परमानंदत्तुक्कु अळुगिरदा ?

हिन्दी अनु. दाढीवाला साधु भूसे के लिये रो रहा है, यहाँ आराध्य देव शिवलिंग परमानंद के लिये चिल्लाएगा क्या ?

Eng. tr. When a religious mendicant is crying for bran, will the linga ask for delicacies ?

तेलुगु असलु देवुडु मूललु बडिते हनुमंतरायणि कि तेप्पतिरु नाळ्ळट.

हिन्दी अनु. मूल देव कोने में पड़ा है, और हनुमान के नाम मेला।

Eng. tr. The family God is thrown in the corner and there is a fair for Hanuman.

आग भोगालु अक्क कुडिस्ते, अंबटि परकलु बाव कुडिचिनाडु.

हिन्दी अनु. खीर खाती है बहन और मांडनी के छींटे बहनोई।

Eng. tr. Sister takes the puddings and her husband gruel.

इण्टिदेवर ईगिच्चस्ते पोलन्देवर गम्पज़ातर अडिगिनदट.

हिन्दी अनु. घर का साईं भूखों मर रहा है, और खेत की माई चाहती है झाबों का मेला।

Eng. tr. When the household deity was dying of hunger, the Goddess of the field demanded a basket procession.

ऎल्लिनदानिकि एगानि, ताचिंन दानिकि टंकम्.

हिन्दी अनु. चहेती (वेश्या) को दो पैसे, कुटनी को दो आने।

Eng. tr. Two paise for the prostitute and ten paise for the pimp.

ओज्जले कंकुलतो कालं गडुपुतुंटे शिष्युलकु ऊचबिय्यं ?

हिन्दी अनु. गुरुजन ही कच्चे धान से गुजारा कर रहे हैं, क्या शिष्यों को भूना धान चाहिये ?

Eng. tr. When the preachers are managing with raw maize, should the disciples get boiled rice ?

कडुपु कालि एडुस्तुंटे मनुवर्ति एमिस्तावु अन्नदट ?

हिन्दी अनु. मर्द भूखा मर रहा है, बहू पूछती है जीविका क्या दोगे ?

Eng. tr. The wife demands maintainance, when the husband is starving.

कडुपु कूटिकि एडिस्ते, कोप्पु पूलकु एड्चिन्दट.

हिन्दी अनु. पेट रोटी के लिए रोता है, तो जूड़ा फूलों के लिए रोता है ।

Eng. tr. When the belly cried for food, the hair (tuft) cried for flowers.

कन्नम्म कूडवलु पट्टक एडुस्तुंटे पिन्नम्मकु पेट्टरा पिंडप्रदानं अन्नट्लु.

हिन्दी अनु. माँ घड़ों भर रो रही है, और कहे मौसी को पिण्ड प्रदान कर दूँ ।

Eng. tr. The mother is profusely weeping and he wants to offer rice-balls to his aunt.

गुळ्ळो देवुनिकि नैवेद्यमु लेकुण्टे, पूजारि पुलिहोरकु एड्चिनाडट.

हिन्दी अनु. मंदिर में भगवान के लिए नैवेद्य समर्पित नहीं है, पुजारी पुलिहोर के लिए रो रहा है । (पुलिहोर नैवेद्यम से कीमती वस्तु है ।)

Eng. tr. While the idol in the temple is offered 'naivedyam', the priest is crying for pulihora. (Pulihora is more expensive than 'naivedyam.')

डब्बु इव्वनि वाडु पडव मुन्दर अेक्कुनु.

हिन्दी अनु. किराया न देने वाला नाव पर पहले चढ़ता है ।

Eng. tr. He that does not pay gets first into the boat.

तन पिल्ल चविटि केडिस्ते, लंजपिल्ल रावि रेकु केड्चिंदि.

हिन्दी अनु. अपनी बच्ची कांजी के लिए रो रही है, और रंडी की लड़की शिरोभूषण के लिए रोती है ।

Eng. tr. When his own child is crying for gruel, the child of his mistress cries for a chaplet.

तल्लिकि अन्नं पेट्टनिवाडु पिनतल्लिकि चीर पेट्टिनट्लु.

हिन्दी अनु. जो माँ को अन्न नहीं खिलाता, मौसी के लिये साडी मंगवाता है ।

Eng. tr. He who doesn't offer food to his mother gets a saree for his (maternal) aunt.

तार्टोटु गानिकि दध्यन्नम् विश्वासपात्रुडिकि वेण्णिळ्ळु अन्नम्.

हिन्दी अनु. ठग के लिए दहीं-भात, ईमानदार के लिए गरम पानी और भात ।

Eng. tr. The rascal gets rice and curds, and the honest one gets rice and warm water.

दोरकु तोंगोनु मंचं लेदु, बंटुकु पट्टुपरुपट.

हिन्दी अनु. लाटसाहब को सोने को खटिया नहीं, नौकर चाहे मखमल का पलंग ।

Eng. tr. The lord has no cot, but the valet wants a velvet bed-stead.

दोरसानिकि दुप्पटि लेदु तोत्तुकु तोगरु चीरे.

हिन्दी अनु. मेमसाहब को (ओढने को) चादर भी नहीं, और नौकरानी (रंडी) चाहे लाल रंग की साड़ी ।

Eng. tr. The lady has not even a sheet to cover, and her maid wants a red saree.

मूलविराट्टु तिरिप-मोत्तुकुंट्ट उंटे उत्सव विग्रहालकु तेप्प तिरुनाळ्ळट.

हिन्दी अनु. मूल देवता रोती पीटती और उत्सवमूर्ति (विग्रह) को चाहिये प्लवोत्सव।

Eng. tr. When chief God was weeping and begging, the minor God wanted a car-festival.

वण्डलेनि अम्मकु बोप्पुलु मेण्डु, तेलेनि अय्यकु तिण्डि मेण्डु.

हिन्दी अनु. रसोई न बनाने वाली की प्रशंसा अधिक और न कमाने वाले को खूब खाना।

Eng. tr. The lady who cannot cook gets much praise, the gentleman who doesn't earn his livelihood gets more food.

कन्नड आदायविद्दव उंड्डु सायलिल्ल, सालविद्दव तीरिसि सायलिल्ल.

हिन्दी अनु. कमानेवाला मरा खाये बिना, कर्ज़ वाला मरा चुकाये बिना।

Eng. tr. The man of income died without using it, the man of debt died without paying it.

आने तिम्बोदु सोप्पु, इरुवे तिम्बोदु सक्करे.

हिदी अनु. हाथी खाता है साग, चींटी खाती है चीनी।

Eng. tr. The elephant eats greens and the ant eats sugar.

गुरुविगे गुटुकु नीरु, शिष्यनिगे ओण्णे मज्जन.

हिन्दी अनु. गुरु को मिले चुल्लूभर पानी, और शिष्य को मिले तेल का स्नान।

Eng. tr. The preceptor gets hardly a handful of water, and the disciple enjoys oil-bath.

देवरिगे कंपु मनुष्यरिगे सोंपु.

हिन्दी अनु. भगवान को सुगंध, मनुष्यों को प्रसाद।

Eng. tr. Fragrance to the deity and sweets to the devotees (people).

संते सूळेय नेच्चि मनेय हेंडति बिट्ट.

हिन्दी अनु. बाजारु वेश्या पर विश्वास कर घर की पत्नी को छोड़ दिया।

Eng. tr. He gave up his wife trusting the shandy prostitute.

हनुमंतराय हग्ग तिन्नुवलि पूजारि शाविगे बयसिद.

हिन्दी अनु. हनुमान खाता है रस्सी और पूजारी को चाहिये सेवई।

Eng. tr. Hanuman eats a rope and the priest wished for vermicelli.

मलयाळम् अटुक्कु परयुन्नवनॅु अञ्जाळि, मुट्टं वेट्टुन्नवनॅु मुन्नाळि.

हिन्दी अनु. बातूनी को पाँच सेर और मेहनती को सिरफ तीन।

Eng .tr. A talkative gets five measures and a diligent only three!

अरियिट्टु वेच्चॅु उमियक्कुं पिणङ्ङुकयो ?

हिन्दी अनु. चावल छोड़ भूसे के लिए झगड़ा।

Eng. tr. Why fight for husk leaving aside rice?

२७

ऊँट के मुँह में जीरा।

आशय

जब कोई छोटी सी चीज बहुत बड़ी आवश्यकता होने वाले व्यक्ति को दी जाय तब उसे उस से क्या तसल्ली होगी ? उस की आवश्यकता तो पूरी नहीं होगी। यह देना तो बेकार है। इस भाव को लेकर निम्नलिखित कहावतें ग्रथित की हैं। तमिऴ की यह कहावत देखिये —"पहाड़ जैसे भगवान को तिलसा (छोटा) पुष्प चढ़ाया।"

Subject

When a very tiny amount of something is given to another that requires lots of it, these proverbs are said. For instance, the Tamil proverb — 'A flower, as small as a millet-seed, is dedicated to an idol as large as a mountain.'.

हिन्दी ऊँट के मुँह में जीरा।
Eng. tr. A cumin-seed in the mouth of a camel.
ऊँटरै पेटमें जीरैरो बघार। (राज.)
(ऊँट के पेट में जीरे का बघार।)
Eng. tr. A small amount of cumin-seeds for the camel.
ओसों प्यास नहीं बुझती।
Eng. tr. Thirst is not quenched with dew.

ENGLISH A drop in ocean.

उर्दू ऊँट के मुँह में जीरा।
Eng. tr. A cumin-seed in a camel's mouth.

पंजाबी ऊठ दे मूँह जीरा।
हिन्दी अनु. ऊँट के मुँह में जीरा।
Eng. tr. (To offer) cumin-seed to a camel.

कश्मीरी डून्य् ग्वलॅरॅ व्वलुर् पाजुन्।
हिन्दी अनु. अख़रोट के (सख्त-छिलके के) कटोरे से वुलर झील का पानी निकालना।
Eng. tr. To dessicate the Vular lake with the wal-nut-shell.
व्यथि नाबद् फोल।
हिन्दी अनु. वितस्ता (नदी) में मिश्री का टुकडा।
Eng. tr. Some sugar-candy in Zhelam river.

हसितिस् यड् फट् तुँ बंगि देलि वाठ्।

हिन्दी अनु. हाथी का पेट फटा तो बंग घास से जोड़ते रहे।

Eng. tr. The elephant's belly burst open and was stitched with hemp-skin.

हसि यड् गासुँ ग्यंड्।

हिन्दी अनु. हाथी के पेट के लिये गठरी भर घास।

Eng. tr. Handful of grass for an elephant's stomach.

मराठी डोंगरास दुःख आणि शिंपीभर औषध.

हिन्दी अनु. पहाड़ का दुःख (की बीमारी) और सींप भर दवा (औषधी)।

Eng. tr. Illness to the hill and medicine in a half oyster-shell for it.

रावणाच्या खाईला अडक्याचे दही.

हिन्दी अनु. रावण के खाने में धेले का दहीं।

Eng. tr. Curds worth a farthing for Ravana to eat.

समुद्रास दुखणे शिंपीत औषध.

हिन्दी अनु. समुद्र की बीमारी और सींप में दवा।

Eng. tr. The sea falls ill and is given medicine in a small shell.

हत्तीच्या गांडीला चातीचा दाग.

हिन्दी अनु. हाथी की गांड पर पैसे का दाग।

Eng. tr. A brand of a coin to the buttocks of an elephant.

हत्तीच्या दाढेमध्ये मिऱ्याचा दाणा.

हिन्दी अनु. हाथी के मुँह में मिर्च का दाना।

Eng. tr. One black-pepper in the jaw of an elephant.

गुजराती पाडानां मोढामां एलचीनो मुखवास.

हिन्दी अनु. बोदे के मुख में इलायची।

Eng. tr. Cardamom in the mouth of a male buffalo.

बाङ्ला हातीर पाये कुलेर आँटि।

हिन्दी अनु. हाथी के पैर तले बेर की गुठली।

Eng. tr. A seed-stone of a jujube under the foot of an elephant.

असमीया एक थाली आञ्जात एटा जालुक।

हिन्दी अनु. एक कड़ाही सब्जी में एक गोल मिर्च।

Eng. tr. One black-pepper in a cauldronful of curry.

च'रा नावे भरा श'ले, लुइतर कि गा विषाले ?

हिन्दी अनु. बड़ी नाव में यदि भारी बोझ हो, तो क्या ब्रह्मपुत्र का बदन ठनकेगा ?

Eng. tr. Would it cause any pain to Brahmaputra if a big vessel is loaded with heavy cargo?

हाथीर टिकात तरार फर्मुति।
हिन्दी अनु. हाथी के चूतड़ पर तरा की चोट। (तरा – एक जंगली झुरमुट।)
Eng. tr. A hit of a shrub on an elephant's buttocks.

ओड़िआ ओट मुँहकु जिरा।
हिन्दी अनु. ऊँट के मुँह में जीरा।
Eng. tr. A cumin-seed in the mouth of a camel.

हनुमान कु शंखे पणा।
हिन्दी अनु. हनुमान को एक शंख भर शरबत। (उस से क्या होगा!)
Eng. tr. A conchful of ' Sharbat ' to Hanuman.

हातीकु बरकोळि आधार।
हिन्दी अनु. हाथी को बेर का आधार।
Eng. tr. A meal of tiny berries to an elephant.

तमिऴ आनै पसिक्कु सोळप् पोरि तांगुमा ?
हिन्दी अनु. हाथी के मुँह के लिये जुआर का दाना पर्याप्त है क्या ?
Eng. tr. Is a millet-seed enough for the elephant ?

कडलिल् इट्ट पेरुंकायम्.
हिन्दी अनु. समुद्र में डाला गया हींग।
Eng. tr. Putting (casting) asafoetida into the ocean.

कडलिल् करैत्त पुळि.
हिन्दी अनु. समुद्र में मिलायी इमली।
Eng. tr. Tamarind dissolved in the sea.

मलै अत्तनै सुवामिक्कुत् तिनै अत्तनै पुष्पम्.
हिन्दी अनु. पहाड़ सदृश भगवान के लिये तिल सदृश पुष्प।
Eng. tr. A flower, as small as a millet-seed, is dedicated to an idol as large as a mountain.

तेलुगु एनुगुकु वेलगकायलु लोटलोट.
हिन्दी अनु. हाथी को कैथ चटकारा।
Eng. tr. A wood-apple is too small for an elephant.

एनुगुदाहानिकि चूरुनीळ्ळा ?
हिन्दी अनु. हाथी के प्यास के लिए ओरी का पानी ?
Eng. tr. Eavesdrip to quench the thirst of an elephant ?

कुंभकर्णुनि नोटिकि अरकासु मज्जिगा ?
हिन्दी अनु. क्या कुंभकर्ण के मुँह में आधे की छाछ ?
Eng. tr. What is a pennyworth of buttermilk for Kumbhakarna ?

कन्नड आनेय होट्टेगे अंबलि बिट्ट.
हिन्दी अनु. हाथी के पेट में पेज ।
Eng. tr. Rice gruel to an elephant.

आने होट्टेगे जोळद होदरे.
हिन्दी अनु. हाथी के पेट में ज्वार का दाना ।
Eng. tr. A grain of jowar to an elephant.

बोगसे नीरु अगसनिगे याके ?
हिन्दी अनु. चुल्लू भर पानी से धोबी क्या कर पायेगा ?
Eng. tr. What is a handful of water to a washerman ?

रावणन होट्टेगे अरकासिन मज्जिगे.
हिन्दी अनु. रावण के पेट के लिए दमड़ी का मट्ठा ।
Eng. tr. Half a pice worth of buttermilk for Ravana's stomach.

मलयाळम् आनवायिल् अम्पळङ्ङ.
हिन्दी अनु. हाथी के मुँह में आँवला ।
Eng. tr. A hog-plum in the mouth of an elephant. (A pitiful grist for such a huge mill.)

ईच्चतिन्नाल् पूच्चयुटे वयर् निर्युमो.
हिन्दी अनु. मक्खी खाने से बिल्ली का पेट थोड़े ही भरेगा ?
Eng. tr. If the fly is eaten, will the cat's stomach be full ?

२८

एक अनार सौ बीमार ।

आशय

जब कोई चीज थोडी हो और चाहनेवाले अधिक हो, तो इन कहावतों का प्रयोग होता है । यह भाव इस हिन्दी कहावत में एक पौराणिक दृष्टान्त के द्वारा प्रदर्शित हुआ है — " सहस्सर गोपी एक कन्हैया । "

Subject

When a certain thing is in small quantity and a large number of people want it, the following proverbs are used. A Hindi proverb expresses this best — ' A thousand milk-maids aspiring for one Krishna. '

हिन्दी अछत थोर देवता बहुत । (चंपा.)
(अक्षत (चावल के कण) थोड़ा, मूर्तियाँ बहुत ।)
Eng. tr. Small amount of rice and many Gods to receive offering.

एक अनार सौ बीमार ।

Eng. tr. Just one pomegranate and many indisposed (to ask for it).

एक गाछ हर्रे गांव भर खोंखी । (चंपा.)

पाठभेद एक पेड़ हर्रे सगरे गाँव खाँसी ।

(हर्र का एक ही पेड़ है और सारे गाँववालों को खाँसी हुई है ।)

Eng. tr. There is only one Myrobolan tree and the whole village has a cough. (हर्रा – Myrobolan. It is effective remedy for cough.)

एक नीम सौ कोढ़ी ।

Eng tr. One Neem tree and hundred lepres. (नीम leaves are said to be an effective cure for leprosy.)

एक सुहागिन नौ लौंडे ।

Eng. tr. One woman and nine boys after her.

एक बोटी सौ कुत्ते ।

Eng. tr. One piece of flesh and a thousand dogs for it.

नौ कूँडे और दस नेगी ।

Eng. tr. Nine platters and ten to receive them. (नेग is a present made to relatives and servants at weddings.)

रात थोड़ी कहानी बड़ी ।

Eng tr. The night is short and the tale long.

रात थोडी स्वांग बहुत ।

Eng. tr. The night is short and the play is long.

सहस्सर गोपी, एक कन्हैया ।

Eng. tr. A thousand milkmaids and one Krishna.

उर्दू एक सिर हज़ार सौदा ।

Eng. tr. One head and a thousand jobs.

पंजाबी इक कुड़ी सो जंझा, किदे किदे नाल वंझा ।

हिन्दी अनु. लड़की एक और सौ दुल्हे, किस किस से वह ब्याह रचाये ?

Eng. tr. One bride and hundred bride-grooms, with whom shall she marry ?

इक चना हेड़ कबूतरां दी ।

हिन्दी अनु. एक चना और कबूतरों की भीड़ ।

Eng. tr. One gram and a flock of pigeons to eat.

इक बोटी सो कुत्ते ।

हिन्दी अनु. एक बोटी सौ कुत्ते ।

Eng. tr. One piece of flesh and hundred dogs.

इक अनार सो बीमार ।

हिन्दी अनु. एक अनार, सौ बीमार ।

Eng. tr. One pomegranate and hundred patients.

बारां खरबूजे तेरां लागदार ।

हिन्दी अनु. बारह खरबूजे, तेरह खरीदार ।

Eng. tr. Twelve melons and thirteen purchasers.

कश्मीरी यचन् ज़नानन् पोनि कासुँनि तुँ चर्यन् मर्दन् बतुँ कासुँनि ।

हिन्दी अनु. अनेक स्त्रियाँ कम पानी, अनेक पुरुष कम धानी ।

Eng. tr. Many women, little water, many men, little rice.

सिंधी राति थोड़ी, साठ घणा ।

हिन्दी अनु. रात छोटी, विवाह की पूजा-विधियाँ ज्यादा ।

Eng. tr. The night is short but the wedding rituals too many.

मराठी एक भाकरी, सोळा नारी.

हिन्दी अनु. एक रोटी और सोलह स्त्रियाँ ।

Eng. tr. One loaf to be distributed among sixteen women.

रात्र थोडी सोंगे फार.

हिन्दी अनु. रात तो थोड़ी है बहुत है स्वाँग ।

Eng. tr. The night is limited but the guises are too many, (Referred to a play which has too many characters in it. This play being staged at night. A reference to the limit of night is made.)

गुजराती एक ऊंदर पर बावन बिलाडा.

हिन्दी अनु. एक चूहे पर बावन बिल्ली ।

Eng. tr. Fifty-two cats after one mouse.

एक दम ने हजार उमेद, एक कोठे एकावन उमेद.

हिन्दी अनु. एक दम और हजार उम्मीदें, एक बदन (शरीर) एकावन उम्मीदें ।

Eng. tr. One life and thousand desires, one body and fifty one aspirations (desires).

दीकरो एक अने देशावर ज्यादा.

हिन्दी अनु. लड़का एक और देसावर ज्यादा ।

Eng. tr. Only one son and many foreign lands (to visit).

रात थोडी ने वेश घणा, ने जोवा आव्यां तेर जणा.

हिन्दी अनु. रात थोड़ी (है) और वेष अधिक (निकालना है) और दर्शक मात्र तेरह हैं ।

Eng. tr. It's a short night and there are many masks to wear (parts to play), and only thirteen persons have gathered to witness.

सात वार ने नव तहेवार.
हिन्दी अनु. सात दिन और नौ त्यौहार।
Eng. tr. Seven days and nine festivals.

बाङ्ला आड़ाइ कड़ार कासुन्दि, सहस्र काकेर मेला।
हिन्दी अनु. अढ़ाई कड़ाह आचार, कौए आये हजार।
Eng. tr. For two and half pots of pickles, a thousand crows crowd.

एक कड़ार शिन्नी, आशी हाजार पीर।
हिन्दी अनु. एक कड़ाही सिन्नी, अस्सी हजार पीर। (जिन में बाटती है।)
Eng. tr. A potful of sweets and eighty thousand 'Pirs' (to whom the offerings are to be made).

असमीया एक बामुणर लोटा, सात बामुणर जोटा पोटा।
हिन्दी अनु. एक ब्राह्मण का लोटा, सात ब्राह्मणों का झगड़ा।
Eng. tr. There's only one utensil, and seven Brahmins fight for it.

ओड़िआ घर गोटिए, कुणिआ कोटिए।
हिन्दी अनु. घर एक, मेहमान करोड़।
Eng. tr. One house and a million guests.

तमिऴ ऊरुक्कोरु तेवडियाळ् यारुक्केन्रु आडुवाळ्.
हिन्दी अनु. गाँव की एक नर्तकी किस किस के लिये नाचेगी ?
Eng. tr. Only one dancer for the whole village, for whom would she dance ?

ॲेट्टुक् किळवरुम् ओरु मोट्टैक् किळवियैक् कट्टिक् कोण्डार्कळ्.
हिन्दी अनु. आठ बुड्ढों ने एक सरमुड़ी स्त्री से विवाह कर लिया।
Eng. tr. Eight old men conjointly took to a wife a shaven-headed old woman.

तेलुगु ऊरिकि ओक बोगमुदि, यवरिवद्द आडुमु.
हिन्दी अनु. सारे गाँव में एक नचनी, नाचे किस किस के सामने ?
Eng. tr. There is but one dancing girl in the village, for whom would she dance ?

गिंजलु मुत्तुमु, पिट्टलु पन्निद्दमु.
हिन्दी अनु. अनाज तीन तूमु, चिडियाँ बारह तूमु।
तूमु = ३२ सेर (आधी बोरी) पन्निद्दमु = १२ तूमु।
Eng. tr. Grains one and half a bag, sparrows in millions.

वड्लु मुत्तुम् पिच्चिकलु आर्दुम्.
हिन्दी अनु. अनाज तिगुना और चिड़िया छगुना।
Eng. tr. Three times of paddy, and six times sparrows.

कन्नड आसे अति, आयुष्य मिति.
हिन्दी अनु. आकांक्षाएँ अमर्याद हैं, आयु है छोटी।
Eng. tr. Desire is great, life is short.

मलयाळम् ओरु मारानुं उण्टुं; ओम्पतु कोविलिल् कोट्टुकयुं वेणम्.
हिन्दी अनु. ढोलची एक, मगर उसने बजाना चाहिये नौ मन्दिरों में।
Eng. tr. There is only one drummer, but his services are wanted in nine temples.

२९

एक आवे के बरतन

आशय

जिन का जननस्थान एक ही हो, एक ही जाती के हो, एक ही देश के निवासी हो, उन के स्वभाव में सामंजस्य होगा, गुणों में समानता होगी, आहार, आचार, विचार, व्यवहार में मेलजोल होगा। इसी भाव को ले कर यह कहावतों का गुच्छा जुटाया है। पंजाब की यह कहावत देखिये — "एक ही आवे की ईंटे।" सब सरीखी।

Subject

These proverbs are said for those that belong to one kind. This idea implies that those of the same group will have the same qualities and will never differ in kind. Take for instance the Panjabi proverb —" Bricks of the same kiln. " All alike.

हिन्दी एक आवे के बरतन।
Eng. tr. Vessels of the same kiln.

एक तरकश के तीर।
Eng. tr. Arrows from one quiver.

एक तवे की रोटी, क्या छोटी क्या मोटी ?
Eng. tr. They are cakes of the same girdle, whether small or great. (Spoken in answer to one who endeavours to make distinction between persons of one family or common descent.)

कुत्ती जाया कूकरिया अेके डोरे ऊतरिया। (राज.)
(कुत्तिया ने पिल्लों को जन्म दिये जो सब एक डोरे पर उतरे।)
Eng. tr. The new born pups of the bitch all looked alike.

तुलसी के पत्ता, कवन छोट कवन बड़।

Eng. tr. All the leaves are of Basil tree, small or large.

ENGLISH
1. Birds of the same feather flock together.
2. A chip of the old block.
3. Like to like and Nan to Nicholas.
4. Like will to like.
5. Chips of the same block.

उर्दू एक तरकश के तीर।

Eng. tr. Arrows of the same quiver.

एक तोले की रोटी, क्या छोटी क्या मोटी।

Eng. tr. Loaves of tha same mould are all equal.

एक हमाम में सब रास भी नंगे।

Eng. tr. All bathers in one bath are naked.

मूँग मोठ में छोटा बड़ा कौन।

Eng. tr. Who is big or small in 'Moong' or 'Moth' (two varieties of small pulses).

पंजाबी इक तवे दी रोटी, की छोटी की मोटी।

हिन्दी अनु. एक तवे की रोटी, क्या छोटी क्या मोटी।

Eng. tr. Breads baked on the same hot-pan, how small or big can they be?

इको आवेदीआं इटां।

हिन्दी अनु. एक ही आवे की ईंटें।

Eng. tr. Bricks of the same kiln.

कश्मीरी अकी जंडुकि पय्वन्दुं।

हिन्दी अनु. एक ही फटे वस्त्र के पैवन्दे।

Eng. tr. Jointed tatters of the same rag.

शाल्युन् ब्योल् छु ह्युहुय्।

हिन्दी अनु. शाली का बीज एक सा।

Eng. tr. Shali seeds are all alike.

सिंधी आंधि बि काणी, मांधि बि काणी, काणी असांजी डगी, वञी चउ अबे खे, आउं बि घणनि गड्डी।

हिन्दी अनु. 'आंध' भी कानी है, 'मांध' भी कानी है, हमारी गाय भी कानी है। जा कर बाबा से कहना कि दूसरे भी मेरे समान ही हैं। (कानी लड़की का विवाह हो गया। पिता को चिन्ता थी कि ससुराल में न जाने उस के साथ कैसा व्यवहार होगा। लेकिन ससुराल में भी सभी काने थे। अतः लड़की के साथ कोई दुर्व्यवहार न हुआ। जब सभी एक जैसे मिलें तब कहते हैं।)

Eng. tr. 'Andh' is also one-eyed, 'Mandh' is too, and so is our cow. Go and tell my father that the others are like me too. (The one-eyed daughter got married. Her father was worried about how she would be treated in her 'in-laws', but it so turned out, that even in her 'in-laws', people were one-eyed and so she sends a word to her father to rest his mind.)

खोरीअ खे घुसिरो।

हिन्दी अनु. एक ही थैली के चट्टे बट्टे हैं।

Eng. tr. They are like the conjurer's implements from the same bag. (i. e. these people are of the same sort.)

रिढ़ं मिडेई बूथ कार्यूं।

हिन्दी अनु. भेड़ें सभी काले मुँह वाली।

Eng. tr. All the sheep have a black face.

मराठी एकाच लेंडाचे कुडके, एक घाणता नि एक परमाळता. (गो.)

हिन्दी अनु. एक लेंडी के दो टुकड़े, एक में बदबू, एक में दुर्गन्ध।

Eng. tr. Pieces of the same excreta, one emits a bad smell and the other stinks.

एका तागडीची पारडी.

हिन्दी अनु. एक ही तराजू के पलड़े।

Eng. tr. The pans of the same balance.

एका माळेचे मणी, एक सारखे गणी.

हिन्दी अनु. एक माला की मनियाँ एक जैसी गिनी जाती हैं।

Eng. tr. The beads of the same rosary are all alike.

गुजराती एक वांसना बोहिया, ने बधां सरीखा होइयां.

हिन्दी अनु. एक बाँस की पोर सब समान होती हैं।

Eng. tr. All sections of a bamboo are similar.

माळाना मणका बधा सरखा.

हिन्दी अनु. माला के मणी सब समान होते हैं।

Eng. tr. Beads of a rosary are all similar (equal).

सरखे माथा सुदामडा.

हिन्दी अनु. सुदामडा गाँव में सब लोग समान।

Eng. tr. Equal heads at Sudamda. (Sudamda, a name of a village in Kathiawar where distinction between old and young, great or small was not made.)

बाङ्ला एक गोयालेर गरु.

हिन्दी अनु. एक गौशाला की गायें।

Eng. tr. Cattle of the same cowshed.

एक लाउयेर बिचि, —केउ वा करे कचर मचर, केउ वा आछे कचि।

हिन्दी अनु. एक लौकी के बीज, कोई करे कचरमचर (बहुत पके हुए), और कोई एकदम कच्चे। (यह हो नहीं सकता।)

Eng. tr. The seeds in a gourd; some ripe and some raw. (An impossible thing — when it ripens, all the seeds in it ripen.)

तुइ खल्से, मुइ खलसे, एकइ बिलेर माछ ;
तोर मरणे मरबो आमि (आमार) कोमर धरे नाच।

हिन्दी अनु. तू भी 'खालसा' (मछली), मैं भी खालसा, एक ही पोखर की मछलियाँ; तू मरे तो मैं भी मरूँगी, मेरी कमर पकड़ कर नाच।

Eng. tr. You are a 'Khalasa' fish, so am I. We belong to same pond. Your death will also mean my death. Dance with me holding my waist.

रामा धोपा, श्यामा धोपा — सब बेटारइ एक चोपा।

हिन्दी अनु. रामा धोबी, श्यामा धोबी, सब बेटों का एक सा मुँह।

Eng. tr. Rama, the washerman, and Shyama, the washerman — all of them have the same (glib) mouth.

असमीया एके गछर पान, सि कि ह'ब आन।

हिन्दी अनु. एक ही पेड़ के पत्ते, क्या निराले होंगे? (सब समान होंगे।)

Eng. tr. Leaves of the same tree, what difference could there be?

नाच बगी नाच, घाटर चेलेकना माछ; तयो बगी,
मयो बगी एकेखन बिलेर माछ।

हिन्दी अनु. नाच गोरी नाच, घाट की "चेलेकना" मछली,
तू भी गोरी, मैं भी गोरी, एक झील की मछली।

Eng. tr. Dance my friend, oh, 'chelekana' fish! I am white and you are white, we belong to the same lake.

ओड़िआ एका चाहालिर पाठ, एका अवधान चाट।

हिन्दी अनु. एक पाठशाला की पढ़ाई, एक गुरु के चेले।

Eng. tr. Trained in the same school, students of the same teacher.

एका लाउर मंजि।

हिन्दी अनु. एक ही लौकी के बीज।

Eng. tr. The seeds of the same white gourd.

तुळसी पत्रे रे कि सान बड़।

हिन्दी अनु. तुलसी पत्र में क्या छोटा क्या बड़ा?

Eng. tr. What is there to fuss about the big and small in regard to basil leaves?

तेलुगु आतानुल्लो गुड्डे.
हिन्दी अनु. एक ही थान (ताने) का कपडा।
Eng. tr. Cloth of the same warp.

आ बुर्लो वित्तनाले.
हिन्दी अनु. उसी ढाँचे के बीज।
Eng. tr. They are the seeds of the same bowl. (coming from the same bad stock.)

कन्नड ओन्दे गरडि कट्टाळु.
हिन्दी अनु. एक ही अखाड़े के पट्ठे।
Eng. tr. Wrestlers of the same gymnasium.

मलयाळम् इनम् इनत्तिल् चेरुम् ओरण्ड वेळ्ळत्तिल् चेरुम्.
हिन्दी अनु प्रेमी से प्रेमी मिलेगा, जैसा मुर्गाबी पानी से।
Eng. tr. Mates join together, as a seagull with water.

ओरे अच्चिल् वार्त्तु.
हिन्दी अनु. एक ही साँचे में ढले हुए।
Eng. tr. Cast in the same mould.

संस्कृत समानशीलव्यसनेषु सख्यम्।
हिन्दी अनु. समान चारित्र्य वालों में मित्रता पनपती है।
Eng. tr. Friendship develops only with those who are of a similar character or with those who undergo similar kinds of difficulties.

३०

एक करे, सजा दूसरे को।

आशय

इस दुनिया में न्यायप्रिय, पापभीरु सज्जनों के लिये जगह कहाँ ! इस जगत में सब बातें न्याय से होती हैं, कायदे से होती हैं, ऐसी तो बात नहीं। पग पग पर अन्याय ही अन्याय दिखायी देता है। एक गुनाह करता है और भाग जाता है, दूसरा निरपराध व्यक्ति पकड़ा जाता है, सजा भुगतता है। एक के अपराध की सजा किसी और को भुगतनी पड़ती है। इसी भाव को ले कर निम्नलिखित कहावतें जोड़ी गयीं हैं। देखिये हिन्दी की यह कहावत – 'चुरावे नथवाली, नाम लगे चिरकुटवाली का।'

Subject

The world is not always a just place to be in. Injustice is seen everywhere. One does the deed while the other is punished. For example the Hindi proverb – ' A woman with a nose-ring steals and the ragged wench is charged with it. '

हिन्दी अगला करे पीछले पर आवे ।

Eng. tr. The former commits a fault and the latter suffers.

अड़ो दड़ो बऊड़ीरै सिर पड़ो । (राज.)

(सारा गड़बड़घोटाला बहू के सिर पड़ो ।)

Eng tr. Let all the mistakes be burdened on the daughter-in-law's head.

आप भूले, उस्ताद को लगाम ।

Eng. tr. For the mistake of the pupil, the master is blamed.

ऊँट खुड़ावै गधो डांभीजै । (राज.)

(ऊँट खुड़ाता है, गधा दागा जाता है ।)

Eng. tr. The camel limps and the donkey gets branded for it.

करे कल्लू, भरे लल्लू ।

Eng. tr. Kallu does the deed and Lallu pays for it.

करे दाढ़ीवाला, पकड़ा जाए मूछोंवाला ।

Eng. tr. The long beard did it and the moustaches suffered. (A man with long beard is respected, whereas one with a moustache only is distrusted.)

खसी मारि घरवैया खाय हत्या नेने पाहुन जाय । (मुज.)

(खस्सी मार कर खाया घरवालों ने और उसकी हत्या का दोष मढ़ा गया अतिथि के सिर ।)

Eng. tr. The goat was killed and devoured by the family members, but the sin of killing was borne by the guest.

खावै सूर कुटीजै पाडा । (राज.)

पाठभेद चरग्या सूर कुटीज्या पाडा । (राज.)

(खाते हैं सूअर, पीटते हैं पाड़े ।)

Eng. tr. The pigs eat and the bull-calves get beaten.

खेत चरै गदहा, मारा जाय जोलहा ।

पाठभेद गधा खेत खाय और जुलाहा पीटा जाय ।

Eng. tr. The donkey grazed in the field and the poor weaver was punished.

चुरावे नथवाली, नाम लगे चिरकुटवाली का । (स्त्री.)

Eng. tr. A nose-ringed woman steals, and a ragged wench is charged with it.

तबेले की बला बंदर के सिर ।

(किसी की आफत किसी अन्य असंबद्ध व्यक्ति के सिर ।)

Eng. tr. The trouble of the stable was diverted to the monkey.

नानी खसम करै दोहीतो डंड भरै । (राज.)

(नानी खसम करती हैं और नाती दंड भरता है ।)

Eng. tr. The grandmother gets married and the grandchild pays the fine.

पाड़ोसण छड़े खीच, धमको पड़े म्हारै सीस । (राज.)

(पड़ोसिन खिचड़ा छड़ती हैं, धमाका मेरे सिर पड़ता है ।)

Eng. tr. The neighbour-woman pounds the corn and the bump comes on my head.

सजा मारे गाजी मियां, मार खाय डफाली । (चंपा.)

(डफाली - तानपुरा बजा कर गानेवाला ।)

Eng. tr. Mr. Gazi enjoys and the musician gets a beating.

मांस भात घरवइया खइहेन हतेआ लेके पाहुन जइहें । (चंपा.)

(मांस-भात खायेगी घरवाली और हत्या का दोष अतिथी के सिर ।).

Eng. tr. The meat and rice will be eaten by the housewife, and the sin of killing will fall on the guest's head.

सौतिन में खटपट सास बदनाम ।

(अनबन है सौतों में, सास बदनाम हो रही है ।)

Eng. tr. The co-wives quarrel between themselves, and the mother-in-law is defamed.

ENGLISH The tongue talks at the head's cost.

उर्दू कर जाये दाढीवाला पकड़ा जाये मुँछोंवाला ।

Eng. tr. The one with a beard does the deed and the one with moustaches gets caught.

नानी खसम करे, नवासा चट्टी भरे ।

Eng. tr. The grandmother goes astray and the grandson pays the fine. (One is punished for the crime of other. Allusion to the custom of fining a family by the caste-panchayat when one of its female members goes astray.)

बिबि खता करे बाँदी पकडी जाय ।

Eng. tr. The wife makes a mistake and the maid-servant gets caught.

पंजाबी कोठे तों डिग्गी, वेड़ेनाल रुस्सी।
हिन्दी अनु. छत से गिरी, आँगन को दोष।
Eng. tr. She fell from the roof and was annoyed with the courtyard.

चटटी पेइ माहर ते, ते माहर घत्ती शेहर ते।
हिन्दी अनु. मुखिया को जुर्माना हुआ और सारे शहर ने भरा।
Eng. tr. The chief was fined and he made the village pay it.

कश्मीरी अपारिम्यव् मुन् दानि, य पोरिम्यन् गयि अथन् हठ्।
हिन्दी अनु. उस पारवालों ने चावल कूटे, इस पारवालों के हाथों में छाले पड़ गये।
Eng. tr. Men on the other side pestled the grain and blisters appeared on the hands of men on this side.

इस्लामाबादुँ खेयेयि वूँटन् कपस् बरुमुलि वंटुँख् दूनिसूनस्।
हिन्दी अनु. इस्लामाबाद में ऊँट ने कपास खाया तो बारामुला में जुलाहे की नाक काटी गयी।
Eng. tr. The camel ate up the cotton at Islamabad and the nose of the weaver of Baramullah was cut.

चूरस् फुट् ख्वर् तुँ पीरस् मोरुख मुरीद।
हिन्दी अनु. चोर का पैर जो टूटा, पीर का चेला पीटा गया।
Eng. tr. The thief broke his foot and the Pir's disciple was punished.

पिशि करि ग्वनाह् वगुँविस् चोब् वुछ्तव् लूकव् तमाशाह्।
हिन्दी अनु. पिसू ने पाप किया और मार पड़ी चटाई को। देखिए लोगों, यह तमाशा।
Eng. tr. The flea sinned and the matting got the beating. Behold O people, the fun.

ख्यव् चव् रंगुँचरि कांटुर् लोग् वालुँबरि।
हिन्दी अनु. खाया-पिया रंगीन चिड़िया ने, जाल में फँसा चरोटा।
Eng. tr. The colourful hen-sparrow ate and drank, while the cock-sparrow got caught in the net.

बुतिनि बलायि तुत।
हिन्दी अनु. एक की बला दूसरे को।
Eng. tr. Punish one for another.

सिंधी अटो खाधो कुए त मार पेई गाबे ते।
हिन्दी अनु. आटा खाया चूहे ने तो मार पड़ी बछड़े पर।
Eng. tr. The mouse ate the flour, but the beating fell on the calf.

खट्यो खाए खतेजा, धक जले धीणसि।
हिन्दी अनु. कमा कर खाता है खतेजा (नामविशेष), तो सजा मिलती है उसकी बेटी को।
Eng. tr. Khateja enjoys the earnings, his daughter bears the blows.

खट्यो खाए फ़क़ीरु, लठ्यूं झले भोलिड़ो।
हिन्दी अनु. कमा कर खाता है फ़क़ीर, लाठियां पडती है बंदर पर।

Eng. tr. The Fakir earns his own bread while the stick falls on the monkey's head.

ठाठु निएं हिकिड़ो ठिकरु डिए घणनि खे।

हिन्दी अनु. बरतन चुराए एक, लेकिन कलंक आए बहुतों पर।

Eng. tr. One carries away a pot and many are blamed.

बासणु हिकिड़ो खणे, ठिकरु घणनि खे अचे।

हिन्दी अनु. बरतन एक उठाए, कलंक बहुतों पर आए।

Eng. tr. The vessel is stolen by one, and a number of others get the blame.

वटो खणे हिकिड़ो, वाट बिजाए सभिनी जी।

हिन्दी अनु. कटोरा उठाए एक, और रास्ता सभी का बंद करे।

Eng. tr. One picks up metal bowl, but blocks the way of everyone.

मराठी अपराध केला शिष्याने आणि गुरुला आले धरणे.

हिन्दी अनु. अपराध किया शिष्य ने और भुगतना पड़ा गुरु को।

Eng. tr. The pupil commits crimes while the teacher gets caught.

आंकल्याकरानी पातक केल्यार कुमठेकराना दंड किल्याक? (गो.)

हिन्दी अनु. आंकलेवालों ने पाप किया तो कुमठेवालों को दण्ड क्यों?

Eng. tr. When Anklekar commits a crime, Kumthekar gets punished. (Ankle and Kumthe are names of villages.)

कोणाच्या गाई म्हशी आणि कोणाला उठा बशी.

हिन्दी अनु. किस की गाय भैंसे और किस को झंझट।

Eng. tr. Whose cattle are they and who runs about to care for them!

घोगत्या झवे गाव, तुरेवाल्याचे नाव.

हिन्दी अनु. चिल्लानेवाले को सारा गाँव चोदता है, लेकिन बदनाम होता है तुर्रेवाला।

Eng. tr. The whole village copulates the Innocent, but one with a crest is defamed.

चोर सोडून संन्याशाला सुळी.

हिन्दी अनु. चोर को छोड़ कर संन्यासी को फाँसी।

Eng. tr. The thief is let loose while 'sanyasi' is in the noose.

चोराची सुटका आणि सावाला फटका.

हिन्दी अनु. चोर की रिहाई और साधु की पिटाई।

Eng. tr. The thief is let loose while a gentleman (or sadhu) gets the blow.

ढोरानं ढोर मेलं, कुत्र्याच्या गळयात घाटरूं आलं.

हिन्दी अनु. जानवर से जानवर मरा, कुत्ते के गले में साँकल पड़ा।

Eng. tr. The animal was killed by another and the chain was clasped round the dog's neck.

न्हिद्लो न्हिदून गेलो, सोप्यावैल्याचो आंड कापलो.

हिन्दी अनु. (पलंग पर) सोने वाला सो कर गया और चौपाल में सोए का लंड़ काटा।

Eng. tr. One slept with the woman and the other one who was sleeping in the verandah got his testicles cut.

मुल्ला अपराधी काजीस दंड.

हिन्दी अनु. मुल्ला अपराधी, काज़ी को दंड।

Eng. tr. When the ' Mullah ' is a criminal, the ' Kazi ' gets punished.

मेमटा घेतो चिमटा, भडभड्याचा बोभाटा.

हिन्दी अनु. चुप्पा चुटकी काटता है और बकनेवाला बदनाम होता है।

Eng. tr. The sly and dumb one pinches and the talkative one is held responsible.

शेत खाल्लं लोधडीनं अन् मार खाल्ला गधडीनं.

हिन्दी अनु. खेत खाया नील गैया ने और मार पड़ी गदही पर।

Eng. tr. Fields are eaten by the white footed antelope, while the ass gets the beating.

सोनूबाईनं चोरली सरी आणि साळूबाईच्या गळ्यात बांधा दोरी.

हिन्दी अनु. सोनूबाई ने चुराई हँसली और साळूबाई के गले में डोरी।

Eng. tr. Sonubai robbed the necklace but Salubai finds the noose round her neck.

हिमटी घेई चिमटा न् भडभडीचा बोभाटा.

हिन्दी अनु. चतुर काटे चिँउटा और नटखट हो जाए बदनाम।

Eng. tr. A shy and mean person pinches but people talk about the one who jabbers most.

गुजराती **आईनो खार बाईपर.**

हिन्दी अनु. आई की खार बाई पर। (सासू की खार बाई पर।)

Eng. tr. Grudge (rancour) against the mother shown against the wife (or maid servant).

ओर खाय ने पाडोशी दंडाय.

हिन्दी अनु. और कोई खावे और पड़ौसी को दंड दिया जावे।

Eng. tr. Someone else eats away and the neighbour is punished.

एक गलीमां आवनजावन, ने वचमां मेली साकर
दाढीवाला खाई गया, ने मूछवालाने पकड्या.

हिन्दी अनु. एक गली में आना जाना, और बीच में रखी मिश्री; दाढ़ीवाले खा गये, और मूछवालों की धरपकड़।

Eng. tr. In the middle of a lane of busy trafic was kept sugar; the bearded ones ate it away and (those) with moustaches were arrested.

काछीयो मरे ने कुंभारने डामे.

हिन्दी अनु. कूँजड़ा मरे और कुम्हार जलाया जावे।

Eng. tr. The vegetable-seller dies and the potter is branded.

घोडो घोडी पासे जाय, ने चरबेदार खासडां खाय.

हिन्दी अनु. घोड़ा घोड़ी के पास जाय और चोबदार जूते खाय।

Eng. tr. The horse approaches the mare, and the groom is beaten with shoes.

छीपण छीनाल करे, ने घांचीनां बळद जाय.

हिन्दी अनु. रंगारी की औरत छिनाला करे और तेली का बैल जाय। (मारा जाय।)

Eng. tr. The cloth-printer's wife is adulterous and the oilman's bull is killed.

जिभली करे आल पंपाल, तो खांसडां खाय कपाल.

हिन्दी अनु. जीभ करे भूल तो जूते खाय कपाल।

Eng. tr. The tongue errs and the forehead is beaten with shoes (punished).

धावी जाय पाडो, ने आवी जाय पाडी ने माथे.

हिन्दी अनु. बछड़ा (भैंस के थन से) दूध पी जावे और (आरोप) बछिया के सिर पर आवे।

Eng. tr. The male young of the buffalo sucks the milk, but the female calf is blamed.

भेंसनुं पाप गायने नडे।

हिन्दी अनु. भैंस का पाप गाय को लगे।

Eng. tr. The sin of a buffalo comes in the way of a cow (embarasses or hinders a cow).

बाङ्ला काक खेले काँठाल आर बकेर मुखे आठा।

हिन्दी अनु. कौवे ने खाया कटहल और बगुले के मुँह में गुठली।

Eng. tr. The crow eats the jack-fruit and the crane (is charged) is having the fruit stones in his beak.

घोल खाबेन रामकृष्ण, कड़ि देबे कालु।

हिन्दी अनु मट्ठा पिएगा रामकृष्ण, दाम देगा कालू।

Eng. tr. Ramkrishna will drink the buttermilk, and Kalu will pay for it.

चोरा थुये निचोरारे धरे, चोरा नाचे आपन घरे।

हिन्दी अनु. चोर को छोड़ भले आदमी को पकड़े, और चोर मजे में नाचे अपने घर में।

Eng. tr. Catch a good person instead of the thief, the thief will dance with joy in his house.

धुकड़िते धान धरे ना, बेनेके धरे मारे।

हिन्दी अनु. झोली में धान नहीं रहता, तो बनिये को पकड़ कर मारते हैं।

Eng. tr. The bag is inadequate to hold the grains and the grocer is beaten.

घाँड़े धान खाय, ताँती बाँधा याय।

हिन्दी अनु. साँड़ धान खाय, जुलाहा बांधा जाय।

Eng. tr. The bulls eat the grains, poor weaver is arrested.

असमीया एक बराइ धान खाय, एक बराइ हान खाय।

हिन्दी अनु. एक सूअर धान खाता है, दूसरा बरछी से बिंधा जाता है।

Eng. tr. One hog eats rice, another hog is pierced by a javelin.

केर्केटुवाइ तामोल खाय, नेउलक बान्धि कोबाय।

हिन्दी अनु. गिलहरी सुपारी खाती है, नेवले को बांध कर पीटा जाता है।

Eng. tr. The squirrel eats the arecanut, the mongoose is tied up and beaten.

खाइ काँरशला डालत उठिल्, काठिचेलेकार मरण मिलिल।

हिन्दी अनु. साँप काट कर पेड़ पर चढ़ा, और मौत आयी छिपकली की।

Eng. tr. The snake bites and climbs the tree, but death is meted out to the lizard.

दुष्टर लट-पट सन्तर मरण।

हिन्दी अनु. दुष्ट लट-पट कर निकल जाए, मौत होवे साधु की।

Eng. tr. The wicked will get out of difficulties by fair or foul means, saints will suffer.

भुरुत करे गोपीनाथ, कल खाले जगन्नाथ।

हिन्दी अनु. गोपीनाथ भाग निकले, जगन्नाथ केला खाते पकड़े गए।

Eng. tr. Gopinath slipped away and the blame of eating plantain came to Jagannath.

ओड़िआ काउ हगि देइ चम्पट, बग बिचरा धरा पडिला।

हिन्दी अनु. कौआ हग कर (बीट कर) उड़ गया, बगुला बेचारा पकड़ा गया।

Eng. tr. Crow escapes after shitting, the poor crane gets caught.

देश लोके पणस खाइले, भण्डारि मुंडरे अठा।

हिन्दी अनु. गाँव वाले कटहल खाएँ और नाई के सिर पे गोंद पोत दे।

Eng. tr. Tha village folk ate the jack-fruit, but the sticky gum was placed on the barber's head.

पणस खाय किए? भण्डारी मुण्डरे अठा बोळा जाए।

हिन्दी अनु. कटहल खाए कौन? नाई के सिर पर पोछा जाए गोंद।

Eng. tr. Who eats the jack-fruit ? The poor barber gets the (as others eat the jack-fruit) gum on his head.

तमिळ अेय्तवन् इरुक्क अंबै नोवानेन?

हिन्दी. अनु. बाण चलानेवाले के रहते बाण को दोष क्यों दे?

Eng. tr. Why blame the arrow, letting the archer go free?

कत्तरिक्काय् शोत्तै अेन्राल् अरिवाळ् मणैक् कुट्म् अेन्किराळ्.

हिन्दी अनु. बैंगन बिगड़ गया है, वह कहती है कि चाकू में दोष है।

Eng. tr. When it is said that the brinjal is worm eaten, she imputes it to a defect in the knife.

तेंगाय् तिन्रवन् तिन्नक् कोंबै शूप्पिनवन् देण्डम् अिरुक्किरदा ?

हिन्दी अनु. नारियल को खानेवाले खाये और अधपके नारियल को चाटनेवाले जुरमाना दे। (यह कहाँ का न्याय है ?)

Eng. tr. While he who ate the kernel of the coconut escapes with impunity, is he who sucked the fibre to pay the fine.

पळिक्कु आनोर् शिलर् पळि पडुवोर् शिलर्.

हिन्दी अनु. पाप करे कोई, फल भोगे कोई।

Eng. tr. One commits the crime, and another suffers the penalty.

पावम् ओरु पक्कम् पकि ओरु पक्कम् .

हिन्दी अनु. पाप किया एक ने, कालीख लगी दूसरे पर।

Eng. tr. One committed the sin and the other suffered for it.

तेलुगु अेद्दु चेनु मेसिपोते, गाडिदकु चेवुलु कोसिनट्लु.

हिन्दी अनु. बैल खेत में चर कर चला गया, गधे के कान काटे गये।

Eng. tr. The bull grazed in the field, and the ears of the ass were cropped.

कूतरु कनलेक-पोते अल्लुडिमीद पडि एड्चिनट्लु.

हिन्दी अनु. बेटी जन न सकी तो दामाद पर गुस्सा।

Eng. tr. When the daghter didn't deliver, the son-in-law abused.

तिन्नकुक्क तिनिपोते, कन्नकुक्कनु काळ्ळुविरगकोट्टिनट्टु.

हिन्दी अनु. जिस ने खाया वह कुत्ता चला गया, दूसरे कुत्ते की टांग तोड़ दी।

Eng. tr. The dog that had eaten, ran off, and the leg of another dog was broken (by him).

कन्नड तन्न संकटक्के मक्कळ हेत्तु गाणिगन कुत्तिगेगे कट्टिदळु.

हिन्दी अनु. अपनी गरज से बच्चे जने और तेली के गले मढ़ाये।

Eng. tr. She gave birth to children for her own agony and tied them up to the oilman's neck.

बुद्धिवंत बेण्णे तिंदु अप्रबुद्धन बायिगे ओरसिद.

हिन्दी अनु. बुद्धिमान मक्खन खाता है, और मूर्ख के मुँह पर पोत देता है।

Eng. tr. The clever one eats the butter and smears with it the face of the dull one.

मंग बेण्णे तिंदु आडिन बायिगे ओरेसितु.

हिन्दी अनु. बंदर खुद मक्खन खावे और बकरी के मुँह पर पोत दे।

Eng. tr. The monkey itself eats the butter and smears it on the face of the goat.

हण्णुतिंदव नुनुचिकोंड, सिप्पे तिंदव सिक्किकोंड.

हिन्दी अनु. फल खानेवाला भाग गया, छिलका खानेवाला पकड़ा गया।

Eng. tr. The fellow who ate the fruit slipped away, the fellow who ate the skin of the fruit was caught.

मलयाळम् कट्टतु आरान्, कोमट्टिये केळुवेरिं.

हिन्दी अनु. किसी ने चोरी की, कोमट्टि को सजा मिली।

Eng. tr. One committed the theft and poor Komatti was punished.

संस्कृत शिष्यापराधे गुरोर्दण्डः।

हिन्दी अनु. शिष्य के अपराध के लिए गुरु को दंड।

Eng. tr. For the fault of a pupil his teacher has been punished.

३१

एक तो करेला, दूसरे नीम चढ़ा।

आशय

जब किसी में कोई दोष हो, और कोई विशेष अनुकूल परिस्थिती में जब वह दोष दुगना, चौगुना बढ़ता जाता है तब वह दोष और ही भयानक रूप धारण करता है। किसी की इस कमी को या दोष को या स्वभाव विशेष को बढ़ानेवाली परिस्थिती प्राप्त होती है, चाहे वह किसी वस्तु या हथियार के रूप में हो, या संगति के प्रभाव के कारन हो, या परिस्थिती की महिमा हो, इन कहावतों का प्रयोग किया जाता है। तेलुगु की यह कहावत देखिये — "एक तो बंदर, तिस पर शराब का नशा, और ऊपर बिच्छू का दंश।" यही कहावत संस्कृत तथा अन्य कई भारतीय भाषाओं में भी पायी जाती है।

Subject

When one has a particular fault or weakness and then one is given an instrument to increase it with, the following proverbs are said. For instance, the Telegu proverb — " Firstly a monkey, moreover drunk, and stung by a scorpion."

हिन्दी एक तो गड़रिन, दूसरे लहसुन खाये।

(एक तो गड़रिन भेड़ों के बीच में रह कर यों ही दुर्गंधीवाली होती है, उस पर लहसुन खा लेने पर तो कहना ही क्या?)

Eng. tr. Already a maid-cowherd and moreover she has swallowed the garlic.

कालमें इधकमासो। (राज.)
(अकाल में अधिक मास।)

Eng. tr. An extra month arrives at the time of famine.

जवानी और उस पर शराब, दूनी आग।

Eng. tr. Youth, and wine added to it ! O ! it's double fire.

एक तो करेला कड़वा, दूसरे नीम चढ़ा।

Eng. tr. Firstly bitter-gourd is bitter of itself and next it has been added to neem leaves. (Both karela and neem are exceedingly bitter. To express that a man naturally of a bad disposition has become worst by associating with evil companions.)

एक तो कानी बेटी ब्याही, दूसरे पूछनेवालोंने जान खाई।

Eng. tr. First I married my son to a one-eyed girl and now they worry me with questions (as to the looks of the bride).

एक तो कानी थी, दूसरे पड़ गया कुनक।

Eng. tr. Firstly she had only one eye, secondly (cataract) grit got into it.

एक तो डाइन, दूसरे हाथ लुआठ।

Eng .tr. A witch with a torch in her hand. (A very dangerous person.)

गंजी पनिहारी और गोखरु का हंडुवा (इंडुवा)।

Eng. tr. A bald water-bearer and a pad of thorns. (हंडुवा is a pad placed on the head for protecting it from the articles borne on it.)

एक तो बुढ़िया नाचनी, दूजे घर भा नाती।

Eng. tr. The old hag was already pompous, and she got a grand-daughter.

एक तऽ मियां बुरबक दोसर तोतराह। (दर.)

Eng. tr. Already a fool and a stammerer in addition.

तीन आँगळरो लिलाड़ जकेमें ही दो सळ। (राज.)
(तीन अंगुल का ललाट और फिर भी दो सलवाला।)

Eng. tr. The forehead is only three-fingers large, and there are two wrinkles on it besides.

पतळी छाछ, भळै पाणी पड्यो। (राज.)
(एक तो छाछ पतली थी, फिर पानी पड़ गया।)

Eng. tr. The butter milk was already thin, and besides water fell into it.

सोमोती अमावस अर सुकरवार। (राज.)
(सोमवती अमावस और शुक्रवार।)

Eng. tr. It is Somawati Amavas and Friday besides. (Both inauspicious.)

ENGLISH 1. To hold a candle to the devil.
2. Greasing the fat sows tail.

उर्दू एक तो कड़वा करेला दूसरे नीम चढ़ा।
Eng. tr. Already a bitter gourd and climbs the bitter neem, besides.

एक तो मियाँ उँघते उपरसे खाई भंग।
Eng. tr. He is a sleepy fellow and then eats the hemp.

एक तो था ही दीवाना, तिसपर आई बहार।
Eng. tr. He was already mad and spring has come upon him. (Lunacy is supposed to be at its height in spring.)

एक तो मियाँ थे ही थे, दूजे खाई भांग। (स्त्री.)
Eng. tr. The good man was already stupid enough and he took an intoxicant besides.

एक तो शेर, ऊपरसे बकतर पहने।
(पहले ही बहादूर ऊपर से कवच पहने।)
Eng. tr. He is a lion already and then wears an armour.

गँजी पनीहारी और गोखरु का यँड्डू।
Eng tr. A bald water-bearer and a pad of thorns.

रोने को थी ही इतने में आ गया भाई।
Eng. tr. She was about to weep and her brother has come at the time (to show her sympathy).

पंजाबी इक करेला दूजा निम चढ़्या।
हिन्दी अनु. एक तो करेला दूसरे नीम चढ़ा।
Eng. tr. First of all a bitter gourd and moreover crept over a neem tree.

इक विछोड़ा यार दा, दूजी रात काली।
हिन्दी अनु. एक पिया का बिरहा, दूजी काली रात।
Eng. tr. Firstly a separation from my love, and secondly a dark night. (calamity offers calamity.)

इक सप, दुजा उड़णा।
हिन्दी अनु. एक तो साँप, दूसरे उड़े भी।
Eng. tr. A viper and a flying one.

इक सी कंबली, फिर पे गई मढ़िआं दे राह।
हिन्दी अनु. एक तो थी पगली, ऊपर से शमशान की राह।
Eng. tr. Firstly she was a lunatic, secondly she was going to a burial ground.

सिरों गंजी ते भखड्यां विच कलाबाजी।
हिन्दी अनु. सिर से गंजी और काटों में खेल कूद।
Eng. tr. A bald head and she is juggling in the thorny bushes.

कश्मीरी अख् चूर बेयि चतरा़य्।
हिन्दी अनु. एक तो चोर और (ऊपर से) चतुराई।
Eng. tr. Already a thief and moreover cunning.

अख् वुकुर् बेयि त्रकुर्।
हिन्दी अनु. एक तो वक्र दूसरे सख्त।
Eng. tr. First a crooked and moreover hard.

खाम् तमाह् तुॅ अपज्योर्।
हिन्दी अनु. लोभी और झूठा भी।
Eng. tr. Greedy and a liar besides.

ख्वदाय् सुॅन्ज़् खेर् तुॅ नाविद् सुन्द् फश्।
हिन्दी अनु. १. खुदा की दी पपड़ी (सिर में खुजली, चर्म रोग) और नाई का दिया हुआ (उस्तरे का) फेरा।
२. पहले ही सिर में खुजली, तिस पर नाई के उस्तरे का फेरा।
Eng. tr. God's (given) scald head, and a barber's razor's itch (to trouble a man whom God has already afflicted. Kasmiris suffer very much from scald head (favus).

ख्वदायि सुॅन्ज़् खेर् तुॅ नाविद् सुॅज़् च्यफ्।
हिन्दी अनु. भगवान ने दिया गंजापन्, (उस पर) नाई का घाव।
Eng. tr. From God, the favus (bald), and from the barber a cut moreover.

सिंधी अगेई वेठी हुई रुठी, मथां आयुसि पेको माण्हू।
हिन्दी अनु. पहले ही रुठी हुई बैठी थी, ऊपर से बात यह हुई कि पीहर का आदमी उसे लेने आ गया। (जब कोई आदमी लड़ झगड़ कर बैठा हो फिर उसे उत्तेजित करने के लिए और कोई कारण बन जाए तब कहते हैं।)
Eng. tr. She was offended with everyone and then a person from her parents came along to take her.

कुतीअ खे पछ में सूर, वडे डे खे बछते ज़ोरु।
हिन्दी अनु. कुतिया को गांड में दर्द हो रहा है और ज़मीनदार उस के पीछे और जानवर लड़ने के लिए भेज रहा है।
Eng. tr. The behind of the bitch is aching and the landowner is sending more animals for her to fight.

हड़ बि गासो, लोक बि तमाशो।
हिन्दी अनु. गाँठ से पैसा भी खर्च हो, और लोक भी हँसे। (जब आपस में कोई लड़ें, अदालत वगैरह में जाएँ, तब कहते हैं।)

Eng. tr. The money is spent from one's pouch and the people laugh too.

हरिणी अग्रोई न चिणी, वेतरि प्यसि धिंडिणी।

हिन्दी अनु. हरिन पहले ही चंचल, उस पर तुर्रा यह कि उसे घंटी बाँधी गई है। (उस की आवाज पर और भी उछल कूद करती है। बुरे मनुष्य को प्रोत्साहन मिले तो वह और भी बुराई करेगा।)

Eng. tr. Deer are already very restless and besides bells were tied round their necks (i.e. they were given reason for more restlessness).

हिकिडा डुख, ब्यूं डुंगियूं।

हिन्दी अनु. एक तो पहले ही कष्ट हैं, ऊपर से दूसरे संकट आ पड़े।

Eng. tr. Already there is tough work, and besides troubles have poured in.

मराठी अगोदर असला त्यात बैलावर बसला.

हिन्दी अनु. पहले से ऐंठा (अब तो) बैल पर बैठा। (स्वभाव से ही घमंडी व्यक्ति बड़ा ओहदा पाने पर और घमंडी बन जाता है।)

Eng. tr. Showy by nature and here he rides a bullock.

आधीच आंधळी, तीवर झाली मांज़ोळी.

हिन्दी अनु. पहले अंधी तिस पर गुहांजनी।

Eng. tr. Already blind and now has a pig-stye.

आधीच (बोंबलण्याचा) उल्हास, त्यात (आला) फाल्गुन मास.

हिन्दी अनु. पहले ही (शंख बनाने में) उल्लास तिस पर (आया) फाल्गुन मास।

Eng. tr. Already has enthusiasm (to shout) and, to add to it, the month of Phalgun comes. (This month has the festival of Holi celebrated when shouting and hooliganism knows no bounds.)

आधीच गाढव त्यात उकिरड्याचा शेज़ार.

हिन्दी अनु. पहले ही गधा, उस पर ढेर पड़ोस में पड़ा। (पहले से ही बुरी आदत में फँसे व्यक्ति को अनुकूल अवसर प्राप्त हो जाना।)

Eng. tr. Already a donkey and has a rubbish heap in the neighbourhood.

आधीच तसले अन् घोड्यावर बसले.

हिन्दी अनु. पहले से ही वैसा और घोड़े पर बैठा।

Eng. tr. Already excitable by nature and now gets a horse to sit on.

आधीच तारे, त्यात गेले वारे.

हिन्दी अनु. पहले तो पतवार खुली, उस में हवा चली।

Eng. tr. Already a boat with a sail, and more over the wind blew with gusto. (Already crack-minded and now (he is) possessed.)

आधीच दुराचारी आणि स्त्री-राज्यात कारभारी.

हिन्दी अनु. पहले तो स्वैराचारी तिस पर स्त्री-राज्य में अधिकारी।

Eng. tr. 1. Already a debauch and (to crown it all) is a boss in the world of women.
2. Already a debauch and is given authority in the world of women.

आधीच (बाई) नाचरी, तिच्या पायी बांधली घागरी.

हिन्दी अनु. पहले से ही नाचनेवाली, उस के पैरों में बांधी पायल। (मनुष्य की सहजात वृत्ति अनुकूल परिस्थिती के प्राप्त होते ही उफन कर बाहर आती है।)

Eng. tr. Already a dancer and has bell-anklets tied round her ankles.

आधीच पिचके त्यात दात विचके.

हिन्दी अनु. पहले ही पींचपीची आँखें तिस पर दाँत निपोड़े। (कुरूपता को बढ़ाने वाली चेष्टाएँ कुरूप मनुष्य के द्वारा जब की जाती हों।)

Eng. tr. Already has slits for his eyes and also grins to show his teeth.

आधीच बंड तसला त्यात बैलावर बसला.

हिन्दी अनु. (अ) पहले से ही उद्दण्ड तिस पर बैठा बैल पर।
(आ) पहले से ही ऐसा तिस पर बैल पर बैठा।

Eng. tr. He is already a mischievous person and (to crown it all) now sits on an ox.

आधीच बहुबावळी अन् त्यात खाल्ली भांग.

हिन्दी अनु. पहले से ही पागल और उस में पी भंग।

Eng. tr. Already a very silly person, on top of which, she eats hemp.

आधीच मर्कट तशातही मद्य प्याला.

हिन्दी अनु. पहले तो बंदर, उस में किया सुरापान।

Eng. tr. A monkey already and to add to it all, drinks liquor.

आधीच हौस, त्यात पडला पाऊस.

हिन्दी अनु. पहले से ही हवास, उस में रही पावस। (यह कहावत अभावसूचक है। कोई व्यक्ति पहले से ही काम करना न चाहता हो और उस को अनुकूल स्थिति प्राप्त हो जाय तो इस कहावत का प्रयोग किया जाता है।)

Eng. tr. Already greatly interested, and (to wash it all) the rain comes down. (Said sarcastically to a person whose work done without interest is destroyed.)

उपाशाचे घरी ढेकणांचा सुकाळ.

हिन्दी अनु. भूखे के घर खटमलों की बहुतायत। (गरीब को सभी ओर से पीडाएँ सताती हैं।)

Eng. tr. Abundance of bed-bugs in the house of the hungry. (i.e. The man is already poor and has nothing to eat, and besides, the bed-bugs worry him too. Trouble along-with poverty.)

घरचे झाले थोडे आणि व्याह्याने धाडले घोडे, तेही तीन पायाने लंगडे.

हिन्दी अनु. घर का रहा थोड़ा और समधी ने भेजा घोड़ा, वह भी तीन पाँव से लंगड़ा।

Eng. tr. As though there were less trouble at home (feeding one's own cattle), the son's (or daughter's) father-in-law sends a horse as a gift that has three lame legs. (He cannot refuse the gift given by a relation made by marriage, and doesn't know how to take care of the horse, when his own cattle don't have enough to eat.)

माकडाच्या हाती कोलीत.

हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में पलीता।

Eng. tr. A firebrand in the hands of a monkey.

गुजराती **आंगणे कूवो ने वहु उछाछळां.**

हिन्दी अनु. आँगन में कुआँ और बहू शरारती। (उच्छृंखल।) (लडाकू।)

Eng. tr. A well in the yard and impertinent (ungovernable) wife.

गांडी ने वळी भूते साही.

हिन्दी अनु. पागल और भूत की बाधा।

Eng. tr. Already a mad woman, and in addition, possessed (seized) by a ghost.

कारेला ने वळी नीम पर चडा.

हिन्दी अनु. करेला और नीम चढ़ा।

Eng. tr. A creeper of squirting cucumber (bitter gourd) and in addition, climbed a neem tree.

गधेडो ने बगाइओ वळगी.

हिन्दी अनु. गधे को लगी चमजूई।

Eng. tr. Already a donkey, and (in addition) troubled by ticks.

घेली ने वळी भूतनो वासो.

हिन्दी अनु. पागल और फिर भूत की बाधा। (भूत से पीड़ित।)

Eng. tr. Already she is mad, and in addition haunted by a ghost.

नकटी ने वळी सळेखम थयो.

हिन्दी अनु. नकटी और ऊपर से जुकाम हुआ।

Eng. tr. Already club-nosed, and in addition she caught cold.

भूतनां हाथमां मशाल.

हिन्दी अनु. भूत के हाथ में मशाल।

Eng. tr. A burning torch in the hand of a ghost. (doubly dreadful.)

मनमां उल्लास, ने वळी फाल्गुन मास.

हिन्दी अनु. मन में फुर्ती और फिर फाल्गुन मास।

Eng. tr. Already jubilant in mind, and in addition there is the month of Phalgun.

मरकट, ने वळी मदिरा पायो.

हिन्दी अनु. बंदर और ऊपर से शराब पिलाई।
Eng. tr. Already a monkey, and in addition made to drink wine (given wine).

मूळ मियां गांडा, ने वळी भांग पीधी.

हिन्दी अनु. एक तो मियाजी पागल और ऊपर से भंग पी ली।
Eng. tr. Miyan was already insane (mad), and in addition to that he took a preparation of hemp.

मूळ वाघरी, तेमां वळी लुटाया.

हिन्दी अनु. एक तो वाघरी और ऊपर से लुट गये।
(वाघरी – एक अत्यन्त गरीब और घुमक्कड़ कौम।)
Eng. tr. Already a vaghari, and in addition to it he was plundered (looted). वाघरी – nomad.

वांदरनां हाथमां छरी.

हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में छुरी।
Eng. tr. 1. A knife (dagger) in the hand of an ape.
2. An ape with a dagger.

वांदरनां हाथमां नीसरणी.

हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में सीढ़ी।
Eng. tr. An ape in possession of a ladder.

वा उपर वराध.

हिन्दी अनु. वात-व्याधि, तिस पर खांसी।
Eng. tr. Whooping cough in addition to rheumatism.
(वराध – Name of a disease of children; whooping cough.)

वायडो ने वळी वा दीधो.

हिन्दी अनु. बातूना और ऊपर से सन्निपात का असर।
Eng. tr. Already obstinate (self-willed), and in addition affected by epilepsy.

वाळंद ने वळी वहेलमां बेठो.

हिन्दी अनु. नाई और फिर बैलगाड़ी में बैठा। (राजपूत की दुल्हन को लिवाने खाली सजी हुई बैलगाड़ी जाती है और साथ में नाई भी जाता है।)
Eng. tr. Already a barber, and in addition sat in a carriage. (So he is bound to be pulled up with pride.)

सांकडी शेरी ने वच्चे साप.

हिन्दी अनु. सकरी गली और बीच में साँप।
Eng. tr. A narrow lane and in the middle of it a snake.

हीरो ने वळी कुंदने जड्यो.

हिन्दी अनु. हीरा और फिर सोने में जड़ा।

Eng. tr. A diamond and studded in gold.

बाङ्ला एका रामे रक्षा नाइ, सुग्रीव दोसर।

हिन्दी अनु. अकेले राम से छुटकारा नहीं था अब सुग्रीव साथ में है।

Eng. tr. Rama alone was quite formidable and now Sugreeva joins him.

एकेइ नाचुनी बुड़ी, तार उपर ढोलेर तुड़ि।

पाठभेद एके बउ नाचुनी, ताय खेमटार बाजनी।

हिन्दी अनु. एक तो बुढ़िया / बहू नाचनी, ऊपर से ढोल की आवाज।

Eng. tr. Already the old hag / wife was a dancer, and now she listens the beat of a drum.

एके गोरा गा, ताय पोयेर मा।

हिन्दी अनु. एक तो गौरी, ऊपर से पुत्रवती।

Eng. tr. Already she had a fair physique, and now mother of a son.

एके बेराल कालो, ताय पाँश-गादाते गेल।

हिन्दी अनु. एक तो बिल्ली काली, उस पर कूड़े से सनी।

Eng. tr. It's a black cat already, and now it has rolled on a dung-heap.

एके मनसा, ताय धुनोर गंध।

हिन्दी अनु. एक तो मनसा, उस पर धूप की गंध।

Eng. tr. Already 'Manasa' (dancer) and now incensed by the fragrance of resin.

गोदेर उपर विषफोड़ा।

हिन्दी अनु. फूले पर फोड़ा।

Eng. tr. A pimple on the swollen part.

ढाकेर उपर ढेंकि।

हिन्दी अनु. ढोल के ऊपर ओखली। (की आवाज।)

Eng. tr. To the sound of large drum is added the sound of husking pedal.

दुःखेर उपर टनकेर घा।

हिन्दी अनु. दुःख में फोड़े का दर्द।

Eng. tr. Agony added to the pains.

बानरेर हाते खन्ता।

हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में कुदाल।

Eng. tr. A spade in the hands of a monkey.

असमीया एकै बुढ़ी नाचनी, ताते नातिर बिया।
हिन्दी अनु. एक तो बुढ़िया नाचनी, तिस पर नाती का ब्याह।
Eng. tr. The old lady is already restless with joy and now it is her grand-daughter's marriage.

एकै मरे शोके तापे, तार उपरि कुकुर जापे।
हिन्दी अनु. पहले ही दुःखाग्नि में जल रहा है, उस पर और कुत्ता पीछे लगा।
Eng. tr. A man is dreadfully afflicted with sorrow and the dog is also set on him.

एकै मरों ऋषिर शापत, ताते दिये धानर भापत।
हिन्दी अनु. ऋषि के शाप से यूँ ही मर रहा हूँ, उस पर अनाज का उत्ताप।
Eng. tr. I am dying of a curse of a sage, and in addition I am put in the pot of boiling paddy.

एकै रामे रक्षा नाइ सुग्रीब दोहार।
हिन्दी अनु. एक राम से ही बचना मुश्किल, तिस पर साथ है सुग्रीव।
Eng. tr. Rama alone is enough adversary, again Sugriva has come to his assistance.

एकै शालमाछ ताते बाहि गारे पोरा।
हिन्दी अनु. यों ही शाल मछली खाने योग्य नहीं, उपरान्त बिन नहाये भूनी हुई।
Eng. tr. Firstly it is only a shal fish moreover it has been fried by one who has not taken bath.

काटा घात कला खार।
हिन्दी अनु. कटे घांव में सज्जी-खार।
Eng. tr. Alkali in a cut wound.

काटा यि काटा रेपा किय ?
हिन्दी अनु. काटो, जितना चाहे काटो, पर तक़लीफ क्यों देते हो ?
Eng. tr. Cut, if you like, but why painfully ?

फुटा चकुतहे कुटा परे।
हिन्दी अनु. फूटी आँख में तिनका गिरे।
Eng. tr. A straw fell into an injured eye.

बोजार ओपरत शाकर आटि।
हिन्दी अनु. बोझ के ऊपर और सब्जी की गठरी।
Eng. tr. Bundle of leafy vegetable over a load.

भालुकक खन्टा दिया।
हिन्दी अनु. रींछ के हाथ में कुदाली।
Eng. tr. To give a spade to a bear.

ओड़िआ गोदर गोड़रे बिषफोटका।
हिन्दी अनु. हाथी पाँव से फूले पैर में विषस्फोट। (संकट में संकट।)
Eng. tr. A poisonous eruption on leg suffering from elephantasis.

बाया हातरे निआँ खपरा।
हिन्दी अनु. पगले के हाथ में आग का वर्तन।
Eng. tr. A vessel of fire in the hands of the mad one.

तमिऴ अऴ्ळादवन् वायिल् कळ्ळै वार्.
हिन्दी अनु. दुष्ट को शराब पिलाओ।
Eng. tr. Pour toddy in the mouth of the wicked.

एरुकवे मामि पेय्क्कोलम् अदिलुम् कोंजम् माक्कोलम्.
हिन्दी अनु. पहले ही सास पिशाचिनी जैसी है, तिस पर मुख पर रंगोली और पुता रहे तो।
Eng. tr. The mother-in-law is frightfully ugly already, and the flour on her face makes her so even more.

कुरंगिन् कैयिल् कोळ्ळि अगपट्ट.
हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में लुआंठ।
Eng. tr. A fire-brand in the hand of a monkey.

कुरंगु कळ्ळुम् कुडित्तु, तेळुम् कोट्टिनाल् अन्न गदि आगुम्.
हिन्दी अनु. बन्दर नशे में भी हो, तिस पर बिच्छू उसे डंक भी मार दे, तो उस की क्या दशा हो ?
Eng. tr. What will happen if an intoxicated monkey gets stung by a scorpion ?

कुरंगु कळ्ळुम् कुडित्तु, पेयुम् पिडित्तु, तेळम् कोडिनाल् अन्न गदिआगुम्?
हिन्दी अनु. बन्दर नशा में रहे, मंत्रजाल में फँसे, और तिस पर बिच्छू डंक मारे तो क्या होगा ?
Eng. tr. What would happen if an intoxicated monkey gets under the spell of a charm and moreover gets stung by a scorpion?

केट्ट कुडिक्कु ओरु दुशटप् पिळ्ळै.
हिन्दी अनु. ग़रीब परिवार के लिये एक दुष्ट पुत्र।
Eng. tr. A vicious child in a poor family.

मुदले दुर्प्पलै अदिले कर्प्पिणि.
हिन्दी अनु. पहले ही वह कमजोर, उस पर गर्भिणी।
Eng. tr. Already weak and withal pregnant.

वीडु ऎल्लाम् कुरुडु, वाशल् ऎल्लाम् किणरु.
हिन्दी अनु. घर के सभी अंधे, और घर के चारो ओर कुएँ।
Eng. tr. The inmates of the house are all blind, and there are wells all over the yard.

तेलुगु असले अयोमयम् अंदुकु तोडु अंधकारम.
हिन्दी अनु. एक तो बुद्दू, तिस पर अंधेरे में फँसा हुआ।
Eng. tr. A block-head caught in darkness.

असले कुरच अंदुलो सुंति.
हिन्दी अनु. पहले तो (लंड) छोटा, तिस पर सुन्नत।

Eng. tr. He has already a short (penis), and besides it has been circumcised.

असले कोति अंदुलो कल्लु तागिंदि पैन तेलु कुट्टिंदि.

हिन्दी अनु. एक तो बंदर, तिस पर शराब का नशा, और बिच्छू का दंश।

Eng. tr. Firstly a monkey, moreover drunk, and stung by a scorpion.

इल्लु इरकटम्, आलि मरकटम्.

हिन्दी अनु. घर तंग है, घरवाली बन्दर है।

Eng. tr. The house is small and the wife like a monkey. (Double difficulty.)

करुवुलो अधिकमासं.

हिन्दी अनु. अकाल में अधिक मास आया।

Eng. tr. Extra month in famine time.

मोदले कुंटिकालु दानिकि तोड्डु पक्षवातं.

हिन्दी अनु. एक तो लंगड़ा, तिस पर हुआ लकवा।

Eng. tr. Originally he was lame, and he has now paralysis.

हास्यगानिकि तेलु कुट्टिनट्टु.

हिन्दी अनु. विदूषक को बिच्छू का डंक।

Eng. tr. Like a scorpion stinging a jester.

कन्नड अळुव अज्जि तलेय मेले ओरळु कल्लु ऎत्ति हाकिद.

हिन्दी अनु. पहले ही नानी रोती थी, उस के सिर पर बट्टा डाल दिया।

Eng. tr. Threw the muller on the head of the weeping grand-mother.

अट्टदिन्द बिद्दवनन्नु दडियिन्द चच्चिदरु.

हिन्दी अनु. अटारी से गिरे हुए पर लाठी की मार।

Eng. tr. They beat with a stick the person who fell down from the stairs.

अरे मरुळगे मरुळ नायि कच्चितन्ते.

हिन्दी अनु. जैसे दीवाने को पागल कुत्ते ने काट लिया हो।

Eng. tr. A mad dog bit an oldman, half out of his wits.

मंगनिगे भंगि तिन्निसिदन्ते.

हिन्दी अनु. है तो बंदर, तिस पर भंग का नशा।

Eng. tr. Already a monkey and moreover intoxicated.

मोदले कोळे, अदर मेले मळे.

हिन्दी अनु. पहले तो उकिरड़ा, उस पर बरसात।

Eng. tr. Already a heap of filth and a shower above.

मलयाळम् इटिवेट्टियवने पाम्पु कटिच्चु.

हिन्दी अनु. जिस पर बिजली गिरी, उस को साँप ने डस लिया।

Eng. tr. One who was thunder-struck, got bitten by the snake.

उळ्ळ कञ्जियिलुं पाट्टवीणु.

हिन्दी अनु. जो भी दालिया थी, उस में पड़ा तिलचट्टा।
Eng. tr. A cockroach fell in whatever gruel that was available.

कूनिन् मेल कुरु.

हिन्दी अनु. कूबड़पर फफोला।
Eng. tr. A boil on the hunch.

पण्टे दुब्बेला, पिन्नेयो गर्भिणी, पोराञ्ञिट्टुं बाधयुटे उपद्रववुं.

हिन्दी अनु. पहले से अबला, फिर गर्भिणी, तिस पर भूतबाधा।
Eng. tr. Firstly the woman was weak, now she was also in the family way, and to tower it all, she was haunted by an evil spirit.

संस्कृत मर्कटस्य सुरापानं तस्य वृश्चिकदंशनम्।
तन्मध्ये भूतसंचारो, यद्वा तद्वा भविष्यति।

हिन्दी अनु. एक तो बंदर, उस में उसे शराब पिलायी, उस पर उसे बिच्छू ने डंख मारा और तिस पर उस में भूत का संचार हुआ, तब वह क्या न करेगा सो थोड़ा।
Eng. tr. If a monkey is made to drink wine, then gets a sting from a scorpion, is further possessed by an evil spirit, you can expect the worst to result.

३२

एक पंथ दो काज।

आशय

एक ही कारण के दो अच्छे परिणाम कभी कभी निकल सकते हैं। उतनी ही मेहनत से दो विभिन्न काज जब संपन्न हो जाते हैं और दुगना लाभ होता है तब इन कहावतों का प्रयोग होता है। मराठी में कहते हैं — "एक पत्थर से दो पंछी (मारना)।"

Subject

At times, it is possible to follow one path and achieve two objectives at the same time. These proverbs are said at such times. For instance, the Marathi proverb—"To kill two birds in one stone."

हिन्दी एक पंथ दो काज।
Eng. tr. One road and two objects.

चलो सखी, वहाँ चले,, जहाँ बसे बृजराज।
गोरस बेचत हरि मिले, एक पंथ दो काज॥ (स्त्री.)

Eng. tr. Come friend, let us go to the place where the sovereign of Vrij lives, to sell our milk and meet Krishna, thus do two works in one action.

पीपल पूजन मैं चली, निगम बोध के घाट ।
पीपल पूजत पी मिले, एक पंथ दो काज ॥

Eng. tr. I went to worship at the Pipal tree on the banks of Nigambodha. I met my love at the Pipal tree and performed two objects at one time.

सुकठिक बनिज पसुपतिक दर्सन । (मुज.)
(मिथिला के लोग नेपाल जा कर सूखी मछली का व्यापार करते हैं, जिस से दो मतलब साधते हैं । पैसे मिलते हैं और पसुपति का दर्शन होता है ।)

Eng. tr. They trade in dried fish and worship Pashupatinath also.

ENGLISH 1. To kill two birds with one stone.
2. To kill two flies with one flap.

उर्दू दवा की दवा, गिज़ा की गिज़ा ।
Eng. tr. It is both food and medicine.

पंजाबी इक पंथ, दो काज ।
हिन्दी अनु. एक पंथ, दो काज ।
Eng. tr. To achieve two ends in one journey.

नाले देवी दे दर्शन नाले वंझा दा वपार ।
हिन्दी अनु. एक तो देवी के दर्शन, साथ साथ व्याज़ का व्यापार ।
Eng. tr. A visit to the temple of the Goddess and trade of onions in addition.

सिंधी एक पंथु दो काज ।
हिन्दी अनु. एक पंथ दो काज ।
Eng. tr. One trip and two duties (done).

मराठी अय्ये तेरावो मोणुयी ज़ालो, घारी खेळी मेणुया ज़ाली. (गो.)
हिन्दी अनु. दादी का बारहवाँ भी हुआ और लड्डू भी खाने को मिले ।
Eng. tr. Gets satisfaction by having done the religious rites for the dead grand-mother (on the 13th day from her death) and having eaten sweets on the same day. (Certain kinds of sweets are demanded by the rites.)

एका दगडाने दोन पक्षी मारणे.
हिन्दी अनु. एक पत्थर से दो पंछी मारना ।
Eng. tr. To kill two birds with one stone.

गुजराती एक कांकरे बे पक्षी मारे.
हिन्दी अनु. एक कंकर (पत्थर) से दो पक्षी मारे ।

Eng. tr. (So clever that) he would hit two birds with one stone.

एक पंथ बे काज.

हिन्दी अनु. एक पंथ दो काज ।

Eng. tr. One path with two aims (works).

दाढीनी दाढी, ने सावरणीनी सावरणी.

हिन्दी अनु. दाढ़ी की दाढ़ी और झाड़ू की झाड़ू ।

Eng. tr. A beard is a beard as well as a broom.

बाङ्ला एक कर्मे दुइ कर्म, ठाकुरझिर बिये आर नवान्न ।

हिन्दी अनु. एक ही साथ दो काम, इधर नवान्न आया, उधर ननद का विवाह हुआ ।

Eng. tr. To accomplish two tasks simultaneously; the daughter's marriage as well as the harvest feast.

एक ढिले दु' पाखी मारा।

हिन्दी अनु. एक ढेले से दो पक्षी मारना ।

Eng. tr. To kill two birds with one stone.

कपालओ चुलकानो, सेलामओ बाजानो ।

हिन्दी. अनु. माथा भी खुजलाया, सलाम भी बजाया ।

Eng. tr. (A forced reception) saluting a person in such a way that while he thinks it is a salute, you actually scratch your brow.

रथ देखा कला बेचा।

हिन्दी अनु. केला भी बेचा, रथ का मेला भी देखा ।

Eng. tr. Saw the chariot-procession and at the same time sold the bananas.

असमीया आइरो बार्ता, गङ्गारो यात्रा ।

हिन्दी अनु. माँ से बातचीत भी (हुई), गंगा की यात्रा भी।

Eng. tr. Going to enquire of mother and taking a dip in the Ganga.

एक बुरीर दुइ काम, धान बाने चोहे आम ।

हिन्दी अनु. एक बुढ़िया के एक साथ दो काम : आम भी खाये और धान भी कूटे।

Eng. tr. An old woman has two jobs : husking rice and eating mangoes simultaneously.

ओड़िआ कन्यादेखा बाइगण बिका एका हाटरे हेबा न्याय ।

हिन्दी अनु. एक ही बाजार में लडकी भी देखी और बैंगन भी बेचे।

Eng. tr. To be able to see a girl for a bride, as well as sell brinjals on the same trip to the market bazar.

गोटाए ढेलारे दुइटा आंब झाडिबा ।

हिन्दी अनु. एक पत्थर से दो आम गिराना।

Eng. tr. To bring down two mangoes with one stone.

जात्रा देखा, कदली बिका, एक बाटरे दुइ काज।

हिन्दी अनु. मेला भी देखा, केले भी बिके, एक साथ दो काम हुए।

Eng. tr. To see the 'Jatra' (the fair), to sell the bananas, both things can be done by going the same way.

बाइगण बिका कन्या देखा, एक जात्रारे समाधान करिबा।

हिन्दी अनु. बैंगन बेचे और कन्या भी देखी, एक ही यात्रा में दोनों काम हुए।

Eng. tr. To sell brinjals and see a prospective bride, to finish both in one trip.

तमिळ् अरिसिप् पोदियुडन् तिरुवारुर्.

हिन्दी अनु. चावल भी मिला, साथ तिरुवारुर क्षेत्र का दर्शन भी।

Eng. tr. Tiruvaroor with a bag of rice. (Double benefit – the grain is valuable, and a visit to a sacred place is auspicious.)

तेलुगु ओक देब्बकु रेंडु पिट्टलु.

हिन्दी अनु. एक मार में दो चिडियाँ।

Eng. tr. Two birds at a shot.

कन्नड मातु अडुता अडुता गौड अवरेकायि कोयिद.

हिन्दी अनु. बातों बातों में सब्जी (सेम) भी किसान नें बटोर ली।

Eng. tr. The farmer picked the beans while going on talking.

मलयाळम् ओरु वेटियक्कु रण्टु पक्षि.

हिन्दी अनु. एक गोली में दो पक्षी।

Eng. tr. Two birds at a shot.

नेय्यपं तिन्नाल् रण्टुण्टु कार्यमीटुं मिनुङ्ङु, वयरुं निरयुं.

पाठभेद मीश्युं मिनुक्काम्, वयरुं निरयक्कां.

हिन्दी अनु. गुलगुले खाये तो दो काज : मुँह स्निग्ध हो जायगा और पेट भी भरेगा।

Eng. tr. One can get two things by eating the sweet cakes : mouth will be buttered and belly will be full.

पशुविन्टे पेळ्ळुं पोयि, काक्कयुटे विशप्पुं मारि.

हिन्दी अनु. गाय जूँ से बच गयी और कौअे की भूख मिट गयी।

Eng. tr. The cow got rid of the lice trouble and the crow satisfied its hunger.

पोत्तिन्टे कटियुं तीरुं, काक्कयुटे विशप्पुं मारुं.

हिन्दी अनु. भैंसे की खुजली भी मिटेगी, कौअे की भूख भी दूर होगी।

Eng. tr. The buffalo's irritation will end and also the hunger of the crow.

संस्कृत आम्राश्च सिक्ताः पितरश्च प्रीणिताः।

हिन्दी अनु. आम्रवृक्षों को (पानी से) सींचा भी और पितरों को अर्घ्य भी दिया गया (एक ही कृति से)।

Eng. tr. Both, the mango-trees are watered, as well as the ancestors are satisfied (with an oblation) by means of a single act.

३३

एक हाथ से ताली नहीं बजती।

आशय

झगड़ा हो या मित्रता हो, दोनों के लिये एक से अधिक मनुष्यों की आवश्यकता होती है। एक व्यक्ति से न झगड़ा हो सकता है न दोस्ती जोड़ी जा सकती है। अंग्रेजी कहावत है — " It takes two to make a quarrel. "

Subject

The following proverbs tell us that no clash or conflict can occur only by a solitary person. It always takes two to make a quarrel.

हिन्दी एक हाथ से ताली नहीं बजती।
पाठभेद एक हाथसूँ ताली को बाजै नी। (राज.)
Eng. tr. One cannot clap with one hand only.
ताली दोऊ कर बाजे।
Eng. tr. It requires two hands to clap.
रोटी दुन्हू हाथ से पकऽहे। (पटणा)
Eng. tr. The bread (Indian) can be prepared only with two hands. (The kneaded flour is pressed into a bread between two palms.)

ENGLISH
1. It takes two blows to make a battle.
2. When one is not, two cannot quarrel.
3. It takes two to make a quarrel.

उर्दू एक हाथसे ताली नहीं बजती।
Eng. tr. One cannot clap with only one hand.

पंजाबी ताड़ी दो हत्थां नाल वजदी है।
हिन्दी अनु. ताली दो हाथों से बजती है।
Eng. tr. It needs two hands to clap.

कश्मीरी अकी अथुँ छनुँ तुम्बख्नार् वज़ान्।
हिन्दी अनु. एक ही हाथ से ' तुम्बख्नार ' (एक वाद्य) नहीं बजती।
Eng. tr. Tumbakhnaar (a local musical instrument) does not sound with one hand only.

दोयि अथ़्‌ँ चे च़र् वज़ान्।
हिन्दी अनु. दो हाथों से ताली बजती है।
Eng. tr. Clapping is with two hands.

द्वन् ओंग्‌जन् छु न्यरान् टास्।
हिन्दी अनु. दो उंगलियों से ही ध्वनि निकलेगी। (चुटकी बजाते।)
Eng. tr. One snaps with two fingers (and not with one).

सिंधी ताड़ी हिक हथी न वज॒ंदी आहे।
हिन्दी अनु. ताली एक हाथ से नहीं बजती।
Eng. tr. One hand cannot clap.

मराठी एका हाताने टाळी वाज़त नाही.
हिन्दी अनु. एक हाथ से ताली नहीं बजती। (नहीं बजाई जाती।)
Eng. tr. One hand cannot clap.

गुजराती एक हाथे ताली न पडे.
हिन्दी अनु. एक हाथ से ताली नहीं बजती।
Eng. tr. 1. One can't clap with one hand.
2. No clapping with one hand.

बे हाथ वगर ताली न पडे.
हिन्दी अनु. दोनों हाथ के बिना ताली नहीं बजती।
Eng. tr. No clapping without two hands.

बाङ्ला एक हाते तालि बाजे ना।
हिन्दी अनु. एक हाथ से ताली नहीं बजती।
Eng. tr. One hand alone cannot clap.

असमीया एपात ताले ना बाजे।
हिन्दी अनु. एक ही झाँझ नहीं बजती।
Eng. tr. One cymbal does not produce any sound.

ओड़िआ एक हात्तरे ताळि बाजे नाहिं।
हिन्दी अनु. एक हाथ से ताली बजती नहीं।
Eng. tr. You cannot clap with one hand.

तमिऴ् ओ॒रु कै तट्टिनाल् ओशै ऎ॒ऴुंबुमा ?
हिन्दी अनु. एक हाथ से ताली बजेगी क्या ?
Eng. tr. Can clapping be effected by one hand?

ओ॒रु विरल् नो॒डि इराद॒.
हिन्दी अनु. एक उँगली से चुटकी नहीं बजेगी।
Eng. tr. A single finger cannot snap.

तेलुगु ओक चेथिय तट्टिते चप्पुडु कादु.
हिन्दी अनु. एक हाथ से बजाने पर आवाज़ नहीं होती ।
Eng. tr. There will be no sound if you clap with one hand.

कन्नड ओरडु कै सेरिदरे चप्पाळे.
हिन्दी अनु. दो हथेलियाँ मिलेंगी तो ताली बजेगी ।
Eng. tr. Whenever two hands meet, there is a clap.

मलयाळम् ओरु कै कोण्डु कोट्टियाल् ओश केळ्किल्ल ?
हिन्दी अनु. एक हाथ की ताली में आवाज़ कहाँ ?
Eng. tr. Will there be sound if only one hand is used for clapping ?

ओरु विरल् ञोडि कूडुक इल्ल.
हिन्दी अनु. एक उँगली से चुटकी नहीं बजेगी ।
Eng. tr. One finger can not produce a snap.

रण्डु कैकूट्टित्तल्लियाले ओश केळ्क्कू.
हिन्दी अनु. दोनों हाथों से बजाये (ताली) तभी आवाज़ निकलती है ।
Eng. tr. Only if you clap with both hands, there will be sound.

संस्कृत यथैकेन न हस्तेन तालिका संप्रपद्यते ।
तथोद्यमपरित्यक्तं कर्म नोत्पादयेत्फलम् ॥
हिन्दी अनु. जैसे ताली एक हाथ से नहीं बजती वैसे ही प्रयत्न किये बिना कर्म का फल प्राप्त नहीं होता है ।
Eng. tr. As only one palm of the hand can not make the clapping sound, in the same manner an activity unaided by industriousness can not yield the desired result.

३४

एकादशी के घर शिवरात्रि ।

आशय

एक निर्धन या दुर्बल व्यक्ति दूसरे की क्या मदद करेगा। संजोग से जब ऐसा समय आता है कि जब एक असमर्थ व्यक्ति दूसरे असमर्थ के पास सहाय्य लेने के लिये या देने के लिये जाता है तब दो असमर्थों के मीलन में जो व्यंगपूर्ण घटना घटती है उसे इन कहावतों में अंकित किया है। गुजराती में यही अनुभव ग्रथित है — " नंगे के ऊपर वस्त्रहीन पड़े और सारी रात ठण्ड में ठिठुरे। "

Subject

One worthless person can not help another. These proverbs tell us of this idea. For example, the Gujarati proverb — " The undressed fell over the naked and throughout the night shivered with cold. "

हिन्दी आप ही मियाँ मंगते, बाहर खड़े दरवेश।

Eng. tr. The beggar is kept standing at the beggar's door. (He can't serve others, when he is always asking favours for himself.)

नाँगटऽपर नाँगटऽ गिरलऽदुन्नो गेलऽ ओझराय। (भागल.)
(एक नंगा दूसरे नंगे पर गिरा, दोनों आपस में उलझ गये।)

Eng. tr. When a nude stumbled against another nude, they got entangled.

नंगो को भूखों ने लुट लिया।

Eng. tr. The hungry have plundered the naked.

मांगे पर तांगा, बुढिया की बरात।

Eng. tr. Begging from a beggar is like marrying an old woman.

ENGLISH
1. Whenever a poor man helps another poor man, God himself laughs.
2. He that is fallen can not help him that is down.

उर्दू नँगो को भूखों ने लुट लिया।

Eng. tr. The hungry plundered the naked.

पंजाबी आप फिरे मंग दा, बूहे ते दरवेश।

हिन्दी अनु. आप माँगता फिरे, दरवाजे पर खड़ा भिखारी।

Eng. tr. He himself wanders begging and beggars are at his door.

आप मियाँ मंगते, बूहे ते दरवेश।

हिन्दी अनु. आप मियाँ मंगते, द्वार पर खड़ा दरवेश।

Eng. tr. He himself is a beggar and a beggar has come at his door.

कश्मीरी व्वपसूलदस् (शिकसूलदस्) छु हून पतय्।

हिन्दी अनु. उपवासी (अनशनवाले) के पीछे कुत्ता।

Eng. tr. The starving man was followed by a dog.

मराठी एकादशीचे घरी शिवरात्र (पाहुणी).

हिन्दी अनु. एकादस के घर शिवरात्रि (मेहमान)।

Eng. tr. 'Shivratra' (the day of Shiva's festival) goes to the house of 'Ekadashi' (the 11th day of the waxing or waning of the moon, on both these days, people fast.)

नागव्याकडे उघडे गेले, रात्र सारी हिवाने मेले.

पाठभेद नागव्यापाशी उघडा गेला, सारी रात्र हिवाने मेला.

हिन्दी अनु. नंगे के पास धडंग गया और सारी रात जाड़े में मरा। (मुआ।)

Eng. tr. The unclad one went to the naked one, and died in the night of biting cold.

गुजराती अग्यारसने घेर बारस परोणी.

हिन्दी अनु. एकादशी के घर द्वादशी मेहमान।

Eng. tr. The 'Twelth Day' (Dwadashi) a guest with the 'Eleventh Day' (Ekadashi).

एकादशीने घेर शिवरात्रीबाई परोणामां.

हिन्दी अनु. एकादशी के घर शिवरात्रि मेहमान।

Eng. tr. Madam Shivratri as a guest with Ekadashi. (Both Ekadashi and Shivratri are days of fasting.)

खावाना सांसा त्यारे परोणाना वासा.

हिन्दी अनु. खाने का अभाव और पाहुनों (मेहमानों) का पड़ाव।

Eng. tr. Guests visit when food is scarce to eat.

नागा उपर उघाडा पड्या ने सारी रात टाढे मर्या.

हिन्दी अनु. नंगे के ऊपर उघाडे पड़े और सारी रात ठंडी में ठिठुरे।

Eng. tr. The undressed fell over the naked and throughout the night shivered with cold (died of shivering cold).

नागानी सोडे उघाडो गयो के 'तु मने ढांक'.

हिन्दी अनु. नंगे की बगल में उघाड़ा पैठा और कहे कि 'तू मुझे ढाँक।'

Eng. tr. The undressed went to the shelter of the nude saying, "Please cover me!"

भिकारी भिख मागे त्या चीमोरी पुठे दोडे.

हिन्दी अनु. भिखारी भीख माँगे वहाँ चील पीछे पड़ जाती है।

Eng. tr. The beggar begs and the kite comes in his way.

असमीया निजेइ परर खाओं, शुनिब नोवारो आलही नाओ ?

हिन्दी अनु. स्वयं परान्न खाता है, तो अतिथी का नाम तक कैसे सुनेगा ?

Eng. tr. Himself lives on alms, how can he entertain a guest ?

ओड़िआ बुलि बुलि खाइलि मासे, मो घर कुणिओ जण पचाशे।

हिन्दी अनु. माँग माँग कर खाय मास भर, मेरे घर मेहमान पचास है।

Eng. tr. I ate begging from door to door for a month, and there are fifty guests in my house.

तमिळ उरल् पोय् मत्तळतोडे मुरैयिट्टदुपोल्.

हिन्दी अनु. ऊखल ने जा कर मृदुंग से शिकायत की।

Eng. tr. As the mortar went to the tomtom with its complaints.

कलक्कंदै कट्टिक् काणप् पोनाल् इरुकलक् कंदै कट्टि अेदिर् वंदाळ्.

हिन्दी अनु. फटे पुराने कपड़े पहन कर उस से मिलने गई तो वह दुगुने फटे कपड़े पहन कर मिलने आई।

Eng. tr. When I went in rags to see her, she appeared enveloped in double the quantity.

सिट्रप्पन वीट्टुक्कुप् पोय् सिट्राडै वांगि वरलाम् अेन्रु पोनाळाम्, सिट्रप्पन पेण्सादि ईच्चम् पायै इडुप्पिल् कट्टिक् कोण्डु अेदिरे वन्दाळाम्.

हिन्दी अनु. चाचा के घर यह सोच कर गई कि साड़ी ले आवें, चाची सामने चटाई लिपटे आती दिखाई पड़ी।

Eng. tr. She went to her uncle to fetch a saree, but found her aunt with a straw mat round her waist.

तेलुगु एकादशि यिंटिकि शिवरात्रि पोयिनट्लु.

हिन्दी अनु. एकादशी के घर शिवरात्रि गयी।

Eng. tr. Shivratri goes to Ekadashi's house. (Both are fasting days.)

एरूक तिनेवाडि वेंबडि गीरूक तिनेवाडु पड्डाडट.

हिन्दी अनु. चुनचुनकर खानेवाले के पास खरोंचकर खानेवाला आया।

Eng. tr. He who scrapes for his food has come to beg of him who picks the crumbs.

दिसमुलवाडा काळ्ळकट्टुवानिकि कप्पुमन्नट्टु.

हिन्दी अनु. रे नंगे ! तुम्हारे कदमों पर गिरा है, उस को ओढने के लिये कपड़ा दो।

Eng. tr. O naked one ! Cover him lying at your feet.

दिसमोलवाडिनि दिगम्बरुडु बट्ट अडिगिनट्टु.

हिन्दी अनु. नंगे के पास दिगंबर ने वस्त्र माँगा।

Eng. tr. One naked man asked for a cloth to a man without clothes.

माधुकरं वानिंटिकि उपादानंवाडु पोयिनट्लु.

हिन्दी अनु. मधुकरी मांगनेवाले के पास भिक्षा मांगनेवाला गया।

Eng. tr. A beggar begged of an alms-taker.

कन्नड एकादशिय मनेगे शिवरात्रि औतणक्के बंद हागे.

हिन्दी अनु. एकादशी के यहाँ शिवरात्रि को न्योता।

Eng. tr. Shivratri going for a dinner to the house of Ekadashi.

तरगु तिन्नुववन मनेयल्लि हप्पळक्के होद.

हिन्दी अनु. जो खुद सूखी पत्ती खावे, उस के घर पापड माँगने क्यों जावें।

Eng. tr. Why go to a house for pappad (wafer) where dry leaves are eaten.

तिंगळ दिवस उणदिद्द मनेगे तंगळन्नक्के होदहागे.

हिन्दी अनु. महीने से जहाँ भोजन नहीं ऐसे घर में बासी भात माँगने गया।

Eng. tr. Went to beg for stale rice to a house where people had not eaten for a month.

मलयाळम् उरलु चेन्नु मद्दळत्तोटु.

हिन्दी अनु. ऊखल की शिकायत मृदंग से।

Eng. tr. The mortar goes and complains to the drum.

३५

ऐन मौक़े पर धोखा ।

आशय

जहाँ जिस की उपस्थिती अत्यावश्यक है ऐसे समय किसी अदेखे कारनवशात उस को अनुपस्थित रहना पड़े तब ये कहावतें कहीं जातीं हैं । ऐन मौक़े पर कोई धोखा दे तो सारा बना बनाया काम चौपट हो जाता है । अब इस हिन्दी कहावत में दरवाजे पर बारात आने के समय दूल्हे के पग पखारने के लिये समधिन का वहाँ रहना आवश्यक था । पर अकस्मात क्या संकट आ धमका देखिये —"दरवाजे पे आयी बारात और समधिन को लगी हगास !"

Subject

At the most important time, when the most important person finds himself facing a sudden disaster, the following proverbs are said. For instance, the Hindi proverb — "The bride-groom's procession has arrived and the bride's mother has a call of nature."

हिन्दी गौंड़े आयी बरात, बहू को लगी हगास । (स्त्री.)

Eng. tr. The bride-groom's procession has arrived, and the bride has a call of nature.

जब वर लागल दुआर तब समधिन के लगल हगवास । (पट.)

Eng. tr. When the bride-groom arrived at the door, the bride's mother feels a call of nature.

दरवाज़े पर आई बारात, समधिन को लगी हगास । (स्त्री.)

Eng. tr. The marriage procession has arrived at the gate, and the bride's mother feels a call of nature.

शिकार के वख्त कुतिया हगासी ।

Eng. tr. When it is time to go for hunting, the bitch is purged.

उर्दू शिकार के वख्त कुतीया हगी ।

Eng. tr. At the time of the hunt, the bitch defecates.

पंजाबी शिकार वेले कुत्ती हगाई ।

हिन्दी अनु. शिकार के वख्त कुतिया को लगी हगास ।

Eng. tr. The bitch defecates at the time of the hunt.

कश्मीरी ड्डोह् ल़ोग् दरुँ च़रि च़ायि आल्यन्, न्वश् च़ेज़् डुम्-डुम् वाल्यन् सूँत्य् ।

हिन्दी अनु. दिन ढल गया, चिडियाँ घोसलों में घुस गयीं, वधू ढोल बजानेवालों के साथ भाग गयी ।

Eng. tr. The day is set, the sparrows have gone into their nests, and the bride eloped with the drummers.

मराठी असे लग्न लागुक न्होल्के ज़ाले हागुक. (गो.)

हिन्दी अनु. (१) विवाह की वेला आयी और दुल्हन टट्टी को गयी ।
(२) शादी का समय आया पास और दुल्हन को लगी हगास ।

Eng. tr. A wedding might be such when the bride has the call of nature.

उंबर पिकले आणि नडगीचे (अस्वलाचे) डोळे आले.

हिन्दी अनु. गूलर पके और रीछ को आँखें आयीं ।

Eng. tr. The figs are ripe and the bear has sour eyes.

घरी आला संन्याशी, बाईल झाली विटाळशी.

हिन्दी अनु. घर पर पहुँचा यति, स्त्री (पत्नी) हुई ऋतुमती ।

Eng. tr. The ascetic has come home and his wife is menstruated.

घरी आली मावशी, त्या दिवशी एकादशी.

हिन्दी अनु. घर पर आई मौसी, उस दिन रही एकादसी ।

Eng. tr. The aunt comes home for a visit and that day is Ekadashi. (Ekadashi, being the eleventh day from the new full moon, is a day of fasting. So the people who get visitors are either fasting because they don't want to cook for the visitor or are expressing sorrow because they can not show hospitality as they would like to. Both these meanings are relevant.)

घाईत घाई, न्हाण आले म्हातारी बाई.

हिन्दी अनु. काम की जल्दी, बुढ़िया हुई ऋतुमती ।

Eng. tr. In the midst of great hurry, an old woman comes to puberty.

घाईत घाई, विंचू डसला ग बाई.

हिन्दी अनु. (अ) काम की बड़ी जल्दी, बिच्छू ने काटा री सखी ।
(आ) काम की जल्दी, बिच्छू ने डंक मारा री सखी ।

Eng. tr. In the midst of great hurring, stings a scorpion.

घाई मध्ये गलबला म्हातारी म्हणे हेल घाला.

हिन्दी अनु. जल्दी में शोरगुल, बुढ़िया कहे मेरी खेप ले चल ।

Eng. tr. In the midst of hurry, an old woman asks for her labour-wages.

नवरा आला वेशीपाशी, नवरी झाली विटाळशी.

हिन्दी अनु. (अ) दुल्हा पहुँचा सिंहपौर पर दुल्हन हुई रजस्वला ।
(आ) फाटक पर आया दुल्हा, दुल्हन हुई रजस्वला ।

Eng. tr. The bride-groom arrives at the village gate, and the bride is menstruated. (According to the customs of old, a woman at menses is untouchable).

पाहुणा आला भेटीला, पहिला दिवस बायकोला.

हिन्दी अनु. (अ) मेहमान आया मिलने और पत्नी का पहला दिन।
(आ) मिलने के लिए आए मेहमान और पत्नी का प्रथम दिन।

Eng. tr. The guest comes a-visiting and the wife has her first menstrual day. (A menstruated woman being untouchable, she can do nothing to show the guest any hospitality.)

शिकारीच्या वेळी कुत्री हगावी. (महानुभावी)

हिन्दी अनु. शिकार के समय कुत्ते हगे।

Eng. tr. The hunting-dog threw excreta while hunting.

ससा उठायला, कुत्रे हगायला बसायला गाठ.

हिन्दी अनु. खरगोश के उठते ही कुत्ता हगने बैठा।

Eng. tr. When the rabbit is seen, the hound (hunting dog) unfortunately is shitting.

गुजराती लक्ष्मी चांल्लो करवा आवे त्यारे कहेशे मों धोई आवुं.

हिन्दी अनु. लक्ष्मी जब तिलक लगाने आवे तो कहेगा कि मुँह धो के आ जाऊँ।

Eng. tr. When Goddess Laxmi (Goddess of wealth) arrives to make 'tilak' on his forehead, (to pay her respects to him,) he would say, "I would wash my face and then come."

ससलो शिकारे आव्यो, त्यारे कूतरो मूतराणो थयो.

हिन्दी अनु. खरगोश का मिला शिकार, कुत्ता मूतने को तैयार।

Eng. tr. Just when the hare came within the hunting range, the hound wished to make water.

बाङ्ला घोर कीर्तने मृदग भंग।

हिन्दी अनु. कीर्तन को चढे रंग, हो गया मृदंग-भंग।

Eng. tr. The bursting of the drum right when the musical soiree had reached its peak.

बियेर समय कने बले हागबो।

हिन्दी अनु. ब्याह के समय कन्या को लगे हगास।

Eng. tr. Just at the moment of marriage, the bride wants to go to laterine.

तमिळ वेण्णेय् तिरळुगिरपोदु ताळि उडैंदारपोल.

हिन्दी अनु. मक्खन जम ही रहा था कि घड़ा फूटा।

Eng. tr. The pitcher broke just as the butter was forming.

तेलुगु आडकाडक समर्ताडिते, चाकलोडु कोक ऎत्तुकोनि पोयिनाडट.

हिन्दी अनु. लड़की सयानी हुई तो धोबी उस की साड़ी ले गया।

Eng. tr. When at last she matured, the washerman took away her sari.

दुक्किटेदु देशान्तरम् वेळ्ळिनट्लु.

हिन्दी अनु. मानो जोतने के वख़्त बैल दूसरे गाव गया हो।

Eng. tr. Like the bull being away when wanted for the plough.

कन्नड अम्मावर मुट्टु शुक्रवार, मंगळवार.

हिन्दी अनु. स्त्री के पाँव छूटे (रजस्वला हुई) शुक्रवार, मंगलवार के दिन।

Eng. tr. The lady's menstruation came on Friday and Tuesday. (Just at a time when she was needed in the house.)

ऎण्णे बरुवाग गाण मुरियितु.

हिन्दी अनु. तेल निकलनेवाला ही था कि कोल्हू टूट गया।

Eng. tr. Just when the oil was to come out, the mill broke down.

मंगळारति कालदल्लि संग बंद हागे.

हिन्दी अनु. मंगलारती के समय बंदर का प्रवेश। (अच्छे अवसर पर अडचन।)

Eng. tr. The monkey came right at the tune of Arati. (Waving of lights to God.)

होत्तिल्लद होत्तिनल्लि तोत्तु मै नेरेदळु.

हिन्दी अनु. बे-मौके माहती का मासिक खुला।

Eng. tr. The female servant matured (attained puberty) at an untimely hour.

मलयाळम् कुलत्तोटारायप्पोळ् तळप्पट्टु पोयि.

हिन्दी अनु. गुच्छे तक पहुँचा ही था कि फंदा टूट गया।

Eng. tr. The fibre loop gave way when he was about to reach the top (of the palm tree).

मुयलिळकुम्पोळ् नायक्कुँ काष्टिप्पान् मुट्टुं.

हिन्दी अनु. खरगोश जब निकल पड़ेंगे, तो कुत्ता हगने दौड़ेगा।

Eng. tr. When the hare is ahout to come out of the bush, the dog goes to answer the call of nature.

३६

कभी नाव गाड़ी पर, कभी गाड़ी नाव पर।

आशय

सब दिन समान नहीं रहते। कभी धूप कभी छाँव। भले बुरे सब प्रकार के दिन मनुष्य के जीवन में आते हैं। आज जो बली है वह कल दीन बन सकता है, और आज का दलित कल स्वामी बन सकता है। कालचक्र इस प्रकार घूमता ही रहेगा।

Subject

All the days are not alike for a person. For some days he gets importance, other days he is humiliated. The following proverbs tell us how " Every dog has his day."

हिन्दी आज तोहारी कल्ह हमारी देखऽ भाई पारापारी। (शाहा., चंपा.)

Eng. tr. It's your turn to-day, tomorrow will be mine.

इक लख पूत सवा लख नाती, ते हि रावन घर दिया न बाती।

Eng. tr. With a lac of kiths and kins, Ravana's house remains unlit.

कभी के दिन बड़े, कभी की रात बड़ी।

Eng. tr. Sometimes the days are long, and sometimes the nights.

कभी नाव गाड़ी पर, कभी गाड़ी नाव पर।

Eng. tr. Sometimes the boat is on the wagon, sometimes the wagon on the boat. (Individuals of different ranks and qualities have it in their power to help each other. Boats are carried on wagons to be launched and wagons are ferried over on boats.)

चार दिनों की चांदनी, फिर अंधेरा पाख।

Eng. tr. There is moonlight for few days, and then again comes the dark fortnight.

दर्जी की सुई, कभी ताश में, कभी टाट में।

Eng. tr. A tailor's needle, now in embroidery and now in canvass.

लुहार की कूँची, कभी आग में, कभी पानी में।

Eng. tr. An iron-smith's brush, sometimes in the fire and sometimes in the water.

सौ दिन चोर के तो एक दिन साह का।

पाठभेद सौ दिन चोररा, एक दिन साहुकार रो। (राज.)

Eng. tr. A hundred days are the thief's, but one day is the merchant's. (A rogue may often escape, but will be caught at last.)

सौ दिन सासूरा, एक दिन बहूरो। (राज.)
(सौ दिन सास के, एक दिन बहू का।)

Eng. tr. A hundred days for the mother-in-law and one day for the daughter-in-law.

ENGLISH
1. Every dog has his day.
2. Riches have wings.
3. The pitcher goes often to the well, but breaks at last.

उर्दू कभी गाड़ी नाव पर, कभी नाव गाड़ी पर।
Eng. tr. Sometimes the cart is on the boat, sometimes the boat is on the cart.

कभी रात बड़ी, कभी दिन बड़ा।
Eng. tr. Sometimes the nights are longer, sometimes the days.

सौ दिन चोर की एक दिन साध की।
Eng. tr. If a hundred days belong to the thief, one belongs to a saint.

पंजाबी कदे दिन वड्डे हून्दे हन्, कदे रात।
हिन्दी अनु. कभी दिन बड़े, कभी रात बड़ी।
Eng. tr. Sometimes the days are longer, sometimes the nights.

चार दिनां दी चांदणी फिर अन्हेरी रात।
हिन्दी अनु. चार दिन की चांदनी और फिर अंधेरी रात।
Eng. tr. Four (some) days of moonlight and then comes again the dark night.

जिन्नां रोडा झागिआं रब सावण लासी।
हिन्दी अनु. जिन्हों नें सूखा गुज़ारा, राम उन्हें सावन भी देगा।
Eng. tr. God will bring the rainy season (Shravan) for them who have suffered from draught.

दड़ वट ज़माना कट, भले दिन आवंगे।
हिन्दी अनु. होठों को सी कर काटो दिन, अच्छे दिन नहीं दूर।
Eng. tr. Seal your lips and pass the days quietly, good days are not far behind.

सो दिन चोर दा, इक दिन साध दा।
हिन्दी अनु. सौ दिन चोर के तो एक दिन साधू का।
Eng. tr. A hundred days may favour the thief, but at last a day comes which favours the pious one.

कश्मीरी गगुर् छु करान् ब्रारिस् माथ्।
हिन्दी अनु. चूहा बिल्ली को मात करता है।
Eng. tr. The rat nonplusses the cat.

दुनियाह् छु नुँ क्षकि डंजि रोज़ान्, पांछ़ द्वोह् स्वख् तुँ पांछ़ द्वोह् द्रुखॅ।

हिन्दी अनु. जग की एक गति नहीं, पाँच दिन सुख, पाँच दिन दुख।

Eng. tr. The world does not continue in the same state. Five days of happiness, and five days of sorrow.

हशि हुॅन्दि ति पांछ़ द्वोह्, न्वशि हुॅन्दि ति पांछ़ द्वोह्।

हिन्दी अनु. सास के पांच दिन, बहू के पांच दिन।

Eng. tr. The mother-in-law has her five days, and the daughter-in-law has her five days.

सिंधी इन्सानु कड़हिं भरीअ में कड़हिं भाकुर में।

हिन्दी अनु. मनुष्य कभी सुख में, कभी दुख में।

Eng. tr. Man is in happiness sometimes, and in sorrow at other times.

ऊणटीह रात्यूं चोरजूं त टीहीं राति साध जी।

हिन्दी अनु. उनतीस रातें चोर की तो तीसवीं रात साधु की।

Eng. tr. If twenty-nine nights belong to the thief, the thirtieth belongs to a Sadhu (i.e. thief is caught someday or the other).

कड़हिं माटी मटते कड़हिं माटी अ मथां मट्ठ।

हिन्दी अनु. कभी मछुआ मटके पर, कभी मटका मछुए पर। (मछुआ मटके पर तैर कर मछली पकड़ता है। फिर नदी से निकल कर वही मटका अपने सिर पर रख कर चलता है। भाग्य का उतार चढ़ाव भी उस मटके की तरह है।)

Eng. tr. Sometimes the fisherman is on the pitcher, at other times the pitcher is on the fisherman. (He catches fish by swimming on the pitcher after which he keeps it on his head and walks home. The ups and downs of destiny are like the pitcher).

कमालियत खे ज़वालियत।

हिन्दी अनु. कमाल के बाद ज़वाल है। (उन्नति के बाद अवनति।)

Eng. tr. There is decline after progress.

घड़ीअ तोलो, घड़ीअ मासो।

हिन्दी अनु. घड़ी में तोला, घड़ी में मासा। (मनुष्य कभी सुख में, कभी दुख में।)

Eng. tr. 'Tola' (a weight of rupee or twelve masas) this moment, 'masa' (a weight of eight rattis or eighteen grains) the other (i.e. man is in happiness one moment, in sorrow, another).

चाढयुनि पुठ्यां लाह्यूं, लाह्युनि पुठ्यां चाढयूं।

हिन्दी अनु. चढ़ाव के बाद उतार, उतार के बाद चढ़ाव। (ज़िंदगी में उन्नति अवनति दोनों हीं हैं।)

Eng. tr. After ascents, come descents, after descents ascent.

जंड बि वारु, बठि बि वारु।

हिन्दी अनु. चक्की का भी दिन है तो बठ्ठी का भी दिन है।

Eng. tr. Some days belong to the grinding-stone others to the muller.

डुखनि पुठ्यां सुख, सुखनि पुठ्यां डुख।

हिन्दी अनु. दुखों के पीछे सुख, सुखों के पीछे दुख।

Eng. tr. Happiness follows sorrow, sorrow follows happiness.

रोज़नि पुठ्यां ईदूं, ईदुनि पुठ्यां रोज़ा।

हिन्दी अनु. रोज़ों के पीछे ईदें, ईदों के पीछे रोज़े।

Eng. tr. After fasting days come 'Ids', and after 'Ids' come fasting days.

लाह्युनि पुठ्यां चाड्यूं, चाड्युनि पुठ्यां लाह्यूं।

हिन्दी अनु. उतार के पीछे चढ़ाव, चढ़ाव के पीछे उतार।

Eng. tr. A climb follows a slope, and a slope follows a climb.

वारा ज़मारा आहिनि।

हिन्दी अनु. हर एक की बारी आती है।

Eng. tr. Every one has his turn.

ससु जा सउ डींहं त नुंहुं जो बि हिकिड़ो डींहुं।

हिन्दी अनु. सास के सौ दिन हैं तो बहू का भी एक दिन आएगा।

Eng. tr. If the mother-in-law has her hundred days, even the daughter-in-law will have her day.

मराठी एके दिवशी तूप-पोळ्या चळचळीत, एके दिवशी बसला कण्या गिळीत. एके दिवशी हत्तीवर अंबारी, एके दिवशी पायी निघाली स्वारी.

हिन्दी अनु. एक दिन घी-रोटी खाँड, तो एक दिन चावल का माँड।
एक दिन हाथी पर अंबारी, तो एक दिन पैदल निकली स्वारी।

Eng. tr. Eats bread and butter one day, coarse gruel on another; one day he rides on the elephant, and on another walks on foot.

कधी उन्हाळा तर कधी पावसाळा.

हिन्दी अनु. कभी गरमी तो कभी बरसात।

Eng. tr. (1) Summer and monsoon altrenate.
(2) There is summer for some (ays, and monsoon for some days.

गाड्यावर नाव, नावेवर गाडा.

हिन्दी अनु. गाड़ी पर नाव, नाव पर गाड़ी।

Eng. tr. (On the road) the boat is on the cart, but (in water) the boat carries the cart.

चार दिवस सासूचे चार दिवस सुनेचे.

हिन्दी अनु. चार दिन सास के, चार दिन बहू के।

Eng. tr. The mother-in-law has her four days, and later the daughter-in-law has hers.

गुजराती गाडां पर नाव ने नाव पर गाडुं.
हिन्दी अनु. बैलगाड़ी पर नाँव तो नाँव पर बैलगाड़ी।
Eng. tr. A boat on a cart and a cart on a boat.

चार दाहडानुं चांदरणु, ने घोर अंधारी रात.
हिन्दी अनु. चार दिन की चाँदनी, फिर घोर अंधेरी रात।
Eng. tr. The moonlight for four days only, and a terrible dark night afterwards.

सुख पुठे दुख, दुख पुठे सुख.
हिन्दी अनु. सुख के पश्चात् दुख, और दुख के पश्चात् सुख।
Eng. tr. Happiness follows sorrow, and sorrow follows happiness.

सो दहाडा चोरना, तो एक दहाडो शाहनो.
हिन्दी अनु. सौ दिन चोर के, तो एक दिन साहूकार का भी।
Eng. tr. If the thief has a hundred days, the merchant (banker) also has one.

बाङ्ला आलोर पर आँधार।
हिन्दी अनु. उजाले के बाद अंधेरा।
Eng. tr. Darkness follows the daylight.

कखनो दिन बड़ो कखनो रात बड़ो.
हिन्दी अनु. कभी दिन बड़ा, कभी रात बड़ी।
Eng. tr. Sometimes the days are long, and sometimes the nights.

चोरेर दशदिन, गृहस्थेर एकदिन।
हिन्दी अनु. चोर के दस दिन, गृहस्थ का एक दिन।
Eng. tr. A thief may escape on ten occasions, but one day the householder will succeed in catching him.

असमीया आजि भिखारिनी, कालि पाटराणी।
हिन्दी अनु. आज भिखारिनी, कल पटरानी।
Eng. tr. To-day a beggar woman, tomorrow a queen.

आन्धारर पिछत पोहर।
हिन्दी अनु. अंधकार के बाद प्रकाश।
Eng. tr. Light after darkness.

बरुवारो एदिन, धरुवारो एदिन।
हिन्दी अनु. साहुकार का एक दिन, कर्जदार (ऋणी) का एक दिन।
Eng. tr. A day for Barua—the creditor, and a day for the debtor.

बामुणरो एदिन, बहुवारो एदिन।
हिन्दी अनु. एक दिन ब्राह्मण का, एक दिन नौकर का।
Eng. tr. A day will come for the servant as it comes for a Brahmin.

ओड़िआ केतेबेळे शगड उपरे नाहा, केतेबेळे नाहा उपरे शगड।
हिन्दी अनु. कभी गाड़ी पर नाव, कभी नाव पर गाड़ी।
Eng tr Sometimes the boat is on the cart, sometimes the cart is on the boat.

तमिऴ ओडम् वण्डियिलुम् वण्डि ओडत्तिलुम् काणवुम् पडुम्.
हिन्दी अनु. कभी नाव गाड़ी पर, और कभी गाड़ी नाव पर दिखेगी।
Eng. tr. A boat may be seen in a cart, and a cart on a boat.

शेट्टियारुक्कु ओरु कालम्, शेवकनुक्कु ओरु कालम्.
हिन्दी अनु. कुछ दिन शेठ के, कुछ दिन नौकर के।
Eng. tr. Some days for master, some days for the servant.

तेलुगु ओडलु बंड्लवच्चु, बंड्लु ओडल वच्चु.
हिन्दी अनु. नावें गाड़ियों में जाएँ, गाड़ियाँ नावों में जाएँ।
Eng. tr. The boats may go over the carts, the carts may go over the boats.

चीकटि कोन्नाळ्ळु, वेन्नेल कोन्नाळ्ळु.
हिन्दी अनु. कुछ दिन अंधेरा, कुछ दिन उजाला (चांदनी)।
Eng. tr. Darkness for some days, moonlight for some days.

कन्नड अत्तेगोंदु काल, सोसेगोंदु काल.
हिन्दी अनु. सास का कुछ समय, बहू का कुछ समय।
Eng. tr. There is a time for the mother-in-law, and there's a time for the daughter-in-law.

एरिदव इळिदानु.
हिन्दी अनु. चढ़ाव के बाद उतार है ही।
Eng. tr. He who rises high, will have to come down.

दुःखद मेले सुख, सुखद मेले दुःख.
हिन्दी अनु. सुख के बाद दुःख, दुःख के बाद सुख।
Eng. tr. Sorrow after joy, and joy after sorrow.

रागि हिट्टु तिन्नुवुदोंदु काल, रवे हिट्टु तिन्नुवुदोंदु काल.
हिन्दी अनु. कभी रागी का आटा, कभी गेहूँ की सूंजी।
Eng. tr. At one time Ragi ball to eat, but at another time wheat flour to eat.

मलयाळम् एन्नुं पकिट पन्त्रण्टल्ल.
हिन्दी अनु. हमेशा पौ बारह न होगा।
Eng. tr. The dice will not always count twelve.

आनरक्कोरुकालं वन्नाल् पूनरक्कोरु कालं वरुं.
हिन्दी अनु. हाथी के अपने दिन होते हैं, तो बिल्ली के भी होते हैं।
Eng. tr. If the elephant has its days, the cat also will have its days.

वरुतियक्कोरु पोरुति.
हिन्दी अनु. हर अकाल के लिए एक सुकाल।
Eng. tr. For every famine, there is a period of plenty.

संस्कृत रिक्ता भवन्ति भरिता भरिताश्च रिक्ताः।
हिन्दी अनु. जो खाली है वह भर जाता है, और जो भरा हुआ है वह खाली होता है। (काल का चक्र ऐसे ही घूमता रहता है।)
Eng. tr. The empty of the present gets filled up, and the filled up gets empty in the course of time.

नीचैर्गच्छत्युपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण।
हिन्दी अनु. पहिये की तीलियों के समान अवस्था ऊपर नीचे होती रहती है।
Eng. tr. Situation changes up and down like the spokes of a wheel.

३७

कष्ट कोई करे, लाभ किसी और को।

आशय

निम्नलिखित कहावतों नें एक और व्यावहारिक अन्याय पर रोशनी डाली है। प्रतिदिन ऐसा दृगोचर होता है कि जो कष्ट करता है उसी को उस के कष्टों का फल नहीं मिलता। लाभ कोई और उठाता है। कष्ट खेतीहर उठाता है और धान मालिक के कोठी में आ पड़ता है। मजदूर एड़ी चोटी का पसीना एक कर के आवश्यक वस्तुओं का निर्माण करता है और मालिक पैसा कमाता है। यह भीषण अन्याय बड़ी रोचकता से सम्मुख रक्खा गया है। मलयाळम् कहावत बड़ी सुंदरता से इस भाव को सामने लाती है — "दुपट्टा और कड़ा पणिक्कर पाता है जब मार खाती है ढाल।"

Subject

Many a times, one person is found labouring while the other benefits from it. The following proverbs are an expression of it. A Malayalam proverb expresses this sorry state of affairs thus — "Panikkar receives the robe and armlet, while the shield receives the cuts and blows."

हिन्दी अंडे सेवे कोई बच्चे लेवे कोई।
Eng. tr. One hatches the eggs, another carries chickens.

अंधी पिसे, कुत्ता खाए।
Eng. tr. The blind woman grinds, and the dog eats.

अइली गेली से सुनथि फकरा बैसल बिलाई के तीन बखरा। (मुज.)
(किसी वस्तु को पाने के लिए जिस ने दौड़धूप की उस की तो पूरी फजीहत हुई और जो बैठा रहा उसे वस्तु का तीन हिस्सा प्राप्त हुआ।)

Eng. tr. One who endeavoured to earn a thing, became a stock of ridicule; one who was idle, got three quarters of it.

अरजऽला भीम भोगऽला भगवान। (दर.)
(उपार्जित करता है भीमकाय व्यक्ति और उस का उपयोग करते हैं भाग्यवान लोग।)

Eng. tr. The strong one earned and the fortunate one consumed.

कटेगा बटाऊ का, सीखेगा नाऊ का।

Eng. tr. The way-farer is cut, while the barber's son learns. (A barber learns by shaving fools.)

कटे जजमान के सीखे नउवा। (पट.)
(हजामत के समय काटता है जजमान का अंग, और उस से हजामत बनाना सीखता है नाई।)

Eng. tr. The barber learns at the cost of the customer.

कमाय लँगोटिया खाय लमधोतिया।
(सर्वहारा वर्ग – गरीब मिहनत कर के उत्पादन करता है, मगर उस पर मौज करते हैं पूँजीवाले।)

Eng. tr. The man with a rag (poor man) earns and the man with a flowing dhoti (rich man) enjoys.

कमावै धोतीआला खा ज्याय टोपीआला। (राज.)
(कमाते हैं धोतीवाले, खा जाते हैं टोपीवाले। (हिन्दुस्थानी कमाते हैं और उन का रुपया अंग्रेज ले जाते हैं।)

Eng. tr. The people wearing 'dhotis' (Indians) earn, and the ones wearing hats (Englishmen) eat up.

काटे बार, नाम हो तलवार का,
लड़े सिपाही, नाम हो सरदार का।

Eng. tr. The sharp edge slays and the sword gets the credit. The soldier fights and the general gets the credit.

काम करै ऊधोदास, जीम ज्याय माधोदास। (राज.)
(काम करता है ऊधोदास, और खा जाता है माधोदास।)

Eng. tr. Udhodas earns and Madhodas eats.

कारबार दाई के नाँव भऊजाई के। (चंपा.)
(काम किया दाई ने, नाम भउजाई का।)

Eng. tr. 1. The maid servant did the job and the brother's wife was credited with it.
2. The mid-wife performed the job and the brother's wife was credited with it.

कीड़ी संचै तीतर खाय, पापी का धन पर ले जाय।
(चींटी अन्न जमा करती है और तीतर खा जाता है। इसी तरह पापी धन कमाता है और दूसरे लोग उड़ाते रहते हैं।

Eng. tr. The ants collect grains and the partridge eats it away. The ill got wealth is taken away by others.

कुटनी पिसनी कैं एक बखरा बैसल बिलाई के तीन बखरा। (मुज.)
(कूटने पीसनेवाली को एक हिस्सा और बैठी रहनेवाली बिल्ली को तीन हिस्से।)
(बैसल बिलाई – निकम्मा आदमी।)

Eng. tr. One who pound and ground got a quarter, and the other sitting idle got three quarters.

कूटत कूटत हमार जान जाले, लीलत लीलत तोहर जान जाले। (चंपा.)
(कूटते कूटते जान जा रही है हमारी, और खाते खाते जान जा रही है तुम्हारी।)

Eng. tr. We are dying of over work, and you are dying of excessive eating.

कूट पीस के लइली हीरा अलगट मांड पसवली जीरा। (चंपा.)
(हीरा कूट पीस कर ले आई और खाया जीरा ने।)
(अलगट–बिना रोक–टोक के, लीलया।)

Eng. tr. Hira prepared the gruel with great effort, and Jira consumed it effortlessly.

खरी बिनौला सँडवा खाय, जोतै फाँदै बँड़वा जाय।
(साँड खली और बिनौला खाता है, बाँडा बैल हल में जोता जाता है।)

Eng. tr. The bull eats oil-cakes and cotton-seed, while the ox is yoked to the plough.

खाय भीम, हगे शकुनी।

Eng. tr. Bhima eats and Shakuni defecates.

खावण पीवणने खेमली नाचणने गजराज। (पाठभेद – नगराज) (राज.)
(खाने–पीने को तो खेमली और नाचने को गजराज।)

Eng. tr. The family eats while the elephant dances (to earn).

खेती कर कर हम मरे, बहोरे के कोठे भरे।

Eng. tr. I worked myself to death in the field, and it was the banker who filled his granary.

गढ़ै कुम्हार, भरै संसार।

पाठभेद घड़े कुम्हार, भरे संसार।

Eng. tr. The potter makes the pots and the whole world uses them to fill water.

चिडियाँ करे खोँचा, चिड़ा करे नोंचा।

Eng. tr. The hen sparrow collects the stufflings (for the nest), and the cock scratches it to pieces. (Said of a prudent woman of an extravagant husband.)

डांड टूटे रंडी के भड़ुँआ दोसाला ओढे।

Eng. tr. The prostitute earns by the sweat of her brow, the pimp covers himself with a rich shawl.

दुल्हा दुल्हन पाए, शाह-बाला लातें खाए।

Eng. tr. The bride-groom gets the bride, and the best man gets the kicks. (Shah-bala is the boy that follows the bride-groom in all ceremonies and comes in for all the chaft.)

नाफा साफा नानी खइहेन, कमर तुरावे नातिन जइहेन। (चंपा.)
(मुनाफा खाएगी नानी और कमर टूटेगी नातिन की।)

Eng. tr. The mother's mother gets all the benefit, when the grand-daughter works to death.

पठानों नें गाँव मारा, जुलाहों की चढ बनी।

Eng. tr. The pathans conquered the town, and the weavers get the benefit.

पुरुख उपजावे धान तऽ मौगी लछनमान। (मुज.)
(पुरुष धन-धान उपार्जित कर के लाता है, तो घर की स्त्रियाँ उस से मौज उड़ाती हैं, दान-पुण्य करती हैं।)

Eng. tr. Man produces, and the woman is called virtuous. (She gives alms and gifts at the expense of man.)

पूनी अरजे पापी खाय पुन्नी जीउ अकारथ जाय। (पट.)
(पुण्यात्मा संपत्ति एकत्र करते हैं, और पापी उसे खा जाते हैं। अतः पुण्यात्माओं की जान यों ही निरर्थक चली जाती है।)

Eng. tr. The righteous earns, and the sinner consumes. The life of the righteous is worthlessly spent.

बह सरे बैल, बैठे खाए तुरंग।

Eng. tr. The ox labours and the stallion eats at his ease.

ENGLISH

1. One beats the bush, another catches the bird / hare.
2. Foxes dig not their own holes.
3. The blood of the soldier makes the glory of the general.
4. One soweth, another reapeth.
5. The chicken is the country's, but the city eats it.
6. A fish monger's wife may feed a conger, but a serving man's wife may starve from hunger.

उर्दू

अंडे सेवे कोई बच्चे लेवे कोई।

Eng. tr. Someone hatches the eggs and another takes away the chicks.

अंडे सेवे फाख्ती और कव्वे बच्चे खाये।

Eng. tr. The dove hatches her eggs and the crow eats the young ones.

अंधी पीसे कुत्ता खाये।

Eng. tr. The blind woman grinds, and the dog eats.

कमाये मियाँ खानखानान, उडाये मियाँ फहीम।

Eng. tr. Mr. Khankhanan earns, and Mr. Fahim squanders.

काटे बाढ नाम तलवार का, लड़े फौज नाम सरदार का।

Eng. tr. The sharp blade of the sword cuts, but the sword gets a name; the army fights, but the general gets the name.

गोंदपँजरी और ही खाये जच्चारानी पड़ी कराहे।

Eng. tr. The sweet-meat is eaten away by someone and the woman who has delivered lies groaning. (The sweet-meat is made out of gum, is medicinal and is meant for a woman who has just been delivered of her child.)

घी सँवारे सालन और बड़ी बहू का नाम।

Eng. tr. The side dish is made tasty due to the ghee and the elder daughter-in-law gets a name.

पीसमुई पकामुई आये लोठे खा गये।

Eng. tr. I ground the flour, I cooked it, and the shameless wretches have eaten it away.

पंजाबी अन्ना वट्टे रस्सी, पिच्छों वच्छा खावे।

हिन्दी अनु. अन्धा रस्सी ऐंठें पीछे बछडा खाय।

Eng. tr. The blind one twists the cord, and the calf swallows it from behind.

अन्नी पिहंदी गई, ते कुत्ती लक दी गई।

हिन्दी अनु. अंधी पीसती गई, कुत्ती चाटती गई।

Eng. tr. The blind woman went on grinding the flour, and the bitch went on licking it up.

कुकड़ी नाई दी, मुजरा मुकद्दम दा।

हिन्दी अनु. मुर्गी नाई की, मुजरा मुखिया को।

Eng. tr. The hen belonged to the barber, but the headman received salute for it.

खाणपीण नूं भागभरी ते धोंण भनावण नूं जुम्मा।

हिन्दी अनु. खाने-पीने को भागभरी और काम के लिये जुम्मन।

Eng. tr. Bhagbhari for eating and drinking, and Jnmman for odd jobs.

घड़े कुमिआर, भरे संसार।

हिन्दी अनु. घड़े कुम्हार, भरे संसार।

Eng. tr. The potter makes the pitcher, and the people fetch water in it.

घाल घाल बलद मरे खेती चरे तुरंग।

हिन्दी अनु. मेहनत कर बैल मरे, घोड़ा खेत चरे।

Eng. tr. The bullocks till the year round, and the horse grazes the crop.

घिओ संवारे सालना ते वड्डी बहु दा नां।

हिन्दी अनु घी संवारे सब्जियाँ और बड़ी बहू का नाम।

Eng. tr. It is the ghee that flavours the vegetables, but the elder daughter-in-law gets the praise.

कश्मीरी ज़ंगु रादि ओन् ज़्यूनू, तुँ ज़्यवुॅरादि न्यव् रव्यव्।

हिन्दी अनु लम्बी टांगोवाले ने कमाया, लम्बी जीभवाले ने खाया।

Eng. tr. The long-legged earned and the long-tongued devoured.

सिंधी अंधनि आंदो कुतनि खाधो।

हिन्दी अनु. अंधे लाये, कुत्तों ने खाया।

Eng. tr. The blind brought and the dogs licked.

अंधी पीहे, कुती चटे।

हिन्दी अनु. अंधी पीसे, कुतिया चाटे।

Eng. tr. The blind womane grinds and the bitch licks it away.

कुकिड़ी कोरी अ जी नाउ वडे ड़े जो।

हिन्दी अनु. मुर्गी लड़ती है कोरी की, और नाम होता है ज़मीनदार का।

Eng. tr. The hen of the Hindu weaver fights, but the landowner gets a name for it.

खूही खमणजी, नालो नाराइण जो।

हिन्दी अनु. कुआँ बनवाया खमण ने और नाम हुआ नारायण का।

Eng. tr. Khaman got the well dug but the credit was all given to Narayan.

ब्रे तेलु, खामे वटि, वाह ड़े डिया वाह।

हिन्दी अनु. जले तेल, जल कर कम हो बाती, शाबाश दीए शाबाश।

Eng. tr. The oil is consumed, the wick burns–Bravo, O lamp, bravo!

विढ़नि सिपाही नालो थिए सर्दार जो।

हिन्दी अनु. लड़े सिपाही, नाम सरदार का।

Eng. tr. The soldiers fight and the sardar gets a name.

मराठी अंधळा मळी रेडा खाई.

हिन्दी अनु. अंधा देवरी करे भैंसा खाय।

Eng. tr. A blind man thrashes corn but the bull-buffalo eats it.

अंधळे दळते व कुत्रे पीठ खाते.

हिन्दी अनु. अंधा पीसे कुत्ता खाय।

Eng. tr. A blindone grinds but the dog eats the flour.

अक्काबाईच्या म्हशी, बकाबाईला उठाबशी.

हिन्दी अनु. अक्काबाई की भैंसें और बकाबाई को माथापच्ची।

Eng. tr. The buffaloes belong to Akkabai but Bakabai runs about looking after them.

घोडे कमावते आणि गाढव खाते.

हिन्दी अनु घोड़ा कमाता है और गधा खाता है।

Eng. tr. The horse earns while the donkey eats.

चाखी नाग्या, नागवला तुक्या.

हिन्दी अनु. नाग्या चखे, तुक्या लुट जाय।

Eng. tr. 'Nagya' enjoys the fruit while 'Tukya' is made a pauper.

चोर करी चोरी आणि दागिणे सोनाराच्या घरी.

हिन्दी अनु. चोरी करे चोर, और गहने ज़ेवर सुनार के घर।

Eng. tr. A thief robs while the ornaments are in the goldsmith's house.

दळण दळते चत्री, पीठ खाते कुत्री.

हिन्दी अनु. चतुर स्त्री पीसती है, और कुत्ता आटा खाता है।

Eng. tr. A clever woman grinds the grain, and the flour is eaten by the dog.

मामाच्या म्हशी, भाचीला उठाबशी.

हिन्दी अनु. मामा की भैंसें, भाँजी देखभाल करे।

Eng. tr. Buffaloes of the maternal uncle are taken care of by the niece.

संसार केला एकटीने वाहून नेला फुकटीने.

हिन्दी अनु. अकेली ने घरगृहस्थी जुटाई, मुफ्त में दूसरी उठा ले गई।

Eng. tr. One runs the house but fhe othər enjoys its fruits.

संसार केला युक्तीने घर खाल्ले फुकटीने.

हिन्दी अनु. घरवाली ने युक्ति से गृहस्थी जुटाई, बाहरवाली ने वह चौपट की।

Eng tr. His wife ran the household with thrift, and he spent extravagantly on another.

गुजराती कीडी संचरे, तीत्तर खाय.

हिन्दी अनु. चींटी इकट्ठा करे पर तीतर खा जावें।

Eng. tr. Ant stores up (collects, gathers), but trancoline partridge eats it away.

खाय पीए खांडणी, ने कुटाई मरे सुपडुं.

हिन्दी अनु. खाये पीये ओखली और सुपड़ा कुटा जाए। (पीटा जावे।)

Eng. tr. Mortar eats and drinks (i.e. enjoys all comforts), and a winnowing fan is beaten.

धोबण बिचारी धोणां धोय, पण मोचण ने बारणे वागे मृदंग.

हिन्दी अनु. धोबिन बिचारी कपड़े धोवे पर मोचिन के दरवाजे ढोल बजे।

Eng. tr. The poor washer-woman washes clothes. while the drum beats at the door of the cobbler woman.

नात नात नुं वरे, ने मुसाभाई नां वा ने पाणी.

हिन्दी अनु. जाति जाति का खाती है (सार्वजनिक भोजन), और मूसाभाई (जाति के मुखिया) के हवा पानी। (वाहवाही।)

Eng. tr. The caste eats the caste-dinner at its own cost, but all praise for Musabhai.

पापीनुं धन पल्ले जाय, कीडी संचरे ने तीतर खाय.

हिन्दी अनु. पापी का धन पल्ले जाय, चींटी संचय करे (इकट्ठा करे) और तीतर खाय।

Eng tr. The richness of a sinner goes to a stranger, the ant stores and the partridge eats.

पेमली जणे, ने पेमलो सुवावड खाय.

हिन्दी अनु. पेमली (प्रेयसी) जने और पेमलो (प्रेमी) प्रसूती का आहार खाये।

Eng. tr. Pemli delivers and Pemlo enjoys the choice food served during child-birth. (Pemlo enjoys the delicacies; the dainty food.)

बेल कमाय ते घोडा खाय.

हिन्दी अनु. बैल कमाता है, घोड़ा खाता है।

Eng. tr. The horse eats up what the bullock earns.

मेहमनी बोरडी, ने मजगामनां बावर, कोणे पैसे कोण थाय दावर.

हिन्दी अनु. माहिम की बेरी (बेर का झाड) और मजगाँव (बम्बई के उपनगर) का बबूल। किस के पैसे से कौन पैसेवाला हो जाता है। (जब बम्बई बस रही थी तब की कहावत है।)

Eng. tr. A berry from Mahim and babul from Mazgaon (both suburbs of Bombay). Whose money and who gets the benefit !

रांधनारनी पांती धुमाडो.

हिन्दी अनु. रसोई बनानेवाली धुआँ ही पाती है।

Eng. tr. Smoke only to the share of one who cooks.

रांधे एक, खाय बीजो.

हिन्दी अनु. रसोई एक बनाये और खाये दूसरा।

Eng. tr. One cooks and another eats up.

वावे कलजी ने लणे लल्लजी.

हिन्दी अनु. बोवे कल्लूजी और काटे लल्लूजी।

Eng. tr. Sows Kalji and reaps Lallaji.
(Kalji and Lallaji are proper names.)

होलो रळे ने तीत्तर खाय, ने पापीनुं धन पल्ले जाय.

हिन्दी अनु. होला कमा कर लाये (होला नामक पक्षी) और तीतर खायें। पापी का धन पल्ले जाय।

Eng. tr. The bird 'Hola' earns and the partridge eats it away. The ill got wealth is taken away by others.

बाङ्ला आज रेंधेछे के? ना, एड़ाने; तबे ये एमन भालो हये छे? ना, बड़बउयेर नाड़ाने।

हिन्दी अनु. आज खाना किस ने पकाया? उस कामचोर (छोटी बहू ने)। तब इतना अच्छा कैसे बना? जो बड़ी बहू ने करछुल चलायी।

Eng. tr. Who has cooked today? Oh, the same, workshirker! (Younger daughter-in-law) But it's so tasty! Lo! That's due to the elder daughter-in-law's supervision.

उद्‌बिडाले माछ धरे, खट्टाशे तिन भाग करे।

हिन्दी अनु. ऊदबिलाव मछली पकड़ता है, और मुश्कबिलाव उस के तीन भाग करता है। (दो खुद खाता है।)

Eng. tr. The otter catches the fish, while the pole-cat divides the catch into three (and takes two parts for himself).

कुँतिये मलो देवकी, नाम पड़ालो यशोदारानीर।

हिन्दी अनु. देवकी ने दुःख सहा, नाम हुआ यशोदा का।

Eng. tr. Dewaki suffered the pangs, but Queen Yashoda earned the fame.

कुल पाड़े, परे खाय, काँदते काँदते घरे जाय।

हिन्दी अनु. बेर कोई तोड़े, खाये कोई और, तोड़नेवाला रोते रोते घर जाए।

Eng. tr. One (climbs the tree and) throws down the jujubes which others gather; the first one goes home crying (as nothing is left for him).

केउ भेने-कुटे मरे, केउ फूँ दिये गाल भरे।

हिन्दी अनु. कोई तरकारी काटता रहे, कोई मुँह में भरता रहे।

Eng. tr. One works to death (in the kitchen) cutting vegetables etc. and someone else stuffs it in the mouth.

छागले बियोय, शियाले खाय।

हिन्दी अनु. भेड़ जने, गीदड़ खाये।

Eng. tr. The sheep bring forth, the foxes feast on them.

	सेपाइ करे लड़ाई, सेनापति करे बड़ाइ।
हिन्दी अनु.	सिपाही करे लड़ाई, सेनापति करे बड़ाई।
Eng. tr.	The soldiers fight and the general shows the pride.
	हालिया हाल चषे, कृषाण तोले धान।
	आगे खाय चोर चाट्टा, पिछे खाय कृषाण॥
हिन्दी अनु.	हाली हल चलाये, किसान फसल सजीये।
	पहले खायें चोर उचक्के, पीछे किसान खाये॥
Eng. tr.	Ploughman ploughs and peasant raises the crop, but first to enjoy are thieves and pilferers and last the peasant.
असमीया	आर्ज्जे नन्द गोवाले, खायं बोन्दा शियाले।
हिन्दी अनु.	उपार्जन करता है नन्द ग्वाला, खातें हैं बिल्ली और शृगाल।
Eng. tr.	The cowherd Nand earns while the cat and jackal eat.
	कणि पारे हाँहे, खाय भकतदाहे।
हिन्दी अनु.	बतख अंडा दे और भकतदाह खा जाय।
Eng. tr.	The duck lays eggs and 'bhakatdah' eats them.
	कलीया दँताय आज्जे, धला दँताइ खाय।
हिन्दी अनु.	काले दाँतवाला कमावे, सफेद दाँतवाला खाए।
Eng. tr.	The black toothed earns and white toothed eats.
	गिरीहँत मरे खरलि खाय, चोरे निये लफा दाय।
हिन्दी अनु.	गृहस्थ वंचित रहता है, और चोर 'लफा' घास काट कर ले जाता है।
Eng. tr.	The owners eat the humble pie and the thieves harvest the 'lapha' greens.
	जाकै मारे खालैर नाम।
हिन्दी अनु.	मछली पकड़ता है काँटा, नाम होता है टोकरी का।
Eng. tr.	The angle catches the fish and the basket earns a name.
	मालीर फुले देउरी सुवा।
हिन्दी अनु.	माली के फूलों से पुजारी का नाम।
Eng. tr.	The temple attendant takes the credit with the flowers of the gardener.
	हापाइ आने तिरी, बोन्दा ओपरते गिरी।
हिन्दी अनु.	हापा स्त्री लाता है, और बोन्दा मालिक बन बैठता है।
Eng. tr.	Hapa brings a wife and Bonda assumes the ownership. (One enjoys things earned by the sweat of another's brow.)
ओड़िआ	कीचक बाहुबळे बिराट राजा।
हिन्दी अनु.	कीचक के बाहुबल से विराट राजा था।
Eng. tr.	Birat was king on the strength of Kichak's arms.

खण्डा हाणे फरि जश निए ।

हिन्दी अनु. तरवार मारे, यश मिले फरसे को ।

Eng. tr. The sword slains and the credit goes to the axe.

ढोल खाए माड, हाडि खाए कउडि ।

हिन्दी अनु. ढोल खाए मार, हाड़ी को पैसे ।

Eng. tr. The drum takes the beating, the drummer takes the money.

दारी अरजन भडुआ खाए, दारी नाचि नाचि मरि जाए ।

हिन्दी अनु. वेश्या की कमाई भडुआ खाए, वेश्या नाच नाच कर मर जाए ।

Eng. tr. Pimps eat the whore's earning, the whore dies of dancing (to earn a living).

दारी अरजि अरजि मरे, बणिआ फुंक रे उड़ाइ दिए ।

हिन्दी अनु. वेश्या कमा कमा कर मरे, सुनार फूँक कर उड़ा दे । (गहने में कमाई उड़ा दे ।)

Eng. tr. Prostitutes die to earn, and the goldsmith sweeps it up in a whiff.

बळद कमाए चणा, घोडा खाए दाना ।

हिन्दी अनु. बैल कमाये चने, घोड़ा खाय दाने ।
(एक उपार्जन करे, दूसरा मौज उड़ाए ।)

Eng. tr. A bullock earns gram and the horse eats it.

हाडि खाए कउडि, ढोल खाए माड.

हिन्दी अनु. (चमार) ढोलची पाए पैसा, ढोल को मार ।

Eng. tr. The drummer takes (eats) the money, the drum takes the beating.

तमिळ अत्तैवायन् तेडक् कर्पूरवायन् तिन्न ।

हिन्दी अनु. गंदा मुखवाला प्राप्त करे तो कर्पूर सुगंधवाला व्यक्ति खाता है ।

Eng. tr. Accumulated by the foul mouthed and consumed by a mouth fragrant with camphor.

ऊर् कूडिच् चेक्कुतळ्ळ, वाणियन् अॆण्णॆय् कॊण्डुपोळ.

हिन्दी अनु. सब मिलकर कोल्हु को घुमाय और तेली तेल ले कर जाय । (मेहनत किसी की, नफा किसी का ।)

Eng. tr. The oil mill is operated by many (hands), but the oilman takes the oil.

ऎलि वीडु कट्टप् पांबु कुडिकॊळ्ळुम् .

हिन्दी अनु. चूहा घर बनावे, साँप निवास करे ।

Eng. tr. A rat makes the hole, a snake inhabits it.

करैयान् पुट्टप् पांबुक्कु उदवुगिऱदु.

हिन्दी अनु. वाल्मिक का उपयोग साँप करेगा ।

Eng. tr. An anthill is useful to a snake.

तगप्पन् तेडक् कर्त्तन्, पिळ्ळै अळिक्कक् कर्त्तन्.
हिन्दी अनु. पिता धन कमाता है, पुत्र उसे उडा देता है।
Eng. tr. The father acquires wealth, the son destroys it.

पंजे पणिगारम् शुट्टुम्, वींगल् विशारप्पट्टुम्.
हिन्दी अनु. गरीब ने पकवान बनाया, उस के लिए लालची तड़प रहा है।
Eng. tr. The poor baked the cakes, the greedy longed for them.

तेलुगु कुंचालम्म कूडबेस्ते, मंचालम्म मायं चेसिंदट.
हिन्दी अनु. कुंचालम्मा ने जमा किया, मंचालम्मा ने हड़प किया।
Eng. tr. What Kunchalamma has laid by, Munchalamma has devoured.

कोति गेन्तडं सायबु संपादिचडं.
हिन्दी अनु. नाचता है बन्दर, पैसा कमाता है मदारी।
Eng. tr. The monkey dances, and the sahib makes money.

गाडिदल मोत, गुराल मेत.
हिन्दी अनु. (बहुवचन भी चलेगा।) गधा भार ढोता है, घोड़ा दाना खाता है।
Eng .tr. The ass bears and the horse eats.

मन्त्रमुचेप्प मल्लुभट्लु, तिनडानिकि एल्लुभट्लु.
हिन्दी अनु. मन्त्र कहने के लिए मल्लुभट्लु और खाने के लिए एल्लुभट्लु।
Eng. tr. Mallubhatlu to chant the prayers and Ellubhatlu to eat.

कन्नड अण्ण मण्णु माडिद, तम्म रोक्क माडिद.
हिन्दी अनु. बड़े भैय्या ने मिट्टी बनायी, छोटे भाई ने पैसे कमाएँ।
Eng. tr. The elder brother made mud, younger brother made money.

उम्बोके उडोके अण्णप्प केलसक्के मात्र दोण्णप्प.
हिन्दी अनु. खाने पहनने अण्णप्पा, करने धरने दोण्णप्पा।
Eng. tr. For food and clothes Annappa, for toil and work Donnappa.

गळिसोनोब्ब, बळसोनोब्ब.
हिन्दी अनु. कमावे कोई, खावे कोई।
Eng. tr. One earns and another spends.

गेद्दलु हुत्तविक्कि हाविगे मने माडितु.
हिन्दी अनु. दीमक की मेहनत, साँप की हुकुमत। (साँप ने घर किया।)
Eng. tr. In the (ready) anthole the snake makes his house.

मलयाळम् अटिकोळ्ळान् चेण्ट पणं वाङ्ङान् मारार्.
हिन्दी अनु. मार खाता है ढोल, पैसा लेता है ढोलची।
Eng. tr. The drum receives the blows, but the drummer gets the money.

ओलु चीञ्जाल् मट्टोन्निनुं वळं.

हिन्दी अनु. एक सड़ जाय तो दूसरे का खाद ।

Eng. tr. The decay of one is the manure for the other.

इटिच्चवळुं पोटिच्चवळुं इरिय्क्के, अेत्तिनोक्कियवळ् कोण्टुपोयि.

हिन्दी अनु. कूटनेवाली और पीसनेवाली तो वहीं रह गयी, मगर झाँकनेवाली ले गयी ।

Eng. tr. While the grinder and the pounder looked on, the on-looker peeped in and got away with the thing.

पट्टुं वळयुं पणिय्क्कर्क्कु वेट्टुं कुत्तुं परिशय्क्कु.

हिन्दी अनु. दुपट्टा और कडा (कंकण) पणिय्कर पाता है, लेकिन मार खाती है ढाल ।

Eng. tr. Panikkar receives the robe and armlet, while the shield receives the cuts and blows.

३८

कहाँ राजा भोज, कहाँ कंगला तेली ।

आशय

महान् गुणी या समर्थ और श्रेष्ठ व्यक्ति एक तरफ, और दुर्गुणी, दुबला या नीच व्यक्ति दूसरी तरफ, इन दोनों में जो बृहत् अंतर होता है वह दिखाने के लिये इन कहावतों का प्रयोग होता है। श्रेष्ठ और नीच के बीच तुलना ही नहीं हो सकती। मराठी कहावत में यह अंतर ठीक प्रकार से प्रदर्शित होता है-" कहाँ मोतिया, कहाँ थूहर "।

Subject

The following proverbs tell of a vast difference between two people or things, that can not be ever compared with each other. For instance the Marathi proverb — " Where the jasmime, and where the cactus ! "

हिन्दी कहाँ राजा भोज, कहाँ गँगला (कंगला) तेली।

पाठभेद कठै राजा भोज, कठै गाँगलो तेली। (राज.)

Eng. tr. Where the king Bhoj, and where the poor oilman !

कहाँ बुढ़िया, कहाँ राजकन्या !

Eng. tr. There is a vast difference between an old woman and a young princess.

कहाँ रेसम, कहाँ पसम। (चंपा.)

Eng. tr. Where a thread of silk, and where an ordinary hair !

ENGLISH There is a vast difference between an old woman and a princess.

उर्दू तूती की आवाज नक्कारखाने में कौन सुनता है ?
Eng. tr. Who will listen to a pipe in the midst of drums ?

शमा के सामने चिराग क्या ?
Eng. tr. What is an earthen lamp before a candle ?

पंजाबी किथ्थे राजा भोज, किथ्थे गंगा तेली ?
हिन्दी अनु. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली ?
Eng. tr. Where is Bhoja, the king, and where is Gango, the oilman ?

किथ्थे राम राम, किथ्थे टें टें।
हिन्दी अनु. कहाँ राम राम, कहाँ टें टें।
Eng. tr. Where (holy chanting of) Ram Ram, and where a meaningless noise !

कश्मीरी क़ाज़िस् तुँ लंड़स् म्यलुय् क्याह् ?
हिन्दी अनु. काज़ी और हिजड़े का कैसे साथ होगा ?
Eng. tr. How can there be a meeting between a Qazi and an eunuch ?

सिंधी काड़े कोरी, काड़े तरारि।
हिन्दी अनु. कहाँ जुलाहा और कहाँ तलवार।
Eng. tr. Where is the weaver, and where the sword !

कुज़ा राजा भोजु कुज़ा गंगू तेली ।
हिन्दी अनु. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली।
Eng. tr. Where is king Bhoj, and where the oilman Gangu !

मराठी कुठे बाभळ, कुठे चंदन.
हिन्दी अनु. कहाँ बबूल, कहाँ चंदन।
Eng. tr. What is the comparison between a thorn-tree and a sandal-wood tree ?

कुठे मोगरा, कुठे निवडुंग.
हिन्दी अनु. कहाँ मोतिया, कहाँ थूहर ?
Eng. tr. Who can compare jasmine to cactus ?

कुठे मोहोर, कुठे अधेली ?
हिन्दी अनु. कहाँ मुहर, कहाँ अधेली ?
Eng. tr. Where a sovereign (golden coin) and where a farthing ?

कोठे इंद्राचा ऐरावत, कोठे शामभट्टाची तट्टाणी.
हिन्दी अनु. कहाँ इंद्र का ऐरावत (और) कहाँ शामभट्ट की घोड़ी ।
Eng. tr. Where the magnificient elephant of Lord Indra, and where the pony of a brahmin Shyambhat !

कोठे राजा, कोठे पोतराजा.
हिन्दी अनु. कहाँ राजा (और) कहाँ पोतराजा ।
Eng. tr. Where the king, and where an ordinary Potraja.

खंडीत नवटके आणि कटकात चवटके कोळे पाहावे.

हिन्दी अनु. (अनाज के) ढेर में पावसेर और वाद्यवृंद में डुग्गी कैसे देखी जाय ?

Eng. tr. Who will notice a measure of a quarter-seer in the midst of that of twenty-maunds; and who will notice a small drum amidst the whole orchestra!

खयिं महाशेष, खयिं गायंडळु.

हिन्दी अनु. कहाँ महाशेष, कहाँ केंचुआ ?

Eng. tr. Who can compare the king of the cobras and an earthworm?

नगाऱ्याची घाई तेथे टिमकी तुझे काई.

पाठभेद नगाऱ्याची घाई तेथे टिमकीची काय बढाई!

हिन्दी अनु. जहाँ नगाड़ा बजता है वहाँ डफली की क्या बड़ाई!

Eng. tr. Who will notice (hear) the tom tom in the face of a kettle-drum?

सूर्यापुढे दिवटी आणि हनुमंतापुढे कोल्हाटी.

हिन्दी अनु. सूर्य के आगे मशाल और हनुमानजी के आगे छलाँग।

Eng. tr. A torch in front of the sun and a somersault in front of Hanuman (is ridiculous). (Hanuman, who had a great strength and could even cross the seas will naturally find a somersault a ridiculous feat.)

गुजराती क्या गांगा शाह ने क्या गांगा तेली ?

हिन्दी अनु. कहाँ गांगा शाह और कहाँ गांगा तेली ?

Eng. tr. Where Ganga, the emperor, and where Ganga, the oilman!

क्यां राजा भोज ने क्यां गंगा तेली ?

(यह कहावत हिन्दी 'कहाँ राजा भोज और कहाँ गंगा तेली' का अनुवाद है।)

हिन्दी अनु. कहाँ राजा भोज और कहाँ गंगू तेली ?

Eng. tr. Where Bhoj, the emperor, and where Ganga, the oilman (the Teli)? (This proverb has its origin at Dhar and possibly refers to king Bhoja's conquest of the united forces of Gangayyadeva and the king of Telangana, Jayasinha. The original meaning which had nothing to do with Gangu, the oil-woman, was, "How great is Bhoja and how low are his enemies, Gangayya and the king from Telengana.")

क्यां राणो राजियो, ने क्यां काणो कोढियो ?

हिन्दी अनु. कहाँ विराजमान राणा और कहाँ कोढ़ी ? कहाँ महाराजा कहाँ कोढ़ी ?

Eng. tr. Where His Majesty, the king, and where the one-eyed leper?

दरिया आगळ खाबोचियुं.

हिन्दी अनु. समुद्र के सामने डबरा (पोखरी)।

Eng. tr. A pool before the ocean.

नगारानी धोंसमां तुती नो आवाज कोण सांभळे.

हिन्दी अनु. नगारे की धौंस में (आवाज़ में) तूती की आवाज़ कौन सुने ?

Eng. tr. Who hears the sound of a finch in the noise of a kettle-drum ?

नारायण आगळ नारद शा लेख मां ?

हिन्दी अनु. नारायण के सामने नारद की क्या हस्ती ?

Eng. tr. Of what account (importance) is Narad before Lord Narayan ?

हाथी आगळ मगतरुं. (पिस्सू)

हिन्दी अनु. हाथी के पास मच्छर। (डांस)

Eng. tr. A mosquito (gnat) before an elephant.

हाथी तोळाय त्यां गधेडां पासंगमां जाय.

हिन्दी अनु. हाथी के तोल में गधा पासंग में जाता है।

Eng. tr. When an elephant is weighed, the donkeys are used as additional weights (in a pan to equilibrate the false balance).

हाथीना सोदा थाय त्यां चाळीनो पाड कोण पूछे ?

हिन्दी अनु. हाथी का सौदा हो रहा है, वहाँ बकरी को कौन पूछे ?

Eng. tr. When an elephant is bargained for, who cares for the goat ? (चाळी– goat. पाड मानवो – पाड पूछवो – to acknowledge the obliga tion of, to thank.)

बाङ्ला आकाशेर चाँदे आर बानरेर भाले, श्वेत चामरे आर घोड़ार बाले।

हिन्दी अनु. आकाश के चाँद की बन्दर के भाल से, और श्वेत चामर की घोड़े की पूँछ से (तुलना व्यर्थ)।

Eng tr. (To compare) the moon in the sky with the brow of a monkey, and the (sacred) white hair-brush (chowrie) with the hairy tail of a horse.

किसे आर किसे, धाने आर तुषे।

हिन्दी अनु. किस की किस से तुलना। धान की भूसे से ?

Eng. tr. (To compare) anything with anything. (For instance : grain with chaff ?)

कोथाय राजा भोज, कोथाय भजा जेले।

हिन्दी अनु. कहाँ राजा भोज, कहाँ भजा मछुआ।

Eng. tr. Where's king Bhoja and where this Bhaja, the fisherman ?

चाँदेर काछे जोनाकि पोका, ढाकेर काछे टेमटेमि।

हिन्दी अनु. चाँद के आगे जुगनूँ, ढोल के आगे डुगडुगी।

Eng. tr. A fire-fly before the moon, or a tin-can before a drum.

ढाकेर काछे टेमटेमिर बाघि।

हिन्दी अनु. ढोल के सामने डुगडुगी।

Eng. tr. A small tabor before a large drum.

असमीया घर पोरा जुइत जोरर पोहर।

हिन्दी अनु. जलते घर के सामने मशाल की रोशनी।

Eng. tr. The light of a torch before a burning house.

जोनर आगत जोनाकीर पोहर।

हिन्दी अनु. चाँद के सामने जुगनूँ की रोशनी।

Eng. tr. The light of a glow-worm before the moon.

जोरर आगत कि बातिर पोहर।

हिन्दी अनु. मशाल के सामने क्या बत्ती का प्रकाश ?

Eng. tr. What ! the light of a lamp before a torch !

मेरुगिरी पर्ब्बतर आगे कि उँइचिला,
प्रचण्ड बताहर आगे कि शिमलु तुला ?

हिन्दी अनु. मेरु पर्वत के सामने क्या वाल्मिक ? (दीमक की माटी का ढेर।)
आँधी के सामने क्या सेमल की रुई ?

Eng. tr. What is an anthill before Meru mountain ! What is silk cotton before the storm !

ओड़िआ काहिं मुकुन्द देवराजा, काहिं मुकुन्दा भण्डारि।

हिन्दी अनु. कहाँ मुकुन्ददेव राजा, कहाँ मुकुन्दा हजाम।

Eng. tr. Where is king Mukundadeva and where barber Mukunda !

काहिं राणी काहिं चंद्रीकाणी, काहिं हातीदांत काहिं बाउँशकणि।

हिन्दी अनु. कहाँ रानी, कहाँ चंद्रीकानी; कहाँ हाथी दाँत, कहाँ बांस की लकडी।

Eng. tr. Is there any comparison between the queen and the one-eyed woman; between ivory and a bamboo stick ?

हजारे गधरे बाछिले भल, बजारे नुहन्ति घोडाकु तुल।

हिन्दी अनु. हजार गधों में से अच्छा गधा क्या घोड़े की बराबरी करेगा ?

Eng. tr. Choose the best donkey among a thousand, it can not be compared with a horse in the market.

तमिळ समुद्दिरतिर्कुम् शाण् कुण्डुक्कुम् ॲम्मात्तिरम् !

हिन्दी अनु. समुद्र और छोटे से नाले में कितना बड़ा अन्तर है।

Eng. tr. How vast is the difference between the ocean and a span-wide ditch !

सूरियनुडैय पिरगाशत्तुक्कुमुन्ने मिनूमिनि विळंग माट्टादु.

हिन्दी अनु. सूर्य प्रकाश के आगे जुगनूँ चमकेगा नहीं।

Eng. tr. Fire-flies do not shine in the presence of the Sun.

तेलुगु ढिल्ली की ढिल्ली पल्लेकु पल्ली.
हिन्दी अनु. दिल्ली दिल्ली ही है, गाँव गाँव ही है ।
Eng. tr. Delhi is Delhi, hamlet is a hamlet.

नक्क ग्रेक्कड नाकलोकमु - (नागलोक) ग्रेक्कड.
हिन्दी अनु. कहाँ सियार कहाँ नागलोक । (सुरलोक)
Eng. tr. Where is the jackal, where is the heaven ?

कन्नड आने ॲत्त, आडु ॲत्त ?
हिन्दी अनु. कहाँ हाथी, कहाँ भेड़ । (अजगजन्याय)
Eng. tr. Where the elephant and where the goat ! (No comparison.)

नायियेत्त नागलोक वेत्त ?
हिन्दी अनु. कहाँ कुत्ता, कहाँ नागलोक ? (स्वर्ग)
Eng. tr. Where is the dog, and where is the Nagaloka ?

हनुमन सुंदे हारुव गुब्बिये ?
हिन्दी अनु. हनुमान के सामने कूदती चिड़िया ।
Eng. tr A jumping sparrow before Hanuman.

हुलिय कूड नरिगे सरसवे ?
हिन्दी अनु. बाघ से सियार का क्या खिलवाड ?
Eng. tr. Can a jackal sport with a tiger?

मलयाळम् आनयुटे इटपिल् आटो ?
हिन्दी अनु. हाथीयों में बकरे की क्या चलेगी ? (कहाँ हाथी, कहाँ बकरा ।)
Eng. tr. What a difference between an elephant and a goat !

संस्कृत क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः ।
हिन्दी अनु. कहाँ सूर्यवंश का प्रभाव और कहाँ मेरी क्षुद्र बुद्धि ।
Eng. tr. Where the excellence of the Solar Lineage, and where stands my insignificant intellect !

३९

कहे खेत की, सुने खलिहान की।

आशय

किसी को कुछ काम करने के लिये कहा जाता है, और जब वह कुछ तिकड़म ही कर बैठता है तब उस के बारे में ये कहावतें प्रयुक्त होतीं हैं। या तो वह ऊँचा सुनता है, या मूर्ख होता है। कुछ भी हो, जो कहा गया हो उस से विपरीत कह कर बैठता है। बाङ्ला की यह कहावत इस वास्तविकता की परिचायक है - लाने को कहा फिटकिरी, ले आये तूतिया, और कहे, 'यह लो अपनी मिसरी।'

Subject

There are people who are told to do one thing, but do quite another. The person may either be deaf or a blockhead. These proverbs are said of such people. For instance the Bengali proverb – " Asked to fetch a piece of alum, he brings copper sulphate instead and then announces, 'here is your sugar-candy.' "

हिन्दी उरिद के भाव पूछीं बनउर नव पसेर। (चंपा., शाहा.)
(बनउर – cotton seed)

Eng. tr. When inquired about the rate of black-gram, he says, " Cotton seed is fortyfive measures for a rupee. "

कहे आम सुने इमली। (चंपा.)

Eng. tr. He talks of mango, and the other listens tamarind.

कहें खेत की, सुने खलिहान की।

Eng. tr. They are talking of the fields, and he hears about the barn.

कहे ज़मीन की, सुने आसमान की।

Eng. tr. They talk of earth, and he hears of heaven.

मंगाई छींट, लाया ईंट।

Eng. tr. He called for chintz, and they brought him bricks,

मांगे हड़, दे बहेड़ा।

Eng. tr. He asks for 'harh' and he gives 'baherha'.
(हड़ and बहेड़ा are two kinds of myrobolan.)

वाह् पुरखा मेरे चातुर ज्ञानी। मांगी आग, उठा लाया पानी॥

Eng. tr. Bravo, my clever and wise man! I sent for fire and you have brought water.

ENGLISH 1. I talk of chalk, and you hear of cheese.
2 I ask for a fork, and you bring me rake.

उर्दू कहे खेत की, और सुने खलिहान की।
Eng. tr. He talks of the fields, but the other replies about the granary.

कहे दिन की और सुने रात की।
Eng. tr. He talks of the day, but hears of the night.

जमीन को पूछना आसमान को कहना।
Eng. tr. To ask about the earth. and speak to the sky.

पंजाबी गद्दी जेहां ना मूरख दिठ्ठां, मंगो लूण ते देवे मिठ्ठां।
हिन्दी अनु. 'गद्दी' सा मूरख कभी नहीं देखा। माँगो नमक तो दे मीठा।
Eng. tr. Gaddi is a good natured fool. Ask him to give salt, and he will give you sugar.

सवाल कणक जवाब छोले।
हिन्दी अनु. सवाल गेहूँ का, जवाब चने का।
Eng. tr. He has inquired about wheat, his answer is about gram.

सिंधी (१) अटोचे घोबाटो। (२) अटो बाटु चे घोबाटु।
हिन्दी अनु. वह कहे आटा तो वो कहे डण्डा। (या) वो कहे आटा और दलिया तो वो कहे डण्डा।
Eng. tr. (i) Cudgel for flour, (or) (ii) He says flour, the other listens cudgel.

मराठी अंगाऱ्याला गेला, पांगारा घेऊन आला.
हिन्दी अनु. भस्म लाने गया लकड़ी ले कर आया।
Eng. tr. (i) Goes to get ashes bestowed by a saint (for a sickman) but comes back (in time for his funeral), with the logs of the indian coal tree (for his cremation).
(ii) Goes with pride to get the ashes bestowed by saint, but returns with log of wood.

अकलेचे अमीर, सांगितली मेथी आणली कोथिंबीर.
हिन्दी अनु. अक्ल के अमीर, लाने कहा मेथी लाया हरा धनिया।
Eng tr. One who is Intellectually rich, when asked to bring foenugreek grass (a green vegetable), brings corriander leaves.

कान फूक म्हळयार वायन फुकता.
हिन्दी अनु. कान फूँको कहने से ओखली फूँकता है।
Eng. tr. When asked to blow in the ear, he blows in the mortar.

भेरें ऐके तेरे हरभट मागे सांभारे.

हिन्दी अनु. हरभट दाल मांगता है और बहिरा और कुछ सुनता है।

Eng.tr. When Harbhat asks for curry, the deaf one listens something else.

गुजराती अकलनो ओथमीर, मंगावी भाजी ने लई आव्यो कोथमीर.

हिन्दी अनु. अक्ल से कम, मंगाई भाजी और लावे धनिया।

Eng. tr. Lacking common sense, he bought corriander leaves, when sent for vegetables.

अणसमजु ढोर, लेवा मोकल्यो काकडी, लाव्यो बोर.

हिन्दी अनु. बेअक्ल गधा (कहीं का) ! भेजा था लाने ककड़ी और ले आया बेर।

Eng. tr. The ignorant fool (as he was), fetched the berries when was sent to bring cucumber.

बाङ्ला आनते दिली फट्किरि, निये एलो तुँते; एइ ने तोर मिछरि।

हिन्दी अनु. लाने को कहा फिटकिरी, ले आए तूतिया, और कहे – "यह लो, अपनी मिसरी।"

Eng. tr. Asked to fetch a piece of alum, he brings copper sulphate instead, and then announces – " Here is your sugar-candy."

आम शुनते जाम शोना, चाँद लिखते फाँद।

हिन्दी अनु. 'आम' कहा तो 'जाम' सुना, 'चाँद' की जगह 'फाँद' लिखा।

Eng. tr. To hear 'Jam' (guava) instead of 'Am' (mango), to write 'Phand' (noose) instead of 'Chand' (moon).

धान शुनते कान शोना।

हिन्दी अनु. कहा धान, सुना कान।

Eng. tr. Talk of grains and to hear ears.

असमीया कओं महादेउ, आने भाङ्गा लाउ।

हिन्दी अनु. मैं कहता हूँ महादेव की बात, वह लाता है टूटी लौकी।

Eng. tr. I speak of Mahadev, he brings a broken shell of gourd.

खोजे खारणि दिये लोन्, एने ओभतनित थाके कोन् ?

हिन्दी अनु. माँगा सज्जीखार, दिया नोन, ऐसे उल्टे ज़माने में रहेगा कौन ?

Eng. tr. He asks for alkali, they give salt, who lives in such reverse circumstances ?

मइ कओं राज-भगनर कथा, सि कय कल थोका बादुलिये खाले।

हिन्दी अनु. मैं कहता हूँ राज-भवन की बात, वह कहे केला चमगीदड़ ने खाया।

Eng. tr. I am talking of the palace, and he says that the owl swallowed a banana.

ओड़िआ राम कथा कहि गोविन्दर शुणुछि।
हिन्दी अनु. राम की कहे, और सुने गोविन्द की।
Eng. tr. Talks about Rama and (the listener) takes it about Govinda.

तमिळ आण्डिक्कु इडच्शोन्नाल् दादनुक्कु इड्चशोल्लुकिरान्.
हिन्दी अनु. शिवभक्त को देने के लिए कहें तो विष्णुभक्त को देने की बात कर रहा है।
Eng. tr. When told to give rice to the Shaiva mendicant, he gave it to ths Vaishnava mendicant.

पट्टुक् कोट्टैक्कु वऴि ॲगे ॲन्राल, कोट्टैप्पाक्कु विलै नुट्टैंबदु ॲन्किरान्.
हिन्दी अनु. पट्टक्कोट्टै के लिये रास्ता पूछने पर कहता है कि सुपारी का दाम एक सौ पचास है।
Eng. tr. When he was asked which was the way to Pattucotta, he said, the price of arecanuts is hundred and fifty fanams.

शोन्नदु इरुक्कच् शुरै पिडुंगुगिराय्.
हिन्दी अनु. जो करने को कहा वह छोड़कर तुम सेम बटोर रहे हो।
Eng. tr. Neglecting what you were told to do, you pull up the beans.

तेलुगु चेविटि पेद्दम्मा ! चेंताडु तेचे अंटे चेवुल पोगुलु ना जन्मलो ॲरुगन्नदट.
हिन्दी अनु. " री बहरी, रस्सी ले आ– " कहने पर जवाब दिया– " मैंने बालियाँ सारे जनम में नहीं पहनी। "
Eng. tr. "O! Deaf woman! Get the rope!" said one. She replied "I never had earrings in my life."

कन्नड उप्पुंटे अंदरे सोप्पुंटु अंद.
हिन्दी अनु. मांगा नमक तो दिखायी सागभाजी।
Eng. tr. Asked for salt and he showed the greens.

एति अंदरे प्रीति, हब्ब अंदरे तिथि.
हिन्दी अनु. गाली दे तो प्रेम समझे, त्योहार कहे तो श्राद्ध समझे।
Eng. tr. Scolding means love, and festival means annual ceremony. (When scolded he thinks it is love, when one talks of festival he thinks it is annual ceremony.)

यावूरो गौड अंदरे कंबळि मूरु रूपाई ॲंद.
हिन्दी अनु. पूछा, " किस गाँव के हो ? " तो कहा, " कम्बल के तीन रुपये। "
Eng. tr. Asked "From which town are you?" he replied, "Three rupees for the blanket."

मलयाळम् अरियेत्र ? पयरञ्ञाऴि।
हिन्दी अनु. प्रश्न – चावल कितना ? जवाब – दाल पाँच शेर।
Eng. tr. How much is the rice? Five measures of pulses.

४०

काम को पीछे, खाने को आगे।

आशय

कई लोग बड़े चतुर होते हैं — खाने के लिये उपस्थित रहते हैं, पर काम के वक़्त टल जाते है। ऐसे कामचोर और पेटू लोगों का उपहास करनेवाली ये कहावतें बड़ी नुकीली हैं। देखिये उर्दू कहावत – " खाने को बिस्मिल्लाह, काम को इस्तगफिरुल्लाह। "

Subject

This set of proverbs makes fun of those who are ever-ready to eat, but never-ready to work. The Urdu proverb expresses this well — " Ready for the grace before meals, but for work, ' God forbid. '

हिन्दी आवे के अबेर, जाये के सबेर, बसिया कलेवा तीन तीन बेर। (चंपा.)
(देर कर के आता है, और पहले ही चला जाता है, तीन तीन बार जलपान और कलेवा भी करता है।)

Eng. tr. He comes late (for work), goes quite early, but takes tiffin thrice a day.

कमाई न धमाई धा धा मांग टीके जाई। (चंपा.)
(उपार्जन करता ही नहीं और दौड़ दौड़ कर मांग टीकने जाता है— पत्नी को शृंगार से सुसज्जित देखना चाहता है।)

Eng. tr. He neither works nor earns, yet wants to apply a vermillion spot on the forehead of his wife. (He wants his wife well dressed and pretty.)

कमाई न धमाई रोज चाहीं मलाई। (शाहा.)
(काम धाम करे नहीं, रोज मलाई चाहिये।)

Eng. tr. Neither works nor earns, yet he wants cream and butter every day.

कमाना न कजाना साढ़े तीन बखरा लेना। (पट.)
(काम धाम कुछ नहीं, लेकिन हिस्सा लेते है तीन चौथाई।)

Eng. tr. He does not work or earn, but takes three parts of the lot.

कमैनी नय खटैनी सनहक लग बैसनी। (मुज.)
(काम धाम कुछ नहीं, लेकिन बरतन लेकर पहले ही खाने बैठता है।)

Eng. tr. No work, nor toil, but for dinner, he is the first with a plate.

करनी ना करतूत चाभे के मजगूत। (शाहा.)
(काम-धाम कुछ नहीं, भोजन चाहिये यथेच्छ।)

Eng. tr. No work, no achievement, but wants delicious meals, and he is quite strong at eating.

करनी में जेही सेही पगुरी में रंथ। (चंपा.)
(काम कुछ नहीं करता, लेकिन पागुर करने में खूब तेज।)

Eng. tr. Not competent in work, but quite enthusiastic in chewing and cudding.

करनी में जेही सेही बात में सफाई।
सनहक में भात बा खालऽ जेठ भाई॥ (चंपा.)
(काम नाममात्र का करता है, बातों में सफाई है और भोजन भरपूर करता है।)

Eng. tr. Quite inefficient at work, he speaks quite polished language, and eats a lot.

करु बहुरिया लुरुरबुरू दुनू सांझ के बखरा एके सांझ हूरु। (मुज.)
(बहू काम करने में लटपटाती रहती है, लेकिन खाने पीने में बहादुर है। दो शाम का खाना एक ही बार खा लेती है।)

Eng. tr. The daughter-in-law flounders while working, but consumes two evening-meals at a time.

काम करन के आलसी, खावे को तैयार।

Eng. tr. Lazy at work, but ready to eat.

काम का न कांज का, दुश्मन अनाज का।

Eng. tr. Not for work, nor for toil, is an enemy to his food.

खाँ सा'ब लकड़ी तोड़ो तो कै यह काफर का काम।
खाँ सा'ब खीचड़ी खावो तो कै बिसमिल्लाह। (राज.)
(खाँसाहब, लकड़ी फ़ोड़िये, तो कहते हैं कि यह काफिर का काम है। हमारा नहीं। खाँसाहब, खिचड़ी खाइये, तो कहते हैं — बिसमिल्लाह, बस लाओ।)

Eng. tr. When the khan is asked to cut wood, he says, it is the job of the infidel, when asked to eat the food, he accepts it in the name of God.

खाने को शेर, कमाने को बकरी।

Eng. tr. He feeds himself like a lion, but works like a goat.

खाय कांसाभर, चले आसाभर।

Eng. tr. He eats a bowful, and walks just a stick length.

खीराँ मेली खीचड़ी टीलो आयो टच्च। (राज.)
(खिचड़ी को चूल्हे से उतार कर अंगारों पर रखा कि खाने को टोला आया और चट आसन लगा कर बैठ गया।)

Eng. tr. The moment the cooked food was taken from the fire, the lazy one came and sat for it.

जीमणमें अगाड़ी लड़ाईमें पिछाड़ी। (राज.)
(जीमने में सब से आगे और लड़ाई में सब से पीछे।)

Eng. tr. Leads to eat food but slips back when it is time to fight.

दाने को टापे, सवारी को पादे।

Eng. tr. He stamps for grains, but breaks wind whən ridden.

" नाम क्या ? " " शक्कर पारा ", " रोटी कितनी खाए ? " " दस बारा "; " पानी कितना पिये ? " " मटका सारा ", " काम करने को ? " " मैं लड़का बेचारा। "

Eng. tr' " Your name ? " " I am Lollypop "; " How much do you eat ? " " Loaves ten or twelve "; " How much do you drink ? "; " A pitcherfull " " Well, how much do you work ? " " I am but a helpless lad. "

पेटहा चाकर, घसहा घोड़, खाए बहुत, काम करे थोड़।

Eng. tr. A pot-bellied servant and a fat horse eat much and work little.

फूके के ने फांके के टांग पसारि कए तापे के। (मुज., चंपा.)
(घूर (अलाव) को न तैयार किया और न उस में आग लगायी, लेकिन पैर पसार कर अंग तापने बैठ गये।

Eng. tr. Did not arrange the hearth, nor did kindle the fire. but ready to warm himself by squatting down stretching his feet.

भोज के आगू रैन के पीछू। (पट.)
(खाने में आगे और मारपीट में पीछे।)

Eng. tr. First at dinner and last to fight.

रन देखले बन भागे लिट्टी देखले घुसकत आवे। (चंपा.)

Eng. tr. Runs away from the battle-ground, but slips forward when he sees cakes.

राम नाम में आलसी भोजन में तैयार। (शाहा.)

Eng. tr. Idle at the prayer, and ready for meals.

लाला का घोड़ा, खाए बहोत, चले थोड़ा।

Eng. tr. The tradesman's horse eats much and goes little. (because he does not understand how to maintain a horse.)

हप हप, झप झप खाते हाँ, धंदा करते तजे पिआन।

Eng. tr. Quick to eat and slow to work.

उर्दू

काम का न काज का दुश्मन अनाज का।
(जो खाने के सिवा और किसी काम का न हो।)

Eng. tr. Can do nothing but eat.

काम चोर निवाला हाज़ीर।

Eng. tr. Absent for work, but comes to eat his morsel.

खाने को बिस्मिल्लाह, काम को इस्तगफिरुल्ला।

हिन्दी अनु. खाने के समय उपस्थित, काम से भगवान बचाये।

Eng. tr. Ready for the grace before meal, but for work – 'God forbid.'

खाने को शेर कमाने में बकरी।

हिन्दी अनु. खाना शेर की तरह ज्यादा, कमाना बकरी की तरह थोड़ा।

Eng. tr. He is like a lion when eating, but like a goat in earning.

खाने में ऊँट कमाने में मजनू।

(खाने में जबरदस्त कमाना कुछ नहीं।)

Eng. tr. He is a camel for food, but useless for work.

पंजाबी खाणपीण नूं चंगे भले, कम काज नूं डोरे।

हिन्दी अनु. खाने पीने को अच्छे खासे, काम काज को बहेरे।

Eng. tr. Well enough to eat and drink, but deaf to work.

खादापीता पाया सन्तोख, भांडे मांजने बड़ा ही ओख।

हिन्दी अनु. खाने पीने में मज़ा आया, बरतन मांजते क्लेष हुआ।

Eng. tr. He is satisfied with eating and drinking, but washing the utensils is a gruesome job.

पीठा ना छड्या ते बन लै घर वड्या।

हिन्दी अनु. पीसा न कूटा टोकरी भर घर ले गया।

Eng. tr. He has neither grinded nor winnowed, and went to his house with filled coffers.

फेरन दी आरी ते चुंग कत्तण दी हुशियारी।

हिन्दी अनु. (चक्की) फेरने में लाचारी, धान उठाने में होशियारी।

Eng. tr. She is unable to turn the hand-mill, but is clever at taking a handful of grains as wages.

बीज्या ना वाहिआ, घडप्प पल्ला ढाया।

हिन्दी अनु. न बोया, न हल चलाया, झट से धान के लिये कपड़ा बिछाया।

Eng. tr. He has neither sown nor ploughed, but spreads the cloth for holding grains.

मूँह दी लहर बहर हत्थां दी हड़ताल।

हिन्दी अनु. मुँह मज़े में खाये, हाथों की हड़ताल। (हाथ काम नहीं करते।)

Eng. tr. The mouth is enjoying the abundant dishes, but the hands are on strike.

रण्डी दा पुत्तर, सोदागर दा घोडा।

खावण नुं ढेर, कमावण नुं थोडा।

हिन्दी अनु. रंडी का बेटा, सौदागर का घोड़ा, खाने को ढेर, कमाने को थोड़ा।

Eng. tr. A widow's son, a trader's horse are great eaters and bad workers.

कश्मीरी ख्युँनुँ ख्वश्हाल् काम् दिल्गीर।
हिन्दी अनु. खाने के वख्त खुश, काम के वख्त नाराज।
Eng. tr. Happy at the dinner, sorry at work.

" व्वथ् निकुँ काम् कर् " " निकुँ छुस् तुँ ह्यकुँ नुँ "
" व्वथ् निकुँ बतुँ खे " " डुल् म्योन् कति छु "
हिन्दी अनु. " छोटे, उठो काम करो ", " छोटा हूँ, कर नहीं सकता ";
" छोटे, उठो भात खाओ ", " बड़ा बर्तन मेरा कहाँ है ? "
Eng. tr. " Get up youngster ! " " I am small, I can not. " " Get up youngster and eat something. " " Where is my big pot ? "

सिंधी अवलि ताम, पोइ कलाम।
हिन्दी अनु. पहले ताम, पीछे काम।
Eng. tr. Food first, work afterwards.

कमु करि कमां, लिङ था डुखन्मि अमां। खाईंदं पुट पमा, वडी ठाठि डिजांइ अमां।
हिन्दी अनु. " काम करनेवाले बेटे, उठो ! काम करो। " " हे मां ! अब तो शरीर में बहुत दर्द है। " " बेटा पमा। उठो खाना खाओ। " " मां ! भरी थाली देना मुझे खाने को। "
Eng. tr. " O, diligent son, get up and do some work. " " Mother, my body is aching. " " Son Pama ! Get up and eat something. " " Mother, give me a plateful of food. "

खाइण महिल खड़ो, कम महिल बुरो।
पाठभेद खाधे काणि खड़ो, कम काणि बुड़ो।
हिन्दी अनु. खाने के समय खड़ा, काम के समय बुख़ार।
Eng. tr. He is up and standing when food is served, but has fever when work is to be done.

खाइण वेर मुड्सु, हाज वेर छोकरु।
हिन्दी अनु. खाने के वक्त बड़ा, काम के वक्त छोकरा।
Eng. tr. Grows up into an adult when food is served, becomes a small boy when work is to be done.

चाकिरी अ चोरु, नेवाले हाज़िरु।
हिन्दी अनु. चाकरी के समय कामचोर, पर खाने के समय एकदम हाज़िर।
Eng. tr. Absent at the time of service, but present at feast.

मराठी कण्हतो, कुंथतो, पण मलिद्याला उठतो.
हिन्दी अनु. रोता, कराहता है, लेकिन खाने को उठता है।
Eng. tr. He moans and groans, but gets up to eat sweets.

खायला अजी करावयाला शेजी.

हिन्दी अनु. खाने के समय दादी, काम के समय भुला दी। (लाभ के समय आगे रहनेवाला और काम के समय टालमटोल करनेवाला।)

Eng. tr. Calls her 'grand-mother' when she wants to eat, but stays away, like a neighbour, when work is to be done.

खायला आधी, निजायला मधी, कामाला कधी कधी.

हिन्दी अनु. खाने को पहले, सोने को बीच में, काम करने को बीच बीच में।

Eng. tr. Eats before all, sleeps in safety, but works only once in a while.

खायाप्यायास मी, लढायास कुबडा भाई.

हिन्दी अनु. खानेपीने को मैं, लड़ने को कूबड़ा भाई।

Eng. tr. I am the man for eating and drinking, but for fighting here is my hump-backed brother.

तोबऱ्याला पुढे, लगामाला पाठीमागे.

हिन्दी अनु. तोबड़े के लिये आगे, लगाम के लिये सब से पीछे।

Eng. tr. A horse runs forward for his mouth-bag (which is full of grams), but will not pull rein when required.

गुजराती जमवामां जगलो अने कूटवामां भगलो.

हिन्दी अनु. भोजन को जगतराम और कूटने को भगतराम।

Eng. tr. Jaglo to dine and Bhaglo to grind. (Jaglo and Bhaglo are proper names.)

बाङ्ला उपोसेर केउ नय, पारणेर गोंसाइ।

हिन्दी अनु. उपवास में कोई नहीं, पराये (पारण) के सब गोसाईं।

Eng. tr. None for the fast, but all for the feast.

उपोसेर नागर पारणेर ठाकुर।

हिन्दी अनु. उपवास के वक्त दूर, पारण के वक्त ब्राह्मण बनकर हाज़िर।

Eng. tr. Away in the city at the time of fast, but present as a 'Brahmin' at the time of the feast.

काजे कम खेते यम।

हिन्दी अनु. काम में कम, खाने में यम।

Eng. tr. Lax in labouring, but greedy in eating.

काजे कुड़े, भोजने देड़े, बचने मारे पुड़िये पुड़िये।

हिन्दी अनु. काम में आलसी, खाने को आगे, बातों से तो जला दे।

Eng. tr. Indifferent in working, greedy in eating, and firebrand when talking.

काजेर नाम नेइ, बउ किलानोर यम।

हिंदी अनु. काम का नाम नहीं, बहू को पीटने में यम।

Eng. tr. A man averse to work, but fierce like the God of death in beating his wife.

काजेर नामे नाइ काजि, अकाजे सबाइ राजि।

हिन्दी अनु. अच्छा काम करने के लिये कोई नहीं, फालतू काम करने को सब राजी।

Eng. tr. When it comes to real good work, none is willing, but all respond readily in perpetrating an evil deed.

खाबार बेला मस्त हाँ, उलु देबार समय मुखे घा।

हिन्दी अनु. खाते समय बड़ी डकार, उलू देते समय मुँह में घाव।
(उलू देना – मंगलसूचक ध्वनि निकालना।)

Eng. tr. The mouth belches swiftly at the time of feast, when it comes to making 'ulu' sounds, complains of an injured mouth. (Ulu is an auspicious sound imitating the howl of the owl, usually made in religious and family functions.)

खाबार समय बारो भाइ, छेले धरबार समय केउ नाइ।

हिन्दी अनु. खाने के वक्त बारह भाई, बेटा संभालने को कोऊ नहीं।

Eng. tr. When it is time for dinner, the twelve will join as a team; when someone is needed for babysitting, none will appear.

असमीया करिबर परत मइ गरिया, हेंचुकि हेंचुकि ने, खाबर परत मइ पोंवाती, हेंचि हेंचि दे।

हिन्दी अनु. काम के समय मैं अछूत, मुझे धकेल धकेल कर भगा। खाने के समय मैं प्रसूत, मुझे बार बार खिलाता जा।

Eng. tr. At the time of work says she is an untouchable and needs to be made to run by pushing, at the time of meals, says she has just begotten a child and needs to be fed all the time.

खाबर परत सात भाइ, करिबर परत केओ नाइ।

हिन्दी अनु. खाने के वख्त सात भाई, काम के वख्त कोई नहीं।

Eng. tr. There are seven brothers when meals are served, but no one when work is to be done.

खाबलै दाम-दुम, करिबलै गरिया, पिंधिबलै लागे आँचुवलीया चुरिया।

हिन्दी अनु. खाने को तत्पर, करने के वख्त टालमटौल, और घुटनों तक धोती पहनना चाहता है।

Eng. tr. He is quick to eat but avoids work and desires to drape his loin-cloth as far as his knees.

ओड़िआ टोका टाकरा तट्टु घोडा, खाआन्ति बहुत काम थोडा।

हिन्दी अनु. जीभ चट्टू छोकरा और टट्टू घोड़ा, खाये बहुत काम थोड़ा।

Eng. tr. Youthful boys and ponies eat a lot, but work little.

तमिळ आडप् पाडत् तेरियादु इरण्डु पंगु उण्डु.
हिन्दी अनु. नाचना गाना दोनों नहीं मालूम, परन्तु उस को (आमदनी में) दो भाग।
Eng. tr. Neither able to sing nor dance, but he has two shares.

उलुकिर् कालत्तिल् ऊर् सुर्रिविट्टु अरुक्किर् कालत्तिल् अरुवाळ् अेडुत्तुक् कोण्डु पुरप्पट्टाळ्.
हिन्दी अनु. बीज बोते समय शहर घूमता रहा, काटने के समय हाथ में हँसिया ले कर निकला।
Eng. tr. Retired to the city at the time of ploughing season, and returned with a sickle at the approach of harvest.

काणम् अेन्राल् वायैत् तिराक्किरदु, कडिवाळम् अेन्राल् वायै मूडिक् कोळ्ळुकिरदु.
हिन्दी अनु. तोबरा कहें तो मुँह खोलता है, लगाम कहें तो मुँह बंद कर लेता है।
Eng. tr. (Horse) opens his mouth for mouth-bag of grams, but shuts it for reins.

कोळ् अेनराल् वायैत् तिराक्किरदु, कडिवाळम् अेनराल् वायै मूडुगिरदा?
हिन्दी अनु. कुलथी (खाना) कहने पर मुँह खोलता है, लगाम कहने पर मुँह बन्द कर लेता है।
Eng. tr. What ! Opening the mouth when one says gram, and covering it when says bridle.

पन्दिक्कु मुन्द वेण्डुम्, पडैक्कुप् पिन्द वेण्डुम्.
हिन्दी अनु. भोजन को पहले, लड़ने को पीछे।
Eng. tr. First at a feast, and last to fight.

तेलुगु अन्नचोखे गानि, अक्षर-चोख लेदु.
हिन्दी अनु. खाने में जोर, पढ़ने में कमजोर।
Eng. tr. Strong at his meals, but dull at his books.

ए पाट्ट तप्पिना सा पाट्ट तप्पदु.
हिन्दी अनु. काम काज से चूक जाय, पर खान पान से नहीं।
Eng. tr. Work can be neglected, eating can not be forgotten.

कडिअण्टे नोरुतेरिचि, कळ्ळेमण्टे नोरुमूसिनट्लु.
हिन्दी अनु. दाने के लिए मुँह खोलना, लगाम के लिए मुँह फेरना।
Eng. tr. (Like a horse) opens its mouth for a morsel, and shuts it for the bridle.

तिण्डिकि तिम्मराजु, पनिकि पोतुराजु.
हिन्दी अनु. खाने में तिम्मराजु (बन्दरों का राजा), काम में पोतुराजु (भैंसों का राजा)।
Eng. tr. At eating he is Timmaraaju (monkey-king), at work he is Potaraaju (king of buffaloes). As greedy as a monkey and as lazy as buffalo.

दुन्नबोते दूडललोनु, अम्मबोते (मेयबोते) पोतुललोनु.

हिन्दी अनु. जोतते वख्त गायों में, चरते वख्त भैंसों में ।

Eng. tr. Mixing with cows when called upon to plough, and mingling with buffaloes when called upon to graze.

दुन्नगोते दूडललोनु, मेयबोते आवुललोनु.

हिन्दी अनु. जोतने के वख्त बछडों में, चरने के वख्त बैलों में ।

Eng. tr. At the time of ploughing it goes with the calves, and at the time of grazing it goes with the bulls.

दुम्मे रोजुललो देशम् मीद पोयि कोत रोजुल्लो कोडवलि पट्ट वच्चिनाडट.

हिन्दी अनु. हल चलाने के वख्त बाहर भटकता रहा, और फसल काटने के समय हँसिया ले आया ।

Eng. tr. He went about the country in the ploughing season, and he came with a sickle at the harvest time.

कन्नड ऊट अन्दरे हूँ, ओट अन्दरे उहूँ.

हिन्दी अनु. खाने के लिये 'हाँ', काम के लिये 'ना'।

Eng. tr. 'Yes' for eating and 'No' for work.

ऊटक्के मुंचु, कूटक्के हिचु.

हिन्दी अनु. खाने को पहले, काम को पीछे ।

Eng. tr. (1) First for meals, last for work.
(2) In the front for meals, at the back in the mob.

ऊटक्के मुंदु, दंडिगे हिंदु.

हिन्दी अनु. खाने को पहले, लड़ने को पीछे ।

Eng. tr. First to eat, and last to fight.

कडलेगे मुंदु कडिवाणक्के हिंदु.

हिन्दी अनु. चने को पहले, काम को आखिर ।

Eng. tr. First for gram, and last for work.

केलसक्के करेयबेड, ऊटक्के मरेयबेड.

हिन्दी अनु. काम के लिए न बुलाना, भोजन के लिए न भूलना ।

Eng. tr. Don't call for work, don't forget for dinner.

रक्षणे माड तिळियादिद्दरु भक्षणे माडबल्ल.

हिन्दी अनु. रक्षण करना जानता नहीं, भक्षण करना जानता है ।

Eng. tr. He knows not defending, knows only eating.

संबळक्कादरे मुंदु, चाकरिगादरे हिंदु.

हिन्दी अनु. वेतन के लिए आगे, काम के लिए पीछे ।

Eng. tr. (1) Forward for pay, backward for work.
(2) First for pay, last for work.

मलयाळम् इलय्क्कु मुम्पुं पटय्क्कुं पिम्पुं.
हिन्दी अनु. खाने में आगे, लड़ाई में पीछे।
Eng. tr. First for dinner, and last for war.

उण्णान् पटयुण्टुं, वेट्टान् पटयिल्ल.
हिन्दी अनु. दावत में कई हैं, मगर लड़ने में नहीं।
Eng. tr. There is a battalion for dinner, but there is none for war.

ऊट्टिनु मुम्पुं चूट्टिनु पिम्पुं.
हिन्दी अनु. भोजन के लिये आगे और मशाल (पकड़ ने) में पीछे।
Eng. tr. First to eat and last to hold the torch.

४१

काम थोड़ा, आडम्बर बहुत।

आशय

जब कोई बातें अधिक करता है, बड़ा आडम्बर रचाता है, और काम थोड़ा करता है, तब दिखावा और प्रत्यक्ष काम का जो व्यस्त परिमाण है उसे प्रदर्शित करने के लिये इन कहावतों का प्रयोग होता है। तेलुगु कहावत कहती है – " बातें दुर्गों को लांघ जाती हैं, पैर देहलीज भी पार नहीं कर सकते।"

Subject

When people work little and talk a lot and make a great show, these proverbs are used. For instance the Telegu proverb — " His words leap over the forts, foot does not cross the threshold. "

हिन्दी छः महीने मिमियानी, एक बच्चा बियानी।
Eng. tr. The she-goat was pregnant for six months only to deliver one kid.

थोड़ा कुटिआ बहुत भड़भड़ि। (चंपा.)
(कूटा थोड़ा, आडंबर बहुत। सूप आदि फटफटाए।)
Eng. tr. Pulverized little, but made great noise.

बहुत कथनी, थोड़ी करनी।
Eng. tr. Saying much and doing little.

बात लाख की, करनी खाक की।
Eng. tr. In words a million, in deed mere dust.

बातों चिकना, कामों खुआर।
Eng. tr. Fine words, poor deeds.

बातों बढ़ा, करतब खुआर।

Eng. tr. His words are experienced, but his deeds are worthless. (An old head on young shoulders, he never said a foolish thing and never did a wise one.)

हांती थोड़ी, हलचल घणी। (राज.)
(थोड़ी बात पर बहुत हो-हल्ला करना।)

पाठभेद हांती थोड़ी, हलचल बहुत।

Eng. tr. Much ado for a small thing.

ENGLISH
1. Great toil and little work.
2. The noise is greater than the nuts.
3. Great boast, little roast.
4. Much ado about nothing.
5. Words are but sands, it is money that buys lands.

उर्दू बात लाख की करनी ख़ाक की।

Eng. tr. Talk of lakhs, but does nothing.

कश्मीरी कांह् तुॅ कथ् तुॅ क्रकुॅनाद्। कथ् नुॅ कुेंह् तुॅ क्रकुॅनाद्।

हिन्दी अनु. बात कुछ नहीं और शोर-शराबा।

Eng. tr. The matter is absolutely insignificant, yet there is a lot of noise.

हारि सोदा तुॅ बाज़रस् खल्बलि।

हिन्दी अनु. कौड़ी का सौदा और बाज़ार में खलबली।

Eng. tr. The bargain worth only a cowrie, and there is a stir in the whole market.

सिंधी हंगणु थोरो फर्फर् घणी।

हिन्दी अनु. टट्टी तो कम आती है, लेकिन उस के पूर्व पादने की आवाज़ बहुत हो रही है।

Eng. tr. Defecates little, but farts more.

मराठी करणी न धरणी आणि बोलण्याची सुरणी.

हिन्दी अनु. करना न धरना और बोलने में आगे रहना।

Eng. tr. Does nothing worthwhile, but talks a lot.

काम थोडे, बोभाटा मोठा.

हिन्दी अनु. काम कम, आवाज़ बहुत।

Eng. tr. Little work, great noise.

खाणे थोडे आणि मिचमिच फार.

हिन्दी अनु. काम कम और आवाज़ बहुत।

Eng. tr. (1) Eats little but makes a lot of noise with his mouth.
(2) More noises than eating.

झवणे थोडे, कुस्करणे फार.

हिन्दी अनु. चोदना कम, मसलना बहुत।

Eng. tr. Less copulation and more pressing.

मंत्र थोडा, थुंका / फुंकर फार.

हिन्दी अनु. मंत्र थोड़ा फूँक अधिक।

Eng. tr. (A witch-doctor) says few incantations but blows too much.

गुजराती **काम थोडुं ने गडबड घणी.**

हिन्दी अनु. काम कम पर गड़बड़ ज़्यादा।

Eng. tr. Less work and more bustle (clamour, commotion, uproar).

घणुं बोले ते ओछुं करे.

हिन्दी अनु. अधिक बोलनेवाला हमेशा कम काम करता है।

Eng. tr. He works less, who talks more.

घरडी गाय ने डोके डणु, चाले थोडुं ने वागे घणुं.

हिन्दी अनु. बूढ़ी गाय और गले में अटकन्, चले कम बजे अधिक।

Eng. tr. A log of wood in the neck of an old cow, walks less and makes much noise.

धंधो थोडो अने धांधल घणी.

हिन्दी अनु. धंधा थोड़ा और धांधली अधिक।

Eng. tr. Small business and bigger turmoil.

हगवुं थोडुं ने पपडाट बहु.

हिन्दी अनु. हगना थोड़ा और पादना ज़्यादा।

Eng. tr. To defecate a little, but to make a lot of noise.

बाङ्ला **कथाय धन्य, काजे शून्य।**

हिन्दी अनु. बातों के राजा, नहीं होय काजा।

Eng. tr. Too many words, too little work.

कथाय-बार्ताय सुपारिश, माठा निबि तो छाला आनिस।

हिन्दी अनु. बातें तो मीठी मीठी, मट्ठा लेना है तो थैली (बोरा) ला।

Eng. tr. Sweet in talk, but mention your need of butter-milk and you will be told to bring a gunny bag.

लडिते जेठि, बलिते बाघ।

हिन्दी अनु. लड़ने में छिपकली, बोलने में बाघिन।

Eng. tr. Talk like a tiger and fight like a mere lizard. (Talk big and then turn away when time comes for action.)

असमीया **एदोण चाउलर पिठागुरि खुन्दि देशखनके जनाय।**

हिन्दी अनु. पाँच शेर चावल कूट कर देशभर को जतावे।

Eng. tr. She would pound five seers of corn and proclaim it throughout the country.

करिब नोवारार बर कथा, खाब नोवारार बर हाठा।

हिन्दी अनु. निकम्मे की बड़ी बड़ी बातें, अभूके के हाथ बड़ा करछुल।

Eng. tr. The little doer is a big talker. The little eater seeks the big ladle.

ओड़िआ बहु आडम्बरे, लघु क्रिया।

हिन्दी अनु. आडम्बर बड़ा, काम थोड़ा।

Eng. tr. More show, less work.

तमिळ ओलिवेट्टैक्कुत् तविल् अडिप्पारा ?

हिन्दी अनु. चूहे की शिकार के लिए ढोल बजाना ?

Eng. tr. Do they beat a tomtom when hunting rats ?

तेलुगु पावलाकु त्रागि अर्धरूपायि अल्लरि चेसाडु.

हिन्दी अनु. पी ली चवन्नी की शराब और मचाया अठन्नी का शोरगुल।

Eng. tr. He consumed liquor worth two annas and created a trouble worth eight annas.

बडायि बण्डेडु बत्तें गिद्देडु.

हिन्दी अनु. गप्पे गाड़ी भर, भत्ता पाव भर।

Eng. tr. A big boast and a small wage.

माटलु कोटलु दाटुनु, कालु गडपदाटदु.

हिन्दी अनु. बातें किलों को लांघ जाती हैं, पैर देहलीज भी पार नहीं करते।

Eng. tr. His words leap over the forts, foot does not cross the threshold.

कन्नड ओदुवुदु स्वल्प, उगुळु बहळ.

हिन्दी अनु. पढ़ना थोड़ा, थूकना जादा।

Eng. tr. Little reading and much spittle.

४२

किसी का घर जले, कोई तापे ।

आशय

दूसरों की हानि में अपना लाभ। औरों की विपत्ति में स्वार्थ देखनेवालों को ये कहावतों का गुच्छा लक्ष्य बनाता है। किसी के नुकसान की नींव पर अपने स्वार्थ का महल खड़ा करनेवाले ये लोग लोगों की निन्दा के पात्र न बनते तो आश्चर्य। समाज उन से अवश्य घृणा करेगा। यह बाङ्ला कहावत ऐसे स्वार्थी व्यवहार पर प्रकाश डालती है —" गायों को महामारी हो तो मोची त्यौहार मनावे। "

Subject

When certain selfish people make use of others' troubles for their own comforts, the following proverbs are used. For instance the Bengali proverb — " When there is death and pestilence among the cows, cobblers celebrate. "

हिन्दी आग लागे तऽ गुंडा गांड़ सेंके। (शाहा.)
(किसी के घर में आग लग जाय तो गुंडे चूतड़ सेकने लगते हैं।)
Eng. tr. If a house is on fire, the rogues warm their bottoms.

किसी का घर जले कोई तापे।
Eng. tr. One man's house burns and another warms on it.

कोली का घर जले, कलंदर गन्ना मांगे।
Eng. tr. The grazier's house is on fire, and the mendicant begs for sugarcane.

घर जले गुंडा तापे।
Eng. tr. The house burns and the vagabond warms himself.

चिरई के जान जाय लड़का के खेलवना। (भोजपुरी क्षेत्र में।)
(चिड़िए की जान जा रही है और लड़का उसे अपना खिलौना बनाए हुए है।)
Eng. tr. The bird is in anguish and the child sports with it.

परजा मरण, राजा की हँसी।
Eng. tr. People die for the king's pleasure.

पांड़े मरस जान से पंड़ाइन मांगस मीठा। (चंपा.)
(पांडेजी की जान जा रही है, और पंडाइन को मिठाई चाहिये।)
Eng. tr. The priest is dying and his wife asks for sweets.

पीह्री मरस बाधा से राजा खेलस सिकार। (चंपा.)
(कुतियाँ रोग से मर रही है, उसे लेकर राजा शिकार खेलने जाता है।)

Eng. tr. The bitch is in agony and the king wants to take her for hunting.

लड़कों का खेल, चिड़ियों का मरना।

Eng. tr. Boys' sport is death to the bird.

ENGLISH 1. Let another's shipwreck be your sea-mark.
2. When thou seest thine house in flames, approach and warm thyself by it.

उर्दू किसी का घर जले कोई तापे।
Eng. tr. Someone's house is burnt while another warms himself.

कोई मरें, कोई मल्हार गाये।
Eng. tr. Someone dies and another sings songs.

पंजाबी चिड़ीआं दी मौत गंवारान्दा हांसा।
हिन्दी अनु. चिड़ियों की मौत और गँवार हँसता है।
Eng. tr. The sparrows are being killed and the fools enjoy the joke.

हंस सन सो चले गये, कागा भए दीवान।
हिन्दी अनु. हंस जो थे वे चले गये, अब कौआ हुआ दीवान।
Eng. tr. Swans (good ones) have gone, and now the crows have become ministers.

कश्मीरी अकिस छय् दज़ान् दार, ब्याख् छुस् वश्नावान्।
हिन्दी अनु. एक की दाढ़ी जल रही है, दूसरा (उस पर) हाथ सेंकता है।
Eng. tr. One man's beard is on fire, and the other warms his hands (by it).

सिंधी कुंभर जो दिलो भगो, मुंहिंजी मिटी चीकी।
हिन्दी अनु. कुम्हार का मटका टूटा, तो मुझे अच्छी मट्टी मिली।
Eng. tr. The potter's pitcher broke and I got good clay.

मछीअ मौतु, मए शिकारु।
हिन्दी अनु. मछली के लिए मौत है, लेकिन मल्लाह के लिए तो वह शिकार है।
Eng. tr. It is death for the fish, but a catch for the fisherman.

मिरुआं मौतु, मल्कां शिकारु।
हिन्दी अनु. शौकीन लोगों के लिए जो शिकार है, वह पशुओं के लिए मौत है।
Eng. tr. Death for beasts, chase for nobles.

मराठी एकाची ज़ळते दाढी दुसरा तीवर पेटवितो विडी.
पाठभेद एकाची ज़ळते दाढी, दुसरा म्हणतो माझी पेटवू द्या विडी.
हिन्दी अनु. (अ) एक की दाढ़ी जले और दूसरा उस पर बीड़ी जलाए।
(आ) एक की जलती है दाढ़ी तो दूसरा कहे, सुलगाने दो मेरी बीड़ी।
Eng. tr. (1) One person's beard burns while the other says, 'Let me light my cigarette.'

(2) One man's beard is on fire and another lights his cigarette.

तुझी दाढी जळो, पण माझा दिवा लागो.

हिन्दी अनु. भले ही तेरी दाढ़ी में आग लगे, लेकिन मेरा दीपक जले।

Eng. tr. Let your beard burn, but my lamp must be lit.

तुझे घर ज़ळो, माझी वांगी भाजू दे.

हिन्दी अनु. तेरा घर जल जाय, मेरे बैंगन सेंकने दे।

Eng. tr. Let your house burn, but my brinjals must be roasted.

गुजराती **आग लगाडी तापणुं करे.**

हिन्दी अनु. आग लगाकर सेंकना।

Eng. tr. Sets fire and makes a fire-side (hearth).

कोईनी दाढी बळे ने कोईने उजरडु थाय.

हिन्दी अनु. किसी की दाढ़ी जले और किसी को रोशनी हो (मिले)।

Eng. tr. Somebody's beard burns, while it gives illumination for somebody else.

मियांनी दाढी बळे ने दासी ने अजवाळुं थाय.

हिन्दी अनु. मियांजी की दाढ़ी जले और दासी को मिले उजाला।

Eng. tr. The (mohammedan) gentleman's beard burns, and the maid-servant gets light.

मियांनी दाढी बळे, ने बीबीने तापणुं थाय.

हिन्दी अनु. मियां की दाढ़ी जले और बीवी के लिये अलाव हो जाय।

Eng. tr. Miya's beard burns, and it serves as a fireside for the Bibi. (his wife).

होराजीनी दाढी बळे, ने कोईने अजवाळो थाय।

हिन्दी अनु. होराजी की दाढ़ी जले और किसी को उजाला होय।

Eng. tr. Horaji's beard burns and for some others it gives light.

बीलाडीनो खेल थाय, उंदरनो जीव जाय।

हिन्दी अनु. बिल्ली के लिए खेल है और चूहे की जान जाती है।

Eng. tr. Sport for the cat, death for the rat.

बाङ्ला **ईश्वर यदि करेन, कर्ता यदि मरेन, घरे ब'से कीर्तन शुनबो।**

हिन्दी अनु. भगवान की कृपा से पति अगर मर गया तो घर बैठे ही कीर्तन होगा।

Eng. tr. God willing, my husband may pass away, and I would be listening 'Kirtana' right in my home.

कारओ घर पोड़े, केउ आगुन पोहाय।

हिन्दी अनु. किसी का घर जले, कोई उस पर (हाथ) सेंके।

Eng. tr. Someone's house is on fire, someone else is warming himself before it.

गो-मडके मुचिर पार्वण।

हिन्दी अनु. गायों को महामारी हो तो मोची त्यौहार मनावे।

Eng. tr. When there is death and pestilence among the cows, cobblers celebrate. (Though it is calamity for the community, cobblers get raw hides plenty.)

परेर घरे आगुन दिये टिके धरानो।

हिन्दी अनु. पराये घर को आग लगा के उपले सुलगाये।

Eng. tr. To burn another's house for baking one's coal cakes.

असमीया **बुढ़ी मरिल भालेइ हल, सिखनि कँठाओ मोरेइ हल।**

हिन्दी अनु. बुढ़िया मर गयी, अच्छा ही हुआ, उस का कम्बल मेरा ही बना।

Eng. tr. It is good the old woman died, her rug becomes mine now.

हाँहिनी मरे कटि फाटि, गृहस्थइ बोले कणी पारि दे।

हिन्दी अनु. हंसी का चूतड़ फटे, गृहस्थ बोले अंडा दे।

Eng. tr. The anus of the fowl is getting torn, and the man asks for more eggs.

ओड़िआ **काहार घरपोडे, किए निआँ पुहाए।**

हिन्दी अनु. किसी का घर जले, कोई आग सेंके।

Eng. tr. Whose house is on fire, and who warms by it ?

तमिळ **आमुडैयान् सेत्तु भवदिपडुकिरपोदु, अण्डैवीट्टुक् कारन् वंदु अक्कुलिल् कुत्तिनानाम्.**

हिन्दी अनु. पति की मृत्यु पर दुःखित रहते समय पड़ोस के व्यक्ति ने आ कर कांख में गुदगुदाया।

Eng. tr. When in great extremity she was mourning the death of her husband, a neighbour came and attempted to tickle her under the arm.

ऍरुदुक्कुम् तन् पुण् अळ्रशि काक्कैक्कुम् तन् पशि अळ्रशि.

हिन्दी अनु. भैंस अपने घाव पर तड़प रही है, कौआ भूख के मारे कमजोर है।

Eng. tr. The buffalo suffers from the smarting of its sores, and the crow that pricks them suffers from the smarting of hunger.

ऍलिक्कुप् पिराणावस्तै पूनैक्कुक् कोण्डाट्टम्.

पाठभेद **पूनैक्कुक् कोण्डाट्टम् ऍलिक्कुक् तिण्डाट्टम्.**

हिन्दी अनु. चूहे के प्राण जा रहे हैं, और बिल्ली को परमानंद।

Eng. tr. The death-struggle of a rat is the sport of a cat.

दाडि पाट्रिक कोण्डु ऍरियुम पोदु सुरुट्टक्कु नेरुप्पुळ् केट्टानाम्.

हिन्दी अनु. यहाँ दाढ़ी जल रही है, और वह बीडी सुलगाने के लिये आग माँग रहा है / और वह उस पर बीड़ी सुलगाना चाहता है।

Eng. tr. As one asked for the fire to light his cigar when his beard was on fire.

पिळ्ळैक्कु विळैयाट्टुच् शुण्डेलिक्कुप् पिराण संगटम्.

हिन्दी अनु. बच्चे के लिये खेल, चुहिया को प्राणसंकट।

Eng. tr. That which is sport to the child is death to the mouse.

मच्चान् शेत्ताल् मयिर् पोच्चु कंबलि मेतै नमक्कु आच्चु.

हिन्दी अनु. साला मरा कोई बात नहीं, उस का कंबलवाला मसनद मुझे मिलेगा।

Eng. tr. If my brother-in-law dies, I care not a hair, his blanket will be mine.

तेलुगु अब्बिगाडु चस्ते आ पंचे नादि.

हिन्दी अनु. मुन्ना मर जाएँ तो धोती मेरी।

Eng. tr. If the boy dies, the cloth is mine.

गड्डमु कालि ओकडु एड्डुस्तू उण्टे, चुट्टकु निप्पिम्म नि वेण्ट पड्डाडट.

हिन्दी अनु. दाढ़ी जलने पर एक रोने लगा, तो दूसरा चुरुट जलाने के लिए उस के पास आग माँगने लगा।

Eng. tr. When one was crying for his beard on fire, the other one asked him for a light for his cigar.

पिल्लिकि चेलगाटमु, इलुक्कु प्राणसंकटमु.

हिन्दी अनु. बिल्ली के लिए खेल, चूहे को प्राणसंकट।

Eng. tr. Sport to the cat, death to the rat.

कन्नड गड्डक्के बेंकि हत्तिदाग, हप्पळ सुडलिक्के बंद.

हिन्दी अनु. दाढ़ी में आग लगी तो पापड सेंकने आया।

Eng. tr. When the beard had caught fire, he came to bake ' papad ' (wafers).

गड्ड होत्तुवाग बीडि होत्तिसि दन्ते.

हिन्दी अनु. (एक की) दाढ़ी जल रही है, (दूसरा) उस पर बीड़ी सुलगाना चाहता है।

Eng. tr. When one's beard is burning, the other wants to light his cigarette on it.

बेक्किगे चेल्लाट, इलिगे प्राण संकट.

हिन्दी अनु. बिल्ली का खेल और चूहे की मौत।

Eng. tr. Sport for the cat and death to the rat.

मलयाळम् एलिय्क्कुं प्राणवेदन, पूच्चय्क्कुं विळयाट्टम्

हिन्दी अनु. चूहे की जान खतरे में, लेकिन बिल्ली को तमाशा।

Eng. tr. When the mouse reels of pain, the cat enjoys the fun.

ताटिकत्तुम् पोळ बीडि कत्तिक्क्य.

हिन्दी अनु. जलती दाढ़ी पर बीड़ी सुलगाना।

Eng. tr. To light a cigarette on a burning beard.

पाक्कलमुटन्नाल् पूच्चरक्कु विळयाट्टं.

हिन्दी अनु. दूध का घड़ा फूट गया तो बिल्ली खुश-हाल।

Eng. tr. When the milk pot breaks, the cat dances with joy.

मीशक्कु ती पिटिरक्कुम्पोळ् बीडि कोळुत्तान् श्रमिरक्कुक.

हिन्दी अनु. मूँछ को आग लगने पर बीड़ी सुलगाने का प्रयास।

Eng. tr. One wants to light his cigarette, when the moustaches are on fire.

४३

कुम्हार के घर बासन का काल।

आशय

जो जिस चीज़ को बनाता है, उसी के पास उस चीज़ की कमी हो तब यह बात बड़ी आश्चर्य की मानी जानी चाहिये। जो जवाहरात का मालिक हो उसी के घर यदि मोतियों का अकाल हो तो क्या कहें! जहाँ पर कोई चीज़ प्रचुर मात्रा में होनी चाहिये और जब वहीं उस चीज़ का अभाव हो तब ये कहावतें प्रयोग में आती हैं। हिन्दी कहावत "कुम्हार के घर बासन का काल।" इस भाव की अभिव्यक्ति कितनी सुंदरता से करती है।

Subject

When there is scarcity in one's place of the thing for which one is known, these proverbs are said. For instance the Hindi proverb — "A scarcity of pots in the potter's house."

हिन्दी कुम्हार के घर बासन का काल।

Eng. tr. A scarcity of pots in the potter's house.

कूँभार रे घरे फूटी हाँडी। (राज.)
(कुंभार के घर में फूटी हँड़िया।)

Eng. tr. A broken pot in the house of a potter.

कोंहार के घरे माटी के दुख। (शाहा.)
(कुम्हार के घर मिट्टी की कमी।)

Eng. tr. A scarcity of earth/mud in the potter's house.

घरे घाणी तेली लुखो क्यों खावै। (राज.)
(घर घानी फिर तेली रूखी रोटी क्यों खाता है।)

Eng. tr. The oilman eats dry bread and yet has an oil mill at home.

चमार के जोरू टूटल पनही।

पाठभेद चमाररी जोरू टूटी जूती। (गज.)

(चमार की पत्नी होते हुए भी टूटी जूती पहने हुए है।)

Eng. tr. Though she is the wife of a cobbler, she is wearing tattered shoes.

जरला बन मे छाउर के अकाल। (चंपा.)

(जले हुए जंगल में राख की कमी।)

Eng. tr. Scarcity of ashes in a burnt forest.

जेकर मैया पूआ पकावे, तेकर धिया लिलके।

Eng. tr. The girl whose mother makes cakes must cry for them.

राजा के घर मोतियों का काल।

पाठभेद राजारै घरे मोत्यांरो काळ। (राज.)

Eng. tr. Raja's house and a scarcity of pearls.

साँभर में नोन का टोटा।

पाठभेद सांभर में लूणरो टोटो। (राज.)

Eng. tr. Scarcity of salt in Sambhar. (Sambhar lake is the chief place from where the salt is got in Central India.)

ENGLISH The cobbler's wife is worst shod, and the tailors worst clothed.

उर्दू राजा के घर मोतीयों का काल।

Eng. tr. Scarcity of pearls in the king's palace.

पंजाबी ठठिआरां दी गागर चोंदी है।

हिन्दी अनु. ठेठेरे की गागर फूटी।

Eng. tr. The water vessels of the braziers are always leaking.

मोची दी जुत्ती सदा पाटी।

हिन्दी अनु. चमार की जूती सदा टूटी।

Eng. tr. The cobbler's shoes always needs mending.

राजे दे घर मोतियां दा काल।

हिन्दी अनु. राजा के घर मोतियों का काल।

Eng. tr. Dearth of pearls in the house of a king.

कश्मीरी क्रालॅसुॅय् छु खोंड् बानु आसान्।

हिन्दी अनु. कुम्हार के लिए टूटा घड़ा (होता है)।

Eng. tr. To the potter, a broken pot.

गाड् छे दर्यावस् अन्दर् त्रेशि बापथ् मरान्।

हिन्दी अनु. मछली नदी में पानी के लिए मरती है।

Eng. tr. A fish dies of thirst in the river.

छानस् ग्रेलि प्यवान् पानस् प्यठ् यीकलि कनि लागान् व्वस्तुहाकुँ नल।

हिन्दी अनु. बढ़ई को जब अपने ऊपर आती है तब तो छत में कड़ी की जगह वह साग का डंठल लगाएगा।

Eng. tr. When it comes to his own, the carpenter will use a stalk of greens instead of a rafter in his roof (smallest expence possible).

सिंधी ओड़ु ब्यनि जो घरु अड़े, पाण प्यो लड़े।

हिन्दी अनु. मिट्टी का काम करनेवाला राज दूसरों का घर तो बनाता है, पर खुद रोज़गार के लिये कभी किधर तो कभी किधर भटकता रहता है।

Eng. tr. A brick-layer makes houses for others but he himself roams about to find work.

कुंभर जे घरि भगलु दिलो।

पाठभेद कुंभर जे घरि भगो भांडो।

हिन्दी अनु. कुम्हार के घर टूटा हुआ मटका। (कुम्हार सोचता है कि अच्छे अच्छे मटके बेच कर ज़्यादा पैसा कमाऊँ। इस लिए अपने लिए टूटा फूटा मटका ही रखता है।)

Eng. tr. A broken pitcher in the house of a potter.

ब्रांभण जे घर छिनल विञिणी।

हिन्दी अनु. ब्राह्मण के घर टूटा हुआ पंखा।

Eng. tr. A broken fan in the Brahmin's house.

राजा जे घरि को मोत्युनि जो कालो।

हिन्दी अनु. राजा के यहाँ मोतियों का अकाल।

Eng. tr. Scarcity of pearls in a king's house.

मराठी अस्वलाच्या अंगास (गांडीस) केसांचा (शेटांचा) दुष्काळ / अस्वलाच्या रानात केसांचा दुष्काळ.

हिन्दी अनु. रीछ की गांड में बालों (शष्पों) का अभाव / रीछ के वन में बालों का अकाल।

Eng. tr. Scarcity of hair on the body of a bear.

अस्वलाच्या गांडीस शेटांचा दुकाळ.

हिन्दी अनु. रीछ के चूतड़ पर शष्पों की कमी।

Eng. tr. Scarcity of pubic hair on the buttocks of a bear.

कुंभाराचे पोर घडक्या हंडीत शिज़वणार आहे?

हिन्दी अनु. कुम्हार का बच्चा क्या अच्छे मटके में खाना पकाएगा?

Eng. tr. A potter's son will cook in a broken pot.

विणणाऱ्या कोळ्याची बायको नागवी.

हिन्दी अनु. जुलाहे की औरत नंगी। (मकड़ी की मादी नंगी।)

Eng. tr. The wife of a spider/weaver, who weaves endlessly, is naked.

गुजराती कुंभार कदी साजे हाले न खाय.
हिन्दी अनु. कुम्हार कभी साबुत हंडी में नहीं खाता।
Eng. tr. Potter never eats in unbroken pots (vessels).

पाणीमां माछलुं तरस्युं.
हिन्दी अनु. पानी में मछली प्यासी।
Eng. tr. A fish thirsty in water.

रींछने दिले मुवाळानी शी खोट ?
हिन्दी अनु. रींछ के शरीर पर बालों की क्या कमी ?
Eng. tr. There's no dearth (want) of hair on the body of a bear.

बाङ्ला आमतलाय आम माहंगा।
हिन्दी अनु. आम के बाग़ में आम महंगा।
Eng. tr. The mangoes are costlier in a mango-grove.

मयरार छेले मण्डा खाय ना।
हिन्दी अनु. हलवाई का लड़का मिठाई नहीं खाता।
Eng. tr. Son of a confectioner would not eat the sweets (lest there be loss in the business or because familiarity breeds contempt).

मयरार छेले संदेश खाय ना।
हिन्दी अनु. हलवाई का लड़का संदेश (एक मिठाई) नहीं खाता।
Eng. tr. Son of the confectioner does not eat the sweets.

लक्ष्मीर मा भिक्षा मागे।
हिन्दी अनु. लक्ष्मी की मां भीख मांगे।
Eng. tr. Mother of Laxmi (Goddess of wealth) is herself begging.

असमीया कमारर घरर बुढ़ा दा, कुमारर घरर भगा चक।
हिन्दी अनु. लोहार के घर भोथरा दाव, कुम्हार के घर टूटा पात्र (मटका)।
Eng. tr. The black-smith has a blunt scraper, and the potter has a broken pot.

ओड़िआ तेली पुअ लुखुरा।
हिन्दी अनु. तेली का बेटा सूखे (बिना तेल लगाये) बालों का रहे।
Eng. tr. Oilman's son goes without oil for his hair.

धोति बुणे भुलिआ, पिंधे लेंकडा, केऊट धरे माछ खाए कंकडा।
हिन्दी अनु. धोती बुने बुनकर पहने चिथड़ा, मछुआ मछली पकड़े खुद खाए केंकड़ा।
Eng. tr. The weaver weaves 'dhoti' but wears a loin cloth (a small dhoti, towellike), the fisherman catches fish but eats (only) crabs.

तमिळ तीप्पट्ट वीट्टिले करिक्कै पंजमा ?
हिन्दी अनु. जले घर में कोयले की क्या कमी ?

Eng. tr. Is there a lack of charred wood in a house on fire?

तोट्टप् पाय् मुडैकिरवनुक्कुत् तूंगप् पाय् इल्लै.

हिन्दी अनु. बगीचे में टोकरी बुननेवाले को सोने के लिए चटाई नहीं।

Eng. tr. One who weaves mats in the garden has no mat for himself to sleep on.

पन्नकारन् पेण्डिल् पणियक् किडंदु शेत्ताळाम्.

हिन्दी अनु. चटाई बनानेवाले की स्त्री खाली जमीन पर पड़े पड़े मरी।

Eng. tr. The wife of the mat-maker died on the ground.

तेलुगु कम्मरिकि तेड्डु करवु.

हिन्दी अनु. लुहार के पास सीखचों की कमी।

Eng. tr. Scarcity of iron rods with a black-smith.

कुम्मरिवानिकि कुंड करवु.

हिन्दी अनु. कुम्हार के घर मटकों का अभाव।

Eng. tr. Scarcity of earthen pots at the potter's house.

मादिगकु चेप्पुलु करवु.

हिन्दी अनु. चमार के घर जूतों का अकाल।

Eng. tr. Scarcity of shoes in a cobbler's house.

मादिगवाडिभालु अयिना, माळे कालिकि चेप्पुलेदु.

हिन्दी अनु. चमार की जोरू, पर जलनेवाले पैरों में जूतें नहीं।

Eng. tr. Though a cobbler's wife, she has no sandals for her burning feet.

सालेकु बट्ट करवु.

हिन्दी अनु. जुलाहे के लिये कपड़ों की कमी।

Eng. tr. Shortage of cloth for a weaver.

कन्नड गुळद अंगडियल्लि नोणक्केनु हेगाळ?

हिन्दी अनु. मिठाई की दूकान में मक्खियों का क्या अभाव?

Eng. tr. Is there a scarcity of flies in the sweet-meat-shop?

गोल्लर अरसागि मज्जिगेगे दरिद्र.

हिन्दी अनु. गोवालों का राजा छाछ का मुँहताज।

Eng. tr. The king of cow-grazers in need of butter-milk.

गौरि हब्बदल्लि तेंगिन कायिगे अत्तरु; मदुवे मनेयल्लि तोव्विगे अत्तरु.

हिन्दी अनु. गौरी पूजा के त्यौहार में नारियल के लिये रोया, और ब्याह में लड्डू के लिये रोया।
(त्योहार में नारियल, और ब्याह में मिठाइयाँ विपुल होती हैं।)

Eng. tr. Wept for coconut in Gowri festival and for sweets in the marriage house. (Coconuts are in plenty in Gowri festival and sweets in marriage house. So he starved in plenty.)

	नेयगेयवन मे बत्तले.
हिन्दी अनु.	जुलाहे का तन नंगा।
Eng. tr.	The body of the weaver is naked.
मलयाळम्	वैद्यन्टे अम्म पुळुत्ते चावू.
हिन्दी अनु.	वैद्य की माँ सड़-गलकर ही मरेगी।
Eng. tr.	It is an irony of fate, that the physician's mother dies of putrefaction caused by germs.

४४

कैसी यह जोड़ी! [समेल]

आशय

कभी कभी स्वभावतः एक दूसरे से ठीक मिलनेवाले व्यक्तियों की जोड़ी बनती है। दोनों में कुछ ऐसी त्रुटियाँ रहती हैं, या दोनों में एक से गुण दिखायी देते हैं, कि ऐसा लगता है, मानो भगवान ने यह कैसी ठीक समेल जोड़ी बनायी है। कन्नड की यह कहावत देखिये – "बुद्दू कहता है और बहरा सुनता है।"

Subject

There are things and people almost made for each other. The following set expresses this idea. For example, a Kannada proverb tells us of pair well suited – "The dunce tells, and the deaf man hears."

हिन्दी	अंधा गुरु, बहरा चेला, मांगे हड़ दे बहेड़ा।
Eng. tr.	A blind teacher and a deaf disciple, when asked for myrobolans, brought gallnuts.
	अंधा सिपाही, कानी घोड़ी, विधना ने आप मिलाई जोड़ी।
Eng. tr.	Between the blind soldier and his one-eyed mare, providence hath created friendship.
	अकलँड कनिया चकलँड बर। (चम्पा.) (कन्या भी मूर्ख, वर भी मूर्ख।)
Eng. tr.	A foolish bride-groom to a stupid bride.
	उत से अंधा आय है, इत से अंधा जाय। अंधे से अंधा मिले, कौन बताये राय॥
Eng. tr.	A blind man starts from there, and a blind man starts from here; when the blind man meets the blind man, who shall show the onward way?

काठका घोड़ा, लोहे की जीन, जिस पर बैठे लंगड़-दीन।
(यह एक पहेली भी है। उत्तर है: 'बैसाखी।')

Eng. tr. A wooden horse and an iron saddle, on which sits lame jack. (It is also a riddle. Answer is: 'A crutch.')

चाचा चोर, भतीजा काज़ी।

Eng. tr. The uncle thief, and the nephew judge.

जइसन उदई ओइसन भान, उन्हुका चिरुकी न इन्हिका कान। (शाहा. चंपा.)
(जैसा उदइ है वैसा ही भान। इस को टीक नहीं, उसको कान नहीं। (उदई और भान, दोनों व्यक्तियों के नाम।)

Eng. tr. As is Udai, so is Bhan. One has no tuft of hair on the head, and other has no ear. (Udai and Bhan are proper names.)

धनि आन्हर पिया खोट, दुनू मिलला जोड़म जोड़। (मुज.)
(पत्नि अंधी और पति काना। दोनों की अच्छी जोड़ी लगी है।)

Eng. tr. What a couple! Blind wife and one-eyed husband.

बाप ओझा, माँ डायन।

Eng. tr. The father a wizard, the mother a witch.

बामन नाचे, धोबी देखे।

Eng. tr. A Brahmin dances and the washerman sees.

बामन मंत्री, भाट खवास, उस राजा का होवे नास।

Eng. tr. With a Brahmin for minister, and a bard for favourite, the Raja will be ruined.

बारह बरस की कन्या और छटी रात का बर, मन माने सो कर।

Eng. tr. The bride of twelve years and the bride-groom of six days old may do as they will. (An allusion to child marriage and its evil.)

बोळो पूछ् बोळीनै, कांई रांधां होळीनै। (राज.)
(बहरा बहरी से पूछता है कि होली के दिन क्या रांधें?)

Eng. tr. The deaf man asks the deaf woman what she will cook for the Holi-festival.

मां धोबन, पूत बजाज।

Eng. tr. The mother a laundress, and the son draper.

मां पिसन-हारी, पूत छैला, चूतड़पर बांधे बूर का थैला।

Eng. tr. The mother a grinder of corn and the son a fop, swaggering with a bag of chaff on his buttocks.

माटी के घोडा सूत के लगाम। (चंपा.)

Eng. tr. Bridle of yarn for a horse of mud.

मैं भाटिन और पिया जात चमार । (चंपा.)
(मैं भाटिन और पति चमार ।)

Eng. tr. I am a flatterer and my husband a cobbler.

राम मिलाई जोड़ी, एक अंधा एक कोढ़ी ।

Eng. tr. God has well matched them; the one is blind, and the other leprous.

राय मिळिया रे ! राय मिळिया ! हूंता जेहड़ा आय मिळिया । (राज.)
(राय मिले रे ! राय मिले ! जैसे थे वैसे आय मिले ।)

Eng. tr. Lord meets Lord; like always meets like.

लंगट पड़ले उधार के पाले ।

Eng. tr. The shameless has fallen into the power of the necked.

लापट गुरु, लापट चेला, लापट लापट भेंट भेला । (पट.)

Eng. tr. A foolish student of a stupid teacher, what a pair !

लोभी गुरु, लालची चेला, वह मांगे भेली, यह दे ढ़ेला ।

Eng tr. Avaricious teacher and a greedy pupil, he asks for a lump of molasses and the other gives a clod of mud.

ENGLISH 1. Lord like, like chaplain.
2. Such captain, such retinue.

उर्दू अंधा हादी, बहिरा मुर्शिदा ।

Eng. tr. A blind guide and a deaf follower.

अंधे हाफिज़, काने नवाब ।

Eng. tr. Blind is Hafij, one-eyed is Navab. (The Hafiz is one who knows the Quoran by heart, is given by courtesy commonly to a blind and like wise; Navab — Lord.)

खूब गुज़रेगी, जो मिल बैठेंगे दीवाने दो ।

Eng. tr. When mad man meets a mad man, they spend a jolly time.

शागिर्द कहर, उस्ताद ग़ज़ब ।

Eng. tr. The oppressive servant, a tyrant master.

पंजाबी चोर उचक्का चौधरी, गुंड़ी रन परधान ।

हिन्दी अनु. चोर उचक्के चौधरी बने और छिनाल बनी प्रधान ।

Eng. tr. Thieves, pickpockets and rascals are the headmen, and profligate women have become respectable.

रब मिलाई जोड़ी इक अन्ना ते इक कोढ़ी ।

हिन्दी अनु. राम मिलाई जोड़ी एक अन्धा एक कोढ़ी ।

Eng. tr. What a comradeship, O God, you have formed ! One is blind, the other is a leper.

सा नूं सज्जण सो मिले, गल लगीं बाहीं।
साडे उत्ते जुल्लीआं, उना ते ओ वी नाही।

हिन्दी अनु. हम को साजन वो मिले, जिन की गले में बांह,
अपने पास तो लिहाफ है, उस के पास वह भी नहीं।

Eng. tr. We got friends, who were worst than us. We have old quilts, but they have nothing.

कश्मीरी अनि रठ् कानि पिलव्।

हिन्दी अनु. अन्धे पकड़ और काने पकड़ाओ। .

Eng. tr. Catch O blindman, and pass on oh one-eyed one.

मत्यव् अनेथि न्वशाह् स्वति द्रायि मचुँय्।

हिन्दी अनु. पगलों ने वधूटी जो लाई, वह भी पगली निकली।

Eng. tr. The insane family brought a daughter-in-law, she too turned out to be insane.

यार्बाश् बायो, माल्ज़ाथ् बेनि लजियो।

हिन्दी अनु. मेरे जार भाई, तेरी वेश्या बहन बलि जाये।

Eng tr. O my vagabond brother, your whore sister is being sacrificed for you.

सिंधी अंधनि विहाईं मंडा न चनि, टुंडा पाईनि फेयूँ।

हिन्दी अनु. अंधों के विवाह में लंगड़े नाचते हैं और टुंडे झूम कर नाचते हैं।

Eng. tr. The lame dance and the cripple sway in the wedding of the blind.

न का घटि घोट में न का कमी क्वांरि।

हिन्दी अनु. न तो दूल्हे में कमी है, न दुलहन में ही कमी है।

Eng. tr. There is fault in neither the bride-groom nor the bride. (i.e. both the parties are equal if they want to fight.)

मराठी अंधळा गुरु बहिरा चेला.

हिन्दी अनु. अंधा गुरु बहरा चेला।

Eng. tr. The master is blind and the pupil deaf.

आई एली, बाय तेली, आणि मुलगा शेख चिली.

हिन्दी अनु. माँ नौकरानी, बाप तेली, और लड़का शेख चिल्ली।

Eng. tr. The mother is a maid-servant, the father is an oil-man, and the son is Sheikh-Chilli--(gives himself airs).

आई भेरी, बाप पडघम आणि संबळ भाऊ.

हिन्दी अनु. माँ भेरी, बाप नगाड़ा और भाई दुक्कड।

Eng. tr. Mother is a trumpet, father a drum, and brother a bongo.

आई वेडी, पोर पिसा, ज़ावई मिळाला तोही तसा.

हिन्दी अनु. माँ पागल, संतान पगली, जामात मिला सो भी पागल।

Eng. tr. The mother is mad, her child is mad, and her son-in-law also turned out to be mad.

उंट-गाढव भेटले, दोघेही हसले.

हिन्दी अनु. ऊँट-गधा एक दूसरे से मिले तो दोनों (एक दूसरे पर) हँसे ।

Eng. tr. A camel meets a donkey and both smile (or laugh) at each other. (The camel is ugly and the donkey has a bad voice, yet they laugh at each other's imperfections.)

उठवळ सासू , थोट ज़ावई.

हिन्दी अनु. छिनाल सास और चालाक (ठग) दामाद ।

Eng. tr. The mother-in-law a slut, and the son-in-law a rascal.

उब्बुन मुतुच्च रय्याक धांवुन मुतुच्चो मंत्री. (कों)

हिन्दी अनु. खड़ा हो कर पेशाब करनेवाले राजा का दौड़ते हुए पेशाब करनेवाला मंत्री ।

Eng. tr. A minister who urinates while he runs for a king who stands while he urinates.

खेकट्यास मेकटे महादेवा, ऊठ गो नकट्या लाव दिवा.

हिन्दी अनु. शठ के लिए महाशठ, महादेव उठ बे नकटे जलाओ दीपक ।

Eng. tr. When people of equal strength meet, no work is done, but when one commands — " Oh you snubbed nose, switch on the light — " the other listens quietly.

गुवाचा भाऊ पाद, पादाचा भाऊ गू.

हिन्दी अनु. गू का भाई पाद, पाद का भाई गू ।

Eng. tr. Fart as a brother of excreta, and excreta as a brother of fart.

गोसाव्याची जहागीर, मानभाव प्यादा.

हिन्दी अनु. गोसावी की जागीर, महानुभावी शागिर्द ।

Eng. tr. An ascetic of Gosavi sect is a land-lord, and he has a servant of Mahanubhava sect.

चांडाळ चौकडी आणि धश्चोट अध्यक्ष.

हिन्दी अनु. चांडालों की पंचायत और उज्जड़ अध्यक्ष ।

Eng. tr. (1) In a meeting of cunning men, a scoundrel is the chairman.
(2) A group of scoundrels has a ruffian for the leader.

दादा ब्राह्मण वहिनी सवाष्ण.

हिन्दी अनु. दादा ब्राह्मण भाबी सुवासिनी ।
(अपने घर में ही दान-कर्म करना । भाई और भाबी को ही व्रतपूर्ति के भोजन के लिए बुलाना । धर्म करने का गौरव प्राप्त हो, और पैसा घर के बाहर न जाय ।)

Eng. tr. My brother is the Brahmin and his wife the married Brahmin lady. (i.e. On certain days a Brahmin couple is invited for meals and given holy gifts. If this couple belongs to one's own family, then one's expenditure doesn't go waste. Referred to those who pretend to be religious and are selfish.)

बटीक बाईल, कडक दादला.

हिन्दी अनु. ग़रीब जोरू, शौहर मुँहजोर ।

Eng. tr. A meek wife and an over-strict husband (i.e. a husband becomes over-strict or even a bully if the wife is meek and listens to all his whims).

बायको येडी, पोर पिसे, ज़ावई मिळाले तेही तसे.

हिन्दी अनु. औरत पागल, बेटी पगली, दामाद आया सो भी वैसा ।

Eng. tr. His wife is insane, his daughter mad, and when the son-in-law comes, he's no better.

बुचे कारभारी आणि नकटे चौधरी.

हिन्दी अनु. बूचा कारभारी और नकटा चौधरी ।

Eng. tr. An ear-cropt manager and a snub-nosed village officer. (Both the ear-cropt and the snub-nosed are considered as ill omens.)

रूप दाविले उंटाने, गाढवाने गाईले गाणे.

हिन्दी अनु. ऊँट ने अपना रूप दिखाया और गधे ने गाना सुनाया ।

Eng. tr. The camel shows his beauty and the donkey sings a song.

विंचवीण नाचते आणि विंचू ताल धरतो.

हिन्दी अनु. बिच्छूआइन नाचती है और बिच्छुआ ताल पकड़ता है ।

Eng. tr. The she-scorpion dances and the he-scorpion beats time (rhythm). (Both praise each other.)

वेताळाला नाही बायको आणि धावगा देवीला नाही घोव.

हिन्दी अनु. वेताल के नहीं औरत और धावगा देवी के नहीं शौहर ।

Eng. tr. Vetal has no wife and Goddess Dhavga no husband. (Like meets like.)

हटाऊ गुरु आणि शिटाऊ चेला.

हिन्दी अनु. हठी गुरु और सीठी चेला ।

Eng. tr. A low-minded master and his disreputable pupil.

गुजराती कन्या जाणे कचकडो, ने वर मोतीनो दाणो.

हिन्दी अनु. वधु कचकडे की गुड़िया और वर मोती का दाना ।

Eng. tr. The bride as if of celluloid, and the groom a pearl.

कूंडुं कथरोटने हसे नही.

हिन्दी अनु. कुंडी कठौत को नहीं हँसती । (दोनों काठ के बने हुए ।)

Eng. tr. A bowl won't laugh at a wooden pan. (Both made of wood.)

कूतरानुं मों गधेडे चाटयुं.

हिन्दी अनु. कुत्ते का मुँह गधा चाटे ।

Eng. tr. The donkey licked the face of the dog.

चोरनी माने भांड परणे.

हिन्दी अनु. चोर की माँ के साथ भडुवा शादी करें।

Eng. tr. The pugnacious fellow shall marry the thief's mother.

जेवी लुच्ची लालबाई, तेवो भडवो भीम.

हिन्दी अनु. जैसी लुच्ची लालबाई, वैसा भडुआ भीम।

Eng. tr. As Lalbai is adulterous, so is Bhim a procurer. (Lalbai (feminine) and Bhim (masculine) are proper names.)

धूलनी वेहन राखोडी.

हिन्दी अनु. धूल की बहन राख।

Eng. tr. Ash is the sister of dust.

धूलनो धडो, ने ढेखाळानां काटला.

हिन्दी अनु. धूल का पासंग और ढेले का वजन।

Eng. tr. Dust used to equipoise the balance and brickbats as weights.

नकटीनो वर जोगी.

हिन्दी अनु. नकटी का दूल्हा जोगी।

Eng. tr. The husband of a shameless woman (becomes) ascetic. (नकटी – nose-cut; shameless.)

नफ्फट ससरा ने निर्लज्ज वहु, आवो ससरा कहाणी कहुं.

हिन्दी अनु. बेशर्म ससरा और निर्लज्ज बहू, आवो ससुरजी कहानी कहूँ।

Eng. tr. Disgraceful father-in-law and shameless daughter-in-law; " Come, father-in-law, I will tell you a story. "

पावलानी पोरी, ने अरधानो ठर, आंधळी पोरी ने काणो वर.

हिन्दी अनु. चवन्नी की छोरी (लड़की या कन्या) और अठन्नी की चूड़ियाँ; अंधी लड़की और काना वर।

Eng. tr. Four annas worth lassie and eight-anna worth set of bangles for her. Blind bride and one-eyed bride-groom for her.

भूंडी भेंस, चांदरो पाडो, आंधळी दोहनारी ने गोवाळ गांडो.

हिन्दी अनु. बुरी भैंस, टीकेवाली पड़िया, अंधी दोहनेवाली और पागल गड़रिया। (और क्या कहना !)

Eng. tr. A bad buffalo, her calf with white spots, a blind woman to milk her, and the milkman a madman. (What more can be said ! Or what else can be worse !)

भेंस पदमनी, ने चुवो आशक.

हिन्दी अनु. भैंस पद्मिनी और चूहा उस पर आशक।

Eng. tr. Buffalo as Padmini (the most beautiful woman), and mouse as her lover.

मा मोचण ने बाप मूंडो तेनो भाई मुष्टंडो.

हिन्दी अनु. मा मोची और बाप मूंडा (मुसलमान), उन के भाई मुसंडा (मुसलमान)।

Eng. tr. Mother a cobbler and father a Fakir, his brother is a mohammedan. (मूंडो – Fakir)

वगुती रांड ने अकर्मी छोकरां.

हिन्दी अनु. बदतमीज़ औरत और उस के बेटे अभागे ।

Eng. tr. The children of a slattern woman (a slut) are generally luckless boobies. (वगुती – a slut)

वरने वाई थाय, ने कन्याने फीफरुं आवे.

हिन्दी अनु. वर को अपस्मार और कन्या (दुल्हन) को उन्माद आवे ।

Eng. tr. The bride-groom is epileptic, and the bride hysterical.

वलवलती रांड ने वेवलां छोकरां.

हिन्दी अनु. चंचल रांड के मनमौजी बच्चे ।

Eng. tr. (As is) the restless wench, (so are) her whimsical (stupid) children.

वांढानुं वलोणुं, ने रांडीरांडनी खेड.

हिन्दी अनु. कुंवारे की मथनी और विधवा की खेती । (दोनों बेकार ।)

Eng. tr. A churning vessel of the unmarried and the tillage of the farm of a widow. (Both are useless, as who would do it ?)

स्त्री सावरणी, ने मरद बुतारो.

हिन्दी अनु. नारी झाड़ू और मर्द कूँचा ।

Eng. tr. Woman a broom, man a mop.
(बुतारो – a kind of mop; सावरणी – a broom.)

बाङ्ला आपनि पागल, पति पागल, पागल तार चेला,
एक पागले रक्षे नेइ, तिन पागलेर मेला ।

हिन्दी अनु. आप पागल, पति पागल, पागल उस का चेला,
एक पागल से छुटकारा नहीं, तीन पागलों का मेला ।

Eng. tr. Herself a mad woman, her husband too a madman, and mad also is his disciple; as if one lunatic was not enough is here a gathering of three.

काना राजा, तार कुँजो मंत्री ।

हिन्दी अनु. अंधा राजा, उस का कुबड़ा मंत्री ।

Eng .tr. A blind king and his hunch-back minister.

काला यजमान, तार तोतला पुरुत ।

हिन्दी अनु. बहरा यजमान, उस का हकला पुरोहित ।

Eng tr. A deaf master and his stammering priest.

पेत्नीर श्राद्धे आलेया मोडल ।

हिन्दी अनु. भूत के श्राद्ध में पिशाच मेहमान ।

Eng. tr. For the death anniversary of a ghost, will-o'-the-wisp is a chief guest.

समाने समान घर खोंडा मेयेर काना बर।

हिन्दी अनु. कैसी मिलायी जोड़ी, लंगडी वधू को अंधा वर।

Eng tr. A proper match indeed, a blind groom for a lame bride.

हबचंद्र राजार गबचंद्र मंत्री।

हिन्दी अनु. बेवकूफ राजा का मूर्ख मंत्री। (मूर्ख राजा का पागल मंत्री।)

Eng. tr. A half-wit minister for a half-mad king.

असमीया जोरो जोर पाभा जोर, ताइ हाड़ित खाइती, सिओ गरु चोर।

हिन्दी अनु. यह खाए हाँड़ी में, वह गाय चोरे, कैसी यह जोड़ी मिलायी राम मोरे।

Eng. tr. A wonderful combination! She eats in the cooking pot and he is cattle-lifter.

तइ कला, मइ कला, यो (जो) र पाइछो भाला भाला।

हिन्दी अनु. तू बहरा, मैं भी बहरा, क्या जोड़ी बनी है।

Eng tr. You are dumb, I am dumb; what a match!

बेङाइ कय कलाइ शुने।

हिन्दी अनु. गूँगा बोले बहरा सुने।

Eng. tr. A dumb speaks and a deaf hears.

योररो (जोररो) यो (जो) र, बिपरीत योर (जोर) एटि कान कटा, एटि चोर।

हिन्दी अनु. संजोग भी क्या, अच्छा मेल, एक कानकटा, एक चोर।

Eng. tr. What a chance! It is a good combination – one is with his ear cut, and the other is a thief.

ओड़िआ अरखूलाके अरसलि, दइब देइछे भेटकरि। (संबलपुरी)

हिन्दी अनु. ऐसे को वैसी, राम मिलाई जोड़ी।

Eng. tr. When like meets like, it is a God-made friendship.

क्षत्रुझामणा राजाकु पाळविण्डा मंत्री।

हिन्दी अनु. नासमझदार राजा का मूर्ख सचिव।

Eng. tr. A stupid minister (adviser) for a foolish king.

आ लो मुतूरी शोइबा, तुत मुतूरी मुँत मुतूरी, हंस काहिं पाइँ धोइबा।

हिन्दी अनु. आवो पेशाब करनेवाली, साथ सोयें; तूं भी मूतनी, मैं भी मूतनी, चटाई क्यों धोयें?

Eng. tr. Oh bed-wetting one, come, we shall sleep on the same bed! You are a bed-wetter, so am I; so why wash and clean the mattress!

तंती बळदकु माळी हळिआ।

हिन्दी अनु. बुनकर के बैल का माली हलवाहा।

Eng. tr. Like the weaver's bullock (i.e. idiotic bullock) and the temple-worshipper farmer (inexperienced).

फटा मृदंगकु जडा गाथक ।

हिन्दी अनु. फटे मृदंग के लिये गला बैठा गायक । (साधक और साधन उभय अकर्मण्य ।)

Eng. tr. Like a dumb singer to the accompaniment of a cracked drum.

बेहिआ घरे अलाजकु कुणिआ ।

हिन्दी अनु. बेशरम के घर निर्लज्ज मेहमान ।

Eng. tr. A super shameless guest in the house of a shameless.

लुहा कोचटकु कमार कोचट ।

हिन्दी अनु. नफ्फट लोहे को नफ्फट लुहार ।

Eng. tr. An un-yielding blacksmith to an un-yielding iron.

तमिऴ अडंगाद मणैवियुम् आंगार पुरुसनुम्.

हिन्दी अनु. अहंभावी पति, बेकाबू पत्नी ।

Eng. tr. A disobedient wife and a self-willed husband.

ऎट्टुक् किऴवरुम् ओरु मोट्टैक् किऴवियैक् कट्टिक् कोण्डार्कळ्.

हिन्दी अनु. आठों बूढ़ों ने एक सर मुड़ी स्त्री से विवाह कर लिया ।

Eng. tr. Eight old men conjointly took to a wife a shaven headed old woman.

कुरुडन् पेण्डाट्टि कूनोडु उर्वाडिनाळ्.

हिन्दी अनु. अंधे की पत्नी ने कुबड़े से प्रेमालाप किया ।

Eng. tr. The wife of a blind man became intimate with a hunch-backed man.

कुरुडनुम् सेविडनुम् कूत्तु पार्कप पोच्, कुरुडन् कूत्तैप् पऴित्तान्, सेविडन् पाटै पऴित्तान्.

हिन्दी अनु. अंधा और बहरा नाटक देखने गये, अंधे ने अभिनय पर दोष लगाया और बहरे ने संगीत पर ।

Eng. tr. A blind man and a deaf man went to see a stage performance. The blind man found faults with the acting, and the deaf man picked holes in the music.

तिरुट्टुप् पयल् कलियाणत्तिल् मुडिच्चु अविऴक्किर् पयल् पेरियतनम्.

हिन्दी अनु. चोर की शादी में गिरहकट प्रधान अतिथि है ।

Eng. tr. At the marriage of a thief, the pick-pocket is the chief guest.

पळ्ळिक् कुप्पत्तुक्कु अंबट्ट वाद्दियार्.

हिन्दी अनु. हरिजन वस्ती में नाई अध्यापक ।

Eng. tr. A barber school-master for a village inhabited by pallis.

बुद्दि केट्ट राजावुक्कु मदि केट्ट मंदिरि.

हिन्दी अनु. मूर्ख राजा और अज्ञानी मंत्री ।

Eng. tr. A foolish king and an ignorant minister.

मोट्टैच्चिक्कुत् तगुंद मूक्करैयन्.
हिन्दी अनु. गंजी सिरवाली स्त्री के लिये बिननाकवाला पति।
Eng. tr. A noseless man fit for a bald woman.

तेलुगु अकटविकटपु राजुकु अविवेकी प्रधानि, चादस्तकु परिवारमु.
हिन्दी अनु. जंगली राजा के अविवेकी मंत्री और मूर्ख अनुचर (हैं)।
Eng. tr. A perverse king has a foolish minister and a clumsy retinue.

काकि सोमाल कूतुरु, अंकम्म कळल अल्लुडु.
हिन्दी अनु. मिरगी की मारी बेटी (मूर्ख) और अंकम्मा जैसा रुखवाला दामाद (नटखट)।
Eng. tr. The daughter is stupid, the son-in-law is a crack.

गति लेनम्मकु मति लेनि मोगुडु.
हिन्दी अनु. गति-विहीना स्त्री का मति-विहीन पति। बेचारी औरत का बेवकुफ मर्द।
Eng. tr. A helpless woman has a brainless husband.

गतिलेनि ऊरिकि मतिलेनि गंगानम्म.
हिन्दी अनु. गति-हीन गाँव की मति-हीना गंगानम्मा (ग्राम-देवी)।
Eng. tr. A foolish Goddess has her temple in a deserted village.

धैर्यं लेनि राजु, योचन लेनि मंत्रि.
हिन्दी अनु. कायर राजा का मूर्ख मंत्री।
Eng. tr. A timid king and a stupid minister.

मलप सन्यासिकि माचकम्मकु जत.
हिन्दी अनु. बेकार संन्यासी की चपटी छातीवाली से जोड़ी।
Eng. tr. An indolent mendicant is coupled with a breast-less woman.

मोंडि गुरुवु, बंड शिष्युडु.
हिन्दी अनु. हठी गुरु, मूर्ख शिष्य।
Eng. tr. A headstrong teacher and a headless pupil.

शिष्या शिष्या ! ना काळ्ळकु चेप्पुलुन्नवा ? – अंटे नक्षत्र मडलं मध्य अेक्कडा कनपडलेदु अन्नाडट (विरुंगा तिनि तल वंचलेक).
हिन्दी अनु. गुरु ने पूछा —"रे शिष्य, क्या मेरे पाँव में जूते हैं ?" (पेट भर खाने से झुककर देख नहीं पाता था।) शिष्य ने कहा —"आकाश में तो कहीं दिखाई नहीं देते हैं।" (उस की भी वही अवस्था थी।)
Eng tr. "Have my shoes on?" asked the Guru. (Unable to bend his head after eating too much). The disciple replied - "I do not see them anywhere in the sky." (He also was fat with food.)

कन्नड आयुष्य विल्लद गंडनिगे ऐदेतनविल्लद हेंडति.
हिन्दी अनु. आयु-विहीन पति की सुहाग-विहीन पत्नी।
Eng. tr. The wife destined to be a widow to a husband without longivity.

अेट्टि गंडगॆ कोट्टि हॆंडति.

हिन्दी अनु. अंधे पति को कानी पत्नी।
Eng. tr. A squint eyed wife for a blind husband.

अेळॆयॆंब राजनिगॆ तुळियॆंब सचिव.

हिन्दी अनु. 'खींचो' कहनेवाले राजा का 'कुचल डालो' कहनेवाला मंत्री।
Eng. tr. To a king who says 'drag', there is a minister who says 'trample'.

ओडोन् बॆत्तलॆ, तरुबोनू बॆत्तलॆ.

हिन्दी अनु. भागनेवाला भी नंगा, पीछा करनेवाला भी नंगा।
Eng. tr. Both are nudes--one who runs and the other who follows.

कत्तॆ ओंट्टॆ होगळिकॆ अहोरूप, अहोगान.

हिन्दी अनु. गधे ने ऊँट की सुंदरता की प्रशंसा की और ऊँट ने गधे के गाने की।
Eng. tr. The donkey praised the camel's beauty, and the camel praised the donkey's music.

कुरुड हॆण्णिगॆ, कुट गंड.

हिन्दी अनु. अंधी दुल्हन, लंगड़ा दूल्हा।
Eng. tr. A lame bride-groom for a blind bride.

तुंडु देवरिगॆ पुंडु पुजारी.

हिन्दी अनु. टूटी मूर्ति का गुंडा पुजारी। (गुंडा – उपद्रवी)
Eng. tr. A rowdy priest for a broken idol.

दीप नुंगो अत्तॆगॆ दीवटिगॆ नुंगो सोसॆ.

हिन्दी अनु. दीया खानेवाली सास की मशाल खानेवाली बहू।
Eng. tr. For a mother-in-law who swallows a lamp, a daughter-in-law who swallows a torch.

मानगेडिगॆ बुद्धिगेडि गॆळॆय.

हिन्दी अनु. मानहीन का साथी बुद्धिहीन।
Eng. tr. The witless one is the friend of shameless one.

सुळ्ळु देवरिगॆ कळ्ळ पूजारी.

हिन्दी अनु. झूठा देवता, चोर पुजारी।
Eng. tr. Thief of a priest to a God of lies.

स्वल्पद राजनिगॆ अल्पद मंत्री.

हिन्दी अनु. ओछा राजा का नीच वज़ीर। (छोटा राजा, नाटा मंत्री।)
Eng. tr. A paltry minister to a petty king.

हण्णिल्लद मरक्कॆ कण्णिल्लद गिणि होद हागॆ.

हिन्दी अनु. फलहीन पेड़ पर नेत्रहीन तोता गया।
Eng. tr. A parrot without eyes went to a tree without fruits.

हेळोनु हेड्ड, केळोनु किवुडु.

हिन्दी अनु. कहनेवाला बुद्धू, सुननेवाला बहरा।

Eng. tr. The dunce tells, the deaf man hears.

मलयाळम् चेट्टन्टनियन् कोन्तकुरुप्पुॅ.

हिन्दी अनु. अग्रज का अनुज बुध्दू मियाँ।

Eng. tr. The elder brother is bad and the younger worst.

तल्लुन्न राजाविनु कोल्लुन्न मंत्री.

हिन्दी अनु. मारनेवाले राजा का हत्यारा मंत्री।

Eng. tr. A punishing king has murderous minister.

पोट्ट चक्किनुॅ ञोण्टन् काळ.

हिन्दी अनु. टूटे कोल्हू को लंगड़ा बैल।

Eng. tr. For a broken oil-press, a lame ox.

संस्कृत उष्ट्राणां लग्नवेलायां गीतं गायन्ति गर्दभाः।
परस्परं प्रशंसंति अहो रूपमहो ध्वनिः॥

हिन्दी अनु. ऊँटों के ब्याह में गधे गीत गाते हैं। ऊँट और गधे एक दूसरे की प्रशंसा करते हैं। "वाह क्या तुम्हारा रूप!" "वाह क्या तुम्हारी आवाज़!"

Eng. tr. The donkeys sing songs in the marriage ceremony of the camels. Both shower profuse praise on each other. The donkeys appreciate the beauty of the camels and the camels admire the voice of the donkeys.

४५

कैसी यह जोड़ी ! [बेमेल]

आशय

कभी कभी दो ऐसे व्यक्ति एक दूसरे के साथ रहते हैं कि जिन में थोड़ी भी समानता न हो, न स्वभाव में मेल खाते हो, न उद्देश्य में एकता हो। ऐसी बेमेल जोड़ियाँ भी कुदरत पैदा करती है जिन में जरा भी पटती नहीं। निम्नलिखित कहावतों में बडी सुंदर सुंदर प्रतिमाओं के द्वारा यह भाव प्रदर्शित हुआ है। तमिऴ की यह कहावत कितनी रोचक है। "आग की नदी पर बालों का पुल।"

Subject

At times two people or things are brought together that are ill-suited in all ways. This is expressed in the following proverbs. The Tamil proverb—" A river of fire, and a bridge of hair." expresses this very well.

हिन्दी बाप के गले में मोगरे, पूत के गले में रुद्राक्ष।
Eng. tr. Jasmine garland in the father's neck and a rosary in the son's neck. (Foppish father and a pious son.)

बाप कुँजड़ा, बेटा शेख।
Eng. tr. The father a green grocer and the son a priest.

बाप चुप चुप, पूत लप झप।
Eng. tr. The father so quiet and the son such a chatter-box.

बाप देवता, पूत राक्षस।
Eng. tr. Father so devine and the son a demon.

बाप नर-कटिया, पूत भगतिया।
Eng. tr. The father a cut throat, the son a saint.

बाप ने न मारी पीदड़ी बेटा बरकंदाज।
Eng. tr. Father never killed a tom-tit and the son an archer.

बाप पंडित, पूत छिनरा।
Eng. tr. The father a learned man and the son a rake.

बाप बनिया, पूत नवाब।
Eng. tr. Father a tradesman, and the son a lord.

माँ भटियारी, पूत फतेखान। (स्त्री.)
Eng. tr. The mother an innkeeper and the son ' Lord General '. (All trades and occupations are hereditary and hence the sting of the proverb.)

साधु के बेटा सवादू। (पट.)
(चरित्रवान पिता के चरित्रहीन पुत्र)
Eng. tr. A righteous father and his son a debauchee.

ENGLISH 1. The father to the plough and the son to the bow.
2. The king and the pope, the lion and the wolf.

उर्दू वली का बेटा शैतान।
हिन्दी अनु. साधु का लड़का सैतान।
Eng. tr. A devil born of a saint.

पंजाबी कागज़ दी बेड़ी अग मलाह्।
हिन्दी अनु. कागज़ की नाव, आग खेवैया।
Eng. tr. A boat of paper and fire as ferryman.

कागज़ दी बेड़ी बान्दर मलाह्।
हिन्दी अनु. कागज़ की नाव, बन्दर मल्लाह।
Eng. tr. A boat of paper and a monkey as ferryman.

जोडिआँ जग थोडिआँ गल नरड बथेरे ।

हिन्दी अनु. जोड़े जग में थोड़े, गला जकड़े बहुतेरे ।

Eng. tr. Here in this world a few are real couples, others are only with their necks tied to-gether.

बुढ्ढि घोड़ी लाल लगाम ।

हिन्दी अनु. बूढ़ी घोड़ी लाल लगाम ।

Eng. tr. An old mare and a red bridle.

कश्मीरी

शुपि कानि वछस् ज़रीनाल् ।

हिन्दी अनु. सूप की सी छाती पर ज़र के कपड़े का गला ।

Eng. tr. A golden cloth collar for a fan-like bonny breast. (A gaudily dressed ugly person.)

सिंधी

उठां मेहां दा केहा मेला ? ओह चरनि पटि त ओहचरनि बेला ।

हिन्दी अनु. ऊँटों और भैंसों का क्या मिलाप ? वो (ऊँट) चरते हैं मैदानों में खड़े वृक्ष, तो वो (भैंसें) चरती हैं घने जंगलों की घास ।

Eng. tr. How can camels and buffaloes be grouped together ? The camels eat the leaves of trees of the plains and the buffaloes graze grass in the jungles.

डाडे जेडे डुघ सां, टंग जेडी कुंवारि ।

हिन्दी अनु. दादा जैसे वृद्ध की टांग जितनी छोटी बहू ।

Eng. tr. The old man as old as a grand-father marries a girl as high as the knee.

मिया गोर लाइकु, बीबी सेज लाइकु ।

हिन्दी अनु. मियां कब्र लायक, बीबी सेज लायक ।

Eng. tr. 'Miya' (the husband) is worth the grave and his wife worth the bed.

मुड्सु पोढो ज़ालजवानु, तंहिं खे ज़ाणु करव जो कानु ।

हिन्दी अनु. पति बूढ़ा, पत्नी जवान, उसे जानो तिनके का तीर ।

Eng. tr. An old husband for a young wife is like an arrow struk in her side.

मराठी

उसाच्या पोटीं काऊस.

हिन्दी अनु. ऊख की गोद में तुर्रा ।

Eng. tr. The (sweet) suger-cane gives birth to a (tasteless) off-shoot.

कानडीने केला मराठा भ्रतार.

हिन्दी अनु. कन्नड स्त्री ने किया मराठा पति ।

Eng. tr. A Kanarees girl married a Maharashtrian. (How can one think of happiness in such a situation ?)

नितांतल्या बायकोला बुरांडला दादल्या.

हिन्दी अनु. कामातुर नारी को हीजड़ा पति।

Eng. tr. An impotent husband for a lusty wife.

सूर्या पोटी शनैश्वर.

हिन्दी अनु सूर्य की गोद में शनैश्चर। (बड़े आदमी की अयोग्य-नालायक संतान।)

Eng. tr. 'Surya' (the sun) gives birth to 'Shani' (Saturn). (Saturn is considered a wicked planet. i.e. A wicked son of a benevolent father.)

हिऱ्या पोटी गारगोटी.

हिन्दी अनु हीरे की गोद में चकमक (पत्थर)।

Eng. tr. A diamond gives birth to a flint-stone.

गुजराती **करमनुं कजोडुं, एक गधेडुं ने बीजुं घोडुं.**

हिन्दी अनु. करम की कुजोड़ी, एक गधा तो दूसरी घोड़ी।

Eng. tr. An unfit match made by fate, one is donkey, the other a mare.

बाङ्ला **एकजना कीर्तुने आर सब बेतुने- गान हबे केमने ?**

हिन्दी अनु. एक कीर्तनकार, बाकी सब किराए के; उन के गाने में मेल कैसे ?

Eng. tr. One alone is the real singer (of devotional songs), the rest are all hirelings. How then would the concert succeed ?

सापेर बियेते बेंजि पुरुत।

हिन्दी अनु. साँप की शादी में नेवला पुरोहित।

Eng. tr. A mongoose priest at a serpent's wedding.

असमीया **षाठी बुढ़ीर नाति भतर।**

हिन्दी अनु. साठ वर्ष की बुढ़िया का नाति सा भ्रतार।

Eng. tr. An old woman of sixty marrying a grand-child. (grand-child's age)

ओड़िआ **अति सुकुमार राजदुहिता, करमरे जोगी घइता।**

हिन्दी अनु. (वह) सुकुमार राजकन्या सी, भाग्य से मिला पति संन्यासी।

Eng. tr. She is like a delicate princess, she is fated to get a sanyasi for a hubby (as her husband).

जडा तेल मेंढा बाळ।

हिन्दी अनु. एरण्ड का तेल और भेड़े का बाल (अजीब मेल)।

Eng. tr. Like (the combination of) castor oil and sheep's hair (wool).

ब्राह्मण घरे शूद्र कुणुआ।

हिन्दी अनु. ब्राह्मण के घर शूद्र मेहमान।

Eng. tr. A 'Sudra' (the lowest of the four main Hindu castes) as guest at a Brahmin's house (inconvenient things).

तमिळ ऐयर् कदिर्पोल अम्माळ् कुदिर्पोल.

हिन्दी अनु. पति अनाज के गुच्छे के समान और पत्नी अनाज मढ़ने के स्थान के समान है।

Eng. tr. The husband is like an ear of corn, the wife is like a rice bin or grain receptacle.

नेरुप्पु आरुम् मयिर्प् पालमुम्

हिन्दी अनु. आग की नदी और बालों का पुल।

Eng. tr. A river of fire, and a bridge of hair.

शात्तानि कुडुमिक्कुम् सन्नियासि पूणुलुक्कुम् मुडि पोडुगिराय.

हिन्दी अनु. तुम शैतान की चोटी और संन्यासी के जनेउ को बांध रहे हो।

Eng. tr. You are tying the knot of satan's hair to the sacred thread of the religious mendicant.

सण्डिक् कुदिरैक्कु नोण्डि सारदि.

हिन्दी अनु. हठी घोड़े के लिये लंगड़ा सारथी।

Eng. tr. A lame rider for an obstinate horse.

वडुगनुम् तमिळनुम् कूट्टुप् पयिर् इट्ट कदै.

हिन्दी अनु. कथा है कि तेलुगुवाला और तमिलवाला दोनों ने साथ मिलकर खेती की।

Eng. tr. The story of a Teulgu and Tamil man cultivating jointlyl (ironical.)

तेलुगु अय्य दासर्लकु पेट्टिते, अम्म ज़ङ्गालकु पेट्टिन्दि.

हिन्दी अनु. मालिक ने खिलाया 'दासरी' को तो मालकिन ने खिलाया जंगम को· (दासरी – विष्णुभक्त संत; जंगम – शिवभक्त संत।)

Eng. tr. When the master fed the Dasari, the mistress fed the Jangam. (contradiction.) (Dasari - A devotee of God Vishnu. Jangam - A devotee of God Shiva.)

अरयवारु अटिकन्त, अय्यवारि पेण्ड्लामु पुटिकन्त.

हिन्दी अनु. मालिक घड़ा सा, मालकिन झावे सी।

Eng. tr. The gentleman is like a small pot, and his wife is like a basket (no match).

कन्नड नरकद बागिलिगे स्वर्गद पालकने.

हिन्दी अनु. नरक के द्वार पर स्वर्ग का द्वारपाल।

Eng. tr. A doorkeeper from heaven for guarding hell.

मलयाळम् अच्चिरक्कुँ कोञ्चुपक्षं नायर्क्कुँ इञ्चिपक्षं.

हिन्दी अनु. पत्नी सामिष हो, तो पति निरामिष।

Eng. tr. If the wife js non-vegetarian, husband is vegetarian.

चण्टिक्कुतिरक्कुँ ञोण्टिक्कुतिरक्कारन् .

हिन्दी अनु. जंगली घोड़े का लंगड़ा घुड़स्वार।

Eng. tr. A lame horseman for a wild horse.

४६

कृतघ्न ।

आशय

अपने पर उपकार करनेवालों का बुरा चाहनेवाले दुनिया में बहुत होते हैं। भलाई का उत्तर बुराई से देनेवाले इन कृतघ्न लोगों का धिक्कार करनेवाली ये कहावतें मनुष्य की दुष्टता का परिचय करा देती हैं। इस भाव को स्पष्ट करनेवाली यह कहावत प्रायः सभी भाषाओं में है – "साँप को दूध पिलाइये, वह विष ही उगलेगा।"

Snbject

Ungrateful people are found everywhere. There are certain others that are ungrateful by nature. These proverbs express this idea. The Tamil proverb – "Though you feed a snake with milk, it will yield poison." finds an echo in almost every Indian language.

हिन्दी गोदी में बैठ के दाढ़ी नोचे।

Eng. tr. Sitting in my lap, he plucks my beard.

गोदी में बैठ के आँख में उँगली।

Eng. tr. Sitting in my lap, he puts his finger in my eyes.

जवना पत्ता पर खाये के वोही पत्ता पर छेरे के। (चंपा. शाहा.)
(जिस पत्तल पर खाया उसी पर पखाना किया।)

Eng. tr. He defecates on the same leaf-platter on which he has taken his food.

जवने रुख के छांह लीहीं ओकरे डाढ़ काटी। (शाहा.)
(जिस पेड़ की छाँव में आराम किया उसी की डाली काटी।)

Eng. tr. He cuts the branch of the tree under the shade of which he took rest.

जाट जंवाई भाणजा रेबारी सोनार।
इतरा हुवे न आपरा कर देखो उपगार। (राज.)
(जाट, जंवाई और भाणजों की अकृतज्ञता पर।)

Eng. tr. A jat, a son-in-law, a nephew, a 'rabari' and a goldsmith never show gratitude even when helped.

जिस टहनी पर बैठे, उसी को काटे।

Eng. tr. He cuts away the branch which supports him.

जिस बरतन में खाना, उसी में छेद करना।

Eng. tr. To make a hole in the vessel out of which one has eaten.

जेकरे घुड़वा बैठीं, तेकरे आंड डागीं ।

Eng. tr. He injures him whose horse he rides.

जेकरे मूरे मूर सेकरे मारब तीन हूर ? (चंपा.)

(जिस की बदौलत मूलधन बना, उसी को लाठी से मारते हो ?)

Eng. tr. Do you give him three blows who helped you with the capital money ?

जेकरे में सुत्ते ओकरे में मुत्ते । (चंपा.)

(जिस के बिस्तर पर सोए, उसी के बिछावन पर मूत दिया ।)

Eng. tr. He passed water in the bed in which he slept.

जे कहे बैसू तेकरे में पैसू । (मुज.)

(जिस ने बैठने को स्थान दिया, उसी घर में पैठना चाहते हो ?)

Eng. tr. Do you want to get hold of his house who gave you space to squat ?

मैं करूँ तेरी भलाई, तूं करे मेरी आँख में सलाई । (स्त्री.)

Eng. tr. I seek to do you good, and you would run a needle into my eye.

ENGLISH

1. Breed up a crow, and it will pluck out your eyes.
2. It is an ill bird that befouls its own nest.
3. If you save a rogue from the gallows, he will rob you the next night.
4. To do good to the ungrateful is to throw rose-water into the sea.
5. Put a snake to your bosom, and when it is warm, it will sting you.
6. I taught you to swim, and now you'd drown me.
7. Save a thief from the gallows, and he will be the first to do thee a mischief.
8. Do not bite the hand that feeds you.
9. Hounds and horses devour their masters.
10. As long as I live, I'll spit in my parlour.
11. Save a stranger from the sea, and he will become your enemy.

उर्दू

जिस की गोद में बैठे, उसी की दाढ़ी नोचे ।

Eng. tr. To pull the beard of him who carries you in his arms.

जिस दरख्त के साए में बैठे, उसी की जड़ काटे ।

Eng. tr. He cuts the roots of the tree which shelters him.

जिस बरतन में खाये उस में छेद करे ।

Eng. tr. He makes a hole in the very vessel from which he eats.

मेरी जूती मेरे ही सर ।
Eng. tr. My shoe on my head itself.

मेरी बिल्ली मुझसे म्याँव ।
Eng. tr. My own cat 'mews' at me.

पंजाबी जिस थाली विच खाणा उसी विच छेक करणा ।
हिन्दी अनु. जिस थाली में खाना उसी में छेद करना ।
Eng. tr. To make a hole in the platter in which you have taken food.

सज्जण बांह देवे तां निगल नहीं लेणी चाही दी ।
हिन्दी अनु. मित्र हाथ दे तो निगलना नहीं चाहिए ।
Eng. tr. When a friend lends his arm, it should not be devoured.

सप्पाँ दे पुत्तर कदे न मित्तर, भावें सो मण दुध पिलाइये ।
हिन्दी अनु. चाहे सौ मन दूध पिलाओ, सर्प का पुत्र कभी न मित्र ।
Eng, tr. You may feed a snake with hundreds of maunds of milk, it will never become your friend.

कश्मीरी अथि बानस् ख्योन् तुं अथि बानस् छरुन् ।
हिन्दी अनु. उसी बर्तन में खाना और उसी में टट्टी करना ।
Eng. tr. To eat out the same vessel and defile it.

मुरि बिहिथ् दार् खुँजुँनि ।
हिन्दी अनु. गोद में बैठ कर दाढ़ी नोचना ।
Eng. tr. To sit in the lap and pluck his beard.

युसुय् रोछुम् तसि निश् रछ्तम् ख्वदायो ।
हिन्दी अनु. जिस को मैं ने पाला, हे भगवन्, उसी से मुझे बचाओ ।
Eng. tr. O God ! Protect me from him, whom I reared up.

सिंधी किती जे काणि, ग़ऊं चार्यमि ग़ोठ जूं ।
हिन्दी अनु. किन के लिए मैं ने गाँव की गउएँ चराई ? (म ने जिन की सेवा की वे मेरे काम न आये ।)
Eng. tr. Those for whom I have worked by grazing their cattle, have been of no use to me in my need.

कुतो जंहिं हंडीअ में खाए तंहिं में मुटे ।
हिन्दी अनु. कुत्ता जिस देगची से खाता है फिर उस पर पेशाब करता है ।
Eng. tr. The dog pisses on the vessel from which he eats.

खट्यो खाए मुड़्स जो, चे जीएमि अबो ।
हिन्दी अनु. खाती है पति का और कहती है जीए मेरा बाप ।
Eng. tr. (She) eats from her husband's earnings, and asks blessings for her father.

जंहिं थाल्हीअ में खाए तंहिं में कढे ।

हिन्दी अनु. जिस थाली में खाता है उसी में कै करता है ।

Eng. tr. He vomits into the very dish out of which he eats.

जिनी काणि कयमि लाई चाई, से न थियमि सूरनि भाई ।

हिन्दी अनु. जिन के लिए बुराई, वे न बने दुख में भाई ।

Eng. tr. For those whom you suffer, they do not share your unhappiness.

जिनी काणि मुयासि, से कुल्हे कांधी न थ्या ।

हिन्दी अनु. जिन के लिए मैं मरी, वे मेरी लाश को कंधे पर उठा कर श्मशान तक ले चलने के लिए भी तैयार न हुए ।

Eng. tr. Those for whom I died, were not even prepared to carry me to the crematorium.

जिनी कातरि कूड़ कमायमि, कमि न साग्या सेई आयमि ।

हिन्दी अनु. जिन के कारण मैं झूठ बोला, वे ही मेरे काम न आये ।

Eng. tr. Those for whom I told a lie, haven't come of any use.

निड़ीअ खां लंघ्यो, नर्गु थ्यो ।

हिन्दी अनु. भोजन गले से नीचे उतरा, तो दोज़ख में गया ।

Eng .tr. The moment food goes down the throat, he curses the bebefactor to hell.

वातु चवे मिठो मिठो, निड़ी चवे मूं न डिठो ।

हिन्दी अनु. मुँह कहता है मीठा मीठा, गला कहता है कि मैं ने देखा तक नहीं ।

Eng. tr. The mouth says, ' It is sweet '. The throat says, ' I haven't even seen it. '

मराठी कुऱ्हाडीचा दांडा गोतास काळ.

हिन्दी अनु. कुल्हाड़ी का डंडा स्वजनों का काल बना ।

Eng. tr. The handle of an axe is ready to kill its own kind (i.e. the handle is made of wood and yet it chops wood).

खाईल तिथेच हगेल.

हिन्दी अनु. जहाँ खाय, वहीं हगे ।

Eng. tr. He would defecate where he would eat.

खाल्ल्या घरचे वासे मोजणे.

पाठभेद जेविल्या घरा वाशे मोज़चें. (गो.)

हिन्दी अनु. जिस घर में खाना खाया, उसी के बल्ले गिने ।

Eng. tr. He counts the rafters of the house where he has eaten.

हिन्दी अनु. जिस घर में खाए, उसी की लकड़ियाँ गिने ।

Eng. tr. To count the rafters of the house where one has eaten (i.e. to show ingratitude by calculating the worth of a house after having taken its hospitality).

नागीण पोसली आणि पोसणाराला डसली.

हिन्दी अनु. नागिन पाली-पोसी, फिर भी वह पालनेवाले को डसी।
Eng. tr. If a snake is nurtured, it stings the person who nurtures it.

पोशिल्लया पोरा काय करशीं? पोर्तुन माका हाय करशीं. (कों)

हिन्दी अनु. पाले हुए बच्चे, क्या करोगे? मेरे साथ उलट जाओगे।
Eng. tr. What will a child reared with care do? He will turn round and do me harm.

पोसल्या पोरा काय करशी? तर म्हातारीचे डोळे फोडशी.

हिन्दी अनु. लाडले बच्चे, क्या करोगे? बुढिया की आँखें फोड़ूँगा।
Eng. tr. On fondled child, what will you do? I will pierce the eyes of the old woman.

सर्पाला दूध पाजले तर विषच ओकणार.

हिन्दी अनु. सर्प को दूध पिलाया तो भी वह विष ही उगलता है।
Eng. tr. The serpent will always vomit poison even if given milk to drink.

गुजराती **खाईने खासडां मारे (एवो छे).**

हिन्दी अनु. खा कर जूते मारे (ऐसा व्यक्ती)।
Eng. tr. (He is one who) would eat your food and beat you with shoes.

खाती जाय पीती जाय ने घरना दांडा-वळा गणती जाय.

हिन्दी अनु. खाती जाय पीती जाय और घर की बाँस बल्ली गिनती जाय।
Eng. tr. She would go on eating and drinking, and would continue counting the beams of the house.

खाय त्यांज भाणुं भांजे.

हिन्दी अनु. जहाँ खाये वहीं बरतन तोड़े।
Eng. tr. Would break vessels (dishes) where he would eat.

जेनुं खाय तेनु खोदे.

हिन्दी अनु. जिस का खाये, उस का खोदे।
Eng. tr. Talks ill of him whose bread he eats. Censures him whose bread he eats.

जे डालीपर बेसे, तेज डाली कापे.

हिन्दी अनु. जिस डाली पर बैठे उसी डाली को काटे।
Eng. tr. Cuts the same branch which he occupies (on which he sits).

ज्यां खावुं त्यांज हगवुं.

हिन्दी अनु. जहाँ खाना वही हगना।
Eng. tr. To defecate there where one eats.

बाङ्ला दुध-कला दाओ यतो, सापेर विष बाड़े ततो ।
हिन्दी अनु. दूध केला दो जितना, साँप का जहर बढ़े उतना ।
Eng. tr. More you give the milk and bananas to a snake, more will its poison grow.

येखाने बसे सेखाने कि चषे ?
हिन्दी अनु. जहाँ रहे वहाँ क्या जोते ? जहाँ रहे वहाँ क्या खोदे ?
Eng. tr. One does not plough the place of one's residence.

ये पाते खाय सेइ पात छेंडे ।
हिन्दी अनु. जिस पत्ते में खाय उसी को चीरे ।
Eng. tr. To tear the leaf on which one is served the meals.

असमीया अतिथिर कि बिधान टोपा गणा ?
हिन्दी अनु. मेहमान को गृहस्थ के अनाज–बीज के बोरे नहीं गिनने चाहिए । मेहमान क्यों गिने ?
Eng. tr. Why should a guest count his host's seed stock ?

उपकारीक अजगरे खाय ।
हिन्दी अनु. उपकारी को साँप डसता है ।
Eng. tr. The snake bites its benefactor.

खाइ पात छिरा ।
हिन्दी अनु. जिस पत्तल में खाता है, उसी को फाड़ डालता है ।
Eng. tr. He tears the leaf on which he eats.

खोवा पातते हागा ।
हिन्दी अनु. जिस पत्तल में खाया, उसी में हग दिया ।
Eng. tr. To defecate in one's own dinner dish.

चुकत थाकि बुकत खोवा ।
हिन्दी अनु. घर के कोने में रह कर छाती पर घाव करे ।
Eng. tr. He lives in the corner of the house and bites the breast.

यार (जार) घरत पात पारिबा, ताक नोबोला शुदा।
यार (जार) पावत सेवा करा, ताक नोबोला गोधा।
हिन्दी अनु. जिस घर में पत्तल पसारना, उसे खाली न कहे।
जिस चरण को छूता है, उसे हस्तीरोगी न कहे।
Eng. tr. Do not call the house empty where you get your meals. Do not call him affected with elephantasis at whose feet you bow.

यारे (जारे) हन्ते शाखा सिन्दुर, ताके करे ओकोरा इन्दुर।
हिन्दी अनु. जिस के ही कारन चूड़ी-सिंदुर, उसी को ही चूहा कहे।
Eng. tr. He (husband) is called a rat from whom one gets bangles and vermillion.

खुवाइ-बुवाइ कोलात लम, तेओ बुलिब ' ताइ '।
मारि-धरि बाटत थम, तेओ बुलिब ' आइ '।

हिन्दी अनु. खिला-पिला कर गोद में लूँ, तो कहता है ' ताइ ' (तुच्छतादर्शक)।
मार पीट कर रास्ते पर रखूं तो कहता है ' माई ' (माँ)।

Eng. tr. If I feed and fondle him, he calls me 'aunt'; whereas If I beat him and leave him on the road, he calls me 'mother.'

चुकत थाकि बुकुत कामोर।

हिन्दी अनु. घर के कोने में रह कर छाती पर काटे।

Eng. tr. Stays in the corner of the house, but bites (stings) on the chest.

थि (जि) पातत खाय, सेइ पात के घिणाय।

हिन्दी अनु. जिस पत्तल पर खाए, उसी की घृणा करे।

Eng. tr. Hates the leaf-plate from which he has eaten.

ओड़िआ **आरे लण्डा, तोर खाई तोते खण्डा।**

हिन्दी अनु. अरे मूर्ख, तेरा खा कर तुझे ही तलवार दिखाये। (कृतघ्न।)

Eng. tr. O fool ! He eats what you give and shows his sword too

कोळरे रहि, कोळर माऊँस खाइ।

हिन्दी अनु. गोद में रहे और गोदी का मांस खाये।

Eng. tr. Stays in the lap and gnaws away the lap-flesh.

खाइ निन्दा पतर हगा।

हिन्दी अनु. जिस के घर खाना उसी की निंदा करना पत्तल में हगने समान है।

Eng. tr. To abuse the one who has fed you is as bad as shitting on your plate.

जेउँ पतररे खाइब सेहि पतररे हगिबा।

हिन्दी अनु. जिस पत्तल में खाये, उसी में हगे।

Eng. tr. To pass excreta at the same place where ane eats.

पोषिला बाघ गोसिआँ खाए।

हिन्दी अनु. पाल्तू बाघ मालिक को खाये। (आश्रित व्यक्ती विश्वासघात करे तब।)

Eng. tr. A pet tiger eats the master.

तमिळ् **अन्नम् इट्टार् वीट्टील् कन्नम् इडलामा ?**

हिन्दी अनु. जिस घर में खाना खाया उसी घर में छेद ?

Eng. tr. May we break through the wall of the house of those who fed us ?

उण्ण वा अेन्नराल् कुत्त वरुगिराय्.

हिन्दी अनु. खाने के लिये बुलाता हूँ तो मारने के लिये आते हो।

Eng. tr. When I call you to eat, you come to strike me.

कूडक् कुडि इरुंदुकोण्डु कोळ्ळि शोरुगलामा ?

हिन्दी अनु. साथ रह कर उस पर लुआठी फेंके ?

Eng. tr. Whilst residing with one shall we thrust a fire brand into his house ?

तेळ् नेरुप्पिल विळुंदाल्, अेडुत्तुविट्टकनैक् कोट्टुम्.

हिन्दी अनु. बिच्छू आग में गिरे तो उसे उठानेवाले के हाथ पर डंक मारेगा ।

Eng. tr. The scorpion stings him who helps it out of the fire.

तोळिल् इरुंदु शेवियैक् कडिक्किरदा ?

हिन्दी अनु. कंधे पर बैठ कर कान काटें ?

Eng. tr. What ! Seated on the shoulder is biting the ear ?

पांबुक्कुप् पाल् वार्त्तु वळर्त्तालुम् विशत्तैक कोडुक्कुम्.

हिन्दी अनु. सांप को दूध दे कर पालने पर भी वह विष ही वमन करेगा ।

Eng. tr. Though you feed a snake with milk, it will yield posion.

तेलुगु अन्नमु पेट्टिन वारि इलु कन्नमु पेट्ट वच्चुना.

हिन्दी अनु. अन्नदाता के घर में ही सेंध न लगाई जाय ।

Eng. tr. Break not the house of one who has fed you.

इंट कुडिचि इंदिवासालु लेक्किंचिनट्लु.

हिन्दी अनु. जिस घर में खाया उसी घर के बल्ले गिन लिये हो ।

Eng. tr. Like counting the rafters of the house where one has had his meals.

इलु चोरबडि इण्टिवासालु लेक्कपेट्टि नाडट.

हिन्दी अनु. घर में घुस कर घर के बाँसों को गिन रहा है ।

Eng. tr. He got into the house and counted rafters. (swindler – नमकहराम)

कुक्कनु पुंचिते गण्डाये, कूटिकुण्डकु चेटाये.

हिन्दी अनु. पाल पोस कर कुत्ते को बड़ा करो, वह तुम्हारे बरतन साफ करेगा ।

Eng. tr. If you rear up a dog, when it becomes big, it will empty all your dishes.

गुडिलो नुंडि गुडिराळ्ळु तीसिनट्लु.

हिन्दी अनु. मंदिर में रह कर मंदिर के पत्थर उखाड़ता है ।

Eng. tr. Living in the temple he takes away the temple stones.

चन्नु कुडिचि रोम्मु गुद्दिनट्लु.

हिन्दी अनु. स्तनपान कर के स्तनों पर प्रहार ।

Eng. tr. Beating the breast after sucking the milk.

पालकुडिचि रोम्मु गुद्दिनाडु.

हिन्दी अनु. स्तनपान कर के स्तनों पर प्रहार किया ।

Eng. tr. He sucked the milk and struck the breast. (Used for a man who misbehaves even with his own mother.)

पातरलो पड्ड कुक्क तीयबोते करवस्तुंदि.

हिन्दी अनु. गड्ढे में गिरे हुए कुत्ते को बाहर निकाला तो उस ने काट लिया।

Eng. tr. The dog bit the man who tried to save it from the pit.

पालुपोसि पेन्चिना, पामु करवकमानदु.

हिन्दी अनु. दूध पिला कर पालने पर भी साँप डँसता ही है।

Eng. tr. Even you feed a snake with milk, it will bite you.

विश्वासं तप्पिन पीनुगु मोसिनवाडिनि पट्टिंदट.

हिन्दी अनु. कृतघ्न लाश ने अपने ढोनेवालों को पकड़ा।

Eng. tr. The ungrateful corpse caught its own carriers.

कन्नड उप्पु उण्ड मनेगे एरडु बगेद.

हिन्दी अनु. जिस घर में नमक खाया उसी का अशुभ विचार।

Eng. tr. He wished ill to the house where he ate salt.

तोडे मेले साकिद नायि ओडेयनन्नु मरेयितु.

हिन्दी अनु. गोद में पला कुत्ता मालिक को भूल गया।

Eng. tr. The dog fondled on the lap forgot its master.

सलिगेय नायि तले गेरितु.

हिन्दी अनु. दुलारा कुत्ता सर पे चढ़ा।

Eng. tr. The pettled dog jumped on the head.

हालुंड मनेय करु सायलि अन्न बारदु.

हिन्दी अनु. जिस घर में दूध पीवे उस घर के बछड़े की मौत न मनावे।

Eng. tr. Never say the calf should die of a house where you have been fed with milk.

हाविगे हालेरेदरे तन्न विष बिड्डिते ?

हिन्दी अनु. दूध पिलाने से साँप अपना विष छोड़ता है क्या ?

Eng. tr. Does the snake give up its poison if it is fed with milk ?

मलयाळम् अच्छन् चत्तुं कट्टिलेरान् कोतिक्करुतुं.

हिन्दी अनु. खटिया पर सोने के लिये बाप की मौत न चाहो।

Eng. tr. Do not long for your father's death to climb into the cot. (A piece of advise to infilial progeny who feel that father has lived too long barring their direct accession to his property.)

अन्नमिट्ट वीट्टिल् कन्नं केट्टरुतुं.

हिन्दी अनु. खिलानेवालों के प्रति कृतघ्न न हो।

Eng. tr. Do not be ungrateful to those who feed you.

कुटिच्चमुल् कटिक्करुतुं.

हिन्दी अनु. दूध चूसा स्तन दाँत से न काटो।

Eng. tr. Do not bite the breast that you have sucked.

चोरि़ट्ट कैयिल् तिरिञ्ञु कटिय्क्कुरुतुॅ.

हिन्दी अनु. जिस हाथ ने खाना दिया उसी को काटो मत।

Eng. tr. Do not bite the hand that fed you.

तोळिल् इरुन्नु चेवि तिन्नरुतुॅ.

हिन्दी अनु. कन्धे पर बैठ कर कान मत खाओ।

Eng. tr. While sitting on somebody's shoulder, you should not eat up his ear.

पाम्पिनु पालु कोटुत्तालुं विषं तन्ने छर्दिय्क्कुम्.

हिन्दी अनु. साँप को दूध पिलाये तो भी वह विष ही उगलेगा।

Eng. tr. Even if a snake is reared up on milk, it will emit poison.

संस्कृत पयःपानम् भुजङ्गानाम् केवलम् विषवर्धनम्।

हिन्दी अनु. साँप को दूध पिलाये तो भी उस का विष ही बढ़ेगा।

Eng. tr. Even if a snake is reared up on milk, it will add to its poison.

४७

गधों से हल चले तो बैल कौन बिसाए ?

आशय

तुच्छ वस्तुओं से काम बनता तो अच्छी चीज़ों के पीछे कौन पड़ता। सभी जगह सब चीज़ें मिल पाती तो किसी उत्कृष्ट चीज़ के लिये किसी विशेष स्थान पर जाने की आवश्यकता भी न होती। बांग्ला की इस कहावत में यही भाव है—" खलिहान में माणिक पाऊँ, तो क्यों पर्वत पर जाऊँ!"

Subject

If meaner things could come of use, better things would not be utilized at all. The following proverbs express this idea. For instance the Bengali proverb - " If I discover rubies in my backyard (in the husking shed), why shall I (take the trouble, and) go to the mountains ! "

हिन्दी अगर भेंड़ी के लेंडी मीठ होइत,
तऽ गड़ेरिया दोसर आदमी के खेते ना हिराइत।
(यदि भेड़ की लेंडी मीठी होती तो गड़ेरिया भेड़ों को दूसरे आदमी के खेतों में नहीं बिठाता।)

Eng. tr. If the dung-globules of the sheep to be sweet, the shepherd would not have rested his sheep in another's fields.

काँकरा (काकड़िया) कँवला हुवै तो स्यालिया कद छोडै । (राज.)
(कंकर कोमल हो तो गीदड़ कब छोडें ? कभी के खा जायें ।)

Eng. tr. If the pebbles are soft, the jackals would eat them in no time.

कुत्ता घास खाए तो सभी पाल लें ।

Eng. tr. If dog could live on grass, everybody could keep one.

गधों से हल चले तो बैल कौन बिसाए ?

Eng. tr. If donkeys could draw plough, who would buy oxen (of higher price) ?

घर में जो शहद मिले, तो काहे बन को जावे ?

Eng. tr. If honey could be got in houses, who would search for it in the forest ?

छेरी भेरी हर चले तऽ बगोंधा रख के का होइ । (शाहा.)
(यदि बकरी और भेड़ से हल चलते, तो बड़े बड़े बैलों को रखने की क्या आवश्यकता ?)

Eng. tr. If goats and sheep could pull the plough, where is the necessity of keeping oxen ?

जो गधे जीते संग्राम, तो काहे को ताझी को खर्चें दाम ?

Eng. tr. If battles could be won by asses, who would spend to keep Arab steeds !

टाबरियाँ ही घर बसै तो बाबो बुढली क्यूँ लावै ? (राज.)
(बच्चों से ही घर बसे तो बाबा बुढ़िया क्यों लावे ? (ब्याह करे ?)

Eng. tr If a household could be run by children only, why would a man marry ?

बकरी से हल चलता तो बैल कौन रखता ?

Eng. tr. If goats could draw the plough, who would keep oxen ?

उर्दू गधों से हल चले तो बैल क्यों बिसाये ?

Eng. tr. Who would keep the oxen, if donkeys could plough fields ?

कश्मीरी ब्रारिसय् पखुँ यहान् सरन् रोज़हान् नुँ पछिन् ।

हिन्दी अनु. अगर बिल्ली के पंख (उग) आते तो सरोवरों में मुर्गाबीयाँ (शेष) न रहती ।

Eng. tr. Would a cat have wings, there would be no water-fowls in the lakes.

सिंधी खदिड़नि पुट जण्या त हूंद ज़ालुनि मुड्स ई कीन क्या ?

हिन्दी अनु. हीजड़े यदि बेटों को जन्म दे सकते तो फिर औरतें मर्दों से शादी क्यों करतीं ?

Eng. tr. If the eunuchs could give birth to sons, why would women marry men ?

तेलु सहांगो होत गिदड़नि बि हूंद चोट्यू मख्यूं।

हिन्दी अनु. तेल अगर सस्ता होता तो गीदड़ भी अपनी चोटी को लगाते।

Eng. tr. If oil were cheap, jackals would use it for their hair.

परावा पुट पंहिंजा थियनि हा त ज़ालूं सूरई न सहनि हा।

हिन्दी अनु. पराए बेटे अगर अपने बनते तो औरतें प्रसवपीड़ा क्यों सहती ?

Eng. tr. If others' sons would become one's own, why would women bear labour-pains?

पहण कूंअरा हुआ त हूंद गिदड़नि खाई छडिया।

हिन्दी अनु. पत्थर अगर नरम होते तो गीदड़ उन्हे खा लेते।

Eng. tr. If stones were soft, jackals would eat them all.

पिनंदे जे पड़े त मुड्सु छा लाइ कजे।

हिन्दी अनु. अगर मांग कर खाने से जीवन निर्वाह हो सकता तो औरतें विवाह कर घर किस लिए बसातीं ?

Eng. tr. If one could live by begging, why would women establish houses?

पिनिए मङिए घरु हलेत खुहि उधारी वाट।

हिन्दी अनु. भीख मांगने से अगर घर चलने लगे तो फिर लोग उधार लेना ही छोड़ दें।

Eng. tr. It is no use borrowing when the house can be managed by begging. (Used in respect of misers.)

वछ खीरु डिए त मेंहिं छो धार्जे।

हिन्दी अनु. बछड़ा अगर दूध दे तो फिर भैंस की क्या ज़रूरत ?

Eng. tr. If a calf could yield milk, who would keep a buffalo?

मराठी कुळीदना होय मांडा, तर रडत्या का रांडा.

हिन्दी अनु. कुलथी का होता (बनता) मॉंड तो रोती क्यों रांड।

Eng. tr. If pastries could have been made out of vetch, why would women have cried? (There would be no need for sorrow if the best things could be made out of small things.)

गाढव गूळ हगते तर डोंबारी-लोणारी-कुंभार का भीक मागतो ?

हिन्दी अनु. गधा यदि गुड़ हगता, तो मदारी-कोयलेवाले-कुम्हार क्यों भीख माँगते ?

Eng. tr. Had a donkey given jaggery for excreta, the potters and the gypsies would not need to beg.

गाढवाच्या लेंड्यांचे पापड बनते तर उडीद कशाला होते ?

हिन्दी अनु. गधे की विष्ठा के पापड़ बनते तो उड़द क्यों पैदा किये जाते (होते ?)

Eng. tr. If the wafers could be made with the donkey's dung-globules, who would need pulses?

शेज़ान्याने घरे आणि पाहुण्याच्याने पोरे होती तर मग काय ?
हिन्दी अनु. पड़ोसी से मकान और मेहमान से संतान होती तो क्या ?
Eng. tr. If the neighbours made houses and the guests made babies, what else would one want ?

गुजराती अक्कल वेचाती मळती होय, तो कोई मूरख न रहे.
हिन्दी अनु. अक्ल बिकती हो तो कोई मूरख (मूर्ख) न रहे ।
Eng. tr. None would remain foolish if intellect is available for sale.

खीलो दूझे तो भेंसनुं शुं काम ?
हिन्दी अनु. खूँटी दूध दे तो भैंस का क्या काम ?
Eng. tr. What is the need of a buffallo, if a peg gives milk ?

गधानी लींडे पापड थाय तो अडद मगनो भाव कोण पूछे ?
हिन्दी अनु. गधे की लीद से पापड़ बनते हो तो उड़द मूँग का भाव कौन पूछे ?
Eng. tr. If ' papad ' can be made of the globules of a donkey's dung, who would care for kidney-beans and green beans ?

जो गधडे मुलक लेवाय, तो घोडाने कोण पूछे ?
हिन्दी अनु. यदि गधों से मुल्क जीता जा सके तो घोड़ों को कौन पूछे ?
Eng. tr. Who would care for horses if the land can be conquered on donkeys ?

दोरा चीठीए दीकरा थाय तो परणशे कोण ?
हिन्दी अनु. दोरे-धागे और चिट्ठी (तावीज़) से बेटे हो तो शादी कौन करेगा ?
Eng. tr. Who would marry, if children can be got by (with the help of) enchanted threads and amulets ?

बाङ्ला आकन्दे जदि (यदि) मधु पाइ, तबे केन पर्वते जाइ ।
हिन्दी अनु. विषैले आकन्दा फल से यदि शहद मिले तो पहाड़ पर क्यों जाएँ ?
Eng. tr. If honey could be had from the ubiquitous ' Akanda ' fruit, (which is actually poisonous,) one would not venture in the mountains.

आमड़ातलाय आम पेले, आमतलाते के बा जाय ।
हिन्दी अनु. अमड़े के नीचे आम पाए, तो आमतले कौन जाए ।
Eng. tr. If one gets mangoes under an ordinary ' Amda ' tree, who will (take the trouble) go to a mango-grove.

छागलेर पाये यदि यव माड़े, तबे केन लोके बलद जोड़े ?
हिन्दी अनु. बकरी के पाँव से अगर धान मला जाए, तो लोग बैल क्यों लगाएँगे ।
(मला जाए-धुना जाए)
Eng. tr. If the sheep could thresh the barley with their feet, why would the people use bullocks ?

ढेंकिशाले यदि माणिक पाइ, तबे केन पर्वते याइ (जाइ) ?

हिन्दी अनु. खलिहान में माणिक पाऊँ, तो क्यों पर्वत जाऊँ ?

Eng. tr. If I discover rubies in my backyard (in the husking shed), why shall I (take the trouble, and) go to the mountains ?

ओड़िआ छेळि गोड़रे जदि धान मळि हुअन्ता, तेबे बळद किआ लोडा हुअन्ता ?

हिन्दी अनु. बकरी से अगर धान मले जाते, तो बैल को क्यों खरीदते ?

Eng. tr. If goats could help threshing corn, why would one need bullocks ?

तमिळ अत्तैक्कु मीशै मुळैत्ताल्, शिट्टप्पा अेनूकलाम् .

हिन्दी अनु. फूफी को मूँछ उग आएँ तो उसे चाचा कहेंगे।

Eng. tr. Should the moustache grow to one's aunt, we may call her uncle. (Referring to improbable contingencies.)

तेलुगु अत्तकु मीसालुण्टे मेनमामा वरस.

हिन्दी अनु. फूफी को मूँछें उग आती तो मामा कहलाती।

Eng. tr. If the aunt grows moustache, she becomes an uncle.

कुक्कलु एकुलु वडिकिते, गुर्रालु चीरलु कडतायि.

हिन्दी अनु. कुत्ते सूत कातते तो घोड़े साडी पहनते।

Eng. tr. If dogs spin, horses wear saries.

तायितुलके पिल्ललु पुडिते, तार्नेदुकु ?

हिन्दी अनु. ताबीज से बच्चे होते तो उन की (पति की) क्या ज़रूरत थी ?

Eng. tr. What for is he (husband) if a mere talisman is enough to beget children ?

रंकु सागिते पेळ्लें दुकु ?

हिन्दी अनु. व्यभिचार से काम चलेगा तो शादी की क्या ज़रूरत ?

Eng. tr. If adultery is in practice, why marry ?

कन्नड अत्तेगे मीसे बन्दरे चिक्कप्प.

हिन्दी अनु. बुवा को मूँछें होती तो चाचा कहते।

Eng. tr. If the aunt grows moustache, she would be called ' uncle '.

कत्तेगळेल्ला करावु करेदरे दोंबनिगे याके बडतन ?

हिन्दी अनु. यदि गधे दूध देने लगे तो डोम की गरीबी कहाँ रहेगी ?

Eng. tr. If all the donkeys begin to yield milk, will there be poverty for the low-caste ?

मलयाळम् अट्टयक्कु कण्णुं कुतिरयक्कुं कोम्पुं कोटुत्तिरुन्नेन्किलो ?

हिन्दी अनु. अगर जोंक को आँखे और घोड़े को सींग दिये होते तो ?

Eng. tr. What, if the leech had eyes, and the horse had horns ?

४८

ग़रज़ ख़त्म, हक़ीम जहान्नुम में।

आशय

आवश्यकता होने पर किसी को सम्मानित करते हैं और आवश्यकता समाप्त होने पर उसी को धुत्कारते हैं, अपमानित करते हैं। कई लोगों में इस प्रकार का व्यवहार पाया जाता है। इस व्यवहार पर निम्नलिखित कहावतों में व्यंग किया हुआ है। यह ओड़िआ कहावत देखिये—"संकट में मुर्गी की बली चढ़ाने का आश्वासन, संकट टलने पर कुछ नहीं।"

Subject

There are people who respect you when in need, but throw you out when their need is over. These proverbs tell of such people. For instance the Orissa proverb says—"To promise a fowl (to the deity) at the time of trouble, but give nothing when the trouble has passed."

हिन्दी **काम पड़े मउसी भोज परे लबार। (चंपा.)**
(काम हो तब मौसी का नाता, भोजन के वख्त उसे लुच्ची कहकर हकाल देता है।)

Eng. tr. When he is in need, he calls her aunt; at the time of meals, he calls her a cheat (and drives her away).

काम सन्या दुख वीसन्या वैरी हुयग्या वैद। (राज.)
(जब काम बन गया और दुख भूल गया तो वैद्य बैरी हो गया।)

Eng. tr. When the work was done and the pain forgotten, the doctor became an enemy.

गरज मिटी गूज़री नटी। (राज.)
(गरज मिटी और गूजरी ने इनकार किया।)

Eng. tr. When her work was done, the milkmaid refused to give.

गरज सरी'र वैद वैरी। (राज.)

Eng. tr. When the need was over, the doctor became an enemy.

गाया में गाय पैड़ा पर बाछी, घरे अयला पर एक ना बाक़ी। (चंपा.)
(गया में गाय दान करने को कहा, गया से घर आते समय बाछी देने को कहा, घर पहुँचा तो उस से भी इन्कार किया।)—अवसरवादी।

Eng. tr. At Gaya he promised to give away a cow as a gift, on his return he promised a calf, and on reaching home he refused to give anything.

बिपत पड़ी जब भेट मनाई, सुकर गया जब देनी आई।

Eng. tr. When the trouble was on him, he made a vow; when the trouble passed, he denied it.

भूखले गेलहुँ बहू बेचे अघैले कहलक बन्हकी।

(भूख लगने पर तो बहू बेचने गया, लेकिन पेट भर जाने पर कहने लगा कि बंधक रक्खूंगा।)

Eng. tr. He was out to sell his wife when he was hungry, but when the belly was full, he said I would only mortgage her.

भेल काम दुख विसरा ले परोसिन मुसरा। (पट.)

(काम हो गया तो दुख विसर गया, अब पड़ोसिन को मूसल दिखला रही हो।)

Eng. tr. She forgot the pangs when the work was done, then out you go oh neighbour.

ENGLISH

1. The nurse is valued till the child has done sucking.
2. The danger past, and God forgotten.
3. After you have mounted, you kick away the ladder.
4. As soon as you have drank, you turn your back upon the spring.
5. When the devil was sick, the devil a saint would be; when the devil got well, the devil a saint was he.
6. When I had thatched his house, he would have hurted me from the roof.
7. When the cow is old, she is soon sold.
8. A fig to the doctor when cured.
9. Vows in storms are forgotten in calms.
10. Once on shore we pray no more.
11. While the thunder lasted, two bad man were friends.
12. It is time to part with your guide when you have got your boots off.

उर्दू ग़रज़ ख़त्म, हक़ीम जहान्नुम में।

Eng. tr. Let the physician go to hell after the need is over.

पंजाबी काम रहे तां काजी ना रहे तां पाजी।

हिन्दी अनु. काम पड़े तब काजी, काम न रहे तो पाजी।

Eng. tr. When you need him, he is a wiseman; when you don't need him, he is a scoundrel.

कोठा उसन्या तरखाण विसन्या।

हिन्दी अनु मकान पूरा हुआ और बढ़ई को भुला दिया।

Eng. tr. When his house was built, he forgot the carpenter.

नैं लंघी ख्वाजा विसन्या।

हिन्दी अनु. नदी तरे, ख्वाजा को बिसरे।

Eng. tr. The river was crossed and the khwaja was forgotten.

पहाड़ी मीत किस दे, भत खा के खिसके।

हिन्दी अनु. पहाड़ी दोस्त किस के, भात खा के खिसके।

Eng. tr. With whom do the hill folk have friendship? When ever they finish rice eating, away they go.

कश्मीरी अथुँ छोल् तुँ स्यत्रुत् चोल्।

हिन्दी अनु. हाथ धोया और दोस्ती भागी।

Eng. tr. As soon as the hands were washed, the friendship ran away.

सिंधी कमु लथो, डखणु विसियों।

हिन्दी अनु. काम हो गया तो बढ़ई को भूल गये। (अर्थात उसे काम के पैसे भी न दिये।)

Eng. tr. After the business is done, the carpenter is forgotten.

लंघ्या पट, विसिर्या मिट।

हिन्दी अनु. रास्ता पार किया तो सगेसंबंधियों को भूल गया।

Eng. tr. Has forgotten his kith and kin after he has crossed the street.

मराठी कामापुरता मामा, ताकापुरती आजीबाई / आत्याबाई.

हिन्दी अनु. काम के लिए मामा, (और) छाछ के लिए नानीजी / फूफीजी।

Eng. tr. When some work is to be done, someone becomes a maternal uncle, and when butter-milk is required another becomes a grand-mother / aunt.

गणपति (गणेश) गेलो पाणया, इयाट (वाट) धर वाणया.

हिन्दी अनु. गणेश को डुबाया पानी में, अब राह पकड़ो बे बनिये]

Eng. tr. Lord Ganesh is immersed in water, and now he asks the shop-keeper to go his own way.

गरज़ सरो वैद्य मरो.

हिन्दी अनु. (अ) गरज़ ख़तम वैद्यराज मर जाए।

(आ) आवश्यकता न रहे तो चाहे वैद्यराज मरे।

Eng. tr. (a) When the need is fulfilled, let the doctor die.

(b) Now that the need is satisfied, it matters not if the doctor dies.

गुजराती काम वखत काकी, नीकर मूके हांकी.

हिन्दी अनु. काम पड़े काकी, नहीं तो हकाल दे।

Eng. tr. Called 'auntie' at the hour of need, otherwise is driven out.

गरज सरी के वैद वेरी.

पाठभेद **अर्थ सऱ्या पछी वैद वेरी.**

हिन्दी अनु. गरज़ समाप्त हो गई, और वैद्य वैरी (दुश्मन) सा लगता है।

Eng. tr. Doctor is a foe when the need is over.

गुमडुं फुटे ने वैद वेरी.

हिन्दी अनु. फोड़ा फूटे (आराम हो जावे) तो वैद्य वैरी (दुश्मन) ।

Eng. tr. The boil is burst and doctor is an enemy.

भणी गणीने ऊतर्या, गुरुजीना मोंमा मूतर्या.

हिन्दी अनु. पढ़ लिख कर पार भये और गुरुजी के मुँह में मूतने लगे ।

Eng. tr. Became educated, and made water in the mouth of the teacher.

विवाह वीत्यो ने मोड थांसले.

हिन्दी अनु. शादी समाप्त और सेहरा खंभे पर । (सेहरा — वर और कन्या के माँ के सिर या कपाल पर बाँधा जानेवाला गहना ।)

Eng. tr. The wedding is over and the chaplet is kept on the pillar. (मोड — chaplet worn by women on auspicious occasions.)

बाङ्ला काज फुराले बाडइ शाला ।

हिन्दी अनु. काम निकलने पर बढ़ई को गाली (साला) ।

Eng. tr. When the work is done, call names to a carpenter.

गाड पेरोले पाटनि शाला ।

हिन्दी अनु. नाँव किनारे लगने पर माझी को गालियाँ ।

Eng. tr. When the boat reaches the banks, the boatman is cursed.

पार हइले पाटनि शाला ।

हिन्दी अनु. नदी पार करने पर मल्लाह को गाली ।

Eng. tr. Once across the river, abusing the boatman.

बिपदे भगवानेर दोहाइ, संपदे ए कि बालाइ ।

हिन्दी अनु. बिपद में भगवान की दुहाई, संपद में यह क्या बला आई ?

Eng. tr. When in danger invoking the grace of God, when out of it neglect the vows made, as irksome.

बिपदे शिवेर गोंड़ा, संपदे शिव तो नोड़ा ।

हिन्दी अनु. बिपद में शिव की शरण, संपद में शिव तो मात्र बट्टा ।

Eng. tr. In times of danger and difficulty, be a blind devotee of Shiva; once out of a difficulty, call Shiva a mere stone muller.

बिये फुराले छाँदलाय लाथि ।

हिन्दी अनु. शादी के बाद मंडप को लात ।

Eng. tr. Kicking the auspicious canopy after the marriage is over.

असमीया पार पाले युगी, भुरत मारे लाथि।

हिन्दी अनु. किनारे पहुँच कर युगी नाव पर लाथ मारता है। (नाव — तराफा)

Eng. tr. Landing at the other shore the ' jugi ' kicks at the raft.

ओड़िआ आतंक काळे जाचंति कुकुडा, आतंक गले दिअंति लेफडा।

हिन्दी अनु. संकट में मुर्गे की बली चढ़ाने का आश्वासन, संकट टलने पर कुछ नहीं।

Eng. tr. To promise a fowl (to the deity) at the time of trouble, but give nothing when the trouble has passed.

काम सरिले मेरिमुहँ खोळा।

हिन्दी अनु. काम खतम होने पर खूँटा खराब।

Eng. tr. After the work is done the peg is considered bad.

पइड, बजिद, मदघडा, काम सरिले गडगडा।

हिन्दी अनु. डाब, वैद्य और शराब का घड़ा, काम हुआ फिर गड़गड़ा।

Eng. tr. A green coconut, a doctor, and a wine jar (liquour barrel), once done with, they are neglected.

बिभा सरिले वेदी मुँह पोडा।

हिन्दी अनु. विवाह समाप्त होने पर ऋत्विज का मुँह जलाना।

Eng. tr. The altar's/priest's face is burnt after the wedding.

मद घड़ा, काम सरिले गड़गड़ा।

हिन्दी अनु. शराब का घड़ा, काम खत्म होते ही गड़गड़ा दिया।

Eng. tr. A wine barrel is rolled away once work with it is over.

तमिऴ आट्रैक कडंदाल ओडक्कारनुक्कु ओरु शोट्टु.

हिन्दी अनु. नदी पार करने पर नाविक को चपत।

Eng. tr. After crossing the river the boatman gets a cuff.

आरु कडक्किर् वरैयिल् अण्णन् तम्बि, अप्पुरम् नी यार ? नानार् ?

हिन्दी अनु. नदी पार करते तक हम तुम भाई-भाई, बाद में तुम कौन मैं कौन ?

Eng. tr. To avow fraternal relationship until the river is crossed, and to ignore it on arriving at the opposite bank.

ओडम् विट्टु इरंगिनाल् ओडक्कारनुक्कु ओरु शोट्टु.

हिन्दी अनु. नदी पार नाव से उतरने पर मल्लाह को घूसा–मार–मुक्का।

Eng. tr. On landing, a cuff for the boatman.

कारियमाकुमट्टुम् कालैप् पिडि, कारियमान पिरगु कुडुमियैप् पिडि.

हिन्दी अनु. कार्य होने तक पैर पकड़, कार्य होने के बाद चोटी पकड़।

Eng. tr. Catch feet while in need, catch the tuft of his hair as soon as the need is fulfilled.

तेलुगु अक्कर उन्नंतवरकु आदिनारायण, अक्कर तीरिते गूदनारायण.

हिन्दी अनु. काम होने तक आदिनारायण, काम हो जाने पर गूदनारायण।

Eng. tr. While your need lasts, he is Adinarayan, once it is over he is Gudanarayan. ('Guda' is a vulgar word meaning rectum.)

अक्कर तीरिते अक्क मोड्डुगु कुक्कु.
हिन्दी अनु. काम (सुहाग रात का) पूरा होने पर बड़ी बहन का पति कुत्ता ।
Eng. tr. Once her need is over, her sister's husband is a dog.

आपद मुक्कुलु, संपद मरपुलु.
पाठभेद आपद म्रोक्कुलु, संपद मरपुलु.
हिन्दी अनु. विपत्ति में आराधना, संपत्ति में भूल जाना (भगवान को)।
आराधना = मनौती देना ।
Eng. tr. (1) Making vows in woe and forgetting them in weal.
(2) Vows in adversity and carpings in prosperity.

एरु दाटि तेप्प तगुल बेट्टिनट्लु.
हिन्दी अनु. नदी पार कर के बेडा जला देना ।
Eng. tr. Burning the raft after crossing the river.

एरु दाटे वरकु एंगन्न, एरु दाटगाने पिंगन्न.
हिन्दी अनु. नदी पार करने तक एंगन्ना (आदरसूचक), नदी पार हो जाने के बाद पिंगन्ना (अवहेलना सूचक — मल्लाह के लिये)।
Eng. tr. Till you cross the river, call him (boatman) Enganna, (respectable) when you finish it, call him Pinganna (condemned).

गट्टु चेरिन वेनुक पुट्टिवानितो पोट्लाडिनट्लु.
हिन्दी अनु. (नदी) पार करने के बाद खलासी से झगड़ा ।
Eng. tr. Fighting with the ferry-man after getting over the river.

पडव ओड्डु चेरिते पडव वानि मीद ओक सोड्डु.
हिन्दी अनु. नाव किनारे पर पहुँचते ही नाविक को अलविदा ।
Eng. tr. Bye-bye to the boat-man once the boat reaches the shore.

कन्नड उट आयितु, ओले कित्तु हाकु.
हिन्दी अनु. खाना हो गया तो चूल्हा फेंक दिया ।
Eng. tr. The meal is over, throw away the oven.

दोणि दाटिद मेले अंबिगन मिंड.
हिन्दी अनु. नदी पार करने पर माझी की क्या पूछ ?
Eng. tr. After the boat crosses the river, none cares for the rower.

पारु दाटुव वरेगे नारायण, मत्ते पलायन.
हिन्दी अनु. पार लगने तक नारायण नारायण, बाद में पलायन ।
Eng. tr. Chanting the holy name of God till the stream is crossed, then bid good bye.

होळे दाटिद मेले अंबिगन भिंड.
हिन्दी अनु. नदी पार करने पर माझी को कहे साला (गाली) ।
Eng. tr. Abuses to the boat-man after crossing the river.

मलयाळम् अन्तियावोळं वेळ्ळं कोरि अन्तियक्कु कुटमिट्टुटच्चु.

हिन्दी अनु. शाम तक पानी भर कर शाम को घड़ा फोड़ दिया।

Eng. tr. One pulled water till dusk and then broke the pitcher.

करयटुक्कुम्पोळ् तुळयिट्टुकळयोल्ल.

हिन्दी अनु. किनारे के पास आने पर डंडा न फेंक दो।

Eng. tr. Don't throw away the oar when you are about to reach the shore.

पालं कटक्कुवोळं नारायण, पालं कटन्नाल् कूरायण.

हिन्दी अनु. पुल पार होने तक नारायण, पार होने पर कूरायण।

Eng. tr. Until the bridge is crossed, one prays God, but soon after denounces him.

संस्कृत उपाध्यायश्च वैद्यश्च ऋतुकाले वराङ्गना।
सूतिका दूतिका चैव कार्यान्ते तृणवत्स्मृताः॥

हिन्दी अनु. उपाध्याय, वैद्य, ऋतुकालप्राप्त वनिता, सूतिका (जच्चा) तथा दूतिका, कार्य समाप्त होने के बाद इन सब की कीमत तृण के समान हो जाती है।

Eng. tr. A preceptor, a physician, a beautiful woman in her menses, a lying-in woman and a female go-between, when their service is over, are given the value of grass that is trampled upon.

कार्यार्थी भजते लोके यावत्कार्यं न सिध्यति।
उत्तीर्णे च परे पारे नौकायाः किं प्रयोजनम्॥

हिन्दी अनु. अपना कार्य सिद्ध होने तक लोग किसी का भी आदरसम्मान करते हैं। नदी के दूसरे तीर पर पहुँचने पर नौका का क्या प्रयोजन होता है?

Eng. tr. A man in need takes the help of the world only so long as he has still to achieve his end. When one reaches his last resort, whence is the need of the boat?

नौकां वै भजते तावद् यावत् पारं न गच्छति।
उत्तीर्णे तु नदीपारे नौकायाः किं प्रयोजनम्॥

हिन्दी अनु. जब तक नौका से नदी पार करनी है, तब तक नौका की पूजा की जाती है। नदी पार करने पर नौका को कौन पूछता है?

Eng. tr. A boat is resorted to till one reaches the other bank. When the river is crossed, what is the use of the boat?

४९

गरजते हैं, वो बरसते नहीं।

आशय

जो जादा बातें करते हैं, शोर मचाते हैं, वे काम बहुत कम करते हैं। ऐसे दिखावा बहुत और काम थोड़ा करनेवालों के प्रति इन कहावतों में व्यंग ताना है। हिन्दी की इस कहावत ने कैसा सुंदर प्राकृतिक दृष्टान्त प्रस्तुत किया है — "गरजते हैं, वोह बरसते नहीं।" (बादल)

Subject

These proverbs tell us how people who create a big noise, and talk a great deal, do very little; whereas the doers talk very little.

हिन्दी काली घटा डरावनी और धौली बरसन हार।

Eng. tr. The black cloud threatens, but the white cloud gives the rain.

गरज़ते हैं, वोह बरसते नहीं।

Eng. tr. The (cloud) which thunders seldom rains.

गरजै सो बरसै नहीं बरसै घोर अँधार। (राज.)

जो (बादल) गरजता है वह बरसता नहीं, जो घोर काला होता है और चुपचाप आता है वह बरसता है।

Eng. tr. The clouds that rumble, do not rain, the clouds that are dark and quiet, do.

जो कहते हैं, वोह करते नहीं।

Eng. tr. Great promisers are small performers.

ENGLISH

1, A long tongue has a short hand.
2. Great braggers, little doers.
3. Great talkers are great liars.
4. The worst wheel of a cart creaks most.
5. Much cry, little wool.
6. Barking dogs seldom bite.
7. Dogs that bark at distance never bite.
8. You often cackle but never lay an egg.
9. Great barkers are no biters.
10. The ass that brays most eats least.

उर्दू काली घटा डरावनी भूरी बरसन हार।

Eng. tr The dark clouds are frightening and the light ones rain.

गरजते हैं वो बरसते नहीं।

Eng. tr. Those that thunder do not rain.

पंजाबी जो गरजदे हन सो वरसदे नहीं।

हिन्दी अनु. जो गरजते हैं, वो बरसते नहीं।

Eng. tr. Clouds which thunder rarely rain.

कश्मीरी च़्र्‌यन्‌ कथन्‌ ॅबु सूद्‌, च़्र्‌यन्‌ गगॅुरायन्‌ ॅनु रूद्‌।

हिन्दी अनु. अधिक बातों से लाभ नहीं, अधिक गरजने से वर्षा नहीं।

Eng, tr, Too much talk is gainless, too many thunders rainless.

यंच़न्‌ गगरायन्‌ रूद्‌ ॅनु, च़्र्‌यन्‌ कथन्‌ सूद्‌ ॅनु।

हिन्दी अनु. (बादलों के) अधिक गरजने पर वर्षा नहीं, बहुत बातों से लाभ नहीं।

Eng. tr. No rains from much thundering, no gain from much speaking.

मराठी बोलेल तो करील काय, गरज़ेल तो पडेल काय?

हिन्दी अनु. बोलेगा सो करेगा क्या, गरजेगा सो बरसेगा क्या?

Eng. tr. Clouds that thunder won't rain, people who talk won't do (anything).

गुजराती गाजता मेह वरसे नहीं, ने भसतो कूतरो करडे नहीं.

हिन्दी अनु. गरजते बादल बरसते नहीं, और भौंकते कुत्ते काटते नहीं।

Eng. tr. A thundering cloud won't rain and a barking dog won't bite.

जे कहे ते करे नाहिं ने करे ते कहे नहिं.

हिन्दी अनु. जो कहता है वह करता नहीं, और जो करता है वह कहता नहीं।

Eng. tr. He who speaks does not act, he who acts does not speak.

भसता कूतरा करडे नहीं, गाज्या मेघ वरसे नहीं.

हिन्दी अनु. भौंकते कुत्ते काटते नहीं, गरजते बादल बरसते नहीं।

Eng. tr. Barking dogs do not bite, thundering clouds do not rain.

बाङ्ला अनेक गर्जने फोंटा वृष्टि।

हिन्दी अनु. ज्यादा गरजने पर बिन्दुमात्र वर्षा।

Eng. tr. Too much thunder, but a drop of rain.

असारेर तर्जन-गर्जन सार।

हिन्दी अनु. कमजोर का जोर गर्जन में।

Eng. tr. Raging and roaring is the only way of a weakling.

गर्जन आछे, वर्षण नेइ।

हिन्दी अनु. गरजता है, बरसता नहीं।

Eng. tr. Lot of thunder, yet no downpour.

फोंकाय साप टोकाय ना।

हिन्दी अनु. फूत्कारनेवाला साँप काटता नहीं।

Eng. tr. A hissing snake does not bite.

यत गर्जे तत वर्षे ना।
हिन्दी अनु. जितना गरजते हैं, बरसते नहीं।
Eng. tr. More rumbling does not mean more rains.

असमीया भुका कुकुरे नाकामोरे।
हिन्दी अनु. भूँकनेवाला कुत्ता काटता नहीं।
Eng. tr. Dog that barks does not bite.

यत (जत) गर्ज्जे, तत न बर्षे।
हिन्दी अनु. जितना गरजेगा, उतना बरसेगा नहीं।
Eng. tr. If there is more sound there is little rain.

ओड़िआ कहे जे करे नाहिं, करे जे कहे नाहिं।
हिन्दी अनु. जो कहता है वह करता नहीं, जो करता है सो बोलता नहीं।
Eng. tr. One who speaks does not do, one who does does not speak.

गरजिला मेघ बरषे नाहीं, कि भुकिला कुकुर कामुडे नाहीं।
हिन्दी अनु. गरजते मेघ बरसते नहीं, भूँकनेवाला कुत्ता काटता नहीं।
Eng. tr. A thundering cloud seldom rains, a barking dog seldom bites.

घुमुरिला बाघ माणिष न खाये।
हिन्दी अनु. चिंघाडनेवाला बाघ मनुष्य को नहीं खाता।
Eng. tr. A tiger that screams does not kill men.

तमिळ कुलैक्किर् नाय् कडिक्क अरियादु.
हिन्दी अनु. भूँकनेवाला कुत्ता कभी नहीं काटेगा।
Eng. tr. A barking dog does not bite.

पेच्चुक् कट्ट् नाय् वेट्टैक्कु आगादु.
हिन्दी अनु. भूँकनेवाला कुत्ता किसी काम का नहीं।
Eng. tr. A noisy dog is not fit for hunting.

तेलुगु अरपुल गोड्डु पितुकुना.
हिन्दी अनु. रंभानेवाली भैंस दुहने (दूध) नहीं देती।
Eng. tr. A yelling beast yields no milk.

अरिचेकुक्क करवदु.
पाठभेद मोरिगे कुक्क करवदु.
हिन्दी अनु. भूँकनेवाला कुत्ता काटता नहीं।
Eng. tr. A barking dog never bites.

अस्तमानं अरिचेपिल्लि ऎलुकल पट्टलेदु.
हिन्दी अनु. दिन-रात म्याऊँ म्याऊँ करनेवाली बिल्ली चूहे को पकड़ नहीं सकती।
Eng. tr. A mewing cat catches no mice.

वेसेवि पुलि गुरुकलु, मेसेवि गड्डि परकलु.

हिन्दी अनु. गरजता है बाघ की तरह, पर खाता है घास के पात।

Eng. tr. It makes the sound of a tiger, but grazes on grass blades.

कन्नड कच्चो नायि बोगळोदिल्ल, बोगळो नायि कच्चोदिल्ल.

हिन्दी अनु. काटनेवाला कुत्ता भूँकता नहीं, भूँकनेवाला कुत्ता काटता नहीं।

Eng. tr. The biting dog does not bark, and the barking dog does not bite.

मलयाळम् कुरय्क्कुं पट्टि कटिय्क्कुकयिल्ल.

हिन्दी अनु. भूँकता कुत्ता काटता नहीं।

Eng. tr. A barking dog seldom bites.

संस्कृत शरदि न वर्षति गर्जति वर्षति वर्षासु निःस्वनो मेघः।
नीचो वदति न कुरुते न वदति सुजनः करोत्येव॥

हिन्दी अनु. शरद ऋतु में बादल गरजता है पर बरसता नहीं। वर्षाकाल में बादल बरसता है पर गरजता नहीं। क्षुद्र व्यक्ति बोलता है, करता नहीं; परंतु सज्जन करता है, बोलता नहीं।

Eng. tr. The cloud in autumn does not send rain but only thunders, whereas the cloud in rainy season sends down rain without a sound. A low person only brags, does not act; but a good man never speaks, he only acts.

५०

गाँव का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध।

आशय

अपने गाँव की व्यक्ति आदरणीय नहीं लगती, दूसरे गाँव से आया व्यक्ति आदर पाता है। अपने घर का व्यक्ति या चीज़ के प्रति अत्यधिक परिचय के कारण आदर का भाव घट जाता है और वह चीज़ या व्यक्ति तुच्छ सी लगने लगती है। हिन्दी की यह कहावत इस भाव को बड़ी रोचकता से प्रदर्शित करती है — "गाँव का जोगी जोगड़ा, आन् गाँव का सिध।"

Subject

People do not honour or like things of their own house or village. Any thing that comes from outside, is respected most. The following proverbs illustrate this idea. The Hindi proverb — "An ascetic in his own village is just beggar, but in another village he is a great saint."

हिन्दी गांव के बेटी बटठगनी।
(गाँव की लड़की को लोग रास्ते में ठगनेवाली कहते हैं।)
Eng. tr. A girl in her own village is called a waylayer.

घर का जोगी जोगना, आन (अन्य) गाँव का सिद्ध।
पाठभेद गाँव का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध।
Eng. tr. A jogi in his own village is a beggar, but one from abroad is a saint.

घर की खाँड़ किरकिरी, बाहर का गुड़ मीठा।
(लोक अपनी वस्तु की कदर नहीं करते।)
Eng. tr. The sugar at home is tasteless, and the jaggery outside is sweet.

घर की मुर्गी दाल बराबर।
Eng. tr. The house fowls are no dearer than peas.

घर के दाल गोबराइन लागेला। (चंपा.)
(घर की दाल गोबर सी लगती है।)
Eng. tr. The pea-soup at home tastes like cowdung.

बारीक पटुआ तीत।
(अपनी बाड़ी का पटुआ तीता।)
Eng. tr. A gourd from one's own backyard is bitter.

ENGLISH A prophet is not without honour save in his own country and own house. (Mat XIII 5-7)

उर्दू घर की मुर्गी दाल बराबर।
Eng. tr. The hen in one's own house is worth the pulses.

पंजाबी घर दा जोगी जोगड़ा, बाहर दा जोगी सिध।
हिन्दी अनु. घर का जोगी जोगड़ा, बाहर का जोगी सिद्ध पुरुष।
Eng. tr. A saint in his own town is considered inferior, but one from outside is a perfect man.

घर दे पीर नूं तेल दा मरुंड़ा।
हिन्दी अनु. घर के पीर को तेल के मुरंड़े। (एक घटिया भूसी का लड्डू।)
Eng. tr. The 'marunda' of oil to his own holy man. (Marunda—An inferior type of wheat and gur preparation.)

कश्मीरी पनुॅन्यव् छि नुॅ पांगम्बर् मांनि मुॅति।
हिन्दी अनु. अपनों ने पैगम्बर को नहीं माना।
Eng. tr. The prophet was not followed by his own kinsmen.

सिंधी घर जो पीरु चुल्हि जो मारंगु ।
हिन्दी अनु. एक पीर की कीमत उसी के घर में चूल्हे की ईंटों के समान ।
Eng. tr. A pir (Muslim saint) in his own house is worth (only) bricks of hearth.

मराठी घर मोगऱ्याक पर्मळ ना.
हिन्दी अनु. घर के मोतिये की (में) खुशबू नहीं आती ।
Eng. tr. The jasmine at home has no fragrance.

घरचीचे ते मिठवणी, आणि बाहेरचीचे मिठ्ठा पाणी.
हिन्दी अनु. घर की स्त्री का खारा पानी और बाहर की स्त्री का मीठा पानी ।
Eng. tr. Everything is tasteless at home but tasty outside.

पिकते तेथे विकत नाही.
हिन्दी अनु. जहाँ पैदा होता है वहाँ बिकता नहीं ।
Eng. tr. The area in which a thing grows is not where it is sold. (Because a thing is popular in an area when it is rarely to be seen there.)

गुजराती गामनी छोकरी ते परगामनी लाडी.
हिन्दी अनु. गाँव की लड़की और परगाँव की (दूसरे गाँव की) लाडी (दुल्हन) ।
Eng. tr. Girl of the village, (dear) bride of some other village.

गामनो जोगी जोगटो, ने परगामनो सिद्ध.
हिन्दी अनु. गाँव का जोगी जोगटा और परगाँव का सिद्ध ।
Eng. tr. The yogi of the town is merely a religious mendicant, and the one of some other town is a seer (or prophet or demigod).

पासे वस्युं ने गांडमा धस्युं.
हिन्दी अनु. निकट बसे, गांड में धसे ।
Eng. tr. Stayed near and entered the anus.

रोज करे आवजाव, तेनो कोई न पूछे भाव.
हिन्दी अनु. रोज करे आनाजाना, उस का भाव कोई न जाना ।
Eng. tr. None respects him who visits every day.

बाङ्ला गाँयेर मधो तिन गाँयेर मधुसूदन ।
हिन्दी अनु. गाँव के माधो, तीन गाँव के मधुसूदन ।
Eng. tr. Madho in his own village, he is called Madhusudan (with respect) in the three other villages.

गेंयो युगी भिख पाय ना ।
हिन्दी अनु. गाँव के जोगी को भीख नहीं मिलती ।
Eng. tr. A local mendicant goes without alms.

दूर जामाइयेर माथाय छाति, घर-जामाइयेर मुखे लाथि।

हिन्दी अनु. दूर जमाई के सर पर छत्र, घर-जमाई के सर पर लाथ। (दूर का जँवई अच्छा, पास का बुरा।)

Eng. tr. The son-in-law who is afar is a solace, while son-in-law puttiug up with oneself gets only kicks.

दूरेर जामाइ मधुसूदन, घरेर जामाई मधो,
भात खाओ'से मधुसूदन, भात खे'से रे मधो।

हिन्दी अनु. दूर का जमाई मधुसूदन, घर का जमाई मधो; भात खाओ जी मधुसूदन, भात खा ले रे मधो। (दूर के जमाई का आदर, घर-जमाई के प्रति अनादर।)

Eng. tr. The son-in-law staying away is adressed respectfully as Madhusucan, while one in the house is curtly called Madho. One who stays away is asked. " Will you not have some rice, dear? " while the householder one will be asked to finish off the given plate.

असमीया ओचरर बामुनक सुरि येन देखे।

हिन्दी अनु. पड़ोसी ब्राह्मण कलाल ही लगता है।

Eng. tr. A Bhrahmin living nearby appears to be an apothecary.

ओड़िआ आपणा देशरे चाकिरि करि कुकुर, पर देशरे चाकिरि कले ठाकुर।

हिन्दी अनु. अपने देश में नौकरी करे सो कुत्ता, परदेश नौकरी करे सो देवता।

Eng. tr. To be a dog serving in one's own country, and a God serving in others.

गाँ कनिआँ शिंघाणिनाकी।

हिन्दी अनु. गाँव की कन्या सेढ़ा भरे नाकवाली।

Eng. tr. The bride from the same village has a running nose.

गाँ जोगी कु भिक न मिले।

हिन्दी अनु. गाँव के जोगी को भीख नहीं मिलती।

Eng. tr. The jogi (mendicant) of the village does not get any alms.

गाँ बळद बिका जाए नाहि।

हिन्दी अनु. गाँव का बैल (अपने) गाँव में नहीं बिकता।

Eng. tr. One's bullock cannot be sold in the same village.

तमिऴ उळ्ळुर् मरुमगनुम् उऴुगिर कूडावुम् शरि.

हिन्दी अनु. उसी गांव का दामाद और जोता हुआ सांड़ दोनों बराबर घसीटे जाते हैं।

Eng. tr. A son-in-law of the same village and a ploughing buffalo are over wrought.

तन्नैप् पेट्रवळ् कोडुम् पावि, पेण्णैप् पेट्रवळ् मगराजि.

हिन्दी अनु. अपनी मां महापापी जब कि पत्नी की माँ महादेवी है।

Eng. tr. Despising his own mother as worthless whilst holding his mother-in-law in high estimation.

नत्त वाळैयिलै नित्तम् काट्पणम्.

हिन्दी अनु. गांव के केले का पत्ता सदा तीन पैसे का है।

Eng. tr. A village plantain leaf always costs a quarter fanam.

तेलुगु इण्टिसोम्मु इप्पपिण्डि, पोरुगिण्टि सोम्मु पोडिबेल्लमु.

हिन्दी अनु. घर का माल महुए का आटा, पड़ोस का माल गुड़ का चूर।

Eng. tr. His own property is like the flour of maize, his neighbour's like fine molasses.

पेरटिचेट्टु मन्दुकु रादु.

हिन्दी अनु. पिछवाडे का पेड़ दवा के लिए लायक नहीं।

Eng. tr. The tree in the backyard wo'nt do for medicine. (That which is near is not valued.)

पोरुगिंटि पुल्ल कूर रुचि.

हिन्दी अनु. पड़ोस की अंबाडे की सब्जी (खट्टी) भी स्वादिष्ट है।

Eng, tr. Sour dishes are sweet if neighbours make them.

कन्नड हित्तल गिड मद्दल्ल.

हिन्दी अनु. (अपनी) बाड़ी की वनस्पति दवा नहीं।

Eng. tr. The plant in the backyard is no medicine.

मलयाळम् मुट्टत्ते मुल्लय्क्कुं मणमिल्ल.

पाठभेद मुरत्ते मुल्लय्क्कुं मणमिल्ल.

हिन्दी अनु. (अपने) आँगन की चम्बेली को सुगंध नहीं।

Eng. tr. A jasmine in one's own courtyard never smells pleasant.

संस्कृत निकटस्थं गरीयांसमपि लोको न मन्यते।
पवित्रामपि यन्मर्त्या न नमस्यंति जान्हवीम्॥

हिन्दी अनु. अपने पास के महान व्यक्ति का लोग आदर नहीं करते। जैसे (समीप रहनेवाले) लोग पवित्र गंगा को वंदन नहीं करते।

Eng. tr. Great men are not respected by their neighbours. People living in the vicinity, do not offer oblations to sacred Ganga.

निजाङ्गना यद्यपिरूपराशिस्तथापि लोकः परदारसक्तः।

हिन्दी अनु. अपनी पत्नी खूबसूरत होते हुए भी लोग परनारी पर लट्टू होते हैं।

Eng. tr. Even when one's own wife is charming, people are lured by others' wives.

लोकः प्रयागवासी कूपे स्नानं समाचरति।

हिन्दी अनु. प्रयाग के लोग कुएँ के पानी से नहाते हैं। (गंगा में नहीं नहाते।)

Eng. tr. People from Prayag wash themselves with well-water. (Prayag is a sacred place where people from all over India come for a holy dip in Ganga-Jamuna confluence.)

स्वदेशजातस्य नरस्य नूनं गुणाधिकस्यापि भवेदवज्ञा।

हिन्दी अनु. अत्यधिक गुणवालों की अपने देश में अवज्ञा होती है।

Eng. tr. A man in his home-country, even endowed with eminent qualities. is cheaply insulted.

५१

गाछ में कटहल, होठों में तेल।

आशय

कई उतावले लोग कोई घटना घटने के बहुत ही पूर्व उस के बारे में विचार करते हैं, उस का प्रतिवाद करते रहते हैं, उस का इलाज करते रहते हैं। बड़े दूर के लाभ के भरोसे अभी से उस के वितरण की चिंता में रहते हैं। कभी अनावश्यक झगड़ा भी कर बैठतें हैं। केवल कल्पना में किसी घटना की ओर संकेत कर के अन्य लोगों को सचेत करने के हेतु जो इशारे करते हैं उस से लोग घबड़ाते हैं। अब इस गुजराती कहावत में देखिये कितना उतावलापन समाया है। — "शादी के पहले गौना."

Subject

Some impatient people already settle matters, long before they are likely to happen. Sometimes these settled matters are precautions, sometimes preparations, sometimes demands, fights and so on, long before a thing actually happens, For instance, the Gujarati proverb— 'Performing the first pregnancy ceremony before marriage.'

हिन्दी आधी रात को जंभाई आवे, शाम से मुँह फैलावे।

Eng. tr. He sets his mouth ajar at sunset in order to gape at mid-night.

गाछ में कठल, होंठ में तेल।

पाठभेद गाछे कटहल, ओठे तेल।

Eng. tr. The jack fruit on the tree and oil on the lips. (This fruit has a very glutinous juice on which account those who pluck it previously rub their hands with oil, and because its adhesive juice remains on lips after eating, it is removed by the same means.

चार दिन की आइयाँ, और सौंठ बिसाइन जाइयाँ। (स्त्री.)

Eng. tr. But four days married and she is off to by dry-ginger (for her accouchment).

जल में मछली, नौ नौ कुटिआ बखरा।

Eng. tr. The fish is in the water and the people are dividing it into nine shares.

पानी में मछली, नौ नौ टुकड़ा हिस्सा।

Eng. tr. The fish is in the water, and is being devided into nine shares.

बर न बिआह, छठ्ठी बरे धान कूटैं।

(अभी विवाह हुआ ही नहीं, पर पुत्र होने की छठी के लिये धान कूटा जा रहा है।)

Eng. tr. Not yet married, he is pounding paddy for the sixth day celebration of his son.

बाप पेट में, पूत ब्याहे चला।

Eng. tr. The father in the stomach, and the son goes to the wedding (his own).

बेटा के ठिकान नै पहिने बेटा के डँड़ोरे। (मुं.)

पाठभेद बेटा नै ताव डाँडा डोरे। (भा.)

(पुत्र तो हुआ ही नहीं, अभी से उस के करधनी की चिंता।)

Eng. tr. The son is not yet born, and they are worried about his waist-thread.

ENGLISH

1. Sell not a bear's skin before you have caught him.
2. What! Who would bye a pig in poke!
3. The horse is in the stable, and you declare his price in the market.
4. Boil not the pap before the child is born.
5. Catch the bear before you sell his skins.
6. Count not your chickens before they are hatched.

उर्दू आब न दीदा, मोझा कशीदा।

हिन्दी अनु. पानी देखा तक नहीं और पहले ही मोजा उतार दिया।

Eng. tr. No water to be seen, and his stockings are pulled off.

घर घोडा भारी मोल।

Eng. tr. The horse inside the stable is very valuable.

पंजाबी कणक खेत कुड़ी पेट, आ जवैया मंडे खा।

हिन्दी अनु. गेहूं खेत में, बेटी पेट में, जमाई मंडे खाओ।

Eng. tr. The wheat is still in the field, the daughter yet to be born, "Come, O, son-in-law, and take sweet cake."

घोड़ा घर ते मुल बझार।

हिन्दी अनु. घोड़ा घर में और मोल करे बाजार में।

Eng. tr. The horse is at home and he is trying to strike a bargain in the bazar,

जम न मुकी, ते नानी दा मूहांन्द्रा।

हिन्दी अनु. अभी जन्मी भी नहीं, नानी से नैन-नक्श।

Eng. tr. She is not yet born, and (they say) she has the features of her grand-mother.

नो कोह दरिया तंबा मोढे ते।

हिन्दी अनु. नदी नौ कोस दूर है, और (अभी से) उस ने कपड़े उतार कर कंधे पे रक्खे हैं।

Eng. tr. The river is still nine 'kos' far off, but he has put off his trousers and hangs it on his shoulders. (Kos. = 2 miles.)

मच्छी रही दरिया, रन मिर्चां कुट्टे।

हिन्दी अनु. मछली अभी नदी में, और बीबी मिरची कूटे।

Eng. tr. The fish is still in the river, and the woman is pounding chillies.

मां जम्मे ना जम्मे, पुत्तर छत्ते नाल पलंमे।

हिन्दी अनु. माँ अभी जन्मी भी नहीं, छत से बेटा लटके।

Eng. tr. The mother is not yet born, but the son is climbing the roof.

हट्टी विच कपाह् ते मेरी ताणी दे लाह्।

हिन्दी अनु. रुई अभी दूकान में, मेरी तूही तान।

Eng, tr. The cotton is still in the shop, he says, "Set up my warp."

कश्मीरी ख्वजि सा बिदाद् गोम् नुँ तुँ वनिथ् थोवुम्।

हिन्दी अनु. ख्वाजा जी, फरयाद्! अभी तो अन्याय हुआ नहीं, परंतु पहले ही कह रखता हूँ।

Eng. tr. Khwajasahib, a complaint! No injustice done to me yet, yet I must cry in advance.

गांठ् नुँ कुनि तुँ गांटुँ ओल्।

हिन्दी अनु. चील कही भी नहीं, चील का घोंसला तैय्यार।

Eng. tr. No kite anywhere, but its nest is ready.

गुर् नुँ कुनि तुँ नखासस् म्वल् नालुँख्वर।

हिन्दी अनु. घोड़े का पता नहीं और बाज़ार में नाल की कीमत की पूछताछ।

Eng. tr. The horse is no-where, but in the market an enquiry for the price of its shoes.

ज़ायि नुँ प्यायि नाह्कय् रद् हुरि छायि।

हिन्दी अनु. न गर्भधारणा न प्रसूति, व्यर्थ ही प्रसवागार भूत ने पकड़ा।

Eng. tr. Neither conceived nor delivered, she has been possessed by the ghost of confinement.

तेलि तोश् येलि न्वश् गरुँ वाति।

हिन्दी अनु. तब तुष्ट होना चाहिए जब वधू घर पहुँचे।

Eng. tr. Rejoice only after the daughter-in-law enters the house.

सिंधी अजा मेहूं झंगमें, धोई धर्यांअं रछ।

हिन्दी अनु. भैंसें अभी जंगल में ही हैं कि मेहवालों ने बरतन धो कर तैय्यार कर रखे हैं।

Eng. tr. The buffaloes are still in the jungles, but the cowherds have already washed the vessels and kept them ready.

कपह कछ में पड़ी मुबारक।

हिन्दी अनु. बगल में अभी कपास ही है और बातें कर रही है दूसरों को लहँगे देने की।

Eng. tr. She has cotton under her armpit, and talks of giving skirts to others.

किंगिर में ककिड़ा, पड़ी मुबारक।

हिन्दी अनु. बिनौले अभी बरतन में भीग रहे हैं, तो वह उसे लहँगा पहनने की बधाई दे रहा है।

Eng. tr. The cotton-seeds are yet to soak in the vessel, and already he is congratulating her for her coming dress.

पाणीअ खां अगे थो कपिड़ा लाहे।

हिन्दी अनु. पानी आने से पहले ही कपड़े उतारने लगा है।

Eng. tr. He puts off his clothes before seeing water.

मोहनु मङ्योई कोन्हे चे खट का थे विझां।

हिन्दी अनु. मोहन की अभी सगाई भी नहीं हुई है कि उस की मां पूछ रही है कि खाट कहाँ रखूँ।

Eng. tr. Mohan is not even engaged yet, and his mother wants to know where she must keep the bed.

सले खां अगे थो संग गुणे।

हिन्दी अनु. अभी अंकुर ही नहीं निकले कि वह भुट्टों की गिनती कर रहा है।

Eng. tr. The seeds haven't sprouted yet, and he is already counting the maize-corn.

मराठी ठिकाण नाही लग्नाला, कोण घेईल मुलाला ?

हिन्दी अनु. शादी का पता नहीं, और बच्चे को कौन लेगा ?

Eng. tr. She is not even married yet, but worried about who will take care of her child ?

पाण्यात म्हैस व वर मोल.

हिन्दी अनु. पानी में भैंस और किनारे पर मोल।

Eng. tr. To settle the price of a buffalo while she is lying in the water.

बाज़ारात तुरी, भट भटणीला मारी.

हिन्दी अनु. बाज़ार में अरहर, ब्राह्मण ब्राह्मणी पर ढाए कहर।

Eng. tr. The pulse is still in the market, and already the brahmin is beating his wife. (They are fighting about how it is to be cooked.)

मुलीचा नाही ठिकाणा आणि वऱ्हाड्यांची घाई.

हिन्दी अनु. लड़की का नहीं पता और बारातियों की जल्दी।

Eng. tr. The bride is yet not known, but the bride-groom's party is hurrying about (is busy).

म्हईशि घेंवचे पुडे दाव्या खरेदी ईत्याक ? (कों)

हिन्दी अनु. भैंस लेने से पहले रस्सी क्यों खरीदी जाय ?

Eng. tr. Before buying a she-buffalo, why buy a rope to tie it ?

समुद्री मासे व घरी भरंवसा.

हिन्दी अनु. सागर में मछली और घर में गिनती।

Eng. tr. Calculating at home on the fish in the sea.

गुजराती गहू खेतमां, बच्चा पेटमां, ने लगन पांचमनां लीधां.

हिन्दी अनु. गेहूँ खेत में, बच्चा पेट में, और ब्याह पंचमी के दिन।

Eng. tr. Wheat in the farm and child (baby) in the womb, and yet the wedding is settled on the fifth of this month.

गामडे भेंस ने घेर झडका.

हिन्दी अनु. गाँव में भैंस और घर घर (दूध की) धारा।

Eng. tr. The buffalo in the village and the sound of milking in every house.

तावडी ताना करे ने बाजरी बजार मां.

पाठभेद बाजरी बजार मां, ने तावडी तानावानां करे.

हिन्दी अनु. तवा गरम हुआ है और बाजरी बाजार में।

Eng. tr. The pan burns hot, while bajri is yet in the market.

पड्या पहेला पोकार नव दिन करे.

हिन्दी अनु. गिरने के पहले ही नौ दिन से चिल्लाता है।

Eng. tr. Shouts for nine days even before falling down.

परण्या अगाऊ / पहेलां अघरणी.

हिन्दी अनु. शादी के पहले (गोद भरी) आठवाँ पूजन।

Eng. tr. Ceremony celebrating the first pregnancy performed before marriage. (Agharani — The ceremony performed in the seventh month of the first pregnancy.)

पादरे भेंस, ने घेर झडका.

हिन्दी अनु. गाँव की सीमा में भैंस (अभी आई है वहाँ) घर में झड़के। (दोहने की आवाज़।)

Eng. tr. The buffalo is yet at the outskirts of the village, while the sound of milking her is heard in the house.

पेटमां छोकरुं ने नाम पाडो हीरो.

हिन्दी अनु. पेट में बच्चा और नाम रखो हीरा। (हीरा नामकरण करना।)

Eng. tr. The child is yet in the womb, and already named Hiralal.

भैंस भागोळे ने घेर छाश छाकमछोळ.

हिन्दी अनु. भैंस अभी तो खरिक में है (गाँव के सीमा के बाहर), और घर में छाछ ही छाछ।

Eng. tr. The buffalo has hardly reached the outskirts of the village, and yet the house is overflowing with butter-milk.

भैंस भागोळे, छास छागोळे, ने घेर धमाधम.

हिन्दी अनु. भैंस अभी सीमा पर है (गाँव की सीमा), छाछ (मट्ठा) अभी अस्तित्व में ही नहीं, और घर में धमाधम (झगड़ा)।

Eng. tr. The buffalo has hardly reached the precincts (outskirts) of the village, the butter-milk is not yet seen, and there is a dispute over it.

बाङ्ला आसलेर सङ्गो खोज नेइ, तार सुदेर खबर।

हिन्दी अनु. असल का पता नहीं, सूद के लिए बेचैनी।

Eng. tr. When you know that the money loaned is itself difficult to get back, it's no use getting worried over the interest.

आसुक बा ना आसुक बर, सिंथि परे तो मर। (स्त्री.)

हिन्दी अनु. आए न आए वर, मांग में सिंदूर भर।

Eng. tr. The groom may or may not come, you wear the bride-mark and be ready.

कबे हबे पो, नेकड़ा-कानि तुले थो।

हिन्दी अनु. कब बच्चा होगा? फटे चीथड़े तो सम्हाल के रख।

Eng, tr. Saving the rags and torn clothes in advance for future use in case of birth of a baby.

गाछे काँठाल, गोंफे तेल।

हिन्दी अनु. पेड़ पर कटहल, मूछों में तेल।

Eng. tr. To oil the moustaches even while the jack-fruit is on the tree.

बर कने देखा नेइ, शुक्रवारे बिये।

हिन्दी अनु. अभी वर और कन्या निश्चित नहीं, और शुक्रवार को ब्याह।

Eng. tr. The bride and the groom are not yet decided, but the marriage is to take place on Friday.

असमीया आहक नाहक बर्, सेओंता फालि मर्।

हिन्दी अनु. वर के आने का पता नहीं, बालों में कंघी लगाते मरो।

Eng. tr. Dress up the hair whether the bride-groom turns up or not.

गछत कठाल ओठत तेल, ताक चाओंते बतर गेल।

हिन्दी अनु. पेड़ पर कटहल और होठों पर तेल लगा है, राह देखते देखते मौसम ही खतम है।

Eng. tr. The season passes away while waiting for the jack-fruit on the tree, smearing oil on the lips.

चतर बिहुलै छमाह आछे, हात मेलि मेलि नाचे।

हिन्दी अनु. चैंत के त्यौहार को अभी छः मास हैं, अभी से हाथ उठा उठा कर नाचता है।

Eng. tr. The spring festival is yet six months away, and he dances with raised hands right now.

नाकान्द छावाल रवि, बापेर गैछे कल रुब, थोक परिले खाबि।

हिन्दी अनु. मत रोओ, मेरे बच्चे, बापू गया है केले का पौधा लगाने, फलने से खाओगे।

Eng. tr. Stop crying, and wait, you child! Your father has gone to plant a plantain tree. You will eat the plaintains when it fruits.

नै नेदेखोंते लाङठ।

हिन्दी अनु. नदी के देखे बिना ही नंगा।

Eng. tr. He becomes naked without seeing a river. (He undresses himself much before he sees the river.)

हब छलि बुलिब बाप, तेहे गुछिब मनर ताप।

हिन्दी अनु. बच्चा पैदा होगा, फिर वह उसे बापू कहेगा, तब ही मन की वेदना समाप्त होगी।

Eng. tr. His mental agony will be removed when he will beget children who will call him father.

ओड़िआ आगत चढेइकि बेशरबटा।

हिन्दी अनु. आनेवाली (शिकार) चिड़िया के लिये मसाला पीसना।

Eng, tr. Preparing spices for the uncaught (unarrived) bird.

छेळि न बेउणु बोदा काढिआ।

हिन्दी अनु. बकरी ब्याने के पहेले ही मेमना मारने का विचार।

Eng. tr. To think of slaughtering the lamb even before the she-goat has delivered.

नई न देखुणु नंगळा।

हिन्दी अनु. नदी देखने के पहले ही नंगा।

Eng. tr. To undress before reaching the river.

मूळरु माइप नाहिं, पुअ नाँ गोपाळिआ।

हिन्दी अनु. असल में पत्नी का पता नहीं, और बेटे का नाम गोपाल।

Eng. tr. No wife in view, and son's name is Gopal.

तमिऴ् अक्काडु वेट्टिप् परुत्ति विदैक्किरेन् ॲनराल् अप्पा ॲनक्कोरु दुप्पट्टि ॲनृकिरान् पिळ्ळै.

हिन्दी अनु. मैं वन को कपास बोने के लिए साफ कर रहा हूँ कहते ही पुत्र ने कहा कि पिताजी मुझे एक कपड़ा दीजिये।

Eng. tr. If I say that I am to clear away the jungle to sow cotton seed, my child exclaims, O father! Give me a cloth!

आरु कादम् ॲनृकिरपोदे कोवणत्तै अविऴ्प्पानेन्?

हिन्दी अनु. नदी दस मील की दूरी पर है ऐसा कहने पर अभी से लंगोटी क्यों ढीली करें?

Eng. tr. Why loosen your waist-cloth on mentioning that the river is yet ten miles off ?

अेरुमै वांगुमुन् नेय्विलै कूरुगिराय्.

हिन्दी अनु. भैंस खरीदने के पहले ही घी का भाव जाहीर कर रहे हो।

Eng. tr. You publish the price of ghee before buying a buffalo.

काशियिल् इरुक्किरवन् कण्णैक् कुत्तक् कांझिपूरत्तिलिरुंदु कैयै नीट्टिक् कोण्डु पोगिरदा ?

हिन्दी अनु. काशी में रहनेवाले की आँख पर मारना है तो क्या कांजीवरम से मुक्का (मुट्ठी) बांध कर दौड़ें ?

Eng. tr. If you wish to strike the eyes of one at Kashi, do you go, for that purpose, with out stretched hand from Conjevaram ?

(सु) शुक्कुरु कण्ड इडत्तिल् पिळ्ळै पेट्टुच् सुरिय नारायणन् अेनरु पेयर् इडुवाळ्.

हिन्दी अनु. शुंठी को देख पुत्र को जन्म दे कर उसे सूर्यनारायण कह कर पुकारेगी।

Eng. tr. As soon as she sees the dried ginger, she will bring forth a child and call it Suryanarayan.

परुत्तिक्काडु उळुगिरतरकु मुन्ने पोम्मनुक्कु एलु मुळम् तिम्मनुक्कु एलु मुळम्.

हिन्दी अनु. कपास की भूमि को जोतने के पूर्व पोम्मन सात हाथ का कपड़ा मांगता है और तिम्मन सात हाथ का।

Eng. tr. Ere the cotton fields are ploughed, Pomman asks for a cloth of seven cubits, and Timman wants one of the same length.

विडियरकालम् कलियाणम् पिडि अडा तांबुलम्.

हिन्दी अनु. सवेरे विवाह होगा, रे अभी लो पान व नारियल का पुरस्कार।

Eng. tr. The marriage will take place at dawn, thou fellow, take betel leaf and coconut right now.

तेलुगु आलुलेदु चूलुलेदु, कोडुकुपेरु सोमलिङगम्.

हिन्दी अनु. न पत्नी है, न गर्भवती, बेटे का नाम सोमलिंगम्।

Eng. tr. There is neither wife, nor conception, but the son's name is to be Somalingam.

एरु एडामड उण्डगाने, चीर विप्पि चङ्क बेट्टु कोन्नट्लु.

हिन्दी अनु. नदी सात योजन दूर है और साड़ी (अभी से) उतारकर काँख में रखती है।

Eng. tr. While the river was still seventy miles away, she took off her garments and put them under her arms.

चेलोपत्ति चेलो उण्डगाने पोलिकि मूडुमूळ्लु, नाकु आरुमूळ्लु अन्नट्लु.

हिन्दी अनु. कपास है खेत में और कहता है, पोलि के तीन भाग और मेरे छः भाग हो। पोलि—ग्रामदेवता.

Eng. tr. While the cotton crop was still in the field, he said, " Three for Poli and six for me. " (Poli — Village deity.)

धर्मपुरिलो ड्रोगिलिंच् बोतु धारवाडनुंचि वङ्गुनि पोयाडट.

हिन्दी अनु. धर्मपुरी में चोरी करने गया धारवाड से झुक झुक कर।

Eng. tr. He went to steal in Dharmapuri crouching from Dharwar.

पुट्टनि बिड्डकु पूसलु कट्टिनट्टु.

हिन्दी अनु. अभी बच्चा पैदा नहीं हुआ (तुम) गुरिया पो रही हो।

Eng. tr. The child is not yet born, and (you are) threading the beads.

कन्नड होळे मूगावुद इरुवाग केर कळचुवुदेटे?

हिन्दी अनु. नदी तीन मील दूर है और अभी से जूतियाँ क्यों उतारें?

Eng. tr. Why remove the footwear when the stream is three miles away?

इप्पत्तु दिनद बसिरु, कदिरे देवर हेसरु.

हिन्दी अनु. बीस दिन की गर्भवती और बेटे का नाम कदिरदेव (रखने को उतावली)।

Eng. tr. Pregnant only for twenty days, but already in a hurry to name the child after Kadir God.

एनिल्ल, अेतिल्ल, मगन हेसरु सोमण्ण.

हिन्दी अनु. न बच्चा न ब्याह, बेटे का नाम सोमण्णा।

Eng. tr. Nothing having, nothing saying, and the son's name is Somanna.

हुट्टद मगुविगे तोट्टिलु कट्टिद.

हिन्दी अनु. बच्चे का जनम दूर और (अभी से) पालने की तैयारी।

Eng. tr. He prepared a cradle for a child to be born after many days.

होट्टेयागिन कूसु होट्टेलिरुवागले पुट्टप्प अंत हेसरिट्टरु.

हिन्दी अनु. बच्चा अभी पेट में है और नाम रखा पुट्टप्पा। (छोटा बाप)

Eng. tr. While the child was still in the womb, it was named Puttappa. (little father)

मलयाळम् अङ्ङुन्नेङ्ङान् वेळ्ळमोलुकुन्नतिनुँ इङ्ङुन्नेङ्ङान् चेरुप्पळिरक्कणो?

हिन्दी अनु. दूर कहीं झरना बहे तो यहीं से क्यों जूतें उतारें?

Eng. tr. Why should one take off his shoes because water is flowing somewhere at a distance?

नीरोलि केट्टुँ चेरुप्पळिरक्कणो?

हिन्दी अनु. जलप्रवाह की आवाज़ सुनते ही कोई जूतें क्यों उतारें?

Eng. tr. Is it necessary to untie one's shoes only on hearing the sound of the current?

संस्कृत आपणे विद्यते धान्यं दम्पत्योः कलहः गृहे।

हिन्दी अनु. धान अभी बाज़ार में है, और घर में पति-पत्नी की लड़ाई।

Eng. tr. The provisions are still in the market, and there is a big row over it between the wife and the husband at home.

५२

गाड़ी देख कर लाड़ी के पाँव फूले।

आशय

किसी चीज़ को देखते ही उस की आवश्यकता जब महसूस होने लगती है तब इन कहावतों का प्रयोग होता है। तेलुगु की यह कहावत देखिये—"कूली दिखायी दे तो कपास की टोकरी भी भारी हो जाती है।"

Subject

When one feels very much the want of a thing after seeing it, a free opportunity is always taken by even those who do not need it e. g. This Telugu proverb — 'When you see a coolie, you begin to feel the weight of a basket of cotton.'

हिन्दी गाड़ी देख कर लाड़ी के पाँव फूले।
Eng. tr. On seeing a cart the girlie found her feet swollen.

नउआ के देख के हजामत बढ़े। (चंपा.)
(हजाम को देख कर हजामत बढ़ जाती है।)
Eng. tr. The hair grow at the sight of a barber.

नउवा देख ले काँखे बार।
Eng. tr. On seeing the barber he finds hair under his armpit.

नौआ देखी नौ बाढ़े। (मुँ.)
(हजाम देख कर नाखून बढ़े।)
Eng. tr. His nails grew as soon as he saw a barber.

सुथारनै देख'र बैंवतेरी लाठी लाँबी हु ज्याय। (राज.)
(खाती को देख कर चलते हुए की लाठी लंबी हो जाती है।)
Eng. tr. At the sight of the carpenter, the way-farer's stick gets lengthened. (He wants to get it cut.)

हजाम देखे दाढ़ी बढ़े। (चंपा.)
Eng. tr. Beard grows at the sight of a barber.

पंजाबी येक्का वेखके ही पैर भारे होन्दे हन।
हिन्दी अनु. गाड़ी देख कर ही पैर भारी हुए।
Eng. tr. When one sees a tanga (cart), one feels fatigue.

सिंधी आहे ते आसिरो आहे।
हिन्दी अनु. 'है' का सहारा होता है। (कोई चीज़ है तब उस का सहारा चाहते हैं। अगर अपने पास वह चीज़ है ही नहीं तो फिर उस की आशा भी नहीं की जाती।)

Eng. tr. Whatever ' is ' becomes a great support. (i.e. Anything we have is a support to our lives; what we have not, we cannot pin our hopes on.)

मराठी केलस्याक पळेल्यारी गाडव खाको उकळता. (कों.)
हिन्दी अनु. हज्जाम को देख कर गधा भी बगलें खुली करता है।
Eng. tr. A donkey puts up his arms at the sight of a barber.

बाज़ले पाहून बाळंतीण व्हावेसे वाटते.
हिन्दी अनु. खाट देख कर जच्चा बनने की इच्छा होती है।
Eng. tr. Feels like bearing a child when she looks at the bamboo cot knitted with jute rope. (Used by mothers who are just delivered of a child.)

गुजराती गाडी जोईने पग थाके.
हिन्दी अनु. गाड़ी देख कर पैर थक जाते हैं।
Eng. tr. Seeing a cart, feet grow tired.

बाङ्ला आलोचाल देखलेइ भेडार मुख चुलकाय।
हिन्दी अनु. चावल देख के भेड़ के मुँह में पानी।
Eng. tr. Sight of fine cooked rice titilates the tongue of sheep.

घोड़ा देखलेइ खोंड़ा।
हिन्दी अनु. घोड़ा देखते ही लंगड़ा।
Eng. tr. See the horse and feign the lameness. (A person who has been walking, when he sees the horse, is unwilling to walk further and suddenly feels that his feet are weary and giving way, that a horse would be the best help.)

दोरेर काछे कामार– तो ' दा ' गडे दे आमार।
हिन्दी अनु. घर के पास लुहार देखा तो कहे बना दे एक हँसुआ।
Eng. tr. Seeing a blacksmith by the door, asks him to make a sickle (though not necessary).

नापित देखलेइ नख बाड़े।
हिन्दी अनु. नाई देख नख बढ़ें।
Eng. tr. Seeing the barber, realises the overgrown nails.

असमीया दोला देखि खोरा।
हिन्दी अनु. पालकी देख कर लंगड़ा।
Eng. tr. Saw the palanquin and feigned lameness.

बाटत पालों कमार, दाओ गढोवा आमार।
हिन्दी अनु. रास्ते में मिला लुहार, तो छुरी बना दो हमारी।
Eng. tr. As he met a blacksmith on the road, he ordered the latter to make a knife for him.

ओड़िआ बाटरे देखिलि कमार, फाळ पजेइ्दे आमार ।
हिन्दी अनु. रास्ते में देखा लुहार, फार (लोहे का) घिस दो हमारा ।
Eng. tr. Met the blacksmith on the way. "Oh, please sharpen my ploughshare. "

भण्डारि देखिले जंघरु नख कअँळे ।
हिन्दी अनु. नाई देख कर जांघ से नख सहलाये ।
Eng. tr. Seeing a barber, nails grow out of (even) the thigh.

तमिऴ अॆडुप्पारुम् पिडिप्पारुम् उण्डानाल् इळैप्पुम् तविप्पुम् उण्डु.
हिन्दी अनु. हाथ पाँव दबानेवाले हों तो थकावट होगी ही ।
Eng. tr. Where many are in attendance to lift up and support, there will be weariness and fainting.

तेलुगु अॆत्तेवाडुंटे एकुल बुट्टा बरुवे.
हिन्दी अनु. कुली दिखाई दे तो कपास की टोकरी भारी हो जाती है ।
Eng. tr. The presence of a coolie makes a basket of cotton too heavy.

गुर्रान्नि चूचि कुंट नारंभिंचिनट्लु.
हिन्दी अनु. घोड़ा देख कर लंगड़ना शुरू किया ।
Eng. tr. He began to limp as soon as the horse was seen.

कन्नड कुदुरॆ कंडरॆ कालु नोवु.
हिन्दी अनु. घोड़ा देखते ही पाँव में दर्द आता है ।
Eng. tr. The legs begin to ache at the sight of the horse.

मलयाळम् अॆण्ण काणुम्पोळ् पुण्णु नार्रुम्.
हिन्दी अनु. मरहम देखने पर घाव फूले ।
Eng. tr. The ulcer smells foul when the ointment is seen.

अॆडुक्कानुं पिटिय्क्कानुं आळुन्टेन्किल् किटक्कान् क्षीणवुमुण्टॣ.
हिन्दी अनु. उठाने बिठाने के लिये शागीर्द हो, तो लेटने में भी थकावट मालूम होती है ।
Eng. tr. If you have attendants to support you while sitting and getting up, you feel tired when lying.

५२

गुड़ दिये मरे तो ज़हर क्यों दीजे?

आशय

छोटी सी वस्तु से यदि काम बन जाता हो तो उस के लिये बड़ी चीज़ लगाने की कोई आवश्यकता ही नहीं। साधारण शक्ति से जो काम बन सकता हो उस के लिये बड़ी शक्ति का वृथा व्यय है। तेलुगु की यह कहावत देखिये - "अंडे को फोड़ने के लिये लोढे की क्या ज़रूरत?"

Subject

The following proverbs tell us, if a small thing can kill or do a job, why use a bigger one for it. For instance the Telugu proverb—" Do you need a stone roller to break an egg with?" or a Bengali proverb—' To fire a cannon to kill a mosquito." Why have recourse to harsh measurəsa with him who yields to gentle persuation.

हिन्दी गुड़ दिये मरे तो ज़हर क्यों दीजे?
पाठभेद गुड़ दियाँ मरै जकेने जहर क्यूँ देणो। (राज.)
Eng. tr. If treackle will kill, why give poison?

पाद्यां ही सर ज्याय तो झाड़ै कुण जाय? (राज.)
(पादने से ही काम बन जाय तो पाखाने कौन जावे?)
Eng. tr. Who would go to the latrine if mere farting was enough?

सक्कर दियाँ मरै जकेनै ज़हर क्यूँ देणो? (राज.)
(जो शक्कर देने से मरे उसे जहर क्यों देना?)
Eng. tr. Why give poison to him who dies with sugar?

ENGLISH Take not a musket to kill a butterfly.

पंजाबी जे गुड़ दित्तिआं मरे ज़हर देण दी लोड़ नहीं।
हिन्दी अनु. जो गुड़ देने से मरे उसे जहर देने की ज़रूरत नहीं।
Eng. tr. Why use poison when you can kill with jaggery?

कश्मीरी यथ् नम् अचि् तथ् शस्र्युर् क्या लागुन्?
हिन्दी अनु. जो नख से उखड़ जाय उस के लिए लोहा (औज़ार) क्यों लगाएँ?
Eng. tr. Why use an iron implement for a thing which can be scratched with a finger-nail?

सिंधी गुड़ सां मरे, त ज़हरु छो डिजेसि?
हिन्दी अनु गुड़ से मरे, तो जहर क्यों दे?

Eng. tr. If one were to die with jaggery, why would poison be necessary ?

नंहं सां छिजे त काती छो विझिजे ?

हिन्दी अनु. नाखून से टूटे तो काती चलाने की क्या ज़रूरत ?
Eng. tr. Why use a knife to cut what a nail can break ?

मराठी जेथे नखाने काम होते तेथे कुन्हाड कशाला ?

हिन्दी अनु. जहाँ नाखून से काम होता है वहाँ कुल्हाड़ी किस लिए ?
Eng. tr. Why use an axe where the thumb-nail comes of use ?

ज़ो गुळाने मरतो त्यास विष कशास ?

हिन्दी अनु. जो गुड़ से मरे उसे विष किस लिए ?
Eng. tr. Why kill with poison when one can be killed with treackle ?

पायांचो कांटो काडूंक कुराड किल्याक ? (कुडाळ)

हिन्दी अनु. पैर में चुभा हुआ काँटा निकालने के लिए कुल्हाड़ी की क्या आवश्यकता ?
Eng. tr. What is the necessity of an axe to pull out a thorn from one's foot ?

गुजराती गोळे मरे तेने जेहर थी शुं काम मारवुं ?

हिन्दी अनु. गुड़ से मरे तो ज़हर से क्यों मारना ?
Eng. tr. Why kill with poison, that which dies of gur (jaggery) ?

मारवी माख, ने चढाववी तोप.

हिन्दी अनु. मक्खी मारने के लिए तोप चढ़ाना।
Eng. tr. To fire a cannon to kill a fly.

बाङ्ला मशा मारते कमान दागा।

हिन्दी अनु. मच्छर मारने को तोप चलाना।
Eng. tr. To fire a cannon to kill a mosquito.

असमीया काउरीलै सोणर काँड।

हिन्दी अनु. कौए को मारने के लिये सोने का तीर।
Eng. tr. Golden arrow to kill a crow.

दाओरे पारोंते कुठार लगोवा।

हिन्दी अनु. छुरी के काम को कुल्हाड़ी का प्रयोग।
Eng. tr. Using an axe for the work of a knife.

ओड़िआ नखरे छिंडिबा कथा कुराढी जाके किआँ जिब ?

पाठभेद नखरे छिण्डिबा कथा कुराढरे किआँ जिब ?

हिन्दी अनु. नख से टूटनेवाली बात के लिए कुल्हाड़ी किस लिए ?
Eng. tr. Why use an axe when a thing can be cut by a nail ? (finger-nail)

पुइँ चुंगुडिकि पानीकि लोडा।
हिन्दी अनु. छोटी मछली के लिये बड़ी छुरी (क्यों) ?
Eng. tr. What is the need of a dressing knife for tiny shrimps ?

तमिळ ऊर्क्कुरुविमेल् रामबाणम् तोडुगिर्दा ?
पाठभेद सिट्टुक् कुरुवियिन् मेल् रामबाणम् तोडुक्किरदा ?
हिन्दी अनु. गोरैया पर रामबाण चलावे ?
Eng. tr. What ! Discharge Rama's arrow at a sparrow ?

कैयार् किळ्ळि अेरि्युम् वेलैक्कुक् कनत्त कोडालि वेण्डुमो ?
हिन्दी अनु. हाथ से चिऊंटकर होनेवाले काम के लिये कुल्हाड़ी की क्या आवश्यकता है ?
Eng. tr. Is a heavy axe required for a work which can be easily effected by hand ?

कैयार् किळिक्कुम् पनंगिळ् गिर्क्कु आप्पुम् क्कुट्टियुम् एन्न ?
हिन्दी अनु. हाथ से फोड़ने लायक मूली के लिये मुंगरी और पच्चड़ की क्या आवश्यकता ?
Eng. tr. Why a wedge and a mallet to split the edible root of the Palmyra ?

कोळि अडिक्किर्तर्कुक् कुरंदडि वेण्डुमा ?
हिन्दी अनु. मुर्गी को मारने के लिये लाठी की क्या ज़रूरत ?
Eng. tr. Is a club needed to kill a fowl ?

(च) शरुक्करै तिन्रु पित्तम् पोनाल्, कैप्पु मरुंदु एन्न तिन्नवेण्डुम्.
हिन्दी अनु. पित्त की बीमारी शक्कर खाने से दूर हो सकती है तो कड़ुवी दवा की क्या आवश्यकता है ?
Eng. tr. If bile can be removed by taking sugar, why take bitter medicine ?

(चें) शेंबु कोय्यच् शिट्रिवाळ् एन्न ?
हिन्दी अनु. छोटा पौधा शेम्बु तोड़ने हँसिया क्यों ?
Eng. tr. Why a small sickle to gather chembu greens ?

नगत्ताले किळ्ळुवदैक् कोडरिकोण्डु वेट्टुगिर्दा ?
हिन्दी अनु. नाखून से चिउंटनेवाले काम के लिए क्या कुल्हाडी का प्रयोग करेंगे ?
Eng. tr. Do you use a hatchet when thumb-nails would suffice ?

तेलुगु ऊरपिच्चुक मीद वाडिवज्रायुधमा ?
हिन्दी अनु. गाँव की गोरैया के लिए कठोर वज्र क्यों ?
Eng. tr. Why use Indra's thunderbolt for a sparrow ?

कोडिगुड्डु पगलगोट्ट गुण्ड्रायि कावाला ?
हिन्दी अनु. अंडे को फोड़ने के लिये लोढे की क्या ज़रूरत ?
Eng. tr. Do you need a stone roller to break an egg with ?

गोट मीटिते पोय्येपनिकि गोड्डलि अेन्दुकु.
हिन्दी अनु. नख से होनेवाले काम के लिए कुल्हाड़ी क्यों ?

Eng. tr. Why an axe for that which can be done with a fillip of the nail ?

गोरुचुट्टु पयिन रोकटिपोटु.

हिन्दी अनु. छलौरी पर मूसल का प्रहार ।

Eng. tr. A blow with a pestle on a whitlow.

गोरुतो पनिकि गोड्डलि उपयोगिंचिनट्लु.

हिन्दी अनु. जो काम नाखून से बनेगा उस के लिये कुल्हाड़ी का प्रयोग ।

Eng. tr. To use an axe for a thing which could be done with a thumb-nail.

तवुडुतिनि चच्चेवानिकि विषं पेट्टेवाडु वेर्रि.

हिन्दी अनु. भूसी खा कर मरनेवाले को ज़हर खिलानेवाला पागल है ।

Eng. tr. He is a fool to poison him who dies on eating bran.

पिच्चुकमीद ब्रह्मास्त्रमा ?

हिन्दी अनु. गोरैये पर ब्रह्मास्त्र !

Eng. tr. What ! Attacking a sparrow with Brahmastra ! (A deadly weapon.)

कन्नड अंगालिन मुळ्ळु तेगेयलिक्के कोडलि बेके ?

हिन्दी अनु. तलवे में से काँटा निकालने के लिये कुल्हाड़ी की क्या ज़रूरत ?

Eng. tr. Is an axe required to remove a thorn from the sole ?

उगरिनल्लि होगुवुदक्के कोडलिये ?

हिन्दी अनु. नाखून से जो नोचा जाय उस के लिये कुल्हाड़ी क्यों उठाई जाय ?

Eng. tr. Why pick up an axe for one which can be cut by finger-nail ?

उगुरिनिंद होगुवुदक्के कोडलि तेगेदुकोंड हागे.

हिन्दी अनु. नाखून से होनेवाला काम कुल्हाड़ी से क्यों करे ?

Eng. tr. Why use an axe for a work which can be done just by a scratch of a nail ?

गुब्बिय मेले ब्रह्मास्त्रवे ?

हिन्दी अनु. गोरैया पर ब्रह्मास्त्र !

Eng. tr. What ! A thunderbolt to kill a sparrow ?

बाणद गुरि नोणद मेलेये ?

हिन्दी अनु. मक्खी मारने के लिये तीर क्यों चलायें ?

Eng. tr. Why dart an arrow to kill a fly ?

बाळे हण्णिगे गरगसवे ?

हिन्दी अनु. केला काटने के लिये आरी ?

Eng. tr. A saw for a plantain ?

मडके ओडेयलु अडके मर बेके ?

हिन्दी अनु. मटका तोड़ने के लिये सुपारी के पेड़ की क्या ज़रूरत ?

Eng. tr. Does it need an areca-nut-tree to break the earthen pot ?

मलयाळम् उप्पुकोण्टु वेण्टतु कर्पूरं कोण्टरुतुं.

हिन्दी अनु. जहाँ नमक से काम निकलेगा, वहाँ कपूर का प्रयोग मत करो।

Eng. tr. Where salt is enough (to do a thing), don't use the camphor.

कोळियेत्तल्लान् कुरुवटि.

हिन्दी अनु. मुरगी को मारने के लिये लाठी?

Eng. tr. A cudgel to beat a fowl?

तूशिकोण्टेटुक्केण्टतु तूम्पाकोण्टारुतुं.

हिन्दी अनु. सूई से निकाली जानेवाली चीज़ के लिये कोदाली क्यों?

Eng. tr. Why use a spade for a thing which can be taken out by a pin?

माङ्ङ अेरियान् माणिक्कक्कल्लो?

हिन्दी अनु. आम गिराने के लिये हीरा (माणिक) क्यों फेंका जाय?

Eng. tr. Why throw a diamond to bring down a mango?

५४

घटना कहाँ, परिणाम कहाँ।

आशय

कभी कोई घटना एक स्थान पर घटती है और उस का परिणाम किसी और स्थान पर दिखायी देता है, जिस का घटनास्थल से कोई संबंध नहीं रहता। कभी किसी व्यक्ति के बढ़ताव का परिणाम किसी असंबद्ध व्यक्ति के परिवर्तन में दिखायी देता है। इस असंबद्ध व्यवहार की इन कहावतों में खिल्ली उड़ायी है। यह गुजराती कहावत इस भाव की परिचायक है। — "पटेल के घर ब्याह और ढेंढी के घर ढोल बजे."

Subject

Something occurs at one place while its concommitant result at another which has no relevance to the first. At such times the following proverbs are used For instance the Gujrati proverb — "Wedding at the Patel's house, while the drum beats at the house of the sweeper."

हिन्दी गधा मरे कुम्हार का धोबन सती होवे।

Eng. tr. The potter's donkey died and the laundress sacrifices herself.

चम्बेली चाव में आई, बख्तावर रेवडियाँ बाँटे। (मु. स्त्री.)

Eng tr. The jasmine has begun to bloom, and Baktavar distributes sweets.

तेली का बैल ले के, कुम्हारिन सती होवे। (स्त्री.)
Eng. tr. The potter's wife dies for oilman's ox.
मेरे ब्याह, जीजी के ठिक ठिक। (स्त्री.)
Eng. tr. The wedding is in my house, and my sister has the music.

उर्दू गधा मरे कुम्हार का और धोबन सती हो।
Eng. tr. The potter's donkey dies and the washerwoman burns herself on the funeral pyre.

पंजाबी सूए खोती किले कुमिआर।
हिन्दी अनु. गधी जने बच्चा, कुम्हार के पेट में दर्द।
Eng. tr. She-ass gives birth and the potter strains his nerves.

कश्मीरी अपारिम्यव् मुन् दानि, य पोरिम्यन् गयि अथन् हठ्।
हिन्दी अनु. उस पारवालों ने चावल कूटे, इस पारवालों के हाथों में छाले पड़ गये।
Eng. tr. Men on the other side pestled the grain and blisters appeared on the hands of men on this side.
शोदन् चव् चरॅस् तुॅ क्वंड्लि खोत् कांफ।
हिन्दी अनु. चरसी (अफीमची) ने चरस पी, आग के बरतन को कैफ आया / खुमारी आयी।
Eng. tr. The drug-smoker smoked the narcotics, stupefaction possessed the fire pot.

मराठी तेल्याचा मेला बैल आणि परटीण सती जाते.
हिन्दी अनु. तेली का मरा बैल और धोबीन उस के साथ सती बने।
Eng. tr. The ox of the oil-man dies and the washerwoman goes sati. (Offers herself on the burning pyre with grief.)
पाटलाची म्हैस व्याली म्हणून मठपति मिशा कातरून घेतो.
हिन्दी अनु. चौधरी की भैंस ब्याई इस लिए मठपति ने मूछें काटी।
Eng. tr. The village-chief's she-buffalo delivers a calf and the ascetic in the monastery trims his moustache.
पाटलाचे घोडे व म्हाराला भूषण.
हिन्दी अनु. मुखिया का घोड़ा और ढेढ इतराए।
Eng. tr. The village-headman's horse and a mahar (who holds it) is proud of it.
राजाच्या सुनेला न्हाण आलं नि पिंजारी शेटं भादरतो.
हिन्दी अनु. राजा की बहू को रजोधर्म (मासिक धर्म) प्राप्त हुआ और धुनियाँ ने शष्प निकाले। (अशिष्ट)
Eng. tr. When the daughter-in-law of the king attained puberty the cotton-thrasher shaved his pubic hair.
राजाचे घरी लग्न आणि पाणभरी उडया मारी.
हिन्दी अनु. राजा के घर शादी और पनिहारिन बल्लियों कूदी।

Eng. tr. The wedding is at the king's palace, but his servant (one who fetches water) flaunts instead.

राजाचे घोडे आणि खासदार उडे.

हिन्दी अनु. राजा का घोड़ा और खासदार कूदे।

Eng. tr. The king's horse and the officer dances.

राम्यास गळू आणि लक्ष्यास अवधणा.

हिन्दी अनु. राम को निकला फोला और लक्ष्मण को सूजन।

Eng. tr. Rama has a boil and Laksa has a sympathetic pain. (One who pretends he can't do a thing because some one else is really not well enough to do it.)

गुजराती नणंदनी नणंद नातरे जाय, ने मारे हैये हरख नहीं माय.

हिन्दी अनु. ननद की ननद पाट करे और मेरे दिल में प्रसन्नता समा न सके। (नातरे जवुं = पति के जीवित रहते दूसरे से शादी करना।)

Eng. tr. The sister-in-law of my sister-in-law (husband's sister) goes to another man when her husband is living, and my joy knows no bounds. (नातरे जवुं = To marry another man in the life-time of her husband.)

पटेल ने घर विवाह ने ढेडीने घेर ढोल वागे.

हिन्दी अनु. पटेल के घर शादी और ढेढी के घर ढोल बजे।

Eng. tr. Wedding at Patel's house, while the drum beats at the house of the sweeper.

पडोसण छडे भात, ने फोल्लो पडयो मारे हाथ.

हिन्दी अनु. पडोसन धान कूटे (मूसल से) और फफोले मेरे हाथ पर आवे।

Eng. tr. The neighbour's wife beats and separates rice from husk, and I get a blister on my palm.

पडोसीना घेर तोरण बांध्यां, हरखमां में रांध्युं नहीं.

हिन्दी अनु. पडोसी के घर पर तोरन बंधा और आनंद से मै ने रसोई नहीं बनाई।

Eng. tr. Buntings and boughs were raised at the neighbour's house and being overjoyed, I did not even cook my food.

ससराने घेर घोडा ने जमाईने घेर हणहणाट.

हिन्दी अनु. ससुर के घर घोड़ा और जमाई के घर हिनहिनाहट।

Eng. tr. The horse at the house of the father-in-law but its neighing at the son-in-law's.

सैयाने घेर विवाह ने भैया ने घेर उजागरो.

हिन्दी अनु. सैंया (साईं, पति) के घर विवाह और भाई के घर जागरण।

Eng. tr. Wedding at the husband's place, and wakefulness (anxiety) at the brother's.

बाङ्ला एँदोपेटा खाय-दाय, नेयोपेटर दोष देय।
हिन्दी अनु. छोटे पेटवाला खाये-पिये, बड़े पेटवाले को दर्द।
Eng. tr. A man of thin stomach is found eating well, while a pot-bellied person complains of indigestion.

एक गाँये ढेंकि पड़े, आर गाँये माथाव्यथा।
हिन्दी अनु. एक गाँव में धान कूटे, दूसरे में सिर फटे। (सिरदर्द)
Eng. tr. The paddy is being husked in one village and another village is having a headache.

एक गाँये ढोल बाजे, आर गाँये बिये।
हिन्दी अनु. एक गाँव में बाजे बजे, दूसरे गाँव में शादी।
Eng. tr. Drums beat in one village and the marriage is being celebrated in another village.

एकेक घा अपरेर ब्यथा।
हिन्दी अनु. एक के घाव, दूसरे को दर्द।
Eng. tr. Injuiry to one, another person is in pains.

कार श्राद्ध के बा करे, खोला केटे बामुन मरे।
हिन्दी अनु. किस का श्राद्ध है, कौन कर रहा है, बेचारा ब्राह्मण केले के पौधे काट काट कर मर रहा है।
Eng. tr. Whose anniversary, and who is performing it; poor brahmin is exhausted cutting the stumps of the banana tree.

रामचाँदेर तेंतुल खाय, श्यामचाँदेर ज्वर।
हिन्दी अनु. रामचंद्र इमली खाए, श्यामचंद्र को बुखार।
Eng. tr. Ramachand eats the tamarind fruits, and Shamchand suffers from the fever.

असमीया ढेंकित महे खाले, ऊरुत फरफराले।
हिन्दी अनु. मच्छर ने काँटा ढेंकी (धान कूटने की) को, जाँघ में खुजली।
Eng. tr. Mosquito bit the husking pedal, (my) thigh is irritated.

दक्षिण कुलत स्वरग परिल, गा शियरि मानुह मरिल।
हिन्दी अनु. दक्षिण किनारे पर बिजली गिरे और उत्तर किनारे पर धक्का लग कर आदमी मरे।
Eng. tr. The thunderbolt fell on the South bank and a man died of shock on the North bank.

शदियात बरषे, रामदियात उरुषे।
हिन्दी अनु. शदिया में बरसे, तो रामदिया में रीसे।
Eng. tr. It rains in Shadia and leaks in Ramdiya.

हातीये धान खाय सिपारे, आटिमुटि करिछे इपारे।
हिन्दी अनु. हाथी धान खा रहा है उस पार, (यह) रोता चिल्लाता है इस पार।
Eng. tr. The elephant grazes in the field on the other side, and he is shouting on this side.

तमिळ ऊरिले कल्याणम् मार्पिले चंदनम्.

हिन्दी अनु. शादी है कहीं शहर में और उस के छाती पर चंदन।

Eng. tr. Marriage ceremony is somewhere in the village, and sandal paste on his breast.

तेलुगु इण्ट्लो पेण्ड्लि अयिते, ऊळ्ळो कुक्कलकु हडाविडि.

हिन्दी अनु. घर में शादी, गाँव में कुत्तों की गड़बड़ी।

Eng. tr. A marriage in the house, and the bustle of dogs in the village.

चाकलि दानितो सहवासं चेस्ते गाडिद वच्चि गर्वपडिंदट.

हिन्दी अनु. धोबीन से मेल-मिलाप बढ़ाया तो गधा गर्व से फूल बैठा।

Eng. tr. When one associated with a washerwoman, the donkey felt proud of itself.

मलयाळम् अच्छन् आनप्पुरत्तु कयरियाल् मकन्टे आसनत्तिल् तळम्पुण्टाकुमो ?

हिन्दी अनु. बाप हाथी पर चढ़े तो बेटे के गांड में छाले क्यों ?

Eng. tr. If the fathar has ridden an elephant, would the son also inherit the warts ?

संस्कृत दशाननोऽहरत्सीतां, बन्धनं च महोदधेः।

हिन्दी अनु. रावण ने सीता का हरण किया और बाँधा गया सागर।

Eng. tr. The demon Ravana kidnapped Sita, while it was the ocean who was fettered.

लङ्केश्वरो हरति दाशरथेः कलत्रं प्राप्नोति बन्धमय दक्षिण सिन्धुराजः।

हिन्दी अनु. रावण ने सीता का हरण किया, परंतु सेतु बाँधा गया दक्षिण सागर पर।

Eng. tr. While Ravana, the Lord of Lanka, abducted the wife of Rama, binding (with a bridge) is done to the Southern Ocean.

५५

चमारों के कोसे ढोर नहीं मरते।

आशय

किसी की हानि से या मृत्यू से जिन को लाभ होता है ऐसे लोग तो अवश्य उस की मृत्यू की या हानि की कामना करते रहते हैं। चमार तो ढोर के मरने की इच्छा करेगा, क्यों की उसे चमड़ा मिलेगा। काग को भी मरे ढोर को नोच्च नोच कर खाने मिलेगा, इस लिये वह भी यह इच्छा करता रहेगा। लेकिन ऐसे दुष्टों की इच्छा से या दुराशीष से कोई मरते नहीं या किसी का बुरा नहीं होता। अपना जिस में तनिक भी लाभ नहीं ऐसे लोग भी जब दूसरों का बुरा चाहते हैं तब उस दुष्टता को क्या कहना चाहिये ! केवल दूसरों की हानि में आनंद मनानेवाले ऐसे लोगों के कोसने से सज्जनों का कुछ नहीं बिगड़ता। बनना बिगड़ना तो अपने अपने भाग्य की बात है।

Subject

Destruction cannot be brought on others merely by cursing them. No matter how much one may benefit from another's ruin, the ruin of that person depends on his destiny, not on somebody's curse. This is what the following proverbs say.

हिन्दी कसइया के सरापे से गइया मरऽ हइ ? (पट.)
Eng. tr. Does the cow die of a butcher's curse ?

कागलाँरी दुरासीससूँ ऊंट थोड़ा ही मरै। (राज.)
(कौवों की दुराशीष से कहाँ ऊँट मरते हैं ?)
Eng. tr. Camels do not die merely if cursed by crows.

चमारों के कोसे ढोर नहीं मरते।
Eng. tr. Cattle don't die of the currier's curse. (If the cattle die, he will get their skins for leather.)

ढेढाँरी दुरासीससूँ गायाँ थोड़ी ही मरै। (राज.)
(ढेढों की दुराशीष से गाये कहाँ मरती हैं ?)
Eng. tr. Cows do not die merely by the curses of the low-borns.

मिन्न्यांरी दुरासीससूँ छींका थोड़ा ही टूटै है ? (राज.)
(बिल्लियों की दुराशीष से छींके:थोड़े ही टूटते हैं ?)
Eng. tr. The suspended slings do not break merely by the curses of cats.

राँडरी दुराशीससूँ टाबर को मरै नी। (राज.)
(रांड़ की दुराशीष से बच्चे नहीं मरते।)
Eng. tr. The children do not die merely by the curses of a widow.

उर्दू कव्वा टरटराता ही है, धान पकते ही है।
Eng. tr. The raven keeps cawing and the grain ripens inspite of it.

पंजाबी कावां दे आखे डंगर नहीं मरदे।
हिन्दी अनु. कौए के शाप से ढोर नहीं मरते।
Eng. tr. The cattle do not die of crow's curse.

कुत्ते दे पीतिआँ दरिआ पलीत नहीं हुंदा।
हिन्दी अनु. कुत्ते के पीने से नदी मलिन नहीं होती।
Eng. tr. A river is not polluted by the lapping of a dog.

कश्मीरी गूरि वोह्वु छा वोछ़ मरान्।
हिन्दी अनु. क्या ग्वाले के शाप से बछड़ा मरता है?
Eng. tr. Does the calf die of a milkman's curse?

सिंधी कांवनि चए ढूंढु कोन थींदो।
हिन्दी अनु. कौओं के कहने से कोई जानवर मर नहीं जाता।
Eng. tr. An animal doesn't die because the crows say so. (i.e. ordinary people who have no capacity to do things can not expect a thing to happen merely when they say so.)

मराठी कावळ्याच्या शापाने गाई (ढोरे, गुरे) मरत नाहीत.
हिन्दी अनु. कौए के शाप से गायें (जानवर) नहीं मरतीं (मरते)।
Eng. tr. The cows do not die of crow's curse.

गुजराती कणिया ना श्रापथी कंई वरसाद अटके?
हिन्दी अनु. अनाज के व्यापारी के श्राप से कहीं बरसात रुकती है।
Eng. tr. Can the curse of a grain-merchant stop the rains? (prevent the rains?)

कागडाने श्रापे ढोर न मरे.
हिन्दी अनु. कौवे के शाप से ढोर नहीं मरते।
Eng. tr. Cattle won't die of a curse of a crow.

कागने कह्ये ढोबां मरतां नथी.
हिन्दी अनु. कौए के कहने से ढोर नहीं मरते।
Eng. tr. Buffaloes don't die at the word of a crow.

चमारना शापथी ढोर मरता नथी.
हिन्दी अनु. चमार के शाप से ढोर मरते नहीं।
Eng. tr. A cobbler's curse can't kill cattle.

बाङ्ला शकुनिर शापे कि गरु मरे?
हिन्दी अनु. गिद्ध के शाप से क्या गाय मरे?
Eng. tr. Will a cow ever die of a vulture's curse?

असमीया शगुणर शाओत बुढ़ा हालोवा नमरे।
हिन्दी अनु. गिद्ध के शाप से बूढ़ा बैल नहीं मरता।
Eng. tr. The old bullocks do not die at the condemnation of the vultures.

तेलुगु पिल्लि शापालकु उट्लु तेगुताया ?
हिन्दी अनु. क्या बिल्ली के शाप से छींके टूटेंगे ?
Eng. tr. Can a net (holding butter and curds) break down of a cat's curse ?

पंचांगम् चिंपिते ग्रहालु आगिपोताया ?
हिन्दी अनु. क्या पंचांग के फाड़ने से ग्रह रुकेंगे ?
Eng. tr. Do the planets stop moving if the calendar is torn ?

कन्नड कागे शापक्के बड नायि सायुत्तदेये ?
हिन्दी अनु. कौए के शाप से बेचारा कुत्ता थोड़े ही मरेगा ?
Eng. tr. Does the poor dog die to the curse of a crow ?

गूबे बैदरे सूर्य मळुगुवने ?
हिन्दी अनु. उल्लू के शाप से कहीं सूरज भी डूबेगा ?
Eng. tr. Does the sun set of an owl's curse ?

नरि कूगिदरे नागलोक हाळे ?
हिन्दी अनु. सियार की चींख से नागलोक (आसमान) को क्या नुकसान ?
Eng. tr. If the fox cries, does the Naga world come to ruin ?

नायि बगुळिदरे देवलोक हाळे ?
हिन्दी अनु. कुत्ते के भूँकने से क्या देवलोक का विनाश होगा ?
Eng. tr. If the dog barks, is the world of angels destroyed ?

मलयाळम् काकपिराकियाल् पोत्तु चाकुमो.
हिन्दी अनु. कौए के शाप से भैंसा मरेगा क्या ?
Eng. tr. Will the buffalo die of a crow's curse ?

नाय कुरच्चाल् आकाशं वीळुमो ?
हिन्दी अनु. कुत्ते के भूँकने से आसमान गिरेगा क्या ?
Eng. tr. If the dog barks, will the sky come down ?

पंचांगम् कीरियाल् उदयास्तमनम् मुटङ्ङुमो ?
हिन्दी अनु. अगर पंचांग फाड़ा जाय, तो क्या सूर्यास्तोदय रुक जाएगा ?
Eng. tr. Even if the almanac is torn, will the sunrise and sunset stop ?

५६

चिकने घड़े पर पानी ।

आशय

कई व्यक्ति ऐसे होते हैं कि जिन पर किसी की उपदेशपर कथनी का कोई प्रभाव नहीं पड़ता । सुनी अनसुनी कर के वे हर बात को यूँ ही उड़ा देते हैं । इसी को कहते हैं —"एक कान सुनी दूसरे कान उड़ा दी ।"

Subject

There are people on whom there will be no effect, no matter what is done. They are people who listen through one ear and let it go through another.

हिन्दी इस कान सुनी, उस कान उड़ा दी ।
Eng. tr. In at one ear, and out at the other.

एक कान सुनी, दूसरे कान उड़ा दी ।
Eng. tr. Heard by one ear, and out by the other.

चिकने घड़े पर पानी ।
Eng tr. Water on a greasy jar.

चोपड्ये घड़े छाँट को लागै नी । (राज.)
(चुपड़े घड़े पर बूँद नहीं ठहरती ।)
Eng. tr. Not a drop of water stays on a smooth pot.

तवे पर की बूँद ।
Eng. tr. A drop on a hot frying-pan.

मुंडे सिर पर पानी पडा ढ़ल गया ।
Eng. tr. Water runs off a shaven head.

हजार कहो, इस के कान पर एक जूँ नहीं चलती ।
Eng. tr. You may speak to him a thousand times, it has no more effect on him than a louse on his ear.

ENGLISH 1. In at one ear, and out at other.
2. Water on a duck's back slips away.

उर्दू इस कान सुना, उस कान निकाल दिया ।
Eng. tr. Heard through one ear, and let it go through the other.

चिकने घड़े पर पानी ।
Eng. tr. Water on a greasy jar.

चिकना घडा बूँद पड़ी ढल गई।

Eng. tr. A drop of water slips off from the surface of a smooth pot.

कश्मीरी मलॅ गोय् पलॅ पेठि पोनि डलिथ्।

हिन्दी अनु. मुल्ला, पत्थर पर पानी उंडेल गया।

Eng. tr. Mullah, water has flown over a boulder.

वनि–वनि गोय् कनि पति।

हिन्दी अनु. कह कह कर कानों पीछे गया।

Eng. tr. Constant telling was lost on him.

सिंधी इक ना मति अल्लाह दी, इक ना सिख लई।
इक सिखंदे भी ना सिखे, जैसे पथर बूंद पई।

हिन्दी अनु. एक को तो जन्म से ही अल्लाह ने बुद्धी दी। कुछ ऐसे लोग भी हैं जो शिक्षा द्वारा बुद्धिमान बने। पर दूसरे कुछ ऐसे हैं जो सिखाने पर भी न सीखे, मानो पत्थर पर पानी की बूंद पड़ी हो।

Eng. tr. One had a god-given intelligence, some acquired it through learning; but there are others who did not learn even while taught, as if a drop of water fell on the stone.

रिढुनि अग्यां रबाब वजाईं दे वर्ह्य थ्या।

हिन्दी अनु. भेड़ों के आगे रबाब बजाते बजाते कई वर्ष बीत गए।

Eng. tr. Years have passed in playing music before the sheep (without any profit of them).

सवें सन्त चवनि त बि ब्रोड़ा बुधनि कीन की।

हिन्दी अनु. सैकड़ों संत कह गये तो भी बहरों ने कुछ न सुना।

Eng. tr. Thousands of saints have said something, but the deaf ones haven't heard anything.

हिक कन खां बुधो बिए खां निकिरी व्यो।

हिन्दी अनु. एक कान से सुना दूसरे से निकल गया।

Eng. tr. Heard through one ear, and passed out through the other.

मराठी अळवावरचे पाणी.

हिन्दी अनु. अरवी पर गिरा पानी।

Eng. tr. Water on an arum leaf. (The water on this leaf slips away like it does from a lotus leaf.)

उपडया घडयावर पाणी व बहिऱ्याज़वळ कहाणी.

हिन्दी अनु. औंधे (चिकने) घड़े पर पानी और बहरे से कही कहानी।

Eng. tr. Water poured on an inverted pitcher and a story told to a deaf man (are similar things).

एका कानाने ऐकावे, दुसऱ्या कानाने सोडून द्यावे.

हिन्दी अनु. एक कान से सुनो, और दूसरे कान से छोड़ दो ।

Eng. tr. Listen by one ear, and let it go by the other.

नळी फुंकिली सोनारें, इकडुन तिकडे गेले वारे.

हिन्दी अनु. (अ) सुवर्णकार ने नलिका फूँकी, हवा इधर से उधर गई ।

(आ) सुनार की नलिका से हवा इधर से उधर जाती है ।

Eng. tr. Air passes from one end to the other when a goldsmith blows in his pipe.

गुजराती ऊंधा घडापर पानी.

हिन्दी अनु. औंधे घड़े पर पानी ।

Eng. tr. Water poured over an upturned pitcher.

एक काने सांभळी बीजे काने काढे.

हिन्दी अनु. एक कान से सुन कर दूसरे कान से निकाल दे ।

Eng. tr. Listens with one ear and drives it out through the other.

चिकणा घड़ा पर टींपु.

हिन्दी अनु. चिकने घड़े पर पानी की बूंद ।

Eng. tr. A drop of water on a smooth pitcher.

पत्थर ऊपर पाणी.

हिन्दी अनु. पत्थर पर पानी ।

Eng. tr. Water over a stone.

पत्थर पर पाणी ने धूल पर लीपण.

हिन्दी अनु. पत्थर पर पानी और धूल पर लिपाई ।

Eng. tr. Water over a stone and plaster over dust. (Both are useless)

पाडानी पीठपर पानी.

हिन्दी अनु. बोदे (पाडे) की पीठ पर पानी ।

Eng. tr. Water on the back of a male buffalo.

बाङ्ला एक कान दिये ढोके आर अन्य कान दिये बेरोय ।

हिन्दी अनु. एक कान से लिया दूसरे कान से निकाल दिया ।

Eng. tr. What enters through one ear, gets out through the other.

असमीया इकाणे सोमाय, सिकाणे ओलाय ।

हिन्दी अनु. इस कान से भीतर, उस कान से बाहर ।

Eng. tr. In by this ear, and out by the other.

कचुर पातर पानी ।

हिन्दी अनु. अरुई के पत्ते पर का पानी ।

Eng. tr. Water on the arum leaf (instability).

काणत खिला, पिठित कूला, यि (जि) बोला ताके बोला।
हिन्दी अनु. कान में डट्टा, पीठ पर सूप, उसे जो चाहे वही बोलो।
Eng. tr. A plug in the ear, a winnowing fan on the back; say what you would.

ओड़िआ ए कानरे पशि, से कानरे बाहरि जाए।
हिन्दी अनु. इस कान से सुना, उस कान से निकाल दिया।
Eng. tr. Heard by one ear, out by the other.

तमिळ उगमुडिय मळै पेय्तालुम् ओट्टांगिळिञ्जिल् पयिर् आगुमा ?
हिन्दी अनु. विश्वभर की वर्षा होने पर भी टूटी सीप में कहीं अनाज होगा क्या ?
Eng. tr. Though it should rain to the end of the world, would broken oyster shells vegetate ?

ॲन्नमायच् शोल्लि इदमाय् उरैत्तालुम् कळुदैक्कु उपदेशम् कादिल् एरादु.
हिन्दी अनु. कितना ही समझावें, हितपूर्ण बात करें, गधे के कान पर उपदेश का असर नहीं पड़ेगा।
Eng. tr. No instruction, however explicit or agreeable, will enter the ear of an ass.

ॲरुमै माट्टिन्मेल् मळै पेय्तदुपोल्.
हिन्दी अनु. भैंस के ऊपर वर्षावत्।
Eng. tr. As it rained on a buffalo.

विडियुमट्टुम् मळै पेय्तालुम्, ओट्टांगिळिञ्जिल् मुळैक्कादु.
हिन्दी अनु. सबेरे तक वर्षा होने पर भी ठीकरे से अंकुर न निकलेगा।
Eng. tr. Though it may rain till day break, a potsherd will not germinate.

शेविडन् कादिल् शंगु ऊदिनदुपोल्.
हिन्दी अनु. बहरे के कान में शंख-ध्वनि।
Eng. tr. Like blowing the conch in the year of the deaf.

तेलुगु ई चेवितो विनडं, आ चेवितो वदलडं.
हिन्दी अनु. इस कान से सुनना, उस कान से छोड़ देना।
Eng. tr. In at one ear, and out by the other.

ॲनुबोतु मीद वान कुरिसिनट्टु.
हिन्दी अनु. भैंसे पर पानी का बरसना।
Eng. tr. As the rain falls on a male buffalo.

कन्नड ई किविलि केळबेकु, आ किविलि बिडबेकु.
हिन्दी अनु. इस कान से सुनना, उस कान से छोड़ना।
Eng. tr. Hear with this ear, and leave with the other.

एम्मे मेल मळेगरेद हागे.
हिन्दी अनु. भैंस के पीठ पर बारीश ।
Eng. tr. Rain on the back of a buffalo.

मलयाळम् ओरु चेविकोण्टु केट्टॅु मरुं चेवियिलूटे पोकुम्.
हिन्दी अनु. एक कान से सुनी, दूसरे कान से निकल गयी ।
Eng. tr. What is heard through one year, escaped through the other.

५७

चोर का भाई गठरी चोर ।

आशय

जब दो ठग एक दूसरे से मिलते हैं या एक दूसरे से नाता जोड़ते हैं, या एक दूसरे की हामी भरते हैं, तब इन कहावतों का प्रयोग होता है ।

Subject

When two equally shrewd people come together, the following proverbs are said.

हिन्दी अब्बूरो भाई ढब्बू । (राज.)
(अबू का भाई ढबू ।)
Eng. tr. Dhabu is Abu's brother. (Both scoundrels.)

गिरह-कट का भाई गठ-कट ।
Eng. tr. The pick-pocket is the brother to the shop-lifter.

चोर का भाई गठ्ठी चोर ।
Eng. tr. The swindler is the brother of a thief.

चोर चोर मौसेरे भाई ।
Eng. tr. A thief is the cousin brother of another thief.

जैसे नागनाथ वैसे साँपनाथ ।
Eng. tr. As the cobra royal, so the serpent royal.

जैसे नीमनाथ, वैसे बकायननाथ ।
Eng. tr. As the neem, so the bakayan. (Both bitter.)

उर्दू चोर का भाई गठ-कतरा ।
Eng. tr. The thief's brother is a pick-pocket.

मैले का भाई नौशादर ।
Eng. tr. The brother of sewage is sal-ammoniac.

पंजाबी **ईसे दा गवाह मूसा।**
हिन्दी अनु. ईसा का गवाह मूसा।
Eng. tr. Musa as witness for Isa.

कश्मीरी **चूरन् समुँखान् चन्दुँचूर्।**
हिन्दी अनु. चोरों को जेब-कतरे मिलते हैं।
Eng. tr. Thieves meet the pick-pockets.

तोह् ठगस् र्‍यंगन् ठग्।
हिन्दी अनु. भूसे के ठग को रेंडी-ठग।
Eng. tr. The stealer of goat-dung drawing against the stealer of paddy-chaff.

सिंधी **चांडया चोर, शाबिराणी शाहिद।**
हिन्दी अनु. चांडया चोरी करते हैं, शाबराणी उन के शाहिद (गवाह) बनते हैं, और झूठी गवाही देते हैं कि चांडया लोगों ने चोरी नहीं की है। (चांडया और शाबराणी मुसलमानों की दो जातीयाँ हैं जो चोरी के लिये प्रसिद्ध हैं।)
Eng. tr. The Chandya rob and the Shabrani are asked to be their witness. They give a false witness by saying that the Chandya haven't robbed. (Chandya and Shabrani are two casts of the Muslims that are famed robbers.)

चोरनि जा भाउर गंढ़ो छोड़।
हिन्दी अनु. चोरों के भाई गिरहकट।
Eng. tr. Thieves have pick-pockets for their brothers.

तपु दांगी छह महिना, खुपु महिमान ब़ाहँ महिना।
हिन्दी अनु. हे तवा! तुम गर्म होने में छह महीने लगाओ। मेज़बान की यह बात सुन कर मेहमान ने अपने दिल में कहा, "हे मेहमान! तुम भी बारह महीने तक यहीं ठहर जाओ।"
Eng. tr. " O, pan! Take six months to get heated. " When the guest heard these words of the host, he said to himself, " O, guest! Stay here for twelve months. "

मुलो चोरु, ब़ांगो शाहिदु।
हिन्दी अनु. मुल्ला चोर है तो बांग देने वाला उस का गवाह बना है। (दोनों ही आपस में मिले हुए हैं।)
Eng. tr. The preacher a thief, and the crier his witness.

मराठी **चोराचा भाऊ गठेचोर.**
हिन्दी अनु. चोर का भाई गठरी चोर।
Eng. tr. A thief's brother is a bundle-thief.

न्हाऊ काऊ उपाध्या त्यांचा मावस भाऊ.
हिन्दी अनु. नाई, कौआ, उपाध्याय, सब मौसेरे भाई। (ये सब धूर्त होते हैं।)

Eng. tr. The family of the village priest is a cousin (one's mother's sister's son) to a barber and a crow. (All are equally cunning.)

न्हाऊ काऊ कोल्हे कुत्रे चौघे भाऊ.

हिन्दी अनु. नाई, कौआ, सियार, कुत्ता, सब एक दूसरे के भाई भाई।

Eng. tr. A barber, a crow, a fox and a dog are four brothers. (i. e. All four are equally cunning.)

सारख्याला वारखे चला जाऊ द्वारके.

हिन्दी अनु. एक के जैसा दूसरा, कहे चलो द्वारका। (अर्थ: दो समान स्वभाव के आदमियों में खूब बनती है।)

Eng. tr. Like meets like and both go towards Dwarka (i.e. the two become very friendly.)

गुजराती चोर नो भाई घंटी चोर.

हिन्दी अनु. चोर का भाई घंटी चोर।

Eng. tr. Thief's brother an equally clever cheat

बाङ्ला चोरे-चोरे मासतुतो भाई।

हिन्दी अनु. चोर चोर मौसेरे भाई।

Eng. tr. The thieves are to each other as if they are maternal cousins.

सेयाने-सेयाने कोलाकुलि।

हिन्दी अनु. सयाने सयाने गले लग जाए।

Eng. tr. A shrewd man embracing another shrewd man.

असमीया चोरर साक्षी मताल।

हिन्दी अनु. चोर का गवाह शराबी।

Eng. tr. A drunkard is a witness for a thief.

ओड़िआ आळिआ लेखारे बाळिआ बन्धु।

हिन्दी अनु. आळिआ का बाळिआ भाई।

Eng. tr. Balia is Aalia's brother.

ओध संगे बणभुआ बाइ।

हिन्दी अनु. ऊदबिलाव के साथ बनबिलाव व्याकुल।

Eng. tr. Like a wild cat being excited with the otter.

कटाश बुद्धिरे बिरडि माताल।

हिन्दी अनु. बनबिलाव की सलाह से बिल्ली पागल।

Eng. tr. The cat gets drunk (runs wild) on the wild cat's advice (instigation).

चतुरे चतुरे कोळा कोळि ।

हिन्दी अनु. चतुर का चतुर से गले लगना ।

Eng. tr. The clever embracing the clever.

चोरर भाई गण्ढि कटा ।

हिन्दी अनु. चोर का भाई गांठ-कटा ।

Eng. tr. A thief's brother is a swindler.

दहिब़ालीकु चुडाबाली शाक्षी ।

हिन्दी अनु. दहीवाली को चिउड़ावाली साक्षी ।

Eng. tr. The beaten-rice seller as a witness of the curd-seller.

दारीकि मादळिआ साक्षी ।

हिन्दी अनु. वेश्या का भड़ुआ साक्षी ।

Eng. tr. A pimp as witness for a whore.

शुंढिर साक्षी माताल ।

हिन्दी अनु. शराबी का साक्षी कलाल ।

Eng. tr. The wine-seller is the witness for a drunkard.

तमिऴ आगात्तियकारनुक्कुप् पिरभगत्तिकारन् साक्षिया ?

हिन्दी अनु. पापी का साक्षी ब्राह्मण का हत्यारा ?

Eng. tr. Is a brahminicide a suitable witness for an abandoned wretch ?

आयक्कारनुक्कुप् पिरमगत्तिक्कारन् साक्षि.

हिन्दी अनु. चुंगीवाले का साक्षी ब्राह्मणहत्यारा ।

Eng. tr. The brahminicide is the witness of a custom officer.

तेलुगु बुच्चि रेड्डि अने भूतानिकि रामि रेड्डि अने रक्षरेकु.

हिन्दी अनु. बुच्चि रेड्डि नामक भूत के लिए रामि रेड्डि नामक ताबीज ।

Eng. tr. Rami Reddi is the amulet to protest against Bucchhi Reddi.

कन्नड छलवादि संगड हटवादि सेरिद हागे.

हिन्दी अनु. छली का साथी हठी ।

Eng. tr. An obstinate person kept company with a vindictive one.

अरेसुळ्ळन् मनेगे बरि सुळ्ळ होदरे होरिसि कोट्टरंत मूरुमोर सुळ्ळ.

हिन्दी अनु. अध झूठे के घर गया पूरा झूठा, तो उस को मिली तीन सूप भर के झूठी बातें ।

Eng. tr. When a full liar went to a semi-liar's house, she gave him three winnowing basketfull of lies.

हागलकायिगे बेविनकायि साक्षि.

हिन्दी अनु. करेले की सफाई नीम देने आवे ।

Eng. tr. Neem bears witness (brief) to bitter-gourd.

मलयाळम् गोहत्यक्कारनु ब्रह्महत्यक्कारन् साक्षी.
हिन्दी अनु. गोहत्यारे के लिये ब्राह्मण का हत्यारा गवाह ।
Eng. tr. The cow-slaughterer citing the brahmin-murderer as witness.

५८

चोर का मन बुक्चे में ।

आशय

हम जिस बात को चाहते हैं, जिस की हमें आवश्यकता होती है, उस वांछित वस्तु का चिंतन ही हम मन ही मन करते रहते हैं । हमारा मन उसी चीज़ पर लगा रहता है । जो जिस की मनचाही चीज़ होगी वही उस के सपनों में भी आती रहेगी । इसी आशय को कितनी सुंदरता से इस कन्नड कहावत ने अंकित किया है – " पालना बेचनेवाला हर औरत को गर्भवती समझता है । "

Subject

The thing that is of use to one is very much in one's desire and one dreams of it only. These proverbs are said of such persons whose minds are set on their desired objects. The Kannad proverb — " The cradle-seller thinks that all the women on the street are pregnant. " tells us how his mind is full of his business.

हिन्दी चोर का मन बुक्चे में ।
Eng. tr. The thief's mind is intent on the packet.

चोर की नज़र गठरी पर ।
Eng. tr. A thief's eye is on the wallet.

चोरवा के मन बसे ककड़ी का खेत ।
Eng. tr. The petty thief's mind is running on the cucumber field.

थका ऊँट सराय ताकता है ।
Eng. tr. The weary camel looks to the inn.

बिल्ली के ख्वाब में चूहे कूदें ।
Eng. tr. The cat dreams of mice running up and down.

मुरगी के ख्वाब में दाना ही दाना ।
Eng. tr. Fowls dream but of grain.

उर्दू मुर्गी के ख्वाब में दाना ही दाना ।
Eng. tr. The hen has only grain in her dreams.

पंजाबी बिल्ली दे खाब विच छिछड़े।
हिन्दी अनु. बिल्ली के सपने में छिछड़े।
Eng. tr. A cat dreams of offal.

सिंधी बिलीअ खे ख्वाब में छिछिड़।
हिन्दी अनु. बिल्ली को ख्वाब में छिछड़े दिखाई देते हैं।
Eng. tr. Even in dreams a cat sees offal.

बुखिए जूं अख्यूं चूल्हि में।
हिन्दी अनु. भूखे की आँखें चूल्हे में।
Eng. tr. The hungry one eyes the cooking stove.

मराठी चांभाराची नज़र ज़ोड्यावर.
हिन्दी अनु. चमार की नज़र (का ध्यान) जूतों पर।
Eng. tr. A shoemaker eyes the shoe.

गुरवाचे चित्त नैवेद्यावर, गवयाचे चित्त तालसुरावर,
वैद्याचे चित्त नाडीवर आणि ब्राह्मणाचे चित्त दक्षिणेवर.
हिन्दी अनु. पुजारी का ध्यान नैवेद्य पर, गवय्ये का ध्यान तालसुर पर,
वैद्यराज का ध्यान नाड़ी पर, और ब्राह्मण का ध्यान दक्षिणा पर।
Eng. tr. The priest's mind is on the food offering made to God, the doctor's mind is on the patient's pulse, the singer's mind is on the beats of the accompanying drums, and the Brahmin's mind is on the sacred fees.

गुजराती माख शोधे चांदु, ने वैद शोधे मांदुं.
हिन्दी अनु. मक्खी ढूंढे फोडा (घाव), और वैद्य ढूंढे बीमार।
Eng. tr. A fly is in search of an ulcer (to sit upon it), and a doctor is in search of the sick patient.

वणझारानी मा टांडा देखे.
हिन्दी अनु. बनजारे की माँ कारवाँ देखे।
Eng. tr. The mother of a travelling merchant looks for a caravan.

सुथारनुं मन बावलिये, ने कुंभारनुं मन कुडे.
हिन्दी अनु. बढ़ई का दिल बबूल में और कुम्हार का दिल धूल में।
Eng. tr. A carpenter's mind is in the timber and a potter's mind is in the dust (clay, mud).

सुथारनुं मन बावलियामां ने चोरनुं मन बाचका मा.
हिन्दी अनु. बढ़ई का दिल बबूल में (लकड़ी में) और चोर का मन गठरी में।
Eng. tr. A carpenter's mind is in the babul timber and a thief's mind is in the bundle.

बाङ्ला कीर्तनीयार गुँड़ा, कबिराजेर बुड़ा।
हिन्दी अनु. कीर्तनकार को बच्चा भाए, वैद्यराज को बूढ़ा। (शिष्य)

Eng. tr. A child (because of its sweet voice) is the favourite pupil of a carol singer; while a mature pupil is a favourite of a doctor.

चोर खोंजे आँधार रात।
हिन्दी अनु. चोर को अंधेरी रात की तलाश।
Eng. tr. The thief awaits for a dark night.

चोर चाय भांगा बेड़ा।
हिन्दी अनु. चोर चाहे टूटा घेरा (टूटी दीवार)।
Eng. tr. The thief wishes for a hole in the fence.

चोरेर मन बोंचका पाने।
हिन्दी अनु. चोर का मन गठरी पर।
Eng. tr. A thief's mind is always set upon the bundle or the luggage of another person.

भागाड़े गरु पड़े, शकुनिर टनक नड़े।
हिन्दी अनु. उकिरड़े पर गाय पड़े, गीध को खबर मिले।
Eng. tr. No sooner than a carcass is thrown out on a rubbish heap, the vultures appear.

राँड़ीर स्वप्न पाँज आर तुलो।
हिन्दी अनु. विधवा के सपने में चरखा और रुई]
Eng. tr. A widow's dream is full of cotton and skein. (Old Hindu widows used to spend time in spinning the cotton and earn livelyhood. And so, they carried the anxieties into their dreams.)

शकुनिर नजर भागाड़ पाने।
हिन्दी अनु. गिद्ध की नज़र मुर्दे पर।
Eng. tr. Eyes of a vulture are always searching for a carcass.

तमिऴ कनविलुम् काक्कैक्कु मलम् तिनकिऱदे निनैवु.
हिन्दी अनु. स्वप्न में भी कौए को यही है कि वह कूड़ा खा रहा है।
Eng. tr. Even in its dream, the crow's thoughts turn on eating filth.

कळ्ळन् बुद्धि तिरुट्टु मेले.
हिन्दी अनु. चोर की बुद्धि चोरी पर।
Eng. tr. The mind of a rogue is set on thieving.

तिरुडनुक्कु तोन्ऱुम् कळ्ळ बुद्धि.
हिन्दी अनु. चोर की सूझ चोरी पर।
Eng. tr. The thief's mind is set on thieving.

तुण्डिऱ्कारनुक्कुक् कण् अंगे मिदप्पिल् अल्लवो ?
हिन्दी अनु. मछली पकड़नेवाले की नज़र कहाँ ?—तैरते पदार्थ पर।
Eng. tr. Where is the eye of the angler ?—On the float, is it not ?

तेलुगु कुक्कलु चेप्पुलु वेदकुनु, नक्कलु बोक्कुलु वेदकुनु.
हिन्दी अनु. कुत्ते जूते खोजते हैं, सियार बिल खोजते हैं।
Eng. tr. Dogs search for shoes, foxes search for holes.

कन्नड तोट्टिलु मारुववनिगे बीदिय हेंगुसरेल्ल बसुरियरे.
हिन्दी अनु. पालना बेचनेवाला हर औरत को गर्भवती समझता है।
Eng. tr. The cradle-seller thinks that all the women on the street are pregnant.

नायिय कनसेल्ला मूळे ताने ?
हिन्दी अनु. कुत्ता हड्डी के सिवा और किस का सपना देखे ?
Eng. tr. All the dream of a dog is just about the piece of bone.

मलयाळम् कुरुक्कन्टे कण्णेप्पोळुं कोळिकूट्टिल.
हिन्दी अनु. सियार की दृष्टि हमेशा मुर्गा-घर में।
Eng. tr. The fox has his eyes always on the fowl-pen.

५९

चोर को चोर पहचाने।

आशय

समान व्यवसायी, या समान जाति, गुण, धर्म के लोग या प्राणी ही एक दूसरे को अच्छी तरह पहचान सकते हैं। क्यों की वे एक दूसरे के गुण-दोषों को तथा स्वभावविशेष की खूबियों को अच्छी तरह जानते हैं। बांग्ला की यह कहावत इसी आशय को चोर के सहारे प्रकट करती है – "चोर ही चोर को पकड़ सकता है।"

Subject

These proverbs tell us how only kind knows kind, and all its minutest tricks of the trade. For instance the Bengali proverb — "Only a thief can catch a thief."

हिंदी खग जाने खग ही के भाषा। (मुज., चंपा.)
(पक्षी की बोली पक्षी ही जानते हैं।)
Eng. tr. The birds know the bird's language.

चोर जाने चोर की सार।
Eng. tr. A thief knows a thief's ways.

चोर को चोर ही पहचाने।
Eng. tr. A thief knows a thief.

चोररा पग चोर ओळखै। (राज.)
(चोर के पैर चोर ही पहचानता है।)

Eng. tr. A thief only recognizes the foot-steps of another thief.

ठग जाने ठग ही के भाखा। (चंपा., मुज.)

Eng. tr. A cheat (pilferer, swindler) knows a cheat's language.

ENGLISH 1. A thief knows a thief, as a wolf knows a wolf.
2. Set a thief to catch a thief.

उर्दू क़द्र उल्लू की उल्लू जानता है, हुमा को कब चुगद पहचानता है।

Eng. tr. Owls know the value of owls, but how shall the owl know the value of Phoenix? (The Huma is an imaginary bird about which the Muslims believe that if it sits on anyone's head, that person will become a king.)

चोर को चोर ही जाने।

Eng. tr. A thief only knows a thief.

पंजाबी चोर जाणे चोर दी सार।

हिन्दी अनु. चोर जाने चोर की सार।

Eng. tr. A thief knows the thief's ways.

हथनुं हथ पछाणदा है।

हिन्दी अनु. हाथ को हाथ पहचानता है।

Eng. tr. One hand knows the other.

कश्मीरी पत्तुॅनय् पोन् छु फार्टुवन्।

हिन्दी अनु. अपनी ही पचड़ से लट्ठा (गट्ठा, गाँठ) टूटता है।

Eng. tr. The wedge of the same log splits it.

मराठी चोराच्या वाटा चोरालाच ठाऊक.

हिन्दी अनु. चोर के मार्ग चोर ही जाने (जानता है)। (एक चोर दूसरे चोर को तुरन्त पहचानता है।)

Eng. tr. The ways of a thief are known only to a thief.

चोराची पावले चोरच जाणे.

हिन्दी अनु. चोर के क़दम (मार्ग) चोर ही जाने (जानता है)।

Eng. tr. The foot-steps (strategies) of a thief are known to a thief.

गुजराती चोरनां पगलां चोर जाणे.

हिन्दी अनु. चोर के पदचिन्ह (पैर) चोर ही जानता है।

Eng. tr. A thief alone knows the steps of a thief.

बाङ्ला चोर दिये चोर धरा।

हिन्दी अनु. चोर के द्वारा चोर को पकड़ना।

Eng. tr. To set a thief to catch a thief.

चोरेइ चोर धरते पारे ।
हिन्दी अनु. चोर ही चोर को पकड़ सकता है ।
Eng. tr. Only a thief can catch a thief.

असमीया चोरे हे देखे चोरर ठें ।
हिन्दी अनु. चोर ही चोर के पाँव पहचानता है ।
Eng. tr. A thief can see the legs (foot prints) of a thief.

सापे हे सापर ठें देखे ।
हिन्दी अनु. साँप ही साँप के पदचिन्ह देखे / पहचाने ।
Eng. tr. A serpent sees the foot-prints of a serpent.

ओड़िआ काल ठार काल मा जाणे ।
हिन्दी अनु. बहिरे की माँ ही बहिरे के इशारे ज़ाने ।
Eng. tr. The deaf's mother understands the signs of a deaf.

चोर कु चोर चिन्हे ।
हिन्दी अनु. चोर को चोर पहचाने ।
Eng. tr. A thief knows a thief.

बड़ चोरकु चौकिया चिन्हे ।
हिन्दी अनु. बड़े चोर को चौकीदार पहचाने ।
Eng. tr. Watchman knows a noted thief.

तमिऴ कळ्ळनुक्कु तॆरियुम् तिरुट्टुबुद्दि.
हिन्दी अनु. चोर ही जाने चोर की सूझ ।
Eng. tr. A thief knows another thief's mind.

पाम्बिन् काल् पाम्बुं अरियुम्.
हिन्दी अनु. साँप के पाँव साँप ही जाने ।
Eng. tr. A serpent alone knows a serpent's foot-prints.

तॆलुगु दॊंगनु दॊंग येरुगुनु.
हिन्दी अनु. चोर को चोर पहचानता है ।
Eng. tr. A thief knows a thief.

पामुकाळ्ळु पामुन कॆरुक.
हिन्दी अनु. साँप के पाँव साँप जाने ।
Eng. tr. The snake only knows a serpent's feet.

कन्नड कळ्ळ कळ्ळगॆ बल्ल.
हिन्दी अनु. चोर का भेद चोर जाने ।
Eng. tr. (1) Thief knows the thief's way. (2) One thief knows the other thief.

कळ्ळन हेज्जे कळ्ळने बल्ल.

हिन्दी अनु. चोर ही जाने चोर के पदचिन्ह ।

Eng. tr. A thief alone knows the thief's foot-prints.

मलयाळम् कळ्ळने अरियू कळ्ळण्ड़े वळि.

पाठभेद कळ्ळने कळ्ळण्ड़े कालरियु.

हिन्दी अनु. (अ) चोर ही जाने चोर का रास्ता ।

(आ) चोर ही जाने चोर के पदचिन्ह ।

Eng. tr. (1) The thief alone knows a thief's way.

(2) The thief knows the thief's foot-prints.

पाम्बिण्ड़े काल पाम्बे अरियू.

हिन्दी अनु. साँप ही जाने साँप की सार ।

Eng. tr. The snake alone knows the snake's path.

संस्कृत अहिरेव ह्यहेः पादान्विजानाति न संशयः ।

हिन्दी अनु. साँप के पदचिन्हों की पहचान साँप को ही होती है ।

Eng. tr. A serpent alone recognises the marks left by a serpent.

६०

चोरी का गुड़ मीठा ।

आशय

जब कोई चीज़ बिना किसी प्रयास के हासिल होती है, तो उस का उपभोग लेने में बड़ा मजा आता है । मुफ्त में मिली हुई चीज को बेफिकिरी से उड़ाया जाता है क्यों कि, उस में उपयोग में लानेवालों को कोई हानि नहीं उठानी पड़ती । दूसरों की चीज का बड़ी लापरवाही से उपयोग किया जाता है, जैसे " मँगनी के बैल अँजोरिया के रात । " (दूसरों के बैलों को चांदनी में भी जोता जाता है ।)

Subject

Any thing that is got gratis, is most enjoyable. One is liberal at some other's goods, as he doesn't have to loose anything. When a thing is available without exerting for it, one can afford to spend it in an extravagant fashion. If the thing belongs to somebody else, one uses it quite carelessly. e. g. This Hindi proverb. " The bullocks ,got graits are yoked even in moonlight. "

हिन्दी चोरी का गुड़ मीठा ।

Eng. tr. Stolen treackle is sweet.

नारी मीठी चोरी की।

Eng. tr. Illicit relations with a woman are sweet.

मँगनी के चन्नन घस मियाँ लल्लू। (पट.)

(मुफ्त का चंदन है, लल्लू मियाँ, खूब घिसो।)

Eng. tr. This is borrowed sandal wood, so Lallu Miyan, rub it as much as you like.

मँगनी के चाउर नानी के सराध। (मुज.)

(मुफ्त में चावल मिला इस लिये नानी का श्राद्ध करो।)

Eng. tr. We have got gratis rice, so let us perform the death anniversary of the grand-mother.

मँगनी के बैल अँजोरिया के रात। (चंपा.)

Eng. tr. The bullocks got gratis are yoked even in moonlight.

मँगनी के मरिचा पाईं तऽ आँखों में लगाईं। (चंपा.)

(मुफ्त में मिर्च मिली तो आँखों में लगाईं।)

Eng. tr. Chillies got without paying for, were applied to the eyes.

मँगनी के हर बैल, मँगनी के बीआ।

हुआ तो हुआ, न तों बलैये से गया॥

(मुफ्त में हल, बैल और बीज मिले तो फसल हो या न हो कोई परवाह नहीं।)

Eng. tr. If one gets the plough, bullocks and seed free of cost, what matters if one gets the harvest or not.

मँगनी पाबी तऽ नौ मन तौलाबी। (मुज.)

(मुफ्त में कोई वस्तु मिले तो नौ मन तौलाई जाएगी।)

Eng. tr. If anything can be had free of cost, even nine maunds of it could be measured.

मुफ्त के चिडवा भर भर फाँके।

पाठभेद मुफुत के चूरा भर भर फाँक। (शाहा.)

Eng. tr. Parched rice for nothing is swallowed by mouthfuls.

सेतिहा के गेहूँ घर घर पूजा। (चंपा.)

Eng. tr. If wheat could be had free of cost, worships will be performed in every house.

सेतिहा के सेनुर भर गाँव बिआह। (चंपा.)

(सिन्दूर मुफ्त में मिला है, अतः सारे गाँव में विवाह हो रहे हैं।)

Eng. tr. Since the vermillion has been got without any price, there are marriage ceremonies all over the village.

ENGLISH
1. The wholesomest meat is at another man's cost.
2. Stolen kisses are the sweetest.
3. Stolen water is sweet.

4. The best wine is that a body drinketh to another man's cost.

उर्दू घर की खाँड़ करकरी चोरी का गुड़ मीठा।

Eng. tr. The sugar in the house is tasteless, and the robbed jaggery is sweet.

मुफ्त का सिरका शहद से मीठा।

Eng. tr. Vinegar for nothing is sweeter than honey.

मुफ्त की शराब काझी को भी हलाल।

Eng. tr. Even the Qazi may drink a present of wine. (Wine is of course unlawful to an orthodox Muslim.)

पंजाबी क़ाज़ी नूं मुफत दी शराब मिल्ली उस जुत्ती विच पवा लेई।

हिन्दी अनु. काजी को मुफ्त में शराब मिली, उस ने जूती में भी डलवा ली।

Eng. tr. A Qazi got wine free of cost and he took it in his shoes.

घर दी शक्कर बूरे वरगी, गुड़ चोरी दा मिट्ठा।

हिन्दी अनु. घर की शक्कर बूरे जैसी, गुड़ चोरी का मीठा।

Eng. tr. The sugar in one's own home is as bad as 'bura' (countrymade sugar), but the stolen jaggery is all the more sweet.

मुफ़त दी शराब क़ाज़ी नूं वि हलाल।

हिन्दी अनु. मुफ्त की शराब क़ाज़ी को भी हलाल।

Eng. tr. Even thə Qazi drinks wine when he gets it for nothing.

सिंधी मुफ्त जो शराब क़ाज़ी अ खे बि हलालु आहे।

हिन्दी अनु. मुफ्त की शराब क़ाज़ी को भी हलाल है।

Eng. tr. Liquor got free of charge is legitimate even for the Muslim judge.

मराठी फुकट घालाल जेवू तर सर्वज़ण येऊ, काही लागतं देणं तर नाही बा येणं.

हिन्दी अनु. मुफ्त में खाना खिलाओगे तो हम सब आयेंगे, कुछ देना पड़ेगा तो नहीं आयेंगे।

Eng. tr. We will all come if you will serve food for nothing, but if something is to be given, we won't come.

फुकटचा फोदा आणि झंव रे दादा.

हिन्दी अनु. मुफ्त की चूत और चोदो रे दादा।

Eng. tr. You have got the woman's organ-vegina free of cost, copulate (fuck) to your heart's content.

फुकटचा फोदा, झंव रे दादा ! झंवतो गे बाई, पण द्यायला काही नाही.

हिन्दी अनु. मुफ्त की चूत, चोदो रे भाई ! चोदता हूँ बाई, लेकिन देने के लिए कुछ भी नहीं।

Eng. tr. Here my vegina open for you, fuck you fellow ! I will do it, but mind you, I have nothing to pay.

फुकट चोद, महाविनोद, रात्रभर दिवा, उरले तेल शेंडीस लावा.

हिन्दी अनु. मुफ्त में चोदना बड़ा मजा पाना, रातभर दिया जला कर बचा हुआ तेल चोटी में लगाना।

Eng. tr. Enjoving a woman for nothing is a great joy. The lamp burns the whole night, remaining oil could be smeared to the tuft in the morning.

गुजराती धरमराजानो गोळ, कोणे मिठो नहिं लागे ?

हिन्दी अनु. धरम राजा का गुड़ किसे मीठा (मधुर) नहीं लगता ?

Eng. tr. The gur of Dharmaraj (a charitable person) : who won't find it sweet ? (Things got gratis are bound to be sweet.)

धरम राजा नो गोळ, जेम लुटाय तेम लुटो.

हिन्दी अनु. धरम राजा का गुड़, (जितना) जैसे लूट सको, लूटो।

Eng. tr. The gur of Dharmaraj (a charitable person) : loot it as much as you can !

पंत्याली खीचडी पेट फुटती खवाय.

हिन्दी अनु. पंचायती खिचड़ी पेट फुटे तक खाई जा सकती है।

Eng. tr. ' Khichadi ' of the common mess can be eaten till the belly bursts forth.

मफतनां मरी तीखा नहिं लागे.

हिन्दी अनु. मुफ्त की काली मिर्च तीखी नहीं लगती। (चरपटी)

Eng. tr. The black pepper got gratis won't taste pungent.

बाङ्ला परेर चाल, परेर डाल; नदे करेन बिये।

हिन्दी अनु. दूसरे के चावल, दूसरे की दाल; नदे करे ब्याह।

Eng. tr. Another's rice, another's pulses; and Nade is getting married.

परेर धन, आपन छाला, यत इच्छे भ'रे फेला।

हिन्दी अनु. पराया धान, अपना थैला, जितनी मर्जी भर ले।

Eng. tr. Other's wealth and one's own bag, fill it up as much as possible.

परेर घि पाइ, खाइ आर पिद्दिमे पोड़ाइ।

हिन्दी अनु. मुफ्त का घी मिला, थोड़ा खाया, थोड़ा दीप में जलाया।

Eng. tr. Freegotten ghee, some was eaten and some was burnt in the lamp.

परेर पिठे बड़ो मीठे।

हिन्दी अनु. पराये पीठे (एक मिठाई) बड़े मीठे।

Eng. tr. Other's sweets are sweeter.

मागना पेले कि ना गले ?

हिन्दी अनु. मुफ्त की मिलने पर कौन सी चीज़ गले नहीं उतरती ?

Eng. tr. What things one would not eat if available free ?

मागनार मद बामनाओ खाय।
हिन्दी अनु. मांगे की (मुफ्त की) शराब ब्राह्मण भी पी लेता है।
Eng. tr. Free liquor would make drunkard of a Brahmin.

असमीया परर पाले, ज्बरत खाले।
हिन्दी अनु. दूसरे का मिले, तो ज्वर में भी खा ले।
Eng. tr. If got gratis, he will swallow it even when attacked by fever.

तेलुगु तेर सोम्मु तीपि.
हिन्दी अनु. मुफ्त का माल मीठा।
Eng. tr. Anything got gratis is sweet.

पोरुगिंटि पुल्लगूर रुचि.
हिन्दी अनु. पड़ोस की खट्टी सब्जी (अंबड भाजी) भी मीठी।
Eng. tr. The sour vegetable got from the neighbour is sweet.

कन्नड परर ओडवे सिक्किदरे हरकादरेनु ?
हिन्दी अनु. जब दूसरे के गहने मिलते हैं, क्या हर्ज है अगर वे टूटे भी हों !
Eng. tr. When you get other's ornaments, what does it matter if they are broken !

६१

छोटा मुँह, बड़ी बात।

आशय

जब छोटा व्यक्ति अपने से बड़े व्यक्ति को सिखाने की कोशिश करता है, तो वह बात सर्वथैव अयोग्य है। अपने से ज्ञानी व्यक्ति को उपदेश देने का यह प्रयास हास्यास्पद है। इस अवस्था का दर्शन नीचे दी हुई कहावतों से होता है। असमिया में यह कहावत कितनी अन्वर्थक है— "बनदेवता को पत्ते बटोरनेवाली समझाएँ।"

Subject

When those younger in experience or the unlearned give advice to their elders and better ones, the following proverbs are said. For instance the Assamese proverb— "The leaf-collector advises the forest God." These pfoverbs are used for those low persons who presume to use language incompatible with their situation.

हिन्दी अंडा सिखावे बच्चे को कि चीं चीं मत कर।
Eng. tr. The egg teacheth the chick not to chirp.

इतनी सी जान और गज़भर की जबान ।

Eng. tr. Small stature but long tongue.

छोटा मुँह, बड़ा निवाला ।

Eng. tr, A little mouth and a large morsel.

छोटा मुँह, बड़ी बात ।

Eng. tr. Small mouth, big words.

नातिन सिखावे आजी के कि कोहबर कइसे होय । (शाहा., मुज.)
(नातिन दादी को सिखा रही है कि शादी में देवता का स्थान कहाँ होता है ।)

Eng. tr. Grand daughter teaches the grand-ma where the family deity should be placed in the marriage pandal.

नातिन सिखावे आजी को कि बारा ड्योढ़े आठ ।

Eng. tr. She is teaching her grand-mother that twelve times one and half make eight.

नानी के आगे ननिहाल की बातें ।

Eng. tr. Talking to the grand-mother about her own house.

ब्रह्मा आगे वेद वाँचै । (राज.)
(ब्रह्मा के आगे वेद वाँचता है ।)

Eng. tr. Recites the Vedas before Brahma (the creator of the Vedas and the universe).

हमरे जामल दीनानाथ हमरे से कहस कहनी । (शाहा.)
(मेरा लड़का दीनानाथ मुझे ही कहानी सुनाता है ।)

Eng. tr. My own son Dinanath tells me a tale.

ENGLISH 1. Don't teach your grand-mother to suck eggs.
2. Small wit, great brag.

उर्दू इतनी सी जान गजभर की जबान ।

Eng. tr. She is a small little life (person), but has a tongue one yard long.

नातिन सिखावे नानी को बारा डेवढे आठ ।

Eng. tr. The grand-daughter teaches her grand-mother that twelve times one and a half is eight.

पंजाबी घरों मैं आवां, सनेहे तूं दे ।

हिन्दी अनु. घर से आया हूँ मैं, सन्देश देता है तू ।

Eng. tr. I myself am coming from home and you are delivering me the message.

कश्मीरी वारिनि प्रसुन् हेछिनावान् ।

हिन्दी अनु. दाई को प्रसूति क्रिया सिखाना ।

Eng. tr. Teaching the midwife how to deliver a child.

सिंधी ड्रोहिटी थी नानी अ खे सुम्हण सेखारे ।
हिन्दी अनु. नातिन चली है नानी को सिखाने कि पति के साथ कैसा सोना चाहिए ।
Eng. tr. The grand-daughter goes to teach her grand-mother how to sleep with the husband.

नंढे वानूं वड्रो वेणु न कढिजे ।
हिन्दी अनु. छोटे मूँह बड़ी बात न करनी चाहिए ।
Eng. tr. Never say big words with a small mouth.

मराठी लहान तोंडी मोठा घास.
हिन्दी अनु. छोटे मुँह में बड़ा कौर ।
Eng. tr. To bite a large morsel with a small mouth.

गुजराती कुंभार करतां गधेडां डाह्यां.
हिन्दी अनु. कुंभार से गधे अधिक होशियार ।
Eng. tr. Asses wiser than the potter.

नाधले मोहडे मोटी वात.
हिन्दी अनु. छोटे मुँह बड़ी बात ।
Eng. tr. Big talk in a small mouth.

न्हानां मोढे मोटो कोळियो नहि भराय.
हिन्दी अनु. छोटे मुँह में बड़ा ग्रास नहीं समा सकता ।
Eng. tr. A large mouthful cannot be put into a smaller mouth.

ब्रह्मा आगळ वेद भणवा.
हिन्दी अनु. ब्रह्मा के सामने वेद पढ़ना ।
Eng. tr. To recite the Vedas before the creator (Brahma).

मा आगळ मोसाळ वखाणे, तो कहे मारुं पियर छे.
हिन्दी अनु. माँ के पास ननिहाल की प्रशंसा करे तो (माँ) कहे (वह) मेरा मैका है । (माँका घर – मायका)
Eng. tr. If you praise your grand-father's house before your mother' she would say, " Of course, it's my mother's place ! "

बाङ्ला छेलेर मुखे बुड़ो कथा (शुने लागा माथाव्यथा) ।
हिन्दी अनु. लड़के के मुँह में बड़ी बात सुन कर सिर दर्द करें ।
Eng. tr. High talk from a young man causes headache in listeners.

छोटो मुखे बड़ो कथा ।
हिन्दी अनु. छोटे मुह बड़ी बात ।
Eng. tr. Too big a talk for a child's mouth.

बुडो -दादाके गायेत्री शेखानो ।
हिन्दी अनु. बूढ़े दादा को गायत्री मंत्र सिखाना ।
Eng. tr. To teach the grand-father prayers.

मा' के मामारबाड़ी देखानो।

हिन्दी अनु. मां को मामा का घर दिखाना।

Eng. tr. Telling the mother about maternal uncle's house.

असमीया कालिर ल्लराइ परहिर गीत गाय।

हिन्दी अनु. कल का लड़का परसों का गीत गाय।

Eng. tr. The boy of yesterday sings the day ahead.

माकतकै जीयेक काजी, ढेंकी थोरारे बटे पाजी।

हिन्दी अनु. माँ से भी बेटी बढ़ी, मूसल से बनावे पूनी।

Eng. tr. Daughters consider themselves of superior skill than mothers and go to make 'paji' (cotton rolls for spinning) by the pestle of a rice-husking pedal.

माहीर आगत मामार गल्प।

हिन्दी अनु. मौसी के सामने मामा की बात।

Eng. tr. Talking about the maternal uncle to mother's sister.

ओड़िआ छोट मुँहे बड कथा।

हिन्दी अनु. छोटे मुँह से बड़ी बातें।

Eng. tr. A small man mouths big words.

बण दिअंकु पतर शउरुणी बुझाए।

हिन्दी अनु. वनदेव को पत्ते बटोरनेवाली समझाएं।

Eng. tr. The leaf-collector explains to (advises) the forest-God.

तेलुगु गुड्डुवच्चि पिल्लनु ऎक्किरिंचिनदि.

हिन्दी अनु. अंडा चूजे की हँसी उड़ाता है।

Eng. tr. The egg made faces at the chicken.

गुरुवुकु तिरुमंत्रं चॆप्पिनट्लु.

हिन्दी अनु. गुरु को ही पवित्र मंत्र सिखाया हो।

Eng. tr. As if he has taught the holy hymn to his teacher.

तल्लि पुट्टिल्लु मेन माम वद्दना?

हिन्दी अनु. नानिहाल के बारे में मामा को कहना?

Eng. tr. Telling the maternal uncle about one's mother's home.

तातकु दग्गुलु नेर्पाला?

हिन्दी अनु. दादा को खाँसना सिखाना चाहिए क्या?

Eng. tr. Must you teach your grand-father how to cough?

पिट्ट कोंचमु कूत घनमु.

हिन्दी अनु. चिड़िया छोटी, कूक बड़ी।

Eng. tr. A little bird with great cry.

हनुमंतुनि मुंदु कुप्पि गंतुलु.

हिन्दी अनु. हनुमान के सामने उछलकूद ?

Eng. tr. Frisking before Hanuman ?

कन्नड अज्जनिगे केम्मुलु हेळिकोड बेके ?

हिन्दी अनु. दादा को खाँसना सिखाया जाय ?

Eng. tr. Need we teach the grand-father how to cough ?

अज्जिगे मोम्मग आकळिके कलिसिद.

हिन्दी अनु. नानी को मुन्नू जँभाई देना सिखावे ।

Eng. tr. The grand-child teaches the grand-mother how to yawn.

भारु हेत्तोळिगे मूरु हेत्तोळु मुलुकि तोरिसिदळु.

हिन्दी अनु. तीन बच्चों की माँ छह बच्चों की माँ को कराहना सिखावे ।

Eng. tr. The mother of three children teaches how to groan in pain to a mother of six children.

चोट्टुद्द नालिगेगे मारुद्द मातु.

हिन्दी अनु. बित्ते भर की जीभ और हाथ भर की बातें ।

Eng. tr. Tall talk on a short tongue.

मलयाळम् कोऴियेक्काळ् बुद्धि मुट्टय्क्कु

हिन्दी अनु. मुर्गी से अंडा सयाना ।

Eng. tr. An egg wiser than the hen.

६२

जन्मजात स्वभाव नहीं बदलता ।

आशय

मनुष्य जनम के साथ साथ ही अपने स्वभाव की कुछ विशेषताएँ ले आता है, और मृत्यु तक वे बातें उस के साथ रहती हैं। छुटपन की इन आदतों का आदमी गुलाम बन कर रहता है। कितनी भी कोशिश कोई करें, इन आदतों में कोई परिवर्तन नहीं हो पाता। जीवन के विविध अनुभवों के द्वारा यह भाव स्पष्ट किया गया है। गुजराती कहावत के अनुसार— "कोयले को दूध से धुलाने पर भी वह काला ही रहेगा।"

Subject

What innate qualities we have, never leave us. This group of proverbs tells us of such natures. A Gujrati proverb says—"Even if a coal is washed in milk, it will be ever black and black."

हिन्दी अड़सठ तीरथ कर आई तूमड़ी तउ भी न गई कड़वाई।

Eng. tr. The ascetic-gourd went on sixty eight pilgrimages, its bitterness remained nevertheless.

आनी ना छोड़े बानी, सिधरिया ना छोड़े आपन चाल। (चंपा.)
(घमंड़ी व्यक्ति अपनी शेखी नहीं छोड़ते, और सिधरी मछली अपनी चाल नहीं छोड़ती।)

Eng. tr. The conceited fellow doesn't leave his arrogance, the fish doesn't change its gait.

कतबो गोआर पिंगल पढ़े एक बात जंगल के कहे। (मुज.)
(ग्वाला कितना भी पढ़ा-लिखा हो, वह बातचीत के सिलसिले में एक आध बात जंगल के संबंध में अवश्य कहेगा।)

Eng. tr. The cow-herd, howsoever educated, will definitely make a reference to the jungle while talking

कतबो राड़ पाग सम्हारथि फेरू राड़ के राड़। (मुज.)
(दुष्ट व्यक्ति कितना भी पगड़ी सँवारकर चलेगा, फिर भी वह दुष्ट का दुष्ट ही रहेगा।)

Eng. tr. Howsoever a wicked man flaunts his turban, he doesn't give up his wiles.

कुकुर के पोंछ में कतनों तेल लगाइब टेढ़ के टेढ़ ही रही। (शाहा., मु., चंपा.)
(कुत्ते की दुम को चाहे जितना भी घी-तेल लगा कर सीधा करने का प्रयास किया जाय, वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहेगी।)

Eng. tr. You may apply any a mount of oil to a dog's tail, it will remain crooked.

कुत्ता चौक चढ़ाए, चपनी चाटन जाए।

Eng. tr. Make a dog into a bride-groom, and he will still lick the pot lids.

कोइरी के बेटी राजा के घरे गइली तऽ बैगन हैगन कहली। (चंपा.)
(कोइरी की बेटी राजा के घर गई तो बैंगन को बैंगन हैंगन कहने लगी।)

Eng. tr. The daughter of a village boor became a queen, yet didn't give up her vulgar tongue.

कुत्ते की दुम बारह बरस नलवे में रक्खो, तो भी टेढ़ी की टेढ़ी।

Eng. tr. Put a dog's tail into a straight pipe for twelve years, and it will still be as crooked as ever.

कुत्तेरी पूँछ दस बरस जमी-में राखी,
निकाली तो फेर आँटी-र-आँटी। (राज.)
(कुत्ते की पूँछ दस बरस ज़मीन में गाड़ कर रखी, पर जब निकाली तो फिर टेढ़ी की टेढ़ी।)

Eng, tr. A dog's tail was buried in the earth for ten years, but when pulled out, it remained as crooked as ever.

कोयला होवे न ऊजला सज्जी साबुन लाए।

Eng. tr. You can't make the charcoal white by washing it with soap and soda.

खर को गंगा न्हवाइये तऊ न छाँडे छार।

Eng. tr. Bathe an ass in Ganga, it will not leave the dirt on its body.

गधा पीटे घोड़ा नहीं होता।

Eng. tr. If you beat an ass, you will not make a horse of him.

गधेने लाख साबणसूँ धोवो घोड़ो को हुवैनी। (राज.)

(गधे को चाहे लाख बार साबुन से धोओ, वह घोड़ा नहीं बन सकता।)

Eng. tr. A donkey will never turn into a horse even when washed with soap for a lakh of times.

चूहे का बच्चा बिल ही खोदेगा।

Eng. tr. The young mouse will make holes.

चोर चोरी से गया, तो क्या हेरा फेरी से भी गया?

Eng. tr. The thief has left off stealing, but has he also left off haunting?

जा को जैसो सुभाव, जाएगा जीऊ से।

नीम ना मीठा होवे, सीच गुड़ घीऊ से॥

Eng. tr. As your nature, so will it be all your life. The bitter neem becomes not sweet, though nourished with sugar and butter.

जात सुभाव न छोड़ियो, अन्त करइली तींत। (शाहा.)

(जिस का जो स्वभाव है वह नहीं छूटता। चाहे जैसे भी बनाई जाय, करेले की तरकारी कडवी ही होगी।)

Eng. tr. The nature doesn't change. Howsoever you prepare, the bitter gourd will be bitter after all.

जाति सुभाव न छूटै, टाँग उठाइ के मूतै। (चंपा.)

(कुत्ता टाँग उठाकर ही मूतता है।)

Eng. tr. The caste-nature (of a dog) does not change, it lifts up one leg while pissing.

तेल में तरी तब करइला घीव में तरी तब करइला। (चंपा.)

Eng. tr. If you fry it in oil, it is a bitter-gourd; if you fry it in ghee, even then it is a bitter-gourd.

धोये हू सौ बार के काजर होय न सेत।

(सौ बार धोने पर भी काजल सफेद नहीं होता।)

Eng. tr. Washed a hundred times, but the lamp black didn't become white.

नीच न छोड़े नीचाई, नीम न छोड़े तिताई।

Eng. tr. The mean will not give up meanness, the neem will not leave its bitterness.

पिये रुधिर पय ना पिये, लगी पयोधर जोंक।

Eng. tr. Even if the leech clutches the bosom, it will suck the blood and not the milk.

बादला मंढे से नीम नहीं छुपता।

Eng. tr. You will not hide the neem leaf by covering of embroidery.

बानवाले की बान न जाए, कुत्ता मूते टांग उठाए।

Eng. tr. A bad habit never leaves, as the dog will always make water with his leg up.

बिख सोने के बरतन में रखने से अमृत नहीं होता।

Eng. tr. Even if the poison is put in a golden vessel, it will not become nectar.

बूढ़ा चोचला, जनाज़े के साथ।

Eng. tr. An old woman's wantonness ceases only at her funeral.

भीत टले, पर बान न टले।

Eng. tr. A wall even may move, but not the habit.

मार, मुए मार, तेरी हतडियाँ पिड़ाएं; मेरी आदत न जाए। (स्त्री.)

Eng. tr. Beat me you wretch, beat me till your hands ache, but my habits will not leave me.

मूरख मूड गँवार को सीख न दीजो कोय।
कूकर बरगी पूँछड़ी कधी न सीधी होय॥

Eng. tr. Never throw away your advice upon a stupid village boor. A dog's tail can never be straightened.

राड़िक बेटी डांड़ी चढ़लनि, साग के मूड़ि हेरिते गेलनि। (मुज.)
(नीच जाति की लड़की अगर पालकी पर भी कहीं जाती है, तो भी घास-फूस, साग-भाजी आदि वस्तुओं को ही देखती रहती है।)

Eng. tr. Even when a low-born girl rides a palanquin, she only sees fodder and vegetation around.

हरदी जरदी ना तजे खटरस तजे ना आम।
जो हरदी जरदी तजे तऽ अवगुन तजे गुलाम॥ (शाहा.)
(हरदी पीलापन नहीं तजेगी, आम खट्टापन नहीं तजेगा, उसी प्रकार नौकर भी अपना अवगुन नहीं तजेगा।)

Eng. tr. Turmeric will not give up its yellow colour, mango will not give up its sourness; if they do, then a servant may give up his bad habits.

हाथीरा दांत, कुत्तेरी पूँछ, कुमाणसरी जीभ, सदा आंटी रैवै। (राज.)
(हाथी के दांत, कुत्ते की पूँछ और कुपुरुष की जीभ सदा टेढ़ी रहती है।)

Eng. tr. The teeth of an elephant, a dog's tail, and an evil person's tongue is always crooked.

ENGLISH

1. An ass is but an ass though laden with gold.
2. Send a fool to the market, and a fool he will return.
3. Jack will never make a gentleman.
4. An ape is an ape, a varlet is a varlet, though they be clad in silk and scarlet.
5. Crows are never the whiter for washing themselves.
6. To wash a blackmoor white.
7. What is bred in bone will never be out of the flesh.
8. Get a beggar on horseback and he will ride to the devil.
9. Bring a cow to the hall and she will run to the byre.
10. It is impossible to make a crab walk straight.
11. Black will take no other hue.
12. Ass loaded with gold still eats thistles.
13. Can the fig-tree bear berries or a vine figs?
14. Place does not alter race.
15. Crooked by nature is never made straight by education.
16. Bray a fool in the mortar, yet he will not be wise.

उर्दू आई है जान के साथ, जाएगी जनाज़े के साथ।

हिन्दी अनु. जनम के साथ आयी (आदत), मरने पर ही जाएगी।

Eng. tr. Comes with your life, it leaves but with your corpse. (a bad habit.)

कुत्ता राज बिठाया, चक्की चाँटने लगा।

Eng. tr. When the dog was given an important place, he started licking the grinding-stone.

कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी।

Eng. tr. The dog's tail remains ever crooked.

गधा धोने से बछड़ा नहीं होता।

Eng. tr. The donkey, when washed, doesn't turn into a calf.

गधा पीटे घोड़ा नहीं होता।

Eng. tr. The donkey, when beaten, doesn't turn into a horse.

चोर चोरी से जाता है, ऐरा फेरी से नहीं जाता।

Eng. tr. Even if the thief gives up stealing, he does not give up haunting.

मार मुए मार, तेरी हतडीपर आए, मेरी आदत न जाए।
(चाहे जैसी सजा दो, मेरी आदत नहीं जायेगी।)

Eng. tr. Beat me, it will hurt your hand, but my habit won't leave me.

पंजाबी उठ जे कणके छेड़िए वंझ जवाहां खाए।

हिन्दी अनु. उँट को गेहूँ के खेत में छोड़िये, वह कांटे ही खाएगा।

Eng. tr. If you let loose a camel into a wheat crop, he will turn towards thorns and eat it.

काले मूल न होवण बग्गे, भावे सो मण साबण लग्गे।

हिन्दी अनु. काला होय न उजला, चाहे सौ मन साबुन से धोओ।

Eng. tr. A black (rug) can not be made white, even if a maund of soap is used.

कुत्ता राज बहालिए चक्की चट्टण जाय।

हिन्दी अनु. कुत्ते को सिंहासन पर बिठाइये, वह चक्की ही चाटने जाएगा।

Eng. tr. If a dog is made to sit on a throne, it will go off to lick the handmill.

कुत्ते दी पूछल विंगी सिद्दी कदे न होय।

हिन्दी अनु. कुत्ते की दुम टेढ़ी, सीधी कभी न होय।

Eng. tr. A dog's crooked tail will never be straight.

चोर चोरीओं जान्दै, पर हेराफेरीओ नहीं।

हिन्दी अनु. चोर चोरी करना छोड़ दे, पर हेराफेरी से बाज न आएगा।

Eng. tr. The thief may shun stealing, but he cannot change his habit of pilfering.

जट भावें सोने दा होवे पिच्छा पित्तल दा होन्दा है।

हिन्दी अनु. जाट चाहे सोने का हों, उस का पीछा पीतल का होता है।

Eng. tr. Though a Jat be made of gold, still his hinder part is of brass.

ज़हमत जान्दी दारुआं पर आदत सिर दे नाल।

हिन्दी अनु. रोग दवा से मिट जाए, आदत सिर के साथ। (आदत आखिर तक रहेगी।)

Eng. tr. A disease can be cured by medicine, but a habit has to be endured for life.

नच्चणवाली दे पैर निचल्ले नहीं रहंदे।

हिन्दी अनु. नाचनेवाली के पैर स्थिर नहीं रहते।

Eng. tr. The feet of a dancing girl can not remain motionless (quiet).

निम ना होन्दी मिठ्ठी शक्कर गुड़ घिओ नाल।

हिन्दी अनु. नीम मीठा न होय, रांधो शक्कर, गुड़, घी में।

Eng. tr. A neem though cooked in sugar, gur and ghee, will never become sweet.

पत्थर हुंभ चढाया मुड कोरे दा कोरा।

हिन्दी अनु. भट्टी में चढ़ाया पत्थर फिर कोरे का कोरा।

Eng. tr. You may steam a stone, but it will remain as it was.

वादड़ीआं शजादड़ीआं, निभ्भण सिरां दे नाल।

हिन्दी अनु. आदत सिर के साथ निभे।

Eng. tr. A habit will last to the end.

सप्पाँ दे पुत्तर कदे न मित्तर, भावें सो मण दुध पिलाइये।

हिन्दी अनु. चाहे सौ मण दूध पिलाओ, सर्प का पुत्र कभी न मित्र।

Eng. tr. You may feed a snake with hundreds of maunds of milk, it will never become your friend.

कश्मीरी क्वकुॅरय् थविज्यन् स्वरव्तुॅ डेरस् मंज़ ततिति हेयितछुन्।

हिन्दी अनु. मुर्गी को मोतियों के ढेर में रखिए, वहाँ भी वह (पैरों से) कुरेदेगी।

Eng. tr. Put a hen in a heap of pearls, and there she will begin to scratch.

मंगुॅवुनय् थविज्यन् टंगुॅवुनि अन्दर् तति ति करी मंगुॅमंग्।

हिन्दी अनु. भीखमंगे को अगर कोठी में बंद किया जाय, वहाँ भी वह भीख मांगेगा।

Eng. tr. Even if a beggar is locked up in the custody, he still begs there.

मरुॅज् गलि वेदुॅवानुॅ आदथ् कति गलि?

हिन्दी अनु. रोग तो वैद्य की दूकान से जाएगा, आदत कैसे जाएगी?

Eng. tr. The disease can be cured from a doctor's shop, but where can a habit be cured?

हूनि लोटय् थविज्यन् कन्दीलस् अन्दर तति ति नेरि हूनि लोटुय्।

हिन्दी अनु. कुत्ते की दुम यदि कंदील में (मिट्टी के ढेर में) रखें, तो भी जैसी कि वैसी निकल आयेगी।

Eng. tr. Put a dog's tail under pressure, it will come out as it was before.

सिंधी आदत न मिटे आदती, इलत मूरि न जाइ,
उठु पचे कण्क में कंडा चुणि चुणि खाइ।

हिन्दी अनु. आदत न मिटे आदती, आदत कभी न जाय,
ऊँट पड़े यदि कनक में, काँटा चुन चुन खाय।

Eng. tr. Habit never leaves a person. If the camel goes into a field of wheat, he will select thorns to eat.

कलर मंझा कीन थिए, तोड़े जाल पियारींसि जरु।

हिन्दी अनु. नमकवाली ज़मीन पर आबादी नहीं होती, चाहे उसे कितना भी पानी पिलाओ।

Eng. tr. Soil that has too much of salts doesn't give in abundance no matter how much you water it.

कुत्ते जो पुछु बा॒रहं महिना नर में विझिजे तबि डिं॒गो जो डिं॒गो।

हिन्दी अनु. कुत्ते की दुम बारह महीने बाँस के डंडे में डाल दो तो भी वह टेढ़ी ही रहेगी।

Eng. tr. You may put a dog's tail in a pipe for twelve months, still when you draw it out, it will remain crooked.

घातूरो धारे, जे कजे कारि कमांद जी, तबि असुलु उन्हीअ पार जो, डेना डेखारे।

हिन्दी अनु. धतूरे के वृक्ष की अगर गन्ने की तरह संभाल की जाय, तो भी वह मीठा फल नहीं देगा। उस से तो कांटेदार फल ही निकलेंगे।

Eng. tr. Even if one cares for the thorn-apple tree like one cares for the sugarcane plants, its fruits will never be sweet, they will be thorny.

नांग खे खीरु प्यारिबो त बि हुन जो विहु कोन घटिबो।

हिन्दी अनु. साँप को दूध पिलाने से उस का विष कम नहीं होता।

Eng. tr. The snake's poison doesn't lessen because you give it milk.

प्यो किर्तु कंहिंजो न मिटे।

हिन्दी अनु. पड़ी हुई आदत मिटती नहीं।

Eng. tr. A habit never leaves one.

बारण बहूं कजनि, तबि रड़ा रझनि कीनकी।

हिन्दी अनु. चाहे बहुत सी लकड़ी जलाकर आग तेज़ क्यों न करें, फिर भी मूंग, मटर, चने आदि के सख़्त दाने गलते नहीं।

Eng. tr. No matter how big the fire is made by burning lots of logs, the hard grains of dried peas, Mung pulse and gram do not get cooked soft.

मेमुणु वञे मके त बि सेरु साहिमी तके!

हिन्दी अनु. मेमन (मुसलमानों की जातिविशेष,–बोरी) जब मक्का जाता है, तब वहाँ भी तराजू और बाट को ही देखता रहता है। (अर्थात् वहाँ भी उस की व्यापारिक मनोवृत्ति नहीं जाती।)

Eng. tr. When a Meman (a caste among Muslims) goes to Macca, there too he sees the scales and weights. (i.e. He takes his businessman's mind everywhere with him.)

सह से करे सींगार त बि खोदिरीअ पुट्ठ खोदिरो।

हिन्दी अनु. हज़ारों करे सिंगार तो भी गधी का बेटा गधा।

Eng. tr. Even if decked up a thousand times, a donkey's child will be a donkey.

हेरी अ संदी हेर, टंग भगीअ बि न लहे।

हिन्दी अनु. आदती की आदत टाँग टूटने पर भी नहीं जाती।

Eng. tr. Even the fracture of a leg does not make a man give up his long standing habit.

मराठी अभ्यंगस्नानी पूजिला, गाढव पळे रस्त्याला.

हिन्दी अनु. गधे को अभ्यंगस्नान कराया तो वह दौड़ा रास्ते पर।

Eng. tr. Even if worshipped with an oil-bath, the donkey will run down the street.

आधी होता (ग्राम) ज़ोशी। मग झ़ाला मोकाशी।
(राज्यपद आले त्याशी) त्याचे पंचांग राहीना। मूळ स्वभाव जाईना।

हिन्दी अनु. पहले था (ग्राम) पुरोहित। बाद में हुआ पटवारी। (बाद में मिला राज्याधिकार।) उस का पत्रा नहीं छूटता। मूल स्वभाव नहीं बदलता।

Eng. tr. An astrologer became a land-holder, but neither his almanac nor his nature left him.

आधी होता वाघ्या। मग (दैवयोगे) झ़ाला पाग्या।
त्याचा येळकोट राहीना। मूळ स्वभाव ज़ाईना।

हिन्दी अनु. पहले था खंडोबा का उपासक। बाद में (भाग्य से) बना शासक। उस का भजन नहीं रुकता। मूल स्वभाव नहीं छूटता।

Eng. tr. A temple-dancer becomes the master of the stables, but his natural dancing habits do not leave him.

कडू कारले तुपात तळले साखरेत घोळले तरी कडू ते कडूच़.

हिन्दी अनु. कडुआ करेला घी में तला और शक्कर में घोला तो भी वह कडुआ का कडुआ ही रहता है।

Eng. tr. A bitter-gourd, whether fried in ghee or smeared with sugar, still remains bitter.

कावळो न्हाल्यार ढोंक जाता व्हय ? (गो.)

हिन्दी अनु. कौआ नहाने से बगला नहीं बनता।

Eng. tr. A crow doesn't turn into a heron even if washed clean.

कुत्र्याचे शेपूट बारा वर्षे नळकांड्यात घातले तरी अखेरीस वाकडे ते वाकडेच़.

हिन्दी अनु. कुत्ते की (पूँछ) दुम चाहे बारह बरस नली में रखो, तो भी टेढ़ी की टेढ़ी ही रहेगी।

Eng. tr. Even if a dog's tail is put in a tube for twelve years, it remains crooked.

कोळसा उगाळावा तितका काळा / कोळसा किती उगाळला तरी काळाच़.

हिन्दी अनु. कोयले को चाहे जितना घिसा जाय, वह काला का काला ही रहता है।

Eng. tr. No matter how much a charcoal is rubbed, it still remains black.

गाढवाचे केले सोहळे आणि गाढव उकिरड्यावर लोळे.

हिन्दी अनु. गधे का किया बनाव सिंगार और गधा सोए (लेटे) कूड़े के ढेर पर।

Eng. tr. Festive ceremonies are conducted for a donkey, and it goes to roll itself on the rubbish heap.

जित्याची खोड मेल्यावाचून ज़ात नाही.

हिन्दी अनु. जीवित (व्यक्ति) की आदत मरे बिना नहीं जाती।

Eng. tr. The habits of the life die only with death.

जी खोड बाळा ती (खोड) जन्मकाळा.

हिन्दी अनु. बचपन की आदत जीवनभर बनी रहती है।

Eng. tr. The habits of childhood last all the life long.

दुग्धे न्हाणिला वायस, तरी का होईल राजहंस.

हिन्दी अनु. दूध से धोया कौआ राजहंस नहीं बनता।
Eng. tr. A crow, even if bathed with milk, will not turn a swan.

धुवरु लागिलो वासो ज़ाईना, मशि लागिले मडके ज़ाईना.

हिन्दी अनु. डाँड धूएँ से बाँस नहीं बनता, मटका कालिख से बर्तन नहीं बनता।
Eng. tr. Even if a pole is smoked, it doesn't become a rafter, and even if a pot is blackened, it doesn't become a pitcher.

लोणाऱ्याचे गाढव सोडल्याबरोबर उकिरडा फुंकत राहावयाचे.

हिन्दी अनु. धोबी का गधा खोलते ही कूड़ा छानने लगता है।
Eng. tr. A washerman's donkey, when untied, runs to a dung-heap.

सुंभ ज़ळाला तरी पीळ ज़ळत नाही.

हिन्दी अनु. डोर जली तो भी ऐंठन नहीं जली।
Eng. tr. Even if the rope is burnt the twists remain there.

सुण्याक पालखेंत बैसलो तरी हाडकाक पळौन उडी घेतां. (गो.)

हिन्दी अनु. कुत्ते को पालकी में बिठाया तो भी हड्डी देख कर वह नीचे कूदता है।
Eng. tr. A dog taken in a gold palanquin will jump off at the sight of a bone.

गुजराती कूतरानी पूछडी छ महिना नळीमां राखो तो पण वांकी ने वांकी.

हिन्दी अनु. कुत्ते की पूँछ छः महीने नली में रखी, पर टेढ़ी की टेढ़ी।
Eng. tr. A dog's tail, even if kept in tube for six months, would but be crooked.

जीवतानी खोड मुचे जाय.

हिन्दी अनु. जिंदे की आदत मरने पर जाय।
Eng. tr. Habit of the living, leaves him only at his death.

टाढ जाय रुए, ने आदत जाय मुए.

हिन्दी अनु. ठंडी जाय रुई से, और आदत जाय मरने से।
Eng. tr. Cotton removes cold, and death removes habit.

दुधे धोयला कोयला, काला ने काला.

हिन्दी अनु. दूध से धुले कोयले, काले के काले।
Eng. tr. Coal, even if washed in milk, is ever black and black.

बार गाउए बोली बदले, तरुवर बदले शाखा।
घडपणमां केश बदले, पण लखण न बदले लाखा॥

हिन्दी अनु. बारह कोस पर बोली बदले, तरुवर बदले शाखा;
बुढ़ापे में केश बदले, पर लखण (लक्षण) न बदले लाखा।
Eng. tr. A dialect changes at every twelve miles, a tree changes its branches, the hair changes (colour) in the old age; but a perfect gentleman never changes his qualities (characteristics)

लीमडाने सो मण साकरमां सींचे, तो पण कडवो ने कडवो.

हिन्दी अनु. नीम को अगर सौ मन शक्कर में सींचों तो भी कड़ुआ ही रहेगा।

Eng. tr. A neem tree remains bitter and bitter alone, even if it is soaked in a hundred maunds of sugar.

लीली डांखलीने जेम वाळे तेम वळे.

हिन्दी अनु. हरी टहनी (शाखा) को जैसा मोड़ो मुड़ती है।

Eng. tr. (a) A green branch turns as it is turned.
(b) Green branch can be twisted in any way one likes.

सिद्दीभाई सो मण साबु चोळे तो पण काळा.

हिन्दी अनु. सिद्दीभाई सौ मन साबुन से नहाये फिर भी काले के काले।

Eng. tr. A negro would remain black even if he bathes with a hundred soaps.

बाङ्ला अबुझके बुझाब कतो, बोध नाहि माने,
ढेंकिके बुझाब कतो, नित्य धान भाने।

हिन्दी अनु. नासमझ को समझाऊँ कितना, बात न माने,
ढेंकली को समझाऊँ कितना, नित्य धान ही कूटे।

Eng. tr. However much you explain to a simpleton, he would not understand; however much you tell a husking pedal, it would go on husking rice (and not change its ways).

अभ्यास ना छाड़े चोरे,- शून्य भिटाय सिंद खोंड़े।

हिन्दी अनु. चोर की आदत न जाए, खाली घर में सेंध लगाए।

Eng. tr. A thief's habit of stealing is hard to die, he digs hole in a empty house.

आगे कय राधाकृष्ण, बेराले धरले टेंओ टेंओ।

हिन्दी अनु. पहले " राधाकृष्ण राधाकृष्ण " रटता था, बिल्ली के पंजों में आने पर (तोता) टें टें करने लगा। (विपद के समय जातिगत स्वभाव आ जाता है।)

Eng. tr. 'Radhakrishna', 'Radhakrishna' was the chant (of a parrot), when a cat caught the neck, only the cry outburst.

आदा शुखालेओ झाल या(जा)य ना।

हिन्दी अनु. अदरक सूखने पर भी उस की झाल रहती है।

Eng. tr. A ginger, though dried, does not lose its pungency.

आमड़ार गाछे आम कखनओ फलेना।
स्वभाव ये(जे)मन या(जा)र से ताहा भोले ना।

हिन्दी अनु. अमड़ा के पेड़ में आम कहाँ से फलेंगे ? (नहीं फलेंगे।) जो जिस का स्वभाव है वह उसे नहीं भूलता।

Eng. tr. An Amda tree will never yield a crop of mangoes, like wise a person will not forget what is inherent in his character.

इल्लत् जाय धुले, स्वभाव जाय म'ले।

हिन्दी अनु. मैल जाय धो कर, आदत जाय मर कर।

Eng. tr. Dirt disappears after washing, a habit disappears only after death.

कयलार मयला छोटे यखन आगुन छोंय।

हिन्दी अनु. कोयले का मैल छूटे, जब आग में जले।

Eng. tr. The blackness of a coal disappears only by the touch of fire.

कयलार रंग या(जा)य ना धुले।

हिन्दी अनु. कोयले का रंग धोने से नहीं जाता।

Eng. tr. The colour of coal cannot be washed away.

काकेर बासाय कुलिर छा, जातस्वभावे काडे रा।

हिन्दी अनु. कौए के घोसले में कोयल का बच्चा, जातगुण से कुहूकुहू बोले।

Eng. tr. A cuckoo's fledgelings in a crow's nest would obey their instincts and sing sweetly.

कुकाष्ठ यदिओ थाके चन्दनेर बने, कखनओ सुगन्धि नय चन्दनेर गुणे।

हिन्दी अनु. कनिष्ठ लकड़ी चन्दन के वन में होने पर भी कभी सुगन्धित नहीं होती।

Eng. tr. A base trəe in a sandal-wood forest would never become scented on account of the sandal's company.

कुकुर यदि राजा हये सिंहासने बसे,
तले तले चेये देखे छेंडा जुतोर आशे।

हिन्दी अनु. कुत्ता अगर सिंहासन पर बैठे तो भी फटे जूतों की ताक में रहता है।

Eng. tr. If a dog is enthroned as a king, it again and again looks down for a worn out shoe.

कुकुरेर लेज सोजा हय ना।

हिन्दी अनु. कुत्ते की पूँछ सीधी नहीं होती।

Eng. tr. A dog's tail can never be straight.

गंगाय सारि गाइले गंगा हय ना दुष्ट,
दुष्टेर गुण गाइले दुष्ट हय ना शिष्ट।

हिन्दी अनु. गंगा में अश्लील गीत गाने से गंगा अपवित्र नहीं होगी।
दुष्ट के गुन गाने से दुष्ट नहीं होगा सज्जन।

Eng. tr. The Ganga would not be tainted by the ribald ballads of the boatmen, (on the other hand) the wicked would not become good if you praise them.

घरेर भात दिये शकुनि पोषे, गोयालेर गरु टेंके बसे।

हिन्दी अनु. घर का भात खिला कर गिद्ध पाले तो भी वह गौशाले की गाय मरने की राह देखेगा।

Eng. tr. If you feed a vulture with rice regularly, it will only sit (desiring) the death of your cow.

घि दिये भाजो निमेर पाता, तबु ना या(जा)य जातेर जाता।

हिन्दी अनु. नीम का पत्ता घी में भूँजने पर भी उस का कड़ुवापन नहीं जाएगा।

Eng. tr. Even if you fry the leaves of neem in clarified butter, they will not shed their inherent bitterness.

चोर संन्यासी तुम्ब नाड़े।

हिन्दी अनु. चोर संन्यासी दूसरों की तुमड़ी हिलाये। (आदत से लाचार।)

Eng. tr. A thief (renounced his profession and) turned hermit moves the begging bowls (of other hermits and satisfies the itching fingers).

ढेंकि स्वर्गे गेलेओ धान भाने।

हिन्दी अनु. ओखली स्वर्ग भी जाए तो धान ही कूटती रहे।

Eng. tr. The husking pedal will husk rice even when it goes to heaven.

पचा आदार झाल बेशी।

हिन्दी अनु. सड़ी अदरक की झाल अधिक।

Eng. tr. A rotten ginger is more hot to taste.

बानर बुड़ो हलेओ गाछे ओठे।

हिन्दी अनु. बंदर बूढ़ा हो कर भी पेड़ पर चढ़ता है।

Eng. tr. A monkey climbs the trees even when old.

सोनार बाटिते विष राखले अमृत हय ना।

हिन्दी अनु. सोने की कटोरी में रखने से ज़हर अमृत नहीं हो जाता।

Eng. tr. A poison in a golden cup does not become nectar.

असमीया एङ्गार धुले बगा नहय।

हिन्दी अनु. कोयला धोने से सफेद नहीं होता।

Eng. tr. How so ever washed, the charcoal cannot become white.

कुकुरर नेज सेकिलेओ पोन नहय।

हिन्दी अनु. कुत्ते की दुम सेंकने पर भी सीधी नहीं होती।

Eng. tr. A dog's tail will not straighten even on fomentation.

घिउ दि सेकिले कुकुरर नेज पोन न हय।

हिन्दी अनु. घी मल कर सेंकने से भी कुत्ते की दुम सीधी नहीं होती।

Eng, tr. Even if you rub ghee to a dog's tail and warm it on fire, it will never become straight.

चोरे नेरे चोर प्रकृति, कुकुरे नेरे छाइ।
या (जा) र यि स्वभाव मरिले लगत या (जा) इ॥

हिन्दी अनु. चोर अपनी चोरी की आदत छोड़ता नहीं, कुत्ता राख को छोड़ता नहीं, मरने पर ही हर एक की आदत छूटती है।

Eng. tr. The thief does not leave his stealing habits, the dog dose not leave the ashes, the nature of everybody goes with him to the crematorium.

चोरे नेरे चोर प्रकृति, शहाइ नेरे शर।
जेतेक नहओक डोम बरगिरि, नदीर कूलत घर॥

हिन्दी अनु. चोर अपनी चोरी करने की आदत नहीं छोड़ेगा, खरगोश अपना बील नहीं छोड़ेगा; मछुआ कितना भी धनवान हुआ तो भी अपना घर नदी किनारे ही बनवाएगा।

Eng. tr. A thief will not shun stealing habits, a hare will not leave a fence-hole, and a fisherman will always build his house on the river-bank how so ever rich he grows.

धोओं कली, नोधोओं कली, तेओ नुगुचे गार मलि।

हिन्दी अनु. नहाने पर भी काली, न नहाने पर भी काली, हर हालत में न छूटती बदन की मैली।

Eng. tr. She is dark, whether she takes a bath or not, the dirt of her body stays as it is no matter what she does.

मरिलेओ नेरे धनन्जय बायु।

हिन्दी अनु. मरने के बाद भी धनुर्वात नहीं छोड़ता।

Eng. tr. He does not leave tetanus even after death.

यार (जार) यि स्वभाव मरिले टुटे, यार यि स्वभाव भूमित लुटे।

हिन्दी अनु. स्वभाव मरने पर छुटेगा, बुरे संस्कारवाला मिट्टी में गिरे।

Eng. tr. One's character will disappear at death; bad character rolls in the ground.

ओड़िआ आंब सडका, तेंतुलि बंका, कुकुर लांगुड नुहें सळखा।

हिन्दी अनु. आम का आकार, इमली का बाँकापन नहीं छुटता; कुत्ते की पूछ भी सीधी नहीं होती।

Eng. tr. The shape of a mango, the bent in a tamarind, and the crooked tail of the dog never straighten out.

कळा कम्बळ, नुहें उजळ।

हिन्दी अनु. काला कम्बल सफेद नहीं हो सकता।

Eng. tr. (a) A black blanket can never be brightened.
(b) A blanket can never turn white.

कुकुर लांगुड बारबरषरे सळख हुए नाहिं।

हिन्दी अनु. कुत्ते की पूँछ बारह वर्षों में भी सीधी नहीं होती।

Eng. tr. A dog's tail cannot be straightened out even in twelve years.

गुंज पाणिरे पडिले लाहा जाए नाहिं।

हिन्दी अनु. घुंघची पानी में गिरने पर भी (उस की) लाली नहीं जाती।

Eng. tr. Even if the crab's eye falls into the water, its red hue does'nt disappear.

घुसुरि घुसुरि भूइँरे नाक, तेबे जाउनाहिं खोइलुचाक।

हिन्दी अनु. (बुढ़ापे में) इतने झुके कि नाक ज़मीन को छुए, पर पुरानी आदतें नहीं जाती।

Eng. tr. Bent so much with old age that the nose is upto the ground, but still the bad habits don't go.

चाहिं किरे, साकर खंडक चूना होइगले ताहार मधुर जाइकि रे ?

हिन्दी अनु. देखो, क्या चीनी पिस जाने पर भी अपनी मधुरता छोड़ती है ?

Eng. tr. If sugar is crushed, its sweetness (quality) does not vanish.

तु जेते माठिबु माठ, मुँ सेहि दरपोडा काठ।

हिन्दी अनु. तूं चाहे जितना घिस ले, मैं वही अधजला काठ (कोयला) हूँ, तू जितना घसे घस।

Eng. tr. Scrub me as much as you like, I am the same half-burnt cinder.

तुलसी गछ खतकुठरे थिले मध्य शुद्ध।

हिन्दी अनु. तुलसी का बिरवा खाद के ढेर में हो तो भी शुद्ध है।

Eng. tr. A Tulsi plant (the holy basil) is auspicious (pure) even if it is in a dung-heap.

दुध गुड़ नेइ निम्बतळे देइ आखु चारि पाखे रोइब,
खण्ड रे धोइब, फेणारे मोहिब तेबे कि मधुर होइब।

हिन्दी अनु. दूध और गुड़ यदि नीम के जड़ों में दिया, या ईख उस के चारों ओर बोये, खाण्ड से धोयें, या मिठाई भी चढायें तो क्या (नीम) मीठा होवे ?

Eng. tr You can put milk and gur at the root of the neem tree and plant sugarcane all round it; you can wash neem with sugar candy, coat it with sugar; still will the neem be ever sweet ?

बिष्ठाकु घांटिले गंधेइब सिना बासिब नाहीं।

हिन्दी अनु. विष्ठा को घोंटने से दुर्गंध ही आयेगी, सुगंध नहीं।

Eng. tr. If you stir the shit (excreta) it will only stink.

समुद्र उछुळिले कि कुकुर जिभहला छड़ि जाए ?

हिन्दी अनु. समुद्र उछले तो भी क्या कुत्ते का जीभ लपलपाना बंद हो जाए ?

(कृपण समृद्धि में भी कृपण ही रहेगा।)

Eng. tr. Even if the sea overflows, will the dog give up its tongue-hobit ?

तमिऴ अविकरारत्तिल् पिरंदालुम्, नाय् वेदम् अरियुमा ?

हिन्दी अनु. ब्राह्मणों की गली में पैदा होने पर भी क्या कुत्ता जानेगा वेद की महत्ता ?

Eng. tr. Will a dog understand the Vedas, although born in Brahmin village ?

अट्टैयै ऍडुत्तु मॅत्तैयिल् वैत्तालुम् सॅत्तैयैये नाडुम्.

हिन्दी अनु. सपोले को मसनद पर रक्खे तो भी वह कूड़ा करकट के पास ही जाएगा।

Eng. tr. Although you take a reptile and place it on a cushion, it will seek a heap of dried leaves.

अरैक्किनुम् संदनम् अदन् मणम् अराद्.

हिन्दी अनु. कितने ही घिसने पर भी चंदन की सुगंधी कम नहीं होगी।

Eng. tr. Though sandal wood be rubbed, its fragrance will not be destroyed.

आयिरम् शोन्नालुम् अवशारि समुशारियागाळ्.

हिन्दी अनु. हज़ार बार कहने पर भी छिनाल गृहदेवता नहीं बन सकती।

Eng. tr. Though a thousand times admonished, a faithless woman will not become a faithful wife.

आरु निरैयप् पोनालुम् नाय्क्कु नक्कुत् तण्णीर्.

हिन्दी अनु. नदी में पानी की बहुतायता होने पर भी कुत्ता चाट कर ही पानी पीता है।

Eng. tr. Though the river is full to overflowing, a dog laps. (Amid the greatest abundance, the habits of mean do not leave him.)

इरुट्टु वीट्टुक्कुळ् पोनाल् तिरुट्टुक्कै निर् (ट्) कुमा ?

हिन्दी अनु. अंधेरे घर में जाने पर चोरी का आदि हाथ रुकेगा क्या ?

Eng. tr. Will his thievish hand be restrained when he enters a dark room ?

इळमैयिल् पळक्कम् अेप्पोदुम् मरवादु.

हिन्दी अनु. बचपना की आदत कभी नहीं छूटेगी।

Eng. tr. The habits of early life will never be forgotten.

अेट्टिक्कु पाल् वार्तालुम् तित्तिप्पु उण्डाकादु.

हिन्दी अनु. कड़ुवे वृक्ष को दूध से सींचने पर भी मीठा नहीं होगा।

Eng. tr. Although you may nourish an etti tree by pouring milk at the root, it will not become sweet.

अेत्तनै पुडम् इट्टालुम् इरुंबु पशुपोन् आगादु.

हिन्दी अनु. कितना ही आग में तपावे, लोहा सोना नहीं बन सकता।

Eng. tr. Even though iron be heated so much, it will not become gold.

ऐंगादम् इट्ट कारम् इट्टालुम् तन् नाटूम् पोगादाम् पेय्च्चुरैक्काय्क्कु.

हिन्दी अनु. कद्दू (जंगली) को कितना भी मसाला डाल कर पकाओ, वह अपनी गंध नहीं छोड़ेगा।

Eng. tr. Though cooked with five ingredients, the wild gourd will not lose its odour.

काशुक्कु ओरु पुडैवै विट्रालुम् नायिन् शूत्तु अम्मणम्.

हिन्दी अनु. पैसे की एक साड़ी बिकने पर भी कुत्ते का चूतड़ नंगा ही है।

Eng. tr. Though cloth may be cheap, dogs go naked.

कावेरि कंजियाय्प् पोनालुम् नाय् नक्कित्तान् कुडिक्क वेण्डुम्.

हिन्दी अनु. कावेरी में भले ही कंजी बहे, कुत्ते को चाट कर ही पीना पड़ेगा।

Eng. tr. Should the Kaweri become gruel, the dog would partake there of by lapping.

कुत्ति वडित्तालुम् शंबा कुप्पैयिले पोट्टालुम् तंगम्.

हिन्दी अनु. यद्यपि कूट कर उबाला है, वह संबा (उत्तम) चावल है; उकिरड़े पर क्यों न फेंका हो, सोना तो सोना ही है।

Eng. tr. Though pounded and boiled, it is Samba (superior rice); though cast on a rubbish heap, it is gold.

कुप्पैयिर् पुदैत्तालुम् कुन्रिमणि निरम् पोगादु.

हिन्दी अनु. घुँघची को घूरे में गाडो तो भी उस का रंग नहीं बदलेगा।

Eng. tr. Though the crab's eye be buried in the dung hill, its colour will not change.

गंगैयिले मुळैत्तालुम् पेय्च्चुरै नल्लशुरै आमा ?

हिन्दी अनु. गंगा में पैदा होने पर भी जंगली पौधा अच्छा हो जायगा क्या ?

Eng. tr. Will a wild gourd become a good gourd by growing on the Ganga ?

गंगैयिल् मूळगिनालुम् काक्कै अन्नम् आगुमा ?

हिन्दी अनु. गंगा में नहाने पर भी कौआ हंस बन सकता है क्या ?

Eng. tr. Will a crow become a swan by bathing in the Ganga ?

गंगैयिले पिरंद नत्तै शालक्किरामम् आगादु.

हिन्दी अनु. गंगा में पैदा हुआ घोंघा शालिग्राम नहीं हो सकता।

Eng. tr. A snail of the Ganga is not a Shaligram.

तंगमुडि शूट्टिनालुम् तंगळ् गुणम् विडार् कशडर्.

हिन्दी अनु. सोने का मुकुट पहनाने पर भी नीच अपना गुण नहीं छोड़ेंगे।

Eng. tr. Though crowned with gold, the base will not abandon their natural dispositions.

तंगम् पुडत्तिल् वैक्कपट्टालुम् तन् निरम् पोगादु.

हिन्दी अनु. सोने को आग में जलाने पर भी अपना रंग नहीं खोएगा।

Eng. tr. Though gold is put into the fire to be refined, its hue is not lost.

तिरुडनुक्कुत् तिरुट्टुप् बुद्धि पोगादु.

हिन्दी अनु. चोर अपनी चौर बुद्धि को नहीं छोड़ सकता।

Eng. tr. The thief will not forsake his thieving habit.

तेयंदालुम् शंदनक्कट्टै मणम् पोगादु.

हिन्दी अनु. घिसने पर भी चंदन का सुगंध नहीं जा सकता।

Eng. tr. Though worn by attrition, the sandal wood loses not its fragrance.

तेन् वारत्तु वळर्त्तालुम् कांजिरम् तेंगु आगुमो ?

हिन्दी अनु. माजूफल को शहद से सींचने पर भी क्या नारियल की तरह मीठा होगा ?

Eng. tr. Will the gall-nut become as sweet as the coconut though watered with honey ?

तोट्टिर् पळक्कम् सुडुकाडु मट्टुम्.

हिन्दी अनु. बचपन की आदत श्मसान तक।

Eng. tr. The habit formed in childhood lasts to grave.

नाय् समुद्रित्तिले पोनालुम् नक्कुत् तण्णीर् .

पाठभेद नाय् समुद्रित्तिले पोनालुम् नक्कित् तान् तण्णीर् कुडिक्कुम्.

हिन्दी अनु. समुद्र में जाने पर भी कुत्ते को चाट कर ही पानी पीना पड़ेगा।

Eng. tr. Although a dog may go to the sea, it will lap the water.

नाय् वालैक् कुणक्कु अेडुक्कलामा ?

हिन्दी अनु. कुत्ते की पूंछ को ठीक कर सकते हैं ?

Eng. tr. Can you change the shape of a dog's tail ?

नायैक् कुलिप्पाट्टि नडुवीट्टिल् वैत्ताल् वालैक् कुलैत्तुक् कोण्डु पी तिन्नप् पोगुम्.

हिन्दी अनु. कुत्ते को नहला धुला कर घर के दीवानखाने में रक्खा जाय, तो भी वह दुम हिलाता हुआ जूठन खाने को ही जायगा।

Eng. tr. If you wash a dog and place him in the middle of the house, it will wag its tail and go out to eat filth.

परैच्चि पिळ्ळैयैप् पळ्ळिक्कु वैत्तालुम् पेच्चिले 'अय्ये' अेन्नुमाम्.

हिन्दी अनु. हरिजन के बच्चे को स्कूल भेजने पर भी वह बातचीत के बीच में 'अय्ये' कहेगा ही।

Eng. tr. Though a pariah child be sent to school, he will still say 'ayye' while talking.

परैयै पळ्ळिक्कु वैत्तालुम् दुरैप्पेच्चुप् पोमा ?

हिन्दी अनु. हरिजन को स्कूली शिक्षा मिलने पर भी अपनी गली की गाली बके बिना रहेगा क्या ?

Eng. tr. Though a pariah is schooled, will his vulgar brogue be altered ?

मुक्कालम् काकम् मुलुगिक् कुळित्तालुम् कोक्कु आगादु.

हिन्दी अनु. तीनों काल डुबकी लगाने पर भी कौआ बगुला नहीं बन सकता।

Eng. tr. Though a crow bathes three times a day, it will not thereby become white crane.

मेनियेलाम् सुट्टालुम् विपसारम् सेयकिरवळ् विडाळ्।

हिन्दी अनु. शरीर को जलाने पर भी वेश्या वृत्ति करनेवाली स्त्री अपनी वृत्ति को नहीं छोड़ेगी।

Eng. tr. Even after cremation the whore will not give up her habits.

शीरंगत्तुक् काकमानालुम् गोविंदम् पाडुमा ?

हिन्दी अनु. श्रीरंग में जन्म हुआ कौआ क्या गोविंद-नाम-संकीर्तन करेगा ?

Eng. tr. Though hatched at Shrirangam, will a crow sing the praises of Govinda?

सेनमत्तिर् पिरन्ददु सेरुप्पालडित्तालुम् पोगादु,

हिन्दी अनु. बचपना की आदत जूतें से मारने पर भी नहीं जायगी।

Eng. tr. The habit formed in childhood does not go even if one is slippered.

वेंबिल तेनै विट्टाल कशप्पु नींगुमा?

हिन्दी अनु. नीम के तेल पर शहद डालने से कड़ुवापन कम होगा क्या?

Eng. tr. Will the bitterness of margosa be removed by infusing honey into it?

तेलुगु अेन्तमन्चि पंदि अइना, अमेध्यमु तिनकमानदु.

हिन्दी अनु. कितना भी अच्छा सूअर हो, मल खाना नहीं छोड़ेगा।

Eng. tr. However good the pig may be, it will never cease to eat filth. (A hog in armour is still but a hog.)

काकिनि तेच्चिच पञ्जरमुलो उन्चिते, चिलुक पलुकुल पलुकुना?

हिन्दी अनु. कौए को पिंजड़े में रखने से तोते की तरह थोड़े ही बोलेगा?

Eng. tr. If you put a crow in a cage, will it talk like a parrot?

काशिकि पोगाने करिकुक्क गगिगोवु अवुना?

हिन्दी अनु. काशी जाने पर भी काला कुत्ता पवित्र गाय नहीं बनता।

Eng. tr. Will a black dog become a holy cow by merely going to Banaras?

कुक्कनु अन्दलमुलो कूर्चूण्डपेट्टिते, अमेध्यमु चूचि दिग दुरिकिनदि.

हिन्दी अनु. कुत्ते को बिठाया पालकी में, पर मल को देख कर कूद पड़ा।

Eng. tr. When the dog was seated in a palanquin, it saw filth and jumped down and ran to it.

कोडिकि गज्जेलु कडिते कुप्प कुळ्लागिंचदा?

हिन्दी अनु. क्या मुर्गे के पाँव में पायल बाँधने पर वह कूड़ा-करकट नहीं निकालेगा?

Eng. tr. Will not the cock pull the corn-stack inspite of bells round its legs?

गङगलो मुनिगिना, काकि हंस अवुतुन्दा?

हिन्दी अनु. गंगा में डुबकियाँ लगाने से क्या कौआ हंस बनेगा?

Eng. tr. Will a crow become a swan by bathing in the Ganga?

गाडिदकु भोगिनीळ्लु पोस्ते बूडिदलो पोर्लाडिंदट.

हिन्दी अनु. संक्रांति भोगी के पर्व के दिन नहलाने पर गधा धूली में लेटा।

Eng. tr. The donkey rolled in dust after it was washed on Bhogi-day (Sankranti).

तिरुपतिकि पोगाने तुरक दासरि काडु.

हिन्दी अनु. तिरुपति जाने से तुर्क (मुसलमान) दासरी (वैष्णव) नहीं बनता।

Eng. tr. By going to Tirupati a Musalman doesn't become a Dasari (devotee of Vishnu).

पुर्रेनु पुट्टिनबुद्धि पुडकलतो गानि पो.

हिन्दी अनु. खोपड़ी में उत्पन्न हुई बुद्धि (मशान की) आग से ही जाएगी।

Eng. tr. Inherent nature will never go except through the fire (of cremation).

पोट्लकायकु रायिकडिते सरिगानि, कुक्कतोककु गडिते फलमेमि.

हिन्दी अनु. चर्चीडे को (पुडेले को) पत्थर बांधना ठीक है, कुत्ते की दुम में बांधने से क्या लाभ ?

Eng. tr. A weight may straighten a snake-gourd, but what is the use of tying it to a dog's tail ?

कन्नड इद्दलु मसियंतह मै उज्जितोळेदरु इद्द रूप वल्लदे प्रतिरूपवागदु.

हिन्दी अनु. कोयले सी काली देह, क्योंकर दूसरा रंग चढ़ेगा, चाहे जितना मांजा जाय ?

Eng. tr. Even if you wash and rub the charcoal-black body, it remains as it is and doesn't improve in beauty.

ऊरेल्ला तोळेदरू मसि बेळ्ळगागदु.

हिन्दी अनु. सारा गाँव धो लें, तब भी काला सफेद नहीं होगा।

Eng. tr. Even if the whole town is washed, black does not become white.

एळु केरेलि अद्दिदरे ताने कालि केंपादाळे ?

हिन्दी अनु. सात तालाब में धोने पर भी कोयला क्या लाल होगा ?

Eng. tr. Even if washed in seven tanks, will a charcoal become red ?

कर्पूर तिप्पेय मेलिट्टरू तन्न वासने बिट्टीते ?

हिन्दी अनु. उकिरड़े (घूरे) पर रखने से भी कपूर की गंध थोड़े ही जाएगी ?

Eng. tr. Does the camphor give up its smell even if it is kept on the dung-heap ?

कोळि कालिगे गेज्जे कट्टिदरे तिप्पे केरेयदे बिट्टीते.

हिन्दी अनु. मुर्गी के पाँव में घुंघरू ही क्यों न हो, वह कूड़ा-करकट खुरचना थोड़े ही छोड़ेगी ?

Eng. tr. Even if you tie a jingling bell (anklet) to a hen's leg, does it give up scratching the dustbin ?

दंडिगे मेले नायि कूरिसिदरे हेलु कंडु हारितु.

हिन्दी अनु. सिंहासन पर बिठाया कुत्ता गू देख कर उछल पड़ा।

Eng. tr. The dog that was seated on the throne jumped at the sight of stools.

नायि बाल डोंकु डोंके.

हिन्दी अनु. कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं हो सकती।

Eng.tr. Always crooked is a dog's tail.

नायि समुद्रक्के होदरू नेक्कु नीरु.

हिन्दी अनु. कुत्ता समुद्र में जाय तो भी चाट चाट कर पानी पीए।

Eng. tr. Even if the dog goes to the sea, it licks the water.

नीरुळ्ळि नीरल्लि तोळेदरे नारोदु होदीते ?

हिन्दी अनु. प्याज धोने से बू थोड़े ही जाएगी ?

Eng. tr. Does the smell go if the onion is washed in the water ?

पंजरदल्लि कागे इट्टरे पंचम स्वर कोट्टीते ?

हिन्दी अनु. कौए को पिंजड़े में रखने से वह थोड़े ही गाएगा ?

Eng. tr. If you keep a crow in the cage, will it sing sweetly ?

मक्कक्के होदरू ठक्कुतन बिडलिल्ल.

हिन्दी अनु. मक्का गये पर ठगना न छोड़ा।

Eng. tr. Did not give up cheating even after going to Mecca.

श्रीगंधद कोरडु तेदष्टू परिमळ.

हिन्दी अनु. चंदन को जितना भी घिसो, उतनी ही सुगंध निकलेगी।

Eng. tr. The more the sandal wood is rubbed, the greater is the perfume.

हंदि तोळेदरू केसरिनल्लि होरळोदु बिडदु.

हिन्दी अनु. नहलाने पर भी सूअर कीचड़ में ही लोटपोट हो जाता है।

Eng. tr. Even if the hog is washed clean, it doesn't give up rolling in mire.

हाविगे हालेरेदरे तन्न विष बिट्टीते ?

हिन्दी अनु. दूध पिलाने से साँप अपना विष छोड़ता है क्या ?

Eng. tr. Does the snake give up its poison if it is fed with milk ?

हुट्टु गुण सुट्टरू बिडदु.

हिन्दी अनु. जन्म के साथ आया गुण जलने पर भी नहीं जाएगा।

Eng. tr. Inborn trait will not go even if burnt.

मलयाळम् अग्रहारत्तिल् पिरन्नालुं नाय वेदमोतुकयिल्ल.

हिन्दी अनु. अग्रहार में जन्म लेने पर भी कुत्ता वेद-पाठ न करेगा।

Eng. tr. Even if it is born in a brahmin-house-hold, the dog will not chant the scriptures.

अट्टयक्कु पोट्टक्कुळम्.

हिन्दी अनु. जोंक को गढय्या ही भावे।

Eng. tr. A leech likes to be in a ditch.

आरु निरये वेळ्ळं पोयालुं नायक्कुँ नक्कित्तन्ने कुटिक्कणं.

हिन्दी अनु. पानी नदी भर बहे, तो भी कुत्ता चाट कर ही पीयेगा।

Eng. tr. Even when the river is at spate, the dog drinks the water by lapping.

उळ्ळियक्कुं पालोळिच्चाल् उळ्नाट्टम् पोकुमो.

हिन्दी अनु. प्याज यदि दूध में रक्खे, तो भी उस की बू मिटेगी नहीं।

Eng. tr. Even if an onion is kept in milk, will it lose its smell?

कटलिल् चेन्नालुं नाय नक्कियें कुटियक्कू.

हिन्दी अनु. समुद्र में भी कुत्ता चाट कर पानी पीयेगा।

Eng. tr. Even if a dog goes to the sea, it will only lap water.

करिक्कट्ट कलुकुन्तोरुम् करुक्कुं.

हिन्दी अनु. कोयला जितना धुलाओ, अधिक काला होगा।

Eng. tr. The more the charcoal is washed, the darker it becomes.

कळुत कुळिच्चाल् कुतिरमाकुमो.

हिन्दी अनु. गधे को नहलाने से घोड़ा थोड़े ही बनेगा?

Eng. tr. Will the donkey become a horse if it bathes?

काक्क कुळिच्चाल् कोक्काकुमो?

हिन्दी अनु. कौआ नहाये तो बगुला बनेगा क्या?

Eng. tr. Will the crow become a crane if it takes a bath?

कुप्पयिल् किटन्नालुं कनकं कनकं तन्ने.

हिन्दी अनु. कूड़ा-करकट में पड़े तो भी सोना सोना ही है।

Eng. tr. The gold is gold even if it lies in the dustbin.

कैविट्टाल् चंकरन् तेङ्ङिन्मेल.

हिन्दी अनु. हाथ से छुटकारा पाते ही शंकर नारियल के पेड़ पर।

Eng. tr. When got freed, Shankar was back on the coconut tree. (Habit cannot be changed.)

चन्दनक्कट्ट तेञ्ञालुं गंधं कुरयुमो?

हिन्दी अनु. चंदन की लकड़ी घिस जाय तो भी गंध घटेगी क्या?

Eng. tr. Will the smell of the sandal wood vanish even if it is worn out?

चोट्टयिले शीलं चुटलवरे.

हिन्दी अनु. छुटपन की आदत स्मशान तक।

Eng. tr. The habit formed in the childhood will continue to the grave.

जात्यालुळ्ळतुं तूत्ताल पोकुमो?

हिन्दी अनु. निसर्गदत्त बात पोंछने से मिटेगी क्या?

Eng. tr. That which is inborn cannot be rubbed off.

तोट्टिलिले शीलं पट्ट वरे.

हिन्दी अनु. पालने की आदत कब्र तक।

Eng. tr. The habit developed in the cradle will last to the grave.

दुष्टुळिळटत्ते अट्ट कटिरक्कू.

हिन्दी अनु. सड़े-गले स्थानपर ही जोंक चूसेगी।

Eng. tr. The leech sucks the putridinous blood.

नाययुट्टे वाल् पन्तीराण्टु कुळलिलिट्टालुं एट्टुक्कुम्पोळ् वळञ्ञिट्टु तन्ने.

हिन्दी अनु. कुत्ते की दुम वारह साल नली में रहे तो भी टेढ़ी की टेढ़ी ही।

Eng, tr, Even if a dog's tail is kept in a tube for twelve years, remains curved when released.

क्षीरं कोण्टु ननच्चालुं वेप्पिन्टे कय्पु विटमो?

हिन्दी अनु. दूध से सींचनेपर भी नीम अपना कड़ुवापन छोड़ेगा क्या?

Eng. tr. Even if you water the margosa tree with milk, will it give up its bitterness?

संस्कृत काकः काकः पिकः पिकः दण्ड।

हिन्दी अनु. कौआ कौआ है, और कोयल कोयल।

(कौआ और कोयल दोनों का रंग समान होने पर भी दोनों एक नहीं है। जब वे मुँह खोलते हैं तो वास्तविकता का पता चलता है।)

Eng. tr. A crow is a crow afterall, and a cuckoo a cuckoo. (Both are black in colour, but when they open their mouth, one knows who is who.)

नलिकागतमपि कुटिलं न भवति सरलं शुनः पुच्छम्।

हिन्दी अनु. कुत्ते की पूँछ किसी नलिका में रखनेपर भी टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है।

Eng. tr. Not by compressing inside a tube can a dog's tail, twisted by nature, turn straight.

नहि कस्तूरिकामोदः शपथेन निवार्यते।

हिन्दी अनु. सौगंध खाकर इन्कार करने पर भी कस्तुरी की सुगंधी छिपी नहीं रह सकती।

Eng. tr. The perfume of the musk cannot be warded off on oath.

प्राणान्तेऽपि प्रकृतिविकृतिर्जायते नोत्तमानाम्।

हिन्दी अनु. उत्तम मनुष्य के अच्छे स्वभाव में प्राण जाने की बारी आने पर भी कोई परिवर्तन नहीं होता।

Eng. tr. Even on the point of destruction, a precious stuff does not brook any modification in its inherent quality.

प्रासादशिखरस्थोपि काकः किं गरुडायते।

हिन्दी अनु. राजमहल के शिखरपर बैठनेसे कौआ गरुड़ नहीं होता।

Eng. tr. A crow, even if he occupies the pinnacle of a palace, cannot be treated as an eagle (the bird-king).

यः स्वभावो हि यस्यास्ति स नित्यं दुरतिक्रमः।
श्वा यदि क्रियते राजा स किं नाश्नात्युपाहनम् ॥

हिन्दी अनु. जैसा जिस का स्वभाव है, वैसाही वह बर्ताव करेगा। क्यों कि स्वभाव में परिवर्तन नहीं होता। यदि कुत्ते को राजा बनाया गया तो क्या वह जूते चाटना छोड़ेगा ?

Eng. tr. One's innate nature is incorrigible. Even if a dog is made a king, would he cease licking the shoe ?

या यस्य प्रकृतिः स्वभावजनिता केनापि न त्यज्यते।

हिन्दी अनु. मनुष्य अपने मूल स्वभाव का कभी त्याग नहीं करता है।

Eng. tr. That which is one's inborn nature, cannot be got rid of.

भूयोऽपि सिक्तः पयसा घृतेन न निम्बवृक्षो मधुरत्वमेति।

हिन्दी अनु. दूध और घी से बार बार सिंचने पर भी नीम मधुर नहीं होता।

Eng. tr. Irrigate the neem tree with as much milk and ghee, it will never be sweet.

मधुना सिञ्चयन्निम्बं निम्बः किं मधुरायते।
जातिस्वभाव दोषोऽयं, कटुकत्वं न मुञ्चति ॥

हिन्दी अनु. कडुवे नीम के पेड़ को शहद से क्यों न सिंचा जाय, वह मीठा नहीं होता। उस के जातिस्वभाव का ही वह दोष है, अतः वह कडवापन नहीं छोड़ेगा।

Eng. tr. Let one shower a neem tree with honey! Would it be sweet even then! It is its inherent quality to be bitter which it cannot abandon.

दुग्धधौतोऽपि किं याति वायसः कलहंसताम्।

हिन्दी अनु. दूध से धोने पर क्या काग हँस बनेगा ?

Eng. tr. Will a crow become a swan after bathing in milk ?

न व्यापारशतेनाऽपि शुकवत्पाठ्यते बकः।

हिन्दी अनु. चाहे जितना प्रयत्न करने पर भी बगुले को तोते के समान बोलना नहीं सिखाया जा सकता।

Eng. tr. Howsoever you may try, a heron cannot be taught (to talk) like a parrot.

स्नापितो हि बहुशो नदीजलैर्गर्दभः किमु हयो भवेत्क्वचित्।

हिन्दी अनु. गधे को चाहे जितना नदी में धुलाइये, वह घोड़ा नहीं बन सकता।

Eng. tr. Bathe a donkey, as many times, in a river, it will not become a horse.

सहसि प्लवगैरुपासितां न हि गुञ्जाफलमेति सोष्मताम्।

हिन्दी अनु. बन्दरों की टोली ने चाहे जितना घुँघचिओं को फूँका, आँच नहीं निकलेगी।

Eng. tr. Howsoever a troupe of monkeys blow over a cluster of crab's-eyes, no fire could be kindled.

६३

जात के दुश्मन जात ।

आशय

इन कहावतों में एक मौलिक विचार अंकित है — समान जाति के लोग ही एक दूसरे के बैरी होते हैं। बाहरी शत्रु से भी यही लोग आपस में लड़ कर एक दूसरे के विनाश पर तुल जाते हैं। ओड़िआ कहावत देखिये, "अपने वंश का नाश करनेवाली बिल्ली अपना बच्चा खाये।"

Subject

This set of proverbs tells of the fact that one's enemy is of one's own kind. For instance the Orissa proverb– "The family destroying male cat eats up its own child."

हिन्दी जात के दुश्मन जात, काठ के दुश्मन काठ। (चंपा.)
(अपना शत्रु अपनी ही जात का होता है, जैसे काठ का दुश्मन काठ। कुल्हाड़ी का मुठिया काठ ही का होता है और काठ ही को काटता है।)
Eng. tr. One's enemy is of the same caste, as the wood is the enemy of wood. (The handle of an axe is made of wood, and it helps the axe to cut the wood.)

ENGLISH
1. Set a thief to catch a thief.
2. Two of a trade seldom agree.
3. Diamond cuts diamond.

पंजाबी कुत्ते दा कुत्ता वैरी।
हिन्दी अनु. कुत्ते का कुत्ता बैरी।
Eng. tr. A dog is an enemy of a dog.

कश्मीरी दारस् फाटॅुवान् पनॅुनय् पोन्।
हिन्दी अनु. लट्ठे को उसी की पच्चड़ फोड़ती है।
Eng. tr. Wood is split into parts by its own wedge.

पनॅुनय् पोन् छु फाटॅुवान्।
हिन्दी अनु. अपनी ही पच्चड़ से लट्ठा टूटता है।
Eng. tr. The wedge of the same log splits it.

येमिकुय् दार् तुं तमिकुय् पोन्।
हिन्दी अनु. जिस (वृक्ष) की लकड़ी, उसी की पच्चड़ (खूँटा)।
Eng. tr. Whence the timber, thence the wedge.

शंस्थॅरु सॅति छु शंस्थॅरु फटान्।
हिन्दी अनु. लोहे से लोहा कटता है।
Eng. tr. Iron is curon biyt.

सिंधी कुतो कुडुम जो वेरी।
हिन्दी अनु. कुत्ता अपने कुटुंब का बैरी। (दूसरे कुत्ते को देखेगा तो उस पर भूँकेगा।)
Eng. tr. A dog is an enemy of his own kith and kin. (i.e. He barks at his own fellow-dogs.)

डेहु चवे, डेराणी न चवे।
हिन्दी अनु. देश कहे, देवरानी न कहे।
Eng. tr. The whole country says, but the sister-in-law (one's husband's brother's wife) doesn't.

पंहिंजनि सां वेरु, परावनि सां मेडु।
हिन्दी अनु. अपनों से बैर, परायों से मेल।
Eng. tr. Enemity with one's own kinsmen, and friendship with others.

शेरख़ान जो शकिरो घर जा कुकुड़ मारे।
हिन्दी अनु. शेरख़ान का बाज़ घर के मुर्गे मारे।
Eng. tr. Sherkhan's hawk kills the cocks of his own home.

मराठी कुऱ्हाडीचा दांडा गोतास काळ.
हिन्दी अनु. (अ) कुल्हाड़ी का डंडा स्वजनों के लिए काल।
(आ) कुल्हाड़ी की लकड़ी स्वजनों की मौत बनी।
Eng. tr. The handle of an axe is ready to kill its own kind (i.e. the handle is made of wood and yet it chops wood).

गुजराती एक कागडो बीजा कागडानो डोळो टुपे.
हिन्दी अनु. एक कौआ दूसरे कौवे की आँख फोड़ता है।
Eng. tr. One crow blinds the eye (breaks the eye) of another crow.

ठीकरी घडाने फोडे.
हिन्दी अनु. ठीकरी घड़े को फोड़ सकती है।
Eng. tr. A piece of the earthen vessel can break a vessel.

वैद वैद नो वेरी.
हिन्दी अनु. वैद्य वैद्य का दुश्मन है।
Eng. tr. One doctor is an enemy of another doctor.

हीरे हीरो वींधाय.
हिन्दी अनु. हीरे से ही हीरे में छेद होता है।
Eng. tr. A diamond can be pierced with a diamond.

बाङ्ला भेयेर शत्रु भेये, नेयेर शत्रु नेये।
हिन्दी अनु. भाई का शत्रु भाई, माझी का शत्रु माझी।
Eng. tr. A brother becomes an enemy of brother; a boatman becomes adversary of another boatman.

लोहाइ लोहा काटे।

हिन्दी अनु. लोहे को लोहा काटे।

Eng. tr. Iron cuts through iron.

असमीया माछर तेलेरे माछ भाज।

हिन्दी अनु. मछली के तेल में मछली भूने।

Eng. tr. Fish is fried in fish-fat.

ओड़िआ काठ कहिला मोते किये हाणुछि ? कुराड़ि कहिला तो भाइ मो–भितरे पशि तोते हाणुछि।

हिन्दी अनु. काठ ने कहा – "मुझे कौन काटता है ?" कुल्हाड़ी बोली – "तेरा भाई मुझ में घुस कर तुझे काटता है।"

Eng. tr. The wood asked, who is cutting me? The axe said, your brother having entered into me is cutting you.

जातिकु जाति काटे, पाणिकु पाणि काटे।

हिन्दी अनु. जाति को जाति काटे, पानी को पानी काटे।

Eng. tr. The caste cuts the caste, and the water cuts water.

बउँश खिआ भुआ बिराड़ि, पेटर पिलाकु दिएटि मोड़ि।

हिन्दी अनु. अपने वंश का नाश करनेवाली बिल्ली अपना बच्चा खाये।

Eng. tr. The family destroying male cat eats up its own child.

तमिऴ अरचै अरम् कोण्डुम् वयिरत्तै वयिरम् कोण्डुम् अरुक्क वेण्डुम्.

हिन्दी अनु. लोहे को लोहे से, वज्र को वज्र से काटना चाहिये।

Eng. tr. Iron should be cut with iron, and the thunderbolt with thunderbolt.

अरत्तै अरम् अरुक्कुम्, वयिरत्तै वयिरम अरुक्कुम्.

हिन्दी अनु. रेती से रेती कटे, हीरे से हीरा।

Eng. tr. A file will cut a file, diamond cuts diamond.

कुलत्तैक् केडुत्त कोडालिक्कांबु.

हिन्दी अनु. अपने कुल का विनाश करनेवाला कुल्हाड़ी का दस्ता।

Eng. tr. The handle of an axe that destroyed its own species.

कोडालिक्कांबु कुलत्तुक्कु ईनम्.

हिन्दी अनु. कुल्हाड़ी का डंडा / दस्ता कुल नाशक है।

Eng. tr. The handle of the axe is enemy of its kind.

तन् वायाले तान् केट्टदाम् आमै.

हिन्दी अनु. अपने मुँह से कछुए का नाश होता है।

Eng. tr. It is said that the tortoise perished by its own mouth.

वैरत्तै वैरम् कोण्डे अरुक्क वेण्डुम्.

हिन्दी अनु. हीरे को हीरे से काटना चाहिए।

Eng. tr. A diamond must be cut with a diamond.

तेलुगु	**मुल्लुनु मुले तीयालि, दोंगनु दोंगे पट्टालि.**
हिन्दी अनु.	काँटे से काटा निकलता है, चोर चोर को पकड़ता है।
Eng. tr.	A thorn takes out a thorn, a thief catches a thief.
कन्नड	**कुलक्के मृत्यु कोडलिकावु.**
हिन्दी अनु.	कुल्हाड़ी का डंडा अपना ही कुलनाशक।
Eng. tr.	The hilt of the axe is the doom of its family.
	जाति जातिगे वैरि, नीरिगे पाचि वैरि.
हिन्दी अनु.	जाति जाति में बैर, पानी और काई में बैर।
Eng. tr.	Caste is the enemy of caste, and the water is the enemy of scum.
	मरक्के मर वैरि, नीरिगे पाचि वैरि.
हिन्दी अनु.	पेड़ का शत्रु पेड़, पानी की शत्रु काई।
Eng. tr.	Tree is enemy to tree, scum is enemy to water.
मलयाळम्	**इरुम्पिनु इरुम्पु केट्टु.**
हिन्दी अनु.	लोहे का लोहा दुश्मन।
Eng. tr.	Iron is the enemy of iron.
	ओरु पट्टिय्क्कु ओरु पट्टिये कण्टुकूटा.
हिन्दी अनु.	एक कुत्ता दूसरे का दुश्मन।
Eng. tr.	One dog hates the other.
	कोटालिक्कै कुलत्तिनु केट्टु.
हिन्दी अनु.	कुल्हाड़ी की मूठ अपने वंश का नाश करेगी।
Eng. tr.	The handle of the axe brings ruin to its clan.
संस्कृत	**याचको याचकं दृष्ट्वा श्वानवद्गुर्गुरायते।**
हिन्दी अनु.	एक याचक दूसरे याचक को देखकर कुत्ते के जैसा गुर्राने लगता है।
Eng. tr.	If another beggar comes in sight of a beggar, he starts growling at him like a dog.

६४

जिस का काम उसी को साजे।

आशय

जो जिस काम का अभ्यस्त है वही उस काम को ठीक ढंग से कर सकता है। दूसरे किसी के हाथों में वह काम बिगड़ने की ही संभावना रहती है। इस लिये चाहिये कि हर कोई अपना अपना काम ठीक प्रकार से निबाह ले और ऐसे काम में दखल न दे, जिस को करने की क्षमता उस में न हो। हिन्दी की यह कहावत बनियों का दृष्टान्त दे कर उपरिनिर्दिष्ट तात्पर्य को ही दुहराती है —
" बनज करेंगे बनिये, और करेंगे रीस। बनज करा था भाट ने, सौ के रह गये तीस॥ "

Subject

Each one's job or profession can be managed only by himself, and suits only him and no other. The following set gives us this idea. It explains how when one does someone else's job, one ruins it. A Hindi proverb tells us — " The baniya only can handle commerce, others can only imitate. A bard once traded and his hundred became thirty. "

हिन्दी अहीर गाड़ी जात गाड़ी, नाई गाड़ी कुजात गाड़ी।

Eng. tr. The Ahir's cart is the proper cart, and the barber's cart is improper cart.

करघा छोड़ तमाशे जाय, नाहक मार जुलाहा खाय।

Eng. tr. Leaving his loom, the weaver gets mingled in the melee, and gets beaten.

जिस का काम उसी को साजे, और करे तो ठेंगा बाजे।

Eng. tr. Do your own work and it will suit you, do another's and you will be laughed at.

जौहर को जौहरी पहचाने।

Eng. tr. Only jewellers can test jems.

तेली का काम तंबोली करें, चूल्हें में आग उठे।

Eng. tr. If the betel vendor does the oilman's work, he will set the chimney on fire.

दागे के सांढ, तो दाग ले लोहार।

Eng. tr. If the bull is to be branded, let the blacksmith do it.

बनज करेंगे बनिये, और करेंगे रीस।
बनज करा था भाट ने सौ के रह गये तीस॥

Eng. tr. The baniya can trade, others can only imitate. A bard once traded and his hundred became thirty.

राजहंस बिन को करे क्षीर नीर को भेद।
(पारखी ही अच्छे बुरे की परख कर सकते हैं।)

Eng. tr. Who else but the swan can separate water from the milk ?

विणज करैला वणिया, और करैला रीस। (राज.)
(व्यापार बनिया कर सकता है; दूसरे नहीं, क्यों कि उस में सहनशीलता आवश्यक है।)

Eng. tr. Only a baniya can do business, the rest are all irritated (due to failure).

ENGLISH 1. Let the cobbler stick to his last.
2. Every cobbler to his last.

उर्दू करघा छोड़ तमाशे जाय, नाहक मार जुलाहा खाय।

Eng. tr. Leaving his loom, the weaver gets mingled in the fair, and gets beaten.

जिस का काम उसी को साजे और करे तो ठेंगा बाजे।

Eng. tr. A particular job must be done only by him who knows it. If another does it, he will spoil it.

शेख क्या जाने साबुन का भाव।

Eng. tr. What does Sheikh know of the price of soap.

पंजाबी जिस दा काम उसे नूं साजे, होर करे तां ठिंगा बाजे।

हिन्दी अनु. जिस का काम उसी को साजे, और कोई करे तो ठेंगा बाजे।

Eng. tr. A job is done properly by one who is familiar with it. If others do it, it is spoiled.

कश्मीरी गांठ् कॺु ज़ानि पांज़ सुन्द् शिकार्।

हिन्दी अनु. चील कैसे जाने बाज़ का शिकार।

Eng. tr. How can the kite know the preying of a hawk ?

फरिहांज़ छा गुरि खसान ?

हिन्दी अनु. क्या मछुआ घोड़े पर सवार होगा ?

Eng. tr. Will a fisherman ride a horse ?

बांगिस् छुह् बांग् दपुनि मंति कि नुं ने अन्यन्।

हिन्दी अनु. बांग देनेवाला बांग दे या लोगों को निमाज के लिए लाये ?

Eng. tr. Is the Bangi to call the bang or assemble people for prayers ?

मंछ् क्याह् ज़ानि पोंपुंरि गथ्।

हिन्दी अनु. मक्खी क्या जाने पतंगे की गति/नृत्य।

Eng. tr. What does a fly know of a moth's revolutions (around the light).

लाल शिनासॅुय् ज़ानि लालॅुच् कद्रॅुर् / म्वल् ।

हिन्दी अनु. रत्न का मूल्य जौहरी ही जाने।

Eng. tr. Only a jeweller knows the worth of a ruby / jewel.

वस् छि दोबि सॅुन्दि ठकॅु तलॅु साफ् गछ़ान्।

हिन्दी अनु. धोबी के धोने से ही कपड़ा साफ होता है।

Eng. tr. The clothes become clean only by the washerman's strikes.

सिंधी उठनि जा बार बि के गड़ह खणनि ?

हिन्दी अनु. ऊँटो का भार भी कभी गधों ने उठाया है ?

Eng. tr. Can a camel's load be borne by a donkey ?

कुकिड़ि बि कडहिं ॿांग डिनी ?

हिन्दी अनु. मुर्गी ने भी कभी बांग दी है ?

Eng. tr. Has a hen ever crowed ?

जंहिंजो कमु सोई करे, ॿियो करे त घाटो भरे।

हिन्दी अनु. जिस का काम वोही करे, और करे तो हानि करे।

Eng. tr. Let him do the work who knows it, if another does it, he suffers a loss.

जौहर पर्खे जौहरी।

हिन्दी अनु. जवाहर की परख जौहरी ही कर सकता है।

Eng. tr. A jeweller appreciates best the worth of a jewel.

बारी खणनि बारु, कोन्हे कमु कचनि जो।

हिन्दी अनु. जो बोझ उठा सकने का सामर्थ्य रखते हैं वे ही बोझ उठाते हैं, कच्चे लोगों का वहाँ काम नहीं।

Eng. tr. Those who have strength enough to carry load, carry it. A weakling is of no use there.

मोत्युनि जी पर्ख मां छा ज़ाणे शीशा गरु।

हिन्दी अनु. कांच का व्यापारी मोतियों की परख क्या करेगा ?

Eng. tr. How can a dealer of glass test pearls ?

हुनर वारे जो हुनरु, बेहुनर जी जिंदु।

हिन्दी अनु. हुनरमंद अपनी कारीगरी से काम कर लेगा, पर जो कारीगर नहीं उस का समय भी जाएगा और काम भी न होगा।

Eng. tr. The skillful one will do his job with skill; but one who is not a skilled worker will waste his time and also not get his work done.

मराठी तुका म्हणे तेथे पाहिजे ज़ातीचे, येरा गबाळाचे काम नोहे.

हिन्दी अनु. तुका कहे काम में असल जाति का आदमी चाहिए, ऐरे गैर से वह नहीं हो सकता।

Eng. tr. A particular job can be done only by one whose profession it is, any old person cannot do it, says Tukaram.

रंग ज़ाणे रंगारी आणि धुनक ज़ाणे पिंज़ारी.

हिन्दी अनु. रंग जाने रंगरेज और धुनना जाने धुनियाँ।

Eng. tr. A painter knows only his paints, and a carder of cotton only the sound of his bow.

सोनाराने कान टोचला म्हणजे कान दुखत नाही.

हिन्दी अनु. सुनार कान में छेद करता है तो कान में दर्द नहीं होता।

Eng. tr. Ears pierced by the goldsmith do not pain.

गुजराती जेनां काम तेथी थाय, ने गधेडां चढे ते डीफां खाय.

हिन्दी अनु. जिस का काम उसी से ही (सिद्ध हो) और गधा चढे तो डंडा खाय। (कुत्ते को प्यार करते देख यदि गधा मालिक की गोद में बैठने जाय तो शायद डंडे ही खायेगा।)

Eng. tr. One whose work it is, alone can do it, and an ass (who in imitation of dog) tries to climb up the lap, gets only the strokes of a stick.

जेनुं काम तेनुं थाय, बीजो करे तो गोता खाय.

हिन्दी अनु. जिस का काम (हो) उसी से ही होता है, दूसरा करे तो गोता खावे।

Eng. tr. One whose work it is, alone can do it; anyone else is bound to fail / (to make a mistake).

सोनी वगर कान नहिं वींधाय.

हिन्दी अनु. सोनी बिना कान नहीं छिदते।

Eng. tr. Ears can't be pierced without a goldsmith.

वाणियाभाईनी रंगभडी, वाणिया रमी जाणे.

हिन्दी अनु. बनिये का खेल बनिया ही खेल सकता है।

Eng. tr. The bania alone knows how to play his game.

बाङ्ला आगे जेले छिल भालो जाल-दड़ि बुने;
कि काल करिल जेले एँड़े गरु किने।

हिन्दी अनु. मछुआ जाल बुन कर मजे में खा-पी रहा था, लेकिन यह बैल खरीद कर उसने जैसे आफत बुला ली।

Eng. tr. How happy was the fisherman formerly when weaving his net ! Alas, he invited bad luck by buying a bullock.

आदार व्यापारीर जाहाजेर खबरे कि काज ?

हिन्दी अनु. अदरक के व्यापारी को जहाज की खबर (आने की) से क्या काम ?

Eng. tr. A trader in ginger need not bother about the news of (coming) ship.

खाच्छिल ताँति ताँत बुने, काल करले एँड़े गरु किने।

हिन्दी अनु. जुलाहा कपड़ा बुन कर मजे में खा-पी रहा था,
लेकिन यह खरीदा बैल उस के लिए काल हो गया।

Eng. tr. The weaver was happy when he earned his living by weaving alone; when he bought a bull, he bought his ruin (as the bull would constantly attack his loom and destroy his yarn).

चाषार चाष देखे चाष करे गोयाला;
धानेर संगे खोंज नेई, बोझा बोझा पोयाला।

हिन्दी अनु. किसान की खेती देख खेती करे ग्वाला, धान के बजाय घास ही बटोरे।
Eng. tr. Seeing the farmer's fields, the milkman (leaves his dairying, and) takes to farming; instead of gathering grains, he only accumulates heaps of straw.

जात-व्यवसा नरेर भूषा, आर सब फासा-फुसा।

हिन्दी अनु. जात-धंधा नर का भूषण, और सब बेकार।
Eng. tr. One's hereditary profession is one's ornament, the rest is all tinsel.

दाँड़िके माझि करा, माझ-दरियाय डुबे मरा।

हिन्दी अनु. डाँड चलानेवाले को अगर माझी बनाया तो बीच धार में डूब मरेंगे।
Eng. tr. If an oarsman is put at the helm, the boat will sink mid-ocean.

यार (जार) कर्म तारे साजे, अन्य लोके लाठि बाजे।

हिन्दी अनु. जिस का काम उसी को साजे, और के सिर पे लाठी पड़े।
Eng. tr. To every man, his avocation; anyone tampering with another's profession will receive a beating.

असमीया आदार बेपारीर कि जाहाजर खबर।

हिन्दी अनु. अदरक के व्यापारी को जहाज की खबर से क्या वास्ता।
Eng. tr. Why should a ginger-seller seek news of a ship's arrival !

सात पुरुष गल टिङत घर, एतिया बोले मोक ब'ठा धर।

हिन्दी अनु. सात पिढ़ियों से मेरा घर पहाड़ों में है, अब तुम चाहते हो कि मैं डाँड हाथ में लूँ।
Eng. tr. For seven generations my home is in the hills. now you want me to take the oar.

ओड़िआ अदा बेपारीर जाहाज मूल।

हिन्दी अनु. अदरक का व्यापारी जहाज का मोल करे।
Eng. tr. Ginger-merchant trying to price a ship, (which is not his business).

गुण चिन्हे गुणिआ, सुना चिन्हे बणिआ।

हिन्दी अनु. गुणवान गुण पहचानता है, सोनी सोना पहचानता है।
Eng. tr. The man of character recognises character, and the goldsmith recognises gold.

चषा कि जाणे पषार कथा ? पड़िले बोलेइ दश ।

हिन्दी अनु. किसान क्या जाने पासे की बात ? पासा पड़ते ही बोले दस ।

Eng. tr. What does the rustic know about dice? He says ten when the sticks roll.

जाहार काम ताकु साजे, अन्य लोकठेइ लाठि बाजे ।

हिन्दी अनु. जिस का काम उसे शोभा दे, अन्य करे तो ठोकर खाये ।

Eng. tr. Each one's profession suits him only, if another tries it out, he gets injured.

पतर गोटाइबा लोक तोटा मूल करिबा ।

हिन्दी अनु. पत्ते चुगनेवाला बगीचे का मोल करे ।

Eng. tr. Like the one collecting dead leaves, trying to price an orchard.

सुता अड़ुआ तंती काढे ।

हिन्दी अनु. सूत का उलझाव जुलाहा सुलझावे ।

Eng. tr. The weaver untangles the knots of yarn threads.

सुना चिन्हे बणिआ, गुण चिन्हे गुणिआ ।

हिन्दी अनु. सोना पहचाने सुनार, गुण को पहचाने गुणवान ।

Eng. tr. The goldsmith recognises gold, a man of quality recognises quality in men.

तमिऴ आडु अरियुमो अंगाडि वाणिपम्.

हिन्दी अनु. बकरी क्या जाने दूकान का ब्योपार ?

Eng. tr. Does the goat know about business transactions?

आमैयुडने मुयल् मुट्टैयिड्प पोयक् कणपिंदुगिच् सेत्तदाम्.

हिन्दी अनु. कछुए के साथ खरगोश अंडा देने गया, आँख दिखा कर मर गया ।

Eng. tr. It is said that when the hare went with the tortoise to lay eggs, it strained its eyes out and died.

उप्पु वाणिगन् अरिवाना कर्पूर् विलै ?

हिन्दी अनु. नमक का व्यापारी कपूर का दाम क्या जानेगा ?

Eng. tr. Does the salt-merchant know the price of camphor?

कोक्कुक्कुत् तेरियुमा कोऴिक्कुंजैक् कोण्डुपोग ?

हिन्दी अनु. बगुला क्या जाने मुर्गी का बच्चा उठा ले जाना ?

Eng. tr. Does the crane know how to carry away a chicken?

कोट्टिक्किऴंगु बेट्टुगिर्वळुक्कुक् कोयिलिल् वंदु आडत् तेरियुमा ?

हिन्दी अनु. मूली खोदनेवाली को मंदिर में आ कर नाचना आता है क्या ?

Eng. tr. Can the woman who digs up roots dance before a temple idol?

नुळैयन् अरिवाना रत्तिनत्तिन पेरुमै ?

हिन्दी अनु. मछुआ क्या जाने रत्न की महिमा ?

Eng. tr. Does a fisherman understand the value of gems ?

तेलुगु उडतकेलरा उळ्ळो पेत्तनमु.

हिन्दी अनु. गिलहरी को गाँव की निगरानी से क्या काम ?

Eng. tr. What has the squirrel to do with the village management ?

कन्नड अक्कसाले किवि चुच्चिदरे नोविल्ल.

हिन्दी अनु. सोनार कान छेदें तो दर्द नहीं होगा।

Eng. tr. The goldsmith's prick is no pain to the ear.

आडिगे गोत्तो अंगडि व्यापार ?

हिन्दी अनु. भेड़ क्या जाने बाजार-भाव ?

Eng. tr. Does the goat know about market rates ?

गरतिगे हादर सल्ल, सूळेगे व्रत सल्ल.

हिन्दी अनु. गृहिणी को छिनाला योग्य नहीं, वेश्या को व्रत नियम योग्य नहीं।

Eng. tr. Whoring not proper for a married woman, and austerities not suitable for a prostitute.

गुड्डद सुद्दि मीनु हेळदु, समुद्रद सुद्दि शले हेळदु.

हिन्दी अनु. न पहाड़ की बात मछली कहे, न समुद्र की चूहा।

Eng. tr. Fish will not give news about the hill, nor the mouse about the sea.

मलयाळम् आटार्युमो अङ्ङाटि वाणिमम्.

हिन्दी अनु. बकरा क्या जाने बाजार का व्यापार।

Eng. tr. Does the goat know the trade of the bazar?

इन्चिव्यापारिक्केन्तिनु कप्पल वर्तमानं ?

हिन्दी अनु. अदरक के व्यापारी को जहाज की खबर से क्या वास्ता ?

Eng. tr. Why should a ginger-trader enquire about the news of the ship ?

कळ्ळनु तोन्नुं कळ्ळबुद्धि.

हिन्दी अनु. चोर को ही सूझे चोरी की चाल।

Eng. tr. The thief knows the tricks of thieving.

६५

जिस का खाइये, उस का गाइये।

आशय

जग-रीति का सुंदर दर्शन इन कहावतों के द्वारा हुआ है। यह स्वाभाविक है कि जो रोजगार देता है, रोटी देता है, उसी की प्रशंसा की जाती है, और की जानी चाहिये। अन्यथा खिलानेवाले की निंदा करनेवाला व्यक्ति कृतघ्न माना जाएगा। दूसरी बात यह भी है कि मालिक सदा के लिये रोटी देता रहे इस लिये उस की खुशामद के गीत गाने पड़ते हैं। जो अपने साथ अच्छा व्यवहार करें उस की प्रशंसा तो हमने करनी ही चाहिये।

Subject

This set of proverbs tells us to sing in the praise of those who feed us and to serve well those who treat us well.

हिन्दी जहाँ देखे तवा परात, वहाँ गावे सारी सात। (स्त्री.)

Eng. tr. Wherever she sees plates and pans, she sings the whole night.

ज्याँरी खावै बाजरी बाँरी भरै हाजरी। (राज.)
(जिस की बाजरी (रोटी) खाय उसी की हाजिरी भरे।)

Eng. tr. Attend on those whose bread you eat.

जिस का खाइये, उस का गाइये।

Eng. tr. Sing his praise who feeds you.

जिस का मंडुआ, उस के गीत।

Eng. tr. The songs are in his praise whose is the marriage bower.

जैसी तेरी तिल चावली, वैसा मेरा गीत।

Eng. tr. As your fees, my song shall be.

जैसी बंदगी, वैसा इनाम।

Eng. tr. As the service, so the reward.

जैसे दाम वैसे काम।

Eng. tr. As the pay, so the work.

ENGLISH

1. Of whom you eat salt, him laud and exalt.
2. No longer pipe, no longer dance.
3. Laud him whose bread you eat.
4. Who pays the fees, hears the song.

उर्दू जाकी हँडी ताकी मँडी।
हिन्दी अनु. जिस का खाना, उस का गाना।
Eng. tr. The bazar is his who has the vessel.

जिस की देग उस की तेग।
हिन्दी अनु. जो खाना देगा उस के नाम की तलवार मारना।
Eng. tr. Wield the sword for him who has the cooking pot (i.e. a person who feeds you).

पंजाबी जित्थें वेखां तवा परात, उत्थें गाँवा दिन ते रात।
हिन्दी अनु. जहाँ देखूं तवा परात, वहाँ पर गाऊँ दिन और रात।
Eng. tr. Where I see the griddle and trough (food), I sing there day and night.

जिस दा अन्न खाइये, उसे दे गुण गाइये।
हिन्दी अनु. जिस का अन्न खाना, उस के गुण गाना।
Eng. tr. Praise him whose food you eat.

कश्मीरी आसस् कूटाह् चोय्यो आही वादाह् द्राय्यो।
हिन्दी अनु. मुँह में कुछ पड़ गया तभी आशीश निकला।
Eng. tr. Blessing came forth from your mouth only after something (food) fell in your mouth. (The guest flatters and blesses his host.)

सिंधी जांहिंजो खाइजे तंहिंजो गाइजे।
हिन्दी अनु. जिस का खाओ, उस का गाओ।
Eng. tr. Praise him whose (food) you eat.

मराठी ज्याची खावी पेज़, त्याची सज़वावी शेज.
हिन्दी अनु. जिस की माँड़ खायें, उस के साथ सोएँ।
Eng. tr. You must sleep with him whose gruel you drink.

ज्याची खावी पोळी, त्याची वाज़वावी टाळी.
हिन्दी अनु. (अ) जिस की खाए रोटी उसी की बजाए ताली।
(आ) जिस का खाना उस का गाना।
Eng. tr. Cheer the one who feeds you. (One must praise the man who shows hospitality.)

ज्याची खावी भाकरी, त्याची करावी चाकरी.
हिन्दी अनु. जिस का खाए खाना, उस का सेवक बना।
Eng. tr. Serve the person whose bread you eat.

दे बाय लोणचे, बोलेन तुझ्या हारचे.
हिन्दी अनु. दे माई अचार, कहूँगी तेरे अनुसार।
Eng. tr. "Please give me some pickle, I'll speak in your favour."

गुजराती खाइए तेनुं गाइए.

हिन्दी अनु. खाओ उस का गाओ ।

Eng. tr. Sing in praise of one whose food you eat.

जेनी खाइए भाखरी, तेनी करिए चाकरी.

हिन्दी अनु. जिस की खाओ भाखरी, उस की करो चाकरी ।

Eng. tr. Let us serve him alone whose bread we eat.

जेनी घंटीए दळिए, तेना गीत गाइए.

हिन्दी अनु. जिस की चक्की से पीसो, उस के गीत गाओ ।

Eng. tr. Sing songs in praise of him at whose grinding mill we grind.

जेनी हवेलीए बेसीए तेना ढ़ोल वगाडिए.

हिन्दी अनु. जिस की हवेली पर बैठो उस के ढ़ोल बजाओ ।

Eng. tr. Let us beat the drum of him whose mansion we occupy.

जेनुं खाइए, तेनुं गाइए.

हिन्दी अनु. जिस का खाओ, उस का गाओ ।

Eng. tr. We sing in praise of him whose food we eat.

जेने गाडे बेसीए तेनां गीत गाइए.

हिन्दी अनु. जिस की गाड़ी पे (बैलगाड़ी पर) बैठे उस के ही गीत गाना चाहिए ।

Eng. tr. Let us sing the praises of one whose carriage we ride.

जेनो खाइये कोळियो तेनो वाळीये धोळीयो.

हिन्दी अनु. जिस का खावे ग्रास (अनाज), उस के पलंग बिछा देवे ।

Eng. tr. Let us do good unto (do service to) him whose food we eat.

ज्यां मळ्युं खावा त्यां बावोजी बेठा बजाववा.

हिन्दी अनु. जहाँ मिला भोजन वहीं बाबाजी बैठ गये बजाने ।

Eng. tr. The monk sat playing music where he got meals (lunch).

वाङ्ला कि करिबे कीर्तनीया, लयेछे बेतन; कर्तार इच्छाय कर्म, उलुबने कीर्तन ।

हिन्दी अनु. क्या करे कीर्तनकार, जब लेता है वेतन; मालिक की इच्छा से करे उल्लूबन में कीर्तन ।

Eng. tr. What would the Kirtaniya (a carol singer) do once he has accepted the payment ? He has to obey the master and has to sing in an owl-infested jungle if asked to do so.

नुन खाइ यार (जार), गुण गाइ तार ।

हिन्दी अनु. जिस का नमक खायें, उसी के गुण गायें ।

Eng. tr. Whose salt sustains me, him shall I praise.

असमीया लोन खाले गुण गाबा।
हिन्दी अनु. (जिस का) खाओ लवण, (उस का) गाओ गुण।
Eng. tr. Sing in his praise whose salt you eat.

ओड़िआ खाइब जाहार गाइब तार।
हिन्दी अनु. जिस का खाएँ, उस का गाएँ।
Eng. tr. Sing in praise of those who feed you.

जाहार लुण खाइब, तार गुण गाइब।
हिन्दी अनु. जिस का नमक खाए, उस का गुण गाये!
Eng. tr. Sing in the praise of one whose salt you eat.

कन्नड अन्न हाकिदवरिगे अन्याय माडबारदु.
हिन्दी अनु. खिलानेवाले से कभी बिगाड़ नहीं करना चाहिए।
Eng. tr. Never be at cross-roads with one who has fed you.

उप्पिट्टवनन्नु मुप्पिनवरेगू नेनॆ.
हिन्दी अनु. नमक खिलानेवाले को बुढ़ापे में भी याद कर लो।
Eng. tr. Remember him even in oldage one who has given you salt.

गंजि कुडिद मेले अंजलु बाच बेकु.
हिन्दी अनु. लप्सी पीने के बाद जूठन साफ करने को भी तैयार रहना होगा।
Eng. tr. If you drink porridge, be ready to wash the utensils also.

मलयाळम् तिन्न उप्पिनु कूरु वेणम्.
हिन्दी अनु. जिस का नमक खाया, उस का गुन गाया।
Eng. tr. You must praise him whose salt you eat.

६६

जिस के सिर पर पड़ती है, वही जानता है।

आशय

जिस पर आ बीतती है, जिस को भुगतना पड़ता है, वह ही उस वेदना को, दुख को ठीक प्रकार से जानता है। बाकी के लोग उस दुख को क्या जाने?

Subject

The intensity of suffering is known only to the one who suffers. Others don't understand it.

हिन्दी जाके पाँव न फटे बिवाई सो क्या जाने पीर पराई।

Eng. tr. One who himself doesn't suffer from chilblain, does not imagine the pangs of others.

जानऽलन निहाई जब ऊपर से परला घन। (शाहा.)
(निहाई को ही मालूम घन की चोट कैसी होती है।)

Eng. tr. Only the anvil knows the stroke of the hammer.

जानेली चिलम जिन का पर चढेला अंगारी।

Eng. tr. The pipe knows what it is to bear the fire.

जिस के सिरपर पड़ती है, वोही जानता है।

Eng. tr. He knows who feels.

जिस तन लागे, वोही जाने।

Eng. tr. Who feels, knows.

जो पिआझ काटेगा, सो आप रोवेगा।

Eng. tr. Who cuts onion shall shed tears. (Allusion to the pungent juice of the onion bringing tears to the eyes.)

पराथी गांड में मूसळ देवै जरां सूई सो लागै। (राज.)
(परायी गांड़ में मूसल देता है तो सूई सा लगता है।)

Eng. tr. When he shoves the pestle in another's anus, he thinks it is like a needle.

ENGLISH
(1) No one ever cried but for something that pinched himself.
(2) He preacheth patience that never knew pain.
(3) None knows the weight of another's burden.
(4) He jests at scars that never felt a wound.
(5) It is the wearer who knows where the shoe pinches.

उर्दू घायल की गत घायल ही जाने।

Eng. tr. The condition of the one who is hurt is known only to his own kind.

जिस तन लगे वही तन जाने।

Eng. tr. One who gets hurt knows the pain.

मोजे का घाव, मियाँ जाने या पाँव।

Eng. tr. The foot or the owner of the foot knows where the shoe rubs.

मोजे का घाव रानी जाने या राव।

Eng. tr. The pinch of the shoe is known to the King or to the Queen.

पंजाबी जिस तन लगे सो तन जाणे।

हिन्दी अनु. जिस तन लागे सो तन जाने।

Eng. tr. Only the afflicted person knows the pain.

जिस तन लग्गे सो तन जाणे, कोण जाणे पीड़ पराई।

हिन्दी अनु. जिस तन को लागे सो तन जाने, और कौन जाने पीड़ पराई।

Eng. tr. Only one who is hurt knows the pangs, who else can know the pangs of others !

कश्मीरी गांठ् क्याह् ज़ानि बचि दोद तॅ हांठ् क्याह् ज़ानि पोत्रॅ दोद्।

हिन्दी अनु. चील क्या जाने शावक का दुःख? वन्ध्या क्या जाने पुत्र (प्रसूति) का दुःख !

Eng. tr. What does a kite know of the pain of young ones (his prey) ? What does a barren woman know the pain of the child-birth-pangs of maternity ?

बुम्सिनॅय् ज़ानि सतॅ तुति सॅन्ज़ दिग्।

हिन्दी अनु. केंचुआ ही हुदहुद की चोंच से काटे जाने की पीड़ा जानता है।

Eng. tr. Only the earthworm knows the bite of a lapwing.

मस् प्यव् मस् बानि यस् प्यव् सुय् ज़ानि।

हिन्दी अनु. कलाल की शराब गिरी, जिस की गिरी वही जाने।

Eng. tr. A wine-seller spilt wine, he alone knows who lost it. (Wine has fallen into the wine-vessel, that vessel knows (its strength, smell etc.) into which it has fallen — Knowles.)

सिंधी जांहिं तन लगे, सो तन जाने।

हिन्दी अनु. जिस तन लागे वो तन जाने।

Eng. tr. The body that suffers, knows.

जिते बाहि ब॒रे उते जाइ जले, पाड़ेवार नि कहिड़ो सेकु?

हिन्दी अनु. जहाँ आग लगे वहाँ मकान जले, पड़ोसियों को इस का क्या दुख होगा?

Eng. tr. Where there is fire, the house burns; what burns does the neighbour bear ?

जिते बाहि बरे उते सेकु अचे ।
हिन्दी अनु. जहाँ आग लगे वहाँ जलन हो । (औरों को क्या मालूम ?)
Eng. tr. The heat is felt where the fire burns.

मराठी अळवाची खाज़ अळवास ठाऊक.
हिन्दी अनु. अरवी की खुजली अरवी जाने ।
Eng. tr. Only the arum knows the itch of the arum.

खाई त्याला खवखवे.
हिन्दी अनु. जो खाएगा उस के गले में खुजली आएगी ।
Eng. tr. He who eats gets an itching sensation in the throat.

घरातला तिडा आणि ज़ोड्यातला खडा दुसऱ्यास समजत नाही.
हिन्दी अनु. घर का झंझट और जूते का कंकड़, दूसरा नहीं जानता ।
Eng. tr. The quarrels inside a house and a pebble inside a shoe is not understood by an outsider.

ज्याचा भार, त्याला ज़ोज़ार.
हिन्दी अनु. जिस पर (कार्य का) भार (दायित्व), उसी पर कष्टों (दुःखों) की बौछार ।
Eng. tr. One who has a load feels the burden.

ज्याचे असेल मढे त्याला येईल रडे.
हिन्दी अनु. जिस के सगे का मुर्दा होगा, वह रोवेगा ।
Eng. tr. He will cry who has a relative lying dead.

ज्याचे ज़ळे त्याला कळे.
हिन्दी अनु. जो जले सो जाने ।
Eng. tr. He who gets burnt, alone knows the pain.

ज्याचे पोट दुखेल तो ओवा मागेल.
हिन्दी अनु. जिस के पेट में दर्द होगा वह दवा (अजवायन) माँगेगा ।
Eng. tr. One who has a stomach-ache will ask for parsley (antidote against stomach-ache).

दळे तिला कळे, फुकटी गोंडा घोळे.
हिन्दी अनु. पीसे सो जाने, मुफ्त में खाए सो क्या जाने ?
(जो पीसती है वही कष्टों को समजती है, मुफ्त में खानेवाली क्या जाने ?)
Eng. tr. One who grinds the corn understands (the difficulties of that job), and the idler merely struts about (ignorant of those difficulties).

गुजराती जेनां पेटमां चमटो तुटे ते जाणे.
हिन्दी अनु. जिस के पेट में चिमटा टूटे (दर्द हो) वही जाने ।
Eng. tr. One whose stomach pinches knows (what pain it is).

जेनी ऊपर पडे ते जाणे.
हिन्दी अनु. जिस पर बीतती है वही जानता है ।

Eng. tr. One who suffers a misfortune (calamity), alone realises (what it is).

जेने माथे पडे ते जाणे.

हिन्दी अनु. जिस के सिर पड़े (बीते) वही जानता है।

Eng. tr. He who has to shoulder responsibility, alone knows (what it is).

दाझे ते बराडे.

हिन्दी अनु. जले वही चिल्लाये।

Eng. tr. He screams loudly, who is burnt.

दुख तेने वेण.

हिन्दी अनु. प्रसवकालीन दुख अनुभवी ही जान सकती है।

Eng tr. Labour-pain to one who has the pangs of birth (delivery).

पेट नी आग पेट जाणे.

हिन्दी अनु. पेट की अग्नि पेट जाने।

Eng. tr. The fire within the stomach is known only to the stomach.

पेटमां दुखे ते अजमो फाके.

हिन्दी अनु. जिस के पेट में दर्द वह अजवाइन फाँकता है।

Eng. tr. One who has stomach-ache swallows parsley (antidote against stomach-ache).

वाङ्ला उपर थेके पड़े गेल, जन पाँच-सात,
या'र येखाने मर्मव्यथा, तार सेखाने हात।

हिन्दी अनु. ऊपर से गिरे जन पाँच-सात, जिस के जहाँ व्यथा वहीं उस का हाथ।

Eng. tr. Some people fell down from high, each one placed his hand on the limb which he thought most vulnerable.

कत दुःखेर नीलमणि, जाने तो दिदि रोहिणी।

हिन्दी अनु. नीलमणी (कृष्ण) कितने दुखों और कष्टों की देन है यह तो सिर्फ देवकी ही बतला सकती है।

Eng. tr. Only the real mother of Neelmani (Krishna), i.e. Rohini, knows the pains of bringing him up. (Suffered by Yashoda who actually brought him up.)

देदोय जाने देदोर मर्म।

हिन्दी अनु. दाद का रोगी ही दाद की तकलीफ समझ सकता है।

Eng. tr. Only a person suffering from ringworm would know the pain of another sufferer.

यार (जार) ज्वाला सेइ जाने।

हिन्दी अनु. जिस का दर्द वही जाने।

Eng. tr. He alone knows the pains, who suffers.

यार (जार) माथा भांगे सेइ चुन खोंजे ।
हिन्दी अनु. जिस का सर फूटे, वही चूना ढूँढे ।
Eng. tr. He whose head is injured, would search for the lime.

लोहा जाने आर कामार जाने ।
हिन्दी अनु. लोहा जाने और लुहार जाने ।
Eng. tr. Iron knows and ironsmith knows (the hardness of the task).

असमीया पोवतीये हे जाने, पोवाली पाओते किमान दुख ।
हिन्दी अनु. प्रसूता ही जाने पुत्र पाने में क्या कष्ट हैं ।
Eng. tr. Only a woman who has delivered a child knows the pangs of a child-birth.

यार (जार) बुढ़ी गाइ खालत परे, सियेहे तार नेजत धरे ।
हिन्दी अनु. जिस की बूढ़ी गाय कीचड़ में फँसे, वही उस की पूँछ पकड़े ।
Eng. tr. He whose old cow will get into a ditch, will catch hold of its tail.

लुइते हे जाने ब'ठा किमानलै बहे ।
हिन्दी अनु. ब्रह्मपुत्र ही जाने डाँड कहाँ तक जाता है । (गहराइ में ।)
Eng. tr. The river Lohit knows how deep the oar sinks.

ओड़िआ घोडार चाबुक माड घोडा जाणे.
हिन्दी अनु. घोड़ा ही चाबुक की मार जाने ।
Eng. tr. The horse alone knows the beating of a horse-whip.

हडा वेदना कुआ न जाणे, ठकठक करि ठेंगुरे हाणे ।
हिन्दी अनु. बूढ़े बैल की वेदना कौआ न जाने, ठकठक कर चोंच मारे ।
Eng. tr. The crow does not realise the misery of the old bullock, but pecks continuously at its thigh bones.

तमिळ इरैच्चि तिन्किर्वर् कडुप्पुक्कु मरुंदु अरि्वार् .
हिन्दी अनु. मांस भोजी जानता है दांत-दर्द की दवा ।
Eng. tr. They who live on meat are acquainted with the medicine on tooth-ache.

उप्पुत् तिनर्वन् तण्णीरैक् कुडिप्पान्.
हिन्दी अनु. नमक खानेवाला पानी पिएगा ।
Eng. tr. He who has eaten salt will drink water.

अेरुदु नोय् काक्कैक्कु तेरियुमा ?
हिन्दी अनु. बैल की बीमारी कौए को क्या मालूम ?
Eng. tr. Is the crow aware of the pain (at occasions when picking the sore) of an ox ?

	कावडिप् बारम् सुमक्किरवनुक्कुत् तेरियुम्.
हिन्दी अनु.	कावडी का भार ढोनेवाला ही जाने।
Eng. tr.	The weight of the burden is felt by the bearer of 'kawadi.'.
	तलै इडियुम् कायच्चलुम् तनक्कु वंदाल् तेरियुम्.
हिन्दी अनु.	सिर दर्द और ज्वर की वेदना सहने पर ही मालूम होती है।
Eng. tr.	When overcome by them, one learns what head-ache and fever are.
	दिनवु अेडुत्तवन् शोरिंदु कोळ्ळवेण्डुम्.
पाठभेद	तिनवेडुत्तवन् सोरिन्दु कोळ्वान्.
हिन्दी अनु.	जिस को खुजली हुई है वह जरूर खुजलाएगा।
Eng. tr.	He whose skin itches will scratch.
	नोयाळिक्कुत् तेरियुम् नोयिन् वरुत्तम्.
हिन्दी अनु.	बीमार व्यक्ति जाने बीमारी का कष्ट।
Eng. tr.	The sick person knows the intensity of his suffering.
	पिळ्ळैवरुत्तम् पेट्रवळुक्कुत् तेरियुम् मट्रवळुक्कुत् तेरियुमा ?
हिन्दी अनु.	बच्चे का कष्ट बच्चे की मां जाने, और कोई क्या जाने ?
Eng. tr.	A mother knows the pain of travail, can it be known to others ?
	मलडिक्कुत् तेरियुमा पिळ्ळैयैप् पेट्र अरुमै ?
हिन्दी अनु.	वन्ध्या क्या जाने प्रसव पीड़ा ?
Eng. tr.	Does the barren woman understand the pains of parturition ?
	मुट्टै चिडुकिर कोलिक्कु वरुत्तम् तेरियुम्.
हिन्दी अनु.	अंडा देनेवाली मुर्गी जाने उस का कष्ट।
Eng. tr.	The hen, laying eggs, alone knows her pangs.
	मुलैक् कुत्तुच् शवलैप् पिळ्ळैक्कुत् तेरियुमा ?
हिन्दी अनु.	दाई की कुच-पीडा दूध पीनेवाला बच्चा क्या जाने ?
Eng. tr.	Is the pain in the breast of the nurse known to the suckling ?
तेलुगु	उप्पु तिन्नवाडु नीळ्ळु त्रागुताडु.
हिन्दी अनु.	जो नमक खाएगा, वह पानी मांगेगा।
Eng. tr.	He who eats salt, will ask for water.
	दुरद-चेसिनवाडु गोकु कोनड ?
हिन्दी अनु.	जिस को खुजली आवे वह क्या खुजलाएगा नहीं ?
Eng. tr.	Will he not scratch who has an itching sensation ?
	पेने मेरुगुनु पेडतल कंडूति.
हिन्दी अनु.	जूँ नहीं जानती सिर की खाज।
Eng. tr.	A louse does not feel the itch of the head.

मोसेवानिकि तेलुसुनु कावडि बरुवु.
हिन्दी अनु. ढोनेवाला ही जाने कावड़ी का बोझ।
Eng. tr. He who carries the 'kavadi' knows its weight.

कन्नड उप्पु तिन्दव नीरु कुडियुत्ताने.
हिन्दी अनु. नमक खाएगा सो पानी पिएगा ही।
Eng. tr. He who eats salt, drinks water.

तिमिरु बंदोनु तुरिसुत्ताने.
पाठभेद तिण्डि इद्दाग तुरिसुको.
हिन्दी अनु. जिसे खुजली हो वह खुजलाएगा]
Eng. tr. He who has the itch, scratches.

मलयाळम् उप्पु तिन्नवन् वेळ्ळं कुटिय्क्कुम.
हिन्दी अनु. नमक खाएगा तो पानी पिएगा।
Eng. tr. One who has taken in salt, is sure to drink water.

चुमक्कुन्नवने चुमटिन्टे भारमरि्यू.
हिन्दी अनु. ढोनेवाला ही बोझ जाने।
Eng. tr. One who carries only knows the real weight.

नथिच्चवने नष्टमरि्यू.
हिन्दी अनु. जिम्मेदार ही जाने हानि की मात्रा।
Eng. tr. He who takes the responsibility will know the extent of loss.

नोत्तवने नोवरि्यू.
हिन्दी अनु. पीड़ित ही पीड़ा जाने।
Eng. tr. The sufferer alone knows the pain.

पेट्टवळ्क्करि्यां प्रसववेदना.
हिन्दी अनु. प्रसूत स्त्री ही प्रसव-पीड़ा जानती है।
Eng. tr. Only a woman who has delivered knows the pangs of maternity.

संस्कृत परदुःखेनापि दुःखिता विरलाः।
हिन्दी अनु. दुसरों के दुःख से दुःखी होनेवाला मनुष्य दुर्लभ ही है।
Eng. tr. Few and far between are those pained with the sorrows of others.

विद्वानेव विजानाति विद्वज्जनपरिश्रमम्।
नहि वन्ध्या विजानाति गुर्वीं प्रसववेदनाम्॥
हिन्दी अनु. विद्वत्ता प्राप्त करने के लिए कितने कठिन से कठिन परिश्रम करने पड़ते हैं उसे विद्वान ही जानते हैं। जैसे, वन्ध्या नारी प्रसव-वेदना नहीं जान सकती।
Eng. tr. A scholar alone is able to realise the hardships put up by a scholar: as a barren lady cannot understand the deep pangs of delivery.

६७

जीते न पूछे, मुए धड़धड़ पीटे।

आशय

आवश्यकता होती है तब कुछ नहीं देना और बाद में बहुत कुछ देने से क्या लाभ? आदमी के जीवित रहते हुए उस की कोई सहायता नहीं करता और मरने के बाद उस के नाम धरमशालाएँ बाँधना या सहस्सर भोजन देना इस व्यवहार को क्या कहा जाय? प्रेम के इस दांभिक प्रदर्शन की कड़ी आलोचना निम्नलिखित कहावतों में की गई है। मराठी की यह कहावत बड़ी अन्वर्थक है— "खर्च नहीं किया कौड़ी का, लाश पर बौछार रेवडी की।"

Subject

The following proverbs tell us of the futility of a helping hand given after one's need is over. When no one cares for us while we are in need but piles it after it is over, these proverbs are used. The Marathi proverb says—"He didn't spend a kowri when the other was alive, but now floods his corpse with sweets."

हिन्दी जियत न देहीं कौरा, मरे उठै हों चौरा। (अवधी)
(कपूत जीते जी बाप को टुकड़ा तक नहीं देता, पर उस के मरने पर उस के नाम चबूतरा बनवाता है।)

Eng. tr. Never gave a handful (morsel) to the father when he was alive; after his death erects a memorial in his name.

जियत पिता से दंगम दंगा, मरे पिता पहुँचावहिं गंगा।

Eng. tr. So long as his father was alive, he fought with him; but after his death, took him to the holy Ganga (to perform cremation ceremony).

जियत पिता से पूछें न बात, मरे पिता को दूध औ भात।

Eng, tr. Never inquired of his father when the father was alive, but after his death, offered him milk and rice.

जीते न पूछे, मुए धड़ धड़ पीटे।

Eng. tr. Alive, they cared not for him; dead, they mourn him bitterly.

जीवे न माने पितर, मुए करे सिराध।

Eng. tr. He disregarded his father whilst alive, and mourns for him when dead.

पंजाबी जीन्देनूं डांगा मोएदीआं बांगा।

हिन्दी अनु. जीते जी डंडे से मारे, मरने पर पूजा करे।

Eng. tr. When living, he is struck with a rod; when dead, he is eulogized.

कश्मीरी क्रेयि खोतुं इन्साफ ।
हिन्दी अनु. उत्तरक्रिया की अपेक्षा न्याय देना अच्छा ।
Eng. tr. (It is better to) do justice rather than observe rites after death.

ज़िन्दं नुं सूर् नुं सास् तुं मरिथ् अतलास् ।
हिन्दी अनु. जीवित थे तब राख तक नहीं दी, परन्तु मरने पर ज़री की चादर (मृत देह पर बिछायी)।
Eng. tr. While alive, not even dust or ashes, but after the death satin (to cover the dead body).

मरिथ् बतुं मेचन टेकि ।
हिन्दी अनु. मरने के बाद पिण्डों पर तिलक/टीके।
Eng. tr. Sandal marks to the rice balls after the death.

मूडिस् नाबद् सुद क्याह ?
हिन्दी अनु. मुड़दे को शकर देने से क्या (लाभ)?
Eng. tr. What is the good of giving sugar to a dead?

सिंधी जीअरे ड्डिठा न सठा, मुए दब्र दब्र पिट्टया ।
हिन्दी अनु. जब वह जीवित था, तो उस का देखना भी सहन नहीं होता था, अब उस के मरने पर ज़ार ज़ार रोया जाता है ।
Eng. tr. When he was alive, he could not stand his sight; now that he is dead, he weeps bitterly for him.

मराठी खर्च केला नाही कवडीचा आणि प्रेतावर पूर रेवडीचा.
हिन्दी अनु. खर्च नहीं किया कौड़ी का और लाश पर बौछार रेवडियों की ।
Eng. tr. Hasn't spent a kowri for the live man, but floods his corpse with sweets.

जगा तुझी सारी तऱ्हा सदा उफराटी. एक तरी बागेतील, फूल कौतुके देशील, बागविली आशा फोल, त्याच पुष्पराशी माझ्या फुले मात्र ताटी. — यशवंत.
हिन्दी अनु. ऐ दुनिया, तेरी रीत सदा उल्टी रही। मै ने आशा की कि मुझे एक तो भी फूल प्यार से तुम देओगी, किन्तु मुझे कुछ न मिला। मेरी मृत्यू के बाद मेरी अर्थी फूलों से सजी हुई थी।
Eng. tr. One never knows the ways of this world. I had hoped to get atleast one flower from its garden, but in vain! Now flowers are heaped on my coffin.

जित्या नाही गोडी आणि मेल्या बंधने तोडी.
हिन्दी अनु. जीवित थे तब उन से एक न बनी, मरने पर चूड़ी और मंगलसूत्र तोड़ती है ।
Eng. tr. While he was alive, she was not affectionate; now that he is dead, she breaks her necklaces and bangles.

जित्या हुळहुळे आणि मेल्या कानवले.
हिन्दी अनु. जीते जी होले और मरने के बाद रसगुल्ले।
Eng. tr. Nothing to eat for a live man, but (given) sweets in his memory when dead.

जितेपणी देईना पाणी, मग बसला तर्पणी.
हिन्दी अनु. जीते जी पानी भी नहीं दिया, मरने के बाद तर्पण करने गया।
Eng. tr. Does not give his parents any water (to drink) when alive, but offers oblation after their deaths. (Referred to a showy person.)

सजीव तोवरी लत्ता देती, मरता घेती खांद्यावरती, उरफाटा सन्मान. — गोविंदाग्रज
हिन्दी अनु. जब जिन्दा थे, तब लातें मिली, मरने पर कंधे मिले।
Eng. tr. So long as I lived, I was kicked; after death (my corpse) was taken on shoulders (for cremation).

गुजराती छाजिया लेवा सौ आवे, पण ओडे हाथ देवा कोई न आवे.
हिन्दी अनु. मरने पर रोने सब आवे, पर जीते समय मदद कोई न करे।
Eng. tr. All would come to mourn and beat the breast (after death), but none would lend a helping hand (dnring life-time).

जीवतां कोईए जाण्या नहीं, मूआ पछी धडापीट.
हिन्दी अनु. जिन्दा थे तो किसी ने न जाना-पहचाना, मौत के बाद अफसोस का शोरगुल।
Eng. tr. None recognised him during life-time, and after death, continuous beating of the breasts in mourning.

जीवतां जीवत न जोयुं, मूआ पछी (धडाधड) छाजियानो शोर.
हिन्दी अनु. जीवित था तब कभी न मिले, मरने के बाद जोर शोर से छाती पीटे।
Eng. tr. Did not see him during his life-time, but after death, noisy beating of the breast in mourning.

जीवतां पूमडुं पाणी नहीं, ने मूए मसाणमां गाय.
हिन्दी अनु. जिंदा थे तो चुल्लू भर पानी नसीब नहीं, मरने पर मसान में गाय (दान देते हैं)।
Eng. tr. Not a drop of water during life; and after death, mourning songs in the cemetary (or after death, a cow donated in the cemetary.)

बाङ्ला तर्पणेइ गंगा शुखाय, आबार जलछत्र दिते बसेछे।
हिन्दी अनु. तर्पण करने में गंगा सुखाई, अब लगा बैठे प्याऊ।
Eng. tr. He exhausts the waters of the Ganga while offering ablutions to the forefathers (actually he does not do anything), and now he wants to run a charitable water-service for the passerby.

बाँचते पाय ना भात-कापड़, मरले हबे दानसागर।
हिन्दी अनु. जीवित माँ-बाप को खाना-कपड़ा नहीं, मरने पर अब दानधर्म कर रहा है।

Eng. tr. While living, the parents were hard pressed for food and clothing (the son never cared for them), but now after their death, he is the most generous scion (who dutifully celebrates their death anniversaries with great tom-toming).

असमीया जीयातनिदिये दहि कुटि, दानत दिब छिरि भाङ्गुठि।
हिन्दी अनु. जीवित थे तब (उन को) धागे का टुकड़ा तक न दिया, मरने के बाद श्री अंगुठी (श्राद्ध के दिन)।
Eng. tr. He would not give a bare thread while alive, but would give a bird-designed ring after death in the last rite.

जीबन्ते न करिले दया, मरिले कि करिब गंगा गया।
हिन्दी अनु. जीवित रहते न की दया, मरने पर क्या गंगा क्या गया ?
Eng. tr. He was never charitable when alive, what's the use of taking his ashes to Ganga or Gaya ?

तमिऴ उयिरोडु तिरुंबिप् पारादवर् शेत्ताल् मुत्तम् कोडुप्पारा ?
हिन्दी अनु. जिन्दा रहते समय मुड़ कर नहीं देखा, तो मरने पर चूमेंगे क्या ?
Eng. tr. Will he, who would not turn to look at me when alive, kiss me when dead ?

उयिरोडु ओरु मुत्तम् तरादवळ् शेत्ताल् उडनूकट्टै ॲरुवाळा ?
हिन्दी अनु. जीते जी जिस ने चुंबन तक नहीं दिया, वह क्या मरने पर सती होगी ?
Eng. tr. Will she, who would not kiss me when alive, ascend my funeral pyre when I am dead ?

नाट् शेनर् कोडै नडैकूलि आगुम्.
हिन्दी अनु. समय पर न दिया इनाम, इनाम लाने के लिये चलने की मजूरी मात्र है।
Eng. tr. A delayed gift becomes the hire for walking to receive it.

वालिपत्तिल् इल्लाद मँगैयै वयदु सेन्डूपिन् ॲन्न सेय्क्किरदु.
हिन्दी अनु. जवानी में काम न आयी लड़की का बुढ़ापे में क्या उपयोग ?
Eng. tr. What is the use of a damsel in oldage, when she was not available in youth ?

तेलुगु तल्लिकि तिंडि पेट्टक, तगलेसि तद्दिनं पेट्टाडु.
हिन्दी अनु. जीते जी माँ को पेट भर न खिलाया, जलाकर श्राद्ध दिन मनाया।
Eng. tr. Never fed his mother while she lived, but celebrated her anniversary with a bang.

कन्नड इद्दाग अय्यो अन्नलिल्ल, सत्ताग बिदुबिदु बडकोंडरु.
हिन्दी अनु. जिंदा रहते (सहानुभूति से) हाय भी न बोले, मरने पर घुनघुन कर रोवे।
Eng. tr. No sympathies when alive, alter the death, sobs profusely.

६८

जैसा देवता, वैसी पूजा ।

आशय

व्यक्ति की योग्यता के अनुसार उसे उपहार मिलेंगे, या गालियाँ मिलेंगी। देवता की जैसी योग्यता होगी उसी प्रकार की सामग्री पूजा के लिये एकत्रित होगी। जैसा समय होगा उसी प्रकार का व्यवहार होगा। राजा के ब्याह में मोतियों के हार बँटेंगे और हिन्दी कहावत के अनुसार— "गुडिया के ब्याह में चियों की बेल" होगी और तमिळ कहावत के अनुसार— "मिट्टी के दामाद के लिये उपले पकवान."

Subject

People treat us in accordance with our virtues and qualities. For instance the Hindi proverb — "Tamarind seeds are given for gifts at a doll's marriage" or the Tamil proverb — "Dried cow-dung is the proper form of wedding cake when the bride-groom is made of clay".

हिन्दी ईंट की देवी, झामे का परसाद।

Eng. tr. A Goddess of brick and brick-dust for offerings

गुड़िया के ब्याह में चियों की बेल। (स्त्री.)

Eng. tr. At a doll's marriage the gifts are tamarind seeds. (Said of the very poor.)

जैसा देवता, वैसी पूजा।

Eng. tr. As the God, so the worship.

जैसे साजन आए, वैसा बिछौना बिछाए।

Eng. tr. As the guest, so the seat / (so the bed).

नकटा देव सुरड़ा पुजारी। (राज.)
(नकटे देवता,परम नकटा पुजारी।)

Eng. tr. The snub-nosed God has an extra-snub-nosed priest.

नष्ट देवरी भ्रष्ट पूजा। (राज.)
(खराब देवता की खराब पूजा।)

Eng. tr. A bad God is worshipped badly.

मुँह देख के बीड़ा और चूतड़ देख के पीढ़ा।

Eng. tr. Look at the face and offer betel-leaf, look at the buttocks and offer a seat. (Be civil when you see a man, and be friendly when you know him.)

लतहस देवता के भरभट पूजा। (चंपा.)
(लात खानेवाले देवता की पूजा भी भ्रष्ट चढ़ाई जाती है।)

पाठभेद लात के देवता बात से ना बुझसु। (शाहा., चंपा, मुं.)
(लात खानेवाला देवता बातचीत से वश में नहीं आता।)

Eng. tr. The God of kicks (that gets kicked) needs to be worshipped with kicks.

लाकड़ाँरे खूँसड़ैरी पूजा। (राज.)
(लकड़ी के देवता को जूतों की पूजा।)

Eng. tr. The God of wood is worshipped with shoes.

लाताँरो देव बातांसूँ थोड़ो ही मानै ? (राज.)
(लातों का देव बातों से थोड़े ही मानता है ?)

Eng. tr. The God of kicks will not listen to mere talk.

लातों का देव बातों से नहीं मानता।

Eng. tr. A devil only fit for kicks, won't heed words. (Bad men must be beaten.)

लातों के देव / बुत बातों से नहीं मानते।
(दुष्ट आदमी बातों से सीधा नहीं होता।)

Eng. tr. God / a devil fit for kicks, dosen't heed words.

ENGLISH 1. Desperate cuts must have desperate cures.
2. Like saint, like offering.

उर्दू गुड़िया के बियाह में चीतों की बेल।

Eng. tr. In a doll's wedding decorations are made with creepers.

लातों का भूत बातों से नहीं मानता।

Eng. tr. The mean ones who are used to kicks, will not listen to mere words.

कश्मीरी कोबिस् लथ् दवा।

हिन्दी अनु. कुबड़े को लात औषध।

Eng. tr. A kick is the medicine for a hunch-back.

नगारस् चंड् तुँ स्वरँनयि फ्वख्।

हिन्दी अनु. ढोल को थप्पड़ और शहनाई को फूंक।

Eng. tr. A slap at the drum, and a puff to a pipe.

मारिमाज़स् वातल् वाज़ुँ।

हिन्दी अनु. सड़े मांस के लिए मेहतर रसोइया।

Eng. tr. A scavenger cook for the rotten meat.

हल्यन् बानन् वुकुँरि ठान् हिह्यन् हिह् समखान।

हिन्दी अनु. टेढ़े बरतनों के टेढ़े ढक्कन, समान को समान मिलता है।

Eng. tr. Crooked pots have crooked lids; like men for like men.

हूनि माज़स् वातल् वाज़ुँ।

हिन्दी अनु. कुत्ते का माँस (पकाने के लिए) भंगी ही रसोइया।

Eng. tr. The sweeper is the cook for (cooking) dog's flesh.

सिंधी छिते कुते जी दवा सितरु।

हिन्दी अनु. पागल कुत्ते के काटने पर उस का इलाज है कि कटी हुई जगह पर मिट्टी का ढेला मारा जाय।

Eng. tr. The remedy for a bite of a mad dog is to hit that place with a lump of earth.

जहिड़ा रूह तहिड़ा खत्मा।

हिन्दी अनु. जैसी रूहें, वैसे ख़त्में।

Eng. tr. As are the souls, so are the prayers.

जहिड़ो बूथु तहिड़ी चमाट।

हिन्दी अनु. जैसा मुँह, वैसा चाटा।

Eng. tr. As the face, so the slap.

जहिड़ो मुंहुं तहिड़ो मोचिड़ो।

हिन्दी अनु. जैसा मुँह, वैसा जूता।

Eng. tr. As the words, so the shoes/blows.

मराठी चांभाराच्या देवाला खेटराची पूजा.

हिन्दी अनु. (अ) चमारों के भगवान को जूतों की पूजा।
(आ) चमारों के देवता की जूतों से पूजा।

Eng. tr. A shoemakers' God gets an offering of shoes.

द्रेणे तसे घेणे, देव तसे धुपाटणे.

हिन्दी अनु. जैसा देना वैसा लेना, देवता के समान धूपदान।

Eng. tr. As one gives so one receives; the kind of the incense pan (for the prayer of God) depends on God himself.

देव तसे धुपाटणे, न्हावी तसे थापटणे.

हिन्दी अनु. जैसा भगवान वैसा पूजा का सामान, जैसा हज्जाम वैसा ही उस का काम।

Eng. tr. As the God so the incense pan, as the barber so his job.

महारांचे देवास फटकुरांची पूजा.

हिन्दी अनु. महारों (भंगियों) की देवता को चीथड़ों की पूजा।
(महार – महाराष्ट्र की एक अस्पृश्य जाति।)

Eng. tr. The God of a low-born is worshipped with rags.

मुख पाहून मुशाहिरा आणि घोडा पाहून खरारा.

हिन्दी अनु. मुँह देख कर मुशाहरा और घोड़ा देख कर खरहरा।

Eng. tr. A gift in accordance with the face (that inspires it) and a curry-comb in accordance with the horse.

लंड देवा, भंड पूजा. (गो.)

हिन्दी अनु. लंड देवता को भंड पूजा । (भंडना – तोड़ना, फोड़ना, हानि पहुँचाना ।)

Eng. tr. The penis-god must get a thrashing worship.

शेणाची सटवाई आघाड्याची काडवात.

हिन्दी अनु. गोबर की देवी को चिचड़े की बत्ती ।

Eng. tr. For the Goddess Satvai of dung, the wicks are of straw.

गुजराती कपाळ प्रमाणे टीलुं.

हिन्दी अनु. मस्तक के अनुसार तिलक (प्रमाण में) होना चाहिये ।

Eng. tr. 'Tilak' (to suit) according to the forehead.

गाम तेवा गोत्रज, ने देव तेवी पूजा.

हिन्दी अनु. जैसा गाँव वैसे लोग, जैसा देवता वैसी पूजा ।

Eng. tr. As is the village, so are its citizens; as is the God, so is the worship.

(गोत्रज — Born in the same family; kith and kin.)

चिथर्या देवने धूळनुं नवेद.

हिन्दी अनु. चिथड़ों के देव और धूल का नैवेद्य ।

Eng. tr. A God in rags has the offerings of dust.

छाणनां देवने कपास्यानी आँखो.

हिन्दी अनु. गोबर के देव को कपास की आँखें ।

Eng. tr. The God of dung (image of God made of cow-dung) has cotton seeds as eyes.

जेवो देव तेवी पात्री.

हिन्दी अनु. जैसे देव वैसे पत्र फूल आदि । (पूजा)

Eng. tr. As is the god, so is the offering of flowers.

थोरीआना देवने खासडानी पूजा.

हिन्दी अनु. थूहर के देवता को जूते की पूजा ।

Eng. tr. The God in cactus must be worshipped with shoes.

देखाळाना देवने खासडांनी पूजा.

हिन्दी अनु. रोड़े के देव को जूतों की पूजा ।

Eng. tr. Offering of shoes to a God of brickbats.

मों तेवी लपडाक, ने गाल तेवो तमाचो.

हिन्दी अनु. (जैसा) मुँह वैसी चपत और (जैसा) गाल वैसा तमाचा ।

Eng. tr. As is the face, so is the slap on the face, as is the cheek, so is the blow on the cheek.

मोचीना देवने खासडांनो हार.

हिन्दी अनु. चमार के देव को जूतों का हार ।

Eng. tr. A garland of shoes for the God of cobblers (shoemakers).

लाकडानां देवने खासडानी पूजा.

हिन्दी अनु. लकड़ी के देवता को जूतों की पूजा।

Eng. tr. A wooden God is worshipped with shoes.

बाङ्ला एइ बरतेर एइ कथा, घटे दाओ बेलपाता।

हिन्दी अनु. इस व्रत की यही बात, घट पर चढ़ाऊँ बेलपात।
(यह व्रत कलश पर बेल-पत्र चढ़ाने से ही पूरा हो जाता है।)

Eng. tr. This is the story behind this penance, now offer a 'Bel' leaf into this vessel. (For a small penance, the rites are also simple, and usually consist in simply offering a 'Bel' leaf to a vessel of water.)

देवता बुझे नैवेद्य।

हिन्दी अनु. (१) देवता देख कर नैवेद्य। (२) जैसा देवता, वैसा नैवेद्य।

Eng. tr. Offerings according to the grade or greatness of the deity.

येमन (जेमन) उनुनमुखो देवता तेमनि पाँशेर नैविद्यि।

हिन्दी अनु. जैसी चूल्हे सी मुखवाली देवी वैसा राख जैसा उस का नैवेद्य।

Eng. tr. Just as the Goddess has a face like burning coals, the offerings made to her are similarly ashes only.

लाथिर ढेंकि कि चड़े ओटे?

हिन्दी अनु. लात की ढेंकि क्या थप्पड़ से चलेगी?

Eng. tr. The husking pedal which requires a kick will not operate with a mere slap.

असमीया कुकुर इच्छाइ टाङ्गोन।

हिन्दी अनु. जैसा कुत्ता वैसी लाठी।

Eng. tr. Like dog like club.

नरीया चाइ परीया।

हिन्दी अनु. जैसी बीमारी वैसी देखभाल।

Eng. tr. Treatment according to the disease.

यि (जि) देवर यि (जि) पूजा।

हिन्दी अनु. जैसा देव, वैसी पूजा।

Eng. tr. Worship the God as it fits him.

लेरेला परा लरु, चेरेला परा गरु।

हिन्दी अनु. दुबली गाय को सूखे डंडे का अंकुश।

Eng. tr. A crinkled goading stick to a skinny cow.

हाँहो मरा शियालो खोरा।

हिन्दी अनु. हंस भी मुर्दा, सियार भी लंगड़ा।

Eng. tr. The duck is dead and the fox is lame. (A disable man must remain content with what he has.)

ओड़िआ झटा ढिलाकु चकि ढिला।
हिन्दी अनु. ढीले आटे को ढीली चकला (चक्की)।
Eng. tr. (a) The flour (wheat) is light and the grindstone loose. (When both empoyer and empioyee show slackness in work.)
(b) A loose grindstone for a lightly kneaded dough.

जेमिति ठाकुर सेमिति पूजा, बालिगरडाकु चाऊळ भज्ञा।
हिन्दी अनु. जैसा देव वैसी पूजा, शालिग्राम को भूना चावल।
Eng. tr. As the deity, so the offerings; roasted rice for Shaligram.

झाड़र देबताकु पत्रबाउड़ी पुजारी।
हिन्दी अनु. पेड़ों के देवता का पत्ते बेचनेवाला ही पुजारी। (जैसा देव, वैसी पूजा।)
Eng. tr. The leaf collector worshipper for the Tree-God.

बन दुरुगाकु बन माळती, धूप नाहीं दीप नाहीं तुच्छा आळति।
हिन्दी अनु. वन देवता के लिए वन मालती का फूल, धूप न दीप, केवल आरती। (लोग देख कर तदनुसार चर्चा करना.)
Eng. tr. For the Goddess of the forest only wild flowers; 'arti' without candles and incense.

माड़खिआ महादेब, माड़ खाइले बर देब।
हिन्दी अनु. मार खानेवाला महादेव, मार खा कर वर दे।
Eng. tr. Mahadev grants wishes only after being thrashed.

माडुआ ठाकुर कु कहुणिआ पुजारी।
हिन्दी अनु. जानलेवा देवता का मारपीटिया पुजारी।
Eng. tr. A jostling priest for a banging God

तमिळ अॆरुदिन् पुण्णिट्कुच् शांबल मरुंदु.
हिन्दी अनु. बैल के घाव के लिये राख औषधी है।
Eng. tr. Ashes are medicine for the sores of a bull.

मण्णांगट्टि माप्पिळ्ळैक्कु अॆरुमुट्टैप् पणिगारम्.
हिन्दी अनु. मिट्टी के ढेलेवाले दामाद के लिये उपलें पकवान।
Eng. tr. Dried cow-dung is the proper form of wedding cake when the bride-groom is made of clay.

वळियिले कण्ड कुदिरैक्कु वैक्कोर् पळुदै कडिवाळम्.
हिन्दी अनु. भटकनेवाले घोड़े के लिये सूखे घास की रस्सी ही लगाम।
Eng. tr. A straw rope is the bridle for a stray horse.

तेलुगु भाग भोगालु अंकम्मवि, पोलि केकलु पोलेरम्मवि.
हिन्दी अनु. भोग (खीर आदि का) अंकम्मा को मिले, गालियाँ पोलेरम्मा को।
Eng. tr. Ankamma receives all the devotional offerings, Poleramma, all the abuses. (Ankamma and Paleramma are two village

Goddesses. The one responds to worship, the other to abuse.)

कन्नु चूचि काटुक, पिर्र चूचि पीट.

हिन्दी अनु. आँख को देख काजल, गांड (नितंब) देख पीढ़ा।

Eng. tr. As much collyrium as the eye, as much seat as the buttocks.

कुक्क काटुकु चेप्पुदेब्ब मंदु.

हिन्दी अनु. कुत्ते के काटने पर जूतों के मार की दवा।

Eng. tr. For the bite of a dog, a slap with the slipper is the cure.

कुक्क श्राद्धानिकि पीति पिंडालु.

हिन्दी अनु. कुत्ते के श्राद्ध में मल के पिंड।

Eng. tr. Filthy offerings for a dog's death anniversary.

गाडिद पुण्डुकु बूडिद मन्दु.

हिन्दी अनु. गधे के फोड़े के लिए राख ही दवा।

Eng. tr. Ashes are the remedy for a donkey's ulcer.

चिक्कुल गुर्रानिकि कक्कुल कळ्ळेमु.

हिन्दी अनु. पेचीदे घोड़े को टाँकदार लगाम।

Eng. tr. A troublesome horse will have a prickly bit.

चेडिपोयिन ब्राह्मणुडिकि चच्चिपोयिन आवुदानम्.

हिन्दी अनु. बिगड़े (जातिबहिष्कृत) ब्राह्मण को मृत गाय का दान।

Eng. tr. (Offering) a dead cow to an outcast Brahmin.

तंटाल मारि गुर्रानिकि तातिपट्ट गोरपमु.

हिन्दी अनु. नटखट घोड़े के लिए ताड-पट्टी ही मालिश (मरम्मत) का साधन है।

Eng. tr. A piece from the palm's trunk is the comb for a troublesome horse. (It's quite rough.)

बसव देवुनिकि बडिते पूज.

हिन्दी अनु. वसव देव की लठ से पूजा।

Eng. tr. Basaveshwara needs worship with cudgel.

बेल्लपु पिळ्ळारिकि मुड्डि गिल्लि नैवेद्यम्.

हिन्दी अनु. गुड़ के गणेश को उसी की गांड खरोंच कर नैवेद्य।

Eng. tr. Offering to a God of jaggery is the scraping of its own buttocks.

लोटिपिट शूल रोकळ्ळ तो गानि पोदु.

हिन्दी अनु. ऊँट का दर्द मूसलों से (पीटने से) जाएगा।

Eng. tr. A camel's pain is not cured except with clubs.

कन्नड उद्दुरुटुतनक्के गुद्दे मद्दु.

हिन्दी अनु. उद्दंड की दवा घूँसा।

Eng. tr, Giving blows is the only treatment for arrogance.

कटपटि देवरिगे कायि बाळे हण्णु.

हिन्दी अनु. सतानेवाले भगवान को कच्चा केला।

Eng. tr. The unripe banana to a harassing God.

तब्बलि देवरिगे तंगळन्नद नैवेद्य.

हिन्दी अनु. अनाथ के भगवान को बासी भात का भोग।

Eng. tr. An offering of stale rice to the God of the destitutes.

तब्बलि देवरिगे तंबिट्टिन नैवेद्य.

हिन्दी अनु. अनाथ देवता को रुखी रोटी का नैवेद्य।

Eng. tr. A raw cake offered to an orphan God.

तुंट कुदुरेगे गंट्टु लगामु.

हिन्दी अनु. अडियल घोड़ा, लगाम कडा।

Eng. tr. Knotted reins for a naughty horse.

तुंडु देवरिगे पुंडु पुजारी.

हिन्दी अनु. टूटी मूर्ति का गुंडा (उपद्रवी) पुजारी।

Eng. tr. A rowdy priest for a broken idol.

मड्डु हलु गोड्डु ऎम्मेगे.

हिन्दी अनु. बाँझ भैंस के लिये खराब घास।

Eng. tr. Rough hay for the barren buffalo.

हळ्ळि देवरिगे कोळ्ळि दीप.

हिन्दी अनु. गाँव के देवता को लुआठ का दीया।

Eng. tr. The light of a burning stick (brand) to the village God.

मलयाळम् उरन्तपाम्पिनु परुत्त वटि.

हिन्दी अनु. क्रुद्ध साँप को खुरदुरी छडी।

Eng. tr. A rough stick for an angry serpent.

पोट्ट चक्किनु ञोण्टन् काळ.

हिन्दी अनु. टूटे कोल्हू को लंगड़ा बैल।

Eng. tr. For a broken oil-press, a lame ox.

पोरुक्का व्याधिय्क्कुं किट्टामरुन्नुं.

हिन्दी अनु. असाध्य रोग की अप्राप्य दवा।

Eng. tr. For an incurable disease, an unattainable medicine.

संस्कृत यथा यक्षस्तथा बलिः।

हिन्दी अनु. जैसा यक्ष वैसा भोग।

Eng. tr. As the deity so the offering.

यस्य देवस्य यद्रूपं तथा भूषणवाहनम्।

हिन्दी अनु. देव का जैसा रूप वैसे उस के आभूषण और वाहन।

Eng. tr. As is the form of a god, so should be expected the adornments and beast of conveyance suiting it.

६९

जईसन माई, ओइसन जाई ।

आशय

जो चीज़ जहाँ से पैदा होती है वहाँ के गुन अपने साथ ले आती है । हिन्दी कहावत – " जैसी माँ, वैसी बेटी –" इस बात की परिचायक है । आनुवंशिक गुणों का जो तत्त्व है, वह इन कहावतों में पर्याप्त मात्रा में दृगोच्चर होता है ।

Subject

These proverbs tell us that what one begets has the same qualities as oneself. The law of inheritance is profoundly eloquent in this set of proverbs through different images. The Hindi proverb – " As the mother, so the daughter –" is an example worth the name.

हिन्दी खेत गुन खेत गुन परि गेल बिया, जइसन मइया तइसन धिया ।
(खेत के समान फसल आवेगी और माँ के समान बेटी होगी ।)

Eng. tr. The harvest will be according to the field, and daughter like her mother.

घड़े सरीखी ठीकरी माँ सरीखी डीकरी । (राज.)
(घड़े जैसी ठिकरी, माँ जैसी कन्या ।)

Eng. tr. As the pot, so the potsherd; as the mother, so the daughter.

जइसन माई ओइसन जाई । (शाहा.)
(जैसी माँ वैसी संतान ।)

Eng. tr. Like mother, like children.

बावली खाट के बावले पाये, बावली रांड के बावले जाये ।

Eng. tr. A crooked bed has crooked feet, and a croocked woman has crooked children.

साँप का बच्चा सपोलिया ।

Eng. tr. The young one of a snake is a snakeling.
(सपोलिया is supposed to be worse for poison than old ones.)

हांडी जिसा ठीकरा, मा जिसा डीकरा । (राज.)
(जैसी हांडी वैसे उस के ठीकरे, जैसी माँ वैसी उस की संतान ।)

Eng. tr. As the pitcher, so the potsherd; as the mother, so her children.

ENGLISH 1. Like tree, like fruit.
2. She hath a mark after her mother.

3. Like mother, like daughter.
4. As the mine, so the soil.
5. Like father, like Son.

उर्दू जैसा बाप वैसा बेटा।
Eng. tr. As the father, so the son.

पंजाबी जेहा पिओ तेहा पुत्तर।
हिन्दी अनु. जैसा बाप, वैसा बेटा।
Eng. tr. As the father, so the son.

कश्मीरी अनहेत्यन् हुॅन्दि अनहेत्य् शुर्य्।
हिन्दी अनु. (१) अनहितुओं के अनहितैषी बच्चे।
(२) दुष्ट लोगों के दुष्ट बच्चे।
Eng. tr. Relentless children of the relentless parents.

दोरगि हुॅन्ज़ दोरगि लठ, यीच़ मांज़् तीच़ कूर्।
हिन्दी अनु. दुर्गा की पौरोवाली छड़ी, जितनी माँ उतनी लड़की।
Eng. tr. Durga's stick according to her height, and as the mother, so the daughter.

युथ व्वस्ताद तिथि चाठ् आसन्।
हिन्दी अनु. जैसा गुरु वैसे ही शिष्य होंगे।
Eng. tr. As (is) the teacher, so will be the pupils.

शाल्युन् ब्योल् छु ह्युहुय्।
हिन्दी अनु. (१) शाली का बीज शाली सा।
(२) शाली का बीज एक सा।
Eng. tr. Shali's seed is like shali.

सिंधी अठूअ जी आकह इ हिकिड़ी।
हिन्दी अनु. अठू की बिरादरी भी उस जैसी है।
Eng. tr. Athu's kinsmen are exactly like him.

चर्यनि जा ॿार बि खर्या।
हिन्दी अनु. जैसे पागल, वैसी उस की औलाद।
Eng. tr. Mad people have worthless children.

जहिड़ा कांग तहिड़ा ॿचा।
हिन्दी अनु. जैसे कौए, वैसी उस की औलाद।
Eng. tr. As is the crow, so are the young ones.

जहिड़ी ताजी तहिड़े पेटी, जहिड़ी माउ तहिड़ी ॿेटी।
हिन्दी अनु. जैसा ताना वैसा बाना; जैसी माँ वैसी बेटी।
Eng. tr. As the loom (for weaving), so the texture of cloth; as the mother, so the daughter.

जहिड़ी भिति, तहिड़ो चिटु।

हिन्दी अनु. जैसी दीवार, वैसा नक्श (चित्र)।
Eng. tr. As the wall, so the painting.

जहिड़ो वणु, तहिड़ो फरु।

हिन्दी अनु. जैसा वृक्ष वैसा फल।
Eng. tr. As the tree, so its fruit.

मराठी कुंभार तसा लोटा आणि बाप तसा बेटा.

हिन्दी अनु. कुम्हार जैसा लोटा और बाप जैसा बेटा।
Eng. tr. Like the potter like pot, and like father like son.

करट तसो पू. (गो.)

हिन्दी अनु. जैसा फोड़ा वैसी पीब (मवाद)।
Eng. tr. As the boil, so the pus.

खाण तशी माती.

हिन्दी अनु. जैसी खानि वैसी मिट्टी।
Eng. tr. As the mine, so the mud.

जसा बाप तसा लेक.

हिन्दी अनु. बाप जैसा बेटा।
Eng. tr. As the father, so the son.

बाप चोर, पोऱ्या हाताळ.

हिन्दी अनु. बाप चोर, बेटा उचक्का।
Eng. tr. The father is a thief, and the son a pilferer.

बाप तसा बेटा, कुंभार तसा लोटा.

हिन्दी अनु. बाप जैसा बेटा, कुम्हार जैसा लोटा।
Eng. tr. Like father like son, and like potter like pot.

माय तशी बेटी, गहू तशी रोटी.

हिन्दी अनु. जैसी माँ वैसी बेटी, गेहूं जैसी रोटी।
Eng. tr. Like mother, like daughter, and like wheat (flour) like bread.

गुजराती गांडानुं गोतर गांडुं.

हिन्दी अनु. पागल का गोत्र पागल।
Eng. tr. Madman's tribe is mad.

ठाम तेवी ठीकरी, ने मा तेवी दीकरी.

पाठभेद मा परमाणे दीकरी, ने घडा परमाणे ठीकरी.

हिन्दी अनु. जैसी मटकी वैसी ठीकरी, जैसी माँ वैसी बेटी।
Eng. tr. As the earthen vessels, so are their pieces, as is the mother, so is the daughter.

बाप तेवा बेटा, ने वड तेवा तेटा.
हिन्दी अनु. जैसा बाप वैसा बेटा, जैसा बरगद वैसे तेटा।
Eng. tr. Like father, like son, like the banyan tree, like its fruit

बाङ्ला बापेर बेटा।
पाठभेद येमन (जेमन.) बाप तेमन बेटा।
हिन्दी अनु. जैसा बाप वैसा बेटा।
Eng. tr. Like father, like son.

असमीया अजात् गछर बिजात फल।
हिन्दी अनु. जंगली वृक्ष का बेकार फल।
Eng. tr. Wild trees produce useless fruits.

कल इच्छाइ पुलि, माक इच्छाइ छलि।
हिन्दी अनु. जैसा पौधा वैसा केला, जैसी माँ वैसी संतान।
Eng. tr. As the plant, so the plantain; as the mother, so the child.

टिक बलधा ओलाइ माटि, माक भालेहे जीयेक जाति।
हिन्दी अनु. बैल अच्छा होगा तो ज़मीन अच्छी तरह जुतेगी, माँ अच्छी होगी तो बेटी अच्छी होगी।
Eng. tr. The soil is well ploughed if the bull is good, the daughter is good when the mother is good.

बाप चाइ बेटा।
हिन्दी अनु. जैसा बाप वैसा बेटा।
Eng. tr. As the father, so the son.

बोपाइ आछिल चोर, सेइ प्रकृति मोर।
हिन्दी अनु. बाप था चोर, वैसा ही मैं हूँ।
Eng. tr. Father was a thief, so am I.

सिंहर पेटत शियाल नोपजे।
हिन्दी अनु. सिंह के पेट से सियार नहीं जनता।
Eng. tr. A fox is not born of a lion.

ओड़िआ ओळि घेनि कोळि, पलम घेनि सरुचकुळि।
हिन्दी अनु. जैसी मिट्टी वैसे बेर, जैसा तवा वैसा पीठा।
Eng. tr. Like earth, like berry; like pan, like pancake.

बाप जाणि पुअ, माँ जाणि झिअ।
हिन्दी अनु. बाप जैसा बेटा, माँ जैसी बेटी।
Eng. tr. The son takes after the father, the daughter after the mother.

बाप तळि झिअ मा ओळि पुअ सुख पाए।
हिन्दी अनु. बाप के समान बेटी और मा के समान बेटा सुखी रहे।

Eng. tr. A daughter like the father and a son like the mother are happy in life.

तमिऴ् तन्दै एव्वऴि तनयन् अव्वऴि.
हिन्दी अनु. जैसा बाप वैसा बेटा।
Eng. tr. As the father, so the son.

तायैप्पोऱ् मकळ नुलैप्पोऱ् शीलै.
हिन्दी अनु. जैसी माँ वैसी बेटी, जैसा सूत वैसी साड़ी।
Eng. tr. As the mother, such is the daughter; as is the yarn, such is the cloth.

तेलुगु अंगडमुनु बट्टि गोड्डु, वंगडमुनु बट्टि बिड्ड.
हिन्दी अनु. जैसा कोळ वैसा पशु, जैसा वंश वैसा बेटा।
Eng tr. The beast comes of its kind, the child of its line.

तल्लिचालु पिल्लकु तप्पुतुन्दा ?
हिन्दी अनु. माँ की परंपरा से बच्ची नहीं बचती। (जैसी माँ वैसी बच्ची।)
Eng. tr. Will the child (daughter) go astray from the mother's track-way? (Daughter will be after the mother.)

तल्लिनि पोलिन बिड्ड नूलुनु पोलिन गुड्ड.
हिन्दी अनु. जैसी माँ वैसी लड़की, जैसा सूत वैसी साड़ी।
Eng. tr. As the mother, so is the daughter; as the yarn, so is the sari.

कन्नड गुरुविनंते शिष्य, नंदेयंते मग.
हिन्दी अनु. जैसा गुरु वैसा शिष्य, जैसा बाप वैसा बेटा।
Eng. tr. As is the guru, so is the disciple; as is the father, so is the son.

तायियंते मगळु, नायियंते बाल.
हिन्दी अनु. जैसी माँ वैसी बेटी, जैसा कुत्ता वैसी दुम।
Eng. tr. As the mother, so the daughter; as the dog, so his tail.

तायियंते मगळु, नूलिनंते सीरे.
हिन्दी अनु. जैसी माँ वैसी बेटी, जैसा सूत वैसी साड़ी।
Eng. tr. The daughter like her mother; and the saree like the thread.

मलयाळम् तळ्ळयेप्पोले पिळ्ळ नूलिनेप्पोले चेल.
हिन्दी अनु. जैसी माँ वैसा बच्चा, जैसा सूत वैसा कपड़ा।
Eng. tr. As the mother, so the child; as the yarn so the cloth.

संस्कृत यथा देशस्तथा भाषा यथा राजा तथा प्रजाः।
यथा भूमिस्तथा तोयं, यथा बीजं तथाङ्कुरः।
हिन्दी अनु. जैसा देश वैसी भाषा, जैसा राजा वैसी प्रजा।
जैसी भूमि वैसा पानी, जैसा बीज वैसा अंकुर।

Eng. tr. As is the country so is its speech; as is the king so are the subjects; as is the soil so is the water; and as is the seed so is the sprout.

७०

झूठा आडम्बर। [Vain show.]

आशय

अपने पास कुछ न होते हुवे डींग मारनेवालों पर कडा आघात करनेवाली कहावतें यहाँ प्रस्तुत हैं। जो चीज़ अपने पास नहीं होती, चाहे धन हो, संपत्ति हो, या अधिकार हो, वह विपुल मात्रा में अपने पास है ऐसा आभास निर्माण करने की कई लोगों को आदत होती है। वास्तव में ऐसे झूठे दिखावे से आदमी सम्मानित हो नहीं पाता, उल्टा लांछित हो जाता है। हाँ, कतिपय क्षणों के लिये वह लोगों की आँखों में अवश्य धूल झोंक सकता है, पर पोल खुलते ही वह अधिक उपहासपात्र बन जाता है। तेलुगु की यह कहावत देखिये —" अपने लिये खाना तक नहीं, गाँववालों को भोजन के लिये निमंत्रण। "

Subject

There are a number of people who make a vain show of things. They show off even when they do not really possess things. A Telegu proverb tells us of such a vain person – " He has no food to eat, but arranges a dinner for all. "

हिन्दी अपना घरे अन्हारा मटकी दोसरा घरे मूसर के बाती। (गाँवघर)
(अपने घर में तो अन्धेरा है, और दूसरे के घर में मोटी सी बत्ती जलाने चले।)
Eng. tr. There is pitch-darkness in his own house, and goes about to light a big lantern in other's house.

अपना भूँइ भांग लोटे पाही जोते जाइले। (चंपा.)
(अपनी भूमि पर भांग लोट रही है, और दूसरे गाँव में जोतने जाय।)
Eng. tr. There is mushroom growth of hemp in his own field, and goes to plough the neighbour's field.

अपना ला लल बिल दोसरा ला दानी। (चंपा.)
(स्वयं लालायित है और दूसरों को दान देता है।)
Eng. tr. He himself is starving, and gives alms to others.

अपना ला लीरी बीरी, दीदिया ला खीर पूरी। (चंपा.)
(स्वयं कुछ तो भी खाय, दीदी के लिए खीर-पूड़ी रखता है।)
Eng. tr. He eats a coarse meal himself, but gives dainties to his sister.

आँख एकौ नहीं कजरौटी दस ठाईं। (पू. स्त्री.)

Eng. tr. Eyes she has none, but she has ten pots of lamp-black (collirium) for her eye.

आप चले भुइयाँ, शेखी गाड़ी पर।

Eng. tr. He goes afoot and his grandeur on the cart.

उतान काहे चलेलऽ भाई सरई बाड़न। (चंपा.)

(किसी ने किसी से पूछा – "छाती निकाल कर क्यों चलते हो?" उत्तर मिला – "इस लिए कि भाई पहलवान है।") (दूसरों की शक्ति पर अकड़ कर चलनेवाले पर व्यंग।)

Eng. tr. "Why do you walk with such pride?" asked one. "Because my brother is a wrestler." replied the other.

ऊँच बरेंड़ी फोंफड़ बाँस, रीन खाइ छथि बारहो मास। (मुज. चंपा.)

(घर ऊँचा शानदार है, जिस में मोटे मोटे बाँस लगे हैं, लेकिन सदैव क़र्ज़ ले कर ही काम चलता है।)

Eng. tr. House is imposing, the beams are strong, but the whole show is carried on loans only.

ऊजर धोती मुँह में पान, घर के हाल जाने भगवान।

Eng. tr. A white dhoti and a betel-leaf in the mouth, but the state of affairs at home God alone knows.

एक कौड़ी गाँठी, "चूड़ा पहिनूं कि माठी।"

Eng. tr. One farthing is all she has got, and – "Shall I buy bangles or armlets?"

कमानी न पहिया "गाड़ी जोत मेरे भैया।"

Eng. tr. Neither springs nor wheels, and says – "Bring up the cart, my friend."

करजान में पात नहिं घरमें केरा। (दर.)

(केले के बाग में एक पत्ता तक नहीं दिया, घर में केला खाने को बुला रहा है।)

Eng. tr. In the banana orchard he didn't offer even a leaf, and invites to eat plantains at home.

कानी कउड़ी पास ना, चल दोस्त मेला देखे। (शाहा.)

Eng. tr. Not a cowrie with him, and says – "Come on friend, let's go to the fair."

कूँथ के जोर किया, तौ भी न टूटा पापड़।

"इन भुज दण्डो से" कहते थे – "सिपर चीरेंगे।"

Eng. tr. With all your strength you could not break a wafer, and yet you cry – "With these arms, I could tear a shield."

कौड़ी पास नहीं, पड़ी अफ़ीम की चाट।

Eng. tr. Without a penny about him, he has acquired a taste for opium. (Opium is costly drug.)

खाय ला आली बाली तेल लगाब ला तीन तीन माली ।
(भोजन के तो लाले पड़ रहे हैं, लेकिन मालिश करवाता है तीन तीन कुल्हड़ तेल से ।)
Eng. tr. No food to eat, yet three pots of oil for massage.

खाये के लाई ना, पादे के मिठाई । (सा.)
Eng. tr. Not even puffed corn to eat, but wants to fart out sweets.

खाये के हइले ना, पेन्हे तरकी । (चंपा.)
(खाने के लिए घर में कुछ भी नहीं, कान में तरकी पहने हुए है ।)
Eng. tr. In the house there is no food to eat, in the ears she wears earrings.

खेत न पथार खेतोरिया राजा । (मुँ.)
(ज़र-ज़मीन कुछ है ही नहीं, खुद को जमींदार कहलाता है ।)
Eng. tr. No fields nor estate, yet he calls himself a landlord.

खेल न जाने मुर्गी का, उड़ाने लगा बाज़ ।
Eng. tr. He does not understand cock fighting, and has taken to hawking.

गाँठ में दाम न, पतुरिया देख रुआई आये ।
Eng. tr. With no money in his pocket, he weeps to see a woman. (Unable to wed her.)

गाँठ में पैसा नहीं, बाँकीपुर की सैर ।
Eng. tr. With no money in pocket, he goes to Bankipur (city of joy).

गाँठी में दाम ना, पतुरिया देखे भोंकार छोड़ें ।
Eng. tr. He has no money with him, and craves for a woman when he sees her.

गाँड में गू ही कोनी, कागळाँ में नोंता देवै । (राज.)
(गाँड़ में गू ही नहीं, कौवों को न्योता देता है ।)
Eng. tr. Has no excreta in his anus, and yet invites the crows.

गांड में गू नहीं और कव्वे मेहमान ।
Eng. tr. Nothing to evacuate, and he invites the crows.

गिरह में कौड़ी नहीं बज़ार की सैर ।
Eng. tr. No farthing in his purse, and he visits the market.

घर खरची नहिं डेउढ़ी पर ढेकार । (मुज.)
(घर में जीवन-यापन के लिए कुछ है नहीं, दरवाज़े पर डकार ।)
Eng. tr. There is nothing in the house, and he belches at the gate. (To show that he has eaten a bellyfull.)

घर खरची ने, नगर नेओता।
(घर में कुछ नहीं, निमंत्रण दिया सारे नगर को।)

Eng. tr. Nothing to spend at home, and he invites the whole town.

घर नै दुआर सिवचन्दर राजा, ढोल नै झाल अंग्रेजी बाजा।
(घर-बार कुछ नहीं, अपने को राजा शिवचंद्र कहलाता है। न तो ढोल है न झाल, लेकिन कहता हे बाजा अंग्रेजी है।)

Eng. tr. No mansion nor garden, and he calls himself King Shivchandra. No drum nor cymbal, and yet it is an English band.

घर में कुरथीक रोटी, बाहर कोरवाला धोती।

Eng. tr. At home he eats a horse-gram bread, and struts about in brand new garment (dhoti) outside.

घर में खाए नहीं, अटारी पर धुआँ करे।

Eng. tr. Nothing to eat in the house, and he raises the smoke on the balcony.

घर में चिराग़ नहीं, बाहर मशाल।

Eng. tr. No lights in the house, and torches outside.

घर में तो फाका पड़ै मोडा नूँतण जावै। (राज.)
(घर में तो फाके पड़ते हैं और फकीरों को न्यौता देने जाता है।)

Eng. tr. Has to starve in his home, but goes to invite the fakirs.

घर में देखो चलनी न छाज, बाहर मियाँ तिरंदाज़।

Eng. tr. At home no sieve or winnowing fan, and abroad my Lord Archer.

घर में धान न पान, बीबी को बड़ा गुमान।

Eng. tr. Nothing to eat or drink in the house, and the lady of the house is very proud.

घर में न दीया न बाती, मुंडो फिरे इतराती।

Eng. tr. There is no lamp or wick in the house, and the shaven head (widow) proudly strutting.

घर में नहीं अखतरा बीज, कोडो खेळे आखातीज। (राज.)
(घर में धान नहीं और अक्षय तृतीया का त्यौहार मनाने जा रहा है।)

Eng. tr. No provisions at home, and wants to celebrate Akshai-Tritiya.

घर में नहीं तागा, अलबेला मांगे पागा।

Eng. tr. There is not a thread in the house, and the blockhead wants a turban.

घर में नहीं दाने, बुढ़िया चली भुनाने।

Eng. tr. No grain in the house, and the grandmother goes to the grain-parcher.

घर में बहू ने, बाहर बेटा किरिया। (मुज)
(घर में पत्नी नहीं, बाहर बेटे की कसम खाता है।)

Eng. tr. No wife in the house, and he swears by his son outside.

घर में नहीं बूर, बेटा माँगे मोतीचूर। (स्त्री.)

Eng. tr. Not even bran in the house, and the son wants lollypops.

घर में भूँजी भांग नहीं, नगर में निमंत्रण।

Eng. tr. There is nothing in the house (no provisions), and yet invites the whole town (for meals).

घर में भूँजी भांग ना, कोठेपर धुमगाजरी। (चंपा.)
(घर में तो खर्ची के लिए कुछ भी नहीं, कोठे पर जशन मनाया जा रहा है।)

Eng. tr. There is nothing in the house, and festivities on the terrace.

घर में महुवा की रोटी, बाहर लंबी धोती।

Eng. tr. Coarse bread at home, and wears a flowing dhoti outside.

घी खाया बापने, सूँघो मेरा हाथ।
(दूसरों की कीर्ति पर डींग मारनेवाला।)

Eng. tr. My father ate ghee, smell my palm.

चलै के चेट्टा नै तमू के फरमायास।
(राह चलने की शक्ति ही नहीं, लेकिन पड़ाव पर तम्बू की फरमाइश करता है।)

Eng. tr. No energy even to walk, but orders a tent.

चाउर उधार, दाल उधार, बाजन बाजेला उधार। (चंपा.)
(चावल उधार, दाल उधार, बाजा भी उधार।)

Eng. tr. The rice is borrowed, the pulses borrowed, and even the drum is borrowed.

चाउर ताउर छैन्हि नहिं, कनसार धिपाबह। (मुज.)
(चावल तो है नहीं, भाड़ सुलगाने कह रहा है।)

Eng. tr. There is no rice, and he asks to light the stove.

छछूँदर के सिर में चम्बेली का तेल।

Eng. tr. Jasmine oil on the head of a musk-rat. (Said of a worthless swaggerer.)

छटाँक चून, चौबारे रसोई।

Eng. tr. A quarter measure of flour, and cooking on the attic.

छटाँक सेतुवा, मथुरा में भंडारा।

Eng. tr. Two ounces of flour, and feast to whole of Mathura.

छप्पर पर फूस नहीं, ड्योढ़ी पर नाच।

Eng. tr. No straw to thatch his roof, yet dances at the gate.

छाती पे बाल नहीं, भाल से लड़ाई ।

Eng. tr. No hair on his chest, and he is going to fight the bear. (Hair on the chest is the sign of manly vigour.)

छानी पर फूँस नही, देवडी पर नाच ।

Eng. tr. No straw on his thatch, and dances at his gateway.

छैल छींट, बगल में ईंट ।

Eng. tr. He is a queer beau that has bricks under his armpit.

ज़रा ना जहूर, "गाँठ मेरी भरपूर।"

Eng. tr. He possesses nothing, and says his pocket is full.

जलाने को फूँस नहीं और तापने को कोयला ।

Eng. tr. No straw for burning, and she wants coals to warm herself.

झोंपडी में रहे, महलों का सपना/ख्वाब देखे ।

Eng. tr. He dwells in a cottage, and dreams of a mansion.

टांग उठे ना, चढल चाहे हाथी ।

Eng. tr. He cannot lift his leg, and he wants to mount an elephant.

टाट का लंगोटा नवाब से यारी ।

Eng. tr. (He wears) breeches of straw, and feigns friendship with the Nawab.

टीमटाम अतना, जलपत्तर नदारत।

(ठाट-बाट तो खूब है, पर पास में लोटा भी नहीं।)

Eng. tr. So much ostentation, but does not have even a cup to drink water.

टेंट में छदाम ना, पतुरिये नचाइब। (शाहा.)

(पास में फूटी कौड़ी भी नहीं, और वेश्या नचाना चाहता है।)

Eng. tr. He does not have a farthing in his purse, and says — "I will make the dancing-girl dance."

डेढ़ गो बोझा, दीयर में खरिहान। (चंपा.)

(केवल डेढ़ बोझा, अन्न है, उस के लिये दीयर में खलिहान बनाया।)

Eng. tr. Only a bundle and half of paddy, and a big threshing floor is prepared on the bank of the river.

डेढ़ बकायन, मियाँ बाग में।

(पूँजी कुछ नहीं, दिखावा बड़ा भारी।)

Eng. tr. One and half farthing (in the pocket), and my lord struts about in the garden.

ढोढ़ी में दम ने, बाजार में धक्का। (मुज.)

(शरीर में ताकत नहीं, पर धक्के देता फिरता है बाजार में।)

Eng. tr. No strength in the navel (loins), and loiters in the market administering pushes here and there.

तन पर/बदन पर नहीं लत्ता, पान खाय अलबत्ता।

Eng. tr. Not a rag on the body, but eats 'Paan' (betel leaf).

तवो कहै हूं सोनरो थो चूल्हो कैवे चढ़तो थो म्हारे ऊपर इज हो। (राज.)
(तवा कहता है, "मैं सोने का बना हुआ था।" चूल्हे ने उत्तर दिया, "रखा तो मेरे ऊपर जाता था। मेरे से तेरी असलियत क्या छिपी है?")

Eng. tr. The pan said, he was made of gold. The stove answered, "You've always been put on me. How can the truth about you be hidden from me?"

तीन पा धनिया सहजादपुर दोकान। (सा.)
(धनिया है तीन पाव, दूकान लगायी सहजादपुर में।)

Eng. tr. Only three quarters of corriander seed with him, and for that establishes a shop in Sahajadpur (a big shopping centre).

तीर न कमान, मेरे चाचा खूब लड़े।

Eng. tr. My uncle fought valiantly though he had neither bow nor arrows.

तीर न तरकस, चाचा तिसमारखाँ। (शाहा.)

Eng. tr. He had no arrow nor quiver, yet my uncle was a "killer of thirty."

तोला भरकी चार कचौरी, खुरमा मासे ढाईका।
घरमें रोवें बहिन, भानजी, बाहर रोवे नाई का॥
धीरे धीरे जीमों पंचों, देखो गज़ब खुदाई का।
लालाजी ने ब्याह रचाया, लहंगा बेच लुगाई का॥

Eng. tr. Cakes of one grain weight, sweets of two and half. Sister and niece weeping in the house, the barber weeping outside. Slowly eat, oh, wedding guests, see the wrath of God. The gentleman is celebrating the wedding on the proceeds of his wife's petticoat.

तोला भर की तीन चपाती, कहे जिमाने चालो हाथी।

Eng. tr. With three cakes weighing an ounce, he says he is going to feed an elephant.

दिल्ली के दिलवाले, मुँह चिकना पेट खाली।

Eng. tr. A Delhi swell with a smooth face, and empty stomach.

दिल्ली के बाँके, जूती में सौ सौ टांके।

Eng. tr. A Delhi fop with shoes of a hundred patches.

दुअरा पर दालान बा, भीतरी भोंभाड़ बा। (चंपा.)
(सामने दरवाजे पर सुन्दर दालान है, किन्तु अंदर सब खाली।)

Eng. tr. There is a drawing room at the entrance, but inside it is all empty.

देहमें न लत्ता लटैला कलकत्ता। (राज.)
(देह पर लत्ता (कपड़ा) नहीं, और कलकत्ते को लूटेंगे ।)

Eng. tr. Hasn't a rag on his body, and talks of plundering Calcutta.

नेमी पांडे, कमर में जटा ।

Eng. tr. A scrupulous brahmin has his locks down to the waist.

पास न कौड़ी, कान छेदावै दौड़ी ।
(पास में कौड़ी भी नहीं, तब कान छेदाने की मजूरी क्या देगी ? और पहनेगी क्या ?)

Eng. tr. Not a cowrie in her pocket, and yet runs to get her ears pierced.

पीये के पानी नै, खाय के मलाई ।
(पीने के लिए पानी तक नहीं, लेकिन खाता है मलाई ।)

Eng. tr. No water to drink, and he wants cream to eat.

पुराना ठिकरा और कलई की भड़क ।

Eng. tr. An old potsherd well white washed / gilted.

पूँजी घास ने कूँजी क झाबा । (मुज.)
(पूँजी के नाम पर घास तक नहीं, पर दिखाने के लिये कुंजी का गुच्छा लिये फिरता है ।)

Eng. tr. He doesn't have a capital worth a straw, but struts about with a bunch of keys.

पेट करे कुह कुह जुड़ा करे महमह । (पट.)
(पेट में एक दाना नहीं, लेकिन सिर में सुगन्धी तेल ।)

Eng. tr. Not a grain of food in the stomach, but she has scented oil for her hair.

पेट में अन्न ना सौखिनिए करीहें । (सा.)
(पेट में नहीं दाना, और सजधज खूब । – फैशनपरस्ती)

Eng. tr. No food in the stomach, but tries to be fashionable.

पैसा न कउड़ी, बीच बज़ार में दौड़ादौड़ी ।

Eng. tr. No cowrie nor a farthing with him, and still runs up and down the market.

पोखरी में पानी न, हाथी के नेवता । (शाहा.)

Eng. tr. There is no water in the tank, and the elephant is invited.

पोथी न पतरा, देखे चललन जत्रा ।
(पोथी-पत्र कुछ नहीं है, और बैठा है त्यौहार का मुहूर्त देखने ।)

Eng. tr. He has no almanac and yet pretends to see an auspicious day for the festival.

फूटी देगची, कलई की भड़क ।

Eng. tr. White washing a broken pot.

बाजे खुरदक, नून नदारद ।
(दरवाजे पर तो खुरदक बज रहा है, घर में नमक भी नहीं ।) खुरदक–शहनाई ।

Eng. tr. There is a pipe played at the gate, but even salt is not there in the house.

बाजे बाजे सितार चमन में, कुरथी के सत्तू आँगन में । (पू. पट.)
(फुलवारी में बैठ कर सितार बजा रहा है, पर घर में कुलथी के सत्तू से काम चलता है ।)

Eng. tr. He is playing a guitar in the garden, but has only horse-gram-flour to eat at home.

बाप न मारी ऊंदरी, बेटो बरकंदाज । (राज.)
(बाप ने तो चुहिया भी नहीं मारी, और बेटा बरकंदाज बना फिरता है ।)

Eng. tr. His father hasn't even killed a rat ever, but he struts about as an archer.

बाहर के खाएँ, घर के गीत गाएँ ।

Eng. tr. While strangers eat, the household starves.

बाहर बाबू भरल घमंड, घर में मुसरी खींचे डंड ।
(बाहर बाबू घमंड में चूर, घर में चूहों की भी हालत खराब है ।)

Eng. tr. He goes about with arrogant airs, but even the rats starve in the house.

बाहर लम्बी लम्बी धोती, भीतर मड़वे की रोटी ।

Eng. tr. For going out a flowing robe, at home the coarsest fare.

बिजली मेहमान, घर में नहीं तिनका ।

Eng. tr. The lightning is guest, and not a straw in the house (to burn). (A poor man inviting guests of higher position.)

बैठे के चटाई पर, ताने के तम्मू । (चंपा.)

Eng. tr. He has only a mat to sit on, but wants a tent for shade.

भड़भूजन की लड़की, केसर का टीका ।

Eng. tr. A grain-parcher's daughter, and saffron on her forehead.

भीख के टुकड़े, बजार में डकार ।

Eng. tr. Fed on scraps of alms, he belches in the street.

मांगते है भीख, और पूछते हैं गाँव की जमा ।

Eng. tr. He is a beggar, and inquires about the revenue of the village.

मांग में तेल न, टांग में तेल । (मुज.)
(सिर में लगाने तेल नहीं, पैर में तेल लगा रहा है ।)

Eng. tr. No oil for the hair, but massages legs with oil.

माथे पर टोपी नहीं, कुत्ते को पैजामा । (पट.)

Eng. tr. No cap on his head, but a trouser for his dog.

मामैरै कान में मुरकी, भाणजो भार्‍यां मरै । (राज.)
(मामू के कानों में बाली, और भानजा भार से मरे ।)

Eng. tr. The earrings are worn by the maternal uncle, and his nephew dies of its heaviness.

मुँह चिकना, पेट खाली ।

Eng. tr. Smooth face, and an empty belly.

मूँछ मरोरै , बार न एकौ ।

Eng. tr. He twirls his moustaches, though he has not a hair on his lip.

लंबी धोती, मुख में पान, घर के हाल गोसैंया जान । (भागलपूर)
(कमर में लंबी धोती है, मुख में पान, लेकिन घर का हाल भगवान ही जानता है ।)

Eng. tr. A flowing dhoti he wears, and betel leaf in the mouth, but the condition in the house God alone knows.

लांबा हेला, ओछी पीक । (राज.)
(लंबे हेले और थोड़ा स्नेह ।)

Eng. tr. Shows off a long friendship, but has very little love.

लजाधुर बहोरिआ, सराय में डेरा ।

Eng tr. A shameful wife, and an abode in an inn.

लड़ें न भिड़ें, जिरा पहने फिरें ।

Eng. tr. Neither fights nor combats, but struts about in his mail.

लड़ें न भिड़ें, तरकश पहने फिरें ।

Eng. tr. They neither fight nor combat, but flourish their quivers.

शक्ल चुड़ैल की, मिज़ाज परियों का । (मु., स्त्री.)

Eng. tr. Ugly as an ogress, and shows off as a fairy.

सूवै अकूरड़ी पर, सपना आवै महलांरा । (राज.)
(कूड़ाघर में सोना, और महलों के स्वप्न देखना ।)

Eng. tr. To sleep on a rubbish-heap and dream of palaces.

सेर भर चिउरा, घर भर भोज ।
(चिउड़ा है एक सेर, भोज दे रहा है सब परिवारवालों को ।)

Eng. tr. Only a seer of parched-rice, and feast for the whole family.

हँड़िया में अछतो ना, चल समधी जेंवे । (शाहा.)
(हाँड़ी में चावल का दाना तक नहीं, समधी को भोजन का आग्रह ।)

Eng. tr. Not a grain of rice in the pot, and asks his in-laws to join him at dinner.

हाथ न गले, नाक में प्याज के डले । (स्त्री.)

Eng. tr. Nothing on hands and neck, and pieces of onion in her nose. (To describe a strange and inconrguous set of ornaments.)

हो गई ढड्डो, ठुमक चाल कैसी ?

Eng. tr. What is the use of mincing when you have grown old !

ENGLISH
1. Vain glory blossoms, but never bears.
2. He talks gold, but pays copper. (Sussex)
3. Great boast, little roast.
4. Great cry, but little wool.
5. Great braggers, little doers.

उर्दू

आँख एक नहीं कजलुटीयाँ नौ नौ।

Eng. tr. Eyes she has none, but she has nine pots of collirium.

आध पाव आटा, चौपाल में रसोई।

Eng. tr. Half a seer of dough, and cooking on the terrace.

आप मियाँ सुबेदार, घर में बिबी झोंके भाड़।

Eng. tr. Abroad he is a governor, at home his wife stuffs the oven with fuel.

कौड़ी नहीं गाँठ में, चले बाग़ की सैर।

Eng. tr. Hasn't a penny in his purse, goes proudly to wander in the gardens.

खवानपाक खकानपोश पाक, खोल के देखो तो खाक में खाक।

Eng. tr. The cauldron and its cover were neat and clean, but when opened there was dust in it.

खारीशी कुत्ता मखमल की झूल।

Eng. tr. He is a dog with scabbies and dons himself with velvet clothes.

खैरात के टुकड़े और बजार में डकार।

Eng. tr. He lives upon alms and belches in the market. (Applied to anyone who boasts of acquirements which in fact are borrowed. To eructate is a sign of having dined well.)

खोन बड़ा, खोन पोश बड़ा, खोल के देखो तो आधा बड़ा। (मु., स्त्री.)

Eng. tr. The tray is large and so is the cover, take it off and you will find only half a cake in it. (A pun on the word बड़ा (1) big, large (2) cake – वडा।)

खौर ही कुतिया, रेशम का झूल।
(खौरा रोगवाली कुतियेने रेशमी झूल पहनाया।)

Eng. tr. She is a bitch with scabbies and wears silken robes.

गंजी कबूतरी और महलों में डेरा।

Eng. tr. She is a bald dove, but settles in palaces.

घर न बार मियाँ मोहल्लेदार।

Eng. tr. Has no house of his own, and pretends to be the chief of the entire colony.

घर में चूहा दंड पेले, बाहर मिरजा होली खेले ।
(घर में चूहे भी अन्नविना मर रहे हैं, और बाहर मिर्जासाहब होली खेल रहे हैं।)

Eng. tr. Even the mice in the house die of hunger, and the Miya plays Holi out of doors.

घर में नहीं तागा, अलबेला माँगे पागा । (घर में गरीबी, बाहर पगड़ी ।)

Eng. tr. Not a strand of thread in the house, and the dandy wants a turban.

चिकना मुँह, पेट खाली ।
(मुँह पर रौनक, पेट भूखा ।)

Eng. tr. Smoothly made up face, and the stomach is empty.

चिकनिया फ़क़ीर, मखमल का लंगोट ।

Eng. tr. A foppish beggar with velvet breeches.

छछुँदर के सर में चमेली का तेल ।

Eng. tr. The musk-rat has jasmine-oil on her head.

छप्पर पर फूस नहीं, देवढी पर नगारा ।

Eng. tr. No straw to thatch the roof, but has the drums at the main-gate.

जोरू चिकनी, मियाँ मज़ूर ।

Eng. tr. The wife is all decked up, and her husband is only a labourer.

टाटका लँगोटा, नवाबसे यारी ।

Eng. tr. Wears a loin-cloth of the sack-cloth, and makes friendship with a Nawab.

डेढ पा चून, चौबारे रसोई ।

Eng. tr. Has one and a half quarter seer lime and a kitchen in the open room of the roof.

डेढ़ बकायन, मियाँ बाग में ।

Eng. tr. One and a half farthing in hand, and the Miya is in the garden.

तीर ना कमान, काहे का पठान ।

Eng. tr. Has neither bow nor arrow, and calls himself a Pathan.

दाई चम्बेली के मिर्ज़ा मोगरा।

Eng. tr. The son of nurse chambeli is called Mirza Mogra

पावसेर चाँवल, चौबारे रसोई ।

Eng. tr. Has only a quarter seer rice, and cooks in the open shed on the roof.

पूत फ़क़ीरनी का, चाल चले अहदीयों की ।

Eng. tr. He is the son of a fakirni (a poor woman), and has habits of the rich.

फ़क़ीर का पूत, चलन अमीरों का।

Eng. tr. He is the son of a fakir, but his behaviour is that of a Lord.

बदन पर नहीं लत्ता, पान खाये अलबत्ता।

Eng. tr. Even when he has no rag on himself, he enjoys betel-leaf.

बाप न मारे पदडी, बेटा तीरअंदाज़।

Eng. tr. His father hasn't killed a tom-tit, and he calls himself an archer.

बाहर मियाँ छैल चिकनियाँ, घर में लिबडी जोएँ।

Eng. tr. My Lord abroad is a dandy, but at home there is a draggle-tailed wife.

बाहर मियाँ झंग झंगाले, घर में नंगी जोएँ। (स्त्री.)

Eng. tr. Abroad My Lord goes in gorgeous array with a naked wife at home.

बाहर मियाँ पंज हजारी, घर में बीबी कर्मो मारी। (स्त्री.)

Eng. tr. Abroad he is Lord Governor, at home his wife is a victim of fate.

बाहर मियाँ सूबेदार, घर में बीबी झोके भाड़।

Eng. tr. My Lord abroad is a captain, at home his wife feeds the oven.

मामू के कान में अँटीया, भाँजा एँड़ा एँड़ा फिरे।

Eng. tr. The maternal uncle has earrings in his ears, and the nephew struts about giving himself airs.

रहे झोपडों में, ख्वाब देखे महलों के।

Eng. tr. Lives in the hut, and dreams about palaces.

शकल चिडीयों की, मिजाज परियोंका।

Eng. tr. Has a face like a sparrow, and shows off like a fairy.

साबीत नहीं कान, बालों का अरमान।

Eng. tr. Hasn't her ears intact, and hopes for earrings.

सूखे टुकडों पर कव्वों की मेहमानी।

Eng. tr. The crows are treated as guests on dry stale crumbs.

हाथ न गले, नाक में प्याज के डले।

Eng. tr. There is nothing on the wrist and in the neck, but has peels of onion to adorn the nose.

पंजाबी आन्द्रां भुखियां ते मुछ ते चावल।

हिन्दी अनु. पेट भूखा और मूछों पर चावल।

Eng. tr. The stomach is empty, but a grain of rice on his moustaches.

आप मरे भुक्खा ते अध्धी कुत्तेनुं भन पाई।

हिन्दी अनु. आप मरे भूखा, आधी (रोटी) कुत्ते को देय।

Eng. tr. He himself is dying of hunger, and throws half (the bread) to the dog.

आया ना घाओ ते वेद बुलाओ ।

हिन्दी अनु. घाव न लगा, वैद्य को बुलाओ ।

Eng. tr. No wound, and he says call the physician.

इक ढुक दी नहीं, ते मैं दो विहासां ।

हिन्दी अनु. उस को एक बीवी भी नहीं मिलती, कहे – "मैं दो शादियाँ करूँगा।"

Eng. tr. He doesn't get even one wife, and says — "I will marry two."

इक दम्ड़ी बिबि दे पल्ले, बिबि हार चिन्ने के छल्ले ।

हिन्दी अनु. एक दमड़ी है बीबी के पास, और वह सोच में है कि अब हार खरीदूँ या छल्ले ।

Eng. tr. Only a farthing in her pocket, and she is in a quandary whether to buy a necklace or a ring.

इक मंगणा दुजा हलवा ते खीर ।

हिन्दी अनु. एक तो भीख मांगता है, और चाहे हलवा-पूरी ।

Eng. tr. Firstly he is begging, and secondly he wants sweets and puddings as alms.

करवां दी झुग्गी दन्दखण्ड दा परनाला ।

हिन्दी अनु. घास की झोंपड़ी और चांदी का परनाला ।

Eng. tr. A hut of grass and spouts of ivory.

कुत्ते दी कबर ते मश्रु दा उछाड़ ।

हिन्दी अनु. कुत्ते की कबर पर पट्टेदार कपड़ा ।

Eng. tr. A dog's grave, and a covering of striped cloth.

कोह ना चली बाबल तिहाई ।

हिन्दी अनु. एक कोस भी न चली, और कहे – "पिताजी, प्यास लगी ।"

Eng. tr. She had not walked even two miles, and she cried — "Oh father, I am thirsty."

चज्ज ना चार ते कुल्हण नूं तिआर ।

हिन्दी अनु. न शरीर न नियम मालूम है और कुश्ती को तैयार ।

Eng. tr. Neither he knows the rules nor has he the physique, and he is ready to wrestle.

चिड़ी कुठठी जग नेंद्रा ।

हिन्दी अनु. गोरैया को काटा और जग को न्यौता ।

Eng. tr. He killed a sparrow, and invited the whole community for dinner.

जात दा कुम्मा ते ख्वाजा खिज़र दी पोत्री ।

हिन्दी अनु. जात की कछुवी और खुद को ख्वाजा खिज़र की पोती कहलाती है ।

Eng. tr. By caste a turtle, and she pretends to be the grand-daughter of Khwaja Khijar.

जात दी कोड़-किरली ते शतीरानाल जफ्फे ।

हिन्दी अनु. जात की किरली और शहतीरों से चिपटे ।

Eng. tr. By caste a lizard, and she embraces the beams.

घर खफ्फण नही, मर नूं उतावला ।

हिन्दी अनु. घर में कफन नहीं, मरने को उतावला ।

Eng. tr. No shroud at home, but he is in a hurry to die.

घर दाणां ना फक्का अम्मा पिहान गई ।

हिन्दी अनु. घर में दाना तक नहीं और अम्मा गई पिसाने ।

Eng. tr. No grains in the house, and the mother is going to grind (her own cereal).

टुंडी बांह ते चूड़ी दा चाह ।

हिन्दी अनु. ठूँठी बाँह और चूड़ी की चाह ।

Eng. tr. A maimed woman, and eager to wear bangles.

डेढ़ पा आटा, चुबारे रसोई ।

हिन्दी अनु. डेढ़ पाव आटा और चौबारे (छत पर) रसोई ।

Eng. tr. A quarter and a half quarter of flour, and he is going to feast on the roof.

ढाई पा खिचड़ी, चुबारे रसोई ।

हिन्दी अनु. ढाई पाव खिचड़ी और चौबारे पर रसोई ।

Eng. tr. Only half a seer rice, and his kitchen is on the second floor.

तड़का इक घोड़ी ते अस्तबल लहोर तोडी ।

हिन्दी अनु. कुल एक घोड़ी पास में और अस्तबल लाहौर तक ।

Eng. tr. Only a mare is all his wealth, and he says that his stable is as big as from here to Lahore.

दमड़ी दा टट्टू ते हाठां भंन्ने ।

हिन्दी अनु. दमड़ी का टट्टू और दौड़ने के इरादे ।

Eng. tr. The pony is worth a farthing, but wants to run races.

दाल मसरां दी, दम पलाओ दा ।

हिन्दी अनु. दाल मसूर की और रोब पुलाव का ।

Eng. tr. Only 'masur' curry, and gives himself the air of eating 'pulav'. (Pulav – Rice and vegetables fried and cooked to-gether.)

दिल्ली दे बांके बगल दे विच इट्टां ।

हिन्दी अनु. दिल्ली के बाँके बगल में ईंटें ।

Eng. tr. A fop from Delhi, and bricks under the armpit.

नच्चण लगी तां घुंघट केहा ।

हिन्दी अनु. नाचने लगी तो घूँघट क्या ?

Eng. tr. When she has taken to dancing, what is the use of a veil to hide the face?

पल्ले नहीं धेला, रन कर दी मेला मेला ।

हिन्दी अनु. पास नहीं धेला और वह कहती है, "मेले जाऊँगी ।"

Eng. tr. Not a pie in her pocket, and she is bragging — "I am going to the fair."

पल्ले नहीं पैसा ते जुम्मारात परनीसा ।

हिन्दी अनु. जेब में नहीं पैसा और गुरुवार को शादी ।

Eng. tr. Not a penny in his pocket, and wants to marry on Thursday.

पल्ले नहीं सेर आटा, हींगदी दा संग पाटा ।

हिन्दी अनु. पल्ले नहीं सेर आटा ! — चीखते गला फाटा ।

Eng. tr. She has not even a seer of flour, and she is crying at the top pitch of her voice.

बाप न मारी पिद्दड़ी, बेटा तीरंदाज़ ।

हिन्दी अनु. बाप ने न मारी टिड्डी, बेटा तीरन्दाज़ ।

Eng. tr. Father has not killed even a tom-tit, and the son (poses to be) an archer.

बाहर मीयां पजहजारी घर बिबि करमां दी मारी ।

हिन्दी अनु. घर के बाहर श्रीमान् बड़े सरदार, घर में पत्नी करे हाय हाय ।

Eng. tr. The Miya shows off as one with five thousand rupees out of his home, but his wife within is a victim of fate.

मंतर ना जाणे ठूहिआं हत्थ सप्पां पावे ।

हिन्दी अनु. मंत्र न जाने बिच्छू का, हाथ डाले साँप पर ।

Eng. tr. He knows not the charm for the scorpion, and yet he puts his hand into a snake-hole.

मां मर गई नंगी, धी दा नाम बुचकी ।

हिन्दी अनु. अम्मा मर गई नंगी और बेटी का नाम (कपड़ों की) गठरी ।

Eng. tr. The mother died naked, and the daughter's name is 'Buchki' (a bundle of clothes).

मामे दे कन बीरबलियाँ, भणेवा आकड़दा फिरे ।

हिन्दी अनु. मामा के कान में बालियाँ और भानजा अकड़ता फिरे ।

Eng. tr. An earring in the ear of the maternal uncle, and the cousin struts about affectedly.

रुक्खि ना लब दी, ते चूरी कुट कुट खान्दी ।

हिन्दी अनु. सूखी रोटी भी न मिले और कूट कूट के चूरी खाए ।

Eng tr. Dry bread cannot be obtained, yet she says she eats pounded ' choori ' – sweet.

लंगा टट्टू लाहोर दा दाइया।

हिन्दी अनु. लंगड़ा टट्टू, लाहोर जाने का इरादा।

Eng. tr. A lame pony, and determination of getting to Lahore.

लोटा घड़ न जाणे मेरा मघियां दा उस्ताद।

हिन्दी अनु. लोटा बनाना नहीं जानता और माँ कहे, मेरा बेटा घड़ों का उस्ताद।

Eng. tr. He cannot make even a small pot, but his mother says, " He is expert in making ' maghi ' – a big vessel.

शकल चड़ेलां ते दिमाख परीआं।

हिन्दी अनु. मुख चुड़ैल सा, मिजाज परियोंका।

Eng. tr. Face of a hog, and gives herself airs of a fairy.

सिरों गंजी, कंघियां दा जोड़ा।

हिन्दी अनु. गंजा सिर और कंघी का जोड़ा।

Eng. tr. A bald head, and a pair of combs.

सोणां रुड़ीआं ते सपने शीशमहलां दे।

हिन्दी अनु. सोना कूड़े के ढेर पर, सपने शीश महल के।

Eng. tr. Sleeping on a dung-hill, he dreams of a crystal palace.

कश्मीरी अन्दरॅ छुनिहांस् ध्वख्, न्यंबरॅ द्रोपुन् गुमॅ आम्।

हिन्दी अनु. अन्दर उस पर थूका गया, बाहर कहता है पसीना आया।

Eng. tr. Somebody spat on him inside, but outside he says it is perspiration. (Salva' dignitate.)

अरवाह् खोत् हंसितिस्, ब्यारवाह् खंसितन् द्रासि।

हिन्दी अनु. एक हाथी पर सवार हुआ तो दूसरा दीवार पर चढ़ बैठा।

Eng. tr. When one man rode the elephant, other mounted a wall.

काहन् थवान् सय् अंकिस् नॅ छुॅनान् वय्।

हिन्दी अनु. ग्यारह (आदमियों) को वचन देता है, एक को भी चावल नहीं देता।

Eng. tr. He promises eleven people but does not give food even to one.

खान् बड़ा खान् बड़ा मंज़ बाग् छेस् चोट् अंडाह्।

हिन्दी अनु. (सुनते थे) थाला बड़ा, थाला बड़ा, बीच में आधी रोटी।

Eng. tr. It was known that the dish is big, but only half a bread was in it. (to eat)

खोतन् वांच् प्लवन् तॅ कोंशि बडय् छस् अति।

हिन्दी अनु. खातून घास की जुती तक आ पहुंची, परन्तु उमदा जुतियों की बड़ाई अभी मौजूद है।

Eng. tr. Khatoon has started wearing grass-shoes but the pride of wearing rich shoes was still there.

गरि गट्ठ तुँ मशीदि चोंग् ।
हिन्दी अनु. घर में अन्धेरा, मस्जिद में दीप (जलाता है)।
Eng. tr. Darkness in the house, but a light in the mosque.

गरि नुँ बज़िनि तुँ नोबथ् वज़िन् ।
हिन्दी अनु. घर में बरतन नहीं, बाहर नक्कारा ।
Eng. tr. No utensil in the house, and a band playing at the door.

गरि नुँ बर् पुँजि काठ्कर ।
हिन्दी अनु. घर को दरवाजा नहीं, देहरी को जंगला ।
Eng. tr. No door in the house, yet a fencing to the terrace.

ज़ट् न तुँ अतलास् ।
हिन्दी अनु. चीथड़ा भी नहीं, पर अतलस् (रेशमी वस्त्र) चाहिए ।
Eng. tr. Not even a rag (on his body), yet aspires for silks.

देहली का बांका, मूँह चिकना, पेट खाली ।
हिन्दी अनु देहली का बाँका, मुँह चिकना, पेट खाली ।
Eng. tr. The Delhi swell has a jolly face, but his stomach is empty.

पनुँन्यन् नुँ कोज् तुँ परुछन् म्युस्युज़ ।
हिन्दी अनु. अपने को नाश्ता तक नहीं, दूसरों को मध्यान्ह भोजन ।
Eng. tr. For one's own, not even the breakfast; for others, a mid-day meal.

पियि नुँ इरपान् तुँ आम्यन् ग्वग्लन् आस् दारान् ।
हिन्दी अनु. पीच तो भी पचती नहीं, और अध-पके शलगमों के लिए मुँह खोलता है ।
Eng. tr. (He) cannot digest even rice-water, but opens his mouth for half-cooked turnips.

बतुँ नुँ तुँ बतास् छिठ् नुँ तुँ अतलास ।
हिन्दी अनु. चावल नहीं और बताशे (चाहिये), चीथड़ नहीं और ज़री का कपड़ा (चाहिए)।
Eng. tr. No rice in the house, (yet he wants) sugar-cakes; no rags to wear, (yet he wants) a gold cloth to wear.

मोल पान्युर् नेचुव् मुराद बेग ।
हिन्दी अनु. बाप कहार, बेटा मुराद बेग ।
Eng. tr. Father — a water carrier, and son—Murad Beg.

यड् छेनि छिठ् ननि ।
हिन्दी अनु. पेट खाली, (परन्तु दिखावे के लिए) पोशाक दृश्यमान ।
Eng. tr. Empty stomach, but linen displayed.

यड् छर्‍य् तुँ गोंछन् दिवान् ताव् ।
हिन्दी अनु. पेट खाली, पर मूछों पर ताव ।
Eng. tr. An empty stomach, yet twirling his moustache.

ख्यवान् पानस् तुँ ध्यकान् जहानस् ।

हिन्दी अनु. स्वयं खाता है, दिखावा दुनिया को।

Eng. tr. He eats to himself, and shows away to the world.

ल्योल् वुकुर् तुँ दुोल् त्रकुर् ।

हिन्दी अनु. बरतन टेढ़े-मेढ़े, और कपड़े का दामन कड़ा-सुथरा।

Eng. tr. The cooking vessels bent and broken; but the clothes stiff and ironed.

वुन्युख् ताम् ध्योकथम् स्वंज़ुहरि स्वन्ग्रुम् अज़ हारि कनुँवाज़ द्रायी नो।
वुन्युख्ताम् ध्योकथम् मालिनि क्रोनुय् अज़ नय् डून् छ्वचुँकोनुय् द्रोय्।

हिन्दी अनु. आज तक पिटारी में सोना होने की गर्वोक्ति की। आधी कौड़ी की कर्णबाली तक नहीं निकली। आज तक मायके के बड़े खानदान की दर्पोक्ति की। खोकला अखरोट भी आज तक नहीं निकला।

Eng. tr. Up to this day, you boasted of having gold in the gold-container, but never so much as an earring of half a cowry's worth has come out (appeared). Till now you boasted of big name of your father's family, but you did not bring even an empty nut.

हतुँ दुेदि रोहुनुँ मन डाय् खेनि सुम्ब् नुँ अख् क्रुज् ।

हिन्दी अनु. दादी, ढ़ाई मन लहसुन लो। परन्तु खाने के लिए एक पौधा तक नहीं।

Eng. tr. Oh! Grand-mother! Take two and a half maunds of garlic — says he, but actually not even a plant for use. (Empty promises.)

सिंधी अंदर अगिड्यूं, बाहिर पगिड्यूं।

हिन्दी अनु. अंदर जो थिगलियाँ है, लेकिन बाहर सिर पर पगड़ी डाल कर चलता है।

Eng tr. Patched tatters inside, but struts with a turban outside.

अंदरि बिड बहूं, बाहिरि आटणु अन्न जो।

हिन्दी अनु. अंदर तो बिड (एक प्रकार के घास की जड़, जिस का आटा बना कर ग़रीब लोग खाते हैं, और जिस में स्वाद नहीं होता) बहुत है, और बाहर से सिर्फ आटे की तरह है। (अर्थात जो बाहर से अच्छा लगता है, लेकिन उस में कोई गुण नहीं है, ऐसे व्यक्ति के लिये प्रयुक्त।)

Eng. tr. (He) is like 'Bid' (roots of a kind of grass that are ground into flour and eaten by poor men. This flour is not very tasty —) from within, but has a layer of flour from without (i.e. a person who is good in appearance, but worthless within).

अकुलु ठहे कान, छिके क्यारी रखाई अथसि।

हिन्दी अनु. उस में बुद्धि तो है ही नहीं, सिर्फ लंबे लंबे बाल रखे हैं। (जब कोई फैशन करे, पर बुद्धिहीन हो, तब कहते हैं।)

Eng. tr. Has no intelligence, but a head covered with overgrown hair.

अच्छा कपिड़ा, खीसा खाली, माण्हुनि लेखे मुल्क जो वाली।

हिन्दी अनु. सफेद कपड़े, जेब खाली। लोगों के मत में वह मुल्क का वाली।

Eng. tr. A white garb and an empty pocket; people think, he is the care-taker of the country.

कटारी सोनी सूंहं लाइ आहे, न हणण लाइ।

हिन्दी अनु. सोने की कटार केवल सुंदरता के लिए है। वह मारने के काम नहीं आती।

Eng. tr. A knife of gold is beautiful, but of no use for killing.

कमीणे खाधो काउं, चे पखी ढंढ जो।

हिन्दी अनु. कमीने ने खाया कौआ और कहता है कि मैं ने तालाब का पक्षी खाया है। (जब कोई बुराई कर उसे छुपाना चाहता है तब कहते हैं।)

Eng. tr. The crook ate a crow, but insisted, he had eaten a bird of the lake. (This is said when someone does a bad deed, but wants to hide it.)

ख़रीदारु खखिर्युनि जो, पुछे हिंदाणा।

हिन्दी अनु. ख़रीदार है तरबूज़ों के बीजों का, और भाव पूछ रहा है तरबूज़ों का।

Eng. tr. He is the buyer of the seeds of the water-melon, but enquires after the cost of the water-melon itself.

घर में ग़र्की बि मस अथसि, ब॒ाहिर दमु हणे थो ठोढ़ीअ जो।

हिन्दी अनु. घर में सादा अनाज भी नहीं है, और बाहर कहता है कि मेरे यहाँ 'ठोढी' नामक ऊँची कणक है। (जो बाहर दिखावा ज़्यादा करता है उस के लिये।)

Eng. tr. Hasn't a grain in his house, but tells others that he has rich flour by the name of 'Thodi' in his house.

घरु ब॒धोई कोन्हे हल्या आहिनि कांव ब॒धण।

हिन्दी अनु. पहले अपना घर मज़बूत नहीं किया है, और चले हैं कौवों को पकड़ने।

Eng. tr. Hasn't made his own house stable yet, and goes out to catch crows. (i. e. to be-friend others.)

चिट्यो वाङणु, पट जो रूमालु।

हिन्दी अनु. सुसज्जित बैंगन है, और ऊपर से रेशम का रूमाल है।

Eng. tr. Dressed up brinjal with a silken scarf on top.

ज॒ाणे विछूंअ जो मंडु बि कीन हथु थो विझे नांगनि में।

हिन्दी अनु. जानता तो बिच्छू का मंत्र भी नहीं, और हाथ डालता है सांपों के बिल में।

Eng. tr. Doesn't even know the incantation of a scorpion (bite), and puts his hand in a snake's hole.

दमु दालि जो, आकड़ि पुलाह जी।

हिन्दी अनु. हैसियत है दाल खाने की, और घमंड दिखाता है पुलाव खाने का।

Eng. tr. Has the capacity of eating plain curry, but shows off like one who eats rich and seasoned rice.

दीवान जो दमुड़ीअ जी दालि ते।

हिन्दी अनु. दीवान का दम दमड़ी की दाल में। (आमिल लोग, जो ज़्यादा तर सरकारी नौकर थे—थोड़ासा पा कर भी अपने को बड़ा दिखाते थे।)

Eng. tr. A great man's pride consists in half a farthing worth of pulse.

पराए माल ते टोपी निराड़ते।

हिन्दी अनु. पराए माल पर तिरछी टोपी पहने।

Eng. tr. Cocks up his hat in pride for another's thing.

पाई न अथसि पलइ, चे हारु गिन्हां कीन छली।

हिन्दी अनु. उस के पास एक पाई भी नहीं, और पूछ रहा है कि हार ले आऊँ या छल्ला।

Eng. tr. He has not a pie in his pocket, and he asks (his wife) whether he should buy her a golden necklace or a ring.

पाण पिने, घोड़ा गिन्हे।

हिन्दी अनु. स्वयं भीख मांगता है, और चला है घोड़े खरीदने।

Eng. tr. Lives himself by begging, and goes to purchase horses.

पाणु न पाड़े, कुता धारे।

हिन्दी अनु. अपना पालन नहीं कर सकता, और चला है कुत्ते पालने।

Eng. tr. Cannot look after himself, but domesticates dogs.

पेट में बुख उरह में क्षाकड़ि।

हिन्दी अनु. पेट में भूख और मन में अभिमान। (जो भूखा होने पर भी बाहर से कहे कि मुझे खाना नहीं चाहिए, उस के लिए कहा जाता है।)

Eng. tr. Has hunger in his stomach, and yet pride in his heart. (Said for one who pretends not to be hungry even when he is.)

मुल्क में डेढ खजूर, मियां लेटे बाग़ में।

हिन्दी अनु. उस की मिल्कियत तो है एक आध खजूर का वृक्ष, और उन के नीचे सोने पर समझता है कि मैं बग़ीचे का मालिक हूँ।

Eng. tr. Has only a few palmyra trees in his possession, but, lying under one of them, dreams of being the owner of a whole orchard.

माउ मरे रुखे सुके, धीउ दा नालो डही।

हिन्दी अनु. मां तो रुखी-सुखी खाने के लिए तरसती है, और बेटी का नाम रखा है दही।

Eng. tr. The mother longs for crumbs everyday, and calls her daughter 'curds.'

माउ मुरली, पीउ तंबूरो, पुट्ट वज़ाइणमें ई पूरो।

हिन्दी अनु. माँ मुरली है, बाप तंबूरा है, बेटा उन को बजाने में ही लगा। (अर्थात् उस में अपनी विशेषता नहीं, माँ-बाप के नाम से ही चलता है।)

Eng. tr. His mother is a flute, his father is a string-instrument, and he is busy playing on them (i.e. he has no special qualities of his own. He lives by his parents' name).

लखु घर में, ब़ी मिड्याई ओधरि ।

हिन्दी अनु. लाख तो घर में हैं, बाकी पैसे दूसरों को उधार दिये हैं।

Eng. tr. Says with pride that he has a lakh (of rupees) in the house, and the rest have been loaned out.

लभे लठि बि कान, बाबो बंदूकुनि वारो ।

हिन्दी अनु. उस के यहाँ एक लाठी भी नहीं है, और कहता है कि मेरा बाप बंदूकोंवाला है ।

Eng. tr. Hasn't a stick with him, and says his father owns guns.

लभे लूणक बि कान, सधूं मरीड़ेते ।

हिन्दी अनु. उस के पास कुलफा भी नहीं, और इच्छा करता है मरीड़ा (दूसरा साग विशेष) की ।

Eng. tr. Hasn't 'kulpha' (a kind of green vegetable) with him, and longs for 'mareeda' (another green vegetable).

सुम्हे थो ढेर ते, सुपना थो लहे महलनि जा ।

हिन्दी अनु. सोता है टीले पर, और ख्वाब देख रहा है महलों के ।

Eng. tr. Sleeps on top of a hill, and dreams of palaces.

हड़ पोरा, सड़ वड़ा ।

हिन्दी अनु. पैसा तो पास में है नहीं, और जताता है कि धनवान हूँ ।

Eng. tr. Hasn't a penny with him, but pretends to be rich.

हड़ सखिणी लोड़ घणी, आउ मार्या, खुटल धणी ।

हिन्दी अनु. गाँठ ख़ाली, नख़रा ज़्यादा; आ बे कंगालों के राजा ।

Eng. tr. Has nothing in his pouch, but shows off a lot—he is the king of paupers.

हड़ में हरीरुं, गोड़ि में पताशा; अंदरि अग़िड्यूं ब़ाहिर ठाशा ।

हिन्दी अनु. गाँठ में हर्रा, धोती में बताशे; अंदर थिगलियाँ, बाहर सुंदर वेश ।

Eng. tr. Has yellow myrobalan in his pouch, sweets in his loin cloth; there are patches inside, but a good appearance outside.

मराठी अंगाला भरज़री अंगरखा आणि पायाला उन्हाचा तडाखा.

हिन्दी अनु. शरीर में ऊँची पोशाक, और पैरों में जूतों का अभाव ।

Eng. tr. Limbs are robed magnificently while the feet are being scorched badly.

अंगी नसता गर्भछाया वंध्या डोहाळे सांगे वाया.

हिन्दी अनु. शरीर में गर्भ की छाया भी नहीं, फिर भी वांझ दोहद कहती है ।
(बिना आधार से किया हुआ वक्तव्य या कथन ।)

Eng. tr. A barren woman tells in vain the longings of pregnancy.

अंधळा डोळा काज़ळाने साज़रा।
हिन्दी अनु. अंधा नयन काजल से सजाया।
Eng. tr. A blind eye decked with collyrium.

अईन रावणाची व आस लेंडकाची.
हिन्दी अनु. शान रावण की और इच्छा मेंगनी की।
Eng. tr. Demeaner of Ravana, but desire for pellets (filth).

अगा अगा देसाया, काष्टी नाय नेसाया।
हिन्दी अनु. अरे रे देसाई, लंगोटी भी नहीं बचाई। (वैभवसंपन्न व्यक्ति जब वैभवरहित होता है तब उस के बारे में इस कहावत का प्रयोग किया जाता है।)
Eng. tr. Oh ! Thou chieftan ! You have no loin cloth to wear !

अभिमानाची दीडा कानाची.
हिन्दी अनु. घमंड की, ड्योढ़े कान की।
Eng. tr. Proud of her beauty though she has cropped ears.

अहेर चोळीचा / नारळाचा आणि गजर वाज़ंत्र्यांचा.
हिन्दी अनु. चोली / नारियल का उपहार और बाजों की लगाई भरमार।
Eng. tr. Gift of a bodice / coconut amidst a loud trumpeting.

आग्रह स्वर्गातला आणि पत्ता नाही ताकाला.
हिन्दी अनु. आग्रह स्वर्ग का और पता नहीं छाछ का।
Eng. tr. Gives heavenly invitations with zeal when there's not a drop of butter milk to drink.

आडातला बेडूक समुद्राच्या गोष्टी सांगे.
हिन्दी अनु. कुएँ का मेंढक सागर की बातें करें।
Eng. tr. A frog in the well talks of the sea.

आणितो उसनवारी, मिरवितो ज़मादारी.
हिन्दी अनु. उधार का लाता है, जमादार कहलाता है।
Eng. tr. Brings things on credit, but struts like a headman.

आपण नागडी (गांड उघडी) कान्ना बुगडी.
हिन्दी अनु. (अ) आप नंगी (गांड खुली) कान में बाली।
(आ) अपना तन नंगा और कान में डाले झुमका।
Eng. tr. Not a rag to wear, but has earrings to adorn.

आम्ही गडकरी हांव, दांडयानं पाणी बोच्यांक लाव.
हिन्दी अनु. हम गढ़पति हैं, डोई (डोकी) से गांड पर पानी डालो। (ऐसा अमीर आदमी, जो अपना खुद का भी कुछ काम न करना चाहता हो।)
Eng. tr. I am the captain of a fort, so apply water with a stick to my anus.

आले आले रुखवत, कडाडला हंडा, उघडून पाहातात तो अर्धाच मांडा.

हिन्दी अनु. आया आया दायजा, बजाते हुए बाजा, खोल कर देखो तो (निकला) आधा खाजा।

Eng. tr. Here comes the cauldron of wedding gifts with a band/bang, but when opened, only half a cake it contained.

उतरंडीला नसेना दाणा, पण दादला असावा पाटीलराणा.

हिन्दी अनु. हांड़ियों के थापे में अनाज का दाना न सही, लेकिन शौहर चाहिये गाँव का चौधरी।

Eng. tr. No matter if the corn-bin is without a grain in it, but her husband must be a village-head.

उदाऱ्याचा पुधार खाटल्याखाली अंधार.

हिन्दी अनु. (अ) उदार की डींग खटिया के नीचे अंधेरा।
(आ) डींग मारता उदार खटिया तले अंधकार।

Eng. tr. Loud talk of philanthrophy when there is darkness under his cot (i.e. when he has nothing to spare).

एका कानावर पगडी, घरी बाईल उघडी.

पाठभेद कानावर पगडी, घरीं रांड उघडी.

हिन्दी अनु. एक कान पर पगडी और घर में बीवी नंगी।

Eng. tr. Struts with a lordly turban, but leaves his wife unclothed at home.

ऐट बादशाहाची, धंदा भडभुंज्याचा.

हिन्दी अनु. शान बादशाह की, धंदा भड़भूँजे का।

Eng. tr. Pomp of a king, profession of a grain-parcher.

कनवटी नाही पैसा आणि लोकांना म्हणतो या-बसा.

हिन्दी अनु. पैसा नहीं गाँठ में और लोगों को बुलाए ठाट में।

Eng. tr. Pouch without a penny, heart full of hospitality.

कवड्यांचे दान वाटले, गावात नगारे वाजले.

हिन्दी अनु. कौड़ियों का दान दिया, गाँव में डंका पिटवाया।

Eng. tr. (a) Charity of nothing but 'kowries' and tom-toming all over the town. (b) Distributing 'kowries' as alms with a loud band through the town.

खायला न खरवडायला, मशालजी रगडायला.

हिन्दी अनु. न खाने को न खुरचने को, मशालची रगड़ने को (दबाने को।)

Eng. tr. Hasn't a thing to eat or to scrape with, but has the torch-bearer to rub his body. (In Gujrat, a torch-bearer usually rubs his master's body in the night.)

खायला न प्यायला, फुलेल तेल न्हायला.

हिन्दी अनु. न खाने को न पीने को, इत्र फुलेल नहाने को।

Eng. tr. Nothing to eat and nothing to drink, but must have perfumed oil for a bath.

खायला-प्यायला नसो, पण शिपाई नवरा असो.

हिन्दी अनु. खाने-पीने को न हो, पर खसम सिपाही हो।

Eng. tr. It matters not whether there is anything to eat or to drink, as long as her husband is a brave soldier.

खिशात नाही अडका आणि बाजारात धक्का.

हिन्दी अनु. जेब में नहीं पैसा और बाजार में धड़म धक्का।

Eng. tr. Hasn't a penny in his pocket, but dashes to the market

खिशात नाही पै, मनात गमजा लई.

हिन्दी अनु. पैसा नहीं जेब में, बहुत इच्छाएँ मन में।

Eng. tr. Hasn't a penny in his pocket, but too many desires in his mind.

गंध दिले नायकाचे, घरी हाल बायकोचे.

हिन्दी अनु. चंदन तिलक नायक जैसा, घर में पत्नी का बुरा हाल।

Eng. tr. Dons an outfit of a Naik (a village chief), but gives the woman-folk at home only woe.

गांडीत नाही गू नि कावळ्याला आमंत्रण.

हिन्दी अनु. गांड में नहीं गू और कौवे को न्यौता।

Eng. tr. Has no filth in the anus, but invites the crow.

घर चंद्रमौळी आणि बायकोला साडी-चोळी.

हिन्दी अनु. घर का खपरैल टूटा हुआ और जोरू के लिए (नयी) साड़ी-चोली ले आया।

Eng. tr. Has a shattered house, but robes for the wife.

घरात नाही एक तीळ, पण मिशांना देतो पीळ.

हिन्दी अनु. घर में नहीं एक भी तिल, लेकिन मूँछों में देता है बल।

Eng. tr. Not a sesame at home, but has a moustache twirled.

घरात नाही कवडी, घेऊ मागे शालजोडी.

हिन्दी अनु. घर में नहीं फूटी कौड़ी, लेना चाहे दुशाला।

Eng. tr. Not a kowri in the pocket, but wants to purchase a rich garment.

घरात नाही दाणा, आणि मला पाटलीण म्हणा.

हिन्दी अनु. घर में नहीं दाना और मुझे कहो चौधराइन।

Eng. tr. Not a grain at home, but wants to be called 'Signora.'

घरात नाही दाणा, पण मला बाजीराव / हवालदार / श्रीमंत म्हणा.

हिन्दी अनु. घर में नहीं दाना लेकिन मुझे बाजीराव / हवालदार / धनी कहो।

Eng. tr. (a) Not a grain at home, but wants 'grandee' for an appelation.

(b) Not a grain in the house, but wants to be called a knight.

घरात हलाखी आणि बाळ्या मागतो पालखी.

हिन्दी अनु. घर में बुरा हाल और मुन्ना माँगे पालकी की सवारी।
Eng. tr. Not a penny in the house, but the kid wants a palanquin.

घराला नाही कौल, रिकामा डौल.

हिन्दी अनु. घर पर नहीं खपड़ा, व्यर्थ का डौल बड़ा।
Eng. tr. Not a tile on the roof, but makes an empty show.

घरावर नाही कौल, पगडीचा कोण डौल।

हिन्दी अनु. घर पर नहीं खपड़ा, पगड़ी का डौल कितना।
Eng. tr. Not a tile on the roof, but has a high perched turban.

घर दरिद्र घोळी, बाहेर तूप-पोळी.

हिन्दी अनु. घर में दरिद्रता में घुले, बाहर रोटी-शक्कर के बिना काम न चले।
Eng. tr. Wallows in poverty at home, but cannot do without bread and butter outside.

घरी नाही तुटक्या बाज़ा, भाऊ माझा बडोद्याचा राज़ा.

हिन्दी अनु. घर में नहीं टूटी खटिया, और कहे मेरा भाई बड़ौदे का राजा है।
Eng. tr. Not even a boken cot at home, and says, " My brother is the prince of Baroda."

चटका मटका तोंडाला, फाटके धोतर गांडीला.

हिन्दी अनु. चरपरा (जायकेदार) खाना मुँह में, फटी धोती कमर (गांड) में।
Eng. tr. Wants spicy and delicious food to eat, but doesn't mind a torn loin cloth.

चोखटाईचा हिरा न सात मण बुरा.

हिन्दी अनु. स्वच्छता (सफाई) का हीरा और सात मण कचरा।
Eng. tr. Says a lot for apparent cleanliness, but has tons of filth inside.

चोजाचे ओझे ढुंगणाला थंडी वाजे.

हिन्दी अनु. गहनों का बोझ ढोए, गांड को जाड़ा लगे।
Eng. tr. Carries a burden of jewellery, but has no waist cloth to keep one from cold.

छान-छोक, पण मध्ये भोक.

हिन्दी अनु. नोक-झोंक लेकिन बीच में छेद (पोला)।
Eng. tr. Decorously covered, but has an aperture (hole, orifice) within.

ज़ात कैकाड्याची, मिजास बादशाहाची.

हिन्दी अनु. जात बनजारे की, मिजाज़ बादशाह का।

Eng. tr. Belongs to the caste of basket-makers, but puts on airs of a king.

टणटण फुटाणी न् हाती नाही दुगाणी.

हिन्दी अनु. चने जैसी टनाटन उड़े और हाथ में कभी कौड़ी भी न पड़े ।

Eng. tr. Bursts forth like soaked gram when parched (i.e. referring to one who is not polite of behaviour), but has not a farthing at hand.

टाकमटिका, डोक्यात लिखा.

हिन्दी अनु. ऊपर ठाठबाट, सिर में जूँ के अण्डे ।

Eng. tr. Sophisticated and showy outside, but has lice in the head.

ठसक देशमुखाची आणि ओवाळणी काचकुलाची.

हिन्दी अनु. शान चौधरी की, करनी (भेंट) दरिद्र की ।

Eng. tr. Pride of a chieftan, but gives gifts like a pauper (behaves like a pauper).

डोकीला नाही खोबरेल नि गांड मागते मोगरेल.

हिन्दी अनु. माथे को नहीं कोपरे का तेल और गांड मांगे मोतिया का इत्र ।

Eng. tr. Has not even coconut oil for the hair, but wants scented oil for the anus.

डोकीला मिळेना खोबरेल, बाईल मागते मोगरेल.

हिन्दी अनु. सिर को नहीं मिलता गरी का तेल, जोरू (स्त्री) मांगे इत्र फुलेल ।

Eng. tr. Has not even coconut oil for the hair, but the wife wants scented oil of the jasmines.

ढुंगणास नाही खेंडा, पण दिमाखाचा झेंडा.

हिन्दी अनु. (अ) गांड में नहीं लंगोटी लेकिन शान दिखाए झूठी ।
(आ) गांड में नहीं अच्छा कपड़ा लेकिन शान का फहराए झंडा ।

Eng. tr. Not even a coarse cloth is round the waist, but carries haughtiness like a flag.

तुराटी नाही गांड खाज़वायला आणि आमंत्रण सगळ्या गावाला.

हिन्दी अनु. तिनका नहीं गांड खुजलाने को, और न्योता दिया सारे गाँव को ।

Eng. tr. Has not even a straw to scratch his buttocks, but invites the entire town.

तोंडाला पदर आणि गावाला गजर / नज़र.

हिन्दी अनु. मुँह पर आँचल और गाँव भर गर्जना / नज़र ।

Eng. tr. Even if a widow, has an eye all over.

तोलदारी खाशाची व घरी कळा ज़ोशाची.

हिन्दी अनु. नोकझोंक अमीर की, और घर की हालत गरीब ब्राह्मण जैसी ।

Eng. tr. Vies with the noblemen, but his home is like that of a poor astrologer.

दांत ना दाढा चबिना गाढा.

हिन्दी अनु. बिना दाँतवाला आदमी अच्छा भोजन माँगता है तब यह कहावत उपयोग में लाई जाती है ।

Eng. tr. (Has) neither teeth nor molars, and therefore wants soft and tasty eatables. (Referred jocutarly to one who tries to bite into hard morsels and yet has no teeth or molars.)

दात नाही मुखात, विडे घाली खिशांत.

हिन्दी अनु. दाँत नहीं मुख में, बीडे रखे जेब में ।

Eng. tr. Has no teeth in the mouth, so stuffs his pockets with rolls of betel-leaves with arecanut.

दिमाख लवडी कानात कवडी.

हिन्दी अनु. दिमाख भारी और कानों में फूटी कौड़ी ।

Eng. tr. Ostentation a lot with only a broken cowrie for an earring.

धंदा हजामाचा आणि मिजास पातशाहाची.

हिन्दी अनु. धंधा हज्जाम का और मिजाज़ बादशाह का ।

Eng. tr. Profession of a barber, but pomp of a king.

धाक न दरारा, फुटका नगारा.

हिन्दी अनु. धाक न दबदबा फूटा नगाड़ा ।

Eng. tr. Can command neither fear nor awe, seems like a shattered drum. (Referring to elders and masters who can command nobody.)

नाकाडोळ्यांचा चकचकाट, चुतीवर माशांचा वसवसाट.

हिन्दी अनु. आँख–नाक की चमचमाहट, चूत पर मक्खियों की भिनभिनाहट ।

Eng. tr. Has a striking appearance, but there is abundance of flies on her vagina (i.e. within she is all dirty).

नाकात नाही मणका, नटाईचा झणका.

हिन्दी अनु. नाक में नहीं मोती और नटनी शान दिखाए थोथी ।
(नटनी की नाक में मोती भी नहीं और शान से इतराती हुई जाती है ।)

Eng. tr. Has not a pearl for her nose (as a nose-ring), but struts about fashionably.

नाकी नाही काटा, रिकामा ताठा.

हिन्दी अनु. नाक में नहीं काँटा, व्यर्थ का झटका । (चाँटा)

Eng. tr. Struts about in vain though she has no nose-ring on.

पागोट्याचा समला, राजाराम दमला.

हिन्दी अनु. साफे का तुर्रा, राजाराम ऊबा ।

Eng. tr. Tries himself tying his turban (the turban being worn in a very sophisticated way), Rajaram gets tired.

पाट नाही बसायला, रांगोळी कशाला ?

हिन्दी अनु. आसन नहीं बैठने को, अल्पना (रंगोली) काहे को ?

Eng. tr. Not a wooden board to sit, but has a decorative design round the plate.

पाटीलबोवाच्या मोठ्या मिशा, घरच्या बायका घुबडी ज़शा.

हिन्दी अनु. चौधरी की मूछें बड़ी, घर की स्त्रियाँ उल्लू जैसी।

Eng. tr. Whiskers adorn the chief, but the women at home have the looks of owls.

पुठ्ठ्याला शेण चोपडून मला कोठीचा बैल म्हणा.

हिन्दी अनु. पुट्ठे में गोबर पोत कर मुझे कोठी का बैल कहो।

Eng. tr. Applies dung to his buffocks, and asks to be called the ox of the granary.

पोटाला नाही ठिकाण, चोटाला करा आरती.

हिन्दी अनु. पेट का नहीं ध्यान और लंड का करे गुणगान।

Eng. tr. No grub for the belly, and wants his penis to be worshipped.

बारा गावचा मोकाशी, घरी बायको उपाशी.

हिन्दी अनु. बारह गांवों की ठकुराई, घर में औरत भूखी।

Eng. tr. (Himself) is the land-owner of twelve villages, and his wife at home has nothing to eat.

बाहेर चंदनाचे वाडे, आत सावकाराचे निवाडे.

हिन्दी अनु. बाहर चंदन की इमारत, भीतर साहुकार की पंचायत।

Eng. tr. Palacious abode of sandal-wood, but has creditors inside.

बाहेर तुपाशी आणि घरी उपाशी.

हिन्दी अनु. बाहर खाए घी चोखा, घर में रहे भूखा।

Eng. tr. Eats butter outside his home, but remains hungry within.

बेत बाजीरावाचा, उजेड सणकाड्यांचा.

पाठभेद तोरा सरदाराचा, उजेड सणकाड्यांचा.

हिन्दी अनु. ठाठ बाजीराव का, उजाला तिनकों / पुआल का।

Eng. tr. Plans of a knight, but only straws for light.

बोलण्याची टकळी, खाली गांड मोकळी.

हिन्दी अनु. बोलने की तकली, नीचे गांड पोली।

Eng. tr. Big things to jabber about, but nothing for a loin cloth. (His buttocks remain uncovered.)

बोलण्यात ज़ोर अन् कामात अंगचोर.

हिन्दी अनु. बोलने में ज़ोर और पूरे कामचोर.

Eng. tr. Talks with abandon, works with reservation.

भली भसाडी, गंगथडीची पेंढी, आपटली तर सारा गळाटा.

हिन्दी अनु. गंगथड़ी की घास का मुट्ठा, होता है बहुत बड़ा, खोला तो निकला पोला।

Eng. tr. The huge and ugly stack of hay from the banks of the Ganga, when banged (on the floor), is found worthless.

माथ्याक ना तेल आनी मिशाक गंधेल.

हिन्दी अनु. सिर में न लगाए तेल, और मूछों में लगाए इत्र ।

Eng. tr. Has no oil for the hair, but wants scented oil for moustaches.

मियाचे लाल तुरे, बिबीचे हाल बुरे/पुरे.

हिन्दी अनु. मिया का अपना तुर्रा, बीबी का हाल बुरा ।

Eng. tr. The husband struts with red plumes (on his headwear), but his wife at home faces trouble. (She is given no attention.)

मिशांक ना खोबरेल खाडाक खंचें मोगरेल ? (कों.)

हिन्दी अनु. यदि मूछों में लगाने को तेल नहीं है, तो दाढ़ी में लगाने के लिए इत्र कहाँ से आए ?

Eng. tr. There is no coconut oil for his moustache, and how can he get jasmine oil for his beard ?

मोठॅ घरा पॉकळ वांशॅ.

हिन्दी अनु, बड़ा मकान खोखली लकड़ी.

Eng, tr. House palacious, hollow rafters.

मोठ्या लोकांचे गाडगे भोकाचे.

हिन्दी अनु. बड़ों के मटकों में छेद ।

Eng. tr. Rich people have leaky earthen pots.

रावांच्या कानावर पगडी अन् घरी रांड उघडी.

हिन्दी अनु. राव के सिर पर पगड़ी और घर में रांड (जोरू) उघाड़ी ।

Eng. tr. The sire struts with a turban, when the wife is unclothed at home.

रिकामा डौल आणि घराला नाही कौल.

हिन्दी अनु. व्यर्थ नखरा, घर पर नहीं खपड़ा ।

Eng. tr. The house is showy outside, but has no tile on the roof.

वर लुगडं, खाली उघडं.

हिन्दी अनु. ऊपर दुशाला, नीचे (सब) खुला । (जहाँ गुप्तता की आवश्यकता हो वहाँ उस की रक्षा न करते हुए अनावश्यक स्थान में गुप्तता के लिए सतर्क रहना ।)

Eng. tr. Covers her top with a sari, but laves her bottom exposed.

वरून मस्ती आणि पोटात धास्ती.

हिन्दी अनु. (अ) ऊपर से मस्त, भीतर भयग्रस्त ।
(आ) ऊपर से डाँट, भीतर भय की गाँठ ।

Eng. tr. Appears excessively courageous, but has fear within.

वाकडी पगडी तिरपी मान, घरात असेल तर देवाजीची आण.

हिन्दी अनु. तिरछी पगड़ी टेढ़ी गर्दन, घर में कुछ हो तो खुदा की कसम ।

Eng. tr. Struts lordly with a turban on his head, and his head slightly inclined, but God knows, there isn't anything in his house to eat.

वैराग्य कडकडतो, फोडणीसाठी तडफडतो.

हिन्दी अनु. वैराग्य की गर्जना, सालन के लिए चिल्लाना। (एक ओर वैराग्य की चर्चा करते हुए दूसरी ओर जायकेदार पदार्थों के लिए लालायित रहना।)

Eng. tr. Talks loud of his abstinence, but gets furious when not given spicy food.

शिलेदारी झोक, पगडीला भोक.

हिन्दी अनु. दिखावा रईस का, पगड़ी में छेद।

Eng. tr. Puts on airs of a chevalier, but wears a turban with a hole.

हात-पाय लुळे, पण जीभ चुरचुर बोले.

हिन्दी अनु. हाथ-पाँव लूले लेकिन जीभ कतरनी की तरह चले। (जो मनुष्य प्रत्यक्ष काम नहीं कर सकता किन्तु बराबर जबान चलाता है उस के संबंध में कहा जाता है।)

Eng. tr. (His) limbs are paralytic, but his tongue moves fast (i.e. he has no strength to do anything, but talks a great deal).

गुजराती **उपर हीरा चकचके, अंदर कीडा कचकचे.**

हिन्दी अनु. ऊपर हीरा चमके और अंदर कीड़े बिलबिलाएँ।

Eng. tr. The diamonds shine out on the surface, but within (inside, beneath the surface) the worms screech.

कंकण वेंचीने काकी कहेडाववुं.

हिन्दी अनु. कंगन बेच काकी कहलवाना।

Eng. tr. To be called an aunt after selling off one's bangles.

काने नहिं, कोटे नहिं, ने वाल सोनुं होठे.

हिन्दी अनु. कान में नहीं, गले में नहीं, पर वाल सोना होठ में। (वाल – सोने का माप)

Eng. tr. Neither in the ears nor in the neck, but gold weighing carat is in the lips (for show).

गजवामां नहिं कोडी, ने बजारमां जाय दोडी.

हिन्दी अनु. जेब में नहीं कौड़ी पर बाजार में जाय दौड़ी।

Eng. tr. Rushes to the market when there's not a single cowrie (pie) in his pocket.

गांडमां लंगोटी नहीं, ने काकरिए डेरा.

हिन्दी अनु. गांड पर लंगोटी नहीं, और तालाब पर डेरा।

Eng. tr. No loin cloth to cover the anus, and yet camp at Kankaria (a lake).

घर मां हाल्ले हालां लडे, ने बाहर तो लाल जी मन्यार.

हिन्दी अनु. घर में हंडी से हंडी टकराये (लड़े), और बाहर लालाजी खजांची (मणि के व्यापारी।)

Eng. tr. The vessels at home clash among themselves, and out of doors, he poses himself to be Lalji Manyar. (हाल्ले हाल्लां लडे — utensils clashing against each other is a Gujarati idiom expressing poverty in the house).

घेर गंधाय ने बहार पसरे.

हिन्दी अनु. घर में दुर्गंध, बाहर सुगंध ।

Eng. tr. Stinks at home, and spreads sweet smell out of doors.

घेर मां अंधारु ने आंगणे दीवो.

हिन्दी अनु. घर में अंधेरा और आँगन में दीया ।

Eng. tr. Darkness inside the house, and a lamp in the courtyard.

चक्षुए चोपडवा तेल नहिं ने डेलीए दीवो करो.

हिन्दी अनु. आँखो को लगाने को तेल नहीं, और देहरी पर दीया जलावें ।

Eng. tr. No oil to apply to the eyes, and burns a lamp at the gate (entrance) of the house.

छप्पन वखारी माटो कुंची, हाथ मां न मले पण नजर ऊँची.

हिन्दी अनु. छप्पन गोदाम (हैं) और चाभियों का गुच्छा है, हाथ में एक पैसा नहीं है, पर नज़र ऊँची है ।

Eng. tr. He is the keeper of fifty-six godowns, and carries a big bunch of keys; gets nothing for himself, yet ostensibly moves as the wealthy owner.

जमवां आवजो, ने हाल्लां फुटी गया ।

हिन्दी अनु. भोजन करने आना, और हाँडी फूट गई ।

Eng. tr. Come to dine with us, but the vessels are broken.

झांझर वेंची शेठाणी कहेडावत्रुं.

हिन्दी अनु. झांझर बेच कर सिठानी कहलवाना ।

Eng. tr. To be styled a rich lady after selling one's anklets.

ठंठण पाल, ने मदनगोपाल.

हिन्दी अनु. ठंठण पाल और मदनगोपाल ।

Eng. tr. A lout without wit or money, and yet (calls himself) Madangopal.

ठुंठानी रांड ने ठमको भारी.

हिन्दी अनु. ठूंठे की रांड के ठमके (नखरे) भारी ।

Eng. tr. (a) Much affection and fashionableness for the wife of the one-armed.

(b) Too much pomp and vanity for the wife of the crippled (armless).

ठाली ठकराई ने फांटमां छाणां, सूवे त्यारे भेठ बिछाना.

हिन्दी अनु. झूठी ठकुराई और आँचल में कंडे, सोने के लिए धोती ही बिछा दे ।

Eng. tr. (Showing) vain dignity and (carrying) cow-dung-cakes in the ends of his garments, and the loin cloth alone is the bed to sleep upon.

ठोठ निशाळियाने वतरणां घणां.

हिन्दी अनु. बुद्दू विद्यार्थी के पास कलम ज़्यादा ।

Eng. tr. Many pens for a dull pupil.

डोळ पादशाहनुं, ने दुकान भाड़भुजानी.

हिन्दी अनु. (ढोंग) दिखावा बादशाहा का और दूकान भड़भुंजे की ।

Eng. tr. Vanity of an emperor, and runs a shop of a grain-parcher.

ढम ढोल, ने माहे पोल.

हिन्दी अनु. ढम ढोल और अन्दर पोल । (आवाज़ बड़ी, भीतर खोखला ।)

Eng. tr. A loud beating drum, but empty within.

पुंजी भाभड भुंजानी, ने मिजास शाहजादी नो.

हिन्दी अनु. पूँजी भड़भुंजे की और मिजाज़ शाहजादी का ।

Eng. tr. Assets (wealth) of a grain-parcher, but airs of a princess.

पेटने पूरा नहिं, ने झोटिंगने वडा.

हिन्दी अनु. अपने पेट को मिले नहीं और भूत को बड़ा दे ।

Eng. tr. Can't maintain himself sufficiently, and offers vada to a goblin (an evil spirit).

फूलफटाकिया ने फाटमां छाणां, घेर आवे त्या कलेडां काणां.

हिन्दी अनु. छैल छबीला और आँचल में कंडे, घर पहुँचा तो देखा कि बरतन भी टूटे हुए ।

Eng. tr. Fashionable and foppish in appearance, and yet (carries) cow-dung-cakes in the ends of his garments; returns home where pots and pans are broken.

फूलीबाईनी फूल, ने घरमां न मळे धूळ.

हिन्दी अनु. फ़ूलवती का फ़ूल और घर में न मिले धूल ।

Eng. tr. Vanity of a puffed up woman, and (even) dust is not available in her home.

मियां कोडियां चाटे, ने बिबिने फुलेल जोइये.

हिन्दी अनु. मियांजी चाटे दीये और बीबी को फुलेल (सुगंधी तेल) चाहिये ।

Eng. tr. The husband licks the earthern lamp (for oil), and the wife wants scented hair oil.

मियां छेल छटाक, ने बीबी धूळ झटाक.

हिन्दी अनु. मिया छैल छबीले पर बीबी धूल फटकती है । (दैन्यता सूचक)

Eng. tr. Miyan (husband) foppish and Bibi (wife) eats the dust (in poverty) (i.e. leads a wretched poor life).

मूछे चोपडवा तेल नहीं ने डेलीए दीवो करो.

हिन्दी अनु. मूँछ पर लगाने को तेल नहीं और फाटक पर दीया जलाओ ।

Eng. tr. There is no oil to apply to the whiskers, yet he wants to light a lamp at the front door of the house.

मोंने मरचुं मळे नहीं, ने गांडने जायफळ.

हिन्दी अनु. मुँह को मिरची न मिले और गांड को जायफल।

Eng. tr. Can't get (even) chilli (black pepper) for the mouth, and nutmeg for the anus.

लखण लखेसरीनां, ने करम भिखारीनां.

हिन्दी अनु. लक्षण लखपती के और करम भिखारी के।

Eng. tr. Signs of a millionaire, but actions of a beggar.

शेखाई शाहजादानी, ने कसब भडभूंजानो.

हिन्दी अनु. शेखी शाहजादे की और काम भड़भूंजे का।

Eng. tr. Vauntings of a prince, but the profession of a grain-parcher.

हाथ पगनुं लंगडुं, ने जमादारनुं जोम.

हिन्दी अनु. हाथ-पाँव लूले और जमादार का जोश।

Eng. tr. Hands and legs crippled, but enthusiasm of a police-officer.

हाथमां नहि कोडी ने उभी बाजारे दोडी.

हिन्दी अनु. हाथ में नहीं कौड़ी, और खड़ी (सीधी) बाजार में दौड़ी।

Eng. tr. Without a cowrie in her possession (in hand), she straightway rushed to the market.

हाथमां माला, ने हैयामां लाला.

हिन्दी अनु. हाथ में माला और दिल में लालसाएँ।

Eng. tr. A rosary in hand, ardent desires in the heart.

हुं धणी ने अंधारुं, लाव रांड वाटकी वेचीने तेल लावुं.

हिन्दी अनु. मैं मालिक (पति), और अंधेरा ! ला रांड, कटोरी बेच कर तेल लाऊँ।

Eng. tr. I am a master and still there is darkness in the house ! Bring that cup you wretch, I will sell it and bring oil.

हेडमां पग ने मुछ पर ताव.

हिन्दी अनु. बेड़ी में (जेल में करघों में रखी हुई लकड़ी की मियाल, जिस में कैदी के पैर बाँध दिये जाते थे, परंतु वह उस से छुटकारा नहीं पा सकता था।) पैर और मूछों पर ताव।

Eng. tr. His legs are in the stocks, yet he sets at defiance.

वाङ्ला अकर्मा नापितेर धामाभरा क्षुर।

हिन्दी अनु. अनाड़ी नाई के पेटी भर उस्तरे।

Eng. tr. A bad barber's basket contains too many razors.

अब्राह्मणेर दीर्घ फोंटा।

हिन्दी अनु. अब्राह्मण का टीका ठोस।

Eng. tr. The non-brahmin wears the brow-mark bolder.

आगे पाछे लण्ठन, काजेर बेला ठन्ठन्।

हिन्दी अनु. आगे-पीछे लालटेन, काम के वक्त ठन्ठन्।
(दिखावा तो खूब, लेकिन असली काम कुछ भी नहीं।)

Eng. tr. Now a lamp in front and a lamp behind; when the need arises, not even one you'd find.

आपनाके ना बिबिर आँटे, खाबला खाबला शिन्नी बाँटे।

हिन्दी अनु. अपने लिए और बीबी के लिए आँटा तक नहीं, और औरों को मिठाई बाँटे।

Eng. tr. There is not sufficient provision for him or his wife, but he is distributing handfuls of sweets to others.

आसर घरे मशाल नाइ, ढेंकशाले चाँदोया।

हिन्दी अनु. दीवानखाने में दीया नहीं, खलिहान में लगा चँदवा।

Eng. tr. There is no torch in the drawing-room, while there is a canopy for the husking-pedal shed.

इटे नेइ भिटे नेइ, बाइरे मर्दानि।

हिन्दी अनु. ईंट भी नहीं, घर भी नहीं, बाहर (घर-मालिक का) ठाठ।

Eng. tr. Owns not a brick nor a block, but poses as if a landlord.

उद खेते:खुद नेइ, नेउले बाजाय शिंगे।

हिन्दी अनु. जलपान के लिये किनका तक नहीं, और नेवला (आदमी) सींगी बजाता है!

Eng. tr. There's not even broken rice to eat with a glass of water, and the merry mongoose (fellow) is blowing a trumpet.

उदुखले खुद नेइ चाटगाँये बरात।

हिन्दी अनु. ऊखल में दाना तक नहीं, और चले बारात में चितगाँव।

Eng. tr. Not even a few broken bits of rice in the husking-pedal, but he boasts of going to Chitagaon for a marriage ceremony.

एक पयसार मुरद नेइ पागड़ी बाँधे तेड़ा।

हिन्दी अनु. एक पैसे की औकात नहीं, पगड़ी टेढ़ी बाँकी।

Eng. tr. Not worth a farthing, yet he wears a cocky turban.

एक पो चालेर परमान्न, गाँ शुद्ध नेमन्तन्न।

हिन्दी अनु. एक पौवा चावल और न्यौता सारे गाँव को।

Eng. tr. A quarter measure of main dish, and feeding whole village is his wish.

'क' अक्षर ज्ञान नेइ, ब्रह्मविचार करे।

हिन्दी अनु. 'क' अक्षर का ज्ञान नहीं, और ब्रह्मज्ञान का विचार करे।

Eng. tr. Ignorant of even ABC, and talks high philosophy.

काँके कलसी चड़क-पाक, गिन्नी हबार बड़ो जाँक।

हिन्दी अनु. कलसी लेकर चलती है तो लड़खड़ाती है, और बहू बनने की तमन्ना।

Eng. tr. She cannot walk without swinging with pitcher of water, and she yearns to be a wife.

कँगालेर ठाकुर-व्याधि ।

हिन्दी अनु. कंगाल को धूमधाम से पूजा करने का शौक ।

Eng. tr. The pauper is suffering from God-worship (A man not having a pie, indulging into costly habits.)

कालिर आँचड़ नाइको पेटे, चंडी पडेन कालीघाटे ।

हिन्दी अनु. (१) सीखे नहीं बालखडी, करने चले चंडीपाठ ।
(२) स्याही को हाथ तक नहीं लगाया, करने चले चंडीपाठ ।

Eng. tr. He does not know even the alphabet, and he wants to read 'chandi' in Kali temple.

कुँजोर चित् हये शोबार साध ।

हिन्दी अनु. कुबड़े को चित (पीठ पर) सोने का शौक ।

Eng. tr. A hunch-back wishes to sleep on his back.

कुँड़ेघरे बास, खाट-पालङ्केर आश ।

हिन्दी अनु. टूटे-फूटे घर में रह कर खाट-पलङ्ग की आस ।

Eng. tr. Staying in a hut, and wishing for a four-poster.

कोनो काले नेइ षष्ठीपूजा, एकबारे दशभुजा ।

हिन्दी अनु. कभी षष्ठीपूजा भी नहीं की, और अब दुर्गापूजा करना चाहता है ।

Eng. tr. Never observed the simple 'Shashthi' worship and now indulging in the elaborate festival of Durga-puja.

खुदेर जाउ पाय ना, क्षीरेर जन्ये काँदे ।

हिन्दी अनु. कांजी भी नसीब नहीं, और खीर के लिए रोवे ।

Eng. tr. Even gruel of broken rice is hard to come by, and crying for a rice-pudding !

खेते पाय ना शाक सजिना, डाक दिये बले घि आन ना ।

हिन्दी अनु. खाने को साग नहीं मिलता, बुला कर कहे घी ला ।

Eng. tr. Not possible to eat even leafy vegetables, yet to order loudly for ghee.

खोसे तेल जोटे ना, तालेर बड़ार साध ।

हिन्दी अनु. सर में खुश्की को लगाने के लिए तेल नहीं है, और ताल बड़ा मांगे ।

Eng. tr. Cannot afford oil even for the scabies, and desire for (delicacies) a palm-cutlet.

गाँ-बेड़ानी छुतारणी, तोला जले चान ।

हिन्दी अनु. गाँव भर घूमनेवाली बढ़इन, घर में पानी ला के नहाए ।

Eng. tr. Carpenter's wife who roams about the village, takes bath at home with stored water. (A lowly woman posing as a high-status lady who does not bathe in the village-pond.)

गाँये माने ना आपनि मोड़ल ।

हिन्दी अनु. गाँव माने नहीं, खुद को कहलाये मुखिया ।

Eng. tr. Styling himself as a village chief even though the villagers do not care for him.

गाजनेर नेइ ठिकाना, केबल बले ढाक बाजा ना ।

हिन्दी अनु. मेले का नहीं ठिकाना, खाली ढोल बजाने को कहे ।

Eng. tr. Instead of preparations for the festival and worship proper, asking the drum-beaters to beat loudly.

गाये उड़े खड़ि, कलप देओया दाड़ि ।

हिन्दी अनु. बदन पर झुर्रियाँ, दाढ़ी में कलप । (खिजाव)

Eng. tr. The skin is shrivelling, and yet he desires to dye his beard black.

गाये नेइ रस, राँधे व्यंजन दश ।

हिन्दी अनु. बदन में नहीं दम, पकवान पकाए दस ।

Eng. tr. The body is weak, yet labours to cook a variety of dishes.

गाल गल्प-कोठाबाड़ी, बाजार खरच चोद्द बुड़ि ।

हिन्दी अनु. किस्सा बड़ी हवेली का, बाज़ारखर्च चौदह दमड़ी का ।

Eng. tr. His expenses are fourteen paise only, but he bluffs about owning a brick-built house.

घट गड़ते पारे ना, मेटेर बायना नेय ।

हिन्दी अनु. घड़ा बना नहीं पाता, और हाँड़ी के लिए आग्रेम (बयाना) ले बैठा ।

Eng. tr. Incompetent to mould a small container, and the fellow accepts advance for casting a big jar.

घरे नेइ खड़, ढेंकशाले परचाला ।

हिन्दी अनु. घर नहीं घास, खलिहान पर छवाया छप्पर ।

Eng. tr. There is no hay over the house, and he is thatching the roof of the husking shed.

घरे नेइ घटि बाटि, कोमरे मेलाइ चाबिकाठि ।

हिन्दी अनु. घर में नहीं लोटा-थाली, कमर में झुलाए चाभी ।

Eng. tr. The house is bereft of pots and pans, and (the fellow) flaunts a big key on the waist.

घरे नेइ चाउल-पात, चड़िये दे घी-भात ।

हिन्दी अनु. (१) घर में नहीं चावल का दाना, चढ़ा दे घी-भात ।
(२) घर में नहीं चावल का दाना, चिल्लाए "घी-भात परोस दो ।"

Eng. tr. There is not even a sheaf of rice in the house, (but) he will shout — " Serve the rice with ghee. "

घरे भात नेइ, दोयारे चाँदोया ।

हिन्दी अनु. घर में नहीं भात, दरवाजे पर चँदवा ।

Eng. tr. There is no rice in (his) house, but he decorates his door with a fancy canopy.

घरेर मा भात पाय ना, परेर तरे माथाव्यथा ।

हिन्दी अनु. घर की माँ को भात नहीं, दूसरों के लिए सिरदर्द ।

Eng. tr. His mother in the house goes hungry, and the fellow aches his head for the house of others.

घुँटकुडुनीर बेटा, भाङ्गा गाँयेर मोड़ल, उडुनी गाये ।

हिन्दी अनु. गोबर बटोरनेवाली का बेटा, उजड़े गाँव का मुखिया, फिर भी शाल ओढ़ रखी है ।

Eng. tr. Son of a dung-gathering woman, headman of a deserted village, yet he wears a scarf.

चाइ नेइ, चुलो नेइ, हाटेर माझे राजत्व ।

हिन्दी अनु. (घर में) चावल नहीं, चूल्हा नहीं, बाजार में राजा का ठाठ ।

Eng. tr. There is neither rice nor hearth in home, yet claiming royal descent while wandering about in the market place.

चार कड़ार चेटा नेइ, चण्डीमण्डपे बसे ।

हिन्दी अनु. पास नहीं चार दमड़ी की चटाई, और चण्डीमण्डप में बैठे ।

Eng. tr. He does not even have a coarse mat, yet he likes to sit in a Chandimandap.

चा'ल नेइ धान नेइ, गोलाभरा इँदुर;
' स्वामी ' नेइ, पुत नेइ, कपालजोड़ा सिंदुर ।

हिन्दी अनु. चावल नहीं, धान नहीं, चूहे कोठीभर ।
खसम नहीं, पूत नहीं, सिंदूर मांगभर ।

Eng. tr. There is neither rice nor grains, yet the granary is there, though full of rats; (just like) the lady having neither husband nor any sons, displays her ' sindur ' (red mark) all over the brow.

चाले खड़ नेइ घरे बाति ।

हिन्दी अनु. छत में नहीं खपरैल, और घर में जले बत्ती ।

Eng. tr. There is not even the hay over the roof, and yet there is a lamp burning in the house. (A lamp is a luxury which one can illafford in such circumstances.)

चुलेर संगे खोंज नेइ, गोछा गोछा दड़ि ।

हिन्दी अनु. बालों का पता नहीं, बाल बांधने के फीतें बटोर रक्खे हैं ।

Eng. tr. There are hardly any hair to be tied, yet she has collected so many hair-bands.

छुँच गड़ते पारे ना, बंदुकेर बायना नेय ।

हिन्दी अनु. सुई बना नहीं पाता, बंदूक के लिए बयाना ले बैठे ।

Eng. tr. He cannot even make a needle, and he accepts the advance for manufacturing a gun.

छेंड़ा काँथाय शुये लाख टाकार स्वप्न।

हिन्दी अनु. फटी गुदड़ी में सोवे, और लाख रुपयों का स्वप्न देखे।

Eng. tr. Sleeping on a torn rag-bed, and dreams about a lac of rupees.

जपेर संगे खोंज नेइ, फटिके रांगा खोप।

हिन्दी अनु. जपने का नाम नहीं, हाथ में रंगीन मोतीयों की माला।

Eng. tr. There is no sign of chanting, but the rosary of crystal beads is decorated with a coloured tassel.

ताड़ाते पारे ना गायेर माछि; थुँइ करे गें राखालगाछि।

हिन्दी अनु. बदन से मक्खी उड़ा नहीं पाता, और कहे मैं काश्तकारी करूँगा।

Eng. tr. The cowherd, who is so lazy that he cannot even ward off the fly sitting on his body, announces his intention of farming the land.

नित्य चाषार झि, बेगुन-क्षेत देखे बले — ए आषार कि ?

हिन्दी अनु. खास किसान की लड़की, और बैंगन देख के कहे— "यह क्या है ?"

Eng. tr. A seasoned farm-maid, and yet seeing a field of brinjals, she asks—" What is it ? " (By shamming ignorance, she hopes to pass for a sophisticated lady.)

निष्कर्मा कीर्तनियार धामाली सार।

हिन्दी अनु. बेकार कीर्तनिया के बेताल गाने।

Eng. tr. A lazy preacher indulges in frivolous songs and acting.

परणे नेइ टेना, प्रति हाटे पान केना।

हिन्दी अनु. पहनने को कपड़ा नहीं, और हर दूकान में पान खाए।

Eng. tr. There are not even rags to his back, yet he indulges in ' Paan ' eating at every bazar.

पिंड़ेय बसे पेंड़ोर खबर।

हिन्दी अनु. घर में बैठ कर बातें करे दुनिया की।

Eng. tr. Sitting in one's hut, and talking about the whole world.

पूजोर संगे खोंज नेइ, कपालजोड़ा फोंटा।

हिन्दी अनु. पूजा का पता नहीं, तिलक लगाया चौड़ा।

Eng. tr. No worship is performed, yet the brow is smeared full with ' Sindur ' or ' Kumkum '.

पेटे भात नेइ, गोंपे ता'।

हिन्दी अनु. पेट में चावल नहीं, मूँछ पर दे ताव।

Eng. tr. There is no rice for the stomach, and he is curling his moustaches.

बापेर बयसे कलमा नेइ, पाँजा-भरा दाड़ि।

हिन्दी अनु. बाप के होते कभी कलमा तक नहीं पढ़ा, अब लम्बी दाढ़ी रखी है।

Eng. tr. Never read the scriptures even during the father's time, but (posing as a pious man) sporting a bundle of beard.

बा'र बाड़ीते लण्ठन, भितर बाड़ी ठनूठन् ।

हिन्दी अनु. घर खाली, बैठक में दीया जले ।

Eng. tr. A lantern is illuminating the outer house, but inside the house is empty.

विद्याशून्य भट्टाचार्य, पूजार बड़ो घटा;
बाँशेर पातार नैवेद्य, कचुर डाँटा पाँठा ।

हिन्दी अनु. विद्याहीन पंडित करे पूजा, सजाए बड़ा आडम्बर; बांस की पत्री का नैवेद्य, और अरवी की मूली बली का बकरा ।

Eng. tr. A senseless brahmin, Vidyashunya Bhattacharya, makes a show and pomp of his worship, he places bamboo leaves before the God to eat, and offers 'kachu' stems only as a sacrificial goat.

भाजे झिंगे तो बले पटोल ।

हिन्दी अनु. रांधे तोरई, कहे परवल ।

Eng. tr. Cooking the ordinary ribbed gourd vegetable, but telling others that he has cooked the costly 'Patal'.

मागना खेये ढेंकुरेर धुम ।

हिन्दी अनु. भीख का खा कर डकारों की धुम । (मांगे का खा कर बड़प्पन दिखलाना ।)

Eng. tr. To eat alms and belch loudly. (Posing as if one is well off.)

हेले धरते पारे ना, केउटे धरते याय (जाय) ।

हिन्दी अनु. केंचुआ पकड़ न पाये, साँप पकड़ने जाये ।

Eng. tr. Afraid to hold a small earth-worm, he is out to catch a king cobra.

असमीया आपुनि लाङठ जगतक बर ।

हिन्दी अनु. स्वयं नंगा है, और जगत् को दे बर ।

Eng. tr. He himself is naked, but grants boon to the world.

कथाखिनि कय भाल, राति पिंधे फटा जाल ।

हिन्दी अनु. बातें अच्छी करता है, रात में चीथड़े पहनता है ।

Eng. tr. Talks sweet things and wears rags during the night.

क नोबोलोते रत्नावली पढ़े ।

हिन्दी अनु. 'क' बोलना भी नहीं आता, और रत्नावली पढ़ता है ।

Eng. tr. He who can not utter the letter 'ka' dares to read Ratnavali.

खाबलै नाइ कणटो, बर सबाहलै मनटो ।

पाठभेद घरत नाइ कणटो, बर सबाहलै मनटो ।

हिन्दी अनु. खाने को कण तक नहीं, उत्सव मनाने को मन चाहता है ।

Eng. tr. Not even a grain of food to eat, yet wants to celebrate a festival.

गपत गगन फाटे, हाड़िर भात कुकुरे चाटे।

हिन्दी अनु. उस की घमंड से गगन फटे, पर उस की हाँडी से कुत्ता चावल चाटे।

Eng. tr. Even the sky cracks by his pride, but here the dog licks his rice-pot.

गाइ-गरु बाथ, रत्नावली चाय।

हिन्दी अनु. गाय-बैलों की रखवाली, और पढ़ना चाहे रत्नावली।

Eng. tr. Looks after the cattle, and desires to read 'Ratnavali'. (An ancient Sanskrit drama which makes heavy reading.)

गात नाइ चाल बाकलि, मद खाइ तिन टेकेली।

हिन्दी अनु. बदन पर (ढाँकने के लिये) चमड़ा भी नहीं, और तीन घड़े ताड़ी पीवे।

Eng. tr. He has got no skin to cover his body, but he drinks three pots full of liquor.

गात नाइ बल, नाओ सोमाय झापर तल।

हिन्दी अनु. तन में नहीं ताकद, और नाव डालना चाहे छप्पर में।

Eng. tr. He who has no strength speaks of putting the boat inside its cover.

चाकरि नाइ, बाकरि नाइ, गोंफभरा ओंठ।

हिन्दी अनु. न नौकरी, न चाकरी, होठों पर बड़ी बड़ी मूँछें।

Eng. tr. He has no work, no employment, yet flaunts big whiskers.

टिकात नाइ मूरत पाग, सि हय देहतकै आग।

हिन्दी अनु. कमर में कपड़ा नहीं, माथे पर पगड़ी, रहता है वह सब से अगाड़ी।

Eng. tr. No waist-cloth with him, yet puts on a turban, and walks ahead of every body.

टिप टिपली चराइ, टिपा मारिले मरे, कैलासलै उरो उरो करे।

हिन्दी अनु. चुटकी से मरनेवाली छोटी सी चिड़िया कैलास पर उड़ना चाहे।

Eng. tr. A tiny bird that will die at a pinch, desires to fly up to Kailash.

ढाल नाइ तरोवाल नाइ, निदिराम छर्दार।

हिन्दी अनु. न ढाल, न तरवार, बना निधिराम सरदार।

Eng. tr. He has no shield or sword, yet Nidhiram is a General.

तिनि पाइकर श्रीराम बरा, तारे एटा छाटि धरा।

हिन्दी अनु. तीन नोकरों से श्रीराम सरदार, एक माथे पर छाता धरे।

Eng. tr. Shriram is 'bora' over three attendants, one of them holds his umbrella.

तुलाहेन नपारय भार बान्धे शिल, केत्कुरि पिपिराइ हस्तीगोट गिल।

हिन्दी अनु. रुई को भी ढो नहीं सकता, कहता है–पत्थर उठाऊँगा; यह तो चीटियों का हाथी निगलना है।

Eng. tr. He cannot carry cotton, yet gets ready to carry a rock; It is like small ants devouring the elephant.

धार करा धानेरे खुन्दों पिठागुरि।

हिन्दी अनु. उधार लिये धान से बुकनी बनावे।

Eng. tr. Makes the grain, brought as a loan, into powder.

पतित बामुण स्वर्गे याबर मन, धोवा कोवा करे यज्ञ अन्वेषण।

हिन्दी अनु. पतित ब्राह्मण स्वर्ग जाना चाहता है, कौवे को यज्ञ की चाह।

Eng. tr. A fallen brahmin desires to go to heaven, a raven looks for a yajna (sacrificial ceremony).

फस्तित बङाल मरे, तिरुता बेचि काम-काज करे।

हिन्दी अनु. घमंड (दिखावट) में बंगाल मरे, औरत बेच कर कामकाज करे।

Eng. tr. Bengal dies with pride, where women are sold for business.

फोपदां, धान नाइकीया सुदा चां।

हिन्दी अनु. बातें तो बड़ी बड़ी, अनाज के बिना मचान खाली।

Eng. tr. Mouths big words, and there are no stacks of corn.

बाहिरे चुरीयार फेर, भितरे ढकुवार बेर।

हिन्दी अनु. बाहर धोती का श्रृंगार, घर में पतझड़ की दीवार।

Eng. tr. Outside he wears a big 'dhoti', inside he uses barks of a tree to wall his house.

मामाथेर गाइ दोवे, मोर नाम दुधकोंवर।

हिन्दी अनु. मामा के घर गायें दोही जाती है, और मेरा नाम दुग्धकुमार।

Eng. tr. Cows are milched at my maternal uncle's house, and my name is Dudhkumar (Mr. Milkman).

पाठभेद **मामाहँतर एपाल गाय, मोर नाम दुधकोंवर।**

हिन्दी अनु. मामा की अनेकों गाय, मेरा नाम दुग्धकुमार।

Eng. tr. Maternal uncle has many cows, and my name is Dudhkumar.

शाक रान्धिबर नाइ खुम, भोज रान्धिबर हुम हुम।

हिन्दी अनु. साग बनाना भी नहीं आता, भोजन बनाने का (मिष्टान्नादि बनाने का) दम भरता है।

Eng. tr. He can not cook even the leaves of vegetables, yet wants to cook meals for a feast.

सात सेरीया काँही, खुद चाउलर भात, खोवार धिक जीबन शुनारो लाज।

हिन्दी अनु. सात सेर की थाली, खुदी चावल का भात खानेवाले का धिःकार, सुननेवालों को लाज।

Eng. tr. A plate of seven seers, cooked rice of 'khudi' (a kind of rice), disdain for the one who eats, and shame to those who listen.

सारित पेलाबलै नाइ चरि, नाइ बारीत बाँह।
धारित पेलाबलै नाइ कानि, दिये रूपत याँह॥

हिन्दी अनु नाविक बनने के लिए डाँड नहीं, न बगीचे में बाँस; चटाई पर बिछाने के लिए चीथड़े भी नहीं, चाहता है किसी रूप-सुन्दरी से दिल लगा ले।

Eng. tr. He has got no pole to be on the line of a boatman, neither has he bamboos in his backyard to make one. He has got no rags to lay on the mat, though he flings himself at beauty.

हातत नाइ कण्टो, बर सभालै मन्टो।

हिन्दी अनु. हाथ में दाना भी नहीं, और त्यौहार (उत्सव) मनाने को उत्सुक।

Eng. tr. He doesn't have even a grain in his hand, but is desirous to perform a big function.

हातत नाइ पइछा-कड़ि, बिहुर हाटत लरालरि।

हिन्दी अनु. हाथ में नहीं पैसा-कौड़ी, 'बिदु' (एक त्यौहार) के बाज़ार में दौड़धूप।

Eng. tr. Hasn't a penny in his pouch, but hurries about in the bazar of 'Bidu' (a festival).

हातत बान्धोवा सौका, बेरत भाङा ढौका।

हिन्दी अनु. हाथ में मढ़ी हुई छड़ी, और घर की दीवार सुपारी के पत्तों की।

Eng. tr. A mounted cane in hand, and the wall patched with sheaths of betel tree.

ओड़िआ अंटारे नाहिं धन, पुअ बाहाकरि मन।

हिन्दी अनु. अंटी में नहीं धन, बेटा ब्याहने को मन।

Eng. tr. No money in the purse, and wants to celebrate the marriage of his son.

अरक्षित मडा नाँ दुआरे पडुछि छेरा।

हिन्दी अनु. लावारिस लाश और ड्योढ़ी पर कपूर-इत्र का छिड़काव।

Eng. tr. A beggar's corpse, and incense being scattered on the door-step.

अळप धन बिकळ मन !

हिन्दी अनु. थोड़ा धन, व्याकुल मन।

Eng. tr. Little money to spare, but many desires to fulfil.

उठि न पारि, 'मारेंगा'।

हिन्दी अनु. ऊठ नहीं सकता, और कहता है—"मारेंगा।"

Eng. tr. To threaten to beat, while unable to get up.

एसा करेंगा, तेसा करेंगा, सिपेइ देखिले शोइ पडेंगा।

हिन्दी अनु. ऐसा करूंगा, वैसा करूंगा, सिपाही देख कर सो जाऊँगा

Eng. tr. Boasts of doing this and that, but would lie down on seeing the policeman.

काछु गांडिकु तेल मिळुनि कपिळासरे जागर जाळुछि ।

हिन्दी अनु. गाण्ड के फोड़े के लिए तेल नहीं, और कपिलास तीर्थ में जागरण के लिए दीप जलाता है ।

Eng. tr. No oil to apply to the scabies in the buttocks, and he is burning oil at Kapilas.

खत कुढरे स्वर्गर स्वप्न ।

हिन्दी अनु. कूड़े के ढेर में स्वर्ग के सपने ।

Eng. tr. To dream of heaven in a heap of dung.

गांडि लंगळा मुंडरे फुल, चालि जाउथाए दुल् दुल् ।

हिन्दी अनु. पहनने को कपड़ा नहीं, सिर में फूल, चला है हिलता डुलता ।

Eng. tr. The bottom is naked, but has a flower on head, and walks with heavy footsteps.

घरे कुलादेइ ओषा, दाण्डरे बसि मिश रे घिअ हात मारुछि ।

हिन्दी अनु. घर में छाज व्रत करे, बाहर बैठ कर मूछों पर घी का हाथ फेरे ।

Eng. tr. At home there is fasting, and sits out applying ghee to his moustache.

घरे नाहिं खुद पाए, टुकुणा घेनि हरिते जाए ।

हिन्दी अनु. घर में चावल के दाने नहीं, टोकरी ले कर जल्दी जल्दी जाए ।

Eng. tr. There is not even a quarter seer of broken rice in the house, and he goes in a hurry with a basket.

घरे नाहीं तिरन् तपु, पिचा बलुछे मेचें बसु । (संबलपुरी)

हिन्दी अनु. घर में एक दाना तक नहीं, जी कहता है आराम से बैठूँ । (गांड कहे आराम से बैठे ।)

Eng. tr. While there is not even husk for curry in the house, the buttocks say let us sit at leisure.

घरे नाहीं लेंबुलुण, दांडरे देख चातरपण, सभारे बखाणे तिनितिउण ।

हिन्दी अनु. घर में नमक-नींबू तक नहीं, बाहर देखो चतुराई, सभा में बखान करे तीन व्यंजन का ।

Eng. tr. There is not even salt and lemon in his house, but shows off outside and boasts of three dishes in company.

टाण करुथाए माइप आगे, लाल पाग देखि घरकु भागे ।

हिन्दी अनु. औरत के सामने डींग मारे, लाल पगड़ी देख कर घर को भाग जाये ।

Eng. tr. Boasts before his wife, but runs home seeing the red turban (policeman).

नाक डुँ डुँ पित्तळ गुणा ।

हिन्दी अनु. नाक दिखाना, पित्तल का गहना (पहने) ।

Eng. tr. To show off one's nose when the ornament on it is one only of brass.

परुड़ि मशिणारे सोइ लक्षे टंकार स्वप्न ।

हिन्दी अनु. चीथड़ों पर सो कर लाखों रुपयों के स्वप्न ।

Eng. tr. To sleep on a mat of reed, and dream a lac of rupees.

पिठि अरक्षित, मुहँ नरेंद्र ।

हिन्दी अनु. पीठ अरक्षित, मुँह राजा सा ।

Eng. tr. A beggar on the back (i.e. the back is uncovered), (but) a prince on the face.

बगड़ा भात, निशरे हात ।

हिन्दी अनु. बगड़ा (एक तरह का कनिष्ट चावल) भात, और मूँछ पर हाथ ।

Eng. tr. (Eats) red, coarse rice, but twirls his moustaches.

बासि पेज लागि चुटि धराधरि, झिअ लोड़ुथाए घिअ ।

हिन्दी अनु. बासी भात के पानी के लिये चोटी पकड़ा-धकड़ी, लड़की रोये घी के लिये ।

Eng. tr. While there is scramble for stale rice-gruel, the daughter wants ghee.

बाहापिआंकर रीती, बाहारे कहंति ढम बारबोडि घरे न जळइ बती ।

हिन्दी अनु. झूठों की यह रीति, बाहर करे घोर अडंबर, घर में न दीयाबाती ।

Eng. tr. The boaster's way : a thousand tall talks outside, when at home (even) the candle does not burn.

हाण्डिरे खाए, गोडरे पडिले गाधोइ जाए ।

हिन्दी अनु. हाण्डी में खाये, पैर पर पड़े तो नहाने जाये ।

Eng. tr. Eats from the pot, but if a bit falls on the leg, goes for a bath (ablution).

हातरे नाहीं धन, रजा झिअकु मन ।

हिन्दी अनु. हाथ में नहीं धन, राजकन्या पर मन ।

Eng. tr. Has no money in his hand, and is desirous of (marrying) the king's daughter.

तमिळ **अंगांगु वैपोगमायिरुक्किरान् , इंगे पार्त्ताल अरैक् काशु मुदलुम् इल्लै.**

हिन्दी अनु. बाहर ठाठ-बाट, घर में कौड़ी भी नहीं ।

Eng. tr. He is seen everywhere enjoying himself. When looked at in his homestead, he is not worth half a cowrie.

अरुक्कमाट्टादवन् अरैयिल् ऐंबत्तेट्टु अरिवाळ्.

हिन्दी अनु. काटना न जाननेवाले व्यक्ति के कमर में अठावन हँसिये ।

Eng. tr. Fiftyeight sickles on the hip of one that can not reap. (mere show.)

अन्नप्पालुक्कुच् सिंगियडित्तवळ् आविन् पालुक्कुच् सर्क्करै तेडुगिराळ्.

हिन्दी अनु. कंजी के लिये मर रही है, और गाय के दूध में डालने के लिए शक्कर की फ़िक्र में पड़ी है।

Eng. tr. She who was wandering about for rice-water, is seeking sugar to mix in cow's milk.

अन्रु कुडिक्कत् तण्णीरिल्लै, आनै मेल् अम्बारि चेणुमाम्.

हिन्दी अनु. आज पीने के लिये पानी नहीं, हाथी पर चढ़ कर सवारी करना चाहता है।

Eng. tr. He hasn't even enough water to drink, and wants to ride an elephant.

आगायत्तिलं परक्क उपदेशिप्पेन्, अन्नैत् तुक्कि आरु (ट्रु) क्कु अप्पाल् विडु अन्किरान् गुरु.

हिन्दी अनु. "मैं आकाश में उड़ना सिखाऊँगा।" कहा गुरु ने, "मुझे नदी के उस पार पहुँचा दो।"

Eng. tr. The spiritual guide observed, I will teach you how to fly through the air, take me up and convey me to the other side of the river.

ऊरेंगुम् पेर् वीड्डु पट्टिनि.

हिन्दी अनु. (१) शहर भर सर्वत्र नामी व्यक्ति, पर घर खाने को कुछ नहीं।
(२) शहर में डंका, घर में रंका।

Eng. tr. Fame throughout the country, at home starvation.

ऊरोच्चम्, वीड्डु पट्टिनि.

हिन्दी अनु. सबदूर कीर्ति, घर में अकाल।

Eng. tr. Distinguished abroad, starving at home.

अेड्डुक्किरदु पिच्चै, अेरुकिरदु पल्लक्कु.

हिन्दी अनु. मांगता है भिक्षा, चढ़ता है पालकी पर।

Eng. tr. His occupation is begging, his conveyance a palanquin.

ओय्यारक्कोण्डैयाम् ताळंबुवाम् उळ्ळे मेयुमाम् ईरुम् पेनुम्.

हिन्दी अनु. तड़क-भड़कवाला केशालंकार, उस में सुगंधित फूल; पर केशों के अन्दर तो लीखें और जूएँ !

Eng. tr. Her tresses are graceful and ornamented with the flowers of the screw-pine, but nits and lice breed therein.

कडल् ताण्ड आशै उण्डु, काल्वाय् ताण्डक् काल् इल्लै.

हिन्दी अनु. समुद्र पार करने की इच्छा है, नाला पार करने के लिए पैर नहीं।

Eng. tr. He wishes to cross the ocean, but has no feet to cross a small drain.

काक्कैयैक् कण्डु अंजुवाळ् करडियैप् पिडित्तुक् कट्टुवाळ्.

हिन्दी अनु. कौए को देखने से डरती है, और कहे, मैं भालू को पकड़ुंगी।

Eng. tr. She is afraid of seeing a crow, and yet says, she will capture a bear.

किडक्किरदु कुट्टिचशुवर् कनाक् काणकिरदु मच्चुवीड्डु.

हिन्दी अनु. रहता है टूटी-फूटी कुटिया में, और सपने देखता है महल के।

Eng. tr. Dwelling in a ruinous hut, and dreaming of a palace.

कुडिक्किरदु कूळाम् कोप्पलिक्किरदु पन्नीराम्.

हिन्दी अनु. पीना कंजी, मुंह साफ करना गुलाब जल से।

Eng. tr. He has gruel to drink, and washes his mouth with rose water.

कुडिक्किरदु कूळाम् इरुक्किरदु शिंगाशनमाम्.

हिन्दी अनु. पीना कंजी, बैठना सिंहासन पर।

Eng. tr. Living on gruel, and sitting on a throne.

तंबि काल् नडैयिले पेच्चुप् पल्लक्किले.

हिन्दी अनु. भाई बोलता है पालकी की बात, पर चलता है पैदल।

Eng. tr. My younger brother is on foot, and his talk is about a palanquin.

तनक्कुप् पिरंदपिळ्ळै तविट्टुक्कु अळुगिरदाम् ऊरार् पिळ्ळैक्कुक् कूट्टुक् कलियाणम् शेय्गिरानाम्.

हिन्दी अनु. अपना बेटा भूसे के लिये मचल रहा है, और वह दूसरों के बेटे की शादी के लिये तड़प रहा है।

Eng. tr. While his own child cries for bran, he is conducting the nuptials of his neighbour's child.

तनक्कुच् संदेगम् अडैप्पैक्कारनुक्कु इरट्टैप्पडियाम्.

हिन्दी अनु. स्वयं अपने लिये पास में कुछ नहीं, साथ सुपारी का थैला ले चलनेवाले को दुगुनी मजदूरी.

Eng. tr. When uncertain regarding his means, he promises a double allowance to his betel-pouch bearer.

मेलिंदवळुक्कु मेत्तप् पेलन्, मेनि मिनुक्कु इट्टवळुक्कु मेत्तक् कशम्.

हिन्दी अनु. पतली लड़की शक्तिशाली, दिखावटी स्त्री रोगी।

Eng. tr. A lean woman is strong, a gawdy woman is consumptive.

सूत्तिले कट्टत् तुणियिल्लै, कूत्तियार इरण्डु.

हिन्दी अनु. चूतड़ को ढकने कपड़ा नहीं है, उस को पत्निया दो (चाहिए)।

Eng. tr. No cloth to cover his secret part, and yet aspires for two wives.

वीडु वेरु वीडु वेलुर् अदिगारम्.

हिन्दी अनु. घर सूना है, पर वेलूर नवाब का रोब दिखाता है।

Eng. tr. His house is empty, but he acts as if he were the chief of Vellore.

वीडु वेरु वीडाय् इरुंदालुम् मणियम् अेलु अर्.

हिन्दी अनु. घर सूना है, पर वह सात गांव का मालिक।

Eng. tr. Although his house is empty, he is the manager of seven villages.

शांबलैत् तिनरु वेण्णेय्यैप् पूशिनदुपोल.

हिन्दी अनु. राख खा कर मक्खन मुँह पर लगाना।

Eng. tr. Like rubbing the mouth with butter after having eaten ashes.

तेलुगु अंटुकोनु आमुदमु लेकुंटे, मीसालकु संपेंगि नूने.

हिन्दी अनु. माथे के लिये तेल नहीं, और मूछों के लिये इत्र (चाहिये)।

Eng. tr. He wants scent for the whiskers, though he has not even oil for the hair.

अन्दुलो पसलेकुन्ना, अरलो मञ्चं चेयमन्नट्लु.

हिन्दी अनु. उस में दम नहीं, फिर भी कमरे में पलंग डलवाने कहे।

Eng. tr. He has no vigour, but asks for a bed in the bed-room.

अंबटिकि उप्पु अब्बदंटे, पिंडिंबटमीद पोयिंदट मनसु.

हिन्दी अनु. मांडनी में डालने के लिये नमक नहीं, मिठाई के लिये दिल तरसे।

Eng. tr. There is not even salt for the gruel, but the thoughts are going after puddings.

अन्नानिकि आधारमु लेदु गानि अंदिरिकि बंति भोजनमु.

हिन्दी अनु. नाज के लिए मुँहताज, पर सब के लिए पंक्ति-भोजन का आयोजन।

Eng. tr. He has no food to eat, but arranges a dinner for all.

आकलि काकुंड नीकु मंदु चेबुता, मुंदु नाकु कास्त गंजि पोयिमन्नट्लु.

हिन्दी अनु. भूख के निवारण की दवा मैं तुम्हें दे दूँगा, पहले तुम मुझे थोड़ी सी पीने को कंजी दे दो।

Eng. tr. I will give you a drug for overcoming hunger, but (at present) you give me some gruel to drink.

आरे, कत्ति लेनि, आरूळ्ळ मादिगतनं.

हिन्दी अनु. आरी न छुरी, और छः गाँव का चमार।

Eng. tr. Neither awl nor knife, and he is a cobbler for six villages.

इण्ट्लो ईगल मोत, बयिट सवारी मोत.

हिन्दी अनु. घर में मक्खियों का शोर, बाहर (पालकी) ढोनेवालों का शोर।

Eng. tr. In the house the humming of flies, outside the buzz of (palanquin) bearers.

इंटिलो पस्तु, वीधिलो दस्तु.

हिन्दी अनु. घर में रोज़ा, बाहर दावत।

Eng. tr. Fast at home, feast outside.

उट्टि अेक्क लेनम्म स्वर्गानिकि एगुरुतानन्नट्लु.

हिन्दी अनु. जो छीके तक नहीं चढ़ पाती, कहती है, "मैं स्वर्ग तक उड़ जाऊँगी।"

Eng. tr. One who cannot reach the sling, says — "I will reach the heavens."

कालु कडुग मुंत लेदु, कल्लुकु कळायिगिन्ने.

हिन्दी अनु. पैर धोने के लिए बरतन तक नहीं, ताड़ी पीने के लिए कलईदार प्याला।

Eng. tr. He has not a small pot for the washing of his feet, but he wants a zinc-coated brass-vessel for toddy.

कासुकु गतिलेदु पोटिकि कोडिचेसिनाडु.

हिन्दी अनु. कौड़ी का मुहताज, करोडों का झंडा लहराता है।

Eng. tr. He is without a penny. but raises his banner for a crore. (Pennyless, but boasts of having a plum.)

कासुकु दोवलेदु, नूटिकि परवा लेदु.

हिन्दी अनु. कौड़ी के लिए लाचार, सौ की परवाह नहीं।

Eng. tr. He hasn't even a cash, but thinks nothing of (spending) a hundred. (He wants to buy an abbey.)

कूतलार्भाटमे गानि कुप्पलो गिंज़लेदु.

हिन्दी अनु. चिल्लाहट जोरदार, खलिहान में दाना तक नहीं।

Eng. tr. Cries are great, but no grains in the heep.

गंजि तागिना लंज कावालि.

हिन्दी अनु. माँड़ पीता है, पर रंडी चाहता है।

Eng. tr. Though he drinks gruel, he needs a concubine.

गंजि तागेवानिकि मीसालु लेगबेट्टे वाड़ोकडु.

हिन्दी अनु. माँड़ पीता है, पर मूँछों को मरोडनेवाला चाहिए।

Eng. tr. He drinks only gruel, still needs somebody to support his whiskers.

गंजिलोकि उप्पु लेदु, पाललोकि पंचदार.

हिन्दी अनु. माँड़ में नमक नहीं, और दूध में चीनी चाहिए।

Eng. tr. He wants sugar to mix in the milk, when he has no salt for gruel.

चेलो चेंचिलाकु लेदु, इंटिकोस्ते इरुस्लेडु अनुमु लिस्तानन्नट्लु.

हिन्दी अनु. खेत में कुणुंज (सस्ता शाक) तक नहीं, तो भी कहता है कि घर आने पर टोकरी भर भटमासु दूँगा।

Eng. tr. There is not even the cheapest vegetable in the field, but he says — "I will give you a basketful of kidney-beans at home."

चेसेवि नायकालु, अडिगेवि तिरिपालु, पेट्ट कुंटे कोपालु.

हिन्दी अनु. बनता है नायक, माँगता है भीख, न खिलाने पर क्रोध करता है।

Eng. tr. Acts like a leader, but begs like a beggar, and gets angry if not satisfied.

तन नोटिकि तवुड्ड लेदु, लंजनोटिकि पंचदारट.

हिन्दी अनु. अपने मुँह में भूसा तक नहीं, पर रंडी के लिए शक्कर चाहिये ।

Eng. tr. He has not even bran for his eating, but he wants sugar for his mistress.

तगुडुतिण्टु वैय्यारमा ?

हिन्दी अनु. भूसी खाना, और इठलाना ।

Eng. tr. Should a man strut who lives on bran.

तलकु दारि लेदु, बुड्डकु अटकलि.

हिन्दी अनु. सिर (के बालों) को तेल नहीं, फोते के लिए प्रसाधन चाहिए ।

Eng. tr. No oil for the hair on the head, and he wants a toilet for testicles.

तवुडु तिंटू वय्यारमा ?

हिन्दी अनु. चूहे खानेवाले को इतना ठाट-बाट ?

Eng. tr. Such a pomp for one who feeds himself on rats ?

तागबोते दप्पिकि लेदु, तलकु अटकली.

हिन्दी अनु. पीने के लिए (प्यास बुझाने के लिए) पानी नहीं है, और चाहिए 'अटकली'– सिर धोने का प्रसाधन ।

Eng. tr. Not a morsel to eat, but wants 'atakali' shampoo for his head.

तादिन तवुडुलेदु, वारानिकि ओकपन्दिपिल्ल.

हिन्दी अनु. खाने के लिए भूसा भी नहीं, पर हफ्ते में एक सूअर का बच्चा (चाहिए) ।

Eng. tr. He has not even bran to eat, but he wants a pig every week.

तानुण्डेदि दालिगुण्टपट्टु, तलचेपि मेडमालि गलु.

हिन्दी अनु. खुद रहता है उपलों के गड्ढे में, और ख़्वाब देखता है महलों के ।

Eng. tr. He lives in a ditch, and dreams of mansions.

तिंडिकि ठिकाणा लेदु, मुंडकि बुलाकि.

हिन्दी अनु. खाने के लिए मुहताज है, और रंडी के लिए बुलाक (ले आता है) ।

Eng. tr. He has no food for himself, and wants to get noserings for his concubine.

तौडु तिंटू ओय्यारम् .

हिन्दी अनु. भूसी खाना, ऊपर ठाट-बाट ।

Eng. tr. Why pretend to style, eating bran ?

नेनु बंड्डेद्दुने अनि मुड्डिकि पेड रासुकोन्नट्टु.

हिन्दी अनु. खुद को गाड़ी का बैल बतलाने के लिए चूतड़ पर गोबर पोत दिया ।

Eng. tr. To show oneself a cart-bull, he has besmeared his buttocks with cow-dung.

पगलु कोंगु लागिते ची अंदट, रात्रि चीकटिलो कन्नु गीटाडट.

हिन्दी अनु. दिन में आँचल खींचने पर छीः बोली, रात में उस ने आँख मारी।

Eng. tr. When the end of her garment was pulled in the day time, she frowned, but at night she winked.

पित्त सत्तुव लेदु, पालनालुकु मंदु.

हिन्दी अनु. पादने की शक्ति नहीं, और हगने की दवा चाहिए।

Eng. tr. He can't fart and wants a purgative.

पुंडु मीदिकिनूने लेदु, बूरे लोंडे पेळ्ळामा ?

हिन्दी अनु. फोड़े को लगाने के लिये तेल नहीं, और सरबुर पकाओ री जोरू।

Eng. tr. There's no oil to apply to the wound, and yet asks his wife to prepare sweets.

पोगाकु अडुक्कोवालि अंदलं बयट पेट्टरा अन्नट्लु.

हिन्दी अनु. तमाखू (की भीख) मांगने जाना है तो पालकी ले आओ।

Eng. tr. I have to go out to beg for tobacco, so bring me the palanquin.

मंत्र लेनि संध्य कु मरिचेंबुडु नीळ्ळु.

हिन्दी अनु. मंत्र रहित संध्या (उपासना) के लिए लोटाभर पानी।

Eng. tr. A lota-full of water for sandhya ritual without mantras.

मिंगनु मेतुकु लेदु मासालकु संपेंग नूने.

हिन्दी अनु. खाने के लिये कौर भी नहीं, मूछों के लिए चंपक का तेल चाहिए।

Eng. tr. Not a morsel to eat, yet he wants scent for his moustaches.

कन्नड अंबलि कुडियुववनिगे मीसे तिक्कुववनोब्ब.

हिन्दी अनु. मांड़ पी कर गुज़ारा करनेवाले को मूँछें मरोड़ने के लिये नौकर चाहिये।

Eng. tr. A person to trim moustaches for one who has only gruel to drink.

अंबलिगे उप्पिल्ल, तिन्नोके ओब्बट्टु बयसिद.

हिन्दी अनु. कांजी के लिये नमक भी नहीं, और मालपूआँ चाहिये।

Eng. tr. No salt for the gruel, but he wishes for a sweet cake to eat.

इद्द तंगळु ननगे इक्कु निनगे एन्दिगू हसिविल्लद हागे माडुत्तेने.

हिन्दी अनु. बासी भात मुझे खिला दे, मैं तेरी भूख मिटा दूँगा।

Eng. tr. Serve me the remaining stale food, I shall make you ever free from hunger.

इलि बेटेगे तमटे बडियुवुदे.

हिन्दी अनु. चूहे का शिकार, और नौबत के साथ।

Eng. tr. An accompanyment of drums for the hunt of a rat.

उण्णोदु रागि हिट्टु, मीसे मेलॆ सण्णक्कि अन्न.
हिन्दी अनु. खाता है सत्तू का आटा, पर मूँछों पर दिल्ली चावल के कण ।
Eng. tr. Ragi flour to eat, but cooked fine rice on the moustache.

ऎरविन चिन्न धरिसि तानू अरसि ऎन्दळु.
हिन्दी अनु. उधार के सोने के गहने ढो कर अपने को रानी कहलावे ।
Eng. tr. Wearing borrowed gold ornaments, she calls herself a queen.

ऒळगॆ नोडिदरॆ ओटि, हॊरगॆ नोडिदरॆ कोटि.
हिन्दी अनु. अंदर खोखला ही खोखला, बाहर झूठी झगमगाहट ।
Eng. tr. Hollow from within, and glitter without.

ऒळगॆ नोडॆ हदिनॆंटु व्याधि, मेलॆ नोडॆ उरिय भूषण.
हिन्दी अनु. अंदर देखो तो अठारह रोग, बाहर देखो तो चमकते गहने ।
Eng. tr. Eighteen diseases inside, shining ornaments outside.

कैलि कासिल्ल, मैयल्लि गुणविल्ल, होगो सूळे कंडु होरळि सत्त.
हिन्दी अनु. न हाथ में पैसा, न तन में ताकत, रंडी को जाते देख पीछे पीछे चला ।
Eng. tr. No money in hand, no strength in the body, but on seeing a prostitute, follows her.

कैलि हरियदिद्दरू कोटलु घन.
हिन्दी अनु. हाथ से कुछ होता नहीं, दिखावा ज़्यादा ।
Eng. tr. Can't do anything, but presents a big show.

कुय्यलारदवनिगॆ कुड्लु ऒंबत्तु.
हिन्दी अनु. काटना न जाने और नौ नौ हँसिये रक्खे ।
Eng. tr. Nine sickles to the man who can't cut the crop.

चप्परक्कॆ गतियिल्लदव उप्परिगॆ अपेक्षिसिद.
हिन्दी अनु. झोंपड़ी भी नसीब में नहीं, और महल की आस ।
Eng. tr. Can't afford a thatch, but aspires for a palace.

तलॆ कूदलिल्लदवळु तुरुबु बयसिदंते.
हिन्दी अनु. सिर पे बाल नहीं, और जूड़े की चिंता ।
Eng. tr. No hair on the head, and yet she wants a hairdo.

ता कुडिवुदु अंबलि, नेरॆमनॆ पायसक्कॆ यालक्कि सालदु.
हिन्दी अनु. घर में कांजी पीता है, और पड़ौसी के घर ख़ीर में इलायची कम होने की शिकायत करता है ।
Eng. tr. He drinks gruel at home, but complains that there is less cardamom in the sweet milk-dish in the neighbour's house.

तिप्पे मेलॆ मलगि उप्परिगॆय कनसु कंड.
हिन्दी अनु. घूरे पर निवास, महल की आस ।
Eng. tr. Lying on the dung-heap, he dreams of a mansion.

नडेयोदु कालुनडे, मातु पालकिय मेले.
हिन्दी अनु. चले पैदल, बात करे पालकी की।
Eng. tr. Walks on foot, and talks of a palanquin.

बरद अन्न तिन्नुवव होळिगे बयसिदनंते.
हिन्दी अनु. अकाल का सूखा अन्न खा रहा है, और चाह है मालपूए की।
Eng. tr. The fellow eats famine food, and wishes for sweet-cake.

मण्णु होरुवव बेण्णे तलेगे हच्चिकोंड.
हिन्दी अनु. आप ढोवे मिट्टी, माथे को मलना चाहे मक्खन।
Eng. tr. The mud carrier wants to massage his head with butter.

राजर ठीवि, तिरुकर लक्षण.
हिन्दी अनु. रोब राजा का, लक्षण भिखारी के।
Eng. tr. The bearing of a king, and behaviour of a beggar.

सगणि तिन्नुववगे मीसे तिक्कुववनोब्ब.
हिन्दी अनु. गोबर खानेवाले की मूँछों पर ताव देने के लिए नौकर।
Eng. tr. A servant to twirl the moustaches of one who eats cow-dung.

होट्टेगे हिट्टिल्ल, जुट्टिगे मल्लिगे हू.
हिन्दी अनु. पेट में अन्न नहीं, बालों में फूल।
Eng. tr. No food for the stomach, and jasmine flowers for the tuft.

मलयाळम् अरिमणियक्कु वकयिल्लात्तोॅनु तरिमणियक्कु आग्रहं.
हिन्दी अनु. दाने को तरसती है, पर कंकण का मोह।
Eng. tr. She has not even a grain of rice with her, but wants to wear bangles.

अरुक्कान् शक्तियिल्लात्तवन्टे अरयिल् अम्पतरिवाळ्.
हिन्दी अनु. काटने में अशक्त, मगर कमर में पचास हँसिये।
Eng. tr. Fifty sickles buckled on to the belt of one who cannot reap.

अप्पन् चोट्टिनु करयुन्नु; मकन् गोदानं चेय्युन्नु.
हिन्दी अनु. बाप अन्न के लिये तरसता है, बेटा गोदान करता है।
Eng. tr. While his father longs for food, the son gives away cow as a gift. (Thinking that father is seriously ill.)

पळन्कञ्जि कुटिच्चालुं पत्रासुविटिल्ल.
हिन्दी अनु. बासी दलिया खाता है, फिर भी डींग मारना नहीं छोड़ता।
Eng. tr. He takes only the stale gruel, yet he does not give up bragging.

संस्कृत धवलः वेषः रिक्तः कोशः।
हिन्दी अनु. सफेद पोशाक, जेब में कुछ नहीं।
Eng. tr. White robes, but not a farthing in the pocket.

निर्विषस्य हि सर्पस्य फटाटोपो भयंकरः।
हिन्दी अनु. विषहीन सर्प का फूत्कार भयानक होता है।
Eng. tr. Only a nonpoisonous serpent shows a fierce spread o the hood.

७१

टके की बुढ़िया, नौ टका सिर मुँड़ाई।

आशय

किसी मामुली वस्तु के लिये जब कीमती वस्तु वारी जाती है, या कम मूल्यवाली वस्तू की बन ठन के लिये अधिक पैसा खर्च किया जाता है, तब इन कहावतों का प्रयोग होता है। जैसे ओड़िआ कहावत—" छः टके के घोड़े को नौ टके का खाना।"

Subject

When a lot of expensive things are wasted for one of little worth, these proverbs are used. For instance the Oriya proverb— "For a horse worth six rupees, fodder worth nine."

हिन्दी अरहर की टट्टी और गुजराती ताला।
Eng. tr. Wicket of straw, and (costly) lock from Gujrat.

एक टका के चटाई, नव टका बिदाई। (चंपा.)
Eng. tr. The mat worth a rupee, and nine rupees for transport.

चार आना के जनेश, चउदह आना के मचान।
Eng. tr. The crop is worth four annas, and a platform worth fourteen is raised for its protection.

छ्दामरो छाजलो टको गँठाईरो। (राज.)
(छदाम का छाज, टका गँठाई का।)
Eng. tr. The winnowing basket is worth a paisa, and a rupee for repairs.

ज़रा सी किलनी, और नौ मन काजर।
Eng. tr. An insignificant tick, and nine maunds of lamp black (for the toilet).

टका कराई और गंडा दवाई।
Eng. tr. A penny for the article, and two pence for the repairs.

टके की बुढ़िया, नौ टका सिर मुँड़ाई।
Eng. tr. Nine paise for the shaving of a paisa-worth hag.

टके की मुर्गी, छः टके महसूल।

Eng. tr. A penny for the fowl, and six pence for tax on it.

तीन का टट्टू, तेरह का जीन।

Eng. tr. The nag worth three rupees, and the saddle thirteen.

दमड़ी की गुड़िया, टका डोली का।

Eng. tr. A penny for fetching a half penny doll.

दमड़ी की बुढ़िया, टका सर मुँड़ाई।

Eng. tr. A penny for shaving a half penny hag. (Widows shave their heads.)

दमड़ी की बुलबुल, टका छुटाई।

Eng. tr. A penny for plucking a half penny bird.

दमड़ी की मुर्गी, नौ टका निकिआई।

Eng. tr. A farthing for the hen, and three half pence for plucking.

नौ की लकड़ी, नब्बे धुलाई।

Eng. tr. The wood is worth nine and the freight ninety.

पईसैरी डोकरी, टको सिर मुंड़ाई। (राज.)
(पैसे की बुढ़िया, टका सिर मुंड़ाई का।)

Eng. tr. The old woman is worth a paisa, and shaving of her hair costs a rupee.

पईसैरी भाजी, टकैरो बघार। (राज.)
(पैसे की भाजी, टके का बघार।)

Eng. tr. The vegetable is worth a paisa, but the spices that season it are worth a rupee.

ENGLISH 1. He burns a half penny candle to find a farthing.
2. You need not get a golden pen to write upon dirt.

उर्दू आधी रोटी पावभर शक्कर।
(सख़्त फ़ुजुल खर्ची।)

Eng. tr. Half a loaf, and quarter of seer sugar.

इतनी की बुढ़िया नहीं जितने का लहँगा फट गया।

Eng. tr. The old woman is not worth so much as the petticoat that has torn.

सोने से घडावन महँगी।
(असली कीमत से मजदूरी ज्यादा।)

Eng. tr. The labour charges of the goldsmith are more than the cost of the gold.

पंजाबी दम्ड़ी दी बुड्ढी ते टक्का सिरमुनाई ।
हिन्दी अनु. दमड़ी की बुढ़िया, और एक टक्का सिर मुँड़ाई।
Eng. tr. An old woman worth a farthing, and two for her shaving.

कश्मीरी कानि गुरि काह् मीराख्वर।
हिन्दी अनु. कानी घोड़ी के बारह् साईस्।
Eng. tr. Eleven grooms for a one-eyed mare.

सिंधी अठें आनें उठु, ब्राहँ आना गील्हाणी ।
हिन्दी अनु. आठ आने देकर किराये पर ऊँट लिया, और बारह आने उसे घसीट कर ले चलने के लिये देने पड़े।
Eng. tr. Bought a camel on hire for eight annas, and paid twelve annas to drive it.

अठें आनें पगिड़ी, रुपयो ब्धाणी, किरी पेई खूह में, ब रुपया कढाणी।
हिन्दी अनु. आठ आने की पगड़ी है, एक रुपया उसे बंधवाने के लिए दिया। जब वह कूएँ में गिर गयी, तो दो रुपये निकलवाने के लिए देने पड़े।
Eng. tr. The turban is worth eight annas, the one who ties it took one rupee to tie it, and when it fell into the well, two rupees had to be paid to get it out.

कसीरे जी कुत्ती, टके जा खाए टुकर।
हिन्दी अनु. कसीरे की कुतिया, टक्के के खाए टुकड़े।
Eng. tr. The bitch itself worth a pie, eats pieces of flesh worth two pies.

चार पैसे जी चटाभेटी, पाँच पैसे जी मलमपटी।
हिन्दी अनु. चार पैसे का खेल हुआ, और पाँच पैसे उस में ज़ख्मी होने पर मरहमपट्टी पर लग गये।
Eng. tr. The game was worth four paise, and five paise were spent in dressing wounds got while playing it.

टके जी मुर्ग़ी, छह टका महसूल।
हिन्दी अनु. टक्के की मुर्ग़ी, छह टक्के महसूल।
Eng. tr. The hen is worth a penny, and the duty on it is six pence.

रिढ मथे में सूरु, सानु ड्रिनाऊं सदिको।
हिन्दी अनु. भेड़ के सिर में दर्द हुआ, तो सांड़ की कुर्बानी दी गई।
Eng. tr. When the sheep got a headache, a bull was sacrificed for it.

मराठी अडक्याची अंबा, आणि गोंधळाला रुपये बारा.
हिन्दी अनु. दमड़ी की अंबा, और पूजानृत्य के बारह रुपैये।
Eng tr. (To buy) a farthing-worth Amba (Goddess Durga), and (to spend) twelve rupees on an entertainment (in her honour).

अडक्याची देवता (भवानी), सापिक्याचा सेंदूर.

हिन्दी अनु. टके की देवी (भवानी), रुपये का सिंदूर।

Eng. tr. For a Goddess worth a farthing, vermilion worth a rupee.

अडक्याची भवानी, आणि सवा लाखाचा गोंधळ.

हिन्दी अनु. टके की भवानी/बोहनी, सवा लाख का हल्ला-गुल्ला।

Eng. tr. (1) For a goddess worth a farthing, festivities worth a lakh.
(2) For an advance of a farthing, turmoil worth a lakh.

अदपाव भोपळा आणि अडीच शेर तेल.

हिन्दी अनु. अधपाव कद्दू और अढ़ाई सेर तेल।

Eng. tr. Two and half a seer of oil for a quarter seer of gourd.

एक पैशा म्हालु व्हावचांक दोन पैशा कूलि. (गो.)

हिन्दी अनु. एक पैसे का माल ढोने के लिए दो पैसे मजदूरी।

Eng. tr. Two paise to carry a load worth one paisa.

कासा भाज्जेक दुग्गाणि फण्ण. (गो.)

हिन्दी अनु. धेले की तरकारी में दुअण्णी की छौंक।

Eng. tr. For a penny-worth vegetable, two anna's worth of seasoning.

चवलीची कोंबडी आणि पावली फळणावळ.

हिन्दी अनु. दुअन्नी की मुर्गी और चवन्नी बरदाने को।

Eng. tr. A quarter of a rupee to impregnate a hen worth half a quarter.

दमडीचा सौदा, येरझारा चौदा.

हिन्दी अनु. टके का सौदा, और चक्कर लगाए चौदह।

Eng. tr. For a trade worth a farthing, he goes up and down fourteen times.

दमडीच्या कोंबडीला चार आण्याचा मसाला.

हिन्दी अनु. टके की मुर्गी को चवन्नी का मसाला।

Eng. tr. Chicken worth a penny, but spices worth four pennies (for it).

दमडी म्हालाक दुगाणी दलाली. (गो.)

हिन्दी अनु. टके का माल और धेले की दल्लाली।

Eng. tr. For the goods worth a farthing, brokerage worth two annas.

पैशाचे तेल, दोन पैसे हेल.

हिन्दी अनु. पैसे का तेल, दो पैसे मजदूरी।

Eng. tr. Bought oil worth a paisa, and spent two paise for the porterage.

गुजराती एक आनानी मरघी, ने पावलुं पीछां टुंपामण.

हिन्दी अनु. एक आने की मुर्गी, और चवन्नी पंख खिंचाई ।

Eng. tr. An anna for the hen, and four annas for pecking (pricking) her feathers.

एक टकानी मरघी, ने चार आना पीछ टुंपामण.

हिन्दी अनु. टके की मुर्गी, और चार आना पर निकालने के लिए ।

Eng. tr. A pie for hen, and four annas for pecking its feathers.

टकानी घोड़ी ने तेर टका दोरामण.

हिन्दी अनु. टके की घोड़ी, और तेरह टके दौड़ाई (या सवारी)।

Eng. tr. A mare worth a farthing, while the charge for leading it is thirteen farthings.

टकानी डोसी ने ढब्बुं मुंडामण.

हिन्दी अनु. टके की बुढ़िया, और दुप्पी (दो पैसा) सिर घुटाई ।

Eng. tr. Two pice for shaving the head of an old dame worth a farthing.

त्रांबिया नी डोसी, ढींगलो मुंडामण.

हिन्दी अनु. छदाम की डुकरिया (बुढ़िया), और अधेला सिर घुटाई ।

Eng. tr. (1) Penny-worth old dame, and shilling-worth shave.
(2) Pie-worth old dame, and half anna-worth shave.
त्रांबियु – a copper coin – पै, पैसा. ढींगलो – अधेला Half an anna.

त्रांबियानी डोसी, ने ढबुं मुंडामण.

हिन्दी अनु. छदाम की डोकरी और दुप्पी (दो पैसे) सिर मुंड़ाई ।

Eng. tr. Old dame worth a pie, and two paise as for shaving her head.

दमडीनी डोसी, ने दुआनी नी हजामत.

हिन्दी अनु. दमड़ी की डोकरी, और दुअन्नी हजामत ।

Eng. tr. The old dame worth a couple of pies, the shaving of her head costing two annas.

पईनी भाजी ने बे टकानो वघार.

हिन्दी अनु. पाई की भाजी, और दो पैसे का बघार ।

Eng. tr. Vegetable worth a pie, and spices worth nine.

पावलानी घोडी, ने पोणो दोरामण.

हिन्दी अनु. चवन्नी की घोड़ी, तीन चवन्नी दौड़ाई ।

Eng. tr. A four anna-worth mare, and twelve annas (three quarters) as charge for leading her.

पावलानी पाडी ने पोणो चराई.

हिन्दी अनु. चवन्नी की बछिया और तीन चवन्नी चराई ।

Eng. tr. A quarter-worth calf, and three quarters to feed her in the meadows.

पावलानुं रू ने पोणो पिंजामण.

हिन्दी अनु. चवन्नी की रुई, और तीन चवन्नी धुनाई।

Eng. tr. Twelve annas (three quarters of a rupee) as wages for carding cotton worth four annas (a quarter).

माल करतां हेल भारी.

हिन्दी अनु. माल से अधिक मजदूरी।

Eng. tr. Coolie charges heavier than the price of the goods.

सुन्ना करतां घडामण मोंघी.

हिन्दी अनु. सोने से बनवाई (गहनों की) महँगी।

Eng. tr. The wages paid to the artisan for making ornaments are costlier than gold itself.

बाङ्ला छ' आनार कापड़े न' आनार दशि।

हिन्दी अनु. छः आने के कपड़े में नौ आने की किनारपट्टी।

Eng. tr. Frills worth nine annas for a piece of cloth worth six annas.

छागलेर कल्याणे मोष माना।

हिन्दी अनु. बकरी के कल्याण के लिए भैंस की बलि।

Eng. tr. For the well being of a lamb, decides to offer a buffalo in sacrifice.

असमीया हाँहर ठेङत म'ह बलि।

हिन्दी अनु. बतख के चरणों में भैंस की बलि।

Eng. tr. The sacrifice of a buffalo at a duck's foot.

ओड़िआ घोडा छ टंका, दाना न टंका।

पाठभेद छअ टंकार घोडाकु नअ टंकार दाना।

हिन्दी अनु. छः रुपये का घोड़ा, नौ का दाना।

Eng. tr. For a horse worth six rupees, fodder worth nine.

तमिऴ् अम्मैय्यार् पेरुकिरदु अरैक्कासु तलै शिरैक्किरदु मुक्काटू काशु.

हिन्दी अनु. आधे की बुढ़िया, पौना सिर मुड़ाई।

Eng. tr. Three fourth of a cash is demanded for shaving the head of an old woman worth only half a cash.

कार् काशुप् पूनै मुक्कार् काशुत् तयिरैक् कुडित्तदु.

हिन्दी अनु. चार पैसेवाली बिल्ली ने चालीस पैसे का दही पी लिया।

Eng. tr. A cat worth quarter of a cash consumed curds worth three quarters of a cash.

कोऴि मुडत्तुक्कुक् कडा वेट्टिप्बलि इट्टुपोल्.

हिन्दी अनु. पंगू मुर्गी के चंगा होने के लिये वह बकरा मार कर भगवान को चढ़ा रहा है।

Eng. tr. Like sacrificing a sheep for the recovery of a lame fowl.

(चि) शिरुक्कि शिन्नप् पणम् शिरुक्कि कोण्डै मूनरु पणम्.

हिन्दी अनु. पैसे की लड़की, तीन पैसे का जूड़ा।

Eng. tr. The young lady is worth a small fanam, and she requires three fanams to adorn her tresses.

(चु) शुण्डैक्काय् कार् पणम् शुमैकूलि मुक्कार् पणम्.

पाठभेद (चु) सुण्डक्काय काल्पणम्, सुमक्कूलि मुक्काप्पणम्.

हिन्दी अनु. पाव भर का फल, तीन पाव मजदूरी।

Eng. tr. Quarter worth of a berry, and three quarters to carry.

(चे) शेत्त आडु कार्पणम् शुमैकूलि मुक्कार् पणम्.

हिन्दी अनु. मरी बकरी तीन पैसे की, उसे ढोने की कूली नौ पैसे।

Eng. tr. The dead sheep is worth a quarter of a fanam, and three fourths of a fanam are required to remove it.

तेलुगु अव्व अरकासु, तलगोरुगु मूडुकासुलु.

हिन्दी अनु. अधन्नी की बुढ़िया, और तीन आने की हजामत।

Eng. tr. A three penny shave for a half-penny hag.

आवु पावला, बन्दे मुप्पावला.

हिन्दी अनु. गाय पावभर की, खम्भा तीन पाव का।

Eng. tr. The cow is quarter of a rupee, the post is three quarters.

एगानि मुण्डकु डब्बुन्नर क्षवरम्.

हिन्दी अनु. दो पैसे की विधवा, और छः पैसे सिर मुँड़ाई।

Eng. tr. The widow worth two paise, six paise for her shaving.

कासु कुंडकु रुव्व लक्क.

हिन्दी अनु. पैसे के मटके के लिए दो पैसे की लाख।

Eng. tr. For a pot worth a farthing, a lac worth two farthings.

कासु गोड्डकु रूकबन्दे.

हिन्दी अनु. कौड़ी की भैंस के लिए एक रुपिया जुरमाना।

Eng. tr. A fine of a fanam for a buffalo worth a cash.

कोडिपिल्ल गोरेपिल्लनु बलादूरु तिसिनट्लु.

हिन्दी अनु. मुर्गी के बच्चे के लिए मेमने की बली।

Eng. tr. Sacrifice of the lamb for the sake of chickens.

दम्मिडी पेळ्ळिकि एगानि बोगमु मेळम्.

हिन्दी अनु. एक दमड़ी की शादी में डेढ़ दमड़ी की नाचनचौनी।

Eng. tr. One and half farthing worth of a dancing party for a farthing worth marriage.

दम्मिडी पेळ्ळिकि रुपायि बाणसंचा.

हिन्दी अनु. दमड़ी की शादी में रुपये की आतिशबाजी।

Eng. tr. A rupee worth fire works for a penny-worth marriage.

दम्मिडी मुंडकु एगानि क्षवरमु.
हिन्दी अनु. दमड़ी की विधवा की दो दमड़ी की हजामत।
Eng. tr. A two-penny shave for a penny-worth slut / hag.

दम्मिडी मुंडकु डब्बु क्षवरम्.
हिन्दी अनु. पैसे का सिर, और चार पैसे सिर मुँड़ाई।
Eng. tr. Four pence for shaving of a penny-worth head.

बर्रे पातिक, बंदे मुप्पातिक.
हिन्दी अनु. पाव भर की भैंस, तीन पाव जुर्माना।
Eng. tr. Buffalo worth a quarter, and three quarters fine.

मूड्डु कासुल दानिकि मुप्पावला बाडुग.
हिन्दी अनु. तीन पैसोंवाली की मजदूरी तीन चवन्नियाँ।
Eng. tr. Three fourths of a rupee for a woman worth three pice.

मूड्डु दुग्गानुल कोति आरु दुग्गानुल बेल्लं तिन्नट्लु.
हिन्दी अनु. तीन पैसे के बन्दर ने छः पैसे का गुड़ खाया।
Eng. tr. A monkey worth three farthings ate gur of six farthings.

मोका लेत्तु विग्रह मुंटे मोललोतु कूड्डु.
हिन्दी अनु. घुटने तक कद की मूर्ति, तो कमर तक नैवेद्य।
Eng. tr. Image of God as big as knee, and offerings upto the waist.

संसार जानेडु, खर्चु बारेडु.
हिन्दी अनु. परिवार बालिश्तभर, खर्च हाथ भर।
Eng. tr. A span of family, a brace of expense.

कन्नड दुग्गाणि मुंडेगे दुड्डु कोट्टु तले बोळिसिदरंते.
हिन्दी अनु. डेढ़ पैसे की बुढ़िया, और चार पैसे की मुँड़ाई।
Eng. tr. Four pice for the shaving of a pice-worth hag.

हत्तु कायिगे हन्नोंदु सुंकवे.
हिन्दी अनु. दस के फल, और ग्यारह की चुंगी।
Eng. tr. Eleven (rupees) tax for ten (rupees worth) fruits.

मलयाळम् काल पणत्तिन्टे पूच्च मुक्काल् पणत्तिन्टे पाल् कुटिक्कुम्.
हिन्दी अनु. पाव दमड़ी की बिल्ली, पौन दमड़ी का दूध पियेगी।
Eng. tr. A cat worth a quarter will drink milk worth three quarters.

चुण्टङ्ङ काल् पणं, चुमट्टु कूलि मुक्काल् पणं.
हिन्दी अनु. चुण्टङ्ङा फल पाव दमड़ी का, ढोने की मजदूरी पौन दमड़ी।
Eng. tr. The nightshade fruit is worth a quarter, but three quarters transport charges.

७२

तेली का तेल जले, मशालची का दिल जले।

आशय

कोई नुकसान उठा कर भी दूसरे के काम आना चाहता है तो ईर्षालु बिना किसी कारन के मन ही मन जलता है। दानी दान देता है तो कंजूस झुर मरता है। स्वयं तो भलाई करता ही नहीं, और दूसरा कोई करता हो तो उसे दुख होता है। ऐसे विघ्नसंतोषी लोगों के बारे में नीचेवाली कहावतें कही गयी हैं। कई भाषाओं की कहावतों में इसी दृष्टांत को ले कर यह भाव प्रकट हुआ है। —
" तेली का तेल जले, मशालची का पेट फटे। "

Subject

When the property of one is consumed away and another beats his chest over it, the following proverbs are said. For instance the Gujrati proverb —" Somebody's oil is burnt, and the torch bearer unnecessarily gets worried. "

हिन्दी गंगा बही जाए, कलबारिन छाती पीटे।

Eng. tr. The river Ganga flows, and the barmaid beats her breast. (On seeing so much good water flow away uselessly.)

तेल तेलीरो बळै, मसाळ्चीरी गाँड क्यूँ बळे? (राज.)
(तेल तेली का जलता है, मशालची क्यों क्रुद्ध होता है ?)

Eng. tr. The oil that is burnt belongs to the oilman, why does the torch bearer get angry ?

तेली का तेल जले, मशालची का दिल जले।

Eng. tr. While the oilman's oil burns, the torch bearer's heart burns. (The servant grieves over the oil which might have been his gain.)

दाता दे, कंजुस झुर झुर मरे।

Eng. tr. The liberal man gives, and the miser grieves.

दाता दे, भंडारी का पेट फटे।

Eng. tr. The liberal man gives and his steward breaks his heart.

उर्दू गाये जने, बैल की दुम फटे।

Eng. tr. The cow begets, and the ox's tail is torn apart.

तेली का तेल जले, मशालची मुफ्त कुढे।

Eng. tr. The oil that burns in the torch belongs to the oilman, the torch bearer unnecessarily worries about it.

दाता दान करें, भँडारी का पेट फुटे।

पाठभेद दाता दे, भंडारी का पेट फटे।

Eng. tr. The donor gives away, but the treasurer's stomach bursts (with worry).

सखी सखावत से फलता है, अदू अदावत से जलता है।
(दाता दान से फलता है, इर्षालु ईर्षा से जलता है।)

Eng. tr. The liberal thrives on liberty, and the envious burns with envy.

पंजाबी तेली दा तेल बले, मशालचीं दा दिल दुक्खे।

हिन्दी अनु. तेली का तेल जले, मशालची का दिल दुखे।

Eng. tr. The oilman's oil is consumed, but the torch-bearer feels sorry for it.

दाता दान करें, भंडारी दा दिल फटे।

हिन्दी अनु. दाता दान करें, भंडारी का दिल फटे।

Eng. tr. The benevolent gives, but the store keeper sorely grieves.

सिंधी दाता ड्रिए, पेटु फाटे भंडारी अ जो।

हिन्दी अनु. देवे दाता, और पेट फटे भंडारी का।

Eng. tr. The liberal gives, and the treasurer gets a stomach-ache.

मराठी खर्चणाराचे खर्चते, पण (आणि) कोठावळ्याचे पोट दुखते.

हिन्दी अनु. खर्च करनेवाला का खर्च होता है, लेकिन (और) कोठीवाले का पेट दुखता है।

Eng. tr. The expenditure is of the one who spends, but the keeper of granary feels an ache in his stomach (with envy).

तेल ज़ळतां देवळाचें, भटानें कित्या रडचें ? (कों.)

हिन्दी अनु. मंदिर का तेल जले, तो पुजारी क्यों रोता है ?

Eng. tr. Why should the priest cry, when the oil, burning in the lamp, is from the temple ?

तेल्याचे तेल ज़ळे, मशालजीची गांड ज़ळे.

हिन्दी अनु. तेली का तेल जले, मशालची की गांड जले।

Eng. tr. The oil of an oilman burns, but the torch bearer feels his behind burning (with envy).

वाढणारी वाढतां, पण दौलो नाडतां. (कों.)

हिन्दी अनु. परोसनेवाली परोसती है, किन्तु डोई परोसने नहीं देती।

Eng. tr. The one who serves food wants to serve a lot, but the ladle will not let her do so. (Rich men may donate generously, but the one who distributes it, might not give away everything.)

गुजराती तेल बाळनारनु बळे, ने मशालची पेट कुटे.
हिन्दी अनु. जलानेवाले का तेल जले, मशालची खामखां छाती पीटे।
Eng. tr. Somebody's oil is burnt and the torch-bearer unnecessarily gets worried.

दातारी दान करे त्यां अन्नाडी आडो पडे.
हिन्दी अनु. दाता दान करे वहाँ अनाड़ी आड़ा हो। (अड लगावे, ना कहे।)
Eng. tr. The donor donates, and the stupid (obstinate) comes in the way (prevents, obstructs).

दातारी दान करे, ने भंडारी पेट कूटे.
हिन्दी अनु. दाता दान करे, और भंडारी का दिल जले।
Eng. tr. (1) The donor donates, and the store keeper envies (is jealous).
(2) The liberal gives alms, and the store keeper burns himself with envy.

धरमी धरम करे ने पापी पेट कूटे.
हिन्दी अनु. धरमी (धर्मी) धरम करता है, और पापी पेट कूटता है।
Eng. tr. The righteous donates liberally, but the sinful is jealous.

वावरनारनुं वरे, ने रंधनारानुं पेट बळे.
हिन्दी अनु. व्यवहारी का (जजमान का) उपयोग में आता है, पर रसोइया का पेट जले।
Eng. tr. The host spends, and the cook gets annoyed.

बाङ्ला दाता दान करे, बखिलेर मुख शुखाय।
हिन्दी अनु. दाता दान करे, कंजूस का मुँह सूखे।
Eng. tr. The donor donates, but the miser's face becomes pale.

ओड़िआ दातार घिअ सरुछि, स्वाहा-स्वाहा कला बेळकु ब्राह्मणर जिभ छिडि पडुछि।
हिन्दी अनु. दाता का घी खर्च होता है, पर 'स्वाहा स्वाहा' बोलने में ब्राह्मण की जीभ घिसे।
Eng. tr. The donor's ghee is being spent, but the brahmin hesitates while saying 'swaha' (while offering it in 'homa').

रजार भंडार फिटे, भंडारिर छाति फाटे।
हिन्दी अनु. राजा का भंडार खुले, नाई की छाती फाटे।
Eng. tr. The king's treasury is thrown open, but the barber is upset (on that account).

तेलुगु पोरुगु पच्चगा उण्टे, पोयिलो उच्च पोसुकोन्नट्लु.
हिन्दी अनु. पड़ौसी को सुखी देख अपने चूल्हे में मूतता है।
Eng. tr. When his neighbours prospered, he made water on his own hearth.

संस्कृत वदान्यस्य व्ययः व्याकुलः धान्यरक्षकः।
हिन्दी अनु. दाता देता है, और (उस का) भंडारी परेशान है।
Eng. tr. The liberal gives, and (his) store-keeper is worried.

७२

दुःख कहाँ, इलाज कहाँ।

आशय

जब दुःख या वेदना एक स्थान पर होती है, और उस का इलाज किसी और जगह किया जाता है, तब निम्नलिखित कहावतें प्रयोग में आती हैं। अज्ञान के कारन या ढिलाई के कारन जब इस प्रकार का व्यवहार होता है, तब वह व्यंजना का कारन बनता है, और इस व्यंग को ले कर उस का मज़ाक उड़ाया गया है। मराठी की यह कहावत देखिये—" आग लगी है रामेश्वर में, और अग्निशामक दल गया सोमेश्वर में। "

Subject

At times we have sickness and pain at one place, and remedy is made at another. Such ignorance is ridiculed in this group of proverbs. A well-known Marathi proverb expresses this idea—' Fire at Rameshwar, and the fire-brigade goes to Someshwar. "

हिन्दी ऊँट खुड़ावै जद गँधैरे डाम देवै। (राज.)
(ऊँट लँगड़ाता है तब गधे को दाग देते हैं।)
Eng. tr. The camel limps around, and the donkey is punished with burns.

केकर लइका केकरा उछावन। (चंपा.)
(बच्चा जना किस ने और औषधी किस को पिलाई जा रही है।)
Eng. tr. Who has delivered a child, and who is being nursed and treated.

दूखै पेट कूटै माथो। (राज.)
(दूखता है पेट, कूटता है माथे को।)
Eng. tr. The stomach is aching, but he presses the head.

हाथी का पेट पिराय, गदहा दागा जाय।
Eng. tr. The elephant suffers from stomach-ache, and the donkey is branded.

उर्दू लड़का जने बीवी और पट्टी बाँधे मीयाँ।
पट्टी बांधना – To tie on a bandage to alleviate pain.
Eng. tr. My lady is brought to bed, and my lord girds his belly.

पंजाबी घर गवावे गलियां ढूंढे।
हिन्दी अनु. घर में गँवाया, गली में ढूँढ़ा।
Eng. tr. She lost it in her house, and searches for it in the streets.

सिंधी रन मरे सखरि, जारु पचेलि बखरि।
हिन्दी अनु. रांड़ तो सक्खर के पास नदी में डूबी है, और उस की लाश निकालने के लिए जाल बक्खर में बिछाया जा रहा है।
Eng. tr. The whore is drowned in the river at Sakhar, and people are trying to net her out at Bakhar,.

मराठी आग रामेश्वरी, बंब सोमेश्वरी.
हिन्दी अनु. आग लगी रामेश्वर में, दमकल पहुँचा सोमेश्वर में।
Eng. tr. The fire is at Rameshwar, and the fire-brigade goes to Someshwar.

कानाला ठणका व नाकाला औषध.
हिन्दी अनु. कान में पीड़ा, और नाक में दवा।
Eng. tr. The ear throbs with pain, but medicine for the nose.

केर डोळयात, फुंकर कानात.
हिन्दी अनु. कचरा आँखों में, और कान को फूँके।
Eng. tr. Dust in the eyes, but blowing in the ears.

डोळयात केर, गांडीत फुंकर. (अशिष्ट)
हिन्दी अनु. आँखों में कूड़ा, गांड़ में फूँका।
Eng. tr. Dust in the eyes, but blowing in the anus.

पोटात भूक आणि डोळयात काज़ळ.
हिन्दी अनु. पेट में भूख, और आँख में काजल।
Eng. tr. Hungry stomach, and ointment in the eyes.

रोग पोटात व औषध डोळयात.
हिन्दी अनु. रोग पेट में, और दवा आँखों में।
Eng. tr. Disease of the stomach, but drugs (medicine) for the eyes.

गुजराती पाडाने रोग, ने पखालने डाम.
हिन्दी अनु. बोदे के रोग और पखाल को दाग।
Eng. tr. The male-buffalo has the disease, but double water-skin is branded.

वहूने वाग्यूं वासामां, ने सासु सेके सोडमां.
हिन्दी अनु. बहू को पीठ में लगा, और सास बगल सेंकती है।

Eng. tr. The daughter-in-law is hurt in the back, and the mother-in-law foments her sides.

बाङ्ला पो-पोयाती दूरे रेखे, धाइयेर गाये सेंक.
हिन्दी अनु. माँ-बच्चे को छोड़ दाई का बदन सेंके।
Eng. tr. To disregard the mother and child, and to provide warmth for the midwife.

असमीया नागिनीये लरा पाय, नगाइ जाल खाय।
हिन्दी अनु. नागिन बच्चा जने, नागा मिर्च खाए। (नागा जाती से निर्देश।)
Eng. tr. The Naga woman delivers a child, and the Naga man eats chillies.

ओड़िआ नइ रे हजाइ, पोखरी रे खोजिबा।
हिन्दी अनु. नदी में खो कर पोखर में ढूँढ़ना।
Eng. tr. To lose in the river, and to search for it in the pool.

तमिऴ कुऱत्ति पिळ्ळै पेट्राल् कुऱवन् कायम् तिन्पान्.
हिन्दी अनु. पहाड़ी की स्त्री (कुऱत्ति) बच्चे को जन्म दे, तो उस का पति हींग खायेगा।
Eng. tr. If the wife of a mountaineer is brought to bed, her husband takes the prescribed asaphoetida.

तेळ् कोट्टप् पांबुक्कु मंदिरिक्किऱदा ?
हिन्दी अनु. बिच्छू डंक मारे, और सांप पर मंत्र फूँके।
Eng. tr. When stung by a scorpion, do you recite incantations as for a snake-bite ?

नोंद कण् इरुक्क नोकाक् कण्णुक्कु मरुंदु.
हिन्दी अनु. दुखी आँख को छोड़ कर दूसरी आँख के लिये दवा।
Eng. tr. Applying medicine to the sound eye, instead of to the one diseased.

पांबु कडिक्कत् तेळुक्कुप् पाऱ्क्किऱदो ?
हिन्दी अनु. सांप काटे, और बिच्छू का मंत्र पढ़े।
Eng. tr. When bitten by a snake, will the incantations suitable to scorpion bites be of any use ?

तेलुगु ऍड्डु तंतुदनि गाडिदकाळ्ळु पट्टुकुन्नट्लु.
हिन्दी अनु. बैल लात मारेगा इस लिए गधे के पैर पकड़ रक्खे।
Eng. tr. Holding the legs of an ass for the fear that the ox might kick.

पुंडु ओकचोट, मंदोक चोट.
हिन्दी अनु. फोड़ा एक जगह, दवा एक जगह।
Eng. tr. The boil at one place, and the ointment elsewhere.

सिंगि कंटे सिंगडु पथ्यं चेसिनट्लु.
हिन्दी अनु. सिंहनी ने जचा, और सिंह ने पथ्य किया।
Eng. tr. The lioness bore the child, and the lion observed diet.

कन्नड अेत्तिगे रोग बंद्रे अेम्मेगे बरे हाकिद हागे.
हिन्दी अनु. बैल बीमार पड़ा तो भैंस क्यों दागी जाय ?
Eng. tr. If fhe ox falls sick, should the buffalo be branded ?

मंडे नोतरे कुडिगे लेपवे ?
हिन्दी अनु. सिर में दर्द और चूतड़ पर लेप।
Eng. tr. Why ointment to the buttocks if there is head-ache ?

७४

दूध का जला छाछ फूँक फूँक कर पीता है।

आशय

कोई व्यक्ति जब किसी चीज़ से क्षति पाता है, या किसी जानवर से चोट खाता है, तो दूसरी बार उस चीज़ या जानवर के सदृश दिखाई देनेवाली किसी और बात से भी डरता है, सचेत हो जाता है। पहली घटना से उस के मन में जो भय का भाव निर्माण होता है, उस का स्वाभाविक आविष्कार असाधारण सावधानी में दृग्गोचर होता है। हिन्दी की यह कहावत उस व्यक्ति की मनस्थिती का आयना है।— "साँप का काटा रस्सी से डरता है।"

Subject

These proverbs tell us how it is natural to human beings to dread the thing by which they have been pained or anything similar to it. For example the Hindi proverb — "Bitten by a serpent, he dreads the rope."

हिन्दी दूध का जला छाछ फूँक फूँक कर पीता है।
पाठभेद दूधरो बल्योड़ो छाछने फूँक दे-दे'र पीवै। (राज.)
Eng. tr. Scalded with hot milk, he blows on butter milk (to cool it).

बिजुलिक मारल, लुआठ देख भागे।
Eng. tr. Singed by lightning he runs from a burning stick.

मोढ़ा के मारल गीदड बिजली देखी डरे। (मुं.)
Eng. tr. Hit by a fire brand the jackal dreads the lightning.

लड़का के मारल कुत्ता लुआठी देख डराय। (शाहा.)
(बिजली का मारा कुत्ता लुआठी देख कर भी डरता है।)
Eng. tr. The dog hit by lightning is afraid of a fire brand.

साँप का काटा रस्सी से डरता है।

Eng. tr. Stung by a snake, he dreads a rope.

ENGLISH
1. Once bit, twice shy.
2. He that hath been bitten by a serpent is afraid of a rope.
3. A burnt child dreads the fire.
4. Whom a serpent has bitten a lizard alarms.
5. A scalded cat fears cold water.
6. The escaped mouse ever feels the taste of the bait.

उर्दू दूध का जला छाछ फूँक फूँक कर पीता है।

Eng. tr. Having burnt oneself with milk once, he now blows over the butter-milk too.

साँप का काटा रस्सी से भी डरता है।

Eng. tr. One who is bitten by a snake, fears even a rope.

पंजाबी अग दी सडी टटेणा तो वि डर दी है।

हिन्दी अनु. आग से जली जुग्नू से भी डरती है।

Eng. tr. She that has been burnt by a spark, fears even a fire-fly.

दुध दा सड्या लस्सी नूं वि फूंका मार मार पीन्दा है।

हिन्दी अनु. दूध का जला छाछ फूँक फूँक कर पीता है।

Eng. tr. One who has burnt his lips by hot milk, blows even on butter-milk before taking it.

सप दा करिआ रस्सी तों वि डरदा है।

हिन्दी अनु. साँप का काटा रस्सी से भी डरता है।

Eng. tr. He who is stung by a snake, is scared of a cord.

कश्मीरी वोवुर् मल्याज़ि व्वनचूर् करि बेयि।

हिन्दी अनु. जुलाहा क्या पागल है जो बुनाई में फिर चोरी करे।

Eng. tr. Is the weaver so mad to steal (the wool) again while spinning.

सिंधी कुतीअ खे कंहिं उमाड़ी ड़िनी त तारा दिसी थे ड़िनी।

हिन्दी अनु. कुतिया को किसी ने जलती हुई लकड़ी मारी, तो वह तारे देख कर भी डरने लगी।

Eng. tr. A bitch was hit with a burning stick, and she was thereafter afraid of even the stars.

खीर जो खांयलु झणि फूके पिए।

हिन्दी अनु. दूध का जला छाछ को फूँक फूँक पीता है।

Eng. tr. One who is burnt with milk, blows over the butter-milk to cool it, when he drinks it.

नांग जो डेज़ार्यलु नोड़ीअ खां बि टहे ।

हिन्दी अनु. सांप का डरा हुआ रस्सी देख कर भी भयभीत हो जाता है ।

Eng. tr. Frightened by the snake once, fears the rope ever afterwards.

मराठी दुधाने तोंड भाज़ले म्हणजे मांज़र ताकसुद्धा फुंकून पिते.

दुधाने तोंड भाजल्यावर ताक फुंकून पितात.

हिन्दी अनु. दूध की जली बिल्ली छाछ भी फूँक फूँक कर पीती है। दूध का जला छाछ भी फूँक फूँक कर पीता है।

Eng. tr. (a) Burnt his mouth with hot milk, the cat blows to cool the butter-milk.

(b) Burnt his mouth with milk while drinking, now blows butter-milk while drinking.

सर्प डसलेल्यास दोरीचे भय.

हिन्दी अनु. जिसे साँप ने काटा हो, वह डोर से भी डरता है ।

Eng. tr. One who is stung by a snake fears even a rope.

गुजराती जेनां बापने सांपे करड्यो होय ते वाख जोईने बीहे.

हिन्दी अनु. जिस के बाप को सांप ने काटा हो, वह रस्सी देख कर डरता है ।

Eng. tr. One whose father was bitten by a snake, is frightened even by a rope.

दुधथी दाझ्यो छास फुकी पीए.

हिन्दी अनु. दूध का जला मही (छाछ) फूँक कर पीता है ।

Eng. tr. One who is burnt with milk, blows even the butter-milk and then drinks it.

सापनो करडयो छछुंदर थी बीहे.

हिन्दी अनु. साँप का काटा छछूँदर से डरता है।

Eng. tr. One who is bitten by a snake, is frightened even by a mole.

सापे करेडेलो दोरडीथी बीहे.

हिन्दी अनु. साँप के द्वारा दंशित (काटा हुआ) रस्सी से डरता है।

Eng. tr. One who is bitten by a snake, is frightened even by a rope.

बाङ्ला घर पोड़ा गरु सिंदुरे मेघे डराय ।

हिन्दी अनु. जिस गाय ने एक बार गौशाला में आग लगते देखा है वह आसमान के लाल बादलों से भी डरती है।

Eng. tr. The cow which was once caught in a shed on fire, now dreads even the burnished sky.

चुण खेये यार (जार) गाल पोड़े, दइ देखले भये मरे ।

हिन्दी अनु. चूने से मुँह जलने पर दहीं देख डरे।

Eng. tr. He whose tongue is scalded by eating the lime, dreads even the sight of curds.

यार (जार) छेलेके कुमीरे खाय, ढेंकी देखले भय पाय।

हिन्दी अनु. जिस के लड़के को मगर खाए, ढेंकली देख के डर जाए।

Eng. tr. He whose son is eaten by a crocodile, is afraid even of a husking pedal.

असमीया एबेलि सापे खाले दोवा बेलि लेजुत् भय।

पाठभेद एबार सापे खुटिले लेजुलैको भय।

हिन्दी अनु. एक बार साँप का डँसा हुआ आगे रस्सी से भी डरता है।

Eng. tr. Once bitten by a snake, one is afraid even of a rope.

घर पोरा गरुवे रङा मेघ देखिले डरे।

हिन्दी अनु. जली गोशाले की गाय लाल मेघ से डरती है।

Eng. tr. A cow in a burnt shed, dreads a red cloud.

सरुते सापे खाइछे, केचुलै को भय।

हिन्दी अनु. बचपन में साँप ने काटा तो अब केंचुए से डरता है।

Eng. tr. He dreads a worm, who, while young, was bitten by a snake.

ओड़िआ गोरसरे पोडिथाए जे महि देखिले डरे।

हिन्दी अनु. दूध का जला छाछ से भी डरे।

Eng. tr. One who has been burnt by (hot, boiling) milk, is afraid of even curd.

चोरि गला लोकर भात हाण्डिकु अपतियारा।

हिन्दी अनु. जिस की चोरी हुई हो, वह चावल की हाँड़ी से भी सावधान।

Eng. tr. The man who has lost because of theft, distrusts even his rice pot.

जाहा पुअकु कुंभीर खाए, ता मा ढेंकि देखिले डरे।

हिन्दी अनु. जिस के पूत को मगरमच्छ खाये, उस की मा ढेंकी देखते ही डरे।

Eng. tr. A mother whose son has been swallowed by a crocodile, is afraid of dhenki (a husking pedal).

जाहा पुअकु साप कामुडि थाए ता मा पाळ दउडि देखिले डरे।

हिन्दी अनु. जिस के बेटे को साँप काटे, वह रस्सी से भी डरे।

Eng. tr. The mother whose son has once been bitten by a snake, is afraid of even a rope.

तमिळ करडियाल् तुरत्तपट्टवनुक्कुक् कंबलिक्कारनैक् कण्डाट् बयम्.

हिन्दी अनु. रीछ से भगाया (डराया) गया व्यक्ति कंबल बेचनेवाले की दृष्टी मात्र से डरता है।

Eng. tr. He who has been kicked by a bear, fears the sight of one who sells cumblies (rough woolen blankets).

सूडु कण्ड पूणै अडुप्पण्डै सेरादु.

हिन्दी अनु. आंच लगी बिल्ली चूल्हे के निकट नहीं आएगी।

Eng. tr. A burnt cat shuns the fire place.

तेलुगु वल्लु कालिनवाडु चुट्टनु कूड भयपडुतु मुट्टिस्ताडु.

हिन्दी अनु. जिस का बदन जल गया हो, वट चुरूट भी डरते डरते जलाता है।

Eng. tr. One who has received burns, is afraid of lighting a cigar.

कन्नड कै सुट्टुकोंड मगु दीपद बळि सुळियोल्ल.

हिन्दी अनु. एक बार हाथ जल जाने पर बच्चा दीये के पास नहीं जाता।

Eng. tr. The child that has burnt its hand, will not go near the lamp.

बिसि तोरिद बेक्कु ओले बळि सुळियलिल्ल.

हिन्दी अनु. मुँह जली बिल्ली चूल्हे के पास न फटके।

Eng. tr. The cat that has burnt its mouth, never again goes near the oven.

मलयाळम् अनच्च वेळ्ळत्तिल् वीणपूच्च पच्च वेळ्ळं कण्टालुं पेटिक्कुं.

हिन्दी अनु. गरम पानी में गिरी बिल्ली, ठंडे पानी से भी डरेगी।

Eng. tr. The cat that has fallen in hot water, will fear even the cold water.

तीक्कोळ्ळि कोण्टटिकोण्ट पूच्च मिन्नामिनुङ्ङिनेक्काणुम्पोळ् पेडिक्कुं.

हिन्दी अनु. लूक से मार खायी बिल्ली जुग्नू को देखते ही डरेगी।

Eng. tr. A cat beaten with a fire-brand, dreads the sight of a glow-worm.

संस्कृत दुर्जनदूषितमनसां पुंसां सुजनेऽप्यविश्वासः।
बालः पायसदग्धो दध्यपि फूत्कृत्य भक्षयति॥

हिन्दी अनु. दुर्जनों के दुष्कृत्य से जिन का मन कलुषित हुआ है वे सज्जनों पर भी विश्वास करने में हिचकते हैं। दूध से मुँहजला बच्चा दहीं भी फूँक फूँक कर खाता है।

Eng. tr. A person who has had bitter experiences from crooked people, is not prepared to put faith even on the good. Even a child who has got his tongue burnt with hot milk, tries to blow down the cool curds.

क्षीरेण दग्धजिह्वस्तक्रं फूत्कृत्य पामरः पिबति।

हिन्दी अनु. दूध का जला छाछ भी फूँक कर पीता है।

Eng. tr. One who has got his tongue burnt with hot milk, takes care to cool down (even) the buttermilk before sipping it

७५

दूर के ढोल सुहावने ।

आशय

दूर की चीज़ हमेशा अच्छी दिखायी देती है। उस के दोष समीप आने पर ही दिखायी देते हैं। दूरस्थ व्यक्ति के बारे में हम उस की भलाई और गुणवत्ता के संबंध में बहुत कुछ सुनते हैं, पर साक्षात् परिचय होने पर जब उस के दोष ध्यान में आ जाते हैं तब हठात् मराठी व्यक्ति बोल उठता है – "दूर से पहाड़ सुहाने।"

Subject

Things at a distance look far more enchanting than they do when near. We hear a lot about the generosity and virtues of a person far away, but when we come in direct contant with him and find glaring short comings in him, the Marathi person exclaims — "Hills at a distance are pleasant."

हिन्दी डूंगरिया रलियावणा आधा ईसरदास। (राज.)
(इसरदास कहता है कि पहाड़ दूर होने पर ही सुहावने होते हैं।)
Eng. tr. Isardas says that hills are enchanting only at a distance.

दूर के ढोल सुहावने।
Eng. tr. Drums at a distance sound well.

वारवाले कहें पारवाले अच्छे, पारवाले कहें वारवाले अच्छे।
Eng. tr. Those on that side call this side the best, and those on this, call that side the best.

ENGLISH
1. Call the bear uncle till you are safe across the bridge.
2. Hills are green far away.
3. The other side of the road always looks cleanest.
4. Praise the sea, on shore remain.
5. Distance lends enchantment to the view.

उर्दू दूर के ढोल सुहावने।
Eng. tr. The drums far away, sound good.

पंजाबी भो ही मिठ्ठां जेडा बुल्लां नहीं दिठ्ठां।
हिन्दी अनु. जो चखा नहीं, वह मीठा मालूम होता है।
Eng. tr. A thing that is not tasted, seems very delicious.

दूर दे ढोल सुहावणे।
हिन्दी अनु. दूर के ढोल सुहावने।
Eng. tr. The drums at a distance sound best.

पहाड़ दूरों ही शोभदे हन ।

हिन्दी अनु. पहाड़ दूर से ही अच्छे लगते हैं ।

Eng. tr. Mountains have a charm from a distance.

कश्मीरी दूरि दूरि छु मरुँच् मेठान्, नखुँ नखुँ छु कन्द् ट्यठान् ।

हिन्दी अनु. दूर दूर से काली मिर्च मीठी, पास पास से कन्द भी कड़ुआ (लगता है।)

Eng. tr. From a distance black pepper is sweet, near at hand sugar is bitter.

सिंधी डूरां डाढ़ी, ओर्यांकख ।

हिन्दी अनु. दूर से तो दाढ़ी अच्छी लगती है, पर नज़दीक से तिनकों-सी है ।

Eng. tr. The beard looks nice from far, but is like straw when looked at closely.

दुहिल जो आवाज़ु परे खां मिठो लगंदो आहे ।

हिन्दी अनु. दूर के ढोल सुहावन लागे ।

Eng. tr. The far-off sound of the drum sounds pleasant to the ear.

मराठी दुरून डोंगर साज़रा.

हिन्दी अनु. दूर से पहाड़ अच्छे ।

Eng. tr. Hills are attractive from a distance.

दुरून डोंगर साज़रा, ज़बळ ज़ाता काज़रा.

हिन्दी अनु. दूर से पहाड़ सुहावने, पास जाने पर भयावने ।

Eng. tr. Hill at a distance is enchanting, but go near and it's nux-vomica.

गुजराती डुंगर दूरथी रळियामणा.

हिन्दी अनु. पर्वत दूर से ही सुहावने ।

Eng. tr. The hills are charming (attractive, beautiful) from a distance.

बाङ्ला दूर थेके मने हलो नहबतेर ध्वनि;
बार-बाड़ीते गिये शुनि गाधार चेंचानि ।

हिन्दी अनु. दूर से लगी नौबत की आवाज़, बाहर-घर जा कर देखा तो गधा रेंक रहा था।

Eng. tr. From distance I thought it to be the sound of drum-music, but going in the outer house I listened, and found it to be donkeys's braying.

दूरेर केश घन देखाय ।

हिन्दी अनु. दूर से बाल घने दिखलायी देते हैं ।

Eng. tr. Hair appear thick and luxuriant from a distance.

असमीया दूरैर पर्बत निटोल ।

पाठभेद दूरर पर्बत शुवनी ।

हिन्दी अनु. दूर के पर्वत चिकने/पहाड़ सुहावने ।

Eng. tr. (1) Distant mountains look smooth.
(2) Hills at a distance are pleasing.

ओड़िआ दूर पर्बत सुंदर, दूर बंधु सुंदर।
हिन्दी अनु. दूर के पर्बत सुहाने, दूर के बांधव अच्छे।
Eng. tr. The distant mountaln is beautiful, the friend at a distance is nice.

तमिळ अक्करै माटुक्कु इक्करै पच्चै.
हिन्दी अनु. उस पार की गाय को इस पार की घास हरी लगती है।
Eng. tr. A cow on the other side feels that the grass on this side is green.

दूरत्तुप् पच्चै कण्णुक्कुक् कुळिच्चि.
हिन्दी अनु. दूर की हरियाली आँख को टंडक / शीतल।
Eng. tr. Green at a distance is cooling to the eye.

तेलुगु आवलि गट्टु आवुकु ईवलि गट्टु पच्चन.
हिन्दी अनु. उस किनारे पर खड़ी गाय को इस किनारे की घास हरी दिखाई देती है।
Eng. tr. The cow on the opposite bank finds the grass on this bank green.

ईवलि गट्टु आवुकु, आवलिगट्टु पच्चन.
हिन्दी अनु. इस किनारे पर की गाय के लिए उस पार हराभरा दिखता है।
Eng. tr. To the cow on this bank, the opposite bank of the stream looks green.

एटि आवलि मुत्यमुलु ताटिकाय लन्तेसि अन्नट्लु.
हिन्दी अनु. नदी के उस पार के मोती ताल फल से (बड़े) हैं।
Eng. tr. The pearls on the other side of the river are as (large as) palmyra fruit.

दूरपु कोण्डलु नुनुपु.
हिन्दी अनु. दूर के पहाड़ चिकने।
Eng. tr. Hills at a distance are smooth.

कन्नड दूरद बेट्ट नुण्णगे.
हिन्दी अनु. दूर के पहाड़ चिकने।
Eng. tr. The distant hill looks smooth.

होळेयाचे हसुरु नोटक्के बलु हसनु.
हिन्दी अनु. नदी के पारवाली हरियाली सुहावनी दिखती है।
Eng. tr. Green beyond the river is lovely to look at (appears lovely).

मलयाळम् अक्करे निल्कुम्बोल् इक्कर प्पच्चा.
हिन्दी अनु. उस पार खड़ा तो इस पार हरा।

Eng. tr. This side appears green to one who stands on the other side (of the river).

संस्कृत **दूरस्थाः पर्वता रम्या, युद्धस्य वार्ता रम्या।**

हिन्दी अनु. पर्वत दूर से रमणीय लगते हैं, और युद्ध-वार्ता दूर से ही श्रवणीय होती है।

Eng. tr. Distant mountains appear charming, and so do the anecdotes of a war.

दूरस्थाः पर्वता रम्या वेश्या च मुखमण्डने।
युद्धस्य तु कथा रम्या त्रीणि रम्याणि दूरतः ॥

हिन्दी अनु. पर्वत-शिखर दूर से रमणीय दिखते हैं। प्रसाधनयुक्त चेहरे से ही वेश्या सुन्दर, और युद्ध की कथाएँ दूर से (जोशीली और ओजपूर्ण लगती हैं।) ये तीनों दूर से ही रम्य लगते हैं।

Eng. tr. Distant mountains are charming (to view), a public woman is so after her make-up, a battle is like that when in narration. The three, thus, carry a glamour only from a distance.

७६

दूसरों की सामग्री पर मौज उड़ाना।

आशय

दूसरों की सामग्री पर मौज उड़ाने वाले बहुत होते हैं। अपने जेब से खर्च करना पड़े तब किफायत से काम लेनेवाले किसी और का पैसा खर्च करने में अपने को बड़े उदार दिखलाते हैं। बढ़ बढ़ कर भोजन में दूसरों की चीज़ें परोसते हैं। उर्दू की कहावत— "हलवाई की दूकान पर दादाजी की फातहा।" मराठी की इस कहावत से मिलती-जुलती है— "हलवाई के घर पर तुलसीपत्र।" दूसरी मराठी कहावत इस प्रवृत्ति की ठीक परिचायक है —"पड़ौसन की कढ़ी दौड़ दौड़ कर मनमानी परोसती है।"

Subject

There are people that enjoy at somebody else's cost. They even make generous offerings at another's cost. The following group gives an example of this. The following marathi proverb is the best example of this —" Serves somebody else's curry with great zeal."

हिन्दी **अनकर कूटल, अनकर पीसल, पहुँचा तक भीतर पैसल।** (मुज.)
(यदि दूसरों ने बनाई भोज्य-सामग्री मिले तो भोजन के समय हाथ क्या पहुचा तक मुँह में डाला जा सकता है।)

Eng. tr. If food grinded and pounded by others could be had, then one can not only put his hand into the mouth, but wrist also – one can eat to one's heart's content.

अनकर कैल धैल पर 'जय जगरनाथ'। (मुज.)
(दूसरे के किये-कराये पर 'जय जगरनाथ' बोल रहे हो।)

Eng. tr. (1) You are hailing Jagarnath at somebody's cost.
(2) He wishes victory to Jagarnath on somebody's merit.

अनकर चुक्का, अनकर घी, पांडे बाबा के लागल की। (पट.)

Eng. tr. Another's flour, another's butter, what do they cost the cook? (Allusion to the borrowing of flour and ghee by panda (a brahmin cook) for sacrifice.)

अनकर बहुकी, अनकर घी, हमरा अहाँ के लगैयऽ की ? बहुकीयै स्वाहा। (मुज.)

Eng. tr. Another's vessel, another's ghee, what do I lose if I spend? — here I pour more.

अनका धनपर बिकरम राजा। (शाहा.)
(दूसरे की संपत्ति पर अपने को राजा बिक्रमादित्य कहलाता है।)

Eng. tr. He calls himself king Vikramaditya on the strength of somebody's riches.

आनक कमाईपर तीन टिकुली, एगो कच्ची, एगो पक्की, एगो लाल बिन्दुली। (मुज.) (दूसरे की कमाई पर एक कच्ची, एक पक्की, तथा एक लाल रंग की बिन्दिया लगाती हो।)

Eng. tr. She has three marks on her forehead at somebody's expense — one faint, one deep, and one red.

आन के धनपर चोर राजा।
(दूसरे की कमाई पर दौलत का मालिक बन बैठे।)

Eng. tr. A thief becomes a king at others' cost.

करवा कोंहार के, घीव जजमान के, बोल पंडित स्वाहा स्वाहा। (शाहा.)
करवा = मिट्टी का छोटा पात्र। घीव = घी, जजमान = यजमान (कुम्हार की बहुकी, जजमान का घी, रे पंडित ! हवन करते जाव।)

Eng. tr. The potter's pot, and the host's ghee, oh Brahmin! Go on sacrificing as much as you please.

ढाकन कुम्हार के आ घी जजमान के स्वाय नमः स्वाय नमः। (मुज.)
(ढकना कुम्हार का और घी जजमान का। पंडितजी स्वाहाः स्वाहाः कर रहे है। उन का क्या जाता है ?)

Eng. tr. The cover of the pot belongs to the potter, and the ghee to the host, and the brahmin uses it generously for the holy ritual.

काका के भईस भतीजा लड़े कुस्ती। (शाहा.)
(भैंस चाचा की और उस के दूध के भरोसे भतीजा कुश्ती लड़े।)

Eng. tr. The buffalo belongs to the uncle, and the nephew wrestles on the strength of its milk.

जमा लगै सरकार की और मिर्ज़ा खेले फाग।

पाठभेद माल महाराज के मिरजा खेले होली। (चंपा.)

Eng. tr. The revenue is the Government's, and Mirza is enjoying himself (on the proceed thereof).

जीजा के मालपर साली मतवाली। (स्त्री.)

Eng. tr. The sister-in-law vain of the brother-in-law's wealth (It is nothing to her).

पारकै पईसै परमानन्द, लालकंवरजी करै अनंद। (राज.)
(पराया पैसा मिलने से बड़ा आनन्द है, लालकुंवरजी आनन्द करते है।)

Eng. tr. Lalkunwarji gets intense happiness when he gets another's wealth.

मुफत का चंदन, घस ले लाला, तू भी घस, तेरे बाप को बुला ला। (राज.)
(मुफ्त मिले माल का उपयोग लोग बेरहमी से करते हैं।)

Eng. tr. O, Lala, rub the sandal-wood as much as you please, and call your father too. It is free of charge. (People use without discretion things that are got free of charge.)

मुफतरी मुरगी काजीजीनै हलाल। (राज.)
(मुफत की मुर्गी काजीजी को हलाल।)

Eng. tr. A hen got free of charge is lawful for the Kazi also.

ENGLISH
1. The wholesomest meat is at another man's cost.
2. To cut large thongs of another man's leather.
3. To cut large shivers of another man's loaf.
4. Hens are always free of horse-corn.

उर्दू पराये माल पर या हसीन।

Eng. tr. He becomes strong and stable on another's property.

मामू के कान में अँटीया भाँजा एँडा एँडा फिरे।

Eng. tr. The maternal uncle has earrings in his ears, and the nephew struts about.

माल मुफ्त, दिल बेरहम।

Eng. tr. Got gratis, one spends carelessly.

माल लुटे सरकार का, मियाँ खेले फाग।

Eng. tr. Government's property is wasted, and the gentleman enjoys his Holi.

हलवाई की दूकान और दादाजी की फातिहा।

Eng. tr. To celebrate a grand-father's obsequies at a confectioner's shop. (To distribute the confections necessary to the occasion at the confectioner's expense. To describe one who supplies his own wants at the expense of others.)

कश्मीरी दोबि सुन्द् गरुँ ननि ईज़् दोह्।

पाठभेद दोबि सुन्द् छलुन् ननि यीज़् दोह्।

हिन्दी अनु. धोबी का घर ईद के दिन पहचाना जाएगा। (धोबी के परिवार के लोग लोगों ने धुलाने के लिये दिये हुए कपड़े पहनते हैं, लेकिन त्यौहार पर जब सब अपने अपने कपड़े ले जाते हैं, तब धोबी की असली हालत खुल जाती है।)

Eng. tr. A washerman's house will be recognised on Id Day (feast day).
(The washerman's family wear the clothes which are sent to them for washing. On festival day, all people take away their clothes, and the poor washerman and his family are left almost naked.)

रथ् वन्दय् तुँ पुज़्वानुक्।

हिन्दी अनु. मैं रक्त दे दूँगी, लेकिन कसाई की दूकान का।

Eng. tr. I will offer blood, but of the butcher's shop.

लूक हुँन्दि खान्दरुँ स्यथुँर आरदनि।

हिन्दी अनु. औरों की शादी में अपने मित्रों का आदर।

Eng. tr. Please your own friends at other's marriage.

लूकुँहुँन्ज़्य् गांव् मनुँसावुँनि।

हिन्दी अनु. लोगों की गायें (दूसरों की) दान देना।

Eng. tr. To give in charity the cows belonging to others.

हमसायि वन्दुँयो गरो।

हिन्दी अनु. ऐ घर, मैं तुम पर पड़ौसी वारूं।

Eng. tr. (a) O house, I will sacrifice the neighbour to thee.
(b) O house, I will make an offering to you of my neighbour.

मराठी आयजीच्या जिवावर बायजी उदार, दिवसा दिवा, रात्री अंधार.

हिन्दी अनु. आयजी के जी (बल) पर बायजी उदार, दिन में दीपक, रात में अंधकार।

Eng. tr. Baiji is generous at the cost of Aaiji. Lights burn during the day, when night ramains dark.

आयत्या पिठावर नागोबा (बळी).

पाठभेद आयत्या बिळात नागोबा.

हिन्दी अनु. बने-बनाये आसन पर नागराज (बली) / तैयार बिल में नागराज (डोले)।

Eng. tr. The snake resides in a ready-made ant-hill.

काय गेले तळतीचे, काय गेले वळतीचे.

हिन्दी अनु. तलनेवाली का क्या जाता, बटनेवाली का क्या जाता ?

Eng. tr. How does it (the expenses) affect the one who fries things, and the one who rolls pastries ? (The cooks waste a lot of oil and other provisions because it does not belong to them.)

गोठणीच्या गाई माभळभट दान देई.

पाठभेद लोकांच्या गाई, माभळभट दान देई.

हिन्दी अनु. बाड़े की गायों को माभलभट दान में दे दें।

Eng. tr. Mabhalbhat donates somebody else's cows.

दुसऱ्याची कढी, धाव धावून वाढी.

पाठभेद शेजीबाईची कढी, धाव धाव वाढी.

हिन्दी अनु. दुसरे की / पड़ोसन की कढ़ी दौड़ दौड़ कर परोसी।

Eng. tr. Serves somebody else's curry with great zeal.

परटाचा डौल दुसऱ्याच्या पांघरुणावर.

हिन्दी अनु. धोबी का डौल दूसरों के कपड़ों पर।

Eng. tr. (a) The pride of a washerman (dhobi) depends on somebody else's bed-covers or clothes.
(b) The washerman flaunts at the cost of somebody else's clothes.

मोलाचा भात, आखडला हात, फुकाची कढी, धावून धावून वाढी.

हिन्दी अनु. कीमती चावल परोसने में कंजूसी, मुफ्त की कढ़ी, बढ़ बढ़ कर परोसे।

Eng. tr. With costly rice he holds back his hand, but he runs to serve out the cheap dish of curds.

राजाची शालजोडी ती परटाची पायघडी.

हिन्दी अनु. राजा का दुशाला सो धोबी का बिछौना। (धोबी के पास चाहे जिस के कपड़े धोने के लिए आ जाय, वह उन का चाहे जिस काम के लिये उपयोग करता है।)

Eng tr. The shawls of a king serve as red-carpets to the washerman.

सासवेच्या दोंदावर / जिवावर जावई उदार.

हिन्दी अनु. सास के बल पर दामाद उदार।

Eng. tr. The son-in-law is generous with the opulence (wealth) of his mother-in-law (or, the son-in-law is generous because his mother-in-law is pot-bellied.)

हलवायाच्या घरावर तुळशीपत्र.

हिन्दी अनु. हलवाई के घर पर तुलसीदल।

Eng. tr. A basil-leaf on the confectioner's house. (A gift when given to a brahmin is given with a basil-leaf and an areca-nut. Here by keeping this leaf on the confectioner's house, he is generously donating the house to a third person.)

गुजराती खोदे ऊंदर ने भोगवे भोरींग.
हिन्दी अनु. खोदे चूहा और रहे साँप (बिल में।)
Eng. tr. The mouse digs the burrow which is occupied by a snake.

पारकां छोकरांने जती करवा सौ तैयार.
हिन्दी अनु. दुसरों के बच्चों को यति बनाने को सब तैयार।
Eng. tr. All are willing (ready) to make somebody else's son a monk.

पारका पेटु पर लात ने मागे दूध ने भात.
हिन्दी अनु. दूसरे के पेट पर लात, और माँगे दूध-भात।
Eng. tr. Kicks someone else's stomach, and (over and above) demands milk and rice.

पारका पेटु पर लात, ने दूधपाकनुं साटु.
हिन्दी अनु. दूसरे के पेट पर लात और दूधपाक का सौदा।
Eng. tr. A kick on somebody else's abdomen (stomach), and doodhpak in return. (दूधपाक – a sweet milk preparation)

पारकी पूंजीए तहेवार, ऊठ जमीये बे वार.
हिन्दी अनु. दूसरे की पूंजी से तेहवार (मनाया जाय तो) चलो, ऊठो, दो बार भोजन करें।
Eng. tr. A festival at the expense of someone else; come, let us dine twice (eat meals twice).

पारके घेर पडताल, पोताने घेर हडताल.
हिन्दी अनु. दूसरे के भोजन पर अपने घर उपवास।
Eng. tr. To eat voraciously at another's place; at our own, to observe fast.

पारके घेर पोहळा, ने पोत्ताने घेर सांकडा.
हिन्दी अनु. दूसरों के घर चौड़े और अपने घर सकरे।
Eng. tr. Broad at another's house while narrow at one's own (i.e. extravagant at another's house, while miserly at our own.)

पारके पैसे तेहवार.
हिन्दी अनु. दूसरों के पैसे से त्यौहार (मनाना)।
Eng. tr. Festival at another's cost. (Festivity at the cost of someone else.)

पारके पैसे परमानंद, खाई पीने करो आनन्द.
हिन्दी अनु. दूसरों के पैसे से परमानन्द, खा-पी कर करो आनन्द।
Eng. tr. Supreme bliss at the expense of others; eat, drink and be merry.

सुखडीयानी सुखडी, ने आरोगे भगवान.
हिन्दी अनु. सुखलाल (सुखी) की सुखडी (मिठाई का एक प्रकार), खाओ मेरे भगवान।

Eng. tr. The sweet-meat belongs to the confectioner; my lord, eat it up.

बाङ्ला काके करे बासा, कोकिले करे बास।
हिन्दी अनु. कौआ बनावे घर, और कोयल रहे अंदर।
Eng. tr. The crows make a nest, while the cuckoos dwell in it.

काछिमे डिम पाड़े गोसापे खाय।
हिन्दी अनु. कछुआ अंडे दें, गोह खाए।
Eng. tr. The turtles lay the eggs, and the iguana's feast on them.

परेर कापड़े धोपार नाट (धोपा बले, आमार बारो मास)।
हिन्दी अनु. दूसरों के कपड़ों से धोबी ठाटबाट करता है, और कहता है, इस प्रकार तो सालभर मेरा त्यौहार चलता है!
Eng. tr. The washerman celebrates a festival with other people's clothes, (and says he, I celebrate this way all the year round)!

परेर गोयाले गो-दान।
हिन्दी अनु. परायी गौ-शाला से गो दान।
Eng. tr. To gift away a cow from someone else's cow-shed.

परेर धने पोद्दारी (लोके बले लक्ष्मीधरी)।
हिन्दी अनु. पराए धन से साहुकार, लोग कहते हैं धनपति।
Eng. tr. To show off affluence at another's expense. (People call one a wealthy man.)

परेर धने बरेर बाप।
हिन्दी अनु. पराए धन पर दूल्हे का बाप।
Eng. tr. Becoming a big man as bride-groom's father on the strength of another's money. (Actually the groom's father is a penniless person, but after acquiring the dowry for his son, he poses as a rich man.)

बेहाइ, तोर खरच आर मोर खरच; आर सबाइ खाय आर चाय।
हिन्दी अनु. समधी, तेरा खरच और मेरा खरच। बाकी सब खायें और चाहें।
Eng. tr. "O Behai (a relation-term indicating the fathers of both the bride and the groom), — you are incurring expenditure and so am I, the rest only eat and want."

असमीया धोबाइ नाजाने कार कापोरेरे मरिब।
हिन्दी अनु. धोबी क्या जाने किस का कपड़ा पहन कर मरे।
Eng. tr. The washerman never knows in whose clothes he would die.

परर ओपरत पाइ धन, बापे पुते कीर्त्तन।
हिन्दी अनु. परायों का यदि मिले धन, बाप-बेटे करे कीर्तन।
Eng. tr. When it is somebody else's money, the father and the sou only would perform Kirtan.

परर ओपरत पाले पानी ढालि तिनि गराह खाय।
हिन्दी अनु. दूसरे का खाना हो तो पानी के साथ भी तीन निवाले ज़्यादा खाय।
Eng. tr. He, who lives on others, would eat three gulps more even with water.

परर घरलै याबि, मोर दियन थोयन चाबि।
हिन्दी अनु. पराये घर जाओ, और मेरा दान देखो।
Eng. tr. Go to others' house, and look at my alms giving.

पाइ परर धन, बापेके-पुतेके करे कीर्तन।
हिन्दी अनु. पराया धन पा कर बाप-बेटा कीर्तन करे।
Eng. tr. The father and the son have acquired another's wealth, and now they sing hymns to god and preach.

लोकर चरात बहा बर मानुह।
हिन्दी अनु. दूसरों के दीवानखाने में बैठ कर बड़ा आदमी (बने)।
Eng. tr. He poses to be big by sitting in others' drawing room.

ओड़िआ पर घरे मंगळवार।
हिन्दी अनु. दूसरे के घर में मंगलवार का व्रत।
Eng. tr. To perform the Tuesday-fast in another's house.

पर धन गुड़ मुआँ परि।
हिन्दी अनु. पराया धन गुड़ की डली सा।
Eng. tr. Others' money (wealth) is like sweet ball made out of gur (jaggery).

परभुंजा कि जाणंति चाउळर मूल।
हिन्दी अनु. परभुक्त क्या जाने चावल का भाव !
Eng. tr. What do free-diners (those who eat at others' cost) know of the price of rice !

तमिऴ आट्रिले पोकिर् तण्णीरै अप्पा कुडि, अम्मा कुडि.
हिन्दी अनु. नदी में बहनेवाले पानी को बाबा तुम पिओ, माँ तुम पिओ।
Eng. tr. Drink sir, and, drink the water that is flowing in the river, dear mother ! (Generosity without cost.)

उडैयार् वीट्टु मोरुक्कु अगप्पैक् कणक्कु ॲन्न ?
हिन्दी अनु. मालिक के यहाँ के मट्ठे के लिये हिसाब-किताब क्या ?
Eng. tr. What necessity is there for estimating the quantity of butter-milk by the ladle in the homested of the chief ?

ऊरार् ॲरुमै पाल् करक्किऱ्दु नीयुम् ऊदट्टु नानुम् उण्णुगिऱेन्.
हिन्दी अनु. किसी की भैंस दूध देती है, तुम भी पिओ और मैं भी पीता हूँ।
Eng. tr. The buffalo of the village is in milk, you suck, and I will also suck.

काट्टिल् आनैयैक् काट्टि वीट्टिल् पेण्णैक् कोडुक्किरदा ?

हिन्दी अनु. जंगल का हाथी दहेज में दिखा कर घर में लड़की का ब्याह करें।

Eng. tr. It is to give a girl in marriage when an elephant in the jungle is shown as dowery.

तेलुगु अंगट्लो बेल्लमु गुळ्ळो लिंगानिकि नैवेद्यमु.

हिन्दी अनु. बाज़ार के गुड़ का शिवलिंग को नैवेद्य।

Eng. tr. Offering the molasses in the bazar to the Shiva-lingam in the temple. (Willing to be liberal at the expense of others.)

अत्त सोम्मु अल्लुडु दानं चेसाडु.

हिन्दी अनु. सास का धन दामाद ने दान में दिया।

Eng. tr. The wealth of the mother-in-law was given away in charity by the son-in-law.

चाकलि कट्टनि गुड्ड, सैसु एक्कनि गुर्रमु लेदु.

हिन्दी अनु. ऐसा कपड़ा नहीं जो धोबी ने न पहना हुआ है, ऐसा घोड़ा नहीं जिस पर साइस न चढ़ा है।

Eng. tr. There is no cloth which the dhobi has not used, there is no horse which the groom has not mounted upon.

चेडेवाडु अब्बडुन्नाडु, मरीपिडिकेडु तेरा दानम् चेस्तानु.

हिन्दी अनु. नुकसान तो अब्बडु का ही है, लाओ, और मुट्ठी भर दान करूँगा।

Eng. tr. It is Abbadu who will suffer, bring me another handful (of money or corn), I will give in alms.

तलारि-दुप्पटि, रेड्डि बहुमानं चेसिनट्लु.

हिन्दी अनु. चौकीदार की चादर रेड्डी ने भेंट में दे दी।

Eng. tr. Reddy gave away as present the blanket ol the servant.

पोरुगिंट चूडरा ना पेद्दचेयि.

हिन्दी अनु. पड़ोसी के घर में मेरा बड़ा (उदार) हाथ।

Eng. tr. I am liberal in my neighbour's house.

रामक्क देमि पोये ? रामन्न देमि पोये ? रासिलोनिदे दोसेडु पोये.

हिन्दी अनु. रामक्का (स्त्री) का क्या जाता है ? रामन्ना का क्या जाता है ? कोठी से अनाज जाता है।

Eng. tr. What does Ramakka lose ? What does Ramanna lose ? All is lost from the store.

सोम्मु नीदि, सोकु नादि.

हिन्दी अनु. पैसा तेरा, शौक मेरा।

Eng. tr. My enjoyment at your cost.

कन्नड अगसन बडिवारवेल्ल हेरवर बट्टेय मेले.

हिन्दी अनु. दूसरों के कपड़ों से धोबी का रुआब।

Eng. tr. All the bragging of the washerman on the clothes of others.

अगसर कत्तेयन्नु दोंबरिगे त्याग माडिद हागे.

हिन्दी अनु. धोबी का गधा नट को भेंट।

Eng. tr. Washerman's donkey gifted out to an acrobat.

ऊरक्कि अन्न ऊर बेळि उण्डु होगे मीरव्व !

हिन्दी अनु. बस्ती का भात, बस्ती की दाल, खाओ-पीओ मीरव्वाजी !

Eng. tr. It is community dinner, eat and drink to your heart's content, Miravva !

मलयाळम् आरान्टे अम्मय्क्कुं भ्रान्तु पिटिच्चाल् काणान् नल्ल रसं.

हिन्दी अनु. दूसरे की माँ पागल बनी तो देखने को बड़ा मज़ा।

Eng. tr. When somebody's mother is insane, others find it quite amusing.

अेम्प्राण्टे विळक्कत्तु वार्यन्टे अत्ताळं.

हिन्दी अनु. पुजारी के दीपक के प्रकाश में वारियर का व्यालू।

Eng. tr. The supper of the garland-maker in the lamp-light of the priest. (वारियर = पुष्पमाला बनानेवाला।)

काक्क कूटु केट्टुं कुयिल् मुट्टयिटुम्.

हिन्दी अनु. कौआ घोंसला बनाएगा, और कोयल उस में अंडे देगी।

Eng. tr. The crow will build the nest, and the cuckoo will lay eggs in it.

संस्कृत कुंकुमेनान्यदीयेन सुलभा रंगवल्लिका।

हिन्दी अनु. दूसरे के सिंदूर से साँझी अच्छी बनती है।

Eng. tr. The design (in front of the house, or God) is easier at the cost of others' vermilion.

बिले पन्नग इव।

हिन्दी अनु. जैसे (बने बनाये) बिल में नाग।

Eng. tr. In the manner of a serpent taking possession of a ready hole.

७७

नयेपन में उपहासात्मक काम ।

आशय

जब कोई नया काम अपनाता है, तो उसे वह अत्यधिक उत्साह से करने लगता है, यहाँ तक, कि वह लोगों की दृष्टि में उपहास का साधन बनता है। जैसे, अपना धर्म छोड़ कर दूसरे धर्म में प्रवेश करनेवाला अपने नूतन धर्म के आचारों का बहुत ही हास्यास्पद उत्साह से पालन करने का प्रयत्न करता है! उर्दू कहावत है—"नया मुल्ला अल्ला अल्ला पुकारे।" अल्ला के नाम की जोरों से रट लगाता है, ता कि वह पाक मज़हबी साबित हो। नये सरे से तमाखू पीनेवाले का उत्साह इस हिन्दी कहावत में कितनी रोचकता से प्रदर्शित हुआ है—"नया गँजेड़ी बलेंड़ी पर धुआँ।"

Subject

When one is new at a job, one does ridiculous things merely because the enthusiasm is a great deal. A Hindi proverb expresses this notion so well—"The beginner in pipe-smoking sends the smoke right upto the ridge-pole."

हिन्दी अन बिर्तक बिरत घमलोर बजाई।

Eng. tr. The irregular priest makes a loud noise.

अरकी के नाउनि सोने की नहरनी। (शाहा.)

(नाईन नई है इस लिए सोने की नहरनी लिये हुए है।)

Eng. tr. The barber's wife is new to the profession, and uses golden nail-cutters.

नई आई दरजिनि काठ की कतन्नी, नोखे की नाउनि बाँस कै नहन्नी।

(नई दर्जिन काठ की कैंची और अनोखी नाइन बाँस की नहरनी उपयोग में लाती है।)

Eng. tr. A new tailor has scissors of wood, and a new barber has a bamboo nail-cutter.

नई घोसन और उपलों का तकिया।

Eng. tr. A new milk-maid and pillow of cowpats.

नई धोबिनिया आती है लुगरी में साबुन लगाती है। (चंपा.)

(लुगरी=पुरानी साड़ी)

Eng. tr. A new washer-woman comes and applies soap to old rags.

नई फ़ौजदारी, और मुर्गी पर नक्कारा।

Eng. tr. A new government, and its drum on a hen's back.

नई बहुरिया करइला में झोर। (पट., मुज.)
(बहू नई है, इस लिए उस ने करैले में ही झोर लगाया है।)
झोर = झोल, शोरबा। (प्राचीन काल में करैले की तरकारी रस्सादार नहीं बनाई जाती थी। आजकल बनती है।)

Eng. tr. The new wife prepared bitter-gourd vegetable with gravy. (broth / soup) (In old days, bitter-gourd vegetable was only fried, no gravy was made. Now-a-days enough broth is left in it.)

नई बहू, टाट का लहंगा।

Eng. tr. A new wife, and a gown of canvass.

नया अतीत पेडू पर अलाव।

Eng. tr. The unversed ascetic squats on his haunches (which will soon tire him out). (The ascetics sit with their hands on a bairagan, a kind of wooden support, which enables them to remain in one position for a very long time.)

नया गँजेड़ी बलेंड़ी पर धुआँ। (चंपा.)

Eng. tr. The beginner in pipe-smoking sends the smoke right upto the ridge-pole.

नया चिकनिया, रेंडी के फुलेल (पू. स्त्री.)

Eng. tr. A raw youth with castor-oil for cosmetic.

नया जोगी और गाजर का शंख।

Eng. tr. A novice with a conch of carrot-root.
(शंख is a shell horn used by जोगीs when begging to attract attention. It should usually be a sea-shell, or failing this, a brass, copper or deer horn.)

नया नाई और बांस की नहरनी। (नहरनी हमेशा लोहे की होती है।)

Eng. tr. A new barber with bamboo nail-scissors. (These should be of steel or iron. Applied to those who introduce dangerous innovations.)

नया मुसलमान " अल्ला ही अल्लाह " पुकारे।

Eng. tr. A Musalman-convert cries "Allah, Allah" all day long. (Converts are more fanatic.)

नया मुसलमान खुदा मियां लाचेहाल। (मुज.)
(हाल में ही मुसलमान हुआ है, इस लिए खुदा के लिये परेशान है।)

Eng. tr. A new convert to Islam craves more ardently for Khuda.

नया मुसलमान दस बेरी नमाज पढ़े। (मुज.)

Eng. tr. A new convert to Islam reads prayer ten times a day.

नये नये हाकिम, नई नई बातें।

Eng. tr. New rulers, new laws.

नये सिपाही, मूँछ में डंडा / ढांटा।

Eng. tr. A new soldier, and a stick in his moustache (to keep it erect).

नाया दुलहिन टाट के लहँगा। (शा.)

Eng. tr. A new bride with a canvass petticoat.

नाया नबाब आसमान पर दिमाग। (शाहा.)

Eng. tr. A new lord, and his pride in the sky (to show off that he is very strict).

नाया भजनिया टीक में झाल। (भा.)

(भजन गानेवाला नया है, इस लिए झांझ सोने की सांकल में बांधे है।)

Eng. tr. The singer of the religious songs is a novice, and he has put the pair of cymbals in a golden chain.

नाया मुसलमान जादा पिआज खाय। (शाहा.)

Eng. tr. A newly convert to Islam eats more onions.

ENGLISH A new broom sweeps clean.

उर्दू अनोखी जुरवा, साग में शुरवा। (मु., स्त्री.)

Eng. tr. The silly hussy has made broth of the greens. (शोरवा is soup made of meat.)

नई जोगन काठ की मँदरी।

Eng. tr. The new nun goes about with the wooden musical instrument.

नई नायन बाँस की नहरनी।

Eng. tr. The new barber's wife carries a nail-cutter of bamboo.

नए नमाज़ी और बोरिये का तहमद।

Eng. tr. A new Musalman, and a mat for apron. (Muhamadans usually wrap a cloth round their legs reaching down to the knees while engaged in prayer.)

नया नोकर हरन के सींग चीरता है।

Eng. tr. The new servant cuts open the horns of a deer. (A new person always works a lot.)

नया मुल्ला मस्जीद को दौड़ दौड़ जाये।

Eng. tr. The new Mullah runs with haste to the mosque.

नया मुसलमान कसाई की दुकान।

Eng. tr. The new Muslim opens a butcher's shop.

नये नवाब आसमान पर दिमाग़।

Eng. tr. A new lord, and his pride in the sky.

नये बावर्ची साग में शोरबा।
Eng. tr. An untrained cook, and a soup of greens.
(शोरबा is made of meat.)

मुलाज़िम-इ-नौ तेज़ रौ। (फ़ारसी)
Eng. tr. A new servant is very active.

पंजाबी कल दी फकीरी दुपहरे धुआं।
हिन्दी अनु. कल का फ़क़ीर (नया फ़क़ीर) दो पहर में धुआँ करे।
Eng. tr. A new faqir, and he burnt the chaff in the noon.

कल दी भूतनी मड़ीआं दा अध।
हिन्दी अनु. नयी भूतनी, समशान में आधा हिस्सा मांगे।
Eng. tr. A new goblin, and she wants half the share in the cemetry.

जट फ़कीर, गल गंढिआं दी माला।
हिन्दी अनु. जाट जब फ़क़ीर बनता है, प्याज की माला पहनता है।
Eng. tr. When a Jat becomes a faqir, he wears a rosary of onions.

सिंधी नओं मुलो ज़ोर सां बांग डींदो आहे।
हिन्दी अनु. नया मुल्ला जोर से बांग देता है।
Eng. tr. A new Mullah shouts aloud in the name of God.
(Mullah - a religious priest.)

नवनि मेहारनि मेहूं धार्यूं, खथा लाहे दूंह्यूं बार्यूं।
हिन्दी अनु. नये मेहवालों ने भैंसों को पाला तो बाड़े में उपलों के बदले कम्मल उतार कर उन से चूल्हे जलाने लगे।
Eng. tr. New cow-herds took buffaloes under their care, and instead of dried cow-dung cakes, they burnt their coarse blankets in the shed.

मराठी नवतीची गरव्हार उताणी चाले.
हिन्दी अनु. पहली बार गर्भवती मटक कर चलती है।
Eng. tr. A woman pregnant for the first time struts with stately steps.

नवा ज़ोगी, मांडभर जटा.
हिन्दी अनु. नया जोगी, जांघ तक जटा।
Eng. tr. A new ascetic has thigh-long matted hair.

नवी नवलाची आणि वापरली की कवडी मोलाची.
हिन्दी अनु. नयी लगे छबीली और पुरानी होने पर दो कौड़ी की।
Eng. tr. A new thing is marvelled at, but when old, it becomes as worthless as a kowri.

पहिलटकरणीचे डोहाळेच फार.
हिन्दी अनु. प्रथम गर्भवती की दोहदें बहुत।
Eng. tr. A woman pregnant for the first time has too many longings.

गुजराती आजकालनो जोगी, ने ढींचण समी जटा.

हिन्दी अनु. आजकल का जोगी (नया, अनुभवहीन), और घुटने तक जटाएँ।

Eng. tr. A yogi of yesterday only (became yogi recently), and matted hair reaching the knees.

नवी नारंगी नव दहाडा.

हिन्दी अनु. नई नारंगी नौ दिन।

Eng. tr. New orange for nine days.

नवी फोजदारी, ने मरघी पर नगारा.

हिन्दी अनु. नयी फ़ौजदारी, और मुर्गी पर नगारे।

Eng. tr. Newly appointed police magistrate, and drums beaten on the back of a hen.

नवो निशाळीयो नव दहाडा, जाहजुं करे तो दस दहाडा,
अग्यार में दहाडे कोरडो, ने बारम दहाडे ओरडो.

हिन्दी अनु. नया विद्यार्थी नौ दिन, ज्यादा करे दस दिन, ग्यारहवे दिन कोड़ा, और बारहवे दिन कमरे में (बंद)।

Eng. tr. A new school-boy continues for nine days, at the most, ten, on the eleventh, he is caned, and on the twelth, locked up in a room.

नवो बैरागी गांडे टीलो.

हिन्दी अनु. नये बैरागी के गांड पर तिलक।

Eng. tr. A new ascetic and the tilak (even) on the anus.

नवो हिन्दु मुसलमान थाय, ने अल्ला बोलतां श्वास न खाय.

हिन्दी अनु. नया हिन्दू मुसलमान हो जाय तो अल्ला कहते साँस भी न ले।

Eng. tr. A Hindu newly converted to Islam utters the name of Allah restlessly (without taking rest to breathe).

बाङ्ला आड़ाइ दिन बोष्टम हये, भातके बले अन्न।

हिन्दी अनु, ढाई दिन के वैष्णव, भात को कहे अन्न। (अवस्था की उन्नति होने पर अपने पूर्व परिचय को छिपाने की कोशिश करना।)

Eng. tr. A Vaishnava of only two and a half days standing, rice by 'anna' is calling.

तिन दिनेर योगी, तार पाये पड़े जटा।

हिन्दी अनु. तीन दिन का जोगी, उसके पैर तक पहुँचे जटा।

Eng. tr. An ascetic of three days, and yet his matted hair-locks are knee-length.

हिंदु यदि मोघल हय, गोश्त टाने बेशी।

हिन्दी अनु, हिंदू अगर मुसलमान हो जाय तो गोमांस ज़्यादा खाय।

Eng, tr. A renegade Hindu eats beaf with a vengence.

ओड़िआ कालिका जोगी मुण्डरे जटा ।
हिन्दी अनु. कल का जोगी और सिर में जटा ।
Eng. tr. Yesterday's yogi flaunting knotted hair (today).

नुहा डाहाणी गुह खाइ शिखिबा ।
हिन्दी अनु. नयी डायन पैखाना खाना सीखे ।
Eng. tr. Like the new witch learning to eat excreta.

नुआ जोगी भिक बाइ, पाउ न पाउ बुलुथाइ ।
हिन्दी अनु. नया जोगी भीख मांगने में पागल, मिले या न मिले, घूमता रहे ।
Eng. tr. A new mendicant is mad for alms, roams about from door to door whether he gets alms or not.

तमिळ् पुदुमैक्कु वण्णान् परै तट्टि वेळुत्तान्.
हिन्दी अनु. कुछ नवीनता दिखाने धोबी ढिंढोरा पीट कर कपड़े धोने लगा ।
Eng. tr. The washerman inaugurated his washing by beat of tom-tom.

तेलुगु कोत्तगा सिरि वच्चे अर्धरात्रि गोडुगु पट्टमन्नडट.
हिन्दी अनु. संपत्ति नये सिरे से मिली इस लिए आज्ञा दी कि बस आधी रात सिर पर छाता पकड़ो ।
Eng. tr. He that is newly rich, asked to hold an umbrella at mid-night on his head.

कोत्त बिच्चगाडु पोद्देरुगडु.
हिन्दी अनु. नया भिखारी समय का ध्यान नहीं रखता ।
Eng. tr. A new beggar knows no time.

नड-मंत्रपु वैष्णवानिकि नामालु मेंडु.
हिन्दी अनु. नये दीक्षित वैष्णव के ऊर्ध्वपुंड्र ज़्यादा होते हैं ।
Eng. tr. A newly baptised Vaishnava has more sandal-marks on his fore-head.

कन्नड होसदरल्लि अगस गोणियन्नु ऐत्ति ऐत्ति ओगेद.
हिन्दी अनु. नया धोबी कपड़ा पटक पटक कर धोता है ।
Eng. tr. The new washerman beats the clothes hard on the stone.

मलयाळम् पुत्तन् पेण्णु पुरप्पुरं तूक्कुं.
हिन्दी अनु. नयी बहू छत भी झाड़ेगी ।
Eng. tr. The new bride will sweep even the roof.

७८

नाच न जाने, आँगन टेढ़ा।

आशय

जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को नहीं कर पाता, और उस असफलता का उत्तरदायित्व अपने दोषों पर, अपनी त्रुटियों पर न लेते हुए उस काम में लगाये हुए साधनों पर पोत देता है, तब इन कहावतों का उपयोग किया जाता है। अपना दोष छुपाने के इस प्रयत्न को तेलुगु कहावत में अच्छी तरह खोल दिया है - "नाचना न जाने, ढोल का कसूर।"

Subject

When one hides one's lack of knowledge by blaming the instruments of it, the following proverbs are said. This Telugu proverb is an ideal exponent of this idea — " Not being able to dance, she abuses the drum. "

हिन्दी चलै न जाने आँगन टेढ़ा। (स्त्री.)
Eng. tr. Can't walk, because, forsooth, the yard is crooked.

नाच न जाने आँगन टेढ़ा। (स्त्री.)
Eng. tr. She can't dance, because the floor is uneven.

सदा की पदनी उडदों दोष। (स्त्री.)
Eng. tr. Always breaking wind, she lays the fault on the peas. (To describe one who assigns frivolous excuses for faults which are habitual.)

ENGLISH
1. A bad workman quarrels with his tools.
2. When the devil couldn't swim, he laid the fault on the water.

उर्दू नाच न जाने, आँगन टेढ़ा।
Eng. tr. Does not know how to dance, and calls the court-yard (dancing floor) crooked.

पंजाबी आप कुचज्जी ते वेड़ेनुं दोष।
हिन्दी अनु. खुद फूहड़, आंगन को दोष।
Eng. tr. She herself is slovenly, and she blames the court-yard.

उल्लू दिने ना वेखदा सूरज दा की दोष ?
हिन्दी अनु. दिन में उल्लू देख न सके उस में सूरज का क्या दोष ?
Eng. tr. What is the fault of the Sun, if the owl sees not by day ?

ऊठ न सके, फिटटे मूँह गोड़िआं दा।
हिन्दी अनु. ऊठ न सके, लाख लानत घुटने को।
Eng. tr. He couldn't stand up, and blamed his knees.

कत न जाणे ते चर्खे नू फिटटे।
हिन्दी अनु. कातना न जाने, चरखे को दुत्कार।
Eng. tr. She does not know spinning, and curses the spinning wheel.

पैसा खोटा अपणा बाणिएनूं की दोष ?
हिन्दी अनु. अपना ही दाम खोटा, तो बनिया का क्या दोष ?
Eng. tr. Why blame the shop-keeper when one's own coin is base ?

कश्मीरी नच़ुहा तुं आंगुन् छुम् छोट्, वनुहा तुं वन् छुम् दूरि।
हिन्दी अनु. मैं नाचता, पर आंगन् छोटा है: मैं कहता, पर जंगल दूर है।
Eng. tr. I would dance, but the court-yard is small; I would say, but the forest is far off.

सिंधी उथी पाण न सघे लखलानत गोडनि खे।
हिन्दी अनु. (आलस्य के कारण) वह खुद तो उठता नहीं, लानत डालता है घुटनों पर।
Eng. tr. Doesn't get up due to laziness, but reproaches the knees for it.

पढ़ी पाण न जाणे, मारे ख़िताबी।
हिन्दी अनु. खुद तो पढ़ नहीं सकता, पीटता है शागिर्द को।
Eng. tr. He can not read himself, but chastises pupils.

पुजे खांउसि कोन, लखुलानत गोडनि खे।
हिन्दी अनु. (आलस्य के कारण) काम उस से होता नहीं, और दोष देता है घुटनों को।
Eng. tr. Does no work, and blames his knees for it.

मराठी नाचता येईना, (म्हणून) आंगण वाकडे.
हिन्दी अनु. नाच न जाने, आँगन टेढ़ा।
Eng. tr. Cannot dance, and calls the dancing floor crooked.

नाचता येईना, आंगण वाकडे; रांधता येईना, ओली लाकडे; नेसता येईना, लुगडे तोकडे.
हिन्दी अनु. नाचना न जाने, तो आंगन टेढ़ा; पकाना न जाने, तो इन्धन गीला; बांधना न जाने, तो साड़ी छोटी।
Eng. tr. (She) can not dance, and accuses the floor of unevenness; (she) cannot cook, and blames the fuel for being wet; (she) can not wear, and calls the sari very short.

गुजराती नाचता नहि आवडे, तो के आंगणुं वांकुं.
हिन्दी अनु. नाच न आवे, आँगन टेढ़ा।
Eng. tr. Knows not how to dance, and complains that the ground is uneven.

वाङ्ला आमि कि नाचते जानिने? माजाय व्यथा पारिने।

हिन्दी अनु. मैं क्या नाचना नहीं जानती? कमर में दर्द है इसी से नहीं नाच पाती।

Eng. tr. Do you think that I don't know dancing? My waist is sprained, and so I can not.

कामार बुड़ो हले लोहा शक्त।

हिन्दी अनु. लुहार हुआ बूढ़ा, कहे लोहा कड़ा।

Eng. tr. An old blacksmith complains of hard steel.

चलते जाने ना लाफडिंगरा, पथके बले हेटटिंगरा।

हिन्दी अनु. चलना न जाने मस्ताना, रास्ते को कहे टेढ़ा।

Eng. tr. The joy-walker does not know how to walk properly, yet he calls the road bad names.

नाचते ना जानले उठानेर दोष।

हिन्दी अनु. नाँच न जाने आँगन टेढ़ा।

Eng. tr. Not knowing dancing, finds fault with the ground.

असमीया आपोनार मुख बेंका, दापोनत चारि लाठि।

हिन्दी अनु. अपना मुँह टेढ़ा, दर्पण पर चार लठ (प्रहार)।

Eng. tr. One with an ugly face, strikes the mirror.

नाचिब नाजाने चोताल बेंका।

हिन्दी अनु. नाच न जाने, आँगन टेढ़ा।

Eng. tr. She doesn't know dancing, and says the yard is slanting.

निजर मुख बेंका, दापणित चारि चर।

हिन्दी अनु. अपना मुँह टेढ़ा, आइने पर तमाचा।

Eng. tr. His face is crooked, and he gives four slaps to the mirror.

ओड़िआ चालि न जाणि देउळ दोष, देउळ जाउछि अढेइ कोश।

हिन्दी अनु. चलना न जाने, मंदिर का दोष; मंदिर जाना है ढाई कोस।

Eng. tr. Doesn't know how to walk, and calls it the fault of the temple; he wants to go to temple which is two and a half 'kos' (kos = two miles) away.

चालि न जाणि देहुडि बंका।

हिन्दी अनु. चलना न जाने, देहरी बाँकी।

Eng. tr. Can not walk straight, and blames the threshold as being curve.

नाचि न जाणि अंगणार दोष।

हिन्दी अनु. नाच न जाने, आँगन को दोष दें।

Eng. tr. One doesn't know dancing, and finds faults with the floor.

रांधि न जाणि हांडिर दोष।

हिन्दी अनु. रांधना न जाने, देगची का दोष।

Eng. tr. She doesn't know cooking, but blames the cooking pot.

तमिऴ अडत्तेरियाद तेवडियाळुक्कु तेरु कोणल्.
हिन्दी अनु. नाच न जाने नूपुरी, कहे, आंगन टेढ़ा।
Eng. tr. She doesn't know dancing, and says, the floor is uneven.

आडमाटाद तेवडियाळ् कूडम् पोदादु अेन्राळ्.
हिन्दी अनु. नाच न जाने नूपुरी, कहे गली (आँगन) छोटी है।
Eng. tr. The temple-girl who could not dance, said that the hall was not large enough.

आण्मैयट्र् वीरन् आयुदत्तिन्मेल् कुरैशोलुवान्.
हिन्दी अनु. कायर सिपाही हथियार को कोसे।
Eng. tr. The coward soldier blames his weapon.

कत्तरिक्काय् शोत्तै अेन्राळ् अरिवाळ् मणैक् कुट्रम् अेन्किराळ्.
हिन्दी अनु. बैंगन बिगड़ गया तो वह कहती है चाकू का दोष।
Eng. tr. When the brinjal was worm-eaten, she imputes it to the defect in the knife.

नोण्डिक् कुदिरैक्कुष् शरुक्किनदु शाक्कु.
हिन्दी अनु. लंगड़े घोड़े के लिये फिसलना एक बहाना है।
Eng. tr. To slip is the excuse of the lame horse.

तेलुगु आडलेक अंगणम् वंकर अन्नट्लु.
हिन्दी अनु. नाच न जाने, आँगन टेढ़ा।
Eng. tr. She can't dance, and calls the floor uneven.

आडलेक पातगज्जेलु अन्नट्लु.
हिन्दी अनु. नाच न जाने, पायल पुराने।
Eng. tr. A bad dancer complains of old bells.

आडलेक मद्देल ओडु अन्नट्लु.
पाठभेद आडनेरक मद्देलमीद तप्पुचेप्पिनट्टु.
हिन्दी अनु. नाच न जाने, ढोलक का कसूर।
Eng. tr. Not being able to dance, she abuses the drum.

तलपागा चुट्टलेक तलवंकर अन्नट्लु.
हिन्दी अनु. पगडी न बांध सका, तो कहे, सिर ही बाँका है।
Eng. tr. Unable to tie a turban, he says that the head is wrong-shaped.

नरुकलेनि बंटु कत्ति चुरुकु लेदन्नट्लु.
हिन्दी अनु. काट नहीं सका, तो कहे, छुरी ही तेज नहीं।
Eng. tr. He that could not cut said that the knife was blunt.

कन्नड अडलारदाकेगे ओले डोंकु.
हिन्दी अनु. खाना पकाना न जाने, चूल्हा टेढ़ा।

Eng. tr. The oven is crooked to the woman who can not cook.

कुणिय लारद सूळे नेल डोंकेंदळु.

हिन्दी अनु. नाच न जाने नटनी, कहे आंगन टेढ़ा।

Eng. tr. The prostitute who couldn't dance, said that the floor was crooked.

तानु बाळलारदे विधिय बैदंते.

हिन्दी अनु. जो जीना न जाने, भाग्य को कोसे।

Eng. tr. He who does not know how to live, blames the fate.

मलयाळम् आटान् वैय्यात्त नटि अरङ् मतियाविलेन्न परयुम्.

हिन्दी अनु. नाच न जाने तो नटी कहे, रंगमंच छोटा है।

Eng. tr. The dancer who does not know dancing complains that the stage is small.

७९

नाम बड़े, दर्शन खोटे।

आशय

जब दिखावा, डिमडाम अधिक रहता है, और वास्तविक कोई गुण नहीं रहते, तब ये कहावतें प्रयोग में आतीं हैं। बाहरी दिखावे से कुछ समय लोगों को झांसे में लाया जा सकता है, पर पोल खुलते ही वास्तविकता का पता चलता है, और उस व्यक्ति से घृणा का भाव ही बढ़ता है। इस बाहरी आडम्बर की इस ओड़िआ कहावत में कैसी खिल्ली उड़ायी है—" ढम् ढम् ढम् बाजे ढोल, बाहर चिकना, अंदर पोल। "

Subject

When there is much display of outer pomp, and there is hollowness inside, the following proverbs are said. For instance the Orissa proverb—" The drum that makes all the noise, is smooth outside, but empty inside. "

हिन्दी ऊँची दूकान, फीका पकवान।

Eng. tr. A lofty shop, and bad food.

ढोल के भीतर पोल।

Eng. tr. Hollowness within the drum.

दिखने में ढब्बू, चलने में शिवराई।

Eng. tr. A sovereign in appearance, but its value is just a farthing.

नाम बड़ा ऊँचा, कान दोनों बूँचा। (पू.)

Eng. tr. A great name, and both ears cut off. (A stain on the family escutcheon.)

नाम बड़े, दर्शन खोटे।

Eng. tr. (1) A great name, but repulsive in appearance.
(2) A great name, but malpractices.

ENGLISH 1. Oxford knives, London wives.
2. A fine shoe often hurts the foot.

उर्दू ज़ाहिर आबाद, बातिन खराब। (मु.)
(बाहर अच्छा, भीतर बुरा।)

Eng. tr. Fair to look at but spoiled within.

डील डौल गुम्बज़, आवाज़ दर फिस्।

Eng. tr. A dome to look at, and his voice in the well. (A big man with weak voice.)

राँड़ का साँड़, सौदागर का घोड़ा, खावे बहोत चले थोड़ा।

Eng. tr. The bull of a widow, and the trader's horse, eat a lot but walk a little.

पंजाबी उच्चा लम्मा गबरू पल्ले ठीकरीआं।

हिन्दी अनु. ऊँचा लम्बा पट्ठा दिखता है, पर जेब में ठीकरी।

Eng. tr. A stalwart to look at, but has fragments of earthen vessel in his pocket.

उच्चि दुकान फिक्का पकवान।

हिन्दी अनु. ऊँची दुकान, फीका पकवान।

Eng. tr. The bigger the shop, less delicious the food.

कोड़तुम्मे दीकार दिसन्दां सोहणा, अमलां दा खराब।

हिन्दी अनु. इन्द्रायण (कड़ुवा सेब) की तरह देखने में सुन्दर, पर करम का बुरा।

Eng. tr. Like a colocynth, beautiful to look at but evil in deeds.

नां वड्डा दर्शन छोटा।

हिन्दी अनु. नाम बड़े, दर्शन छोटे।

Eng. tr. A big name and a small look.

कश्मीरी खान् बडा खान् बडा, मंज़् बाग् छस् कोंब् चोट् अंडाह्।

हिन्दी अनु. (सुनते थे कि) खान बड़ा आदमी है, परन्तु (जब देखा तो) उस की थाली में गेहूँ के फूस की आधी रोटी।

Eng. tr. (It was said that) Khan was a great man, but in his plate there was only half a loaf of wheat-chaff.

नाव् थोद् नस्ति ज़ोद्।

हिन्दी अनु. नाम ऊँचा, नाक में छेद।

Eng. tr. Great name, but a punched nose.

न्यबरॅ सुन्दॅबोन् अन्दरॅ छ्वचुँकोन्।

हिन्दी अनु. बाहर से सुन्दर, अन्दर खोखला।

Eng. tr. Beautiful from outside, but hollow within.

मिस्कीन् शाहुन आस्तान् ब्रंगु थोद् तुॅ शर् फाह् नुॅ कुॅंह्।

हिन्दी अनु. मिस्कीन शाह की समाधी का मिनार ऊँचा है, परन्तु कुछ काम की नहीं। (किसी की कामना पूरी नहीं होती।)

Eng. tr. The pillar at Miskin Shah's monument is tall, but is of no use. (No one's wishes are granted.)

सिंधी अच्छी टोपी, अटो खराब।

हिन्दी अनु. सफेद टोपीवाले (कांग्रेसी) हमेशा उल्टे काम करते हैं।

Eng. tr. (a) Good cap, bad deeds.
(b) While cap, black deeds.

अच्छी डाढ़ी, अटो खराब।

हिन्दी अनु. सफेद दाढ़ी, और उल्टे काम।

Eng. tr. Has a (long) white beard (suggesting an aged saintly person), but his deeds are bad.

अछी पग न पसु, अंदरि मिड़ेई अगिड़्यूं।

हिन्दी अनु. सफेद पगड़ी को मत देख, भीतर तो थीगलियाँ हैं। (थीगलियाँ आदि डाल कर पगड़ी बनाई जाती है, जो बाहर से सुंदर लगती है।)

Eng. tr. Do not look at the white turban, it is patched and stitched from within.

कम पिरीं सभुको आहे, चम पिरीं कोन आहे।

हिन्दी अनु. नौकरी देनेवाला काम चाहता है। केवल सुंदरता हो, और काम उस से कुछ भी न बने, यह बात उसे पसंद नहीं।

Eng. tr. The one who offers a job, expects work to be done. He does not like one who has good looks, but no capacity to work.

डील दर् गुंबज़, आवाज़ दर् फिस।

हिन्दी अनु. आकार तो गुंबद जितना है, पर आवाज़ होती नहीं।

Eng. tr. Resembles a dome in shape and size, but echoes no sound.

जेतिरो मोटो, ओतिरो अकुल जो छोटो।

हिन्दी अनु. जितना मोटा, उतना अक्ल का छोटा।

Eng. tr. (Intelligence is in inverse proportion to the size of one's body.) As much fat on his body, so much less of intelligence.

ब्राहिरां चखी मखी, अंदिरां बुड़्बुड़् दखी।

हिन्दी अनु. बाहर से तो सुंदर है, पर भीतर बुड़बुड़ करनेवाला मिट्टी का बरतन है।

Eng. tr. Looks beautiful outside, but is a noisy vessel of mud from inside.

मराठी गोरा गोमटा, कपाळ करंटा.
हिन्दी अनु. गोरा चीटा, भाग्य का खोटा ।
Eng. tr. Fair and smart (handsome to look at), but extremely unfortunate.

जितके मोठे तितके खोटे.
हिन्दी अनु. जितने बड़े, उतने खोटे। (बड़े लोगों का अन्तःकरण प्रायः उतना उदार नहीं होता, जितनी हम अपेक्षा करते हैं।)
Eng. tr. The more great, the more liars.

मोठ्या घरचा पोकळ वासा.
पाठभेद मोठॅ घरा पॉकळ वाशॅ. (गो.)
हिन्दी अनु. बड़ा घर, और खोखला बाँस।
Eng. tr. A rich house, but a hollow rafter.

मोठ्या लोकांचे गाडगे भोकाचे.
हिन्दी अनु. बड़ों का मटका छेदवाला।
Eng. tr. Rich man's pot has a hole.

गुजराती नामे मोटा, दर्शने खोटा.
हिन्दी अनु. नाम बड़े, दर्शन खोटे.
Eng. tr. Great in name, and false in sight.

पाघड बांधे मोटा ने अंदरथी खोटा.
हिन्दी अनु. पगड़ी बांधे बड़ी, भीतर से खोटा।
Eng. tr. Would wear a big turban (hat), but would be dishonest (false) within.

मोटा एटला खोटां.
हिन्दी अनु. मोटे उतने खोटे।
Eng. tr. All who are great, are false.

मोटा घरना पोला वांसा.
हिन्दी अनु. बड़े घर के पोले बाँस।
Eng. tr. Hollow beams of the rich house.

मोटा बापना दीकरा, घरमां न मिळे ठीकरां.
हिन्दी अनु. बड़े बाप के बेटे, पर घर में न मिले ठीकरें।
Eng. tr. A rich father's son, and even broken earthen vessels are not available in the house.

बाङ्ला उपरे चाकण-चिकण, भितरे टन्-टन्।
हिन्दी अनु. ऊपर से चिकना-चुपड़ा, अंदर से खोखला।
Eng. tr. Shining outside, but nothing inside.

नाम-डाके गगन फाटे, ढेंकिशाले कुँड़ो चाटे।
हिन्दी अनु. कीर्ती ऐसी कि गगन फटे, खलिहान में जा कर कूड़ा चाटे।
Eng. tr. His name and fame have reached the skies, but he (is so poor) licks the bran (rice-dust) in the husking shed.

नामे-डाके गुरु-मशाइ, लेजा-मुड़ोर ज्ञान नाइ।
हिन्दी अनु. नाम के गुरु महाराज, सर-पूंछ का ज्ञान नहीं।
Eng. tr. He is famous as a preacher, but does not even know which side is head and which side is tail.

बाइरे गोरा, भितरे कालो, माकाल फलके चिनलाम भालो।
हिन्दी अनु. बाहर से गोरा, भीतर से काला,
माकाल फल को हम ने ठीक से जाना। (माकाल – फलविशेष)
Eng. tr. Fair in complexion, but black inside; I have well realised the nature of Makal fruit.

असमीया चिकण तेमा मयरार पाखी, भेनेत भेनेत करे माखि।
हिन्दी अनु. मोर के सुन्दर पंखों में मक्खियों की भनभन।
Eng. tr. A peacock's feather's in show, but full of flies.

बाहिरे रङ् चङ्, भितरे कोवा-भातुरि।
हिन्दी अनु. बाहर देखने में सज-धज, भीतर सड़ा हुआ फल।
Eng. tr. The surface looks polished and bright, but the inside is like a rotten fruit.

ओड़िआ उपर केडे सुन्दर, भितर पोडा अंगार; जाति महाकाळ फळ।
हिन्दी अनु. ऊपर से कितना सुंदर, भीतर जला अंगार; महाकाल फल की जाती है।
Eng. tr. How beautiful from above, but the inside is like a charcoal, it is like the Mahakal fruit.

काकुडि पराये पीरति देख, बाहारकु तुल भितर फांक।
हिन्दी अनु. ककड़ी की सी प्रीत देखो, बाहर ढोल, अंदर पोल।
Eng. tr. Look at the affection like a cucumber, smooth on the surface, and empty inside.

टांगण घोडा, चालि सरस लदन थोडा।
हिन्दी अनु. अच्छा घोड़ा, चाल सुन्दर, लदाए थोड़ा।
Eng. tr. A good horse with a good gait takes a small load.

ढाउँ ढाउँ ढाउँ बाजइ ढोल, बाहारे चिक्कण भितरे पोल।
हिन्दी अनु. ढम ढम ढम बाजे ढोल, बाहर चिकना, अंदर पोल।
Eng. tr. The drum that makes all the noise, is smooth outside, but empty inside.

देखा सुंदर बउळी गाई, दुहिंला बेळकु टोपिए नाही।
हिन्दी अनु. देखने में सुंदर छोटी गाय, दूहते समय बूँद भी नहीं।

Eng. tr. Beautiful looking Bauli cow, but when milked, (gives) not a drop.

सळख सुन्दर भेण्डिआटिए, हातगोड नाहीं खण्डिआ टिए।

हिन्दी अनु. दिखने में सबल-सुंदर, पर हाथ-पैर टूटें हुए।

Eng. tr. A nice well-built young man, but is useless like one without any hands or feet.

तमिळ आळै पार्त्ताल् अऴगु पोल, वेलैयै पार्त्ताल् ऍळवु पोल.

हिन्दी अनु. आदमी तो हट्टाकट्टा दिखता है, पर काम के वक़्त मुर्दे जैसा।

Eng tr. Quite hale and hearty to look at, but dull as a dead body at the time of work.

तेलुगु गट्टिवाडे कानि, कडुपुमात्रं गुल्ल.

हिन्दी अनु. बदन हट्टा-कट्टा, पेट खोखला।

Eng. tr. He is a tough guy, but has empty belly (dull headed).

चूपुल पसे गानि चेपुल पसे लेदु.

हिन्दी अनु. देखने में सुंदर, दोहन में कम।

Eng. tr. The beast looks good, but milks little.

पेरु पेद्द (गोप्प) ऊरु दिब्ब.

हिन्दी अनु. नाम बड़ा, गाँव ऊजड़ा।

Eng. tr. A silly town has a resounding name.

पैन पटारं लोन लोटारं.

हिन्दी अनु. ऊपरी ठाठ-बाट (चमक-दमक), अंदरूनी खोखलापन।

Eng. tr. Outward show, and hollow from within.

बयटिकि इंपु, लोपलिकि कंपु.

हिन्दी अनु. बाहर से (दिखने में) सुंदर, अंदर बदबू।

Eng. tr. A fine look, and a foul smell.

माट घनमु, मानिक पिच्च.

हिन्दी अनु. बात बड़ी पर नाप झूठा। (मानिक = दो सेर का बाटा।)

Eng. tr. Great words, but false measures.

कन्नड गौडनन्नु नोडिद्रे गटांगटि, ओळगे लटापटि.

हिन्दी अनु. देखने में मुखिया तगड़ा है, पर भीतर खोखला।

Eng. tr. The village-head is a giant to look at, but no stamina inside.

बुक्कराय मेच्चि बेक्किन मरियित्त.

हिन्दी अनु. राजा बुक्कराय ने बिल्ली का बच्चा भेंट दिया।

Eng. tr. The king Bukkaraya presented a kitten as a token of appreciation.

मेलेल्ला तळकु, ओळगेल्ल हुळुकु.
हिन्दी अनु. बाहर चमक, भीतर भद्दा। – दिखावे में चमक, अंदर दीमक।
Eng. tr. Glittering outside, rotten inside.

मलयाळम् अळ्कुळ्ळ चक्कयिल् चुळयिल्ल.
हिन्दी अनु सुन्दर कटहल के अंदर गूदा नहीं।
Eng. tr. The jack-fruit, good in appearance, will not have pulp inside.

कण्टाल् नल्लतुँ तिन्नान् कोळ्ळुकयिल्ल.
हिन्दी अनु. देखने में सुन्दर, खाने के लायक नहीं।
Eng. tr. Very fine to look at, but not good to eat.

काणान् नल्लतुँ कार्य्यत्तिनाका.
हिन्दी अनु. देखने में सुन्दर, पर कुछ काम का नहीं।
Eng. tr. Delightful to the eyes, but not useful.

८०

पहले पेट, बाद में सब कुछ।

आशय

मनुष्य के जीवन में अन्न सब से महत्त्व की बात है। बिना अन्न के आदमी जीवित नहीं रह सकता। एकाध बार भी खाना न मिला, तो वह खुद को दुर्बल महसूस करता है। दुनिया में कितनी ही महत्त्व की बातें हैं, अपना कर्तव्य हो, या ईश्वर की श्रद्धापूर्वक पूजा हो, माता-पिता और बंधुजनों के प्रति सौहार्दपूर्ण व्यवहार हो, पर इन सब बातों का विचार पेट भरने पर ही किया जा सकता है। सभ्यता, संस्कृती, मानवता, ज्ञानलालसा, आध्यामिक बल इत्यादि विषय भूखे पेट आदमी को सूझेंगे ही नहीं, न उन के लिये वह निष्ठापूर्वक साधना कर पाएगा। इस लिये – "पहले अन्न-भक्षण, पश्चात् संस्कृतिरक्षण।"

Subject

The following proverbs tell us how one can think of other things only after one's stomach is full. Work or thought (even that of God) is impossible with an empty stomach.

हिन्दी चारि कौर भित्तर, तब देव और पित्तर।
(पहले पेट में कुछ पड़ जाय, तब देवताओं और पितरों की बात की जाय।)
Eng. tr. Gods and ancestors are remembered only when there is something in the belly.

तीन पाव भीतर तो देवता और पीतर।
Eng. tr. We remember the gods, and ancestors, when the stomach is full.

पहली पेट-पूजा पछै काम दूजा। (राज.)

Eng tr. First fill your own stomach, then do the work.

पहले पेट-पूजा तब काम दूजा। (चंपा.)
(पहले भोजन, फिर दूसरा काम।)

Eng. tr. First worship the stomach (eat yourself), then any other business.

पहले भीतर तब देवता पीतर। (शाहा.)
(पहले स्वयं भोजन करो, बाद में भगवान और पितरों को।)

Eng. tr. First one's own meals, then offerings to God and ancestors.

पेट में पड़ल जुराई कैलहूँ नहिराक बड़ाई। (मुज.)
(पेट की आग शांत होने पर नैहर की बड़ाई सूझने लगी।)
(पेट भरा होने पर अवान्तर बातें सूझती हैं।)

Eng. tr. When the belly was full, she began to tell the greatness of her mother's place.

भूखे भजन न होए, साधो/गोपाला!

Eng. tr. Saints (Gopala), hungry persons cannot count beads.

सदा दिवाली संत घर, जो गुड़ गोहूँ होय।
(खाने-पीने का सामान हो, तो मौज ही मौज।)

Eng. tr. Whenever you have enough provisions at home, it's a day of festivity.

ENGLISH
1. An empty belly hears no body.
2. It is easy preaching to the fasting with a full belly.
3. When the belly is full, the mind is among the maids.

उर्दू
अव्वल ताम, बाधू कलाम। (फारसी)
(पहले खाना, बाद में लिखना।)

Eng. tr. Eat first, write afterwards.

आत्मा में पड़े तो परमात्मा की सूझे।
(पेट भरे तो काम चले।)

Eng. tr. When the belly is full, one is prepared to think of God.

पंजाबी
पहले पेटपूजा फिर कम दूजा।

हिन्दी अनु. पहले पेटपूजा फिर काम दूजा।

Eng. tr. First fill the belly, then any other work.

पेट न पेइयां रोटिआं, सब्बे गल्लां खोटीआ।

हिन्दी अनु. पेट में न पड़े रोटी, तो सारी बातें खोटी।

Eng. tr. Unless a mortal's belly-pot is full, all other things are worthless.

भुख गई निमाज़ मारी भुख दी।
हिन्दी अनु. भूख लगी तो नमाज़ भूल गई।
Eng. tr. Hunger made her forget the time for prayer.

माई भली के खाई, माई दे सिर छाई पाई।
हिन्दी अनु. मा भली कि खाना ? मा के सिर पर पड़े मिट्टी। (मा को मरने दो।)
Eng. tr. Who is better ? Mother or food ? Let the dust be thrown on the mother's head. (Let the mother die.)

कश्मीरी आसस् कूटाह् चोय्थो आंही वांदाह् द्रायूथो।
हिन्दी अनु. मुँह में कुछ पड़ गया तभी आशीश निकली।
Eng. tr. Blessing came forth from your mouth only after something (food) fell in your mouth. (The guest flatters and blesses his host.)

सिंधी अनु आहे त ईमानु आहे।
हिन्दी अनु. अन्न है तो ईमान है।
Eng. tr. If there is grain (in the store), there is faith (in the heart). (A hungry person loses his faith in the providence of God.)

आगे ताम, पीछे काम।
हिन्दी अनु. आगे ताम, पीछे काम।
Eng. tr. First food, then work.

पेट में न जेसीं रोटी, तेसीं गाल्हि मिड्याई खोटी।
हिन्दी अनु. पेट में जब तक नहीं रोटी, तब तक बात सब खोटी।
Eng. tr. As long as you have no food in your stomach, you tell nothing but lies.

बुख बुछिड़ो टोलु दाना दीवाना करे।
हिन्दी अनु. भूख बुरी चीज़ है, सयानों को भी दीवाना बना देती है।
Eng. tr. Hunger is a bad thing, it makes even the clever ones go mad.

बुखमे न जेसीं रोटी, गाल्हि मिड्याई खोटी।
हिन्दी अनु. भूख के समय जब तक रोटी नहीं मिलती तब तक और सब बातें खोटी हैं।
Eng. rr. Unless you get food to eat when hungry, everything else seems false.

मराठी अगोदर भुक्ती मग मुक्ती/भक्ति.
हिन्दी अनु. पहले खाना, फिर प्रार्थना।
Eng. tr. First food, then worship.

आधी पोटोबा मग विठोबा.
हिन्दी अनु. पहले पेट बाबा, फिर विठोबा (भगवान)।
Eng. tr. Will care for his stomach first, and then for God.

आधी मला वाढा, मग ओढीन कामाचा गाडा.

हिन्दी अनु. पहले मुझे परोसो, बाद में मैं काम की गाड़ी चलाऊँगा।

Eng. tr. Serve me food first, and then I'll work.

आधी शिदोरी, मग जेजुरी.

हिन्दी अनु. पहले संबल, बाद में जेजुरी।

Eng. tr. Lunch-box first, and Jejuri afterwards. (Jejuri is a place of pilgrimage.)

गुजराती पहेली पूजा पेटनी, पछी देवनी.

हिन्दी अनु. पहले पेट की पूजा, फिर देव की।

Eng. tr. First worship of stomach, and then that of God.

पेट थी सौ हेठ.

हिन्दी अनु. पेट से सब नीचा।

Eng. tr. Everything is lower (i.e. less important) than the stomach.

पेट भर्युं एटले पाटण भर्युं.

हिन्दी अनु. पेट भरा याने पाटण (शहर) भरा।

Eng. tr. The belly is full, that is Patan (the city) is full.

पेटमा रोटिया, तो कलाम मोतिया.

हिन्दी अनु. पेट में रोटियाँ हों तो (अक्षर, शब्द) लिखावट मोती के समान स्वच्छ हो सकती है।

Eng. tr. If there is bread in the stomach, the handwriting is pearl-like.

बाङ्ला पेट भरले आनंद, भजरे गोबिन्द।

हिन्दी अनु. पहले पेट भरे तो आनंद से गोविंद का भजन हो।

Eng. tr. The belly must be full first, then comes the enjoyment or religious worship.

पेट यखन (जखन) भरा, सबाइ नयनतारा,
पेट यखन (जखन) खालि, सबाइ चोखेर बालि।

हिन्दी अनु. पेट जब भरा हो, सब कुछ नयनतारा;
पेट जब खाली हो, तब सब कुछ आँख की रेती।

Eng. tr. With a full belly, the whole world is charming; on an empty stomach, the world is an eyesore.

भोगेर आगे प्रसाद।

हिन्दी अनु. भोग के पहले प्रसाद। (भगवान को नैवेद्य चढ़ाने के पहले ही प्रसाद खा लिया।)

Eng. tr. Feasting before offering to God.

असमीया आगैये आत्मतुष्टि, पिछत जगत तुष्टि।

हिन्दी अनु. पहले स्वयं तृप्त होना, फिर जगत को तृप्त करना।

Eng. tr. To be satiated oneself first, and then satisfy the world.

चारि बेद चैद्ध शास्त्र, खाब नापाले एदिन मात्र ।
हिन्दी अनु. एक दिन का खाना भी न मिला तो वेद, चौदह शास्त्र क्या काम के ?
Eng. tr. If one remains hungry for a day, the four vedas and the fourteen shastras have no meaning.

ओड़िआ आगे उदर पछे सोदर ।
हिन्दी अनु. पहले पेट, पीछे भाई ।
Eng. tr. First one's own tummy, then the brother's.

जेबे पूरिथाए डोलि, सुसार बचन बोलि ।
हिन्दी अनु. जब पेट भरा रहे, मीठे शब्द निकले ।
Eng. tr. If the tummy is full, sweet words come out.

तमिऴ् ज्ञानमुम् कल्वियुम् नालि अरिशियिले.
हिन्दी अनु. ज्ञान व शिक्षा सेर भर चावल में है ।
Eng. tr. Wisdom and learning are contained in a measure of rice.

पशि तीर्ददानाल पाट्टु इनपमाम् .
हिन्दी अनु. भूख मिटे तो गीत में आनन्द ।
Eng. tr. Songs are pleasant after refection.

कन्नड उंडरे उब्बस, हसिद्दरे संकट.
हिन्दी अनु. पेट भरा तो दम, पेट खाली तो ग़म ।
Eng. tr. Gasping if you eat, distressessed if you are hungry.

मलयाळम् अन्नविचारं मुन्नविचारं.
हिन्दी अनु. पहला विचार अन्न का । (फिर और किसी का ।)
Eng. tr. Think of the belly first (rest will follow).

संस्कृत पिपासितैः काव्यरसो न पीयते ।
बुभुक्षितैर्व्याकरणं न भुज्यते ॥
हिन्दी अनु. प्यासे की प्यास काव्यरस से बुझती नहीं ।
भूखे की भूख व्याकरण से मिटती नहीं ॥
Eng. tr. Thirst of a thirsty can not be quenched by mere poetry.
Hunger of a hungry can not be satisfied by mere grammar.

भर भो उदरं तावद्भज दामोदरं ततः ।
हिन्दी अनु. पहले अपना पेट भर लो, बाद में ईश्वर का भजन करो ।
Eng. tr. First get your belly filled, and thereafter pray God.

सर्वारम्भास्तण्डुलप्रस्थमूलाः ।
हिन्दी अनु. सभी कार्यों का प्रारंभ धान से होता है ।
Eng. tr. All undertakings are securely built up only on the foundation of the wherewithal.

८१

पास कुछ हो, तो लोग आएंगे।

आशय

अपने पास संपत्ति और अनाज आदि होने पर सगे या मित्र बहुतेरे मिल जाते हैं। जिस के पास देने लायक कुछ तो भी हों ऐसे व्यक्ति के साथ रिश्ता जोड़ने के लिए हर कोई उत्सुक रहता है। परन्तु जब संपत्ति समाप्त होती है और रोटी के लाले पड़ते हैं, तो सारे सगे, मित्र भाग जाते हैं। तमिळ की इस कहावत में यह भाव बड़े विनोदी दृष्टान्त से प्रकट किया हुआ है — "फसल कटते समय चूहे को भी पाँच पत्नियाँ होती हैं।" (उस समय खलिहान में काफी धान पड़ा रहता है।)

Subject

When one has possessions, and is wealthy, a number of friends gather round one. When one is deprived of wealth, they go away. A Tamil proverb expresses this humorously — "In harvest time, even a rat has five wives."

हिन्दी आटा निबड़ा, बूचा सटका।
Eng. tr. When the flour is spent, the cur is off.

खाँड गळै जद सगळा आ ज्यावै गाँड गळै जद कोई को आवै नी। (राज.)
(खाँड़ गलती है तब सब आ जाते हैं, गाँड़ गलती है तब कोई नहीं आता।)
Eng. tr. When you have sugar, everyone comes; when you have diahoerria, no one comes.

खाते-पीते जग मिले, औसर मिले न कोय।
Eng. tr. In prosperity all are your friends, in adversity, none.

जबले पइसा गाँठ में तबले यार हजार। (शाहा.)
(पास में पैसा हो, तो हजारों मित्र मिलेंगे।)
Eng. tr. When you have enough money with you, you will get a thousand friends.

जहाँ गुड़ होगा, वहाँ मक्खियाँ आएंगी।
Eng. tr. Where there are sweets, there are flies.

भात होगा तो कव्वे बहुतेरे आते रहेंगे।
Eng. tr. Where there is rice, there will the crows be gathered together.

हरे रुख पर सब परिंदे बैठते हैं, ठूँठ पर कोई नहीं बैठता।
Eng. tr. Birds perch on every green tree, but not on a blasted trunk.

ENGLISH

1. Prosperity gets followers, but adversity distinguishes them.
2. Keep the bone, and the dog will follow you. (Irish)
3. Without store, without friend. (Irish)
4. Wheresoever the carcass is, there will the eagles be gathered together.
5. Where the carcass is, the ravens will gather.
6. When the hand ceases to scatter, the mouth ceases to praise. (Irish)
7. A full purse never lacked friends.
8. When good cheer is lacking, our friends will be packing.
9. Cover yourself with honey, and the flies will have at you.
10. Where wealth, there friends.
11. Wasps haunt the honey pot.
12. With provision in store, we have friends by the score.
13. An empty purse frights away friends.
14. No penny, no paternoster.
15. Every man will be thy friend, whilst thou hast where-with to spend.
16. The purse strings are the most common ties of friendship.
17. In time of prosperity, friends will be plenty; in times of adversity, not one amongst twenty.
18. Ubi mel, ibi apes.

उर्दू — गुड़ होगा तो मक्खियाँ भी होगी।

Eng. tr. — Flies will gather round, when there will be jaggery.

बनी के सब साथ हैं, बिगड़ी का कोई नहीं।

Eng. tr. — Everyone supports you when times are good, in times of trouble, nobody supports.

बनी के सौ साले, बिगड़ी का कोई जँवाई नहीं बनता।

Eng. tr. — One has a hundred brothers-in-law in good times, but no one will be one's son-in-law in times of trouble.

पंजाबी — जित्थे गुड़ होवे मक्खिआं आ बैठदीआं हन।

हिन्दी अनु. — जहाँ गुड़ होगा, वहाँ मक्खियाँ आ बैठेंगी।

Eng. tr. — Wherever the jaggery is, the flies will gather.

जों सावे ते कोई न आवे, जों पक्के तां मिलन सक्के।

हिन्दी अनु. — जौं के खेत हरे हों तो कोई मिलने नहीं आता, पकने पर सब सगे आते हैं।

Eng. tr. — When the barley is green, no one comes; when the barley is ripe, then relations will call on you.

वेरी वेर ताँ सज्जन ढेर, वेरी बूर ताँ सज्जन दूर।

हिन्दी अनु. वेरी पर वेर हों तो बहुत लोग आवेंगे, वेरी पर धूल ही रहे तो सब चले जाएंगे।

Eng. tr. When the berry bears fruits, people flock around, when there is fructifying dust, away they go.

कश्मीरी **बछि आसि अनिमुँ कूँचु मछि लारनस्।**

हिन्दी अनु. चूल्हे पर मांड़ लगी हुई हो (गिरी हो) तो कितनी मक्खियाँ चिपकेंगी।

Eng. tr. If there should be a little rice-water on the edge of the fire-place, many flies will congregate to it.

पनुँनि थाजय् बतुँ आसि कात्याह् माजि गोबर् गछ़न् पाँदुँ।

हिन्दी अनु. अपनी थाली में चावल हो तो कितने माँ के पूत पैदा होंगे ?

Eng. tr. If your plate is full, a number of mother's darlings will be born.

पनुँनि बछय् अनिमुँ आसि कूँचुँ मछि गछ़न् पाँदुँ।

हिन्दी अनु. अपने चूल्हे पर यदि मांड़ (गिरी) हो, तो कितनी मक्खियाँ पैदा होंगी।

Eng. tr. If there is rice-water spilt on your oven, numerous flies will hover there.

साहब् लोगुय् दिनि आशनाव् लगिस् यिनि।

हिन्दी अनु. ईश्वर देने लगा तो संबंधी आने लगे।

Eng. tr. God began to give, and the relations began to come.

सिंधी **जंहिंजे हथ में ड़ोई तांहिंजो मिटु हर्कोई।**

हिन्दी अनु. जिस के हाथ में रसोई बनाने की सामग्री है, उस का हर कोई रिश्तेदार है।

Eng. tr. One who has provisions for cooking, everyone claims relationship with him.

जिते था ड़िसनि ढेरी, उते था ड़ियनि फेरी।

हिन्दी अनु. जहाँ माल देखते हैं, वहाँ चले जाते हैं।

Eng. tr. They go wherever they see provisions.

जिते माखी तिते मखि।

हिन्दी अनु. जहाँ शहद, वहाँ मक्खियाँ।

Eng. tr. Where there is honey, there are flies.

बीठल जो सभु को यारु।

हिन्दी अनु. धनिक का हर कोई मित्र है।

Eng. tr. Everyone is friendly with the rich one.

श्राध पुना, ब्रांभणानि चाढ्या कुना, त कांव वेही रुना।

हिन्दी अनु. भाद्रपद के पितृपक्ष में श्राध जब पूरे हुए, तो ब्राह्मणों ने घर में खाना बनाना शुरू किया। तब कौए रोने लगे।

Eng. tr. When the days of doing rites for one's dead ancestors in the month of Bhadrapad were over, the brahmins began to cook food in their own homes. As a result, the crows started crying.

मराठी असतील शिते तर ज़मतील भुते.
हिन्दी अनु यदि चावल हों तो भूत इकट्ठा होंगे।
Eng. tr. When one has crumbs, even ghosts gather around for them.

खर्चीं सुटे आणि मैत्री तुटे.
हिन्दी अनु. खर्च बंद हुआ, और मित्रता का नाता टूट गया।
Eng. tr. When there is no money, there is no friend.

जिकडे चलती, तिकडे भरती.
हिन्दी अनु. जिस तरफ रोटी, उस तरफ भीड़।
Eng. tr. Where there is bread, there will be crowd.

जेथे मुडदे तेथे गिधाडे.
हिन्दी अनु. जहाँ लाशें वहाँ गिद्ध।
Eng. tr. Where there are corpses, there are vultures.

ज़ो ज़वळ ओयरा तो जग सोयरा.
हिन्दी अनु जिस के पास दाना, वह सब का अपना।
Eng. tr. The world claims relationship with him, who has provisions.

ज़ोंवर आहे दामाजी, तोंवर हांजी हांजी.
हिन्दी अनु. जब तक है रुपैया जी, तब तक हाँजी हाँजी।
Eng. tr. Till one has some money, one hears 'yes, sir '–' yes, sir ' from all over.

हात ओला तर मित्र भला.
हिन्दी अनु. हाथ गीला तो मित्र भला।
Eng. tr. That friend is best who gives you wealth.

गुजराती कोठीमां जुवार, तो घरमां डाही नार.
हिन्दी अनु. भंडार में जुवार, तो घर में चतुर नार।
Eng. tr. If the store room is full of jawar, the housewife becomes a clever woman.

घेर मां घेंस नहीं ने रांड कहे छे रेहश नहीं.
हिन्दी अनु. घर में पेज (घेंस – आटे को पानी में मिला कर पकाना) नहीं, और राँड़ (पत्नी) कहे कि रहूँ नहीं।
Eng. tr. There is no gruel in the house, and the wife is unwilling to stay.

दाहडो आव्यो पडतो, तो रांड्ये मेल्यो खरतो.
हिन्दी अनु. दिन आये पतन के, और राँड़ (रखात) ने छोड़ दिया।

Eng. tr. In evil days (when bad days come), the courtesan (mistress, or prostitute) set him aside (disregarded him).

मध होय त्यां माखी भमे.

हिन्दी अनु. जहाँ शहद हो, वहाँ मक्खी भी चक्कर लगाती है।

Eng. tr. A fly hovers where there is honey.

हाथ पोलो तो जग गोलो.

हिन्दी अनु. हाथ खुला हो, तो संसार गुलाम होता है।

Eng. tr. The world is your slave, if your hand is liberal (in spending money).

बाङ्ला गुड़ थाकलेइ पिंपड़े आसे।

हिन्दी अनु. गुड़ होगा तो चीटियाँ आवेगी।

Eng. tr. Wherever there is honey, ants will be many.

पोष मासे इँदुरेर सात माग।

हिन्दी अनु. पौष के महीने में चूहे की सात बीबीयाँ।

Eng. tr. In the harvest month of Pausa, a mouse has seven wives. (With plenty of grains around, he can afford a big harem.)

भात छड़ाले काकेर अभाव कि ?

हिन्दी अनु. भात फैलाने पर कौवों की क्या कमी ?

Eng. tr. When the rice is thrown, crows would not be wanting. (They are bound to appear.)

असमीया आगैये आछिलों दालिमर पोहारी, सदौवे बुलिछिल बाइ;
गछो लेरेछिल, दालिमो शुकाल, एतिया सोधोता नाइ।

हिन्दी अनु. पहले अनार की बिसाती थी, तब सभी की थी मैं दीदी, अब पेड़ भी मुरझा गया, अनार भी सूख गया, अब पूछता कौन है मुझे ?

Eng. tr. When I was pomegranate-seller, everybody called me a sister, now that the tree has dried up, and the pomegranate is rotten, nobody cares for me.

आगैये आछिलों दोवनी-मोवनी, गोवाले बुलिछिल आइ;
एतिया हलों नेज गोबरी, पालत नापाएँ ठाइ।

हिन्दी अनु. पहले मैं दूध देती थी, उस समय मुझे ग्वाले कहते 'माँ', अब तो मेरी पूँछ पर गोबर चढ़ा है (बूढ़ी हो गई), अब मुझे गाय के झुंड में स्थान नहीं ।

Eng. tr. Formerly I was a milk-yielder, and I was called 'mother' by the dairyman, now my tail is heavy with dung, and I don't get a place in the herd.

गुटि नोहोवा गछत बांदरो नुठे।

हिन्दी अनु. फलहीन वृक्ष पर बंदर भी नहीं चढ़ता।

Eng. tr. Even a monkey doesn't climb a tree with no fruits.

पास कुछ हो, तो लोग आएंगे।

बगा भात हले काउरीर आकाल नाइ।
हिन्दी अनु. सफेद भात होने से कौओं की क्या कमी ?
Eng. tr. There is no scarcity of crows, if you have white rice.

बसन्तर कुलि, हेमन्तर कोन ?
हिन्दी अनु. बसंत ऋतु में कोयल, पर हेमन्त में कौन ?
(समृद्धि में सब हैं, विपत् में कोई नहीं।)
Eng. tr. The cuckoo is for the spring, but who is for the autumn ?

मौ देखिले माछि परे।
हिन्दी अनु. शहद देख कर मक्खि आवे।
Eng. tr. Flies sit when they see honey.

यत (जत) देखे गाजि कल, तत उठे नामर बल।
हिन्दी अनु. सामने प्रसाद, केले वगैरा देखने पर कीर्तन का जोर बढ़ता है।
Eng. tr. The more you see bananas, more you become enthusiastic in the prayer.

सम्पदत भाइ-भनी, निदानत कार कुनि ?
हिन्दी अनु. अच्छे दिनों में सब भाई-बहनें, विपद् में कौन किस का ?
Eng. tr. We are brothers and sisters in prosperity, but who's who in adversity ?

ओड़िआ अंटिरे भुजा थिले, केते काउ आसिबे।
हिन्दी अनु. अंटी में चिड़वे हों, तो कई कौवे आयेंगे।
Eng. tr. If there is some puffed-rice in pocket, lots of crows will flock. (If one has money (wealth), there will be no shortage of people around).

जेबे थिब अंतरे बळ, संगात मिते दुआरे ठुळ।
हिन्दी अनु. जब तक कमर में शक्ति है, तब तक मित्रों का झुंड है।
Eng. tr. As long as there is strength in your waist (that is, money with you), friends and relations flock at your door.

थिललोक पाइँ सभिए धाइँ, न थिला लोकक़ु पुच्छंति नाहिं।
हिन्दी अनु. जिस के पास 'है', उस के लिए सब दौड़ते हैं। जिस के पास कुछ 'न हो' उसे कोई पूछता नहीं।
Eng. tr. Everyone worries for the haves, none for the have-nots.

धान थिबा पुआळकु समस्ते झाडंति।
हिन्दी अनु. धान के पुवाल को सब झाड़ते हैं।
Eng. tr. Everybody shakes the straw with paddy on.

भात थिले केते भातुआ आसन्ति।
हिन्दी अनु. अन्न है तो कई खानेवाले आयेंगे। (पैसा हो तो लोगों का अभाव नहीं।)
Eng. tr. Many rice-eaters will come if there is rice.

भात बिंचिले सहस्रे कुआ।
हिन्दी अनु. भात बचा होगा तो हज़ारों कव्वे आवेंगे।
Eng. tr. A thousand crows will come, if you scatter rice.

मड जेऊँठि शागुणा सेइठि।
हिन्दी अनु. मृत पशु जहाँ, गीध वहाँ।
Eng. tr. Where there is carcass, there is vulture.

तमिळ अरुप्पु काळत्तिल् ऍलिक्कुम् ऍंदु पेण्जादि.
हिन्दी अनु. फसल कटते समय चूहे को भी पाँच पत्नियाँ।
Eng. tr. In harvest time, even a rat has five wives.

आल् पळुत्ताल् अंगे अरशु पळुत्ताल् इंगे.
हिन्दी अनु. यदि बरगद का पेड़ फलों से लदा हो, तो वहाँ, पीपल पके, तो वहाँ (पंछी जाते हैं।)
Eng. tr. If the banyan be in fruit, thither, if the arasu, hither, the birds flock.

ऊण् अट्रपोदे उरवु अट्रप्पोम्.
हिन्दी अनु. जहां खाना-पीना बन्द, वहाँ रिश्ता भी समाप्त।
Eng. tr. When entertainment is discontinued, friendship ceases.

करुंबुक्कट्टिक्कु ऍरुंबुताने वरुम् ?
हिन्दी अनु. मिसरी पर चीटियाँ आयेगी ही।
Eng. tr. Ants will of course be attracted by a lump of sugar-candy.

काशु कॊडुत्ताल् वेशि वरुवाळ्, कल नेल्लैक् कॊडुत्ताल् अवळ् अक्काळुम् आत्ताळुम कूड वरुवार्कळ्.
हिन्दी अनु. चार पैसे दे दो, वेश्या आएगी; चार बोरा धान दे दो, उस की बहन और माँ भी साथ आएगी।
Eng. tr. If you are free with your money, a harlot will come; if you give also four bags of rice, her sister and her mother will also come.

कूण्डिले कुरुणि नेल् इरुंदाल् मूलैयिले मुक्कुरुणित् दॆयवम् कूत्ताडुम्.
हिन्दी अनु. घड़े में कुरुणि (माप) भर धान हो, तो घर के कोने में तीन कुरुणि देवता नाचेंगे।
Eng. tr. When there is a 'Kuruni' of paddy in the bin, three 'kurunis' of Gods will be dancing in the corner. (Kuruni = a measure)

कूरैमेले शोरु पोट्टाल् आयिरम् काकम् वरुम्.
हिन्दी अनु. छत पर चावल फेंके तो हजार कौए (आएंगे)।
Eng. tr. If rice is thrown on the roof, a thousand crows will come.

कै पोरुळट्राल् कट्टिनवळुम् पाराळ्.
हिन्दी अनु. दरिद्रता हो तो पत्नी भी मुंह न देखेगी।
Eng. tr. If destitute of wealth, even his own married wife will not regard him.

पास कुछ हो, तो लोग आएंगे।

तेन् उळ्ळ इडत्तिल् ई मोय्क्कुम.
हिन्दी अनु. जहाँ शहद है, वहाँ मक्खियाँ।
Eng. tr. Flies swarm where there is honey.

तेन् मुण्डानाल् ई तेडि वरुम.
हिन्दी अनु. शहद हो तो मक्खी अपने आप आएगी।
Eng. tr. Where there is honey, there are flies.

पानैयिले पदक्कु नेल् इरुंदाल् मूलैयिले मुक्कुरुणि देयवम् कूत्ताडुम.
हिन्दी अनु. मटके में पाव भर चावल भरा रहे तो कोनों में तीन गुना भगवान नाचेंगे।
Eng. tr. If there be a pathaku of rice in the pot, three kurunies of Gods will dance in the corner.

पुदुप् पानैक्कु ई शेरादु.
हिन्दी अनु. नये घड़े में मक्खियाँ नहीं आएंगी।
Eng. tr. Flies do not swarm on a new pot.

मोट्टैत् तलैयिल् पेन् शेरुमा ?
हिन्दी अनु. गंजे सिर पर जूँएँ (यूका) रहेगी क्या ?
Eng. tr. Will lice attach themselves to a bald head ?

तेलुगु बेल्लमु उण्डे चोट ईगलु मुसुरुनु.
हिन्दी अनु. जहाँ गुड़ हो वहाँ मक्खियाँ इकट्ठा होंगी।
Eng. tr. Where there is molasses, there flies would swarm.

चेरुकुउण्डे चोटिकि चीमलु तामे वस्तवि.
हिन्दी अनु. जहाँ गन्ना है वहाँ चींटियाँ खुद आती हैं।
Eng. tr. Where there is sugar-cane, ants come of themselves.

मेतुकुलु चल्लिते काकुलकु कोदुवा ?
पाठभेद विदिर्चिन अन्नमुण्टे वेयि काकुलु.
हिन्दी अनु. भात बिखेरने पर कौओं की क्या कमी ?
Eng. tr. Spread the rice, and the crows will flock.

कन्नड कूळु चेल्लिद कडे साविर कागे.
हिन्दी अनु. रोटी के टुकड़े बिखेर दो, कौए हजार आएंगे।
Eng. tr. A thousand crows where food is scattered.

सरिसरियागिद्दरे सरिसरियागि नेंटरु.
हिन्दी अनु. सब ठीक चलता रहे तो सब बिरादर।
Eng. tr. Variety of relations to one who is quite well off.

सोंट मुरिद मेले नेंटरिल्ल, गंटलु मुरिद मेले रागविल्ल.
हिन्दी अनु. कमर टूटने पर (दुर्बल होने पर, निर्धन होने पर) कोई बंधु नहीं; गला फटने पर संगीत नहीं।
Eng. tr. No relative after the hip is broken; no tune after the throat is spoiled.

मलयाळम् अरियेर्िञ्ञाल् आयिरं काक्क.
हिन्दी अनु. चावल बिखराओ तो हजारो कौए जमा।
Eng. tr. Where rice is thrown, there gather a thousand crows.

अेण्णक्कुटत्तिनु चुट्टुम् एरुंम्पु.
हिन्दी अनु. तेल के घड़े के चारों ओर चींटियाँ।
Eng. tr. Ants gather round an oil-pot.

एतानुमुण्टेङ्किल् आरानुमुण्टुं.
हिन्दी अनु. गाँठ में कुछ हो, तो कोई (साथी) होगा।
Eng. tr. If you have something, then you will have somebody (as friend).

पुतुकलत्तिल् ईच्च अटुक्कारि्ल्ल.
हिन्दी अनु. नयी मटकी के पास मक्खी न जायेगी।
Eng. tr. Flies will not go near a new earthen ware.

शक्करयिल् ईच्चपट्टुं.
हिन्दी अनु. गुड़ में मक्खी जमेगी।
Eng. tr. Flies will stick to the treacle.

संस्कृत यावद्वित्तोपार्जनसक्तस्तावन्निजपरिवारो रक्तः।
हिन्दी अनु. जब तक हम धन कमाते हैं, तब तक हमारा परिवार हम से प्रेम करता है।
Eng. tr. As long as a person sticks to acquiring money, so long is the family and the retinue attached to him.

निर्गलिताम्बुगर्भं शरद्घनं नार्दति चातकोऽपि।
हिन्दी अनु. जिस शरद-मेघ से पानीरूपी गर्भ निकल गया है, ऐसे मेघ की प्रार्थना चातक भी नहीं करतें।
Eng. tr. A cloud in autumn bereaved of ifs water contents, is not prayed even by chatak bird.

तावत्प्रीतिर्भवेल्लोके यावद्दानं प्रदीयते।
वत्सः क्षीरक्षयं दृष्ट्वा परित्यजति मातरम्॥
हिन्दी अनु. जब तक हम कुछ देते हैं, तब तक लोगों का प्रेम बना रहता है।
गाय का बछड़ा दूध न मिलने पर गाय को छोड़ देता है।
Eng. tr. So long as gifts are being showered, affection continues with the people. The calf abandons the cow whose milk has dried out.

वितरति यावद्दाता तावत्सकलोऽपि भवति कलभाषी।
विरति पयसि घनेभ्यः शाम्यति शिखण्डिनां ध्वनयः॥
हिन्दी अनु. जब तक हम दूसरों को कुछ देते हैं, हम से किसी का लाभ होता है, तब तक ही दूसरे हम से मधुर भाषण करते हैं। जैसे बादल जब तक पानी देते हैं, तब तक ही मोर उन को देख कर नाचते हैं, आवाज करते हैं।

पास कुछ हो, तो लोग आएंगे।

Eng. tr. A sweet exchange is assured with everyother so long as one continues to be beneficial to others. When clouds stop their showers, the cries of peacocks are over.

स्वागतं तावदेव अस्ति यावत् वित्तं करे स्थितम्।

हिन्दी अनु. जब तक तुम्हारे पास पैसा हो, तब तक तुम्हारा स्वागत होगा।

Eng. tr. As long as you have money, you will be honoured.

८२

बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ?

आशय

मूल्यवान और महत्त्वपूर्ण वस्तु का मूल्यांकन सर्वसाधारण या तुच्छ व्यक्ति नहीं कर पाता। किसी गँवार के हाथ में हीरा आ जाय, तो वह उसे कांच समझ कर फेंक ही देगा। उसे पहचानने के लिये तो जौहरी ही चाहिये। बांग्ला की यह कहावत देखिये – "कुरान या पुराण – चूहे को उस से क्या ?" (वह तो कुतरता ही जाएगा।) अनभिज्ञ, अरसिक से कुछ कहना बेकार है।

Subject

The valuable and precious things are not appreciated by ordinary people. If a village-boor gets a diamond, he will throw it away thinking it to be a pebble. It will take a jeweller to judge its value. The Bangla proverb is quite eloquent--" Quoran or Puran ! What's that to a rat ! " (The rat nibbles at any paper.)

हिन्दी अंधी नाइन, आयने की तलाश।

Eng. tr. A barber's blind wife searching for a mirror.

अंधे के आगे रोये, दोनों दीदे खोये।

Eng. tr. To weep before the blind is to lose both of your eyes. (Applied to one who makes his complaints to persons who will not attend to them.)

अंधे रसिया आयने पे मरे।

Eng. tr. A blind beau dying for a looking glass.

का पर करुँ सिंगार, पिया मोर आंधर। (स्त्री.)

Eng. tr. For whom should I deck myself, when my husband is blind !

क्या जाने गँवार घुँघटवा का प्यार।

Eng. tr. What does a village-boor know of the art of making love !

गधे को अंगूरी बाग।

Eng. tr. A vine-yard for a donkey.

गधे का गुलकंद।

Eng. tr. Rose-candy to an ass.

गधे को ज़ाफरान।

Eng. tr. Saffron to an ass.

गधो मिसरी सार काँई जाणै। (राज.)
(मिश्री क्या होती है यह गधा क्या जाने ?)

Eng. tr. The donkey cannot know what sugar is like.

गिंडक नारेळ सार काँई जाणै। (राज.)
(कुत्ता क्या जाने कि नारियल कैसा है ?)

Eng. tr. The dog knows not the taste of coconut.

तेली क्या जाने मुश्क की सार।

Eng. tr. What can an oilman know of the odours of musk !

बंदर के गले में मोतियों की माला।

Eng. tr. A pearl-necklace round a monkey's neck.

बंदर के हाथ आइना।

Eng. tr. A looking glass in a monkey's hand. (What is the use of it, as he is so ugly.)

बंदर क्या जाने आदी (अदरक) का सवाद ?

Eng. tr. What does a monkey know of the flavour of ginger ?

बहरे आगे गाना, और गूँगे आगे गल।
अंधे आगे नाचना, तीनो अल बिलल॥

Eng. tr. To sing to the deaf, to talk to the dumb, and to dance to the blind are all three foolish things.

भैंस आगै भागोत। (राज.)
(भैंस के आगे भागवत। अज्ञानी को उपदेश देना व्यर्थ होता है।)

Eng. tr. The reading of Bhagwat (a religious book) in front of a buffalo.

भैंस के आगे बीन बजे, वह बैठी पगुराई।

Eng. tr. If you play the harp before a buffalo, she will simply chew and cud.

मुक्तामाल बानर लिये, बेद लिये अज्ञान,
परम सुंदरी जोगी लिये, कायर हाथ कमान।

Eng. tr. A string of pearls for a monkey's share, the Vedas for a fool; a beautiful wife for a jogi, a bow for a coward's hand (are all useless).

वाणियैरी बेटीनै मांसरी कॉंई ठा ? (राज.)
(बनिये की बेटी को मांस के स्वाद का क्या पता ?)

Eng. tr. What is the taste of meat to a Bania's daughter?

ENGLISH
1. Give not pearls to the hog.
2. Pearls before swine.
3. What should a cow do with a nutmeg?
4. A blind man will not thank you for a looking glass.
5. He holds a looking glass to a mole.
6. A pebble and diamond are alike to a blind man.
7. To paint that being to a grovelling mind,
   Were like portraying pictures to the blind.
8. The blind man's wife needs no paint.

उर्दू गधी क्या जाने ज़ाफरान की कदर ।

Eng. tr. What does the she-ass know of the value of saffron?

बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ?

Eng. tr. What does the monkey know of the taste of ginger?

पंजाबी कुत्ते नूं खीर नहीं पचदी ।

हिन्दी अनु. कुत्ते को खीर नहीं पचती ।

Eng. tr. A dog cannot digest pudding.

गधा की जाणे कस्तूरी दा भा ?

हिन्दी अनु. गधा क्या जाने कस्तूरी का भाव ?

Eng. tr. What does an ass know of the value of musk?

गधेनूं गुलकंद ।

हिन्दी अनु. गधे को गुलकंद ।

Eng. tr. To give rose-candy to an ass. (useless.)

जट की जाणे लौंगा दा भा ?

हिन्दी अनु. जाट क्या जाने लौंग का भाव ?

Eng. tr. How could a Jaat know the value of clove?

बान्दर की जाणे अदरख दा सवाद ?

हिन्दी अनु. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ?

Eng. tr. What does a donkey know of the taste of ginger?

कश्मीरी ओन् क्याह् ज़ानि ज़्गु तुॅ ग्रोन् (बतुॅ) ।

हिन्दी अनु. अन्धा क्या जाने सफेद या भूरा (चावल) ।

Eng. tr. What does a blind man know what is brown and what is white rice.

ओन् क्याह् ज़ानि ग्रोन् बतुॅ ।

हिन्दी अनु. अन्धा क्या जाने सफेद चावल ।

Eng. tr. What does a blind man know of clean white rice ?

क्वकरन् (स्) म्वख्तुँ छकुन् ।

हिन्दी अनु. मुर्गों के सामने मोती फेंकना ।

Eng. tr. To cast pearls before cocks.

खर् क्याह् ज़ानि ज़ाफ़ुरानुक् कद्रुँर् ।

हिन्दी अनु. गधा क्या जाने केसर का मोल ।

Eng. tr. What does an ass know the value of saffron ?

खरस् गोर् दिनुँ रावान् दुहुय् ।

हिन्दी अनु. गधे को गुड़ खिलाने से दिन ही व्यर्थ जाता है ।

Eng. tr. It is a shere waste of a day, if you go on feeding the donkey with treacle.

खरस् खर्खरुँ ।

हिन्दी अनु. गधे को कंघी (खुरचने की) ।

Eng. tr. A comb for the donkey. (uselsss.)

हूनिस् म्वख्तुँहार ।

हिन्दी अनु. कुत्ते को मोतियों की माला ।

Eng. tr. A string of pearls to a dog.

सिंधी

अंधें अग्यां आहिरी, कर तओ टंग्यो आहि ।

हिन्दी अनु. अंधे के सामने आरसी, मानो तवा टांगा है ।

Eng. tr. A mirror in front of the blind-one is like a suspended hot-pan for him.

अजाण खे जहिड़ी मिसिरी तहिड़ी फिटिकी ।

हिन्दी अनु. अनजान को जैसी मिश्री वैसी फटकरी ।

Eng. tr. To an ignorant person alum and sugar are the same.

कुतो छा जाणे कण्कजी मानीअ मां ।

हिन्दी अनु. कुत्ता कणक की रोटी का स्वाद क्या जाने ? (कणक=गेहूँ का आटा ।)

Eng. tr. What does a dog know of the worth of wheaten bread ?

गड़ह खे थो गंज पाए ।

हिन्दी अनु. गधे को अच्छे कपड़े पहनाता है । (जो आदमी जिस चीज़ के योग्य नहीं, उसे वह चीज़ न देनी चाहिए ।)

Eng. tr. Decks a donkey with good clothes. (Never give unsuitable things to people.)

गड़ह छा ज़ाणनि गिहरनि मां ।

हिन्दी अनु. गधे क्या जाने जलेबियों का स्वाद ?

Eng. tr. What does a donkey know of the value of sweets ?

गड़ह ते गुलाबु हारिंदे हैफ़ थियो ।

हिन्दी अनु. गधे पर गुलाब फेंकना व्यर्थ है । (गुण न माननेवाले व्यक्ति की भलाई करने से कोई लाभ नहीं ।)

Eng. tr. Pouring rose-water over a donkey brought disgrace.

मराठी अश्वासी खारिका हळहळ.

हिन्दी अनु. अश्व के लिए खजूर विष / घोड़े के लिए खजूर ज़हर।

Eng. tr. Dried dates are harmful for a horse. (Dried dates are good in themselves, but when used for the wrong cause, they become harmful.)

आंधळयापुढे आरशी, बहिऱ्यापुढे कहाणी.

हिन्दी अनु. अंधे के आगे शीशा, बहरे के आगे किस्सा।

Eng. tr. A mirror in front of a blind man, and a story for a deaf one.

आंधळयापुढे नाच, बहिऱ्यापुढे गायन.

हिन्दी अनु. अंधे के आगे नाच, बहरे के आगे गाना।

Eng. tr. Dancing before a blind man, singing for the deaf man.

आंधळयापुढे लाविला दिवा, आणि बहिऱ्यापुढे गाइले.

हिन्दी अनु. अंधे के आगे जलाया दिया, और बहरे के आगे गाना गाया।

Eng. tr. Light before a blind man, song for a deaf man.

गाढवापुढे वाचली गीता, कालचा / रात्रीचा गोंधळ बरा होता.

हिन्दी अनु. गधे के सामने पढ़ी गीता, कल का (रात का) शोरगुल अच्छा था।

Eng. tr. Gita was read before a donkey, but he preferred the folk dances of the day before.

गाढवापुढे वाचली इसापनीती, ते म्हणते, मला पाय किती ?

हिन्दी अनु. गधे के सामने पढ़ी इसाप की कहानियाँ, वह पूछे, मेरे टाँगे कितनी ?

Eng. tr. Stories of Isap were read before an ass, it asked, " How many legs have I ? "

गाढवास गुळाची चव काय ?

हिन्दी अनु. गधा क्या जाने गुड़ (चीनी) का स्वाद ?

Eng. tr. What taste has a donkey for treacle ?

बोडकीला कुंकू व वांझेला कातबोळ.

हिन्दी अनु. रांड़ (विधवा) के लिए सिंदूर, और बांझ के लिए मधुरिका।

Eng. tr. Kumkum for the shaven one (widow), and anise for a barren one.

बोडकीला कुंकवाची उठाठेव कशाला ?

हिन्दी अनु. रांड़ सिंदूर की पूछ-ताछ क्यों करे ?

Eng. tr. What has a widow to do with vermilion ? (The vermilion mark on the forehead is only the previlege of married women.)

विधवेला कुंकवाची उठाठेव कशाला ?

हिन्दी अनु. विधवा सिंदूर के लिए क्यों उधम मचाए ?

Eng. tr. The widow's concern for the kumkum (is useless).

पंढाला जनानखाना, भेरटाला चतुरंग सेना.

हिन्दी अनु. पंढ के लिये जनानखाना, और भीरु के लिए चतुरंग सेना ।

Eng. tr. A harem for the impotent, and a four-arms force to a coward. (Chaturang or the four-arms force consisted of the infantry, artillery, cavalry and the chariots.)

रेड्याला सांगितले ज्ञान, रेडा हागतोय पाटीभर श्याण.

हिन्दी अनु. भैंसे को सिखाया ज्ञान, भैंसा करे अपने गोबर से परेशान ।

Eng. tr. Advice is given to a male-buffalo, but he excretes a basket-full of dung.

गुजराती **आंधळाना हाथे आरसी.**

हिन्दी अनु. अंधे के हाथ आरसी ।

Eng. tr. Mirror in the hand of blind.

आंधळानी आगळ रोई, ने पोतानी आंखो खोई.

हिन्दी अनु. अंधे के पास रोई और अपनी आँखें खोई ।

Eng. tr. Wept in front of the blind, and lost her own eye-sight.

खाखरानी खिलोडी साकर नो स्वाद शुं जाणे ?

हिन्दी अनु. पलास की गिलहरी शक्कर का स्वाद क्या जाने ?

Eng. tr. What is the flavour of sugar to the squirrel of palash tree ?

गधेडा आगळ गोळ भी सरखो ने खोळ भी सरखो.

हिन्दी अनु. गधे के लिए खल्ली (खली) और गुड़ दोनों समान हैं ।

Eng. tr. Both gur (jaggery) and oil-cake are the same to a donkey.

गधेडाने साकर झेर.

हिन्दी अनु. गधे को शक्कर ज़हर ।

Eng. tr. To an ass, sugar is poison.

मरघा आगळ मोती.

हिन्दी अनु. मुर्गी के आगे मोती ।

Eng. tr. Pearls before a cock.

वांदरनां हाथमां गोलाबनुं फूल आप्युं ते गांडमां नूछ्युं.

हिन्दी अनु. बन्दर के हाथ में गुलाब का फूल दिया सो गांड में लगाया । (उस से गांड पोंछी ।)

Eng. tr. A monkey when offered a rose, cleaned (brushed) his anus with it.

शाकर नो स्वाद ऊंट शुं जाणे ?

हिन्दी अनु. शक्कर का स्वाद ऊँट क्या जाने ?

Eng. tr. How can a camel know the taste (flavour) of sugar ?

सुंठनो सवाद खाखरनी खीलोडी शुं जाणे ?

हिन्दी अनु. सौंठ का स्वाद पलास (टेसू) की गिलहरी क्या जाने ?

Eng. tr. How can a squirrel of palash tree know the flavour of ginger ?

बाङ्ला अराँधुनीर हाते पड़े कै माछ काँदे,
ना जानि राँधुनी मोरे केमन करे राँधे ।

हिन्दी अनु. अपट रसोइन के हाथ पड़ कर रोहू मछली रोती है, "पता नहीं मुझे यह रसोइन कैसे रांधेगी ?"

Eng. tr. When fallen in the hands of an incompetent cook, the Kai fish begins to cry "Alas! I know not how this cook will cook me."

इँदुरेर काछे कोरानइ कि पुराणई कि ?

हिन्दी अनु. चूहे के लिए क्या पुरान और क्या कुरान ? (चूहा दोनों को कुतर कर खाएगा ।)

Eng. tr. Koran or Puran ! What's that to a rat! (it will nibble at any paper.)

कर्पुर भक्षिले काके कि पाइबे स्वाद ?

हिन्दी अनु. कर्पूर का स्वाद कौवा क्या जाने ?

Eng. tr. Can a crow ever relish a tasty camphor dish ?

काना कि बोझे चाँदेर आलो ?

हिन्दी अनु. अंधा क्या समझे चाँद का उजाला ? – चांदनी ।

Eng. tr. What does the blind man know about the beauty of moon-light ?

कुकुरके घि-भात दिले वमि करे मरे, गाबुरे पींड़े दिले चित् हये पड़े ।

हिन्दी अनु. कुत्ते को घी-भात देने से वह वमन करता है । माँझी को मिठाई खिलाने से वह चित्त पड़ जाता है ।

Eng. tr. Ghee and rice given to a dog makes it vomit, a boatman given a cake to eat (cannot digest it) lies supinely on his back.

कुकुरके दाओ मुगेर पथ्थि, कुकुर बले ए कि विपत्ति ।

हिन्दी अनु. कुत्ते को मूँग का अच्छा खाना दो, वह कहेगा, यह क्या विपदा ?

Eng. tr. If the dog is kept on the (wholesome) diet of moong, he will curse his ill-luck.

कुकुरेर पेटे घि सय ना ।

हिन्दी अनु. कुत्ते को घी नहीं पचता ।

Eng. tr. A dog does not digest ghee.

चाषा कि जाने कर्पूरेर गुण; शुँके शुँके बले सैंधव नूण ।

हिन्दी अनु. किसान क्या जाने कपूर का गुण, सूँघे और कहे, सैंधा नोन ।

Eng. tr. What does a farm-labourer know about the qualities of camphor; he smells and smells and says that it may be rock-salt.

चाषा कि जाने मदेर स्वाद।

हिन्दी अनु. किसान क्या जाने मदिरा का स्वाद?
Eng. tr. What does a farm-labourer know about the flavour of wine?

बानरेर गलाय मुक्तार माला।

हिन्दी अनु. बंदर के गले में मोती की माला।
Eng. tr. A pearl-necklace for the monkey.

बेदे कि जाने कर्पूरेर गुण, शुँके शुँके बले सैंधव नुन।

हिन्दी अनु. व्याध क्या जाने कपूर का गुण, सूँघ सूँघ कर कहे, यह सैंधा नून।
Eng. tr. What does a fowler know about the virtues of camphor? (The stupid fellow.) He smells the rock-salt to declare its salinity.

असमीया इन्दुररो सिंदुर, गोलामरो भाजा माछ।

हिन्दी अनु. चूहे को सिंदूर और गुलाम को भूनी मछली (अयोग्य)।
Eng. tr. Vermilion to a rat, and fried fish to a slave (useless).

कुकुरर पेटत घिउँ नसय।

हिन्दी अनु. कुत्ते के पेट में घी नहीं पचता।
Eng. tr. A dog's stomach disagrees with ghee.

गरुर आगत बजाय टोकारी, घोँह खाय काण जोकारी।

हिन्दी अनु. गाय के सामने बाजा बजाया, उस ने कान हिलाते हिलाते घास खाया।
Eng. tr. Play a musical instrument before a cow, and it will munch grass making movements of the ears.

बान्दरर गलत मुक्तार माला।

हिन्दी अनु. बानर के गले में मोती की माला।
Eng. tr. A necklace of pearls in the neck of a monkey.

बान्दरे कि जाने नारिकलर मोल।

हिन्दी अनु. बन्दर क्या जाने नारियल का स्वाद।
Eng. tr. What taste has a monkey for coconut?

ओड़िआ अंध आगे दीप, बधिर आगे गीत।

हिन्दी अनु. अंधे के सामने दीप, और बहिरे के सामने गीत।
Eng. tr. A lamp (candle) before the blind, a song before the deaf.

अंध हातरे रत्न-मुदि।

हिन्दी अनु. अंधे के हाथ में हीरे की अंगूठी।
Eng. tr. A diamond ring on a blind man's hand.

चषा कि जाणे पइड पाणि, पिइले बोलइ थिरि तोराणि।

हिन्दी अनु. किसान क्या जाने डाब का पानी, पीते ही कहा, होगा चावल का पानी।
Eng. tr. What does the poor rustic know about the water in a green coconut, when he drinks it, says, 'it is settled rice water.'

चाषुणी कि जाणे कर्पूरर गुण, सुंधि सुंघि कहे सइंधब लुण।

हिन्दी अनु. जाटणी क्या जाने कपूर का गुन, सूँघ सूँघ कर कहे, सैंधा नून।

Eng. tr. What does the rustic woman know of camphor? She smells it and says, it is rock-salt.

बेंग पेटरे कण घिअ पचिब ?

हिन्दी अनु. मेंढक के पेट में क्या घी पचेगा ?

Eng. tr. Can a frog digest ghee?

तमिऴ इल्लै तिन्नि काय् अरियान्.

हिन्दी अनु. पत्ते पर गुज़ारा करनेवाला क्या जाने फल का महत्त्व ?

Eng. tr. He, who feeds on leaves, knows not the flavour of fruit.

ऍलुंबु कडिक्किर् नाय्क्कुप् परुप्पुचूशोरु एन् ?

हिन्दी अनु. हड्डी चाटनेवाले कुत्ते के लिये दाल की क्या आवश्यकता ?

Eng. tr. Why give pulse to a dog that gnaws bones?

करुंबैक् कऴुदैमुन् पोट्टाल् कऴुदैक्कुत् तॆरियुमो करुंबु रुशि ?

हिन्दी अनु. ईख को गधे के सामने डाले तो वह क्या जाने गन्ने का स्वाद ?

Eng. tr. Does the ass enjoy the flavour of the sugar-cane that is placed before it?

कऴुदै अरियुमो कन्दप् पोडि वासनै ?

हिन्दी अनु. गधा क्या जाने गन्धचूर्ण की महक ?

Eng. tr. Can an ass appreciate fragrant powder?

कऴुदैक्कु तॆरियुमो कर्पूरवासनै ?

हिन्दी अनु. गधा क्या जाने कर्पूर-सुगंध ?

Eng. tr. What is the smell of camphor to an ass?

कऴुदैक्कुत् तॆरियुमो कस्तूरि वासनै ?

हिन्दी अनु. गधा क्या जाने कस्तूरी की सुगंध ?

Eng. tr. Does an ass appreciate the odour of musk ?

कुरंगिन् कैप् पूमालै.

हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में फूल-माला।

Eng. tr. A garland of flowers in the hand of a monkey.

नाय्क्कुत् तॆरियुमो तोल् तेंगाय् ?

हिन्दी अनु. कुत्ता क्या जाने छिलका-सहित नारियल का स्वाद ?

Eng. tr. Does a dog appreciate an unhusked coconut?

नाय्क्कु नरुनॆय् इणंगादु.

हिन्दी अनु. कुत्ते को गाय का घी पसंद नहीं आयेगा।

Eng. tr. Good cow ghee is not agreeable to a dog's stomach.

नुळैयन् अरिवाना रत्तिनत्तिन पेरुमै ?

हिन्दी अनु. मछुआ क्या जाने रत्न की महिमा ?

Eng. tr. Does a fisherman understand the value of gems ?

तेलुगु एद्दुकु कोबरिकाय इस्ते एंचेस्तुंदि ?

हिन्दी अनु. बैल को नारियल से क्या (लाभ) ?

Eng. tr. What use is a coconut to an ox ?

ओद्देमि ओरुगुरा अट्टुकुलरुचि, गाडिदेमि ओरुगुरा गन्धपु वासन.

हिन्दी अनु. बैल क्या जाने चिड़वे का स्वाद ? गधा क्या जाने चंदन की सुगंध ?

Eng. tr. What does the bullock know of the taste of parched rice ? What does an ass know of the smell of perfume ?

कुक्ककु एमि तेलुसु मोक्क जोन्न रुचि ?

हिन्दी अनु. कुत्ते को क्या मालूम मकई का मजा ?

Eng. tr. What does the dog know of the taste of maize ?

कोतिकि ज़ल्तारु कुळ्ळायि पेट्टिनट्टु.

हिन्दी अनु. बन्दर के सिर पर ज़री की टोपी।

Eng. tr. A gold laced cap on a monkey's head.

कोतिचेति पूलदण्ड.

हिन्दी अनु. बन्दर के हाथ में पुष्प-माला।

Eng. tr. A garland of flowers in monkey's paw.

चेप्पु तिने कुक्क चेरकु तीपि एरुगुना ?

हिन्दी अनु. जूती खानेवाला कुत्ता ईख का स्वाद कैसे जानेगा ?

Eng. tr. The dog that chews the chappals, how does it know the sweetness of sugar-cane ?

पन्दिकि येलरा पन्नीरुगिण्डि.

हिन्दी अनु सूअर को गुलाब-जल से क्या ?

Eng. tr. What has a pig to do with rose-water ?

मड्डि-मुंडकु मल्ले पूलिस्ते, मडिचि मुड्डिकिंद पेट्टु कुन्नदट.

हिन्दी अनु. गंदी रांड़ को मोतिये का फूल दिया तो गांड के नीचे रखा।

Eng. tr. A sluggish woman pushed the jasmine flower down her bottom.

मोटुवाडिकेमि तेलुसु मोगलि पूवु वासन ?

हिन्दी अनु. गंवार क्या जाने केतकी की सुगंध ?

Eng. tr. What does the churl know of the fragrance of pandanus !

कन्नड कटुकर अंगडियल्लि बसवन पुराण.

हिन्दी अनु. कसाई की दूकान में बसवन पुराण। (अहिंसा का उपदेश।)

Eng. tr. Reading the holy scriptures (preaching nonvoilence) in a butcher's shop (is useless).

कप्पेगे केसरु नीरु इंपागुव हागे पन्नीरु इपादीते ?
हिन्दी अनु. मेंढक को केशरी जल (सुगंधित पानी) मैले पानी के जितना थोड़े ही प्यारा होता है ? (उस को कीचड़ ही प्यारा।)
Eng. tr. Is scented water as sweet as slushy water to a frog ?

करडी मैगे याके कस्तूरी ? शिंगलीकत मोरेगे याके चंदनतिलक ?
हिन्दी अनु. भालू के शरीर को कस्तूरी से क्या लाभ ? मूरख के चेहरे पर चन्दन तिलक से क्या ?
Eng. tr. What is the use of musk to the body of the bear, or sandal paste to the face of an idiot ?

कुरुडन कैयल्लि कन्नडि.
हिन्दी अनु. अंधे के हाथ में दर्पण ।
Eng. tr. A mirror in the hands of a blind man.

कोणन मुंदे किन्नरि बारिसिद हागे.
हिन्दी अनु. भैंस के सामने बीन बजाने के समान ।
Eng. tr. Like playing a pipe before a buffalo.

कोति कैलि हू माले.
हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में पुष्प-माला ।
Eng. tr. A flower-garland in the hands of a monkey.

नाकद संतोष सूकरगे निळिदीते ?
हिन्दी अनु. सूअर क्या जाने स्वर्ग का सुख ?
Eng. tr. Can the pig know the joys of heaven ?

मडिदु होगुवाग मडदिय गोडवे याके ?
हिन्दी अनु. मरनेवाले को जोरू किस लिये ?
Eng. tr. Why bother about wife when one has to die ?

मंगन कैलि माणिक्य.
हिन्दी अनु. बंदर के हाथ में रत्न ।
Eng. tr. A jewel in the hands of a monkey.

मुत्तिन चेलुवु कत्तेगे तिळिदीते ?
हिन्दी अनु. गधा क्या जाने मोती का मोल (सौंदर्य) ?
Eng. tr. Can the donkey appreciate the beauty of the pearl ?

श्वानन मुंदे गान.
हिन्दी अनु. कुत्ते के सामने गीत ।
Eng tr. Singing before a dog.

मलयाळम् उप्पुं विट्टुनटक्कुन्नवनु कर्पूरत्तिन्टे विलयरियामो ?
हिन्दी अनु. नमक का फेरीवाला क्या जाने कपूर का मोल ?
Eng tr. Does the salt-seller know the worth of camphor ?

जण्टु तेन रुचियरियुमो ?

हिन्दी अनु. केकड़ा क्या जाने शहद का स्वाद ?

Eng. tr. Will the crab know the taste of honey ?

कुरङ्ङन्टे करियल् पूमाला.

हिन्दी अनु. बन्दर के हाथ में पुष्प-माला ।

Eng. tr. A flower-garland in the hands of a monkey.

पोत्तिन्टे चेविट्टिल् किन्नरं वायिच्चिट्टेन्तु कार्यं ?

हिन्दी अनु. भैंस के कान में बीन बजाने से क्या लाभ ?

Eng. tr. What is the use of playing music in the ears of a buffalo ?

संस्कृत **अरसिकेषु कवित्वनिवेदनं, शिरसि मा लिख मा लिख मा लिख ।**

हिन्दी अनु. (हे भगवान्) अरसिक मनुष्य को कविता सुनाने का काम मेरे भाग्य में मत लिखना ।

Eng. tr. May it not be my lot to communicate the poetic charms to a dull or inappreciative person !

किमिष्टमन्नं खर सूकराणां, किं रत्नहारो मृगपक्षिणांच ।
अन्धस्य दीपो, बधिरस्य गीतं, मूर्खस्य किं शास्त्रकथाप्रसंगः ॥

हिन्दी अनु. गधे को या सूअर को मिठाई खिलाने से क्या लाभ ? पशु-पंछी रत्नहार का मूल्य क्या जानेंगे ? अन्धे को दीप, बहरे को गीत, तथा मूर्ख को शास्त्रकथा क्या काम की ?

Eng. tr. Is a dainty food a desirable object to a donkey or a pig, or jewel-necklace to birds or beasts, or a lamp to a blind man, or a song to a deaf person, or a scholarly discussion to a fool ?

८३

बगल में बच्चा, गाँव में ढंढोरा ।

आशय

वस्तु तो अपने पास ही है, पर आदमी उसे देख नहीं पाता, और उस की खोज में सारा घर छान मारता है। गाँव में मारा मारा फिरता है। इस अवस्था को निम्नलिखित कहावतों में अंकित किया है। तमिऴ की यह कहावत देखिये, — " कंधे पर मेमना, और गाँव में खोज। "

Subject

When one has a thing close to oneself, but goes announcing its loss, and looking for it all over, these proverbs are used. This state of affair is

vividly brought out in this Tamil proverb — " The lamb on his shoulders, he searches for it in the town. "

हिन्दी बगल में लड़का, शहर में ढंढोरा।
पाठभेद बगल में (गोद में) बच्चा, गाँव में ढंढोरा।
Eng. tr. The child is in her arms, and she is crying through the city (for it).

ENGLISH 1. The butcher looked for his knife when he had it in his mouth.
2. He seeks his son whom he bears on his shoulders.

उर्दू ढँढोरा शहर में, लड़का बगल में।
Eng. tr. She cries for her child throughout the city, and has him under her arm.

पंजाबी कुछड़ कुडी ते शेहर ढंढोरा।
हिन्दी अनु. बगल में बच्चा, और शहर में ढंढोरा।
Eng. tr. The child is under her arm, and she haunts for it throughout the city.

कश्मीरी शुर् कति, शुर् कति, शुर् नखस् प्यठ्।
हिन्दी अनु. बच्चा कहाँ, बच्चा कहाँ, बच्चा तो है कन्धे पर।
Eng. tr. Where is the child ? Where is the child ?—The child is on the shoulder.

सिंधी ढंढोड़ा शहर में, लड़का बगल में।
हिन्दी अनु. बगल में छोरा, शहर में ढिंढोरा।
Eng. tr. Sending a crier round the town when the child is in one's own arms.

मराठी अंगात चोळी आणि गावाला आरोळी.
हिन्दी अनु. बदन में चोली, और गाँव में डौंडी।
Eng. tr. She wears the bodice, and cries in search for it all over the town.

काखेत कळसा गावाला वळसा.
हिन्दी अनु. बगल में घड़ा, और गाँव में चक्कर (घड़े की खोज में)।
Eng. tr. Pitcher in her arms, she goes round the village (to search for it).

गळ्यात गरसोळी आणि गावात बोंब.
हिन्दी अनु. गले में चंद्रहार, और गाँव में करे पुकार।
Eng. tr. Has her necklace of glass and golden beads round her neck, and howls for it through the entire village.

गांडीखाली आरी आणि चांभार पोर मारी.
हिन्दी अनु. गांड के नीचे हथियार, और बच्चे को पीटे चमार।
Eng. tr. The awl under his buttocks, and the cobbler beats his children.

बगलेत पोर, गावात दांडोरा.
हिन्दी अनु. बगल में बच्चा, गाँव में डौंडी।
Eng. tr. The child is in arms, and cries (for it) throughout the city.

गुजराती केडे छोकरुं ने गाममां ढंढेरो.
हिन्दी अनु. बगल में बच्चा, और गाँव में ढिंढोरा।
Eng tr. The child (baby) in arms (lit : on the waist), and a proclamation (an advertisement) all over the town to search it out.

बाङ्ला काँधे कुडुल, बनमय खोंजे।
हिन्दी अनु. कंधे पर कुल्हाड़ी, वन भर खोजे।
Eng. tr. The axe is on his shoulder, and he is searching for it through the forest.

कोले छेले सहरे ढेंढरा।
हिन्दी अनु. बगल में छोरा, शहर में ढिंढोरा।
Eng. tr. The child is in arms and the search is on in the town.

ओड़िआ घर भितरे चोर, शहररे धेंडुरा।
हिन्दी अनु. घर में चोर, शहर में ढंढोरा।
Eng. tr. The thief is in the house, but beating the drum in the town.

तमिऴ आट्टुक्कुट्टियैत् तोळिले वैत्तुत् काडेंगुम् तेडिन् कदै.
पाठभेद आट्कुट्टियै तोळ्ळै पोट्टु ऊर् येल्लाम् सुत्तरदु।
हिन्दी अनु. (१) मेमने को कंधे पर उठा कर (उस की खोज में) वन में मारे मारे फिरने-वाले की क्या कथा ? (२) कंधे पर मेमना. गाँव में खोज।
Eng. tr. (1) The story of one who wandered through the jungle in search of a lamb that he had on his shoulder.
(2) The lamb on his shoulder, he searches for it in the town.

उरियिले तयिर् इरुक्क ऊर् अँगुम् पोना (दू) पोल्.
हिन्दी अनु. छींके पर दहीं और गाँव में खोज।
Eng. tr. As if one sought curds throughout the village, when a supply was on his own tray.

विळक्कै वैत्तुक् कोण्डु नेरुप्पुक्कु अलैकिरदुपोल.
हिन्दी अनु. चिराग को रख कर आग के लिये फिरना।

Eng. tr. Like wandering abroad for fire, while there is a lighted lamp in the house.

तेलुगु उय्याललो पिल्लनुवुंचि वूरेल्ला वेतिकिनट्लु.

हिन्दी अनु. झूले में/पालने में बच्चे को रख कर गाँव भर खोजती है।

Eng. tr. Putting tha child in the cradle, she searches for it all over the village.

ओळ्लो पिल्लनुवुंचि वूरेल्ला वेतिकिनट्लु.

हिन्दी अनु. गोद में बच्चा, गाँव में खोज।

Eng. tr. The child in arms, she searches for it in the whole town.

कोण्ड तलक्रिन्द पेट्टुकोनि, राळ्लु वेतिकिनट्लु.

हिन्दी अनु. सिर के नीचे पहाड़ रख कर कंकरों की खोज करना।

Eng. tr. Putting the mountain under one's head, and searching for the stones.

गोल्लवाडु गोर्रेपिल्लनु मेडनु वेसुकोनि अडवि अंता वेतकिनट्लु.

हिन्दी अनु. ग्वाले ने भेड़ के बच्चे को गले में डाल कर (कन्धे पे उठा कर) जंगल में ढूँढ़ लिया।

Eng. tr. The shepherd carrying his sheep in his arms, searched for it all over tha wood.

चंकलो पिल्ल नुंचुकोनि संतलो वेतिकिनट्लु.

हिन्दी अनु. बगल में बच्चा, मेले में खोज।

Eng. tr. Searching in the fair for a child that is in arms.

दीप मुण्डगा निप्पुकु देवुलाडिनट्लु.

हिन्दी अनु. हाथ में दीपा, और आग की खोज।

Eng. tr. Lamp in the hand, he searches for fire.

नेत्तिने तलगुड्ड पेट्टुकोनि इल्लंता वेतिकिनट्लु.

हिन्दी अनु. सिर पर पगड़ी, घर भर खोज।

Eng. tr. Searching for the turban in the whole house, while it is on the head.

कन्नड कंकुळल्लि कूसेत्ति कोंडु ऊरेल्ला हुडुकिदरु.

हिन्दी अनु. कंधे पर मेमना, और गाँव में खोज।

Eng. tr. The shepherd carrying the sheep on his shoulder, searched for it in the village.

कोंकळल्लि मगु, ऊरेल्ला हुडकिदळु.

हिन्दी अनु. गोद में बच्चा, गाँव में खोज।

Eng. tr. The child is in her arms, she searches for it in the whole town.

मलयाळम् ओक्कत्तिरिक्कुन्न कुट्टिये तोट्टिल्लिल् तिरयुकयो ?
हिन्दी अनु. गोद में बच्चा, पालने में तलाश।
Eng. tr. The child is in arms, and search in the cradle.

विळक्किरिक्के तीय्क्कलयणो ?
हिन्दी अनु. चिराग के रहते आग के लिये क्यों फिरे ?
Eng. tr. With the lamp burning in hand, should one go in search of fire ?

८४

बड़ी मेहनत, थोड़ा लाभ।

आशय

बड़ी मेहनत करने पर जब थोड़ा सा लाभ होता है, तब इन कहावतों का प्रयोग होता है। बहुत दौड़धूप की, अथक प्रयत्न किये, बड़ा आडम्बर रचाया, और अंत में इन सब बातों के परिणाम स्वरूप जो कुछ हाथ में आया, वह नगण्य रहा। यह कन्नड कहावत देखिये – "सारी दुनिया छान मारी, और प्याला भर पानी ले आया।"

Subject

These proverbs are used when great efforts are made and great cries are raised, but the result is negligible. As the Kannada proverb says — " Brought a cupfull of water, after a search in the whole world. "

हिन्दी खोदा पहाड़, निकला चूहा।
पाठभेद खिणियो डूँगर निकलियो ऊँदर। (राज.)
Eng. tr. Dug a mountain, and brought forth a mouse.

खोदा पहाड़, निकली चुहिया।
Eng. tr. Dug out the mountain, and came forth a mouse.

दमड़ी की अरहर, सारी रात खड़हर / खरखर।
Eng. tr. A farthing worth of peas, and the sound of grinding all night.

दिन भर चले अढ़ाई कोस।
Eng. tr. Travelled all day long covering only two and half miles.

रातों रोई, एकही मुआ। (स्त्री.)
Eng. tr. Long nights she cursed and cried, and only one man died.

राव्यूँ रोया पण मर्यो एक ही कोनी। (राज.)
(रात भर रोये, पर मरा एक भी नहीं।)
Eng. tr. Wept the whole night, but no one died.

सारी ऊमर पीस्यो'र ढकणींमें उसार्यो। (राज.)
(सारी उम्र पीसा, और सारा ढकनी में इकट्ठा कर लिया।)
Eng. tr. Ground (made efforts) for the entire life, and collected only a plateful.

सारी रात मिमियानी और एक ही बच्चा बियानी।
Eng. tr. The goat bleated all night and produced only one kid.

ENGLISH The mountains have brought forth a mouse.

उर्दू रातभर मिमियाई, एक बेटा बियाई।
Eng. tr. She groaned the whole night, and delivered only one child.

पंजाबी पटिआ पहाड़ निकलिआ चूहा।
हिन्दी अनु. खोदा पहाड़, निकला चूहा।
Eng. tr. The mountain was in labour, and then brought forth a mouse.

सारी रात भन्नी, कुड़ी जम्मी अन्नी।
हिन्दी अनु. सारी रात खोई, अंधी लड़की हुई।
Eng. tr. The whole night goes waste, and she gave birth to a blind girl.

कश्मीरी मुनि मुनि फ़ाति कुनि नय कुँह्।
हिन्दी अनु. ओ फाती (फ़ातिमा) कूट कूट के कहीं कुछ नहीं।
Eng. tr. O Phati, nothing seen anywhere after pounding and pounding so much.

संगर् च़टिथ् यंगर्।
हिन्दी अनु. पर्वत लांघ कर केवल चीड़ के फल।
Eng. tr. After scaling the peaks, to get only fruits of the pine tree.

सिंधी टकिड़ीअ खे सूर थ्या त ज़ाई कुई।
हिन्दी अनु. पहाड़ी को प्रसव-पीड़ा हुई, लेकिन जन्मी एक चुहिया।
Eng. tr. The hill felt the labour-pains, and delivered a mouse.

मराठी डोंगर कोरला, उंदीर काढला. डोंगर पोखरला, उंदीर काढला.
हिन्दी अनु. पहाड़ खोद कर चूहा निकला।
Eng. tr. A mountain was scooped (excavated) to pull out only a mouse.

रात्रंदिवस कांडा, हाती आला कोंडा.
हिन्दी अनु. रात-दिन कूटता रहा, और हाथ में आया भूसा।

Eng. tr. Having pounded the grain in a mortar all day and night, she got only the husk.

सप्तसमुद्र शोधून गार मिळविली.

हिन्दी अनु. सप्त समुद्र खोज कर चकमक (एक चमकीला पत्थर) पाई।

Eng. tr. (a) Having searched the seven seas, found only a flint.
(b) Found a hailstone, after having searched the seven seas.

सारी रात्र जागली, आणि शेंगावांगी रांधली.

हिन्दी अनु. पूरी रात जागने में गई, और बैंगन तथा मूँगफल्ली पकाई।

Eng. tr. She kept awake all the night, but cooked only peas and brinjals. (To waste a lot of time over trivial matters.)

गुजराती आखी रात दळी ने काटलीमां ओसार्युं.

हिन्दी अनु. सारी रात पीस कर कटोरी में उंड़ेला। (इतना कम काम।)

Eng. tr. She ground the whole night, and filled just a cup.

आखी रात रळी ने ऊंधी पायली दळी.

हिन्दी अनु. सारी रात कमायी पर औंधी पायली पीसा। (विधवाएँ रात में चक्की पीस कर पैसे कमाती थी।)

Eng. tr. She worked the whole night, and ground a measure upside down (nothing).

आखी रात रोई त्यारे एक डोसी मुई.

हिन्दी अनु. सारी रात रोई, तब एक डोकरी (बुढ़िया) मरी।

Eng. tr. Wept the whole of the night, when one old dame died.

खोद्यो डुंगर ने काढ्यो ऊंदर.

हिन्दी अनु. खोदा पहाड़, निकली चुहिया।

Eng. tr. Excavated a mountain, and took out a mouse.

डुंगर वियाणो ने ऊंदर नीकळ्यो.

हिन्दी अनु पर्वत बियाना (जनने की क्रिया), तो चूहा पैदा हुआ (निकला)।

Eng. tr. The mountain delivered, and a mouse came out.

भव आखो रळ्या त्यारे पारके लाकडे बळ्या.

हिन्दी अनु. सारा जीवन कमाया तब जले तो दूसरों की लकड़ी से। (आप कमायी से नहीं।)

Eng. tr. Earned throughout life but was cremated at the expense of others. (Cremated with the fuel purchased by others.)

बाङ्ला पर्बतेर मुषिक प्रसब।

हिन्दी अनु. पर्वत ने चूहा जना।

Eng. tr. The mountain in labour delivering a mouse.

असमीया ओरे राति गाइ धेन्दि दामुरि हल् एटा।

हिन्दी अनु. सारी रात गाय प्रसव-पीड़ा में थी और बछड़ा हुआ एक।

Eng. tr. The cow laboured for the whole night, but produced only one calf.

ओड़िआ खोळ पर्वत मार मूषा।
हिन्दी अनु. चूहा मारने खोदा पहाड़।
Eng. tr. To dig a mountain to kill a mouse.

तमिळ् इरुप्पुक् कदवु इडित्तुत् तविट्टुक् कोलुक्कट्टै अेडुक्किरदा ?
हिन्दी अनु. लोहे का दरवाजा तोड़ कर भूसे का भोजन प्राप्त करें ?
Eng. tr. What! Knocking down an iron door to obtain a bran cake ?

मलै मुळंगिच् शुण्डेलि पेट्ट्रुपोल.
पाठभेद मलैयै कल्लि अेलि पिडिप्पदु.
हिन्दी अनु. पहाड़ खोद कर चूहिया प्राप्त करना।
Eng. tr. As a mountain amidst thunder brought forth a mouse.

तेलुगु कोण्डनु तव्वि अेलुकनु पट्टिनट्लु.
हिन्दी अनु. पहाड़ खोद कर चूहा निकालना।
Eng. tr. Dig up the mountain, and bring out a rat.

कन्नड जग जालिसि मोगेलि नीरु तंद हागे.
हिन्दी अनु. सारी दुनिया छान मारी, और चुल्लू भर पानी लाया।
Eng. tr. Brought a cupfull of water, after a search in the world.

पर्वत अरवत्तु गळिगे प्रसववेदने पट्टु कडेगे सुंडिलि हेत्त.
हिन्दी अनु. पहाड़ को साठ घंटे प्रसववेदना हुई, और एक चूहा बाहर निकला।
Eng. tr. The mountain had delivery-pangs for sixty hours, and brought forth a mouse.

बेट्ट अगिदु इलिय हिडिदंते.
हिन्दी अनु. पहाड़ खोद कर चूहा निकाला।
Eng. tr. Having dug up a mountain, he caught a mouse.

मलयाळम् आनये पिटिक्कान् पोयि, पेनिने किट्टि.
हिन्दी अनु. हाथी को पकड़ने गया, और जूँ को पकड़ लाया।
Eng. tr. Went to catch an elephant, but got a louse instead.

संस्कृत खनन्नाखुबिलं सिंहः पाषाणशकलाकुलम्।
प्राप्नोति नखभङ्गं वा फलं वा मूषको भवेत्॥
हिन्दी अनु. पाषाण को तोड़ कर शेर ने चूहे का बिल खोद लिया, पर फल क्या मिला ? उस के नाखून टूट गये, और चूहा प्राप्त हुआ।
Eng. tr. A lion digging out a stony rat-hole gets his nails injured, or at best secures a mouse as reward.

महतो वंशस्तम्बाल्लट्वानुकृष्यते।
हिन्दी अनु. बाँसों के बन से मात्र एक लट्वा चिड़िया निकली।
Eng. tr. From the cluster of bamboo reeds is drawn out only a small Latwa bird.

८५

बड़ों की वृथा नकल।

आशय

कई लोगों में बड़े लोगों की झूठ-मूठ नकल करने की आदत रहती है। अपने शक्ति के बाहर जो बात है, उसे केवल नकल करने से थोड़े ही हासिल किया जाता है ? परन्तु केवल अपना बड़प्पन दिखाने के लिये वे महान और श्रेष्ठ व्यक्तियों का अनुकरण करने की चेष्टा करते हैं। उस से वे आदर के योग्य तो बनते ही नहीं, उल्टा उपहास की सामग्री लोगों के सामने रखते हैं। इस उपहास से ये कहावतें भरपूर हैं। इस हिन्दी कहावत में देखिये कैसी टेंस है – " ऊँट तो दगते थे, मकड़ी (मेंढ़की) ने भी टांग फैला दी। "

Subject

There are people who uselessly imitate people greater than them, and usually turn out more ridiculous by doing so. For instance the Hindi proverb — " When the camels were branded, the spider too put up its legs. "

हिन्दी अहीर देख गड़रिया मस्ताना।

Eng. tr. The shepherd got drunk, when he saw the neatherd drunk. (Said of a poor man who imitates the follies of one, more wealthy.)

ऊँट तो दगते थे, मकड़ी (मेंढ़की) ने भी टांग फैला दी।

Eng. tr. When the camels are branded, the spider (or frog) too puts up its legs.

कौवा चला हंस की चाल, अपनी चाल भी भूल गया।

Eng. tr. The crow in imitating the swan's gait, forgot his own. (Imitate the ways of the wealthy, and you will lose your own.)

देखादेखी साधै जोग। छीजै काया, बाढे रोग।

Eng. tr. When one tries to copy the austere life of others, his body emaciates and diseases increase.

संख के भरोसे घोंघाँ चूतड़ टेढ़ करलक। (मुं.)
(शंख का शरीर टेढ़ा देख घोंघें ने भी चूतड़ टेढ़ा कर लिया।)

Eng. tr. Seeing the crooked body of the conch, the oyster also twisted its buttocks.

सब कोई झूमर पारे लंगड़ी हुचुका पारे। (चंपा.)

पाठभेद सब कोई झूमर पैरे, लंगड़ी कहे — "हम को।"

(सब स्त्रियाँ झूमर गाती है, इस लिए लंगड़ी भी झूम-झूम के गाना चाहती है।)

Eng. tr. As all wear anklets, the lame girl wants it too.

पंजाबी कां हंसांदि चाल चलदा अपणी वि भुल बैठा।

हिन्दी अनु. कौआ चला हंस की चाल, अपनी भी भूल बैठा।

Eng. tr. The crow wanted to imitate the gait of swans, but forgot his own also.

कश्मीरी कावन् हेछ्व् ककुव् सुन्द् पकुन पॅतुनुय् पकुन् मोठुस्।

हिन्दी अनु. कव्वे ने कोयल की चाल जो सीखी, अपनी चाल भी भूल बैठा।

Eng. tr. The crow learnt the walk of a cuckoo, but forgot his own.

गुर्यन् लागिख् नाल् खर् गय् पडर् दारिथ्।

हिन्दी अनु. घोड़ों के (पैरों में) नाल लगाये गये तो गधे भी अपने पैर ले कर आये।

Eng. tr. The horses' hoofs were shod, so the asses also came forth with hoofs (to get shod).

सिंधी बाज़ जी रीस करे उड़ाणी चिड़ी। चणो होसि चुहिंब में सो वि पियुसि किरी।

हिन्दी अनु. बाज़ को देख कर चिड़िया भी ऊपर ऊपर उड़ने लगी। तब उस के मुंह में जो चना था, वह भी गिरा बैठी।

Eng. tr. At the sight of a hawk, the sparrow started flying higher and higher, and the grain of gram she had in her beak fell off.

मराठी आका गळ्याक भांग्रासरी म्हून भयिणी गळ्याक सुंबादोरी. (कों.)

हिन्दी अनु. ननद ने गले में चंद्रहार पहना, इस लिये उस ने अपने गले में डोरी बांध ली।

Eng. tr. Because the huband's sister wears a gold necklace, she wears a pricking rope (round her own neck).

एकीने घातली सरी, म्हणून दुसरीने घातली दोरी.

हिन्दी अनु. एक ने पहना चंद्रहार, तो दूसरी ने बांधा गले में डोर।

Eng. tr. One wears a necklace, and so the other wears a rope round her neck.

ओल्लि नाचतां म्हणून सूप नाचतां. (गो.)

हिन्दी अनु. चँगेर नाचती है, इस लिए सूप भी नाचता है।

Eng. tr. Because the basket (in which rice is washed) dances, the scuttle-form basket (which sifts corn) also dances.

कलवंत नाचतां देवळांत, म्होण गावडी (भावीण) नाचतां घरांत. (गो.)

हिन्दी अनु. देवदासी नाचती है मंदिर में, इस लिए गावडी भी नाचती है घर में।

(गावडी — गावडे जाति की स्त्री।)

Eng. tr. Because a temple-dancer dances in the temple, the rustic woman dances in her own house.

कोळीण नाचते म्हणून ज़ोगीण नाचते.

हिन्दी अनु. घटवारिन नाचे, इस लिए जोगिन भी नाचे ।

Eng. tr. The nun dances because the fisher-woman dances.

गुरव नाचतां भळांत, म्होण मडवळ नाचतां व्हाळांत.

हिन्दी अनु. पुजारी नाचे मंदिर में, इस लिए धोबी नाचे नदी में ।

Eng. tr. Because the priest in trance dances in the temple, the washerman dances in the streamlet.

थेर नाचतं थेरांत, कोंबडं नाचतं केरांत.

हिन्दी अनु. नाचनेवाला नाचे नवटंकी में, मुर्गा नाचे कूड़े-कर्कट में ।

Eng. tr. Because the dancer dances at the show, the cock dances on a rubbish-heap.

नाचताना मोराचा पिसारा हाले, आणि पिसारा नसताना लांडोरी डोले.

हिन्दी अनु. नाचने समय मोर के पंख हिले, और पंखों के न रहते भी मोरनी डोले ।

Eng. tr. The peacock's fanned feathers sway while he dances, and the peahen sways herself without these feathers.

मोर नाचतो, म्हणून लांडोर नाचते.

हिन्दी अनु. मोर नाचता है, इस लिए मोरनी भी नाचती है ।

Eng. tr. Because the peacock dances, the peahen does too.

लोकानी घातली सरी, म्हणून आपण घालू नये दोरी.

हिन्दी अनु. दूसरों ने डाली हँसली, इस लिए हम (न) डाले सिकड़ी ।

Eng. tr. One mustn't wear a rope round one's neck only because others wear gold necklaces.

सभा हसली, माकड हसले.

हिन्दी अनु. सभा हँसी, बंदर (भी) हंसा ।

Eng. tr. Because the gathering laughs, the monkey also does so.

हैरूं धांवतां म्हणू गायंडळु धांवतां. (गो.)

हिन्दी अनु. हिरन दौड़ता है, इस लिए केंचुआ दौड़ता है ।

Eng. tr. Because a deer runs, an earthworm also wants to run.

गुजराती कागडो मोरनी चाल चालवा जतां पोतानी भूली गयो.

हिन्दी अनु. कौवा मोर की चाल चले, तो अपनी भूल जाता है ।

Eng. tr. The crow, while imitating the peacock's gait, forgot his own.

मोरनी चाल तीतर चाले, तो पोतानी भी भूले.

हिन्दी अनु. मोर की चाल तीतर चले, तो अपनी भी भूल जाता है ।

Eng tr. If a (francoline) partridge walks with the gait of a peacock, it also forgets its own.

हांसनी चाल कागडो चालवा गीयो ने, पोतानी बी भुली गयो.

हिन्दी अनु. हंस की चाल कौआ चलने लगा, तो अपनी भी भूल गया ।

Eng. tr. A crow tried to imitate the gait of a swan, and forgot his own.

बाङ्ला खञ्जनेर नृत्य देखे चड़ाइ नृत्य करे।

हिन्दी अनु. खंजन का नाच देख कर चिड़िया नाचने लगी। (चिड़िया = गोरैया)

Eng. tr. Seeing the wag-tail dance, the sparrow does like-wise.

चाषार चाष देखे चाष करे गोयाला;
धानेर संगे खोंज नेइ, बोझा बोझा पोयाला।

हिन्दी अनु. किसान की खेती देख खेती करे ग्वाला; धान के बजाय घास ही बटोरे।

Eng. tr. Seeing the farmer's fields, the milkman (leaves his dairying, and) takes to farming; instead of gathering grains, he only accumulates heaps of straw.

देखादेखि तोले हाइ, जा-ओ आछे ता-सो नाइ।

हिन्दी अनु. देखादेखी जो जम्हाई ले, उस के पास जो हो सो चला जाएगा।

Eng. tr. Seeing another person yawning, one yawns; what is with you, you lose. (It is said that imitating others reduces your strength.)

देखादेखि नेका नाचे।

हिन्दी अनु. देखा-देखी अनाड़ी नाचे।

Eng. tr. Seeing a dance, a simpleton dances.

याँग याय (जाय), च्याँग याय (जाय), खलसे बले आमिओ याइ (जाइ)।

हिन्दी अनु. यांग-चांग जैसी छोटी छोटी मछलियों को फुर्ती से तैरते देख कर खलसा बूढ़ी मछली भी चुस्ती से तैरना चाहती है।

Eng. tr. Seeing the tiny minnows darting forth in the stream, the heavy Khalse fish says that it too can swiftly swim.

असमीया देखाक देखि, कुकुरे ओ करे एकादशी।

हिन्दी अनु. देखा देखी कुत्ता भी एकादशी व्रत करने लगा।

Eng. tr. Observing others going on fast, dog also went on Ekadashi-fast.

चान्दक देखि तेतेलि बेका।

हिन्दी अनु. चांद को देख इमली बाँकी / टेढ़ी।

Eng. tr. Seeing the curve of the moon, the tamarind fruit also became curved.

म'राक देखि घनचिरिकार पेखम।

हिन्दी अनु. मोर को देख गोरैया पंख पसारना चाहती है।

Eng. tr. The sparrow wants to spread its tail seeing the peacock.

राजहंसर गति धरि घनचिरिका फेरेका हल।

हिन्दी अनु. राजहंस की चाल देख गोरैया फेर धरने लगी।

Eng. tr. Imitating the gait of the royal swan, tha sparrow began to go round.

ओड़िआ किए घोडा पालिंकिरे बसि हकर हकर,
किए खण्डिआ कांथरे बसि हकर हकर।

हिन्दी अनु. कोई घोड़े पर या पालकी में बैठ कर गर्व करे,
कोई टूटी दीवार पर बैठ कर गर्व में चूर।

Eng. tr. Someone feels exalted sitting on a horse or in a palanquin, someone is puffed up by sitting on a broken wall.

कुआ धान टोकिबा देखि बग धान टोकिबा।

हिन्दी अनु. कौवे को धान चुगते देख बगुला भी धान चुगने लगा।

Eng. tr. The heron starts pecking at paddy grain in imitation of the crows.

बग गोड नालिआ देखि बेंग गोड नालिआ करिबा पाइ मन बळाइबा।

हिन्दी अनु. बगुले के पैर लाल देख कर मेंढ़क का मन भी अपने पैर लाल करने को हो गया।

Eng. tr. Seeing that the crane's feet are red, the frog wished to have its feet red too.

तमिळ अन्न नडै नडकप्पोयुत् तन् नडैयुम् केट्टाट्पोल्.

हिन्दी अनु. हंस की तरह चलना चाहा, तो कौआ अपनी चाल भी भूल गया।

Eng. tr. As in attempting to walk like a swan, the crow lost even its natural gait.

अेलुत्तान् कायुदु अेलिपुरुक्कै एम्कायुदु ?

हिन्दी अनु. तिल सूख रहा है (ठीक है), चूहे की लेंडी क्यों सूख रही है ?

Eng. tr. The gingelly basks in the sun, all right ! Why should the excretion of mouse get basked ?

कन्नान् नडमाडक् कुयवन् कुडिपोवान्.

हिन्दी अनु. ठठेरा चलने लगा, तो कुम्हार भी अपनी जगह छोड़ चला।

Eng. tr. When brazier begins to move, the potter will abandon his dweling-place, and move along.

कोंजिक कूत्ताडि नडंदालुंग् कुदिरैयामो कळुदै ?

हिन्दी अनु. दुलकी चाल चलने से गधा थोड़े ही घोड़ा होगा ?

Eng. tr. Even if it trots, will the donkey become a horse ?

नल्लपांबु आडियदु कण्डु नागप्पुच्चि आडियदुपोल.

हिन्दी अनु. नाग को नाचते देख केंचुआ नाचने लगा।

Eng. tr. As the earth-worm imitated the graceful movements of the cobra.

पुलियप् पार्तुप् पूनै सूडिट्टुक् कोण्ड.

हिन्दी अनु. बाघ को देख बिल्ली ने दाग लगा ली।

Eng. tr. The cat, having seen the tiger, branded itself with stripes.

तेलुगु **अक्कन्न मादन्न गार्लु क्षन्दलमु ॆक्किते, साटिकि सरप्प चेरुवुकट्ट ॆक्किनाडट.**

हिन्दी अनु. अक्कन्ना और मादन्ना पालकी में चढ़ बैठे, तो देखा देखी सरप्पा चढ़ बैठा तालाब की मेड़ पर। (अक्कन्ना और मादन्ना तानाशाह के दो अमात्य थे।)

Eng. tr. When Akkanna and Madanna mounted their state palanquins, Sarappa got on the bund of the tank to make himself equal. (Akanna and Madanna were the ministers of Tanashah.)

ॆल्लपामुलु तल ॆत्तिते एलिकपामु तल एत्तिंदट.

हिन्दी अनु. सब साँप सिर (फन) उठाने लगे, तो केंचुए ने भी सिर उठाया।

Eng. tr. When all snakes lifted their hoods, the earthworm also lifted its head.

नवाबु तलबोडि अयिते ना तलगूड बोडि अनि वितन्तु विर्रवीगिनदट.

हिन्दी अनु. नवाब के सिर सा मेरा भी सिर मुंडला है कह कर विधवा भी अक्कड़ने लगी।

Eng. tr. A widow was proud that her head was alse as round (shaven) as that of the Navab.

नेमलि कूसिनट्लु पिकिलि कूयबोयि पित्तुकचच्चिंदट.

हिन्दी अनु. मोर की तरह नाचने गयी, बुलबुल पाद कर मर गयी।

Eng. tr. The nightingale, trying to dance like a peacock, farted and died.

पुलिनिचूचि नक्कवात पेट्टु कोन्नट्टु.

हिन्दी अनु. बाघ को देख कर सियार ने भी दाग लिये।

Eng. tr. The jackal branded himself with straps like a tiger.

राजुभार्य मेडॆक्किते कुम्मरिवारि कोडलु गुडिसॆक्किनदि.

हिन्दी अनु. राजा की रानी महल के छत पर चढ़ गयी, तो कुम्हार की बहू भी अपनी झोपड़ी के छत पर चढ़ गयी।

Eng. tr. When the king's wife went on the top of her palace, the potter's daughter-in-law climbed the top of her hut.

वासिरेड्डि वेंकटाद्रि नायुडु तुलाभारं तूगिते करेड्ल कामक्क वंकायल भारं तूगिंदट.

हिन्दी अनु. वासिरेड्डि वेंकटाद्रि नायुडु ने अपनी सुवर्णतुला की, तो करेडल कामक्का ने अपनी बैंगनतुला की।

Eng. tr. When Vasireddi Veṅkatadri Nayudu weighed himself against gold, Karedla Kamakka weighed herself against brinjals.

हंस नडकलु राकपोये, काकि नडकलु मरचि पोये

हिन्दी अनु. हंस की चाल न आयी, कौवे की भी भूल बैठी।

Eng. tr. (1) Crow's steps are forgotten, swan's steps are never got.
(2) She couldn't learn to walk like a swan, but she forgot to walk even like a crow.

कन्नड अेळ्ळंतु अेण्णेगे ओणगितु नीनेक्के ओणगिद्दे सुरले बीजवे.

हिन्दी अनु. तिल तेल के लिये सूखते हैं, घटिया धान क्यों सूखें ?

Eng. tr. The seasame is dried for oil, but for what purpose does the coarse seed dry ?

नविलु कुणियोदु नोडि कुक्कुट कुणियितु.

हिन्दी अनु. मोर को नाचते देख मुर्गा भी नाचने लगा।

Eng. tr. Seeing the peacock's dance, the cock also began to dance.

सरिमनेयाके सरिगे हाकिकोंडरे, नेरेमनेयाके उरुळु हाकिकोंडळु.

हिन्दी अनु. पड़ोसन ने गले में असली हार पहना, तो इस ने फाँसी लगा ली।

Eng. tr. As the lady in the next house wears a necklace, the lady in the neighbouring house hanged herself.

हुलि नोडि नरि बरे हाकि कोंडितंते.

हिन्दी अनु. बाघ को देख कर सियार ने अपने को दाग लिया।

Eng. tr. The jackal branded itself after seeing a tiger.

हुलियहागे आगबेकिन्त नरि मैसुट्टुकोण्डन्ते.

हिन्दी अनु. शेर बनने की धुन में सियार ने दाग लिया।

Eng. tr. The fox got branded to look like a tiger.

मलयाळम् अेळ्ळुकायुन्नतु एण्णक्कु एलिक्काट्टं कायुन्नतो ?

हिन्दी अनु. तिल सूखता है तेल के लिये, मगर चूहे की लीद क्यों सूखे ?

Eng. tr. The gingelly basks for the sake of oil, but why should the excretion of mouse get basked ?

८६

बड़ों के झगड़े में छोटों का विनाश।

आशय

दो बड़ों की लड़ाई में छोटों पर आ बीतती है। बड़ी वस्तुओं की भीड़न्त में छोटे चकनाचूर हो जाते हैं। इस वैश्विक सिद्धान्त को इन कहावतों में बड़ी रोचकता से ग्रथित किया है। हिन्दी कहावत देखिये —"घोड़े घोड़े लड़े, मोची का ज़ीन टूटे।"

Subject

There are times when two great people fight, and unnecessarily the poor men get ruined. These proverbs are said to imply this idea. The Hindi proverb — "When two horses fight, saddler's saddle is broken." illustrates this point.

हिन्दी गोधा गोधा भड़बडे'र बाँठांरो खोगाळ। (राज.)
(गोधे – सांड़ आपस में लड़ते हैं, बीच में बाँठों का नाश हो जाता है।)

Eng. tr. When the two bulls fight, they destroy the shrubs between them.

घोड़े घोड़े लड़े, मोची का जीन टूटे।

Eng. tr. When two horses fight, saddler's saddle is broken.

जोगी जोगी लड़ें, खप्परों का खौर।

Eng. tr. When Jogis fight, their begging cups are smashed.

झोटे झोटे टक्करें / लडें, झुंडियों का नास।

Eng. tr. When buffaloes fight, plantation is ruined.

बाघे भैंसा लड़ाय झाड़ी पातिक निनान। (मुं.)
(बाघ और भैंसे की लड़ाई, बीचवाले घास पात का नाश।)

Eng. tr. When the tiger and buffalo fight, the grass and shrubs in between suffer.

मोची मोची का झगरा भेल फाटल घोड़ा के जीन। (चंपा.)
(दो चमार आपस में लड़, और घोड़े की जीन फट गई।)

Eng. tr. When two saddlers quarreled, the saddle of the horse was torn.

लडें सांड़, बारी का भुरकस।

Eng. tr. Whe bulls fight, the fields are spoilt.

हाथी-हाथी लड़े, बीच में झाड़रो खो। (राज.)
(हाथी-हाथी आपस में लड़ते हैं, बीच में झाड़ का नाश होता है।)

Eng. tr. When two elephants fight they destroy the tree between them.

ENGLISH

1. The poor do penance for the follies of the great.
2. When two kings are at war, it is the poor grass that suffers.

उर्दू घोड़े घोड़े लड़े, मोची का जीन टूटे।

Eng. tr. The horses fight and tear the cobbler's saddle (while fighting).

पंजाबी जोगी जोगी लड़ें, खपरां दा नुकसान।

हिन्दी अनु. जोगी जोगी लड़ें, खपरों का नुकसान।

Eng. tr. When two Jogis fight between themselves, the vessels are the sufferers.

भिड़न सान पटटीजन बूटे।

हिन्दी अनु. लड़ें सांड़, उखड़े बूटे।

Eng. tr. When bulls fight, the small plants are torn up.

सिंधी विढ़नि सान लताड़ि जनि बूरा ।
हिन्दी अनु. लड़ें साँड़, लताड़े जाए छोटे छोटे पौधे ।
Eng. tr. The bulls fight, and young plants get destroyed.

मराठी कुंभार कुंभारणीचे भांडण, गाढवाचे कांडण.
हिन्दी अनु. कुम्हार कुम्हारिन का झगड़ा, गधे की पीठ पर कोड़ा ।
Eng. tr. In the quarrel between the potter and his wife, the donkey gets heavy beating.

रेड्या-पाड्यांची झुंज, नि झाडांचे (झाडां-माडांस) मरण / झाडांमुळांचे कंदन.
हिन्दी अनु. भैंसों-सांड़ों की लड़ाई, और पेड़ों का खातमा ।
Eng. tr. In the fight between a male-buffalo and a male-calf, the trees and shrubs get destroyed.

गुजराती गोलो गोली वढे, ने वच्चे गधेडानो कान कपाय.
हिन्दी अनु. कुम्हार कुम्हारन लड़े, और बीच में गधे के कान कटें ।
Eng. tr. The potter and his wife quarrel with each other, and in it the ass's ear is cut.

पाडे-पाडा लडे, तेमां झाडनो खो.
हिन्दी अनु. बोदे से बोदा लड़े (भैंसे से भैंसा लड़े), उस में पेड़ की दुर्गति होती है ।
Eng. tr. In the fight between two male-buffaloes, the tree is destroyed.

बाङ्ला मामा-मामी झगड़ा करे, नेका पान्ता खेये मरे ।
हिन्दी अनु. मामा-मामी झगड़ा करें, भांजा बासी खा कर मरे ।
Eng. tr. Uncle and aunt quarrel and fight, eating stale rice is poor nephew's plight.

षाँड़े-षाँड़े युद्ध हय, उलु-खागड़ार प्राण याय (जाय)।
हिन्दी अनु. साँड़-साँड़ लड़े, उल्लू और कौवों की जान जाय ।
Eng. tr. A fight between two bulls, and the owls and crows are in the danger of losing their lives.

असमीया दुइ महर युज (जुज) लागिल, इकरार मरण मिलिल ।
हिन्दी अनु. दो भैंसों में हुआ जूझ, बीच में नल की मौत ।
Eng. tr. A fight between two bull-buffaloes, and the pasture was destroyed.

बाघ-म'हर यु (जु) ज लागिल, नल खागरीर मरण मिलिल ।
हिन्दी अनु. बाघ-भैंसे का झूँज, नल पौधों की मौत ।
Eng. tr. Tiger and buffalo fight, and the grass dies.

ओड़िआ संढ लढेइरे वेणा छिडुछि ।
हिन्दी अनु. साँड़ों की लड़ाई में खस के झुरमुट टूटें ।
Eng. tr. In a clash of the bulls, the vetiver shrubs are destroyed.

तमिऴ् कडावुम् कडावुम् शण्डै पोडुगिऱ्पोदु उण्णि नशुंगि नाट्पोल.
हिन्दी अनु. भेड़ों के झगड़े में पड़ कर किलनी (गायों के शरीर पर का जन्तु) कुचल गई।
Eng. tr. As the tick was crushed to death when the goats fought.

तेलुगु आव्वुलू आव्वुलू पोट्लाडिते, लेगल काळ्ळु विरुगुतवि.
हिन्दी अनु. गायें आपस में लड़ें तो बछड़ों के पैर टूटें।
Eng. tr. When the cows fight, the sucking calves' legs are broken.

कन्नड कल्लप्पनू गुंडप्पनू कूडिदरॆ मेणसप्प पुडि.
हिन्दी अनु. सील से बट्टा मिले तो मिर्च चूर चूर।
Eng. tr. When the grinding stone and muller combine, chillies are reduced to powder.

कोणगळ होराट गिडक्के मृत्यु.
हिन्दी अनु. भैंसों की लड़ाई, और पेड़ का सत्यानास।
Eng. tr. The clash between male-buffaloes is death to the tree.

गंड हॆंडिर जगळदल्लि कूसु बडवायितु.
हिन्दी अनु. पति और पत्नी के झगड़े में बच्चा भूखा रहा।
Eng. tr. The child starved in the quarrel between the husband and the wife.

८७

बिल्ली ! और दूध की रखवाली !

आशय

किसी चीज़ को चाहनेवाले को ही उस चीज़ की रक्षा करने का काम दिया जाय तो क्या होगा? उस के लिये तो यह एक इष्टापत्ति सिद्ध होगी। क्यों कि वह उस चीज़ का बिना रोक उपभोग कर सकेगा। कन्नड कहावत कहती है – " ककड़ी के खेत की रखवाली के लिये सियार की नियुक्ति। " – वाह् भाई, फिर तो खेत की आ बनी। "

Subject

When a person is kept to protect a thing which he desires very much, the following proverbs are said. For instance the Kannada proverb – " Appointing a fox to guard a cucumber field. "

हिन्दी ऊँटक आगा बूँटक ढेरी। (मुज.)
(ऊँट के आगे चने का ढेर रक्खा तो वह खा डालेगा।)
Eng. tr. A heap of gram before a camel. (He will eat it up.)

चाम का चमोटा कूकर रखवाल।
Eng. tr. A dog set to watch a leather strap.

चील के घर में मांस की धरोहर।
Eng. tr. To deposit flesh in a vulture's nest.

चोट्टी कुत्तिया जलेबियों की रखवाली।
Eng. tr. To set a hungry bitch to watch sweet-meats.

पाठभेद चोर कुतिया, जलेबी की रखवाली।
Eng. tr. A thieving bitch to guard sweet-meats.

दही के घर में बिलाय भंडारी। (मुँ.)
Eng. tr. In a house of curds a cat as a store-keeper.

बिलाई के दूध औंटेक भारा। (दर.)
(बिल्ली को दूध गरम करने का कार्य सौंप रहे हो।)
Eng. tr. A cat given the charge of heating the milk.

बिल्ली, और दूध की रखवाली।
Eng. tr. To set the cat to watch the milk.

मछरी के पथार बिलाई रखवार। (चंपा.)
(मछली के पथार पर बिल्ली रखवाल।)
Eng. tr. A cat set to protect the basket of fish.

मांस के ढेर पर गिद्ध रखवार। (चंपा.)
Eng. tr. A vulture appointed to watch a heap of flesh.

हाथी को गन्ने का पहरा।
Eng. tr. An elephant to watch the stock of sugar-cane.

हुंडरा रे, बकरी चराइबे पठरू समेत।
Eng. tr. O wolf, graze this goat and its kid!

पंजाबी चील दे आलणे मांसदिआं मुरादा।
हिन्दी अनु. चील के घोसले में मांस की मुराद।
Eng. tr. One should not expect meat in the nest of a kite.

छोलिआं दा बोहल ते खोता राखा।
हिन्दी अनु. चनों का ढेर, और गधा रखवाला।
Eng. tr. A heap of grams, and a donkey as a watchman.

डैण दे कुच्छड़ मुंडा।
हिन्दी अनु. डायन की गोद में बच्चा।
Eng. tr. A child, and at the hag's hip.

भुखी कुत्ती जलेबियां दी राखी।
हिन्दी अनु. भूखी कुतिया जलेबियों की रखवाली।
Eng. tr. What! A hungry bitch to guard sweet-meats?

कश्मीरी ब्रारिस् अथि ग्यव् चोड ।
हिन्दी अनु. बिल्ली के हाथ घी का बरतन।
Eng. tr. A pot of ghee in the hands of a cat.

सिंधी जव ढेरि, गड्हु रखपालु ।
हिन्दी अनु. जौ का ढेर और गधा रखवाला ।
Eng. tr. A heap of barley, and a donkey its guard.

मराठी चोराच्या हाती ज़ामदारखान्याच्या किल्ल्या.
हिन्दी अनु. चोर के हाथ में सरकारी भंडार (खजाने) की चाबियों का गुच्छ ।
Eng. tr. The keys to the public-treasury in the hands of a thief.

बारक्या फणसाला म्हैस राखण.
हिन्दी अनु. छोटे कटहल की रखवाली के लिये भैंस ।
Eng. tr. To keep a buffalo as a guard to a jack-fruit.

वाघाच्या घरी शेळी पाहुणी.
हिन्दी अनु. शेर के घर में बकरी मेहमान ।
Eng. tr. A goat as a guest in the house of a tiger.

गुजराती बिलाडीने दूध भळाववुं, दाणीने घेर छांट उतारवी.
हिन्दी अनु. बिल्ली को दूध की रखवाली देना, कर लेनेवाले के घर फसल ले जाना । (दोनों समान ।)
Eng. tr. To ask a cat to take care of milk (or to show milk to a cat), to deposit a bag of grains at the house of grain-tax collector.

वांढाने वेविशाळ करवा मोकल्यो, ते पोतानो करी आव्यो.
हिन्दी अनु. कुँवारे को सगाई को भेजा, तो अपनी ही कर आया ।
Eng. tr. A bachelor who was sent to settle a betrothal, got himself engaged instead.

बाङ्ला डाइनेर हाते पो समर्पण ।
हिन्दी अनु. डाइन के हाथ बेटा सौंपना ।
Eng. tr. To put one's son in charge of a vampire.

बेराल दिये दुध पहारा ।
हिन्दी अनु. बिल्ली से दूध की रखवाली ।
Eng. tr. To keep a cat to watch the milk.

असमीया उदक तेक रखिया करा ।
हिन्दी अनु. ऊदबिलाव को मछली का रखवाल बनाना ।
Eng. tr. Engaging an otter to guard the fish-trap.

ओड़िआ गुड घरे पिंपुडि परिछा ।
हिन्दी अनु. गुड़ के बरतन पर चींटी की रखवाली ।
Eng. tr. Like an ant keeping a watch (guarding) on the gur-pot.

दहि पातुळि कि बिलेइ साक्षी।

हिन्दी अनु. दही की पत्तल की बिल्ली रखवाली करे।

Eng. tr. To ask the cat to keep a watch on the pot of curds.

बाइगण बाड़िकु गाइमुण्ड जगुआ।

हिन्दी अनु. बैंगन के खेत का चरवाहा रखवाला।

Eng. tr. A shepherd (or a cowherd) as a guard to the field of brinjals.

बिराडि हातरे शुखुआ पोढा।

हिन्दी अनु. बिल्ली के हाथ में सूखी भूंजी मछली।

Eng. tr. To leave roasted dry fish in the cat's paw.

तमिऴ अेलिक्कु तुणैयाकप् पूनैयै अनुप्पलामा.

हिन्दी अनु. बिल्ली को चूहे के सहायतार्थ भेजें ?

Eng. tr. Sending a cat to guard the mouse.

कनरुकळाय्क कूडिक् कळै परिक्कप् पोनाल् वैक्कोल् आगुमा शेतै आगुमा ?

हिन्दी अनु. बछड़ों का झुंड यदि खेत में व्यर्थ उगे घास को चुन कर निकालने के लिये भेजा गया, तो वहाँ क्या बचेगा ? तिनका भी नहीं बचेगा।

Eng. tr. If a herd of calves is sent to weed out the corn-field, will there be any straw left, or even dry stubble ?

कळ्ळनै कावल् वयित्तल्.

हिन्दी अनु. चोर के हवाले रखवाली।

Eng. tr. Setting a thief as a watchman.

नण्डैच् शुट्टु नरियैक् कावल् वैत्तदुपोल.

हिन्दी अनु. भुने हुए केकड़े पर सियार का पहारा।

Eng. tr. Like setting a jackal to watch a roasted crab.

नरियिन् कैयिले कुडल् कळुवक् कोडुक्किरदा ?

हिन्दी अनु. सियार के हाथ में आंत को पानी में साफ करने दे दें।

Eng. tr. Are viscera to be given into the hands of a jackal to be washed.

तेलुगु अग्निकि वायुवु तोडयिनट्लु.

हिन्दी अनु. आग को हवा का सहारा।

Eng. tr. The wind assisting the fire.

तोडेटिनि गोर्रेल काय पेट्टिनट्टु.

हिन्दी अनु. भेड़ों की रखवाली के लिए भेड़िया रखना।

Eng. tr. Like putting a wolf to watch the sheep.

दोंग चेतिके ताळं चेवि इव्वालि.

हिन्दी अनु. चोर के हाथ में चाभी (देना)।

Eng. tr. Let the key be given to the thief.

	दोंगवाकिट मंचम् वेसिनट्लु.
हिन्दी अनु.	चोर के दरवाजे के सामने खाट डालना।
Eng. tr.	Putting one's bed in the yard of thief's house.
	पिल्लिकि रोय्यल मोलताड्डु कट्टिनट्लु.
हिन्दी अनु.	बिल्ली के गले में मछलियों का हार।
Eng. tr.	A girdle of shrimps tied to a cat.
कन्नड	कळ्ळन् कावलिड्डु हागे.
हिन्दी अनु.	चोर के हवाले रखवाली।
Eng. tr.	Set a thief as a watchman.
	बेल्लद सिपाही माडि इरुवे हत्तिर कळुहिसिद हागे.
हिन्दी अनु.	गुड़ का सिपाही चींटी के पास भेजा गया।
Eng. tr.	A soldier made of jaggery was sent to the ant.
	बेक्किन कैगे मीनु सुडलिक्के कोट्ट हागे.
हिन्दी अनु.	बिल्ली को मछली भूंजने का काम दिया।
Eng. tr.	Fish was handed over to the cat for roasting.
	सौते हित्तिलिगे नरिय कावलु.
हिन्दी अनु.	ककड़ी के खेत पर लोमड़ी का पहरा।
Eng. tr.	Appointing a fox to guard a cucumber field.
मलयाळम्	कळ्ळने खजानावेल्पिय्क्कुक.
हिन्दी अनु.	चोर के हाथ खजाने की रखवाली।
Eng. tr.	To entrust the treasury to a thief.
	कळ्ळन्टे कैयियल् ताक्कोलु.
हिन्दी अनु.	चोर के हाथ में चाभियाँ।
Eng. tr.	Leaving the keys in the hands of a thief.
	कुरुक्कन्टे करियल् कुटल् सूक्षिय्क्कान् कोटुक्कुक.
हिन्दी अनु.	अंतड़ी की रखवाली सियार को सौंपना।
Eng. tr.	To entrust the intestines to a jackal for safe keeping.
	ताराविने नोक्कान् कुरुक्कने एल्पिय्क्कुक.
हिन्दी अनु.	सियार के हाथों में बतख का पालन।
Eng. tr.	To entrust the goose to the jackal for upbringing.
	नरियिन् कैयिल् कटच्चिये पोट्टुवान् कोटुत्तु.
हिन्दी अनु.	बाघ के हाथों बछिये का पालनपोषण।
Eng. tr.	The tiger entrusted to look after the calf.
	वेळ्ळरि तोट्टत्तिल् कुरुनरिये कावल्.
हिन्दी अनु.	ककड़ी के बगीचे पर लोमड़ी का पहरा।
Eng. tr.	Setting a fox to guard the cucumber backyard.

८८

बेकार की बेतुकी बातें ।

आशय

जो लोग बेकार रहते हैं, कोई उद्योग नहीं रहता, किसी अच्छे काम में मन नहीं लगा रहता, तब वे लोग ऐसी निकम्मी और बेतुकी बातें करते रहते हैं, कि जिस से लाभ के विपरीत हानी ही अधिक मात्रा में होती रहती है। ऐसे लोगों पर इन कहावतों में व्यंग के चाबुक जड़ाये हैं। गुजराती की यह कहावत देखिये – " विना काम का बैल ऊसर खोदता है। "

Subject

The following proverbs tell us of idle people doing useless and ridiculous things. As the Gujarati proverb says— " An idle bullock digs (with his horns) the fallow soil. "

हिन्दी आओ दुगाना, चुटकी खेलें, खाली से बेगार भली।

Eng. tr. Come neighbour, let us twist our thumbs, any occupation is better than doing nothing.

निकमो नाई पाटला (पाडा) मूँडै। (राज.)
(बेकार बैठा हुआ नाई पाड़ों / पटरी को मूंड़ता है।)

Eng. tr. An idle barber shaves the plank / bull-calf.

निठल्ला बनिया पत्थर तोले।

Eng. tr. An unemployed baniya will weigh stones (rather than do nothing).

बइठल बुढ़वा टिमकी फोरे। (चंपा.)
(बेकार बैठा बूढ़ा टिमकी फोड़ रहा है।)

Eng. tr. An idle old man breaks the drum.

बाबोजी छानमें बैठा गोधा नाथै। (राज.)
(बाबाजी छप्पर में बैठे सांड़ों को नाथते है।)

Eng. tr. Idle babaji sitting in the shade pierces the noses of the bulls.

बैठा/खाली बनिया क्या करे ? इस कोठी के धान उस कोठी में करे।

Eng. tr. The chandler has nothing to do, so he carries his grain from one store to another. (He cannot bear to be idle, and will do useless thing than nothing.)

ENGLISH

1. If the brain sows not corn, it plants thistles.
2. An idle person is the devil's play-fellow.
3. An idle brain is the devil's work-shop.

4. Satan finds some mischief still, for idle hands to do.
5. Ploughing the seashore.

उर्दू ठाली बनिया तोले बाट ।
Eng. tr. The idle baniya weighs the weights.

बेकार मबाश कुछ किया कर । कपड़े ही उधेड़कर सिया कर ॥
Eng. tr. Don't be idle, and do something. Unstitch your clothes and sew them up.

बैठा बनिया क्या करे इस कोठी के धान उस कोठी में भरे ।
Eng. tr. What does an idle baniya do ? He shifts corn from one bin into another.

पंजाबी खाली बाणीआं की करें, ए थों चुक ओथे धरे ।
हिन्दी अनु. खाली (निठल्ला) बनिया क्या करे, इधर से (चीज़) उठा कर उधर धरे ।
Eng. tr. What does an idle shop-keeper do ? He picks up a thing from one place, and puts it at the other.

भुक्खा किराड़ वेहीआ फोले ।
हिन्दी अनु. भूखा किराड़ (बनिया) खाता खोले ।
Eng. tr. A penniless ' Kirar ' turns the pages of his account books.

कश्मीरी बेकार छु वकीलि हर् दरबार ।
हिन्दी अनु. बेकार आदमी हर दरबार (समूह) का वकील है ।
Eng. tr. An unemployed is the pleader of every gathering. / An unemployed man visits every darbar.

होन्यन् न्यतान् तुँ मोन्यन् तछान् ।
हिन्दी अनु. कुत्तों के बाल काटते, और खम्भा कुरेदते (हैं) ।
Eng. tr. Fleecing the dogs, and scratching the pillars.

सिंधी निखिमिणो वाण्यो गुड़ गंढा तोरे ।
हिन्दी अनु. बिना काम बैठा हुआ बनिया गुड़ तोलता रहता है ।
Eng. tr. An idle baniya keeps weighing jaggery.

निखिमिणो वाण्यो भितर भोरे ।
हिन्दी अनु. बिना काम बैठा हुआ बनिया मिट्टी के ढेले तोड़ता है ।
Eng. tr. An Idle Bania breaks clods of earth.

वांदो वाण्यो वह्यूं संभाले ।
हिन्दी अनु. फुरसत में बैठा हुआ बनिया हिसाब-किताब जांचने लगता है ।
Eng. tr. An idle baniya checks the account-book.

मराठी रिकामचोट, गावास उपद्रव.
हिन्दी अनु. निकम्मा आदमी, गाँव के लिए पीड़ा ।
Eng. tr. A lusty person without work is a nuisance to the whole village.

रिकामा न्हावी, कुडाला तुंबड्या लावी.

हिन्दी अनु. बेकार (खाली) नाई (हज्जाम) दीवार में (टट्टी में) सींगी लगाए।
(सींगी लगाना – अशुद्ध रक्त निकालने के लिए नाई द्वारा अपनाई जानेवाली एक प्रक्रिया।)

Eng. tr. An unemployed barber puts leeches to the straw-wall. (In old days, a barber also had the qualifications of a doctor. This explains his use of leeches who suck back blood from the body.)

रिकामा सुतार बायकोचे कुल्ले ताशी.

हिन्दी अनु. बेकार बढ़ई पत्नी के कूल्हे तराशे।

Eng. tr. An idle carpenter chips his wife's buttocks.

रिकाम्या माणसा, काय करशी ? तर ह्या कानातले तानवडे त्या कानात घालशी.

हिन्दी अनु. खाली मनुष्य क्या करे ? इस कान का तरौना उस कान में डाले। (तरौना : कान में डालने का एक आभूषण।)

Eng. tr. What an idle woman does is to change her ear-rings from one ear to another.

रिकामी नार, गाव बेज़ार.

हिन्दी अनु. बेकार नार, गाँव बेज़ार।

Eng. tr. An idle woman worried the whole town.

रिकामे मन सैतानाचे धन/सदन. रिकाम्या मना सैतान करी कारखाना.

हिन्दी अनु. खाली मन शैतान का सदन (कारखाना)।

Eng. tr. An idle mind is the devil's house (factory).

गुजराती नवरा बेठा काम करो, खाटलो उखेडी वाण भरो.

हिन्दी अनु. फुरसत में बैठे (सो) काम करो, खाट उबेल कर (खोल कर) बान (रस्सी) भरो।

Eng. tr. Do some work during leisure: open the cot, and knit the cord.

नवरा हाथ तणखला तोडे के बाल उपाडे.

हिन्दी अनु. निठल्ले हाथ तिनका तोड़े या झाट खींचे।

Eng. tr. An idle person would pluck grass-blades or hair.

नवरो बळदियो मोचम खूंदे.

हिन्दी अनु. बिना काम का बैल ऊसर खोदता है।

Eng. tr. An idle bull ploughs (with his horns) the fallow land.

नवरो ब्राह्मण नित्य करे के निन्दा करे.

हिन्दी अनु. बेकार ब्राह्मण हवन करे या निन्दा करे।

Eng. tr. A jobless brahmin performs 'havan' or censures others.

नवरो बेठो नख्खोद वाळे.

हिन्दी अनु. जो व्यक्ति निठल्ला हो, वह सत्यानाश करता है।

Eng. tr. An idle one brings ruin.

नवरो वाणियो वाल फाके.

हिन्दी अनु. फुर्सत में बनिया बरबटी फाँकता है ।

Eng. tr. An idle baniya (grocer, merchant) goes on eating beans.

नवरो वालंद पाटला मुंडे.

हिन्दी अनु. फुर्सत में नाई तख्ता मूंड़ता है ।

Eng. tr. An idle barber shaves the wooden plank.

पाठभेद नवरो हजाम पाटला बोडे.

हिन्दी अनु. निठल्ला नाई तख्ता मूंड़े ।

Eng. tr. An unemployed barber shaves the wooden plank (footstool).

परवारतो ब्राह्मण पाटला पूजे.

हिन्दी अनु. (फुरसत में) बेकार ब्राह्मण पीढ़ा पूजे ।

Eng. tr. A brahmin who has finished his work, worships the wooden plank.

परवारतो शुं काम करे ? वहाण भांजीने खाटलो घडे.

हिन्दी अनु. निपट कर निठल्ला बैठा हुआ व्यक्ति क्या करेगा ? तो जहाज़ तोड़ कर खटिया बनायेगा ।

Eng. tr. What would an unemployed person do (who has nothing to do) ? Break a boat and make a bed out of it.

बाङ्ला उपयुक्त भाइपो खुड़ोर गंगायात्रा कराय ।

हिन्दी अनु. लायक भतीजा काम न होने पर काका को गंगायात्रा कराता है ।

Eng. tr. An adolescent nephew having no work, plans pilgrimage for his uncle.

घरे ब'से करि कि, दादार पाछे पेयादा दि ।

हिन्दी अनु. घर बैठा क्या करूँ ? बड़े भाई की चुगली खाऊँ ।

Eng. tr. What do I do at home without any work ? Well, I go complaining about my elder brother behind his back.

निकामाये दर्जि उठोन सेलाइ करे ।

हिन्दी अनु. बेकार दर्जी आंगन सिये ।

Eng. tr. An idle tailor stitches the court-yard.

निष्कर्मा कि करे ? ना, धाने-चाले एक करे ।

हिन्दी अनु. निकम्मा क्या करे ? धान-चावल एक करे ।

Eng. tr. What does an inactive idler do ? Oh, just mixing the paddy and the rice.

ब'से ब'से करि कि, – दादार पाछे पेयादा दिइ ।

हिन्दी अनु. बैठे बैठे क्या करूँ ? भैया की चुगली खाऊँ ।

Eng. tr. What do I do sitting idle ? Well, I do some back-bitting about the elder-brother.

असमीया बन नोहोवा कमारे फालर मरिहा मारे ।
हिन्दी अनु. बिना काम का लुहार, फाल चिकनावे । (चिकनावे – घिसे)
Eng. tr. The black-smith without work goes on rubbing the plough share.

ओड़िआ काम नयाइ मुकुर सेवा ।
हिन्दी अनु. काम न हो तो दर्पण-सेवा । (दर्पण में देखते रहना ।)
Eng. tr. When there is no business, serve the mirror. (To spend time watching in the mirror.)

निकमा दारी कि करे बसि, मुख देखुथाए दर्पण जसि ।
हिन्दी अनु. निकम्मी वेश्या बैठी क्या करे ? दर्पण में मुँह देखती रहे ।
Eng. tr. What does the unemployed whore do ? - Keeps looking at her face in the mirror.

तमिळ मिनैक् कुेट्ट अंबट्टन् पूनैयैच् शिरैत्तानाम्.
हिन्दी अनु. बेकार नाई बिल्ली का सर मुंड़वाता रहा ।
Eng. tr. A barber who had nothing to do, shaved a cat.

वेलै विल्लाद अंबट्टन् , आट्टैच् शिरैत्तानाम्.
हिन्दी अनु. बेकार नाई बकरा मूँड़ने लगा ।
Eng. tr. It is said that the barber who had no work, shaved a sheep.

वेलै मिनक्केट्ट अंबट्टन् पेण्डाट्टि तलैयैच् शिरैत्तानाम्.
हिन्दी अनु. बेकार नाई पत्नी का सिर मूँड़ने लगा ।
Eng. tr. Being without work, the barber is said to have shaved his wife's head.

वेलै मिनक्केट्टु अंबट्टन् पूनैक् कुट्टियैच् शिरैत्तानाम्.
हिन्दी अनु. बेकार नाई बिल्ली को मूँड़ने लगा ।
Eng. tr. It is said that a barber wasted his time by shaving a kitten.

तेलुगु पनिलेनि पापराजु एंचेस्तुन्नाडंटे कुंदेटि कोम्मुकु रेकुलु तीस्तुन्नानन्नाडट.
हिन्दी अनु. " बेकार पापराजू क्या कर रहा है ? " - किसी ने पूछा । " खरगोश के सींगों की लकीरें खींच रहा है। " – जवाब मिला ।
Eng. tr. " What is idle Paparaju doing ? " - asked someone. " Drawing lines with the horns of a hare — " came the reply.

पनिलेनि मंगलि पिल्लितल गुरिगिनाडट.
हिन्दी अनु. बेकार नाई बिल्ली का सिर मूँड़े ।
Eng. tr. A barber without work shaved the cat's head.

पनिलेनि माचकम्म पिल्लिपालु पितिकिनदट.
हिन्दी अनु. बेकार ' माचकम्मा ' बिल्ली का दूध दुहती है ।
Eng. tr. The jade who had nothing else to do milked the cat.

कन्नड   इल्लद बदुकु माडि इलियप्पनिगे चल्लण हेलिसिदरु
हिन्दी अनु.   व्यर्थ का परिश्रम कर के चूहे के लिये पाजामा सिलाया ।
Eng. tr.   They stitched a pant for the mouse by doing unnecessary labour.

एनू केलसविल्लदिद्दरे कंबवन्नादरू सुत्तु भन्द हागे.
हिन्दी अनु.   कुछ काम नहीं तो खम्भा पकड़ो और चक्कर लगाओ ।
Eng. tr.   If there is no work, catch the pillar and go round and round.

कूतुकोंडु मुख एनु माडिकोंड अेंदरे केरकोंडु हुण्णु माडिकोंड.
हिन्दी अनु.   निठल्ले बढ़ई ने कुरेद कुरेद कर अपने मुँह पर घाव बना दिया ।
Eng. tr.   An idle carpenter got ulcer on his face by scratching himself.

केलसविल्लद नायिंद मक्कळ तले बोलिसिद.
हिन्दी अनु.   बेकार नाई अपने बच्चों के सिर मूँड़ाता रहा ।
Eng. tr.   The barber without work shaved the heads of his children.

केलसविल्लद बडगि मक्कळ कुंडि किेत्तु मूरु मणे माडिद.
हिन्दी अनु.   बेकार बढ़ई ने बच्चों के चूतड़ तराश कर तीन तख्तियां बनायी ।
Eng. tr.   The idle carpenter (without work) razed the buttocks of his children and prepared three planks.

मलयाळम्   वेलयिल्लात्त अम्पट्टन् कळुतये पिटिच्चु चिरच्चु.
हिन्दी अनु.   बेकाम के हजामने गधे की हजामत की ।
Eng. tr.   A barber without any work shaved an ass.

८९

भगवान जिसे बचाए, उसे कौन मार सके ?

आशय

भगवान जिस की रक्षा करना चाहता है, उस को कोई नहीं मिटा सकता; और भगवान जिस को मारना चाहे, उसे कोई नहीं बचा सकता। ईश्वर की सर्वोपरी शक्ति का वर्णन इन कहावतों में पाया जाता है।

Subject

God's will is Almighty will. These proverbs tell us how it is impossible to harm him who is protected by God, and to protect him who is to be destroyed by God.

हिन्दी जा को राखे साइयाँ, मारि न सकि हैं कोय।
बाल न बाँका कर सके, जो जग बैरी होय ॥
(भगवान जिस को बचाना चाहे, संसार उस का कुछ नहीं बिगाड़ सकता।)

Eng. tr. Whom the God protects, none can kill; none can harm him, even if the whole world is his enemy.

जा को राम रच्छक, ता को कौन भच्छक ?

Eng. tr. Who can kill him, whom Rama protects ?

राखनहार भए भुज चार तो क्या बिगड़े भुज दो के बिगाड़े।

पाठभेद राखणहार भया भुज चार, तो क्या बिगडै भुज दो के विगाड़े। (राज.)
(यदि चार भुजावाला (परमात्मा) रक्षक है तो दो भुजावाला (मनुष्य) क्या बिगाड़ सकता है?)

Eng. tr. When he that has four hands (Vishnu) is my protector, what harm can he do that has only two ?

साईं जिसको राख ले, मारन-हारा कौन ?
भूत, देव क्या आग हो, क्या पानी क्या पौन ?

Eng. tr. Whom God keeps, who can harm ? Nor devil, nor demon, nor fire, nor water, nor wind.

ENGLISH What God will, no frost can kill.

उर्दू अल्ला रखे तो उसे कौन चखे।
(जिसे अल्ला सँभाले, उसे कौन मार सकता है?)

Eng. tr. Who can harm the one who is looked after by 'Allah'.

जिसको राखे साईयाँ मार न सके कोई।

Eng. tr. One who is saved by God cannot be harmed by anyone.

पंजाबी चक्की फिरदी फिर रही, फिरदी फिरे निश्शंग।
रब जिन्हांनूं रखसी, रहेण किली दे संग॥

हिन्दी अनु. चक्की फिरती फिर रही, फिरती रहे निःसंग।
खुदा रखे जिन को सदा, रहे कील के संग॥

Eng. tr. A hand goes on grinding; it grinds on persistently, whom God protects, remain close to the pin.

जिस नूं रक्खे साइयां मार न सके कोय।

हिन्दी अनु. जिस की रक्षा भगवान करे, उस को कोई न मार सके।

Eng. tr. He, whom providence protects, none can kill.

कश्मीरी यस् दय् दिथि तस् कुस् निथि।

हिन्दी अनु. जिस को दैव दे, उस से कौन (छीन) ले?

Eng. tr. Who can snatch away from him whom God gives ?

सिंधी गुरु हमराहु त कंहिंजो डपुन डाउ।
हिन्दी अनु. गुरु (भगवान) हमराही है तो फिर किस का भय ?
Eng. tr. If God is with us, there is no fear.

छा जे डिंगा डेर, सुंहिंजो डींहुं डिंगो म थिए।
हिन्दी अनु. क्या हुआ यदि मेरे देवर मुझे सताते हैं। (भगवान दयालू है तो फिर इन दुखों की मुझे चिन्ता नहीं।)
Eng. tr. It matters not, if my brothers-in-law (one's husband's younger brothers) trouble me. (Said by a person whose attitude is — God is merciful, and that is enough for me to bear all my troubles.)

धणी हमराहु त कंहिंजो न डाउ।
हिन्दी अनु. भगवान हमराही है तो फिर किस का भय ?
Eng. tr. Whose fear can one have, when God is one's travelling companion ?

राखे राम त मारे केरु ?
हिन्दी अनु. राखे राम तो मारे कौन ?
Eng. tr. Who can kill when ' Rama ' saves ?

सज़ण हुअनि संवां, मरु डेह डिंगायूं कनि।
हिन्दी अनु. ईश्वर यदि हम पर दयालू है, फिर लोक चाहे हमें कितना भी सताएँ, उस की चिन्ता नहीं।
Eng. tr. It matters not if people trouble us, so long as God has mercy for us.

सज़ण हुजनि साणु, त झंग अंदर सोनी खाणि।
हिन्दी अनु. प्रभु हमारे साथ है तो फिर जंगल में भी सोने की खान है।
Eng. tr. If God is with us, there will be a gold-mine even in the jungles.

मराठी देव तारी त्याला कोण मारी.
हिन्दी अनु. जिस को भगवान बचाए उस को कौन मार सके ?
Eng. tr. Who can kill one, whom God saves ?

गुजराती खोदा राखनार तेने कोण मारनार ?
हिन्दी अनु. खुदा राखनहार तो कौन मारनहार ?
Eng. tr. Who can kill him, whom God protects ?

प्रभु पाधरा तो वेरी आंधळा.
हिन्दी अनु. भगवान राजी तो बैरी भी अंधा होता है।
Eng. tr. If God is favourable, the enemy too is blind.

बाङ्ला कार साध्य के बा मारे, खोदा यारे राजि।
हिन्दी अनु. भगवान जिस को बचाए, उसे कौन मार सकता है ?

Eng. tr. Who dare do an evil turn to one whom the God himself protects ?

ठाकुरे करिले हेला, राखालेओ मारे ढेला ।

हिन्दी अनु. ईश्वर करे अवहेला तो ग्वाला भी मारे ढेला ।

Eng. tr. When the God turns away from you, even the lowly cowherds would pelt stones at you.

यारे (जारे) करो मर् मर् , सेपाय देवतार बर ।

हिन्दी अनु. जिस को कहो मर मर, उसे मिला देवी का वर।

Eng. tr. He whom death is wished for by his enemies, may receive a blessing of long life from the Gods.

राखे कृष्ण मारे के ? (मारे कृष्ण राखे के ?)

हिन्दी अनु. जिस को कृष्ण बचाये, उस को कौन मारे ? (मारे कृष्ण तो राखे कौन ?)

Eng. tr. Who kills him whom Lord Krishna is himself guarding ? (And who can save him whom the Lord Krishna is going to kill ?)

असमीया कार बापेकर डर, मथुरापुरत घर.

हिन्दी अनु. किस के बाप का है डर, जब मथुरापुर में है घर ।

Eng. tr. What does one care for anybody, when he has his house in Mathura. (Directly under the protection of Lord Krishna.)

राखे हरि मारे कोन, मारे हरि राखे कोन ?

हिन्दी अनु. यदि ईश्वर रक्षा करे, तो कौन मारे;
यदि ईश्वर मारे, तो कौन बचाए ?

Eng. tr. Who can protect if God kills; who can kill if God protects ?

ओड़िआ जाहाकु रखिबे जगा बळिआ, कि करिब तार बळीबळुआ ।

हिन्दी अनु. जिसे राखे जगन्नाथ, उस का क्या बिगाड़े बलवान ।

Eng. tr. Whom God saves, what can the mighty do to him ?

डर काहाकु भय काहाकु, ठाकुर अछंति चउबाहाकु ।

हिन्दी अनु. डरना किसे, भय किस से, जब ठाकुर (देव) है चारों ओर ।

Eng. tr. Why be afraid of anything, when God is there on all sides.

मारे हरि राखे किए, रखे हरि मारे किए ?

हिन्दी अनु. हरि मारे तो कौन बचाये, राखे प्रभु तो कौन मार सके ?

Eng. tr. If Hari kills, who can save; if Hari saves, who can kill ?

तमिऴ अण्णामलैयार् अरुळुण्डानाल् मन्नारसामि मयिरैप् पिडुंगुमा ?

हिन्दी अनु. भगवान शिव की कृपा हो, तो मन्नार्सामी भगवान बाल भी बाँका नहीं कर सकता ।

Eng. tr. If the favour of Annamalai (Shiva) be obtained, will the God Mannar pull out a hair. (Safe as regards an inferior if protected by a superior.)

कन्नड हनुमन रच्छे इद्दम्यागे भरमन एनु माड्यानो ?
हिन्दी अनु. हनुमान रक्षा करे तो ब्राह्मण क्या करेगा ?
Eng. tr. What can a brahmin do if God Hanuman protects you ?

मलयाळम् दैवानुकूलं उण्टेन्किल् सर्वानुकूलं वरुं.
हिन्दी अनु. ईश्वर अनुकूल रहे, तो सब कुछ अनुकूल होगा।
Eng. tr. if God is favourable, everything else wili be favourable.

संस्कृत अरक्षितं तिष्ठति दैवरक्षितम् ।
सुरक्षितं दैवहतं विनश्यति ॥
हिन्दी अनु. अरक्षित को दैव का संरक्षण मिलता है। दैव ने मुँह मोड़ा तो कितना भी सुरक्षित होने पर भी उस का विनाश होता है।
Eng. tr. What is unprotected gets a divine protection; what is well protected might get ruined, if luck goes against it.

देवः त्राता कः नु हन्ता ।
हिन्दी अनु. जिस की रक्षा भगवान करे, उसे कौन मारे ?
Eng. tr. Who can kill him, whom God protects ?

९०

महान लोग अपने पथ पर चलते रहते हैं।

आशय

सज्जन और महान व्यक्ति निन्दकों की टीका-टिप्पणी से विचलित नहीं होते। वे तो उस निन्दा की परवाह न करते हुए अपने मार्ग पर अग्रेसर होते रहते हैं। गालियाँ या उलाहनों से जिन की चाल रोकी नहीं जा सकती ऐसे लोगों के लिए कैसा सुंदर दृष्टांत इस हिन्दी कहावत में है – "कौआ केकाय मरे, हंसा गमे चले – " (कौआ काँव् काँव् करता रहता है, और हंस अपनी गंभीर चाल से चलता रहता है।)

Subject

The respectable and serious persons do not bother about the abuses of the mean. They keep doing their work steadily. These proverbs are about such people. For instance tha Hindi proverb — " The crow caws continuously, yet the swan keeps on going majestically. "

हिन्दी कुत्ता भौंका ही करता है, हाथी चला ही जाता है।
Eng. tr. The dog may bark, but the elephant goes on.

कुत्ते के भौंकने से हाथी नहीं डरता।
Eng. tr. An elephant is not frightened at the barking of a dog.

कौआ केकाय मरे हंसा गमे चले। (मुं.)
(कौआ काँव् काँव् करता रहता है, और हंस अपनी गंभीर चाल से चलता रहता है।)

Eng. tr. The crow caws continuously, yet the swan keeps on going majestically.

पावणा जीमता ही जाय, रांड़ां रोवती ही जाय। (राज.)
(पाहुने जीमते ही जाते हैं, राँड़े रोती ही जाती हैं।)

Eng. tr. The guests keep eating, and the widows keep weeping.

हाथी चले बाजार, कुत्ते भूंके हजार।

पाठभेद हाथी चले बजार, कुत्ता भोंके हजार। (शाहा)

Eng. tr. When an elephant walks down the market place, a thousand of dogs bark at him.

हाथी लारै कुत्ता मोकळा भुसै। (राज.)
(हाथी के पीछे कुत्ते बहुत से भूँकते हैं।)

Eng. tr. Lots of dogs bark behind an elephant.

ENGLISH The moon does not heed the barking dogs.

उर्दू कुत्ता भौंके, काफ़िला सिधारे।

Eng. tr. The caravan proceeds in spite of the yelping dog.

कश्मीरी हूनि वोरान् तुॅ कारवाँ नुॅ पकान्।

हिन्दी अनु. कुत्ते भौंकते हैं, और कारवाँ चलता रहता है।

Eng. tr. The dogs bark, but the caravan goes on.

सिंधी कलंदरनि पुठ्यां घणेई कुता प्या भौंकनि।

हिन्दी अनु. कलंदरों (फकीरों) के पीछे कुत्ते भूँकते रहते हैं।

Eng. tr. Many dogs bark at Kalandars (muslim monks).

पर पुठि बादिशाहनि खे बि पयूं गार्यूं मिलनि।

हिन्दी अनु. अनुपस्थिति में तो बादशाहों को भी गालियाँ मिलती हैं।

Eng. tr. Even the kings get abused in their absence.

फकीर तूं पंहिंजी राह वठु, कुते खे भौंकणु डे।

हिन्दी अनु. फकीर! तुम अपनी राह लो, कुत्ते को भूँकने दो।

Eng. tr. You go your way, O, fakir! Let the dog bark.

मराठी कुत्री भुंक भुंक भुंकती, डौलाने चाले हत्ती.

हिन्दी अनु. हाथी चलता है अपनी चाल से, कुत्ते उस पर भूँकते रहते हैं।

Eng. tr. The dogs keep barking, but the elephant walks elegantly.

हत्ती चालतो आणि कुत्रे भुंकते.

हिन्दी अनु. (अ) हाथी चाल चलत अपनी, कुत्ता भूंकत वाकु भुंकने दे।
(आ) हाथी अपनी चाल से चलता है, कुत्ता भूँकता ही रहता है।

Eng. tr. The elephant goes his way, and the dogs bark at him.

गुजराती जांगलो जाय, ने कूतरो भसे.
हिन्दी अनु. जंगली जाता है, और कुत्ते भूँकते हैं।
Eng. tr. A barbarian goes, and dogs bark at him.

बाङ्ला गजे आसे गजे याय (जाय), फेउ देखे से कि डराय ?
हिन्दी अनु. हाथी पर आए, हाथी पर जाए, लोमड़ी उस को क्या डराए ?
Eng. tr. One who comes riding an elephant, and goes away on an elephant, how he would fear a fox ?

असमीया कुकुरर भुकनित हाती फिरि नाचाय।
हिन्दी अनु. कुत्ते के भूँकने पर हाथी पलट कर नहीं देखता।
Eng. tr. The elephant does not look back at the barking of dogs.

कै थाक कुकुरणी, शुनि थाकों ठाकुरणी।
हिन्दी अनु. कुतिया भौंकती जाओ, ठाकुराइन सुनती जाओ।
Eng. tr. Let the dog bark, Thakurain, you go on listening.

ओड़िआ हाती चाले बजार, कुकुर भुके हजार।
हिन्दी अनु. हाथी चले बाजार, कुत्ते भूँके हजार।
Eng. tr. As the elephant marches to the bazar, a thousand of dogs bark.

तमिळ चन्दिरनैप् पार्त्तु नाय् कुरैत्तावदेन्न ?
हिन्दी अनु. चाँद को देख कुत्ते के भूँकने से क्या होगा ?
Eng. tr. What will happen if the dog barks at the moon ?

मलैयैप् पार्त्तु नाय् कुलैत्ताल् मलैक्कुक् केडो नाय्क्कुक् केडो ?
हिन्दी अनु. पहाड़ को देख कर भूँकने से हानि कुत्ते को है या पहाड़ को ?
Eng. tr. If a dog barks at a mountain, will the mountain be injured or the dog ?

तेलुगु अडवि नक्कलकु कोत्वालु दुराया ?
हिन्दी अनु. जंगली सियार पर पुलीस की क्या हुकूमत ?
Eng. tr. What does a wild jackal care for the threats of a police officer ?

कुक्क कूसुकुंटे जंगं परपति पोवुना ?
हिन्दी अनु. कुत्ते के भूँकने से क्या जंगम की आमदनी घटती है ?
Eng. tr. Would a barking dog reduce a Jangam's resources ?

कन्नड आने कंडु श्वान बोगळिद हागे.
हिन्दी अनु. हाथी को देख कुत्ता भूँके।
Eng. tr. The dog barks at the sight of an elephant.

बेट्टक्के नायि बोगळि होट्टेयुब्बि सत्तु.
हिन्दी अनु. पहाड़ की ओर भूँक भूँक कर कुत्ते का पेट फट गया।
Eng. tr. The dog barked at the mountain and died of a swollen belly.

मलयाळम् सूर्यन् उदिच्चवरुम्पोळ् पट्टि कुरच्चिट्टु कार्यमेन्तु ?
हिन्दी अनु. उगते सूरज को देख कर कुत्ता भूँके तो क्या होगा ?
Eng. tr. What, if the dog barks at the rising sun ?

संस्कृत अनुहुंकुरुते घनध्वनिं न हि गोमायुरुतानि केसरी।
हिन्दी अनु. सिंह मेघगर्जना को ही प्रतिसाद देता है, न कुत्ते के भूँकने को।
Eng. tr. A lion responds only to the thundering of the clouds, and not to the barking of the dogs.

पिबन्त्युदकं गावो मण्डूकेषु रुवत्स्वपि।
हिन्दी अनु. मेंडक की टरटों चलती रहने पर भी गौएँ पानी पीती हैं।
Eng. tr. Even with the frogs croaking around, cattle drink water.

९१

मान न मान, मैं तेरा मेहमान।

आशय

कई लोग ऐसे होते हैं कि जो जबरदस्ती अपने को दूसरों पर जमा देते हैं। चाहे निमंत्रण मिले, या न मिले, वे समारोह में पहुँच जाते हैं, और खुद को यजमान के निजी सगे जता कर सम्मान पाते हैं। कोई उन्हें अपना समझे, या न समझे, उन्हें उस की चिंता नहीं रहती। वे तो चिपके रहते हैं। ऐसे जबरदस्ती नाता जोड़नेवालों पर इन कहावतों में कुठाराघात किया हुआ है। हिन्दी की यह कहावत देखिये – " बुलावे न चलावे, मैं दुल्हन की चाची। "

Subject

There are people who consider themselves greatly respectable, whether they are considered so by others or not. They impose their relationship on others in a similar way. These proverbs are used for such people. This Hindi proverb vividly expresses the feeling – " Neither called, nor invited and she says, ' I am the bride's aunt. ' "

हिन्दी अइली ना गइली दुके बो कहवली। (चंपा.)
(ससुराल न आई न गई, किसी की बहू कहलाने लगी।)
Eng. tr. She never went to husband's place, nor did she ever come from there, and calls herself the wife of somebody.

आणदीरी नाणदीर भाणीबाई नाँव। (राज.)
आनंदी की नाणदी (ननँद की बेटी) और भाणीबाई नाम। (बेटी या बहन की लड़की ननिहाल में भाणी / भानजी कहलाती है। उस की मामी उसे भाणीबाई कहती है। बहुत दूर की रिश्तेदारी के लिए।)

Eng. tr. Sister-in-law of a distant relation, and calls herself a niece.

आवै न जावै हूं लाडैरी भूवा। (राज.)
(आता है न जाता है, (कहती है कि) मैं दूल्हे की फूफी।)

Eng. tr. She calls herself the bride-groom's aunt even when she knows nothing.

ओलावे न बोलावे सहदेव बहू चाची। (चंपा.)
(बिना बुलाये ही कहती है कि सहदेव की बहू मेरी चाची है।)

Eng. tr. Neither called, nor invited, and she says, the wife of Sahadev is my aunt.

कोई पूछै न ताछै हूं लाडेरी भूवा। (राज.)
(कोई पूछे न ताछे, और कहती है कि मैं दूल्हे की फूफी हूँ।)

Eng. tr. Nobody takes notice of her, and yet she calls herself the bride-groom's aunt.

चिन्ह न जान मौसी मौसी करे। (मुज.)
(जान न पहचान, 'मौसी मौसी' कहे।)

Eng. tr. Neither known nor recognised, he calls her auntie.

डोली न कहार, बीबी भइ है तैयार। (स्त्री.)

Eng. tr. Neither palanquin, nor bearers, and my lady is ready dressed. (She is not wanted, and no conveyance is sent for her.)

धन्ना सेठ के नाती बने, केहू जाने चाहे ना अपने मने। (शाहा.)
(अपने ही मन से धनी व्यक्ति का नाती कहलाता है, दूसरे उस को ऐसा माने या न माने।)

Eng. tr. He calls himself a relative of the rich man, though others don't recognise him as that.

पूछे न आछे, मैं दुलहिन की चाची।
(बिना बुलाये किसी काम में दखल देना।)

Eng. tr, None cares for her, yet she says that she is the bride-groom's aunt.

बनिया देता ही नहीं, कहे – "ज़रा पूरा तोलियो।"

Eng. tr. The merchant refuses to give, and the other says– "Give full weight." (Applied to one, who, so far from taking a refusal goes on to insist on something better that which was denied to him.)

बिन बुलाई डोमनी लड़के वाले समेत आये ।

Eng. tr. Uninvited songstress comes with all her children.

बुलावे न चलावे, मोर तीन बखरे । (पू.)

(किसी ने निमंत्रण भी न दिया, तो वह अपने तीन हिस्से मांगती है ।)

Eng. tr. Neither called, nor invited, and she asks for three shares.

बुलावे न चलावे – " मैं तो दुल्हन की चाची । "

Eng. tr. Neither called, nor invited – " I am the bride's aunt. "

मान न मान, मैं तेरा मेहमान ।

Eng. tr. Recognised or not, I am still your guest. (Addressed by way of reproof to an impertinent intruder.)

मान न मान, मैं दुल्हा की चाची । (स्त्री.)

Eng. tr. Believe me or not, I am the aunt of the bride-groom. (A stranger claiming near relationship with interested motives.)

उर्दू ओढी चादर हुई बराबर, मैं भी शहा की खाला हूँ ।

Eng. tr. I have draped the quilt over me, even I am the Shah's aunt.

जान न पहेचान बड़ी खाला सलाम ।

Eng. tr. There is no acquaintance, but greets her as 'aunt' respectfully.

नात का न गोत का बाँटा माँगे पूत का ।

Eng. tr. He is neither a friend, nor a relation, but asks a share of a son.

मान न मान, मैं तेरा मेहमान ।

Eng. tr. Whether you believe or not, I am your guest.

मियाँ नाक काटने को फिरे, बीवी कहे नथ गढ़ा दो । (स्त्री.)

Eng. tr. The husband comes to cut off her nose, and the wife says, ' buy me a nose-ring. '

पंजाबी ओ फिरे नत्थ कढाणनूं, ओ फिरे नक वढाणनूं ।

हिन्दी अनु. वह तो नथ गढ़वाना चाहे, पति नाक काटने की सोचे ।

Eng. tr. She is going to get a nose-ring, he is prepared to cut off her nose.

सद्दी ना बुलाई, ते मैं लाडे दी ताई ।

हिन्दी अनु. न न्यौती, न बुलाई, (और कहे) मैं दुल्हे की ताई (चाची) ।

Eng. tr. She was neither invited, nor called for, she says, I am the aunty of the bride-groom.

हट्टी वड़णां मिले ना, मेत्तिआ पूरा तोल ।

हिन्दी अनु. (बनिया) हाट में भी न आने दे, तो कहे, पूरा तोल ।

Eng. tr. The shop-keeper won't even let him enter the shop, but he says – oblige me by weighing my purchases properly.

कश्मीरी अख् डुडुँ बेग्नि माजि क्युत् टोक्।
हिन्दी अनु. एक तो अनिमन्त्रित, और फिर माँ के लिये भी थाली लाया।
Eng. tr. Firstly he is uninvited, and moreover asks for a potful for his mother.

ज़ान् नुँ तुँ पाह्छान नुँ तुँ खालाजी सलाम।
हिन्दी अनु. न जान न पहचान, "मौसी जी, सलाम।"
Eng. tr. Neither known, nor acquainted, and says– "Good morning to you, dear auntie."

नुँनि नानि हुन्द् चुँनि आश्नाव्।
हिन्दी अनु. लवण-नानी का कोयला-सम्बन्धी।
Eng. tr. The coal-relative of a salt-grandmother.

मान् या म मान् बुँ छुसय् ज़ोरुँ म्यज़मान्।
हिन्दी अनु. मान न मान, मैं तेरा मेहमान।
Eng. tr. Whether you consent or not, I will be your guest.

सिंधी जञमें को सुञाणेसि ई कोन, चे धाऊं घोट जी पुफी।
हिन्दी अनु. बरात में उसे कोई पहचानता ही नहीं, और कहती है कि मैं दूल्हे की बुआ हूँ।
Eng. tr. No one knows her in the wedding procession, but she calls herself the bride-groom's aunt (his father's sister).

लगे न लाए, गड़ु वेठी खाए।
हिन्दी अनु. न कोई नाता न रिश्ता, वह बीच में आ कर खाने बैठी है।
Eng. tr. She belongs neither among friends, nor relatives, but has come to the centre of the group to partake their meals.

मराठी आऊचा काऊ, तो म्हणे माझा मावस भाऊ.
हिन्दी अनु. उस के चाचा का भतीजा कहे, मैं तेरा मौसेरा भाई।
Eng. tr. One, whose relationship cannot be traced, claims to be my first cousin (i.e. my mother's sister's son).

कुठले कुठे, धन् उठे उठे भेटे.
हिन्दी अनु. किस का कौन, और दौड़ता गया मिलने।
Eng. tr. An unknown person greets politely with zeal. (When a man not much known is extra civil, one suspects some design.)

पाहुण्याचे पाहुणे, कोंडिबाचे मेव्हणे.
हिन्दी अनु. मेहमान का मेहमान, कोंडिबा के सालेजान।
Eng. tr. Guest of another guest, claims to be the brother-in-law of 'Kondiba' (i.e. Kondiba's wife's brother).

लग्नाला येऊ नको, तर म्हणे – "कुठल्या घोड्यावर बसू?"
हिन्दी अनु. शादी में बुलाया तक नहीं, और कहे – "किस घोड़े पर बैठूँ?"
Eng. tr. Wasn't invited for the wedding, yet wants to know which horse he should ride.

हिश्शाचा हिस्सा, हिंवर चिंचेचा भाचा, आणि त्याला आला उल्हासा.

हिन्दी अनु. हिस्से में हिस्सा, बेर इमली का भाँजा, और उस का बढ़ा उछाह।

Eng. tr. Even the youngest in a large family (a large joint family) claims some relationship to get his share (a part of the whole wealth).

गुजराती **गाममां पेसवाना सांसा, ने पटेल ने घेर ऊनां पाणी.**

हिन्दी अनु. गाँव में पैठना दूभर और पटेल (जमींदार, मुखिए) के घर गरम पानी। (शेखी मारना कि जमींदार या पटेल के घर मिजवानी करता है।)

Eng. tr. Difficulty even in entering the village, and yet (wants) hot water ready at the Patel's house.

जानमां कोई जाणे नहि, ने हुंबी वरनी फुई,
गाडामां कोई ले नहि, ने दोडी दोडी मुई.

हिन्दी अनु. बरात में कोई पहचाने नहीं, और मैं वर की बुआ। गाड़ी में (बैलगाड़ी में) कोई बिठाये नहीं, और दौड़ दौड़ मुई। (बहुत थक गई।)

Eng. tr. None knows her in the marriage party, and yet – " I'm the bride-groom's aunt. " None takes her into the cart, and she dies of running after the cart.

बाङ्ला **बापे-पोये बराती, माये-झिये एयोती ।**

हिन्दी अनु. बाप-बेटे बराती, माँ-बेटी सुहासिनी।

Eng. tr. Father and son as the ' best men ', and mother and daughter as the auspicious guests. (The whole family getting in as invitees.)

मान् बा ना मान् तोर बाड़ी मोर मेजबान ।

हिन्दी अनु. मान या न मान, मैं तेरे घर मेहमान।

Eng. tr. You may agree or you may not, I shall be your guest and share your pot.

असमीया **आह बर डेका भोज् खाब याओं (जाओं) ।**

हिन्दी अनु. आओ भैया, भोज के लिए चलें।

Eng. tr. Come elder brother, let us go and eat at the feast (uninvited).

पलेकर पेलेक, कुकुराचोवार भगिनीयेक ।

हिन्दी अनु. न जाने कौन कहीं का है, कहता है कुक्कुटाधिकारी का भानजा हूँ।

Eng. tr. Nobody knows where he comes from, he claims to be the nephew of the officer who looks after the live fowl.

रहार रहदै, तिपामर भादै, सलगुरिर आघोनी बाई, तिनिओ तिनिर डिङित धरि कान्दे, समन्धर एकोडाल नाइ ।

हिन्दी अनु. रहा की रहदै, तिपाम की भादै, सलगुरि की आघनी बाई, तीनों एक दूसरे के गले में बाहे डाल कर रोती हैं, वास्तविक एक दूसरे से कोई संबंध नहीं।

Eng. tr. Rahdai belongs to Raha and Bhadai belongs to Tipam, Aghanibai comes from Salguri, all the three weep with their hands round each other's neck, though there is no relationship between themselves.

हातत धरि नियोता नाइ, पथालि-कोलालै कान्दे ।

हिन्दी अनु. हाथ पकड़ने वाला नहीं, गोद में उठाने के लिये रोवे ।

Eng. tr. None to hold him by hand, and he cries to sit on the hips.

ओड़िआ दिने नाही, काळे नाही, गम्हाँ पुनेइँ दिन माइँ माइँ ।

हिन्दी अनु. एक दिन भी नहीं, जीवन में भी कभी दर्शन नहीं हुए, रक्षाबंधन को कहे, "बहन बहन।"

Eng. tr. To call one sister on Rakhi-purnima day, when never before there was any such relation.

देखा नाहिं कि शुणा नाहिं, हाटरे लाटरे माइँ माइँ ।

हिन्दी अनु. देखा नहीं, कि कभी इस के बारे में सुना नहीं, झूठ-मूठ में जगह जगह माँ माँ करे।

Eng tr. Had never seen him or heard of him, but he calls me anywhere and everywhere – auntie, auntie !

तमिळ् पंदियिले वेण्डाम् अॆन्ऱाल् इलै पोत्तल् अॆन्किराय्.

हिन्दी अनु. दावत में ही नहीं बुलाया, और कहते हो कि पत्तल में छेद है।

Eng. tr. When rejected at the feast, thou sayest that the leaf is torn.

तेलुगु ऊरे चेर वद्दुरौता ! अंटे, गुर्रान्नि अॆक्कड कट्टेदि अन्नाड्डु.

हिन्दी अनु. गाँव में जाने से मना किया, तो घुड़स्वार पूछता है, घोड़ा कहाँ बांधूँ।

Eng. tr. The rider is told not to approach the town, but he asks, 'in which stable should I keep the horse?'

चोटे लेदंटे, मूल अॆक्कड वेदकुदुनु अन्नाडट.

हिन्दी अनु. जगह ही नहीं कहने पर, मेरे लिये कमरा तो दो कहता है।

Eng. tr. When I say "there is no place," he asks, "where is the room for me?"

तागबोते मज्जिग लेदंटे, पेरुगुकु चाटि व्रायमन्नाडट.

हिन्दी अनु. पीने के लिये छाछ नहीं कहा, तो दहीं मंगवाने कहता है।

Eng. tr When told that there was no butter milk to drink, he ordered curds.

नी पेरंट में अक्करलेदंटे करकंचुचीर कट्टुकोनि वस्तानंदट.

हिन्दी अनु. तुम्हारे उत्सव में आने की जरूरत नहीं कहने पर, 'मैं रंगीन रेशमी साड़ी पहन कर आऊँगी' कहती है।

Eng. tr. 'Don't come for the function-' says one. 'No, no, I will come in coloured silk saree-' says the other.

पिलुवनि पेरंटमु.

हिन्दी अनु. बिना निमंत्रण के सुहागिनों में शामिल।

Eng. tr. Getting mixed up in the assembly of women without any invitation.

मोदलु लेदु सुब्बक्का! अंटे मुंतेडी पेद्दक्का अंदट.

हिन्दी अनु. मेरे पास थोड़ा भी नहीं है सुब्बक्का! — मटका भर दे दो पेद्दक्का।

Eng. tr. I have nothing Subbakka— says one. Give me a potful, Peddkka – says the other.

वेंट रावद्दंटे एत्तुकोम्मानि एड्चाडट.

हिन्दी अनु. 'साथ न चलो' कहने पर कहा कि 'मुझे उठा ले चलो'।

Eng. tr. Asked not to come, he wanted to be carried.

कन्नड छीः अंदरे तन्न बा अंदरु.

हिन्दी अनु. हट कहा तो अंदर आ समझा।

Eng. tr. When said 'fie', he meant come.

संस्कृत अस्माकं बदरीचक्रं बदरी च तवाङ्गणे।
बादरायणसम्बन्धाद्यूयं यूयं वयं वयम्॥

हिन्दी अनु. हमारे रथ का चक्र बेर के पेड़ का है, बेर का पेड़ तुम्हारे भी आंगन में है, ऐसे तुम्हारा हमारा बादरायण संबंध है।

Eng. tr. We own a wheel made out of the Badari-wood, while the Badari-tree itself has grown in your court-yard; thus; though strangers, we are related by contact with Badari-tree.

९२

मियाँ की दौड़ मस्जिद तक।

आशय

हर एक व्यक्ति की अपनी सीमित शक्ति रहती है, जिस के बाहर वह कोई कार्य नहीं कर सकता। अपनी औकात तक उस की कार्यक्षमता सीमित रहेगी। वह मर्यादा व्यक्ति-व्यक्ति या जीवित प्राणियों में भिन्न रहेगी, और उस की दौड़ वहाँ तक ही होगी, जितनी उस की कुव्वत हो। उस के बाद वह कुछ नहीं कर पाएगा। मलयाळम् की इस कहावत में यह भाव सुस्पष्ट है — "गँवारन् घर से निकली, तो मंदिर तक ही जाएगी।"

Subject

Every living being has a restricted amount of strength, beyond which, it is impossible to go. The following set of proverbs tell us of these limits.

For instance the Malayalam proverb — " If the country woman starts from home, she will go only upto the temple gate. "

हिन्दी गिरगिट की दौड़ बिटौरे तक।
Eng. tr. The chamelion runs upto the heap of cow-dung.

पितर रूसिहन तऽका लीहन तिल गुड़ खइहन। (शाहा.)
(मृत पूर्वज रुष्ट होंगे तो क्या बिगाड़ेंगे, बहुत हुआ तो तिल और गुड़ खाने को लेंगे।)
Eng. tr. If the dead ones are displeased, what harm would they do? At the most, they will ask for seasamum and gur to eat.

फूफोजी रुससी तो भूवाजीनै राखसी। (राज.)
(फूंफाजी रूठेंगे तो फूंफीजी को रख लेंगे। और क्या करेंगे ?)
Eng. tr. If the uncle gets angry, he will keep the aunt. (What else can he do?)

भेड़ की लात घुटनों तक।
Eng. tr. A sheep can kick as far as the knee, and no further.

मियाँ/मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक।
पाठभेद मियैंजीरी दोड़ मसीत ताणी। (राज.)
Eng. tr. The mullah's run is only as far as the mosque.

राजा रूठेगा, अपना सुहाग लेगा, क्या किसी का भाग लेगा।
Eng. tr. If the king be displeased, he can take back his gifts; he can not take away anybody's fate.

रूसल जमैया करता की, धिया छाड़ि कै लेता की। (मुज.)
(दामाद रूठ कर क्या करेगा ? बहुत होगा तो अपनी बहू को ले जाएगा।)
Eng. tr. If ever the son-in-law is displeased, what can he do? At the most, he will take away his wife (my daughter) with him.

उर्दू मुल्ला की दौड़ मस्जीद तक।
Eng. tr. The mullah can reach only as far as the mosque.

राजा रूठेगा, अपनी नगरी लेगा।
Eng. tr. If the king be offended, he will take back his gifted land.

पंजाबी मुल्ला दी दोड़ मस्जीद तक।
हिन्दी अनु. मुल्ला की दौड़ मस्जीद तक।
Eng. tr. The mullah's run is as far as the mosque.

कश्मीरी मलॅ गोय् पलॅ पेठि पोनि डलिथ्।
हिन्दी अनु. मुल्ला, पत्थर पर पानी उंडेल गया।
Eng. tr. Mullah, water has flown over a boulder.

मलस् दुॅख् छे मशीदि ताम् ।
हिन्दी अनु. मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक ।
Eng. tr. A mullah's run (beat) is only upto the mosque.

शालस् लोह् ज्यूठ् पानस् बुरुन् वलुन् ।
हिन्दी अनु. गीदड़ की पूछ लम्बी होती है, स्वयं को ओढ़ने-ढाँपने के लिए ।
Eng. tr. The jakal has a long tail to serve him as his wraper.

सिंधी उमरु वडी वठी मारुई वठंदो थरु त कीन थेल्हींदो ।
हिन्दी अनु. उमर बादशाह ज़्यादा से ज़्यादा मारुई को ले जाएगा, सारे थर प्रदेश को तो नहीं ढकेलेगा। (कोई माँ-बाप से रूठा, तो पत्नी को ले जाएगा, उन्हे धक्के दे कर तो नहीं निकालेगा।) (उमर-मारुई सिंधु की प्रसिद्ध प्रेमगाथा है ।)
Eng. tr. Umar baadshah will take away Marui at the most, he won't be able to take away the whole plain (i.e. he who gets angry with his parents will take his wife away, he won't push his parents out). (Umar-Marui are legendary lovers of Sind.)

चणो फुंडी को बठु भरींदो ?
हिन्दी अनु. चना भूनने पर फूल कर बठ्ठी को नहीं भरेगा ।
Eng. tr. When the gram is parched, it doesn't swell up so much as to fill the oven.

फ़कीर जी कावड़ि पाण ताईं ।
हिन्दी अनु. फ़कीर का गुस्सा खुद तक । (अर्थात्, गुस्सा हुआ तो गरीब औरों को क्या करेगा ?)
Eng. tr. A poor fakir's anger is restricted to himself.

राणी रुसंदी त पांहिंजो सुहागु वठंदी, कंहिं जो भागु त कीन वठंदी ।
हिन्दी अनु. रानी रुठेगी तो अपना सुहाग लेगी, किसी का भाग्य तो नहीं लेगी ।
Eng. tr. If the Queen is angry, and offended, she may harm her husband, but she can't control anyone's destiny.

वह कुड़े कीरे आहर ।
हिन्दी अनु. बछड़ा कील में बंधी हुई रस्सी के अनुसार ही दौड़ेगा ।
Eng. tr. A calf will run as much as its rope tied to a peg allows it.

हंडी उभा मंदी त पहिंजा कना खाईंदी ।
हिन्दी अनु. हंडिया उबलेगी तो अपने ही किनारे खाएगी ।
Eng. tr. When the pot boils, it eats its own rims.

मराठी आंधळे धावे कुडावेरी / आंधळ्याची धाव कुडापर्यंत.
हिन्दी अनु. अंधे की दौड़ टट्टी तक । (दीवार तक ।)
Eng. tr. A blind man can reach only upto the wall.

आखला सुटला तर उकिरडा उकरील, पर्वताशी थोडीच टक्कर घेणार आहे ?

हिन्दी अनु. साँड़ छूटा तो कूड़ा-करकट खोदेगा, पर्वत से थोड़े ही टक्कर लेगा ?

Eng. tr. A bull let loose will dig the rubbish-heap, but will not be able to dash against a mountain.

काज़व्याचा उजेड त्याच्या अंगाभोवती.

हिन्दी अनु. जुग्नू का प्रकाश उस के शरीर तक सीमित।

Eng. tr. The light of a firefly is sufficient for itself only.

काज़व्याचा उजेड काज़व्याभोवती / काज़व्याचा उजेड गांडीपुरता.

हिन्दी अनु. (अ) जुग्नू का प्रकाश उस के शरीर के चारों ओर।
(आ) जुग्नू का प्रकाश उस की गांड तक।

Eng. tr. A glow-worm's glow is only around itself.

बायकांचे शहाणपण चुलीपुढे / चुलीपुरते.

हिन्दी अनु. औरतों की अक़्ल चौके तक।

Eng. tr. Wisdom of women is seen before a kitchen stove.

सरड्याची धाव कुंपणापर्यंत.

हिन्दी अनु. गिरगिट की दौड़ आहते तक।

Eng. tr. A chamelion's pace is only upto the fence.

गुजराती गीरगुतनी दोड वाड सुधी.

हिन्दी अनु. गिरगिट की दौड़ बाड़ी (बागुड़) तक।

Eng. tr. Chamelion's run is only upto the hedge.

पटेल नी घोडी पादर सुधी.

हिन्दी अनु. पटेल की घोड़ी सीमा तक (गाँव की सीमा) ही अपना प्रभुत्व दिखाती है।

Eng. tr. The mare of the Patel runs upto the outskirts of the village.

मंकोडो माने कहे गोळनुं भीलु ताणी लावुं,
तो कहे तारी केडज कही आपे छे.

हिन्दी अनु. मकोड़े ने माँ से पूछा कि क्या मैं गुड़ की गाँठ उठा लाऊँ ?
माँ ने कहा – बेटा, तेरी कमर से ही (ताक़त) ज़ाहिर है।

Eng. tr. The ant asked its mother, may I fetch the whole cake of jaggery ?, to which she replied, "Your waist itself declares it."

माळी रूठ्यो फूल लेशे, कांई चोटली तो नहीं ले.

हिन्दी अनु. रूठा माली फूल ही तो ले लेगा, चोटी तो नहीं लेगा।

Eng. tr. The gardener, if angry, would take away flowers; would not pluck the tuft of hair.

मियानी घोडी पादरडां वेर.

हिन्दी अनु. मिया की घोड़ी गाँव की सीमा तक।

Eng. tr. Miyan's mare (would run) as far as the outskirts of the village.

मुडदाना वळामण मसाण सुधी.
हिन्दी अनु. मुर्दे को स्मशान तक पहुँचाना। (आगे नहीं।)
Eng. tr. The dead body can be seen off upto the cremation ground, (not further).

मुल्लानी दोड मसीद सुधी.
हिन्दी अनु. मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक।
Eng. tr. Mullah would run as far as the mosque.

ससलानी दोड सीम सुधी.
हिन्दी अनु. खरगोश की दौड़ सीमा तक (गाँव की)।
Eng. tr. A hare would run upto the outskirts of the village.

बाङ्ला मोल्लार दौड़ मसजिद तक्।
हिन्दी अनु. मुल्ले की दौड़ मस्जिद तक।
Eng. tr. A mullah's reach is only upto the mosque.

रुषबेन जामाइ नेवेन झि, एर बेशी आर करबेन कि ?
हिन्दी अनु. सनकी जमाई बेटी को ले जायगा, इस से अधिक क्या करेगा ?
Eng. tr. What more will a disgruntled son-in-law do than taking away the daughter (his wife) with him ?

असमीया कुकुरे यिमानेइ कामोरक तेओ आठुर तल।
हिन्दी अनु. कुत्ता कितना भी काटे, फिर भी घूटनों के नीचे।
Eng. tr. Howsoever the dog may bite, it can bite below the knees only.

ओड़िआ एण्डार दउड कुढ जाए।
हिन्दी अनु. गिरगिट की दौड़ घेरे तक।
Eng. tr. A chamelion can run only upto the fence.

एण्डुअ धाउ किआ बुदाकु।
पाठभेद एण्डुअ दौड़ सिजु बुदा।
हिन्दी अनु. गिरगिट की दौड़ केवड़े की बाड़ तक। (जिस की शक्ति सीमाबद्ध हो।)
Eng. tr. The chamelion can run only upto the pandanus fence.

कुम्हार बलद माटि गाड़िआ पर्यन्त।
हिन्दी अनु. कुम्हार का बैल मिट्टी की गाड़ी तक (सीमित है)।
Eng. tr. The potter's bullock's run is upto the pit of mud/earth.

नेऊळ धाऊडि किआ बाड़ जाए।
हिन्दी अनु. नेवले की दौड़ केवड़े की बाड़ तक।
Eng. tr. The mongoose can run only upto the pandanus hedge.

तमिऴ् इराजन् शॆंगोल तन् नाडुवरैयिल्.
हिन्दी अनु. राजा का शासन अपनी सीमा तक।
Eng. tr. A king's sceptre extends to the limit of his territory.

कळुदै तप्पिनाल् कुट्टिच्चुवरिडत्तिल इरुक्कुम्.

हिन्दी अनु. गधा भागे तो टूटी दीवार के पास।

Eng. tr. If an ass goes astray, it may be found near a ruinous wall.

कुदुरैक्कु वाल् इरुन्दाल् कुण्डिमट्टिलुम्.

हिन्दी अनु. घोड़े की दुम चूतड़ तक।

Eng. tr. Tail of a horse is only upto its buttocks.

मुरुक्कुप् परुत्तु अेन्न तूणाकप् पोगिरदा ?

हिन्दी अनु. मुर्कु पेड़ बड़ा हो कर क्या खंभा होनेवाला है ?

Eng. tr. What, if the murukku tree grows large, will it do for a pillar ?

तेलुगु कुंटिवानि पत्तेसु इंटिमुंदरे.

हिन्दी अनु. लंगड़े की धाक आँगन तक (जमती है)।

Eng. tr. A lame man's terror is only upto his court-yard.

गुर्रानिकि तोक उण्टे तने विसुरु कोण्टुन्दि गानि, साविट्लो उण्डे गुर्रालकन्निटिकि विसुरुतुन्द.

हिन्दी अनु. घोड़े को पूँछ होती है तो वह अपने (मच्छरों को) मार भगाता है, घुड़साल के सभी घोड़ों के नहीं।

Eng. tr. If the horse has a tail, it drives away the flies on his own (body), not the flies on all the horses of the stable.

कन्नड अळिय मुनिदरे, मगळ करकोंडु होदानु.

हिन्दी अनु. दामाद रूठे तो बेटी को साथ ले जाएगा न ?

Eng. tr. If the son-in-law is angry, he will only take away the daughter (his wife).

ओग्गिद कत्ते अगसगित्तिय ताबु होयितु.

हिन्दी अनु. पालतू गधा जाय कहाँ ? – धोबिन के पास !

Eng. tr. The accustomed ass went to the washer-woman.

कुदुरेगे बालविद्दरे तनगे ताने बीसिकोळ्ळुत्ते.

हिन्दी अनु. घोड़े की पूँछ घोड़े को (अपने को) ही हवा करे।

Eng. tr. The horse's tail fans its own back.

शानुभोग ऊरमुंदे बैदरे, कुळवाडि ओले मुंदे बैद.

हिन्दी अनु. पटवारी ने गाँव के सामने गालियाँ दी तो खेतीहर चूल्हे के पास से गालियाँ देगा।

Eng. tr. If the village-accountant abuses right in the midst of the village, the poor tiller can do it only by the side of his oven.

मलयाळम् इट्टियम्म चाटियाल् कोट्टियम्पलं वरे.

हिन्दी अनु. गँवारन् घर से निकली तो मंदिर तक ही जाएगी।

Eng. tr. If the country woman starts from home, she will go only upto the temple gate.

चेम्मीन् तुळ्ळियालुं मुट्टिनुमीते पोङ्डा.

हिन्दी अनु. झींगा उड़े भी तो घुटने तक।

Eng. tr. Shrimp will jump only knee-high.

नदि ओलुकियाल् कटलिलोळम्.

हिन्दी अनु. नदी बहे तो सागर तक।

Eng. tr. The river flows only upto the sea.

संस्कृत शूरोऽसि कृतविद्योऽसि दर्शनीयोऽसि पुत्रक।
यस्मिन्कुले त्वमुत्पन्नो गजस्तत्र न हन्यते॥

हिन्दी अनु हे पुत्र, तुम शूर हो, विद्यावान हो, सुंदर हो, पर जिस कुल में तुम ने जनम लिया है, उस कुल में हाथी किसी ने मारा नहीं है। (तुम्हारे पराक्रम की सीमा है।)

Eng. tr. You are brave, learned, and handsome, no doubt my dear! But the family in which you are born is not capable of killing an elephant.

९३

मुख में राम, बगल में छुरी।

आशय

बाहर से सज्जनता प्रकट करने वाले दुष्ट प्रकृति के व्यक्तियों पर इस कहावतों के गुच्छे में व्यंग साधा गया है। मुँह में मीठे मीठे बोल रख कर भावुक लोगों को ठगनेवाले समाजकंटक सब जगह प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। लोगों के श्रद्धाभावों को आवाहन कर के उन के भोलेपन का फायदा उठा कर, उन को लुट कर अपने को मालामाल करने वालों की पोल इन कहावतों में खोल दी गयी है। यह मलयाळम् कहावत देखिए — "मन में छुरी, मुँह में हरि।"

Subject

There are people who look polished and good outwardly, but are scoundrels within. This set of proverbs is used for such people. These hypocrites exploit people for their selfish motives. This Malayalam proverb — "Dagger in the heart, and gospel in the mouth." eloquently expresses this idea.

हिन्दी ऊपर ऊपर जापू माला, मन में छत्तीसो कला। (मुज)
(ऊपर से दिखावे के लिये माला जपते हैं, और मन में तरह-तरह के दाँवपेच रखते हैं।)

Eng. tr. He counts beads for outward show, but has hundreds of guiles in his mind.

ऊपर चिकन भीतर रूखड़। (चंपा.)
(ऊपर से चिकना, भीतर शुष्क।)
Eng. tr. Very smooth to look at, but quite dry within.

ऊपर (हाथ में) माला, भीतर कुदाली। (राज.)
Eng tr. Has a rosary in the hand, but an axe hidden underneath.

ऊपर मीठ भीतर तीत। (चंपा.)
(ऊपर से मीठी बातें करे, और मन में द्वेष रक्खे।)
Eng. tr. Sweet on the surface, but bitter inside.

ऊपर से राम-राम, भीतर कटारी घाव। (पट.)
Eng. tr. Would chant 'Ram-Ram' outwardly, but has a dagger in his heart.

ऊपर से राम-राम, भीतर कसाई का काम।
Eng. tr. Outwardly a psalm-singer, inwardly a very butcher.

ऊपर से 'राम राम', भीतर से सिद्ध काम। (चंपा.)
Eng. tr. Outwardly a psalm-singer, but selfish inwardly.

बगल में छुरी, मुँह मे राम।
Eng. tr. A dagger in his sleeves, and 'Ram' in his mouth.

मन मलीन, सुंदर तन कैसे ? बिख रस भरा कनक घटक जैसे।
Eng. tr. With a foul mind shall the body be fair ? It is golden vessel filled with poison.

मुँह की मीठी हाथ की झूटी। (स्त्री.)
Eng. tr. A sweet tongue, and a false hand.

मूँ मीठी, पेट खोटो (राज.)
(मुख मीठा, पेट खोटा।)
Eng tr. Talks sweetly, but has falsehood within her.

मुख में राम, बगल में छुरी।
Eng. tr. God on his tongue, and a knife under his arm.

राम नाम जपना, पराया माल अपना।
Eng tr. Calling on God, he makes others' property his own.

हाथ में माला, पेट कुदाला। (राज.)
(हाथ में माला, और पेट में कुदाली।)
Eng. tr. A rosary in the hand, and an axe in the stomach.

ENGLISH

1. A liquorish tongue, a lecherous tail.
2. God in his tongue, and devil in his heart.
3. To laugh in one's face, and cut throat.
4. Bees that have honey in the mouth, have stings in their tails.

5. Full of courtesy, full of craft.
6. A dimple in the chin, a devil within. (Irish)
7. When the devil prays, he has a booty in his eye.
8. Beads about the neck, and the devil in the heart.
9. Cider is treacherous, because it smiles in the face, and then cuts the throat.
10, The cross on the breast, and the devil in the heart.
11. A fair face, and a foul heart.
12. A honey tongue, a heart of gall.
13. Many kiss the hand they wish to cut off.
14. A woman will laugh in your face, and cut your throat.

उर्दू **ज़ाहिर रहमान का, बातिन शैतान का।**
(बाहर से भगवान, भीतर शैतान।)
Eng. tr. A saint to look at, but a devil within.

मुख में राम, पेट में छुरी।
Eng. tr. He has God's name on his lips, but a knife hidden within.

सिर सिजदे में, मन बदियों में। (मु.)
(प्रार्थना में सिर झुका हुआ, पर मन पापी विचारों से भरा हुआ।)
Eng. tr. Bowing of the head in prayer, and heart full of evil.

पंजाबी **कच्छे छुरी, मूँह विच राम राम।**
हिन्दी अनु. बगल में छुरी, मुँह में राम।
Eng. tr. A knife under the armpit, and ' Ram-Ram ' on the tongue.

कबर चूने गच, ते मुर्दा बेईमान।
हिन्दी अनु. कब्र चूने से पोती हुई, पर मुर्दा बेईमान।
Eng. tr. A whitened grave, but the dead was a heretic.

मूँह मोमन्दाँ ते अंदर काफरांदा।
हिन्दी अनु. चेहरा साधु का, मन काफर का।
Eng. tr. The face of a saint, and an infidel at heart.

शकल् मोमना दी, ते कम काफरांदे।
हिन्दी अनु शक्ल भोली सी, काम काफ़रों का।
Eng. tr. He has the face of a true believer, but his actions are of an infidel.

कश्मीरी **बेबि अंदर् फांसि तुँ अथस् क्यस् तस्बीह।**
हिन्दी अनु. कपड़ों में (छिपाए हुए) फाँसी, और हाथ में जपमाला।
Eng. tr. The noose under the cloak, and the rosary in the hand.

सिंधी **अंदर कारो कांउ, ॿाहिर ॿोलि हंज जी।**
हिन्दी अनु. उस का मन तो कौए जैसा काला है, लेकिन बाहर से हंस के समान मधुर बोलता है।

Eng. tr. His mind is as black as a crow, but speech as white as a swan.

कल्ब में कांउ, बाहिरि बोली हंज जी।

हिन्दी अनु. भीतर तो कौआ है, बाहर हंसों की बोली बोलता है।

Eng. tr. He is like a crow from within, but speaks like a swan ostensibly.

मुंहं जो मिठो, अंदर जो कारो।

हिन्दी अनु. मुँह का मीठा, अंदर का काला।

Eng. tr. Sweet of face, and black within.

मुंहं त आहेयांई उजिरो, कल्ब में कारो।

हिन्दी अनु. मुँह तो आईने से भी उज्ज्वल, पर हृदय में काला।

Eng. tr. The face is whiter than the mirror, but the heart is black.

मुंहं में मुलो दिलि में कसाई।

हिन्दी अनु. मुँह में मुल्ला, दिल में कसाई।

Eng. tr. A priest in appearance, a butcher at heart.

मुंहुं त मूसा जहिड़ो, आदत में इब्लीसु।

हिन्दी अनु. मुँह तो मूसा का, आदतों में इब्लीस (शैतान)।

Eng. tr. Has a face like Moses, but habits like Saitan.

मुंहुं त मूसा जहिड़ो, सीरत शैतानी।

हिन्दी अनु. मुँह तो मूसा का, सीरत शैतानी।

Eng. tr. Face like Moses, but behaviour like Saitan.

वातमें माखी, दिलि में काती।

हिन्दी अनु. मुँह में शहद, दिल में तलवार।

Eng. tr. Honey in his mouth, and knife in his heart.

मराठी करणी कसाबाची व बोलणी मानभावाची.

हिन्दी अनु. करनी कसाई की, और वाणी गरीब की।

Eng. tr. Behaves like a butcher, but talks like a respectable person.

तोंडावर हांजी हांजी, नि मागे दगलबाजी.

हिन्दी अनु. मुँह पर हाँजी हाँजी, और पीछे दगलबाजी।

Eng. tr. Very obediently says, ' Yes, sir ' in front of him, and betrays him behind his back.

हृदयाचा उन्हाळा आणि डोळ्यांचा पावसाळा.

हिन्दी अनु. हृदय में गरमी, और आँखों में बरसात।

Eng. tr. Summer in the heart, and rains (monsoon) in the eyes. (Hard-hearted inside, but shows great sympathy outside.)

गुजराती डोकमां माळा ने पेटमां लाळा.

हिन्दी अनु. गले में माला, और पेट में ज्वाला।

Eng. tr. A rosary round the neck, and cinders in the stomach.

पगे पावडी, ने बगलमां छुरी, भणे भणे ने दियानत बुरी.

हिन्दी अनु. पैर में पावड़ी (खड़ाऊ) और बगल में छुरी, पढ़े लिखे पर नियत बुरी।

Eng. tr. Wears wooden shoes as footwears, but hides a dagger under his arm; though educated and worldly wise, his intentions are wicked (evil).

पगे माछला मारे, ने मोढे राम पोकारे.

हिन्दी अनु. पैर से मछली मारना, और मुँह से राम पुकारना।

Eng. tr. Kills fish under his feet, and utters the name of Ram (by mouth).

बावो बेठो जपे, ने जे आवे ते खपे.

हिन्दी अनु. साधू बैठा जप करने, और जो मिले सब खाय।

Eng. tr. The monk sits muttering prayer, and consumes whatever is offered.

बिलाडाए केदार-कंकण पहेर्युं.

हिन्दी अनु. बिल्लीने केदार-कंगन पहना।

Eng. tr. The cat wore the kedar-bracelet.

केदार-कंकण – bracelet worn to indicate pilgrimage to holy place.

मोढे मिठास, पेटमां कडवास.

हिन्दी अनु. मुँह में मिठास, और पेट में कड़ुआपन।

Eng. tr. Sweetness in the mouth, but bitterness in the stomach.

बाङ्ला आधा शाशुड़ी आधा बधू, मने विष मुखे मधु।

हिन्दी अनु. आधी सास, आधी बहू; मन में विष, मुख में मधु। (बड़ी बहू सास बनेगी।)

Eng. tr. An elderly daughter-in-law is soon mother-in-law; there is poison in her heart while the tongue is honey-tipped.

एक हात गलाय, एक हात पाये।

हिन्दी अनु. एक हाथ गले में, दूसरा पाँव पर।

Eng. tr. One hand at the throat, and another on the feet.

कपट प्रेमे लुकोचुरि, मुखे मधु हृदे छुरि।

हिन्दी अनु. कपट प्रेम की लुकाछिपी (आँख-मिचौली), मुँह में मधु और छाती में छुरी।

Eng. tr. Sham love plays hide-and-seek; honey-tipped tongue and knife in the heart.

दुष्ट लोकेर मिष्ट कथा घनिये बसे पाशे,
कथा दिये कथा लय प्राणे मारे शेषे।

हिन्दी अनु. दुष्ट की मीठी बात, आ कर बैठे पास,
बातों बातों में बात निकाले, और बाद में जान ले।

Eng. tr The sweet words of bad men soon overwhelm you with (tricky) words. They extract words from you, and in the end, destroy you.

बगले छुरि, मुखे रामनाम।

हिन्दी अनु. बगल में छुरी, मुँह में रामनाम।

Eng. tr. Name of the God on the lips, and a knife hidden under the armpit.

मुखटि मिठे, निम-निसिन्दा पेटे।

हिन्दी अनु. मुँह मीठा, पेट में नीम-निसिन्दा (कड़ुवाई)।

Eng. tr. Mouth full of sweetness, but stomach full of Neem and Nisinda. (both bitter herds.) (Sweet tongue and bitterness inside).

मुखे मधु, अन्तरे विष।

हिन्दी अनु. मुँह में मधु, मन में ज़हर।

Eng. tr. Honey-tipped tongue, and poison behind it.

मुखे रामनाम, बगले छुरी।

हिन्दी अनु. मुख में रामनाम, बगल में छुरी।

Eng. tr. God's name on the tongue and a dagger hidden under the arms.

असमीया गडगञा मितिरर भाओ, मुखेरे बोले थाक थाक भरिरे हेंचोके नाओ।

हिदी अनु. गड़गाँव के दोस्त की क्या कहे, मुँह से कहे, ठहर ठहर, पैर से धकेल दे नाव।

Eng. tr. The friend of Gadgaon is queer, asks you to wait, but pushes your boat away.

पेटत गरल, मुखत मौ।

हिन्दी अनु. पेट में ज़हर, मुँह में शहद।

Eng. tr. He has gall in his belly, and honey in the mouth.

भीतरे गरल, बाहिरे सरल।

हिन्दी अनु. अंदर विष, बाहर सीधा-सरल।

Eng. tr. Simpleton to look at, but poison in the heart.

मुखत मधुर बाणी, हृदयत क्षुरखणि।

हिन्दी अनु. मुख में मधुर वाणी, हृदय में उस्तरा।

Eng. tr. Sweet words in the mouth, and a razor in the heart.

ओड़िआ तुंडे हरि, पेटे छुरी, काळांते जाए जमपुरी।

हिन्दी अनु. (जिस के) मुँह में 'हरि' और बगल में छुरी, (वह) कालांतर में जाय यमपुरी।

Eng. tr. To say 'Hari' by the mouth, and then stab in the stomach; such a person goes to hell in the end.

मुखे मधुमधु, पेटे छुरी।

हिन्दी अनु. मुँह में मधु, पेट में छुरी (कपटी)।

Eng. tr. Honey on lips, and dagger in the stomach.

लारु भितरे मारु।

हिन्दी अनु. ऊपर से सीधा, भीतर से भयानक।

Eng. tr. Danger inside Saru. (Danger inside a simple-looking thing, situation, or man.)

तमिळ — अडि नक्किल् नंजु, नुनि नक्किल् अमिळ्दम्.

हिन्दी अनु. जिव्हा में विष, जिव्हाग्र में अमृत।

Eng. tr. Nectar at the tip of the tongue, and poison at the root.

अवन् तोत्ति उरवाडित् तोलुक्कु मनूराडुकिरान्.

हिन्दी अनु. मित्रता की बांह पकड़ कर अब चमड़े के लिए तडप रहा है।

Eng. tr. He seeks friendship, and prays for a skin.

उदट्टिले उरवुम् उळ्ळे पकैयुम्.

हिन्दी अनु. होंठ पर रिश्ता, अन्दर दुश्मनी।

Eng. tr. Friendship on the lips, and enmity in the heart.

उरवुपोल् इरुंदु कुळविपोलक् कोट्टुगिरदा ?

हिन्दी अनु. दोस्ती दिखाना, और बर्रे की तरह डंक मारना।

Eng. tr. What! To feign friendship, and to sting as a wasp.

कैयिले सेपमालै कक्कत्तिले कन्नक्कोल्.

हिन्दी अनु. हाथ में जप-माला, बगल में चाकू।

Eng. tr. Rosary in hand, and a knife in the pocket.

तेन् ओलुकप्पेशित् तेरुक् कडक्क वळिविडुवान्.

हिन्दी अनु. शक्करसा मीठा बोल कर गला काटने गली के छोर तक आता है।

Eng. tr. He speaks to him mellifluously, and accompanies him across the street (in order to ge trid of him).

पडिक्करदु तिरुवाचकम् इडिक्किरदु शिवंकोयिल्.

हिन्दी अनु. पढ़ना तिरुवाचकम, और शिव-मंदिर तोड़ने की चेष्टा।

Eng. tr. He recites holy scriptures, and tries to pull down Shiva temple.

मनतिले पगै उदट्टिले उरवु.

हिन्दी अनु. मन में शत्रुता, होठों पर नाता।

Eng. tr. Enmity at heart, friendship on the lips.

मुगम् चंदिर बिंबम्, अगम् पांबिन विशम्.

हिन्दी अनु. मुख पर चंद्र-बिम्ब, हृदय में हलाहल।

Eng. tr. A face like the moon, a mind of deadly poison.

वाय् शर्क्करै कै कोक्करै.

हिन्दी अनु. मुँह मीठा, हाथ उल्टा।

Eng. tr. Sugar in the month, and the very opposite in the hand.

तेलुगु अंगिट बेल्लमु, आत्मलो विषमु.

हिन्दी अनु. मुख में गुड़, अंतर में विष/भीतर ज़हर।

Eng. tr. Molasses in the palate, and poison in the heart.

एड्डकत्तेर, नालुकलो बेल्लं.

हिन्दी अनु. दिल में सरौता, मुँह में गुड़। (जीभ में गुड़)।

Eng. tr. A nut-cracker in the heart, and jaggery on the tongue.

कडुपुलो कत्तेर, नोट चक्केर.

हिन्दी अनु. पेट में कैंची, मुँह में चीनी।

Eng. tr. A sugared tongue with scissors in the stomach.

चदिवेदि रामायणमु पडगोट्टेदि देवालयम्.

हिन्दी अनु. रामायण का पढ़ना, और मंदिरों का गिराना।

Eng. tr. He reads Ramayan, and pulls down temples.

पेदवि मन्दहासं, हृदयं चन्द्रहासं.

हिन्दी अनु. होंठों पर हँसी, हृदय में खड्ग (छुरी)।

Eng. tr. A smile in the lips, and a knife at heart.

माटलु मातल्लि माटलु, पेट्टु मारु तल्लिपेट्टु।

हिन्दी अनु. बातें करती है माँ की सी, खिलाती है सौतेली माँ की सी।

Eng. tr. She talks like a mother, but feeds me like a step-mother.

कन्नड ओदुवुदु शास्त्र, इक्कुवुदु गाळ.

हिन्दी अनु. शास्त्र पढ़ता है, और अनाथों को ठगता है।

Eng. tr. He recites scriptures, but hooks up the innocents.

कंकुळल्लि दोण्णे, कैयल्लि शरणार्थि.

हिन्दी अनु. बगल में डंडा, हाथों से प्रणाम।

Eng. tr. A stick in the armpit, and a bow with folded hands.

करुळल्लि कत्तरि, बायल्लि बित्तरि.

हिन्दी अनु. पेट में कैंची, मुँह में चीनी।

Eng. tr. Scissors in the bowels, and sugar in the mouth.

होरगे भक्ति, ओळगे कत्ति.

हिन्दी अनु. बाहर भक्ती, अंदर छुरी।

Eng. tr. Devotion outside, and a knife inside.

मलयाळम् अकत्तु कत्तियुं पुरत्तु पत्तियुं.

हिन्दी अनु. मन में छुरी, मुँह में हरि।

Eng. tr. Dagger in the heart, and gospel in the mouth.

संस्कृत मधु तिष्ठति जिह्वाग्रे हृदये तु हलाहलम्।

हिन्दी अनु. वाणी मधुर, परंतु हृदय में हलाहल विष।

Eng. tr. Sweet (talk) is profuse on the tip of the tongue while the heart is filled with poison.

मुखं पद्मदलाकारं वाणी चन्दनशीतला।
हृदयं कर्तरीतुल्यं त्रिविधं धूर्तलक्षणम्॥

हिन्दी अनु. धूर्त के तीन लक्षण होते हैं : मुख कमल के समान सुंदर तथा उल्लासभरा, वाणी चंदन के समान मन को ठंडक पहुँचाने वाली, परंतु हृदय कैंची के समान दूसरों को काटने वाला।

Eng. tr. A face bearing a lotus-like expression, talk as soothing as sandal-wood, and heart resembling a pair of scissors : these three make up the characteristics of a knave.

विषकुंभम् पयोमुखम्।

हिन्दी अनु. विष से भरे हुए घड़े का मुख दूध से भरा रहना। (बाकी सर्व घड़ा विष से परिपूर्ण।)

Eng. tr. A jar of poison which at its mouth shows the appearance of milk.

९४

मुख्य वस्तु से अन्य बातें अधिक।

आशय

मुख्य वस्तु की तुलना में जो चीज़ छोटी होनी चाहिये, वह यदि बड़ी हो, तो वह बात अनैसर्गिक होने के कारण अशोभनीय हो जाती है। निम्नलिखित कहावतों में इस अवस्था की हँसी उड़ायी गई है। इस तमिऴ कहावत में यह भाव स्पष्ट हुआ है – " बित्ता भर की चिड़िया, उस की हाथभर की पूँछ। "

Subject

When the subordinate things are bigger than the main, the following proverbs are used. A Tamil proverb tells us—" It is said that a span long bird has a cubit long tail. ".

हिन्दी छः चावल, और नौ पखाल पानी।

Eng. tr. Six grains of rice, and nine bags of water (to cook them).

ज़रा-सी किलनी, नौ मन काजर।

Eng. tr, A small tick, and nine maunds of collirium for her.

डेढ़ गुरिया डोंढ़ी ले हार। (मुज.)
(दाना है केवल एक, और उस से नाभी तक लटकने वाला हार बनाया।)

Eng. tr. With one and half beads, he prepared a necklace down to the navel.

डेढ़ गोट घोड़ी नौ गोट फौज। (मुज.)

Eng. tr. A company of horses and a battalion of Infantry.

बाँस सँ कड़ची मोट। (दर.)
(बाँस से मोठी डाली।) कड़ची = बाँस की गाँठ से निकलने वाली डाली।

Eng. tr. An off-shoot longer than the bamboo.

रात थोड़ी, साँग घणा। (राज.)
(रात छोटी, पर नाटक-खेल बहुत।)

Eng. tr. The night is short, but the skits are many.

ENGLISH 1. Make not the sail too big for the ballast.
2. Make not the door wider than the house.

उर्दू एक हुस्न आदमी, हज़ार हुस्न कपड़ा। लाख हुस्न ज़ेवर, करोड़ हुस्न नखरा॥

Eng. tr. Man has one beauty, apparel a thousand, jewels a lac, and jestures a million.

पंजाबी इक नूर आदमी, ते सो नूर कपड़ा। हज़ार रूप गहणा, ते लख रूप नखरा॥

हिन्दी अनु. एक नूर आदमी, तो सौ नूर कपड़ा। हजार रूप गहना, और लाख रूप नखरा॥

Eng. tr. A man worth one has clothes worth a hundred; the jewellery worth a thousand has show worth a lac.

कश्मीरी अड्गज़ मामनि ड्वड् गज़ पूच्।

हिन्दी अनु. अधगज़ मामी, उस की डेढ़ गज़ 'पूच'। (पृष्ट पर से होती हुई सिर ढाँकने की साड़ी)।

Eng. tr. One and a half yards (long) fine cloth head-dress for a half yard tall maternal aunt.

नेचिविहना वांगनस् सुंब्, यड्छस् अांगनस् सुंब्।

हिन्दी अनु. पुत्र बैंगन जितना सा, पेट आंगन जितना सा।

Eng. tr. The son of a brinjal's size, and his belly as big as a court-yard.

सिंधी पग॒ खां बतानो वडो।

हिन्दी अनु. पगड़ी से पीछे लटकनेवाला कपड़ा बड़ा।

Eng. tr. The tail of the turban (the lower part that is left untied) is longer (bigger) than the turban itself.

मराठी अंगापेक्षा बोंगा, आणि कुठे जाशी सोंगा?

हिन्दी अनु. शरीर से बड़ा पल्लू, और कहाँ जाये स्वाँग लिये?

Eng. tr. Insignificant body, but heavy (ornate) garments.

अच्छेर शेंडी, शेरभर घेरा.

हिन्दी अनु. आधा सेर चोटी, सेर भर घेरा।

Eng. tr. Half a seer tuft of hair, but one seer 'ghera'. (Ghera = at the tonsure, a tuft of hair is left on the top of the head, around which is the circle of cropped hair which is called Ghe'ra.)

अय्या सवाशेर, लिंग धडाभर.

हिन्दी अनु. अय्या सवा शेर, लिंग पंसेरी भर।

(लिंग = लिंगायत लोग गले में चाँदी की डिब्बी में शिवलिंग लटकाते हैं। अय्या = लिंगायत पंथ के व्यक्ति को अय्या कहते हैं।)

Eng. tr. 'Ayya' (the people who are Lingayats —) is only one-and-quarter seer, but the 'Linga' (which is tied round the neck with a thread —) weighs five seers. (The token of the Lingayats being abnormally big.)

एकपट लष्कर, सातपट कतवार.

हिन्दी अनु. एक गुना लश्कर, तो सात गुना कतवार।

Eng. tr. For one army, there is seven-times a rabble.

दारापेक्षा अडसर ज़ड.

हिन्दी अनु. दरवाज़े की अपेक्षा अड़ानी (कुंडी) भारी।

Eng. tr. The latch is heavier than the door.

दीड पाव वेणी, आणि तीन पाव गंगावन।

हिन्दी अनु. अंगूल भर वेणी, हाथ भर चोटी। (जोड़, नकली बाल।)

Eng. tr. The hair (on her head) weighs one and a half 'Paav', and the switch, three 'Paav' (i. e. her switch is double the amount of her hair). (A 'Paav' is a quarter of a seer.)

नाका पेक्षा मोती ज़ड.

हिन्दी अनु. नाक से मोती भारी।

Eng. tr. The pearls (of the nose-ring) are heavier than the nose.

मिया मूठभर, दाढी हातभर.

हिन्दी अनु. मिया बित्ते भर का, और दाढ़ी हाथ भर की।

Eng. tr. 'Miya' is as large as a fist, but his beard is one cubit long.

लष्कर दोनशे, न्हावी तीनशे / पाचशे.

हिन्दी अनु. सिपाही दो सौ, नाई तीन सौ / पांच सौ।

Eng. tr. An army of two hundred, but the barbers' number three / five hundred.

लिंग शेरभर, शेटं अडीच शेर.

हिन्दी अनु. लंड एक सेर, शष्प ढाई सेर।

Eng. tr. Penis a seer, and the pubic hair around two and half seer.

वावडी वावभर, आणि शेपूट गावभर.

हिन्दी अनु. पतंग बालिस भर, और पूँछ गाँव भर।

Eng. tr. A span long kite, and its tail all over the village.

सात हात लाकूड, नऊ हात ढलपी.

हिन्दी अनु. सात हाथ लकड़ी, नौ हाथ कतली (कतरा)।

Eng. tr. A seven cubits long log, it's nine cubits long wedge.

गुजराती अर्ध वसानुं मानवी, वीस वसानुं लूगडुं.

हिन्दी अनु. आधा गज आदमी, और बीस गज कपड़ा।

Eng. tr. Twenty yards of clothing (garment) for a man half a yard tall

कमाड करता उलाळो भारे.

हिन्दी अनु. किवाड़ से कुंडी भारी। उलाळो = The latch or wooden bolt.

Eng. tr. The latch heavier than the door.

गजनी घोडी ने सवां गजनुं भाठुं.

हिन्दी अनु. एक गज की घोड़ी, और सवा गज का फोड़ा।

Eng. tr. A yard-long mare, and a yard-and-quarter long ulcer on its back.

मण भात, ने सवामण कुसको.

हिन्दी अनु. मन भर भात, और सवा मन भूसी।

Eng. tr. One maund of rice, and one-and-quarter maund of chaff.

मियां मुठ्ठीभर, दाढ़ी हाथभर।

हिन्दी अनु. मियाँ बालिश्त भर और दाढ़ी हाथ भर।

Eng. tr. Miyan as tall as a fist, his beard as long as a cubit.

बाङ्ला एक हात गाछे सात हात लाउ।

हिन्दी अनु. हाथ भर की बेल पर सात हाथ लौकी।

Eng. tr. A foot-high shrub and a seven foot high fruit.

छेलेर चेये छेलेर गु भारि।

हिन्दी अनु. लड़के से लड़के का गू भारी।

Eng. tr. Stools of a child heavier than the child itself.

दा'येर चेये भाँट दीघल।

हिन्दी अनु. हँसुए से हत्था लम्बा है।

Eng. tr. The handle is longer than the blade of the sickle.

धान एकगुण, तो तुष तिनगुण।

हिन्दी अनु. धान एक गुना, तो भूसा तीन गुना।

Eng. tr. One measure of grains, and three measures of chaff.

मूलेर चेये घेड़े मोटा।

हिन्दी अनु. मूल से घड मोटा।

Eng. tr. The ear of corn is bigger than the stem.

सात हात कापड़ेर न'हात दशी।

हिन्दी अनु. सात हाथ कपड़े में नौ हाथ किनार।

Eng. tr. Nine yards of loose warp-thread from a seven yard long piece of cloth.

ओड़िआ देउळकु मुकशिआलि बळि पडिला।

हिन्दी अनु. मन्दिर से मुखशाला अधिक बड़ी।

Eng. tr, Like the pandal in the front of the temple is bigger than the main temple.

तमिऴ आडु काट्पणम् वाल् मुक्कार्पणम्.

हिन्दी अनु. बकरी तीन पैसे की है, तो पूँछ नौ पैसे की।

Eng. tr. The price of the sheep is a quarter of a fanam, and that of its tail, three fourths of a fanam.

तोट्टम् मुच्चाण् शुरैक्काय् अरुशाण्.

हिन्दी अनु. बगीचा तीन हाथ का है तो कद्दु छे हाथ का है।

Eng. tr. The garden is three spans square, and the gourd in it is six spans long.

शाण् कुरुविक्कु मुळु वाळाम्.

हिन्दी अनु. बित्ता भर की चिड़िया, उस की हाथ भर की पूँछ।

Eng. tr. It is said that a span long bird has a cubit long tail.

शाण् परैक्कु मुऴत् तडि.

हिन्दी अनु. बित्ता भर ढोल, और हात भर बजाने की लकड़ी।

Eng. tr. A cubit stick for a span drum.

तेलुगु अय्यवारु सेरु, लिंगम् सवा सेरु.

हिन्दी अनु. आदमी सवा सेर का, और (उस के गले में) शिवलिंग आधी पसेरी — ढाई सेर का।

Eng. tr. The man weighs a seer, and a quarter, and the lingam (round his neck) two and a half seers.

असलु मूडुप्पाळ्लु, वड्डी आरुपाळ्लु.

हिन्दी अनु. मूल धन तीन, और ब्याज छः।

Eng. tr. The capital amount is three, and the interest is six.

गुर्रं चवलं, जीनु मुच्चवलम्.

हिन्दी अनु. पाव भर का घोड़ा, तीन पाव का जीन।

Eng. tr. The quarter worth of a horse, and the saddle three quarters worth.

जेनेडु दोरकु मूरेडु बंटु.

हिन्दी अनु. बालिश्त भर मालिक का हाथ भर नौकर।

Eng. tr. A lord of a span's height has a valet of an arms height.

जेनेडु इंट्लो मूरेडु कर्र

हिन्दी अनु. बालिश्त भर घर में हाथ भर लाठी।

Eng. tr. A stick of an arm's length in a house of a span's size.

जेनेडु पिट्टकु मूरेडु तोक.

हिन्दी अनु. बालिश्त भर चिड़िया, हाथ भर पूँछ।

Eng. tr. A bird of a span's size has a tail as long as an arm.

पिल्ल पिडिकेडु, गूनि गंपेडु.

हिन्दी अनु. छोकरी मुठी भर, कूबड़ झाबे भर।

Eng. tr. The bride is small, but her hunch is as large as a creel.

मुक्कु चिन्नदि, मुत्यं पेद्दि.

हिन्दी अनु. नाक छोटी, मोती बड़ा।

Eng. tr. The nose is small, and the pearl is big.

मुक्कु पट्टनि मुत्यं, चेवु पट्टनि कम्म.

हिन्दी अनु. नाक से बड़ा मोती, कान से बड़ा झुमका।

Eng. tr. Nose-gay bigger than the nose, and ear-ring bigger than the ear.

सेट्टि सेरु, बुड्ड सवा सेरु.

हिन्दी अनु. सेठ सेर का, फोता सवा सेर का।

Eng. tr. The trader is one seer, and his hydrocele is one and a quarter seer.

सेरु दोरुकु मणुगु बंटु.

हिन्दी अनु. सेर भर लाट के लिए मन भर नौकर।

Eng. tr. The lord is one seer, and his servant is a maund.

कन्नड अरसु आरु मोळ, बंट एंटु मोळ.

हिन्दी अनु. छः हाथ का राजा, आठ हाथ का नौकर।

Eng. tr. An eight feet servant to a six feet king

आळिगिंत तरडे भार.

हिन्दी अनु. आदमी से (उस का) लंड बड़ा।

Eng. tr. The genital (penis) heavier than the person.

ऊट हाग फलाहार मुप्पाग.

हिन्दी अनु. खाना पाव भर, नाश्ता पसेरी भर।

Eng. tr. Meal of one fourth seer, and tiffin of five seers.

मूगिगिंत मुगुत्ति भार.

हिन्दी अनु. नाक से नथ भारी।

Eng. tr. Nose-ring heavier than the nose.

सण्ण तले, दोड्ड मुंडासु.
हिन्दी अनु. छोटा सा सिर, लंबी सी पगड़ी।
Eng. tr. A big turban for a small head.

साल तलेहोरें, बड्डि बंडिहोरें.
हिन्दी अनु. सिर भरा कर्जा, गाड़ी भर सूद।
Eng. tr. Head-load loan and cart-load interest.

९५

वक्त पड़े बाँका, तो गधे को कहे काका।

आशय

दुर्भाग्य की चक्कर में फँसे आदमी को अपना काम निकालने के लिये अत्यंत हीन और तुच्छ व्यक्ति की शरण लेनी पड़ती है। अपनी ग़रज को निबाहने के लिये मनुष्य को क्या क्या नहीं करना पड़ता! मजबूरी से वह घटिया काम भी कर जाता है। मराठी कहावत में इस ग़रज़मन्द आदमी की मजबूरी का बड़ा ही रोचक दर्शन होता है – "अड़ने पर भगवान भी गधे के पैर पड़े।"

Subject

In times of adversity one has to be submissive before even the most worthless. This is expressed in the following proverbs. The Marathi proverb is a fine example of that stooping of great out of helplessness— "God in need bows even before an ass."

हिन्दी काको करै भतीजने गाँड फाटतो गोठ। (राज.)
Eng. tr. When the uncle's anus tears open (when he is in trouble), he prostrates himself before his nephew.

ज़रूरत के वक्त गधे को भी बाप बना लेते हैं।
Eng. tr. Make a father of an ass, when it serves your purpose.

वक्त पड़े बाँका, तो गधे को कहे काका।
Eng. tr. In critical hour, one has to call (even) an ass his uncle.

ENGLISH
1. Need makes the old wife trot.
2. Necessity has no law.
3. Need makes the naked man run.

उर्दू ज़रूरत के वख्त गधे को भी बाप बनाते हैं।
Eng. tr. When it serves your purpose, you have to call / address an ass as father.

पंजाबी लोड़ वेले गधेनुं प्यो कहेणा पैन्दा है।

हिन्दी अनु. ज़रूरत के वक्त गधे को भी बाप कहना पड़ता है।

Eng. tr. In time of need, one is required to call an ass, his uncle.

सो दान्दिआ वि इक दान्दवाले कोल जान्दा है।

हिन्दी अनु. सौ बैलवाला भी एक बैलवाले के पास जाता है।

Eng. tr. A man having a hundred bullocks needs go to a man with one bullock.

सिंधी अण सरंदीअ पहाज़ पेके।

हिन्दी अनु. जब काम न चल सके, तो सौत के मायके में भी रहना चाहिए।

Eng. tr. When a job cannot be done, one must stay even with one's fellowwife's parents.

कौड़ो खाइजे मिठे जे लालच ते।

हिन्दी अनु. मीठे की लालच पर कडुआ खा लेना चाहिए। (अपनी कार्य-सिद्धी के लिए किसी के कटु वचनों को भी सहन कर लेना चाहिए।)

Eng. tr. One must swallow bitter things in hope of getting sweet ones. (One must be prepared even for bitter criticism if one wants one's job to be done.)

पंहिंजी गतीअ पड गडुह खे पेरें।

हिन्दी अनु. अपना काम पड़ने पर गधे के भी पांव पड़ो।

Eng. tr. Bow down even before a donkey, if necessary.

वक्त पड़े बांका, कहे गडुह को काका।

हिन्दी अनु. वक्त पड़े बांका, कहे गधे को काका।

Eng. tr. When in trouble, calls the donkey uncle.

वक्तु करे वाका त घोड़ो गडुह खे चवे काका।

हिन्दी अनु. वक्त पड़े तो घोड़ा गधे को कहे काका।

Eng. tr. If such a time comes, even the horse will address a donkey as uncle.

मराठी अडला नारायण/हरी, गाढवाचे पाय धरी.

हिन्दी अनु. नारायण उलझा, गधे के पाँव लगा।

Eng. tr. God in need, bows (even) before an ass.

अडले कोल्हे मंगळ गाय.

हिन्दी अनु. फँसा सियार मंगल गाये।

Eng. tr. An ensnared jackal sings psalms.

आपले गरजे, गाढव राजे.

हिन्दी अनु. अपनी गरज़ से गधे को कहे राजाधिराज।

Eng. tr. When in need, one calls the donkey an emperor.

गरज़वंताची गधडी, लंकेचे भाडे.

हिन्दी अनु. ग़रज़मन्द की गधी, लंका का भाड़ा (ले ले)।

Eng. tr. One in need has to pay a fare for Lanka just for a donkey-ride.

गरज़वंताला अक्कल नसते/नाही.

हिन्दी अनु. ग़रज़मंद के अक्ल नहीं होती।

Eng. tr. One in need has no wit.

गुजराती गरजे गधेडाने बापू कहेवो पड़े.

हिन्दी अनु. गरज़ पर गधे को भी बापू (दादा) कहना पड़ता है।

Eng. tr. In time of need, one has to call even a donkey 'father'.

जेतुं मों न जोता होईए, तेनी गांड पण जोवी पडे

हिन्दी अनु. जिस का मुँह भी न देखते हो, (समय आने पर) उस की गांड़ भी देखनी पड़ती है।

Eng. tr. One has to see even the anus of him, whose face one would not see.

बाङ्ला काज पड़ले डोमओ बापेर ठाकुर।

हिन्दी अनु. काम पड़ने पर डोम को भी बाबा कहना पड़ता है।

Eng. tr. To accomplish your work, you may have to call a low-caste 'dom' your grand-father.

गरजे गयला ढेला बय।

हिन्दी अनु. ग़रज़ पड़ने पर ग्वाला पत्थर ढोए। (दूध की हाँड़ी का संतुलन रखने के लिए।)

Eng. tr. When necessary, the milk-man bears the burden of bricks and stones (to balance the milk pot hanging at the other end of the rod on his shoulder).

गलाय (माछेर) काँटा फुटले बेरालेर पाये पड़ा।

हिन्दी अनु. गले में मछली का काँटा अटकने पर बिल्ली के पैर पकड़े।

Eng. tr. Approaching a cat in all humility when a fish-bone is stuck in the throat.

दाये पड़ले बाबा बले।

हिन्दी अनु. गरज़ पड़ने पर बाबा कहे।

Eng. tr. When in difficulty, address him as 'father'.

दाये पड़े दा'ठाकुर।

हिन्दी अनु. गरज़ पड़ने पर नाना।

Eng. tr. When in a predicament, say "I 'm grandpa!"

पड़ेछि मोगलेर हाते, खाना खेते हबे साथे।

हिन्दी अनु. पड़ी मुगल के हाथ, खाना पडेगा साथ।

Eng. tr. Having fallen in the hands of Mughals, one is forced to eat in their company.

असमीया कार्य्यर बुजिया भाओ, छागरो पखाले पाओ।
हिन्दी अनु. परिस्थिति के अनुसार बकरी के भी पाँव पखारना है ।
Eng. tr. Wash even the goat's feet, if needed by the situation.

नोपोवार समयत गोंसायेओ ' चें ' माछ खाय।
हिन्दी अनु. अभाव में गोसाई भी ' चें ' मछली खाय ।
Eng. tr. In draught, even a mendicant eats ' chen ' fish.

ओड़िआ आम्ब काळे हाडिकु जुहार ।
हिन्दी अनु. आमों के मौसम में मेहतर को सलाम।
Eng. tr. To bow to the sweeper (bhangi) during the mango-season.

काम पडिलाबेळे भगबान गध पाद धरिथिले, मणिष किबा छार।
हिन्दी अनु. काम पड़ने पर भगवान ने भी गधे के पाँव पकड़े थे, तो आदमी की बात ही क्या ?
Eng. tr. When necessity demanded, even God had to bend and touch a donkey's feet. What can one say of man in such a situation !

गरज पडिले गधपाद धरिबाकु हुए.
हिन्दी अनु. गरज़ पड़ने पर गधे के पाँव पकड़ने पड़ते हैं ।
Eng. tr. In necessity, one has to touch the ass's feet.

तमिळ् कारियत्तुक्कुक् कळुदैयिन् कालैप् पिडि.
पाठभेद कारियम आगणुमन्न कळुदैक्कालै पिडि.
हिन्दी अनु. कार्य को पूरा करना हो, तो गधे के भी पाँव पकड़ो ।
Eng. tr. If you want to get your work done, (if necessary) catch the feet of even an ass.

पच्चै नेल्लुक्कुप् परैयनिडत्तिर् शेविक्कलाम्.
हिन्दी अनु. धान प्राप्त करने के लिये हरिजन की सेवा कर सकते हैं ।
Eng. tr. You may serve a pariah for paddy.

तेलुगु कार्यं अय्ये दाका गाडिद काळ्ळयिना पट्टालि.
हिन्दी अनु. कार्य पूर्ति के लिए ज़रूरत हो तो गधे के भी पैर पकड़ने चाहिए ।
Eng. tr. To attain our purpose, it may be necessary even to hold the feet of a donkey.

गतिलेनिवाडु गाडिदकाळ्ळु पट्टुकुन्नट्लु.
हिन्दी अनु. गति-विहीन ने गधे की टांगे पकड़ ली ।
Eng. tr. The destitute held the legs of the donkey.

मोरकुनकु सिवमेत्तिन म्रोक्कक तप्पदु.
हिन्दी अनु. मूर्ख पर भूत सवार हुआ तो उसे हाथ जोड़ने पडते हैं ।
Eng. tr. If a fool is possessed, we have to salute him.

वसुदेवुडु वेळ्ळि गाडिद काळ्ळु पट्टुकोनिनट्लु.
हिन्दी अनु. वसुदेव ने गधे के पैर पकड़ लिये।
Eng. tr. Vasudeva held the feet of a donkey.

कन्नड कार्यवासिगे कत्ते कालु कट्टु.
हिन्दी अनु. अपनी गरज़ से गधे के भी पाँव पकड़िये।
Eng. tr. Hold the legs of a donkey to get your work done.

मलयाळम् कार्यं काणान् कलुतक्कालुं पिटिक्कणं.
हिन्दी अनु. काम पड़ने पर गधे के पैर भी पकड़ने पड़ते हैं।
Eng. tr. To gain one's ends, one has to catch the feet even of an ass.

संस्कृत अर्थी दोषान्न पश्यति।
हिन्दी अनु. गरज़मंद दोषों की तरफ नहीं देखता।
Eng. tr. A man in need is blind to the faults.

९६

विनाशकाले विपरीत बुद्धिः।

आशय

जब कोई संकट आनेवाला होता है, तब मनुष्य की मति भ्रष्ट हो जाती है। भाग्य में लिखी उस भीषण घटना को सिद्ध करने के लिये मानो भगवान उस व्यक्ति से ही ऐसा व्यवहार करवाता है कि जिस के स्वाभाविक परिणाम के रूप में वह घटना घटती है, और मनुष्य अपना विनाश अपने आप खींच लाता है। बांग्ला की यह कहावत देखिये – " जिस की मृत्यु जहाँ, नाव लेकर जाए वहाँ। "

Subject

When you are destined ill-luck, you automatically become unreasonable. These proverbs indicate such a state. For instance, the Bengali proverb — " He whose death is destined in a certain place, will hire a boat to go there. "

हिन्दी कुत्ते की मौत आवे तो मस्जिद में मूत जावे।
Eng. tr. When death approaches, the dog makes water in the mosque.
गादड़ेरी मौत आवै जराँ गाँव कानी भाजै। (राज.)
पाठभेद गीदड़ की शामत आये तो गाँव की ओर भागे।
पाठभेद स्यालियैरी मौत आवै जरा गांव कानी भाजै। (राज.)
(गीदड़ की मौत आती है तब वह गाँव की ओर भागता है।)

Eng. tr. When the jackal's time of death comes, he runs toward the village. (Where he is eaten by the dogs.)

गोहरी मौत आवै जराँ ढेढरा खालड़ा खड़बड़ावै। (राज.)
(गोह की मौत आती है, तब वह चमड़ों को खड़बड़ाती है।)

Eng. tr. When the iguana's time of death comes, it makes noises with the leather.

पंजाबी कीडी दी मौत आन्दी है, तां खम निकल आन्दे हन्।
हिन्दी अनु. चींटी की मौत आती है तो पर निकलते हैं।
Eng. tr. When the death approaches, the ants get wings.

कुत्ते दी मौत आवे तां मसीते चढ़ के मूतरे।
हिन्दी अनु. कुत्ते की मौत आती है तो मस्जिद में चढ़ के मूतता है।
Eng. tr. When its death approaches, the dog goes to a mosque and pisses there.

सप दी मोत आन्दी है, तां ओ राह ते आण लेटदा है।
हिन्दी अनु. साँप की जब मौत आती है, तो वह रास्ते पर आ लेटता है।
Eng. tr. When the death approaches, the snake comes and lies down on the way side.

सिंधी ग़ोह खे जडुहिं खुटी खणे तडुहिं ग़ोल्हे शिकार्युनि जा घर।
हिन्दी अनु. गोह की जब मौत आती है, तो शिकारियों के घर ढूँढने लगती है।
Eng. tr. When an iguana is destined to die, she herself goes in search of the hunters.

मराठी ज्याचें मरण ज्या ठायीं, तेथें ज़ाई आपले पायीं.
हिन्दी अनु. जिस की मृत्यू जहाँ, वह अपने पैरों जाए वहाँ।
Eng. tr. Whereever one's death is destined, one walks there with one's own legs.

विनाश काळी विपरीत बुद्धि, विकली घोडी घेतली गधी.
हिन्दी अनु. विनाश काल में विपरीत बुद्धि, बेची घोडी खरीदी गधी।
Eng. tr. One's mind works wrong, when ruin is destined (So one finds a person) who sells a mare and buys a donkey.

गुजराती घो मरवानी थाय, त्यारे वाघरीवाडे / दुबरवाडे जाय.
हिन्दी अनु. गोह की मृत्यु समीप आवे तो वह वाघरी-बस्ती (ढेड़ की बस्ती) में जाती है।
Eng. tr. At the time of its death, an iguana would go to the locality of wagharis. (Waghari = a backward flesh-eating community.)

दशा फरे त्यारे बुद्धि फरे, जाय चूले चडी चतुराई.
हिन्दी अनु. नसीब का चक्कर घुम जाता है तो बुद्धि भी फिर जाती है, सारा सयानापन चूल्हे में जाता है।

Eng. tr. when fortune forsakes, good sense leaves and all cleverness goes to ashes.

वागोळनु मोत आवे त्यारे वाघरी वाडे जाय.

हिन्दी अनु. चमगीदड़ की मौत आती है, तब वाघडी वास में जाता है।

Eng. tr. At the time of its death, a wild bat (a flying fox) goes to the waghari locality.

बाङ्ला मुरगीर तेल हले, मोल्लार दोर दिये रास्ता।

हिन्दी अनु. मुर्गी मोटी (चर्बीदार) होने पर मुल्ला के दरवाजे के सामने घूमती है।

Eng. tr. A fat hen (who is conceited because of her healthy, plumb body) soon crosses the road near the Mulla's door. (The Mulla is one day to slaughter her, but forgetting that thing the hen herself struts before his eyes.)

यार (जार) मरण ये(जे)खाने, ना'भाड़ा क'रे याय (जाय) सेखाने।

हिन्दी अनु. जिस की मृत्यु जहाँ, नाव लेकर जाए वहाँ।

Eng. tr. He whose death is destined in a certain place, will hire a boat to go there.

असमीया चरणेहे जाने मरणर ठाइ, जते मरण तते जाइ।

हिन्दी अनु. चरण ही जानते हैं मृत्यु की जगह, वे ले जाते हैं मरनेवाले को वहाँ।

Eng. tr. The feet only know the place of death and they carry one to the place of death.

ओड़िआ बिनाश काळे बिपरीत बाणी, चाळरु मूषा पडि मारंति कहुणि।

हिन्दी अनु. विनाश काल आते ही विकृत वचन सुनाई देते हैं। छत से चूहे उतर आते हैं नीचेवालों को मारने।

Eng. tr. One hears of perverse things when the days of disaster come. Rats come down from the thatch overhead to hit others below,

तमिळ् केट्टुप्पोगिर् कालम् वंदाल दुषटबुद्दि तोन्ऱादा ?

हिन्दी अनु. विनष्ठ होने का समय आवे तो दुष्ट बुद्धि जागृत नहीं होगी क्या ?

Eng. tr. When the time of destruction comes, will not evil device operate ?

तेलुगु चेट्टु चेडे कालानिकि कुक्कमूति पिंडेलु.

हिन्दी अनु. पेड़ के विनाश के समय उस पर कुकुर मुत्ते लगते हैं।

Eng. tr. The mushrooms grow on a tree which is on the verge of decay.

संस्कृत विनाशकाले विपरीतबुद्धिः।

हिन्दी अनु. विनाश का काल आने पर मनुष्य को दुर्बुद्धिही सूझती है।

Eng. tr. Ruinous fate is indicated by perverted thinking.

परिशिष्ट

सूची

भारतीय कहावत संग्रह के प्रथम खण्ड में सम्मिलित कहावतों की सूची हम भाषानिहाय वर्ण-क्रम से दे रहे हैं। कहावत के साथ पृष्ठ क्रमांक भी दिया है। इस सूची से अपनी भाषा की किसी कहावत के लिए अन्य भाषाओं की समानार्थी कहावतें ढूँढ़ना आसान होगा।

हिन्दी

	पृ. क्र.
अंडा सिखावे बच्चे को कि चीं चीं मत कर।	३४९
अंडे सेवे कोई बच्चे लेवे कोई।	२१६
अंधा गुरु, बहरा चेला, मांगे हड़ दे बहेड़ा।	२६१
अंधा सिपाही, कानी घोड़ी; बिधना ने आप मिलाई जोड़ी।	२६१
अंधी नाइन, आयने की तलाश।	५३१
अंधी पीसे, कुत्ता खाए।	२१६
अंधे के आगे रोये, दोनों दीदे खोये।	५३१
अंधे रसिया आयने पे मरे।	५३१
अंधों में काना राजा।	१
अइली गेली से सुनथि फकरा बैसल बिलाई के तीन बखरा।	२१७
अइली ना गइली दुके वो कहवली।	५७६
अकलँड कनिया चकलँड बर।	२६१
अगर भेंड़ी के लेंडी मीठ होइत, तऽ गड़ेरिया दोसर आदमी के खेते ना हिराइत।	२८७
अगला करे, पीछले पर आवे।	१७६
अच्छे दिन पाछे गये, हर से किया न हेत। अब पछताये क्या होत है, जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत।	६१
अछत थोर देवता बहुत।	१६७
अडसठ तीरथ कर आई तूमड़ी तउ भी न गई कड़वाई।	३५४
अड़ो दड़ो बऊड़ीरै सिर पड़ो।	१७६
अढ़नी दुसलनि बढ़नी के चलनी दुसलनि सूप के।	३१
अणभणिया घोड़े चढ़ै, भणिया माँगै भीख।	१४६
अधजल गगरी छलकत जाय।	८
अधेला न दे, अधेली दे।	६९
अनकर कूटल, अनकर पीसल पहुँचा तक भीतर पैसल।	४९१
अनकर कैल धैल पर 'जय जगरनाथ'।	४९२
अनकर बडुकी, अनकर घी, हमरा अहाँ के लगैयऽ की? बडुकीयै स्वाहा।	४९२
अनकर चुक्का, अनकर घी, पांडे बाबा के लागल की।	४९२
अनकर सुवर बर पानी के हल्कोर, अपना कुबुज बर सतुआ भर कौर।	४०
अनका धन पर बिक्रम राजा।	४९२
अन बिर्तक बिरत घमलोर बजाई।	५०१
अनोखे हाथ कटोरा आया पाणी पी-पी आफरिया।	९५
अपन भैंस के कुड़हरिये नाथब।	५३
अपना खूँटा पर कुकुरो बली।	५३

पृ. क्र.

अपना गू भोजन बराबर। ४०
अपना घर हग भर, दूसरे का घर थूकने का डर। ५३
अपना घरे अन्हारा मटकी, दोसरा घरे मूसर के बाती। ४१६
अपना टेटर देखें नहीं, दूसरे की फुल्ली निहारें। ३१
अपना पूत, पराया टटींगर। ४०
अपना मूँड़ भांग लोटे पाही जोते जाइले। ४१६
अपना मीठ अनकर तीत। ४०
अपना ला लल बिल दोसरा ला दानी। ४१६
अपना ला लीरी बीरी, दीदिया ला खीर-पूरी। ४१६
अपना हाथ जगन्नाथ। ४७
अपनी करनी पार उतरनी। ४७
अपनी गली में कुत्ता भी शेर। ५३
अपने बच्चे को ऐसा मारूँ, पड़ोसन की छाती फट जाए। ५८
अपने मरे बगैर सुरग नहीं। ४७
अब्बूरो भाई दब्बू। ३३५
अरकी के नाउनि सोने की नहरनी। ५०१
अरजऽ ला भीम भोगऽ ला भगवान। २१७
अरहर की टट्टी और गुजराती ताला। ४६९
अहीर गाड़ी जात गाड़ी, नाई गाड़ी कुजात गाड़ी। ३८१
अहीर देख गड़रिया मस्ताना। ५५०
आँख एको नहीं कजरौटी दस ठाई। ४१७
आँख गड़्ड़, नाक मड्ड़, सोहनी नाम। ७६
आँख न नाक बन्नो चाँद सी। ७६
आँखों का अंधा नाम नयनसुख। ७६
आँखों पर पलकों का बोज नहीं होता। ८६
आई माई को काजर नहीं, बिलाई की भर मांग। १४६
आओ, दुगाना, चुटकी खेले, खाली से बेगार भली। ५६४

पृ. क्र.

आकाश बाँधे, पाताल बाँधे, घर की टट्टी खुली। ६९
आग लागे तऽ गुंडा गांड़ सेंके। २५१
आगे कुआँ, पीछे खाई। १३२
आगे चले तऽ भँडुआ, पाछे चले तऽ गँडुआ। १३२
आगे जावे घुटणे टूटें, पीछे देखे आँखें फूटें। १३२
आगै कूवो, लारै खाड। १३२
आज तोहारी कल्ह हमारी देखऽ भाई पारापारी। २१०
आटा निबड़ा, बूचा सटका। ५२२
आणदीरी नाणदीर भाणीबाई नाँव। ५७७
आटे का चिराग़ घर रक्खूँ तो चूहा खाएँ। बाहर रक्खूँ तो कव्वा ले जाएँ। १३२
आधी को छोड के सारी को धावे, ऐसा डूबे, थाह ना पावे। २४
आधी रात को जंभाई आवे, शाम से मुँह फैलावे। ३०७
आनक कमाई पर तीन टिकुली, एगो कच्ची, एगो पक्की, एगो लाल बिन्दुली। ४९२
आन के धन पर चोर राजा। ४९२
आनी ना छोड़े बानी, सिधरिया ना छोड़े आपन चाल। ३५४
आप काज महाकाज ४७
आप की सो लापसी, परायी सो कुसकी। ४०
आप चले भुइयाँ, शेखी गाड़ी पर। ४१७
आप भूले, उस्ताद को लगाम। १७६
आप मरे जग परलो। आप मरें संसार नास। ८८
आप मऱ्यां जग परलै। ८८
आप हारे बहू को मारे। ९१
आप ही मियाँ मंगते, बाहर खड़े दरवेश। २०३

पृ. क्र.

आम फले नेओ चले, अरंड फले इतराए। ९५
आम फलै नीचां लुळै एरंड अकासां जाय। ९५
आम फलै नीचो चलै, एरँड फलै इतराय। ९५
आय छूटल बाय भेल। १२७
आय माय के माथे तेल नय, बिलाय माथे ठोप। १४६
आल न दोल नांव पंचकल्यान। ७६
आवे के अबेर, जाये के सबेर, बसिया कलेवा तीन तीन बेर। २३८
आवे न जावे बृहस्पत कहलावे। ७६
आवै न जावै हूं लाडैरी भूवा। ५७७
इक लख पूत सवा लख नाती, ते हि रावन घर दिया न बाती। २१०
इणगी कूवो उणगी खाड, गत कठै ही कोनी। १३२
इतनी सी जान और गज़भर की ज़बान। ३५०
इधर गिरूँ तो कुआँ, उधर गिरूँ तो खाई। १३२
इराक़ी पर ज़ोर न चला, गधे के कान उमेठे। ९१
इस कान सुनी, उस कान उड़ा दी। ३३१
ईंट की देवी, झामे का परसाद। ४०३
ईतर के घर तीतर, "बाहर बांधू की भीतर?" ९५
उखरे बार नै नाम बरिआर के। ७६
उखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर? ११५
उजाड़ गाम में मुरार महतो। १
उतरियो गाँव डूमाँने दीजै। ११९
उत से अंधा आय है, इत से अंधा जाय। अंधे से अंधा मिले, कौन बताये राय॥ २६१
उतान काहे चलेलऽ, भाई सरई बाड़न। ४१७
उदधि रहे मरजाद में, बहै उमड़ि नद-नीर। ९५
उद्दम से दिलद्दर घटे। ४७

पृ. क्र.

उधिआइल सतुआ पितरन के दान। १२०
उरिद के भाव पूछीं चनउर नव पसेरी। २३४
उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे। १४२
ऊँखली में माथो दियो पछै मूसळरो काँई डर? ११५
ऊँखली में सिर घाल्यो पछै मूसळरो काँई डर? ११५
ऊँच बरेड़ी फोंफड़ बाँस, रीन खाइ छथि बार हो मास। ४१७
ऊँची दूकान, फीका पकवान। ५११
ऊँटक आगा बूँटक ढेरी। ५५९
ऊँट का पाद, न ज़मीन का, न आसमाँ का। १०५
ऊँट के मुँह में जीरा। १६४
ऊँट खुड़ावै गधो डांभीजै। १७६
ऊँट खुड़ावै जद गधैरै डाम देवै। ४८०
ऊँट, घोडा, भस गएल, गधा पूछे, "कितना पानी" १८
ऊँट डूबे खच्चर था माँगे। १८
ऊँट तो दगते थे, मकड़ी (मेंढ़की) ने भी टांग फैला दी। ५५०
ऊँट बहे, गदहा थाह ले। १८
ऊँटरै पेट में जीरैरो बधार। १६४
ऊजड़ गाँव में एरँडियो रूँख। १
ऊजर धोती मुँह में पान, घर के हाल जाने भगवान। ४१७
ऊजार गाँव में सियार राजा। १
ऊपर ऊपर जापू माला, मन में छत्तीसों कला। ५८८
ऊपर चीकन भीतर रूखड़। ५८९
ऊपर (हाथ में) माला, भीतर कुदाली। ५८९
ऊपर मीठ भीतर तीत। ५८९
ऊपर से राम राम, भीतर कटारी घाव। ५८९
ऊपर से राम राम, भीतर कसाई का काम। ५८९
ऊपर से राम राम, भीतर से सिद्धकाम। ५८९

	पृ क्र.
ऊल में से निकल कर चूल में (पड़ना)।	१२७
एक अनार सौ बीमार।	१६८
एक आवे के बरतन।	१७१
एक कान सुनी, दूसरे कान उड़ा दी।	३३१
एक कौड़ी गाँठी, "चूड़ा पहिनूं कि माठी।"	४१७
एक गाछ हरें गांव भर खोंखी।	१६८
एक टका के चटाई, नव टका बिदाई।	४६९
एक तऽ मिया बुरबक दोसर तोतराह।	१८५
एक तरकश के तीर।	१७१
एक तवे की रोटी, क्या छोटी, क्या मोटी।	१७१
एक तो करेला दूसरे नीम चढ़ा।	१८५
एक तो कानी थी, दूसरे पड़ गया कुनक।	१८५
एक तो कानी बेटी ब्याही, दूसरे पूछनेवालों ने जान खाई।	१८५
एक तो गड़रिन, दूसरे लहसुन खाये।	१८४
एक तो डाइन, दूसरे हाथ लुआठ।	१८५
एक तो बुढ़िया नाचनी, दूजे घर नात्ती।	१८५
एक नीम सौ कोढ़ी।	१६८
एक पंथ दो काज।	१९६
एक पेड़ हरें सगरे गाँव खाँसी।	१६८
एक बोटी सौ कुत्ते।	१६८
एक सुहागिन नौ लौंडे।	१६८
एक हाथसूँ ताली को बाजै नी।	२००
एक हाथ से ताली नहीं बजती।	२००
एगो आवा जाही दोसरे बिछौना चाहीं।	१०९
ओछा पात्र उबलता है।	८
ओछी के हाथ लगी कटोरी, पानी पी पी मरी पदोड़ी।	५९
ओलावे न बोलावे सहदेव बहू चाची।	५७७
ओसों प्यास नहीं बुझती।	१६४
कंद लुटें और कोयलों पर मोहर।	७०
कटेगा बटाऊ का, सीखेगा नाऊ का।	२१७
कटे जजमान के सीखे नउवा।	२१७

	पृ. क्र.
कठै राजा भोज, कठै गाँगलो तेली।	२२८
कढ़ाई से गिरा चूल्हे में पड़ा।	१२७
कडाकड बाजे थोथे बाँस।	८
कतबो गोआर पिंगल पढ़े एक बात जंगल के कहे।	३५४
कतबो राड़ पाग सम्हारथि फेरू राड़।	३५४
कनिया का आँख में लोर ना लोकनी हकन करे।	१४६
कनै कोडी कोनी, नाँव किरोड़ीमल।	७७
कभी के दिन बड़े, कभी की रात बड़ी।	२१०
कभी नाव गाड़ी पर, कभी गाड़ी नाव पर।	२१०
कमाई न धमाई, धा धा मांग टीकेजाई।	२३८
कमाई ना धमाई रोज चाहीं मलाई।	२३८
कमाना न कजाना साढ़े तीन बखरा लेना।	२३८
कमानी न पहिया, "गाड़ी जोत मेरे भैया।"	४१७
कमाय लँगोटिया खाय लमधोतिया।	२१७
कमावै धोतीआला, खा ज्याय टोपीआला।	२१७
कमैनी नय खटैनी सनहक लग बैसनी।	२३८
करघा छोड़ तमाशे जाय, नाहक मार जुलाहा खाय।	३८१
करजान में पात नहिं घर में केरा।	४१७
करना चाहे आशिकी और मामाजी का डर।	११५
करनी कुत्ता के, नाव लछनदेव।	७७
करनी ना करतूत चाभे के मजगूत।	२३८
करनी में जेही सेही, पगुर में रंथ।	२३९
करनी में जेही सेही, बात में सफाई।	२३९
सनहक में भात बा खालऽ जेठ भाई।	२३९
करवा कोंहार के घीव जजमान के बोल पंडित स्वाहा स्वाहा।	४९२
करु बहुरिया लुरुबुरू दुनू सांझ के बखरा एके सांझ हूरु।	२३९
करे कल्लू, भरे लल्लू।	१७६

पृ. क्र.

करे दाढ़ीवाला, पकड़ा जाए मूछोंवाला। १७६
कसइया के सरापे से गइया मरऽ हइ ? ३२८
कहाँ बुढ़िया ? कहाँ राजकन्या ? २२८
कहाँ राजा भोज ? कहाँ कंगला तेली ? २२८
कहाँ रेसम, कहाँ पसम ? २२८
कहे आम सुने, इमली। २३४
कहे खेत की, सुने खलिहान की। २३४
कहे ज़मीन की, सुने आसमान की। २३४
कहे तो मा मारी जाय, नहीं तो बाप कुत्ता खाय। १३३
काँकरा (काकड़िया) कँवळा हुवै तो स्यालिया कदू छोडै। २८८
काका के भईंस भतीजा लड़े कुस्ती। ४९३
काको करै भतीजने गाँड फाटतो गोठ। ६०२
कागलॉरी दुरासीससूँ ऊंट थोड़ा ही मरै। ३२८
काटे बार, नाम हो तलवार का, लड़े सिपाही नाम हो सरदार का। २१७
काठ का घोड़ा, लोहे की जीन, जिस पर बैठे लंगड़-दीन। २६२
कानी कउड़ी पास ना, चल दोस्त मेळा देखें। ४१७
कानी कौड़ी पास नहीं, नाम करोड़ीमल। ७७
का पर करूँ सिंगार, पिया मोर आंधर। ५३१
का बरखा जब्र कृषी सुखाने। ६१
काम करन के आलसी, खावे को तैयार। २३९
काम करै ऊधोदास, जीमे माधोदास। २१७
काम का, न काज का, दुश्मन अनाज का। २३९
काम पड़े मउसी, भोज परे लबार। २९२
काम सऱ्या दुख वीसऱ्या वैरी हुयग्या वेद। २९२
कारवार दाई के, नाँव भउजाई के। २१७
कालमें इधकमासो। १८५
काली घटा डरावनी और धौली बरसन-हार। २९९
कासा दीजे, बासा न दीजे। ११०
क्या जाने गँवार घुँघटवा का प्यार। ५३१

पृ. क्र.

किसी का घर जले, कोई तापे। २५१
कीड़ी संचै तीतर खाय, पापी का धन पर ले जाय। २१८
कुकुर के पोंछ में कतनों तेल लगाइब टेढ़ के टेढ़ ही रही। ३५४
कुटनी पिसनी कैं एक बखरा, बैसल बिलाई के तीन बखरा। २१८
कुत्ता घास खाए तो सभी पाल लें। २८८
कुत्ता चौक चढ़ाए, चरनी चाटन जाए। ३५४
कुत्ता भौंका ही करता है, हाथी चला ही जाता है। ५७३
कुत्ती जाया कूकरिया एके डोरे ऊतरिया। १७१
कुत्ते की दुम बारह बरस नलवे में रक्खो, तो भी टेढ़ी की टेढ़ी। ३५४
कुत्ते की मौत आवे तो मस्जिद में मूते। ६०६
कुत्ते के भौंकने से हाथी नहीं डरता। ५७३
कुत्तेरी पूँछ दस वरस जमी में राखी, निकाली तो फेर आँटी-र-आँटी। ३५४
कुम्हार अपना ही घड़ा सराहता है। ४०
कुम्हार के घर बासन का काल। २५६
कूँथ के जोर किया, तौ भी न टूटा पापड। "इन भुज-दण्डो से" कहते थे, "सिपर चीरेंगे-" ४१७
कूँभार रे घर फूटी हाँडी। २५६
कूटत कूटत हमार जान जा ले, लीलत लीलत तोहर जान जाले। २१८
कूट पीस के लइली हीरा, अलगट मांड पसवली जीरा। २१८
कूद कूद मछली बगुले को खाए। १४६
केकर लइका केकरा उछावन। ४८०
कोंहार के घरे माटी के दुख। २५६
कोई पूछै न ताछै हूं लाडेरी भूवा। ५७७
कोइरी के गाँव में धोबी पटवारी। १
कोइरी के बेटी राजा के घरे गइली तऽ बैगन हैगन कहली। ३५४
कोठिला भर मंडुआ में मुसहर बडरायलहक ९६

पृ. क्र.

कोडी-कोडीने कंजूस, रुपियाँरो दातार। ७०
कोयला होवे न ऊजला सज्जी साबुन लाए। ३५५
कोरहिया के दाल भात कमासुत के फुटहा १४६
कोली का घर जले, कलंदर गन्ना मांगे। २५१
कौआ केकाय मरे हंसा गमें चले। ५७४
कौड़ी पास नहीं, पड़ी अफ़ीम की चाट। ४१७
कौवा चला हंस की चाल, अपनी चाल भी भूल गया। ५५०
खग जाने खग ही के भाषा। ३४२
खर को गंगा न्हवाइये तऊ न छाँडे छार। ३५५
खरी बिनौला सँडवा खाय, जोतै फाँदे बँड़वा जाय। २१८
खसली पहाड़ सँ रुसली भतार सँ। ९१
खसी मारि घरवैया खाय हत्या नेने पाहुन जाय। १७६
खाँड गळै जद सगळा आ ज्यावै गाँड गळै जद कोई को आवै नी। ५२२
खाँ सा'ब लकड़ी तोड़ो तो कै, यह काफर का काम।
खाँ सा'ब खीचड़ी खावो तो कै, बिसमिल्लाह। २३९
खाते-पीते जग मिले, औसर मिले न कोय। ५२२
खाने को शेर, कमाने को बकरी। २३९
खाय कांसाभर, चले आसाभर। २३९
खाय भीम, हगे शकुनी। २१८
खाय ला आली बाली तेल लगाब ला तीन तीन माली। ४१८
खाये के लाई ना पादे के मिठाई। ४१८
खाये के हइले ना पेन्हे तरकी। ४१८
खाली वासन घणा खड़खड़ावै। ८
खावण-पीवणने खेमली नाचणने गजराज। २१८
खावै सूर कूटीजै पाडा। १७६
खिणियो डूँगर निकळियो ऊँदर ५४६
खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे। ९१

पृ. क्र.

खीराँ मेली खीचड़ी टीलो आयो टच्च। २३९
खेत गुन खेत गुन परि गेल बिया, जइसन मइया तइसन धिया। ४११
खेत चरै गदहा, मारा जाय जोलहा। १७६
खेत न पथार खेतोरिया राजा। ४१८
खेती कर कर हम मरे, बहोरे के कोठे भरे। २१८
खेल न जाने मुर्गी का, उड़ाने लगा बाज़ ४१८
खोदा पहाड़ निकली चूहिया। ५४६
गंगा बही जाए, कलबारिन छाती पीटे। ४७७
गंजी पनिहारी और गोखरू का इंडुवा। १८५
गगरी अनाज भइल जोलहन के राज भइल। ८
गढ़ै कुम्हार, भरै संसार। २१८
गधा खेत खाय और जुलाहा पीटा जाय। १७६
गधा पीटे घोड़ा नहीं होता। ३५५
गधा मरे कुम्हार का, धोबन सती होवे। ३२३
गधे को अंगूरी बाग़। ५३२
गधे को गुलकंद। ५३२
गधे को जाफरान। ५३२
गधेने लाख साबणसूँ धोवो घोड़ो को हुवैनी। ३५५
गधो मिसरी सार काँई जाणै। ५३२
गधों से हल चले तो बैल कौन बिसाए? २८८
गयी तो गळो करावणनै, काँच माथे पड़ी। १२७
गरजते हैं, वोह बरसते नहीं। २९९
गरज मिटी गूजरी नटी। २९२
गरज सरी'र वैद वैरी। २९२
गरजै सो वरसै नहीं वरसै घोर अँधार। २९९
गाँठ में दाम न, पतुरिया देख रुआई आये। ४१८
गाँठ में पैसा नहीं बाँकीपूर की सैर। ४१८
गाँठी में दाम ना, पतुरिया देखे भोंकार छोड़ैं। ४१८
गाँडमें गू ही कोनी, कागळाँमें नोंता देवै। ४१८

प्र. क्र.

गांड में गू नहीं और कव्वे मेहमान। ४१८
गांव के बेटी बटठगनी। ३०३
गाछ में कठल, होंठ में तेल। ३०७
गाछे कटहल ओठे तेल। ३०७
गाड़ी देख कर लाड़ी के पाँव फूले। ३१६
गादड़ेरी मौत आवै गाँव कानी भाजै। ६०६
गाय को अपने सींग भारी नहीं। ८६
गाया में गाय पैड़ा पर बाछी,
बरे अयला पर एक ना बाकी। २९२
गिंडक नारेळ सार काँई जाणै। ५३२
गिरगिट की दौड़ बिटौरे तक। ५८३
गिर पड़े की हर गंगा। १२५
गिरह-कट का भाई गठ-कट। ३३५
गिरहथ के बरे नेवान ना चोर के बरे
दादर। १४६
गिरह में कौड़ी नहीं और बज़ार की
सैर। ४१८
गीदड़ की शामत आये तो गाँव की
ओर भागे। ६०६
गीदड़ गिरा झिरे में, कहे, "आज
यहीं रहेंगे।" १२५
गुड़ दियाँ मरै जकेने जहर क्यूँ देणो। ३१९
गुड़ दिये मरे तो ज़हर क्यों दीजे। ३१९
गुड़िया के ब्याह में चियों की बेल। ४०३
गोंद पंजिरी और ही खाएँ।
जचहा रानी पड़ी कराहे। १४६
गोद का छोड़ पेट के की आस। २५
गोदी में बैठ के आँख में ऊँगली। २७८
गोदी में बैठ के दाढ़ी नोचे। २७८
गोधा गोधा अड़बडैर बाँठाँरो खोगाळ। ५५७
गोहरी मौत आवै जराँ ढेढरा खालड़ा
खड़बड़ावै। ६०७
गौंड़े आई बरात, बहू को लगी हगास। २०६
ग्वालन अपने दहीं को खट्टा नहीं कहती। ४०
घड़े कुम्हार, भरे संसार। २१८
घड़े सरीखी ठीकरी माँ सरीखी डीकरी। ४११

प्र. क्र.

घर आया नाग न पूजे, बांबी पूजन जाय। २५
घर का जोगी जोगना,
आन (अन्य) गाँव का सिद्ध। ३०३
घर की खाँड़ किरकिरी, चोरी का गुड़
मीठा। ३०३
घर की मुर्गी दाल बराबर। ३०३
घर के दाल गोबराइन लागेला। ३०३
घर के बीबी के खासा ना, रंडी के
मलमल। १४६
घर खरची नहिं डेउढ़ी पर ढेकार। ४१८
घर खरची ने नगर नेओता। ४१९
घर जले, गुंडा तापे। २५१
घर ने दुआर सिवचन्दर राजा, ढोल नै
झाल अंग्रेज़ी बाजा। ४१९
घर बळती को दीसै नी डूँगर बळती दीस
ज्याय। ३१
घर में कुरथीक रोटी बाहर कोरवाला
धोती। ४१९
घर में खाए नहीं, अटारी पर धुआँ
करे। ४१९
घर में चिराग़ नहीं, बाहर मशाल। ४१९
घर में जो शहद मिले, तो काहे बन को
जाय। २८८
घर में तो फाका पड़ै मोडा नूँतण जावै। ४१९
घर में देखो चलनी न छाज बाहर मियाँ
तिरंदाज़। ४१९
घर में धान न पान, बीवी को बड़ा
गुमान। ४१९
घर में न दिया न बाती, मुंडो फिरे
इतराती। ४१९
घर में नहीं अखतरा बीज, कोडो खेळे
आखातीज। ४१९
घर में नहीं तागा, अलबेला मांगे पागा। ४१९
घर में नहीं दाने, बुढ़िया चली भुनाने। ४१९
घर में नहीं बूर, बेटा मांगे मोतीचूर। ४२०
घर में बहू ने बाहर बेटा किरिया। ४२०

पृ. क्र.

घर में बिलौटा बाघ। ५३
घर में भूँजी भांग नहीं, नगर में निमंत्रण। ४२०
घर में भूँजी भांग ना कोठे पर धुमगाजरी। ४२०
घर में महुवा की रोटी, बाहर लंबी धोती। ४२०
घरा छोरा घंटी चाटै ओझेजीने आटो। १४७
घरा टाबर कुँवारा फिरै पाड़ास्याँने फेरा भावै। १४७
घरे घाणी तेली लुखो क्यों खावै। २५६
घी खाया बाप ने सूँघो मेरा हाथ। ४२०
घोड़े घोड़े लड़े मोची का जीन टूटे। ५५७
चम्बेली चाव में आई, बख्तावर रेवडियाँ बाँटे। ३२३
चमार के जोरू टूटल पनही। २५७
चमाररी जोरू टूटी जूती। २५७
चमारों के कोसे ढोर नहीं मरते। ३२८
चरग्या सूर कुटीज्या पाडा। १७६
चलनिया दूसे बढ़निया के जेकरा सहसर गो छेद। ३१
चली चली आई सौत के पीहर। १२७
चलै के चेढा नै तमू के फरमायस। ४२०
चले न जाने आँगन टेढ़ा। ५०७
चलो सखी, वहाँ चले, जहाँ बसे वृजराज। गोरस बेचत हरि मिले, एक पंथ दो काज। १९६
चाउर उधार दाल उधार बाजन बाजेला उधार। ४२०
चाउर ताउर छैन्हि नहिं, कनसार धिपाबह। ४२०
चाचा चोर भतीजा काझी। २६२
चाम का चमोटा कूकर रखवाल। ५६०
चार आना के जनेश, चउदह आना के मचान। ४६९
चार दिन की आइयाँ, और सौंठ बिसाइन जाइयाँ। ३०७

पृ. क्र.

चार दिनों की चांदनी, फिर अंधेरा – २१०
चारि कौर भित्तर, तब देव और पित्तर। ५१७
चालणी सुईने हँसे। ३१
चास दी बांस नहिं दी। ११०
चिकने घड़े पर पानी। ३३१
चिड़ियाँ करे खोंचा, चिडा करे नोंचा। २१८
चिन्ह न जान मौसी मौसी करे। ५७७
चिरई के जान जाय लईका के खेलवना। २५१
चील के घर में मांस की धरोहर। ५६०
चुरावे नथवाली, नाम लगे चिरकुटवाली। १७७
चूल्हा छोड़ भंसार जाव। १२८
चूहे का बच्चा बिल ही खोदेगा। ३५५
चोट लगी पहाड़ की और तोड़े घर की सील। ९१
चोट्टी कुत्तिया जलेबियों की रखवाली। ५६०
चोपड्ये घड़े छाँट को लागै नी। ३३१
चोर का भाई गट्ठी चोर। ३३५
चोर का मन बुक्चे में। ३३९
चोर की नज़र गठरी पर। ३३९
चोर कुतिया, जलेबी की रखवाली। ५६०
चोर को चोर ही पहचाने। ३४२
चोर गठरी ले गया, बेगारियों को छुट्टी - १२५
चोर चोरी से गया, तो क्या हेरा फेरी से भी गया ? ३५५
चोर जाने चोर की सार। ३४२
चोर चोर मौसेरे भाई। ३३५
चोरा पग चोर ओलखै। ३४३
चोरवा के मन बसे ककड़ी का खेत। ३३९
चोरी और मुँह-जोरी। १४२
चोरी और सिर-जोरी। १४२
चोरी और सीना-जोरी। १४२
चोरी का गुड़ मीठा। ३४५
छः चावल और नौ परवाल पानी। ५९६
छछूँदर के सिर में चम्बेली का तेल। ४२०
छटाँक चून, चौबारे रसोई। ४२०

	पृ. क्र.
छटाँक सेतुवा मथुरा में भंडारा।	४२०
छदामरो छाजलो टको गँठाईरो।	४६९
छप्पर पर फूस नहीं, ड्योढ़ी पर नाच।	४२०
छाज बोले सो बोले, चलनी भी बोले जिस में बहत्तर सौ छेद।	३१
छाती पे बाल नहीं, भाल से लड़ाई।	४२१
छानी पर फूँस नहीं, देवड़ी पर नाच।	४२१
छुद्र नदी भरि चलि उतराई, जस थोरे धन खल बउराई।	८
छूछी हांडी बाजे टन टन।	८
छेरी भेरी हर चले तऽ बगौधा रख के का होई।	२८८
छैल छींट, बगल में ईंट।	४२१
छोटा मुँह, बड़ा निवाला।	३५०
छोटा मुँह, बड़ी बात।	३५०
छः महीने मिमियानी, एक बच्चा बियानी।	२४७
जइसन उदई ओइसन भान, उन्हुका चिरुकी न इन्हिका कान।	२६२
जइसन माई ओइसन जाई।	४११
जनम के कमबख्त, नाम बख्तावरसिंघ।	७७
जनम के दुखिया, नाम सदा सुख।	७७
जनम के मंगता, नाम दाताराम।	७७
जब नटनी बाँस पर चढ़ी, तो घूँघट क्या।	११५
नटनी जब चढ़ी बाँस तो घूँघट क्या।	११५
जब वर लागल दुआर तब समधिन के लगल हगवास।	२०६
जबले पइसा गाँठ में तबले यार हजार।	५२२
जमा लगै सरकार की और मिर्ज़ा खेले फाग।	४९३
जरला बन में छाउर के अकाल।	२५७
ज़रा ना जहूर, "गाँठ मेरी भरपूर।"	४२१
ज़रा सी किलनी और नौ मन काजर।	४६९, ५९६
ज़रूरत के वक्त गधे को भी बाप बना लेते हैं।	६०२

	पृ. क्र.
जल में मछली, नौ नौ कुटिआ बखरा।	३०८
जलाने को फूँस नहीं और तापने को कोयला।	४२१
जवना पत्ता पर खाये के वोही पत्ता पर छेरे के।	२७८
जवने रुख के छांह लीहीं ओकरे डाढ़ काटी।	२७८
जवाँ राँड़, बूढ़े साँड़।	१४७
जवान जाए पताल, बुढ़िया मांगे भतार।	१४७
जवानी और उस पर शराब, दूनी आग।	१८५
जहाँ गुड़ होगा वहाँ मक्खियाँ आएंगी।	५२२
जहाँ देखे तवा-परात, वहाँ गावे सारी रात।	३८८
जहाँ रुख नहीं तहाँ अरंड रुख।	१
जहाँ रुख नहीं बिरिख, वहाँ रेंड ही महापुरुख।	१
जा के पाँव न फटे बिवाई सो क्या जाने पीर पराई।	३९२
जा को जैसा सुभाव, जाएगा जीऊ से; नीम ना मीठा होवे, सीच गुड़ घीऊ से।	३५५
जा को राखे साइयाँ, मारि न सकि हैं कोय। बाल न बाँका कर सके जो जग बैरी होय॥	५७०
जा को राम रच्छक, ता को कौन भच्छक?	५७०
जाट जंवाई भाणजा रेबारी सोनार। इतरा हुवे न आपरा कर देखो उपगार॥	२७८
जाट जाटणीने बारी कौनी आवै जणाँ गधेड़ीरा कान मरोड़ै।	९१
जाड़ा गये जड़ावर, जोबन गये भतार।	६२
जात के दुश्मन जात, काठ के दुश्मन काठ।	३७७
जात सुभाव न छोड़ियो, अन्त-करइली तींत।	३५५
जाति सुभाव न छूटै, टाँग उठाइ के मूतै।	३५५

पृ. क्र.

जान ऽ लन निहाई जब ऊपर से परला घन । ३९२
जानेली चिलम जिन का पर चढेला अंगारी । ३९२
जितनी चादर देखो, उतने ही पाँव पसारो । १०२
जियत न दैहौं कौरा, मरे उठैहों चौरा । ३९९
जियत पिता से दंगम दंगा, मरे पिता पहुँचावहिं गंगा । ३९९
जियत पिता से पुछं न बात, मरे पिता को दूध औ' भात । ३९९
जिस का काम उसी को साजे, और करे तो ठेंगा बाजे । ३८१
जिस का खाइये, उस का गाइये । ३८८
जिस का जावे वोही चोर कहाये । १४७
जिस का मंडुआ, उस के गीत । ३८८
जिस के सिरपर पड़ती है, वोही जानता है । ३९२
जिस टहनी पर बैठे, उसी को काटे । २७८
जिस तन लागे, वोही जाने । ३९२
जिस बरतन में खाना, उसी में छेद करना । २७८
जीजा के माल पर साली मतवाली । ४९३
जीते न पूछे, मुए धड़धड़ पीटे । ३९९
जीमणमें अगाड़ी लड़ाई में पिछाड़ी । २४०
जीवे न माने पितर, मुए करे सिराध । ३९९
जेकर कटहर घर घर पाट, तेकर धीया पूता कमरी चाट । १४७
जेकर मैया पूआ पकावे, तेकर घिया लिलके । २५७
जेकरे घुड़वा बैठीं, तेकरे आंड डागीं । २७९
जेकरे मूरे मूर सेकरे मारब तीन हूर ? २७९
जेकरे में सुत्ते ओकरे में मुत्ते । २७९
जे कहे बैसू तेकरे में पैसू । २७९
जे खड़े मूती से छिटका से डेराई । ११५
जैसा देवता, वैसी पूजा । ४०३

पृ. क्र.

जैसी तेरी तिल चावली, वैसा मेरा गीत । ३८८
जैसी बंदगी वैसा इनाम । ३८८
जैसे दाम वैसे काम । ३८८
जैसे नागनाथ, वैसे साँपनाथ । ३३५
जैसे नीमनाथ, वैसे बकायननाथ । ३३५
जैसे साजन आए, वैसा बिछौना बिछाए । ४०३
जो कहते हैं, वोह करते नहीं । २९९
जो गधे जीते संग्राम, तो काहे को ताझी को खर्चें दाम ? २८८
जोगी जोगी लड़ें, खप्परों का खौर । ५५७
जो पिआझ काटेगा, सो आर रोवेगा । ३९२
जौहर को जौहरी पहचाने । ३८१
ज्याँरी खावै बाजरी वाँरी भरै हाजरी । ३८८
झगरा भतार से रुसली संसार से । ९१
झरवेरी के जंगल में बिल्ली शेर । ५३
झाड़ मान झूँपड़ी तारागढ़ नाँव । ७७
झूठ कहे सो लड्डू खाए, सच कहे सो मारा जाए । १४७
झोंपड़ी में रहे, महलों का सपना देखें । ४२१
झोटे झोटे टक्करे/लड़े, झुंडियों का नास । ५५७
टका कराई और गंडा दवाई । ४६९
टके की बुढ़िया नौ टका सिर मुँड़ाई । ४६९
टके की मुर्गी, छः टके महसूल । ४७०
टांग उठे ना, चढल चाहे हाथी । ४२१
टाट का लंगोटा नवाब से यारी । ४२१
टाबरियाँ ही घर बसै तो बाबो बुढली क्यूँ लावै । २८८
टीमटाम अतना जलपत्तर नदारत । ४२१
टेंट में छदाम ना पतुरिये नचाइब । ४२१
ठग जाने ठग ही के भाखा । ३४३
ठेहुनिया गइनीं तऽ हर गंगा । १२५
ठोकर लगी पहाड़ की, तोड़ें घर की सील । ९१
डांड टूटे रंडी के, भँडुआ दोसाला ओढे । २१९

प्. क्र.

डूंगरिया रलियावणा आधा ईसरदास। ४८८
डेढ़ गुरिया ढांढ़ी ले हार। ५९७
डेढ़ गोट घोड़ी नौ गोट फ़ौज। ५९७
डेढ़ गो बोझा दीयर में खरिहान। ४२१
डेढ़ बक़ायन, मियाँ बाग में। ४२१
डोम डोली, पाठक प्यादा। १४७
डोली न कहार, बीबी भइ है तैयार। ५७७
ढाकन कुम्हार के आ घी जजमान के स्वाय नमः स्वाय नमः। ४९२
ढेढाँरी दुरासीससूँ गायाँ थोड़ी ही मरे। ३२८
ढोढ़ी में दम ने बाजार में धक्का। ४२१
ढोल के भीतर पोल। ५११
तत्ता कौर, निगलने का, न उगलने का। १३३
तन पर नहीं धागा, नाम चंद्रभागा। ७७
तन पर नहीं लत्ता, पान खाय अलबत्ता। ४२२
तबेले की बला बंदर के सिर। १७७
तवे पर की बूँद। ३३१
तवो कहै हूँ सोनरो थो चूल्हो कैवे चढ़तो थो म्हारे ऊपर इज हो। ४२२
तवो हाँडीने काळी बतावै। ३२
ताक पर बैठा उल्लू मांगे भर-भर चुल्लू। ९६
ताली दोऊ कर बाजे। २००
तीन आँगळरो लिलाड़ जकेमें ही दोसळ १८५
तीन का टट्टू, तेरह का जीन। ४७०
तीन पा धनिया सहजादपुर दोकान। ४२२
तीन पाव भीतर, तो देवता और पीतर। ५१७
तीन बुलाये तेरह आये, देखो यहाँ की रीत। बाहरवाले खा गये, और घर के गावे गीत। १४७
तीर न कमान, मेरे चाचा खूब लड़े। ४२२
तीर न तरकस चाचा तिसमारखाँ। ४२२
तुलसी के पत्ता, कवन छोट, कवन बड़। १७२
तेत्ते पाँव पसारिये, जेती लांबी सौर। १०२
तेल तेलीरो बळै, मसालचीरी गाँड बळे। ४७७
तेल में तरी तब करइला, घीव में तरी तब करइला। ३५५

प्. क्र.

तेली का काम तंबोली करें, चूल्हे में आग उठे। ३८१
तेली का तेल जले, मशालची का दिल जले। ४७७
तेली का बैल ले के कुम्हारिन सत्ती होवे। ३२४
तेली क्या जाने मुश्क की सार। ५३२
तोला भर की चार कचौरी, खुरमा मासे ढाई का।
घरमें रोवें बहिन, भानजी, बाहर रोवें नाई का।
धीरे धीरे जीमों पंचों, देखो गज़ब खुदाई का।
लालाजी ने ब्याह रचाया, लहंगा बेच लुगाई का। ४२२
तोला भर की तीन चपाती, कहे जिमाने चालो हाथी। ४२२
थका ऊँट सराय ताकता है। ३३९
थान हार जाये लेकिन गज ना हारे। ७०
थोड़ा कुटिआ, बहुत भड़भड़ि। २४७
थोथा चना, बाजे घना। ८
दमड़ी की अरहर, सारी रात खड़हर। ५४६
दमड़ी की गुड़िया टका डोली का। ४७०
दमड़ी की बुढ़िया, टका सर मुँड़ाई। ४७०
दमड़ी की बुलबुल, टका छुटाई। ४७०
दमड़ी की मुर्गी, नौ टका निकिआई। ४७०
दमड़ी पास नहीं, नाम लखपतराय। ७७
दर्जी की सुई, कभी ताश में, कभी टाट में। २१०
दरवाजे पर आई बारात, समधिन को लगी हगास। २०६
दही के घर में विलाय भंडारी। ५६०
दागे के सांढ, तो दाग ले लोहार। ३८१
दाता दे, कंजुस झुर झुर मरे। ४७७
दाता दे, भंडारी का पेट फटे। ४७७
दाने को टापे, सवारी को पादे। २४०

	पृ. क्र.
दाली में जतना पचै ओतने नोन दै।	१०२
दिखने में ढब्बू, चलने में शिवराई।	५११
दिन भर चले अढ़ाई कोस।	५४६
दिया हाथ, खाने लगा साथ।	११०
दिल्ली के दिलवाले, मुँह चिकना, पेट खाली।	४२२
दिल्ली के बाँके, जूती में सौ सौ टांके।	४२२
दुअरा पर दालान वा भीतरी भोंभाड़ बा।	४२२
दुबिधा में दोनों गये माया मिली न राम।	१०५
दुल्हा के पत्तल ना, बजानिये के थार।	१४७
दुल्हा दुल्हन पाए, शाह-बाला लातें खाए।	२१९
दूखै पेट कूटै माथो।	४८०
दूध का जला छाछ फूँक फूँक कर पीता है।	४८३
दूधरो बल्योड़ो छाछने फूँक दे-दे 'र पीवै।	४८३
दूर के ढोल सुहावने।	४८८
देख सियारिन भागल आवे, सेरसाह के बाप कहावे।	७७
देखादेखी साधै जोग। छाजै काया बाढ़े रोग।	५५०
देहमें न लत्ता लूटैला कलकत्ता।	४२३
धनि आन्हर पिया खोट, दुन् मिलला जोड़म जोड़।	२६२
धन्नासेठ के नाती बने, केहू जाने चाहे ना अपने मने।	५७७
धोबी का कुत्ता घर का न घाट का।	१०५
धोबी पर बस न चला, गधिया के कान मरोड़े।	९१
धोये हू सौ बार के काजर होय न सेत।	३५५
नंगों को भूखों ने लूट लिया।	२०३
नई आई दरजिनि काठ की कतन्नी, नोखे की नाउनि बाँस कै नहन्नी।	५०१
नई घोसन और उपलों का तकिया।	५०१
नई धोबिनिया आती है लुगरी में साबुन लगाती है।	५०१
नई फ़ौजदारी, और मुर्गी पर नक्कारा।	५०१
नई बहुरिया करइला में झोर।	५०२
नई बहू, टाट का लहंगा।	५०२
नउआ के देख के हजामत बढ़े।	३१६
नउआ देख ले काँखे बार।	३१६
नकटा देव सुरड़ा पुजारी।	४०३
नया अतीत पेड़ पर अलाव।	५०२
नया गँजेड़ी बलैंड़ी पर धुआँ।	५०२
नया चिकनिया, रेंडी के फुलेल।	५०२
नया जोगी और गाजर का शंख।	५०२
नया नाई और बांस की नहरनी।	५०२
नया मुसलमान, 'अल्लाह अल्लाह' पुकारे।	५०२
नया मुसलमान खुदा मियां लावेहाल।	५०२
नया मुसलमान दस बेरी नमाज पढ़े।	५०२
नये नये हाकिम, नई नई बातें।	५०२
नये सापाही, मूँछ में डंडा।	५०३
नष्ट देवरी भ्रष्ट पूजा।	४०३
नाँगटऽपर नाँगटऽ गिरलऽ दुन्नो गेलऽ ओझराय।	२०३
नाँव पहाड़सिंह, देंह चिआँ अस।	७७
नाच न जाने आँगन टेढ़ा।	५०७
नातिन सिखावे आजी के कि कोहबर कइसे होय।	३५०
नातिन सिखावे आजी को कि बारा ड्योढ़े आठ।	३५०
नाती के गाँती ने, बिलाई के जामा।	१४७
नाम निरमलदास, देह भर दादै दाद।	७७
नानी के आगे ननिहाल की बातें।	३५०
नानी खसम करै दोहीतो डंड भरै।	१७७
नाफा साफा नानी खइहेन, कमर तुरावे नातिन जइहेन।	२१९

प्. क्र.

"नाम क्या?" "शक्कर पारा।" "रोटी कितनी खाए?" "दस-बारा।" "पानी कितना पिये?" "मटका सारा।" "काम करने को?" "मैं लड़का बिचारा!" २४०
नाम बड़ा ऊँचा, कान दोनों बूँचा। ५१२
नाम बड़े, दर्शन खोटे। ५१२
नाम बसंती, मुँह कुकुर सा। ७७
नाम मिसरीलाल गुन गुड़ौक नहीं। ७७
नाम हीरालाल, दमक कंकरसी भी नहीं। ७८
नाया दुलहिन टाट के लहंगा। ५०३
नाया नवाब आसमान पर दिमाग़। ५०३
नाया भजनिया टीक में झाल। ५०३
नाया मुसलमान जादा पिआज खाय। ५०३
नारी मीठी चोरी की। ३४६
नाव कपूरचन गन्ह गोबर। ७८
नाव कुमारी काम सतभतारी। ७८
नाव गुलबेया, महक धमोय के। ७८
नाव चढ़े झगड़ालू, आवै पौरत आवै साखी। १४७
नाव दूधनाथ, लज्जित मठो के न। ७८
नाव धरमात्मा पून के लेसे न। ७८
नाव पिरथीपति सोमहुत के ठेकानें ना। ७८
नाव भवानी मुँह छुछुनर के। ७८
नाव रजरनिया, बेटी चमार के। ७८
नाव रामलखन, मुँह कुकुरन। ७८
निकमो नाई पाटला (पाडा) मूँडै। ५६४
निठल्ला बनिया पत्थर तोले। ५६४
नीच न छोड़े निचाई, नीम न छोड़े तिताई। ३५६
नीचा धरीं त माछ माछर खाय। ऊपर धरीं त सहदूल ले जाय॥ १३३
नीचे धयला पर चिल्ह बउआ खाई। ऊपर धयला पर बाज़ ले जाई। १३३
नेमी पांडे, कमर में जटा। ४२३
नोन के पुतरा चलल समुद्दर थाहे। १८

प्. क्र

नौआ देखी नौ बाढ़े। ३१६
नौ कूँडे और दस नेगी। १६८
नौ की लकड़ी, नब्बे धुलाई। ४७०
पंचबरती के फटल गुदड़िया बेसवा पेन्हे सारी। १४८
पईसैरी डोकरी, टको सिर मुंड़ाई। ४७०
पईसैरी भाजी, टकैरो बघार। ४७०
पगां बळती को दीसै नी, डूंगर बळती दीस जाय। ३२
पठानों ने गाँव मारा, जुलाहों की चढ़ बनी २१९
पढ़ा न लिक्खा, नाम विद्याधर। ७८
पतळी छाछ, भळै पाणी पड्यो। १८५
परजा मरण, राजा की हँसी। २५१
पराई बदशगुनी के वास्ते अपनी नाक कटाई। ५८
परायी गांड में मूसळ देवै जरां सूई सो लागै। ३९२
पहरणनै तो बाबरो ही कोनी, नांव सिणगारी। ७८
पहली पेट पूजा, पछै काम दूजा। ५१८
पहले पेट पूजा, तब काम दूजा। ५१८
पहले भीतर तब देवता पीतर। ५१८
पांड़े मरस जान से पंड़ाइन मांगस मीठा। २५१
पाडोसण छड़ै खीच, धमको पड़ै म्हारै सीस। १७७
पायां ही सर ज्याय तो झाड़ै कुण जाय? ३१९
पानी में मछली, नौ नौ टुकड़ा हिस्सा। ३०८
पारकै पईसै परमानन्द, लालकंवरजी करै अनंद। ४९३
पावणा जीमता ही जाय, रांडां रोवती ही जाय। ५७४
पास न कौड़ी, कान छेदावै दौड़ी। ४२३
पितर रूसिहन तऽ का लीहन तिलगुड खइहन। ५८३
पिये रुधिर पय ना पिये, लगी पयोधर जोंक। ३५६

पृ. क्र.

पीपल पूजन मैं चली, निगम बोध के घाट।
पीपल पूजत पी मिले, एक पंथ दो काज ॥ १९७
पीये के पानी ने खाय के मलाई। ४२३
पीरॉं भरोसै धाबलियो ही बाळ्यो। २५
पील्ली मरस बाथा से राजा खेलस सिकार। २५१
पुराना ठिकरा और कलई की भड़क। ४२३
पुरुख उपजावे धान तऽभोगी लछनमान। २१९
पूछे न आछे, मैं दुलहिन की चाची। ५७७
पूँजी धास ने कूँजी क झाबा। ४२३
पूत मीठ भतार मीठ किरिया केहि की? १३३
पूनी अरजे पापी खाय पुन्नी जीउ अकारथ जाय। २१९
पेट करे कुह कुह जुड़ा करे महमह। ४२३
पेट में अन्न ना सौखिनिए करीहें। ४२३
पेट में पड़ल जुराई कैलहूँ नहिराक बड़ाई। ५१८
पेटहा चाकर, बसहा घोड़, खाए बहुत काम करे थोड़। २४०
पैसा न कउड़ी बीच बज़ार में दौड़ी। ४२३
पोखरी में पानी न हाथी के नेवता। ४२३
पोथी न पतरा देखे चललन जत्रा। ४२३
फूके के ने फांके के टांग पसारि कए तापे के। २४०
फूटी देगची, कलई की भड़क। ४२३
फूफोजी रुससी तो भूवाजीनै राखसी। ५८३
बंदर के गले में मोतियों की माला। ५३२
बंदर के हाथ आइना। ५३२
बंदर क्या जाने आदी का सवाद? ५३२
बइठल बुढ़वा टिमकी फोरे। ५६४
बकरी से हल चलता तो बैल कौन रखता? २८८
बगल में छुरी, मुँह में राम।
बगल में बच्चा गाँव में ढ़ंढोरा। ५४३
बगल में लड़का, शहर में ढ़ंढोरा। ५४३
बगल में सोटा, नाम ग़रीबदास। ७८

पृ. क्र.

बछिया रही तऽ सुहागिन रही, बिका गेल तऽ बछिया अभागिन भई। ४०
बड़बड़ ऊँट बहाइल जासु, गदहा कहे कतेक पानी। १८
बड़ बड़ घोड़ी टहने लँड़होरी कहे केतना पानी। १८
बड़ बड़ जन के भेंटक लावा लबरो के मिठाय। १४८
बड़े बड़े नाग पड़े ढोंढ़ मांगे पूजा। १८
बड़े बिखौ बिखधर, चलत सीस नवाए। थोड़े बिखौ बिच्छू, चलत दुम अलगाए ॥ ९, ९६
बनज करेंगे बनिया, और करेंगे रीस। बनज करा था भाट ने सौके रह गये तीस ॥ ३८१
बनिया देता ही नहीं, कहे "ज़रा पूरा तोलियो। ५७७
बर के न मिले भूसा, बराती मांगे चूंडा। १४८
बर को भूसा ना, बरअतिआ को चिउरा। १४८
बर के न मिले भूसा, बराती को चिउड़ा। १४८
बर न बिआह, छठ्ठी बरे धान कूटैं। ३०८
बह मरे बैल, बैठे खाए तुरंग। २१९
बहरे आगे गाना, और गूँगे आगे गल। अंधे आगे नाचना, तीनो अल बिलल। ५३२
बही मरे बहियां, बैठलो खाय तुरुक। १४८
बहुत कथनी, थोड़ी करनी। २४७
बाँस बढ़े झुक जाए, अरंड बढ़े टूट जाए। ९६
बाँस सँ कड़ची मोट। ५९७
बाघे भैंसा लड़ाय झाड़ी पातिक निनान। ५५७
बाजे खुरदक नून नदारद। ४२४
बाजे बाजे सितार चमन में, कुरथी के सत्तू आँगन में। ४२४
बात लाख की, करनी खाक की। २४७
बातों चिकना, कामों खुआर। २४७

	पृ. क्र.
बातों बूढ़ा, करतब खुआर।	२४८
बादला मेंढे से नीम नहीं छुपता।	३५६
बानर के खीस तबला के ऊपर।	९१
बानवाले की बान न जाए, कुत्ता मूते टांग उठाए।	३५६
बाप ओझा, माँ डायन।	२६२
बाप कुंजड़ा, बेटा शेख।	२७४
बाप के गले में मोगरे, पूत के गले में रुद्राक्ष।	२७४
बाप चुर-चुर, पूत लर-झर।	२७४
बार जेकर मरै से खाय मांस-भात, पड़ोसिया जाय गया।	१४८
बाप देवता, पूत राक्षस।	२७४
बाप न मारी ऊंदरी, बेटो बरकंदाज।	४२४
बाप नर-कटिया, पूत भगतिया।	२७४
बाप पंडित, पूत छिनरा।	२७४
बाप पेट में, पूत ब्याहे चला।	३०८
बाप बनिया, पूत नवाब।	२७४
बाबू भैया जाड़े मरैं गीदड़ा बांधे गाँती।	१४८
बाबाजी छान में बैठा गोधा नाथै।	५६४
बामन नाचे, धोबी देखे।	२६२
बामन मंत्री, भाट खवास, उस राजा का होवे नास।	२६२
बार बिअहुआ ताकत रहस उपरिया करस नाच।	१४८
बारह बरस की कन्या औ छटी रात का बर, मन माने सो कर।	२६२
बारीक पटुआ तीत।	३०३
बावली खाट के बावले पाये, बावली रांड के बावले जाये।	४११
बाहर के खाएँ, घर के गीत गाएँ।	४२४
बाहर बाबू भरल घमंड घर में मुसरी खींचे डंड।	४२४
बाहर लम्बी लम्बी धोती, भीतर मड़वे की रोटी।	४२४

	पृ. क्र.
बिख सोने के बरतन में रखने से अमृत नहीं होता।	३५६
बिजली मेहमान, घर में नहीं तिनका।	४२४
बिजुलिक मारल, लुआठ देख भागे।	४८३
बिन बुलाई डोमनी लड़के बाले समेत।	५७८
बिपत पड़ी जब भेंट मनाई, मुकर गया जब देनी आई।	२९३
बिलाई कै दूध औंटेक भारा।	५६०
बिल्ली और दूध की रखवाली।	५६०
बिल्ली के ख्वाब में चूहें कूदें।	३३९
बुलावे न चलावे– "मैं तो दुल्हन की चाची।"	५७८
बुलावे न चलावे, मोर तीन बखरे।	५७८
बूढ़ा चोचला जनाज़े के साथ।	३५६
बेटा के ठिकान नै पहिने बेटा के डँड़ोरे।	३०८
बेटा नै ताव डाँडा डोरे।	३०८
बैठा बनिया क्या करे? इस कोठी के धान उस कोठी में करे।	५६४
बैठे के चटाई पर ताने के तम्मू।	४२४
बोळो पूछ बोळीनै, कांई रांधां होळीनै।	२६२
ब्रह्मा आगे वेद बाँचै।	३५०
भइ गति साँप छछुन्दर केरी, निगले अंधा उगले कोढ़ी।	१३३
भड़भूजन की लड़की, केसर का टीका।	४२४
भरि देहें दिनाय नाम का तो चंद्रचूड।	७८
भलो भयो मेरी मटुकी टूटी, मैं दही बेचन से छूटी।	१२५
भाई भलां ही मर ज्यावो, भाभीरो वट निकळनो जोयीजै।	५८
भात होगा तो कव्वे बहुतेरे आते रहेंगे।	५२२
भींटोरा उडै'र पायांरा लेखा करै।	७०
भीख के टुकड़े, बजार में डकार।	४२४
भीख माँगे, और आँख दिखावे।	१४२
भीत टले, पर बान न टले।	३५६
भुईं बिस्वा भर नहीं, नाम पृथ्वीपाळ।	७८

	पृ. क्र.
भूखले गेलहुँ बहू बेचे अँधेले कहलक बन्हकी।	२९३
भूखे भजन न होए, साधो/गोपाला।	५१८
भूवा उघाड़ी फिरै भतीजैनै टोपी जोयीजै।	१९
भेड़ की लात घुटनों तक।	५८३
भेल काम दुख विसरा ले परोसिन मुसरा।	२९३
भैंस आगै भागोत।	५३२
भैंस के आगे बीन बजे वह बैठी पगुराई।	५३२
भोज के आगू, रैन के पीछू।	२४०
मँगनी के चन्नन घस मियाँ लल्लू।	३४६
मँगनी के चाउर नानी के सराध।	३४६
मँगनी के बैल अँजोरिया के रात।	३४६
मँगनी के मरिचा पाईं तऽ आँखों में लगाईं।	३४६
मँगनी के हर बैल, मँगनी के बीआ। हुआ तो हुआ न तो बलैये से गया॥	३४६
मँगनी पाबी तऽ नौ मन तौलाबी।	३४६
मंगाई छींट, लाया ईंट।	२३४
मउगी मरदा का भीरी ना जाय तऽ बाँझिन कहावे आ जाय तऽ तक़लीफ उठावे।	१३३
मछरी के पथार बिलाई रखवार।	५६०
मजा मारे गाजी मियां, मार खाय डफाली।	१७७
मन मलीन, सुंदर तन कैसे? बिख रस भरा कनक घट जैसे।	५८९
मरल गाय बाभन के दान।	१२०
मरला आगू डोम राजा।	८८
मरला का पाछे डोम राजा।	८८
मरला पर बइद अइलन मुँह बना के घर गइलन।	६२
मांगते हैं भीख, और पूछते हैं गाँव की जमा।	४२४
मांग में तेल न, टांग में तेल।	४२४

	पृ. क्र
मांगे पर तांगा, बुढिया की बरात।	२०३
मांगे हड़, दे बहेड़ा।	२३४
मां धोबन, पूत बजाज।	२६२
मां पिसन-हारी, पूत छैला, चूतड़ पर बांधे बूर का थैला।	२६२
माँ भटियारी, पूत फतेखान।	२७४
मांस के ढेर पर गिद्ध रखवार।	५६०
मांस भात घरवइया खइहेन हतेआ लेके पाहुन जइहें।	१७७
माटी के घोड़ा सूत के लगाम।	२६२
माथे पर टोपी नहीं, कुत्ते को पैजामा।	४२४
माथो ऊखली में दियां पछे घावां रो कांई डर।	११५
मान न मान, मैं तेरा मेहमान।	५७८
मान न मान, मैं दुल्हा की चाची।	५७८
मामैरै कानमें मुरकी, भाणजो भान्यां मरै।	४२५
मार, मुए मार, तेरी हतड़ियाँ विड़ाएं, मेरी आदत न जाए।	३५६
माल महाराज के मिरजा खेले होली।	४९३
मिन्न्यांरी दुरासीससूँ छींका थोड़ा ही टूटै है।	३२८
मियाँ/मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक।	५८३
मियैजीरी दोड़ मसीत ताणी।	५८३
मुंड़े सिर पर पानी पड़ा ढ़ल गया।	३३१
मुँह की मीठी, हाथ की झूठी।	५८९
मुँह चिकना, पेट खाली।	४२५
मुँह देख के बीड़ा और चूतड़ देख के पीढ़ा।	४०३
मुँह नै कान दिपुआ नाँव।	७९
मुँह में दांत रहइत तऽदहेज अइती?	१२०
मुँह हइले ना, बबुआ नांव।	७९
मुई बछिया बामन को दान।	१२०
मुक्तामाल बानर लिये, वेद लिये अज्ञान, परम सुंदरी जोगी लिये, कायर हाथ कमान।	५३२

	पृ. क्र.
मुख में राम, बगल में छुरी।	५८९
मुफ्त का चंदन, घस ले लाला, तू भी घस, तेरे बाप को बुला ला।	४९३
मुफ्त के चिड़वा भर भर फाँके।	३४६
मुफ्तरी मुरगी काजीजीनै हलाल।	४९३
मुरगी के ख्वाब में दाना ही दाना।	३३९
मूँछ मरोरैं, बार न एकौ।	४२५
मूँड़ मुड़ाये, तब छुरा को डराये ?	११५
मूरख मूढ गँवार को सीख न दीजो कोय। कूकर वरगी पूँछड़ी कधी न सीधी होय ॥	३५६
मूँ मीठी, पेट खोटो।	५८९
मेरे ब्याह, जीजी के ठिक ठिक।	३२४
मैं करूँ तेरी भलाई, तू करे मेरी आँख में सलाई।	२७९
मैं भाटिन, और पिया जात चमार।	२६३
मोची मोची का झगरा भेल फाटल घोड़ा के जीन।	५५७
मोढ़ा के मारल गीदड़ बिजली देखी डरे।	४८३
मोहर दहायल जाय कोइला पर छाप।	७०
यार का गुस्सा भतार के ऊपर।	९१
रन देखले बन भागे लिट्टी देखले घुसकत आवे।	२४०
राँडरी दुराशीससूँ टाबर को मरै नी।	३२८
राखणहार भया भुज च्यार तो क्या बिगड़े भुज दो के बिगाड़े।	५७०
राजहंस बिन को करे क्षीर नीर को भेद।	३८२
राजा के घर मोतियों का काल।	२५७
राजा दुआरी भोज भेल, कुतवा के जीव उमजा में गेल।	९६
राजा रूठेगा अपना सुहाग लेगा, क्या किसी का भाग लेगा।	५८३
राजारै घरे मोत्यांरौ काळ।	२५७
राड़िक बेटी डांड़ी चढ़लनि, साग के मूड़ि हेरिते गेलनि।	३५६
रात थोड़ी, कहानी बड़ी।	१६८
रात थोड़ी, सँग घणा।	५९७
रात थोड़ी, स्वांग बहुत।	१६८
रातों रोई, एकही मूआ।	५४६
रात्यूँ रोया पण मऱ्यो एक ही कोनी।	५४७
राम नाम जपना, पराया माल अपना।	५८९
राम नाम में आलसी, भोजन में तैयार।	२४०
राम नाम ले सो धक्का पावे, चूतड़ हिलावे तो टका पावे।	१४८
राम मिलाई जोड़ी, एक अंधा एक कोढ़ी।	२६३
राय मिळिया रे! राय मिळिया! हूंता जेहड़ा आय मिळिया।	२६३
राह में हगे और आँखि गुरेरै।	१४२
रूप रोए, भाग खाए।	१४९
रूसल जमैया करता की धिया छाड़ि कै लेता की।	५८३
रोअत रोअत लरिका मर जइहन, तब धनि काहे के नांव करे अइहन।	६२
रोटी दुन्हू हाथ से पकऽ हे।	२००
रोवतीने राखी तो कै सागै ही ले चालो।	११०
लंगट पड़ले उधार के पाले।	२६३
लंबी धोती, मुख में पान, घर के हाल गोसैंया जान।	४२५
लउका के मारल कुत्ता लुआठी देख डराय।	४८३
लजाधुर बहोरिआ, सराय में डेरा।	४२५
लड़के को जब भेंड़िया ले गया तब टट्टी बांधी।	६२
लड़कों का खेल, चिड़ियों का मरना।	२५२
लड़ें न भिड़ें, जिरा पहने फिरें।	४२५
लड़ें न भिड़ें, तरकश पहने फिरे।	४२५
लड़ें सांड़, बारी का भुरकस।	५५७
लतहस देवता के भरभट पूजा।	४०४
लवना भर धान में मुसहर नितराय।	९६
लांबा हेला, ओछी पीक।	४२५
लाकड़ाँरै खूँसड़ैरी पूजा।	४०४

पृ. क्र.

लाग लगी, तब लाज कहाँ। ११६
लाज बीज धोकरी मोर नाव सुधकरी। ७९
लाड़ला लड़का जुआरी, लाड़ली लड़की छीनाल। १४
लातों का देव बातों से नहीं मानता। ४०४
लातॉरो देव बातांसूँ थोड़ो ही मानै ? ४०४
लापट गुरु लापट चेला, लापट लापट भेंट भेला। २६३
लाला का घोड़ा, खाए बहोत, चले थोड़ा। २४०
लुहार की कूँची, कभी आग में, कभी पानी में। २१०
लूर हइले ना, बरतनिया नाँव। ७९
लोभी गुरु, लालची चेला, वह मांगे भेली यह दे ढेला। २६३
वक्त पड़े बाँका, तो गधे को कहे काका। ६०२
वक्त पर गधे को बाप बनाते हैं। ६०२
वागियैरी बेटीनै मांसरी काँई ठा ? ५३३
वारवाले कहें पारवाले अच्छे, पारवाले कहें वारवाले अच्छे। ४८८
वाह् पुरखा मेरे चातुर ज्ञानी, मांगी आग, उठा लाया पानी। २३४
विणज करैला वाणिया, और करैला रीस। ३८२
शक्ल चुड़ैल की, मिजाज परियों का। ४२५
शक्ल भूत की सी, नाँव अलबेले लाल। ७९
शिकार के वख्त कुतिया हगासी। २०६
सँइया अस कहीं तऽ नतवे टूटे, भइया अस कहीं तऽसेजिए छूटे। १३३
संख के भरोंसे घोघौं चूतड़ टेढ़ करलक। ५५०
संग सोई तो लाज क्या ? ११६
सक्कर दियाँ मरै जकेनै ज़हर क्यूँ देणो ? ३१९
सडल गाय बाभन के दान। १२०
सतवादी धक्का खाय, चाटुकारी सम्मान। १४९
सदा की पदनी उड़दों दोष। ५०७

पृ. क्र.

सदा दिवाली संत घर, जो गुड़ गोहूँ होय। ५१८
सब कोई झूपर पारे लंगड़ी हुचुका पारे। ५५१
सब साँप मरलात ढोढ़वा के मिललैंह टीका। १
समय चूक फिर का पछतानी ? ६२
समय समय की बात, बाज़ पर झपटे बगुला। १४९
सहस्सर गोपी, एक कन्हैया। १६८
स्याळियैरी मौत आवै जरां गांव कानी भाजै। ६०६
साँच कहे जग मारल जाय, झूठे जग पतिआय। १४९
साँप का काटा रस्सी से डरता है। ४८४
साँप का बच्चा सपोलिया। ४११
साँप के मुँह में छछूँदर, निगले तो अंधा, उगले तो कोढी। १३४
साँप निकल गया, लकीर पीटा करो। ६२
साँभर में नोन का टोटा। २५७
सांभर में लूणरो टोटो। २५७
साँय माथा तेल ने गोसाईं माथा तेल। १४९
सांई जिस को राख ले, मारन-हारा कौन ? भूत, देव, क्या आग हो, क्या पानी क्या पौन ? ५७०
सात रोटी देवता सताईस रोटी पवनी। १४९
साधु के नेवाने ना चोरे के दँवरी। १४९
साधु के बेटा सवादू। २७४
सारी ऊमर पीस्यो’र ढकणीमें उसान्यो। ५४७
सारी रात मिमियानी और एक ही बच्चा बियानी। ५४७
सास से भेनी अलगा तऽननद मिलली बखरा। १२८
सासूसूँ वैर, पड़ोसणसूँ नातो। १४९
सुकठिक बनिज पसुपतिक दर्सन। १९७
सुथारनै देख’र बैवतेरी लाठी लाँबी हुवै। ३१६

पृ. क्र.

सूवै अकूरड़ी पर, सपना आवै महलांरा। ४२५
सेतिहा के गेहूँ बर बर पूजा। ३४६
सेतिहा के सेनुर भर गाँव बिआह। ३४६
सेर भर चिउरा, घर भर भोज। ४२५
सोमोती अमावस अर सुकरवार। १८५
सौ कौओं मे एक बगला नरेस। १
सौतिन में खटपट सास बदनाम। १७७
सौ दिन चोर के, तो एक दिन साह का। २१०
सौ दिन चोरा, एक दिन साहुकार रो। २१०
सौ दिन सासूरा, एक दिन बहूरो। २११
हँड़िया में अछतो ना चल समधी जेंवे। ४२५
हजाम को चूड़ा दही समांग के भूजा। १४९
हजाम देखे दाढ़ी बढ़े। ३१६
हजार कहो इस के कान पर एक जूँ नहीं चलती। ३३१
हप हप, झप झप खाते हाँ, धंदा करते तजे पिआन। २४०
हम बैसलऊ बुढ़वा जानि, बुढ़वा सूतल सलगा तानि। ११०
हमरे जामल दीनानाथ हमरे से कहस कहनी। ३५०
हरदी जरदी ना तजे खटरस तजे ना आम। जो हरदी जरदी तजे तऽ अवगुन तजे गुलाम॥ ३५६
हरि-गुन गावे धक्का पावे, चूतड़ डुलावे टक्का पावे। १४९

पृ. क्र.

हरे रुख पर सब परिंदे बैठते हैं, ठूँठ पर कोई नहीं बैठता। ५२२
हलवा पूरी बांदी खाए, पोता फेरने बीबी जाए। १५०
हांडी जिसा ठीकरा, मा जिसा डीकरा। ४११
हांती थोड़ी, हलचल घणी। २४८
हाथ न गले, नाक में प्याज के डले। ४२५
हाथ पाँव के लंगड़े नाम सलामत खाँ। ७९
हाथ में माला, पेट कुदाला। ५८९
हाथी उडै जठे पुण्यांरा लेखा हुवै? १९
हाथी का पेट पिराय, गदहा दागा जाय। ४८०
हाथी को गन्ने का पहरा। ५६०
हाथी घोड़ा बहा जाए, गधा कहे, "कितना पानी?" १९
हाथी चले बजार, कुत्ता भोंके हजार। ५७४
हाथी चले बाज़ार, कुत्ते भूंके हजार। ५७४
हाथीरा दांत, कुत्तैरी पूँछ, कुमाणसरी जीभ, सदा आंटी रैवै। ३५६
हाथी लारै कुत्ता मोकळा भुसै। ५७४
हाथी हाथी लड़ै, बीच में झाड़रो खो। ५५७
हिलायांसूँ दाळ जाय, लडायांसूँ पूत जाय। १४
हुंडरा रे, बकरी चराइबे पठरु समेत। ५६०
हूँ मरूँ पण तनै राँड़ कैवा'र छोड़ूं। ५९
हो गई ढ़ड्डो, ठुमक चाल कैसी? ४२६

उर्दू

अंडे सेवे कोई बच्चे लेवे कोई। २१९
अंडे सेवे फाख्ता, कव्वे बच्चे खाये। २१९
अंधा हादी, बहिरा मुर्शिदा। २६३
अंधी पीसे कुत्ता खाये। २२०
अंधे हाफ़िज़, काने नवाब। २६३
अंधों में काना राजा। २
अनोखी जुरवा, साग में झुरवा। ५०३
अपना बाला और पराया ढेंगरा। ४०
अपना 'बिसमिल्लाह', दूसरे का 'नौजबिल्लाह'। ४०

पृ. क्र.

अपने मरे बिन सरग नहीं मिलता। ४८
अपने हाथ बल बल जाये जैसा मन चाहे वैसा खाये। ४८
अल्ला रखे तो उसे कौन चखे। ५७०
अशर्फियाँ लुटे और कोयलों पे मुहर। ७०
अर्शसे छुटी खजूर से अटकी। १२८
अव्वल ताम, बाधू कलाम। ५१८
आँख एक नहीं कजलुटीयाँ नौ नौ। ४२६
आँख न नाक मैं चाँद सी। ७९
आँखों के अंधे नाम शेख रोशन। ७९
आई है जान के साथ, जाएगी जनाज़े के साथ। ३५७
आगे कुवाँ पीछे खाई। १३४
आत्मा में पडे तो परमात्मा की सूझे। ५१८
आध पाव आटा चौपाल में रसोई। ४२६
आधी को छोड सारी को जाय — आधी रहे न सारी पाय। २५
आधी रोटी पाव भर शक्कर। ४७०
आप जिन्दा जहाँ जिन्दा, आप मुरदा जहाँ मुरदा। ८८
आप डूबे तो जग डूबा। ८९
आप मियाँ सुबेदार घर में बीबी झोंके भाड़। ४२६
आब न दीदा, मोझा कशीदा। ३०८
आम फले नीव चले एरंड फले इतराये। ९६
इतनी की बुढ़िया नहीं जितने का लहेंगा फट गया। ४७०
इतनी सी जान, गज भर की जबान। ३५०
इधर किब्ला कुतब उधर खदीजा, मूतूँ किधर? १३४
इब्तिदा-इ-इश्क है, रोता है क्या? आगे आगे देखिए, होता है क्या? ११६
इस कान सुना उस कान निकाल दिया। ३३१
ईद पीछे चाँद मुबारक ६२
ईद पीछे टर, बरात पीछे धौसा। ६२
ऊँट के मुँह में जीरा। १६४

पृ. क्र.

ऊँट डूबे और भेड़े था माँगे। १९
ऊँट से बड़े और नाम छोटे खाँ। ७९
एक तरकश के तीर। १७२
एक तो कडवा करेला दूसरे नीम चढ़ा। १८६
एक तो था ही दीवाना, तिस पर आई बहार। १८६
एक तो मियाँ उँबते उपरसे खाई भंग। १८६
एक तो मियाँ थे ही थे, दूजे खाई भांग। १८६
एक तोले की रोटी क्या छोटी क्या मोटी। १७२
एक तो शेर ऊपरसे बकतर पहने। १८६
एक सिर हज़ार सौदा। १६८
एक हमाम में सब रास भी नंगे। १७२
एक हाथ से ताली नहीं बजती। २००
एक हुस्न आदमी, हजार हुस्न कपड़ा। लाख हुस्न ज़ेवर, करोड़ हुस्न नखरा॥ ५९७
ओढी चादर हुई बराबर, मैं भी शाह की खाला हूँ। ५७८
कद्र उल्लू की उल्लू जानता है। हुमा को कब चुगद पहचानता है। ३४३
कभी गाड़ी नाव पर कभी नाव गाड़ी पर। २११
कभी रात बड़ी कभी दिन बड़ा। २११
कमाये मियाँ खानखानान, उड़ाये मियाँ फहीम। २२०
करखा छोड़ तमाशे जाय, नाहक मार जुलाहा खाय। ३८२
कर जाये दाढ़ीवाला, पकड़ा जाये मूँछोंवाला। १७७
कव्वा चला हंस की चाल, अपनी भी भूला। २५
कव्वा टर टराताही है धान पकते ही हैं। ३२९
कहे खेत की, और सुने खलिहान की। २३५
कहे दिन की और सुने रात की। २३५
काटे बाढ़ नाम तलवार का, लड़े फ़ौज नाम सरदार का। २२०
कानडी अपना टींट न नहारे ओरों की पुतली देख बखाने। ३२

पृ. क्र.

कानडी को कोन सराहे ? कानी का बाबा। ४१
काम का न काज का, दुश्मन अनाज का। २४०
काम चोर निवाला हाज़ीर। २४०
काली घटा डरावनी भूरी बरसनहार। २९९
किसी का घर जले कोई तापे। २५२
कुत्ता भौंके, काफ़िला सिधारे। ५७४
कुत्ता राज बिठाया, चक्की चाँटने लगा। ३५७
कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी। ३५७
कोई मरे, कोई मल्हार गाये। २५२
कौड़ी नहीं गाँठ में चले बाग़ की सैर। ४२६
खवान पाक खवानपोश पाक, खोल के
देखो तो खाक में खाक। ४२६
खाने को बिस्मिल्लाह, काम को
इस्तगफिरुल्ला। २४१
खाने को शेर कमाने में बकरी। २४१
खाने में ऊँट कमाने में मजनू। २४१
खारीशी कुत्ता मखमल की झूल। ४२६
खुदा का मारा हराम, अपना मारा
हलाल। ४८
खूब गुज़रेगी, जो मिल बैठेंगे दीवाने दो। २६३
खैरात के टुकड़े और बजार में डकार। ४२६
खोन बड़ा, खोन पोश बड़ा, खोल के
देखो तो आधा बड़ा। ४२६
खौरही कुतिया, रेशम का झूल। ४२६
गंजी कबुतरी और महलों में डेरा। ४२६
गंजी पनीहारी और गोखरू का यँडू। १८६
गधा धोने से बछड़ा नहीं होता। ३५७
गधा पीटे घोड़ा नहीं होता। ३५७
गधा मरे कुम्हार का और धोबन
सती होवे। ३२४
गधी क्या जाने जाफरान की कदर। ५३३
गधों से हल चले तो बैल क्यों बिसाये ? २८८
गये थे रोज़ा छुड़ाने, नमाज़ गले पड़ी। १२८
ग़रज खत्म, हक़ीम जहान्नुम में। २९३
गरजते हैं वो बरसते नहीं। ३००
गाय को अपने सींग भारी नहीं होते। ८६

पृ. क्र.

गाये जने बैल की दुम फटे। ४७७
गुड़ होगा तो मक्खियाँ भी होंगी। ५२३
गुड़िया के बियाह में चीतों की बेल। ४०४
गूज़-इ-शुतर, न ज़मीन का न
आसमान का। १०५
गोंदपँजरी और ही खाये, जच्चारानी
पड़ी कराहे। २२०
घर आये नाग न पूजे, बानये पूजन जाये। २५
घर की खाँड़ करकरी, चोरी का गुड़
मीठा। ३४७
घर की मुर्गी दाल बराबर। ३०३
घर घोड़ा भारी मोल। ३०८
घर न बार मियाँ मोहल्लेदार। ४२६
घर में चूहा दंड पेले, बाहर मिरज़ा
होली खेले। ४२७
घर में नहीं तागा अलबेला माँगे पागा। ४२७
घायल की गत घायल ही जाने। ३९३
घी सँवारे सालन, और बड़ी बहू का
नाम। २२०
घोड़े घोड़े लड़े, मोची का जीन टूटे। ५५७
चाँदी की रीत नहीं, सोने की तौफ़ीक़
नहीं। १३४
चिकना घड़ा, बूँद पड़ी ढल गई। ३३२
चिकना मुँह पेट खाली। ४२७
चिकनिया फकीर, मखमल का लंगोट। ४२७
चिकने घड़े पर पानी। ३३१
चोर का भाई गठ-कतरा। ३३५
चोर को चोर ही जाने। ३४३
चोर चोरी से जाता है, ऐरा फेरी से
नहीं जाता। ३५७
छछुँदर के सर में चमेली का तेल। ४२७
छप्पर पर फूस नहीं देवढी पर नगारा। ४२७
छाज बोले तो बोले छलनी भी बोले
जिस में सतरा छेद। ३२
जनम के अँधे नाम नैनसुख। ७९
जब दिया दिल, तो अंदेसा-इ-रुसवाई ? ११६

पृ. क्र.

ज़मीन को पूछना आसमान को कहना। २३५
जरुरत के वक़्त गधे को भी बाप बनाते है। ६०२
जहाँ रूख नहीं वहाँ येरंड ही रूख है। २
जाकी हँडी ताकी मँडी। ३८९
जान न पहेचान बड़ी खाला सलाम। ५७८
ज़ाहिर आबाद, बातिन ख़राब। ५१२
ज़ाहिर रहमान का, बातिन शैतान का। ५९०
जितनी चादर देखें उतने पाँव फैलाये। १०३
जिस का काम उसी को साजे, और करे तो ठेंगा बाजे। ३८२
जिस की गोद में बैठे, उसी की दाढ़ी नोचे। २७९
जिस की देग उस की तेग। ३८९
जिसको राखे साईयाँ मार न सके कोई। ५७०
जिस तन लगे वही तन जाने। ३९३
जिस दरख्त के साए में बैठे, उसी की जड़ काटे। २७९
जिस बरतन में खाए उस में छेद करे। २७९
जैसा बाप वैसा बेटा। ४१२
जोरू चिकनी मियाँ मजूर। ४२७
टाट का लँगोटा नवाब से यारी। ४२७
ठाली बनिया तोले बाट। ५६५
डरें लोमड़ी से, नाम दिलेर खाँ। ७९
डील डौल गुम्बज़, आवाज दर फिस। ५१२
डेढ़ पा चूत चौबारे रसोई। ४२७
डेढ़ बकायन मियाँ बाग में। ४२७
ढँढ़ोरा शहर में लड़का बगल में। ५४३
तीर ना कमान काहे का पठान। ४२७
तूती की आवाज नक्कारखाने में कौन सुनता है ? २२९
तेली का तेल जले मशालजी मुफ्त कुढे। ४७७
दवा की दवा, गिज़ा कि गिज़ा। १९७
दाई चम्बेली के मिर्झा मोगरा। ४२७
दाता दान करे भँडारी का पेट फुटे। ४७८
दाता दे भंडारी का पेट फटे। ४७८

पृ. क्र.

दूध का जला छाछ फूँक फूँक कर पीता है। ४८४
दूध भी प्यारा पूत भी प्यारा, कसम किस की खाऊँ। १३४
दूर के ढोल सुहाने। ४८८
देवती अपने दिन भरे लोक माँगे परचार। १९
धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का। १०५
धोबी पर बस न चले गधीया के कान काटे। ९१
नंगो को भूखों ने लुट लिया। २०३
नई जोगन काठ की मँदरी। ५०३
नई नायन बाँस की नहरनी। ५०३
नए नमाज़ी और बोरिये का तहमद। ५०३
न खुदा ही मिला, न विसाले सनम; न इधर के हुए, न उधर के हुए। १०६
न निगलते बनती न उगलते। १३४
नया नौकर हरन के सींग चीरता है। ५०३
नया मुसलमान कसाई की दुकान। ५०३
नया मुल्ला मस्जीद को दौड़ दौड़ जाये। ५०३
नये नबाब आसमान पर दिमाग। ५०३
नये बावर्ची साग में शोरबा। ५०४
नाक कटी बला से, दुश्मन की बदशगुनी तो हुई। ५९
नाच न जाने आँगन टेढ़ा। ५०७
नात का न गोत का बाँटा माँगे पूत का। ५७८
नातिन सिखावे नानीको बारा डेवढे आठ। ३५०
नानी खसम करे, नवासा चट्टी भरे। १७७
नेकों को सूल बदों को फूल। १५०
पढ़ा न लिक्खा, नाम महंमद फाज़िल। ७९
पराई आँखे काम नहीं आती। ४८
पराई कोठी का टेढ़ा मुँह। ४८
पराये माल पर या हसीन। ४९३
पांडेजी दोनों से गये, हलवा न मिला न माँडे। १०६
पाव सेर चाँवल, चौबारे रसोई। ४२७
पीसमुई पकामुई आये लोठे खा गये। २२०
पूत फ़क़ीरनी का चाल चले अहदीयोंकी। ४२७

	पृ. क्र.
फंद छुटे कोयलों पर मुहरे।	७०
फ़क़ीर का पूत चलन अमीरों का।	४२८
फिसल पड़े की हर गंगा।	१२५
बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद।	५३३
बदन पर नहीं लत्ता, पान खाये अलबत्ता।	४२८
बदन मे दम नहीं नाम ज़ोरावर खान।	७९
बनी के सब साथ है बिगडी का कोई नहीं	५२३
बनी के सौं साले बिगडी का कोई जँवाई नही बनता।	५२३
बात लाख की करनी खाक की।	२४८
बाप न मारे पदडी, वेटा तीरअंदाज़।	४२८
बाहर मियाँ छैल चिकनियाँ, घर में लिबडी जोएँ।	४२८
बाहर मियाँ झंग झंगाले, घर मे नंगी जोएँ।	४२८
बाहर मियाँ पंज हजारी, घर में बीवी कर्मो मारी।	४२८
बाहर मियाँ सूबेदार, घर में बीवी झोके भाड़।	४२८
बिबि खता करे बाँदी पकडी जाय।	१७७
बूर के लड्डू खाये तो पछताये न खाये तो पछताये।	१३४
बेकार मबाश कुछ किया कर। कपड़े ही उधेड़ कर सिया कर॥	५६५
बैठा बनिया क्या करे, इस कोठी के धान उस कोठी में भरे।	५६५
मान न मान, मैं तेरा मेहमान।	५७८
मामू के कान में अँटीया, भाँजा एँड़ा एँड़ा फिरे।	४२८, ४९३
मार मुए मार, तेरी हतडी पर आये, मेरी आदत न जाये।	३५७
माल मुफ्त, दिल वेरहम।	४९३
माल लुटे सरकार का, मियाँ खेले फाग़।	४९३
मियाँ नाक काटने को फिरे, बीवी कहे, "नथ गढ़ा दो।"	५७८
मुई बछिया बामन को दान।	१२०

	पृ. क्र.
मुख में राम, पेट में छुरी।	५९०
मुद्दई, मुद्दाएलाह, नाँव में, शाहिद तैरते जाये।	१५०
मुफ्त का सिरका, शहद से मीठा।	३४७
मुफ्त की शराब, काझी को भी हलाल।	३४७
मुर्गी के ख्वाब में दाना ही दाना।	३३९
मुलाज़िम-इ-नौ तेज़ रौ। (फारसी।)	५०४
मुल्ला की दौड़ मस्जीद तक।	५८३
मूँग मोट में छोटा-बड़ा कौन।	१७२
मेरी जूती मेरे ही सर।	२८०
मेरी बिल्ली मुझ से म्याँव।	२८०
मेरे पूत की लम्बी लम्बी बाहें।	४१
मैले का भाई नौशादर।	३३५
मोजे का घाव, मीयाँ जाने या पाँव।	३९३
मोजे का घाव, रानी जाने या राव।	३९३
रंग कव्वे सा, और महताब नाम।	७९
रहे झोपड़ों में, ख्वाब देखे महलों के।	४२८
राँड़ का साँड़ सौदागर का घोड़ा खावे बहोत, चले थोड़ा।	५१२
राजा के घर मोतीयों का काल।	२५७
राजा रूठेगा, अपनी नगरी लेगा।	५८३
रात भर मिमियाई एक बेटा बियाई।	५४७
रोने को थी ही, इतने में आ गया भाई।	१८६
लड़का जने बीवी, और पट्टी बाँधे मियाँ।	४८१
लाड़ला पोत कटोर से मौत।	१४
लातों का भूत बातों से नहीं मानता।	४०४
वली का बेटा शैतान।	२७४
शकल चिडीयों की, मिजाज परीयोंका।	४२८
शमा के सामने चिराग क्या?	२२९
शागिर्द कहर, उस्ताद ग़ज़ब।	२६३
शिकार के वख्त कुतीया हगी।	२०६
शेख क्या जाने साबुन का भाव।	३८२
सखी सखावत से फलता है, अदू अदावत से जलता है।	४७८
सच्चा जाये रोता आये, झूटा जाये हँसता आये।	१७०

	पृ. क्र.
साँप का काटा रस्सी से भी डरता है।	४८४
साँप के मुँह में छछूँदर, उगले तो अँधा निगले तो कोढ़ी।	१३४
साँप निकल गया, लकीर की पीटाई।	६२
साबीत नहीं कान, बालों का अरमान।	४२८
सिर सिजदे में, मन बदियों में।	५९०
सूखे टुकड़ों पर कव्वों की मेहमानी।	४२८
सोने से घडावन महेंगी।	४७०
सौ दिन चोर की, एक दिन साध की।	२११
सौ नकटों में एक नाक वाला नक्कू।	२
हराम का बोल उठता है, हलाल का झुक जाता है।	१५०
हलवाई की दूकान, और दादाजी की फातिहा।	४९४
हलाल में हरकत, हराम में बरकत।	१५०
हाथ न गले, नाक में प्याज़ के डले।	४२८
हाथी-घोड़े भाग गये, गधा पूछे पानी।	१९

पंजाबी

अक्खाँ दा अन्ना, नाव नैनसुख।	७९
अक्खानाल फुल ना दिठा, ते नां गुलबीबी।	७९
अक्खों अन्नी नांव नूरभरी।	८०
अग दी सडी टटेणा तो वि डरदी है।	४८४
अग लेण आई ते घर दी मालक बणी।	११०
अग्गो मिली ना, पिच्छों कुत्ता लै गिआ।	२५
अन्ना वट्टे रस्सी, पिच्छों वच्छा खावे।	२२०
अन्नियां विच काणा राजा।	२
अन्नी पिहंदी गई, ते कुत्ती लक दी गई।	२२०
अपणां घर ते हग हग भर।	५४
अपणा अपणा पराया पराया।	४१
अपणा नींगर, पराया डींगर।	४१
अपणीआं मैं कच्छे मारां, बह पराईयां फोलां।	३२
अपणी गली विच कुत्ता वि शेर है।	५४
अपणी पत अपणे हथ।	४८
अपणे घर कोई छज वजाए कोई छानणी, किसे नूं की।	५४
अपणे घर हर कोई बादशाह है।	५४
अपनी छाह नूं कोई खटटी नहीं कहेन्दा।	४१
अशरफिआं दी लुट कोलिआं ते मुहर।	७०
आई जो कबर विच जाल, की सोडी ते की मोकली।	८९
आटे दे दीवे, बाहर रक्खां तां कां खा जाण, अंदर रक्खां तां चूहे।	१३४
आधी छोड़ सारी नूं धावे ऐसा डुब्बे था ना पावे।	२५
आन्द्रां भुखियां ते मुछ ते चावल।	४२८
आप काज महाकाज।	४८
आप कुचज्जी ते वेड़ेनुं दोष।	५०७
आप किसे जेही ना, ते नक चढानो रही ना।	३२
आप ना मरे स्वर्ग ना जाए।	४८
आप फिरे मंग दा, बूहे ते दरवेश।	२०३
आप मरे भुक्खा ते अध्धी कुत्तेनुं भन पाई।	४२८
आप मोए जग परलो।	८९
आप मियाँ मंगते, बूहे ते दरवेश।	२०३
आया ना बाओ ते वेद बुलाओ।	४२९
इक अनार, सो बीमार।	१६९
इक करेला दूजा निम चढया।	१८६
इक कुड़ी सो जंझा, किदे किदे नाल वंझा।	१६८
इक चना हेड़ कबूतरां दी।	१६८

पृ. क्र.

इक ढुक दी नहीं, ते मैं दो विहासां। ४२९
इक तवे दी रोटी, की छोटी की मोटी। १७२
इक दम्ड़ी बिम्रि दे पल्ले, बिम्रि हार घिन्ने के छल्ले। ४२९
इक धर अग, इक धर खाई, विच धरी पातशाही। १३५
इक नूर आदमी ते सो नूर कपड़ा। हजार रूप गहणा ते लख रूप नखरा। ५९७
इक पंथ दो काज़। १९७
इक बोटी सो कुत्ते। १६८
इक मंगणा दूजा हलवा ते खीर। ४२९
इक सप, दुजा उड़णा। १८६
इक सी कंबली, फिर पे गई मढ़िआं दे राह। १८६
इक विछोड़ा यार दा, दूजी रात काली। १८६
इक्को आवेदीआं इटां। १७२
इल झुराटी धाड़ी जठेरिआं दे सिर चाड़ी। १२०
ईद पिच्छों तंबा। ६३
ईसे दा गवाह मूसा। ३३६
उंगल फड़ पोंचा फडा। ११०
उखली विच सिर दित्ता ताँ मोहलिआ दा की डर। ११६
उच्चा लम्मा गबरू पल्ले ठीकरीआं। ५१२
उच्चि दुकान फिक्का पकवान। ५१२
उजड़े पिंड पडोला महल। २
उजड़े बागां दे गाल्हड़ पटवारी। २
उठ जे कणके छेड़िए वंझ जवाहां खाए। ३५८
उल्लू दिने ना वेखदा सूरज दा की दोष? ५०७
ऊठ दे मूँह जीरा। १६४
ऊठ न सके, फिटटे मूँह गोड़िआं दा। ५०८
उलटा चोर कुतवाल नूं डन्ने। १४२
ओछे हथ कटोरा आया, पाणी पी पी आफ्या। ९६
ओ फिरे नत्थ काढाणनूं, ओ फिरे नक वढाणनूं। ५७८

पृ. क्र.

ओ ही मिठ्ठां जेडां बुल्ला नहीं दिठ्ठां। ४८८
कच्छे छुरी मूंह विच राम राम। ५९०
कणक खेत कुड़ी पेट, आ जवैया मंडे खा। ३०८
कत न जाणे ते चर्खे नू फिटटे। ५०८
कदे दिन वड्डे हुन्दे हन्, कदे रात। २११
कबर चूने गच, ते मुर्दा वेइमान। ५९०
करवां दी झुग्गी दन्दखण्ड दा परनाला। ४२९
कल दी फकीरी दुपहरे धुआं। ५०४
कल दी भूतनी मड़ीआं दा अध। ५०४
कहो कबीर छूछा घट बोले, भरिआ होवे सो कब न डोले। ९
कांवणी नूं कां प्यारा, रावणी नूं रा प्यारा। ४१
कांवा दे आखे डंगर नहीं मरदे। ३२९
कां हंसांदि चाल चलदा अपणी वि भुल बैठा। ५५१
कागज़ दी वेड़ी अग मलाह्। २७४
कागज़ दी वेड़ी बान्दर मलाह्। २७४
काज़ी नूं मुफ्त दी शराब मिली उस जुत्ती विच पवा लेई। ३४७
काम रहे तां काजी ना रहे तां पाजी। २९३
काले मूल न होवण बग्गे, भावे सो मण साबण लग्गे। ३५८
कित्थे राजा भोज, कित्थे गंगा तेली? २२९
कित्थे राम राम, कित्थे टें टें। २२९
कीड़ी दी मौत आन्दी है, तां खम निकल आन्दे हन्। ६०७
कुकड़ी नाई दी, मुजरा मुकद्दम दा। २२०
कुछड़ कुडी ते शेहर ढंढोरा। ५४३
कुत्ता राज बहालिए चक्की चट्टण जाय। ३५८
कुत्ते दा कुत्ता वैरी। ३७७
कुत्ते दी कबर ते मश्रू दा उछाड़। ४२९
कुत्ते दी पूछल विंगी सिद्दी कदे न होय। ३५८
कुत्ते दी मौत आवे तां मसीते चढ़ के मूतरे। ६०७

	पृ. क्र.
कुत्ते दे पीतिआँ दरिआ पलीत नहीं हुंदा।	३२९
कुत्ते नूं खीर नहीं पचदी।	५३३
कुम्हारी अपणे भाण्डे सला हुंदी है।	४१
कोठा उसन्या तरखाण विसन्या।	२९३
कोठे तो डिग्गी, वेहेनाल रुस्सी।	१७८
कोड़ तुम्मे दीकार दिसन्दां सोहणा, अमलां दा खराब।	५१२
कोह ना चली बाबल तिहाई।	४२९
खलोण नूं थां मिले बेहणुं आपो कर लवांगे।	११०
खाणपीण नूं चंगे भले, कम काज नूं डोरे।	२४१
खाणपीण नूं भाग भरी ते धोंण भनावण नूं जुम्मा।	२२०
खादापीता पाया सन्तोख, भांडे मांजने बड़ा ही ओख।	२४१
खाली बाणीआं की करें, एथों चुक ओथे धरे।	५६५
गंजी छुट्टी नांवणो सिर फुल परांदा पांवणो।	१२०
गद्दी जेहां ना मूरख दिट्ठां, मंगो लूण ते देवे मिट्ठां।	२३५
गधा की जाणे कस्तूरी दा भा।	५३३
गधेनूं गुलकंद।	५३३
गिद्दड़ दाख ना अप्पड़े, आंखें थू कोड़ी।	१२०
गिद्दड़ दे गू दी लोड़ पेई यार पहाड़ा चढ़ गए।	९६
घड़े कुमिआर, भरे संसार।	२२०
घर खपफ़ण नही, मर नूं उतावला।	४३०
घर गवाते गलियां ढूढे।	४८१
घर दा जोगी जोगड़ा बाहर दा जोगी सिध।	३०३
घर दाणां ना फक्का अम्मा पिहाण गई।	४३०
घर दा सड़या वण गिआ ते वण नूं लग्गी अग।	१२८
घर दी अध्धी बाहर दी सारी नालों चंगी।	२५
घर दी शक्कर बूरे बरगी, गुड़ चोरी दा मिट्ठा।	३४७
घर दे पीर नूं तेल दा मरुंड़ा।	३०३
घरों मैं आवां, सनेहे तूं दे।	३५०
घाल घाल बलद मरे खेती चरे तुरंग।	२२१
घिओ संवारे सालना ते वड्डी बहु दा नां।	२२१
घोड़ा घर ते मुल बझार।	३०८
चक्की फिरदी फिर रही, फिरदी फिरे निश्शंग। रब जिन्हांनूं रखसी, रहेण किली दे संग॥	५७०
चझ ना चार ते कुल्हण नूं तिआर।	४२९
चट्टी पेइ माहर ते, ते माहर घत्ती शेहर ते।	१७८
चादर वेख के लत्तां पसारणियां चाहिदिआं।	१०३
चार दिनां दी चांदणी फिर अन्हेरी रात।	२११
चिड़ीआं दी मौत गंवारान्दा हांसा।	२५२
चिड़ी कुठठी जग नेंद्रा।	४२९
चील दे आलणे मांसदिआं मुरादा।	५६०
चोर उचक्का चौधरी, गुंडी रन परधान।	२६३
चोर चोरीओं जान्दै, पर हेराफेरीओ नहीं।	३५८
चोर चोरी कर गए, तू बैठी ढोल बजा।	६३
चोर जाणे चोर दी सार।	३४३
छाणणी की आंखसी छज्जेआ जिस दे नो सो वेध।	३२
छोलिआं दा बोहल ते खोता राखा।	५६०
जट की जाणे लोंगा दा भा।	५३३
जट फ़कीर, गल गंढिआं दी माला।	५०४
जट भाइ ते खडा आ हाथी दे महावत नूं पुछ दै – "खोता वेचदा ए?"	९७

पृ. क्र.

जट भावें सोने दा होवे पिच्छा पित्तल दा होन्दा है। ३५८
जट वधे तां राह बधे। ९७
जम न मुकी, ते नानी दा मूहान्द्रा। ३०९
जहमत जान्दी दारुआं पर आदत सिर दे नाल। ३५८
जात दा कुम्मा ते ख्वाजा खिज़र दी पोत्री। ४२९
जात दी कोड़–किरली ते शतीरानाल जफ्फे। ४३०
जित्थें गुड़ होवे मक्खिआं आ बैठदीआं हन। ५२३
जित्थें वेखां तवा परात, उत्थें गाँवा दिन ते रात। ३८९
जितनीं पोंछ बिचारिये, उतनी की जे दोड़;
उतने पैर पसारिये, जितनी लम्बी सोड़। १०३
जिन्नां रोडा झागिआं रब सावण लासी। २११
जिस तन लगे सो तन जाणे। ३९३
जिस तन लग्गे सो तन जाणे, कोण जाणे पीड़ पराई। ३९३
जिस थाली विच खाणा उसी विच छेक करणा। २८०
जिस दा अन्न खाइये, उसे दे गुण गाइये। ३८९
जिस दा कम उसे नूं साजे, होर करे तां ठिंगा बाजे। ३८२
जिस नूं रक्खे साइयां मार न सके कोय। ५७०
जीन्देनूं डांगा मोएदीआं बांगा। ३९९
जे गुड़ दित्तिआं मरे ज़हर देण दी लोड़ नहीं। ३१९
जेहा पिओ तेहा पुत्तर। ४१२
जों सावे ते कोई न आवे, जों पक्के तां मिलन सक्के। ५२३
जो गरजदे हन सो वरसदे नहीं। ३००
जोगी जोगी लड़ें खपरां दा नुकसान। ५५७
जोडिआँ जग थोडिआँ गल नरड बथेरे। २७५

पृ. क्र.

टके सेहा महंगा ते रुपए सेहा सस्ता। ७०
टुंडी बांह ते चूड़ी दा चाह। ४३०
ठठिआरां दी गागर चोंदी है। २५७
डिग्गां खोते तो गुस्सा कुमिआर। ९१
डेढ़ पा आटा, चुबारे रसोई। ४३०
डैण दे कुछ्छड मुंड़ा। ५६०
ढाई पा खिचड़ी चुबारे रसोई। ४३०
तड़का इक घोड़ी ते अस्तबल लहोर तोडी। ४३०
ताड़ी दो हत्थां नाल वजदी है। २००
तेली दा तेल बले, मसालर्चीं दा दिल टुक्खे। ४७८
थोड़ी छड़ बहोती नूं धावें, अगली वी उस हत्थों जावे। २६
दड़ वट ज़माना कट, भले दिन आवंगे। २११
दमड़ी दा टट्टू ते हाठां भन्ने। ४३०
दम्ड़ी दी बुढ्ढी ते टका सिरमुनाई। ४७१
दाक्खां हत्थ नां अपड़े आखे थूं कोड़ी। १२०
दाता दान करें, भंडारी दा दिल फटे। ४७८
दाल मसरां दी, दम पलाओ दा। ४३०
दिल्ली दे बांके बगल दे विच इटटां। ४३०
दीवाली पिच्छों दीवे। ६३
दुजे दी अख दा तिनका दिसदा है, ते अपणा शतीर वी नहीं दिसदा। ३३
दुध दा सड्या लस्सी नूं वि फूंका मार मार पीन्दा है। ४८४
दूर दे ढोल सुहावणे। ४८८
दो बेड़ियां विच्च लत रखणवाला डुब्ब मरदा है। १०६
धिर धिर दा देणा ते नांव लेहूणासिंग। ८०
धोबी दा कुत्ता न घर दा न घाट दा। १०६
नच्चण लगी तां घुंबट केहा। ४३१
नच्चणवाली दे पैर निचल्ले नहीं रहंदे। ३५८
नां मिए दा मिसरीखां, मूँह विच कुझ वी ना। ८०
नां वड्डा दर्शन छोटा। ५१२

	पृ क्र.
नानी खसम करे दोह्ता चट्टी भरे।	१५०
नाले देवी दे दर्शन नाले वंझा दा वपार।	१९७
नाले राह् बिच हगे, नाले आने हड्डे।	१४२
निम ना होन्दी मिठ्ठी शक्कर गुड़ घिओ नाल।	३५८
निमाज़ बकशान गए रोज़े गल पै गए।	१२८
निव जाण झट टहणियाँ, ज्या फल लगे आण।	९७
नैं लंघी ख्वाजा विसऱ्या।	२९३
नो कोह दरिया तंबा मोढे ते।	३०९
पटिआ पहाड़ निकलिआ चूहा।	५४७
पढे न लिक्खे नां विद्यासागर।	८०
पतकी नार खाए चार, खसम आखे रन सर्फेदार; मोठी रन खाए खन्नी, खसम आखे मेरी कोठी भन्नी।	१५०
पत्थर हुंभ चढाया मुड कोरे दा कोरा।	३५८
पर हथीं वणज सुनेहे खेती, कदे न होन्दे बत्तिया तेंती।	४८
पल्ले नहीं धेला, रन कर दी मेला मेला।	४३१
पल्ले नहीं पैसा ते जुम्मारात परनीसा।	४३१
पल्ले नहीं सेर आटा, हींगदी दा संग पाटा।	४३१
पहले पेटपूजा फिर कम दूजा।	५१८
पहाड़ दूरों ही शोभदे हन।	४८९
पहाड़ी मीत किस दे, भत खा के खिसके।	२९४
पीठा ना छड्या ते बन लै घर वड्या।	२४१
पेट न पेइयां रोटिआं, सब्बे गल्ला खोटीआं।	५१८
पैसा खोटा अपणा बाणिएनूं की दोष?	५०८
फेरन दी आरी ते चुंग कत्तण दी हुशियारी।	२४१
बान्दर की जाणे अदरख दा सवाद।	५३३
बाप न मारी पिद्दड़ी, बेटा तीरंदाज़।	४३१

	पृ. क्र.
बारां खरबूजे तेरां लागदार।	१६९
बाहर मीयां पजहज़ारी घर बिबि करमां दी मारी।	४३१
बिल्ली दे खाब विच छिछड़े।	३४०
बीज्या ना वाहिआ, घडप्प पल्ला ढाया।	२४१
बुढ्ढी घोड़ी लाल लगाम।	२७५
बेरी वेर ताँ सज्जन ढेर, बेरी बूर ताँ सज्जन दूर।	५२३
भरी भकुनी चुपचुपाती, खड़के बुचकी सखणी।	९
भिड़न सान पटटीजन बूटे।	५५७
भुक्खा किराड़ वेहीआ फोले।	५६५
भुक्खे दी धी रज्जी ते खेह् उड़ावण लग्गी।	९७
भुखी कुत्ती जलेबियां दी राखी।	५६०
भुल गई निमाज़ मारी भुल दी।	५१९
मंतर ना जाणे ठूहिआं हत्थ सप्पां पावे।	४३१
मच्छी रही दरिया रन मिर्चां कुट्टे।	३०९
मां जम्मे ना जम्मे, पुत्तर छत्ते नाल पलंमे।	३०९
मां मर गई नंगी, धी दा नाम बुचकी।	४३१
माई भली के खाई, माई दे सिर छाई पाई।	५१९
मामे दे कन बीरबलियाँ, भणेवा आकड़दा फिरे।	४३१
मुफ़त दी शराब काज़ी नूं वि हलाल।	३४७
मुल्लां दी दोड़ मसीद तक।	५८३
मूँह दी लहर बहर हत्थां दी हड़ताल।	२४१
मूँह मोमन्दा ते अंदर काफरांदा।	५९०
मोची दी जुत्ती सदा पाटी।	२५७
येक्का वेखके ही पैर भारे होन्दे हन।	३१६
रण्डी दा पुत्तर, सोदागर दा घोड़ा। खावण नुं ढेर, कमावण नुं थोड़ा।	२४१
रब मिलाई जोड़ी इक अन्ना ते इक कोढ़ी	२६३
राजे दे घर मोतियां दा काल।	२५७

प्. क्र.

रुक्खि ना लब्र दी, ते चूरी कुट कुट खान्दी। ४३१
रुड़दा खरबूजा पितरां दे निमित। १२०
लंगा टट्टू लाहोर दा दाइया। ४३२
लोटा घड़ न जाणे मेरा मषियां दा उस्ताद। ४३२
लोड़ वेले गधेनुं प्यो कहेणा पैन्दा है। ६०३
वादड़ीआं शजादड़ीआं, निभ्भण सिरां दे नाल। ३५९
वेला वखत विहाआं हूण की वणदा पछतायां। ६३
शकल चड़ेलां ते दिमाख परीआं। ४३२
शकल् मोमना दी ते कम काफरांदे। ५९०
शिकार वेले कुत्ती हगाई। २०६
सखणा भांडा बहु खडके। ९
सज्जग बांहू देवे तां निगल नहीं लेणी चाही दी। २८०
सद्दी ना बुलाई, ते मैं लाडे दी ताई। ५७८
सप दा करिआ रस्सी तों वि डरदा है। ४८४
सप दी मोत आन्दी है, तां ओ राह ते आण लेटदा है। ६०७
सप दे मूंह कोढ़किरली, खाए तां कोढी, छड्डे तां कलंकी। १३५
सप्पाँ दे पुत्तर कदे न मित्तर, भावें सो मण दुध पिलाइये। ३५९, २८०

प्. क्र.

सरकार विच्च अंधार, साद कूड़े चोर सचिआर। १५०
सवाल कणक जवाब छोले। २३५
साईं न खाण रुखी, ते कुत्ता बिओ खावे। १५०
सांगे दी बकरी कुसांगे दी मझ। २६
सा नूं सज्जण सो मिले, गल लगीं बाहीं। साडे उत्ते जुल्लीआं, उना ते ओ वी नाहीं २६४
सारी रात भन्नी, कुड़ी जम्मी अन्नी। ५४७
सिर मुना के पदरां पुछणां। ६३
सिरों गंजी कंघियां दा जोड़ा। ४३२
सिरों गंजी ते भखड्यां विच कलाबाजी। १८७
सूए खोती किले कुमिआर। ३२४
सोणां रुड़ीआं ते सपने शीशमहलां दे। ४३२
सो दान्दिआ वि इक दान्दवाले कोल जान्दा है। ६०३
सो दिन चोर दा इक दिन साध दा। २११
हंस सन सो चले गये, कागा भए दीवान। २५२
हट्टी वड़णां मिले ना, मेत्तिआ पूरा तोल। ५७८
हट्टी विच कपाहू ते मेरी ताणी दे लाहू। ३०९
हथनुं हथ पछाणदा है। ३४३
हर कोई अपणी हट्टी दा होंकरा देंदा है। ४१
हूण पछतायां की बणे जद चिड़ियां चुगिआं खेत। ६३

कश्मीरी

अंकिस छ्यु् दज़ान् दार, ब्याख् छुस् वश्नावान्। २५२
अथि बानस् ख्योन् तुं अंथि बानस् छरुन्। २८०
अंन्दरुँ छुनिहास् ध्वख्, न्यंबरुँ दोपुन् गुसुँ आम्। ४३२
अन्द्रुँ दज़ान् पान् तुँ न्यबरुँ जालान् लूकन्। ३३
अकी अथुँ छनुँ तुम्बख्नार वज़ान्। २००
अकी जंदुँकि पयूवन्दुँ। १७२
अख् चूर ब्रेयि चतराय्। १८७
अख् डुडुँ ब्रेयि माजि क्युत् टोक्। ५७९

	पृ. क्र.
अख़ वुकुर् बेयि त्रकुर्।	१८७
अखाह् खोत् हंसितिस्, ब्याखाह खंसितन् द्रसि।	४३२
अङ्गज़् मामनि ड्वड् गज़् पूच्।	५९७
अथुँ छोल् तुँ म्यत्रुत् चोल्।	२९४
अन्हेत्यन् हुंन्दि अन्हेत्य शुर्य्।	४१२
अनि रठ् कानि पिलव्।	२६४
अन्यन् मंज़ कान्य् स्वंदर।	२
अपारिम्यव् मुत् दानि, य पोरिम्यन् गयि अथन् हठ्।	१७८, ३२४
आंसस् कूटाह् चोय्यो आंही वांदाह् द्राय्यो।	३८९, ५१९
इस्लामाबादुँ खेयेयि वूँटन् कपस् वरुमुलि चंटुँख दूनिसूनस्।	१७८
ओन् क्याह् ज़ानि ज़ग् तुँ प्रोन/बतुँ	५३३
कांज़िस् तुँ लोछस् म्यलुँय् क्याह्?	२२९
क्वक्रन् (स्) म्वख्तुँ छकुन्।	५३४
क्वकुरि हुंन्ज़ि लति छिनुँ पूति मरान्।	८६
क्वकुँरय् थविज़्यन् म्वख्तुँ डेरस् मंज् ततिति हेयितछुन्।	३५९
क्वलि खोतुँ क्वल् तरुँनि।	१२८
कानि गुरि काह् मीराख्वरं।	४७१
कांह् नुँ कथ् तुँ क्रकुँनाद्/ कथ् नुँ कुँह् तुँ क्रकुँनाद्।	२४८
कावन् हेछ्व् ककुव् सुन्द् पकुन् पतुँनुय पकुन् मोठुस्।	५५१
काहन् थवान् सय् अंकिस् नुँ छुनान् वय्।	४३२
क्रालुँसुँय छु खोंड् बानुँ आसान्।	२५७
केंकुँलचि छु प्यवान् डायि गरि याद्।	६३
क्रेयि खोतुँ इन्साफ।	४००
कोबिस् लथ् दवा।	४०४
खरस् खरखरुं।	५३४
खर् क्याह् ज़ानि ज़ाफ़ुँरानुक् कदुँर्।	५३४
खरस् गोर् दिनुँ रावान् दुहुय्।	५३४
ख्वव् चव् रंगुँचरि कांडर् लोग् वालुँबरि।	१७८
ख्यवान् पानस् तुँ थ्यकान् जहानस्।	४३४
ख्युँनुँ रव्वश्हाल् काम् दिलगीर।	२४२
ख्वजिसां गाम्हान् नियृहावुँ असि त्रोव् पानय्।	१२१
ख्वजि सां बिदाद् गोम् नुँ तुँ वंनिथ् थोवुम्।	३०९
ख्वदाय् सुँन्ज़ खर् तुँ नादिद् सुन्द् फश्।	१८७
ख्वदायि सुँन्ज़ खर् तुँ नाविद सुँन्ज़ च्यफ्।	१८७
ख्वरन् नुँ कूंश् तुँ पूश् नाव्।	८०
ख्वरन् नु ख्राव् तुँ पद्मनि नाव्।	८०
खान् बड़ा खान् बड़ा, मंज् बाग् छस् कोंब् चोट् अंडाह्।	४३२, ५१२
खानुँमाल्यन् नुँ कोज् तुँ परज़न्यन् म्युभुज्।	१५१
खाम तमाह् तुँ अपज़्योर्।	१८७
खोतन् वांच् प्वलन् तुँ कोशि बडय् छस् अति।	४३२
गगुर् छु करान् ब्रारिस् माथ्।	२११
गरि गटुँ तुँ मशीदि च्रोग्।	४३३
गरि नुँ वज़िनि तुँ नोबथ् वंज़िन्।	४३३
गरि नुँ बर् पेंजि काठ्कर।	४३३
गांठ् कवुँ ज़ानि पांज् सुन्द् शिकार्।	३८२
गांठ् क्याह् ज़ानि बचि दोद तुँ हांठ् क्याह् ज़ानि प्रोत्रुँ दोद्।	३९३
गांठ् नुँ कुनि तुँ गांटुँ ओल्।	३०९
गाड् छे देर्यावस् अन्दर् त्रेशि बापथ् मरान्।	२५७
गाडुँ तूलिथ् पार्संग्।	६३
गुर्यन् नुँ पोशान्, ल्यज् फल्यन चोब्।	९२
गुर्यन् लागिरव् नाल् खर् गय् पडर् दारिथ्।	५५१
गुर् नुँ कुनि तुँ नखासस् म्वलु नालुँख्वर।	३०९
गूर् दप्या जि म्योन् द्वद् छु चोक्।	४१
गूरि वोहुँवुँ छा वोछ् मरान्।	३२९

पृ. क्र.

चऱ्यन् कथन् नॖ सूद्, चऱ्यन् गगॖरायन् नॖ रुद्। ३००
चन्दस् ह्युह् नॖ बान्दव् व्वन्दस् ह्युह् नॖ तिऱ्थ्। ४८
चूरन् समॖखान् चन्दॖचूर्। ३३६
चूरस् फुट् ख्वर् तॖ पीरस् मोरुख मुरीद। १७८
चोट् गयि क्वलि तॖ राहि पदर्। १२१
छानस् येलि प्यवान् पानस् प्यठ् यीकॖलि कनि लागान् व्वस्तुहाकॖ नल। २५८
छेनि मट् छे वज़ान्। ९
ज़ट् न तॖ अंत्लास्। ४३३
ज़ंगॖ रादि ओन् ज़्यून्, तॖ ज़्यवॖरादि न्यव् ख्यव्। २२१
ज़ान् नॖ तॖ पाहॖछान नॖ तॖ खालाजी सलाम। ५७९
ज़ायि नॖ प्यायि नाह्कय् रट् हुरि छ़ायि। ३०९
ज़िन्दॖ नॖ सूर् नॖ सास् तॖ मरिथ् अंतलास्। ४००
ज़ोगुम् लूक् हॖन्दिस्। २६
ड्न्य् ग्वलॖरॖ व्वलुर् पाज़ुन्। १६४
तेलि तोश् येलि न्वश् गरॖ वाति। ३०९
तोह् ठगस् म्यंगन् ठग्। ३३६
द्रन् ओंग्जन् छु न्यरान् टास्। २०१
दांदस् छाह् ह्यंग् ग्वब्रान्। ८६
दांदस् लोव् तॖ वछ़िस् ग्यंड्। १५१
दारस् फाटॖवान् पनॖनय् पोन्। ३७७
दुनियाह् छु नॖ अकि डंजि रोज़ान्, पांछ् दोह स्वख् तॖ पांछ् दोह् द्रख। २१२
दूरि दूरि छु मरॖच् मेठान्, नखॖ नखॖ छु कन्द् च्यठान्। ४८९
देहली का बांका, मूँह चिकना, पेट खाली। ४३३
दोवि सुन्द् गरॖ ननि ईज़् दोह्। ४९४
दोवि सुन्द् हून् न गरुक् तॖ न गाटुक्। १०६
दोयि अथॖ चे चर् वज़ान्। २०१
दोर्गि हॖन्ज़् दोर्गि लूर; यीच् मांज़् तीच् कुर्। ४१२

पृ. क्र

दोह् लोग् दरॖ चरि चायि आल्यन्, न्वश् चेज़् डुम्-डुम् वाल्यन् सूत्य्। २०६
न गर्युक् तॖ न गाटुक्। १०६
न गर्युक् तॖ न पर्युक्. १०६
नगारस् चंड् तॖ स्वरॖनयि फ्वख्। ४०४
नचॖहा तॖ आंगुन् छुम् छोट्, वनॖहा तॖ वन् छुम् दूरि। ५०८
न दिवॖब्यू न प्यत्रॖब्यू। १०६
न दीनुक् तॖ न दुनियुहुक्। १०६
न्यंब्रॖ नुन्दॖबोन् अंन्दरॖ छ्वचॖकोन्। ५१३
नालि नॖ ज़ट् तु मालि नाव्। ८०
नाव् थोद् नस्ति ज़ोद्। ५१३
नॖनि नानि हुन्द् चॖनि आश् नाव्। ५७९
नेचिविहना वांगनस् सुंब्, यड्छस अगनांस् सुंब्। ५९७
नेकन् लार् तॖ बदन् फ्वलुन्। १५१
पंज़िस् दप्या पोंज़् ज़ि मंदुल् छुय् व्वज़ुल्। ३३
पनॖनय् पोन् छु फाटॖवान्। ३७७
पनॖनि जायि सारी म्वकॖदमॖय्। ५४
पनॖनि थाजय् बतॖ आसि कात्याह् माजि गोबर् गछ़न् पादॖ। ५२४
पनॖनि बछ़य् अनिमॖ आसि कूचॖ मछि गछ़न् पादॖ। ५२४
पनॖनि हचि बाह् त्रेचि। २६
पनॖन्यन् क्राय् परायन् माय्। १५१
पनॖन्यन् नॖ कोज़् तु पर्छन् म्युम्युज़्। ४३३
पनॖन्यव् छि नॖ पांगम्बर् मानि मॖति। २०३
प्रॖनान् जहानस् तॖ वुनान् पानस्। ३३
पितॖरि हसॖदॖ कूर् खतन् हांज़्। ५९
पियि नॖ श्रपान् तॖ आम्यन् ग्वग्लन् आस् दारान्। ४३३
पिलिस् नॖ तॖ चोकी गास्। १२१
पिश् करि ग्वनाह् वगॖविस् चोब् वॖछ़तव् लूकव् तमाशाह्। १७८
फरिहांज़् छा गुरि खछान? ३८२

पृ. क्र.

फल् कुलय् छु नमिथ्। ९७
बछि आसि अनिमुँ कूँचु मछि लार्नस्। ५२४
बतुँ नुँ तुँ बतास् छिट् नुँ तुँ अतलास। ४३३
बर् दिथ् खर् नचान्। ५४
बखचि हलाल तुँ हार् हराम। ७०
बांगिस् छुह बांग् दपुनि मति कि नुँ ने अन्यन्। ३८२
ब्रारिस् अथि ग्यव् चोड। ५६१
ब्रारिसय् वखुँ यहान् सरन् रोज़हान् नुँ पछिन्। २८८
बुमसिनुँय् ज़ानि सतुँ तुति सुँन्ज़ दिग्। ३९३
ब्रेबि अंदर् फासि तुँ अथस् क्यस् तस्बीह। ५९०
बेकार छु वकीलि हर् दरबार। ५६५
ब्रोंठुँ छंब तुँ पतुँ लार। १३५
मंछ् क्याह् ज़ानि पोंपुँरि गथ्। ३८२
मरिथ् बतुँ मेचन टेकि। ४००
मंगुँवुनय् थविज़्यन् टंगुँवुँनि अन्दर् तति तति करी मंगुँमंग्। ३५९
मत्यव् अनेयि न्वशाह् स्वति द्रायि मचुँय्। २६४
मन्दुँछंहान् लांछ् तिम् ख्यवान् नचि नचि। १५१
मलुँ गोय् पलुँ पेठि पोनि ड'लिथ्। ३३२, ५८३
मरुँज् गलि वेदुँवानुँ आदथ् कति गलि। ३५९
मलस् टुँख छे मशीदि ताम्। ५८४
मस् प्यव् मस् बानि यस् प्यव् सुय् ज़ानि। ३९३
माजि नुँ लच्रकुँ सेतारस् गिलाफ्। १५१
माजि खोतुँ कूर् बड्। १५१
मान् या म मान् बुँ छुसय् ज़ोरुँ ग्यंज़मान्। ५७९
मारि माज़ मेठि नुँ खानुँमाजि पठि नुँ। १४
मारिमाज़स् वातल् वाजुँ। ४०४
मिस्कीन् शाहुन आस्तान् ब्रंगुँ शोद् तुँ शरफाह् नुँ कुँह्। ५१३
मूडिस् नाबद् सूद क्याह ? ४००

पृ. क्र.

मुनि मुनि फाति कुनि नय कुँह्। ५४७
मुरि त्रिहिथ् दार् खुँजुँनि। २८०
मोल पान्युर् नेचुव् मुराद बेग। ४३३
यंचन् गगरायन् रूद् नुँ, चर्यन् कथन् सूद् नुँ। ३००
यंचन् ज़नानन् पोनि कामुँनि तुँ चर्यन् मर्दन् बतुँ कामुँनि। १६९
यङ् छरुँय् तुँ गोंछन् दिवान् ताव्। ४३३
यङ् छेनि छिट् ननि। ४३३
यथ् नम् अचि तथ् शस्थुँर् क्या लागुन् ? ३१९
यस् दय् दियि तस् कुस् नियि। ५७०
यार्बाश् बायो, माल्ज़ाथ् ब्रेनि लंजियो। २६४
युथ् व्वस्ताद् तिथि चाठ् आसन्। ४१२
युसुय् रोछुम् तसि निश् रछतम् ख्वदायो। २८०
येमिकुय् दार् तुँ तमिकुय् पोन्। ३७७
येमि दिच्र् न्वशि सुय् दपान् "गरुँ बिगर्यव्"। १४३
येलन् जेल् तुँ मवासन् खलत्। १५१
रथ् वन्दय् तुँ पुज़्वानुक्। ४९४
लाल शिनासुँय् ज़ानि लालुँच्र म्वल्। ३८३
लूक हुँन्दि खान्दरुँ म्यथुँर् आर्दनि। ४९४
लूकुँहुँन्ज़य् गांव् मतुँसावुँनि। ४९४
ल्योल् बुकुर् तुँ दोल् त्रकुर्। ४३४
वनि-वनि गोय् कनि पति। ३३२
वस् छि दोबि सुँन्दि ठकुँ तलुँ साफ् गछान्। ३८३
व्यथि नाबद् फोल। १६४
व्यथुँ हूवखन् तुँ ह्यनर् ग्रज़न्। १५१
"व्वथ् निकुँ कांम् कर्"
"निकुँ छुस् तुँ ह्यकुँ नुँ"
"व्वथ् निकुँ बतुँ खे"
"डुल् म्योन् कति छु" २४२
व्वपसूलदस् छु हून् पतय्। २०३
वारिनि प्रसुन् हेछिनावान्। ३५०

पृ. क्र.

बुतिनि बलायि तुत। १७८
बुन्युख ताम् थ्योकथम् स्वंज़ुहरि स्वन्ध्युम् अज़ हारि कनुँवाज़ द्रायी नो। ४३४
बुरुन् बुछिथ् गछि ख्वर् बाहूरुन्। १०३
ब्रोबुर् मल्याज़ि व्वन् चूर् करि ब्रेयि। ४८४
शंस्थुरु सॅति छु शंस्थुरु फटान्। ३७७
शाल् गव् क्वलि ज़ि आलम् गव् क्वलि। ८९
शाल् चलिथ् बठ्यन् लोरि। ६३
शालस् लोहू ज़्यूठ् पानस् बुरुन् वलुन्। ५८४
शाल्युन् ब्योल् छु ह्युहुय्। १७२, ४१२
शिकसाह नाव् शाद। ८०
शुपि कानि वछस् ज़रीनाल्। २७५
शुर् कति, शुर् कति, शुर् नखस् प्यठ्। ५४३
शोदन् चव् चरुस् तुँ क्वंड्लि खोत् काफ। ३२४
संदिजि दिवान् ज़ालि ह्यन्दुँव्यन्द् चलान् नीरिथ्। ७१
संगर् चटिथ् यंगर्। ५४७
स्वनुँसुंज् श्राख्, न वार् थवनस् न वार् त्रावनस्। १३५
साहूयब् लोगुस् दिनि आश्नाव लंगिस् यिनि। ५२४

पृ. क्र.

सिवन् लेजि द्र यि तुँ वज़िनि लेजि चायि। १२८
सुँचनि पावि अचुन् तुँ हसि बरि नेरुन्। ११०
हसितिस् यड् फट् तुँ बंगि देलि वाठ्। १६५
हसि यड् गासुँ ग्यड्। १६५
हस्ति दरेयि नुँ वावुँ तुँ बुजि नियि कपस् कडिथ्। १५
हतुँ देदि रोहूनुँ मन् डाय् खेनि सुम्ब् नुँ अख् कुज्। ४३४
हम्सायि वन्दुँयो गरो। ४९४
हल्यन् बानन् बुकुँरि ठान् हिह्यन् हिह् समखान। ४०४
हशि हुँन्दि ति पांछ दोहू, न्वशि हुँन्दि ति पांछ् दोह्। २१२
हारि सोदा तुँ बाज़रस् खलबलि। २४८
हूनि माज़स् वातल् वाज़ुँ। ४०५
हूनि लोटय् थविज़्यन् कन्दीलस् अन्दर तति ति नेरि हूनि लोटुय्। ३५९
हूनि वोरान् तुँ कारवाँ नुँ पकान्। ५७४
हूनिस म्वरवुँहार। ५३४
होन्यन् न्यतान् तुँ मोन्यन् तछान्। ५६५

सिंधी

अंदर अग्ड्यूं, ब्राहिर पग्ड्यूं। ४३४
अंदर कारो कांउ, ब्राहिर ब्रोली हंज जी। ५९०
अंदरि ब्रिड ब्रहूं। ब्राहिरि आटणु अन्न। ४३४
अंधनि आंदो कुतनि खाधो। २२१
अंधनिमें काणो राजा। २
अंधनि विहाइं मंडा न चनि, टुंडा पाईनि फेर्यूं। २६४
अंधी पीहे, कुती चटे। २२१
अंधें अग्यां आहिरी, कर तओ टंग्यो आहि। ५३४
अंधो छोकरु, खोटो डोकरु, टिकाणे हवाले १२१
अकुल ठहे कान, छिके क्यारी रखाई अथसि। ४३४
अगेई वेठी हुई रुठी, मथां आयुसि पेको माण्हू। १८७
अग्यां बाहि, पुठ्यां पाणी। १३५
अच्छी टोपी, अटो खराब। ५१३
अच्छी डाढ़ी, अटो खराब। ५१३
अछा कपिड़ा, खीसा ख़ाली। माण्हूनि लेखे मुल्क जो वालि। ४३५

	प्र. क्र.
अछी पग॒ न पसु, अंदरि मिड़ेई अगि॒ड़्यूं।	५१३
अजा॒ण खे जहिड़ी मिसिरी तहिड़ी फिटिकी।	५३४
अञा मेहूं झंगमें, धोई धर्याअं रछ।	३१०
अटो बाटु चे घोबा॒टु।	२३५
अटे जो डी॒ओ, घर में खाईन्सि कूआ, ब॒ाहिर खाईन्सि काँव।	१३५
अटा खाधो कुए त मार पेई गाबे ते।	१७८
अठें आनें उठु, बा॒र्हे आना गील्हाणी।	४७१
अठें आनें पगि॒ड़ी, रुपयो ब॒धाणी। किरी पेई खूह में, ब॒ रुपया कढाणी।	४७१
अठूअ जी आकह ई हिकिड़ी।	४१२
अण सरंदीअ पहाज॒ पेके।	६०३
अध खे छडे॒ जो सजे॒ पुठ्यां डोड़े, तंहिंजो अधु ब्रि वञे।	२६
अनु अ हे त ईमानु आहे।	५१९
अरनी घोट त नशा थी वेई।	४८
अन्न जो ड्रि॒नो कहिड़े कम जो, जासीं रखुन डि॒ए।	४८
अबे चाढ़ी, अदे चाढ़ी, मूं न चाढ़ी त कंहिं न चाढ़ी।	४९
अवलि ताम, पोइ कलाम।	२४२
आंधि ब्रि काणी, मांधि त्रि काणी, काणी असांजी ढगी॒। वञी चउ अबे खे, आउं बि घणा'न गडी॒।	१७२
आई टांडे खे बोर्चाणी थी वेठी।	१११
आगे ताम, पीछे काम।	५१९
आङुस या नंहुं रखणु डी॒सित सजी॒ ब्रांहं लंबाए विझे।	१११
आदत न मिटे आदती, इलत मूरि न जाइ, उठु पवे कण्क में, कंडा चुणि चुणि खाइ।	३५९
आहिर जी वडा॒ई कुने पाटि ते आई।	९७
आहुर जे आसिरे झंगु न चिनाअं, सा वा गाह पटनि ते बीठे डि॒ठाअं।	२६
आहे ते आसिरो आहे।	३१६
इक ना मति अल्लाह दी, इक ना सिख लई।	
इक सिखंदे भी ना सिखे, जैसे पथर बूंद पई।	३३२
इन्सानु कडु॒हिं भरीअ में कडु॒हिं भाकुर में।	२१२
उखिर्युनि में मथा विझनि, से मुहिर्युनि खां न डि॒ज॒नि।	११६
उठ न पुजे॒, ब॒ोरनि हणे लतूं।	९२
उठनि जा बार बि के गड़ह खणनि?	३८३
उठां मेहां दा केहा मेला? ओह चरनि पटि त ओहचरनि बे॒ला।	२७५
ऊणटीह रात्यूं चोरजूं त टीहीं राति साध जी।	२१२
उथी पाण न सधे लखलानत गोड॒नि खे।	५०८
उमरु वडी वठी मारुई वठंदो थरु त कीन थेल्हींदो।	५८४
एक पंथु दो काज।	१९७
ओडु ब्युनि जो घरु अडे॒, पाण प्यो लडे॒।	२५८
कंहिं जो अघे कूडु कंहिंजो सचु बि सहिमनि गाडुओं।	
कंहिं जी मानी करे न मूरु, कंहिंजो टुकरु भी टीणा करे।	१५१
कटारी सोनी सूंहं लाइ आहे, न हणण लाइ।	४३५
कडु॒हिं माटी मटते कडु॒हिं माटी अ मथां मटु।	२१२
कपह कछ में, पड़ी मुबारक।	३१०
कम पिरीं सभुको आहे, चम पिरीं कोन आहे।	५१३
कमालियत खे ज़वालियत।	२१२
कमीणे खाधो काउं, चे पखी ढंढ जो।	४३५
कमु करि कमां, लिङ था डुखन्मि अमां।	
खाइंदें पुट पमा, वडी॒ ठाठि डि॒जांइ अमां	२४२
कमु लथो, डखणु विसिर्यो।	२९४

	पृ. क्र.
कलंदरनि पुट्यां घणेई कुता प्या भाकनि।	५७४
कलर मंझा कीन थिए, तोड़े जाल पियारीं सि जरु।	३५९
कल्ब में कांउ, ब्राहिरि ब्रोली हंजजी।	५९१
कसीरे जी कुत्ती, टके जा खाए टुकर।	४७१
कांवनि चए हूंढु कोन थींदो।	३२९
काड़े कोरी, काड़े तरारि।	२२९
किंगिर में ककिड़ा, पड़ी मुबारक।	३१०
किनी जे काणि, गऊं चार्यमि गोठ जूं।	२८०
कुंभर जे घरि भगलु दिलो।	२५८
कुंभर जे घरि भगो भांडो।	२५८
कुंभर जो दिलो भगो, सुंहिंजी मिटी चौकी	२५२
कुकिड़ि कोरी अ जी, नाउ वड़े ड़े जो।	२२१
कुकिड़ि बि कडहिं ब्रांग डिनी ?	३८३
कुछां त परिजनि मुछां, कयीं माठि त पवांकाठि।	१३५
कुछां त मुसां, न कुछां त पेई लुछां।	१३५
कुजा राजा भोजु कुजा गंगू तेली।	२२९
कुतीअ खे कंहिं ठमाड़ी डिनी त तारा दिसी थे डिनी।	४८४
कुतीअ खे पछ में सूर, वडे ड़े खे बछते ज़ोरु।	१८७
कुत्ते जो पुछु ब्राहं महीना नर में विझिजे तबि डिंगे जो डिंगो।	३५९
कुतो कुडुम जो वेरी।	३७८
कुतो जंहिं हंडीअ में खाए तंहिं में मुटे।	२८०
कुतो छा जाणे कण्क जीमानीअ मां।	५३४
कुत्तो बि उन खे डाढ़े, मोचिड़ा बि उन खे लगनि।	१५२
कुनी फुराइजे, वुनी न फुराइजे।	१११
कौड़ो खाइजे मिठे जे लालच ते।	६०३
खट्यो खाए खतेजा, धक जले धीणसी।	१७८
खट्यो खाए फ़क़ीरु, लठ्यूं झले भोलिड़ो।	१७८
खट्यो खाए मुड्स जो, चे जीएमि अब्रो।	२८०

	पृ. क्र.
खदिड़नि पुट ज्रण्या त हूंद ज्रालुनि मुड्स ई कीन क्या ?	२८८
खरीदारु खखिर्युनि जो, पुछे हिंदाणा।	४३५
खाइण महिल खड़ो, कम महिल व्रुरो।	२४२
खाइण वेर मुड्सु, हाज वेर छोकरु।	२४२
खाधे काणि खड़ो, कम काणि व्रुड़ो।	२४२
खीर जो खांयलु झणि फूके पिए।	४८४
खूही खमणजी, नालो नाराइण जो।	२२१
खेती सिर-सेती।	४९
खोरीअ खे घुमिरो।	१७३
गडह खे थो गंज पाए।	५३४
गडह छा ज्राणनि गिहरनि मां।	५३४
गडह ते गुलाबु हारींदे हैफ़ थियो।	५३४
गिदड़ जे गूहं में कमु पवंदो आहे त वञी जबल ते विहंदो आहे।	९७
गिदडु डाख न पुजे आखे थू खटा।	१२१
गुड़ सां मरे, त ज़हरु छो डिजेसि ?	३१९
गुरु हमराहु त कंहिंजो डपुन डाउ।	५७१
गोह खे जडहिं खुटी खणे तडहिं गोल्हे शिकार्युनि जा घर।	६०७
घड़ीअ तोलो घड़ीअ मासो।	२१२
घर जहिड़ी का ब्री बादशाही।	५४
घर जो पीरु चुल्हि जो मारंगु।	३०४
घर में गर्कि बि मस अथसि, ब्राहिर दमु हणे थो ठोढ़ी अ जो।	४३५
घर सां वेरु, पर सां मेडु।	१५२
घरु बधोई कोन्हे हल्या आहिनि काव बधण।	४३५
घोट माउ खां अहिनर माउ तकिड़ी।	१५२
चंड खे डुही, पोइ सञी पाग।	६३
चणो फुंडी को बठु भरींदो ?	५८४
चर्यनि जा व्रार बि खर्या।	४१२
चांड्या चोर, शाबिराणी शाहिद।	३३६
चाकिरी अ चोरु, नेवाले हाज़िरु।	२४२
चाढ्युनि पुठ्यां लाह्यूं, लाह्युनि पुठ्यां चाढ्यूं।	२१२

पृ. क्र.

चार पैसे जी चटाभेटी, पाँच पैसे जी मलमपेटी। ४७१
चिट्यो वाङ्णु, पट जो रुमालु। ४३५
चेरीअ आहर पेरु डि घेरिजे। १०३
चोरनि जा भाउर गंढ़ी छोड़। ३३६
छा जे ड्रिंगा ड्रेर मुहिंजो ड्रींहुं ड्रिंगो म थिए। ५७१
छिते कुते जी दवा भितरु। ४०५
जंड ब्रि वारु, बठि बि वारु। २१३
जंडु खणु त जंडु ग़ौरो, पुडु खणु त पुडु ग़ौरो। १३५
जंहिंजे हथ में ड्रोई तंहिंजो मिटु हर्कोई। ५२४
जंहिंजो कमु सोई करे, ब्रियो करे त घाटो भरे। ३८३
जंहिंजो खाइजे तंहिंजो ग़ाइजे। ३८९
जंहिं तन लगे, सो तन जाने। ३९३
जंहिं थाल्हीअ में खाए तंहिं में कढे। २८१
ज़ज़में को सुञाणेसि ई कोन, चे आऊं घोट जी पुफी। ५७९
जव ढेरि, गडुहु रखपालु। ५६१
जहिड़ा कांग तहिड़ा ब़चा। ४१२
जहिड़ा रूह तहिड़ा खत्मा। ४०५
जहिड़ा मुख छजू दे चौवाड़े, तहिड़ा न बलख न बुखारे। ५४
जहिड़ी ताजी तहिड़े पेटी; जहिड़ी माउ तहिड़ी ब्रेटी। ४१२
जहिड़ी भिति, तहिड़ो चित्रु। ४१३
जहिड़ो ब़ुथु, तहिड़ी चमाट। ४०५
जहिड़ो मुंहुं तहिड़ो मोचिड़ो। ४०५
जहिड़ो वणु तहिड़ो फरु। ४१३
ज़ाणे विछूंअ जो मंडु बि कीन हथु थो विझे नांगनि में। ४३५
ज़ालूं भोलिड़नि खे बि प्यार्यूं आहिनि। ४१
जिते था ड्रिसनि ढेरी, उते था डियनि फेरी। ५२४

पृ. क्र.

जिते बाहि ब़रे उते जाइ जले, पाड़ेवार नि कहिड़ो सेकु ? ३९३
जिते बाहि ब़रे उते सेकु अचे। ३९४
जिते माखी तिते मखि। ५२४
जिते वणु नाहे तिते कांडेरो बि दरख्तु। २
जिनी काणि कयमि ठाई चाई, से न थियमि सूरनि भाई। २८१
जिनी काणि मुयासि, से कुल्हे कांधी न थ्या। २८१
जिनी कातरि कूड़ कमायमि, कमि न साग्या सेई आयमि। २८१
जीअरे ड्रिठा न सठा, मुए दब्र दब्र पिट्या। ४००
जेतिरो मोटो, ओतिरो अकुल जो छोटो। ५१३
जे घिड़ंदा सोहिंए, सेल्ह बि लग़ंदा तनि। ११६
जे पवंदा सोढ़िएं, तिनिलग़ंदा सेल्ह। ११६
जेसीं ढाओ खणे साहु, तेसीं बुख्ये जो वञे साहु। ६४
जेसीं ढाओ खन्हे मथो, तेसीं बुख्ये जो वञे साहु। ६४
जेसीं लालू खणे लठि, तेसीं करह वञे उझामी। ६४
जो कछे न फारे सो खा ब़ारे। १०३
जौहर पर्खे जौहरी। ३८३
झलि रन खे त लडु पेई वञे, झलि लडु खे त रन पेई वञे। १३६
टके जी मुर्ग़ी, छह टका महसूल। ४७१
टकिड़ी अ खे सूर थ्या त ज़ाई कुई। ५४७
ठल्हो चड़ो वज़े वणो। ९
ठाठु निएं हिकिड़ो ठिकरु ड्रिए बणनि खे। १७९
ड्राडे जेडे डुष सां, टंग जेडी कुंवारि। २७५
डील दर् गुंबज़, आवाज़ दर् फिस। ५१३
डुखनि पुठ्यां सुख, सुखनि पुठ्यां डुख। २१३
डूरां ड्राढ़ी, ओर्यांकख। ४८९
डे्हु चवे, ड्रेराणी न चवे। ३७८

	पृ. क्र.
ड॒ोहिटी थी नानी अ खे सुम्हण सेखारे।	३५१
ढंढोड़ा शहर में, लड़का बग़ल में।	५४३
ढउ झले हिकु भाभिरो, ब॒री मेंहिं।	९७
ढाओ खन्हे पेटु, तेसीं बुखिए वञे साहु।	६४
तपु दांगी छह महिना, खुपु महिमान ब॒ाहीं महिना।	३३६
ताड़ी हिक हथी न वजं॒दी आहे।	२०१
तेलु सहांगो हो त गिदड़नि बि हूंद चोटू्युं मख्यूं।	२८९
दमु दालि जो, आकड़ि पुलाह जी।	४३५
दमु न आहे बदन में नांउ ज़ोरावरख़ान।	८०
दाता डि॒ए, पेटु फाटे भंडारी अ जो।	४७८
दीवान जो दमुड़ी अ जी दालि ते।	४३६
दुहिल जो आवाज़ु परे खां मिठो लगं॒दो	४८९
धणी हमराहु त कंहिंजो न डाउ।	५७१
धातूरो धारे, जे कजे कारि कमांद जी, तबि असुलु उन्हीअ पार जो, डे॒ना डे॒खारे।	३६०
धोबि॒ जो कुतो घर जो न घाट जो।	१०६
नंढे वातूं वड॒ो वेणु न कढिजे।	३५१
नंहं सां छिजे॒ त काती छो विझिजे ?	३२०
नंहुं रखणु डीं॒सित सिरु गी॒हे।	१११
नओं मुलो ज़ोर सां ब॒ांग डीं॒दो आहे।	५०४
न का घटि घोट में न का कमी क्वांरि।	२६४
नचण बीठी त घूंघट केहा।	११६
नवनि मेहारनि मेहूं धार्यूं, खथा लाहे दूंह्यूं ब॒ार्यूं।	५०४
नांग खे खीरु प्यारिबो त बि हुन जो विहु कोन घटिबो।	३६०
नांग जो डे॒ज़ार्यलु नोड़ी अ खां बि टहे।	४८५
निखिमिणो वाण्यो गुड़ु गं॒ढा तोरे।	५६५
निखिमिणो वाण्यो भितर भोरे।	५६५
निड़ीअ खां लंघ्यो, नर्गु॒ थ्यो।	२८१
निमे सो गो॒रो।	९७
तुंहं ससुको ब्रि॒ए जी साहीए, धीअ ससुको पंहिंजी साहीए।	४१
पंहिंजनि सां वेरु, परावनि सां मेडु॒।	३७८
पंहिंजीअ ड॒र ते गिदड़ु बि शींहुं।	५४
पंहिंजी गतीअ पड गड॒ह खे पेरें।	६०३
पंहिंजे कखें कोई न लखे।	५५
पंहिंजे घर जहिड़ी बि का ब॒ी बादिशाही।	५५
पंहिंजे घर में ब्रि॒ली बि शेरु।	५५
पंहिंजे धंउरे खे केरु खटो चवंदो।	४१
पंहिंजो घरु किनसां करे भरि, पराओ घरु, थुक उछिले डू॒रु।	५५
पग॒ खां बतानो वडो॒।	५९७
पढ़ी पाण न जा॒णे, मारे खिताबी।	५०८
परणु चवे डू॒घे खे हलु डे॒ टिटूंगा।	३३
पर पुठि बादिशाहनि खे बि पथूं गार्यूं मिलनि।	५७४
पराई माड़ी डि॒सी पंहिजो भूंगो न डाहिजे।	२६
पराए पुलाव खां पंहिंजी पिछ बि चङी।	२६
पराए माल ते टोपी निराड़ते।	४३६
परावा पुट पंहिंजा थियनि हा, त जालूं सूरई न सहनि हा।	२८९
पहण कूंअरा हुआ त हूंद गिदड़नि खाई छडि॒या।	२८९
पाई अ ते पकाई, नोटनि ते नादानी।	७१
पाई न अथसि पलइ, चे हारु गि॒न्हां कीन छली।	४३६
पाण पिने, घोड़ा गि॒न्हे।	४३६
पाण मुए खां पोई सिजु उभिरे न उभिरे।	८९
पाणीअ खां अगे॒ थो कपिड़ा लाहे।	३१०
पाणु न पाड़े; कुता धारे।	४३६
पिनंदे जे पड़े त मुड़सु छा लाइ कजे।	२८९
पिनिए मङिए घरु हलेत खुहि उधारी वाट।	२८९
पुजे॒ खांउसि कोन, लखुलानत ग़ोडनि खे।	५०८
पुजे॒ न थी पइ सां, पिटे थी पेकनि खे।	९२
पेटमें न जेसीं रोटी, तेसीं गाल्हि मिड्याई खोटी।	५१९
पेट में बुख उरह में आकड़ि।	४३६

प्र. क्र.

प्यो किर्तु कंहिंजो न मिटे । ३६०
फ़कीर जी कावड़ि पाणताईं । ५८४
फ़कीर तूं पंहिंजी राह वठु, कुते खे भौंकणु ड़े । ५७४
बदनमें दमु न ठहे नालो ज़ोरावरख़ानु । ८०
ब़ुरे तेलु, खामे वटि, वाह ड़े ड़िया वाह । २२१
ब़ांभण जे घर छिनल विजिणी । २५८
बाज़ जी रीस करे उड़ाणी चिड़ी ।
चणो होसि चुहिंब में सो ब्रि पियुसि किरी ।। ५५१
ब़ारण ब़ूहूं कजनि, तबि रड़ा रञनि कीनकी । ३६०
बारी लगनि बारु, कोन्हे कमु कचनि जो । ३८३
बासणु हिकिड़ो खणे, ठिकरु घणनि खे अचे । १७९
ब़ाहिरां चखी मखी, अंदिरां बुड़बुड़ दखी । ५१३
ब़ियो हर्को होयों हले, ढीकणु पाए डुकूं । ९७
ब़िलीअ खे ख्वाब में छिछिड़ । ३४०
बीठल जो सभु को यारु । ५२४
बुख बुछिड़ो टोलु दाना दीवाना करे । ५१९
बुखमें न जेसीं रोटी, गालिह मिड्याई खोटी । ५१९
बुखिए जूं अख्यूं चूल्हि में । ३४०
भोलिड़नि खे ब्रि पंहिंजूं ज़ालूं प्यायूं । ४१
मछीअ मौतु, मए शिकारु । २५२
माउ मरे रुखे सुके, धीउ दा नालो डुही । ४३६
माउ मुरली, पीउ तंबूरो, पुट्ठ वजाइणमें ईं पूरो । ४३६
माचे त नाचे । ९८
माड़्यूं महल किरी प्या छनो कियोंत ला थ्यो ? १९
सिया गोर लाइकु, बीबी सेज लाइकु । २७५

प्र. क्र.

मिरुआं मौतु, मलकां शिकारु । २५२
मुंहं जो मिठो, अंदर जो कारो । ५९१
मुंह त आहेयोंई उजिरो, कल्ब में कारो । ५९१
मुंहं में मुलो दिलि में कासाई । ५९१
मुंहुं त मूसा जहिड़ो, आदत में इब्लीसु । ५९१
मुंहुं त मूसा जहिड़ो, सीरत शैतानी । ५९१
मुए खां पोइ सिजु उभिरे न उभिरे । ८९
मुड़सु पोढ़ो, ज़ाल जवानु, तंहिं खे ज़ाणु कल जो कानु । २७५
मुफ्त जो शराब काज़ी अ खे ब्रि हलालु आहे । ३४७
मुलो चोरु, बांगो शाहिदु । ३३६
मुल्क में ड़ेढ खजूर, मियां लेटे बाग में । ४३६
मेंहिं पंहिंजी कारंहिं कान ड़िसे, गांइं खे चवे हलु ड़ी पुछकारी । ३३
मेंहिं मचे होयों हले, रिढ मचे टिपा ड़िए । ९८
मेमुणु वञे मके त ब्रि सेरु साहिमी तके । ३६०
मोत्युनि जी पर्ख मां छा ज़ाणे शीशागरु । ३८३
मोहनु मङ्योई कोन्हे चे खट का थे विझां । ३१०
रनपुट खे लगे भागु त ड़िए जुआरे अटे खे दागु । ९८
रन मरे सखरि, ज़ारु पवेसि बखरि । ४८१
राखे राम त मारे केरु ? ५७१
राजा जे घरि को मोत्युनि जो कालु । २५८
राणी रुसंदी त पंहिंजो सुहागु वठंदी, कहिं जो भागु त कीन वठंदी । ५८४
राति थोड़ी, साठ घणा । १६९
रिढ मथे में सूरु, सानु ड़िनाऊं सदिको । ४७१

पृ. क्र.

रिढुनि अग्यां रबाब वजाई दे वहीं थ्या। ३३२
रिढूं मिडेई बूथ कायूं। १७३
रुठी आहे घोट सां गाल्हाए न थी गोठ सां। ९२
रे पंहिंजी खटीअ, सभरु बुरेन बाहि। ४९
रोज़नि पुठ्यां ईदूं, ईदुनि पुठ्यां रोज़ा। २१३
लंघा पट, विसिर्या मिट। २९४
लखु घर में, ब्री मिड़्याई ओधरि। ४३७
लगे न लाए, गडु वेठी खाए। ५७९
लभनि लूण कणा बि न, मुंहिंजो नाटो सोन ब्राई। ८०
लभे लठि बि कान, बाबो बंदूकुनि वारो। ४३७
लभे लूणक बि कान, संधू मरी ड़े ते। ४३७
लाह्युनि पुठ्यां चाढ्यूं, चाढ्युनि पुठ्यां लाह्यूं। २१३
वक्तु पड़े बांका, कहे गड़ह को काका। ६०३
वक्तु करे वांका त बोड़ो गडह खे चवे काका। ६०३
वछ खीरु डिए त मेंहिं छो धार्जे। २८९
वटो खणे हिकिड़ो, वाट विञाए सभिनीं जी। १७९
वह कुडे कीरे आहर। ५८४
वांदो वाण्यो वह्यूं संभाले। ५६५
वाउ जखलु उडाए छडे तंहि अग्या कपह छाहे? १९
वाण्यो पंज न सहे, पंजाहु सहे। ७१
वातमें माखी, दिलि में काती। ५९१
वातु चवे मिठो मिठो, निड़ी चवे मूं न डिठो। २८१
वारा ज़मारा आहिनि। २१३
विढ़नि सान लताड़ि जनि बूरा। ५५८
विढ़नि सिपाही नालो थिए सर्दार जो। २२१
वेईअ विहाणी अ दोदे नानाणा आया। ६४
श्राध पुना, ब्रांभणनि चाढ्या कुता, त कांव वेही रुना। ५२४

पृ. क्र.

शेरख़ान जो शकिरो घर जा कुकुड़ मारे। ३७८
संओं चवे सो सूरु पिराए, खेडु करे सो खटी खाए। १५२
सखिणी कुनी घणो उभामे। ९
सजुण हुअनि संवां, मरु डेह डिगायूं कनि। ५७१
सजुण हुजनि साणु, त झंग अंदर सोनी खाणि। ५७१
सती थी सेडाए, लंडी थी खाए। १५२
सले खां अगे थो संग गणे। ३१०
सवें सन्त चवनि त बि ब्रोड़ा बुधनि कीन की। ३३२
ससु जा सउ डींहं त नुंहुं जो बि हिकिड़ो डींहुं। २१३
सह से करे सींगार त बि खोदिरी अ पुट्ठ खोदिरो। ३६०
सुम्हे थो ढेर ते, सुपना थो लहे महलनि जा। ४३७
सेल्हनि में जे हथ विझंदा, से सूर बि सहंदा। ११६
हंगणु थोरो फर् फर् घणी। २४८
हंडी उभा मंदी त पाहिंजा कना खाईंदी। ५८४
हडु पोरा, सडु वडा। ४३७
हडु बि गासो, लोक बि तमाशो। १८७
हडु में हरीरुं, गोडि में पताशा; अंदरि अगिड्यूं ब्राहिर ठाशा। ४३७
हडु सखिणी लोडु घणी, आउ मार्या, खुटल घणी। ४३७
हरिणी अगेई न चिणी, वेतरि प्यसिं घिंडिणी। १८८
हिक कन खां बुधो बिए खां निकिरी व्यो। ३३२
हिकिडा डुख, ब्यूं डूंगियूं। १८८
हिकिड़ी चोरी, ब्री सीनाज़ोरी। १४३
हुनर वारे जो हुनरु, बेहुनर जी जिंदु। ३८३
हेरी अ संदी हेर, टंग भगीअ ब्रि न लहे। ३६०

मराठी

पृ. क्र.

अंगात चोळी आणि गावाला आरोळी. ५४३
अंगापेक्षा बोंगा आणि कोठे ज़ाशी सोंगा. ५९७
अंगाऱ्याला गेला, पांगारा घेऊन आला. २३५
अंगाला भरज़री अंगरखा, आणि पायाला उन्हाचा तडाखा. ४३७
अंगी नसता गर्भछाया, वंध्या डोहाळे सांगे वाया. ४३७
अंथरूण पाहून पाय पसरावे. १०३
अंधळा गुरु, बहिरा चेला. २६४
अंधळा डोळा काज़ळाने साज़रा. ४३८
अंधळा मळी रेडा खाई. २२१
अंधळे दळते व कुत्रे पीठ खाते. २२२
अंधळे धावे कुडावेरी./अंधळ्याची धाव कुडापर्यंत. ५८४
अंधळ्या गायीत लंगडी गाय प्रधान. २
अईन रावणाची व आस लेंडकाची. ४३८
अक्कल नाही कवडीची नि नाव सहस्त्रबुद्धे. ८१
अक्कलेचे अमीर, सांगितली मेथी, आणली कोथिंबीर. २३५
अक्काबाईच्या म्हशी, बकाबाईला उठाबशी. २२२
अगा अगा देसाया, काष्टी नाय नेसाया. ४३८
अगोदर असला, त्यात बैलावर बसला. १८८
अगोदर मुक्ती, मग भक्ती. ५१९
अच्छेर शेंडी शेरभर घेरा. ५९८
अडकित्त्यातील सुपारी. १३६
अडक्याची अंबा, आणि गोंधळाला रुपये बारा. ४७१
अडक्याची भवानी, आणि सवा लाखाचा गोंधळ. ४७२
अडक्याची देवता (भवानी), सापिक्याचा सेंदूर. ४७२
अडला नारायण / हरी गाढवाचे पाय धरी. ६०३

पृ. क्र.

अडले कोल्हे मंगळ गाय. ६०३
अदपाव भोपळा आणि अडीच शेर तेल. ४७२
अनुभवावाचून कळत नाही, चावल्यावाचून गिळत नाही. ४९
अपराध केला शिष्याने, आणि गुरुला आले धरणे. १७९
अपुऱ्या घड्याला डबडब फार. ९
अभिमानाची दीडा कानाची. ४३८
अभ्यंगस्नानी पूजिला, गाढव पळे रस्त्याला. ३६०
अय्या सवाशेर, लिंग घडाभर. ५९८
अय्ये तेरावो मोणुयी ज़ालो, घारी खेल्ली मेणुया ज़ाली. १९७
अरत्र ना परत्र. १०६
अर्दकुडा कळसो हायसुळता. ९
अलीकडे नय, पलीकडे वय, म्हणून नाही सोय. १३६
अल्प मनुष्य कोपे, लहान भांडे लवकर तापे. ९
अवदिशी पुऱ्या, आणि सणाला घुगऱ्या. १५२
अश्वासी खारिका हळहळ. ५३५
असतील शिते तर ज़मतील भुते. ५२५
असे लग्न लागुक व्होल्कें ज़ालें हागुंक २०७
अस्वलाच्या अंगास (गांडीस) केसांचा (शेटांचा) दुष्काळ.
अस्वलाच्या रानात केसांचा दुष्काळ. २५८
अहेर चोळीचा (नारळाचा), आणि गजर वाज़ंत्र्याचा. ४३८
अळवावरचे पाणी. ३३२
अळवाची खाज़ अळवास ठाऊक. ३९४
आंकल्यांकरानी पातक केल्यार कुमठेकरांना दंड कित्याक ? १७९
आंधळ्यापुढे आरशी, बहिऱ्यापुढे कहाणी ५३५
आंधळ्यापुढे नाच, बहिऱ्यापुढे गायन. ५३५

पृ. क्र.

आंधळ्यापुढे लाविला दिवा, आणि बहिऱ्यापुढे गाइले. ५३५
आई एली, बाप तेली, आणि मुलगा शेखचिली. २६४
आईची माया, अन् पोर ज़ाईल वाया. १४
आई-बापा मारी लाथा, बाईलीला वेई माथा. १५२
आई भेरी, बाप पडघम, आणि संबळ भाऊ. २६४
आई वेडी, पोर पिसा, ज़ावई मिळाला, तोही तसा. २६४
आऊच्या काऊ, तो म्हणे माझा मावस भाऊ. ५७९
आका गळयाळ भांग्रा सरी म्हून भयिणी गळ्याक सुंबादोरी ५५१
आकुळ्ळेलि गायि आप्पा भट्टाक दान. १२१
आखला सुटला तर उकिरडा उकरील, पर्वताशी थोडीच टक्कर घेणार आहे ? ५८५
आग रामेश्वरी, बंब सोमेश्वरी. ४८१
आगीतून निघाले व फुफाट्यात पडले. १२८
आग्रह स्वर्गातला, आणि पत्ता नाही ताकाला. ४३८
आडातला बेडूक समुद्राच्या गोष्टी सांगे. ४३८
आणितो उसनवारी, मिरवितो ज़मादारी. ४३८
आधव्याचे आले राज, डोक्याला सुटली खाज़. ९८
आधीच अंधळी, तीवर झाली मांज़ोळी. १८८
आधीच (बोंबलण्याचा) उल्हास, त्यात (आला) फाल्गुनमास. १८८
आधीच गाढव त्यात उकिरड्याचा शेज़ार. १८८
आधीच तसले अन् बैलावर (घोड्यावर) बसले. १८८
आधीच तारे, त्यात गेले वारे. १८८
आधीच दुराचारी आणि स्त्री-राज्यात कारभारी. १८९

पृ. क्र.

आधीच (बाई) नाचरी, तिच्या पायी बांधली घागरी. १८९
आधीच पिचके त्यात दात विचके. १८९
आधीच बंड तसला त्यात बैलावर बसला. १८९
आधीच बहुबावळी, अन् त्यात खाल्ली भांग. १८९
आधीच मर्कट, तशातही मद्य प्याला. १८९
आधीच हौस, त्यात पडला पाऊस. १८९
आधी पोटोबा, मग विठोबा. ५१९
आधी मला वाढा, मग ओढीन कामाचा गाडा. ५२०
आधी शिदोरी, मग जेजुरी. ५२०
आधी होता (ग्राम) ज़ोशी, मग झाला मोकाशी, (राज्यपद आले त्याशी) त्याचे पंचांग राहीना, मूळ स्वभाव ज़ाईना. ३६१
आधी होता वाघ्या, मग (दैवयोगे) झाला पाग्या, त्याचा येळकोट राहीना, मूळ स्वभाव ज़ाईना. ३६१
आपण कुंटो, दुसऱ्याक म्हणता थोटो. ३३
आपण तरी मरद, बाइलेक रांड करीद. ५९
आपण नागडी — (गांड उघडी), कान्ना बुगडी. ४३८
आपण मेले आणि (नि) जग बुडाले. ८९
आपण मेल्यावाचून स्वर्ग दिसत नाही. ४९
आपण हासतो लोकाला, शेंबुड आपल्या नाकाला. ३३
आपला गू आपणास घाणत नाही. ४२
आपला तो बाळ्या (बाब्या), दुसऱ्याचे ते कारटे. ४२
आपला हात जगन्नाथ. ४९
आपले उकिरड्यावर कोंबड्याचा अभिमान. ५५
आपले गरज़े गाढव राज़े. ६०३

प्र क्र.

आपले घर हागून भर, दुसऱ्याचे घर थुकूक ज़ड. ५५
आपले चेडू नक्षत्तर, पेल्याले म्हारापोरा. ४२
आपले ते गोजिरवाणे, लोकांचे ते लाजिरवाणे. ४२
आपले नाक कापून दुसऱ्यास अपशकुन. ५९
आपल्या आईला कोणीही डाकीण म्हणत नाही. ४२
आपल्या खेटरावर माया ती दुसऱ्याच्या पोरावर नसते. ४२
आपल्या गावात बळी, परगावी गाढवे वळी. ५५
आपल्या डोळ्यातले मुसळ दिसत नाही त्याला दुसऱ्याच्या डोळ्यातले कुसळ दिसते. ३३
आपल्या पायात घुपसली वाल, आनि हाव काढता दुसऱ्याची चाल. ३४
आपुण बाई पोटारी, घोवार दोळे वटारी. १४३
आपुण रांड शिनाळे ज़ाल्यार भावा बायले पातयेना. ३४
आम्ही गडकरी हांव, दांड्यानं पाणी ब्रोच्यांक लाव. ४३८
आयजीच्या जिवावर बायजी उदार, दिवसा दिवा, रात्री अंधार. ४९४
आयत्या पिठावर नागोबा (बळी). ४९४
आयत्या बिळात नागोबा. ४९४
आले आले रुखवत, कडाडला हंडा, उघडून पाहातात तो अर्धाच मांडा. ४३९
इकडे आड, तिकडे विहीर. १३६
उंट-गाढव भेटले, दोघेही हसले. २६५
उंट बुडतो आणि शेळी ठाव विचारते. १९
उंबर पिकले आणि नडगीचे (अस्वलाचे) डोळे आले. २०७
उखळात डोके घातल्यावर मुसळास कोण भितो ! ११६
उठवळ सासू, थोट ज़ावई. २६५

प्र. क्र.

उतरंडीला नसेना दाणा, पण दादला असावा पाटील राणा. ४३९
उदाऱ्याचा पुधार, खाटल्याखाली अंधार. ४३९
उद्योगाचे घरी ऋद्धि-सिद्धि पाणी भरी. ४९
उथळ पाण्याला खळखळाट फार. ९
उथळ पाण्याला खळाळी फार व दुबळ्या माणसाला बढाई फार. १०
उपड्या घड्यावर पाणी व बहिऱ्याज़वळ कहाणी. ३३२
उपाशाचे घरी ढेकणांचा सुकाळ. १८९
उब्बुन मुतुच्च रय्याक धांवुन मुतुच्चो मंत्री. २६५
उलटून पडली खरी, म्हणे सूर्यास दंडवत करी. १२५
उसाच्या पोटी काऊस. २७५
एकपट लष्कर, सातपट कतवार. ५९८
एक पैशा म्हालू व्हावच्यांक दोन पैशा कूलि. ४७२
एक भाकरी, सोळा नारी. १६९
एका कानाने ऐकावे, दुसऱ्या कानाने सोडून द्यावे. ३३३
एका कानावर पगडी, घरी रांड (बाईल) उघडी. ४३९
एकाच लेंडाचे कुडके, एक घाणता नि एक परमाळता. १७३
एकाची जळते दाढी, दुसरा तीवर पेटवितो विडी. २५२
एकाची ज़ळते दाढी, दुसरा म्हणतो, माझी पेटवू द्या विडी. २५२
एका तागडीची पारडी. १७३
एका दगडाने दोन पक्षी मारणे. १९७
एकादशीचे घरी शिवरात्र (पाहुणी). २०३
एका माळेचे मणी, एक सारखे गणी. १७३
एका हाताने टाळी वाज़त नाही. २०१
एकीकडे यमाई, दुसरीकडे तुकाई. १३६

	पृ. क्र.
एकीने घातली सरी, म्हणून दुसरीने घातली दोरी.	५५१
एके दिवशी तूर-पोळ्या चळचळीत, एके दिवशी बसला कण्या गिळीत, एके दिवशी हत्तीवर अंबारी, एके दिवशी पायी निघाली स्वारी.	२१३
ऐट बादशहाची, धंदा भडभुंज्याचा.	४३९
ओसाड गावी एरंड बळी.	२
ओसाड गावी गाढवी सुवासिनी.	२
ओल्तुनु गेलेले दूद कृष्णार्पण.	१२५
ओलि नाचता म्हणून सूप नाचता.	५५१
कडू कारले, तुपात तळले, साखरेत घोळले, तरी कडू ते कडूच.	३६१
कण्हतो, कुंथतो, पण मलिद्याला उठतो.	२४२
कधी उन्हाळा, तर कधी पावसाळा.	२१३
कनवटी नाही पैसा, आणि लोकांना म्हणतो – या, बसा.	४३९
कन्येला फाटके, सुनेला नेटके.	१५३
करट तसो पू.	४१३
करणी कसाबाची व बोलणी मानभावाची.	५९१
करणी न धरणी, आणि बोलण्याची सुरणी.	२४८
करवतीची धार पुढे सरली तरी कापते, मागे सरली तरी कापते.	१३६
कलवंत नाचता देवळात, म्होण गावडी (भावीण) नाचता बरात. (गो.)	५५१
कवड्यांचे दान वाटले, गावात नगारे वाजले.	४३९
काखेत कळसा, गावाला वळसा.	५४३
काजव्याचा उजेड काजव्याभोवती./ काजव्याचा उजेड गांडीपुरता.	५८५
काजव्याचा उजेड त्याच्या अंगाभोवती.	५८५
काथवट हसते कुंड्याला, नि म्हणते – बाळा, मी अकद, नि तुझं तोंड रुंद.	३४
कानडीने केला मराठी भ्रतार.	२७५
कान फूक म्हळ्यार वायन फुकता.	२३५
कानाला ठणका व नाकाला औषध.	४८१

	पृ. क्र.
काम थोडे, बोभाटा मोठा.	२४८
कामापुरता मामा, ताकापुरती आजीबाई./आत्याबाई.	२९४
काय गेले तळतीचे, काय गेले वळतीचे.	४९५
कारभाऱ्याला लोणी, गड्याला ताक, कारकुनाला बेरी, आणि धन्याला धाक.	१५३
कावळो न्हाल्यार ढोंक जाता व्हय ?	३६१
कावळ्याच्या शापाने गाई (ढोरे, गुरे) मरत नाहीत.	३२९
कासा भाज्जेक दुग्गाणि फण्ण.	४७२
कुंभार-कुंभारणीचे भांडण, गाढवाचे कांडण.	५५८
कुंभारणीने कुंभाराशी कज्जा केला, आणि गाढवाचा कान पिळला.	९२
कुंभार तसा लोटा, आणि बाप तसा बेटा.	४१३
कुंभाराचे पोर धडक्या हंडीत शिजवणार आहे ?	२५८
कुठले कुठे, अन् उठे उठे भेटे.	५७९
कुठे बाभळ, कुठे चंदन.	२२९
कुठे मोगरा, कुठे निवडुंग.	२२९
कुठे मोहोर, कुठे अघेली.	२२९
कुत्री भुंक भुंक भुंकती, डौलाने चाले हत्ती.	५७४
कुत्र्याचे शेपूट बारा वर्षे नळकांड्यात घातले तरी अखेरीस वाकडे ते वाकडेच.	३६१
कुत्र्याला मिळे सोन्याची साखळी, देवाला न मिळे फुलाची पाकळी.	१५३
कुऱ्हाडीचा दांडा गोतास काळ.	२८१, ३७८
कुळीदना होय मांडा, तर रडत्या का रांडा.	२८९
केर डोळ्यात, फुंकर कानात.	४८१
केलस्याक पळेल्यारि गाडव खाको उकळता.	३१७

पृ. क्र.

कोठे इंद्राचा ऐरावत, कोठे शामभट्टाची तट्टाणी. २२९
कोठे राजा, कोठे पोतराजा. २२९
कोणाच्या गाई-म्हशी, आणि कोणाला उठाबशी. १७९
कोतवालाआधी चोराची बोंब. १४३
कोळसा उगाळावा तितका काळा./कोळसा किती उगाळला तरी काळाच. ३६१
कोळीण नाचते म्हणून जोगीण नाचते. ५५२
खंडीत नवटके आणि कटकात चवटके कोळे पाहावे. २३०
खर्च केला नाही कवडीचा, आणि प्रेतावर पूर रेवडीचा. ४००
खर्चणाराचे खर्चते, पण (आणि) कोठावळ्याचे पोट दुखते. ४७८
खर्ची सुटे आणि मैत्री तुटे. ५२५
खर्वि महाशेष, खर्वि गायंडळु. २३०
खाई त्याला खवखवे. ३९४
खाईल तिथेच हगेल. २८१
खाण तशी माती. ४१३
खाणे थोडे, आणि मिचमिच बहुत. २४८
खायला अजी, करावयाला शेजी. २४३
खायला आधी, निजायला मधी, कामाला कधीकधी. २४३
खायला न खरवडायला, मशालजी रगडायला. ४३९
खायला न प्यायला, फुलेल तेल न्हायला. ४३९
खायला-प्यायला नसो, पण शिपाई नवरा असो. ४४०
खाया-प्यायास मी, लढायास कुबडा भाई. २४३
खाल्ल्या घरचे वासे मोजणे. २८१
खावे तर बाधते, टाकावे तर शापते. १३६
खिशात नाही अडका आणि बाजारात चालला (घ्यायला जातो) धडका. ४४०
खिशात नाही पै, मनात गमजा लई. ४४०

पृ. क्र.

खेकस्यास मेकटे महादेवा, ऊठ गो नकस्या, लाव दिवा. २६५
खोटा तो खोटा, नि वर फुकाचा ताटा. १४३
खोटे नाणे होळीमध्ये. १२१
खोटे नारळ होळीमध्ये. १२१
गंध टिळे नायकाचे, घरी हाल बायकोचे. ४४०
गणपती (गणेश) गेलो पाणया, इयाट (वाट) धर वाणया. २९४
गरजवंताची गधडी, लंकेचे भाडे. ६०४
गरजवंताला अक्कल नसते./नाही. ६०४
गरज सरो, वैद्य मरो. २९४
गळयात गरसोळी, आणि गावात बोंब. ५४३
गांडीखाली आरी, आणि चांभार पोर मारी. ५४४
गांडीत घर करून पादाक अळशीकचे न्हंय. ११७
गांडीत नाही गू नि कावळ्याला आमंत्रण. ४४०
गाढव गूळ हगते तर डोंबारी-लोणारी-कुंभार का भीक मागतो ? २८९
गाढवाचे केले सोहळे, आणि गाढव उकिरड्यावर लोळे. ३६१
गाढवाच्या लेंड्यांचे पापड बनते तर उडीद कशाला होते ? २८९
गाढवापुढे वाचली इसापनीती, ते म्हणते, मला पाय किती ? ५३५
गाढवापुढे वाचली गीता, कालचा–रात्रीचा गोंधळ बरा होता. ५३५
गाढवास गुळाची चव काय ? ५३५
गाड्यावर नाव, नावेवर गाडा. २१३
गुरव नाचतां भळांत, म्होण मडवळ नाचतां व्हाळांत. ५५२
गुरवाचे चित्त नैवेद्यावर, गवयाचे चित्त तालसुरावर, वैद्याचे चित्त नाडीवर, आणि ब्राह्मणाचे चित्त दक्षिणेवर. ३४०
गुवाचा भाऊ पाद, पादाचा भाऊ गू. २६५

	पृ. क्र.
गोठणीच्या (लोकांच्या) गाई मामळभट दान देई.	४९५
गोरागोमटा, कपाळकरंटा.	५१४
गोसाव्याची जहागीर, मानभाव प्यादा.	२६५
घर चंद्रमौळी, आणि बायकोला साडी-चोळी.	४४०
घरचा न घाटचा.	१०७
घरचीचे ते मिठवणी, आणि बाहेरचीचे मिठा पाणी.	३०४
घरची म्हणते- देवा, देवा, - बाहेरची म्हणते, मला चोळी शिवा.	१५३
घरचे झाले थोडे, आणि व्याह्याने धाडले घोडे, तेही तीन पायाने लंगडे.	१९०
घर मोगऱ्याक पर्मळ ना.	३०४
घरात नाही एक तीळ, पण मिशांना देतो पीळ.	४४०
घरात नाही कवडी, घेऊ मागे शालजोडी.	४४०
घरात नाही दाणा, आणि मला पाटलीण म्हणा.	४४०
घरात नाही दाणा, पण मला बाजीराव / हवालदार / श्रीमंत म्हणा.	४४०
घरातला तिडा आणि जोड्यातला खडा दुसऱ्यास समजत नाही.	३९४
घरात हलाखी, आणि बाळया मागतो पालखी.	४४१
घराच्या भयाने घेतले रान, वाटेवर भेटला मुसलमान, त्याने कापले नाक-कान.	१२८
घरापेक्षा अंगणाचीच मिजास जास्त.	१५३
घराला नाही कौल, रिकामा डौल.	४४१
घरावर नाही कौल, पगडीचा कोण डौल !	४४१
घरी आला संन्यासी, बाईल झाली विटाळशी.	२०७
घरी आली मावशी, त्या दिवशी एकादशी.	२०७
घरी दरिद्र घोळी, बाहेर तूप-पोळी.	४४१

	पृ. क्र.
घरी नाही तुटक्या वाजा, भाऊ माझा बडोद्याचा राजा.	४४१
घाईत घाई, न्हाण आले म्हातारी बाई.	२०७
घाईत घाई, विंचू डसला ग बाई.	२०७
घाईमध्ये गलबला, म्हातारी म्हणे - हेल बाला.	२०७
घोंगड्यात पासोडा सरदार.	३
घोगत्या झवे गाव, तुरेवाल्याचे नाव.	१७९
घोडे कमावते, आणि गाढव खाते.	२२२
चटका मटका तोंडाला, फाटके धोतर गांडीला.	४४१
चवलीची कोंबडी, आणि पावली फळणावळ.	४७२
चांडाळचौकडी आणि धश्चोट अध्यक्ष.	२६५
चांभाराची नजर जोड्यावर.	३४०
चांभाराच्या देवाला खेटराची पूजा.	४०५
चाखी नाग्या, नागवला तुक्या.	२२२
चार दिवस सासूचे, चार दिवस सुनेचे.	२१३
चुलीतून निघून वैलात पडला.	१२९
चोखटाईचा हिरा न् सात मण बुरा.	४४१
चोजाचे ओझे, ढुंगणाला थंडी वाजे.	४४१
चोर करी चोरी आणि दागिने सोनाराच्या घरी.	२२२
चोर तो चोर आणि वर शिरजोर.	१४३
चोर सोडून संन्याशाला सुळी.	१७९
चोराचा भाऊ गठेचोर.	३३६
चोराची पाऊले चोरच जाणे.	३४३
चोराची सुटका आणि सावाला फटका.	१७९
चोराच्या उलट्या बोंबा.	१४३
चोराच्या वाटा चोरालाच ठाऊक.	३४३
चोराच्या हाती जामदारखान्याच्या किल्ल्या.	५६१
छान छोक पण मध्ये भोक.	४४१
जगा तुझी सारी तऱ्हा सदा उफराटी.	४००
जसा बाप तसा लेक.	४१३
जात कैकाडयाची, मिजास बादशहाची.	४४१

	पृ. क्र.
ज़ाळयातून निसटला, वणव्यात सापडला.	१२९
जिकडे चलती, तिकडे भरती.	५२५
जितके मोठे तितके खोटे.	५१४
जितेपणी देईना पाणी, मग बसला तर्पणी.	४०१
जित्याची खोड मेल्यावाचून ज़ात नाही.	३६१
जित्या नाही गोडी आणि मेल्या बंधने तोडी.	४००
जित्या हुळहुळे आणि मेल्या कानवले.	४०१
जी खोड बाळा ती (खोड) जन्मकाळा.	३६१
जेथे नखाने काम होते तेथे कुऱ्हाड कशाला ?	३२०
जेथे मुडदे तेथे गिधाडे.	५२५
जेविल्या घरा वाशे मोजन्चें.	२८१
ज़ो गुळाने मरतो त्यास विष कशास ?	३२०
ज़ो ज़वळ ओयरा तो जग सोयरा.	५२५
ज़ोवर आहे दामाजी, तोवर हांजी हांजी.	५२५
ज्याचा भार, त्याला ज़ोज़ार.	३९४
ज्याचा माल त्याला हाल कोल्ही-कुत्री पडली लाल.	१५३
ज्याची खावी पेज़, त्याची सज़वावी शेज़.	३८९
ज्याची खावी पोळी त्याची वाज़वावी टाळी.	३८९
ज्याची खावी भाकरी, त्याची करावी चाकरी.	३८९
ज्याचे असेल मढे त्याला येईल रडे.	३९४
ज्याचे ज़ळे त्याला कळे.	३९४
ज्याचे पोट दुखेल तो ओवा मागेल.	३९४
ज्याचे मरण ज्या ठायी, तेथे ज़ाई आपले पायी.	६०७
झवणे थोडे, कुस्करणे फार.	२४९
टणटण फुटाणी न् हाती नाही दुगाणी.	४४२
टाकमटिका, डोक्यात लिखा.	४४२

	पृ. क्र.
टाळ गेला, मांदळ गेला, माझा धेंडो नाचू द्या.	६४
टसक देशमुखाची, आणि ओवाळणी कानकुलाची.	४४२
ठिकाण नाही लग्नाला, कोण घेईल मुलाला ?	३१०
डोंगर कोरला, उंदीर काढला./डोंगर पोखरला, उंदीर काढला.	५४७
डोंगरोस दुःख आणि शिंपीभर औषध.	१६५
डोकीला नाही खोबरेल, नि गांड मागते मोगरेल.	४४२
डोकीला नाही खोबरेल, बाईल मागते मोगरेल.	४४२
डोळयात केर, गांडीत फुंकर.	४८१
ढोरानं ढोर मेलं, कुत्र्याच्या गळयात घाटरू आलं.	१७९
ढुंगणास नाही खेंडा, पण दिमाखाचा झेंडा.	४४२
तगवी तिला भगवी, फाडी तिला साडी.	१५३
तडीवरचो एक मासो रापणीच्या शंभर माशापेक्षा बरा.	२६
तरणी पडली धरणी, आणि म्हातारी बनली हरणी.	१५३
तरणेपणी हालेहुले, म्हातारपणी शेंडी फुले.	१५४
तरण्या झाल्या बरण्या नि म्हाताऱ्या झाल्या हरण्या.	१५३
तरुणपणी लाज़, म्हातारपणी खाज़.	१५४
तरुणाचे कोळसे, म्हाताऱ्याला बाळसे.	१५४
तुका म्हणे तेथे पाहिजे ज़ातीचे, येरा गबाळाचे काम नोहे.	३८३
तुझे घर ज़ळो, माझी वांगी भाजू दे.	२५३
तुझी दाढी ज़ळो, पण माझा दिवा लागो.	२५३
तुराटी नाही गांड खाज़वायला, आणि आमंत्रण सगळया गावाला.	४४२

पृ. क्र.

तेल ज़ळता देवळाचे, भटाने किल्या रडचे. ४७८
तेल्याचा मेला बैल आणि परटीण सती ज़ाते. ३२४
तेल्याचे तेल ज़ळे, मशालजीची गांड ज़ळे. ४७८
तोंडाला पदर आणि गावाला गजर–नज़र. ४४२
तोंडावर हांजी हांजी, नि मागे दगलबाजी. ५९१
तोबऱ्याला पुढे, लगामाला पाठीमागे. २४३
तोलदारी खाशाची व घरी कळा ज़ोशाची. ४४२
थेर नाचतं थेरात, कोंबडं नाचतं केरात. ५५२
दमडीचा सौदा, येरझारा चौदा. ४७२
दमडीच्या कोंबडीला चार आण्याचा मसाला. ४७२
दमडी म्हालाक दुगाणी दलाली. ४७२
दही खाऊ की मही खाऊ. १३६
दळण दळते चत्री, पीठ खाते कुत्री. २२२
दळे तिला कळे, फुकटी गोंडा घोळे. ३९४
द्रव्य येता मूर्खा हाती, मूर्खपणा वाढे अती. ९८
दात ना दाढा, चबिना गाढा. ४४३
दात नाही मुखात, विडे घाली खिशात. ४४३
दादा ब्राह्मण वहिनी सवाष्ण. २६५
दारापेक्षा अडसर ज़ड. ५९८
दिमाख लवडी आणि कानात कवडी. ४४३
दीड आणा, बाबू उताणा. ९८
दीड पाव वेणी, आणि तीन पाव गंगावन. ५९८
दुग्धे न्हाणिला वायस, तरी का होईल राजहंस. ३६२
दुधाने तोंड भाज़ले म्हणजे मांज़र ताकसुद्धा फुंकून पिते. ४८५
दुरून डोंगर साज़रा. ४८९

पृ. क्र.

दुरून डोंगर साज़रा, ज़वळ ज़ाता काज़रा. ४८९
दुष्टा गाठी पैका झाला, उपद्रव करी लोकाला. ९८
दुसऱ्याचा तो भोसडा, आपली ती चीर. ४२
दुसऱ्याची कढी, धावधावून वाढी. ४९५
देणे तसे घेणे, देव तसे धुपाटणे. ४०५
दे बाय लोणचे, बोलेन तुझ्या हारचे. ३८९
देव तसे धुपाटणे, न्हावी तसे थापटणे. ४०५
देव तारी त्याला कोण मारी. ५७१
देवापेक्षा गुरवाची प्रतिष्ठा अधिक. १५४
धंदा हजामाचा आणि मिजास पातशहाची. ४४३
धडा गेल्यावर पासंगाला जव. ७१
धनगराचे कुत्रे लेंड्यापाशी ना मेंढ्यापाशी. १०७
धनीणीस धक्का, कुंटणीस टक्का. १५४
धन्याचे नाव गव्या, आणि चाकराचे नाव रुद्राजीबोवा (आप्पा). १५४
धन्याला धत्तुरा आणि चाकराला मलिदा. १५४
धाक न दरारा फुटका नगारा. ४४३
धान्याला बोळा व दरवाज़ा मोकळा. ७१
धुवरू लागिलो वासो ज़ाईना, मशि लागिले मडके ज़ाईना. ३६२
नगाऱ्याची घाई तेथे टिमकी तुझे काई? २३०
नवतीची गरव्हार उताणी चाले. ५०४
नवरा आला वेशीपाशी, नवरी झाली विटाळशी. २०७
नवरा उपवासी, बाईल आधाशी. १५४
नवरा रडतो तरणास व वऱ्हाडी रडत त वरणास. १५४
नवा जोगी, मांडभर जटा. ५०४
नवी नवलाची आणि वापरलेली कवडी मोलाची. ५०४
नळी फुंकिली सोनारे, इकडुन तिकडे गेले वारे. ३३३

	पृ. क्र.
न्हाऊ-काऊ, उपाध्या त्यांचा मावस भाऊ.	३३६
न्हाऊ, काऊ, कोल्हे, कुत्रे – चौघे भाऊ.	३३७
न्हिदिल्लो न्हिदून गेलो, सोप्यावैल्याचो आंड कापलो.	१८०
नाकाडोळ्यांचा चकचकाट, चुतीवर माशांचा वसवसाट.	४४३
नाकात नाही मणका, नटाईचा झणका.	४४३
नाकापेक्षा मोती जड.	५९८
नाकाला नाही जागा अन् नाव चंद्रभागा.	८१
नाकी नाही कांटा, रिकामा ताठा.	४४३
नागव्याकडे उघडे गेले, रात्र सारी हिवाने मेले.	२०३
नागव्यापाशी उघडा गेला, सारी रात्र हिवाने मेला.	२०३
नागीण पोसली आणि पोसणाराला डसली.	२८२
नाचताना मोराचा पिसारा हाले आणि पिसारा नसताना लांडोरी डोले.	५५२
नाचता येईना (म्हणून) आंगण वाकडे.	५०८
नाचता येईना आंगण वाकडे, रांधता येईना ओली लाकडे, नेसता येईना लुगडे तोकडे.	५०८
पनाम असे उदार कर्ण कवडी देता जाई प्राण.	८१
नाव अन्नपूर्णा आणि टोपल्यात भाकर उरेना.	८१
नाव गंगाबाई, रांजणात पाणी नाही.	८१
नाव महिपती तिळभर जागा नाही हाती.	८१
नाव सोनूबाई हाती कथलाचा वाळा.	८१
नितांतल्या बायकोला बुरांडला दादला.	२७६
पतिव्रता भूकी मरे, पेढे खाई छिनाल.	१५५
परटाचा डौल दुसऱ्याचे पांघरुणावर.	४९५
हिलटकरणीचे डोहाळेच फार.	५०४

	पृ. क्र.
पागोट्याचा समला, राजाराम दमला.	४४३
पाट नाही बसायला, रांगोळी कशाला ?	४४४
पाटलाची म्हैस व्याली म्हणून मठपती मिशा कातरून घेतो.	३२४
पाटलाची सून, वडारणीचे गुण.	१५५
पाटीलबोवाच्या मोठ्या मिशा, घरच्या बायका घुबडी जशा.	४४४
पाटलाचे घोडे व म्हाराला भूषण.	३२४
पाण्यात म्हैस व वर मोल.	३१०
पायलीची सामसूम, चिपट्याची धामधूम.	२०
पायांचो कांटो काढूंक कुराड कित्याक ?	३२०
पाहुणा आला भेटीला, पहिला दिवस बायकोला.	२०८
पाहुणी आली आणि म्होतूर लावून गेली.	१११
पाहुण्याचे पाहुणे, कोंडीबाचे मेव्हणे.	५७९
पिकते तेथे विकत नाही.	३०४
पुठ्याला शेण चोपडून मला कोठीचा बैल म्हणा.	४४४
पुढे विनाई, मागे तुकाई.	१३७
पैशाचे तेल, दोन पैसे हेल.	४७२
पोकळ वाशांचा आवाज मोठा.	१०
पोटात भूक आणि डोळ्यात काजळ.	४८१
पोटाला नाही ठिकाण, चोटाला करा आरती.	४४४
पोलॅ पणसाक् पांख चड.	१०
पोशिल्ल्या पोरा काय कशीं ? पोर्तुन माका हाय कशीं.	२८२
पोसल्या पोरा काय करशी ? तर म्हातारीचे डोळे फोडशी.	२८२
फुकट घालाल जेवू तर सर्वजण येऊ – काही लागतं देणं तर नाही बा येणं.	३४७
फुकटचा फोदा आणि झव रे दादा.	३४७
फुकटचा फोदा, झव रे दादा ! झवतो गे बाई, पण द्यायला काही नाही !	३४७
फुकट चोद, महाविनोद, रात्रभर दिवा, उरले तेल शेंडीस लावा.	३४८

	पृ. क्र.
बगलेत पोर, गावात दांडोरा.	५४४
बटीक बाईल, कडक दादला.	२६६
बाज़ले पाहून बाळंतीण व्हावेसे वाटते.	३१७
बाज़ारात तुरी, भट भटणीला मारी.	३१०
बाप चोर, पोऱ्या हाताळ.	४१३
बाप तसा बेटा, कुंभार तसा लोटा.	४१३
बायकांचे शहाणपण चुलीपुढे	५८५
बायको येडी, पोर पिसे, ज़ावई मिळाले, तेही तसे.	२६६
बारक्या फणसाला म्हैस राखण.	५६१
बारा गावचा मोकाशी, घरी बायको उपाशी.	४४४
बाहेर चंदनाचे वाडे, आत सावकाराचे निवाडे.	४४४
बाहेर तुपाशी आणि घरी उपाशी.	४४४
बाहेरच्या देवाना टिळेगोळे, आणि घरच्या देवांवर हगती कावळे.	१५५
बुचे कारभारी आणि नकटे चौधरी.	२६६
बेंबीखालील केस, ना केसात ज़मा ना शष्पात ज़मा.	१०७
बेत बाजीरावाचा, उजेड सणकांड्यांचा.	४४४
बैल गेला, झोपा/झापा केला.	६४
बोडकी आली व केसकर झाली.	१११
बोडकीला कुंकवाची उठाठेव कशाला ?	५३५
बोडकीला कुंकू व वांझेला कातबोळ.	५३५
बोलण्याची टकळी, खाली गांड मोकळी.	४४४
बोलण्यात ज़ोर अन् कामात अंगचोर.	४४४
बोलेल तो करील काय, गरज़ेल तो पडेल काय ?	३००
भटाला किडकी सुपारी.	१२१
भटाला दिली ओसरी, भट हात-पाय पसरी.	१११
भली भसाडी, गंगथडीची पेंढी, आपटली तर सारा गळाटा.	४४४
भले भले गेले गोते खात, झिंझुरटे म्हणे माझी काय वाट ?	२०
भुताच्या भयाने घेतले रान, तेथे भेटला बडा सैतान.	१२९
भेरे ऐके तेरे हरभट मागे सांभारे.	२३६
मंत्र थोडा, थुंका/फुंकर फार.	२४०
महारांच्या देवास फटकुराची पूजा.	४०५
माकडाच्या हाती कोलीत.	१९०
माझी पोर, गुणाची थोर.	४२
माथ्याक ना तेल आनि मिशाक गंधेल.	४४५
मामाच्या म्हशी, भाचीला उठाबशी.	२२२
माय तशी बेटी, गहू तशी रोटी.	४१३
मालकाचे आधी चोराची बोंब.	१४३
मालकाला हवा नि चोराला खवा.	१५५
मियाचे लाल-तुरे, बिबीचे हाल बुरे-पुरे.	४४५
मिया मूठभर व दाढी हातभर.	५९८
मिशांक ना खोबरेल, खाडाक खंचे मोगरेल ?	४४५
मुख पाहून मुशाहिरा आणि घोडा पाहून खरारा.	४०५
मुलीचा नाही ठिकाणा आणि वऱ्हाड्यांची घाई.	३११
मुल्ला अपराधी काजीस दंड.	१८०
मेमटा घेतो चिमटा, भडभड्याचा बोभाटा.	१८०
मोठॅ घरा पॉकळ वाशॅ.	४४५
मोर नाचतो म्हणून लांडोर नाचते.	५५२
मोलाचा भात, आखडला हात, फुकाची कढी, धावून-धावून वाढी.	४९५
मोठ्या घरचा पोकळ वासा.	५१४
मोठ्या लोकांचे गाडगे भोकाचे.	४४५, ५१४
म्हईशि घेवचे पुडे दाव्या खरेदी ईत्याक ?	३११
म्हशीची शिंगे म्हशीला ज़ड नाहीत.	८७
रंग ज़ाणे रंगारी आणि धुनक ज़ाणे पिंज़ारी.	३८४
राजाची शालज़ोडी ती परटाची पायघडी.	४९५

	पृ. क्र.
राजाचे घरी लग्न आणि पाणभरी उडया मारी.	३२४
राजाचे घोडे आणि खासदार उडे.	३२५
राजाच्या सुनेला न्हाण आलं नि पिंज़ारी शेटं भादरतो.	३२४
रात्रंदिवस कांडा, हाती आला कोंडा.	५४७
रात्र थोडी आणि सोंगे फार.	१६९
राम्यास गळू आणि लक्ष्यास अवघणा.	३२५
रावणाच्या खाईला अडक्याचे दही.	१६५
रावांच्या कानावर पगडी अन् घरी रांड उघडी.	४४५
रिकामचोट, गावास उपद्रव.	५६५
रिकामा डौल आणि घराला नाही कौल.	४४५
रिकामा न्हावी, कुडाला तुंबड्या लावी.	५६६
रिकामा सुतार बायकोचे कुल्ले ताशी.	५६६
रिकाम्या माणसा काय करशी ? तर ह्या कानातले तानवडे त्या कानात घालशी.	५६६
रिकामी नार, गाव बेज़ार.	५६६
रिकामे मन सैतानाचे धन./सदन. रिकाम्या मना सैतान करी कारखाना.	५६६
रूप दाविले उंटाने, गाढवाने गाईले गाणे.	२६६
रेड्या पांड्यांचे झुंज़ नि झाडांचे (झाडां-माडांस) मरण (झाडां-मुळांचे कंदन).	५५८
रेड्याला सांगितले ज्ञान, रेडा हागतोय पाटीभर श्याण.	५३६
रोग पोटात व औषध डोळ्यात.	४८१
लंड देवा, भंड पूजा.	४०६
लग्नाला येऊ नको, तर म्हणे – 'कुठल्या घोड्यावर बसू ?'	५७९
लष्कर दोनशे, न्हावी तीनशे (पाचशे).	५९८
लहान तोंडी मोठा घास.	३५१
लांब गेली लपायला आणि भूत गेले चापायला.	१२९
लाडकापूत आणि करट्यात मूत.	१५
लाडका लेक देवळी हगे, हुगण पुसायला महादेव मागे.	१५
लाडे खाई हाडे.	१५
लाडे लाडे झाले वेडे.	१५
लिंग शेरभर, शेटे अडीच शेर.	५९८
लोकांनी घातली सरी म्हणून आपण घालू नये दोरी.	५५२
लोणाऱ्याचे गाढव सोडल्याबरोबर उकिरडा फुंकत राहावयाचे.	३६२
वर लुगडं, खाली उघडं.	४४५
वरातीमागून घोडे, व्याह्यामागून पिढे.	६५
वड्याचे तेल वांग्यावर.	९२
वरून मस्ती आणि पोटात धास्ती.	४४५
वांझोटी गाय भटाला दान.	१२१
वाकडी पगडी, तिरपी मान, घरात असेल तर देवाजीची आण.	४४५
वाबाच्या घरी शेळी पाहुणी.	५६१
वाढणारी वाढता, पण दौलो नाडता.	४७८
वावडी वावभर आणि शेपूट गावभर.	५९९
वासरात लंगडी गाय प्रधान./शहाणी.	३
विंचवीण नाचते आणि विंचू ताल धरतो.	२६६
विचाराची तूट, तेथे भाषणाला ऊत.	१०
विणणाऱ्या कोळ्याची बायको नागवी.	२५८
विधवेला कुंकवाची उठाठेव कशाला ?	५३५
विनाशकाळी विपरीत बुद्धी, विकली घोडी घेतली गधी.	६०७
वेताळाला नाही बायको, आणि धावगा देवीला नाही घोव.	२६६
वैराग्य कडकडतो, फोडणीसाठी तडफडतो.	४४६
वैऱ्याला उराशी आणि कैवाऱ्याला दाराशी.	१५५
शब्दांचा सुकाळ तेथे बुद्धीचा दुकाळ.	१०
शिकारीच्या वेळी कुत्री हागावी.	२०८
शिलेदारी झोक, पगडीला भोक.	४४६

प्र. क्र.

शेज़ाऱ्याने घरे आणि पाहुण्याच्याने पोरे होती तर मग काय ? २९०
शेजीबाईची कढी, धाव-धाव वाढी. ४९५
शेज़ेवरची घालवायची आणि बाज़ाराची पालवायची. १५५
शेणाची सटवाई आवाड्याची काडवात. ४०६
शेत खाल्लं ढोधडीनं अन् मार खाल्ला गधडीनं. १८०
षंढाला जनानखाना, भेरटाला चतुरंग सेना. ५३६
संसार केला एकटीने वाहून नेला फुकटीने. २२२
संसार केला युक्तीने घर खाल्ले फुकटीने. २२२
सख्ख्या सासूला दिली लाथ, चुलत सासूचा कापला कान, तिथे मामे सासू मागते मान. २०
सजीव तोवरि लत्ता देती, मरता घेती खांद्यावरती, उरफाटा सन्मान. ४०१
सती ज़ायला निघायचे मग गांड भाज़ते म्हणून बोंबलायचे ११७
सतीच्या दारी नाही बत्ती व शिंदळीच्या दारी झुले हत्ती. १५५
सत समुद्र शोधून गार मिळविली. ५४८
सभा हसली माकड हसले. ५५२
समुद्रास दुखणे शिंपीत औषध. १६५
समुद्री मासे व घरी भरंवसा. ३११
सरड्याची धाव कुंपणापर्यंत. ५८५
सर्प डसलेल्यास दोरीचे भय. ४८५
सर्पाला दूध पाज़ले तर विषच ओकणार. २८२
ससा उठायला कुत्रे हगायला बसायला गाठ. २०८
सहज़ पडे, दंडवत घडे. १२५
सात हात लाकूड, नऊ हात ढलपी. ५९९
सातेरीक अभिषेकाचे मरण. ९८
सारख्याला वारखे चला ज़ाऊ द्वारके. ३३७

प्र. क्र.

सारी रात्र ज़ागली आणि शेंगा-वांगी रांधली. ५४८
सावलीला भ्याला आणि मुताला बिलगला. १२९
सासवेचे दोंदावर/जिवावर ज़ावई उदार. ४९५
सुंभ ज़ळाला तरी पीळ ज़ळत नाही. ३६२
सुण्याक पालखेत बैसेलो तरी हाडकाक पळौन उडी घेता. ३६२
सुण्याक सलगी दिल्यारि मात्यारि चढता. १५
सूर्याच्या पोटी शनैश्चर. २७६
सूर्यापुढे दिवटी आणि हनुमंतापुढे कोल्हाटी. २३०
सोडला तर पळतो, धरला तर चावतो. १३७
सोनाराने कान टोचला म्हणजे कान दुखत नाही. ३८४
सोनूबाईनं चोरली सरी आणि साळूबाईच्या गळ्यात बांधा दोरी. १८०
सोन्याचा द्यावा होन पण घराचा देऊ नये कोन. १११
स्वतःची मोरी तेथे मुतायची काय चोरी. ५५
हज़ाराचा बसे घरी दमडीचा येरझारा घाली. २०
हटाऊ गुरु आणि शिटाऊ चेला २६६
हत्ती गरगट मुंगीला कटकट. ७१
हत्ती चालतो आणि कुत्रे भुंकते. ५७४
हत्तीच्या गांडीला चातीचा डाग. १६५
हत्तीच्या दाढेमध्ये मिऱ्याचा दाणा. १६५
हत्ती बुडतो आणि शेळी ठाव मागते. २०
हलवायाच्या घरावर तुळशीपत्र. ४९५
हांतरुणावर आलेलीला नको म्हणावयाचे; मग खुणावीत बसायचे. २६
हात ओला तर मित्र भला. ५२५
हातचे सोडून पळत्यामागे लागू नये. २७
हातपाय लुळे, पण जीभ चुरुचुरु बोले. ४४६

पृ. क्र.

हालवले हात तर मिळेल भात. ४९
हिमटी वेई चिमटा न् भडभडीचा बोभाटा. १८०
हिऱ्यापोटी गारगोटी. २७६
हिदशाचा हिस्सा, हिंवर चिंचेचा भाचा, आणि त्याला आला उल्हासा. ५८०
हैरू धावता म्हणू गायंडळू धावता. ५५२
हृदयाचा उन्हाळा आणि डोळ्यांचा पावसाळा. ५९१

गुजराती

अक्कलनो ओथमीर, मंगाव्री भाजी ने लई आव्यो कोथमीर. २३६
अक्कल वेचाती मळती होय, तो कोई मूरख न रहे. २९०
अग्यारसने घेर बारस परोणी. २०४
अटक पारेखनी जात हजामनी. ८१
अणदीठानुं दीठुं, ते मार मूळा ने मीठुं. ९८
अणसमजु ढोर, लेवा मोकल्यो काकडी, लाव्यो बोर. २३६
अधूरो घडो छलकाय घणो. छालको घडो छलकाय, ने ओछी कुली उभराय. १०
अर्ध वसानुं मानवी, वीस वसानुं लूगडुं. ५९९
अर्थ सऱ्या पछी वैद वेरी. २९४
अवाडामांथी नीकळी कूवामां (पडवुं). १२९
आंखे अंधो ने नाम नयनसुख. ८१
आंगणे कूवो ने वहु उछाछळां. १९०
आंगळी आपतां पोंचो ले. १११
आंधळाना हाथे आरसी. ५३६
आंधळानी आगळ रोई, ने पोतानी आंखो खोई. ५३६
आंधळा मां काणो राजियो. ३
आईनो खार बाईपर. १८०
आखी रात दळी ने काटली मां ओसार्युं. ५४८
आखी रात रळी ने ऊंधी पायली दळी. ५४८
आखी रात रोई त्यारे एक डोसी मुई. ५४८
आग लगाडी तापणुं करे. २५३
आज कालनो जोगी, ने ढींचण समी जटा. ५०७
आपणी चटई भली पण पादशाहनी सेज माठी. ५५
आपणुं ते हा हा बीजानुं ते ही ही. ४२
आप मुवा विना स्वर्ग न जवाय. ४९
आप मुवे पछी डुबी जाय दुनिया. ८९
आर खाय ने पाडोशी दंडाय. १८०
उज्जड गाममां एरंडो प्रधान. ३
उपर हीरा चकचके, अंदर कीडा कचकचे ४४६
ऊंट ना ऊंट घसडाई जाय, ने गधेडुं पार पूछे. २०
ऊंधा घडापर पाणी. ३३३
ऊलटो चोर कोटवालने दंडे. १४३
ऊलमांथी नीकळी चूलमां पड्या. १२९
एक आनानी मरघी, ने पावलुं पीछां टुंपामण. ४७३
एक ऊंदर पर बावन बिलाडा. १६९
एक कांकरे बे पक्षी मारे. १९७
एक कागडो बीजा कागडानो डोळो टुपे. ३७८
एक काने सांभळी बीजे काने काढे. ३३३
एक गलीमां आवनजावन, ने वचमां मेली साकर.
दाढीवाला खाई गया, ने मूछवालाने पकड्या. १८०
एक टकानी मरघी, ने चार आना पीछ टुंपामण. ४७३

पृ. क्र.

एक तरफ कुवो अने बीजी तरफ
अखाडो./धरो. १३७
एक दम ने हजार उमेद, एक कोठे
एकावन उमेद. १६९
एक पंथ बे काज. १९८
एक वांसना बोहिया, ने बधां सरीखा
होइयां. १७३
एक हाथे ताली न पडे. २०१
एकादशीने घेर शिवरात्रीबाई परोणामां. २०४
कंकण वेंचीने काकी कहेडाववुं. ४४६
कडी लेता पाटण परवार्युं. ७१
कणिया ना श्राप थी कंई वरसाद अटके ? ३२९
कन्या जाणे कचकडो, ने वर मोतीनो
दाणो. २६६
कपाळ प्रमाणे टीलुं. ४०६
कमाड करता उलाळो भारे. ५९९
करमनुं कजोडुं, एक गधेडुं ने बीजुं घोडुं. २७६
काका, ल्यो खिचडी, घालो गांडमां. ६५
कागडाने श्रापे ढोर न मरे. ३२९
कागडो मोरनी चाल चालवा जतां पोतानी
भूली गयो. ५५२
कागने कह्ये डोबां मरतां नथी. ३२९
काछीयो मरे ने कुंभारने डामे. १८१
काणी धीने कोण वखाणे ? तेनी मा. ४२
काने नहिं, कोटे नहिं, ने वाल सोनुं
होठे. ४४६
काम थोडुं ने गडबड घणी. २४९
काम वखत काकी, नीकर मूके हांकी. २९४
कारेला ने वळी नीम पर चढा. १९०
काशीनुं करवत जातां वहेरे, ने आवतां
वहेरे. १३७
क्यां गांगा शाह ने क्यां गांगा तेली ? २३०
क्यां राणो राजियो, ने क्यां काणो
कोढियो ? २३०
क्यां राजा भोज ने क्यां गंगा तेली ? २३०
कीडी संचरे, तीतर खाय. २२२

पृ. क्र.

कुंभार कदी साजे हांल्ले न खाय. २५९
कुंभार करतां गधेडां डाह्यां. ३५१
कूंडुं कथरोटने हसे नही. २६६
कूतरानी पूछडी छ महिना नळीमां
राखो तो पण वांकी ने वांकी. ३६२
कूतरानुं मों गधेडे चाट्युं. २६६
केडे छोकरुं ने गाममां ढंढेरो. ५४४
कोईनी दाढी बळे ने कोईने उजरडुं थाय. २५३
कोठीमां जुवार, तो बरमां डाही नार. ५२५
कोरा वागा कक्डे घणा. १०
क्रोधी कुंभार गधेडाना कान आमले. ९२
खांडणीमां माथुं त्यां धपकारानो शो
डर ? ११७
खाइए तेनुं गाइए. ३९०
खाईने खासडां मारे (एवो छे). २८२
खाखरानी खिलोडी साकर नो स्वाद
शुं जाणे ? ५३६
खाती जाय पीती जाय ने घरना
दांडा/वळा गणती जाय. २८२
खाय त्यांज भाणुं भांजे. २८२
खाय पीए खांडणी, ने कुटाई मरे सुपडुं. २२३
खाली चणो वागे घणो, ने चणापर
दमाम घणो. १०
खाली बरतन खखडे घणुं, १०
खावाना सांसा त्यारे परोणांना वासा. २०४
खाळे डूचो दे ने बारणां उघाडा मूके. ७१
खिचडीने चाख्ये नहीं, ने दीकरीने
लाडव्ये नहीं. १५
खीलो दूझे तो भेंसनुं शुं काम ? २९०
खोखरां वासण खखडे घणां. १०
खोटो रुपयो चळके घणो, ने भुंडो
भैयो भडके घणो. ११
खोदा राखनार तेने कोण मारनार ? ५७१
खोदे ऊंदर ने भोगवे भोरींग. ४९६
खोद्यो डुंगर ने काढयो ऊंदर. ५४८
गजनी घोडी ने सवा गजनुं भाडुं. ५९९

पृ. क्र.

गजवामां नहिं कोडी, ने बजारमां जाय दोडी. ४४६
गधानी लींडे पापड थाय तो अडद मगनो भाव कोण पूछे ? २९०
गधेडा आगळ गोळ भी सरखो ने खोळ भी सरखो. ५३६
गधेडाने साकर झेर. ५३६
गधेडा ने बगाइओ वळगी. १९०
गरज सरी के वैद वेरी. २९४
गरजे गधेडाने बापू कहेवो पडे. ६०४
गरथ गया पछीनुं ज्ञान, ने रांडया पछीनुं डहापण. ६५
गहू खेतमां, बच्चा पेटमां, ने लगन पांचमनां लीधां. ३११
गांडने नहिं लंगोटी, ने नाम फतेखान. ८२
गांडमां छाण नहीं ने मेरा नाम मीर. ८२
गांडमां लंगोटी नहीं, ने काकरिए डेरा. ४४६
गांडानुं गोतर गांडुं. ४१३
गांडी ने वळी भूते साही. १९०
गाजता मेह वरसे नहीं, ने भसतो कूतरो करडे नहीं. ३००
गाडां पर नाव ने नाव पर गाडुं. २१४
गाडी जोईने पग थाके. ३१७
गामडे भेंस ने घेर झडका. ३११
गाम तेवा गोत्रज, ने देव तेवी पूजा. ४०६
गामनी छोकरी ते परगामनी लाडी. ३०४
गामनो जोगी जोगटो ने परगामनो सिद्ध. ३०४
गाममां पेसवाना सांसा, ने पटेल ने घर ऊनां पाणी. ५८०
गीरगुतनी दोड वाड सुधी. ५८५
गुमडुं फुटे ने वैद वेरी. २९५
गोरने आपो घरडी गाय पाप मटे ने पुण्य थाय. १२१
गोलो गोली वढे, ने वच्चे गधेडानो कान कपाय. ५५८

पृ. क्र.

गोळे मरे तेने जेहर थी शुं काम मारवुं ? ३२०
घणुं बोले ते ओछुं करे. २४९
घरडी गायने डोके डणु, चाले थोडुं ने वागे घणुं. २४९
घरनां ऊण्यां वनमां गयां, वनमां ऊठी लाह्य. १२९
घर मां हाल्ले हाल्लां लडे, ने बाहर तो लालजी मन्यार. ४४६
घेर गंधाय ने बहार पमरे. ४४७
घेर गयो त्यां रांडे खाधो, ने बाहर गयो त्यां भूते खाधो. १२९
घेर मां अंधारु ने आंगणे दीवो. ४४७
घेर मां भेंस नहीं ने रांड कहे छे रेहश नहीं. ५२५
घेली ने वळी भूतनो वासो. १९०
घोडो घोडी पासे जाय, ने चरवेदार खासडां खाय. १८१
घो मरवानी थाय, त्यारे वाघरीवाडे जाय. ६०७
चमारना शापथी ढोर मरता नथी. ३२९
चक्षुए चोपडवा तेल नहिं ने डेलीए दीवो करो. ४४७
चारणी करवरां ने हीणे, के तारामां एक आंधळुं/आंधरुं. ३४
चार दाहडानुं चांदरणु, ने घोर अंधारी रात. २१४
चिकणा घडा पर टीपुं. ३३३
चिथर्या देवने धूळनुं नवेद. ४०६
चूलामांथी निकळी होलामां. १२९
चोटली सोंप्या पछी फां फां शा मारवां ? ११७
चोरनां पगलां चोर जाणे. ३४३
चोरनी माने भांड परणे. २६७
चोर नो भाई घंटी चोर. ३३७
चोरी ने वळी शिरजोरी. १४३
छप्पन वखारी ने माटो कुंची, हाथ मां न मले पण नजर ऊँची. ४४७

पृ. क्र.

छाजिया लेवा सौ आवे, पण ओडे हाथ देवा कोई न आवे. ४०१
छाणनां देवने कपास्यानी आखों. ४०६
छाशनो लोभ ने घीनी मोकळ. ७१
छीपण छीनाल करे, ने थांचीनां बळद जाय. १८१
जमवां आवजो, ने हाल्लां फुटी गया. ४४७
जमवामां जगलो अने कूटवामां भगलो. २४३
जांगलो जाय ने कूतरो भसे. ५७५
जानमां कोई जाणे नहि, ने हुंबी वरनी फुई; गाडामां कोई ले नहि, ने दोडी दोडी मुई. ५८०
जिभली करे आल पंपाल, तो खांसडां खाय कपाल. १८१
जीवतां कोईए जाण्या नहीं, मूआ पछी धडापीट. ४०१
जीवतां जीवत न जोयुं, मूआ पछी (धडाधड) छाजियानो शोर. ४०१
जीवतानी खोड मुवे जाय. ३६२
जीवतां पूमडुं पाणी नहीं, ने मूए मसाणमां गाय. ४०१
जे कहे ते करे नहिं ने करे ते कहे नहिं. ३००
जे डालीपर बेसे, तेज डाली कापे. २८२
जेनां काम तेथी थाय, ने गधेडां चढे ते डीफां खाय. ३८४
जेनां पेटमां चमटो तुटे ते जाणे. ३९४
जेनां बापने सांपे करड्यो होय ते वाख जोईनो बीहे. ४८५
जेनी ऊपर पडे ते जाणे. ३९४
जेनी खाइए भाखरी, तेनी करिए चाकरी. ३९०
जेनी घंटीए दळिए, तेना गीत गाइए. ३९०
जेनी हवेलीए बेसीए तेना ढोल वगाडिए. ३९०
जेनुं काम तेनुं थाय, बीजो करे ते गोता खाय. ३८४
जेनुं खाइए, तेनुं गाइए. ३९०

पृ. क्र

जेनुं खाय तेनु खोदे. २८२
जेनुं मों न जोता होईए, तेनी गांड पण जोवी पडे. ६०४
जेने गाडे बेसीए तेनां गीत गाइए. ३९०
जेने माथे पडे ते जाणे. ३९५
जेनो खाइये कोळियो तेनो वाळीये धोळीयो. ३९०
जेवी लुच्ची लालबाई, तेवो भडवो भीम. २६७
जेवो देव तेवी पात्री. ४०६
जो गधडे मुलक लेवाय, तो घोडाने कोण पूछे ? २९०
ज्यां खावुं त्यांज हगवुं. २८२
ज्यां मळ्युं खावा त्यां बावोजी बेठा बजाववा. ३९०
ज्या हाथी तणाई जाय, त्यां बकरी पार पूछे. २०
झांझर वेंची शेठानी कहेडाववुं. ४४७
टकानी डोसी ने ढब्बुं मुंडामण. ४७३
टकानी घोडी ने तेर टका दोरामण. ४७३
टाढ जाय रुए, ने आदत जाय सूए. ३६२
ठंठण पाल ने मदन गोपाल. ४४७
ठुंठानी रांड ने ठमको भारी. ४४७
ठाम तेवी ठीकरी, ने मा तेवी दीकरी. ४१३
ठाली ठकराई ने फांटमां छाणां, सूवे त्यारे मेठ बिछाना. ४४७
ठालो चणो ने वागे घणो. ११
ठीकरी घडाने फोडे. ३७८
ठोठ निशाळियाने वतरणां घणां. ४४८
डुंगर दूरथी रळियामणा. ४८९
डुंगर वियाणो ने उंरद नीकळ्यो. ५४८
डूंटी उपरनो वाळ तोड्यानो नहीं ने बोड्यानो नहीं. १०७
डोकमां माळा ने पेटमां लाळा. ५९१
डोळ पादशाह, ने दुकान भाडभुजानी. ४४८
ढगराने मळी दुकानी, ढगरो चाल्यो उजाणी. ९९

पृ. क्र.

ढम ढोल, ने माहे पोल. ४४८
ढेडवाडामां वलभी डाही. ३
तावडी ताना करे ने बाजरी बजार मां. ३११
तेल बाळनारनुं बळे ने मशालची पेट कूटे. ४७९
त्रांबिया नी डोसी, ढींगलो मुंडामण. ४७३
त्रांबियानी डोसी, ने ढबुं मुंडामण. ४७३
थोरीआना देवने खासडानी पूजा. ४०६
दमडीनी डोसी ने दुआनीनी हजामत. ४७३
दरिया आगळ खाबोचियुं. २३०
दशा फरे त्यारे बुद्धि फरे, जाय चूले चडी चतुराई. ६०७
दळनारी नां दीकरा, ने नाम गुलाबराय. ८२
दाझे ते बराडे. ३९५
दाढीनी दाढी, ने सावरणीनी सावरणी. १९८
दातारी दान करे, ने भंडारी पेट कुटे. ४७९
दातारी दान करे त्यां अन्नाडी आडो पडे. ४७९
दाहडो आव्यो पडतो, तो रांडये मेल्यो खरतो. ५२५
दीकरो एक अने देशावर ज्यादा. १६९
दीवानी दाझे कोडियाने बचकां भरे. ९३
दुख तेने वेण. ३९५
दुधथी दाझ्यो छास फुकी पीए. ४८५
दुधे धोयला कायला, काला ने काला. ३६२
देखाळाना देवने खासडांनी पूजा. ४०६
दोरा चीठीए दीकरा थाय तो परणशे कोण ? २९०
धंधो थोडो अने धांधल घणी. २४९
धणीने धतुरो ने चोरने मलीदो. १५५
धरमराजानो गोळ, कोणे मिठो नहिं लागे ? ३४८
धरमराजानो गोळ, जेम लुटाय तेम लुटो. ३४८
धरमी धरम करे ने पापी पेट कूटे. ४७९
धरमीने घेर धाड, ने कसाईने घेर कुशल. १५५

पृ. क्र.

धावी जाय पाडो, ने आवी जाय पाडी ने माथे. १८१
धूलनी वेहन राखोडी. २६७
धूलनो धडो, ने ढेखाळानां काटला. २६७
धोबण बिचारी धोणां धोय, पण मोचणने बारणे वागे मृदंग. २२३
धोबी नो कूतरो, नहिं वाटनो, नहिं घाटनो. १०७
नकटी ने वळी सळेखम थयो. १९०
नकटीनो वर जोगी. २६७
नगारानी धोंसमां तुती नो आवाज कोण सांभळे. २३१
नणंदनी नणंद नातरे जाय, ने मारे हैये हरख नहीं माय. ३२५
नफ्फट ससरा ने निर्लज्ज वहु, आवो ससरा, कहाणी कहुं २६७
न मळी नारी एटले बावा सहेजे ब्रह्मचारी. १२२
न रह्या घरना के न रह्या घाटना. १०७
नवरा बेठा काम करो, खाटलो उखेडी वाण भरो. ५६६
नवरा हाथ तणखला तोडे के बाल उपाडे. ५६६
नवरो बळदियो मोचम खूंदे. ५६६
नवरो बेठो नख्खोद वाळे. ५६६
नवरो ब्राह्मण नित्य करे के निन्दा करे. ५६६
नवरो वाणियो वाल फाके. ५६७
नवरो वालंद पाटला मुंडे. ५६७
नवरो हजाम पाटला बोडे. ५६७
नवी नारंगी नव दहाडा. ५०५
नवी फोजदारी, ने मरधी पर नगारां. ५०५
नवो निशाळीयो नव दहाडा, जाहजुं करे तो दस दहाडा, अग्यारमें दहाडे कोरडो, ने बारम दहाडे ओरडो. ५०५
नवो बैरागी गांडे टीलो. ५०५

प्र. क्र.

नवो हिन्दु मुसलमान थाय, ने अल्ला बोलतां श्वास न खाय. ५०५
नहिं मियामां, नहि महादेव मां. १०७
नहीं झाड त्यां राजा ताड. ३
नागा ऊपर उघाडा पड्या ने सारी रात टाढे मर्या. २०४
नागानी सोडे उघाडो गयो के तु मने ढांक. २०४
नाचता नहि आवडे, तो के आंगणुं वांकुं. ५०८
नात नात नुं वरे, ने मुसाभाई नां वा ने पाणी. २२३
नाधले मोहडे मोटी वात. ३५१
नाम तेनो दाताराम, ने कोडी देतां जाय प्राण. ८२
नाम सुनाबाई ने हाथे कथीर नां वाळा. ८२
नामे मोटा, दर्शने खोटा. ५१४
नारायण आगळ नारद शा लेख मां ? २३१
न्हानां मोढे मोटो कोळियो नहि भराय. ३५१
पंत्याली खीचडी पेट फुटती खवाय. ३४८
पईनी भाजी ने बे टकानो वघार. ४७३
पग जोई ने पाथरणुं ताणवुं. १०३
पग प्रमाणे जोडो सीववो जोइये. १०३
पग मूकवा जग्या आपी के घरधणी थाय. १११
पगे पावडी, ने बगलमां छुरी, भणे गणे ने दियानत बुरी. ५९२
पगे माछला मारे ने मोढे राम पोकारे. ५९२
पटेल नी घोडी पादर सुधी. ५८५
पटेल ने घर विवाह ने ढेडीने घेर ढोल वागे. ३२५
पडोसन छडे भात, ते फोल्लो पडयो मारे हाथ. ३२५
पडोसीना घेर तोरण बांध्यां, हरखमां में रांध्युं नहीं. ३२५
पड्या पहेला पोकार नव दिन करे. ३११
पतिव्रता भूखे मरे, ने छिनाल खाय पेंढा. १५५

प्र. क्र.

पत्थर ऊपर पाणी. ३३३
पत्थर पर पाणी ने धूल पर लीपण. ३३३
परण्या अगाऊ / पहेलां उबरणी. ३११
परवारतो ब्राह्मण पाटला पूजे. ५६७
परवारतो शुं काम करे ? वहाण भांजीने खाटलो घडे. ५६७
पहेली पूजा पेटनी, पछी देवनी. ५२०
प्रभु पाधरा तो वेरी आंधळा. ५७१
पाघड बांधे मोटा ने अंदरथी खोटा. ५१४
पाडानां मोढामां एलचीनो मुखवास. १६५
पाडानी पीठपर पानी. ३३३
पाडाने रोग ने पखालने डाम. ४८१
पाडे पाडा लडे, तेमां झाडनो खो. ५५८
पाणीमां माछलुं तरस्युं. २५९
पाथरणुं जोईने पग ताणो. १०३
पादरे भेंस, ने घेर झडका. ३११
पापीनुं धन पछे जाय, कीडी संचरे ने तीतर खाय. २२३
पारकां छोकरांने जती करवा सौ तैयार. ४९६
पारका पेटु पर लात, ने दूधपाकनुं साटु. ४९६
पारका पेटु पर लात ने मागे दूध ने भात. ४९६
पारकी छींडीमां हंगवुं ने करांझवुं १४३
पारकी पूंजीए तहेवार, ऊठ जमीये वे वार. ४९६
पारकी भूल पहली देखाय, ने पोतानी भूल नासी जाय. ३४
पारके ओटले बेसवुं, ने खंखारा करवा. १४४
पारके घेर पडताळ, पोताने घेर हडताळ. ४९६
पारके घेर पोहळा, ने पोताने घेर सांकडा. ४९६
पारके पैसे तेहवार. ४९६
पारके पैसे परमानन्द, खाई पीने करो आनन्द. ४९६
पावलानी घोड़ी, ने पोणो दोरामण. ४७३
पावलानी पाडी ने पोणो चराई. ४७३

	पृ. क्र.
पावलानी पोरी ने अरधानो ठर, आंधळी पोरी ने काणो वर.	२६७
पावलानुं रु ने पोणो पिंजामण.	४७४
पासे वस्युं ने गांडमा घस्युं.	३०४
पीवा पूमडुं पाणी मळे नहि, ने मारुं नाम दरियाखां.	८२
पुंजी भाभड भुंजानी, ने मिजास शाहजादी नो.	४४८
पेट थी सौ हेठ.	५२०
पेट नी आग पेट जाणे.	३९५
पेटने पूरा नहिं, ने झोटिंगने वडा.	४४८
पेट भर्युं एटले पाटण भर्युं.	५२०
पेटमां छोकरुं ने नाम पाडो हीरो.	३११
पेटमां दुखे ते अजमो फाके.	३९५
पेटमां पूमडुं पाणी नहीं अने नाम मारुं दरियावर खां.	८२
पेटमां रोटिया. तो कलाम मोतिया.	५२०
पेमली जणे, ने पेमलो सुवावड खाय.	२२३
पोतानी माने कोण डाकण कहे.	४३
पोतानी मीनमां कूतरो जोरावर.	५५
पोतानी वहुने काणी कोण कहे ?	४३
पोतानुं नाक कापी सामाने अपशकुन करवा.	५९
फळियामां हगवुं ने डोळा काढवा.	१४४
फूलफटाकिया ने फाटमां छाणां, घेर आवे त्या कलेडां काणां.	४४८
फूलीबाईनी फूल, ने घरमां न मळे धूळ.	४४८
बळद गधेडाने शिखामण आपे.	३४
बाप तेवा बेटा. ने वड तेवा तेटा.	४१४
बार गाउए बोली बदले, तरुवर बदले शाखा । घडपणमां केश बदले, पण लखण न बदले लाखा ॥	३६२
बावा गायो मरी गई, तो कहे छाणमूतरनी गंध गई.	१२२
बावाजी, नमो नारायण, तो कहे तारे घर धामा.	११२

	पृ. क्र.
बावो बेठो जपे, ने जे आवे ते खपे.	५९२
बिलाडाए केदार-कंकण पहेर्युं.	५९२
बिलाडीने दूध भळाववुं, दाणीने घेर छांट उतारवी.	५६१
बीजाने घेर रांड भांड मारे घेर सती.	४३
बीलाडीनां दांत कांई बीलाडीने वागे नहि.	८७
बीलाडीने खेळ थाय, ऊंदरनो जीव जाय.	२५३
बेल कमाय ते घोडा खाय.	२२३
बे हाथ वगर ताली न पडे.	२०१
ब्रह्मा आगळ वेद भणवा.	३५१
भट भट सीधुं लेवो, तो के 'सीधुं ने जमवानु साथे.'	११२
भणी गणीने ऊतर्या, गुरुजीना मोंमा मूतर्या.	२९५
भल भला खेंचाई जाय, ने नगारची के मारो डांडियो क्यां ?	२०
भव आखो रळ्या त्यारे पारके लाकडे बळ्या.	५४८
भसता कूतरा करडे नहीं, गाज्या मेघ वरसे नहीं.	३००
भिकारी भिख मागे त्या चीमोरी पुठे दोडे.	२०४
भूंडी भेंस, चांदरो पाडो, आंधळी दोहनारी ने गोवाळ गांडो.	२६७
भूतनां हाथमां मशाल.	१९०
भेंसना सींगडां भेंस ने भारी नहिं पडे.	८७
भेंस नुं पाप गायने नडे.	१८१
भेंस पदमनी, ने चुवो आशक.	२६७
भेंस भागोले, छास छागोले, ने घेर धमाधम.	३१२
भेंस भागोळे ने घेर छाश छाकमछोळ.	३१२
मंकोडो माने कहे गोळनुं भीलुं ताणी लावुं, तो कहे तारी केडज कही आपे छे.	५८५
मण भात, ने सवामण कुसको.	५९९

प्. क्र.

मध होय त्या माखी भसे. ५२६
मन मां उल्लास, ने वळी फाल्गुन मास. १९०
मफतनां मरी तीखा नहिं लागे. ३४८
मरकट, ने वळी मदिरा पायो. १९१
मरघा आगळ मोती. ५३६
मा आगळ मोसाळ वखाणे, तो कहे मारुं पियर छे. ३५१
माख शोधे चांदु, ने वैद शोधे मांदुं. ३४०
मानो मेहल्लो, खावामां पहेल्लो, काम करवामां छेल्लो. १५
मा मोचण ने बाप मूंडो तेनो भाई मुछंडो. २६७
मारवी माख, ने चढाववी तोप. ३२०
मारा छगन मगन सोनानां, पाडोसीनां पित्तळनां, ने गामनां छोकरां गारानां. ४३
माल करतां हेल भारी. ४७४
माळाना मणका बधा सरखा. १७३
माळी रूठयो फूल लेशे, कांई चोटली तो नहीं ले. ५८५
मियां कोडियां चाटे ने बिबिने फुलेल जोइये. ४४८
मियां छेल छटाक, ने बीबी धूल झटाक. ४४८
मियांनी घोडी पादरडां वेर. ५८५
मियांनी दाढी बळे ने दासी ने अजवाळुं थाय. २५३
मियांनी दाढी बळे ने बीबीने तापणुं थाय. २५३
मियां मुठ्ठीभर, दाढी हाथभर. ५९९
मुडदाना वळामण मसाण सुधी. ५८६
मुल्लानी दोड मसीद सुधी. ५८६
मुवा पछी वैदने शोधवो. ६५
मूछे चोपडवा तेल नहीं ने डेलिए दीवो करो. ४४८
मूळमां मुळजी कुंवारा, ने सालानां लगन पुछे. ३४
मूळ मियां गांडा, ने वळी भांग पीधी. १९१
मूळ वाघरी, तेमां वळी लुटाया. १९१

प्. क्र.

मेहमनी बोरडी, ने मजगामनां बावर. कोणे पैसे कोण थाय दावर. २२३
मों तेवी लपडाक, ने गाल तेवो तमाचो. ४०६
मों ने मरचुं मळे नहीं, ने गांड ने जायफळ. ४४९
मोढे मिठास पेटमां कडवास. ५९२
मोचीना देवने खासडांनो हार. ४०६
मोचीनी मामी मोशालां पेहरे, ने मा ने बायडी कोरडी. १५६
मोटा एटला खोटां. ५१४
मोटा घरना पोला वांसा. ५१४
मोटा बापना दीकरा, घरमां न मळे ठीकरां. ५१४
मोढे चढाव्यां माथे चढे. १५
मोढे चढाव्युं छोकरुं मोंमां मूतरे. १५
मोरनी चाल तीतर चाले तो पोतानी भी भूले. ५५२
मोरी उघाडी, ने नळने दाटो. ७१
रस्तामां झाड़े फरवुं, ने सामा डोळा काढवा. १४४
रांकना हाथमां रुवो, तो के वाव खोदाऊं के कुवो. ९९
रांड्या पछी आवेलु डाहापण. ६५
रांड्या पछी रांड रळे, ने रांध्या पछी बळतुं बळे. ६५
रांधनारनी पांती धुमाडो. २२३
रांधे एक, खाय बीजो. २२३
रात थोडी ने वेश घणा, ने जोवा आव्यां तेर जणा. १६९
रींछने दिले मुवाळानी शी खोट ? २५९
रीसे बळतो कुंभार गधेडीनां कान आमले. ९३
रोज करे आवजाव, तेनो कोई न पूछे भाव. ३०४
रोटलो आपीए, पण ओटलो नहि आपीए. ११२

प्ृ. क्र.

लखण लखेसरीनां, ने करम भिखारीनां. ४४९
लपसी पड्या, तो के नमस्कार. १२५
लक्ष्मी चांल्लो करवा आवे त्यारे कहेशे मों घोई आवुं. २०८
लाकडानां देवने खासडानी पूजा. ४०७
लीमडाने सो मन साकरमां सींचे, तो पण कडवो ने कडवो. ३६३
लीली डांखलीने जेम वाळे तेम वळे. ३६३
वगुती रांड ने अक्कर्मी छोकरां. २६८
वणझारानी मा टांडा देखे. ३४०
वरने वाई थाय, ने कन्याने फीफरुं आवे. २६८
वलवलती रांड ने वेवलां छोकरां. २६८
वहूने वाग्युं वासामां, ने सासु सेके सोडमां. ४८१
वांढानुं वलोणुं, ने रांडीरांडनी खेड. २६८
वांढाने वेविशाळ करवा मोकल्यो, ते पोतानो करी आव्यो. ५६१
वांदरनां हाथमां गोलाबनुं फूल आप्युं ते गांडमां नूछ्युं. ५३६
वांदरनां हाथमां छरी. १९१
वांदरनां हाथमां नीसरणी. १९१
वा उपर वराध. १९१
वागोळनुं मोत आवे त्यारे वाघरी वाडे जाय. ६०८
वाणियाभाईनी रंगभडी, वाणिया रमी जाणे. ३८४
वायडो ने वळी वा दीधो. १९१
वावरनारनुं वरे, ने रंधनारानुं पेट बळे. ४७९
वावे कलजी ने लणे लल्लजी. २२४
वाळंद ने वळी वहेलमां बेठो. १९१
विवाह वीत्यो ने मोड थांमले. २९५
वैद वैद नो वेरी. ३७८
सतीने साडी नथी मळती अने वेश्या पटकुळ पहेरे. १५६
सरखे माथा सुदामडा. १७३

प्ृ. क्र.

ससराने घेर घोडा ने जमाईने घेर हणहणाट. ३२५
ससलानी दोड सीम सुधी. ५८६
ससलो शिकारे आव्यो, त्यारे कूतरो मूतराणो थयो. २०८
शाकर नो स्वाद ऊंट शुं जाणे ? ५३६
शेखाई शाहजादानी, ने कसब भडभूंजानो. ४४९
सांकडी शेरी ने वच्चे साप. १९१
सात वार ने नव तहेवार. १७०
सापनो करड्यो छछुन्दर थी बीहे. ४८५
सापे करडेलो दोरडी थी बीहे. ४८५
सिद्दीभाई सो मण साबु चोळे तो पण काळा. ३६३
स्त्री सावरणी, ने मरद बुतारो. २६८
सुंठनो सवाद खाखरनी खीलोडी शुं जाणे ? ५३६
सुखडीयानी सुखडी, ने आरोगो भगवान. ४९६
सुख पुठे दुख, दुख पुठे सुख. २१४
सुथारनुं मन बावलिये, ने कुंभारनुं कुडे. ३४०
सुथारनुं मन बावलियामां ने चोरनुं मन बाचका मां. ३४०
सुन्ना करतां घडामण मोंघी. ४७४
सूडी वच्चे सोपारी. १३७
सैय्याने घेर विवाह ने भैया ने घेर उजागरो. ३२५
सो दहाडा चोरना, तो एक दहाडो शाहनो. २१४
सोनी वगर कान नहिं वींधाय. ३८४
सौ पादे तो छी छी ने वहू पादे तो घी घी. ४३
सौ पोतपोतानो कक्को खरो करे. ४३
हगवुं थोडुं ने पपडाट बहु. २४९
हलावी खिचडी ने महलावी दीकरी. १५
हांसनी चाल कागडो चालवा गीयो ने पोतानी बी भुली गयो. ५५२

	प्र. क्र.
हाथ पगनुं लंगडुं, ने जमादारनुं जोम.	४४९
हाथ पोलो तो जग गोलो.	५२६
हाथमां नहि कोडी ने उभी बाजारे दोडी.	४४९
हाथमांनु मेलीने कांखमानुं लेवा जाय.	२७
हाथमां माला, ने हैय्यामां लाला.	४४९
हाथी आगळ मगतरुं.	२३१
हाथी तणाई जाय त्यां गाडरानुं कोण गजुं ?	२१
हाथी तोळाय त्यां गधेडां पासंगमां जाय.	२३१
हाथीना सोदा थाय त्यां चाळीनो पाड कोण पूछे ?	२३१
हीरे हीरो वींधाय.	३७८
हीरो ने वळी कुंदने जडयो.	१९२
हुं धणी ने अंधारुं, लाव रांड वाटकी वेचीने तेल लावुं.	४४९
हुं मरुं पण तने रंडाऊ.	५९
हेडमां पग ने मुछ पर ताव.	४४९
होराजीनी दाढी बळे, ने कोईने अजवाळो थाय.	२५३
होळो रळे ने तीतर खाय.	२२४

बाङ्ला

अकर्मा नापितेर धामाभरा क्षुर।	४४९
अति आदरेर दुलाइ झि, तुरुके निले करबे कि ?	१६
अनेक गर्जने फोंटा वृष्टि।	३००
अन्धेर देशे काना राजा।	३
अवाक् करले बेगुने – फुँ दिते मुख पुडे गेल तुषेर आगुने।	९३
अब्राह्मणेर दीर्घ फोंटा।	४४९
अबुझके बुझाव कतो, बोध नाहि माने; ढेंकिके बुझाव कतो, नित्य धान भाने।	३६३
अभ्यास ना छाड़े चोरे,– शून्य भिटाय सिंद खोंडे।	३६३
अराँधुनीर हाते पड़े कै माछ काँदे; ना जानि राँधुनी मोरे केमन करे राँधे।	५३७
अल्प जलेर तितो पुँटि, तार एत फट्फटि।	११
अबाक कलि अवतार, छुँचोर गलाय चन्द्रहार।	१५६
असारेर तर्जन-गर्जन सार।	३००
आकड़ेर विष, फेलते ओ पारे ना, गिलतेओ पारे ना।	१३७
आकन्दे जदि मधु पाइ, तबे केन पर्वते जाइ।	२९०
आकाठा नायेर साज बेशी।	११
आकाशे झड़ उठे, गोयालेर गरु छोटे।	१२९
आकाशेर चाँदे आर बानरेर भाले, श्वेत चामरे आर घोड़ार बाले।	२३१
आगुन पोहाते गेले धोयाँ सइते हय।	११७
आगे कय राधाकृष्ण, बेराले धरले टेंओ टेंओ।	३६३
आगे जेले छिल भालो जाल-दड़ि बुने; कि काल करिल जेले एँड़े गरु किने।	३८४
आगे-पाछे लण्ठन, काजेर बेला ठन्ठन्।	४५०
आज मरे लक्ष्मण, ओषुध देवे करवन ?	६५
आज रेंधेछे के ? ना, एडाने; तबे ये एमन भालो हयेछे ? ना, बड़ बउयेर नाड़ाने।	२२४
आंड़ाइ कड़ार कासुन्दि, सहस्र काकेर मेला।	१७०
आड़ाइ दिन बोष्टम हये, भातके बले अन्न।	५०५
आदार व्यापारीर जाहाजेर खबरे कि काज ?	३८४
आदा शुखालेओ झाल याय ना।	३६३
आधभरा कलसीर ढकढकानि बेशी।	११

पृ. क्र.

आधशेर चालेर फेनफेनि बेशी, खेंकि कुकुरेर घेउ घेउ बेशी। ११
आधा शाशुड़ी आधा बधू, मने विष मुखे मधु। ५९२
आनते दिली फंट्किरि, निये एलो तुँते; एइ ने तोर मिछरि। २३६
आनारस बले, कँठारु भाइ, तुमि बड़ खसखसे। ३४
आपन कोटे कुकुरओ बड़ो। ५६
आपन घरे सबाइ राजा। ५६
आपन चोखे सोना वर्षे, दादार चोखे रुपा, तार पर यतो देख–गापा और गुपा। ४९
आपन छिद्र जाने ना, परेर छिद्र खोंजे। ३४
आपन दोष झुड़ि झुड़ि, परेर दोषे दिइ तुड़ि। ३५
आपन दोषे जन्मकाना, परेर दोष पर्वतपाना। ३५
आपन धान विश पसुरि, परेर धान एक पसुरि। ४३
आपन पागल बेंधे राखि, परेर पागल हाततालि दिइ। ३५
आपन पुत ध'रे आने, झोले-माते खाय, परेर पुत ध'रे आने, जुलु जुलु चाय। ४३
आपन शाशुड़ी सेलाम ना पाय। नानी–शाशुड़ीर पिंडा खाय। १५६
आपन हात जगन्नाथ, परेर हात एँटो पात। ५०
आपनाके ना बिबिर आँटे, खाबला खाबला शिन्नी बाँटे। ४५०
आपनि पागल, पति पागल, पागल तार चेला, एक पागले रक्षे नेइ, तिन पागलेर मेला। २६८
आपनि मरे ज्ञातिर हाँडि फेलानो। ५९
आम ओ गेल, छालाओ गेल। १०७
आमड़ा तलाय आम पेले, आम तलाते के बा जाय। २९०

पृ. क्र.

आमड़ार गाछे आम कखनओ फलेना। स्वभाव येमन यार से ताहा भोले ना। ३६३
आमतलाय आम माहंगा। २५९
आम शुनते जा। शोना, चाँद लिखते फाँद। २३६
आमि कि नाचते जानिने? माजाय व्यथा ताइ पारिने। ५०९
आमि म'ले रसातल। ८९
आयेर बेशी करे ब्यय, तार लक्ष्मी क' दिन रय? १०४
आलोचाल देखलेइ भेडार मुख चुलकाय। ३१७
आलोर पर आँधार। २१४
आसर घरे मशाल नाइ, ढेंकशाले चाँदोया। ४५०
आसलेर सङ्गे खोज नेइ, तार सुदेर खबर। ३१२
आसुक बा ना आसुक बर, सिंथि परे तो मर। ३१२
इँदुरेर काछे कोरानइ कि पुराणई कि? ५३७
इटे नेइ भिटे नेइ, बाइरे मर्दानि। ४५०
इल्लत जाय धुले, स्वभाव जाय म'ले। ३६४
ईश्वर यदि करेन, कर्ता यदि मरेन, घरे ब'से कीर्तन शुनबो। २५३
उचोट खेये प्रणाम। १२६
उजाड़ बने शियाल राजा। ३
उड़ो खइ गोविन्दाय नमः। १२२
उद खेते खुद नेइ, नेउले बाजाय शिंगे। ४५०
उद्बिडाले माछ धरे, खट्टाशे तिन भाग करे। २२४
उदुखले खुद नेइ चाटगाँये बरात। ४५०
उपयुक्त भाइपो खुड़ोर गंगायात्रा कराय। ५६७
उपर थेके पड़े गेल, जन पाँच-सात, या'र येखाने मर्मव्यथा, तार सेखाने हात। ३९५

	पृ. क्र.
उपरे चाकण--चिकण, भितरे टन् टन्।	५१४
उपोसेर केउ नय, पारणेर गोंसाइ।	२४३
उपोसेर नागर पारणेर ठाकुर।	२४३
उल्टे चोरा मशान गाय।	१४४
एँदोपेटा खाय-दाय, नेयोपेटार दोष देय।	३२६
ए आले पानि, ओ आले पानि; कम्ने यात्रो नाहि जानि।	१३७
एइ बरतेर एइ कथा, घटे दाओ बेलपाता।	४०७
एइ बेडा घेरा कार लागे ? झियेर लेगे। तारे देखो गिये हाटखोलाय।	६५
एक कड़ार शिन्नी आशी हाजार पीर।	१७०
एक कर्मे दुइ कर्म, ठाकुरझिर बिये आर नवान्न।	१९८
एक एकादशी छेड़े दिले त्रिश रोजा।	१३०
एक कान दिये ढोके आर अन्य कान दिये बेरोय।	३३३
एक गाँये ढेंकि पड़े आर गाँये माथाव्यथा।	३२६
एक गाँये ढोल बाजे, आर गाँये बिये।	३२६
एक गोयालेर गरु।	१७३
एक जना कीर्तुने आर सब्र बेतुने, गान हबे केमने ?	२७६
एक ढिले दु'पाखी मारा।	१९८
एकदिके भाद्दर बउ एकदिके आँस्ताकुड़।	१३७
एक पयसार मुरद नेइ पागड़ी बाँधे तेड़ा।	४५०
एक पो चालेर परमान्न, गाँ शुद्ध नेमन्तन्न।	४५०
एक मायेर एक पुत, बेड़ाय जेन जमेर दूत।	१६
एक लाउयेर बिचि, – केउ वा करे कचर मचर केउ वा आछे कचि।	१७४
एक हात गलाय, एक हात पाये।	५९२
एक हात गाछे सात हात लाउ।	५९९
एक हाते तालि बाजे ना।	२०१
एका रामे रक्षा नाइ, सुग्रीव दोसर।	१९२
ए कुल ओ गेल दुकुल गेल।	१०७

	पृ. क्र.
एकेइ नाचुनी बुडी, तार उपर ढोलेर तुड़ि।	१९२
एकेक घा अपरेर व्यथा।	३२६
एके गोरा गा, ताय पोयेर मा।	१९२
एके बेराल कालो, ताय पाँश-गादाते गेल।	१९२
एके मनसा, ताय धुनोर गंध।	१९२
एगोलेओ निर्वंशेर बेटा, पेछोलेओ भेड़ेर भेड़े।	१३८
एटा छेड़े ओटा धरि हात फसके पड़े मरि।	२७
एटा धरि, ना ओटा धरि, हातेर पाँच छाड़ते नारि।	२७
एतो एतो महारथी; तारा पाय ना एक रति, तुमि एमन भुँइया एके गामला लइया।	२१
एलतला बेलतला शेषकाले शेओड़ातला।	१०८
'क' अक्षर ज्ञान नेइ, ब्रह्मविचार करे।	४५०
कखनो दिन बड़ो कखनो रात बड़ो।	२१४
कत दुःखेर नीलमणि, जाने तो दिदि रोहिणी।	३९५
कत शत गेल रथी, एखन शेओड़ातलार चक्रवर्ती।	२१
कथाय धन्य, काजे शून्य।	२४९
कथाय–वार्ताय सुपारिश, माठा निवि तो छाला आनिस।	२४९
कनेर मा कने बाखनाय्, आमार मेयेटि भालो; धानसिद्ध हाँडिर चेये एक टुखानि कालो।	४३
कपट प्रेमे लुकोचुरि, मुखे मधु हृदे छुरि।	५९२
कपालओ चुलकानो, सेलामओ बाजानो।	१९८
कवियालेर शाल-दोशाला, पुरुतेर पाँचहाति।	१५६
कबे हबे पो, नेकड़ा-कानि तुले थो।	३१२
कयलार मयला छोटे यखन आगुन छोंय।	३६४
कयलार रंग याय ना धुले।	३६४

	पृ क्र.
कर्पुर भक्षिले काके कि पाइबे स्वाद?	५३७
काँके कलसी चड़क-पाक, गिन्नी हबार बड़ो जाँक।	४५०
काँगालेर ठाकुर व्याधि।	४५१
काँधे कुडुल, बनमय खोंजे।	५४४
काक खेले काँठाल आर बकेर मुखे आठा।	१८१
काके करे बासा, कोकिले करे बास।	४९७
काकेर बासाय कुलिर छा, जातस्वभावे काडे रा।	३६४
काछिमे डिम पाड़े गोसापे खाय।	४९७
काज पड़ले डोमओ बापेर ठाकुर।	६०४
काज फुराले बाडइ शाला।	२९५
काजे कम खेते यम।	२४३
काजे कुड़े, भोजने देड़े, बचने मारे पुड़िये पुड़िये।	२४३
काजेर नाम नेइ, बउ किलानोर यम।	२४३
काजेर नामे नाइ काजि, अकाजे सबाइ राजि।	२४४
काना कि बोझे चाँदेर आलो?	५३७
काना गरु बामुनके दान।	१२२
काना छेलेर नाम पद्मलोचन।	८२
काना राजा, तार कुँजो मंत्री।	२६८
कामार बुड़ो हले लोहा शक्त।	५०९
कारओ घर पोड़े, केउ आगुन पोहाय।	२५३
कार साध्य के बा मारे, खोदा यारे राजि।	५७१
कार श्राद्ध के बा करे, खोला केटे बामुन मरे।	३२६
काला यजमान, तार तोतला पुरुत।	२६८
कालिर आँचड़ नाइको पेटे, चंडी पडेन कालीघाटे।	४५१
कि करिबे कीर्तनीया, लेयेछे बेतन; कर्तार इच्छाय कर्म;-उलुबने कीर्तन।	३९०
किसे आर किसे, धाने आर तुषे।	२३१
कीर्तनीयार गुँड़ा, कबिराजेर बुड़ा।	३४०

	पृ. क्र.
कुँजोर चित् हये शोबार साध।	४५१
कुँड़ेघरे बास, खाट-पालङ्केर आश।	४५१
कुँतिये मलो देवकी, नाम पड़ालो यशोदारानीर।	२२४
कुकाष्ठ यदिओ थाके चन्दनेर बने, कखनओ सुगंधि नय चन्दनेर गुणे।	३६४
कुकुरके घि-भात दिले वमि करे मरे, गाबुरे पींड़े दिले चित् हये पड़े।	५३७
कुकुरके दाओ मुगेर पथ्यि, कुकुर बोले ए कि विपत्ति।	५३७
कुकुरके नाइ दिले माथाय ओठे।	१६
कुकुर यदि राजा हये सिंहासने बसे, तले तले चेये देखे छेंडा जुतोर आशे।	३६४
कुकुरेर पेटे घि सय ना।	५३७
कुकुरेर लेज सोजा हय ना।	३६४
कुल पाड़े, परे खाय; काँदते काँदते घरे जाय।	२२४
केउ भेने-कुटे मरे, केउ फूँ दिये गाल भरे।	२२४
कोकिलेर रा शुने पेंचार हासि पाय।	३५
कोथाय राजा भोज, कोथाय भजा जेले।	२३१
कोनो काले नेइ षष्ठीपूजा, एकबारे दशभुजा।	४५१
कोले छेले सहरे ढेंढरा।	५४४
कोलेर छेले फेले दिये पेटेर भरसाय थाका।	२७
खञ्जनेर नृत्य देखे चड़ाइ नृत्य करे।	५५३
खाच्छिल ताँति ताँत बुने, काल करले एँड़े गरु किने।	३८४
खाना थेके खाले पड़ा।	१३०
खाबार बेला मस्त हाँ, उलु देबार समय मुखे घा।	२४४
खाबार समय बारो भाइ, छेले धरबार समय केउ नाइ।	२४४
खिड़कि दिये हाती ग'ले जाय, सदरे बाघे छुँच।	७२
खिदे उत्रे भाति, साँझ उत्रे बाति।	६५

पृ. क्र.

खुदेर जाउ पाय ना, क्षीरेर जन्ये काँदे। ४५१
खेते पाय ना शाक सजिना, डाक दिये
बले घि आन् ना। ४५१
खोसे तेल जोटे ना, तालेर बड़ार साध। ४५१
गंगाय सारि गाइले गंगा हय ना दुष्ट,
दुष्टेर गुण गाइले दुष्ट हय ना शिष्ट। ३६४
गजे आसे गजे याय, फेउ देखे से कि
डराय ? ५७५
गयलार दइ गयलाइ बाखनाय। ४४
गरजे गयला ढेला बय। ६०४
गर्जन आछे, वर्षण नेइ। ३००
गलाय काँटा फुटले बेरालेर पाये पड़ा। ६०४
गाँ-बेड़ानी छुतारणी, तोला जले चान। ४५१
गाँये माने ना आपनि मोड़ल। ४५१
गाँयेर मधो तिन गाँयेर मधुसूदन। ३०४
गाछे काँठाल, गोंफे तेल। ३१२
गाछे फूल श्रीकृष्णाय नमः। १२२
गाजनेर नेइ ठिकाना, केबल बले ढाक
बाजा ना। ४५२
गाड पेरोले पाटनि शाला। २९५
गाये उड़े खड़ि, कलप देओया दाड़ि। ४५२
गाये नेइ चाम, रामकृष्ण नाम। ८२
गाये नेइ रस, राँधे व्यंजन दश। ४५२
गाल गल्प-कोठाबाड़ी, बाजार खरच
चोद्द बुड़ि। ४५२
गिन्नीर हाते रांगा पला, बऊयेर हाते
सोनार बाला। १५६
गुड़ थाकलेइ पिंपड़े आसे। ५२६
गुये बले, गोबरा दादा तोमार गाये
गंध। ३५
गेंयो युगी भिख पाय ना। ३०४
गोंगा छेलेर नाम तर्कवागीश। ८२
गोदेर उपर विषफोड़ा। १९२
गो-मडके मुचिर पार्वण। २५४
गोलाम यदि बादशा हय, रात्रिकालेओ
छाता बय। ९९

पृ क्र.

घंटा बाजिये दुर्गोत्सव, इतु पूजोय ढाक। १५६
घट गड़ते पारे ना, मेटेर बायना नेय। ४५२
घरपोड़ा गरु सिंदुरे मेघे डराय। ४८५
घरे नेइ खड़, टेंकशाले परचाला। ४५२
घरे नेइ घटि बाटि, कोमरे चाबिकाठि। ४५२
घरे नेइ चाउल-पात, चड़िये दे घि-भात। ४५२
घरे ब'से करि कि, दादार पाछे
पेयादा दि'। ५६७
घरेर भात दिये शकुनि पोषे गोयालेर
गरु टेंके बसे। ३६४
घरे भात नेइ, दोयारे चाँदोया। ४५२
घरेर मा भात पाय ना, परेर तरे
माथाब्यथा। ४५३
घि आदुड़, घोल ढाका। ७२
घि दिये भाजो निमेर पाता, तबु ना
याय जातेर जाता। ३६५
घुँटकुडुनीर बेटा, भाङ्गा गाँयेर मोड़ल,
उडुनी गाये। ४५३
घोड़ा देखलेइ खोंड़ा। ३१७
घोर कीर्तने मृदंग भंग। २०८
घोल खावेन रामकृष्ण, कड़ि देबे कालु। १८१
चलते जाने ना लाफडिंगरा, पथके
बले हेटटिंगरा। ५०९
चाँदेर काछे जोनाकि पोका, ढाकेर
काछे टेमटेमि। २३१
चाइ नेइ, चुलो नेइ, हाटेर माझे
राजत्व। ४५३
चार कड़ार चेटा नेइ, चण्डीमण्डपे
बसे। ४५३
चाल नेइ धान नेइ, गोलाभरा इँदुर;
'स्वामी' नेइ, पुत नेइ कपालजोड़ा
सिंदुर। ४५३
चालुनि छुँचेर विचार करे। ३५
चालुनि बले, छुँच, तोर 'तला' केन
छेंदा ?
आपन दोष देखेन ना, यार सर्वांग बैंधा। ३५

पृ. क्र.

चालुनिर गा झरझर करे; चालुनि सबार विचार करे। ३५
चाले खड़ नेइ घरे बाति। ४५३
चाषा कि जाने कर्पूरेर गुण; शुँके शुँके बले सैंधव नूण। ५३७
चाषा कि जाने मदेर स्वाद। ५३८
चाषार चाष देखे चाष करे गोयाला, धानेर संगे खोंज नेइ, बोझा बोझा पोयाला। ३८५, ५५३
चिलेर भये बिले गेलेम, बिले माछराँगारे पेलेम। १३०
चुण खेये यार गाल पोड़े, दइ देखले भये मरे। ४८५
चुरि तो चुरि, आरओ जारिजुरि। १४४
चुलेर संगे खोंज नेइ, गोछा गोछा दड़ि। ४५३
चोर खोंजे आँधार रात। ३४१
चोर चाय भांगा बेड़ा। ३४१
चोर दिये चोर धरा। ३४३
चोर पालाले बुद्धि बाड़े। ६६
चोर संन्यासी तुंब्र नाड़े। ३६५
चोरा शुये निचोरारे घरे, चोरा नाचे आपन घरे। १८१
चोरेइ चोर धरते पारे। ३४४
चोरे चोरे मासतुतो भई। ३३७
चोरेर दशदिन, गृहस्थेर एकदिन। २१४
चोरेर मन बोंचका पाने। ३४१
छ' आनार कापड़े न' आनार दशि। ४७४
छागले बियोय, शियाले खाय। २२४
छागलेर कल्याणे मोष माना। ४७४
छागलेर पाये यदि यव माड़े, तबे केन लोके बलद जोड़े ? २९०
छुँच गड़ते पारे ना, बंदुकेर बायना नेय। ४५३
छेंड़ा काँथाय शुये लाख टाकार स्वप्न। ४५४
छेलेर चेये छेलेर गु भारि। ५९९
छेलेर मुखे बुड़ो कथा। ३५१

पृ. क्र.

छोटलोकेर कडि हले बुद्धि हय नटो; गाधा यदि पाहाड़े ओठे, पाहाड़के देखे छोटो। ९९
छोटो मुखे बड़ो कथा। ३५१
जपेर संगे खोंज नेइ, फटिके रांगा खोप। ४५४
जले कुमीर, डांगाय बाघ। १३८
जात-ब्यबसा नरेर भूषा, आर सब फासा-फुसा। ३८५
जेलेर परने टेना, पाँजारिर काने सोना। १५६
झड़ गिये झाँपि, बयस गिये बिये। ६६
टकेर ज्वालाय देशान्तरी, तेतुलतलाय बास। १३०
ठाकुरे करिले हेला, राखालेओ मारे ढेला। ५७२
ठेलाय पड़े ढेलाय सेलाम। १२६
डाइनेर हाते पो समर्पण। ५६१
ढाकेर उपर ढेंकि। १९२
ढाकेर काछे टेमटेमिर बाघि। २३२
ढाल नेइ, तलोयार नेइ, निधिराम सर्दार। ८३
ढेंकिशाले यदि माणिक पाइ, तबे केन पर्वते याइ ? २९१
ढेंकि स्वर्गे गेलेओ धान-भाने। ३६५
तर्पणेइ गंगा शुखाय, आबार जलछत्र दिते बसेछे। ४०१
ताँति रागे कापड छेंड़े, आपनार क्षति आपनि करे। ९३
ताड़ाते पारे ना गायेर माछि; थुँइ करे गे राखालगाछि। ४५४
तालपुकुर नाम, किन्तु घटि डोबे ना। ८३
तिन दिनेर योगी, तार पाये पड़े जटा। ५०५
तुइ खल्से, मुइ खल्से, एकइ बिलेर माछ; तोर मरणे मरबो आमि कोमर घरे नाच। १७४
दरबारे जामाइ हारे, घरे एसे बउके मारे। ९३
दरबारे ना मुख पाइ, घरे एसे बउ ठेंगाइ। ९३

	पृ. क्र.
दाँड़िके माझि करा, माझ दरियाय डुबे मरा।	३८५
दाता दान करे, बखिलेर मुख शुखाय।	४७९
दाये पड़ले बाबा बले।	६०४
दाये पड़े दा' ठाकुर।	६०४
दा' येर चेये भाँट दीघल।	५९९
दुःखेर उपर टनकेर घा !	१९२
दुध-कला दाओ यतो, सापेर विष बाड़े ततो।	२८३
दुष्ट लोकेर मिष्ट कथा घनिये बसे पाशे, कथा दिये कथा लय प्राणे मारे शेषे।	५९२
दूर जामाइयेर माथाय छाति, घर-जामाइयेर मुखे लाथि।	३०५
दूर थेके मने हलो नहब्रतेर ध्वनि; बार-बाड़ीते गिये शुनि गाधार चेंचानि।	४८९
दूरेर केश घन देखाय।	४८९
दूरेर जामाइ मधुसूदन, घरेर जामाइ मधो; भात खाओ' से मधुसूदन, भात खे' से रे मधो।	३०५
देखोदेखि तोले हाइ, जा ओ आछे ता—सो नाइ।	५५३
देखादेखि नेका नाचे।	५५३
देदोय जाने देदोर मर्म।	३९५
देबता बुझे नैवेद्य।	४०७
दो-दिल् बान्दा कल्मा-चोर, ना पाय बेहस्त, ना पाय गोर।	१०८
दोदेर काछे कामार तो दां' गडे दे आमार।	३१७
धान एकगुण तो तुष तिनगुण।	५९९
धान शुनते कान शोना।	२३६
धुकड़िते धान धरे ना, बेनेके धरे मारे।	१८१
धोंयार हात एड़ाते गिये आगुने पुड़े म' लाम।	१३०
नाचते ना जानले उठानेर दोष।	५०९
नापित देखलेइ नख बाड़े।	३१७

	पृ. क्र.
नाम-डाके गगन फाटे, ढेंकिशाले कुँडो चाटे।	५१५
नामे-डाके गुरु-मशाइ, लेजा-मुड़ोर ज्ञान नाइ।	५१५
निकामाये दर्जि उठोन सेलाइ करे।	५६७
निजेर कथा कय ना शाली; परके बले चाल्ता-गाली।	३५
निजेर छेलेटि, खाय एतटि, नाचे येन लाटिमटि। परेर छेलेटा, खाय एतटा, नाचे येन बाँदरटा।	४४
निजेर छेले सोनाधन, परेर छेले दुशमन।	४४
निजेर दइ केउ टक बले ना।	४४
निजेर नाक केटे परेर यात्रा भंग।	५९
निजेर नाक डाका केउ माने ना।	३६
निजेर बेलाय सब काना।	३६
निजेर बोन भात पाय ना, शालीर तरे मंडा।	१५७
नित्य चाषार झि, बेगुन-क्षेत देखे बले, ए आषार कि ?	४५४
निष्कर्मा कि करे ? ना, धाने-चाले एक करे।	५६७
निष्कर्मा कीर्तनियार धामाली सार।	४५४
नुन खाइ यार, गुण गाइ तार।	३९०
नेइ देशे एरण्ड गाछ, नेइ बने खटाश बाघ।	३
पचा आदार झाल बेशी।	३६५
पचा कला खाबे के? – ना, दासी नेइ, बाँदी नेइ, ठाकुर-घरे दे।	१२२
पड़ेछि मोगलेर हाते, खाना खेते हबे साथे।	६०४
पथे हेगे चोख रांगानि।	१४४
परणे नेइ टेना, प्रति हाटे पान केना।	४५४
पर्वतेर मुषिक प्रसब।	५४८
परेर कापड़े धोपार नाट।	४९७
परेर गोयाले गो-दान।	४९७
परेर घरे आगुन दिये टिके धरानो।	२५४
परेर घर छिप फेलतेओ डर।	५६

प्र. क्र.

परेर घि पाइ, खाइ आर पिद्दिमे पोड़ाइ। ३४८
परेर चाल, परेर डाल; नदे करेन बिये। ३४८
परेर दोषेर अन्त नेइ; निजेर दोषे थुड़ि। ३६
परेर धन; आपण छाला, – यत इच्छे भ'रे फेला। ३४८
परेर धने पोद्दारी। ४९७
परेर धने बरेर बाप। ४९७
परेर पिठे बड़ो मीठे। ३४८
पार हइले पाटनि शाला। २९५
पिंड़ेय ब्रसे पेंड़ोर खबर। ४५४
पूजोर संगे खोंज नेइ, कपालजोड़ा फोंटा। ४५४
पेट भरले आनंद, भजरे गोबिन्द। ५२०
पेट यखन भरा, सबाइ नयनतारा;
पेट यखन खालि, सबाई चोखेर बालि। ५२०
पेटे भात नेइ, गोंपे ता'। ४५४
पेत्नीर श्राद्धे आलेया मोड़ल। २६८
पो-पोयाती दूरे रेखे, धाइयेर गाये सेंक। ४८२
पौष मासे इँदुरेर सात माग। ५२६
फकिरेर थेके कि दरगा उँचु। १५७
फलन्त गाछेर माथा नीचु। ९९
फाटले पड़लो नाड़ु गोपालाय नमः। १२२
फोंकाय साप टोकाय ना। ३००
फोंपरा ढेंकिर शब्द बेशी। ११
बउयेर राग बेरालेर ओपर, बेरालेर राग बेड़ार ओपर। ९३
बगले छुरि, मुखे रामनाम। ५९३
बड़ो बड़ो हाती गेल तल; मशा बले कत जल? २१
बर कने देखा नेइ, शुक्रवारे बिये। ३१२
बसते पेले शुते चाय। ११२
बसे बसे करि कि, – दादार पाछे पेयादा दिइ। ५६७
बाँचते पाय ना भात-कापड़, मरले हवे दानसागर। ४०१

प्र. क्र.

बाइरे गोरा; भितरे कालो, माकाल फलके चिनलाम भालो। ५१५
बानर बुड़ो हलेओ गाछे ओठे। ३६५
बानरेर गलाय मुक्तार माला। ५३८
बानरेर हाते खन्ता। १९२
बापे-पोये बराती, माये-झिये एयोती। ५८०
बापेर बयसे कलमा नेइ, पाँजा-भरा दाड़ि! ४५४
बापेर बेटा। ४१४
बा'र बाड़ीते लण्ठन, भितर बाड़ी टन्टन्। ४५५
बिद्याशून्य भट्टाचार्य, पूजार बड़ो घटा;
बाँशेर पातार नैबेद्य, कचुर डाँटा पाँठा। ४५५
बिपदे भगवानेर दोहाइ, संपदे ए कि बालाइ। २९५
बिपदे शिवेर गोंड़ा, संपदे शिब तो नोड़ा। २९५
बिये फुराले छाँदलाय लाथि। २९५
ब्रियेर समय कने बले हागबो। २०८
बुड़िते चतुर, काहने काना। ७२
बुड़ो-दादाके गायेत्री शेखानो। ३५१
बेराल दिये दुध पहारा। ५६१
बेहाइ, तोर खरच आर मोर खरच;
आर सबाइ खाय आर चाय। ४९७
भाँगा गाँयेर मोड़ल राजा। ३
भागाड़े गरु पड़े, शकुनिर टनक नड़े। ३४१
भाजे झिंगे तो बले पटोल। ४५५
भात छड़ाले काकेर अभाव कि? ५२६
भुतेर भये उठलाम गाछे, भूत बले आमि पेलाम काछे। १३०
भेयेर शत्रु भेये, नेयेर शत्रु नेये। ३७८
भोगेर आगे प्रसाद। ५२०
मंगलचंडी पूजो पान ना, सुबचनी हात बाड़ाय। १५७
मग डालेर फूल देवताके दान। १२२

	पृ. क्र.
मयरार छेले मण्डा खाय ना।	२५९
मयरार छेले संदेश खाय ना।	२५९
मशा मारते कमान दागा।	३२०
मा'के मामारबाड़ी देखानो।	३५२
मागना खेये ढेंकुरेर धुम।	४५५
मागना पेले कि ना गले ?	३४८
मागनार मद बामनाओ खाय।	३४९
माथाय राखले उकुने खाय, भूँये राखले पिंपड़ेय खाय।	१३८
मान् बा ना मान् तोर बाड़ी मोर मेजबान।	५८०
मामा-मामी झगड़ा करे, नेका पान्ता खेये मरे।	५५८
मायेर चापड़े हाड भांगे ना।	८७
मायेर पेटे भात नेइ, बउयेर चंद्रहार।	१५७
मायेर पोड़े ना मासीर पोड़े; पाड़ा-पड़सीर धओला ओड़े।	१५७
मुखटि मिठे, निम-निसिन्दा पेटे।	५९३
मुखे मधु अन्तरे विष।	५९३
मुखे रामनाम, बगले छुरि।	५९३
मुरगीर तेल हले मोल्लार दोर दिये रास्ता।	६०८
मुलेर चेये धेड़े मोटा।	५९९
मूल देवतार पुजो नेइ, – सुबचनीर घटा।	१५७
मोल्लार दौड़ मसजिद तक्।	५८६
यत करो पुतुपुतु, तत हय छोलार छातु।	१६
यत गर्जे तत वर्षे ना।	३०१
यज्ञेश्वर जानलेन ना, खबर पेलेन घेंटु-मनसा।	१५७
याँग याय, च्याँग याय, खलसे बले आमिओ याइ।	५०३
यार कर्म तारे साजे, अन्य लोके लाठि बाजे।	३८५
यार गेलो सेइ चोर।	१४४
यार छेलेके कुमीरे खाय, ढेंकी देखले भय पाय।	४८६
यार ज्वाला सेइ जाने।	३९५

	पृ. क्र.
यार धन तार धन नय, नेपोय मारे दइ।	१५७
यार बिये तार मने नेइ, पाड़ा पड़शीर घूम नेइ।	१५७
यार बेटार बिये तार पाते नेइ डाल।	१५८
यार मरण येखाने, ना' भाड़ा क'रे याय सेखाने।	६०८
यार माथा भांगे सेइ चुन खोंजे।	३९६
यारे करो मर् मर्, सेपाय देवतार बर्।	५७२
येखाने बसे सेखाने कि चषे ?	२८३
ये पाते खाय सेइ पात छेंड़े।	२८३
येमन उनुनमुखो देवता तेमनि पाँशेर नैविधि।	४०७
येमन बाप तेमन बेटा।	४१४
रथ देखा कला बेचा।	१९८
राँड़ीर स्वप्न पाँज आर तुलो।	३४१
राखे कृष्ण मारे के ?	५७२
राजार राणी कानार कानी।	४४
रामचाँदेर तेंतुल खाय, श्यामचाँदेर ज्वर।	३२६
रामा धोपा, श्यामा धोपा–सब बेटारइ एक चोपा।	१७४
रुपवेन जामाइ नेवेन झि. एर वेशी आर करवेन कि ?	५८६
रोगी म'ले रोजा हाजिर।	६६
लड़ाइयेर पर सेपाइ हाजिर।	६६
लड़िते जेठि, बलिते बाघ।	२४९
लक्ष्मीर मा भिक्षा मागे।	२५९
लाथिर ढेंकि कि चड़े ओठे ?	४०७
लोहाइ लोहा काटे।	३७९
लोहा जाने आर कामार जाने।	३९६
वेदे कि जाने कर्पूरेर गुण, शुँके शुँके बले सैंधव नुन।	५३८
शकुनिर नजर भागाड़ पाने।	३४१
शकुनिर शापे कि गरु मरे ?	३२९
शतदल भासिये जले, शालुक-माला परेछि गेले।	१५८
शिकेर माछ बेरालेर हाराम।	१२२

	पृ. क्र.
षाँड़े धान खाय, ताँती बाँधा याय।	१८२
षाँड़े-षाँड़े युद्ध हय, उलु-खागड़ार प्राण याय।	५५८
समाने समान घर; खोंडा मेयेर काना बर।	२६९
साँको थेके पड़े, ओमनि जुम्मार गोसलओ करे।	१२६
सात हात कापड़ेर न' हात दशी।	६००
सातुर मा बले पाँचुर मा मडुन्चे।	३६
सापेर छुँचो धरा, गिलतेओ पारे ना, फेलतेओ पारे ना।	१३८
सापेर बियेते बेंजि पुरुत।	२७६
सेपाइ करे लड़ाइ; सेनापति करे बड़ाइ।	२२५
सेयाने-सेयाने कोलाकुलि।	३३७
सोनार बाटिते विष राखले अमृत हय ना।	३६५
हबचंद्र राजार गबचंद्र मंत्री।	२६९
हातीर पाये कुलेर आँटि।	१६५
हालिया हाल चषे, कृषाण तोले धान; आगे खाय चोर चाट्टा, पिछे खाय कृषाण।	२२५
हिंदु यदि मोघल हय, गोश्त टाने वेशी।	५०५
हेले धरते पारे ना, केउटे धरते याय।	४५५

असमीया

अजात् गछर बिजात फल।	४१४
अतिथिर कि बिधान टोपा गणा ?	२८३
आँठुवा चाइ ठें मेल।	१०४
आइरो बार्ता, गङ्गारो यात्रा।	१९८
आगेये आछिलों दालिमर पोहारी, सदौवे बुलिछिल बाइ; गछो लेरेछिल, दालिमो शुकाल, एतिया सोधोता नाई।	५२६
आगेये आत्मतुष्टि, पिछत जगत तुष्टि।	५२०
आगैये आछिलों दोवनी-मोवनी, गोवाले बुलिछिल आइ; एतिया हलों नेज गोबरी, पाल्त नापाएँ ठाई।	५२६
आजि भिखारिनी, कालि पाटराणी।	२१४
आज्ञात (शाकत) निदिये लोन, पिटिकात जाय तिनि गुण।	७२
आदार बेपारीर कि जाहाजर खबर।	३८५
आन्धारर पिछत पोहर।	२१४
आपुनि लाङठ जगतक बर।	४५५
आपोन बुद्धि सर्ब्बसिद्धि, परर बुद्धि गा उदि।	५०
आपोन हात जगन्नाथ।	५०
आपोनार गा तेकतेकीया, अइनर गालै पानी छटियाय।	३६
आपोनार फालेइ टेकटेकिया, लोकर फाले पानी चटिया।	३६
आपोनार मुख बेंका, दापोनत चारि लाठि	५०९
आर्व्जे नन्द गोवाले, खाय बोन्दा शियाले।	२२५
आलहीक निदिबा ठाइ, बारीर पातपचला खाय। आकौ बुढ़ा गालैको हावरियाय॥	११२
आहक नाहक बर्, सेओंता फालि मर्।	३१२
आह बर डेका भोज् खाब जाओं।	५८०
इकाणे सोमाय, सिकाणे ओलाय।	३३३
इन्दुररो सिन्दुर, गोलामरो भाजा माछ।	५३८
उदक तेक रखिया करा।	५६१
उपकारीक अजगरे खाय।	२८३
उल्टा चोरे गिरिक बान्धे।	१४४
एक थाली आज्ञात एटा जालुक।	१६५
एक बराइ धान खाय, एक हान खाय।	१८२
एक बामुणर लोटा, सात बामुणर जोटा पोटा।	१७०
एक बुरीर दुइ काम, धान बाने चोहे आम।	१९८
एके गछर पान, सि कि ह'ब आन ?	१७४

पृ. क्र.

एके बुढ़ी नाचनी, ताते नातिर बिया। १९३
एके मरे शोके तापे, तार उपरि कुकुर जापे। १९३
एके मरों ऋषिर शापत, ताते दिये धानर भापत। १९३
एके रामे रक्षा नाइ सुग्रीब दोहार। १९३
एके शालमाछ ताते बाहि गारे पोरा। १९३
एङ्गार धुले बगा नहय। ३६५
एदोण चाउलर पिठागुरि खुन्दि देशखनके जनाय। २४९
एपात ताले ना बाजे। २०१
एबार सापे खुटिले लेजुलैको भय। ४८६
एबेलि सापे खाले दोवा बेलि लेजुत् भय। ४८६
एलेकर पेलेक, कुकुराचोवार भगिनीयेक। ५८०
ओचरर बामुनक सुरि येन देखे। ३०५
ओरे राति गाइ धेन्दि दामुरि हल् एटा। ५४८
कओं महादेउ, आने भाङ्गा लाउ। २३६
कचुर पातर पानी। ३३३
कणा पोर नाम पद्मलोचन। ८३
कणि पारे हाँहे, खाय भकतदाहे। २२५
कथाखिनि कय भाल, राति पिंधे फटा जाल। ४५५
क नोबोलोते रत्नावली पढ़े। ४५५
कमारर घरर बुढ़ा दा, कुमारर घरर भगा चक। २५९
करिब नोवारार बर कथा, खाब नोवारार बर हाठा। २५०
करिबर परत मइ गरिया, हेंचुकि हेंचुकि ने, खाबर परत मइ पोंवाती, हेंचि हेंचि दे। २४४
कल इच्छाइ पुलि, माक इच्छाइ छलि। ४१४
कलीया दँताय आज्जे, धला दँताइ खाय। २२५
काउरीलै सोणर कँाड। ३२०

पृ. क्र.

काटा षात कला खार। १९३
काटा यि काटा रेपा किय? १९३
काणत खिला, पिठित कूला, यि बोला ताके बोला। ३३४
कार बापेकर डर, मथुरापुरत घर। ५७२
कार्य्यर बुजिया भाओ, छागरो पखाले पाओ। ६०५
कालिर लराइ परहिर गीत गाय। ३५२
कालीपूजा घरे घरे शालग्राम शुकाइ मरे। १५८
कुकुर इच्छाइ टाङ्गोन। ४०७
कुकुरक निदिबा लाइ, चोताल एरि मजियाक जाय। १६
कुकुरर नेज सेकिलेओ पोन नहय। ३६५
कुकुरर पेटत घिउँ नसय। ५३८
कुकुरर भुकनित हाती फिरि नाचाय। ५७५
कुकुरे यिमानेइ कामोरक तेओ आटुर तल। ५८६
केकेंटुवाइ तामोल खाय, नेउलक बान्धि कोबाय। १८२
कै थाक कुकुरणी, शुनि थाकों ठाकुरणी। ५७५
कोलार एरि पेटर आशा। २७
कोलारटो एरि बोकारटो आशा कर। २७
खाइ कँारशला डालत उठिल्, काठिचेलेकार मरण मिलिल्। १८२
खाइ पात छिरा। २८३
खाब नोवारार पातत रौ-बराली, खावैयार पातत काइट-दुडालि। १५८
खाबर परत सात भाइ, करिबर परत केओ नाइ। २४४
खाबलै दाम-दुम, करिबलै गरिया; पिंधिबलै लागे आँचुवलिया चुरिया। २४४
खाबलै नाइ कणटो, बर सब्राहलै मनटो। ४५५
घरत नाइ कणटो, बर सबाहलै मनटो। ४५५
खुवाइ-बुवाइ कोलात लम, तेओ बुलिब 'ताइ'; मारि-धरि बाटत थम, तेओ बुलिब 'आइ'। २८४

	पृ. क्र.
खोजे खारणि दिये लोन्, एने ओभतनित थाके कोन् ?	२३६
खोवा पातते हागा।	२८३
गछत कठाल ओठत तेल, ताक चाओंते बतर गेल।	३१२
गछ नोहोवा ठाइत् एराइ बिरिख।	४
गडगला मितिरर भाओ, मुखेरे बोले थाक थाक, भरिरे हेंचोके नाओ।	५९३
गपत गगन फाटे, हाड़िर भात कुकुरे चाटे।	४५६
गरुर आगत बजाय टोकारी, घाँह खाय काण जोकारी।	५३८
गाइ गरु बाय, रत्नावली चाय।	४५६
गात नाइ चाल बाकलि, मद खाइ तिन टेकेली।	४५६
गात नाइ बल, नाओ सोमाय झापर तल।	४५६
गिरीहँत मरे खरलि खाय, चोरे निये लफा दाय।	२२५
गुटि नोहोवा गछत बांदरो नुठे।	५२६
गुटि लगा गछ सदा तल मूर।	९९
घर पोरा गरुवे रङा मेघ देखिले डरे।	४८६
घर पोरा जुइत जोरर पोहर।	२३२
घिउ दि सेकिले कुकुरर नेज पोन न हय।	३६५
घैणीये भाङ्लि काँहि, पेलाले खत्रखलाइ हाँहि, चान्दीये भाङ्लि कतरा, गङ्गाओं पालेगै बतरा।	४४
चतर बिहुलै छमाह आछे, हात मेलि मेलि नाचे।	३१३
चरणेहे जाने मरणर ठाइ, जते मरण तते जाइ।	६०८
च'रा नावे भरा श'ले, छुइतर कि गा बिषाले ?	१६५
चाकरि नाइ, बाकरि नाइ, गोंफभरा ओंठ	४५६
चान्दक देखि तेतेलि बेका।	५५३
चारि बेद चैद्ध शास्त्र, खाब नापाले एदिन मात्र।	५२१
चिकण तेमा मयरार पाखी, भेनेत भेनेत करे माखि।	५१५
चुकत थाकि बुकत खोवा।	२८३
चुकत थाकि बुकुत कामोर।	२८४
चोर गले बुधि, बरषुन गले जापि।	६६
चोर पलाले बुद्धि बाढ़े।	६६
चोरर साक्षी मातात।	३३७
चोरे नेरे चोर प्रकृति, कुकुरे नेरे छाइ। या (जा) र यि स्वभाव मरिले लगत या (जा) इ॥	३६५
चोरे नेरे चोर प्रकृति, शहाइ नेरे शर। जेतेक नहओक डोम बरगिरि नदीर कूलत घर॥	३६६
चोरे हे देखे चोरर ठें।	३४४
छाल छिगा ढेकुरार बाघराय नाम।	८३
ज्वरर दाहत बेरत लाठि।	९३
जाकै मारे खालैर नाम।	२२५
जीवन्ते न करिले दया, मरिले कि करिब गंगा गया।	४०२
जीयातनिदिये दहि कुटि; दानत दिब छिरि आङ्गुठि।	४०२
जोनर आगत जोनाकीर पोहर।	२३२
जोनाकत हरुवाइ, आन्धारत विचरा।	६६
जोरर आगत कि बातिर पोहर।	२३२
जोरो जोर पाभा जोर, ताइ हाडित खाइती, सिओ गरु चोर।	२६९
टिक बलधा ओलाइ माटि, माक भालेहे जीयेक जाति।	४१४
टिकात नाइ मूरत पाग, सि हय देहतकै आग।	४५६
टिप टिपली चराइ, टिपा मारिले मरे, कैलासलै उरो उरो करे।	४५६
डाङरर दाय पिचलि जाय्, सरुर दाय खापे खोपे खाय।	७२
ढाल नाइ तरोवाल नाइ, निदिराम छर्दार।	४५६

	पृ. क्र.
ढेंकित महे खाले, ऊरुत फरफराले।	३२६
तइ कला, मइ कला, योर पाइछो भाला भाला।	२६९
ततो नाहिला खाइ, एखेला पावलै नाइ।	१०८
तले गो-वध, ओपरे ब्रह्म-वध।	१३८
तिनि पाइकर श्रीराम बरा, तारे एटा छाटि धरा।	४५६
तुलाहेन नपारय भार बान्धे शिल, केत्कुरि पिपिराइ हस्तीगोट गिल।	४५७
दक्षिण कुलत स्वरग परिल, गा शियरि मानुह मरिल।	३२६
दाओरे पारांते कुठार लगोवा।	३२०
दार नाम पखीराज, किछु काटे बाँह-गाँज।	८३
दुइ महर युज लागिल, इकरार मरण मिलिल।	५५८
दुष्टर लट-पट सन्तर मरण।	१८२
दूरैर पर्व्वत निटोल।	४८९
दूरर पर्वत शुवनी।	२७
दूरैर रौ–बराली, ओचरर पुठि-खलिहा।	२७
देखाक देखि, कुकुरे ओ करे एकादशी।	५५३
दोला देखि खोरा।	३१७
धन महङलै ग'ल, लोणभार पेलाइ माटिभार आनिले, ठाइ मचिबलै हल।	२८
धार करा धानेरे खुन्दों पिठागुरि।	४५७
धुइ पखालि कोलात लय, तेओवे बोले ताइ। मारि धरि बाटत थय, तेओ बोले आइ।	१५८
धोओं कली, नोधोओं कली, तेओ नुगुचे गार मलि।	३६६
धोवाइ नाजाने कार कापोरेरे मरिब।	४९७
नरीया चाइ परीया।	४०७
नाकान्द छावाल रबि, बापेर गेछे कल रुब, थोक परिले खाबि।	३१३
नागिनीये लरा पाय, नगाइ जाल खाय।	४८२

	पृ. क्र.
नाच बगी नाच, घाटर चेलेकना माछ; तयो बगी, मयो बगी, एकेखन बिलरे माछ।	१७४
नाचिब नाजाने चोताल बेंका।	५०९
निज देशत ठाकुर, पर देशत कुकुर।	५६
निजर नाक काटि सतिनीर यात्रा भङ्ग।	६०
निजर मुख बेंका, दापणित चारि चर।	५०९
निजेइ परर खाओं, शुनिब नोवारो आलही नाओ ?	२०४
नीचे लोके उच्च पद पाय, टेरीयाकै पाग मारि घुरि घुरि जाय।	९९
नै नेदेखोंते लाङठ।	३१३
नोपोवाइ पाइ छे, चपाइ धान दाइछे।	९९
नोपोवार समयत गोंसायेओ 'चें' माछ खाय।	६०५
पतित बामुण स्वर्गे याबर मन, धोवा कोवा करे यज्ञ अन्वेषण।	४५७
पर छिद्र पदे पदे, आपोन छिद्र नेदेखय।	३६
परर ओपरत पाइ धन, बापे पुते कीर्त्तन।	४९७
परर ओपरत पाले पानी ढालि तिनि गराह खाय।	४९८
परर घरलै याबि, मोर दियन थोयन चाबि।	४९८
परर पाले, ज्वरत खाले।	३४९
पाइ परर धन, बापेके-पुतेके करे कीर्तन।	४९८
पार पाले युगी, भुरत मारे लाथि।	२९५
पुठि माछर फर्फरणिये सार।	११
पेटत गरल, मुखत मौ।	५९३
पोवतीये हे जाने, पोवाली पाओते किमान दुख।	३९६
पोहनीया शालिकाइ चकुत खुटियाय।	१६
फस्तित बङाल मरे, तिरुता वेचि काम-काज करे।	४५७
फुटा चकुतहे कुटा परे।	१९३
फोपदां, धान नाइकीया सुदा चां।	४५७

	पृ. क्र.
बगा भात हले काउरीर आकाल नाइ।	५२७
बन नोहोवा कमारे फालर मरिहा मारे।	५६८
बर बर घोराइ नापाय घाँह, टाट्टु घोराइ बिचारे माह।	२१
बरर मिच्छा शुनिबर इच्छा, नरमर उचित शुनिबर कुचित।	१५८
बरुवारो एदिन, घरुवारो एदिन।	२१४
बसन्तर कुलि, हेमन्तर कोन ?	५२७
बहिब आटिले शुबओ आटे।	११२
बाघ म'हर युज लागिल, नल खागरीर मरण मिलिल।	५५८
बाटत पालों कमार, दाओ गढोवा आमार।	३१७
बान्दरर गलत मुक्तार माला।	५३८
बान्दरे कि जाने नारिकलर मोल।	५३८
बाप कालत नाइ गाइ, चालनि लै दोब जाय।	९९
बाप चाइ बेटा।	४१४
बामुणरो एदिन, बहुवारो एदिन।	२१५
बार भतारर नाम जाने, बेइटा पोइर नाम ना जाने।	१५८
बाहिरे चुरीयार फेर, भितरे ढकुवार बेर।	४५७
बाहिरे रङ्ग चङ्, भितरे कोवा-भातुरि।	५१५
बियार पिछत लाउ दलिओवा।	६६
बुढ़ी मरिल भालेइ हल, सिखनि कँठाओ मोरेइ हल।	२५४
बेङाइ कय कलाइ शुने।	२६९
बेजिर जलङा मने, कुठारर नमने।	७२
बोजार ओपरत शाकर आटि।	१९३
बोपाइ आछिल चोर, सेइ प्रकृति मोर।	४१४
भरिर तले रौ जाय, दरिकणाले बरशी वाय।	७२
भाल भाल घोंगइ नापाय घाँह, बटुवा घोंगइ बिचारे माह।	२१
भालुकक खन्टा दिया।	१९३
भीतरे गरल, बाहिरे सरल।	५९३
भुका कुकुरे नाकामोरे।	३०१
भुकीया गल पात कटिबलै, निभुकीयाइ बोले माटिते दिया।	१५८
भुरुत करे गोपीनाथ, कल खाले जगन्नाथ।	१८२
मइ कओं राज-भगनर कथा, सि कय कल थोका बादुलिये खाले।	२३६
म'राक देखि घनचिरिकार पेखम।	५५३
मरिलेओ नेरे धनञ्जय बायु।	३६६
माकतकै जीयेक काजी, ढेंकी थोरारे बटे पाजी।	३५२
माछर तेलेरे माछ भाज।	३७९
मामाथेर गाइ दोवे, मोर नाम दुधकोंवर।	४५७
मालीर फुले देउरी सुवा।	२२५
माहीर आगत मामार गल्प।	३५२
मुखत मधुर बाणी, हृदयत क्षुरखणि।	५९३
मूरत लले ओकणीये खाय, माटित थले परुवाइ खाय।	१३८
मेरुगिरि पर्ब्बतर आगे कि उँइचिला; प्रचण्ड बताहर आगे कि शिमलु तुला ?	२३२
मौ देखिले माखि परे।	५२७
यत गर्ज्जे, तत न बर्षे।	३०१
यत देखे गाजि कल, तत उठे नामर बल	५२७
यार घरत पात पारिबा, ताक नोबोला शुदा। यार पावत सेबा करा, ताक नोबोला गोधा।	२८३
यार बुढ़ी गाइ खालत परे, सियेहे तार नेजत धरे।	३९६
यार यि स्वभाव मरिले टुटे, यार यि स्वभाव भूमित लुटे।	३६६
यारे हन्ते शाखा सिन्दुर, ताके करे भोकोरा इन्दुर।	२८३
यि देवर यि पूजा।	४०७
यि पातत खाय, सेइ पात के घिणाय।	२८४

पृ. क्र.

योररो योर, बिपरीत योर
एटि कान कटा, एटि चोर। २६९
रहार रहदै, तिपामर भादै,
सलगुरिर आघोनी बाई
तिनिओ तिनिर डिङ्ित धरि कान्दे,
समन्धर एकोडाल नाइ। ५८०
राखे हरि मारे कोन; मारे हरि राखे
कोन ? ५७२
राजहंसर गति धरि घनचिरिका फेरेका
हल। ५५३
लाइ पोवा कुकुरे, बुकुलै जपियाय। १६
लुइते हे जाने ब'ठा किमानलै बहे। ३९६
लेखा पढ़ा बर्जित, हरमोहन पण्डित। ८३
लेरेला परा लरु, चेरेला परा गरु। ४०७
लोकर चरात बहा बर मानुह। ४९८
लोन खाले गुण गाबा। ३९१
शगुणर शाओत बुढ़ा हालोवा नमरे। ३३०
शदियात बरषे, रामदियात उरुषे। ३२६
शाकत निदिये लोन, पिटिकात याय
तिनि गुण। ७२
शाक रान्धिब्रर नाइ खुम,
भोज रान्धिब्रर हुम हुम। ४५७
षाठी बुढ़ीर नाति भतर। २७६
सम्पदत भाइ भनी, निदानत कार कुनि ? ५२७
सरुते सापे खाइछे, केचुलै को भय। ४८६
सँतोर सँतोर निज बाहुबले,
सँतुरिब्र नाजानिले जा रसातले। ५०
सात पुरुष गल टिङ्त बर,
एतिया बोले मोक ब'ठा धर। ३८५
सात सेरा माटित, धोद शोवे पाटीत। १५९
सात सेरिया कँाही, खुद चाउलर भात,
खोवार धिक जीब्रन शुनारो लाज। ४५७
सापे हे सापर ठें देखे। ३४४
सारित पेलाबलै नाइ चरि, नाइ बारी तबँाह।

पृ. क्र

धारित पेलाबलै नाइ कानि,
दिये रूपत यँाह ॥ ४५८
सिंहर पेटत शियाल नोपजे। ४१४
सोन कोमोवा शोवे माटित,
धदुवा शोवे पाटित। १५९
स्वनामा उत्तमा, पितृनामा मध्यमा,
शहुरनामा अधमा। ५०
हब्र छलि बुलिब्र बाप,
तेहे गुछिब्र मनर ताप। ३१३
हँाहर ठेङ्त म'ह बलि। ४७४
हँाहिंनी मरे कटि फाटि, गृहस्थइ बोले
कणी पारि दे। २५४
हँाहो मरा शियालो खोरा। ४०७
हातत धरि नियोता नाइ, पथालि-कोलालै
कान्दे। ५८१
हातत नाइ कण्टो, बर सभालै मन्टो। ४५८
हातत नाइ पइछा-कड़ि, बिहुर हाटत
लरालरि। ४५८
हातत बान्धोवा सौका, बेरत भाङा ढौका। ४५८
हाती-घोराइ नापाय ठाउनि, भेराइ बोले
किमान पानी। २१
हाती घोरा गल तल, छागे पुछे किमान
हल। २१
हाती चुर करि निये बाटे, बेङेना-चोरक
धरे; नाकटो काटिले लाज ना लागे
नखटो काटिले मरे। ७२
हाती-चोर आगे आगे याय, बेङेना –
चोरक धरि किलाय। ७२
हातीये धान खाय सिपारे, आटिमुटि
करिछे इपारे ! ३२६
हातीर टिकात तरार फर्मुति। १६६
हापाइ आने तिरी, बोन्दा ओपरते गिरी। २२५
हाल नाइ हलधर, लरु नाइ गदाधर। ८३
होवा आञ्जात लोन दिया। ६६

पृ. क्र.

ओड़िआ

अंटिरे नाहिं धन, पुअ बाहाकरि मन। ४५८
अंटिरे भुजा थिले केते काउ आसिवे। ५२७
अंध आगे दीप, बधिर आगे गीत। ५३८
अंध गाँकु एक आखिआ रजा। ४
अंध हातरे रत्न मुदि। ५३८
अटा ढिलाकु चकि ढिला। ४०८
अति सुकुमार राजदुहिता, करमरे जोगी घइता। २७६
अत्यन्त प्रीति करे लण्डभण्ड, अत्यन्त प्रीति हगे बाबुमुण्ड। १६
अदा बेपारीर जाहाज मूल। ३८५
अपाळक राइजरे बिजुळि लक्षे टंका। ४
अबुझामणा राजाकु पाळविण्डा मंत्री। २६९
अरसूलाके अरसलि, दइब देइछे भेटकरि। २६९
अरक्षित मडा नाँ दुआरे पडुछि छेरा। ४५८
असती भुंजइ पलंक सुपाति, कुलवती हुए दासी, साईं साईं होई बुलई गोरस, मद बिका जाए बसि। १५९
अल्प दुहिंले गोसेइँ रूषे, बहुत दुहिंले बाछुरी रूषे, पर गाई दुहाँ मोते न आसे। १३८
अळप धन बिकळ मन। ४५८
आंगुठि देखाइले बाहा गिळिबा। ११२
आंगुठि पशु पशु बाहा पशिबा। ११२
आंब सडका, तेंतुळि बंका, कुकुर लांगुड नुहें सळखा। ३६६
आऊँ कुकुर मुँहरे बोल। १६
आखि बुजिले दुनिया अंधार। ८९
आगत चडेइकि बेशरबटा। ३१३
आगे उदर, पछे सोदर। ५२१
आतंक काळे जाचंति कुकुडा, आतंक गले दिअंति लेफडा। २९६

पृ. क्र.

आपणा गोदर गोड दुआरे चळु नाहीं, पर बरे बात चिकित्सा करुछि। ३६
आपणा घरे कुकुर रजा। ५६
आपणा देशरे चाकिरि करि कुकुर, पर देशरे चाकिरि कले ठाकुर। ३०५
आपणा नाक काटि परर जात्राभंग। ६०
आपणा हात जगन्नाथ। ५०
आपे चषिबु पूरा चाष, छता जोता अधा चाष, मूलिआ चाष फसरफास। ५०
आपे न मले जम दर्शन नाहीं। ५०
आपे मले जुग जाए, पर मले कान्दुथाए। ९०
आपे मले जुगबुड, पर मले पाणि बुड। ८९
आपे मले स्वर्ग जाए, पर मले बुड दिए। ५०
आपे वाणिज पुते चाष, गोति करे सर्बनाश। ५१
आम्ब काळे हाडिकु जुहार। ६०५
आम्ब दिने पणसर चिंता। २८
आय देखि व्यय कर। १०४
आरे लण्डा, तोर खाई तोते खण्डा। २८४
आ लो मुतूरी शोइबा, तुत मुतूरी, मुँत मुतूरी, हेंस काहिं पाइँ धोइबा। २६९
आळिआ लेखारे बाळिआ बन्धु। ३३७
उजि गाँरे कुजि, जेऊँ गाँरे देवता नाहान्ति शिळपुआटाए पूजि। ४
उठि न पारि 'मारेंगा'। ४५८
उडन्ता खइ गोविन्दाय स्वाहा। १२२
उणा लोक पद पाए, हगिगले गीत गाए। १००
उपर केडे सुन्दर, भितर पोडा अंगार, जाति महाकाळ फळ। ५१५
एक हातरे ताळि बाजे नाहीं। २०१
एका चाहाळिर पाठ, एका अवधान चाट। १७४
ए कानरे पशि, से कानरे बाहरि जाए। ३३४

	प्र. क्र.
एका लाउर मंजि।	१७४
एणु माइले ब्रह्महत्या, तेणु माइले गोहत्या।	१३८
एण्डार दउड कुद जाए।	५८६
एण्डुअ धाउ किआ बुदाकु।	५८६
एन्ता लोक केन्ता, खलिखिआ लोक थालिथि खाएलें लोक चिन्भा से केन्ता ?	१००
एसा करेंगा, तेसा करेंगा, सिपेइ देखिले शोइ पडेंगा।	४५८
ओट मुँहकु जिरा।	१६६
ओध संगे बणभुआ बाइ।	३३७
ओळि घेनि कोळि, पलम घेनि सरुचकुळि।	४१४
कटक धोबणी देशरे राणी।	४
कटक भंडारि देशकु रजा।	४
कटाश बुद्धिरे बिरडि माताल।	३३७
कन्यादेला बाइगण विका एका हाटरे हेबा न्याय।	१९८
कहिले कुळ कुटुम्बकु लाज, न कहिले कुळ भासिजाउछि।	१३९
कहे जे करे नाहिं, करे जे कहे नाहिं।	३०१
कळा कम्बळ, नुहें उजळ।	३६६
काउ हगि देइ चम्पट, बग विचरा धरा पडिला।	१८२
काकुडि पराये पीरति देख, बाहरकु तुल भितर फांक।	५१५
काछु गांडिकु तेल मिळुनि कपिळासरे जागर जाळुछि।	४५९
काठ कहिला मोते किये हाणुछि ? कुराढ़ि कहिला तो भाइ मो-भितरे पशि तोते हाणुछि।	३७९
काणी बिराडि कुजी असरपा उरकु टाण।	३६
काम नयाइ मुकुर सेबा।	५६८
काम पडिलावेळे भगवान् गध-पाद धरिथिले, मणिष किबा छार।	६०५
काम सरिले मेरिमुहँ खोळा।	२९६

	प्र. क्र.
काल टार काल मा जाणे।	३४४
कालिका जोगी मुण्डरे जटा।	५०६
काहार बरपोडे, किए निआँ पुहाए।	२५४
काहिं मुकुंद देवराजा, काहिं मुकुन्दा भण्डारि।	२३२
काहिं राणी काहिं चंद्रीकाणी, काहिं हातीदांत काहिं बाउँशकणि।	२३२
किए घोडा पालिंकरे बसि हकर हकर, किए खण्डिआ कांथरे बसि हकर हकर।	५५४
कीचक बाहुबळे बिराट राजा।	२२५
कुआ धान टोकिबा देखि बग धान टोकिबा।	५५४
कुकुरकु मुँह देले उपरकु चढे।	१६
कुकुर लांगुड बारबरषरे सळख हुए नाहिं	३६६
कुम्हार बळद माटि गाड़िआ पर्यन्त।	५८६
कुळक चाउळ कुकुरकु देइ खुद मुठाकु आश।	७३
कुलार मुहें जाउछे, सुजि मुहँकु छापकुछे।	७३
केतेबेळे शगड उपरे नाहा, केतेबेळे नाहा उपरे शगड।	२१५
कोळरे रहि, कोळर माउँस खाई।	२८४
खत कुढरे स्वर्गर स्वप्न।	४५९
खडिकि नुहें कि पेडिकि नुहें।	१०८
खण्डा हाणे फरि जश निए।	२२६
खाइ निन्दा पतर हगा।	२८४
खाइबा जाहार गाइबा तार।	३९१
खोळ पर्वत मार मूषा।	५४९
गउडुणी आपणा दहिकु खटा कहे कि ?	४४
गरज पडिले गधपाद धरिवाकु हुए।	६०५
गरजिला मेघ बरषे नाहिं, कि भुकिला कुकुर कामुडे नाहिं।	३०१
गाँ कनिआँ शिंघाणिनाकी।	३०५
गाँ जोगी कु भिक न मिले।	३०५
गांडि लंगळा मुंडरे फुल, चालि जाउथाए दुल दुल।	४५९

पृ. क्र.

गाँ बळद बिका जाए नाहिं। ३०५
गुंज पाणिरे पडिले लाहा जाए नाहिं। ३६६
गुआ मारि गवकु पाणि तेडिबा। ७३
गुड़ घरे पिंपुडि परिछा। ५६१
गुग चिन्हे गुणिआ, सुना चिन्हे बणिआ। ३८५
गुह काढि किआँ नाकरे हात ? ११७
गोटाए ढेलारे दुइटा आंब झाडिवा। १९८
गोदर गोड़रे बिषफोटका। १९३
गोदरीकि श्रीमति कहिले से गोड़ कु
बुलेइ पकाए। १००
गोरसरे पोडिथाए जे महि देखिले डरे। ४८६
घइता पछके मरु, सउतुणी रांड हेउ। ६०
घर गोटिए, कुणिआ कोटिए। १७०
घर दिअँ न पूजि पर दिअँ पूजिबा। १५९
घर भितरे चोर, शहररे धंडुरा। ५४४
घरे कुलादेइ ओषा, दाण्डरे बसि मिश
रे बिभ हात मारुछि। ४५९
घरे नाहिं खुद पाए, टुकुणा घेनि हरिते
जाए। ४५९
घरे नाहिं तिरन् तपु, पिचा बलुछे मेचें
वसु। ४५९
घरे नाहिं लेंबुलुण, दांडरे देख चातरपण,
सभारे बखाणे तिनितिउण। ४५९
घाइ मुँहरे जाउछि, बालि कणाकु बुजुछि। ७३
घुमुरिला बाघ मणिष न खाये। ३०१
घुसुरि घुसुरि भूँईरे नाक, तेवे जाउनाहिं
खोइलुचाक। ३६७
घोडा छ टंका, दाना नअ टंका। ४७४
घोडा पेटरु जन्म होइ छाटकु डरुछि। ११७
घोडार चाबुक माड घोडा जाणे। ३९६
चतुरे चतुरे कोळा कोळि। ३३८
चषा कि जाणे पइड पाणि, पिइले बोलइ
थिरि तोराणि। ५३८
चषा कि जाणे पषार कथा ? पढिले
बोलेइ दश। ३८६

पृ. क्र.

चालि न जाणि देउळ दोष, देउळ
जाउछि अढेइ कोश। ५०९
चालि न जाणि देहुडि बंका। ५०९
चालुणी कहे छुंचिकि तो गांडिरे गोटाए
कणा। ३६
चापुणि कि जाणे कर्पूरर गुण, सुंघि सुंघि
कहे सइंधव लुण। ५३९
चाहिं किरे, साकर खंडक चूना होइगले
ताहार मधुर जाइकिरे। ३६७
चोर कु चोर चिन्हे। ३४४
चोर पळाइलारु बुद्धि दिशे। ६६
चोर भयरे घरे बाघ बांधिबा न्याय। ३०१
चोर भाइ गण्ढि कटा। ३३८
चोर होइ फेर पाइक पण। १४४
चोरि गला लोकर भात हाण्डिकु
अपतियारा। ४८६
चोरि; चोरि उपरे हेमा जोरि। १४४
छअ टंकार घोडाकु नअ टंकार दाना। ४७४
छेळि गोड़रे जदि धान मळि हुअन्ता,
तेबे बळद किया लोडा हुअन्ता। २९१
छेळि न वेउणु बोदा काढिआ। ३१३
छोट मुँहे बड कथा। ३५२
जडा तेल मेंढा बाळ। २७६
जातिकु जाति काटे, पाणिकु पाणि काटे। ३७९
जात्रा देखा, कदळी बिका, एक बाटरे
दुइ काज। १९९
जाहाकु रखिबे जगा बळिआ, कि करिब
तार बळीबळुआ। ५७२
जाहा पुअकु कुंभीर खाए, ता मा ढेंकि
देखिले डरे। ४८६
जाहा पुअकु साप कामुडि थाए ता मा
पाळ दउडि देखिले डरे। ४८६
जाहार काम ताकु साजे, अन्य लोकठेइ
लाठि बाजे। ३८६
जाहार लुण खाइब, तार गुण गाइब। ३९१

पृ. क्र.

जेउँ पतररे खाइब सेहि पतररे हगिबा। २८४
जेझा घर ताकु मथुरापुरी, जेझा बर ताकु श्रीकृष्ण सरि। ४४
जेबे थिब अंतरे बळ, संगात मिते दुआरे ठुळ। ५२७
जेबे पूरिथाए डोलि, सुसार बचन बोलि। ५२१
जेमिति ठाकुर सेमिति पूजा, बालिगरडाकु चाऊळ भजा। ४०८
झाड़र देबताकु पत्रबाउड़ी पुजारी। ४०८
टांगण घोडा, चालि सरस लदन घोडा। ५१५
टाण करुथाए माइप आगे, लाल पाग देखि घरकु भागे। ४५९
टोका टाकरा तटु घोडा, खाआन्ति बहुत काम थोडा। २४४
डर काहाकु भय काहाकु, ठाकुर अछंति चउबाहाकु। ५७२
ढाउँ, ढाउँ, ढाउँ बाजइ ढोल, बाहारे चिक्कण भितरे पोल। ५१५
ढिंकि भरांडिरे मुंड देइ पाहुराणिकु डर। ११७
ढोल खाए माड, हाडि खाए कउडि। २२६
तंती बळदकु माळी हळिआ। २६९
तंती साझिरे कटास महाबळ बाघ। ४
ता दुआर मुहँ खतकुढ, से परदांड ओळउछि। ३७
तुंडे हरि, पेटे छुरी, काळांते जाए जमपुरी। ५९३
तुच्छा माठिआर शब्द बेशि। ११
तु जेते माठिबु माठ, मुँ सेहि दरपोडा काठ। ३६७
तुलसी गछ खतकुठरे थिले मध्य शुद्ध। ३६७
तुळसीपत्रे रे कि सान बड। १७४
तेलि पुअ नुखुरा। २५९
थिललोक पाइँ सभिए धाइँ, न थिला लोककु पुच्छंति नाहिं। ५२७
धान थिबा पुआळकु समस्ते झाडंति। ५२७

पृ. क्र.

धोति बुणे भुलिआ, पिंधे लेंकडा, केऊट धरे माछ खाये कंकडा। २५९
दहि पातुळि कि बिलेइ साक्षी। ५६२
दहिबालीकु चुडाबाली शाक्षी। ३३८
दांडरे पुअ बेइ जहाणीकु डर। ११७
दाण्ड रे पथर झुण्टि घरे शिळ बांगुछि। ९३
दातार घिअ सरुछि, स्वाहा-स्वाहा कला बेळकु ब्राह्मणर जिभ छिडि पडुछि। ४७९
दारी अरजन भडुआ खाए, दारी नाचि नाचि मरि जाए। २२६
दारी अरजि अरजि मरे, बपिआ फुंक रे उड़ाइ दिए। २२६
दारीकि डालिचाउळ, ब्राह्मणकु जाबडा। १५९
दारीकि मादळिआ साक्षी। ३३८
दिने नाहिं, काळे नाहिं, गम्हाँ पुनेइँ दिन माइँ माइँ। ५८१
दुध गुड़ नेइ निम्बतळे देइ आखु चारि पाखे रोइब, खण्ड रे घाइब, फेणारे मोहिब तेबे कि मधुर होइब। ३६७
दूर पर्बत सुंदर, दूर बंधु सुंदर। ४९०
देउळकु मुकशिआळि बळि पडिला। ६००
देखा नाहिं कि शुणा नाहिं, हाटरे लाटर माइँ माइँ। ५८१
देखा सुंदर बउळी गाई, दुहिंला बेळकु टोपिए नाहिं। ५१५
देश लोके पणस खाइले, भण्डारि मुंडरे अठा। १८२
नइ न देखुणु नंगळा। ३१३
नइ रे हजाइ, पोखरी रे खोजिबा। ४८२
नइ मुखिले कि करइ नाआ, थन शुखिले कि करइ माआ। ६७
नखरे छिंडिबा कथा कुराढरे किआँ जिब ? ३२०
नाँ कटकिआणि मुंड रे बाळ गोटिए नाहिं। ८३
नाक टुँ टुँ पित्तळ गुणा। ४५९

	पृ. क्र.
नाचि न जाणि अंगणार दोष।	५०९
निकमा दारी कि करे बसि, मुख देखुथाए दर्पण जसि।	५६८
निच पाईले अधिकार रुषिंकि बुहाइले भार।	१००
निज/आपणा घर, हगिकिरि भर।	५६
नुआ जोगी भिक बाइ, पाउ न पाउ बुलुथाइ।	५०६
नुहा डाहाणी गुह खाइ शिखिबा।	५०६
नेऊळ धाऊडि किआ बाड़ जाए।	५८६
पंच माइले मरि, रजा माइले मरि।	१३९
पइड, बइद, मदघडा, काम सरिले गडगडा।	२९६
पणस खाए किए? भण्डारि मुण्डरे अठा बोळा जाए।	१८२
पतर गोटाइबा लोक तोटा मूळ करिबा।	३८६
पर घरे मंगळवार।	४९८
पर धन गुड़ मुआँ परि।	४९८
पर पुअ मला, नाँ रोग बाहारे गला।	४४
परभुंजा कि जाणंति चाउळर मूळ?	४९८
परुड़ि मशिणारे सोइ लक्षे टंकार स्वप्न।	४६०
पिठि अरक्षित, मुहँ नरेंद्र।	४६०
पितळ गुणाकु नाक टाउँ टाउँ, सुना गुणा थिले केते?	१००
पुइँ चुंगुडिकि पानीकि लोडा।	३२१
पोषिला बाघ गोसिआँ खाए।	२८४
फटा मृदंगकु जडा गाथक।	२७०
फळ गछकु बोझ नुहें।	८७
बउँश खिआ मुआ बिराड़ि, पेटर पिलाकु दिएटि मोड़ि।	३७९
बग गोड नालिआ देखि बेंग गोड नालिआ करिबा पाइ मन बळाइब्रा।	५५४
बगड़ा भात, निशरे हात।	४६०
बड़ चोरकु चौकिया चिन्हे।	३४४
बड़ बड़ गले फसरफाटि, सान अईले बेसर बाटि।	२२
बण गाँरे बिलुआ रजा।	४
बण दिअंकु पतर शउरुणी बुझाए।	३५२
बन दुरुगाकु बन माळती, धूप नाहिं दीप नाहिं तुच्छा आळति।	४०८
बहु आडम्बरे, लघु क्रिया।	२५०
बळद कमाए चणा, घोडा खाए दाना।	२२६
बाइगण बाड़िकु गाइमुण्ड जगुआ।	५६२
बाइगण बिका कन्या देखा, एक जात्रारे समाधान करिबा।	१९९
बाटरे देखिलि कमार, फाळ पजेइदे आमार।	३१८
बाप जाणि पुअ, माँ जाणि झिअ।	४१४
बाप तळि झिअ, मा ओळि पुअ सुख पाए।	४१४
बाया हातरे निआँ खपरा।	१९४
बासि पेज लागि चुटि धराधरि, झिअ लोडुथाए घिअ।	४६०
बाहापिआंकर रीती, बाहारे कहंति ढम बारबोडि घरे न जळइ बती।	४६०
ब्राह्मण घरे शूद्र कुणुआ।	२७६
बिनाश काळे बिपरीत बाणी, चाळरु मूषा पडि मारंति कहुणि।	६०८
बिभा सरिले वेदी मुँह पोडा।	२९६
बिराडि हातरे शुखुआ पोडा।	५६२
बिलेइ पड़िला अकडे, मूषा मारिला चापड़े।	९४
बिष्ठाकु घांटिले गंधेइब सिना बासिब नाहिं।	३६७
बुद्धि न आसे घरकु, बतेइ दिए परकु।	३७
बुलि बुलि खाइलि मासे, मो घर कुणिओ जण पचाशे।	२०४
बेंग पेटरे कण घिअ पचिब?	५३९
बेहिआ घरे अलाजुक कुणिआ।	२७०
बोहि जाउथाए सुअ मुँहरे पिंपुडि गातरे लागे।	७३
भण्डारि देखिले जंघरु नख कअँळे।	३१८

प्र. क्र.

भात थिले केते भातुआ आसन्ति। ५२७
भात ब्रिंचिले सहस्रे कुआ। ५२८
मढ जेउँठि शागुणा सेइठि। ५२८
मद घड़ा, काम सरिले गड़गड़ा। २९६
माड़खिआ महादेब, माड़ खाइले
बर देब। ४०८
मा डाहाणि हेले पुअ कु लुचेइब। ४५
माडुआ ठाकुर कु कहुणिआ पुजारी। ४०८
मारे हरि राखे किए, राखे हरि मारे
किए? ५७२
मुखे मधुमधु पेटे छुरी। ५९३
मूळरु माइप नाहिं, पुअ नाँ गोपाळिआ। ३१३
रजार भंडार फिटे, भंडारिर छाति फाटे। ४७९
रांधि न जाणि हांडिर दोष। ५०९
राम कथा कहि गोविन्दर शुणुछि। २३७
रूप सुंदर बिका जाए, गुण सुंदर
गडगडाऊ थाए। १५९
लुहा कोचटकु कमार कोचट। २७०
शुंढिर साक्षी माताल। ३३८
शिळ शिळपुआ गगने उड़ुछन्ति,
शिमिळि तुळा कहुछि मते रख। २२
संढ लढेइरे वेणा छिडुछि। ५५८

प्र. क्र.

समुद्र उछुळिले कि कुकुर जिभहला
छड़ि जाए? ३६७
सळख सुन्दर भेण्डिआटिए,
हातगोड नाहिं खण्डिआ टिए। ५१६
सारु भितरे मारु। ५९४
सिपेइरे नाँ लेखेइ लढेइकि डरिबा। ११७
सुता अडुआ तंती काढे। ३८६
सुना चिन्हे वणिआ, गुण चिन्हे
गुणिआ। ३८६
हडा वेदना कुआ न जाणे,
ठकठक करि ठेंगुरे हाणे। ३९६
हजारे गधरे बाछिले भल,
बजारे नुहन्ति घोडाकु तुल। २३२
हजिला गाई ब्राह्मणकु दान। १२३
हनुमान कु शंखे पणा। १६६
हाडि खाए कउडि, ढोल खाए माड। २२६
हाण्डिरे खाए, गोडरे पडिले गाधोइ
जाए। ४६०
हातरे नाहिं धन, रजा झिअकु मन। ४६०
हातीकु बरकोळि आधार। १६६
हाती गळिजाए, पिंपुडि न गळे। ७३
हाती चाले बजार, कुकुर भुके हजार। ५७५

तमिळ्

अंगांगु वैपोगमायिरुक्किरान्, इंगे
पार्त्ताल अरैक् काशु मुदलुम् इल्लै. ४६०
अंगेण्डी मगळे कंजिक्कु अळुकिराय्?
इंगे वंदाल् काट्रायप् परक्कलाम्. १३०
अक्करै माट्टुक्कुं इक्करै पच्चै. ४९०
अक्काडु वेट्टिप् परुत्ति विदैक्किरेन् अॆनराल्
अप्पा अॆनक्कोरू दुप्पट्टि अॆन्किरान्
पिळ्ळै. ३१३
अक्किरारत्तिल् पिरंदालुम्, नाय् वेदम्
अरियुमा? ३६७
अट्टैयै ॲॆडुत्तु मॆत्तैयिल् वैत्तालुम् सॆत्तैयैये
नाडुम्. ३६७
अडंगाद मणैवियुम् आंगार पुरुसनुम्. २७०
अडत्तेरियाद तेवडियाकुक्कु तॆरु कोणल्. ५१०
अडि नक्किल् नंजु, नुनि नक्किल्
अमिळ्दम्. ५९४
अण्ड निल्लिल्लामर् पोनालुम् पेर्
आलमरम्. ८३
अण्णामलैयारुक्कु अरुपत्तुनालु पूसै,
आण्डिकळुक्कु अॆळुपत्तुनालु पूसै, १५९

पृ. क्र.

अण्णामलैयार् अरुलुण्डानाल् मन्नारसामि मयिरैप् पिडुंगुमा ? ५७२
अणै कडंद वेळ्ळम् अळुदालुम् वरुमा ? ६७
अत्तैक्कु मीशै मुळैत्ताल् शिट्रप्पा अेन्-कलाम्. २९१
अत्तैवायन् तेडक् कर्पूरवायन् तिन्न. २२६
अन्न नडै नडकप्पोयूत् तन् नडैयुम् केट्टाट्रपोल्. ५५४
अन्नप्पालुक्कुच् सिंगियडित्तवळ् आविन् पालुक्कुच् सर्क्करै तेडुगिराळ्. ४६१
अन्नम् इट्टार् वीट्टील् कन्नम् इडलामा ? २८४
अन्रु कुडिक्कत् तण्णीरिल्लै, आनै मेल् अम्बारि वेणुमाम्. ४६१
अप्पन सोर्रुक्कु अळुकिरान्, पिळ्ळै कुम्बकोणत्तिल् गोदानम् सेयकिरान्. १५९
अम्मियुम् कुळवियुम् आगायत्तिल् पर्क्कच्चे, अेच्चिट्र कल्लै अेनक्कु अेन्न बुद्दी अेनराट्रपोलं. २२
अम्मैयार् पेरुकिर्दु अरैक्कासु तलै शिरैक्किरदु मुक्काट्र काशु. ४७४
अरचै अरम् कोण्डुम् वयिस्तै वयिरम् कोण्डुम् अरुक्क वेण्डुम्. ३७९
अर्त्तै अरम् अरुक्कुम्, वयिर्त्तै वयिर्म अरुक्कुम्. ३७९
अर्पनुक्कु पविषु वन्दाल्, अर्धरात्रियिल् कुडै पिडिप्पान्. १००
अरि अेनराल अण्डिक्कुक् कोपम्, अर अेनराल, दादनुक्कुक् कोपम्. १३९
अरिसिप् पोदियुडन् तिरुवारुर्. १९९
अरुक्कमाट्टादवन् अरैयिल् ऐंबत्तेट्टु अरिवाळ्. ४६०
अरुप्पु काळत्तिल् अेलिक्कुम् ऐंदु पेण्जादि. ५२८
अरैक्किनुम् संदनम् अदन् मणम् अरादु. ३६८
अरै कुडम् तळुंबुम्. ११
अल्लादवन् वायिल् कळ्ळै वार्. १९४

पृ. क्र.

अवन् तोत्ति उरवाडित् तोलुक्कु मन्राडुकिरान्. ५९४
अवरवर अक्करैक्कु अवरवरे पाडुपडुवार. ५१
अवसारिपोगवुम् आशै इरुक्किरदु, अडिप्पान अेन्रु भयमुम् इरुक्किरदु. ११८
आगातियकारनुक्कुप् पिरभगत्तिकारन् साक्षिया ? ३३८
आगायत्तिलं पर्क्क उपदेशिप्पेन्, अेन्नैत् तुक्कि आरु (ट्रु) क्कु अप्पाल् विडु अेन्किरान् गुरु. ४६१
आट्टुक्कुट्टियैत् तोळिले वैत्तुत् काडेंगुम् तेडिन् कदै. ५४४
आट्रिले पोकिर् तण्णीरै अप्पा कुडि, अम्मा कुडि. ४९८
आट्रैक् कडंदाल ओडक्कारनुक्कु ओरु सोट्टु. २९६
आडप् पाडत् तेरियादु इरण्डु पंगु उण्डु. २४५
आडमाटाद तेवडियाळ् कूडम् पोदादु अेन्राळ्. ५१०
आडि कट्रिले अम्मि पर्क्कच्चे इलवम् पंजुक्कु एंगे गदि ? २३
आडु अरियुमो अंगाडि वाणिपम्. ३८६
आडु काट्रपणम् वाल् मुक्कार्पणम्. ६००
आण्डिक्कु इडच्शोन्नाल् दादनुक्कु इड्चशोल्लु किरान्. २३७
आण्डैमेट्र कोपम् कडाविन्मेल् आरिनान्. ९४
आण्मैयट्र वीरन् आयुदत्तिन्मेल् कुरैशोल्लुवान्. ५१०
आनै इलैक्कार् पूनै पोरिक्करि १५९
आनै पसिक्कु सोळप् पोरि तांगुमा ? १६६
आनैयैत् तण्णीरिल् इळुक्किर मुदलै, पूनैयैत् तरैयिल् इळुक्कुमा. ५६
आमुडैयान् सेत्तु अवदिपडुकिर्पोदु, अण्डैवीट्टुक् कारन् वंदु अक्कुळिल् कुत्तिनानाम्. २५४

पृ. क्र.

आमैयुडने मुयल् मुट्टैयिट्ट पोयक् कण्पिडुंगिच् सेत्तदाम्. ३८६
आयक्कारनुक्कुप् पिरमगत्तिक्कारन् साक्षि. ३३८
आयिरम् शोन्नालुम् अवशारि समुशारियागाळ्. ३६८
आरु कडक्किर् वरैयिल् अण्णन् तम्बि, अप्पुरम् नी यार? नानार? २९६
आरु कादम् अेन्किरपोदे कोवणत्तै अविळ्प्पानेन्? ३१३
आरु निरैयप् पोनालुम् नाय्क्कु नक्कुत् तण्णीर्. ३६८
आल् पळुत्ताल् अंगे अरशु पळुत्ताल् इंगे. ५२८
आलै इल्लाद ऊरिले इलुप्पैप्पूच् सर्करै. ४
आळाक्कु अरिशि मूळाक्कुप्पानै मुदलियार् वरुगिर् वीराप्पैप् पारुम्. १००
आळान् आट्कळुक्कु अविळ अगप्पडाक् कालत्तिले काका पिशाशु कंझिक्कु अळुगिरदु. २२
आळै पार्त्ताल् अळगु पोल वेलैयै पार्त्ताल अेलवु पोल. ५१६
इडं कुडुत्ताल् मडं पिडुंगुवान्. ११३
इमैक् कुट्रम् कण्णुक्कुत् तेरियादु. ४५
इरंबुक्कुट्टियैक काट्रडिक्किरपोदु इलवंपंजु अेनक्कु अेन्न बुदि अेन्किरदाम्, २२
इरवर् सीलैयै नम्बि इडुप्पुक् कन्दैयै एरिन्दाळाम्. २८
इराजन् शेंगोल तन् नाडुवरैयिल्. ५८६
इरुट्टु वीट्टुक्कुळ् पोनाल् तिरुट्टुक्कै निर् (ट्र) कुमा? ३६८
इरुप्पुक् कदवु इडित्तुत् तविट्टुक् कोळुक्कट्टै अेडुक्किरदा? ५४९
इरैच्चि तिन्किरवर् कडुप्पुक्कु मरुंदु अरिवार्. ३९६
इळै तिन्नि काय् अरियान्. ५३९
इळमैयिल् पळक्कम् अेप्पोदुम् मरवादु. ३६८

पृ. क्र.

उगमुडिय मळै पेय्तालुम् ओट्टांगिळिञ्जिल् पयिर् आगुमा? ३३४
उडैयार् वीट्टु मोरुक्कु अगप्पैक् कणक्कु अेन्न? ४९८
उडैवनिर् कैप्पट्रिनवन् मिडुक्कन्. १४५, १६०
ऊण् अट्रपोदे उरवु अट्रुप्पोम्. ५२८
उण्ण वा अेन्राल् कुत्त वरुगिराय्. २८४
उदट्टिले उरवुम् उळ्ळे पकैयुम्. ५९४
उप्पुत् तिनरवन् तण्णीरैक् कुडिप्पान्. ३९६
उप्पु वाणिगन् अरिवाना कर्पूर् विलै? ३८६
ऊमैक्कु उळरुवायन् उर् (ट्र) पादपिंडम्. ४
ऊमैक्कु शोत्तुवायन् उयर्न्द वायच् सालकन्। ४
ऊमैयुम् ऊमैयुम मूक्कैच् शोरिदाट्रपोल्. ३७
उयिरोडु ओरु मुत्तम् तरादवळ् शेत्ताल् उडनकट्टै अेरुवाळा? ४०२
उयिरोडु तिरुंबिप् पारादवर् शेत्ताल् मुत्तम् कोडुप्पारा? ४०२
उरल् पोय् मत्तळतोडे मुरैयिट्टदुपोल्. २०४
उरलिले तलैयै माट्टिक्कोण्डु उलक्कैक्कुप् पयप्पट्टाल् तीरुमा? ११८
उरवुपोल् इरुंदु कुळविपोलक् कोट्टुगिरदा? ५९४
उरियिले तयिर् इरुक्क ऊर् अेंगुम् पोना (ट्र) पोल्. ५४४
उरियिले वेण्णैच् इरुक्क, नेय्क्कु अलैवानेन्? २८
उळुकिर् कालत्तिल् ऊर् सुर्रिविट्टु अरुकिर कालत्तिल् अरुवाळ् अेडुत्तुक कोण्डु पुरप्पट्टाळ्. २४५
उळ्ळवन् पिळ्ळै उप्पोडु उण्णुम् इल्लादवन् पिळ्ळै शर्क्करैयोडु उण्णुम्. १६०
उळ्ळुर् मरुमगनुम् उळुगिर कूडावुम् शरि. ३०५
ऊर् कूडिच् चेक्कुन्नळ्ळ, वाणियन् अेण्णेय् कोण्डुपोळ। २२६

	पृ. क्र.
ऊरक्कुरुविमेल् रामबाणम् तॊडुगिरदा !	३२१
ऊरार् ऎरुमै पाल् करक्किरदु नीयुम ऊददु नानुम उण्णुगिरेन्.	४९८
ऊरिलै कल्याणम् मार्पिले चंदनम्.	३२७
ऊरुक्कोरु तेवडियाळ् यारुक्केन्रु आडुवाळ्.	१७०
ऊरॆंगुम् पेर् वीडु पट्टिनि.	४६१
ऊरॊच्चम् वीडु पट्टिनि.	४६१
ऊशि पोगिरदु कणक्कुप् पार्प्पान् पूशनिक्काय् पोगिरदु तॆरियादु.	७३
ऎट्टार् पू देवरुक्कु एट्टम् पू तंगळुक्कु.	१२३
ऎट्टिक्कु पाल् वार्तालुम् तित्तिप्पु उण्डाकादु.	३६८
ऎट्टिमरमानालुम् वैत्तवरुक्कुप् पक्षम्.	४५
ऎट्टुक् किळवरुम् ओरु मोट्टैक् किळवियैक् कट्टिक् कोण्डारूकळ.	२७०
ऎडुक्किरदु पिच्चै ऎरुकिरदु पल्लक्कु.	४६१
ऎडुप्पारुम् पिडिप्पारुम् उण्डानाल् इळैप्पुम् तविप्पुम् उण्डु.	२१८
ऎण्णप्पट्ट कुदिरै ऎल्लाम मण्णैप् पोट्टुक् कोळ्ळ, तट्टुवाणिक् कुदिरै वंदु कोळ्ळुक्कु अळुगिरदाम.	२२
ऎत्तनै पुडम् इट्टालुम इरुंबु पत्तुपोन् आगादु.	३६८
ऎन्नमायच्च् शोल्लि इदमाय् उरैत्तालुम् कळुदैक्कु उपदेशम् कादिल् एरादु.	३३४
ऎयूतवन् इरुक्क अंबै नोवानेन ?	१८२
ऎरुंबु ऊर इडंकोडुत्ताल ऎरुदुम् पोदियुम् उळ्ळे शॆल्लुवान्.	११३
ऎरुंबु ऎडुत्तुप् पोंवतर् (इ) कुत् तडि ऎडुत्त निरंकिरदु, पेरिय पूशनिक्काय् पोगिरदु तॆरियादा ?	७३
ऎरुदुक्कुम् तन् पुण् अळरशि काक्कैक्कुम् तन् पशि अळरशि	२५४
ऎरुदु नोय् काक्कैक्कु तॆरियुमा ?	३९६
ऎरुदिन् पुण्णिट्कुच् शांबल मरुंदु	४०८
ऎरुमै माट्टिन्मेल् मळै पेयूतदुपोल्.	३३४
ऎरुमै वांगुमुन् नेयूविलै कुरुगिराय्.	३१४
ऎलिक्कु तुणैयाकप् पूनैयै अनुप्पलामा.	५६२
ऎलिक्कुप् पिराणावस्तै पूनैक्कुक् कोण्डाट्टम्.	२५४
ऎलि वीडु कट्टप् पांबु कुडिकोळ्ळुम्.	२२६
ऎलि वेट्टैक्कुत् तविल् अडिप्पारा ?	२५०
ऎलुंबु कडिक्किर् नायूक्कुप् परुप्पुच्चोरु ?	५३९
ऎलुत्तान् कायुदु ऎलिपुरुकै एमकायदु ?	५५४
एरकवे मामि पेयूक्कोलम् अदिलुम् कोंजम् माक्कोलम्.	१९४
एरच् सोन्नाल् ऎरुदुक्कु कोपम्, इरंगच् सोन्नाल् नोण्डिक्कु कोपम्.	१३९
एरि उडैकिरतरुकुमुन्ने अणै पोडवेण्डुम्.	६७
ऐगादम् इट्ट कारम् इट्टालुम् तन् नाट्रम् पोगादाम् पेयूच्चुरैक्कायूक्कु.	३६८
ऐयर् कदिर्पोल अम्माळ् कुदिर्पोल.	२७७
ओनर् वंद पिडारि ऊरप् पिडारियै ओट्टिनदुपोल्.	११३
ओनरान पिरबु उरंगि किडैक्कैयिल् पिच्चैक्कु वंदवन् तत्तियोतनतिरकु अळुगिरानाम्.	२२
ओय्यारक्कोण्डैयाम् ताळंबुवाम् उळ्ळे मेयुमाम् ईरुम् पेनुम्.	४६१
ओरु कै तट्टिनाल् ओशै ऎलुंबुमा ?	२०१
ओरु पेण् ऎन्रु ऊट्टि वळर्त्ताळ्, अदुं ऊर् मेले पोच्युदु.	१७
ओरु विरल् नोडि इरादु.	२०१
ओडम् वण्डियिलुम् वण्डि ओडत्तिलुम् काणवुम् पडुम्.	२१५
ओडम् विट्टु इरगिनाल् ओडक्कारनुक्कु ओरु शोट्टु.	२९६
ओरक्कण्णनैप् पळिक्किरान् ओट्टैकण्णन्.	३७
कडल् ताण्ड आशै उण्डु, कालूवाय् ताण्डक् काल् इल्लै.	४६१
कडलिल् इट्ट पेरुंकायम.	१६६

प्र. क्र.

कडलिल् करैत्त पुळि. १६६

कडावुम् कडावुम् शण्डै पोडुगिर्पोदु उण्णि नशुंगि नाय्पोल. ५५९

कडुगु पोगिर् इडत्तिल तडि एडुत्तुक् — कोण्डु तिरिवान् पूशनिक्काय् पोगिर् इडम् तेरियादु. ७४

कडुगु पोन इडम् आरायुवार्, पूसनिक्काय् पोन इडम् तेरियादु. ७४

कण्डरियादवन् पेण्डु पडैत्ताल् काडु मेडु अेल्लाम् इळुत्तुत् तिरिवानाम्. १००

कत्तरिक्काय् शोत्तै अेन्राल् अरिवाळ् मणैक् कुट्रम् अेन्किराळ् १८३, ५१०

कनरुकळाय्क कूडिक् कळै परिक्कप् पोनाल् वैक्कोल् आगुमा शोत्तै आगुमा ? ५६२

कनविलुम् काक्कैक्कु मलम् तिन्किर्दे निनैवु. ३४१

कन्नान् नडमाडक् कुयवन् कुडिपोवान्. ५५४

करडियाल् तुरत्तपट्टवनुक्कुक् कंचळि क्कारनैक् कण्डाट्र बयम. ४८६

करुंबुक्कुट्टिक्कु अेरुंबुताने वरुम् ? ५२८

करुंबैक् कळुदैसुन् पोट्टाल् कळुदैक्कुत् तेरियुमो करुंबु रुशि ? ५३९

करैयान् पुट्रुप् पांबुक्कु उदवुगिर्दु. २२६

कलक्कंदै कट्टिक् काणप् पोनाल् इरुकलक् कंदै कट्टि अेदिर् वंदाळ्. २०४

कळम् शारुगिर्वळै मिरट्टुवानाम् पोर् पिडुंगुगिर्वन्. १४५

कळुदै अरियुमो कन्दप् पोडि वासनै ? ५३९

कळुदैक्कुत् तेरियुमो कस्तुरि वासनै ? ५३९

कळुदैक्कु तेरियुमो कर्पूरवासनै ? ५३९

कळुत्तिले करिमणि इल्लै, पेयर् मुत्तुमाले. ८४

कळ्ळन् बुद्धि तिरुट्टु मेले । ३४१

कळ्ळनुक्कु तेरियुम् तिरुट्टुबुद्धि. ३४४

कळ्ळनै कावल् वयित्तल्. ५६२

कळुदै तप्पिनाल् कुट्टिच्चुवरिडत्तिल इरुक्कुम्. ५८७

प्र. क्र.

काक्कैक्कु तन् कुंजु पोन् कुंजु. ४५

काक्कैयैक् कण्डु अंजुवाळ् करडियैप् पिडित्तुक् कट्टुवाळ्. ४६१

काट्टिल् आनैयैक् काट्टि वीट्टिल् पेण्णैक् कोडुक्किरदा ? ४९९

काणम् अेन्राल् वायैत् तिरक्किर्दु, कडिवाळम् अेन्राल् वायै मूडिक् कोळ्ळुकिरदु. २४५

कायूत्त मरम् वळैंदु निर्कुम् नर्कुणम् उडैयवर् तणिंदु निर्पार्. १०१

कार् काशुप् पूनै मुक्कार् काशुप् तयिरैक् कुडित्तदु. ४७४

कारियत्तुक्कुक् कळुदैयिन कालैप् पिडि. ६०५

कारियमाकुमट्टुम् कालैप् पिडि, कारियमान पिरगु कुडुमियैप् पिडि. २९६

कावडिप् बारम् सुमक्किर्वनुक्कुत् तेरियुम्. ३९७

कावेरि कंजियायूप् पोनालुम् नाय् नक्कित्तान् कुडिक्क वेण्डुम्. ३६९

काशियिल् इरुक्किर्वन् कण्णैक् कुत्तक् कांझिपूर त्तिलिरुंदु कैयै नीट्टिक् कोण्डु पोगिर्दा ? ३१४

काशु कोडुत्ताल् वेशि वरुवाळ्, कल नेल्लैक् कोडुत्ताल् अवळ् अक्काळुम् आत्ताळुम् कूड वरुवारकळ. ५२८

काशुक्कु ओरु पुडैवै विट्रालुम् नायिन् शूत्तु अम्मणम्. २६८

किट्ट वा नाये अेनराल् मूंझियै नक्कुगिर्दु १७

किडक्किर्दु कुट्टिच्चुशवर् कनाक् काण्किर्दु मच्चुवीडु. ४६२

किणट्रुक्कुत् तप्पित् तीयिले पाय्दान्. १३०

किणरु तप्पित् तुरविल् विळ्लामा ? १३१

कुडि इल्ला ऊरुक्कु नरि इराजन्. ५

कुडिक्किर्दु कूळाम् इरुकिर्दु शिंगाशनमाम्. ४६२

प्र. क्र.

कुडिक्किर्दु कूळाम् कोप्पलिक्किर्दु पन्नीराम्. ४६२
कुत्ति वडित्तालुम् शंबा कुप्पैयिले पोट्टालुम् तंगम्. ३६९
कुदुरैक्कु वाल् इरुन्दाल् कुण्डिमट्टिलुम्. ५८७
कुप्पैयिर् पुदैत्तालुम् कुन्रिमणि निर्म् पोगादु. ३६९
कुरंगिन् कैप् पूमालै. ५३९
कुरंगिन् कैयिल् कोळ्ळि अगपट्ट. १९४
कुरंगु कळ्ळुम् कुडित्तु, तेळुम् कोट्टिनाल् अन्न गदि आगुम्. १९४
कुरंगु कळ्ळुम् कुडित्तु, पेयुम् पिडित्तु, तेळम् कोडिनाल् अन्न गदिआगुम्. १९४
कुरंगुक्कुम् तन्कुट्टि पोन्कुट्टि. ४५
कुरत्ति पिळ्ळै पेट्राल् कुरवन् कायम् तिन्पान्. ४८२
कुरुडन् पेण्डाट्टि कूत्तोडु उरवाडिनाळ्. २७०
कुरुडनुम् सेविडनुम् कूत्तु पार्कप् पोच्, कुरुडन् कूत्तैप् पळित्तान्, सेविडन् पाट्टै पळित्तान्। २७०
कुरै कुडम् तळंबुम् निरै कुडम् तळंबादु. ११
कुरुत्तैक् केडुत्त कोडालिक्कांबु. ३७९
कुलैक्किर नाय् कडिक्क अरियादु ३०१
कुळन्दै पालुकळ कोलुनन् पुणर्दर्कळैक्क. १३९
कूडक् कुडि इरुंदुकोण्डु कोळळि शोरुगलामा ? २८५
कूण्डिले कुरुणि नेल् इरुंदाल् मूलैयिले मुक्कुरुणित् देयवम् कूत्ताडुम्. ५२८
कूरैमेले शोरु पोट्टाल् आयिरुम् काकम् वरुम्. ५२८
केट्ट कुडिक्कु ओरु दुशटप् पिळ्ळै. १९४
केट्टुप्पोगिर् कालम् वंदाल दुषटबुद्दि तोन्रादा ? ६०८
केडुमदि कण्णुक्कुत् तोन्रादु. ३७
केरडि कट्रवन् इडरि विलुंदाल् अदुवुम् ओरु वरिशै अनपान्. १२६

प्र. क्र.

कै पोरुळट्राल् कट्टिनवळुम् पाराळ्. ५२८
कैप्पळत्तैक् कोडुत्तुत् तुरट्टिप् पळत्तुक्कु अण्णांदु निर्पानेन् ? २८
कैयार् किळिक्कुम् पनंगिळ गिर्क्कु आप्पुम् क्कुट्रियुम् अन्ना ? ३२१
कैयार् किळ्ळि अरियुम् वेलैक्कुक् कनत्त कोडालि वेण्डुमो ? ३२१
कैयिर् परवैये विट्टुक् काट्टुप् परवैक्कुक् कण्णि वैक्कलामा ? २८
कैयिल् वेण्णेय् इरुक्क नेय्क्कु अलैवानेन्. २८
कैयिले सेपमालै कक्कत्तिले कन्नक्कोल्. ५९४
कोक्कुक्कुत् तेरियुमा कोळिक्कुंजैक् कोण्डुपोग ? ३८६
कोंजिक कूत्ताडि नडंदालुंग् कुदिरैयामो कलुदै ? ५५४
कोट्टिक्किळगु वेट्टुगिर्अळुक्कुक् कोयिलिल् वंदु आडत् तेरियुमा ? ३८६
कोळ् अनराल् वायैत तिराक्किर्दु, कडिवाळम् अनराल् वायै मूडुगिरदा ? २४५
कोडालिक्कांबु कुलत्तुक्कु ईनम्. ३७९
कोडिक्कु काय् कनत्तिरुक्कुमा ? ८७
कोळि अडिक्किरतर्कुक् कुरंदडि वेण्डुमा ? २१
कोळि मिदित्तुक् कुंजु सुडम् आगुमा ? ८७
कोळि मुडत्तुक्कुक् कडा वेट्टिप्बलि इट्टदुपोल्. ४७४
गंगैयिले पिरंद नत्तै शालक्किरामम् आगादु ३६९
गंगैयिले मुळैत्तालुम् पेय्च्चुरै नल्लुरै आमा ? ३६९
गंगैयिल् मूळगिनालुम् काक्कै अन्नम् आगुमा ? ३६९
चन्दिरनैप् पात्तु नाय् कुरैत्तावदेन्न ? ५७५
(च) शप्पणिक्कु नोण्डि शण्डप्पिरशण्डम्. ५
(च) शरुक्करै तिन्रु पित्तम् पोनाल्, कैप्पु मरुंदु एन्न तिन्नवेण्डुम्. ३२१
(चि) शिरुक्कि शिन्नप पणम् शिरुक्कि कोण्डै मूनरु पणम्. ४७५

पृ. क्र.

(चि) शिट्रुणर्वोर् ॲनरुम् शिलुशिलुप्पर्. १२
(चु) शुक्कुक् कण्ड इडत्तिल् पिळ्ळै पेट्रुच्च सुरिथ नारायणन् ॲनरु पेयर् इडुवाळ्. ३१४
(चु) शुण्डैक्काय् कार् पणम् शुमैकूलि मुक्कार् पणम् ४७५
पाठभेद – (चु) सुण्डक्काय काल्पणम्, सुमक्कूलि मुक्काप्पणम्. ४७५
(चे) शेत्त आडु कार्पणम् शुमैकूलि मुक्कार् पणम्. ४७५
(चें) शैंबु कोय्यच् शिट्रिवाळ् एन्न ! ३२१
ञानमुम् कल्वियुम् नाऴि अरिशियिले. ५२१
तंगम् तरैयिले, ओरु काशु नार्त्तंगाय उरियिले. १६०
तंगम् पुडत्तिल् वैक्कपट्टालुम् तन् निरम् पोगादु. ३६९
तंगमुडि शूट्टिनालुम् तंगळ् गुणम् विडार् कशडर्. ३६९
तंबि काल् नडैयिले पेच्युप् पल्लक्किले. ४६२
तगप्पन् तेडक् कर्त्तन्, पिळ्ळै अऴिक्कक् कर्त्तन्. २२७
तडविप् पिडिक्क कै इल्लै, अवन् पेयर् शौगारियम् पेरुमाळ्. ८४
तडविप् पिडिक्क मयिर् इल्लै अवळ् पेयर् कूंदलळगि. ८४
तन् ऊरुक्कुप् अन्नम् पिर् ऊरुक्कुक् काकम्. ५६
तन् ऊरुक्कु आनै अयलूरुक्कुप् पूनै. ५६
तन् ऊरुक्कुक् काळै अयल् ऊरुक्कुप् पूनै. ५६
तन् कुट्रम् पार्प्पवर् इंगु इल्लै. ३७
तन् वायाले तान् केट्टदाम् आमै. ३७९
तनक्कुच् संदेगम् अडैप्पैक्कारनुक्कु इरट्टैप्पडियाम्. ४६२
तनक्कुप् पिरंदपिळ्ळै तविट्टुक्कु अलुगिरदाम् ऊरार् पिळ्ळैक्कुक् कूट्टुक् कलियाणम् शेय्गिरानाम्. ४६२

पृ. क्र.

तनुक्कु मूक्कुप् पोनालुम् ॲदिरुक्कुच् शंगुनप्पिळै वेण्डुम्. ६०
तन् कैय्ये तनक्कु उदवि. ५१
तन्दै एव्वऴि तनयन् अव्वऴि. ४१५
तन् निलत्तिल् इरुंदाल मुयल् तंदियिलुम् वलिदु. ५६
तन्नैप् पुगळाद व म्मालनुम् इल्लै. ४५
तन्नैप् पेट्रवळ् कोडुम् पावि, पेण्णैप् पेट्रवळ् मगराजि. ३०५
तन् पणम् शेल्ला विट्टाल दादनैक् कर्ट्ट अडिक्किरदु. ९४
तलै इडियुम् काय्च्चलुम् तनक्कु वंदाल् तेरियुम्. ३९७
तलैमुरै तलैमुरैयाय् मोट्टै, अवळ् पेयर् कूंदलळगि. ८४
ताट्टोट्टक्कारनुक्कुत् तयिरुम् शोरुम् कूट्टाट्टक्कारनुक्कुक् कूऴुम् तण्णीरुम्. १६०
ताट्टोट्टक्कारनुक्कुत् तयिरुम् शोरुम्, विशुवाशक्कारनुक्कु वेन्निरुम् परुक्कैयुम्. १६०
तान् तेडाप् पोन्नुक्कु माट्रुम् इल्लै उरैयुम् इल्लै. ५१
तान् पोगिर् कारियत्तुक्कु आट्पोनाल् ॲरु शोट्टु. ५१
तान् शेत्तपिन् उलगम् कविळंदु ॲन्न निर्मिरंदु ॲन्न ! ९०
तायैप्पोर् मकळ नुलैप्पोर् शीलै. ४१५
तिरुडनुक्कुत् तिरुट्टुप बुद्धि पोगादु. ३६९
तिरुडनुक्कु तोन्रुम् कळ्ळ बुद्धि. ३४१
तिरुट्टुप् पयल् कलियाणत्तिल् मुडिच्चु अविळ्क्किर् पयल् पेरियतनम्. २७०
तिरुट्टुप् पयलुक्कुत् तिरट्टुप्पालुम् शोरुम् विशुवाशक्कारनुक्कु वेन्नीरुम् परुक्कैयुम्. १६०
तीप्पट्ट वीट्टिले करिक्कटै पंजमा ! २५९

	पृ. क्र.
तुण्डरकारनुवक्कुक् कण् अंगे मिदप्पिल् अल्लवो ?	३४१
तुरुंबु नुळैय इडम् इरुंदाल् आनैयैक् कट्टवान्.	११३
तूक्कलूरिलुम् कलियाणम्, तुडियलूरिलुम् कलियाणम् नाय अंगे ओडियुम् केट्टदु, इंगे ओडियुम् केट्टदु.	१०८
तेंगाय् तिन्रवन् तिन्नक् कोंबै शुप्पिनवन् देण्डम् इरुक्किरदा ?	१८३
तेन् उल्ल इडत्तिल् ई मोयक्कुम्.	५२९
तेन् ओलुकप्पेशित् तेरुक् कडक्क वाळांविडुवान्.	५९४
तेन् मुण्डानाल् ई तेडि वरुम्.	५२९
तेन् वारत्तु वळर्त्तालुम् कांजिरम् तेंगु आगुमो ?	३७०
तेयंदालुम् शंदनक्कट्टै मणम् पोगादु.	३६९
तेळ् कोट्टप् पांबुक्कु मंदिरिक्किरदा ?	४८२
तेळ् नेरुप्पिल विळुंदाल्, अेडुत्तुविट्टनैक् कोट्टुम्.	२८५
तोट्टप् पाय् मुडैकिरवनुक्कुत् तूंगप् पाय् इल्लै.	२६०
तोट्टम् मुच्चाण् शुरैक्काय् अरुशाण्.	६००
तांट्टिर् पळक्कम् सुडुकाडु मट्टुम्.	३७०
तोळेल् इरुंदु शेवियैक् कडिक्किरदा ?	२८५
दाडि पाट्रिक् कोण्डु अेरियुम पोदु सुरुट्टक्कु नेरुप्पुळ केट्टानाम्.	२५४
दिनवु अेडुत्तवन् शोरिंदु कोळ्ळवेण्डुम्. पाठभेद – तिनवेडुत्तवन् सोरन्दु कोळ्वान्.	३९७
दूरत्तुप् पच्चै कण्णुक्कुक् कुळिच्चि.	४९०
नगत्तले किळ्ळुवदैक् कोडरिकोण्डु वेट्टुगिरदा ?	३२१
नण्डैच शुट्टु नरियैक् कावल् वैत्तदुपोल.	५६२
नत्त वाळैयिलै नित्तम् काट्रपणम्.	३०६
नरिक्कुप् पेरियतनम् कोडुत्ताल् किडैक्कु इरण्डु आडु केक्कुम्.	१०१
नरियिन् कैयिले कुडल् कळुवक् कोडुक्किरदा ?	५६२
नल्लपांबु आडियदु कण्डु नागप्पुच्चि आडियदुपोल.	५५४
नाट् शेनर् कोडै नडैक्लि आगुम्.	४०२
नायक्कुत् तेरियुमो तोल् तेंगाय् ?	५३९
नायक्कु नरुनेय् इणंगादु.	५३९
नाय् वालैक् कुणक्कु अेडुक्कलामा ?	३७०
नाय् समुद्दिरत्तिले पोनालुम् नक्कुत् तण्णीर्.	३७०
नायुम् तन् निलत्तुक्कु राजा.	५६
नायैक् कुळिप्पाट्टि नडुवीट्टिल् वैत्ताल् वालैक् कुळैत्तुक् कोण्डु पी तिन्नप् पोगुम्.	३७०
नायैक् कोंजिनाल् वायै नक्कुम्.	१७
नाळेक्कुत् तिन्गिर् पलाप्पळत्तिलुम् इन्रैक्कुत् तिन्गिर् कलाप्पळम् नल्लदु	२८
निनर् मरत्तिल नेड्डु मरम् पोनाल् निर्कुम् मरमे नेड्डु मरम्.	५
नुळैयन् अरिवाना रत्तिनत्तिन पेरुमै ?	२८७, ५४०
नेरुप्पु आरुम् मयिर्प् पालमुम्.	२७७
नोंद कण् इरुक्क नोकाक् कण्णुक्कु मरुंदु.	४८२
नोण्डिक् कुदिरैक्कुच् शरुक्किनदु शाक्कु.	५१०
नोयाळिक्कुत् तेरियुम् नोयिन् वरुत्तम्.	३९७
पंजै पणिगारम् शुट्टदुम्, वींगल् विशारप्पट्टदुम्.	२२७
पंदियिले वेण्डाम् अेन्राल् इह्लै पोत्तल् अेन्किराय्.	५८१
पकिडिक्कुप् पत्तुक् काशु तिरुप्पाटुक्कु ओरु काशु.	१६०
पच्चै नेल्लुक्कुप् परैयनिडत्तिर् शेविक्कलाम्.	६०५
पडिक्करदु तिरुवाचकम् इडिकिरदु शिवंकोयिल्.	५९४

	पृ. क्र.
पण्डारम् पिण्डत्तुक्कु अऴुगिरान्, लिंगम् पाल् शोट्रुक्कु अऴुगिरदु.	२३
पन्दिक्कु मुन्द वेण्डुम्, पडैक्कुप् पिन्द वेण्डुम्.	२४५
पन्नक्कारन् पेण्डिल् पणियक् किडंदु शेत्ताळाम्.	२६०
परंगिक् काय् अलुकलैप् पसुवुक्कुप् पोडु, पसुवुम् तिन्नविट्टाल् पाप्पानुक्कु कोडु.	१२३
परुत्तिक्काडु उऴुगिरतरकु मुन्ने पोम्मनुक्कु एऴु मुळम् तिम्मनुक्कु एऴु मुळम्.	३१४
परैच्चि पिळ्ळैयैप् पळ्ळिक्कु वैत्तालुम् पेच्चिले 'अय्ये' अेन्नुमाम्.	३७०
परैयै पळिक्कु वैत्तालुम् दुरैप्पेच्चुप् पोमा ?	३७०
पळ्ळिक् कुप्पत्तुक्कु अंबट्ट वाद्दियार्.	२७०
पऴिक्कु आनोर् शिलर् पऴि पडुवोर् शिलर्.	१८३
पांबु कडिक्कत् तेळुक्कुप् पार्क्किरदो ?	४८२
पांबुक्कुप् पाल् वार्त्तु वळर्त्तालुम् विशत्तैक् कोडुक्कुम्.	२८५
पानैयिले पदक्कु नेल् इरुंदाल् मूलैयिले मुक्कुरुणि देयवम् कूत्ताडुम्.	५२९
पाम्बिन् काल् पाम्बु अरियुम्.	३४४
पशि तीर्ददानाल पाट्टु इन्पमाम्.	५२१
पावम् ओरु पक्कम् पक्कि ओरु पक्कम्.	१८३
पाळ ऊरुक्कु नरि राजा.	५
पाळायप् पोगिरदु पशुविन् वायिले.	१२३
पिन्नाले वरुम् पलाक्कायिनुम्, मुन्नाले वरुम् कळाक्काय् नल्लम्.	२८
पिरंद पिळ्ळै पिडि शोट्रिरकु अऴुगिरदु, पिरक्कप् पोगिर पिळ्ळैक्कुल् दण्डै शदंगै तेडुगिरार्कळाम्.	१६०
पिळ्ळै इल्ला वीट्टिल्, किऴवन् तुळ्ळि विळैयाडुगिरानाम्.	५
पिळ्ळैक्कु विळैयाट्टुच् शुण्डेलिक्कुप् पिराण संगटम्.	२५५
पिळ्ळैवरुत्तम् पेट्रूवळुक्कुत् तेरियुम् मट्रवळुक्कुत् तेरियुमा ?	३९७
पुदुप् पानैक्कु ई शेरादु.	५२९
पट्टुक् कोट्टैक्कु वऴि अेंगे अेन्राल, कोट्टैप्पाक्कु विलै नुट्रैबदु अेन्करान्.	२३७
पुदुमैक्कु वण्णान् परै तट्टि वेळुत्तान्	५०६
पुलियैप् पार्त्तुप् पूनै सूडिट्टुक् कोण्ड.	५५४
पूकळ् मंगैयाम् पोर्कोडियाम् पोन इडम् अेल्लाम शेरुप्पडियाम्.	८४
पेट्र ताय् पशित्तिरुक्कप् पिरामण पोजनम् शेयददु पोल.	१६०
पेच्चुक् कट्र नाय् वेट्टैक्कु आगादु.	३०१
पेर गङ्गाभवानि, दाब (ह) त्तिक्कुं तण्णीर् किडेयादु.	८४
पुंट्टैक्कण्णन् राज्यत्तिले ओत्तैकण्णन् राजा.	५
पोर् कलम् ओलिक्कादु वेण् कलम् ओलिक्कुम्.	१२
पोरैक् कट्टिवैत्तुप् पोट्टुप् पिच्चैक्कुप् पोवानेन् ?	२८
बुद्दि केट्ट राजावुक्कु मदि केट्ट मंदिरि.	२७०
भूलोवुमुदलियार् पट्टम्, पुगुंदु पार्त्ताल् पोट्टल्.	८४
मगन् शेत्तालुम् शागट्टुम् मरुमगळ् कोट्टम् अंडगिनार् पोदुम्	६०
मगिमैपूपट्टवनुक्कु मरणम् माट्टुक्कारप् पैयनुक्कुच् शरणम्.	१६१
मच्चान् शेत्ताल् मयिर् पोच्चु कंबळि मेलै नमक्कु आच्चु.	२५५
मण्पिळ्ळै आनालुम् तन् पिळ्ळै.	४५
मण्णांगट्टि माप्पिळ्ळैक्कु अेरुमुट्टैप् पणिगारम्.	४०८
मनतिले पगै उदट्टिले उरवु.	५९४
मलडिक्कुत् तेरियुमा पिळ्ळैयैप् पेट्र अरुमै ?	३९७
मलै अत्तनै सुवामिक्कुत् तिनै अत्तनै पुशूपम्.	१६६

पृ. क्र.

मलैयोलप् बिरामणन् पोगिरानाम्,
पिन्कुडुमिक्कु अलुगिराळाम्. ७४
मलै मुळंगिच् शुण्डेलि पेट्रदुपोल.
पाठभेद—मलैयै कल्लि अेलि पिडिप्पदु. ५४९
मलैयैप् पार्त्तु नाय् कुलैत्ताल् मलैक्कुक्
केडो नायक्कुक् केडो ? ५७५
मिनक् केट्ट अंबट्टन् पूनैयैच् शिरैत्तानाम्. ५६८
मुक्कालम् काकम् मुलुगिक् कुळित्तालुम्
कोक्कु आगादु. ३७०
मुगम् चंदिर बिंबम्, अगम् पांबिन्
विशम्. ५९४
मुट्टै चिड्डुकिर कोलिक्कु वरुत्तम्
तेरियुम्. ३९७
मुडवनुक्कु नोण्डि शण्डप् पिरशण्डन्. ५
मुदलुक्कु मोशमाग इरुक्किरदु
इलापत्तुक्कुच् शण्डै पोडुगिरदा ? ७४
मुदले दुर्प्पलै अदिले कर्प्पिणि. १९४
मुदलै तन् इडत्तु, मलै ओत्त आनैयैयुम्
इळुत्तुच् शेल्लुम्. ५७
मुन्नेपोनाल् कडिक्किरदु पिन्नेपोनाल्
उदैक्किरदु. १३९
मुन्ने पोनाल् शिशुवत्ति पिन्ने पोनाल्
बिरमात्ति. १३९
मुरुक्कुप् परुत्तु अेन्न तूणाकप्
पोगिरदा ? ५८७
मुलैक् कुत्तच् शवलैप् पिळ्ळैक्कुत्
तेरियुमा ? ३९७
मेलिंदवलुक्कु मेत्तप् पेलन्, मेनि मिनुक्कु
इट्टवलुक्कु मेत्तक् कशम् ४६२
मेनियेल्लाम् सुट्टालुम् विपसारम्
सेय्किरवळ् विडाळ्. ३७०
मोट्टैत् तलैयिल् पेन् शेरुमा ? ५२९
मोट्टैच्चिक्कुत् तगुंद मूक्करैयन्. २७१
वंदारै वाळ वैक्कुम्, मण्णिल् पिरंदारैत्
तूंग वैक्कुम्. १६१

पृ. क्र.

वडुगनुम् तमिळनुम् कूट्टुप् पयिर्
इट्ट कदै. २७७
वयिट्रु पिळ्ळैयै नंबिक् कैप् पिळ्ळैयैप्
परि कोडुत्तदु. २९
वळियिले कण्ड कुदिरैक्कु वैक्कोर् पलुदै
कडिवाळम्. ४०८
वानत्तुक्कुक् कीळ् इरुंदु मळैक्कुप्
पयप्पडलामा ? ११८
वाय् शरक्करै कै कोक्करै. ५९४
वालिपत्तिल् इल्लाद मंगैयै वयदु सेन्ट्रपिन्
अेन्न सेयकिरदु. ४०२
विडियरकालम् कलियाणम् पिडि अडा
तांबुलम् ३१४
विडियुमट्टुम् मळै पेय्तालुम्,
ओट्टांगिळिंजिल् मुळैक्कादु. ३३४
विळक्कै वैत्तुक् कोण्डु नेरुप्पुक्कु
अलैकिरदुपोल. ५४४
वीट्टुक्कु वीरन् काट्टुक्कुक् कळ्ळन्. ५७
वीट्टुप् पेणशादि वेंबुम् काट्टुप
पेण्शादि करुंबुम्. १६१
वीडु अेल्लाम् कुरुडु, वाशल् अेल्लाम्
किणरु. १९४
वीडु वेरु वीडाय् इरुंदालुम् मणियम्
अेलु अर्. ४६३
वीडु वेरु वीडु वेलुर् अदिगारम्. ४६२
वेण्णेय् तिरलुगिरपोदु ताळि उडैंदारपोल. २०८
वेण्णेय्यै वैत्तुक्कोण्डु नेयूक्कु अळलामा ? २९
वेंबिल तेनै विट्टाल कशप्पु नींगुमा ? ३७१
वेलै इल्लाद अंबट्टन्. आट्टैच्
शिरैत्तानाम्. ५६८
वेलै मिनक्केट्टु अंबट्टन् पूनैक्
कुट्टियैच् शिरैत्तानाम्. ५६८
वेलै मिनक्केट्ट अंबट्टन् पेण्डाट्टि
तलैयैच् शिरैत्तानाम्. ५६८
वैरत्तै वैरम् कोण्डे अरुक्क वेण्डुम्. ३७९

पृ. क्र.

शडैत्तंबिरान तविट्टुक्कु अऴुगिऱपोदु लिंगम् परमानंदत्तुक्कु अऴुगिऱदा ! १६१

शडैत् तंबिरान् शाट्रुक्कु अऴुगिऱानाम्, लिंगम् पंज अमिर्ततिऱ्कु अऴुगिऱदाम्. २२

शविडन् कादिल् शंगु ऊदिनदुपोल. ३३४

शांबलैत् तिन्रु वेण्णेयैप् पूशिनदुपोल ४६३

शाण् कुरुविक्कु मुऴु वाऴाम्. ६००

शाण् परैक्कु मुऴत् तडि. ६००

शात्तानि कुडुमिक्कुम् सन्नियासि पूणुलुक्कुम् मुडि पोडुगिऱाय. २७७

शीरंगत्तुक् काकमानालुम् गोविंदम् पाडुमा ! ३७०

शेल्लप् पिळ्ळै शीलै उडादाम् पिळ्ळै पेरुमट्टुम्. १७

शेट्टियारुक्कु ओरु कालम्, शेवकनुक्कु ओरु कालम्. २१५

पृ क्र.

शोन्नदु इरुक्कच् शुरै पिडुंगुगिऱाय्. २३७

सण्डिक् कुदिरैक्कु नोण्डि सारदि. २७७

समुद्दिरतिंऱ्कुम् शाण् कुण्डुक्कुम् अेम्मात्तिरम्. २३२

सिट्रप्पन् वीट्टुक्कुप् पोय् सिट्राडै वांगि वरलाम् अेन्रु पोनाळाम्, सिट्रप्पन् पेण्सादि ईच्चम् पायै इडुप्पिल् कट्टिक् कोण्डु अेदिरे वन्दाळाम्. २०५

सूडु कण्ड पूनै अडुप्पण्डै सेरादु. ४८७

सूत्तिले कट्टत् तुणियिल्लै, कूत्तियार इरण्डु. ४६२

सूरियनुडैय पिरगाशत्तुक्कुमुन्ने मिन्मिनि विळंग माट्टादु. २३२

सेन्मत्तिर् पिऱन्ददु सेरुप्पालडित्तालुम् पोगादु. ३७१

सेल्लत्तिल् ओरु पेण् पिरन्दु सेट्टित् तेरुवेल्लाम् तिरिन्दु विट्टु वन्ददु. १७

तेलुगु

अंगट्लो वेल्लमु गुळ्ळो लिंगानिकि नैवेद्यमु. ४९९

अंगडमुनु बट्टि गोड्डु, वंगडमुनु बट्टि बिड्ड. ४१५

अंगडि वीधिलो आलिनि पडुको बेट्टि वच्चेवारु पोयेवारू दाटि पोयिनारु अन्नट्लु. ११८

अंगिट वेल्लमु, आत्मलो विषमु. ५९५

अंटुकोनु आमुदमु लेकुंटे, मीसाल्कु संपेंगि नूने. ४६३

अंबटिकि उप्पु अब्बदंटे, पिंडिंबटमीद पोयिंदट मनसु. ४६३

अकटविकटपु राजुकु अविवेकि प्रधानि, चादस्तकु परिवारसु. २७१

अक्कन्न मादन्न गार्लु अन्दलमु अेक्किते साटिकि सरप्प चेरुवुकट्ट अेक्किनाडट. ५५५

अक्कर उन्नंतवरकु आदिनारायण, अक्कर तीरिते गूदनारायण. २९६

अक्कर तीरिते अक्क मोगुडु कुक्क. २९७

अग्निकि वायुवु तोडयिनट्लु. ५६२

अडवि नक्कलकु कोत्वालु दुराया. ५७५

अत्तकु मीसालुण्टे मेंनमामा वरस. २९१

अत्त पेरु पेट्टि कूतुरुनि कुंपटलो वेसिनट्लु. ६०

अत्त पेरुपेट्टि कूतुरिनि कुंपटलो वेसिंदट. ६०

अत्तमीद कोपं दुत्तमीद चूपिनट्लु. ९४

अत्त सोम्मु अल्लुडु दानं चेसाडु. ४९९

अन्दनि पूलु देवुनिकि अर्पण. १२३

अन्दुलो पसलेकुन्ना, अरलो मञ्चं वेयमन्नट्लु. ४६३

अन्नन्नोखे गानि, अक्षर-चोख लेदु. २४५

पृ. क्र.

अन्नमु पेट्टिन वारि इल्लु कन्नमु पेट्ट वच्चुना. २८५
अन्नानिकि आधारमु लेदु गानि अंदिरिकि बंति भोजनमु. ४६३
अन्नी उन्न विस्तरि अणगिमणगि उण्टुन्दि. १२
अन्निगाडु चस्ते आ पंचे नादि. २५५
अय्य दासर्लकु पेट्टिते, अम्म जङ्गालकु पेट्टिन्दि. २७७
अय्यवारु अटिकन्त, अय्यवारि पेण्ड्लामु पुटिकन्त. २७७
अय्यवारु सेरु, लिंगम् सवा सेरु. ६००
अरचेत वेन्न पेटट्टकोनि, नेतिकि एड्चिनट्टु. २९
अरचेतिलो वैकुंठमु. ५१
अरपुल गोड्डु पितुकुना. ३०१
अरिचेकुक्क करवदु. ३०१
अल्पुनकु ऐश्वर्यमु वस्ते, अर्धरात्रि गोडुगु तेम्मन्नाडट. १०१
अल्लुललो मल्लु पेद्द. ५
अव्व अरकासु, तलगोरुगु मूडुकासुलु. ४७५
असलु देवुडु मूलनु बडिते हनुमंतरायणि कि तेप्पतिरु नाळ्ळट. १६१
असलु मूडुप्पाळ्लु, वड्डी आरुपाळ्लु. ६००
असले अयोमयम अंदुकु तोडु अंधकारम्. १९४
असले कुरच अंदुलो सुंति. १९४
असले कोति अंदुलो कल्लु तागिंदि पैन तेलु कुट्टिंदि. १९५
अस्तमानं अरिचेपिल्लि ओलुरुल पट्टलेदु. ३०१
आकलि काकुंड नीकु मंदु चेबुता, मुंदु नाकु कास्त गंजि पोयिमन्नट्लु. ४६३
आग भोगालु अंकम्मवि, पोलि केकलु पोलेरम्मवि. ४०८
आग भोगालु अक्क कुडिस्ते, अंबटि परकलु बाव कुडिचिनाडु. १६१

पृ. क्र.

आडकाडक समर्तांडिते चाकलोड्डु कोक ओत्तुकोनि पोयिनाडट. २०९
आडलेक अंगणम् वंकर अन्नट्लु. ५१०
आडलेक पातगज्जेलु अन्नट्लु. ५१०
आडलेक मद्देल ओडु अन्नट्लु. ५१०
आडनेरक मद्देलमीद तप्पुचेप्पिनट्टु. ५१०
आतानुल्लो गुड्डे. १७५
आपद मुक्कुलु, संपद मरपुलु. २९७
आपद म्रोक्कुलु, संपद मरपुलु. २९७
आ बुर्रलो वित्तनाले. १७५
आमे पेरु कुन्तनम्म, चूडबोते बट्टतल. ८४
आरे, कत्ति लेनि, आरूळ्ळ मादिगतनं. ४६३
आलुलेदु चूलुलेदु, कोडुकुपेरु सोमलिङ्गम्. ३१४
आवगिंज़ अट्टेदाचि, गुम्मडिकाय गुल्लकासुगा ओन्चेवाडु. ७४
आवलि गट्टु आवुकु ईवलि गट्टु पच्चन.४९०
आवु पावला, बन्दे मुप्पावला. ४७५
आव्वुलू आव्वुलू पोट्लाडिते, लेगल काळ्लु विरुगुतवि. ५५९
इंट कुडिचि, इंटिवासालु लेक्किंचिनट्लु. २८५
इंटिलो पस्तु, वीधिलो दस्तु. ४६३
इट्टुरंमंटे, इल्लन्ता चेकोन्नट्टु. ११३
इण्टलो ईगल मोत, बयिट सवारी मोत. ४६३
इण्ट्लो पेण्ड्लि अयिते, ऊळ्लो कुक्कुलकु हडाविडि. ३२७
इण्टिदेवर ईगिचस्ते पोलन्देवर गम्पज़ातर अडिगिनदट. १६१
इण्टिपेरु कस्तूरिवारु इल्लु गब्बिलाल गब्बु. ८४
इण्टिपेरु क्षीरसागरम्वारु प्रोद्दुनलेस्ते मज्जिगकु मुष्टि. ८५
इण्टिसोम्मु इप्पपिण्डि, पोरुगिण्टि सोम्मु पोडिबेल्लमु. ३०६
इल्लु इरकटम्, आलि मरकटम्. १९५
इल्लु चोरबडि इण्टिवासालु लेक्कपेट्टिनाडट. २८५

पृ. क्र.

ई चेवितो विनडं, आ चेवितो वदलडं. ३३४
ईवलि गट्टु आवुकु, आवलिगट्टु पच्चन. ४९०
उंडे दानिकि स्थलमिस्ते पंडुकोनु मंचं अडिगिनट्लु. ११३
उडतकेलरा उळ्ळो पेत्तनमु. ३८७
उट्टि अेक्क लेनम्म स्वर्गानिकि एगुरुतानन्नट्लु. ४६४
उप्पु तिन्नवाडु नीळ्ळु त्रागुताडु. ३९७
उय्यालतो पिल्लनुबुंचि वूरेल्ला वेतिकिनट्लु. ५४५
ऊरपिच्चुक मीद वाडिवज्रायुधमा ? ३२१
ऊरिकि ओक बोगमुदि, यवरिवद्द आडुमु. १७०
ऊरे चेर वद्दुरौता ! अंटे, गुर्रान्नि अेक्कड कट्टेदि अन्नाडु. ५८१
अेक्कुमण्टे येद्दकु कोपम्, दिगमण्टे कुण्टिवानिकि कोपम्. १३९
अेगदीस्ते ब्रह्महत्य, दीगदीस्ते गोहत्य. १३९
अेत्तेवाडुंटे एकुल बुट्टा बरुवे. ३१८
अेद्दु चेनु मेसिपोते, गाडिदकु चेबुलु कोसिनट्लु १८३
अेद्दु तंतुदनि गाडिदकाळ्ळु पट्टुकुन्नट्लु. ४८२
अेद्देमि अेरुगुरा अट्टुकुलरुचि, गाडिदेमि अेरुगुरा गन्धपु वासन. ५४०
अेनुबोतु मीद वान कुरिसिनट्टु. ३३४
अेन्तमन्चि पंदि अइना, अमेध्यमु तिनकमानदु. ३७१
अेल्लपामुलु तल लेत्तिते एलिकपामु तल एत्तिंदट. ५५५
अेल्लिनदानिकि एगानि, तार्चिन दानिकि टंकम्. १६१
अेवडि नोटिकंपु वाडिकि तेलीदु. ३७
अेवरि कंपु वारि किंपु. ४५
अेवरि पिच्चि वारिकि आनन्दम्. ४५
एकादशि यिंटिकि शिवरात्रि पोयिनट्लु. २०५
एगानि मुण्डकु डब्बुन्नर क्षवरम्. ४७५

पृ. क्र

ए चेट्टु लेनि चोट वेंपलि चेट्टु महावृक्षम्. ५
एटि आवलि मुत्यमुलु ताटिकाय लन्तेसि अन्नट्लु. ४९०
एड्डकत्तेर, नालुकलो बेल्लं. ५९५
एदुकु कोवरिकाय इस्ते एंचेस्तुंदि. ५४०
एनुगुकु वेलगकायलु लोटलोट. १६६
एनुगुदाहानिकि चूरुनीळ्ळा ? १६६
एनुगुलु एगिरि पोतूंटे दोमलो लेक्का ? २३
ए पाटु तप्पिना सा पाटु तप्पदु. २४५
एमंडि करणंगारु ! गोतिलो पड्डारु अंटे कादु मपाकत्तु चेस्तुन्नानु अन्नट्लु. १२६
एरु एडामड उण्डगाने, चीर विप्पि चङ्क बेट्टु कोन्नट्लु. ३१४
एरुक तिनेवाडि वेंबडि गीरुक तिनेवाडु पड्डाडट. २०५
एरु दाटि तेप्प तगुल बेट्टिनट्लु. २९७
एरु दाटे वरकु एंगन्न, एरु दाटगाने पिंगन्न. २९७
ओक चेय्यि तट्टिते चप्पुड्डु कादु. २०२
ओक देब्बकु रेंडु पिट्टल. १९९
ओज्जले कंकुलतो कालं गडुपुतूंटे शिष्युलकु ऊचबिय्यं ? १६१
ओळ्ळो पिल्लनुबुंचि वूरेल्ला वेतिकिनट्लु. ५४५
ओडलु बंड्लवच्चु, बंड्लु ओडल वच्चु. २१५
ओड विडचि वदरु पट्टिनट्लु. २९
कडिअण्टे नोरुतेरिचि, कळ्लेमण्टे नोरुमूसिनट्लु. २४५
कड्डुपु कालि एड्डुस्तुंटे मनुवर्ति एमिस्तावु अन्नदट ? १६१
कड्डुपु कूटिकि एडिस्ते, कोप्पु पूलकु एड्चिन्दट. १६२
कड्डुपुन पुट्टिन बिड्ड, कोगुन कट्टिन रूक. ४५
कड्डुपुलो कत्तेर, नोट चक्केर. ५९५

प्र. क्र.

कन्नम्म कूडवलु पट्टक एडुरतुंटे पिन्नम्मकु पेट्टरा पिंडप्रदानं अन्नट्लु. १६२
कन्नु चूचि काटुक, पिर्र चूचि पीट. ४०९
कम्मरिकि तेड्डु करवु. २६०
करुवुलो अधिकमासं. १९५
कल्लपसिडिकि कान्ति मेण्डु. १२
काकिनि तेच्चि पञ्जरमुलो उन्चिते, चिलुक पलुकुल पलुकुना ? ३७१
काकिपिल्ल काकिकि मुद्दु. ४५
काकि सोमाल कूतुरु, अंकम्म कळल अल्लडु. २७१
कार्यं अय्ये दाका गाडिद काळ्ळयिना पट्टालि. ६०५
कालु कडुग मुंत लेदु, कल्लुकु कळायिगिन्ने. ४६४
कालु जारिते गङ्गानम्मदे महिम. १२६
काशिकि पोगाने कर्रिकुक्क गगिगोवु अवुना ? ३७१
कासु कुंडकु रुव्व लक्क. ४७५
कासुकु गतिलेदु पोटिकि कोडिवेसिनाडु. ४६४
कासुकु दोवलेदु, नूटिकि परवा लेदु. ४६४
कासु गोड्डुकु रूकबन्दे. ४७५
कुंचालम्म कूडवेस्ते, मंचालम्म मायं चेसिंदट. २२७
कुंटिवानि पत्तेमु इंटिमुंदरे. ५८७
कुंभकर्णुनि नोटिकि अरकासु मजिगा ? १६६
कुक्क काटुकु चेप्पुदेब्ब मंदु. ४०९
कुक्ककु एमि तेलुसु मोक्क जोन्न रुचि ? ५४०
कुक्क कूसुकुंटे जंगं परपति पोवुना ? ५७५
कुक्कनु अन्दलमुलो कूर्चुण्डपेट्टिते, अमेध्यमु चूचि दिग वुरिकिनदि. ३७१
कुक्कनु पेंचिते गण्डाये, कूटिकुण्डकु चेटाये. २८५
कुक्कलु एकुलु वडिकिते, गुर्रालु चीरलु कडतायि. २९१

प्र. क्र.

कुक्कलु चेप्पुलु वेदकुनु, नक्कलु बोक्कुलु वेदकुनु. ३४२
कुक्क श्राद्धानिकि पीति पिंडालु. ४०९
कुम्मरिवानिकि कुंड करवु. २६०
कूतरु कनलेक-पोते अल्लुडिमीद पडि एड्चिनट्लु. १८३
कूतलार्भाटमे गानि कुप्पलो गिज़लेदु. ४६४
कूलिकिवच्चि पालिकि माट्लाडिनट्लु. ११३
कोण्ड तलक्रिन्द पेट्टुकोनि, राळ्ळु वेदिकिनट्लु. ५४५
कोण्डनु तव्वि अेलुकनु पट्टिनट्लु. ५४९
कोण्डन्त रेड्डे पोगा, पिंडिकेड्डु बोच्चकु एड्चिनट्टु. ७४
कोत्तगा सिरि वच्चे अर्धरात्रि गोडुगु पट्टमन्नडट. ५०६
कोत्त बिच्चगाडु पोद्देरुगडु. ५०६
कोडिकि गज्जेलु कडिते कुप्प कुळ्ळगिंचदा. ३७१
कोडिगुड्डु पगलगोट्ट गुण्ड्रायि कावाला ? ३२१
कोडिपिल्ल गोरेपिल्लनु बलादूरु तिसिनट्लु. ४७५
कोतिकि ज़लतारु कुळ्ळायि पेट्टिनट्टु. ५४०
कोतिकि पेत्तनमिस्ते गोदावरि कड्डंगा ईदिंदट ! १०१
कोति गेन्तडं सायबु संपादिचडं; २२७
कोतिचेति पूलदण्ड. ५४०
गंजि तागिना लंज कावालि. ४६४
गंजि तागेवानिकि मीसालु लेगवेट्टे वाडोकडु. ४६४
गंजिलोकि उप्पु लेदु, पाललोकि पंचदार. ४६४
गङ्ग अेपुडु पारु गंभीर गतितोड; मुरिकि कालव पारु स्रोत तोड. १२
गङ्गलो मुनिगिना, काकि हंस अवुतुन्दा ? ३७१
गट्टिवाडे कानि, कड्डुपुमात्रं गुल्ल. ५१६

पृ. क्र.

गट्टि विडिचि पोट्टकु पोराडिनट्लु. ७४
गट्टु चेरिन वेनुक पुट्टिवानितो पोट्लाडिनट्लु. २९७
गड्डपलुगुलु गालिकि कोट्टुकोनि पोतु उण्टे, पुल्लाकू नागति एमि अन्नदट. २३
गड्डमु कालि ओकडु एड्चस्तू उण्टे, चुट्टकु निप्पिम्म नि वेण्ट पड्डाडट. २५५
गति लेनम्मकु मति लेनि मोगुडु. २७१
गतिलेनि ऊरिकि मतिलेनि गंगानम्म. २७१
गतिलेनिवाडु गाडिदकाळ्लु पट्टुकुन्नट्लु. ६०५
गन्तकु तगिन बोन्त. १०४
गाडिदकु भोगिनीळ्लु पोस्ते बूडिदलो पोर्लाडिंदट. ३७१
गाडिद पुण्डुकु बूडिदे मन्दु. ४०९
गाडिदल मोत, गुर्राल मेत. २२७
गाडुपुकु गड्डपार कोट्टुकपोगा, उल्लिगोट्टु ना गति एमि अन्नाडट ! २३
गालिकि पोयिन पेलपिण्डि भगवत् अर्पितम्. १२३
गिंज़लु सुत्तुमु, पिट्टलु पन्निद्दमु. १७०
गुडिलो नुंडि गुडिराळ्लु तीसिनट्लु. २८५
गुडिसे वाट्लकु इल्लालु गुत्त लंज़े. ३८
गुड्डि गेदेलळो गूने गेदे महालक्ष्मी. ५
गुड्डुवच्चि पिल्लनु वेक्किरिंचिनदि. ३५२
गुम्मडिकाय पोय्येदारि ॲरुगडु, आवगिंज़ पोय्येदारि अट्टे पट्टिचूस्ताडु. ७४
गु रेविंद गिंज़ गुद्दकिंद नलुपेरुगदु. ३८
गुरुवुकु तिरुमंत्रं चेप्पिनट्लु. ३५२
गुर्रं चवलं जीनु मुच्चवलम्. ६००
गुर्रानिकि तोक उण्टे तने विसुरु कोण्टन्दि गानि, साविट्लो उण्डे गुर्रालकन्निटिकि विसुरुतुन्द. ५८७
गुर्रान्नि चूचि कुंट नारंभिंचिनट्लु. ३१८
गुळ्ळो देवुनिकि नैवेद्यमु लेकुण्टे, पूज़ारि पुलिहोरकु एड्चिनाडट. १६२
गोड्डालि मुंडकु गोंतु पेद्द. १२

पृ. क्र.

गोल्लवाडु गोर्रेपिल्लनु मेडनु वेसुकोनि अडवि अंता वेतकिनट्लु. ५४५
गोट गीटिते पोय्येपनिकि गोड्डलि ॲन्दुकु. ३२१
गोरुचुट्टु पयिन रोकटिपोटु. ३२२
गोरुतो पनिकि गोड्डलि उपयोगिंचिनट्लु. ३२२
गोवु लेनि वूळ्लो गोड्डुगेदे महालक्ष्मी. ५
चंकलो पिल्ल नुंचुकोनि संतलो वेतिकिनट्लु. ५४५
चक्कलान्नि चूचि जंतिक नव्विंदट ३७
चक्कगा कूकोरा चाकलनायडा अण्टे, विनावटोइ ईडिगनायडा मंगल नायडि सरसमु अन्नाडट. ३७
चच्चिन वानि तल तूर्पुन नुंटेनेमि, पटमट नुंटेमेमि ! ९०
चदिवेदि रामायणमु पडगोट्टेदि देवालयम् ५९५
चन्नु कुडिचिरोम्मु गुद्दिनट्लु. २८५
चाकलि कट्टनि गुड्ड, सैसु एक्कनि गुर्रमु लेदु. ४९९
चाकलि दानितो सहवासं चेस्ते गाडिद वच्चि गर्वपडिंदट. ३२७
चिंतकायलु अम्मेदानिकि सिरिमानं वस्ते वंकिरि-त्रिंकिरि कायलु एकायलन्नदट. १०१
चिक्कुल गुर्रानिकि कक्कुल कळ्लेमु. ४०९
चिच्चु उरुकंगपोतू चीर कोंगु सवरिंचु कोन्नदानिवले. ११८
चीकटि कोन्नाळ्ळु, वेन्नेल कोन्नाळ्लु. २१५
चूपिते मानू पोये, चूपकपोते प्राणं पोये. १३९
चूपुल पसे गानि चेपुल पसे लेदु. ५१६
चेट्टु चेडे कालानिकि कुक्कमूति पिंदेलु. ६०८
चेट्टु लेनि ऊळ्लो आमुदपु चेट्टे महावृक्षम्. ५
चेडिपोयिन ब्राह्मणुडिकि चच्चिपोयिन आवुदानम्. ४०९
चेडेवाडु अब्बडुन्नाडु, मरीपिडिकेडु तेरा दानम् चेस्तानु. ४९९

प्. क्र.

चेप्पु तिने कुक्क चेरकु तीपि एरुगुना ! ५४०
चेरुकु उण्डे चोटिकि चीमलु तामे वस्तवि. ५२९
चेविटि पेद्दम्मा ! चेंताडु तेवे अंटे चेवुल पोगुलु ना जन्मलो अेरुगन्नदट. २३७
चेवुलु कोसुकु पोतुंटे कुट्टुकाडलकु एड्चिनट्लु. ७४
चेलो चेंचिलाकु लेदु, इंटिकोस्ते इस्सेडु अनुमु लिस्तानन्नट्लु. ४६४
चेलोपत्ति चेलो उण्डगाने पोलिकि मूडुमूळ्ळु, नाकु आरुमूळ्ळु अन्नट्लु. ३१४
चेसेवि नायकालु, अडिगेवि तिरिपालु, पेट्ट कुंटे कोपालु. ४६४
चोटे लेदंटे, मूल अेक्कड वेदकुदुनु अन्नाडट. ५८१
जग बिरुदु, मुंड मोरु. ८५
जेनेडु इंट्लो मूरेडु कर्र. ६०१
जेनेडु दोरकु मूरेडु बंटु. ६००
जेनेडु पिट्टकु मूरेडु तोक. ६०१
टुक्किट्टेद्दु देशान्तरम् वेळ्ळिनट्लु. २०९
डब्बु इव्वनि वाडु पडव मुन्दर अेक्कुनु. १६२
ढिल्ली कि ढिल्ली पल्लेकु पल्ली. २३३
तंटाल मारि गुर्रानिक ताटिपट्ट गोरपमु. ४०९
तगुडुतिण्टु वैय्यारमा ! ४६५
तनदि ताटाकु, इवतलिवाळ्ळदि ईताकु. ४६
तन नोटिकि तवुडु लेदु, लंजनोटिकि पंचदारट. ४६५
तन पिल्ल चविटि केडिस्ते, लंजपिल्ल रावि रेकु केड्चिंदि. १६२
तलकाय पोतुंटे पोगुलेक्कड पेट्टेदि अन्नट्लु. ७५
तलकु दारि लेदु, बुड्डकु अटकलि. ४६५
तलपागा चुट्टलेक तलवंकर अन्नट्लु. ५१०
तळारि-दुप्पटि, रेड्डि बहुमानं चेसिनट्लु. ४९९

प्. क्र.

तल्लिकि अन्नं पेट्टनिवाडु पिनतल्लिकि चीर पेट्टिनट्लु. १६२
तल्लिकि तिंडि पेट्टक, तगलेसि तद्दिनं पेट्टाडु. ४०२
तल्लिचालु पिल्लकु तप्पुतुन्दा ? ४१५
तल्लिनि पोलिन बिड्ड नूलुनु पोलिन गुड्ड. ४१५
तल्लि पुट्टिलु मेन माम वद्दना ! ३५२
तवुडु तिंट्र वय्यारमा ! ४६५
तवुडुतिनि चच्चेवानिकि विषं पेट्टेवाडु वेर्रि. ३२२
तागबोते दप्पिकि लेदु, तलकु अटकली. ४६५
तागबोते मज्जिग लेदंटे, पेरुगुकु चाटि व्रायमन्नाडट ! ५८१
ताटोटु गानिकि दध्यन्नम्, विश्वासवात्रुडिकि वेण्णिळ्ळु अन्नम्. १६२
तातकु दग्गुलु नेर्पाला ! ३५२
तादिन तवुडुलेदु, वारानिकि ओकर्पान्दपिल्ल. ४६५
तानुण्डेदि दालिगुण्टपट्टु, तलचेपि मेडमाळि गलु. ४६५
तायितुलके पिल्ललु पुडिते, तानेंदुकु ! २९१
ता वलचिन्दिरम्भ, ता मुनिगिन्दि गङ्ग. ४३
तिंटे आयासं, तिनकुंटे नीरसं. १४०
तिंडिकि ठिकाणा लेदु, मुंडकि बुलाकि. ४६५
तिण्डिकि तिम्मराजु, पनिकि पोतुराजु. २४५
तिन्नकुक्क तिनिपोते, कन्नकुक्कनु काळ्लुविरगकोट्टिनट्टु. १८३
तिरुपतिकि पोगाने तुरक दासरि काडु. ३७१
तीगकु काय बरुवा ! ८७
तुरकलु लेनि ऊळ्ळो दूदेकुलवाडु मियां. ६
तुरक लेनि ऊळ्ळो दूदेकुल वाडे मुल्ला. ६
तुट्लु मूसि तूमुलु तेरचिनट्लु. ७५
तेर सोम्मु तीपि. ३४९
तेलुकु पेत्तनमिस्ते, तेल्लवार्लु अंटपोडिचिंदट. १०१

पृ. क्र.

तोडेटिनि गोर्रेल काय पेट्टिनट्टु. ५६२
तौडु तिंट्टू ओय्यारम्. ४६५
दम्मिडी पेळ्ळिकि एगानि बोगमु मेळम्. ४७५
दम्मिडी पेळ्ळिकि रूपायि बाणसंचा. ४७५
दम्मिडी मुंड्कु एगानि क्षवरमु. ४७६
दम्मिडी मुंड्कु डब्बु क्षवरम्. ४७६
दिगिते गानि लोतु तेलियदु. ५१
दिसमुलवाडा काळ्ळकट्टुवानिकि
कप्पुमन्नट्टु. २०५
दिसमोलवाडिनि दिगम्बरुडु बट्ट
अडिगिनट्टु. २०५
दीप मुण्डगा निप्पुकु देवुलाडिनट्लु. ५४५
दुन्नबोते दूडळ्ळोनु, मेयबोते आवुलल्लोनु. २४६
दुन्नबोते दूडळलोनु, अम्मबोते (मेयबोते)
पोतुलल्लोनु. २४६
दुम्मे रोजुलल्लो देशम् मीद पोयि कोत
रोजुलल्लो कोडवलि पट्ट वच्चिनाडट. २४६
दुरद – वेसिनवाडु गोकु कोनड ? ३९७
दूरपु कोण्डलु नुनुपु. ४९०
देवुडि लेनि ऊळ्ळो मंचपुकोडे पोतराजु. ६
दोंग चेतिके ताळं चेवि इच्चालि. ५६२
दोंगनु दोंग येरुगुनु. ३४४
दोंगलु पड्ड आरु नेलल्कु कुक्कलु
मुरिगिनवि. ६७
दोंगवाकिट मंचम् वेसिनट्लु. ५६३
दोड्डेडु गोड्लनु दोंगलु तोलकुपोते गोड्डु
गेदे श्री महालक्ष्मी. ६
दोरकनि पूलु देवुनिकर्पणम्. १२३
दोरकु तोंगोनु मंचं लेदु बंट्रकु
पट्टुपरुपट. १६२
दोरसानिकि दुप्पटि लेदु तोत्तुकु
तोगरु चीरे. १६२
धर्मपुरिलो दोगिलिंच्च बोतु धारवाडनुंचि
वङ्गुनि पोयाडट. ३१५
धैर्य लेनि राजु,-योचन लेनि मंत्रि. २७१
नक्क येक्कड नाकलोकमु येक्कड. २३३

पृ. क्र.

नड-मंत्रपु वैष्णवानिकि नामालु मेंडु. ५०६
नरुकलेनि बंटु कत्ति चुरुकु लेदन्नट्लु. ५१०
नवाबु तलबोडि अयिते ना तलगूड बोडि
अनि वितन्तु विर्रवीगिनदट. ५५५
ना यिंटिकि नेनु पेद्दनु, पिल्लिकि पेद्दरा
पंगनामालु. ५७
निण्डुकुण्ड तोणकदु. १२
निण्डुटेरु निलिचि पारुनु. १२
नी पेरंट में अक्करलेदंटे करकंचुचीर
कट्टुकोनि वस्तानंदट. ५८१
नेत्तिने तलगुड्ड पेट्टुकोनि इल्लंता
वेत्किनट्लु. ५४५
नेमलि कूसिनट्लु पिकिलि कूयबोयि
पित्तुकचच्चिंदट. ७५५
नेनु बंड्डेद्दने अनि मुड्डिकि पेड
रासुकोन्नट्लु. ४६५
पंचागम् चिंपिते ग्रहालु आगिपोताया ? ३३०
पगलु कोंगु लागिते ची अंदट, रात्रि
चीकटिलो कन्नु गीटाडट. ४६६
पच्चडमुन्नंत काळ्ळु चापु. १०४
पडव ओड्डु चेरिते पडव वानि मीद
ओक सोड्डु. २९७
पनिलेनि पापराजु एंचेस्तुन्नाडंटे कुंदेटि
कोम्मुकु रेकुलु तीस्तुन्नानन्नाडट. ५६८
पनिलेनि मंगलि पिल्लितल गुरिगिनाडट. ५६८
पनिलेनि माच्चकम्म पिल्लिपालु
पितिकिनदट. ५६८
पन्दिकि येलरा पन्नीरुगिण्डि. ५४०
पातरलो पड्ड कुक्क तीयबोते कर–
वस्तुंदि. २८६
पामुकाळ्ळु पामुन केरुक. ३४४
पालुकुडिचि रोम्मु गुद्दिनाडु. २८५
पालुपोसि पेन्चिना, पामु करवकमानदु. २८६
पावलाकु त्रागि अर्धरूपायि अल्लरि
चेसाडु. २५०
पिच्चुकमीद ब्रह्मास्त्रमा ? ३२२

	पृ. क्र.
पिट्टे कोझमु कृत घनमु	३५२
पित्त सत्तुव लेदु, पासनालुकु मंदु.	४६६
पिलुवनि पेरंटमु.	५८२
पिल्ल पिडिकेंडु, गूनि गंपेडु.	६०१
पिल्लिकि चेलगाटमु, इलुक्कु प्राणसंकटमु.	२५५
पिल्लिकि रोय्यल मोलताडु कट्टिनट्लु.	५६३
पिल्लि तोक बरें तोक्किते अलुकमीद मीसालु दुव्विंदट.	९४
पिल्लि शापालकु उट्लु तेगुताया ?	३३०
पीर्लु बिच्चानि केडिस्ते मुल्ला पंचदार केडुचिनाडट.	२३
पुंडु ओकचोट, मंदोक चोट.	४८२
पुंडु मीदिकिनू ने लेदु, बू रे लोंडे पेळ्ळामा ?	४६६
पुट्टनिबिड्डकु पूसलु कट्टिनट्टु.	३१५
पुरेंनु पुट्टिनबुद्धि पुडकलतो गानि पो.	३७२
पुलिनिचूचि नक्कवात पेट्टु कोन्नट्टु.	५५५
पुदवि मन्दहासं, हृदयं चन्द्रहासं.	५९५
पेरटिचेट्टु मन्दुकु रादु.	३०६
पेनुकु पेत्तन मिस्ते तलंगा तेग कोरिकि पेट्टंदट.	१०१
पेने मेरुगुनु पेडतल कंडूति.	३९७
पेरु कमलाक्षि, कंडलेमु चीपिरिवि.	८५
पेरु गंगानम्म तागबोते नीळ्ळु लेवु.	८५
पेरु पेद्द (गोप्प) ऊरु दिब्ब.	५१६
पैन पटारं लोन लोटारं.	५१६
पोगाकु अडुक्कोवालि अंदलं बयट पेट्टरा अन्नट्लु.	४६६
पोट्लकायकु रायिकडिते सरिगानि, कुक्कतोककु गडिते फलमेमि.	३७२
पोरुगिंट चूडरा ना पेद्दचेय्यि.	४९९
पोरुगिंटि पुल्ल कूर रुचि.	३०६, ३४९
पोरुगु पच्चगा उण्टे, पोयिलो उच्च पोसुकोन्नट्लु.	४७९
बडायि बण्डेडु बत्तें गिद्देडु.	२५०
बयटिकि इंपु, लोपलिकि कंपु.	५१६
बरें पातिक, बंदे मुप्पातिक.	४७६
बसव देवुनिकि बडिते पूज	४०९
बुच्चि रेड्डि अने भूतानिकि रामि रेड्डि अने रक्षरेकु.	३३८
बेल्लपु पिळ्ळारिकि मुड्डि गिल्लि नैवेद्यम्.	४०९
बेल्लमु उण्डे चोट ईगलु मुसुरुनु.	५२९
मंत्र लेनि संध्य कु मरिचेंबुडु नीळ्ळु.	४६६
मंत्र सानि पनिकि ओप्पु कुन्नपुडु बिड्ड वच्चिना पट्टाल गोड्डि वच्चिना पट्टाल.	११८
मड्डि – मुंडकु मल्ले पूलिस्ते, मडिचि मुड्डिकिंद पेट्टुकुन्नडट.	५४०
मन्त्रमुचेप्प मल्लुभट्लु, तिनडानिकि अल्लुभट्लु.	२२७
मलप सन्यासिकि माचकम्मकु जत.	२७१
माट घनमु, मानिक पिच्च.	५१६
माटलु कोटलु दाटुनु, कालु गडपदाटदु.	२५०
माटलु मातल्लि माटलु, पेट्टु मारु तल्लिपेट्टु.	५९५
मादिगकु चेप्पुलु करवु.	२६०
मादिगवाडिआलु अयिना, माळे कालिकि चेप्पुलेदु.	२६०
माधुकरं वानिंटिकि उपादानंवाडु पोयिनट्लु.	२०५
मिंगनु मेतुकु लेदु मासालकु संपेंग नूने.	४६६
मिंचि पोयिन कार्यानिकि चिन्तिंचि फलमेमि.	६७
मुंदुकु पोते नुय्यि, वेनुक्कु गोय्यि.	१४०
मुन्दुकु पोते गोय्यि, वेनुक्कुपोते नुय्यि.	१४०
मुक्कु चिन्नदि, मुत्यं पेद्ददि.	६०१
मुक्कु पट्टनि मुत्यं, चेवु पट्टनि कम्म.	६०१
मुद्दु चेसिन कुक्क मूति करचिंदि, चनवु चेसिन भार्य चंक केक्किंदि.	१७
मुन्दर पल्लमु वेनक मिट्ट.	१४०
मुल्लुनु मुल्ले तीयालि, दोंगनु दोंगे पट्टालि.	३८०

पृ. क्र.

मूडु कासुल दानिकि मुप्पावला बाडुग. ४७६
मूडु दुग्गानुल कोति आरु दुग्गानुल वेल्लं तिन्नट्लु. ४७६
मूलविराट्टु तिरिप – मोत्तुकुंटू उंटे उत्सव विग्रहालकु तेप्प तिरुनाळ्ळट. १६३
मेतुकुल चल्लिते काकुलकु कोदुवा ? ५२९
मोंडि गुरुवु, बंड शिष्युडु. २७१
मोगुण्णि कोट्टि मोगसालकेक्कि एड्चिंदट. १४५
मोदटिकि मोसमु, लाभानिकि गुद्दुराट. ७५
मोदटिकि मोसमैते बड्डी मुट्टलेदन्नाडट. ७५
मोदलु लेदु मुब्बक्का ! अंटे मुंतेडी पेद्दक्का अंदट. ५८२
मोदले कुंटिकालु दानिकि तोडु पक्षवातं. १९५
मोरकुनकु सिवमेत्तिन म्रोक्कक तप्पदु. ६०५
मोरिगे कुक्क करवदु. १२, ३०१
मोका लेन्नु विग्रह मुंटे मोललोतु कूडु. ४७६
मोटुवाडिकेमि तेलुसु मोगलि पूवु वासन ? ५४०
मोसेवानिकि तेलुसुनु कावडि बरुवु. ३९८
रंकु सागिते पेळ्ळें दुकु ? २९१
राजुभार्य मेडओक्किते कुम्मरिवारि कोडलु गुडिसओक्किनदि. ५५५
रामक्क देमि पोये ? रामन्न देमि पोये ? रासिलोनिदे दोसेडु पोये. ४९९
रेंटिकि चेड्ड रेवडि बले. १०८
रेडूडि करणं लेनि ऊळ्ळो चाकलिवाडु पिन्निपेद्द. ६
रोट्ट कट्टे देशंलो पुट्ट गोचिवाडे भाग्यवंतुडु. ६
रोट्लो तलपेट्टि, रोकटि पोटुकु वेरचिनट्लु. ११८
लोटिपिट शुल रोकळ्ळ तो गानि पोदु. ४०९
वट्टि गोडडुकु अरुपुलेक्कुव, वान लेनि मब्बुकु उरुमुलेक्कुव. १२
वड्लु मुत्तुम् पिच्चिकलु आर्दुम. १७०

पृ. क्र.

वण्डलेनि अम्मकु चेप्पुलु मेण्डु, तेलेनि अय्यकु तिण्डि मेण्डु. १६३
वल्लु कालिनवाडु चुट्टनु कूड भयपडुतु मुट्टिस्ताडु. ४८७
वसुदेवुडु वेळ्ळि गाडिद काळ्ळु पट्टुकोनिनट्लु. ६०६
वासिरेड्डि वेंकटाद्रि नायुडु तुलाभारं तूगिते करेड्ल कामक्क वंकायल भारं तूगिंदट. ५५५
विड्डुवमण्टे पामुकु कोपमु, पट्टुमण्टे कप्पकु कोपम्. १४०
विदिर्चिन अन्नमुण्टे वेयि काकुलु. ५२९
विश्वासं तप्पिन, पीनुगु मोसिनवाडिनि पट्टिंदट. २८६
वेंट रावद्दंटे एत्तुकोम्मनि एड्चाडट. ५८२
वेनक्कु वेळ्ळिते तन्नु, मुन्दुकुवस्ते पोटु. १४०
वेन्न पट्टु कोनि नेय वेदकनेल. २९
वेलु चूपिते मंड मिंगुतारु, मंड चूपिते मनिषिने मंगुतारु. ११३
वेलु पेट्टेंदुकु चोटिस्ते कालु दूर्चिनट्लु. ११३
वेसेवि पुलि गुरुकलु, मेसेवि गड्डि परकलु ३०२
शिष्या शिष्या ! ना काळ्ळकु चेप्पुलुन्नवा ? – अंटे नक्षत्र मंडलं मध्य ओक्कडा कनपडलेटु अन्नाडट. (विर्रेगा तिनि तल वंचलेक.) २७१
संन्यासि पेळ्ळां विधवा कादु पुनिस्त्री कादु. १०८
संसार जानेडु, खर्चु बारेडु. ४७६
सालेकु बट्ट करवु. २६०
साले तप्प नेसि इदो नमूना अन्नट्लु. १२३
सालेल सभलो सातानि पंडितुडु. ६
सिंगि कंटे सिंगडु पथ्यं चेसिनट्लु. ४८३
सुट्टि सेरु, बुड्ड सवा सेरु. ६०१
सेरु दोरुकु मणुगु बंटु. ६०१
सोम्मु नीदि, सोकु नादि. ४९९

	पृ क्र.
हंस नडकलु राकपोये, काकि नडकलु मरचि पोये.	५५५
हनुमंतुनि मुंदु कुप्पि गंतुल.	३५३
हास्यगानिकि तेलु कुट्टिनट्टु.	१९५
हेमा हे मीलु एटि बेंट कोट्टुक पोतुंटे नक्क पाटिरेवु आडिगिंदट.	३२

कन्नड

	पृ. क्र.
अंगळदल्लि हेतु मंगल कष्ट अन्द हागे.	१४५
अंगालिन मुळ्ळु तेगेयलिक्के कोडलि !	३२२
अंगुल स्थळ कोट्टरे मठ कट्टुत्तारे.	११३
अंबलि कुडियुववनिगे मीसे तिक्कुववनोब्ब.	४६६
अंबलिगे उप्पिल्ल, तिन्नोके ओब्बट्टु बयसिद.	४६६
अक्कसाले किवि चुच्चिदरे नोविल्ल.	३८७
अगसन बडिवारवेल्ल हेरवर बट्टेय मेले.	४९९
अगसर कत्तेयन्नु दोंबरिगे त्याग माडिद.	५००
अज्जनिगे केम्मुलु हेळिकोड बेके ?	३५३
अज्जिगे मोम्मग आकळिके कलिसिद.	३५३
अट्टदिन्द बिद्दवनन्नु दडियिन्द चच्चिदरु.	१९५
अट्ट मेले ओले उरियितु, केट्ट मेले बुद्धि बंतु.	६७
अडलारदाकेगे ओले डोंकु.	५१०
अण्ण मण्णु माडिद, तम्म रोक्क माडिद.	२२७
अत्तेगोंदु काल, सोसेगोंदु काल.	२१५
अत्तेय मेलिन कोप कोत्तिय मेले.	९४
अत्तेगे मीसे बन्दरे चिक्कप्प.	२९१
अतिरथ महारथरु इरुवल्लि उत्तर कुमारनन्नु केळुववरारु ?	२३
अन्न हाकिदवरिगे अन्याय माडबारदु.	२९१
अपकार माडुवव अपकीर्तिगे अंज्याने !	११८
अम्मावर सुट्टु शुक्रवार, मंगळवार.	२०९
अरसु आरु मोळ, बंट एंटु मोळ.	६०१
अरिशिनद कूलुनंबि वर्षद कूळन्ने कैतोळेद.	२९
अरेकासिन पोरिगे आर्भट हेच्चु.	१२
अरेकासिन हेण्णिगे आर्भट बहळ.	१३
अरे मरुळगे मरुळ नायि कच्चितन्ते.	१९५
अरे सुळ्ळन् मनेगे बरि सुळ्ळ होदरे होरिसि कोट्टरंत मूरुमोर सुळ्ळ.	३३८
अल्पगे ऐश्वर्य बंदरे अर्धरात्रियल्लि कोडे हिडिसिकोंड	१०१
असलु इल्लदे बड्डि इल्ल, मोसरिल्लदे मज्जिगे इल्ल.	७५
अळिद ऊरिगे उळिदवने गौड.	६
अळिय मुनिदरे, मगळ करकोंडु होदानु.	५८७
अळुव अज्जि तलेय मेले ओरळु कल्लु ओत्ति हाकिद.	१९५
आडिगे गोत्तो अंगडि व्यापार ?	३८७
आदायविद्दव उंडुंडु सायलिल्ल, सालविद्दव तीरिसि सायलिल्ल.	१६३
आने ओत्त, आडु ओत्त !	२३३
आने कंडु श्वान बोगळिद हागे,	५७५
आनेय होट्टेगे अंबलि बिट्ट.	१६७
आने होट्टेगे जोळद होदरे.	१६७
आयुष्य विल्लद गंडनिगे ऐदेतनविल्लद हेंडति.	२७१
आरु हेत्तोळिगे मूरु हेत्तोळु मुलकि तोरिसिदळु.	३५३
आसे अति, आयुष्य मिति.	१७१
आलिंगित तरडे भार.	६०१
इत्त दरि, अत्त पुलि.	१४०
इत्तित बा ! अन्दरे इद्द मनेयन्ने कित्तुकोंड.	११४
इत्तित बा अंदरे, हेगल मेले हत्ति कोंड	११४

प्र. क्र.

इद्द तंगळु ननगे इक्कु निनगे एन्दिगू हसिविल्लद हागे माडुत्तेने. ४६६
इद्दलु मसियंतह मै उजितोळेदरू इद्द रूप बल्लदे प्रतिरूपवागदु. ३७२
इद्दद्दन्तु उळिसिको, यावुदो मुगिल मल्लिगेगे कै हाकुव आसेगे बीळबेड. २९
इद्दल्लि गौड, होदल्लि किवुड. ५७
इद्दाग अय्यो अन्नलिल्ल, सत्ताग बिदुविदु बडकोंडरु. ४०२
इप्पत्तु दिनद बसिरु, कदिरे देवर हेसरु. ३१५
इल्लद बदुकु माडि इलियप्पनिगे चल्लण हेलिसिदरु. ५६९
इलिगे हेदरि हुलि बाइगे बिद्दनु. १३१
इलि बेटेगे तमटे बडियुवुदे. ४६६
इहक्के सुखविल्ल, परक्के गतियिल्ल. १०८
ई किविलि केळबेकु, आ किविलि बिडबेकु. ३३४
ईजाडुववनिगे मीसे भारवे ? ८७
उंडरे उब्बस, हसिद्दरे संकट. ५२१
उगरिनल्लि होगुवुदक्के कोडलिये ? ३२२
उगिदरे तुप्प केडुत्तदे नुंगिदरे गंटलु सुडुत्तदे. १४०
उगुरिनिंद होगुवुदक्के कोडलि तेंगेदुकोंड ३२२
उण्णोदु रागि हिट्टु, मीसे मेले सण्णक्कि अन्न. ४६७
उद्दुरुट्टुतनक्के गुदे मद्दु. ४०९
उप्पिट्टवनन्नु मुप्पिनवरेगू नेने. ३९१
उप्पुंटे अंदरे सोप्पुंटु अंद. २३७
उप्पु उण्ड मनेगे एरडु बगेद. २८६
उप्पु तिन्दव नीरु कुडियुत्ताने. ३९८
उप्पु बरुव होत्तिगे सोप्पिनाट पूरैसितु. ६७
उम्बोके उडोके अण्णप्प, केलसक्के मात्र दोणप्प. २२७
ऊट अन्दरे हूँ, ओट अन्दरे उहूँ. २४६
ऊट आयितु, ओले कित्तु हाकु. २९७
ऊटक्के मुंचु, कूटक्के हिंचु. २४६

प्र. क्र.

ऊटक्के मुंदु, दंडिगे हिंदु. २४६
ऊट हाग फलाहार मुप्पाग. ६०१
ऊरक्कि अन्न ऊर बेळि उण्डु होगे ! मीरव्व. ५००
ऊरु सूरे आद मेले पालि कादरु. ६७
ऊरेल्ला तोळेदरु मसि बेळ्ळगागदु. ३७२
ऊरेल्ल सूरे आदमेले बागिलु हाकिदरु. ६७
अेटकद हूवु देवरिगे. १२३
अेट्टि गंडगे कोट्टि हेंडति. २७२
अेड्डे कोट्टरे इडि नुंगुवनु. ११४
अेण्णेगे बत्तिगे नेर. १०४
अेण्णे बरुवाग गाण मुरियितु. २०९
अेत्तिगे रोग बंदरे अेम्मेगे बरे हाकिद. ४८३
अेम्मे करु तन्न चंदक्के हंदि मरीत आडिकोंडितु. ३८
अेरडु कै सेरिदरे चप्पाळे. २०२
अेरविन चिन्न धरिसि तानू अरसि अेन्दल्लु. ४६७
अेल्लंतु अेण्णेगे ओणगितु नीनेक्के ओणगिदे मुरले बीजवे. ५५६
अेलेगरुविल्लद मनेलि मुदिगरुवे मुद्दु. ६
अेलेय्यॆन्न राजनिगे तुळिय्यॆन्न सचिव. २७२
एकादशिय मनेगे शिवरात्रि औतणक्के बंद हागे. २०५
एति अंदरे प्रीति, हब्ब अंदरे तिथि. २३७
एनिल्ल, अेतिल्ल, मगन हेसरु सोमण्ण. ३१५
एनू केलसविल्लदिद्दरे कंबवन्नादरू सुत्तु अन्द हागे. ५६९
एम्मे मेले मळेगरेद हागे. ३३५
एरिदव इळिदानु. २१५
एळु केरेलि अद्दिदरे ताने काळि कैंपादाळे ? ३७२
ओग्गिद कत्ते अगसगित्तिय ताबु होयितु. ५८७
ओन्दे गरडि कट्टाळु. १७५
ओप्पत्तिगे गतियिल्ल, अन्नदान सेट्टि. ८५
ओरळल्लि कूतरे ओनके पेट्टु तप्पीते ? ११८

	पृ. क्र.
ओळगे अम्मन काट, होरगे गुग्मन काट.	१४०
ओळगे नोडिदरे ओटि, होरगे नोडिदरे कोटि.	४६७
ओळगे नोडे हदिनेंटु व्याधि, मेले नोडे उरिय भूषण.	४६७
ओळ्ळेयवरेल्ला हळ्ळ हिडिदु होगुवाग गुंगिहुळ गुडार हाकुत्तित्तु.	२३
ओडोन् ब्रेत्तले, तरुवोनू ब्रेत्तले.	२७२
ओदलिल्ल, बरेयलिल्ल, मगन हेसरू माधव भट्ट.	८५
ओदुवुदु शास्त्र, इक्कुवुदु गाळ.	५९५
ओदुवुदु स्वल्प, उगुळु बहळ.	२५०
कंकुळल्लि कूसेत्ति कोंडु ऊरेल्ला हुडुकिदरु.	५४५
कंकुळल्लि द्रोण्णे, कैयल्लि शरणार्थि.	५९५
कच्चो नायि बोगळोदिल्ल, बोगळो नायि कच्चोदिल्ल.	३०२
कटपटि देवरिगे कायि बाळे हण्णु.	४१०
कटुकर अंगडियल्लि बसवन पुराण.	५४०
कडलेगे मुंदु कडिवाणक्के हिंदु.	२४६
कत्ते ओटे होगळिके अहोरूप, अहोगान.	२७२
कत्तेगळेल्ला करावु करेदरे दोंबनिगे याके बडतन ?	२९१
कन्नडियोळगिन गंटिगिंत कैयल्लिरुव दंटे लेसु.	२९
कप्पेगे केसरु नीरु इंपागुव हागे पन्नीरु इरादीते ?	५४१
करडी मैगे याके कस्तूरी ? शिंगलीकत मोरेगे याके चंदनतिलक.	५४१
करुळल्लि कत्तरि, बायल्लि बित्तरि.	५९५
कर्पूर तिप्पेय मेलिट्टरु तन्न वासने बिट्टीते ?	३७२
कर्पूर यारु कद्दरु देवरिगे अर्पित.	१२३
कल्लप्पनू गुंडप्पनू कूडिदरे मेणसप्प पुडि.	५५९
कळ्ळ कळ्ळगे बल्ल.	३४४
कळ्ळन् कावलिट्टु हागे.	५६३
कळ्ळन हेज्जे कळ्ळने बल्ल.	३४५
कागे शापक्के बड नायि सायुत्तदेये ?	३३०
कार्यवासिगे कत्ते काल कट्टु.	६०६
कुणिय लारद सूळे नेल डोंकेंदळु.	५११
कुदुरे कडरे कालु नोबु.	३१८
कुदुरेगे बालविद्दरे तनगे ताने बीसिकोळ्ळुत्ते.	५८७
कुय्यलारदवनिगे कुड्लु ओंबत्तु	४६७
कुरुडन कैयल्लि कन्नडि.	५४१
कुरुडरोळगे मेळ्ळने श्रेष्ठ.	७
कुरुड हेण्णिगे, कुट गंड.	२७२
कुरुडुगण्णिगिन्तल् मेळ्ळगण्णु वासि.	७
कुलक्के मृत्यु कोडलिकावु.	३८०
कूतुकोंडु मुख एनु माडिकोंड अंदरे केरकोंडु हुण्णु माडिकोंड.	५६९
कूळु चेल्लिद कडे साविर कागे.	५२९
केलसक्के करेयबेड, ऊटक्के मरेयबेड.	२४६
केलसविल्लद नायिंद मक्कळ तले बोलिसिद.	५६९
केलसविल्लद बडगि मक्कळ कुंडि कित्तु मूरु मणे माडिद.	५६९
कै मीरि होददु कृष्णार्पण.	१२३
कैलि कासिल्ल, मैयल्लि गुणविल्ल, होगो सूळे कंडु होरळि सत्त.	४६७
कैलि हरियदिद्दरू कौटलु घन.	४६७
कै सुट्टुकोंड मगु दीपद बळि सुळियोल्ल.	४८७
कोंकळल्लि मगु, ऊरेल्ला हुडकिदळु.	५४५
कोटि होद मेले पहरे काद हागे.	६७
कोणगळ होराट गिडक्के मृत्यु.	५५९
कोणन मुंदे किन्नरि बारिसिद हागे.	५४१
कोति कैलि हू माले.	५४१
कोळि कालिगे गेज्जे कट्टिदरे तिप्पे केरेयदे बिट्टीते.	३७२
गंजि कुडिद मेले अंजलु बाच बेकु.	३९१
गंड पट्टे सीरे तरुत्तानेंदु इद्द सीरे सुट्टळु.	२९
गंड हेंडिर जगळदल्लि कूसु बडवायितु.	५५९

पृ. क्र.

गड्डक्के बेंकि हाचिदाग, हप्पळ सुडलिक्के बंद. २५५
गड्ड होत्तुवाग बीडि होत्तिसि दन्ते. २५५
गरतिगे हादर सल्ल, सूळेगे व्रत सल्ल. ३८७
गळिसोनोब्ब, बळसोनोब्ब. २२७
गुड्डद सुद्दि मीनु हेळदु, समुद्रद सुद्दि शले हेळदु. ३८७
गुब्बिय मेले ब्रह्मास्त्रवे ! ३२२
गुरुविगे गुटुकु नीरु, शिष्यनिगे ओण्णे मज्जन. १६३
गुरुविनंते शिष्य, नंदेयंते मग. ४१५
गुलगंजि कप्पु गुलगंजिगे तिळियदु. ३८
गुळद अंगडियल्लि नोणक्केनु हेगळ ? २६०
गूबे वैदरे सूर्य मुळुगुवने ! ३३०
गेद्दलु हुत्तविक्कि हाविगे मने माडितु. २२७
गोल्लर अरसागि मज्जिगेगे दरिद्र. २६०
गौडनन्नु नोडिदरे गटांगटि, ओळगे लटापटि. ५१६
गौरि हब्बदल्लि तेंगिन कायिगे अत्तरु, मदुवे मनेयल्लि तोव्वेगे अत्तरु. २६०
चप्परक्के गतियिल्लदव उप्परिगे अपेक्षिसिद. ४६७
चेळिगे पारुपत्य कोट्टरे जावक्के मूरु सारि कुट्टकितु. १०१
चोटुद्द नालिगेगे मारुद्द मातु. ३५३
छल्वादी संगड हटवादि सेरिद हागे. ३३८
छीः अंदरे तन्न बा अंदरु. ५८२
जग जालिसि मोगेलि नीरु तंद हागे. ५४९
जट्टि केळगे बिद्दरू अट्ट ओंदु पट्टु अंद. १२६
जाति जातिगे वैरि, नीरिगे पाचि वैरि. ३८०
तब्बलि देवरिगे तंगळन्नद नैवेद्य. ४१०
तब्बलि देवरिगे तंबिद्दिन नैवेद्य. ४१०
तन्न ऊरिगे रंग, पर ऊरिगे मंग. ५७
तन्न ओलेलि कत्ते सत्तु बिद्दिद्दरु इन्नोब्बर ओलेय नोण होड्डियलिक्के होदरु. ३८

पृ. क्र.

तन्न बलवे बल. ५१
तन्न तले ओडिगे तन्न कै. ५१
तन्न संकटक्के मक्कळ हेत्तु गाणिगन कुत्तिगेगे कट्टिदलु. १८३
तन्नूरिगे हुंज, नेरुरिगे हेंटे. ५७
तरगु तिन्नुववन मनेयल्लि हप्पळक्के होद. २०५
तले कूदलिल्लदवळु तुरुबु बयसिदंते. ४६७
तळिगे चंबु होद मेले मळिगे बागिलु मुच्चिद. ६८
ता कुडिवुदु अंबलि, नेरेमने पायसक्के यालक्कि सालदु. ४६७
तानु बाळलारदे विधिय बैदंते. ५११
तानु माडिद्दु उत्तम, मग माडिद्दु मध्यम, आळु माडिद्दु हाळु. ५१
तानु सायबेकु, स्वर्ग काणबेकु. ५२
तायियंते मगळु, नायियंते बाल. ४१५
तायियंते मगळु, नूलिनंते सीरे. ४१५
तिंगळ दिवस उणदिद्द मनेगे तंगळन्नक्के होदहागे. २०५
तिप्पे मेले मलगि उप्परिगेय कनसु कंड. ४६७
तिमिरु बंदोनु तुरिसुत्ताने. ३९८
तुंट कुदुरेगे गंट्टु लगामु. ४१०
तुंडु देवरिगे पुंडु पुजारी. २७२, ४१०
तुंबिद कोड तुळुकुवुदिल्ल. १३
तेराद मेले जात्रे नेरेयितु. ६८
तोट्टिलु मारुववनिगे बीदिय हेंगुसरेल्ल बसुरियरे. ३४२
तोडे मेले साकिद नायि ओडेयनन्नु मरेयितु. २८६
दंडिगे मेले नायि कूरिसिदरे हेलु कंडु हारितु. ३७२
दीप नुंगो अत्तेगे दीवटिगे नुंगो सोसे. २७२
दुःखद मेले सुख, सुखद मेले दुःख. २१५
दुग्गाणि मुंडेगे दुड्डु कोट्टु तले बोळिसिदरंते. ४७६

	पृ. क्र.
दुड्डिल्ल कासिल्ल संगतयङ्गारि.	८५
दूरद नयद कल्लिगिंत समीपद गोर्कल्ले लेसु.	२९
दूरद बेट्ट नुण्णगे.	४९०
देवरिगे कंपु मनुष्यरिगे सोंपु.	१६३
दोंब्र जारिदरे आदू ओंदु लाग.	१२६
दोणि दाटिद मेले अंबिगन मिंड.	२९७
नड़ेयोदु कालुनड़े, मातु पालकिय मेले.	४६८
नरकद बागिलिगे स्वर्गद पालकने.	२७७
नरि कूगिवरे नागलोक हाळे ?	३३०
नरि मुळुगुवाग लोकवे मुळुगितु.	९०
नविलु कुणियोदु नोडि कुक्कुट कुणियितु.	५५६
नाकद संतोष सूकरगे निळिदीते ?	५४१
नायि बगुळिदरे देवलोक हाळे ?	३३०
नायि बाल अँदू ड़ोंके.	३७२
नायिय कनसेल्ला मूळे ताने ?	३४२
नायिगेत्त नागलोक वेत्त ?	२३३
नायि समुद्रक्के होदरू नेक्कु नीरु.	३७३
नीरुळ्ळि नीरल्लि तोळेदरे नारोदु होदीते ?	३७३
नेयगेयवन मै बत्तले.	२६१
पंजरदल्लि कागे इट्टरे पंचम स्वर कोट्टीते ?	३७३
परर ओडवे सिक्किदरे हरकादरेनु ?	३४९
पर्वत अरवत्तु गळिगे प्रसववेदने पट्टु कड़ेगे सुंडिलि हेत्त.	५४९
पक्षिगे आकाशवे बल, मीनिगे नीरे बल.	५७
पारु दाटुव वरेगे नारायण, मत्ते पलायन.	२९७
पारे चिन्नवादरे अर्ध देवरिगे.	१२४
पेटेगे होदरे साल्गारर काट, मनेगे बंदरे हेडतिय काट.	१४०
बडवरन्नु कंडरे तिरुकरिगे हास्य, बेप्परन्नु कंडरे हुच्चरिगे हास्य.	३८
बच्चल कंडीलि होगोद बिट्टु सूजि कण्णल्लि होगोद हिडिदरु.	७५
बरद अन्न तिन्नुवव होळिगे बयसिदनंते.	४६८
बळ्ळिगे कायि होरेये / भारवो ?	८७
बाणद गुरि नोणद मेलेये ?	३२२
बाळे हण्णिगे गरगसवे ?	३२२
बिसि तुप्प, उगुळुव हागिल्ल, नुंगुव हागिल्ल.	१४०
बिसि तोरिद बेक्कु ओले बळि सुळियलिल्ल.	४८७
बुक्कराय मेच्चि बेक्किन मरियित्त.	५१६
बुद्धिवंत बेण्णे तिंदु अप्रबुद्धन बायिगे ओरसिद.	१८३
बेक्किन कैगे मीनु सुडलिक्के कोट्ट हागे.	५६३
बेट्ट अगिदु इलिय हिडिदंते.	५४९
बेट्टक्के नायि बोगळि होट्टेयुब्बि सत्तु.	५७६
बेण्णेयिट्टुकोंडु तुप्पक्के अलेदरु.	३०
बेरळु तोरिसिदरे अंगैयन्ने नुंगिद.	११४
बेल्लद सिपाही माडि इरुवे हत्तिर कळुहिसिद हागे.	५६३
बेक्किगे चेल्लाट, इलिगे प्राण संकट.	२५५
बोगसे नीरु अगसनिगे याके ?	१६७
बोगळुव नाइ कच्चुवुदिल्ल.	१३
मंगन कैलि माणिक्य.	५४१
मंगन पारुपत्य होंगे मरद मेले.	५७
मंगनिगे भंगि तिन्निसिदन्ते.	१९५
मंग बेण्णे तिंदु आडिन बायिगे ओरेसितु.	१८३
मंगळारति कालदल्लि मंग बंद हागे.	२०९
मंडे नोतरे कुडिगे लेपवे ?	४८३
मक्कक्के होदरू ठक्कुतन बिडलिल्ल.	३७३
मगनु सत्तरू चिन्तिल्ल, सोसे मुण्डेयागबेकु.	६०
मडके ओड़ेयलु अडके मर बेके ?	३२२
मडिदु होगुवाग मडदिय गोडवे याके ?	५४१
मड्डु हल्लु गोड्डु अम्मेगे.	४१०
मण्णु होरुवव बेण्णे तलेगे हच्चिकोंड.	४६८
मरक्के मर वैरि, नीरिगे पाचि वैरि.	३८०
मळेगे हेदरि होळेगे बिद्द हागे.	१३१

पृ. क्र.

मळे नीरु बिट्टु मंजिन नीरिगे कै ओड्डिद हागे. ३०
मातु अडुता अडुता गौड अवरेकायि कोयिद. १९९
मानगेडिगे बुद्धिगेडि गेळेय. २७२
मान्य मान्यरेल्ल मण्णु मुक्कुवाग टोण्णेकाटतले हाकुत्तित्तु. २४
मुत्तिन चेलुवु कत्तेगे तिळिदीते ? ५४१
मुद्दिल्लद मनेयल्लि अज्ज अंबेगालिक्किद. ७
मूगिगिंत मूगुति भार. ६०१
मेलेल्ला तळकु, ओळगेल्ला हुळुकु. ५१७
मोदले कोळे, अदर मेले मळे. १९५
यारु इल्लद ऊरिगे अगसर माळिये मुत्तैदे. ७
यावूरो गौड अंदरे कंबळि मूरु रुपाई अंद. २३७
रक्षणे माड तिळियादिद्दरु भक्षणे माडबल्ल. २४६
रागि हिट्टु तिन्नुवुदोंडु काल, रवे हिट्टु तिन्नुवुदोंडु काल. २१५
राजर ठीवि, तिरुकर लक्षण. ४६८
रावणन होट्टेगे अरकासित मज्जिगे. १६७
रेक्के इल्ल पुक्क इल्ल गरुडैयङ्गारि. ८५
विद्यविल्ल, बुद्धियिल्ल, वर बुद्धिवंत. ८५
शानुभोग ऊरमुंदे बैदरे, कुळवाडि ओले मुंदे बैद. ५८७
श्रीगंधद कोरडु तेदष्टू परिमळ. ३७३
श्वानन मुंदे गान. ५४१
संते सूळेय नेच्चिन मनेय हेंडति बिट्ट. १६३
संते सूळेय नेच्चिन मनेय हेंडति बिट्ट. ३०
संबळक्कादरे मुंदु, चाकरिगादरे हिंदु. २४६
सगणि तिन्नुववगे मीसे तिक्कुववनोब्ब. ४६८
सण्ण तले, दोड्ड मुंडासु. ६०२
सरिमनेयाके सरिगे हाकिकोंडरे, नेरेमनेयाके उरुळु हाकिकोंडळु. ५५६
सरिसरियागिद्दरे सरिसरियागि नेंटरु. ५२९
सलिगेय नायि तले गेरितु. १७, २८६

पृ. क्र.

सवति गंड सायलि अंदरे मुंडे आगुववरु यारु ? ६०
स्वल्पद राजनिगे अल्पद मंत्री. २७२
साबरे होगुवाग गड्डक्के हेगे अंदरते. ७५
साल तलेहोरे, बड्डि बंडिहोरे. ६०२
सिक्कद द्राक्षि हुळि. १२४
सुळ्ळु देवरिगे कळ्ळ पूजारी. २७२
सूजि होगुवल्लि मुच्चि, कुम्बळकायि होगुवल्लि बिडु. ७५
सोंट मुरिद मेले नेंटरिल्ल, गंटल्लु मुरिद मेले रागविल्ल. ५२९
सौते हित्तिलिगे नरिय कावलु. ५६३
हंदि तोळेदरु केसरिनल्लि होरळोदु बिडदु. ३७३
हण्णिल्लद मरक्के कण्णिल्लद गिणि होद हागे. २७२
हण्णुतिंदव नुनुचिकोंड, सिप्पे तिंदव सिक्किकोंड. १८४
हत्तु कायिगे हन्नोंदु सुंकवे. ४७६
हदगे होगुवाग हेडिगेगेनु गति अंद हागे. २४
हनुमंतराय हग्ग तिन्नुवल्लि पूजारि शाविगे बयसिद. १६३
हनुमन मुंदे हारुव गुब्बिये ? २३३
हनुमन रच्छे इद्दम्यागे भरमन एनु माड्यानो. ५७३
हळ्ळि देवरिगे कोळ्ळि दीप. ४१०
हागलकायिगे बेविनकायि साक्षि. ३३८
हाळुंड मनेय करु सायलि अन्न बारदु. २८६
हाविगे हालेरेदरे तन्न विष बिट्टीते ? २८६, ३७३
हासिगे इद्दष्टु कालु चाचु. १०४
हाळूरिगे उळिदवने गौड. ७
हिंदे होदरे हेडि, मुंदे बंदरे गर्वि. १४१
हिंदे होदरे कुरे, मुंदे बंदरे बावि. १४१
हित्तल गिड मद्दल्ल. ३०६

	पृ. क्र.
हिन्दिनिन्द आने होगब्रहुदु, मुंदिनिंद नुसि होगबारदु.	७५
हुट्टद मगुविगे तोट्टिलु कट्टिद.	३१५
हुट्टु गुण सुट्टरु बिडदु.	३७३
हुट्टमने एकादशी, कोट्ट मने गोकुलाष्टमी.	१३१
हुलि नोडि नरि बरे हाकिकोंडितंते.	५५६
हुलिय कूड नरिगे सरसवे ?	२३३
हुलिय हागे आगबेकिन्त नरि मैसुट्टकोण्डन्ते.	५५६
हेत्तवरिगे हेग्गण मुद्दु, कूडिदवरिगे कोडग मुद्दु.	४६
हेसरु पोन्न हेग्गडे, हेसरिगे बेळे इल्ल.	८५
हेसरु मात्र गंगाभवानि, कुडियलु मात्र नीरिल्ल.	८५
हेसरु क्षीरसागर भट्ट, मज्जिगे नीरिगे तत्वार.	८६
हेळोनु हेड्ड, केळोनु किवुड्ड.	२७३
होट्टेगिल्लदे एकादशी.	१२४
होट्टेगे हिट्टिल्ल, जुट्टिगे मल्लिगे हू.	४६८
होट्टेयागिन कूसु होट्टेलिरुवागले पुट्टप्प अंत हेसरिट्टरु.	३१५
होत्तिल्लद होत्तिनल्लि तोत्तु मै नेरेदळु.	२०९
होरगे भक्ति, ओळगे कत्ति.	५९५
होळे दाटिद मेले अंबिगन भिंड.	२९७
होळे मूगावुद इरुवाग केर कळचुवुदुंटे ?	३१५
होळेयाचे हसुरु नोटक्के बलु हसनु.	४९०
होसदरल्लि अगस गोणियन्नु ओत्ति ओत्ति ओगेद.	५०६
हौदेंदरे बैय्युत्ताने अल्लवेंदरे होडेयुत्ताने.	१४१

मलयाळम्

अक्करे निल्कुम्बोल इक्करप्पच्चा.	४९०
अकत्तु कत्तियुं पुरत्तु पत्तियुं.	५९५
अग्रहारत्तिल् पिरन्नालुं नाय वेदमोतुकयिल्ल.	३७३
अङ्ङाटियिल् तोट्टतिन्नुं अम्मयोटो ?	९४
अङ्ङन्नेङ्ङान् वेळ्ळमोलुकुन्नतिनुं इङ्ङन्नेङ्ङान् चेरुप्पाळियक्कणो ?	३१५
अच्चियक्कुं कोञ्चुपक्षं नायरक्कुं इञ्चिपक्षं.	२७७
अच्छन् आनप्पुरत्तु कयरियाल् मकन्टे आसनत्तिल् तळम्पुण्टाकुमो ?	३२७
अच्छन् चत्तुं कट्टिलेरान् कोतियक्करुतुं.	२८६
अटिकोळ्ळान् चेण्ट पणं वाङ्ङान् मारार्.	२२७
अटुक्कु परयुन्नवनुं अञ्जालि, मुट्टं वेट्टुन्नवनुं मुन्नालि.	१६३
अट्टयक्कु कण्णुं कुतिरयक्कुं कोम्पुं कोटुत्तिरुन्नेन्किलो ?	२९१
अट्टयक्कु पोट्टक्कुळम्.	३७३
अतुमिल्ल इतुमिल्ल अम्मयुटे दीक्षयुमिल्ल.	१०८
अनच्च वेळ्ळत्तिल् वीणपूच्च पच्च वेळ्ळं कण्टालुं पेटियक्कुं.	४८७
अन्तियावोळं वेळ्ळं कोरि अन्तियक्कु कुटमिट्टुटच्चु.	२९८
अन्नमिट्ट वीट्टिल् कन्नं केट्टरुतुं.	२८६
अन्नविचारं मुन्नविचारं.	५२१
अन्नु किट्टुन्न आयिरं पोन्निलुं इन्नु किट्टुन्न अरक्काशु वलुतुं.	३०
अन्य कैयु तलयक्कु वेच्चाल् ओनुकोण्टुमुरयक्कयिल्ल.	५२
अन्यन्टे कण्णिले करटु नोक्करुतुं.	३८
अप्पन् चोट्टिनु करयुन्न, मकन् गोदानं चेय्युन्नु.	४६८
अम्म पोट्टिय मकलुं उम्म पोट्टिय कोळियुं.	१७

	पृ. क्र.
अरक्कुटं तुळुम्पुं, निर्रकुटं तुळुम्पुकयिल्ल.	१३
अरिमणियक्कु वकयिल्लात्तोनुँ तरिमणियक्कु आग्रहं.	४६८
अरियिंट्टु वेच्चुँ उमियक्कुं पिणङ्ङुकयो !	१६३
अरियुं तिन्नु, आशारिच्चियेयुं कटिच्चु, पिन्नेयुं नायक्काणु मुर्रुमुर्रुप्पुं.	१४५
अरियेत्र ! पयरञ्ञाळि.	२३७
अरियेर्रिञ्ञाल् आयिरं काक्क.	५३०
अरुक्कान् शक्तियिल्लात्तवन्टे अरयिल् अम्पतरिवाळ्.	४६८
अल्पन्नु अर्थं किट्टियाल् अर्द्धरात्रि कुट पिटियक्कुं.	१०२
अळकुळल चक्कयिल् चुळयिल्ल.	५१७
अवनवन्टे कुटिल् अवनवनुँ कोट्टारं.	४६
आर्टर्रियुमो अङ्ङाटि वाणिमम्.	३८७
आटान् वैय्यात्त नटि अरङ् मतियाविल्लेन्न परयुम्.	५११
आणिलात्त नाट्टिल् अम्पट्टन् राजावुँ.	७
आनचोरुन्नतर्रिकयिवक, कोतुकु चोरुन्नतर्रियुम्.	७५
आनयक्कोरुकालं वन्नाल् पूनयक्कोरु कालं वरुं.	२१६
आनयुटे इटपिल् आटो !	२३३
आनये पिटिक्कान् पोयि, पेनिने किट्टि.	५४९
आनवायिल् अम्पळङ्ङ.	१६७
आयिरं नायक्कळ् अकत्तु कटन्नु कळिञ्ञु, इनियेन्तिना वातिलटयक्कुन्नतुँ !	६८
आरान्टे अम्मयक्कुँ भ्रान्तु पिटिच्चाल् काणान् नल्ल रसं.	५००
आरान्टे पल्लिनेक्काळ् अवनवन्टे मोण नल्लतुँ.	३०
आरान्टे शकुनं पिळाण्यिक्कान् तन्टे मूक्कु मुर्रिच्चु कळयुक्यो ?	६०
आरु निरये वेळ्ळं पोयालुं नायक्कुँ नक्कित्तन्ने कुटियक्कणं.	३७३
आशान् वीणाल् अतुं ओरटवुँ.	१२६
आळेरे पोकुन्नतिनेक्काळ् तानेरे प्पोकनल्लू.	५२
इटं कोटुत्ताल् मठं पिटुङ्ङुम्.	११४
इटिच्चवळुं पोटिच्चवळुं इरियक्के, अेत्तिनोक्किकयवळ् कोण्टुपोयि.	२२८
इटिवेट्टियवने पाम्पु कटिच्चु.	१९५
इट्टियम्म चाटियाल् कोट्टियम्पलं वरे.	५८७
इनम् इनत्तिल् चेरुम् अेरण्ड वेळ्ळत्तिल् चेरुम्.	१७५
इन्चिव्यापारियक्केन्तिनुँ कप्पल वर्तमानं ?	३८७
इरिङ्ङल् पार् पोन्नायाल् पतितेवर्कुं.	१२४
इरुम्पिनु इरुम्पु केट्टुँ.	३८०
इलयक्कु मुम्पुं पटयक्कुँ पिम्पुं.	२४७
ईच्चतिन्नाल् पूच्चयुटे वयर् निर्रयुमो.	१६७
उण्णान् पटयुण्टुँ, वेट्टान् पटयिल्ल.	२४७
उप्पुं विट्टुनटक्कुन्नवनु कर्पूरत्तिन्टे विलयरियामो ?	५४१
उप्पुकोण्टु वेण्टतु कर्पूरं कोण्टरुतुँ.	३२३
उप्पु तिन्नवन् वेळ्ळं कुटियक्कुम्.	३९८
उरन्तपाम्पिनु परुत्त वटि.	४१०
उरलिलिरुन्नाल् उलक्क कोळ्ळुम.	११९
उरलु चेन्नुँ मद्दळत्तोटुँ.	२०५
उरियाटियाल् वाचाटि, अल्लेन्किल् ऊम.	१४१
उळ्ळ कञ्जियिलुं पाट्टवीगु.	१९६
उळ्ळियक्कुँ पालोळिच्चाल् उळ्नाट्टम् पोकुमो.	३७४
ऊट्टिनु मुम्पुं चूट्टिनु पिम्पुं.	२४७
ऊमरिल् कोञ्जन् महावाग्मी.	७
अेटुक्कात्त काशुँ भण्डारत्तिल्.	१२४
अेटुक्कानुं पिटियक्कानुं आळुन्टेन्किल् किटक्कान् क्षीणवुमुण्टुँ.	३१८
अेण्ग काणुम्पोळ् पुण्णु नार्रुम्.	३१८
अेण्णक्कुटत्तिनु चुट्टुम् एर्रुम्पुँ.	५३०
अेन्नुं पक्किट पन्त्रण्टल्ल.	२१५
अेम्प्राण्टे विळक्कत्तुँ वार्यण्टे अत्ताळं.	५००

	पृ. क्र.
अेलिय्क्कुँ प्राणवेदन; पूच्चय्क्कुँ विळयाट्टम्.	२५५
अेल्लुकायुन्नतुँ अेण्णय्क्कुँ, एलिक्काट्टं कायुन्नतो ?	५५६
अेल्लु चोरुन्नतुँ काण्णुं, आन चोरुन्नतुँ काणा.	७६
एतानुमुण्टेन्किल् आरानुमुण्टुँ.	५३०
ओक्कत्तिरिक्कुन्न कुट्टंय्ये तोट्टिल्लिल् तिरयुकयो ?	५४६
ओन्नु चीञ्ञाल् मट्टोन्निनुँ वळं.	२२८
ओरु कै कोण्डु कोट्टियाल् ओश केळ्किल्ल ?	२०२
ओरु चुविकोण्टु केट्टतुँ मरु चेवियिलूटे पोकुम्.	३३५
ओरु पट्टियक्कुँ ओरु पट्टिये कण्टुकूटा.	३८०
ओरु मारानुं उण्टुँ, ओम्पतु कोविलिल् कोट्टुकयुं वेणम्.	१७१
ओरु विरल् नोडि कूडुक इल्ल.	२०२
ओरु वेटिय्क्कु रण्टु पक्षि.	१९९
ओरे अच्चिल् वार्त्ततु.	१७५
ओट्टक्कलत्तिल् निन्नु अेच्चिल् कुळियिलेय्क्कुँ.	१३१
कच्चिट्टिरक्कानुं वय्या, मधुरिच्चिट्टु तुप्पानुं वय्या.	१४१
कटलिल् चेन्नालुं नाय नक्किये कुटिय्क्कू.	३७४
कट्टतु आरान्, कोनट्टिये केळुवेरिं.	१८४
कटिच्चतुमिल्ल, पिटिच्चतुमिल्ल.	१०९
कण्टाल् नल्लतुँ तिन्नान् कोळ्ळुकयिल्ल.	५१७
कय्यिल्लात्तवन् विरलिल्लात्तवने आक्षेपिय्क्कुन्नु.	३८
करयटुक्कुम्पोळ् तुळयिट्टुकळयोल्ल.	२९८
करिक्कट्ट कलुकुन्तोरुम् करुक्कुं.	३७४
कलुत कुळिच्चाल् कुतिरमाकुमो.	३७४
कळ्ळनु तोन्नुं कळ्ळबुद्धि.	३८७
कळ्ळने अरियू कळ्ळण्डे वळि.	३४५
कळ्ळने कळ्ळण्डे कालरियु.	३४५
कळ्ळने खजानावेल्पिय्क्कुक.	५६३
कळ्ळन्टे कैय्यिल् ताक्कोल्.	५६३
काक्क कुळिच्चाल् कोक्काकुमो ?	३७४
काक्क कूटु केट्टुं कुयिल् मुट्टयिटुम्.	५००
काक्कपिराकियाल् पोत्तु चाकुमो.	३३०
काक्कय्क्कुं तन्पिळ्ळ पोन् पिळ्ळ.	४६
काकक्कु तन् कुञ्ज पोन् कुञ्ज.	४६
काणान् नल्लतुँ कार्य्यत्तिनाका.	५१७
कार्यं काणान् कलुतक्कालुं पिटिय्क्कणं.	६०६
काल पणत्तिन्टे पूच्च मुक्काल् पणत्तिन्टे पाल् कुटिय्क्कुम्.	४७६
किट्टान् पोकुन्न तन्कत्तेक्काळ् किट्टिय नाकं नन्नु.	३०
कुटिच्चमुल् कटिय्क्करुतुँ.	२८६
कुप्पयिल् किटन्नालुं कनकं कनकं तन्ने.	३७४
कुरङ्ङन्टे कय्यिल् पूमाला.	५४२
कुरय्क्कुं पट्टि कटिय्क्कुकयिल्ल.	३०२
कुरुक्कन्टे कण्णेप्पोलुं कोळिक्कूट्टिल्.	६४२
कुरुक्कन्टे कयियल् कुटल् सूक्षिय्क्कान् कोटुक्कुक.	५६३
कुरुटन् नाट्टिल् कोंकणनन् राजावुं.	७
कुलतोटाराय्पोळ् तळप्पट्टु पोयि.	२०९
कूनिन् मेल कुरु.	१९६
कैयिल् वेण्णं वेच्चु नेय्कु अलेयुन्नो.	३०
कैविट्टाल् चंकरन् तेङ्ङिन्मेल.	३७४
कोट्टिक्कु काय कनमो ?	८८
कोटालिक्कै कुलत्तिनु केटुं.	३८०
कोळियेक्काळ् बुद्धि मुट्टय्क्कुँ.	३५३
कोळियेत्तल्लान् कुरुवटि.	३२३
गोहत्यक्कारनु ब्रह्महत्यक्कारन् साक्षी.	३३९
चण्टिक्कुतिरय्क्कुँ ञोण्टिक्कुतिरक्कारन्.	२७७
चत्ताल् तल तेक्कु पोलुं वटक्कु पोलुं.	९०
चन्दनक्कट्ट तेञ्ञालुं गंधं कुरयुमो ?	३७४
चिरमुरिञ्ञिट्टुँ अण केटटियिट्टुँ फलमेन्तुँ ?	६८

पृ. क्र.

चुण्टङ्ङ काल् पणं, चुमट्टु कूलि मुक्काल् पणं. ४७६
चुमक्कुन्नवने चुमटिन्टे भारमरियू. ३९८
चेट्टन्टनियन् कोन्तकुरुप्पु. २७३
चेम्मीन् तुळ्ळियालुं मुट्टोटनुमीते पोङ्ङा. ५८८
चोट्टयिले शीलं चुटलवरे. ३७४
चोरिट्ट कैयिल तिरिञ्ञु कटियक्कुरुतॆं. २८७
जात्यालुळ्ळतॆं तूत्ताल पोकुमो ? ३७४
जण्टु तेन रुचियरियुमो ? ५४२
तण्टे मूक्कु मुरिञालुम् आराण्टे शकुनम् मुटक्कणम्. ६१
तन् कैय्ये तनिक्कुत्तकू. ५२
तन्टे कण्णिल् कोलिरिय्क्के आरान्टे कण्णिले करटेटुक्कान् श्रमिय्क्करुतॆं ३८
तन्टे कय्ये तलय्क्कु वेच्चु कूटु. ५२
तन्टे पोन्निनॆं माट्टेरुं. ४६
तन्टे मीटं काञ्चिट्टॆं आरान्टे कण्णाटि पोळिय्क्करुतॆं. ९४
तन्टे मुतुकॆं तान अरियुनिल्ल. ३८
तन्निष्टं पोन्निष्टं; आरान्टिष्टं विम्मिष्टं. ४६
तन् बलं कण्टे अप्पलं केट्टावू. १०४
तरवाट्टिलेक्कारणवनॆं अटुक्कळयिलुं तुप्पां. ५७
तलयिल् वेचाल् पेन कटिय्क्कु, निलत्तु वेच्चाल् उरुम्प रिय्क्कुं. १४१
तल्लुन्न राजाविनु कोल्लुन्न मंत्री. २७३
तळ्ळ चविट्टियाल् पिळ्ळय्क्कॆं केटिल्ल. ८८
तळ्ळयेप्पोले पिळ्ळ नूलिनेप्पोले चेल. ४१५
तारिकत्तुम् पोळ बीडि कत्तिक्कय. २५५
तानुण्टे तन्रे वयर् निरयू. ५२
तानुन्टे तन्टे वयर् निरयू. ५२
ताराविने नोक्कान् कुरुक्कने एल्पिय्क्कुक. ५६३
तिन्न उप्पिनु कूरु वेणम्. ३९१

पृ. क्र.

तीक्कोळ्ळि कोण्टटिकोण्ट पूच्च मिन्नामिनुङ्ङिने क्काणुम्पोळ् पेडिय्क्कुं. ४८७
तीपिटिय्क्कुम्पोळ् कुळं कुलिच्चाल् पोरा. ६८
तूरान् मुट्टुम्पोळ् परम्पन्वेपिच्चाल् मतियो ? ६८
तूशिकय्त्तान् इटं कोटुत्ताल् तूम्पा कटत्तुं. ११४
तूशिकोण्टेटुक्केण्टतु तुम्पाकोण्टाक्करुतॆं. ३२३
तोट्टिलिले शीलं पट्टट वरे. ३७४
तोळिल् इरुन्नु चेवि तिन्नरुतॆं. २८७
दुष्टुळ्ळिटत्ते अट्ट कूटिय्क्कू. ३७५
दैवानुकूलं उण्टेन्किल् सर्वानुकूलं वरुं. ५७३
नदि ओलुकियाल् कटलिलोळम्. ५८८
ननचिरङ्ङियाल् पिन्ने चरिच्चु केट्टारुण्टो ? ११९
नयिच्चवने नष्टमरियू. ३९८
नरिथिन् कैयिल् कटच्चिये पोट्टुवान् कोटुत्त. ५६३
नाय कुरच्चाल् आकाश वीलुमो ? ३३०
नाययुटे वाल् पन्तीराण्टु कुळलिलिट्टालुं एटुक्कुम्पोळ् वळञ्चिट्टु तन्ने. ३७५
नाये पेटिच्चोटुन्नतॆं नरियुटे वायिलेय्क्कॆं. १३१
निरक्कुटम् तुळुम्बुक इल्लया. १३
नीन्तान् तुनिञ्चाल् आळ मरियणो ? ११९
नीरोलि केट्टॆं चेरुप्पळिय्क्कणो ? ३१५
नेय्यपं तिन्नाल् रण्टुटु कार्यमीटुं मिनुङ्ङ, वयरुं निरयुं. १९९
नोत्तवने नोवरियू. ३९८
पंचांगम् कीरियाल् उदयास्तमनम् मुटङ्ङुमो ? ३३०
पट पेटिच्चु पन्तळत्त चेन्नप्पोळ् पन्तवुं कोळुत्ति पट. १३१
पट्टुं वळयुं पणिय्क्कक्कें वेट्टुं कुत्तुं परिशय्क्कॆं. २२८
पण्टे दुर्ब्बला, पिन्नेयो गर्भिणी, पोराञ्चिट्टॆं बाधयुटे उपद्रववुं. १९६

	पृ. क्र.
पच्चियन्टे वेळ्ळुं पोयि, काक्कयुटे विशप्पुं मारि.	१९९
पळन्कञ्जि कुटिच्चालुं पत्रासुविटिल्ल.	४६८
पाक्कलमुटञ्ञाल् पूच्चयक्कु विळयाट्टं.	२५६
पाम्पिनु पालु कोटुत्तालुं विषं तन्ने छर्दिय्क्कुम्.	२८७
पाम्पिण्टे काल पाम्पे अरियू.	३४५
पालं कटक्कुवोळं नारायण, पालं कटन्नाल् कूरायण.	२९८
पिटिच्चतिने विट्टुं परक्कुन्नतिन् वऴिये पायरुतुं.	३०
पुतुकलत्तिल् ईच्च अटुक्कारिल्ल.	५३०
पुत्तन् पेण्णु पुरप्पुरं तूक्कुं.	५०६
पुरय्क्कु ती पिटिय्क्कुम्पोळ् किणरु कुऴिय्क्कुन्नु.	६८
पेट्टवळ्क्करियां प्रसववेदना.	३९८
पेरुं पोन्नम्मा कलुत्तिल् वाळनारुं.	८६
पोट्ट चक्किनुं ओण्टन् काळ.	२७३, ४१०
पोत्तिन्टे कटियुं तीरुं, काक्कयुटे विशप्पुं मारुं.	१९९
पोत्तिन्टे चेविक्तिल् किन्नरं वायिच्चिट्टेन्तु कार्यं.	५४२
पोरुक्का व्याधिय्क्कुं किट्टामरुन्नुं.	४१०
भजनं मूत्तुं ऊराण्मयो ?	११४
मकन् चत्तिट्टेन्किलुं मरुमकलुटे दुःखं काणणं.	६१
मरमिल्ला नाट्टिल् आवणक्कुं महामरम्.	७
माङ्ङ अरियान् माणिय्क्कक्कल्लो ?	३२३
मिण्टियाल् वायाटि, मिण्टातिरुन्नाल् ऊमन्.	१४१
मीशक्कु ती पिटिय्क्कुम्पोळ् बीडि कोलुत्तान् श्रमिय्क्कुक.	२५६
मुट्टत्ते मुल्लय्क्कुं मणमिल्ल.	३०६
मुयलिळकुम्पोळ् नायक्कुं काष्ठिप्पान् मुट्टुं.	२०९
मुरत्ते मुल्लय्क्कुं मणमिल्ल.	३०९
मुळ्ळेल्लनिन्नेटुत्तुं मुरुक्केलिट्टु.	१३१
मूक्करुत्तेन्किलुं शकुनप्पिळ काणिय्क्कणं.	६१
मूक्किल्लाराज्यत्तु मुरिमूकन् राजावुं.	७
रण्टु कैकूट्टिट्टिल्लियाले ओश केळ्क्कू.	२०२
वट्टिचेन्नुं मुरत्ते कुट्टं परयुं.	३९
वरुतिय्क्कोरु पोरुत्ति.	२१६
वित्तुमन्तुं मणिप्पूत्तिट्टुं ओट्टु नीरुळ्ळवरे परिहसिय्क्कुं	३९
विषं तीण्टियवन् चत्तप्पोळ् विषहारि अत्ति.	६८
विळक्किरिय्क्के तीय्क्कलयणो ?	५४६
वीट्टिले पट्टिक्कु शौर्यं कूटुं.	५७
वीणेटं कोण्टु विद्य.	१२७
वीणेटं विष्णुलोकं.	१२७
वेळ्ळरि तोट्टत्तिल् कुरुनरिये कावल्.	५६३
वेलयिल्लात्त अम्पट्टन् कलुतये पिटिच्चु चिरच्चु.	५६९
वैद्यन्टे अम्म पुलुत्ते चावू.	२६१
शक्करयिल् ईच्चपट्टुं.	५३०
सूचिकटत्तान् इटं कोटुत्ताल् अविटे कोटालि केट्टुं.	११४
सूर्यन् उदिच्चुवरुम्पोळ् पट्टि कुरच्चिट्टुं कार्यमेन्तुं ?	५७६
क्षीरं कोण्टु ननच्चालुं वेप्पिन्टे कयपु विटुमो ?	३७५

त्रि वे णी सं ग म के रा ष्ट्री य प्र का श न

प्रकाशित

भारतीय व्यवहार कोश
सोलह भाषाओं का शब्दकोश

भारतीय कहावत संग्रह
Proverbs of India
चा र खं डों में
पृष्ठ संख्या तीन खंड – २४००
मूल्य – ~~प्रत्येक खंड रु. १००~~/–
Price - ~~Each Vol. Rs. 100~~/-
पहले तीन खंडों का
अग्रिम मूल्य रु. २५०/–

आगामी

वंदेमातरम्
भारत की राष्ट्रीय कविता
National Poems of India

V. D. Narawane,
Chief Organiser,
TRIVENI SANGAM
Vishvaganga, 112/5 Prabhat Rd.
Pune – 4, Maharashtra